2316 Mt 12:28 god

2316 Mt 12:28 god

2316 Mt 12:4 god

2316 Mt 14:33 god

2316 Mt 15:3 god

2316 Mt 15:31 god

2316 Mt 15:4 god

2316 Mt 15:6 god

2316 Mt 16:16 god

2316 Mt 16:23 god

2316 Mt 19:17 god

2316 Mt 19:24 god

2316 Mt 19:26 god

2316 Mt 19:6 god

2316 Mt 1:23 god

2316 Mt 21:12 god

2316 Mt 21:31 god

2316 Mt 21:43 god

2316 Mt 22:16 god

2316 Mt 22:21 God's

2316 Mt 22:21 god

2316 Mt 22:29 god

2316 Mt 22:30 god

2316 Mt 22:31 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:37 god

2316 Mt 23:22 god

2316 Mt 26:61 god

2316 Mt 26:63 god

2316 Mt 26:63 god

2316 Mt 27:40 god

2316 Mt 27:43 god

2316 Mt 27:43 god

2316 Mt 27:46 god

2316 Mt 27:46 god

2316 Mt 27:54 god

2316 Mt 3:16 god

2316 Mt 3:9 god

2316 Mt 4:10 god

2316 Mt 4:3 god

2316 Mt 4:4 god

2316 Mt 4:6 god

2316 Mt 4:7 god

2316 Mt 5:34 God's

2316 Mt 5:8 god

2316 Mt 5:9 god

2316 Mt 6:24 god

2316 Mt 6:30 god

2316 Mt 6:33 god

2316 Mt 8:29 god

2316 Mt 9:8 god

2316 Mr 10:14 god

2316 Mr 10:15 god

2316 Mr 10:18 god

2316 Mr 10:23 god

2316 Mr 10:24 god

2316 Mr 10:25 god

2316 Mr 10:27 god

2316 Mr 10:27 god

2316 Mr 10:6 god

2316 Mr 10:9 god

2316 Mr 11:22 god

2316 Mr 12:14 god

2316 Mr 12:17 God's

2316 Mr 12:17 god

2316 Mr 12:24 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:27 god

2316 Mr 12:27 god

2316 Mr 12:29 god

2316 Mr 12:30 god

2316 Mr 12:32 god

2316 Mr 12:34 god

2316 Mr 13:19 god

2316 Mr 14:25 god

2316 Mr 15:34 god

2316 Mr 15:34 god

2316 Mr 15:39 god

2316 Mr 15:43 god

2316 Mr 16:19 god

2316 Mr 1:1 god

2316 Mr 1:14 god

2316 Mr 1:15 god

2316 Mr 1:24 god

2316 Mr 2:12 god

2316 Mr 2:26 god

2316 Mr 2:7 god

2316 Mr 3:11 god

2316 Mr 3:35 god

2316 Mr 4:11 god

2316 Mr 4:26 god

2316 Mr 4:30 god

2316 Mr 5:7 god

2316 Mr 5:7 god

2316 Mr 7:13 god

2316 Mr 7:8 god

2316 Mr 7:9 god

2316 Mr 8:33 god

2316 Mr 9:1 god

2316 Mr 9:47 god

2316 Lu 10:11 god

2316 Lu 10:27 god

2316 Lu 10:9 god

2316 Lu 11:20 god

2316 Lu 11:20 god

2316 Lu 11:28 god

2316 Lu 11:42 god

2316 Lu 11:49 god

2316 Lu 12:20 god

2316 Lu 12:21 god

2316 Lu 12:24 god

2316 Lu 12:28 god

2316 Lu 12:31 god

2316 Lu 12:6 god

2316 Lu 12:8 god

2316 Lu 12:9 god

2316 Lu 13:13 god

2316 Lu 13:18 god

2316 Lu 13:20 god

2316 Lu 13:28 god

2316 Lu 13:29 god

2316 Lu 14:15 god

2316 Lu 15:10 god

2316 Lu 16:13 god

2316 Lu 16:15 god

2316 Lu 16:15 god

2316 Lu 16:16 god

2316 Lu 17:15 god

2316 Lu 17:18 god

2316 Lu 17:20 god

2316 Lu 17:20 god

2316 Lu 17:21 god

2316 Lu 18:11 god

2316 Lu 18:13 god

2316 Lu 18:16 god

2316 Lu 18:17 god

2316 Lu 18:19 god

2316 Lu 18:2 god

2316 Lu 18:24 god

2316 Lu 18:25 god

2316 Lu 18:27 god

2316 Lu 18:29 God's

2316 Lu 18:4 god

2316 Lu 18:43 god

2316 Lu 18:43 god

2316 Lu 18:7 god

2316 Lu 19:11 god

2316 Lu 19:37 god

2316 Lu 1:16 god

2316 Lu 1:19 god

2316 Lu 1:26 god

2316 Lu 1:30 god

2316 Lu 1:32 god

2316 Lu 1:35 god

2316 Lu 1:37 god

2316 Lu 1:47 god

2316 Lu 1:6 god

2316 Lu 1:64 god

2316 Lu 1:68 god

2316 Lu 1:78 god

2316 Lu 1:8 god

2316 Lu 20:21 god

2316 Lu 20:25 God's

2316 Lu 20:25 god

2316 Lu 20:36 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:38 god

2316 Lu 21:31 god

2316 Lu 21:4 god

2316 Lu 22:16 god

2316 Lu 22:18 god

2316 Lu 22:69 god

2316 Lu 22:70 god

2316 Lu 23:35 god

2316 Lu 23:40 god

2316 Lu 23:47 god

2316 Lu 23:51 god

2316 Lu 24:19 god

2316 Lu 24:53 god

2316 Lu 2:13 god

2316 Lu 2:14 god

2316 Lu 2:20 god

2316 Lu 2:28 god

2316 Lu 2:40 god

2316 Lu 2:52 god

2316 Lu 3:2 god

2316 Lu 3:38 god

2316 Lu 3:6 god

2316 Lu 3:8 god

2316 Lu 4:12 god

2316 Lu 4:3 god

2316 Lu 4:34 god

2316 Lu 4:4 god

2316 Lu 4:41 god

2316 Lu 4:43 god

2316 Lu 4:8 god

2316 Lu 4:9 god

2316 Lu 5:1 god

2316 Lu 5:21 god

2316 Lu 5:25 god

2316 Lu 5:26 god

2316 Lu 6:12 god

2316 Lu 6:20 god

2316 Lu 6:4 god

2316 Lu 7:16 god

2316 Lu 7:16 god

2316 Lu 7:28 god

2316 Lu 7:29 god

2316 Lu 7:30 god

2316 Lu 8:1 god

2316 Lu 8:10 god

2316 Lu 8:11 god

2316 Lu 8:21 god

2316 Lu 8:28 god

2316 Lu 8:39 god

2316 Lu 9:11 god

2316 Lu 9:2 god

2316 Lu 9:20 god

2316 Lu 9:27 god

2316 Lu 9:43 god

2316 Lu 9:60 god

2316 Lu 9:62 god

2316 Joh 10:33 god

2316 Joh 10:34 gods

2316 Joh 10:35 gods

2316 Joh 10:35 god

2316 Joh 10:36 god

2316 Joh 11:22 god

2316 Joh 11:22 god

2316 Joh 11:27 god

2316 Joh 11:4 god

2316 Joh 11:4 god

2316 Joh 11:40 god

2316 Joh 11:52 god

2316 Joh 12:43 god

2316 Joh 13:3 god

2316 Joh 13:3 god

2316 Joh 13:31 god

2316 Joh 13:32 god

2316 Joh 13:32 god

2316 Joh 14:1 god

2316 Joh 16:2 god

2316 Joh 16:27 god

2316 Joh 16:30 god

2316 Joh 17:3 god

2316 Joh 19:7 god

2316 Joh 1:1 god

2316 Joh 1:1 god

2316 Joh 1:12 god

2316 Joh 1:13 god

2316 Joh 1:18 god

2316 Joh 1:2 god

2316 Joh 1:29 god

2316 Joh 1:34 god

2316 Joh 1:36 god

2316 Joh 1:49 god

2316 Joh 1:51 god

2316 Joh 1:6 god

2316 Joh 20:17 god

2316 Joh 20:17 god

2316 Joh 20:28 god

2316 Joh 20:31 god

2316 Joh 21:19 god

2316 Joh 3:16 god

2316 Joh 3:17 god

2316 Joh 3:18 god

2316 Joh 3:2 god

2316 Joh 3:2 god

2316 Joh 3:21 god

2316 Joh 3:3 god

2316 Joh 3:33 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:36 god

2316 Joh 3:5 god

2316 Joh 4:10 god

2316 Joh 4:24 god

2316 Joh 5:18 god

2316 Joh 5:18 god

2316 Joh 5:25 god

2316 Joh 5:42 god

2316 Joh 5:44 god

2316 Joh 6:27 god

2316 Joh 6:28 god

2316 Joh 6:29 god

2316 Joh 6:33 god

2316 Joh 6:45 god

2316 Joh 6:46 god

2316 Joh 6:69 god

2316 Joh 7:17 god

2316 Joh 8:40 god

2316 Joh 8:41 god

2316 Joh 8:42 god

2316 Joh 8:42 god

2316 Joh 8:47 God's

2316 Joh 8:47 god

2316 Joh 8:47 god

2316 Joh 8:54 god

2316 Joh 9:16 god

2316 Joh 9:24 god

2316 Joh 9:29 god

2316 Joh 9:3 god

2316 Joh 9:31 god

2316 Joh 9:33 god

2316 Joh 9:35 god

2316 Ac 10:15 god

2316 Ac 10:2 god

2316 Ac 10:2 god

2316 Ac 10:22 god

2316 Ac 10:28 god

2316 Ac 10:3 god

2316 Ac 10:31 god

2316 Ac 10:33 god

2316 Ac 10:33 god

2316 Ac 10:34 god

2316 Ac 10:38 god

2316 Ac 10:38 god

2316 Ac 10:4 god

2316 Ac 10:40 god

2316 Ac 10:41 god

2316 Ac 10:42 god

2316 Ac 10:46 god

2316 Ac 11:1 god

2316 Ac 11:17 god

2316 Ac 11:17 god

2316 Ac 11:18 god

2316 Ac 11:18 god

2316 Ac 11:23 god

2316 Ac 11:9 god

2316 Ac 12:22 god

2316 Ac 12:23 god

2316 Ac 12:24 god

2316 Ac 12:5 god

2316 Ac 13:16 god

2316 Ac 13:17 god

2316 Ac 13:21 god

2316 Ac 13:23 god

2316 Ac 13:26 god

2316 Ac 13:30 god

2316 Ac 13:33 god

2316 Ac 13:36 god

2316 Ac 13:37 god

2316 Ac 13:43 god

2316 Ac 13:44 god

2316 Ac 13:46 god

2316 Ac 13:5 god

2316 Ac 13:7 god

2316 Ac 14:11 gods

2316 Ac 14:15 god

2316 Ac 14:22 god

2316 Ac 14:26 god

2316 Ac 14:27 god

2316 Ac 15:10 god

2316 Ac 15:12 god

2316 Ac 15:14 god

2316 Ac 15:18 god

2316 Ac 15:19 god

2316 Ac 15:4 god

2316 Ac 15:40 god

2316 Ac 15:7 god

2316 Ac 15:8 god

2316 Ac 16:14 god

2316 Ac 16:17 god

2316 Ac 16:25 god

2316 Ac 16:34 god

2316 Ac 17:13 god

2316 Ac 17:23 GOD

2316 Ac 17:24 god

2316 Ac 17:29 god

2316 Ac 17:30 god

2316 Ac 18:11 god

2316 Ac 18:13 god

2316 Ac 18:21 god

2316 Ac 18:26 god

2316 Ac 18:7 god

2316 Ac 19:11 god

2316 Ac 19:26 gods

2316 Ac 19:8 god

2316 Ac 1:3 god

2316 Ac 20:21 god

2316 Ac 20:24 god

2316 Ac 20:25 god

2316 Ac 20:27 god

2316 Ac 20:28 god

2316 Ac 20:32 god

2316 Ac 21:19 god

2316 Ac 22:14 god

2316 Ac 22:3 god

2316 Ac 23:1 god

2316 Ac 23:3 god

2316 Ac 23:4 God's

2316 Ac 24:14 god

2316 Ac 24:15 god

2316 Ac 24:16 god

2316 Ac 26:18 god

2316 Ac 26:20 god

2316 Ac 26:22 god

2316 Ac 26:29 god

2316 Ac 26:6 god

2316 Ac 26:8 god

2316 Ac 27:23 god

2316 Ac 27:24 god

2316 Ac 27:25 god

2316 Ac 27:35 god

2316 Ac 28:15 god

2316 Ac 28:23 god

2316 Ac 28:28 god

2316 Ac 28:31 god

2316 Ac 28:6 god

2316 Ac 2:11 god

2316 Ac 2:17 god

2316 Ac 2:22 god

2316 Ac 2:22 god

2316 Ac 2:23 god

2316 Ac 2:24 god

2316 Ac 2:30 god

2316 Ac 2:32 god

2316 Ac 2:33 god

2316 Ac 2:36 god

2316 Ac 2:39 god

2316 Ac 2:47 god

2316 Ac 3:13 god

2316 Ac 3:13 god

2316 Ac 3:15 god

2316 Ac 3:18 god

2316 Ac 3:21 god

2316 Ac 3:22 god

2316 Ac 3:25 god

2316 Ac 3:26 god

2316 Ac 3:8 god

2316 Ac 3:9 god

2316 Ac 4:10 god

2316 Ac 4:19 god

2316 Ac 4:19 god

2316 Ac 4:21 god

2316 Ac 4:24 god

2316 Ac 4:24 god

2316 Ac 4:31 god

2316 Ac 5:29 god

2316 Ac 5:30 god

2316 Ac 5:31 god

2316 Ac 5:32 god

2316 Ac 5:39 god

2316 Ac 5:4 god

2316 Ac 6:11 god

2316 Ac 6:2 god

2316 Ac 6:7 god

2316 Ac 7:17 god

2316 Ac 7:2 god

2316 Ac 7:20 exceeding

2316 Ac 7:25 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:35 god

2316 Ac 7:37 god

2316 Ac 7:40 gods

2316 Ac 7:42 god

2316 Ac 7:43 god

2316 Ac 7:45 god

2316 Ac 7:46 god

2316 Ac 7:46 god

2316 Ac 7:55 god

2316 Ac 7:55 god

2316 Ac 7:56 god

2316 Ac 7:6 god

2316 Ac 7:7 god

2316 Ac 7:9 god

2316 Ac 8:10 god

2316 Ac 8:12 god

2316 Ac 8:14 god

2316 Ac 8:20 god

2316 Ac 8:21 god

2316 Ac 8:22 god

2316 Ac 8:37 god

2316 Ac 9:20 god

2316 Ro 10:1 god

2316 Ro 10:17 god

2316 Ro 10:2 god

2316 Ro 10:3 God's

2316 Ro 10:3 god

2316 Ro 10:9 god

2316 Ro 11:1 god

2316 Ro 11:2 god

2316 Ro 11:2 god

2316 Ro 11:21 god

2316 Ro 11:22 god

2316 Ro 11:23 god

2316 Ro 11:29 god

2316 Ro 11:30 god

2316 Ro 11:32 god

2316 Ro 11:33 god

2316 Ro 11:8 god

2316 Ro 12:1 god

2316 Ro 12:1 god

2316 Ro 12:2 god

2316 Ro 12:3 god

2316 Ro 13:1 god

2316 Ro 13:1 god

2316 Ro 13:2 god

2316 Ro 13:4 god

2316 Ro 13:4 god

2316 Ro 13:6 God's

2316 Ro 14:11 god

2316 Ro 14:12 god

2316 Ro 14:17 god

2316 Ro 14:18 god

2316 Ro 14:20 god

2316 Ro 14:22 god

2316 Ro 14:3 god

2316 Ro 14:4 god

2316 Ro 14:6 god

2316 Ro 14:6 god

2316 Ro 15:13 god

2316 Ro 15:15 god

2316 Ro 15:16 god

2316 Ro 15:17 god

2316 Ro 15:19 god

2316 Ro 15:30 god

2316 Ro 15:32 god

2316 Ro 15:33 god

2316 Ro 15:5 god

2316 Ro 15:6 god

2316 Ro 15:7 god

2316 Ro 15:8 god

2316 Ro 15:9 god

2316 Ro 16:20 god

2316 Ro 16:26 god

2316 Ro 16:27 god

2316 Ro 1:1 god

2316 Ro 1:10 god

2316 Ro 1:16 god

2316 Ro 1:17 god

2316 Ro 1:18 god

2316 Ro 1:19 god

2316 Ro 1:19 god

2316 Ro 1:21 god

2316 Ro 1:21 god

2316 Ro 1:23 god

2316 Ro 1:24 god

2316 Ro 1:25 god

2316 Ro 1:26 god

2316 Ro 1:28 god

2316 Ro 1:28 god

2316 Ro 1:32 god

2316 Ro 1:4 god

2316 Ro 1:7 god

2316 Ro 1:7 god

2316 Ro 1:8 god

2316 Ro 1:9 god

2316 Ro 2:11 god

2316 Ro 2:13 god

2316 Ro 2:16 god

2316 Ro 2:17 god

2316 Ro 2:2 god

2316 Ro 2:23 god

2316 Ro 2:24 god

2316 Ro 2:29 god

2316 Ro 2:3 god

2316 Ro 2:4 god

2316 Ro 2:5 god

2316 Ro 3:11 god

2316 Ro 3:18 god

2316 Ro 3:19 god

2316 Ro 3:2 god

2316 Ro 3:21 god

2316 Ro 3:22 god

2316 Ro 3:23 god

2316 Ro 3:25 god

2316 Ro 3:25 god

2316 Ro 3:29 god

2316 Ro 3:3 god

2316 Ro 3:30 god

2316 Ro 3:4 god

2316 Ro 3:5 god

2316 Ro 3:5 god

2316 Ro 3:6 god

2316 Ro 3:7 god

2316 Ro 4:17 god

2316 Ro 4:2 god

2316 Ro 4:20 god

2316 Ro 4:20 god

2316 Ro 4:3 god

2316 Ro 4:6 god

2316 Ro 5:1 god

2316 Ro 5:10 god

2316 Ro 5:11 god

2316 Ro 5:15 god

2316 Ro 5:2 god

2316 Ro 5:5 god

2316 Ro 5:8 god

2316 Ro 6:10 god

2316 Ro 6:11 god

2316 Ro 6:13 god

2316 Ro 6:13 god

2316 Ro 6:17 god

2316 Ro 6:22 god

2316 Ro 6:23 god

2316 Ro 7:22 god

2316 Ro 7:25 god

2316 Ro 7:25 god

2316 Ro 7:4 god

2316 Ro 8:14 god

2316 Ro 8:14 god

2316 Ro 8:16 god

2316 Ro 8:17 god

2316 Ro 8:19 god

2316 Ro 8:21 god

2316 Ro 8:27 god

2316 Ro 8:28 god

2316 Ro 8:3 god

2316 Ro 8:31 god

2316 Ro 8:33 God's

2316 Ro 8:33 god

2316 Ro 8:34 god

2316 Ro 8:39 god

2316 Ro 8:7 god

2316 Ro 8:7 god

2316 Ro 8:8 god

2316 Ro 8:9 god

2316 Ro 9:11 god

2316 Ro 9:14 god

2316 Ro 9:16 god

2316 Ro 9:20 god

2316 Ro 9:22 god

2316 Ro 9:26 god

2316 Ro 9:5 god

2316 Ro 9:6 god

2316 Ro 9:8 god

2316 1Co 10:13 god

2316 1Co 10:20 god

2316 1Co 10:31 god

2316 1Co 10:32 god

2316 1Co 10:5 god

2316 1Co 11:12 god

2316 1Co 11:13 god

2316 1Co 11:16 god

2316 1Co 11:22 god

2316 1Co 11:3 god

2316 1Co 11:7 god

2316 1Co 12:18 god

2316 1Co 12:24 god

2316 1Co 12:28 god

2316 1Co 12:3 god

2316 1Co 12:6 god

2316 1Co 14:18 god

2316 1Co 14:2 god

2316 1Co 14:25 god

2316 1Co 14:25 god

2316 1Co 14:28 god

2316 1Co 14:33 god

2316 1Co 14:36 god

2316 1Co 15:10 god

2316 1Co 15:10 god

2316 1Co 15:15 god

2316 1Co 15:15 god

2316 1Co 15:24 god

2316 1Co 15:28 god

2316 1Co 15:34 god

2316 1Co 15:38 god

2316 1Co 15:50 god

2316 1Co 15:57 god

2316 1Co 15:9 god

2316 1Co 1:1 god

2316 1Co 1:14 god

2316 1Co 1:18 god

2316 1Co 1:2 god

2316 1Co 1:20 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:24 god

2316 1Co 1:24 god

2316 1Co 1:25 god

2316 1Co 1:25 god

2316 1Co 1:27 god

2316 1Co 1:27 god

2316 1Co 1:28 god

2316 1Co 1:3 god

2316 1Co 1:30 god

2316 1Co 1:4 god

2316 1Co 1:4 god

2316 1Co 1:9 god

2316 1Co 2:1 god

2316 1Co 2:10 god

2316 1Co 2:10 god

2316 1Co 2:11 god

2316 1Co 2:11 god

2316 1Co 2:12 god

2316 1Co 2:12 god

2316 1Co 2:14 god

2316 1Co 2:5 god

2316 1Co 2:7 god

2316 1Co 2:7 god

2316 1Co 2:9 god

2316 1Co 3:10 god

2316 1Co 3:16 god

2316 1Co 3:16 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:19 god

2316 1Co 3:23 God's

2316 1Co 3:6 god

2316 1Co 3:7 god

2316 1Co 3:9 God's

2316 1Co 3:9 God's

2316 1Co 3:9 god

2316 1Co 4:1 god

2316 1Co 4:20 god

2316 1Co 4:5 god

2316 1Co 4:9 god

2316 1Co 5:13 god

2316 1Co 6:10 god

2316 1Co 6:11 god

2316 1Co 6:13 god

2316 1Co 6:14 god

2316 1Co 6:19 god

2316 1Co 6:20 God's

2316 1Co 6:20 god

2316 1Co 6:9 god

2316 1Co 7:15 god

2316 1Co 7:17 god

2316 1Co 7:19 god

2316 1Co 7:24 god

2316 1Co 7:40 god

2316 1Co 7:7 god

2316 1Co 8:3 god

2316 1Co 8:4 god

2316 1Co 8:5 gods

2316 1Co 8:5 gods

2316 1Co 8:6 god

2316 1Co 8:8 god

2316 1Co 9:21 god

2316 1Co 9:9 god

2316 2Co 10:13 god

2316 2Co 10:4 god

2316 2Co 10:5 god

2316 2Co 11:11 god

2316 2Co 11:2 godly

2316 2Co 11:31 god

2316 2Co 11:7 god

2316 2Co 12:19 god

2316 2Co 12:2 god

2316 2Co 12:21 god

2316 2Co 12:3 god

2316 2Co 13:11 god

2316 2Co 13:14 god

2316 2Co 13:4 god

2316 2Co 13:4 god

2316 2Co 13:7 god

2316 2Co 1:1 god

2316 2Co 1:1 god

2316 2Co 1:12 godly

2316 2Co 1:12 god

2316 2Co 1:18 god

2316 2Co 1:19 god

2316 2Co 1:2 god

2316 2Co 1:20 god

2316 2Co 1:20 god

2316 2Co 1:21 god

2316 2Co 1:23 god

2316 2Co 1:3 god

2316 2Co 1:3 god

2316 2Co 1:4 god

2316 2Co 1:9 god

2316 2Co 2:14 god

2316 2Co 2:15 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 3:3 god

2316 2Co 3:4 God-ward

2316 2Co 3:5 god

2316 2Co 4:15 god

2316 2Co 4:2 god

2316 2Co 4:2 god

2316 2Co 4:4 god

2316 2Co 4:4 god

2316 2Co 4:6 god

2316 2Co 4:6 god

2316 2Co 4:7 god

2316 2Co 5:1 god

2316 2Co 5:11 god

2316 2Co 5:13 god

2316 2Co 5:18 god

2316 2Co 5:19 god

2316 2Co 5:20 god

2316 2Co 5:20 god

2316 2Co 5:21 god

2316 2Co 5:5 god

2316 2Co 6:1 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:4 god

2316 2Co 6:7 god

2316 2Co 7:1 god

2316 2Co 7:10 godly

2316 2Co 7:11 godly

2316 2Co 7:12 god

2316 2Co 7:6 god

2316 2Co 7:9 godly

2316 2Co 8:1 god

2316 2Co 8:16 god

2316 2Co 8:5 god

2316 2Co 9:11 god

2316 2Co 9:12 god

2316 2Co 9:13 god

2316 2Co 9:14 god

2316 2Co 9:15 god

2316 2Co 9:7 god

2316 2Co 9:8 god

2316 Ga 1:1 god

2316 Ga 1:10 god

2316 Ga 1:13 god

2316 Ga 1:15 god

2316 Ga 1:20 god

2316 Ga 1:24 god

2316 Ga 1:3 god

2316 Ga 1:4 god

2316 Ga 2:19 god

2316 Ga 2:20 god

2316 Ga 2:21 god

2316 Ga 2:6 god

2316 Ga 3:11 god

2316 Ga 3:17 god

2316 Ga 3:18 god

2316 Ga 3:20 god

2316 Ga 3:21 god

2316 Ga 3:26 god

2316 Ga 3:6 god

2316 Ga 3:8 god

2316 Ga 4:14 god

2316 Ga 4:4 god

2316 Ga 4:6 god

2316 Ga 4:7 god

2316 Ga 4:8 gods

2316 Ga 4:8 god

2316 Ga 4:9 god

2316 Ga 4:9 god

2316 Ga 5:21 god

2316 Ga 6:16 god

2316 Ga 6:7 god

2316 Eph 1:1 god

2316 Eph 1:17 god

2316 Eph 1:2 god

2316 Eph 1:3 god

2316 Eph 2:10 god

2316 Eph 2:16 god

2316 Eph 2:19 god

2316 Eph 2:22 god

2316 Eph 2:4 god

2316 Eph 2:8 god

2316 Eph 3:10 god

2316 Eph 3:19 god

2316 Eph 3:2 god

2316 Eph 3:7 god

2316 Eph 3:9 god

2316 Eph 4:13 god

2316 Eph 4:18 god

2316 Eph 4:24 god

2316 Eph 4:30 god

2316 Eph 4:32 god

2316 Eph 4:6 god

2316 Eph 5:1 god

2316 Eph 5:2 god

2316 Eph 5:20 god

2316 Eph 5:21 god

2316 Eph 5:5 god

2316 Eph 5:6 god

2316 Eph 6:11 god

2316 Eph 6:13 god

2316 Eph 6:17 god

2316 Eph 6:23 god

2316 Eph 6:6 god

2316 Php 1:11 god

2316 Php 1:2 god

2316 Php 1:28 god

2316 Php 1:3 god

2316 Php 1:8 god

2316 Php 2:11 god

2316 Php 2:13 god

2316 Php 2:15 god

2316 Php 2:27 god

2316 Php 2:6 god

2316 Php 2:6 god

2316 Php 2:9 god

2316 Php 3:14 god

2316 Php 3:15 god

2316 Php 3:19 god

2316 Php 3:3 god

2316 Php 3:9 god

2316 Php 4:18 god

2316 Php 4:19 god

2316 Php 4:20 god

2316 Php 4:6 god

2316 Php 4:7 god

2316 Php 4:9 god

2316 Col 1:1 god

2316 Col 1:10 god

2316 Col 1:15 god

2316 Col 1:2 god

2316 Col 1:25 god

2316 Col 1:25 god

2316 Col 1:27 god

2316 Col 1:3 god

2316 Col 1:6 god

2316 Col 2:12 god

2316 Col 2:19 god

2316 Col 2:2 god

2316 Col 3:1 god

2316 Col 3:12 god

2316 Col 3:15 god

2316 Col 3:17 god

2316 Col 3:22 god

2316 Col 3:3 god

2316 Col 3:6 god

2316 Col 4:11 god

2316 Col 4:12 god

2316 Col 4:3 god

2316 1Th 1:1 god

2316 1Th 1:1 god

2316 1Th 1:2 god

2316 1Th 1:3 god

2316 1Th 1:4 god

2316 1Th 1:8 God-ward

2316 1Th 1:9 god

2316 1Th 1:9 god

2316 1Th 2:10 god

2316 1Th 2:12 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:14 god

2316 1Th 2:15 god

2316 1Th 2:2 god

2316 1Th 2:2 god

2316 1Th 2:4 god

2316 1Th 2:4 god

2316 1Th 2:5 god

2316 1Th 2:8 god

2316 1Th 2:9 god

2316 1Th 3:11 god

2316 1Th 3:13 god

2316 1Th 3:2 god

2316 1Th 3:9 god

2316 1Th 3:9 god

2316 1Th 4:1 god

2316 1Th 4:14 god

2316 1Th 4:16 god

2316 1Th 4:3 god

2316 1Th 4:5 god

2316 1Th 4:7 god

2316 1Th 4:8 god

2316 1Th 5:18 god

2316 1Th 5:23 god

2316 1Th 5:9 god

2316 2Th 1:1 god

2316 2Th 1:11 god

2316 2Th 1:12 god

2316 2Th 1:2 god

2316 2Th 1:3 god

2316 2Th 1:4 god

2316 2Th 1:5 god

2316 2Th 1:5 god

2316 2Th 1:6 god

2316 2Th 1:8 god

2316 2Th 2:11 god

2316 2Th 2:13 god

2316 2Th 2:13 god

2316 2Th 2:16 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 3:5 god

2316 1Ti 1:1 god

2316 1Ti 1:11 god

2316 1Ti 1:17 god

2316 1Ti 1:2 god

2316 1Ti 1:4 godly

2316 1Ti 2:3 god

2316 1Ti 2:5 god

2316 1Ti 2:5 god

2316 1Ti 3:15 god

2316 1Ti 3:15 god

2316 1Ti 3:16 god

2316 1Ti 3:5 god

2316 1Ti 4:10 god

2316 1Ti 4:3 god

2316 1Ti 4:4 god

2316 1Ti 4:5 god

2316 1Ti 5:21 god

2316 1Ti 5:4 god

2316 1Ti 5:5 god

2316 1Ti 6:1 god

2316 1Ti 6:11 god

2316 1Ti 6:13 god

2316 1Ti 6:17 god

2316 2Ti 1:1 god

2316 2Ti 1:2 god

2316 2Ti 1:3 god

2316 2Ti 1:6 god

2316 2Ti 1:7 god

2316 2Ti 1:8 god

2316 2Ti 2:15 god

2316 2Ti 2:19 god

2316 2Ti 2:25 god

2316 2Ti 2:9 god

2316 2Ti 3:17 god

2316 2Ti 4:1 god

2316 Tit 1:1 God's

2316 Tit 1:1 god

2316 Tit 1:16 god

2316 Tit 1:2 god

2316 Tit 1:3 god

2316 Tit 1:4 god

2316 Tit 1:7 god

2316 Tit 2:10 god

2316 Tit 2:11 god

2316 Tit 2:13 god

2316 Tit 2:5 god

2316 Tit 3:4 god

2316 Tit 3:8 god

2316 Phm 1:3 god

2316 Phm 1:4 god

2316 Heb 10:12 god

2316 Heb 10:21 god

2316 Heb 10:29 god

2316 Heb 10:31 god

2316 Heb 10:36 god

2316 Heb 10:7 god

2316 Heb 10:9 god

2316 Heb 11:10 god

2316 Heb 11:16 god

2316 Heb 11:16 god

2316 Heb 11:19 god

2316 Heb 11:25 god

2316 Heb 11:3 god

2316 Heb 11:4 god

2316 Heb 11:4 god

2316 Heb 11:40 god

2316 Heb 11:5 god

2316 Heb 11:5 god

2316 Heb 11:6 god

2316 Heb 12:15 god

2316 Heb 12:2 god

2316 Heb 12:22 god

2316 Heb 12:23 god

2316 Heb 12:28 god

2316 Heb 12:29 god

2316 Heb 12:7 god

2316 Heb 13:15 god

2316 Heb 13:16 god

2316 Heb 13:20 god

2316 Heb 13:4 god

2316 Heb 13:7 god

2316 Heb 1:1 god

2316 Heb 1:6 god

2316 Heb 1:8 god

2316 Heb 1:9 god

2316 Heb 1:9 god

2316 Heb 2:13 god

2316 Heb 2:17 god

2316 Heb 2:4 god

2316 Heb 2:9 god

2316 Heb 3:12 god

2316 Heb 3:4 god

2316 Heb 4:10 god

2316 Heb 4:12 god

2316 Heb 4:14 god

2316 Heb 4:4 god

2316 Heb 4:9 god

2316 Heb 5:1 god

2316 Heb 5:10 god

2316 Heb 5:12 god

2316 Heb 5:4 god

2316 Heb 6:1 god

2316 Heb 6:10 god

2316 Heb 6:13 god

2316 Heb 6:17 god

2316 Heb 6:18 god

2316 Heb 6:3 god

2316 Heb 6:5 god

2316 Heb 6:6 god

2316 Heb 6:7 god

2316 Heb 7:1 god

2316 Heb 7:19 god

2316 Heb 7:25 god

2316 Heb 7:3 god

2316 Heb 8:10 god

2316 Heb 9:14 god

2316 Heb 9:14 god

2316 Heb 9:20 god

2316 Heb 9:24 god

2316 Jas 1:1 god

2316 Jas 1:13 god

2316 Jas 1:13 god

2316 Jas 1:20 god

2316 Jas 1:27 god

2316 Jas 1:5 god

2316 Jas 2:19 god

2316 Jas 2:23 god

2316 Jas 2:23 god

2316 Jas 2:5 god

2316 Jas 3:9 god

2316 Jas 3:9 god

2316 Jas 4:4 god

2316 Jas 4:4 god

2316 Jas 4:6 god

2316 Jas 4:7 god

2316 Jas 4:8 god

2316 1Pe 1:2 god

2316 1Pe 1:21 god

2316 1Pe 1:21 god

2316 1Pe 1:23 god

2316 1Pe 1:3 god

2316 1Pe 1:5 god

2316 1Pe 2:10 god

2316 1Pe 2:12 god

2316 1Pe 2:15 god

2316 1Pe 2:16 god

2316 1Pe 2:17 god

2316 1Pe 2:19 god

2316 1Pe 2:20 god

2316 1Pe 2:4 god

2316 1Pe 2:5 god

2316 1Pe 3:15 god

2316 1Pe 3:17 god

2316 1Pe 3:18 god

2316 1Pe 3:20 god

2316 1Pe 3:21 god

2316 1Pe 3:22 god

2316 1Pe 3:4 god

2316 1Pe 3:5 god

2316 1Pe 4:10 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:14 god

2316 1Pe 4:16 god

2316 1Pe 4:17 god

2316 1Pe 4:17 god

2316 1Pe 4:19 god

2316 1Pe 4:2 god

2316 1Pe 4:6 god

2316 1Pe 5:10 god

2316 1Pe 5:12 god

2316 1Pe 5:2 god

2316 1Pe 5:3 God's

2316 1Pe 5:5 god

2316 1Pe 5:6 god

2316 2Pe 1:1 god

2316 2Pe 1:17 god

2316 2Pe 1:2 god

2316 2Pe 1:21 god

2316 2Pe 2:4 god

2316 2Pe 3:12 god

2316 2Pe 3:5 god

2316 1Jo 1:5 god

2316 1Jo 2:14 god

2316 1Jo 2:17 god

2316 1Jo 2:5 god

2316 1Jo 3:1 god

2316 1Jo 3:10 god

2316 1Jo 3:10 god

2316 1Jo 3:17 god

2316 1Jo 3:2 god

2316 1Jo 3:20 god

2316 1Jo 3:21 god

2316 1Jo 3:8 god

2316 1Jo 3:9 god

2316 1Jo 3:9 god

2316 1Jo 4:1 god

2316 1Jo 4:10 god

2316 1Jo 4:11 god

2316 1Jo 4:12 god

2316 1Jo 4:12 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:2 god

2316 1Jo 4:2 god

2316 1Jo 4:20 god

2316 1Jo 4:20 god

2316 1Jo 4:21 god

2316 1Jo 4:3 god

2316 1Jo 4:4 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:8 god

2316 1Jo 4:8 god

2316 1Jo 4:9 god

2316 1Jo 4:9 god

2316 1Jo 5:1 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:11 god

2316 1Jo 5:12 god

2316 1Jo 5:13 god

2316 1Jo 5:13 god

2316 1Jo 5:18 god

2316 1Jo 5:18 god

2316 1Jo 5:19 god

2316 1Jo 5:2 god

2316 1Jo 5:2 god

2316 1Jo 5:20 god

2316 1Jo 5:20 god

2316 1Jo 5:3 god

2316 1Jo 5:4 god

2316 1Jo 5:5 god

2316 1Jo 5:9 god

2316 1Jo 5:9 god

2316 2Jo 1:3 god

2316 2Jo 1:9 god

2316 3Jo 1:11 god

2316 3Jo 1:11 god

2316 3Jo 1:6 godly

2316 Jude 1:1 god

2316 Jude 1:21 god

2316 Jude 1:25 god

2316 Jude 1:4 god

2316 Jude 1:4 god

2316 Re 10:7 god

2316 Re 11:1 god

2316 Re 11:11 god

2316 Re 11:13 god

2316 Re 11:16 god

2316 Re 11:16 god

2316 Re 11:17 god

2316 Re 11:19 god

2316 Re 11:4 god

2316 Re 12:10 god

2316 Re 12:10 god

2316 Re 12:17 god

2316 Re 12:5 god

2316 Re 12:6 god

2316 Re 13:6 god

2316 Re 14:10 god

2316 Re 14:12 god

2316 Re 14:19 god

2316 Re 14:4 god

2316 Re 14:5 god

2316 Re 14:7 god

2316 Re 15:1 god

2316 Re 15:2 god

2316 Re 15:3 god

2316 Re 15:3 god

2316 Re 15:7 god

2316 Re 15:8 god

2316 Re 16:1 god

2316 Re 16:11 god

2316 Re 16:14 god

2316 Re 16:19 god

2316 Re 16:21 god

2316 Re 16:7 god

2316 Re 16:9 god

2316 Re 17:17 god

2316 Re 17:17 god

2316 Re 18:20 god

2316 Re 18:5 god

2316 Re 18:8 god

2316 Re 19:1 god

2316 Re 19:10 god

2316 Re 19:13 god

2316 Re 19:15 god

2316 Re 19:17 god

2316 Re 19:4 god

2316 Re 19:5 god

2316 Re 19:6 god

2316 Re 19:9 god

2316 Re 1:1 god

2316 Re 1:2 god

2316 Re 1:6 god

2316 Re 1:9 god

2316 Re 20:12 god

2316 Re 20:4 god

2316 Re 20:6 god

2316 Re 20:9 god

2316 Re 21:10 god

2316 Re 21:11 god

2316 Re 21:2 god

2316 Re 21:22 god

2316 Re 21:23 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:4 god

2316 Re 21:7 god

2316 Re 22:1 god

2316 Re 22:18 god

2316 Re 22:19 god

2316 Re 22:3 god

2316 Re 22:5 god

2316 Re 22:6 god

2316 Re 22:9 god

2316 Re 2:18 god

2316 Re 2:7 god

2316 Re 3:1 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:14 god

2316 Re 3:2 god

2316 Re 4:5 god

2316 Re 4:8 god

2316 Re 5:10 god

2316 Re 5:6 god

2316 Re 5:9 god

2316 Re 6:9 god

2316 Re 7:10 god

2316 Re 7:11 god

2316 Re 7:12 god

2316 Re 7:15 god

2316 Re 7:17 god

2316 Re 7:2 god

2316 Re 7:3 god

2316 Re 8:2 god

2316 Re 8:4 god

2316 Re 9:13 god

2316 Re 9:4 god

2316. Strong's Dictionary Study

2316. theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: --X exceeding, God, god[-ly, -ward].[ql

~~~~~~

 2316 -- X exceeding, God, god[-ly, -ward].

2316   Interlinear Index Study
~~~~~~

2316 MAT 001 023 Behold <2400 -idou -> , a virgin <3933 -parthenos -> shall be with child <1064 -gaster -> , and shall bring <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> a son <5207 -huios -> , and they shall call <2564 -kaleo -> his name <3686 -onoma -> Emmanuel <1694 -Emmanouel -> , which <3739 -hos -> being interpreted <3177 -methermeneuo -> is , God <{2316} -theos -> with us .

2316 MAT 003 009 And think <1380 -dokeo -> not to say <3004 -lego -> within <1722 -en -> yourselves <1438 -heautou -> , We have <2192 -echo -> Abraham <0011 -Abraam ->to [our] father <3962 -pater -> : for I say <3004 -lego -> unto you , that God <{2316} -theos -> is able <1410 -dunamai -> of these <5130 -touton -> stones <3037 -lithos -> to raise <1453 -egeiro -> up children <5043 -teknon -> unto Abraham <11> .

2316 MAT 003 016 And Jesus <2424 -Iesous -> , when he was baptized <0907 -baptizo -> , went <0305 -anabaino -> up straightway <2117 -euthus -> out of the water <5204 -hudor -> : and , lo <2400 -idou -> , the heavens <3772 -ouranos -> were opened <0455 -anoigo -> unto him , and he saw <1492 -eido -> the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> descending <2597 -katabaino -> like <5616 -hosei -> a dove <4058 -peristera -> , and lighting <2064 -erchomai -> upon him :

2316 MAT 004 003 And when the tempter <3985 -peirazo -> came <4334 -proserchomai -> to him , he said <2036 -epo -> , If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , command <2036 -epo -> that these <3778 -houtos -> stones <3037 -lithos -> be made <1096 -ginomai -> bread <0740 -artos -> .

2316 MAT 004 004 But he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , It is written <1125 -grapho -> , Man <0444 -anthropos -> shall not live <2198 -zao -> by bread <0740 -artos -> alone <3441 -monos -> , but by every <3956 -pas -> word <4487 -rhema -> that proceedeth <1607 -ekporeuomai -> out of the mouth <4750 -stoma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 004 006 And saith <3004 -lego -> unto him , If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , cast <0906 -ballo -> thyself <4572 -seautou -> down <2736 -kato -> : for it is written <1125 -grapho -> , He shall give his angels <0032 -aggelos -> charge <1781 -entellomai -> concerning <4012 -peri -> thee : and in [their] hands <5495 -cheir -> they shall bear <0142 -airo -> thee up , lest <3379 -mepote -> at <3379 -mepote -> any <3379 -mepote -> time <3379 -mepote -> thou dash <4350 -proskopto -> thy foot <4228 -pous -> against <4314 -pros -> a stone <3037 -lithos -> .

2316 MAT 004 007 Jesus <2424 -Iesous -> said <5346 -phemi -> unto him , It is written <1125 -grapho -> again <3825 -palin -> , Thou shalt not tempt <1598 -ekpeirazo -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 004 010 Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> Jesus <2424 -Iesous -> unto him , Get <5217 -hupago -> thee hence <5217 -hupago -> , Satan <4567 -Satanas -> : for it is written <1125 -grapho -> , Thou shalt worship <4352 -proskuneo -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> , and him only <3441 -monos -> shalt thou serve <3000 -latreuo -> .

2316 MAT 005 008 Blessed <3107 -makarios -> [are] the pure

<2513 -katharos -> in heart <2588 -kardia -> : for they shall see <3700 -optanomai -> God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 005 009 Blessed <3107 -makarios -> [are] the peacemakers <1518 -eirenopoios -> : for they shall be called <2564 -kaleo -> the children <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 005 034 But I say <3004 -lego -> unto you , Swear <3660 -omnuo -> not at <2527 -katholou -> all <3654 -holos -> ; neither <3383 -mete -> by heaven <3772 -ouranos -> ; for it is God s <{2316} -theos -> throne <2362 -thronos -> :

2316 MAT 006 024 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> serve <1398 -douleuo -> two <1417 -duo -> masters <2962 -kurios -> : for either <2228 -e -> he will hate <3404 -miseo -> the one <1520 -heis -> , and love <0025 -agapao -> the other <2087 -heteros -> ; or <2228 -e -> else he will hold <0472 -antechomai -> to the one <1520 -heis -> , and despise <2706 -kataphroneo -> the other <2087 -heteros -> . Ye cannot <1410 -dunamai -> serve <1398 -douleuo -> God <{2316} -theos -> and mammon <3126 -mammonas -> .

2316 MAT 006 030 Wherefore <1161 -de -> , if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> clothe <0294 -amphiennumi -> the grass <5528 -chortos -> of the field <0068 -agros -> , which to day <4594 -semeron -> is , and to morrow <0839 -aurion -> is cast <0906 -ballo -> into <1519 -eis -> the oven <2823 -klibanos -> ,   [shall he] not much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> [clothe] you , O ye of little <3640 -oligopistos -> faith <3640 -oligopistos -> ?

2316 MAT 006 033 But seek <2212 -zeteo -> ye first <4412 -proton -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and his righteousness <1343 -dikaiosune -> ; and all <3956 -pas -> these <5023 -tauta -> things shall be added <4369 -prostithemi -> unto you .

2316 MAT 008 029 And , behold <2400 -idou -> , they cried <2896 -krazo -> out , saying <3004 -lego -> , What <5101 -tis -> have we to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , thou Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ? art thou come <2064 -erchomai -> hither <5602 -hode -> to torment <0928 -basanizo -> us before <4253 -pro -> the time <2540 -kairos -> ?

2316 MAT 009 008 But when the multitudes <3793 -ochlos -> saw <1492 -eido -> [it] , they marvelled <2296 -thaumazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> had given <1325 -didomi -> such <5108 -toioutos -> power <1849 -exousia -> unto men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 012 004 How <4459 -pos -> he entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> , and did eat <5315 -phago -> the shewbread <4286 -prothesis -> , which <3739 -hos -> was not lawful <1832 -exesti -> for him to eat <5315 -phago -> , neither <3761 -oude -> for them which were with him , but only <3441 -monos -> for the priests <2409 -hiereus -> ?

2316 MAT 012 028 But if <1487 -ei -> I cast <1544 -ekballo -> out devils <1140 -daimonion -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> , then <0686 -ara -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> is come <5348 -phthano -> unto you .

2316 MAT 012 028 But if <1487 -ei -> I cast <1544 -ekballo ->

out devils <1140 -daimonion -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , then <0686 -ara -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <2316 -theos -> is come <5348 -phthano -> unto you .

2316 MAT 014 033 Then <1161 -de -> they that were in the ship <4143 -ploion -> came <2064 -erchomai -> and worshipped <4352 -proskuneo -> him , saying <3004 -lego -> , Of a truth <0230 -alethos -> thou art the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 015 003 But he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Why <1302 -diati -> do ye also <2532 -kai -> transgress <3845 -parabaino -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> by your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> ?

2316 MAT 015 004 For God <{2316} -theos -> commanded <1781 -entellomai -> , saying <3004 -lego -> , Honour <5091 -timao -> thy father <3962 -pater -> and mother <3384 -meter -> : and , He that curseth <2551 -kakologeo -> father <3962 -pater -> or <2228 -e -> mother <3384 -meter -> , let him die <5053 -teleutao -> the death <2288 -thanatos -> .

2316 MAT 015 006 And honour <5091 -timao -> not his father <3962 -pater -> or <2228 -e -> his mother <3384 -meter -> , [he shall be free] . Thus <2532 -kai -> have ye made <0208 -akuroo -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> of none <0208 -akuroo -> effect <0208 -akuroo -> by your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> .

2316 MAT 015 031 Insomuch <5620 -hoste -> that the multitude <3793 -ochlos -> wondered <2296 -thaumazo -> , when they saw <0991 -blepo -> the dumb <2974 -kophos -> to speak <2980 -laleo -> , the maimed <2948 -kullos -> to be whole <5199 -hugies -> , the lame <5560 -cholos -> to walk <4043 -peripateo -> , and the blind <5185 -tuphlos -> to see <0991 -blepo -> : and they glorified <1392 -doxazo -> the God <{2316} -theos -> of Israel <2474 -Israel -> .

2316 MAT 016 016 And Simon <4613 -Simon -> Peter <4074 -Petros -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , Thou art <1488 -ei -> the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 016 023 But he turned <4672 -Solomon -> , and said <2036 -epo -> unto Peter <4074 -Petros -> , Get <5217 -hupago -> thee behind <3694 -opiso -> me , Satan <4567 -Satanas -> : thou art <1488 -ei -> an offence <4625 -skandalon -> unto me : for thou savourest <5426 -phroneo -> not the things that be of God <{2316} -theos -> , but those <3588 -ho -> that be of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 019 006 Wherefore <5620 -hoste -> they are no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> twain <1417 -duo -> , but one <3391 -mia -> flesh <4561 -sarx -> . What <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> God <{2316} -theos -> hath joined <4801 -suzeugnumi -> together <4801 -suzeugnumi -> , let not man <0444 -anthropos -> put <5563 -chorizo -> asunder <5563 -chorizo -> .

2316 MAT 019 017 And he said <2036 -epo -> unto him , Why <5101 -tis -> callest <3004 -lego -> thou me good <0018 -agathos -> ? [there is] none <3762 -oudeis -> good <0018 -agathos -> but one <1520 -heis -> , [that is] , God <{2316} -theos -> : but if <1487 -ei -> thou wilt <2309 -thelo -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> life <2222 -zoe -> , keep

<5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> .

2316 MAT 019 024 And again <3825 -palin -> I say <3004 -lego -> unto you , It is easier <2123 -eukopoteros -> for a camel <2574 -kamelos -> to go <1330 -dierchomai -> through <1223 -dia -> the eye <5169 -trupema -> of a needle <4476 -rhaphis -> , than <2228 -e -> for a rich <4145 -plousios -> man to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 019 026 But Jesus <2424 -Iesous -> beheld <1689 -emblepo -> [them] , and said <2036 -epo -> unto them , With men <0444 -anthropos -> this <5124 -touto -> is impossible <0102 -adunatos -> ; but with God <{2316} -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAT 021 012 . And Jesus <2424 -Iesous -> went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the temple <2411 -hieron -> of God <{2316} -theos -> , and cast <1544 -ekballo -> out all <3956 -pas -> them that sold <4453 -poleo -> and bought <0059 -agorazo -> in the temple <2411 -hieron -> , and overthrew <2690 -katastrepho -> the tables <5132 -trapeza -> of the moneychangers <2855 -kollubistes -> , and the seats <2515 -kathedra -> of them that sold <4453 -poleo -> doves <4058 -peristera -> ,

2316 MAT 021 031 Whether <5101 -tis -> of them twain <1417 -duo -> did <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of [his] father <3962 -pater -> ? They say <3004 -lego -> unto him , The first <4413 -protos -> . Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto them , Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , That the publicans <5052 -telesphoreo -> and the harlots <4204 -porne -> go <4254 -proago -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> before <4254 -proago -> you .

2316 MAT 021 043 Therefore <5124 -touto -> say <3004 -lego -> I unto you , The kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> shall be taken <0142 -airo -> from you , and given <1325 -didomi -> to a nation <1484 -ethnos -> bringing <4160 -poieo -> forth <4160 -poieo -> the fruits <2590 -karpos -> thereof <0846 -autos -> .

2316 MAT 022 016 And they sent <0649 -apostello -> out unto him their disciples <3101 -mathetes -> with the Herodians <2265 -Herodianoi -> , saying <3004 -lego -> , Master <1320 -didaskalos -> , we know <1492 -eido -> that thou art <1488 -ei -> true <0227 -alethes -> , and teachest <1321 -didasko -> the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> in truth <0225 -aletheia -> , neither <3756 -ou -> carest <3199 -melo -> thou for any <3762 -oudeis -> [man <3762 -oudeis ->] : for thou regardest <0991 -blepo -> not the person <4383 -prosopon -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 022 021 They say <3004 -lego -> unto him , Caesar s <2541 -Kaisar -> . Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> he unto them , Render <0591 -apodidomi -> therefore <3767 -oun -> unto Caesar <2541 -Kaisar -> the things which are Caesar s <2541 -Kaisar -> ; and unto God <2316 -theos -> the things that are God s <{2316} -theos -> .

2316 MAT 022 021 They say <3004 -lego -> unto him , Caesar s <2541 -Kaisar -> . Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> he unto them , Render <0591 -apodidomi -> therefore <3767 -oun -> unto Caesar <2541 -Kaisar -> the things which are Caesar s <2541 -Kaisar -> ; and unto God <{2316} -theos -> the things that are

God s <2316 -theos -> .

2316 MAT 022 029 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Ye do err <4105 -planao -> , not knowing <1492 -eido -> the scriptures <1124 -graphe -> , nor <3366 -mede -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 022 030 For in the resurrection <0386 -anastasis -> they neither <3777 -oute -> marry <1060 -gameo -> , nor <3777 -oute -> are given <1547 -ekgamizo -> in marriage <1547 -ekgamizo -> , but are as the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> in heaven <3772 -ouranos -> .

2316 MAT 022 031 But as touching <4012 -peri -> the resurrection <0386 -anastasis -> of the dead <3498 -nekros -> , have ye not read <0314 -anaginosko -> that which <3588 -ho -> was spoken <4483 -rheo -> unto you by God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <{2316} -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <{2316} -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 037 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto him , Thou shalt love <0025 -agapao -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> with all <3650 -holos -> thy heart <2588 -kardia -> , and with all <3650 -holos -> thy soul <5590 -psuche -> , and with all <3650 -holos -> thy mind <1271 -dianoia -> .

2316 MAT 023 022 And he that shall swear <3660 -omnuo -> by heaven <3772 -ouranos -> , sweareth <3660 -omnuo -> by the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> , and by him that sitteth <2521 -kathemai -> thereon <0846 -autos -> .

2316 MAT 026 061 And said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> [fellow] said <5346 -phemi -> , I am able <1410 -dunamai -> to destroy <2647 -kataluo -> the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , and to build <3618 -oikodomeo -> it in

three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> .

2316 MAT 026 063 But Jesus <2424 -Iesous -> held <4623 -siopao -> his peace <4623 -siopao -> . And the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , I adjure <1844 -exorkizo -> thee by the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> , that thou tell <2036 -epo -> us whether <1487 -ei -> thou be the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 026 063 But Jesus <2424 -Iesous -> held <4623 -siopao -> his peace <4623 -siopao -> . And the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , I adjure <1844 -exorkizo -> thee by the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , that thou tell <2036 -epo -> us whether <1487 -ei -> thou be the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 MAT 027 040 And saying <3004 -lego -> , Thou that destroyest <2647 -kataluo -> the temple <3485 -naos -> , and buildest <3618 -oikodomeo -> [it] in three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> , save <4982 -sozo -> thyself <4572 -seautou -> . If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , come <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from the cross <4716 -stauros -> .

2316 MAT 027 043 He trusted <3982 -peitho -> in God <2316 -theos -> ; let him deliver <4506 -rhoumai -> him now <3568 -nun -> , if <1487 -ei -> he will <2309 -thelo -> have him : for he said <2036 -epo -> , I am <1510 -eimi -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 027 043 He trusted <3982 -peitho -> in God <{2316} -theos -> ; let him deliver <4506 -rhoumai -> him now <3568 -nun -> , if <1487 -ei -> he will <2309 -thelo -> have him : for he said <2036 -epo -> , I am <1510 -eimi -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 MAT 027 046 And about <4012 -peri -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0310 -anaboao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eli <2241 -eli -> , Eli <2241 -eli -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? that is to say , My God <2316 -theos -> , my God <{2316} -theos -> , why <2444 -hinati -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAT 027 046 And about <4012 -peri -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0310 -anaboao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eli <2241 -eli -> , Eli <2241 -eli -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? that is to say , My God <{2316} -theos -> , my God <2316 -theos -> , why <2444 -hinati -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAT 027 054 Now <1161 -de -> when the centurion <1543 -hekatontarches -> , and they that were with him , watching <5083 -tereo -> Jesus <2424 -Iesous -> , saw <1492 -eido -> the earthquake <4578 -seismos -> , and those <3588 -ho -> things that were done <1096 -ginomai -> , they feared <5399 -phobeo -> greatly <4970 -sphodra -> , saying <3004 -lego -> , Truly <0230 -alethos -> this <3778 -houtos -> was the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 001 001 . The beginning <0746 -arche -> of the gospel <2098 -euaggelion -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 MAR 001 014 . Now <1161 -de -> after <3326 -meta -> that John <2491 -Ioannes -> was put <3860 -paradidomi -> in prison <3860 -paradidomi -> , Jesus <2424 -Iesous -> came <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> Galilee <1056 -Galilaia -> , preaching <2784 -kerusso -> the gospel <2098 -euaggelion -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 MAR 001 015 And saying <3004 -lego -> , The time <2540 -kairos -> is fulfilled <4137 -pleroo -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> is at <1448 -eggizo -> hand <1448 -eggizo -> : repent <3340 -metanoeo -> ye , and believe <1722 -en -> the gospel <2098 -euaggelion -> .

2316 MAR 001 024 Saying <3004 -lego -> , Let <1439 -eao -> [us] alone <1439 -eao -> ; what <5101 -tis -> have we to do with thee , thou Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> ? art thou come <2064 -erchomai -> to destroy <0622 -apollumi -> us ? I know <1492 -eido -> thee who <5101 -tis -> thou art <1488 -ei -> , the Holy <0040 -hagios -> One of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 002 007 Why <5101 -tis -> doth this <3778 -houtos -> [man] thus <3779 -houto -> speak <2980 -laleo -> blasphemies <0988 -blasphemia -> ? who <5101 -tis -> can <1410 -dunamai -> forgive <0863 -aphiemi -> sins <0266 -hamartia -> but God <{2316} -theos -> only <1520 -heis -> ?

2316 MAR 002 012 And immediately <2112 -eutheos -> he arose <1453 -egeiro -> , took <0142 -airo -> up the bed <2895 -krabbatos -> , and went <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> before <1726 -enantion -> them all <3956 -pas -> ; insomuch <5620 -hoste -> that they were all <3956 -pas -> amazed <1839 -existemi -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> , We never <3763 -oudepote -> saw <1492 -eido -> it on this <3779 -houto -> fashion <3778 -houtos -> .

2316 MAR 002 026 How <4459 -pos -> he went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> in the days <1909 -epi -> of Abiathar <0008 -Abiathar -> the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> , and did eat <5315 -phago -> the shewbread <4286 -prothesis -> , which <3739 -hos -> is not lawful <1832 -exesti -> to eat <5315 -phago -> but for the priests <2409 -hiereus -> , and gave <1325 -didomi -> also <2532 -kai -> to them which were with him ?

2316 MAR 003 011 And unclean <0169 -akathartos -> spirits <4151 -pneuma -> , when <3752 -hotan -> they saw <2334 -theoreo -> him , fell <4363 -prospipto -> down before <4363 -prospipto -> him , and cried <2896 -krazo -> , saying <3004 -lego -> , Thou art <1488 -ei -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 003 035 For whosoever <0302 -an -> shall do the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , the same <3778 -houtos -> is my brother <0080 -adephos -> , and my sister <0079 -adelphe -> , and mother <3384 -meter -> .

2316 MAR 004 011 And he said <3004 -lego -> unto them , Unto you it is given <1325 -didomi -> to know <1097 -ginosko -> the mystery <3466 -musterion -> of the kingdom <0932 -basileia -> of

God <{2316} -theos -> : but unto them that are without <1854 -exo -> , all <3956 -pas -> [these <3588 -ho ->] things are done <1096 -ginomai -> in parables <3850 -parabole -> :

2316 MAR 004 026 And he said <3004 -lego -> , So <3779 -houto -> is the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , as if <1487 -ei -> a man <0444 -anthropos -> should cast <0906 -ballo -> seed <4703 -sporos -> into <1909 -epi -> the ground <1093 -ge -> ;

2316 MAR 004 030 And he said <3004 -lego -> , Whereunto <5101 -tis -> shall we liken <3666 -homoioo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ? or <2228 -e -> with what <4169 -poios -> comparison <3850 -parabole -> shall we compare <3846 -paraballo -> it ?

2316 MAR 005 007 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> have I to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , [thou] Son <5207 -huios -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <2316 -theos -> ? I adjure <3726 -horkizo -> thee by God <{2316} -theos -> , that thou torment <0928 -basanizo -> me not .

2316 MAR 005 007 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> have I to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , [thou] Son <5207 -huios -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> ? I adjure <3726 -horkizo -> thee by God <2316 -theos -> , that thou torment <0928 -basanizo -> me not .

2316 MAR 007 008 For laying <0863 -aphiemi -> aside <0863 -aphiemi -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , ye hold <2902 -krateo -> the tradition <3862 -paradosis -> of men <0444 -anthropos -> , [as] the washing <0909 -baptismos -> of pots <3582 -xestes -> and cups <4221 -poterion -> : and many <4183 -polus -> other <0243 -allos -> such <5108 -toioutos -> like <3946 -paromoios -> things ye do <4160 -poieo -> .

2316 MAR 007 009 And he said <3004 -lego -> unto them , Full well <2573 -kalos -> ye reject <0114 -atheteo -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , that ye may keep <5083 -tereo -> your <5216 -humon -> own tradition <3862 -paradosis -> .

2316 MAR 007 013 Making <0208 -akuroo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> of none <0208 -akuroo -> effect <0208 -akuroo -> through your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> , which <3739 -hos -> ye have delivered <3860 -paradidomi -> : and many <4183 -polus -> such <5108 -toioutos -> like <3946 -paromoios -> things do <4160 -poieo -> ye .

2316 MAR 008 033 But when he had turned <1994 -epistrepho -> about <1994 -epistrepho -> and looked <1492 -eido -> on his disciples <3101 -mathetes -> , he rebuked <2008 -epitimao -> Peter <4074 -Petros -> , saying <3004 -lego -> , Get <5217 -hupago -> thee behind <3694 -opiso -> me , Satan <4567 -Satanas -> : for thou savourest <5426 -phroneo -> not the things that be of God <{2316} -theos -> , but the things that be of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAR 009 001 . And he said <3004 -lego -> unto them , Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , That there be some <5100 -tis -> of them that stand <2476 -histemi ->

here <5602 -hode -> , which <3748 -hostis -> shall not taste <1089 -geuomai -> of death <2288 -thanatos -> , till <2193 -heos -> they have seen <1492 -eido -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> come <2064 -erchomai -> with power <1411 -dunamis -> .

2316 MAR 009 047 And if <1437 -ean -> thine <4675 -sou -> eye <3788 -ophthalmos -> offend <4624 -skandalizo -> thee , pluck <1544 -ekballo -> it out : it is better <2570 -kalos -> for thee to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> with one <3442 -monophthalmos -> eye <3442 -monophthalmos -> , than <2228 -e -> having <2192 -echo -> two <1417 -duo -> eyes <3788 -ophthalmos -> to be cast <0906 -ballo -> into <1519 -eis -> hell <1067 -geena -> fire <4442 -pur -> :

2316 MAR 010 006 But from the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> God <{2316} -theos -> made <4160 -poieo -> them male <0730 -arrhen -> and female <2338 -thelus -> .

2316 MAR 010 009 What <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> God <{2316} -theos -> hath joined <4801 -suzeugnumi -> together <4801 -suzeugnumi -> , let not man <0444 -anthropos -> put <5563 -chorizo -> asunder <5563 -chorizo -> .

2316 MAR 010 014 But when Jesus <2424 -Iesous -> saw <1492 -eido -> [it] , he was much <0023 -aganakteo -> displeased <0023 -aganakteo -> , and said <2036 -epo -> unto them , Suffer <0863 -aphiemi -> the little <3813 -paidion -> children <3813 -paidion -> to come <2064 -erchomai -> unto me , and forbid <2967 -koluo -> them not : for of such <5108 -toioutos -> is the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 015 Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , Whosoever <1437 -ean -> shall not receive <1209 -dechomai -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> as a little <3813 -paidion -> child <3813 -paidion -> , he shall not enter <1525 -eiserchomai -> therein <0846 -autos -> .

2316 MAR 010 018 And Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto him , Why <5101 -tis -> callest <3004 -lego -> thou me good <0018 -agathos -> ? [there is] none <3762 -oudeis -> good <0018 -agathos -> but one <1520 -heis -> , [that is] , God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 023 And Jesus <2424 -Iesous -> looked <4017 -periblepo -> round <4017 -periblepo -> about <4017 -periblepo -> , and saith <3004 -lego -> unto his disciples <3101 -mathetes -> , How <4459 -pos -> hardly <1423 -duskolos -> shall they that have <2192 -echo -> riches <5536 -chrema -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> !

2316 MAR 010 024 And the disciples <3101 -mathetes -> were astonished <2284 -thambeo -> at <1909 -epi -> his words <3056 -logos -> . But Jesus <2424 -Iesous -> answereth <0611 -apokrinomai -> again <3825 -palin -> , and saith <3004 -lego -> unto them , Children <5043 -teknon -> , how <4459 -pos -> hard <1422 -duskolos -> is it for them that trust <3982 -peitho -> in riches <5536 -chrema -> to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> !

2316 MAR 010 025 It is easier <2123 -eukopoteros -> for a camel <2574 -kamelos -> to go <1525 -eiserchomai -> through <1223 -dia -> the eye <5168 -trumalia -> of a needle <4476 -rhaphis -> ,

than <2228 -e -> for a rich <4145 -plousios -> man to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 027 And Jesus <2424 -Iesous -> looking <1689 -emblepo -> upon them saith <3004 -lego -> , With men <0444 -anthropos -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> , but not with God <2316 -theos -> : for with God <{2316} -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAR 010 027 And Jesus <2424 -Iesous -> looking <1689 -emblepo -> upon them saith <3004 -lego -> , With men <0444 -anthropos -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> , but not with God <{2316} -theos -> : for with God <2316 -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAR 011 022 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> saith <3004 -lego -> unto them , Have <2192 -echo -> faith <4102 -pistis -> in God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 012 014 And when they were come <2064 -erchomai -> , they say <3004 -lego -> unto him , Master <1320 -didaskalos -> , we know <1492 -eido -> that thou art <1488 -ei -> true <0227 -alethes -> , and carest <3199 -melo -> for no <3762 -oudeis -> man <0444 -anthropos -> : for thou regardest <0991 -blepo -> not the person <4383 -prosopon -> of men <0444 -anthropos -> , but teachest <1321 -didasko -> the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> in truth <0225 -aletheia -> : Is it lawful <1832 -exesti -> to give <1325 -didomi -> tribute <2778 -kensos -> to Caesar <2541 -Kaisar -> , or <2228 -e -> not ?

2316 MAR 012 017 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Render <0591 -apodidomi -> to Caesar <2541 -Kaisar -> the things that are Caesar s <2541 -Kaisar -> , and to God <2316 -theos -> the things that are God s <{2316} -theos -> . And they marvelled <2296 -thaumazo -> at <1909 -epi -> him .

2316 MAR 012 017 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Render <0591 -apodidomi -> to Caesar <2541 -Kaisar -> the things that are Caesar s <2541 -Kaisar -> , and to God <{2316} -theos -> the things that are God s <2316 -theos -> . And they marvelled <2296 -thaumazo -> at <1909 -epi -> him .

2316 MAR 012 024 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Do ye not therefore <5124 -touto -> err <4105 -planao -> , because ye know <1492 -eido -> not the scriptures <1124 -graphe -> , neither <3366 -mede -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -

lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <{2316} -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 027 He is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but the God <{2316} -theos -> of the living <2198 -zao -> : ye therefore <3767 -oun -> do greatly <4183 -polus -> err <4105 -planao -> .

2316 MAR 012 027 He is not the God <{2316} -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but the God <2316 -theos -> of the living <2198 -zao -> : ye therefore <3767 -oun -> do greatly <4183 -polus -> err <4105 -planao -> .

2316 MAR 012 029 And Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> him , The first <4413 -protos -> of all <3956 -pas -> the commandments <1785 -entole -> [is] , Hear <0191 -akouo -> , O Israel <2474 -Israel -> ; The Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> is one <1520 -heis -> Lord <2962 -kurios -> :

2316 MAR 012 030 And thou shalt love <0025 -agapao -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> with all <3650 -holos -> thy heart <2588 -kardia -> , and with all <3650 -holos -> thy soul <5590 -psuche -> , and with all <3650 -holos -> thy mind <1271 -dianoia -> , and with all <3650 -holos -> thy strength <2479 -ischus -> : this <3778 -houtos -> [is] the first <4413 -protos -> commandment <1785 -entole -> .

2316 MAR 012 032 And the scribe <1122 -grammateus -> said <2036 -epo -> unto him , Well <2573 -kalos -> , Master <1320 -didaskalos -> , thou hast said <2036 -epo -> the truth <0225 -aletheia -> : for there is one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> ; and there is none <3756 -ou -> other <0243 -allos -> but he :

2316 MAR 012 034 And when Jesus <2424 -Iesous -> saw <1492 -eido -> that he answered <0611 -apokrinomai -> discreetly <3562 -nounechos -> , he said <2036 -epo -> unto him , Thou art <1488 -ei -> not far <3112 -makran -> from the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> . And no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> after <3765 -ouketi -> that durst <5111 -tolmao -> ask <1905 -eperotao -> him [any question] .

2316 MAR 013 019 For [in] those <1565 -ekeinos -> days <2250 -hemera -> shall be affliction <2347 -thlipsis -> , such <3634 -hoios -> as was not from the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> which <3739 -hos -> God <{2316} -

theos -> created <2936 -ktizo -> unto this <3568 -nun -> time <3568 -nun -> , neither <3361 -me -> shall be .

2316 MAR 014 025 Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , I will drink <4095 -pino -> no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> of the fruit <1081 -gennema -> of the vine <0288 -ampelos -> , until <2193 -heos -> that day <2250 -hemera -> that I drink <4095 -pino -> it new <2537 -kainos -> in the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 015 034 And at the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0994 -boao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eloi <1682 -eloi -> , Eloi <1682 -eloi -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? which <3739 -hos -> is , being interpreted <3177 -methermeneuo -> , My God <2316 -theos -> , my God <{2316} -theos -> , why <5101 -tis -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAR 015 034 And at the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0994 -boao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eloi <1682 -eloi -> , Eloi <1682 -eloi -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? which <3739 -hos -> is , being interpreted <3177 -methermeneuo -> , My God <{2316} -theos -> , my God <2316 -theos -> , why <5101 -tis -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAR 015 039 And when the centurion <2760 -kenturion -> , which <3588 -ho -> stood <3936 -paristemi -> over <1727 -enantios -> against <1727 -enantios -> him , saw <1492 -eido -> that he so <3779 -houto -> cried <2896 -krazo -> out , and gave up the ghost <1606 -ekpneo -> , he said <2036 -epo -> , Truly <0230 -alethos -> this <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> was the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 015 043 Joseph <2501 -Ioseph -> of Arimathaea <0707 -Arimathaia -> , an honourable <2158 -euschemon -> counsellor <1010 -bouleutes -> , which <0846 -autos -> also <2532 -kai -> waited <4327 -prosdechomai -> for the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , came <2064 -erchomai -> , and went <1525 -eiserchomai -> in boldly <5111 -tolmao -> unto Pilate <4091 -Pilatos -> , and craved <0154 -aiteo -> the body <4983 -soma -> of Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 MAR 016 018 They shall take <0142 -airo -> up serpents <3789 -ophis -> ; and if <2579 -kan -> they drink <4095 -pino -> any <5100 -tis -> deadly <2286 -thanasimos -> thing , it shall not hurt <0984 -blapto -> them ; they shall lay <2007 -epitithemi -> hands <5495 -cheir -> on <1909 -epi -> the sick <0732 -arrhostos -> , and they shall recover <2573 -kalos -> . : 19 . So <3303 -men -> then <3767 -oun -> after <3326 -meta -> the Lord <2962 -kurios -> had spoken <2980 -laleo -> unto them , he was received <0353 -analambano -> up into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and sat <2523 -kathizo -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 LUK 001 006 And they were both LUK 0297 -amphoteros - righteous 1342 -dikaios - before 1799 -enopion - God {2316} - theos - , walking 4198 -poreuomai - in all 3956 -pas - the commandments 1785 -entole - and ordinances 1345 -dikaioma - of the Lord 2962 -kurios - blameless 0273 -amemptos - .

2316 LUK 001 008 And it came 1096 -ginomai - to pass , that while 3588 -ho - he executed 2407 -hierateuo - the priest s 2407 -hierateuo - office 2407 -hierateuo - before 1725 -

enanti - God {2316} -theos - in the order 5010 -taxis - of his course 2183 -ephemeria - ,

2316 LUK 001 016 And many 4183 -polus - of the children 5207 -huios - of Israel 2474 -Israel - shall he turn 1994 -epistrepho - to the Lord 2962 -kurios - their God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 019 And the angel LUK 0032 -aggelos - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - unto him , I am 1510 -eimi - Gabriel 1043 -Gabriel - , that stand 3936 -paristemi - in the presence 1799 -enopion - of God {2316} -theos - ; and am sent LUK 0649 -apostello - to speak 2980 -laleo - unto thee , and to shew 2097 -euaggelizo - thee these 5023 -tauta - glad 2097 -euaggelizo - tidings 2097 -euaggelizo - .

2316 LUK 001 026 . And in the sixth 1623 -hektos - month 3376 -men - the angel 0032 -aggelos - Gabriel 1043 -Gabriel - was sent LUK 0649 -apostello - from God {2316} -theos - unto a city 4172 -polis - of Galilee 1056 -Galilaia - , named 3686 -onoma - Nazareth 3478 -Nazareth - ,

2316 LUK 001 030 And the angel LUK 0032 -aggelos - said 2036 -epo - unto her , Fear 5399 -phobeo - not , Mary 3137 -Maria - : for thou hast found 2147 -heurisko - favour 5485 -charis - with God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 032 He shall be great 3173 -megas - , and shall be called 2564 -kaleo - the Son 5207 -huios - of the Highest 5310 -hupsistos - : and the Lord 2962 -kurios - God {2316} -theos - shall give 1325 -didomi - unto him the throne 2362 -thronos - of his father 3962 -pater - David 1138 -Dabid - :

2316 LUK 001 035 And the angel LUK 0032 -aggelos - answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto her , The Holy LUK 0040 -hagios - Ghost 4151 -pneuma - shall come 1904 -eperchomai - upon thee , and the power 1411 -dunamis - of the Highest 5310 -hupsistos - shall overshadow 1982 -episkiazo - thee : therefore 1352 -dio - also 2532 -kai - that holy LUK 0040 -hagios - thing which shall be born 1080 -gennao - of thee shall be called 2564 -kaleo - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 037 For with God {2316} -theos - nothing 4487 -rhema - shall be impossible LUK 0101 -adunateo - .

2316 LUK 001 047 And my spirit 4151 -pneuma - hath rejoiced LUK 0021 -agalliao - in God {2316} -theos - my Saviour 4990 -soter - .

2316 LUK 001 064 And his mouth 4750 -stoma - was opened LUK 0455 -anoigo - immediately 3916 -parachrema - , and his tongue 1100 -glossa - [loosed] , and he spake 2980 -laleo - , and praised 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 068 Blessed 2128 -eulogetos - [be] the Lord 2962 -kurios - God {2316} -theos - of Israel 2474 -Israel - ; for he hath visited 1980 -episkeptomai - and redeemed 3085 -lutrosis - his people 2992 -laos - ,

2316 LUK 001 078 Through 1223 -dia - the tender 4698 -splagchnon - mercy 1656 -eleos - of our God {2316} -theos - ; whereby 3739 -hos - the dayspring LUK 0395 -anatole - from on high 5311 -hupsos - hath visited 1980 -episkeptomai - us ,

2316 LUK 002 013 And suddenly 1810 -exaiphnes - there was with the angel 0032 -aggelos - a multitude 4128 -plethos - of the heavenly 3770 -ouranios - host 4756 -stratia - praising LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - , and saying 3004 -lego - ,

2316 LUK 002 014 Glory 1391 -doxa - to God {2316} -theos - in the highest 5310 -hupsistos - , and on 1909 -epi - earth 1093 -ge - peace 1515 -eirene - , good 2107 -eudokia - will 2107 -eudokia - toward 1722 -en - men LUK 0444 -anthropos - .

2316 LUK 002 020 And the shepherds 4166 -poimen - returned 1994 -epistrepho - , glorifying 1392 -doxazo - and praising LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - for all 3956 -pas - the things that they had heard LUK 0191 -akouo - and seen 1492 -eido - , as it was told 2980 -laleo - unto them .

2316 LUK 002 028 Then 2532 -kai - took 1209 -dechomai - he him up in his arms 0043 -agkale - , and blessed 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - , and said 2036 -epo - ,

2316 LUK 002 040 And the child 3813 -paidion - grew LUK 0837 -auzano - , and waxed 2901 -krataioo - strong 2901 -krataioo - in spirit 4151 -pneuma - , filled 4137 -pleroo - with wisdom 4678 -sophia - : and the grace 5485 -charis - of God {2316} -theos - was upon him .

2316 LUK 002 052 And Jesus 2424 -Iesous - increased 4298 -prokopto - in wisdom 4678 -sophia - and stature 2244 -helikia - , and in favour 5485 -charis - with God {2316} -theos - and man LUK 0444 -anthropos - .

2316 LUK 003 002 Annas LUK 0452 -Annas - and Caiaphas 2533 -Kaiaphas - being 1909 -epi - the high LUK 0749 -archiereus - priests LUK 0749 -archiereus - , the word 4487 -rhema - of God {2316} -theos - came 1096 -ginomai - unto John 2491 -Ioannes - the son 5027 -taphe - of Zacharias 2197 -Zacharias - in the wilderness 2048 -eremos - .

2316 LUK 003 006 And all 3956 -pas - flesh 4561 -sarx - shall see 3700 -optanomai - the salvation 4992 -soterion - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 003 008 Bring 4160 -poieo - forth 4160 -poieo - therefore 3767 -oun - fruits 2590 -karpos - worthy LUK 0514 -axios - of repentance 3341 -metanoia - , and begin LUK 0756 -archomai - not to say 3004 -lego - within 1722 -en - yourselves 1438 -heautou - , We have 2192 -echo - Abraham LUK 0011 -Abraam - to [our] father 3962 -pater - : for I say 3004 -lego - unto you , That God {2316} -theos - is able 1410 -dunamai - of these 5130 -touton - stones 3037 -lithos - to raise 1453 -egeiro - up children 5043 -teknon - unto Abraham 11 .

2316 LUK 003 038 Which was [the son] of Enos 1800 -Enos - , which was [the son] of Seth 4589 -Seth - , which was [the son] of Adam LUK 0076 -Adam - , which was [the son] of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 003 And the devil 1228 -diabolos - said 2036 -epo - unto him , If 1487 -ei - thou be the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - , command 2036 -epo - this 5129 -toutoi - stone 3037 -lithos - that it be made 1096 -ginomai - bread LUK 0740 -artos - .

2316 LUK 004 004 And Jesus 2424 -Iesous - answered LUK 0611 -apokrinomai - him , saying 3004 -lego - , It is written 1125 -grapho - , That man LUK 0444 -anthropos - shall not live 2198 -zao - by bread LUK 0740 -artos - alone 3441 -monos - , but by every 3956 -pas - word 4487 -rhema - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 008 And Jesus 2424 -Iesous - answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto him , Get 5217 -hupago - thee behind 3694 -opiso - me , Satan 4567 -Satanas - : for it is written 1125 -grapho - , Thou shalt worship 4352 -proskuneo - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - , and him only 3441 -monos - shalt thou serve 3000 -latreuo - .

2316 LUK 004 009 And he brought LUK 0071 -ago - him to Jerusalem 2419 -Hierousalem - , and set 2476 -histemi - him on 1909 -epi - a pinnacle 4419 -pterugion - of the temple 2411 -hieron - , and said 2036 -epo - unto him , If 1487 -ei - thou be the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - , cast LUK 0906 -ballo - thyself 4572 -seautou - down 2736 -kato - from hence 1782 -enteuthen - :

2316 LUK 004 012 And Jesus 2424 -Iesous - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - unto him , It is said 2046 -ereo - , Thou shalt not tempt 1598 -ekpeirazo - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 034 Saying 3004 -lego - , Let 1439 -eao - [us] alone 1439 -eao - ; what 5101 -tis - have we to do with thee , [thou] Jesus 2424 -Iesous - of Nazareth 3478 -Nazareth - ? art thou come 2064 -erchomai - to destroy 0622 -apollumi - us ? I know 1492 -eido - thee who 5101 -tis - thou art 1488 -ei - ; the Holy LUK 0040 -hagios - One of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 041 And devils 1140 -daimonion - also 2532 -kai - came 1831 -exerchomai - out of many 4183 -polus - , crying 2896 -krazo - out , and saying 3004 -lego - , Thou art 1488 -ei - Christ 5547 -Christos - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - . And he rebuking 2008 -epitimao - [them] suffered 1439 -eao - them not to speak 2980 -laleo - : for they knew that he was Christ 5547 -Christos - .

2316 LUK 004 043 And he said 2036 -epo - unto them , I must 1163 -dei - preach 2097 -euaggelizo - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - to other 2087 -heteros - cities 4172 -polis - also 2532 -kai - : for therefore 5124 -touto - am I sent LUK 0649 -apostello - .

2316 LUK 005 001 . And it came 1096 -ginomai - to pass , that , as the people 3793 -ochlos - pressed 1945 -epikeimai - upon him to hear 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , he stood 2476 -histemi - by the lake 3041 -limne - of Gennesaret 1082 -Gennesaret - ,

2316 LUK 005 021 And the scribes 1122 -grammateus - and the Pharisees 5330 -Pharisaios - began LUK 0756 -archomai - to reason 1260 -dialogizomai - , saying 3004 -lego - , Who 5101 -tis - is this 3778 -houtos - which 3739 -hos - speaketh 2980 -laleo - blasphemies 0988 -blasphemia - ? Who 5101 -tis - can 1410 -dunamai - forgive 0863 -aphiemi - sins LUK 0266 -hamartia - , but God {2316} -theos - alone 3441 -monos - ?

2316 LUK 005 025 And immediately 3916 -parachrema - he rose

LUK 0450 -anistemi - up before 1799 -enopion - them , and took LUK 0142 -airo - up that whereon 3739 -hos - he lay 2621 -katakeimai - , and departed LUK 0565 -aperchomai - to his own house 3624 -oikos - , glorifying 1392 -doxazo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 005 026 And they were all LUK 0537 -hapas - amazed 2983 -lambano - , and they glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - , and were filled 4130 -pletho - with fear 5401 -phobos - , saying 3004 -lego - , We have seen 1492 -eido - strange 3861 -paradoxos - things to day 4594 -semeron - .

2316 LUK 006 004 How 5613 -hos - he went 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the house 3624 -oikos - of God {2316} -theos - , and did take 2983 -lambano - and eat 5315 -phago - the shewbread 4286 -prothesis - , and gave 1325 -didomi - also 2532 -kai - to them that were with him ; which it is not lawful 1832 -exesti - to eat 5315 -phago - but for the priests 2409 -hiereus - alone 3441 -monos - ?

2316 LUK 006 012 . And it came 1096 -ginomai - to pass in those 5025 -tautais - days 2250 -hemera - , that he went 1831 -exerchomai - out into 1519 -eis - a mountain 3735 -oros - to pray 4336 -proseuchomai - , and continued 1273 -dianuktereuo - all 1273 -dianuktereuo - night 1273 -dianuktereuo - in prayer 4335 -proseuche - to God {2316} -theos - .

2316 LUK 006 020 . And he lifted 1869 -epairo - up his eyes 3788 -ophthalmos - on 1519 -eis - his disciples 3101 -mathetes - , and said 3004 -lego - , Blessed 3107 -makarios - [be ye] poor 4434 -ptochos - : for yours 5212 -humeteros - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 007 016 And there came 2983 -lambano - a fear 5401 -phobos - on all 0537 -hapas - : and they glorified 1392 -doxazo - God 2316 -theos - , saying 3004 -lego - , That a great 3173 -megas - prophet 4396 -prophetes - is risen 1453 -egeiro - up among 1722 -en - us ; and , That God {2316} -theos - hath visited 1980 -episkeptomai - his people 2992 -laos - .

2316 LUK 007 016 And there came 2983 -lambano - a fear 5401 -phobos - on all 0537 -hapas - : and they glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - , saying 3004 -lego - , That a great 3173 -megas - prophet 4396 -prophetes - is risen 1453 -egeiro - up among 1722 -en - us ; and , That God 2316 -theos - hath visited 1980 -episkeptomai - his people 2992 -laos - .

2316 LUK 007 028 For I say 3004 -lego - unto you , Among 1722 -en - those that are born 1084 -gennetos - of women 1135 -gune - there is not a greater 3187 -meizon - prophet 4396 -prophetes - than 3844 -para - John 2491 -Ioannes - the Baptist LUK 0910 -Baptistes - : but he that is least 3398 -mikros - in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is greater 3187 -meizon - than 3844 -para - he .

2316 LUK 007 029 And all 3956 -pas - the people 2992 -laos - that heard 0191 -akouo - [him] , and the publicans 5052 -telesphoreo - , justified 1344 -dikaioo - God {2316} -theos - , being baptized LUK 0907 -baptizo - with the baptism LUK 0908 -baptisma - of John 2491 -Ioannes - .

2316 LUK 007 030 But the Pharisees 5330 -Pharisaios - and lawyers 3544 -nomikos - rejected LUK 0114 -atheteo - the counsel 1012 -boule - of God {2316} -theos - against 1519 -eis - themselves 1438 -heautou - , being not baptized LUK 0907 -baptizo - of him .

2316 LUK 008 001 . And it came 1096 -ginomai - to pass afterward 2517 -kathexes - , that he went 1353 -diodeuo - throughout 2596 -kata - every 2596 -kata - city 4172 -polis - and village 2968 -kome - , preaching 2784 -kerusso - and shewing the glad 2097 -euaggelizo - tidings 2097 -euaggelizo - of the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - : and the twelve 1427 -dodeka - [were] with him ,

2316 LUK 008 010 And he said 2036 -epo - , Unto you it is given 1325 -didomi - to know 1097 -ginosko - the mysteries 3466 -musterion - of the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - : but to others 3062 -loipoy - in parables 3850 -parabole - ; that seeing LUK 0991 -blepo - they might not see LUK 0991 -blepo - , and hearing LUK 0191 -akouo - they might not understand 4920 -suniemi - .

2316 LUK 008 011 Now 1161 -de - the parable 3850 -parabole - is this 3778 -houtos - : The seed 4703 -sporos - is the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 008 021 And he answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto them , My mother 3384 -meter - and my brethren LUK 0080 -adephos - are these 3778 -houtos - which 3588 -ho - hear LUK 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , and do 4160 -poieo - it .

2316 LUK 008 028 When he saw 1492 -eido - Jesus 2424 -Iesous - , he cried 0349 -anakrazo - out , and fell 4363 -prospipto - down before 4363 -prospipto - him , and with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - said 2036 -epo - , What 5101 -tis - have I to do with thee , Jesus 2424 -Iesous - , [thou] Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - most 5310 -hupsistos - high 5310 -hupsistos - ? I beseech 1189 -deomai - thee , torment LUK 0928 -basanizo - me not .

2316 LUK 008 039 Return 5290 -hupostrepho - to thine 4675 -sou - own house 3624 -oikos - , and shew 1334 -diegeomai - how 3745 -hosos - great 3745 -hosos - things God {2316} -theos - hath done 4160 -poieo - unto thee . And he went LUK 0565 -aperchomai - his way , and published 2784 -kerusso - throughout 2596 -kata - the whole 3650 -holos - city 4172 -polis - how 3745 -hosos - great 3745 -hosos - things Jesus 2424 -Iesous - had done 4160 -poieo - unto him .

2316 LUK 009 002 And he sent LUK 0649 -apostello - them to preach 2784 -kerusso - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and to heal 2390 -iaomai - the sick LUK 0770 -astheneo - .

2316 LUK 009 011 And the people 3793 -ochlos - , when they knew 1097 -ginosko - [it] , followed LUK 0190 -akoloutheo - him : and he received 1209 -dechomai - them , and spake 2980 -laleo - unto them of the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and healed 2390 -iaomai - them that had 2192 -echo - need 5532 -chreia - of healing 2322 -therapeia - .

2316 LUK 009 020 He said 2036 -epo - unto them , But whom 5101 -tis - say 3004 -lego - ye that I am 1511 -einai - ? Peter 4074 -Petros - answering LUK 0611 -apokrinomai - said

2036 -epo - , The Christ 5547 -Christos - of God {2316} - theos - .

2316 LUK 009 027 But I tell 3004 -lego - you of a truth LUK 0230 -alethos - , there be some 5100 -tis - standing 2476 - histemi - here 5602 -hode - , which 3739 -hos - shall not taste 1089 -geuomai - of death 2288 -thanatos - , till 2193 -heos - they see 1492 -eido - the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 009 043 . And they were all 3956 -pas - amazed 1605 -ekplesso - at 1909 -epi - the mighty 3168 -megaleiotes - power 3168 -megaleiotes - of God {2316} -theos - . But while they wondered 2296 -thaumazo - every 3956 -pas - one 3956 -pas - at 1909 -epi - all 3956 -pas - things which 3739 -hos - Jesus 2424 -Iesous - did 4160 -poieo - , he said 2036 -epo - unto his disciples 3101 -mathetes - ,

2316 LUK 009 060 Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , Let 0863 -aphiemi - the dead 3498 -nekros - bury 2290 -thapto - their dead 3498 -nekros - : but go LUK 0565 - aperchomai - thou and preach 1229 -diaggello - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 009 062 And Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , No 3762 -oudeis - man 3762 -oudeis - , having put 1911 -epiballo - his hand 5495 -cheir - to the plough LUK 0723 -arotron - , and looking 0991 -blepo - back 3694 - opiso - , is fit 2111 -euthetos - for the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 010 009 And heal 2323 -therapeuo - the sick LUK 0772 -asthenes - that are therein LUK 0846 -autos - , and say 3004 -lego - unto them , The kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - unto you .

2316 LUK 010 011 Even 2532 -kai - the very dust 2868 - koniortos - of your 5216 -humon - city 4172 -polis - , which 3588 -ho - cleaveth 2853 -kollao - on us , we do wipe LUK 0631 -apomassomai - off 0631 -apomassomai - against you : notwithstanding 4133 -plen - be ye sure 1097 -ginosko - of this 5124 -touto - , that the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - unto you .

2316 LUK 010 027 And he answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - , Thou shalt love LUK 0025 -agapao - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - with all 3650 - holos - thy heart 2588 -kardia - , and with all 3650 -holos - thy soul 5590 -psuche - , and with all 3650 -holos - thy strength 2479 -ischus - , and with all 3650 -holos - thy mind 1271 -dianoia - ; and thy neighbour 4139 -plesion - as thyself 4572 -seautou - .

2316 LUK 011 020 But if 1487 -ei - I with the finger 1147 - daktulos - of God 2316 -theos - cast 1544 -ekballo - out devils 1140 -daimonion - , no 0686 -ara - doubt LUK 0686 - ara - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 5348 -phthano - upon you .

2316 LUK 011 020 But if 1487 -ei - I with the finger 1147 - daktulos - of God {2316} -theos - cast 1544 -ekballo - out devils 1140 -daimonion - , no 0686 -ara - doubt LUK 0686 - ara - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God 2316 -theos - is come 5348 -phthano - upon you .

2316 LUK 011 028 But he said 2036 -epo - , Yea 3304 -menounge - rather 3304 -menounge - , blessed 3107 -makarios - [are] they that hear 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , and keep 5442 -phulasso - it .

2316 LUK 011 042 But woe 3759 -ouai - unto you , Pharisees 5330 -Pharisaios - ! for ye tithe LUK 0586 -apodekatoo - mint 2238 -heduosmon - and rue 4076 -peganon - and all 3956 -pas - manner of herbs 3001 -lachanon - , and pass 3928 -parerchomai - over 3928 -parerchomai - judgment 2920 -krisis - and the love LUK 0026 -agape - of God {2316} -theos - : these 5023 -tauta - ought 1163 -dei - ye to have done 4160 -poieo - , and not to leave LUK 0863 -aphiemi - the other 2548 -kakeinos - undone .

2316 LUK 011 049 Therefore also 2532 -kai - said 2036 -epo - the wisdom 4678 -sophia - of God {2316} -theos - , I will send LUK 0649 -apostello - them prophets 4396 -prophetes - and apostles LUK 0652 -apostolos - , and [some] of them they shall slay LUK 0615 -apokteino - and persecute 1559 -ekdioko - :

2316 LUK 012 006 Are not five 4002 -pente - sparrows 4765 -strouthion - sold 4453 -poleo - for two 1417 -duo - farthings LUK 0787 -assarion - , and not one 1520 -heis - of them is forgotten 1950 -epilanthanomai - before 1799 -enopion - God {2316} -theos - ?

2316 LUK 012 008 Also 1161 -de - I say 3004 -lego - unto you , Whosoever LUK 0302 -an - shall confess 3670 -homologeo - me before 1715 -emprosthen - men 0444 -anthropos - , him shall the Son 5207 -huios - of man 0444 -anthropos - also 2532 -kai - confess 3670 -homologeo - before 1715 -emprosthen - the angels LUK 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - :

2316 LUK 012 009 But he that denieth LUK 0720 -arneomai - me before 1799 -enopion - men 0444 -anthropos - shall be denied LUK 0533 -aparneomai - before 1799 -enopion - the angels LUK 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 012 020 But God {2316} -theos - said 2036 -epo - unto him , [Thou] fool 0878 -aphron - , this 5026 -taute - night 3571 -nux - thy soul 5590 -psuche - shall be required LUK 0523 -apaiteo - of thee : then 1161 -de - whose 5101 -tis - shall those things be , which 3739 -hos - thou hast provided 2090 -hetoimazo - ?

2316 LUK 012 021 So 3779 -houto - [is] he that layeth up treasure 2343 -thesaurizo - for himself 1438 -heautou - , and is not rich 4147 -plouteo - toward 1519 -eis - God {2316} -theos - .

2316 LUK 012 024 Consider 2657 -katanoeo - the ravens 2876 -korax - : for they neither 3756 -ou - sow 4687 -speiro - nor 3761 -oude - reap 2325 -therizo - ; which 3739 -hos - neither 3756 -ou - have 2076 -esti - storehouse 5009 -tameion - nor 3761 -oude - barn 0596 -apotheke - ; and God {2316} -theos - feedeth 5142 -trepho - them : how 4214 -posos - much 4214 -posos - more 3123 -mallon - are ye better 1308 -diaphero - than the fowls 4071 -peteinon - ?

2316 LUK 012 028 If 1487 -ei - then 1161 -de - God {2316} -theos - so 3779 -houto - clothe LUK 0294 -amphiennumi - the grass 5528 -chortos - , which is to day 4594 -semeron - in the field LUK 0068 -agros - , and to morrow 0839 -aurion -

is cast LUK 0906 -ballo - into 1519 -eis - the oven 2823 - klibanos - ; how 4214 -posos - much 4214 -posos - more 3123 -mallon - [will he clothe] you , O ye of little 3640 - oligopistos - faith 3640 -oligopistos - ?

2316 LUK 012 031 But rather 4133 -plen - seek 2212 -zeteo - ye the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - ; and all 3956 -pas - these 5023 -tauta - things shall be added 4369 -prostithemi - unto you .

2316 LUK 013 013 And he laid 2007 -epitithemi - [his] hands 5495 -cheir - on 2007 -epitithemi - her : and immediately 3916 -parachrema - she was made LUK 0461 - anorthoo - straight LUK 0461 -anorthoo - , and glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 013 018 . Then 1161 -de - said 3004 -lego - he , Unto what 5101 -tis - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - like 3664 -homoios - ? and whereunto 5101 -tis - shall I resemble 3666 -homoioo - it ?

2316 LUK 013 020 And again 3825 -palin - he said 2036 -epo - , Whereunto 5101 -tis - shall I liken 3666 -homoioo - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - ?

2316 LUK 013 028 There 1563 -ekei - shall be weeping 2805 - klauthmos - and gnashing 1030 -brugmos - of teeth 3599 -odous - , when 3752 -hotan - ye shall see 3700 -optanomai - Abraham 11 , and Isaac 2464 -Isaak - , and Jacob 2384 - Iakob - , and all 3956 -pas - the prophets 4396 -prophetes - , in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and you [yourselves] thrust 1544 -ekballo - out .

2316 LUK 013 029 And they shall come 2240 -heko - from the east LUK 0395 -anatole - , and [from] the west 1424 - dusme - , and from the north 1005 -borrhas - , and [from] the south 3558 -notos - , and shall sit LUK 0347 - anaklino - down LUK 0347 -anaklino - in the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 014 015 . And when one 5100 -tis - of them that sat 4873 -sunanakeimai - at 4873 -sunanakeimai - meat with him heard LUK 0191 -akouo - these 5023 -tauta - things , he said 2036 -epo - unto him , Blessed 3107 -makarios - [is] he that shall eat 5315 -phago - bread 0740 -artos - in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 015 010 Likewise 3779 -houto - , I say 3004 -lego - unto you , there is joy 5479 -chara - in the presence 1799 - enopion - of the angels 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - over 1909 -epi - one 1520 -heis - sinner LUK 0268 - hamartolos - that repenteth 3340 -metanoeo - .

2316 LUK 016 013 No 3762 -oudeis - servant 3610 -oiketes - can 1410 -dunamai - serve 1398 -douleuo - two 1417 -duo - masters 2962 -kurios - : for either 2228 -e - he will hate 3404 -miseo - the one 1520 -heis - , and love LUK 0025 - agapao - the other 2087 -heteros - ; or 2228 -e - else he will hold LUK 0472 -antechomai - to the one 1520 -heis - , and despise 2706 -kataphroneo - the other 2087 -heteros - . Ye cannot 1410 -dunamai - serve 1398 -douleuo - God {2316} - theos - and mammon 3126 -mammonas - .

2316 LUK 016 015 And he said 2036 -epo - unto them , Ye are they which 3588 -ho - justify 1344 -dikaioo - yourselves 1438 -heautou - before 1799 -enopion - men LUK 0444 -

anthropos - ; but God 2316 -theos - knoweth 1097 -ginosko - your 5216 -humon - hearts 2588 -kardia - : for that which is highly 5308 -hupselos - esteemed among 1722 -en - men 0444 -anthropos - is abomination LUK 0946 -bdelugma - in the sight 1799 -enopion - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 016 015 And he said 2036 -epo - unto them , Ye are they which 3588 -ho - justify 1344 -dikaioo - yourselves 1438 -heautou - before 1799 -enopion - men LUK 0444 - anthropos - ; but God {2316} -theos - knoweth 1097 -ginosko - your 5216 -humon - hearts 2588 -kardia - : for that which is highly 5308 -hupselos - esteemed among 1722 -en - men 0444 -anthropos - is abomination LUK 0946 -bdelugma - in the sight 1799 -enopion - of God 2316 -theos - .

2316 LUK 016 016 The law 3551 -nomos - and the prophets 4396 -prophetes - [were] until 2193 -heos - John 2491 - Ioannes - : since LUK 0575 -apo - that time 5119 -tote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is preached 2097 -euaggelizo - , and every 3956 -pas - man presseth 0971 -biazo - into 1519 -eis - it .

2316 LUK 017 015 And one 1520 -heis - of them , when he saw 1492 -eido - that he was healed 2390 -iaomai - , turned 5290 -hupostrepho - back 5290 -hupostrepho - , and with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - glorified 1392 - doxazo - God {2316} -theos - ,

2316 LUK 017 018 There are not found 2147 -heurisko - that returned 5290 -hupostrepho - to give 1325 -didomi - glory 1391 -doxa - to God {2316} -theos - , save 1508 -ei me - this 3778 -houtos - stranger 0241 -allogenes - .

2316 LUK 017 020 . And when he was demanded 1905 -eperotao - of the Pharisees 5330 -Pharisaios - , when 4218 -pote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God 2316 -theos - should come 2064 -erchomai - , he answered 0611 -apokrinomai - them and said 2036 -epo - , The kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - cometh 2064 -erchomai - not with observation 3907 -parateresis - :

2316 LUK 017 020 . And when he was demanded 1905 -eperotao - of the Pharisees 5330 -Pharisaios - , when 4218 -pote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - should come 2064 -erchomai - , he answered 0611 -apokrinomai - them and said 2036 -epo - , The kingdom 0932 -basileia - of God 2316 -theos - cometh 2064 -erchomai - not with observation 3907 -parateresis - :

2316 LUK 017 021 Neither 3761 -oude - shall they say 2046 - ereo - , Lo 2400 -idou - here 5602 -hode - ! or 2228 -e - , lo 2400 -idou - there 1563 -ekei - ! for , behold 2400 -idou - , the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is within 1787 -entos - you .

2316 LUK 018 002 Saying 3004 -lego - , There was in a city 4172 -polis - a judge 2923 -krites - , which feared 5399 - phobeo - not God {2316} -theos - , neither 3366 -mede - regarded 1788 -entrepo - man LUK 0444 -anthropos - :

2316 LUK 018 004 And he would 2309 -thelo - not for a while 5550 -chronos - : but afterward 5023 -tauta - he said 2036 - epo - within 1722 -en - himself 1438 -heautou - , Though 1499 -ei kai - I fear 5399 -phobeo - not God {2316} -theos - , nor 3756 -ou - regard 1788 -entrepo - man 0444 -anthropos - ;

2316 LUK 018 007 And shall not God {2316} -theos - avenge 1557 -ekdikesis - his own elect 1588 -eklektos - , which 3588 -ho - cry LUK 0994 -boao - day 2250 -hemera - and night 3571 -nux - unto him , though 2532 -kai - he bear 3114 -makrothumeo - long 3114 -makrothumeo - with them ?

2316 LUK 018 011 The Pharisee 5330 -Pharisaios - stood 2476 -histemi - and prayed 4336 -proseuchomai - thus 5023 -tauta - with himself 1438 -heautou - , God {2316} -theos - , I thank 2168 -eucharisteo - thee , that I am 1510 -eimi - not as other 3062 -loipoy - men LUK 0444 -anthropos - [are] , extortioners LUK 0727 -harpax - , unjust LUK 0094 -adikos - , adulterers 3432 -moichos - , or 2228 -e - even 2532 -kai - as this 3778 -houtos - publican 5057 -telones - .

2316 LUK 018 013 And the publican 5057 -telones - , standing 2476 -histemi - afar 3113 -makrothen - off , would 2309 -thelo - not lift 1869 -epairo - up so 3761 -oude - much 3761 -oude - as [his] eyes 3788 -ophthalmos - unto heaven 3772 -ouranos - , but smote 5180 -tupto - upon his breast 4738 -stethos - , saying 3004 -lego - , God {2316} -theos - be merciful 2433 -hilaskomai - to me a sinner LUK 0268 -hamartolos - .

2316 LUK 018 016 But Jesus 2424 -Iesous - called 4341 -proskaleomai - them [unto him] , and said 2036 -epo - , Suffer LUK 0863 -aphiemi - little 3813 -paidion - children 3813 -paidion - to come 2064 -erchomai - unto me , and forbid 2967 -koluo - them not : for of such 5108 -toioutos - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 017 Verily LUK 0281 -amen - I say 3004 -lego - unto you , Whosoever 1437 -ean - shall not receive 1209 -dechomai - the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - as a little 3813 -paidion - child 3813 -paidion - shall in no 3364 -ou me - wise enter 1525 -eiserchomai - therein LUK 0846 -autos - .

2316 LUK 018 019 And Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , Why 5101 -tis - callest 3004 -lego - thou me good LUK 0018 -agathos - ? none 3762 -oudeis - [is] good LUK 0018 -agathos - , save 1508 -ei me - one 1520 -heis - , [that is] , God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 024 And when Jesus 2424 -Iesous - saw 1492 -eido - that he was very 4036 -perilupos - sorrowful 4036 -perilupos - , he said 2036 -epo - , How 4459 -pos - hardly 1423 -duskolos - shall they that have 2192 -echo - riches 5536 -chrema - enter 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - !

2316 LUK 018 025 For it is easier 2123 -eukopoteros - for a camel 2574 -kamelos - to go 1525 -eiserchomai - through 1223 -dia - a needle s 4476 -rhaphis - eye 5168 -trumalia - , than 2228 -e - for a rich 4145 -plousios - man to enter 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 027 And he said 2036 -epo - , The things which are impossible 0102 -adunatos - with men LUK 0444 -anthropos - are possible 1415 -dunatos - with God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 029 And he said 2036 -epo - unto them , Verily LUK 0281 -amen - I say 3004 -lego - unto you , There is no

3762 -oudeis - man 3762 -oudeis - that hath left LUK 0863 - aphiemi - house 3614 -oikia - , or 2228 -e - parents 1118 - goneus - , or 2228 -e - brethren LUK 0080 -adephos - , or 2228 -e - wife 1135 -gune - , or 2228 -e - children 5043 - teknon - , for the kingdom LUK 0932 -basileia - of God s {2316} -theos - sake 1752 -heneka - ,

2316 LUK 018 043 And immediately 3916 -parachrema - he received LUK 0308 -anablepo - his sight LUK 0308 -anablepo - , and followed LUK 0190 -akoloutheo - him , glorifying 1392 - doxazo - God 2316 -theos - : and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - , when they saw 1492 -eido - [it] , gave 1325 -didomi - praise LUK 0136 -ainos - unto God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 043 And immediately 3916 -parachrema - he received LUK 0308 -anablepo - his sight LUK 0308 -anablepo - , and followed LUK 0190 -akoloutheo - him , glorifying 1392 - doxazo - God {2316} -theos - : and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - , when they saw 1492 -eido - [it] , gave 1325 -didomi - praise LUK 0136 -ainos - unto God 2316 - theos - .

2316 LUK 019 011 . And as they heard LUK 0191 -akouo - these 5023 -tauta - things , he added 4369 -prostithemi - and spake 2036 -epo - a parable 3850 -parabole - , because 1223 -dia - he was nigh 1451 -eggus - to Jerusalem 2419 - Hierousalem - , and because they thought 1380 -dokeo - that the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - should 3195 -mello - immediately 3916 -parachrema - appear LUK 0398 -anaphaino - .

2316 LUK 019 037 And when he was come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - , even 2536 -Kainan - now 2236 -hedista - at 4314 -pros - the descent 2600 -katabasis - of the mount 3735 -oros - of Olives 1636 -elaia - , the whole LUK 0537 -hapas - multitude 4128 -plethos - of the disciples 3101 -mathetes - began LUK 0756 -archomai - to rejoice 5463 -chairo - and praise LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - for all 3956 -pas - the mighty 1411 -dunamis - works that they had seen 1492 -eido - ;

2316 LUK 020 021 And they asked 1905 -eperotao - him , saying 3004 -lego - , Master 1320 -didaskalos - , we know 1492 -eido - that thou sayest 3004 -lego - and teachest 1321 - didasko - rightly 3723 -orthos - , neither 3756 -ou - acceptest 2983 -lambano - thou the person 4383 -prosopon - [of any] , but teachest 1321 -didasko - the way 3598 -hodos - of God {2316} -theos - truly LUK 0225 -aletheia - :

2316 LUK 020 025 And he said 2036 -epo - unto them , Render LUK 0591 -apodidomi - therefore 5106 -toinun - unto Caesar 2541 -Kaisar - the things which be Caesar s 2541 -Kaisar - , and unto God 2316 -theos - the things which be God s {2316} - theos - .

2316 LUK 020 025 And he said 2036 -epo - unto them , Render LUK 0591 -apodidomi - therefore 5106 -toinun - unto Caesar 2541 -Kaisar - the things which be Caesar s 2541 -Kaisar - , and unto God {2316} -theos - the things which be God s 2316 - theos - .

2316 LUK 020 036 Neither 3777 -oute - can 1410 -dunamai - they die 0599 -apothnesko - any 2089 -eti - more 2089 -eti - : for they are equal 2465 -isaggelos - unto the angels 2465

-isaggelos - ; and are the children 5207 -huios - of God {2316} -theos - , being 5607 -on - the children 5207 -huios - of the resurrection LUK 0386 -anastasis - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God 2316 -theos - of Abraham 11 , and the God 2316 -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God {2316} -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God 2316 -theos - of Abraham 11 , and the God {2316} -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God 2316 -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God {2316} -theos - of Abraham 11 , and the God 2316 -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God 2316 -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 038 For he is not a God {2316} -theos - of the dead 3498 -nekros - , but of the living 2198 -zao - : for all 3956 -pas - live 2198 -zao - unto him .

2316 LUK 021 004 For all LUK 0537 -hapas - these 3778 - houtos - have of their abundance 4052 -perisseuo - cast LUK 0906 -ballo - in unto the offerings 1435 -doron - of God {2316} -theos - : but she of her penury 5303 -husterema - hath cast LUK 0906 -ballo - in all LUK 0537 -hapas - the living LUK 0979 -bios - that she had 2192 -echo - .

2316 LUK 021 031 So 3779 -houto - likewise 2532 -kai - ye , when 3752 -hotan - ye see 1492 -eido - these 5023 -tauta - things come 1096 -ginomai - to pass , know 1097 -ginosko - ye that the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is nigh 1451 -eggus - at 1451 -eggus - hand .

2316 LUK 022 016 For I say 3004 -lego - unto you , I will not any 3765 -ouketi - more 3765 -ouketi - eat 5315 -phago - thereof LUK 0846 -autos - , until 2193 -heos - it be fulfilled 4137 -pleroo - in the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 022 018 For I say 3004 -lego - unto you , I will not drink 4095 -pino - of the fruit 1081 -gennema - of the vine LUK 0288 -ampelos - , until 2193 -heos - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - shall come 2064 - erchomai - .

2316 LUK 022 069 Hereafter 3568 -nun - shall the Son 5207 - huios - of man 0444 -anthropos - sit 2521 -kathemai - on 1537 -ek - the right 1188 -dexios - hand of the power 1411 - dunamis - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 022 070 Then 1161 -de - said 5346 -phemi - they all 3956 -pas - , Art 1488 -ei - thou then 3767 -oun - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - ? And he said 2036 -epo - unto them , Ye say 3004 -lego - that I am 1510 -eimi -

.

2316 LUK 023 035 And the people 2992 -laos - stood 2476 -
histemi - beholding 2334 -theoreo - . And the rulers LUK
0758 -archon - also 2532 -kai - with them derided 1592 -
ekmukterizo - [him] , saying 3004 -lego - , He saved
4982 -sozo - others LUK 0243 -allos - ; let him save 4982 -
sozo - himself 1438 -heautou - , if 1487 -ei - he be Christ
5547 -Christos - , the chosen 1588 -eklektos - of God
{2316} -theos - .

2316 LUK 023 040 But the other 2087 -heteros - answering LUK
0611 -apokrinomai - rebuked 2008 -epitimao - him , saying
3004 -lego - , Dost not thou fear 5399 -phobeo - God {2316} -
theos - , seeing 3754 -hoti - thou art 1488 -ei - in the
same LUK 0846 -autos - condemnation 2917 -krima - ?

2316 LUK 023 047 Now 1161 -de - when the centurion 1543 -
hekatontarches - saw 1492 -eido - what 3588 -ho - was done
1096 -ginomai - , he glorified 1392 -doxazo - God {2316} -
theos - , saying 3004 -lego - , Certainly 3689 -ontos -
this 3778 -houtos - was a righteous 1342 -dikaios - man 0444
-anthropos - .

2316 LUK 023 051 (The same 3778 -houtos - had not consented
4784 -sugkatatithemai - to the counsel 1012 -boule - and deed
4234 -praxis - of them ;) [he was] of Arimathaea LUK
0707 -Arimathaia - , a city 4172 -polis - of the Jews 2453 -
Ioudaios - : who 3739 -hos - also 2532 -kai - himself 0846
-autos - waited 4327 -prosdechomai - for the kingdom 0932 -
basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 024 019 And he said 2036 -epo - unto them , What
4169 -poios - things ? And they said 2036 -epo - unto him ,
Concerning 4012 -peri - Jesus 2424 -Iesous - of Nazareth
3478 -Nazareth - , which 3739 -hos - was a prophet 4396 -
prophetes - mighty 1415 -dunatos - in deed 2041 -ergon - and
word 3056 -logos - before 1726 -enantion - God {2316} -
theos - and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - :

2316 LUK 024 053 And were continually 1725 -enanti - in the
temple 2411 -hieron - , praising LUK 0134 -aineo - and
blessing 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - . Amen LUK
0281 -amen - .

2316 JOH 001 001 . In the beginning <0746 -arche -> was the
Word <3056 -logos -> , and the Word <3056 -logos -> was with
God <2316 -theos -> , and the Word <3056 -logos -> was God
<{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 001 . In the beginning <0746 -arche -> was the
Word <3056 -logos -> , and the Word <3056 -logos -> was with
God <{2316} -theos -> , and the Word <3056 -logos -> was God
<2316 -theos -> .

2316 JOH 001 002 The same <3778 -houtos -> was in the beginning
<0746 -arche -> with God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 006 There was a man <0444 -anthropos -> sent <0649
-apostello -> from God <{2316} -theos -> , whose <0846 -autos -
> name <3686 -onoma -> [was] John <2491 -Ioannes -> .

2316 JOH 001 012 But as many <3745 -hosos -> as received <2983 -
lambano -> him , to them gave <1325 -didomi -> he power <1849 -
exousia -> to become <1096 -ginomai -> the sons <5043 -teknon ->
of God <{2316} -theos -> , [even] to them that believe

<4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> his name <3686 -onoma -> :

2316 JOH 001 013 Which <3739 -hos -> were born <1080 -gennao -> , not of blood <0129 -haima -> , nor <3761 -oude -> of the will <2307 -thelema -> of the flesh <4561 -sarx -> , nor <3761 -oude -> of the will <2307 -thelema -> of man <0435 -aner -> , but of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 018 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <3708 -horao -> God <{2316} -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> ; the only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> , which <3588 -ho -> is in the bosom <2859 -kolpos -> of the Father <3962 -pater -> , he hath declared <1834 -exegeomai -> [him] .

2316 JOH 001 029 . The next <1887 -epaurion -> day <1887 -epaurion -> John <2491 -Ioannes -> seeth <0991 -blepo -> Jesus <2424 -Iesous -> coming <2064 -erchomai -> unto him , and saith <3004 -lego -> , Behold <2396 -ide -> the Lamb <0286 -amnos -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> taketh <0142 -airo -> away the sin <0266 -hamartia -> of the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 001 034 And I saw <3708 -horao -> , and bare <3140 -martureo -> record <3140 -martureo -> that this <3778 -houtos -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 036 And looking <1689 -emblepo -> upon Jesus <2424 -Iesous -> as he walked <4043 -peripateo -> , he saith <3004 -lego -> , Behold <2396 -ide -> the Lamb <0286 -amnos -> of God <{2316} -theos -> !

2316 JOH 001 049 Nathanael <3482 -Nathanael -> answered <0611 -apokrinomai -> and saith <3004 -lego -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , thou art <1488 -ei -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; thou art <1488 -ei -> the King <0935 -basileus -> of Israel <2474 -Israel -> .

2316 JOH 001 051 And he saith <3004 -lego -> unto him , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto you , Hereafter <0737 -arti -> ye shall see <3700 -optanomai -> heaven <3772 -ouranos -> open <0455 -anoigo -> , and the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> ascending <0305 -anabaino -> and descending <2597 -katabaino -> upon the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> .

2316 JOH 003 002 The same <3778 -houtos -> came <2064 -erchomai -> to Jesus <2424 -Iesous -> by night <3571 -nux -> , and said <2036 -epo -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , we know <1492 -eido -> that thou art a teacher <1320 -didaskalos -> come <2064 -erchomai -> from God <2316 -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> these <5023 -tauta -> miracles <4592 -semeion -> that thou doest <4160 -poieo -> , except <3362 -ean me -> God <{2316} -theos -> be with him .

2316 JOH 003 002 The same <3778 -houtos -> came <2064 -erchomai -> to Jesus <2424 -Iesous -> by night <3571 -nux -> , and said <2036 -epo -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , we know <1492 -eido -> that thou art a teacher <1320 -didaskalos -> come <2064 -erchomai -> from God <{2316} -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> these <5023 -tauta -> miracles <4592 -semeion -> that thou doest <4160 -poieo -> , except <3362 -ean me -> God <2316 -theos -> be with him .

2316 JOH 003 003 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto thee , Except <3362 -ean me -> a man <5100 -tis -> be born <1080 -gennao -> again <0509 -anothen -> , he cannot <1410 -dunamai -> see <1492 -eido -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 005 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto thee , Except <3362 -ean me -> a man <5100 -tis -> be born <1080 -gennao -> of water <5204 -hudor -> and [of] the Spirit <4151 -pneuma -> , he cannot <1410 -dunamai -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 016 For God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> loved <0025 -agapao -> the world <2889 -kosmos -> , that he gave <1325 -didomi -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> , that whosoever <3588 -ho -> believeth <4100 -pisteuo -> in him should not perish <0622 -apollumi -> , but have <2192 -echo -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 JOH 003 017 For God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> not his Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> to condemn <2919 -krino -> the world <2889 -kosmos -> ; but that the world <2889 -kosmos -> through <1223 -dia -> him might be saved <4982 -sozo -> .

2316 JOH 003 018 He that believeth <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> him is not condemned <2919 -krino -> : but he that believeth <4100 -pisteuo -> not is condemned <2919 -krino -> already <2235 -ede -> , because <3754 -hoti -> he hath not believed <4100 -pisteuo -> in the name <3686 -onoma -> of the only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 021 But he that doeth <4160 -poieo -> truth <0225 -aletheia -> cometh <2064 -erchomai -> to the light <5457 -phos -> , that his deeds <2041 -ergon -> may be made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> , that they are wrought <2038 -ergazomai -> in God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 033 He that hath received <2983 -lambano -> his testimony <3141 -marturia -> hath set <4972 -sphragizo -> to his seal <4972 -sphragizo -> that God <{2316} -theos -> is true <0227 -alethes -> .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> : for God <{2316} -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> : for God <2316 -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> : for God <2316 -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma ->

by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 036 He that believeth <4100 -pisteuo -> on <1519 -
eis -> the Son <5207 -huios -> hath <2192 -echo -> everlasting
<0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> : and he that believeth
<0544 -apeitheo -> not the Son <5207 -huios -> shall not see
<3700 -optanomai -> life <2222 -zoe -> ; but the wrath <3709 -
orge -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> on <1909
-epi -> him .

2316 JOH 004 010 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -
apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto her , If <1487 -ei -
> thou knewest <1492 -eido -> the gift <1431 -dorea -> of God
<{2316} -theos -> , and who <5101 -tis -> it is that saith
<3004 -lego -> to thee , Give <1325 -didomi -> me to drink
<4095 -pino -> ; thou wouldest have asked <0154 -aiteo -> of
him , and he would have given <1325 -didomi -> thee living
<2198 -zao -> water <5204 -hudor -> .

2316 JOH 004 024 God <{2316} -theos -> [is] a Spirit <4151 -
pneuma -> : and they that worship <4352 -proskuneo -> him must
<1163 -dei -> worship <4352 -proskuneo -> [him] in spirit
<4151 -pneuma -> and in truth <0225 -aletheia -> .

2316 JOH 005 018 Therefore <5124 -touto -> the Jews <2453 -
Ioudaios -> sought <2212 -zeteo -> the more <3123 -mallon -> to
kill <0615 -apokteino -> him , because <3754 -hoti -> he not
only <3440 -monon -> had broken <3089 -luo -> the sabbath <4521 -
sabbaton -> , but said <3004 -lego -> also <2532 -kai -> that
God <2316 -theos -> was his Father <3962 -pater -> , making
<4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> equal <2470 -isos ->
with God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 005 018 Therefore <5124 -touto -> the Jews <2453 -
Ioudaios -> sought <2212 -zeteo -> the more <3123 -mallon -> to
kill <0615 -apokteino -> him , because <3754 -hoti -> he not
only <3440 -monon -> had broken <3089 -luo -> the sabbath <4521 -
sabbaton -> , but said <3004 -lego -> also <2532 -kai -> that
God <{2316} -theos -> was his Father <3962 -pater -> , making
<4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> equal <2470 -isos ->
with God <2316 -theos -> .

2316 JOH 005 025 Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen ->
, I say <3004 -lego -> unto you , The hour <5610 -hora -> is
coming <2064 -erchomai -> , and now <3568 -nun -> is , when
<3753 -hote -> the dead <3498 -nekros -> shall hear <0191 -akouo
-> the voice <5456 -phone -> of the Son <5207 -huios -> of God
<{2316} -theos -> : and they that hear <0191 -akouo -> shall
live <2198 -zao -> .

2316 JOH 005 042 But I know <1097 -ginosko -> you , that ye
have <2192 -echo -> not the love <0026 -agape -> of God <{2316} -
theos -> in you .

2316 JOH 005 044 How <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> ye
believe <4100 -pisteuo -> , which receive <2983 -lambano ->
honour <1391 -doxa -> one <0240 -allelon -> of another <0240 -
allelon -> , and seek <2212 -zeteo -> not the honour <1391 -
doxa -> that [cometh] from God <{2316} -theos -> only <3441 -
monos -> ?

2316 JOH 006 027 Labour <2038 -ergazomai -> not for the meat
<1035 -brosis -> which <3588 -ho -> perisheth <0622 -apollumi ->
, but for that meat <1035 -brosis -> which <3588 -ho ->
endureth <3306 -meno -> unto everlasting <0166 -aionios -> life
<2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> the Son <5207 -huios -> of

man <0444 -anthropos -> shall give <1325 -didomi -> unto you :
for him hath God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater ->
sealed <4972 -sphragizo -> .

2316 JOH 006 028 . Then <3767 -oun -> said <2036 -epo -> they
unto him , What <5101 -tis -> shall we do <4160 -poieo -> ,
that we might work <2038 -ergazomai -> the works <2041 -ergon ->
of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 006 029 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -
apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , This <5124 -
touto -> is the work <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> ,
that ye believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> him whom
<3739 -hos -> he hath sent <0649 -apostello -> .

2316 JOH 006 033 For the bread <0740 -artos -> of God <{2316} -
theos -> is he which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> from heaven <3772 -ouranos -> , and
giveth <1325 -didomi -> life <2222 -zoe -> unto the world <2889 -
kosmos -> .

2316 JOH 006 045 It is written <1125 -grapho -> in the prophets
<4396 -prophetes -> , And they shall be all <3956 -pas ->
taught <1318 -didaktos -> of God <{2316} -theos -> . Every
<3956 -pas -> man therefore <3767 -oun -> that hath heard <0191 -
akouo -> , and hath learned <3129 -manthano -> of the Father
<3962 -pater -> , cometh <2064 -erchomai -> unto me .

2316 JOH 006 046 Not that any <5100 -tis -> man hath seen <3708
-horao -> the Father <3962 -pater -> , save <1508 -ei me -> he
which <3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> , he hath seen
<3708 -horao -> the Father <3962 -pater -> .

2316 JOH 006 069 And we believe <4100 -pisteuo -> and are sure
<1097 -ginosko -> that thou art <1488 -ei -> that Christ <5547 -
Christos -> , the Son <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -
> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 007 017 If <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man will
<2309 -thelo -> do <4160 -poieo -> his will <2307 -thelema -> ,
he shall know <1097 -ginosko -> of the doctrine <1322 -didache -
> , whether <4220 -poteron -> it be of God <{2316} -theos -> ,
or <2228 -e -> [whether] I speak <2980 -laleo -> of myself
<1683 -emautou -> .

2316 JOH 008 040 But now <3568 -nun -> ye seek <2212 -zeteo ->
to kill <0615 -apokteino -> me , a man <0444 -anthropos -> that
hath told <2980 -laleo -> you the truth <0225 -aletheia -> ,
which <3739 -hos -> I have heard <0191 -akouo -> of God <{2316} -
theos -> : this <5124 -touto -> did <4160 -poieo -> not Abraham
<11> .

2316 JOH 008 041 Ye do <4160 -poieo -> the deeds <2041 -ergon -
> of your <5216 -humon -> father <3962 -pater -> . Then <3767 -
oun -> said <2036 -epo -> they to him , We be not born <1080 -
gennao -> of fornication <4202 -porneia -> ; we have <2192 -
echo -> one <1520 -heis -> Father <3962 -pater -> ,   [even]
God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 008 042 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto
them , If <1487 -ei -> God <2316 -theos -> were your <5216 -
humon -> Father <3962 -pater -> , ye would love <0025 -agapao -
> me : for I proceeded <1831 -exerchomai -> forth <1831 -
exerchomai -> and came <2240 -heko -> from God <{2316} -theos ->
; neither <3761 -oude -> came <2064 -erchomai -> I of myself
<1683 -emautou -> , but he sent <0649 -apostello -> me .

2316 JOH 008 042 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto them , If <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> were your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> , ye would love <0025 -agapao -> me : for I proceeded <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> and came <2240 -heko -> from God <2316 -theos -> ; neither <3761 -oude -> came <2064 -erchomai -> I of myself <1683 -emautou -> , but he sent <0649 -apostello -> me .

2316 JOH 008 047 He that is of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <2316 -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 008 047 He that is of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <{2316} -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <2316 -theos -> .

2316 JOH 008 047 He that is of God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <2316 -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <2316 -theos -> .

2316 JOH 008 054 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , If <1437 -ean -> I honour <1392 -doxazo -> myself <1683 -emautou -> , my honour <1391 -doxa -> is nothing <3762 -oudeis -> : it is my Father <3962 -pater -> that honoureth <1392 -doxazo -> me ; of whom <3739 -hos -> ye say <3004 -lego -> , that he is your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> :

2316 JOH 009 003 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , Neither <3777 -oute -> hath this <3778 -houtos -> man sinned <0264 -hamartano -> , nor <3777 -oute -> his parents <1118 -goneus -> : but that the works <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> should be made manifest <5319 -phaneroo -> in him .

2316 JOH 009 016 Therefore <3767 -oun -> said <3004 -lego -> some <5100 -tis -> of the Pharisees <5330 -Pharisaios -> , This <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> is not of God <{2316} -theos -> , because <3754 -hoti -> he keepeth <5083 -tereo -> not the sabbath <4521 -sabbaton -> day . Others <0243 -allos -> said <3004 -lego -> , How <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> a man <0444 -anthropos -> that is a sinner <0268 -hamartolos -> do <4160 -poieo -> such <5108 -toioutos -> miracles <4592 -semeion -> ? And there was a division <4978 -schisma -> among <1722 -en -> them .

2316 JOH 009 024 Then <3767 -oun -> again <1208 -deuteros -> called <5455 -phoneo -> they the man <0444 -anthropos -> that was blind <5185 -tuphlos -> , and said <2036 -epo -> unto him , Give <1325 -didomi -> God <{2316} -theos -> the praise <1391 -doxa -> : we know <1492 -eido -> that this <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> is a sinner <0268 -hamartolos -> .

2316 JOH 009 029 We know <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> unto Moses <3475 -Moseus -> : [as for] this <5126 -touton -> [fellow] , we know <1492 -eido -> not from whence <4159 -pothen -> he is .

2316 JOH 009 031 Now <1161 -de -> we know <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> not sinners <0268 -hamartolos -> : but if <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man be a worshipper <2318 -theosebes -> of God <2318 -theosebes -> , and

doeth <4160 -poieo -> his will <2307 -thelema -> , him he heareth <0191 -akouo -> .

2316 JOH 009 033 If <1487 -ei -> this <3778 -houtos -> man were not of God <{2316} -theos -> , he could <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> nothing <3762 -oudeis -> .

2316 JOH 009 035 . Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> that they had cast <1544 -ekballo -> him out ; and when he had found <2147 -heurisko -> him , he said <2036 -epo -> unto him , Dost thou believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 010 033 The Jews <2453 -Ioudaios -> answered <0611 -apokrinomai -> him , saying <3004 -lego -> , For a good <2570 -kalos -> work <2041 -ergon -> we stone <3034 -lithazo -> thee not ; but for blasphemy <0988 -blasphemia -> ; and because <3754 -hoti -> that thou , being <5607 -on -> a man <0444 -anthropos -> , makest <4160 -poieo -> thyself <4572 -seautou -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 010 034 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> them , Is it not written <1125 -grapho -> in your <5216 -humon -> law <3551 -nomos -> , I said <2036 -epo -> , Ye are gods <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 010 035 If <1487 -ei -> he called <2036 -epo -> them gods <2316 -theos -> , unto whom <3739 -hos -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> came <1096 -ginomai -> , and the scripture <1124 -graphe -> cannot <1410 -dunamai -> be broken <3089 -luo -> ;

2316 JOH 010 035 If <1487 -ei -> he called <2036 -epo -> them gods <{2316} -theos -> , unto whom <3739 -hos -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> came <1096 -ginomai -> , and the scripture <1124 -graphe -> cannot <1410 -dunamai -> be broken <3089 -luo -> ;

2316 JOH 010 036 Say <3004 -lego -> ye of him , whom <3739 -hos -> the Father <3962 -pater -> hath sanctified <0037 -hagiazo -> , and sent <0649 -apostello -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , Thou blasphemest <0987 -blasphemeo -> ; because <3754 -hoti -> I said <2036 -epo -> , I am the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 011 004 When Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> [that] , he said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> sickness <0769 -astheneia -> is not unto death <2288 -thanatos -> , but for the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> , that the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> might be glorified <1392 -doxazo -> thereby <0846 -autos -> .

2316 JOH 011 004 When Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> [that] , he said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> sickness <0769 -astheneia -> is not unto death <2288 -thanatos -> , but for the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , that the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> might be glorified <1392 -doxazo -> thereby <0846 -autos -> .

2316 JOH 011 022 But I know <1492 -eido -> , that even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> , whatsoever <0302 -an -> thou wilt ask <0154 -aiteo -> of God <2316 -theos -> , God <{2316} -theos -> will give <1325 -didomi -> [it] thee .

2316 JOH 011 022 But I know <1492 -eido -> , that even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> , whatsoever <0302 -an -> thou wilt

ask <0154 -aiteo -> of God <{2316} -theos -> , God <2316 -theos -> will give <1325 -didomi -> [it] thee .

2316 JOH 011 027 She saith <3004 -lego -> unto him , Yea <3483 -nai -> , Lord <2962 -kurios -> : I believe <4100 -pisteuo -> that thou art <1488 -ei -> the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> should come <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 011 040 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Said <2036 -epo -> I not unto thee , that , if <1437 -ean -> thou wouldest believe <4100 -pisteuo -> , thou shouldest see <3700 -optanomai -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 011 052 And not for that nation <1484 -ethnos -> only <3440 -monon -> , but that also <2532 -kai -> he should gather <4863 -sunago -> together <4863 -sunago -> in one <1520 -heis -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> that were scattered <1287 -diaskorpizo -> abroad <1287 -diaskorpizo -> .

2316 JOH 012 043 For they loved <0025 -agapao -> the praise <1391 -doxa -> of men <0444 -anthropos -> more <3123 -mallon -> than <2260 -eper -> the praise <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 013 003 Jesus <2424 -Iesous -> knowing <1492 -eido -> that the Father <3962 -pater -> had given <1325 -didomi -> all <3956 -pas -> things into <1519 -eis -> his hands <5495 -cheir -> , and that he was come <1831 -exerchomai -> from God <2316 -theos -> , and went <5217 -hupago -> to God <{2316} -theos -> ;

2316 JOH 013 003 Jesus <2424 -Iesous -> knowing <1492 -eido -> that the Father <3962 -pater -> had given <1325 -didomi -> all <3956 -pas -> things into <1519 -eis -> his hands <5495 -cheir -> , and that he was come <1831 -exerchomai -> from God <{2316} -theos -> , and went <5217 -hupago -> to God <2316 -theos -> ;

2316 JOH 013 031 . Therefore <3767 -oun -> , when <3753 -hote -> he was gone <1831 -exerchomai -> out , Jesus <2424 -Iesous -> said <3004 -lego -> , Now <3568 -nun -> is the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> glorified <1392 -doxazo -> , and God <{2316} -theos -> is glorified <1392 -doxazo -> in him .

2316 JOH 013 032 If <1487 -ei -> God <2316 -theos -> be glorified <1392 -doxazo -> in him , God <{2316} -theos -> shall also <2532 -kai -> glorify <1392 -doxazo -> him in himself <1438 -heautou -> , and shall straightway <2117 -euthus -> glorify <1392 -doxazo -> him .

2316 JOH 013 032 If <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> be glorified <1392 -doxazo -> in him , God <2316 -theos -> shall also <2532 -kai -> glorify <1392 -doxazo -> him in himself <1438 -heautou -> , and shall straightway <2117 -euthus -> glorify <1392 -doxazo -> him .

2316 JOH 014 001 . Let not your <5216 -humon -> heart <2588 -kardia -> be troubled <5015 -tarasso -> : ye believe <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> , believe <4100 -pisteuo -> also <2532 -kai -> in me .

2316 JOH 016 002 They shall put <4160 -poieo -> you out of the synagogues <0656 -aposunagogos -> : yea <0235 -alla -> , the time <5610 -hora -> cometh <2064 -erchomai -> , that whosoever <3588 -ho -> killeth <0615 -apokteino -> you will think <1380 -

dokeo -> that he doeth <4374 -prosphero -> God <{2316} -theos -> service <2999 -latreia -> .

2316 JOH 016 027 For the Father <3962 -pater -> himself <0846 -autos -> loveth <5368 -phileo -> you , because <3754 -hoti -> ye have loved <5368 -phileo -> me , and have believed <4100 -pisteuo -> that I came <1831 -exerchomai -> out from God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 016 030 Now <3568 -nun -> are we sure <1492 -eido -> that thou knowest <1492 -eido -> all <3956 -pas -> things , and needest <5532 -chreia -> not that any <5100 -tis -> man should ask <2065 -erotao -> thee : by this <5129 -toutoi -> we believe <4100 -pisteuo -> that thou camest <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> from God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 017 003 And this <3778 -houtos -> is life <2222 -zoe -> eternal <0166 -aionios -> , that they might know <1097 -ginosko -> thee the only <3441 -monos -> true <0258 -alopex -> God <{2316} -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , whom <3739 -hos -> thou hast sent <0649 -apostello -> .

2316 JOH 019 007 The Jews <2453 -Ioudaios -> answered <0611 -apokrinomai -> him , We have <2192 -echo -> a law <3551 -nomos -> , and by our law <3551 -nomos -> he ought <3784 -opheilo -> to die <0599 -apothnesko -> , because <3754 -hoti -> he made <4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 017 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Touch <0680 -haptomai -> me not ; for I am not yet <3768 -oupo -> ascended <0305 -anabaino -> to my Father <3962 -pater -> : but go <4198 -poreuomai -> to my brethren <0080 -adephos -> , and say <2036 -epo -> unto them , I ascend <0305 -anabaino -> unto my Father <3962 -pater -> , and your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> ; and [to] my God <2316 -theos -> , and your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 017 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Touch <0680 -haptomai -> me not ; for I am not yet <3768 -oupo -> ascended <0305 -anabaino -> to my Father <3962 -pater -> : but go <4198 -poreuomai -> to my brethren <0080 -adephos -> , and say <2036 -epo -> unto them , I ascend <0305 -anabaino -> unto my Father <3962 -pater -> , and your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> ; and [to] my God <{2316} -theos -> , and your <5216 -humon -> God <2316 -theos -> .

2316 JOH 020 028 And Thomas <2381 -Thomas -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , My Lord <2962 -kurios -> and my God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 031 But these <5023 -tauta -> are written <1125 -grapho -> , that ye might believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; and that believing <4100 -pisteuo -> ye might have <2192 -echo -> life <2222 -zoe -> through <1722 -en -> his name <3686 -onoma -> .

2316 JOH 021 019 This <5124 -touto -> spake <2036 -epo -> he , signifying <4591 -semaino -> by what <4169 -poios -> death <2288 -thanatos -> he should glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> . And when he had spoken <2036 -epo -> this <5124 -touto -> , he saith <3004 -lego -> unto him , Follow <0190 -akoloutheo -> me .

2316 ACT 001 003 To whom <3739 -hos -> also <2532 -kai -> he shewed <3936 -paristemi -> himself <1438 -heautou -> alive <2198 -zao -> after <3326 -meta -> his passion <3958 -pascho -> by many <4183 -polus -> infallible proofs <5039 -tekmerion -> , being seen <3700 -optanomai -> of them forty <5062 -tessarakonta -> days <2250 -hemera -> , and speaking <3004 -lego -> of the things pertaining <4012 -peri -> to the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 002 011 Cretes <2912 -Kres -> and Arabians <0690 ->Araps -> , we do hear <0191 -akouo -> them speak <2980 -laleo -> in our tongues <1100 -glossa -> the wonderful <3167 -megaleios -> works of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 002 017 And it shall come <1511 -einai -> to pass in the last <2078 -eschatos -> days <2250 -hemera -> , saith <3004 -lego -> God <{2316} -theos -> , I will pour <1632 -ekcheo -> out of my Spirit <4151 -pneuma -> upon all <3956 -pas -> flesh <4561 -sarx -> : and your <5216 -humon -> sons <5207 -huios -> and your <5216 -humon -> daughters <2364 -thugater -> shall prophesy <4395 -propheteuo -> , and your <5216 -humon -> young <3495 -neaniskos -> men <3495 -neaniskos -> shall see <3070 -Ludia -> visions <3706 -horasis -> , and your <5216 -humon -> old <4245 -presbuteros -> men shall dream <1798 -enupnion -> dreams <1797 -enupniazomai -> :

2316 ACT 002 022 Ye men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , hear <0191 -akouo -> these <5128 -toutous -> words <3056 -logos -> ; Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , a man <0435 -aner -> approved <0584 -apodeiknumi -> of God <2316 -theos -> among <1519 -eis -> you by miracles <1411 -dunamis -> and wonders <5059 -teras -> and signs <4591 -semaino -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> did <4160 -poieo -> by him in the midst <3319 -mesos -> of you , as ye yourselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> know <1492 -eido -> :

2316 ACT 002 022 Ye men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , hear <0191 -akouo -> these <5128 -toutous -> words <3056 -logos -> ; Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , a man <0435 -aner -> approved <0584 -apodeiknumi -> of God <{2316} -theos -> among <1519 -eis -> you by miracles <1411 -dunamis -> and wonders <5059 -teras -> and signs <4591 -semaino -> , which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> did <4160 -poieo -> by him in the midst <3319 -mesos -> of you , as ye yourselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> know <1492 -eido -> :

2316 ACT 002 023 Him , being delivered <1560 -ekdotos -> by the determinate <3724 -horizo -> counsel <1012 -boule -> and foreknowledge <4268 -prognosis -> of God <{2316} -theos -> , ye have taken <2983 -lambano -> , and by wicked <0459 -anomos -> hands <5495 -cheir -> have crucified <4362 -prospegnumi -> and slain <0337 -anaireo -> :

2316 ACT 002 024 Whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath raised <0450 -anistemi -> up , having loosed <3089 -luo -> the pains <5604 -odin - -Ozias -> of death <2288 -thanatos -> : because <2530 -kathoti -> it was not possible <1415 -dunatos -> that he should be holden <2902 -krateo -> of it .

2316 ACT 002 030 Therefore <3767 -oun -> being <5225 -huparcho -> a prophet <4396 -prophetes -> , and knowing <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> had sworn <3660 -omnuo -> with an oath <3727 -horkos -> to him , that of the fruit <2590 -karpos -> of his loins <3751 -osphus -> , according <2596 -kata -> to

the flesh <4561 -sarx -> , he would raise <0450 -anistemi -> up Christ <5547 -Christos -> to sit <2523 -kathizo -> on <1909 -epi -> his throne <2362 -thronos -> ;

2316 ACT 002 032 This <5126 -touton -> Jesus <2424 -Iesous -> hath God <{2316} -theos -> raised <0450 -anistemi -> up , whereof <3739 -hos -> we all <3956 -pas -> are witnesses <3144 -martus -> .

2316 ACT 002 033 Therefore <3767 -oun -> being by the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> exalted <5312 -hupsoo -> , and having received <2983 -lambano -> of the Father <3962 -pater -> the promise <1860 -epaggelia -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , he hath shed <1632 -ekcheo -> forth <1632 -ekcheo -> this <5124 -touto -> , which <3739 -hos -> ye now <3568 -nun -> see <0991 -blepo -> and hear <0191 -akouo -> .

2316 ACT 002 036 Therefore <3767 -oun -> let all <3956 -pas -> the house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> know <1097 -ginosko -> assuredly <0806 -asphalos -> , that God <{2316} -theos -> hath made <4160 -poieo -> that same <5126 -touton -> Jesus <2424 -Iesous -> , whom <3739 -hos -> ye have crucified <4717 -stauroo -> , both <2532 -kai -> Lord <2962 -kurios -> and Christ <5547 -Christos -> .

2316 ACT 002 039 For the promise <1860 -epaggelia -> is unto you , and to your <5216 -humon -> children <5043 -teknon -> , and to all <3956 -pas -> that are afar <3112 -makran -> off , [even] as many <3745 -hosos -> as the Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> shall call <4341 -proskaleomai -> .

2316 ACT 002 047 Praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> , and having <2192 -echo -> favour <5485 -charis -> with all <3650 -holos -> the people <2992 -laos -> . And the Lord <2962 -kurios -> added <4369 -prostithemi -> to the church <1577 -ekklesia -> daily <2250 -hemera -> such as should be saved <4982 -sozo -> .

2316 ACT 003 008 And he leaping <1814 -exallomai -> up stood <2476 -histemi -> , and walked <4043 -peripateo -> , and entered <1525 -eiserchomai -> with them into <1519 -eis -> the temple <2411 -hieron -> , walking <4043 -peripateo -> , and leaping <0242 -hallomai -> , and praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 003 009 And all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> saw <1492 -eido -> him walking <4043 -peripateo -> and praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 003 013 The God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and of Isaac <2464 -Isaak -> , and of Jacob <2384 -Iakob -> , the God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> , hath glorified <1392 -doxazo -> his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> ; whom <3739 -hos -> ye delivered <3860 -paradidomi -> up , and denied <0720 -arneomai -> him in the presence <4383 -prosopon -> of Pilate <4091 -Pilatos -> , when he was determined <2919 -krino -> to let <0630 -apoluo -> [him] go <0630 -apoluo -> .

2316 ACT 003 013 The God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and of Isaac <2464 -Isaak -> , and of Jacob <2384 -Iakob -> , the God <2316 -theos -> of our fathers <3962 -pater -> , hath glorified <1392 -doxazo -> his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> ; whom <3739 -hos -> ye delivered <3860 -paradidomi -> up , and denied <0720 -arneomai -> him in the presence <4383 -

prosopon -> of Pilate <4091 -Pilatos -> , when he was determined <2919 -krino -> to let <0630 -apoluo -> [him] go <0630 -apoluo -> .

2316 ACT 003 015 And killed <0615 -apokteino -> the Prince <0747 -archegos -> of life <2222 -zoe -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> ; whereof <3739 -hos -> we are witnesses <3144 -martus -> .

2316 ACT 003 018 But those things , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> before <4293 -prokataggello -> had shewed <4293 -prokataggello -> by the mouth <4750 -stoma -> of all <3956 -pas -> his prophets <4396 -prophetes -> , that Christ <5547 -Christos -> should suffer <3958 -pascho -> , he hath so <3779 -houto -> fulfilled <4137 -pleroo -> .

2316 ACT 003 021 Whom <3739 -hos -> the heaven <3772 -ouranos -> must <1163 -dei -> receive <1209 -dechomai -> until <0891 -achri -> the times <5550 -chronos -> of restitution <0605 -apokatastasis -> of all <3956 -pas -> things , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath spoken <2980 -laleo -> by the mouth <4750 -stoma -> of all <3956 -pas -> his holy <0040 -hagios -> prophets <4396 -prophetes -> since <0575 -apo -> the world <0165 -aion -> began .

2316 ACT 003 022 For Moses <3475 -Moseus -> truly <3303 -men -> said <2036 -epo -> unto the fathers <3962 -pater -> , A prophet <4396 -prophetes -> shall the Lord <2962 -kurios -> your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> raise <0450 -anistemi -> up unto you of your <5216 -humon -> brethren <0080 -adephos -> , like <3945 -paromoiazo -> unto me ; him shall ye hear <0191 -akouo -> in all <3956 -pas -> things whatsoever <0302 -an -> he shall say <2980 -laleo -> unto you .

2316 ACT 003 025 Ye are the children <5207 -huios -> of the prophets <4396 -prophetes -> , and of the covenant <1242 -diatheke -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> made <1303 -diatithemai -> with our fathers <3962 -pater -> , saying <3004 -lego -> unto Abraham <11> , And in thy seed <4690 -sperma -> shall all <3956 -pas -> the kindreds <3965 -patria -> of the earth <1093 -ge -> be blessed <1757 -eneulogeo -> .

2316 ACT 003 026 Unto you first <4412 -proton -> God <{2316} -theos -> , having raised <0450 -anistemi -> up his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> , sent <0649 -apostello -> him to bless <2127 -eulogeo -> you , in turning <0654 -apostrepho -> away <0654 -apostrepho -> every <1538 -hekastos -> one of you from his iniquities <4189 -poneria -> .

2316 ACT 004 010 Be it known <1110 -gnostos -> unto you all <3956 -pas -> , and to all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> of Israel <2474 -Israel -> , that by the name <3686 -onoma -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , whom <3739 -hos -> ye crucified <4717 -stauroo -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> , [even] by him doth this man stand <3936 -paristemi -> here <3936 -paristemi -> before <1799 -enopion -> you whole <5199 -hugies -> .

2316 ACT 004 019 But Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Whether <1487 -ei -> it be right <1342 -dikaios -> in the sight <1799 -enopion -> of God <2316 -theos -> to hearken <0191 -akouo -> unto you more <3123 -mallon -> than <2228 -e ->

unto God <{2316} -theos -> , judge <2919 -krino -> ye .

2316 ACT 004 019 But Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Whether <1487 -ei -> it be right <1342 -dikaios -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> to hearken <0191 -akouo -> unto you more <3123 -mallon -> than <2228 -e -> unto God <2316 -theos -> , judge <2919 -krino -> ye .

2316 ACT 004 021 So <1161 -de -> when they had further threatened <4324 -prosapeileo -> them , they let them go <0630 -apoluo -> , finding <2147 -heurisko -> nothing <3367 -medeis -> how <4459 -pos -> they might punish <2849 -kolazo -> them , because <1223 -dia -> of the people <2992 -laos -> : for all <3956 -pas -> [men] glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for that which was done <1096 -ginomai -> .

2316 ACT 004 024 And when they heard <0191 -akouo -> that , they lifted <0142 -airo -> up their voice <5456 -phone -> to God <2316 -theos -> with one <3661 -homothumadon -> accord <3661 -homothumadon -> , and said <2036 -epo -> , Lord <1203 -despotes -> , thou [art] God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> hast made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> that in them is :

2316 ACT 004 024 And when they heard <0191 -akouo -> that , they lifted <0142 -airo -> up their voice <5456 -phone -> to God <{2316} -theos -> with one <3661 -homothumadon -> accord <3661 -homothumadon -> , and said <2036 -epo -> , Lord <1203 -despotes -> , thou [art] God <2316 -theos -> , which <3588 -ho -> hast made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> that in them is :

2316 ACT 004 031 And when they had prayed <1189 -deomai -> , the place <5117 -topos -> was shaken <4531 -saleuo -> where <3739 -hos -> they were assembled <4863 -sunago -> together <4863 -sunago -> ; and they were all <0537 -hapas -> filled <4130 -pletho -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , and they spake <2980 -laleo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> with boldness <3954 -parrhesia -> .

2316 ACT 005 004 Whiles it remained <3306 -meno -> , was it not thine <4671 -soi -> own ? and after it was sold <4097 -piprasko -> , was it not in thine <4674 -sos -> own power <1849 -exousia -> ? why <5101 -tis -> hast thou conceived <5087 -tithemi -> this <5124 -touto -> thing <4229 -pragma -> in thine <4675 -sou -> heart <2588 -kardia -> ? thou hast not lied <5574 -pseudomai -> unto men <0444 -anthropos -> , but unto God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 005 029 Then <1161 -de -> Peter <4074 -Petros -> and the [other] apostles <0652 -apostolos -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , We ought <1163 -dei -> to obey <3980 -peitharcheo -> God <{2316} -theos -> rather <3123 -mallon -> than <2228 -e -> men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 005 030 The God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> raised <1453 -egeiro -> up Jesus <2424 -Iesous -> , whom <3739 -hos -> ye slew <1315 -diacheirizomai -> and hanged <2910 -kremannumi -> on <1909 -epi -> a tree <3586 -xulon -> .

2316 ACT 005 031 Him hath God <{2316} -theos -> exalted <5312 -

hupsoo -> with his right <1188 -dexios -> hand [to be] a Prince <0747 -archegos -> and a Saviour <4990 -soter -> , for to give <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> to Israel <2474 -Israel -> , and forgiveness <0859 -aphesis -> of sins <0266 -hamartia -> .

2316 ACT 005 032 And we are his witnesses <3144 -martus -> of these <5130 -touton -> things <4487 -rhema -> ; and [so is] also <2532 -kai -> the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> to them that obey <3980 -peitharcheo -> him .

2316 ACT 005 039 But if <1487 -ei -> it be of God <{2316} -theos -> , ye cannot <1410 -dunamai -> overthrow <2647 -kataluo -> it ; lest <3379 -mepote -> haply <3379 -mepote -> ye be found <2147 -heurisko -> even <2532 -kai -> to fight <2314 -theomachos -> against God <2314 -theomachos -> .

2316 ACT 006 002 Then <1161 -de -> the twelve <1427 -dodeka -> called <4341 -proskaleomai -> the multitude <4128 -plethos -> of the disciples <3101 -mathetes -> [unto them] , and said <2036 -epo -> , It is not reason <0701 -arestos -> that we should leave <2641 -kataleipo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and serve <1247 -diakoneo -> tables <5132 -trapeza -> .

2316 ACT 006 007 And the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> increased <0837 -auzano -> ; and the number <0706 -arithmos -> of the disciples <3101 -mathetes -> multiplied <4129 -plethuno -> in Jerusalem <2419 -Hierousalem -> greatly <4970 -sphodra -> ; and a great <4183 -polus -> company <3793 -ochlos -> of the priests <2409 -hiereus -> were obedient <5219 -hupakouo -> to the faith <4102 -pistis -> .

2316 ACT 006 011 Then <5119 -tote -> they suborned <5260 -hupoballo -> men <0435 -aner -> , which said <3004 -lego -> , We have heard <0191 -akouo -> him speak <2980 -laleo -> blasphemous <0989 -blasphemos -> words <4487 -rhema -> against <1519 -eis -> Moses <3475 -Moseus -> , and [against] God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 007 002 And he said <5346 -phemi -> , Men <0435 -aner -> , brethren <0080 -adephos -> , and fathers <3962 -pater -> , hearken <0191 -akouo -> ; The God <{2316} -theos -> of glory <1391 -doxa -> appeared <3700 -optanomai -> unto our father <3962 -pater -> Abraham <11> , when he was in Mesopotamia <3318 -Mesopotamia -> , before <2228 -e -> he dwelt <2730 -katoikeo -> in Charran <5488 -Charrhan -> ,

2316 ACT 007 006 And God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> on this <3779 -houto -> wise <3779 -houto -> , That his seed <4690 -sperma -> should sojourn <3941 -paroikos -> in a strange <0245 -allotrios -> land <1093 -ge -> ; and that they should bring <1402 -douloo -> them into bondage <1402 -douloo -> , and entreat <2559 -kakoo -> [them] evil <2559 -kakoo -> four hundred <5071 -tetrakosioi -> years <2094 -etos -> .

2316 ACT 007 007 And the nation <1484 -ethnos -> to whom <3739 -hos -> they shall be in bondage <1398 -douleuo -> will I judge <2919 -krino -> , said <2036 -epo -> God <{2316} -theos -> : and after <3326 -meta -> that shall they come <1834 -exegeomai -> forth <1831 -exerchomai -> , and serve <3000 -latreuo -> me in this <5129 -toutoi -> place <5117 -topos -> .

2316 ACT 007 009 And the patriarchs <3966 -patriarches -> , moved <2206 -zeloo -> with envy <2206 -zeloo -> , sold <0591 -

apodidomi -> Joseph <2501 -Ioseph -> into <1519 -eis -> Egypt <0125 -Aiguptos -> : but God <{2316} -theos -> was with him ,

2316 ACT 007 017 . But when <2531 -kathos -> the time <5550 -chronos -> of the promise <1860 -epaggelia -> drew nigh <1448 -eggizo -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> had sworn <3660 -omnuo -> to Abraham <11> , the people <2992 -laos -> grew <0837 -auzano -> and multiplied <4129 -plethuno -> in Egypt <0125 -Aiguptos -> ,

2316 ACT 007 020 In which <3739 -hos -> time <2540 -kairos -> Moses <3475 -Moseus -> was born <1080 -gennao -> , and was exceeding <{2316} -theos -> fair <0791 -asteios -> , and nourished <0396 -anatrepo -> up in his father s <3962 -pater -> house <3624 -oikos -> three <5140 -treis -> months <3376 -men -> :

2316 ACT 007 025 For he supposed <3543 -nomizo -> his brethren <0080 -adephos -> would have understood <4920 -suniemi -> how that God <{2316} -theos -> by his hand <5495 -cheir -> would deliver <1325 -didomi -> them : but they understood <4920 -suniemi -> not .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <{2316} -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 035 This <5126 -touton -> Moses <3475 -Moseus -> whom <3739 -hos -> they refused <0720 -arneomai -> , saying <2036 -epo -> , Who <5101 -tis -> made <2525 -kathistemi -> thee a ruler <0758 -archon -> and a judge <1348 -dikastes -> ? the same <5126 -touton -> did God <{2316} -theos -> send <0649 -apostello -> [to be] a ruler <0758 -archon -> and a deliverer <3086 -lutrotes -> by the hand <5495 -cheir -> of the angel <0032 -aggelos -> which <3588 -ho -> appeared <3700 -optanomai -> to him in the bush <0942 -batos -> .

2316 ACT 007 037 This <3778 -houtos -> is that Moses <3475 -

Moseus -> , which <3588 -ho -> said <2036 -epo -> unto the children <5207 -huios -> of Israel <2474 -Israel -> , A prophet <4396 -prophetes -> shall the Lord <2962 -kurios -> your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> raise <0450 -anistemi -> up unto you of your <5216 -humon -> brethren <0080 -adephos -> , like <5613 -hos -> unto me ; him shall ye hear <0191 -akouo -> .

2316 ACT 007 040 Saying <2036 -epo -> unto Aaron <0002 -Aaron -> , Make <4160 -poieo -> us gods <{2316} -theos -> to go <4313 -proporeuomai -> before <4313 -proporeuomai -> us : for [as for] this <3778 -houtos -> Moses <3475 -Moseus -> , which <3739 -hos -> brought <1806 -exago -> us out of the land <1093 -ge -> of Egypt <0125 -Aiguptos -> , we wot <1492 -eido -> not what <5101 -tis -> is become <1096 -ginomai -> of him .

2316 ACT 007 042 . Then <1161 -de -> God <{2316} -theos -> turned <4762 -strepho -> , and gave <3860 -paradidomi -> them up to worship <3000 -latreuo -> the host <4756 -stratia -> of heaven <3772 -ouranos -> ; as it is written <1125 -grapho -> in the book <0976 -biblos -> of the prophets <4396 -prophetes -> , O ye house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> , have ye offered <4374 -prosphero -> to me slain <4968 -sphagion -> beasts <4968 -sphagion -> and sacrifices <2378 -thusia -> [by the space of] forty <5062 -tessarakonta -> years <2094 -etos -> in the wilderness <2048 -eremos -> ?

2316 ACT 007 043 Yea <2532 -kai -> , ye took <0353 -analambano -> up the tabernacle <4633 -skene -> of Moloch <3434 -Moloch -> , and the star <0798 -astron -> of your <5216 -humon -> god <{2316} -theos -> Remphan <4481 -Rhemphan -> , figures <5179 -tupos -> which <3739 -hos -> ye made <4160 -poieo -> to worship <4352 -proskuneo -> them : and I will carry <3351 -metoikizo -> you away <3351 -metoikizo -> beyond <1900 -epekeina -> Babylon <0897 -Babulon -> .

2316 ACT 007 045 Which <3739 -hos -> also <2532 -kai -> our fathers <3962 -pater -> that came <1237 -diadechomai -> after <3326 -meta -> brought <1521 -eisago -> in with Jesus <2424 -Iesous -> into <1722 -en -> the possession <2697 -kataschesis -> of the Gentiles <1484 -ethnos -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> drave <1856 -exotheo -> out before <0575 -apo -> the face <4383 -prosopon -> of our fathers <3962 -pater -> , unto the days <2250 -hemera -> of David <1138 -Dabid -> ;

2316 ACT 007 046 Who <3739 -hos -> found <2147 -heurisko -> favour <5485 -charis -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> , and desired <0154 -aiteo -> to find <2147 -heurisko -> a tabernacle <4638 -skenoma -> for the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> .

2316 ACT 007 046 Who <3739 -hos -> found <2147 -heurisko -> favour <5485 -charis -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and desired <0154 -aiteo -> to find <2147 -heurisko -> a tabernacle <4638 -skenoma -> for the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> .

2316 ACT 007 055 But he , being <5225 -huparcho -> full <4134 -pleres -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , looked <0816 -atenizo -> up stedfastly <0816 -atenizo -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and saw <1492 -eido -> the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ,

2316 ACT 007 055 But he , being <5225 -huparcho -> full <4134 -pleres -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> ,

looked <0816 -atenizo -> up stedfastly <0816 -atenizo -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and saw <1492 -eido -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <2316 -theos -> ,

2316 ACT 007 056 And said <2036 -epo -> , Behold <2400 -idou -> , I see <2334 -theoreo -> the heavens <3772 -ouranos -> opened <0455 -anoigo -> , and the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 010 To whom <3739 -hos -> they all <3956 -pas -> gave <4337 -prosecho -> heed <4337 -prosecho -> , from the least <3398 -mikros -> to the greatest <3173 -megas -> , saying <3007 -leipo -> , This <3778 -houtos -> man is the great <3173 -megas -> power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 012 But when <3753 -hote -> they believed <4100 -pisteuo -> Philip <5376 -Philippos -> preaching <2097 -euaggelizo -> the things concerning <4012 -peri -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and the name <3686 -onoma -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , they were baptized <0907 -baptizo -> , both <5037 -te -> men <0435 -aner -> and women <1135 -gune -> .

2316 ACT 008 014 . Now <1161 -de -> when the apostles <0652 -apostolos -> which <3588 -ho -> were at <1722 -en -> Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> heard <0191 -akouo -> that Samaria <4540 -Samareia -> had received <1209 -dechomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , they sent <0649 -apostello -> unto them Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> :

2316 ACT 008 020 But Peter <4074 -Petros -> said <2036 -epo -> unto him , Thy money <0694 -argurion -> perish <0684 -apoleia -> with thee , because <3754 -hoti -> thou hast thought <3543 -nomizo -> that the gift <1431 -dorea -> of God <{2316} -theos -> may be purchased <2932 -ktaomai -> with money <5536 -chrema -> .

2316 ACT 008 021 Thou hast <2076 -esti -> neither <3756 -ou -> part <3310 -meris -> nor <3761 -oude -> lot <2819 -kleros -> in this <5129 -toutoi -> matter <3056 -logos -> : for thy heart <2588 -kardia -> is not right <2117 -euthus -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 022 Repent <3340 -metanoeo -> therefore <3767 -oun -> of this <5026 -taute -> thy wickedness <2549 -kakia -> , and pray <1189 -deomai -> God <{2316} -theos -> , if <1487 -ei -> perhaps <0686 -ara -> the thought <1963 -epinoia -> of thine <4671 -soi -> heart <2588 -kardia -> may be forgiven <0863 -aphiemi -> thee .

2316 ACT 008 037 And Philip <5376 -Philippos -> said <2036 -epo -> , If <1487 -ei -> thou believest <4100 -pisteuo -> with all <3650 -holos -> thine <3588 -ho -> heart <2588 -kardia -> , thou mayest <1832 -exesti -> . And he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , I believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 009 020 And straightway <2112 -eutheos -> he preached <2784 -kerusso -> Christ <5547 -Christos -> in the synagogues <4864 -sunagoge -> , that he is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 002 [A] devout <2152 -eusebes -> [man] ,

and one that feared <5399 -phobeo -> God <2316 -theos -> with all <3956 -pas -> his house <3624 -oikos -> , which gave <4160 -poieo -> much <4183 -polus -> alms <1654 -eleemosune -> to the people <2992 -laos -> , and prayed <1189 -deomai -> to God <{2316} -theos -> alway <1275 -diapantos -> .

2316 ACT 010 002 [A] devout <2152 -eusebes -> [man] , and one that feared <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> with all <3956 -pas -> his house <3624 -oikos -> , which gave <4160 -poieo -> much <4183 -polus -> alms <1654 -eleemosune -> to the people <2992 -laos -> , and prayed <1189 -deomai -> to God <2316 -theos -> alway <1275 -diapantos -> .

2316 ACT 010 003 He saw <1492 -eido -> in a vision <3705 -horama -> evidently <5320 -phaneros -> about <5616 -hosei -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> of the day <2250 -hemera -> an angel <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> coming <1525 -eiserchomai -> in to him , and saying <2036 -epo -> unto him , Cornelius <2883 -Kornelios -> .

2316 ACT 010 004 And when he looked <0816 -atenizo -> on him , he was afraid <1719 -emphobos -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> is it , Lord <2962 -kurios -> ? And he said <2036 -epo -> unto him , Thy prayers <4335 -proseuche -> and thine <3588 -ho -> alms <1654 -eleemosune -> are come <0305 -anabaino -> up for a memorial <3422 -mnemosunon -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 015 And the voice <5456 -phone -> [spake] unto him again <3825 -palin -> the second <1208 -deuteros -> time , What <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath cleansed <2511 -katharizo -> , [that] call <2840 -koinoo -> not thou common <2840 -koinoo -> .

2316 ACT 010 022 And they said <2036 -epo -> , Cornelius <2883 -Kornelios -> the centurion <1543 -hekatontarches -> , a just <1342 -dikaios -> man <0435 -aner -> , and one that feareth <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , and of good <0018 -agathos -> report <3140 -martureo -> among <5259 -hupo -> all <3650 -holos -> the nation <1484 -ethnos -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> , was warned <5537 -chrematizo -> from God by an holy <0040 -hagios -> angel <0032 -aggelos -> to send <3343 -metapempo -> for thee into <1519 -eis -> his house <3624 -oikos -> , and to hear <0191 -akouo -> words <4487 -rhema -> of thee .

2316 ACT 010 028 And he said <5346 -phemi -> unto them , Ye know <1987 -epistamai -> how <5613 -hos -> that it is an unlawful <0111 -athemitos -> thing for a man <0435 -aner -> that is a Jew <2453 -Ioudaios -> to keep <2853 -kollao -> company <2853 -kollao -> , or <2228 -e -> come <4334 -proserchomai -> unto one of another <0246 -allophulos -> nation <0246 -allophulos -> ; but God <{2316} -theos -> hath shewed <1166 -deiknuo -> me that I should not call <3004 -lego -> any <3367 -medeis -> man <0444 -anthropos -> common <2839 -koinos -> or <2228 -e -> unclean <0169 -akathartos -> .

2316 ACT 010 031 And said <5346 -phemi -> , Cornelius <2883 -Kornelios -> , thy prayer <4335 -proseuche -> is heard <1522 -eisakouo -> , and thine <4675 -sou -> alms <1654 -eleemosune -> are had in remembrance <3415 -mnaomai -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 033 Immediately <1824 -exautes -> therefore <3767 -oun -> I sent <3992 -pempo -> to thee ; and thou hast well <2573 -kalos -> done <4160 -poieo -> that thou art come <3854 -paraginomai -> . Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> are

we all <3956 -pas -> here <3918 -pareimi -> present <3918 -pareimi -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> , to hear <0191 -akouo -> all <3956 -pas -> things that are commanded <4367 -prostasso -> thee of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 033 Immediately <1824 -exautes -> therefore <3767 -oun -> I sent <3992 -pempo -> to thee ; and thou hast well <2573 -kalos -> done <4160 -poieo -> that thou art come <3854 -paraginomai -> . Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> are we all <3956 -pas -> here <3918 -pareimi -> present <3918 -pareimi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , to hear <0191 -akouo -> all <3956 -pas -> things that are commanded <4367 -prostasso -> thee of God <2316 -theos -> .

2316 ACT 010 034 . Then <1161 -de -> Peter <4074 -Petros -> opened <0455 -anoigo -> [his] mouth <4750 -stoma -> , and said <2036 -epo -> , Of a truth <0225 -aletheia -> I perceive <2638 -katalambano -> that God <{2316} -theos -> is no <3756 -ou -> respecter <4381 -prosopoleptes -> of persons <4381 -prosopoleptes -> :

2316 ACT 010 038 How <5613 -hos -> God <2316 -theos -> anointed <5548 -chrio -> Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> and with power <1411 -dunamis -> : who <3739 -hos -> went <1330 -dierchomai -> about <1330 -dierchomai -> doing <2109 -euergeteo -> good <2109 -euergeteo -> , and healing <2390 -iaomai -> all <3956 -pas -> that were oppressed <2616 -katadunasteuo -> of the devil <1228 -diabolos -> ; for God <{2316} -theos -> was with him .

2316 ACT 010 038 How <5613 -hos -> God <{2316} -theos -> anointed <5548 -chrio -> Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> and with power <1411 -dunamis -> : who <3739 -hos -> went <1330 -dierchomai -> about <1330 -dierchomai -> doing <2109 -euergeteo -> good <2109 -euergeteo -> , and healing <2390 -iaomai -> all <3956 -pas -> that were oppressed <2616 -katadunasteuo -> of the devil <1228 -diabolos -> ; for God <2316 -theos -> was with him .

2316 ACT 010 040 Him God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> up the third <5154 -tritos -> day <2250 -hemera -> , and shewed <1096 -ginomai -> him openly <1717 -emphanes -> ;

2316 ACT 010 041 Not to all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> , but unto witnesses <3144 -martus -> chosen <4401 -procheirotoneo -> before <4401 -procheirotoneo -> of God <{2316} -theos -> , [even] to us , who <3748 -hostis -> did eat <4906 -sunesthio -> and drink <4844 -sumpino -> with him after <3326 -meta -> he rose <0450 -anistemi -> from the dead <3498 -nekros -> .

2316 ACT 010 042 And he commanded <3853 -paraggello -> us to preach <2784 -kerusso -> unto the people <2992 -laos -> , and to testify <1263 -diamarturomai -> that it is he which <3588 -ho -> was ordained <3724 -horizo -> of God <{2316} -theos -> [to be] the Judge <2923 -krites -> of quick <2198 -zao -> and dead <3498 -nekros -> .

2316 ACT 010 046 For they heard <0191 -akouo -> them speak <2980 -laleo -> with tongues <1100 -glossa -> , and magnify <3170 -megaluno -> God <{2316} -theos -> . Then <5119 -tote -> answered <0611 -apokrinomai -> Peter <4074 -Petros -> ,

2316 ACT 011 001 . And the apostles <0652 -apostolos -> and

brethren <0080 -adephos -> that were in Judaea <2449 -Ioudaia -> heard <0191 -akouo -> that the Gentiles <1484 -ethnos -> had also <2532 -kai -> received <1209 -dechomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 011 009 But the voice <5456 -phone -> answered <0611 -apokrinomai -> me again <1208 -deuteros -> from heaven <3772 -ouranos -> , What <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath cleansed <2511 -katharizo -> , [that] call <2840 -koinoo -> not thou common <2839 -koinos -> .

2316 ACT 011 017 Forasmuch <1487 -ei -> then <3767 -oun -> as God <2316 -theos -> gave <1325 -didomi -> them the like <2470 -isos -> gift <1431 -dorea -> as [he did] unto us , who believed <4100 -pisteuo -> on <1909 -epi -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ; what <5101 -tis -> was I , that I could <1415 -dunatos -> withstand <2967 -koluo -> God <{2316} -theos -> ?

2316 ACT 011 017 Forasmuch <1487 -ei -> then <3767 -oun -> as God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> them the like <2470 -isos -> gift <1431 -dorea -> as [he did] unto us , who believed <4100 -pisteuo -> on <1909 -epi -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ; what <5101 -tis -> was I , that I could <1415 -dunatos -> withstand <2967 -koluo -> God <2316 -theos -> ?

2316 ACT 011 018 When they heard <0191 -akouo -> these <5023 -tauta -> things , they held <2270 -hesuchazo -> their peace <2270 -hesuchazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <2316 -theos -> , saying <3004 -lego -> , Then <0686 -ara -> hath God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> granted <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> unto life <2222 -zoe -> .

2316 ACT 011 018 When they heard <0191 -akouo -> these <5023 -tauta -> things , they held <2270 -hesuchazo -> their peace <2270 -hesuchazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> , Then <0686 -ara -> hath God <2316 -theos -> also <2532 -kai -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> granted <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> unto life <2222 -zoe -> .

2316 ACT 011 023 Who <3739 -hos -> , when he came <3854 -paraginomai -> , and had seen <1492 -eido -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , was glad <5463 -chairo -> , and exhorted <3870 -parakaleo -> them all <3956 -pas -> , that with purpose <4286 -prothesis -> of heart <2588 -kardia -> they would cleave <4347 -proskollao -> unto the Lord <2962 -kurios -> .

2316 ACT 012 005 . Peter <4074 -Petros -> therefore <3767 -oun -> was kept <5083 -tereo -> in prison <5438 -phulake -> : but prayer <4335 -proseuche -> was made <1096 -ginomai -> without <1618 -ektenes -> ceasing <1618 -ektenes -> of the church <1577 -ekklesia -> unto God <{2316} -theos -> for him .

2316 ACT 012 022 And the people <1218 -demos -> gave a shout <2019 -epiphoneo -> , [saying , It is] the voice <5456 -phone -> of a god <{2316} -theos -> , and not of a man <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 012 023 And immediately <3916 -parachrema -> the angel <0032 -aggelos -> of the Lord <2962 -kurios -> smote <3960 -patasso -> him , because <3739 -hos -> he gave <1325 -didomi -> not God <{2316} -theos -> the glory <1391 -doxa -> : and he was

eaten <4662 -skolekobrotos -> of worms <4662 -skolekobrotos -> , and gave up the ghost <1634 -ekpsucho -> .

2316 ACT 012 024 But the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> grew <0837 -auzano -> and multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 ACT 013 005 And when they were at <1722 -en -> Salamis <4529 -Salamis -> , they preached <2605 -kataggello -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> in the synagogues <4864 -sunagoge -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> : and they had <2192 -echo -> also <2532 -kai -> John <2491 -Ioannes -> to [their] minister <5257 -huperetes -> .

2316 ACT 013 007 Which <3739 -hos -> was with the deputy <0446 -anthupatos -> of the country , Sergius <4588 -Sergios -> Paulus <3972 -Paulos -> , a prudent <4908 -sunetos -> man <0435 -aner -> ; who <3778 -houtos -> called <4341 -proskaleomai -> for Barnabas <0921 -Barnabas -> and Saul <4569 -Saulos -> , and desired <1934 -epizeteo -> to hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 016 Then <1161 -de -> Paul <3972 -Paulos -> stood <0450 -anistemi -> up , and beckoning <2678 -kataseio -> with [his] hand <5495 -cheir -> said <2036 -epo -> , Men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , and ye that fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , give audience <0191 -akouo -> .

2316 ACT 013 017 The God <{2316} -theos -> of this <5127 -toutou -> people <2992 -laos -> of Israel <2474 -Israel -> chose <1586 -eklegomai -> our fathers <3962 -pater -> , and exalted <5312 -hupsoo -> the people <2992 -laos -> when <3588 -ho -> they dwelt <3940 -paroikia -> as strangers <3940 -paroikia -> in the land <1093 -ge -> of Egypt <0125 -Aiguptos -> , and with an high <5308 -hupselos -> arm <1023 -brachion -> brought <1806 -exago -> he them out of it .

2316 ACT 013 021 And afterward <2547 -kakeithen -> they desired <0154 -aiteo -> a king <0935 -basileus -> : and God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> unto them Saul <4569 -Saulos -> the son <5207 -huios -> of Cis <2797 -Kis -> , a man <0435 -aner -> of the tribe <5443 -phule -> of Benjamin <0958 -Beniamin -> , by the space of forty <5062 -tessarakonta -> years <2094 -etos -> .

2316 ACT 013 023 Of this <5127 -toutou -> man s seed <4690 -sperma -> hath God <{2316} -theos -> according <2596 -kata -> to [his] promise <1860 -epaggelia -> raised <1453 -egeiro -> unto Israel <2474 -Israel -> a Saviour <4990 -soter -> , Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 ACT 013 026 Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , children <5207 -huios -> of the stock <1085 -genos -> of Abraham <11> , and whosoever <3588 -ho -> among <1722 -en -> you feareth <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , to you is the word <3056 -logos -> of this <5026 -taute -> salvation <4991 -soteria -> sent <0649 -apostello -> .

2316 ACT 013 030 But God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> :

2316 ACT 013 033 God <{2316} -theos -> hath fulfilled <1603 -ekpleroo -> the same <5026 -taute -> unto us their children <5043 -teknon -> , in that he hath raised <0450 -anistemi -> up Jesus <2424 -Iesous -> again <0450 -anistemi -> ; as it is also

<2532 -kai -> written <1125 -grapho -> in the second <1208 -deuteros -> psalm <5568 -psalmos -> , Thou art <1488 -ei -> my Son <5207 -huios -> , this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> have I begotten <1080 -gennao -> thee .

2316 ACT 013 036 For David <1138 -Dabid -> , after he had served <5256 -hupereteo -> his own <2398 -idios -> generation <1074 -genea -> by the will <1012 -boule -> of God <{2316} -theos -> , fell on sleep <2837 -koimao -> , and was laid <4369 -prostithemi -> unto his fathers <3962 -pater -> , and saw <1492 -eido -> corruption <1312 -diaphthora -> :

2316 ACT 013 037 But he , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> again <1453 -egeiro -> , saw <1492 -eido -> no <3756 -ou -> corruption <1312 -diaphthora -> .

2316 ACT 013 043 Now <1161 -de -> when the congregation <4864 -sunagoge -> was broken <3089 -luo -> up , many <4183 -polus -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> and religious <4576 -sebomai -> proselytes <4339 -proselutos -> followed <0190 -akoloutheo -> Paul <3972 -Paulos -> and Barnabas <0921 -Barnabas -> : who <3748 -hostis -> , speaking <4354 -proslaleo -> to them , persuaded <3982 -peitho -> them to continue <1961 -epimeno -> in the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 044 And the next <2064 -erchomai -> sabbath <4521 -sabbaton -> day came <4863 -sunago -> almost <4975 -schedon -> the whole <3956 -pas -> city <4172 -polis -> together <4863 -sunago -> to hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 046 Then <1161 -de -> Paul <3972 -Paulos -> and Barnabas <0921 -Barnabas -> waxed <3955 -parrhesiazomai -> bold <3955 -parrhesiazomai -> , and said <2036 -epo -> , It was necessary <0316 -anagkaios -> that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> should first <4412 -proton -> have been spoken <2980 -laleo -> to you : but seeing <1894 -epeide -> ye put <0683 -apotheomai -> it from you , and judge <2919 -krino -> yourselves <1438 -heautou -> unworthy <0514 -axios -> of everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , lo <2400 -idou -> , we turn <4762 -strepho -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> .

2316 ACT 014 011 And when the people <3793 -ochlos -> saw <1492 -eido -> what <3739 -hos -> Paul <3972 -Paulos -> had done <4160 -poieo -> , they lifted <1869 -epairo -> up their voices <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> in the speech <3072 -Lukaonisti -> of Lycaonia <3071 -Lukaonia -> , The gods <{2316} -theos -> are come <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> to us in the likeness <3666 -homoioo -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 014 015 And saying <3004 -lego -> , Sirs <0435 -aner -> , why <5101 -tis -> do <4160 -poieo -> ye these <5130 -touton -> things ? We also <2532 -kai -> are men <0444 -anthropos -> of like <3663 -homoiopathes -> passions <3663 -homoiopathes -> with you , and preach <2097 -euaggelizo -> unto you that ye should turn <1994 -epistrepho -> from these <5023 -tauta -> vanities <3152 -mataios -> unto the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> things that are therein <0846 -autos -> :

2316 ACT 014 022 Confirming <1991 -episterizo -> the souls <5590 -psuche -> of the disciples <3101 -mathetes -> , [and]

exhorting <3870 -parakaleo -> them to continue <1696 -emmeno -> in the faith <4102 -pistis -> , and that we must <1163 -dei -> through <1223 -dia -> much <4183 -polus -> tribulation <2347 -thlipsis -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 014 026 And thence <1564 -ekeithen -> sailed <0636 -apopleo -> to Antioch <0490 -Antiocheia -> , from whence <3606 -hothen -> they had been recommended <3860 -paradidomi -> to the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> for the work <2041 -ergon -> which <3739 -hos -> they fulfilled <4137 -pleroo -> .

2316 ACT 014 027 And when they were come <3854 -paraginomai -> , and had gathered <4863 -sunago -> the church <1577 -ekklesia -> together <4863 -sunago -> , they rehearsed <0312 -anaggello -> all <3745 -hosos -> that God <{2316} -theos -> had done <4160 -poieo -> with them , and how he had opened <0455 -anoigo -> the door <2374 -thura -> of faith <4102 -pistis -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> .

2316 ACT 015 004 And when they were come <3854 -paraginomai -> to Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , they were received <0588 -apodechomai -> of the church <1577 -ekklesia -> , and [of] the apostles <0652 -apostolos -> and elders <4245 -presbuteros -> , and they declared <0312 -anaggello -> all <3745 -hosos -> things that God <{2316} -theos -> had done <4160 -poieo -> with them .

2316 ACT 015 007 And when there had been <1096 -ginomai -> much <4183 -polus -> disputing <4803 -suzetesis -> , Peter <4074 -Petros -> rose <0450 -anistemi -> up , and said <2036 -epo -> unto them , Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , ye know <1987 -epistamai -> how that a good while <2250 -hemera -> ago <0575 -apo -> God <{2316} -theos -> made <1586 -eklegomai -> choice <1586 -eklegomai -> among <1722 -en -> us , that the Gentiles <1484 -ethnos -> by my mouth <4750 -stoma -> should hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of the gospel <2098 -euaggelion -> , and believe <4100 -pisteuo -> .

2316 ACT 015 008 And God <{2316} -theos -> , which knoweth <2589 -kardiognostes -> the hearts <2589 -kardiognostes -> , bare <3140 -martureo -> them witness <3140 -martureo -> , giving <1325 -didomi -> them the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , even <2532 -kai -> as [he did] unto us ;

2316 ACT 015 010 Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> why <5101 -tis -> tempt <3985 -peirazo -> ye God <{2316} -theos -> , to put <2007 -epitithemi -> a yoke <2218 -zugos -> upon the neck <5137 -trachelos -> of the disciples <3101 -mathetes -> , which <3739 -hos -> neither <3777 -oute -> our fathers <3962 -pater -> nor <3777 -oute -> we were able <2480 -ischuo -> to bear <0941 -bastazo -> ?

2316 ACT 015 012 Then <1161 -de -> all <3956 -pas -> the multitude <4128 -plethos -> kept <4601 -sigao -> silence <4601 -sigao -> , and gave audience <0191 -akouo -> to Barnabas <0921 -Barnabas -> and Paul <3972 -Paulos -> , declaring <1834 -exegeomai -> what <3745 -hosos -> miracles <4592 -semeion -> and wonders <5059 -teras -> God <{2316} -theos -> had wrought <4160 -poieo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> by them .

2316 ACT 015 014 Simeon <4826 -Sumeon -> hath declared <1834 -exegeomai -> how <2531 -kathos -> God <{2316} -theos -> at the

first <4412 -proton -> did visit <1980 -episkeptomai -> the Gentiles <1484 -ethnos -> , to take <2983 -lambano -> out of them a people <2992 -laos -> for his name <3686 -onoma -> .

2316 ACT 015 018 Known <1110 -gnostos -> unto God <{2316} -theos -> are all <3956 -pas -> his works <2041 -ergon -> from the beginning of the world <0165 -aion -> .

2316 ACT 015 019 Wherefore <1352 -dio -> my sentence <2919 -krino -> is , that we trouble <3926 -parenochleo -> not them , which <3588 -ho -> from among <0575 -apo -> the Gentiles <1484 -ethnos -> are turned <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 015 040 And Paul <3972 -Paulos -> chose <1951 -epilegomai -> Silas <4609 -Silas -> , and departed <1831 -exerchomai -> , being recommended <3860 -paradidomi -> by the brethren <0080 -adephos -> unto the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 016 014 And a certain <5100 -tis -> woman <1135 -gune -> named <3686 -onoma -> Lydia <3070 -Ludia -> , a seller <4211 -porphuropolis -> of purple <4211 -porphuropolis -> , of the city <4172 -polis -> of Thyatira <2363 -Thuateira -> , which worshipped <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> , heard <0191 -akouo -> [us] : whose <3739 -hos -> heart <2588 -kardia -> the Lord <2962 -kurios -> opened <1272 -dianoigo -> , that she attended <4337 -prosecho -> unto the things which were spoken <2980 -laleo -> of Paul <3972 -Paulos -> .

2316 ACT 016 017 The same <3778 -houtos -> followed <2628 -katakoloutheo -> Paul <3972 -Paulos -> and us , and cried <2896 -krazo -> , saying <3004 -lego -> , These <3778 -houtos -> men <0444 -anthropos -> are the servants <1401 -doulos -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> shew <2605 -kataggello -> unto us the way <3598 -hodos -> of salvation <4991 -soteria -> .

2316 ACT 016 025 . And at <2596 -kata -> midnight <3317 -mesonuktion -> Paul <3972 -Paulos -> and Silas <4609 -Silas -> prayed <4336 -proseuchomai -> , and sang <5214 -humneo -> praises unto God <{2316} -theos -> : and the prisoners <1198 -desmios -> heard <1874 -epakroaomai -> them .

2316 ACT 016 034 And when he had brought <0321 -anago -> them into <1519 -eis -> his house <3624 -oikos -> , he set <3908 -paratithemi -> meat <5132 -trapeza -> before <3908 -paratithemi -> them , and rejoiced <0021 -agalliao -> , believing <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> with all <3832 -panoiki -> his house <3832 -panoiki -> .

2316 ACT 017 013 But when <5613 -hos -> the Jews <2453 -Ioudaios -> of Thessalonica <2332 -Thessalonike -> had knowledge <1097 -ginosko -> that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> was preached <2605 -kataggello -> of Paul <3972 -Paulos -> at <1722 -en -> Berea <0960 -Beroia -> , they came <2064 -erchomai -> thither <1563 -ekei -> also <2546 -kakei -> , and stirred <4531 -saleuo -> up the people <3793 -ochlos -> .

2316 ACT 017 023 For as I passed <1330 -dierchomai -> by , and beheld <0333 -antheoreo -> your <5216 -humon -> devotions <4574 -sebasma -> , I found <2147 -heurisko -> an altar <1041 -bomos -> with this <3739 -hos -> inscription <1924 -epigrapho -> , TO THE UNKNOWN <0057 -agnostos -> GOD <{2316} -theos -> . Whom <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> ye ignorantly <0050 -agnoeo -> worship <2151 -eusebeo -> , him declare <2605 -

kataggello -> I unto you .

2316 ACT 017 024 God <{2316} -theos -> that made <4160 -poieo -> the world <2889 -kosmos -> and all <3956 -pas -> things therein <0846 -autos -> , seeing that he is Lord <2962 -kurios -> of heaven <3772 -ouranos -> and earth <1093 -ge -> , dwelleth <2730 -katoikeo -> not in temples <3485 -naos -> made <5499 -cheiropoietos -> with hands <5499 -cheiropoietos -> ;

2316 ACT 017 029 Forasmuch then <3767 -oun -> as we are the offspring <1085 -genos -> of God <{2316} -theos -> , we ought <3784 -opheilo -> not to think <3543 -nomizo -> that the Godhead <2304 -theios -> is like <3664 -homoios -> unto gold <5557 -chrusos -> , or <2228 -e -> silver <0696 -arguros -> , or <2228 -e -> stone <3037 -lithos -> , graven <5480 -charagma -> by art <5078 -techne -> and man s <0444 -anthropos -> device <1761 -enthumesis -> .

2316 ACT 017 030 And the times <5550 -chronos -> of this <3588 -ho -> ignorance <0052 -agnoia -> God <{2316} -theos -> winked <5237 -hupereido -> at ; but now <3568 -nun -> commandeth <3853 -paraggello -> all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> every <3837 -pantachou -> where <3837 -pantachou -> to repent <3340 -metanoeo -> :

2316 ACT 018 007 . And he departed <1831 -exerchomai -> thence <1564 -ekeithen -> , and entered <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> a certain <5100 -tis -> [man s] house <3614 -oikia -> , named <3686 -onoma -> Justus <2459 -Ioustos -> , [one] that worshipped <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> , whose <3739 -hos -> house <3614 -oikia -> joined <4927 -sunomoreo -> hard <4927 -sunomoreo -> to the synagogue <4864 -sunagoge -> .

2316 ACT 018 011 And he continued <2523 -kathizo -> [there] a year <1763 -eniautos -> and six <1803 -hex -> months <3376 -men -> , teaching <1321 -didasko -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> among <1722 -en -> them .

2316 ACT 018 013 Saying <3004 -lego -> , This <3778 -houtos -> [fellow] persuadeth <0374 -anapeitho -> men <0444 -anthropos -> to worship <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> contrary <3844 -para -> to the law <3551 -nomos -> .

2316 ACT 018 021 But bade <0657 -apotassomai -> them farewell <0657 -apotassomai -> , saying <2036 -epo -> , I must <1163 -dei -> by all <3843 -pantos -> means <3843 -pantos -> keep <4160 -poieo -> this <3588 -ho -> feast <1859 -heorte -> that cometh <2064 -erchomai -> in Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> : but I will return <0344 -anakampto -> again <3825 -palin -> unto you , if God <{2316} -theos -> will <2309 -thelo -> . And he sailed <0321 -anago -> from Ephesus <2181 -Ephesos -> .

2316 ACT 018 026 And he began <0756 -archomai -> to speak boldly <3955 -parrhesiazomai -> in the synagogue <4864 -sunagoge -> : whom <0846 -autos -> when Aquila <0207 -Akulas -> and Priscilla <4252 -Priscilla -> had heard <0191 -akouo -> , they took <4355 -proslambano -> him unto [them] , and expounded <1620 -ektithemi -> unto him the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> more <0197 -akribesteron -> perfectly <0197 -akribesteron -> .

2316 ACT 019 008 . And he went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the synagogue <4864 -sunagoge -> , and spake boldly <3955 -parrhesiazomai -> for the space <1909 -epi -> of three <5140 -treis -> months <3376 -men -> , disputing <1256 -dialegomai -> and persuading <3982 -peitho -> the things

concerning <4012 -peri -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 019 011 And God <{2316} -theos -> wrought <4160 -poieo -> special <5177 -tugchano -> miracles <1411 -dunamis -> by the hands <5495 -cheir -> of Paul <3972 -Paulos -> :

2316 ACT 019 026 Moreover <2532 -kai -> ye see <2334 -theoreo -> and hear <0191 -akouo -> , that not alone <3440 -monon -> at Ephesus <2181 -Ephesos -> , but almost <4975 -schedon -> throughout all <3956 -pas -> Asia <0773 -Asia -> , this <3778 -houtos -> Paul <3972 -Paulos -> hath persuaded <3982 -peitho -> and turned <3179 -methistemi -> away <3179 -methistemi -> much <2425 -hikanos -> people <3793 -ochlos -> , saying <3004 -lego -> that they be no <3756 -ou -> gods <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> with hands <5495 -cheir -> :

2316 ACT 020 021 Testifying <1263 -diamarturomai -> both <5037 -te -> to the Jews <2453 -Ioudaios -> , and also <2532 -kai -> to the Greeks <1672 -Hellen -> , repentance <3341 -metanoia -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> , and faith <4102 -pistis -> toward <1519 -eis -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ACT 020 024 But none <3762 -oudeis -> of these things <3056 -logos -> move <4160 -poieo -> me , neither <3761 -oude -> count <2192 -echo -> I my life <5590 -psuche -> dear <5093 -timios -> unto myself <1683 -emautou -> , so <5613 -hos -> that I might finish <5048 -teleioo -> my course <1408 -dromos -> with joy <5479 -chara -> , and the ministry <1248 -diakonia -> , which <3739 -hos -> I have received <2983 -lambano -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , to testify <1263 -diamarturomai -> the gospel <2098 -euaggelion -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 020 025 And now <3568 -nun -> , behold <2400 -idou -> , I know <1492 -eido -> that ye all <3956 -pas -> , among <1722 -en -> whom <3739 -hos -> I have gone <1330 -dierchomai -> preaching <2784 -kerusso -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , shall see <3700 -optanomai -> my face <4383 -prosopon -> no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> .

2316 ACT 020 027 For I have not shunned <5288 -hupostello -> to declare <0312 -anaggello -> unto you all <3956 -pas -> the counsel <1012 -boule -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 020 028 Take heed <4337 -prosecho -> therefore unto yourselves <1438 -heautou -> , and to all <3956 -pas -> the flock <4168 -poimnion -> , over <1722 -en -> the which <3739 -hos -> the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> hath made <5087 -tithemi -> you overseers <1985 -episkopos -> , to feed <4165 -poimaino -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> he hath purchased <4046 -peripoieomai -> with his own <2398 -idios -> blood <0129 -haima -> .

2316 ACT 020 032 And now <3568 -nun -> , brethren <0080 -adephos -> , I commend <3908 -paratithemi -> you to God <{2316} -theos -> , and to the word <3056 -logos -> of his grace <5485 -charis -> , which <3588 -ho -> is able <1410 -dunamai -> to build <2026 -epoikodomeo -> you up , and to give <1325 -didomi -> you an inheritance <2817 -kleronomia -> among <1722 -en -> all <3956 -pas -> them which are sanctified <0037 -hagiazo -> .

2316 ACT 021 019 And when he had saluted <0782 -aspazomai ->

them , he declared <1834 -exegeomai -> particularly <2596 -kata -> what <3739 -hos -> things God <{2316} -theos -> had wrought <4160 -poieo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> by his ministry <1248 -diakonia -> .

2316 ACT 022 003 . I am <1510 -eimi -> verily <3303 -men -> a man <0435 -aner -> [which am] a Jew <2453 -Ioudaios -> , born <1080 -gennao -> in Tarsus <5019 -Tarsos -> , [a city] in Cilicia <2791 -Kilikia -> , yet brought <0397 -anatrepho -> up in this <5026 -taute -> city <4172 -polis -> at <3844 -para -> the feet <4228 -pous -> of Gamaliel <1059 -Gamaliel -> , [and] taught <3811 -paideuo -> according <2596 -kata -> to the perfect <0195 -akribeia -> manner <0195 -akribeia -> of the law <3551 -nomos -> of the fathers <3971 -patroios -> , and was zealous <2207 -zelotes -> toward God <{2316} -theos -> , as ye all <3956 -pas -> are this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> .

2316 ACT 022 014 And he said <2036 -epo -> , The God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> hath chosen <4400 -procheirizomai -> thee , that thou shouldest know <1097 -ginosko -> his will <2307 -thelema -> , and see <1492 -eido -> that Just <1342 -dikaios -> One , and shouldest hear <0191 -akouo -> the voice <5456 -phone -> of his mouth <4750 -stoma -> .

2316 ACT 023 001 . And Paul <3972 -Paulos -> , earnestly <0816 -atenizo -> beholding <0816 -atenizo -> the council <4892 -sunedrion -> , said <2036 -epo -> , Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , I have lived <4176 -politeuomai -> in all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> conscience <4893 -suneidesis -> before God <{2316} -theos -> until <0891 -achri -> this <5026 -taute -> day <2250 -hemera -> .

2316 ACT 023 003 Then <5119 -tote -> said <2036 -epo -> Paul <3972 -Paulos -> unto him , God <{2316} -theos -> shall smite <5180 -tupto -> thee , [thou] whited <2867 -koniao -> wall <5109 -toichos -> : for sittest <2521 -kathemai -> thou to judge <2919 -krino -> me after <2596 -kata -> the law <3551 -nomos -> , and commandest <2753 -keleuo -> me to be smitten <5180 -tupto -> contrary <3891 -paranomeo -> to the law <3891 -paranomeo -> ?

2316 ACT 023 004 And they that stood <3936 -paristemi -> by said <2036 -epo -> , Revilest <3058 -loidoreo -> thou God s <{2316} -theos -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> ?

2316 ACT 024 014 But this <5124 -touto -> I confess <3670 -homologeo -> unto thee , that after <2596 -kata -> the way <3598 -hodos -> which <3739 -hos -> they call <3004 -lego -> heresy <0139 -hairesis -> , so <3779 -houto -> worship <3000 -latreuo -> I the God <{2316} -theos -> of my fathers <3971 -patroios -> , believing <4100 -pisteuo -> all <3956 -pas -> things which <3588 -ho -> are written <1125 -grapho -> in the law <3551 -nomos -> and in the prophets <4396 -prophetes -> :

2316 ACT 024 015 And have <2192 -echo -> hope <1680 -elpis -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> they themselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> allow <4327 -prosdechomai -> , that there shall be a resurrection <0386 -anastasis -> of the dead <3498 -nekros -> , both <5037 -te -> of the just <1342 -dikaios -> and unjust <0094 -adikos -> .

2316 ACT 024 016 And herein <5129 -toutoi -> do I exercise <0778 -askeo -> myself , to have <2192 -echo -> always <1275 -diapantos -> a conscience <4893 -suneidesis -> void <0677 -

aproskopos -> of offence <0677 -aproskopos -> toward <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> , and [toward] men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 026 006 And now <3568 -nun -> I stand <2476 -histemi -> and am judged <2919 -krino -> for the hope <1680 -elpis -> of the promise <1860 -epaggelia -> made <1096 -ginomai -> of God <{2316} -theos -> unto our fathers <3962 -pater -> :

2316 ACT 026 008 Why <5101 -tis -> should it be thought <2919 -krino -> a thing incredible <0571 -apistos -> with you , that God <{2316} -theos -> should raise <1453 -egeiro -> the dead <3498 -nekros -> ?

2316 ACT 026 018 To open <0455 -anoigo -> their eyes <3788 -ophthalmos -> , [and] to turn <1994 -epistrepho -> [them] from darkness <4655 -skotos -> to light <5457 -phos -> , and [from] the power <1849 -exousia -> of Satan <4567 -Satanas -> unto God <{2316} -theos -> , that they may receive <2983 -lambano -> forgiveness <0859 -aphesis -> of sins <0266 -hamartia -> , and inheritance <2819 -kleros -> among <1722 -en -> them which are sanctified <0037 -hagiazo -> by faith <4102 -pistis -> that is in me .

2316 ACT 026 020 But shewed <0518 -apaggello -> first <4412 -proton -> unto them of Damascus <1154 -Damaskos -> , and at Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> , and throughout <1519 -eis -> all <3956 -pas -> the coasts <5561 -chora -> of Judaea <2449 -Ioudaia -> , and [then] to the Gentiles <1484 -ethnos -> , that they should repent <3340 -metanoeo -> and turn <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> , and do <4238 -prasso -> works <2041 -ergon -> meet <0514 -axios -> for repentance <3341 -metanoia -> .

2316 ACT 026 022 Having therefore <3767 -oun -> obtained <5177 -tugchano -> help <1947 -epikouria -> of God <{2316} -theos -> , I continue <2476 -histemi -> unto this <5026 -taute -> day <2250 -hemera -> , witnessing <3140 -martureo -> both <5037 -te -> to small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> , saying <3004 -lego -> none <3762 -oudeis -> other <1622 -ektos -> things than those which <3739 -hos -> the prophets <4396 -prophetes -> and Moses <3475 -Moseus -> did say <2980 -laleo -> should <3195 -mello -> come <1096 -ginomai -> :

2316 ACT 026 029 And Paul <3972 -Paulos -> said <2036 -epo -> , I would <2172 -euchomai -> to God <{2316} -theos -> , that not only <3440 -monon -> thou , but also <2532 -kai -> all <3956 -pas -> that hear <0191 -akouo -> me this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> , were both <2532 -kai -> almost <3641 -oligos -> , and altogether <4183 -polus -> such <5108 -toioutos -> as I am <1510 -eimi -> , except <3923 -pareisphero -> these <5130 -touton -> bonds <1199 -desmon -> .

2316 ACT 027 023 For there stood <3936 -paristemi -> by me this <5026 -taute -> night <3571 -nux -> the angel <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> , whose <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> , and whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> ,

2316 ACT 027 024 Saying <3004 -lego -> , Fear <5399 -phobeo -> not , Paul <3972 -Paulos -> ; thou must <1163 -dei -> be brought <3936 -paristemi -> before <3936 -paristemi -> Caesar <2541 -Kaisar -> : and , lo <2400 -idou -> , God <{2316} -theos -> hath given <5483 -charizomai -> thee all <3956 -pas -> them that sail <4126 -pleo -> with thee .

2316 ACT 027 025 Wherefore <1352 -dio -> , sirs <0435 -aner ->

, be of good cheer <2114 -euthumeo -> : for I believe <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , that it shall be even <3779 -houto -> as it was told <2980 -laleo -> me .

2316 ACT 027 035 And when he had thus <5023 -tauta -> spoken <2036 -epo -> , he took <2983 -lambano -> bread <0740 -artos -> , and gave thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> in presence <1799 -enopion -> of them all <3956 -pas -> : and when he had broken <2806 -klao -> [it] , he began <0756 -archomai -> to eat <2068 -esthio -> .

2316 ACT 028 006 Howbeit they looked <4328 -prosdokao -> when he should <3195 -mello -> have swollen <4092 -pimpremi -> , or <2228 -e -> fallen <2667 -katapipto -> down <2667 -katapipto -> dead <3498 -nekros -> suddenly <0869 -aphno -> : but after they had looked <4328 -prosdokao -> a great <4183 -polus -> while , and saw <2334 -theoreo -> no <3367 -medeis -> harm <0824 -atopos -> come <1096 -ginomai -> to him , they changed <3328 -metaballo -> their minds , and said <3004 -lego -> that he was a god <{2316} -theos -> .

2316 ACT 028 015 And from thence <1564 -ekeithen -> , when the brethren <0080 -adephos -> heard <0191 -akouo -> of us , they came <1831 -exerchomai -> to meet <0529 -apantesis -> us as far <0891 -achri -> as Appii <0675 ->Appios -> forum <5410 -Phoron -> , and The three <5140 -treis -> taverns <4999 -Tabernai -> : whom <3739 -hos -> when Paul <3972 -Paulos -> saw <1492 -eido -> , he thanked <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> , and took <2983 -lambano -> courage <2294 -tharsos -> .

2316 ACT 028 023 . And when they had appointed <5021 -tasso -> him a day <2250 -hemera -> , there came <2240 -heko -> many <4119 -pleion -> to him into <1519 -eis -> [his] lodging <3578 -xenia -> ; to whom <3739 -hos -> he expounded <1620 -ektithemi -> and testified <1263 -diamarturomai -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , persuading <3982 -peitho -> them concerning <4012 -peri -> Jesus <2424 -Iesous -> , both <5037 -te -> out of the law <3551 -nomos -> of Moses <3475 -Moseus -> , and [out of] the prophets <4396 -prophetes -> , from morning <4404 -proi -> till <2193 -heos -> evening <2073 -hespera -> .

2316 ACT 028 028 Be it known <1110 -gnostos -> therefore <3767 -oun -> unto you , that the salvation <4992 -soterion -> of God <{2316} -theos -> is sent <0649 -apostello -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> , and [that] they will hear <0191 -akouo -> it .

2316 ACT 028 031 Preaching <2784 -kerusso -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and teaching <1321 -didasko -> those <3588 -ho -> things which concern <4012 -peri -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , with all <3956 -pas -> confidence <3954 -parrhesia -> , no <0209 -akolutos -> man forbidding <0209 -akolutos -> him

2316 ROM 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , called <2822 -kletos -> [to be] an apostle <0652 -apostolos -> , separated <0873 -aphorizo -> unto the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 001 004 And declared <3724 -horizo -> [to be] the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> with power <1411 -dunamis -> , according <2596 -kata -> to the spirit <4151 -pneuma -> of holiness <0042 -hagiosune -> , by the resurrection

<0386 -anastasis -> from the dead <3498 -nekros -> :

2316 ROM 001 007 To all <3956 -pas -> that be in Rome <4516 -
Rhome -> , beloved <0027 -agapetos -> of God <2316 -theos -> ,
called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> :
Grace <5485 -charis -> to you and peace <1515 -eirene -> from
God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord
<2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> .

2316 ROM 001 007 To all <3956 -pas -> that be in Rome <4516 -
Rhome -> , beloved <0027 -agapetos -> of God <{2316} -theos -> ,
  called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> :
Grace <5485 -charis -> to you and peace <1515 -eirene -> from
God <2316 -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord
<2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> .

2316 ROM 001 008 . First <4412 -proton -> , I thank <2168 -
eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> through <1223 -dia ->
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> for you all
<3956 -pas -> , that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -
> is spoken <2605 -kataggello -> of throughout <1722 -en -> the
whole <3650 -holos -> world <2889 -kosmos -> .

2316 ROM 001 009 For God <{2316} -theos -> is my witness <3144 -
martus -> , whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> with
my spirit <4151 -pneuma -> in the gospel <2098 -euaggelion -> of
his Son <5207 -huios -> , that without <0089 -adialeiptos ->
ceasing <0089 -adialeiptos -> I make <4160 -poieo -> mention
<3417 -mneia -> of you always <3842 -pantote -> in my prayers
<4335 -proseuche -> ;

2316 ROM 001 010 Making <1189 -deomai -> request <1189 -deomai -
> , if <1513 -ei pos -> by any <4458 - -pos -> means <4458 - -
pos -> now <2236 -hedista -> at <4218 -pote -> length <4218 -
pote -> I might have a prosperous <2137 -euodoo -> journey <2137
-euodoo -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -
> to come <2064 -erchomai -> unto you .

2316 ROM 001 016 . For I am not ashamed <1870 -epaischunomai -
> of the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -
> : for it is the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos
-> unto salvation <4991 -soteria -> to every <3956 -pas -> one
that believeth <4100 -pisteuo -> ; to the Jew <2453 -Ioudaios -
> first <4412 -proton -> , and also <2532 -kai -> to the Greek
<1672 -Hellen -> .

2316 ROM 001 017 For therein <0846 -autos -> is the
righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos ->
revealed <0601 -apokalupto -> from faith <4102 -pistis -> to
faith <4102 -pistis -> : as it is written <1125 -grapho -> ,
The just <1342 -dikaios -> shall live <2198 -zao -> by faith
<4102 -pistis -> .

2316 ROM 001 018 For the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -
theos -> is revealed <0601 -apokalupto -> from heaven <3772 -
ouranos -> against <1909 -epi -> all <3956 -pas -> ungodliness
<0763 -asebeia -> and unrighteousness <0093 -adikia -> of men
<0444 -anthropos -> , who <3588 -ho -> hold <2722 -katecho ->
the truth <0225 -aletheia -> in unrighteousness <0093 -adikia ->
;

2316 ROM 001 019 . Because <1360 -dioti -> that which may be
known <1110 -gnostos -> of God <2316 -theos -> is manifest <5319
-phaneroo -> in them ; for God <{2316} -theos -> hath shewed

<5319 -phaneroo -> [it] unto them .

2316 ROM 001 019 . Because <1360 -dioti -> that which may be known <1110 -gnostos -> of God <{2316} -theos -> is manifest <5319 -phaneroo -> in them ; for God <2316 -theos -> hath shewed <5319 -phaneroo -> [it] unto them .

2316 ROM 001 021 Because <1360 -dioti -> that , when they knew <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> , they glorified <1392 -doxazo -> [him] not as God <{2316} -theos -> , neither <2228 -e -> were thankful <2168 -eucharisteo -> ; but became <3154 -mataioo -> vain <3154 -mataioo -> in their imaginations <1261 -dialogismos -> , and their foolish <0801 -asunetos -> heart <2588 -kardia -> was darkened <4654 -skotizo -> .

2316 ROM 001 021 Because <1360 -dioti -> that , when they knew <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> , they glorified <1392 -doxazo -> [him] not as God <2316 -theos -> , neither <2228 -e -> were thankful <2168 -eucharisteo -> ; but became <3154 -mataioo -> vain <3154 -mataioo -> in their imaginations <1261 -dialogismos -> , and their foolish <0801 -asunetos -> heart <2588 -kardia -> was darkened <4654 -skotizo -> .

2316 ROM 001 023 And changed <0236 -allasso -> the glory <1391 -doxa -> of the uncorruptible <0862 -aphthartos -> God <{2316} -theos -> into <1722 -en -> an image <1504 -eikon -> made like <3667 -homoioma -> to corruptible <5349 -phthartos -> man <0444 -anthropos -> , and to birds <4071 -peteinon -> , and fourfooted <5074 -tetrapous -> beasts <5074 -tetrapous -> , and creeping <2062 -herpeton -> things .

2316 ROM 001 024 Wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> gave <3860 -paradidomi -> them up to uncleanness <0167 -akatharsia -> through <1722 -en -> the lusts <1939 -epithumia -> of their own hearts <2588 -kardia -> , to dishonour <0818 -atimazo -> their own bodies <4983 -soma -> between <1722 -en -> themselves <1438 -heautou -> :

2316 ROM 001 025 Who <3748 -hostis -> changed <3337 -metallasso -> the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> into <1722 -en -> a lie <5579 -pseudos -> , and worshipped <4573 -sebazomai -> and served <3000 -latreuo -> the creature <2937 -ktisis -> more <3844 -para -> than <3844 -para -> the Creator <2936 -ktizo -> , who <3739 -hos -> is blessed <2128 -eulogetos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 001 026 For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> God <{2316} -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them up unto vile <0819 -atimia -> affections <3806 -pathos -> : for even <5037 -te -> their women <2338 -thelus -> did change <3337 -metallasso -> the natural <5446 -phusikos -> use <5540 -chresis -> into <1519 -eis -> that which is against <3844 -para -> nature <5449 -phusis -> :

2316 ROM 001 028 And even <2531 -kathos -> as they did not like <1381 -dokimazo -> to retain <2192 -echo -> God <2316 -theos -> in [their] knowledge <1922 -epignosis -> , God <{2316} -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them over <3860 -paradidomi -> to a reprobate <0096 -adokimos -> mind <3563 -nous -> , to do <4160 -poieo -> those <3588 -ho -> things which are not convenient <2520 -katheko -> ;

2316 ROM 001 028 And even <2531 -kathos -> as they did not like <1381 -dokimazo -> to retain <2192 -echo -> God <{2316} -theos -> in [their] knowledge <1922 -epignosis -> , God <2316 -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them over <3860 -paradidomi -

> to a reprobate <0096 -adokimos -> mind <3563 -nous -> , to do <4160 -poieo -> those <3588 -ho -> things which are not convenient <2520 -katheko -> ;

2316 ROM 001 032 Who <3748 -hostis -> knowing <1921 -epiginosko -> the judgment <1345 -dikaioma -> of God <{2316} -theos -> , that they which commit <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things are worthy <0514 -axios -> of death <2288 -thanatos -> , not only <3440 -monon -> do the same <0846 -autos -> , but have pleasure <4909 -suneudokeo -> in them that do <4238 -prasso -> them .

2316 ROM 002 002 But we are sure <1492 -eido -> that the judgment <2917 -krima -> of God <{2316} -theos -> is according <2596 -kata -> to truth <0225 -aletheia -> against <1909 -epi -> them which commit <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things .

2316 ROM 002 003 And thinkest <3049 -logizomai -> thou this <5124 -touto -> , O man <0444 -anthropos -> , that judgest <2919 -krino -> them which do <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things , and doest <4160 -poieo -> the same <0846 -autos -> , that thou shalt escape <1628 -ekpheugo -> the judgment <2917 -krima -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 ROM 002 004 Or <2228 -e -> despisest <2706 -kataphroneo -> thou the riches <4149 -ploutos -> of his goodness <5544 -chrestotes -> and forbearance <0463 -anoche -> and longsuffering <3115 -makrothumia -> ; not knowing <0050 -agnoeo -> that the goodness <5543 -chrestos -> of God <{2316} -theos -> leadeth <0071 -ago -> thee to repentance <3341 -metanoia -> ?

2316 ROM 002 005 But after <2596 -kata -> thy hardness <4643 -sklerotes -> and impenitent <0279 -ametanoetos -> heart <2588 -kardia -> treasurest <2343 -thesaurizo -> up unto thyself <4572 -seautou -> wrath <3709 -orge -> against <1722 -en -> the day <2250 -hemera -> of wrath <3709 -orge -> and revelation <0602 -apokalupsis -> of the righteous <1341 -dikaiokrisia -> judgment <1341 -dikaiokrisia -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 002 011 For there is no <3756 -ou -> respect <4382 -prosopolepsia -> of persons <4382 -prosopolepsia -> with God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 002 013 (For not the hearers <0202 -akroates -> of the law <3551 -nomos -> [are] just <1342 -dikaios -> before <3844 -para -> God <{2316} -theos -> , but the doers <4163 -poietes -> of the law <3551 -nomos -> shall be justified <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 002 016 In the day <2250 -hemera -> when <3753 -hote -> God <{2316} -theos -> shall judge <2919 -krino -> the secrets <2927 -kruptos -> of men <0444 -anthropos -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> according <2596 -kata -> to my gospel <2098 -euaggelion -> .

2316 ROM 002 017 . Behold <2396 -ide -> , thou art called <2028 -eponomazo -> a Jew <2453 -Ioudaios -> , and restest <1879 -epanapauomai -> in the law <3551 -nomos -> , and makest <2744 -kauchaomai -> thy boast <2744 -kauchaomai -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 002 023 Thou that makest <2744 -kauchaomai -> thy boast <2744 -kauchaomai -> of the law <3551 -nomos -> , through <1223 -dia -> breaking <3847 -parabasis -> the law <3551 -nomos -> dishonourest <0818 -atimazo -> thou God <{2316} -theos -> ?

2316 ROM 002 024 For the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> is blasphemed <0987 -blasphemeo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> through <1223 -dia -> you , as it is written <1125 -grapho -> .

2316 ROM 002 029 But he [is] a Jew <2453 -Ioudaios -> , which is one inwardly <2927 -kruptos -> ; and circumcision <4061 -peritome -> [is that] of the heart <2588 -kardia -> , in the spirit <4151 -pneuma -> , [and] not in the letter <1121 -gramma -> ; whose <3739 -hos -> praise <1868 -epainos -> [is] not of men <0444 -anthropos -> , but of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 002 Much <4183 -polus -> every <3956 -pas -> way <5158 -tropos -> : chiefly <4412 -proton -> , because <3754 -hoti -> that unto them were committed <4100 -pisteuo -> the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 003 For what <5101 -tis -> if <1487 -ei -> some <5100 -tis -> did not believe <0569 -apisteo -> ? shall their unbelief <0570 -apaistia -> make <2673 -katargeo -> the faith <4102 -pistis -> of God <{2316} -theos -> without <2673 -katargeo -> effect <2673 -katargeo -> ?

2316 ROM 003 004 God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : yea <1161 -de -> , let God <{2316} -theos -> be true <0227 -alethes -> , but every <3956 -pas -> man <0444 -anthropos -> a liar <5583 -pseustes -> ; as it is written <1125 -grapho -> , That thou mightest be justified <1344 -dikaioo -> in thy sayings <3056 -logos -> , and mightest overcome <3528 -nikao -> when <3588 -ho -> thou art judged <2919 -krino -> .

2316 ROM 003 005 But if <1487 -ei -> our unrighteousness <0093 -adikia -> commend <4921 -sunistao -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <2316 -theos -> , what <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> ? [Is] God <{2316} -theos -> unrighteous <0094 -adikos -> who <3588 -ho -> taketh <2018 -epiphero -> vengeance <3709 -orge -> ? (I speak <3004 -lego -> as a man <0444 -anthropos ->)

2316 ROM 003 005 But if <1487 -ei -> our unrighteousness <0093 -adikia -> commend <4921 -sunistao -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> , what <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> ? [Is] God <2316 -theos -> unrighteous <0094 -adikos -> who <3588 -ho -> taketh <2018 -epiphero -> vengeance <3709 -orge -> ? (I speak <3004 -lego -> as a man <0444 -anthropos ->)

2316 ROM 003 006 God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : for then how <4459 -pos -> shall God <{2316} -theos -> judge <2919 -krino -> the world <2889 -kosmos -> ?

2316 ROM 003 007 For if <1487 -ei -> the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> hath more abounded <4052 -perisseuo -> through <1722 -en -> my lie <5582 -pseusma -> unto his glory <1391 -doxa -> ; why <5101 -tis -> yet <2089 -eti -> am I also <2504 -kago -> judged <2919 -krino -> as a sinner <0268 -hamartolos -> ?

2316 ROM 003 011 There is none <3756 -ou -> that understandeth <4920 -suniemi -> , there is none <3756 -ou -> that seeketh <1567 -ekzeteo -> after <1567 -ekzeteo -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 018 There is no <3756 -ou -> fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> before <0561 -apenanti -> their eyes

<3788 -ophthalmos -> .

2316 ROM 003 019 . Now <1161 -de -> we know <1492 -eido -> that what <3745 -hosos -> things soever <1437 -ean -> the law <3551 -nomos -> saith <3004 -lego -> , it saith <2980 -laleo -> to them who are under <1722 -en -> the law <3551 -nomos -> : that every <3956 -pas -> mouth <4750 -stoma -> may be stopped <5420 -phrasso -> , and all <3956 -pas -> the world <2889 -kosmos -> may become <1096 -ginomai -> guilty <5267 -hupodikos -> before God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 021 But now <3568 -nun -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> without <5565 -choris -> the law <3551 -nomos -> is manifested <5319 -phaneroo -> , being witnessed <3140 -martureo -> by the law <3551 -nomos -> and the prophets <4396 -prophetes -> ;

2316 ROM 003 022 Even <1161 -de -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> [which is] by faith <4102 -pistis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> unto all <3956 -pas -> and upon all <3956 -pas -> them that believe <4100 -pisteuo -> : for there is no <3756 -ou -> difference <1293 -diastole -> :

2316 ROM 003 023 For all <3956 -pas -> have sinned <0264 -hamartano -> , and come <5302 -hustereo -> short <5302 -hustereo -> of the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 003 025 Whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath set <4388 -protithemai -> forth <4388 -protithemai -> [to be] a propitiation <2435 -hilasterion -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> in his blood <0129 -haima -> , to declare <1732 -endeixis -> his righteousness <1343 -dikaiosune -> for the remission <3929 -paresis -> of sins <0265 -hamartema -> that are past <4266 -proginomai -> , through <1722 -en -> the forbearance <0463 -anoche -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 003 025 Whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath set <4388 -protithemai -> forth <4388 -protithemai -> [to be] a propitiation <2435 -hilasterion -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> in his blood <0129 -haima -> , to declare <1732 -endeixis -> his righteousness <1343 -dikaiosune -> for the remission <3929 -paresis -> of sins <0265 -hamartema -> that are past <4266 -proginomai -> , through <1722 -en -> the forbearance <0463 -anoche -> of God <2316 -theos -> ;

2316 ROM 003 029 [Is he] the God <{2316} -theos -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> only <3440 -monon -> ? [is he] not also <2532 -kai -> of the Gentiles <1484 -ethnos -> ? Yes <3483 -nai -> , of the Gentiles <1484 -ethnos -> also <2532 -kai -> :

2316 ROM 003 030 Seeing <1897 -epeiper -> [it is] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> shall justify <1344 -dikaioo -> the circumcision <4061 -peritome -> by faith <4102 -pistis -> , and uncircumcision <0203 -akrobustia -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 004 002 For if <1487 -ei -> Abraham <0011 -Abraam -> were justified <1344 -dikaioo -> by works <2041 -ergon -> , he hath <2192 -echo -> [whereof] to glory <2745 -kauchema -> ; but not before <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 004 003 For what <5101 -tis -> saith <3004 -lego -> the scripture <1124 -graphe -> ? Abraham <0011 -Abraam -> believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was

counted <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -
dikaiosune -> .

2316 ROM 004 006 Even <2509 -kathaper -> as David <1138 -Dabid -
> also <2532 -kai -> describeth <3004 -lego -> the blessedness
<3108 -makarismos -> of the man <0444 -anthropos -> , unto whom
<3739 -hos -> God <{2316} -theos -> imputeth <3049 -logizomai ->
righteousness <1343 -dikaiosune -> without <5565 -choris ->
works <2041 -ergon -> ,

2316 ROM 004 017 . (As it is written <1125 -grapho -> , I
have made <5087 -tithemi -> thee a father <3962 -pater -> of
many <4183 -polus -> nations <1484 -ethnos -> ,) before <2713
-katenanti -> him whom <3739 -hos -> he believed <4100 -pisteuo -
> , [even] God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho ->
quickeneth <2227 -zoopoieo -> the dead <3498 -nekros -> , and
calleth <2564 -kaleo -> those <3588 -ho -> things which be not
as though they were .

2316 ROM 004 020 He staggered <1252 -diakrino -> not at <1519 -
eis -> the promise <1860 -epaggelia -> of God <2316 -theos ->
through unbelief <0570 -apaistia -> ; but was strong <1743 -
endunamoo -> in faith <4102 -pistis -> , giving glory <1391 -
doxa -> to God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 004 020 He staggered <1252 -diakrino -> not at <1519 -
eis -> the promise <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos ->
through unbelief <0570 -apaistia -> ; but was strong <1743 -
endunamoo -> in faith <4102 -pistis -> , giving glory <1391 -
doxa -> to God <2316 -theos -> ;

2316 ROM 005 001 . Therefore <3767 -oun -> being justified
<1344 -dikaioo -> by faith <4102 -pistis -> , we have <2192 -
echo -> peace <1515 -eirene -> with God <{2316} -theos ->
through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 ROM 005 002 By whom <3739 -hos -> also <2532 -kai -> we
have <2192 -echo -> access <4318 -prosagoge -> by faith <4102 -
pistis -> into <1519 -eis -> this <5026 -taute -> grace <5485 -
charis -> wherein <3757 -hou -> we stand <2476 -histemi -> ,
and rejoice <2744 -kauchaomai -> in hope <1680 -elpis -> of the
glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 005 005 And hope <1680 -elpis -> maketh <2617 -
kataischuno -> not ashamed <2617 -kataischuno -> ; because
<3754 -hoti -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos ->
is shed <1632 -ekcheo -> abroad <1632 -ekcheo -> in our hearts
<2588 -kardia -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -
pneuma -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> unto us .

2316 ROM 005 008 But God <{2316} -theos -> commendeth <4921 -
sunistao -> his love <0026 -agape -> toward <1519 -eis -> us ,
in that , while we were yet <2089 -eti -> sinners <0268 -
hamartolos -> , Christ <5547 -Christos -> died <0599 -
apothnesko -> for us .

2316 ROM 005 010 For if <1477 -hedraioma -> , when we were
enemies <2190 -echthros -> , we were reconciled <2644 -
katallasso -> to God <{2316} -theos -> by the death <2288 -
thanatos -> of his Son <5207 -huios -> , much <4183 -polus ->
more <3123 -mallon -> , being reconciled <2644 -katallasso -> ,
we shall be saved <4982 -sozo -> by his life <2222 -zoe -> .

2316 ROM 005 011 And not only <3440 -monon -> [so] , but
we also <2532 -kai -> joy <2744 -kauchaomai -> in God <{2316} -

theos -> through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , by whom <3739 -hos -> we have now <3568 -nun -> received <2983 -lambano -> the atonement <2643 -katallage -> .

2316 ROM 005 015 But not as the offence <3900 -paraptoma -> , so <3779 -houto -> also <2532 -kai -> [is] the free <5486 -charisma -> gift <5486 -charisma -> . For if <1477 -hedraioma -> through the offence <3900 -paraptoma -> of one <1520 -heis -> many <4183 -polus -> be dead <0599 -apothnesko -> , much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , and the gift <1431 -dorea -> by grace <5485 -charis -> , [which <3588 -ho -> is] by one <1520 -heis -> man , Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , hath abounded <4052 -perisseuo -> unto many <4183 -polus -> .

2316 ROM 006 010 For in that he died <0599 -apothnesko -> , he died <0599 -apothnesko -> unto sin <0266 -hamartia -> once <2178 -ephapax -> : but in that he liveth <2198 -zao -> , he liveth <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 006 011 Likewise <3779 -houto -> reckon <3049 -logizomai -> ye also <2532 -kai -> yourselves <1438 -heautou -> to be dead <3498 -nekros -> indeed <3303 -men -> unto sin <0266 -hamartia -> , but alive <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 006 013 Neither <3366 -mede -> yield <3936 -paristemi -> ye your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of unrighteousness <0093 -adikia -> unto sin <0266 -hamartia -> : but yield <3936 -paristemi -> yourselves <1438 -heautou -> unto God <2316 -theos -> , as those that are alive <2198 -zao -> from the dead <3498 -nekros -> , and your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 006 013 Neither <3366 -mede -> yield <3936 -paristemi -> ye your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of unrighteousness <0093 -adikia -> unto sin <0266 -hamartia -> : but yield <3936 -paristemi -> yourselves <1438 -heautou -> unto God <{2316} -theos -> , as those that are alive <2198 -zao -> from the dead <3498 -nekros -> , and your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> unto God <2316 -theos -> .

2316 ROM 006 017 But God <{2316} -theos -> be thanked <5485 -charis -> , that ye were the servants <1401 -doulos -> of sin <0266 -hamartia -> , but ye have obeyed <5219 -hupakouo -> from the heart <2588 -kardia -> that form <5179 -tupos -> of doctrine <1322 -didache -> which <3739 -hos -> was delivered <3860 -paradidomi -> you .

2316 ROM 006 022 But now <3570 -nuni -> being made <1659 -eleutheroo -> free <1659 -eleutheroo -> from sin <0266 -hamartia -> , and become <1402 -douloo -> servants <1402 -douloo -> to God <{2316} -theos -> , ye have <2192 -echo -> your <5216 -humon -> fruit <2590 -karpos -> unto holiness <0038 -hagiasmos -> , and the end <5056 -telos -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 ROM 006 023 For the wages <3800 -opsonion -> of sin <0266 -hamartia -> [is] death <2288 -thanatos -> ; but the gift <5486 -charisma -> of God <{2316} -theos -> [is] eternal

<0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 007 004 Wherefore <5620 -hoste -> , my brethren <0080 -adephos -> , ye also <2532 -kai -> are become <2289 -thanatoo -> dead <2289 -thanatoo -> to the law <3551 -nomos -> by the body <4983 -soma -> of Christ <5547 -Christos -> ; that ye should be married <1096 -ginomai -> to another <2087 -heteros -> , [even] to him who is raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> , that we should bring <2592 -karpophoreo -> forth fruit <2592 -karpophoreo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 007 022 For I delight <4913 -sunedomai -> in the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> after <2596 -kata -> the inward <2080 -eso -> man <0444 -anthropos -> :

2316 ROM 007 025 I thank <2168 -eucharisteo -> God <2316 -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> . So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> with the mind <3563 -nous -> I myself serve <1398 -douleuo -> the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> ; but with the flesh <4561 -sarx -> the law <3551 -nomos -> of sin <0266 -hamartia -> .

2316 ROM 007 025 I thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> . So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> with the mind <3563 -nous -> I myself serve <1398 -douleuo -> the law <3551 -nomos -> of God <2316 -theos -> ; but with the flesh <4561 -sarx -> the law <3551 -nomos -> of sin <0266 -hamartia -> .

2316 ROM 008 003 For what <3588 -ho -> the law <3551 -nomos -> could <0102 -adunatos -> not do , in that it was weak <0770 -astheneo -> through <1223 -dia -> the flesh <4561 -sarx -> , God <{2316} -theos -> sending <3992 -pempo -> his own <1438 -heautou -> Son <5207 -huios -> in the likeness <3667 -homoioma -> of sinful <0266 -hamartia -> flesh <4561 -sarx -> , and for sin <0266 -hamartia -> , condemned <2632 -katakrino -> sin <0266 -hamartia -> in the flesh <4561 -sarx -> :

2316 ROM 008 007 Because <1360 -dioti -> the carnal <4561 -sarx -> mind <5427 -phronema -> [is] enmity <2189 -echthra -> against <1519 -eis -> God <2316 -theos -> : for it is not subject <5293 -hupotasso -> to the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> , neither <3761 -oude -> indeed <1063 -gar -> can <1410 -dunamai -> be .

2316 ROM 008 007 Because <1360 -dioti -> the carnal <4561 -sarx -> mind <5427 -phronema -> [is] enmity <2189 -echthra -> against <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> : for it is not subject <5293 -hupotasso -> to the law <3551 -nomos -> of God <2316 -theos -> , neither <3761 -oude -> indeed <1063 -gar -> can <1410 -dunamai -> be .

2316 ROM 008 008 So then <1161 -de -> they that are in the flesh <4561 -sarx -> cannot <1410 -dunamai -> please <0700 -aresko -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 009 But ye are not in the flesh <4561 -sarx -> , but in the Spirit <4151 -pneuma -> , if <1512 -ei per -> so be that the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> dwell <3611 -oikeo -> in you . Now <1161 -de -> if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man have <2192 -echo -> not the Spirit <4151 -pneuma -> of Christ <5547 -Christos -> , he is none <3756 -ou -

> of his .

2316 ROM 008 014 For as many <3745 -hosos -> as are led <0071 -
ago -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> ,
they are the sons <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 014 For as many <3745 -hosos -> as are led <0071 -
ago -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> ,
 they are the sons <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 008 016 The Spirit <4151 -pneuma -> itself <0846 -
autos -> beareth <4828 -summartureo -> witness <4828 -
summartureo -> with our spirit <4151 -pneuma -> , that we are
the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> :

2316 ROM 008 017 . And if <1487 -ei -> children <5043 -teknon -
> , then <2535 -Kain -> heirs <2818 -kleronomos -> ; heirs
<2818 -kleronomos -> of God <{2316} -theos -> , and joint -
heirs <4789 -sugkleronomos -> with Christ <5547 -Christos -> ;
if <1512 -ei per -> so be that we suffer <4841 -sumpascho ->
with [him] , that we may be also <2532 -kai -> glorified
<4888 -sundoxazo -> together <4888 -sundoxazo -> .

2316 ROM 008 019 For the earnest <0603 -apokaradokia ->
expectation <0603 -apokaradokia -> of the creature <2937 -ktisis
-> waiteth <0553 -apekdechomai -> for the manifestation <0602 -
apokalupsis -> of the sons <5207 -huios -> of God <{2316} -theos
-> .

2316 ROM 008 021 Because <3754 -hoti -> the creature <2937 -
ktisis -> itself <0846 -autos -> also <2532 -kai -> shall be
delivered <1659 -eleutheroo -> from the bondage <1397 -douleia -
> of corruption <5356 -phthora -> into <1519 -eis -> the
glorious <1391 -doxa -> liberty <1657 -eleutheria -> of the
children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 027 And he that searcheth <2045 -ereunao -> the
hearts <2588 -kardia -> knoweth <1492 -eido -> what <5101 -tis -
> [is] the mind <5427 -phronema -> of the Spirit <4151 -
pneuma -> , because <3754 -hoti -> he maketh <1793 -entugchano -
> intercession <1793 -entugchano -> for the saints <0040 -hagios
-> according <2596 -kata -> to [the will of] God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 008 028 And we know <1492 -eido -> that all <3956 -pas
-> things work <4903 -sunergeo -> together <4903 -sunergeo ->
for good <0018 -agathos -> to them that love <0025 -agapao ->
God <{2316} -theos -> , to them who are the called <2822 -
kletos -> according <2596 -kata -> to [his] purpose <4286 -
prothesis -> .

2316 ROM 008 031 . What <5101 -tis -> shall we then <3767 -oun
-> say <2046 -ereo -> to these <5023 -tauta -> things ? If
<1487 -ei -> God <{2316} -theos -> [be] for us , who <5101 -
tis -> [can be] against <2596 -kata -> us ?

2316 ROM 008 033 Who <5101 -tis -> shall lay <1458 -egkaleo ->
any thing to the charge <2596 -kata -> of God s <2316 -theos ->
elect <1588 -eklektos -> ?   [It is] God <{2316} -theos ->
that justifieth <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 008 033 Who <5101 -tis -> shall lay <1458 -egkaleo ->
any thing to the charge <2596 -kata -> of God s <{2316} -theos -
> elect <1588 -eklektos -> ?   [It is] God <2316 -theos ->
that justifieth <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 008 034 Who <5101 -tis -> [is] he that condemneth <2632 -katakrino -> ? [It is] Christ <5547 -Christos -> that died <0599 -apothnesko -> , yea <1161 -de -> rather <3123 -mallon -> , that is risen <1453 -egeiro -> again <1453 -egeiro -> , who <3739 -hos -> is even <2532 -kai -> at <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> , who <3739 -hos -> also <2532 -kai -> maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> for us .

2316 ROM 008 039 Nor <3777 -oute -> height <5313 -hupsoma -> , nor <3777 -oute -> depth <0899 -bathos -> , nor <3777 -oute -> any <5100 -tis -> other <2087 -heteros -> creature <2937 -ktisis -> , shall be able <1410 -dunamai -> to separate <5562 -choreo -> us from the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> is in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 009 005 Whose <3739 -hos -> [are] the fathers <3962 -pater -> , and of whom <3739 -hos -> as concerning <2596 -kata -> the flesh <4561 -sarx -> Christ <5547 -Christos -> [came] , who <3588 -ho -> is over <1909 -epi -> all <3956 -pas -> , God <{2316} -theos -> blessed <2128 -eulogetos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 009 006 . Not as though <3754 -hoti -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> hath taken none <1601 -ekpipto -> effect <1601 -ekpipto -> . For they [are] not all <3956 -pas -> Israel <2474 -Israel -> , which <3588 -ho -> are of Israel <2474 -Israel -> :

2316 ROM 009 008 That is , They which are the children <5043 -teknon -> of the flesh <4561 -sarx -> , these <5023 -tauta -> [are] not the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> : but the children <5043 -teknon -> of the promise <1860 -epaggelia -> are counted <3049 -logizomai -> for the seed <4690 -sperma -> .

2316 ROM 009 011 (For [the children] being not yet <3380 -mepo -> born <1080 -gennao -> , neither <3366 -mede -> having done <4238 -prasso -> any <5100 -tis -> good <0018 -agathos -> or <2228 -e -> evil <2556 -kakos -> , that the purpose <4286 -prothesis -> of God <{2316} -theos -> according <2596 -kata -> to election <1589 -ekloge -> might stand <3306 -meno -> , not of works <2041 -ergon -> , but of him that calleth <2564 -kaleo -> ;)

2316 ROM 009 014 . What <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> then <3767 -oun -> ? [Is there] unrighteousness <0093 -adikia -> with God <{2316} -theos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> .

2316 ROM 009 016 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> [it is] not of him that willeth <2309 -thelo -> , nor <3761 -oude -> of him that runneth <5143 -trecho -> , but of God <{2316} -theos -> that sheweth <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> .

2316 ROM 009 020 Nay <3304 -menounge -> but , O man <0444 -anthropos -> , who <5101 -tis -> art <1488 -ei -> thou that repliest <0470 -antapokrinomai -> against <0470 -antapokrinomai -> God <{2316} -theos -> ? Shall the thing <4110 -plasma -> formed <4110 -plasma -> say <2046 -ereo -> to him that formed <4111 -plasso -> [it] , Why <5101 -tis -> hast thou made <4160 -poieo -> me thus <3779 -houto -> ?

2316 ROM 009 022 [What] if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> , willing <2309 -thelo -> to shew <1731 -endeiknumi -> [his

] wrath <3709 -orge -> , and to make <1107 -gnorizo -> his power <1415 -dunatos -> known <1107 -gnorizo -> , endured <5342 -phero -> with much <4183 -polus -> longsuffering <3115 -makrothumia -> the vessels <4632 -skeuos -> of wrath <3709 -orge -> fitted <2675 -katartizo -> to destruction <0684 -apoleia -> :

2316 ROM 009 026 And it shall come <1511 -einai -> to pass , [that] in the place <5117 -topos -> where <3757 -hou -> it was said <4483 -rheo -> unto them , Ye [are] not my people <2992 -laos -> ; there <1563 -ekei -> shall they be called <2564 -kaleo -> the children <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 010 001 . Brethren <0080 -adephos -> , my heart s <2588 -kardia -> desire <2107 -eudokia -> and prayer <1162 -deesis -> to God <{2316} -theos -> for Israel <2474 -Israel -> is , that they might be saved <4991 -soteria -> .

2316 ROM 010 002 For I bear <3140 -martureo -> them record <3140 -martureo -> that they have <2192 -echo -> a zeal <2205 -zelos -> of God <{2316} -theos -> , but not according <2596 -kata -> to knowledge <1922 -epignosis -> .

2316 ROM 010 003 For they being ignorant <0050 -agnoeo -> of God s <2316 -theos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and going <2212 -zeteo -> about <2212 -zeteo -> to establish <2476 -histemi -> their own <2398 -idios -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , have not submitted <5293 -hupotasso -> themselves unto the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 010 003 For they being ignorant <0050 -agnoeo -> of God s <{2316} -theos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and going <2212 -zeteo -> about <2212 -zeteo -> to establish <2476 -histemi -> their own <2398 -idios -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , have not submitted <5293 -hupotasso -> themselves unto the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 010 009 That if <1437 -ean -> thou shalt confess <3670 -homologeo -> with thy mouth <4750 -stoma -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and shalt believe <4100 -pisteuo -> in thine <4675 -sou -> heart <2588 -kardia -> that God <{2316} -theos -> hath raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> , thou shalt be saved <4982 -sozo -> .

2316 ROM 010 017 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> faith <4102 -pistis -> [cometh] by hearing <0189 -akoe -> , and hearing <0189 -akoe -> by the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 011 001 . I say <2046 -ereo -> then <3767 -oun -> , Hath God <{2316} -theos -> cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> . For I also <2532 -kai -> am <1510 -eimi -> an Israelite <2475 -Israelites -> , of the seed <4690 -sperma -> of Abraham <11> , [of] the tribe <5443 -phule -> of Benjamin <0958 -Beniamin -> .

2316 ROM 011 002 God <2316 -theos -> hath not cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> which <3739 -hos -> he foreknew <4267 -proginosko -> . Wot <1492 -eido -> ye not what <5101 -tis -> the scripture <1124 -graphe -> saith <3004 -lego -> of Elias <2243 -Helias -> ? how <5613 -hos -> he maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> to God <{2316} -theos -> against <2596 -kata ->

Israel <2474 -Israel -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 ROM 011 002 God <{2316} -theos -> hath not cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> which <3739 -hos -> he foreknew <4267 -proginosko -> . Wot <1492 -eido -> ye not what <5101 -tis -> the scripture <1124 -graphe -> saith <3004 -lego -> of Elias <2243 -Helias -> ? how <5613 -hos -> he maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> to God <2316 -theos -> against <2596 -kata -> Israel <2474 -Israel -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 ROM 011 008 (According as it is written <1125 -grapho -> , God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> them the spirit <4151 -pneuma -> of slumber <2659 -katanuxis -> , eyes <3788 -ophthalmos -> that they should not see <0991 -blepo -> , and ears <3775 -ous -> that they should not hear <0191 -akouo -> ;) unto this <4594 -semeron -> day <2250 -hemera -> .

2316 ROM 011 021 For if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> spared <5339 -pheidomai -> not the natural <5449 -phusis -> branches <2798 -klados -> ,   [take heed] lest <3381 -mepos -> he also <3761 -oude -> spare <5339 -pheidomai -> not thee .

2316 ROM 011 022 Behold <1492 -eido -> therefore <3767 -oun -> the goodness <5544 -chrestotes -> and severity <0663 -apotomia -> of God <{2316} -theos -> : on <1909 -epi -> them which fell <4098 -pipto -> , severity <0663 -apotomia -> ; but toward <1909 -epi -> thee , goodness <5544 -chrestotes -> , if <1437 -ean -> thou continue <1961 -epimeno -> in [his] goodness <5544 -chrestotes -> : otherwise <1893 -epei -> thou also <2532 -kai -> shalt be cut <1581 -ekkopto -> off <1581 -ekkopto -> .

2316 ROM 011 023 And they also <1161 -de -> , if <1437 -ean -> they abide <1961 -epimeno -> not still in unbelief <0570 -apaistia -> , shall be graffed <1461 -egkentrizo -> in : for God <{2316} -theos -> is able <1415 -dunatos -> to graff <1461 -egkentrizo -> them in again <3825 -palin -> .

2316 ROM 011 029 For the gifts <5486 -charisma -> and calling <2821 -klesis -> of God <{2316} -theos -> [are] without <0278 -ametameletos -> repentance <0278 -ametameletos -> .

2316 ROM 011 030 For as ye in times <4218 -pote -> past have not believed <0544 -apeitheo -> God <{2316} -theos -> , yet have now <3568 -nun -> obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> through their unbelief <0543 -apeitheia -> :

2316 ROM 011 032 For God <{2316} -theos -> hath concluded <4788 -sugkleio -> them all <3956 -pas -> in unbelief <0543 -apeitheia -> , that he might have mercy <1653 -eleeo -> upon all <3956 -pas -> .

2316 ROM 011 033 . O the depth <0899 -bathos -> of the riches <4149 -ploutos -> both <2532 -kai -> of the wisdom <4678 -sophia -> and knowledge <1108 -gnosis -> of God <{2316} -theos -> ! how <5613 -hos -> unsearchable <0419 -anexereunetos -> [are] his judgments <2917 -krima -> , and his ways <3598 -hodos -> past <0421 -anexichniastos -> finding <0421 -anexichniastos -> out !

2316 ROM 012 001 . I beseech <3870 -parakaleo -> you therefore <3767 -oun -> , brethren <0080 -adephos -> , by the mercies <3628 -oiktirmos -> of God <2316 -theos -> , that ye present <3936 -paristemi -> your <5216 -humon -> bodies <4983 -soma -> a living <2198 -zao -> sacrifice <2378 -thusia -> , holy <0040 -hagios -> , acceptable <2101 -euarestos -> unto God <{2316} -

theos -> , [which is] your <5216 -humon -> reasonable <3050 -logikos -> service <2999 -latreia -> .

2316 ROM 012 001 . I beseech <3870 -parakaleo -> you therefore <3767 -oun -> , brethren <0080 -adephos -> , by the mercies <3628 -oiktirmos -> of God <{2316} -theos -> , that ye present <3936 -paristemi -> your <5216 -humon -> bodies <4983 -soma -> a living <2198 -zao -> sacrifice <2378 -thusia -> , holy <0040 -hagios -> , acceptable <2101 -euarestos -> unto God <2316 -theos -> , [which is] your <5216 -humon -> reasonable <3050 -logikos -> service <2999 -latreia -> .

2316 ROM 012 002 And be not conformed <4964 -suschematizo -> to this <5129 -toutoi -> world <0165 -aion -> : but be ye transformed <3339 -metamorphoo -> by the renewing <0342 -anakainosis -> of your <5216 -humon -> mind <3563 -nous -> , that ye may prove <1381 -dokimazo -> what <5101 -tis -> [is] that good <0018 -agathos -> , and acceptable <2101 -euarestos -> , and perfect <5046 -teleios -> , will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 012 003 For I say <3004 -lego -> , through <1223 -dia -> the grace <5485 -charis -> given <1325 -didomi -> unto me , to every <3956 -pas -> man that is among <1722 -en -> you , not to think <5252 -huperphroneo -> [of himself] more <3844 -para -> highly <5252 -huperphroneo -> than he ought <1163 -dei -> to think <5426 -phroneo -> ; but to think <5426 -phroneo -> soberly <4993 -sophroneo -> , according as God <{2316} -theos -> hath dealt <3307 -merizo -> to every <1538 -hekastos -> man the measure <3358 -metron -> of faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 013 001 . Let every <3956 -pas -> soul <5590 -psuche -> be subject <5293 -hupotasso -> unto the higher <5242 -huperecho -> powers <1849 -exousia -> . For there is no <3756 -ou -> power <1849 -exousia -> but of God <2316 -theos -> : the powers <1849 -exousia -> that be are ordained <5021 -tasso -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 013 001 . Let every <3956 -pas -> soul <5590 -psuche -> be subject <5293 -hupotasso -> unto the higher <5242 -huperecho -> powers <1849 -exousia -> . For there is no <3756 -ou -> power <1849 -exousia -> but of God <{2316} -theos -> : the powers <1849 -exousia -> that be are ordained <5021 -tasso -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 013 002 Whosoever <3588 -ho -> therefore <5620 -hoste -> resisteth <0498 -antitassomai -> the power <1849 -exousia -> , resisteth <0436 -anthistemi -> the ordinance <1296 -diatage -> of God <{2316} -theos -> : and they that resist <0436 -anthistemi -> shall receive <2983 -lambano -> to themselves <1438 -heautou -> damnation <2917 -krima -> .

2316 ROM 013 004 For he is the minister <1249 -diakonos -> of God <2316 -theos -> to thee for good <0018 -agathos -> . But if <1437 -ean -> thou do <4160 -poieo -> that which is evil <2556 -kakos -> , be afraid <5399 -phobeo -> ; for he beareth <5409 -phoreo -> not the sword <3162 -machaira -> in vain <1500 -eike -> : for he is the minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , a revenger <1558 -ekdikos -> to [execute] wrath <3709 -orge -> upon him that doeth <4238 -prasso -> evil <2556 -kakos -> .

2316 ROM 013 004 For he is the minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> to thee for good <0018 -agathos -> . But if <1437 -ean -> thou do <4160 -poieo -> that which is evil <2556 -kakos -> , be afraid <5399 -phobeo -> ; for he beareth

<5409 -phoreo -> not the sword <3162 -machaira -> in vain <1500 -
eike -> : for he is the minister <1249 -diakonos -> of God
<2316 -theos -> , a revenger <1558 -ekdikos -> to [execute]
wrath <3709 -orge -> upon him that doeth <4238 -prasso -> evil
<2556 -kakos -> .

2316 ROM 013 006 For for this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -
> pay <5055 -teleo -> ye tribute <5411 -phoros -> also <2532 -
kai -> : for they are God s <{2316} -theos -> ministers <3011 -
leitourgos -> , attending <4342 -proskartereo -> continually
<4342 -proskartereo -> upon this <5124 -touto -> very <0846 -
autos -> thing .

2316 ROM 014 003 Let not him that eateth <2068 -esthio ->
despise <1848 -exoutheneo -> him that eateth <2068 -esthio ->
not ; and let not him which eateth <2068 -esthio -> not judge
<2919 -krino -> him that eateth <2068 -esthio -> : for God
<{2316} -theos -> hath received <4355 -proslambano -> him .

2316 ROM 014 004 Who <5101 -tis -> art <1488 -ei -> thou that
judgest <2919 -krino -> another <0245 -allotrios -> man s <0245 -
allotrios -> servant <3610 -oiketes -> ? to his own <2398 -
idios -> master <2962 -kurios -> he standeth <4739 -steko -> or
<2228 -e -> falleth <4098 -pipto -> . Yea <0235 -alla -> , he
shall be holden up : for God <{2316} -theos -> is able <1415 -
dunatos -> to make <2476 -histemi -> him stand <2476 -histemi ->
.

2316 ROM 014 006 He that regardeth <5426 -phroneo -> the day
<2250 -hemera -> , regardeth <5426 -phroneo -> [it] unto
the Lord <2962 -kurios -> ; and he that regardeth <5426 -
phroneo -> not the day <2250 -hemera -> , to the Lord <2962 -
kurios -> he doth not regard <5426 -phroneo -> [it] . He
that eateth <2068 -esthio -> , eateth <2068 -esthio -> to the
Lord <2962 -kurios -> , for he giveth God <2316 -theos ->
thanks <2168 -eucharisteo -> ; and he that eateth <2068 -esthio
-> not , to the Lord <2962 -kurios -> he eateth <2068 -esthio -
> not , and giveth God <{2316} -theos -> thanks <2168 -
eucharisteo -> .

2316 ROM 014 006 He that regardeth <5426 -phroneo -> the day
<2250 -hemera -> , regardeth <5426 -phroneo -> [it] unto
the Lord <2962 -kurios -> ; and he that regardeth <5426 -
phroneo -> not the day <2250 -hemera -> , to the Lord <2962 -
kurios -> he doth not regard <5426 -phroneo -> [it] . He
that eateth <2068 -esthio -> , eateth <2068 -esthio -> to the
Lord <2962 -kurios -> , for he giveth God <{2316} -theos ->
thanks <2168 -eucharisteo -> ; and he that eateth <2068 -esthio
-> not , to the Lord <2962 -kurios -> he eateth <2068 -esthio -
> not , and giveth God <{2316} -theos -> thanks <2168 -
eucharisteo -> .

2316 ROM 014 011 For it is written <1125 -grapho -> ,   [As]
I live <2198 -zao -> , saith <3004 -lego -> the Lord <2962 -
kurios -> , every <3956 -pas -> knee <1119 -gonu -> shall bow
<2578 -kampto -> to me , and every <3956 -pas -> tongue <1100 -
glossa -> shall confess <1843 -exomologeo -> to God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 014 012 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> every
<1538 -hekastos -> one of us shall give <1325 -didomi -> account
<3056 -logos -> of himself <1438 -heautou -> to God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 014 017 For the kingdom <0932 -basileia -> of God
<{2316} -theos -> is not meat <1035 -brosis -> and drink <4213 -

posis -> ; but righteousness <1343 -dikaiosune -> , and peace <1515 -eirene -> , and joy <5479 -chara -> in the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 014 018 For he that in these <5125 -toutois -> things serveth <1398 -douleuo -> Christ <5547 -Christos -> [is] acceptable <2101 -euarestos -> to God <{2316} -theos -> , and approved <1384 -dokimos -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 ROM 014 020 For meat <1033 -broma -> destroy <2647 -kataluo -> not the work <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> . All <3956 -pas -> things indeed <3303 -men -> [are] pure <2513 -katharos -> ; but [it is] evil <2556 -kakos -> for that man <0444 -anthropos -> who <3588 -ho -> eateth <2068 -esthio -> with offence <4348 -proskomma -> .

2316 ROM 014 022 Hast <2192 -echo -> thou faith <4102 -pistis -> ? have <2192 -echo -> [it] to thyself <4572 -seautou -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> . Happy <3107 -makarios -> [is] he that condemneth <4314 -pros -> not himself <1438 -heautou -> in that thing which <3739 -hos -> he alloweth <1381 -dokimazo -> .

2316 ROM 015 005 . Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of patience <5281 -hupomone -> and consolation <3874 -paraklesis -> grant <1325 -didomi -> you to be likeminded <5426 -phroneo -> one <0240 -allelon -> toward <1722 -en -> another <0240 -allelon -> according <2596 -kata -> to Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 ROM 015 006 That ye may with one <3661 -homothumadon -> mind <3661 -homothumadon -> [and] one <1520 -heis -> mouth <4750 -stoma -> glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 015 007 . Wherefore <1352 -dio -> receive <4355 -proslambano -> ye one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , as Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> received <4355 -proslambano -> us to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 015 008 Now <1160 -dapane -> I say <3004 -lego -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> was a minister <1249 -diakonos -> of the circumcision <4061 -peritome -> for the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> , to confirm <0950 -bebaioo -> the promises <1860 -epaggelia -> [made] unto the fathers <3962 -pater -> :

2316 ROM 015 009 And that the Gentiles <1484 -ethnos -> might glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for [his] mercy <1656 -eleos -> ; as it is written <1125 -grapho -> , For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> I will confess <1843 -exomologeo -> to thee among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> , and sing <5567 -psallo -> unto thy name <3686 -onoma -> .

2316 ROM 015 013 . Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of hope <1680 -elpis -> fill <4137 -pleroo -> you with all <3956 -pas -> joy <5479 -chara -> and peace <1515 -eirene -> in believing <4100 -pisteuo -> , that ye may abound <4052 -perisseuo -> in hope <1680 -elpis -> , through <1722 -en -> the power <1411 -dunamis -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 015 015 Nevertheless <1161 -de -> , brethren <0080 -

adephos -> , I have written <1125 -grapho -> the more <5112 -tolmeroteron -> boldly <5112 -tolmeroteron -> unto you in some <3313 -meros -> sort <3313 -meros -> , as putting <1878 -epanamimnesko -> you in mind <1878 -epanamimnesko -> , because <1223 -dia -> of the grace <5485 -charis -> that is given <1325 -didomi -> to me of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 015 016 That I should be the minister <3011 -leitourgos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> , ministering <2418 -hierourgeo -> the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> , that the offering <4376 -prosphora -> up of the Gentiles <1484 -ethnos -> might be acceptable <2144 -euprosdektos -> , being sanctified <0037 -hagiazo -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 015 017 . I have <2192 -echo -> therefore <3767 -oun -> whereof I may glory <2746 -kauchesis -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> in those <3588 -ho -> things which pertain to God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 015 019 Through <1722 -en -> mighty <1411 -dunamis -> signs <4591 -semaino -> and wonders <5059 -teras -> , by the power <1411 -dunamis -> of the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> ; so <5620 -hoste -> that from Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , and round <2943 -kuklothen -> about <2945 -kukloi -> unto Illyricum <2437 -Illurikon -> , I have fully <4137 -pleroo -> preached <4137 -pleroo -> the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 015 030 . Now <1161 -de -> I beseech <3870 -parakaleo -> you , brethren <0080 -adephos -> , for the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ s <5547 -Christos -> sake , and for the love <0026 -agape -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , that ye strive <4865 -sunagonizomai -> together <4865 -sunagonizomai -> with me in [your <3588 -ho ->] prayers <4335 -proseuche -> to God <{2316} -theos -> for me ;

2316 ROM 015 032 That I may come <2064 -erchomai -> unto you with joy <5479 -chara -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and may with you be refreshed <4875 -sunanapauomai -> .

2316 ROM 015 033 Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> [be] with you all <3956 -pas -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 016 020 And the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> shall bruise <4937 -suntribo -> Satan <4567 -Satanas -> under <5259 -hupo -> your <5216 -humon -> feet <4228 -pous -> shortly <5034 -tachos -> . The grace <5485 -charis -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> [be] with you . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 016 026 But now <3568 -nun -> is made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> , and by the scriptures <1124 -graphe -> of the prophets <4397 -prophetikos -> , according <2596 -kata -> to the commandment <2003 -epitage -> of the everlasting <0166 -aionios -> God <{2316} -theos -> , made <1107 -gnorizo -> known <1107 -gnorizo -> to all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> for the obedience <5218 -hupakoe -> of faith <4102 -pistis -> :

2316 ROM 016 027 To God <{2316} -theos -> only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ,   [be] glory <1391 -doxa -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ

<5547 -Christos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -
> .

2316 1CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , called <2822 -
kletos -> [to be] an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus
<2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> through <1223 -dia ->
the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and
Sosthenes <4988 -Sosthenes -> [our] brother <0080 -adephos -
> ,

2316 1CO 001 002 Unto the church <1577 -ekklesia -> of God
<{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth
<2882 -Korinthos -> , to them that are sanctified <0037 -
hagiazo -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ,
 called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> ,
with all <3956 -pas -> that in every <3956 -pas -> place <5117 -
topos -> call <1941 -epikaleomai -> upon the name <3686 -onoma -
> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord
<2962 -kurios -> , both <5037 -te -> theirs and ours <2257 -
hemon -> :

2316 1CO 001 003 Grace <5485 -charis -> [be] unto you ,
and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our
Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -
> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1CO 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <2316 -
theos -> always <3842 -pantote -> on <4012 -peri -> your <5216 -
humon -> behalf <4012 -peri -> , for the grace <5485 -charis ->
of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -
didomi -> you by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> ;

2316 1CO 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -
theos -> always <3842 -pantote -> on <4012 -peri -> your <5216 -
humon -> behalf <4012 -peri -> , for the grace <5485 -charis ->
of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi
-> you by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 1CO 001 009 God <{2316} -theos -> [is] faithful <4103 -
pistos -> , by whom <3739 -hos -> ye were called <2564 -kaleo -
> unto the fellowship <2842 -koinonia -> of his Son <5207 -huios
-> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord
<2962 -kurios -> .

2316 1CO 001 014 . I thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -
theos -> that I baptized <0907 -baptizo -> none <3762 -oudeis ->
of you , but Crispus <2921 -Krispos -> and Gaius <1050 -Gaios -
> ;

2316 1CO 001 018 For the preaching <3056 -logos -> of the cross
<4716 -stauros -> is to them that perish <0622 -apollumi ->
foolishness <3472 -moria -> ; but unto us which are saved <4982
-sozo -> it is the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos
-> .

2316 1CO 001 020 Where <4226 -pou -> [is] the wise <4680 -
sophos - -oneidismos -> ? where <4226 -pou -> [is] the
scribe <1122 -grammateus -> ? where <4226 -pou -> [is] the
disputer <4804 -suzetetes -> of this <5127 -toutou -> world
<0165 -aion -> ? hath not God <{2316} -theos -> made <3471 -
moraino -> foolish <3471 -moraino -> the wisdom <4678 -sophia ->
of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> ?

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom
<4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> the world <2889 -kosmos -

> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <{2316} -theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> the world <2889 -kosmos -> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God <{2316} -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <2316 -theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> the world <2889 -kosmos -> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <2316 -theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1CO 001 024 But unto them which <3588 -ho -> are called <2822 -kletos -> , both <5037 -te -> Jews <2453 -Ioudaios -> and Greeks <1672 -Hellen -> , Christ <5547 -Christos -> the power <1411 -dunamis -> of God <2316 -theos -> , and the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 001 024 But unto them which <3588 -ho -> are called <2822 -kletos -> , both <5037 -te -> Jews <2453 -Ioudaios -> and Greeks <1672 -Hellen -> , Christ <5547 -Christos -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> , and the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 001 025 Because <3754 -hoti -> the foolishness <3474 -moros -> of God <2316 -theos -> is wiser <4680 -sophos - -oneidismos -> than men <0444 -anthropos -> ; and the weakness <0772 -asthenes -> of God <{2316} -theos -> is stronger <2478 -ischuros -> than men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 001 025 Because <3754 -hoti -> the foolishness <3474 -moros -> of God <{2316} -theos -> is wiser <4680 -sophos - -oneidismos -> than men <0444 -anthropos -> ; and the weakness <0772 -asthenes -> of God <2316 -theos -> is stronger <2478 -ischuros -> than men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 001 027 But God <2316 -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the foolish <3474 -moros -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ; and God <{2316} -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the weak <0772 -asthenes -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the things which are mighty <2478 -ischuros -> ;

2316 1CO 001 027 But God <{2316} -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the foolish <3474 -moros -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ; and God <2316 -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the weak <0772 -asthenes -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the things which are mighty <2478 -ischuros -> ;

2316 1CO 001 028 And base <0036 -agenes -> things of the world <2889 -kosmos -> , and things which are despised <1848 -exoutheneo -> , hath God <{2316} -theos -> chosen <1586 -eklegomai -> , [yea] , and things which <3588 -ho -> are

not , to bring <2673 -katargeo -> to nought <2673 -katargeo -> things that are :

2316 1CO 001 030 But of him are ye in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3739 -hos -> of God <{2316} -theos -> is made <1096 -ginomai -> unto us wisdom <4678 -sophia -> , and righteousness <1343 -dikaiosune -> , and sanctification <0038 -hagiasmos -> , and redemption <0629 -apolutrosis -> :

2316 1CO 002 001 . And I , brethren <0080 -adephos -> , when I came <2064 -erchomai -> to you , came <2064 -erchomai -> not with excellency <5247 -huperoche -> of speech <3056 -logos -> or <2228 -e -> of wisdom <4678 -sophia -> , declaring <2605 -kataggello -> unto you the testimony <3142 -marturion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 005 That your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> should not stand <1510 -eimi -> in the wisdom <4678 -sophia -> of men <0444 -anthropos -> , but in the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 007 But we speak <2980 -laleo -> the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> in a mystery <3466 -musterion -> , [even] the hidden <0613 -apokrupto -> [wisdom] , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> ordained <4304 -promeletao -> before <4253 -pro -> the world <0165 -aion -> unto our glory <1391 -doxa -> :

2316 1CO 002 007 But we speak <2980 -laleo -> the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> in a mystery <3466 -musterion -> , [even] the hidden <0613 -apokrupto -> [wisdom] , which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> ordained <4304 -promeletao -> before <4253 -pro -> the world <0165 -aion -> unto our glory <1391 -doxa -> :

2316 1CO 002 009 But as it is written <1125 -grapho -> , Eye <3788 -ophthalmos -> hath not seen <1492 -eido -> , nor <3756 -ou -> ear <3775 -ous -> heard <0191 -akouo -> , neither <3756 -ou -> have entered <0305 -anabaino -> into <1909 -epi -> the heart <2588 -kardia -> of man <0444 -anthropos -> , the things which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them that love <0025 -agapao -> him .

2316 1CO 002 010 But God <2316 -theos -> hath revealed <0601 -apokalupto -> [them] unto us by his Spirit <4151 -pneuma -> : for the Spirit <4151 -pneuma -> searcheth <2045 -ereunao -> all <3956 -pas -> things , yea <2532 -kai -> , the deep <0899 -bathos -> things of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 010 But God <{2316} -theos -> hath revealed <0601 -apokalupto -> [them] unto us by his Spirit <4151 -pneuma -> : for the Spirit <4151 -pneuma -> searcheth <2045 -ereunao -> all <3956 -pas -> things , yea <2532 -kai -> , the deep <0899 -bathos -> things of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 011 For what <5101 -tis -> man <0444 -anthropos -> knoweth <1492 -eido -> the things of a man <0444 -anthropos -> , save <1508 -ei me -> the spirit <4151 -pneuma -> of man <0444 -anthropos -> which <3588 -ho -> is in him ? even <2532 -kai -> so <3779 -houto -> the things of God <2316 -theos -> knoweth <1492 -eido -> no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> , but the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 011 For what <5101 -tis -> man <0444 -anthropos -> knoweth <1492 -eido -> the things of a man <0444 -anthropos -> ,

save <1508 -ei me -> the spirit <4151 -pneuma -> of man <0444 -
anthropos -> which <3588 -ho -> is in him ? even <2532 -kai ->
so <3779 -houto -> the things of God <{2316} -theos -> knoweth
<1492 -eido -> no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> , but
the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 012 Now <1161 -de -> we have received <2983 -
lambano -> , not the spirit <4151 -pneuma -> of the world <2889
-kosmos -> , but the spirit <4151 -pneuma -> which <3588 -ho ->
is of God <2316 -theos -> ; that we might know <1492 -eido ->
the things that are freely given <5483 -charizomai -> to us of
God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 012 Now <1161 -de -> we have received <2983 -
lambano -> , not the spirit <4151 -pneuma -> of the world <2889
-kosmos -> , but the spirit <4151 -pneuma -> which <3588 -ho ->
is of God <{2316} -theos -> ; that we might know <1492 -eido ->
the things that are freely given <5483 -charizomai -> to us of
God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 014 But the natural <5591 -psuchikos -> man <0444 -
anthropos -> receiveth <1209 -dechomai -> not the things of the
Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> : for they are
foolishness <3472 -moria -> unto him : neither <3756 -ou -> can
<1410 -dunamai -> he know <1097 -ginosko -> [them] ,
because <3754 -hoti -> they are spiritually <4153 -pneumatikos -
> discerned <0350 -anakrino -> .

2316 1CO 003 006 I have planted <5452 -phuteuo -> , Apollos
<0625 -Apollos -> watered <4222 -potizo -> ; but God <{2316} -
theos -> gave the increase <0837 -auzano -> .

2316 1CO 003 007 So <5620 -hoste -> then neither <3777 -oute ->
is he that planteth <5452 -phuteuo -> any <5100 -tis -> thing ,
neither <3777 -oute -> he that watereth <4222 -potizo -> ; but
God <{2316} -theos -> that giveth the increase <0837 -auzano -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos ->
together <4904 -sunergos -> with God <2316 -theos -> : ye are
God s <2316 -theos -> husbandry <1091 -georgion -> ,   [ye are
] God s <{2316} -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos ->
together <4904 -sunergos -> with God <2316 -theos -> : ye are
God s <{2316} -theos -> husbandry <1091 -georgion -> ,   [ye
are] God s <2316 -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos ->
together <4904 -sunergos -> with God <{2316} -theos -> : ye are
God s <2316 -theos -> husbandry <1091 -georgion -> ,   [ye are
] God s <2316 -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 010 According <2596 -kata -> to the grace <5485 -
charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given
<1325 -didomi -> unto me , as a wise <4680 -sophos - -
oneidismos -> masterbuilder <0753 -architekton -> , I have laid
<5087 -tithemi -> the foundation <2310 -themelios -> , and
another <0243 -allos -> buildeth <2026 -epoikodomeo -> thereon
<2026 -epoikodomeo -> . But let every <1538 -hekastos -> man
take heed <0991 -blepo -> how <4459 -pos -> he buildeth <2026 -
epoikodomeo -> thereupon <2026 -epoikodomeo -> .

2316 1CO 003 016 . Know <1492 -eido -> ye not that ye are the
temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , and [that]
the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> dwelleth
<3611 -oikeo -> in you ?

2316 1CO 003 016 . Know <1492 -eido -> ye not that ye are the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , and [that] the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> dwelleth <3611 -oikeo -> in you ?

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , him shall God <2316 -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , him shall God <{2316} -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , him shall God <2316 -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 019 For the wisdom <4678 -sophia -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> is foolishness <3472 -moria -> with God <{2316} -theos -> . For it is written <1125 -grapho -> , He taketh <1405 -drassomai -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> in their own craftiness <3834 -panourgia -> .

2316 1CO 003 023 And ye are Christ s <5547 -Christos -> ; and Christ <5547 -Christos -> [is] God s <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 001 . Let a man <0444 -anthropos -> so <3779 -houto -> account <3049 -logizomai -> of us , as of the ministers <5257 -huperetes -> of Christ <5547 -Christos -> , and stewards <3623 -oikonomos -> of the mysteries <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 005 Therefore <5620 -hoste -> judge <2919 -krino -> nothing <3385 -meti -> before <4253 -pro -> the time <2540 -kairos -> , until <2193 -heos -> the Lord <2962 -kurios -> come <2064 -erchomai -> , who <3739 -hos -> both <2532 -kai -> will bring <5461 -photizo -> to light <5461 -photizo -> the hidden <2927 -kruptos -> things of darkness <4655 -skotos -> , and will make <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> the counsels <1012 -boule -> of the hearts <2588 -kardia -> : and then <5119 -tote -> shall every <1538 -hekastos -> man have <1096 -ginomai -> praise <1868 -epainos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 009 For I think <1380 -dokeo -> that God <{2316} -theos -> hath set <0584 -apodeiknumi -> forth <0584 -apodeiknumi -> us the apostles <0652 -apostolos -> last <2078 -eschatos -> , as it were appointed <1935 -epithanatios -> to death <1935 -epithanatios -> : for we are made <1096 -ginomai -> a spectacle <2302 -theatron -> unto the world <2889 -kosmos -> , and to angels <0032 -aggelos -> , and to men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 004 020 For the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> [is] not in word <3056 -logos -> , but in power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 005 013 But them that are without <1854 -exo -> God <{2316} -theos -> judgeth <2919 -krino -> . Therefore put <1808 -exairo -> away <1808 -exairo -> from among yourselves <0846 -autos -> that wicked <4190 -poneros -> person .

2316 1CO 006 009 . Know <1492 -eido -> ye not that the unrighteous <0094 -adikos -> shall not inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ? Be not deceived <4105 -planao -> : neither <3777 -oute -> fornicators <4205 -pornos -> , nor <3777 -oute -> idolaters <1496 -eidololatres -> , nor <3777 -oute -> adulterers <3432 -moichos -> , nor <3777 -oute -> effeminate <3120 -malakos -> , nor <3777 -oute -> abusers <0783 -aspasmos -> of themselves with mankind <0733 -arsenokoites -> ,

2316 1CO 006 010 Nor <3777 -oute -> thieves <2812 -kleptes -> , nor <3777 -oute -> covetous <4123 -pleonektes -> , nor <3756 -ou -> drunkards <3183 -methusos -> , nor <3756 -ou -> revilers <3060 -loidoros -> , nor <3756 -ou -> extortioners <0727 -harpax -> , shall inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 011 And such <5023 -tauta -> were some <5100 -tis -> of you : but ye are washed <0628 -apolouo -> , but ye are sanctified <0037 -hagiazo -> , but ye are justified <1344 -dikaioo -> in the name <3686 -onoma -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and by the Spirit <4151 -pneuma -> of our God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 013 Meats <1033 -broma -> for the belly <2836 -koilia -> , and the belly <2836 -koilia -> for meats <1033 -broma -> : but God <{2316} -theos -> shall destroy <2673 -katargeo -> both <2532 -kai -> it and them . Now <1161 -de -> the body <4983 -soma -> [is] not for fornication <4202 -porneia -> , but for the Lord <2962 -kurios -> ; and the Lord <2962 -kurios -> for the body <4983 -soma -> .

2316 1CO 006 014 And God <{2316} -theos -> hath both <2532 -kai -> raised <1453 -egeiro -> up the Lord <2962 -kurios -> , and will also <2532 -kai -> raise <1825 -exegeiro -> up us by his own <0848 -hautou -> power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 006 019 What <2228 -e -> ? know <1492 -eido -> ye not that your <1438 -heautou -> body <4983 -soma -> is the temple <3485 -naos -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> [which is] in you , which <3739 -hos -> ye have <2192 -echo -> of God <{2316} -theos -> , and ye are not your <5216 -humon -> own <1438 -heautou -> ?

2316 1CO 006 020 For ye are bought <0059 -agorazo -> with a price <5092 -time -> : therefore <1211 -de -> glorify <1392 -doxazo -> God <2316 -theos -> in your <5216 -humon -> body <4983 -soma -> , and in your <5216 -humon -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3748 -hostis -> are God s <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 020 For ye are bought <0059 -agorazo -> with a price <5092 -time -> : therefore <1211 -de -> glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in your <5216 -humon -> body <4983 -soma -> , and in your <5216 -humon -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3748 -hostis -> are God s <2316 -theos -> .

2316 1CO 007 007 For I would <2309 -thelo -> that all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> were even <2532 -kai -> as I myself <1683 -emautou -> . But every <1538 -hekastos -> man hath <2192 -echo -> his proper <2398 -idios -> gift <5486 -charisma -> of God <{2316} -theos -> , one <3303 -men -> after

<3779 -houto -> this <3779 -houto -> manner <3779 -houto -> , and another <3588 -ho -> after <3779 -houto -> that .

2316 1CO 007 015 But if <1487 -ei -> the unbelieving <0571 -apistos -> depart <5562 -choreo -> , let him depart <5562 -choreo -> . A brother <0080 -adephos -> or <2228 -e -> a sister <0079 -adelphe -> is not under bondage <1402 -douloo -> in such <5108 -toioutos -> [cases] : but God <{2316} -theos -> hath called <2564 -kaleo -> us to peace <1515 -eirene -> .

2316 1CO 007 017 . But as God <{2316} -theos -> hath distributed <3307 -merizo -> to every <1538 -hekastos -> man , as the Lord <2962 -kurios -> hath called <2564 -kaleo -> every <1538 -hekastos -> one , so <3779 -houto -> let him walk <4043 -peripateo -> . And so <3779 -houto -> ordain <1299 -diatasso -> I in all <3956 -pas -> churches <1577 -ekklesia -> .

2316 1CO 007 019 Circumcision <4061 -peritome -> is nothing <3762 -oudeis -> , and uncircumcision <0203 -akrobustia -> is nothing <3762 -oudeis -> , but the keeping <5084 -teresis -> of the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 007 024 Brethren <0080 -adephos -> , let every <1538 -hekastos -> man , wherein <3757 -hou -> he is called <2564 -kaleo -> , therein <5129 -toutoi -> abide <3306 -meno -> with God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 007 040 But she is happier <3107 -makarios -> if <1437 -ean -> she so <3779 -houto -> abide <3306 -meno -> , after <2596 -kata -> my judgment <1106 -gnome -> : and I think <1380 -dokeo -> also <2504 -kago -> that I have <2192 -echo -> the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 008 003 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , the same <3778 -houtos -> is known <1097 -ginosko -> of him .

2316 1CO 008 004 . As concerning <4012 -peri -> therefore <3767 -oun -> the eating <1035 -brosis -> of those <3588 -ho -> things that are offered <1494 -eidolothuton -> in sacrifice <1494 -eidolothuton -> unto idols <1494 -eidolothuton -> , we know <1492 -eido -> that an idol <1497 -eidolon -> [is] nothing <3762 -oudeis -> in the world <2889 -kosmos -> , and that [there is] none <3762 -oudeis -> other <2087 -heteros -> God <{2316} -theos -> but one <1520 -heis -> .

2316 1CO 008 005 For though <1512 -ei per -> there be that are called <3004 -lego -> gods <2316 -theos -> , whether <1535 -eite -> in heaven <3772 -ouranos -> or <1535 -eite -> in earth <1093 -ge -> , (as there be gods <{2316} -theos -> many <4183 -polus -> , and lords <2962 -kurios -> many <4183 -polus -> ,)

2316 1CO 008 005 For though <1512 -ei per -> there be that are called <3004 -lego -> gods <{2316} -theos -> , whether <1535 -eite -> in heaven <3772 -ouranos -> or <1535 -eite -> in earth <1093 -ge -> , (as there be gods <2316 -theos -> many <4183 -polus -> , and lords <2962 -kurios -> many <4183 -polus -> ,)

2316 1CO 008 006 But to us [there is but] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , the Father <3962 -pater -> , of whom <3739 -hos -> [are] all <3956 -pas -> things , and we in him ; and one <1520 -heis -> Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , by whom <3739 -hos -> [are] all <3956 -pas -> things , and we by him .

2316 1CO 008 008 But meat <1033 -broma -> commendeth <3936 -

paristemi -> us not to God <{2316} -theos -> : for neither <3777 -oute -> , if <1437 -ean -> we eat <5315 -phago -> , are we the better <4052 -perisseuo -> ; neither <3777 -oute -> , if <1437 -ean -> we eat <5315 -phago -> not , are we the worse <5302 -hustereo -> .

2316 1CO 009 009 For it is written <1125 -grapho -> in the law <3551 -nomos -> of Moses <3475 -Moseus -> , Thou shalt not muzzle <5392 -phimoo -> the mouth of the ox <1016 -bous -> that treadeth <0248 -aloao -> out the corn . Doth God <{2316} -theos -> take care <3199 -melo -> for oxen <1016 -bous -> ?

2316 1CO 009 021 To them that are without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> , as without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> ,   (being not without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> to God <{2316} -theos -> , but under <1772 -ennomos -> the law <1772 -ennomos -> to Christ <5547 -Christos -> ,) that I might gain <2770 -kerdaino -> them that are without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> .

2316 1CO 010 005 But with many <4119 -pleion -> of them God <{2316} -theos -> was not well <2106 -eudokeo -> pleased <2106 -eudokeo -> : for they were overthrown <2693 -katastronnumi -> in the wilderness <2048 -eremos -> .

2316 1CO 010 013 There hath no <3756 -ou -> temptation <3986 -peirasmos -> taken <2983 -lambano -> you but such as is common <0442 -anthropinos -> to man <0442 -anthropinos -> : but God <{2316} -theos -> [is] faithful <4103 -pistos -> , who <3739 -hos -> will not suffer <1439 -eao -> you to be tempted <3985 -peirazo -> above <5228 -huper -> that ye are able <1410 -dunamai -> ; but will with the temptation <3986 -peirasmos -> also <2532 -kai -> make <4160 -poieo -> a way <1545 -ekbasis -> to escape <1545 -ekbasis -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to bear <5297 -hupophero -> [it] .

2316 1CO 010 020 But I [say] , that the things which <3739 -hos -> the Gentiles <1484 -ethnos -> sacrifice <2380 -thuo -> , they sacrifice <2380 -thuo -> to devils <1140 -daimonion -> , and not to God <{2316} -theos -> : and I would <2309 -thelo -> not that ye should have fellowship <2844 -koinonos -> with devils <1140 -daimonion -> .

2316 1CO 010 031 Whether <1535 -eite -> therefore <3767 -oun -> ye eat <2068 -esthio -> , or <1535 -eite -> drink <4095 -pino -> , or <1535 -eite -> whatsoever <5100 -tis -> ye do <4160 -poieo -> , do <4160 -poieo -> all <3956 -pas -> to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 010 032 Give <1096 -ginomai -> none <0677 -aproskopos -> offence <0677 -aproskopos -> , neither to the Jews <2453 -Ioudaios -> , nor <2532 -kai -> to the Gentiles <1672 -Hellen -> , nor <2532 -kai -> to the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> :

2316 1CO 011 003 But I would <2309 -thelo -> have you know <1492 -eido -> , that the head <2776 -kephale -> of every <3956 -pas -> man <0435 -aner -> is Christ <5547 -Christos -> ; and the head <2776 -kephale -> of the woman <1135 -gune -> [is] the man <0435 -aner -> ; and the head <2776 -kephale -> of Christ <5547 -Christos -> [is] God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 007 For a man <0435 -aner -> indeed <3303 -men -> ought <3784 -opheilo -> not to cover <2619 -katakalupto -> [his] head <2776 -kephale -> , forasmuch as he is the image <1504 -eikon -> and glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -

> : but the woman <1135 -gune -> is the glory <1391 -doxa -> of the man <0435 -aner -> .

2316 1CO 011 012 For as the woman <1135 -gune -> [is] of the man <0435 -aner -> , even so <3779 -houto -> [is] the man <0435 -aner -> also <2532 -kai -> by the woman <1135 -gune -> ; but all <3956 -pas -> things of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 013 Judge <2919 -krino -> in yourselves <0846 -autos -> : is it comely <4241 -prepo -> that a woman <1135 -gune -> pray <4336 -proseuchomai -> unto God <{2316} -theos -> uncovered <0177 -akatakaluptos -> ?

2316 1CO 011 016 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man seem <1380 -dokeo -> to be contentious <5380 -philoneikos -> , we have <2192 -echo -> no <3756 -ou -> such <5108 -toioutos -> custom <4914 -sunetheia -> , neither <3761 -oude -> the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 022 What <1063 -gar -> ? have <2192 -echo -> ye not houses <3614 -oikia -> to eat <2068 -esthio -> and to drink <4095 -pino -> in ? or <2228 -e -> despise <2706 -kataphroneo -> ye the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , and shame <2617 -kataischuno -> them that have <2192 -echo -> not ? What <5101 -tis -> shall I say <2036 -epo -> to you ? shall I praise <1867 -epaineo -> you in this <5129 -toutoi -> ? I praise <1867 -epaineo -> [you] not .

2316 1CO 012 003 Wherefore <1352 -dio -> I give you to understand <1107 -gnorizo -> , that no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> speaking <2980 -laleo -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> calleth <3004 -lego -> Jesus <2424 -Iesous -> accursed <0331 -anathema -> : and [that] no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> say <2036 -epo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Lord <2962 -kurios -> , but by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 1CO 012 006 And there are diversities <1243 -diairesis -> of operations <1755 -energema -> , but it is the same <0846 -autos -> God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> worketh <1754 -energeo -> all <3956 -pas -> in all <3956 -pas -> .

2316 1CO 012 018 But now <3570 -nuni -> hath God <{2316} -theos -> set <5087 -tithemi -> the members <3196 -melos -> every <1538 -hekastos -> one <1520 -heis -> of them in the body <4983 -soma -> , as it hath pleased <2309 -thelo -> him .

2316 1CO 012 024 For our comely <2158 -euschemon -> [parts] have <2192 -echo -> no <3756 -ou -> need <5532 -chreia -> : but God <{2316} -theos -> hath tempered <4786 -sugkerannumi -> the body <4983 -soma -> together <4786 -sugkerannumi -> , having given <1325 -didomi -> more <4055 -perissoteros -> abundant <4055 -perissoteros -> honour <5092 -time -> to that [part] which lacked <5302 -hustereo -> :

2316 1CO 012 028 And God <{2316} -theos -> hath set <5087 -tithemi -> some <3588 -ho -> in the church <1577 -ekklesia -> , first <4412 -proton -> apostles <0652 -apostolos -> , secondarily <1208 -deuteros -> prophets <4396 -prophetes -> , thirdly <5154 -tritos -> teachers <1320 -didaskalos -> , after <1899 -epeita -> that miracles <1411 -dunamis -> , then <1534 -eita -> gifts <5486 -charisma -> of healings <2386 -iama -> , helps <0484 -antilepsis -> , governments <2941 -kubernesis -> , diversities <1085 -genos -> of tongues <1100 -glossa -> .

2316 1CO 014 002 For he that speaketh <2980 -laleo -> in an [unknown] tongue <1100 -glossa -> speaketh <2980 -laleo -> not unto men <0444 -anthropos -> , but unto God <{2316} -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> understandeth <0191 -akouo -> [him] ; howbeit in the spirit <4151 -pneuma -> he speaketh <2980 -laleo -> mysteries <3466 -musterion -> .

2316 1CO 014 018 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> , I speak <2980 -laleo -> with tongues <1100 -glossa -> more <3123 -mallon -> than ye all <3956 -pas -> :

2316 1CO 014 025 And thus <3779 -houto -> are the secrets <2927 -kruptos -> of his heart <2588 -kardia -> made <1096 -ginomai -> manifest <5318 -phaneros -> ; and so <3779 -houto -> falling <4098 -pipto -> down on <1909 -epi -> [his] face <4383 -prosopon -> he will worship <4352 -proskuneo -> God <2316 -theos -> , and report <0518 -apaggello -> that God <{2316} -theos -> is in you of a truth <3689 -ontos -> .

2316 1CO 014 025 And thus <3779 -houto -> are the secrets <2927 -kruptos -> of his heart <2588 -kardia -> made <1096 -ginomai -> manifest <5318 -phaneros -> ; and so <3779 -houto -> falling <4098 -pipto -> down on <1909 -epi -> [his] face <4383 -prosopon -> he will worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> , and report <0518 -apaggello -> that God <2316 -theos -> is in you of a truth <3689 -ontos -> .

2316 1CO 014 028 But if <1437 -ean -> there be no <3361 -me -> interpreter <1328 -diermeneutes -> , let him keep <4601 -sigao -> silence <4601 -sigao -> in the church <1577 -ekklesia -> ; and let him speak <2980 -laleo -> to himself <1438 -heautou -> , and to God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 014 033 For God <{2316} -theos -> is not [the author] of confusion <0181 -akatastasia -> , but of peace <1515 -eirene -> , as in all <3956 -pas -> churches <1577 -ekklesia -> of the saints <0040 -hagios -> .

2316 1CO 014 036 . What <2228 -e -> ? came <1831 -exerchomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> out from you ? or <2228 -e -> came <2658 -katantao -> it unto you only <3441 -monos -> ?

2316 1CO 015 009 For I am <1510 -eimi -> the least <1646 -elachistos -> of the apostles <0652 -apostolos -> , that am <1510 -eimi -> not meet <2425 -hikanos -> to be called <2563 -kalamos -> an apostle <0652 -apostolos -> , because <1360 -dioti -> I persecuted <1377 -dioko -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 015 010 But by the grace <5485 -charis -> of God <2316 -theos -> I am <1510 -eimi -> what <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> : and his grace <5485 -charis -> which [was bestowed] upon me was not in vain <2756 -kenos -> ; but I laboured <2872 -kopiao -> more <4055 -perissoteros -> abundantly <4054 -perissoteron -> than they all <3956 -pas -> : yet <1161 -de -> not I , but the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> was with me .

2316 1CO 015 010 But by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> I am <1510 -eimi -> what <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> : and his grace <5485 -charis -> which [was bestowed] upon me was not in vain <2756 -kenos -> ; but I laboured <2872 -kopiao -> more <4055 -perissoteros -> abundantly <4054 -perissoteron -> than they all <3956 -pas -> : yet <1161 -de -> not I , but the grace <5485 -charis -> of God <2316 -

theos -> which <3588 -ho -> was with me .

2316 1CO 015 015 Yea <1161 -de -> , and we are found <2147 -heurisko -> false <5575 -pseudomartur -> witnesses <5575 -pseudomartur -> of God <2316 -theos -> ; because <3754 -hoti -> we have testified <3140 -martureo -> of God <{2316} -theos -> that he raised <1453 -egeiro -> up Christ <5547 -Christos -> : whom <3739 -hos -> he raised <1453 -egeiro -> not up , if <1512 -ei per -> so <0686 -ara -> be that the dead <3498 -nekros -> rise <1453 -egeiro -> not .

2316 1CO 015 015 Yea <1161 -de -> , and we are found <2147 -heurisko -> false <5575 -pseudomartur -> witnesses <5575 -pseudomartur -> of God <{2316} -theos -> ; because <3754 -hoti -> we have testified <3140 -martureo -> of God <2316 -theos -> that he raised <1453 -egeiro -> up Christ <5547 -Christos -> : whom <3739 -hos -> he raised <1453 -egeiro -> not up , if <1512 -ei per -> so <0686 -ara -> be that the dead <3498 -nekros -> rise <1453 -egeiro -> not .

2316 1CO 015 024 Then <1534 -eita -> [cometh] the end <5056 -telos -> , when <3752 -hotan -> he shall have delivered <3860 -paradidomi -> up the kingdom <0932 -basileia -> to God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> ; when <3752 -hotan -> he shall have put <2673 -katargeo -> down <2673 -katargeo -> all <3956 -pas -> rule <0746 -arche -> and all <3956 -pas -> authority <1849 -exousia -> and power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 015 028 And when <3752 -hotan -> all <3956 -pas -> things shall be subdued <5293 -hupotasso -> unto him , then <5119 -tote -> shall the Son <5207 -huios -> also <2532 -kai -> himself <0846 -autos -> be subject <5293 -hupotasso -> unto him that put <5293 -hupotasso -> all <3956 -pas -> things under <5293 -hupotasso -> him , that God <{2316} -theos -> may be all <3956 -pas -> in all <3956 -pas -> .

2316 1CO 015 034 Awake <1594 -eknepho -> to righteousness <1346 -dikaios -> , and sin <0264 -hamartano -> not ; for some <5100 -tis -> have <2192 -echo -> not the knowledge <0056 -agnosia -> of God <{2316} -theos -> : I speak <3004 -lego -> [this] to your <5213 -humin -> shame <1791 -entrope -> .

2316 1CO 015 038 But God <{2316} -theos -> giveth <1325 -didomi -> it a body <4983 -soma -> as it hath pleased <2309 -thelo -> him , and to every <1538 -hekastos -> seed <4690 -sperma -> his own <2398 -idios -> body <4983 -soma -> .

2316 1CO 015 050 Now <1161 -de -> this <5124 -touto -> I say <5346 -phemi -> , brethren <0080 -adephos -> , that flesh <4561 -sarx -> and blood <0129 -haima -> cannot <1410 -dunamai -> inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ; neither <3761 -oude -> doth corruption <5356 -phthora -> inherit <2816 -kleronomeo -> incorruption <0861 -aphthrsia -> .

2316 1CO 015 057 But thanks <5485 -charis -> [be] to God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> giveth <1325 -didomi -> us the victory <3534 -nikos -> through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <2316 -theos -> , and Timothy <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,

unto the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -> , with all <3956 -pas -> the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are in all <3650 -holos -> Achaia <0882 -Achaia -> :

2316 2CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and Timothy <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,
unto the church <1577 -ekklesia -> of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -> , with all <3956 -pas -> the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are in all <3650 -holos -> Achaia <0882 -Achaia -> :

2316 2CO 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] to you and peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] God <2316 -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , and the God <{2316} -theos -> of all <3650 -holos -> comfort <3874 -paraklesis -> ;

2316 2CO 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , and the God <2316 -theos -> of all <3650 -holos -> comfort <3874 -paraklesis -> ;

2316 2CO 001 004 Who <3588 -ho -> comforteth <3870 -parakaleo -> us in all <3650 -holos -> our tribulation <2347 -thlipsis -> , that we may be able <1410 -dunamai -> to comfort <3870 -parakaleo -> them which are in any <3956 -pas -> trouble <2347 -thlipsis -> , by the comfort <3874 -paraklesis -> wherewith <3739 -hos -> we ourselves are comforted <3870 -parakaleo -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 001 009 But we had <2192 -echo -> the sentence <0610 -apokrima -> of death <2288 -thanatos -> in ourselves <1438 -heautou -> , that we should not trust <3982 -peitho -> in ourselves <1438 -heautou -> , but in God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> raiseth <1453 -egeiro -> the dead <3498 -nekros -> :

2316 2CO 001 012 . For our rejoicing <2746 -kauchesis -> is this <3778 -houtos -> , the testimony <3142 -marturion -> of our conscience <4893 -suneidesis -> , that in simplicity <0572 -haplotes -> and godly <2316 -theos -> sincerity <1505 -eilikrineia -> , not with fleshly <4559 -sarkikos -> wisdom <4678 -sophia -> , but by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , we have had our conversation <0390 -anastrepho -> in the world <2889 -kosmos -> , and more <4056 -perissoteros -> abundantly <4056 -perissoteros -> to you -ward <5209 -humas -> .

2316 2CO 001 012 . For our rejoicing <2746 -kauchesis -> is this <3778 -houtos -> , the testimony <3142 -marturion -> of our conscience <4893 -suneidesis -> , that in simplicity <0572 -haplotes -> and godly <{2316} -theos -> sincerity <1505 -eilikrineia -> , not with fleshly <4559 -sarkikos -> wisdom <4678 -sophia -> , but by the grace <5485 -charis -> of God <2316 -theos -> , we have had our conversation <0390 -

anastrepho -> in the world <2889 -kosmos -> , and more <4056 -perissoteros -> abundantly <4056 -perissoteros -> to you -ward <5209 -humas -> .

2316 2CO 001 018 But [as] God <{2316} -theos -> [is] true <4103 -pistos -> , our word <3056 -logos -> toward <4314 -pros -> you was not yea <3483 -nai -> and nay <3756 -ou -> .

2316 2CO 001 019 For the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> was preached <2784 -kerusso -> among <1722 -en -> you by us , [even] by me and Silvanus <4610 -Silouanos -> and Timotheus <5095 -Timotheos -> , was not yea <3483 -nai -> and nay <3756 -ou -> , but in him was yea <3483 -nai -> .

2316 2CO 001 020 For all <3745 -hosos -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <2316 -theos -> in him [are] yea <3483 -nai -> , and in him Amen <0281 -amen -> , unto the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> by us .

2316 2CO 001 020 For all <3745 -hosos -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> in him [are] yea <3483 -nai -> , and in him Amen <0281 -amen -> , unto the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> by us .

2316 2CO 001 021 Now <1161 -de -> he which stablisheth <0950 -bebaioo -> us with you in Christ <5547 -Christos -> , and hath anointed <5548 -chrio -> us , [is] God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 001 023 Moreover <1161 -de -> I call <1941 -epikaleomai -> God <{2316} -theos -> for a record <3144 -martus -> upon my soul <5590 -psuche -> , that to spare <5339 -pheidomai -> you I came <2064 -erchomai -> not as yet <3765 -ouketi -> unto Corinth <2882 -Korinthos -> .

2316 2CO 002 014 Now <1161 -de -> thanks <5485 -charis -> [be] unto God <{2316} -theos -> , which always <3842 -pantote -> causeth <2358 -thriambeuo -> us to triumph <2358 -thriambeuo -> in Christ <5547 -Christos -> , and maketh <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> the savour <3744 -osme -> of his knowledge <1108 -gnosis -> by us in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> .

2316 2CO 002 015 For we are unto God <{2316} -theos -> a sweet <2175 -euodia -> savour <2175 -euodia -> of Christ <5547 -Christos -> , in them that are saved <4982 -sozo -> , and in them that perish <0622 -apollumi -> :

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <2316 -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <{2316} -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <{2316} -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <2316 -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <2316 -theos -> , in the sight <2714 -katenopion

-> of God <2316 -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 003 003 [Forasmuch as ye are] manifestly <5319 -phaneroo -> declared <5319 -phaneroo -> to be the epistle <1992 -epistole -> of Christ <5547 -Christos -> ministered <1247 -diakoneo -> by us , written <1449 -eggrapho -> not with ink <3188 -melan -> , but with the Spirit <4151 -pneuma -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ; not in tables <4109 -plax -> of stone <3035 -lithinos -> , but in fleshy <4560 -sarkinos -> tables <4109 -plax -> of the heart <2588 -kardia -> .

2316 2CO 003 004 And such <5108 -toioutos -> trust <4006 -pepoithesis -> have <2192 -echo -> we through <1223 -dia -> Christ <5547 -Christos -> to God -ward <{2316} -theos -> :

2316 2CO 003 005 Not that we are sufficient <2425 -hikanos -> of ourselves <1438 -heautou -> to think <3049 -logizomai -> any <5100 -tis -> thing as of ourselves <1438 -heautou -> ; but our sufficiency <2426 -hikanotes -> [is] of God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 004 002 But have renounced <0550 -apeipomen -> the hidden <2927 -kruptos -> things of dishonesty <0152 -aischune -> , not walking <4043 -peripateo -> in craftiness <3834 -panourgia -> , nor <3366 -mede -> handling <1389 -doloo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> deceitfully <1389 -doloo -> ; but by manifestation <5321 -phanerosis -> of the truth <0225 -aletheia -> commending <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> to every <3956 -pas -> man s <0444 -anthropos -> conscience <4893 -suneidesis -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 004 002 But have renounced <0550 -apeipomen -> the hidden <2927 -kruptos -> things of dishonesty <0152 -aischune -> , not walking <4043 -peripateo -> in craftiness <3834 -panourgia -> , nor <3366 -mede -> handling <1389 -doloo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> deceitfully <1389 -doloo -> ; but by manifestation <5321 -phanerosis -> of the truth <0225 -aletheia -> commending <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> to every <3956 -pas -> man s <0444 -anthropos -> conscience <4893 -suneidesis -> in the sight <1799 -enopion -> of God <2316 -theos -> .

2316 2CO 004 004 In whom <3739 -hos -> the god <2316 -theos -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> hath blinded <5186 -tuphloo -> the minds <3540 -noema -> of them which believe <0571 -apistos -> not , lest <3361 -me -> the light <5462 -photismos -> of the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of God <{2316} -theos -> , should shine <0826 -augazo -> unto them .

2316 2CO 004 004 In whom <3739 -hos -> the god <{2316} -theos -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> hath blinded <5186 -tuphloo -> the minds <3540 -noema -> of them which believe <0571 -apistos -> not , lest <3361 -me -> the light <5462 -photismos -> of the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of God <2316 -theos -> , should shine <0826 -augazo -> unto them .

2316 2CO 004 006 For God <2316 -theos -> , who <3588 -ho -> commanded <2036 -epo -> the light <5457 -phos -> to shine <2989 -lampo -> out of darkness <4655 -skotos -> , hath shined <2989 -

lampo -> in our hearts <2588 -kardia -> , to [give] the light <5462 -photismos -> of the knowledge <1108 -gnosis -> of the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> in the face <4383 -prosopon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 004 006 For God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> commanded <2036 -epo -> the light <5457 -phos -> to shine <2989 -lampo -> out of darkness <4655 -skotos -> , hath shined <2989 -lampo -> in our hearts <2588 -kardia -> , to [give] the light <5462 -photismos -> of the knowledge <1108 -gnosis -> of the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> in the face <4383 -prosopon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 004 007 But we have <2192 -echo -> this <5126 -touton -> treasure <2344 -thesauros -> in earthen <3749 -ostrakinos -> vessels <4632 -skeuos -> , that the excellency <5236 -huperbole -> of the power <1411 -dunamis -> may be of God <{2316} -theos -> , and not of us .

2316 2CO 004 015 For all <3956 -pas -> things [are] for your <5209 -humas -> sakes , that the abundant <4121 -pleonazo -> grace <5485 -charis -> might through <1223 -dia -> the thanksgiving <2169 -eucharistia -> of many <4119 -pleion -> redound <4052 -perisseuo -> to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 005 001 . For we know <1492 -eido -> that if <1437 -ean -> our earthly <1919 -epigeios -> house <3614 -oikia -> of [this <3588 -ho ->] tabernacle <4636 -skenos -> were dissolved <2647 -kataluo -> , we have <2192 -echo -> a building <3619 -oikodome -> of God <{2316} -theos -> , an house <3614 -oikia -> not made <0886 -acheiropoietos -> with hands <0886 -acheiropoietos -> , eternal <0166 -aionios -> in the heavens <3772 -ouranos -> .

2316 2CO 005 005 Now <1161 -de -> he that hath wrought <2716 -katergazomai -> us for the selfsame <5124 -touto -> thing [is] God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> also <2532 -kai -> hath given <1325 -didomi -> unto us the earnest <0728 -arrhabon -> of the Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 2CO 005 011 Knowing <1492 -eido -> therefore <3767 -oun -> the terror <5401 -phobos -> of the Lord <2962 -kurios -> , we persuade <3982 -peitho -> men <0444 -anthropos -> ; but we are made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> unto God <{2316} -theos -> ; and I trust <1679 -elpizo -> also <2532 -kai -> are made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> in your <5216 -humon -> consciences <4893 -suneidesis -> .

2316 2CO 005 013 For whether <1535 -eite -> we be beside <1839 -existemi -> ourselves , [it is] to God <{2316} -theos -> : or <1535 -eite -> whether <1535 -eite -> we be sober <4993 -sophroneo -> , [it is] for your <5213 -humin -> cause .

2316 2CO 005 018 And all <3956 -pas -> things [are] of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath reconciled <2644 -katallasso -> us to himself <1438 -heautou -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and hath given <1325 -didomi -> to us the ministry <1248 -diakonia -> of reconciliation <2643 -katallage -> ;

2316 2CO 005 019 To wit <5613 -hos -> , that God <{2316} -theos -> was in Christ <5547 -Christos -> , reconciling <2644 -katallasso -> the world <2889 -kosmos -> unto himself <1438 -

heautou -> , not imputing <3049 -logizomai -> their trespasses <3900 -paraptoma -> unto them ; and hath committed <5087 -tithemi -> unto us the word <3056 -logos -> of reconciliation <2643 -katallage -> .

2316 2CO 005 020 Now then we are ambassadors <4243 -presbeuo -> for Christ <5547 -Christos -> , as though God <2316 -theos -> did beseech <3870 -parakaleo -> [you] by us : we pray <1189 -deomai -> [you] in Christ s <5547 -Christos -> stead <5228 -huper -> , be ye reconciled <2644 -katallasso -> to God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 005 020 Now then we are ambassadors <4243 -presbeuo -> for Christ <5547 -Christos -> , as though God <{2316} -theos -> did beseech <3870 -parakaleo -> [you] by us : we pray <1189 -deomai -> [you] in Christ s <5547 -Christos -> stead <5228 -huper -> , be ye reconciled <2644 -katallasso -> to God <2316 -theos -> .

2316 2CO 005 021 For he hath made <4160 -poieo -> him [to be] sin <0266 -hamartia -> for us , who knew <1097 -ginosko -> no <3361 -me -> sin <0266 -hamartia -> ; that we might be made <1096 -ginomai -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> in him .

2316 2CO 006 001 . We then <3767 -oun -> ,   [as] workers <4903 -sunergeo -> together <4903 -sunergeo -> [with him] , beseech <3870 -parakaleo -> [you] also <2532 -kai -> that ye receive <1209 -dechomai -> not the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in vain <2756 -kenos -> .

2316 2CO 006 004 But in all <3956 -pas -> [things] approving <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> as the ministers <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , in much <4183 -polus -> patience <5281 -hupomone -> , in afflictions <2347 -thlipsis -> , in necessities <0318 -anagke -> , in distresses <4730 -stenochoria -> ,

2316 2CO 006 007 By the word <3056 -logos -> of truth <0225 -aletheia -> , by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> , by the armour <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> on the right <1188 -dexios -> hand and on the left <0710 -aristeros -> ,

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <{2316} -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <{2316} -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos ->

; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 007 001 . Having <2192 -echo -> therefore <3767 -oun -> these <5025 -tautais -> promises <1860 -epaggelia -> , dearly beloved <0027 -agapetos -> , let us cleanse <2511 -katharizo -> ourselves <1438 -heautou -> from all <3956 -pas -> filthiness <3436 -molusmos -> of the flesh <4561 -sarx -> and spirit <4151 -pneuma -> , perfecting <2005 -epiteleo -> holiness <0042 -hagiosune -> in the fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 007 006 Nevertheless <0235 -alla -> God <{2316} -theos -> , that comforteth <3870 -parakaleo -> those <3588 -ho -> that are cast <5011 -tapeinos -> down <5011 -tapeinos -> , comforted <3870 -parakaleo -> us by the coming <3952 -parousia -> of Titus <5103 -Titos -> ;

2316 2CO 007 009 Now <3568 -nun -> I rejoice <5463 -chairo -> , not that ye were made <3076 -lupeo -> sorry <3076 -lupeo -> , but that ye sorrowed <3076 -lupeo -> to repentance <3341 -metanoia -> : for ye were made <3076 -lupeo -> sorry <3076 -lupeo -> after <2596 -kata -> a godly <{2316} -theos -> manner , that ye might receive <2210 -zemioo -> damage <2210 -zemioo -> by us in nothing <3367 -medeis -> .

2316 2CO 007 010 For godly <{2316} -theos -> sorrow <3077 -lupe -> worketh <2716 -katergazomai -> repentance <3341 -metanoia -> to salvation <4991 -soteria -> not to be repented <0278 -ametameletos -> of : but the sorrow <3077 -lupe -> of the world <2889 -kosmos -> worketh <2716 -katergazomai -> death <2288 -thanatos -> .

2316 2CO 007 011 For behold <2400 -idou -> this <5124 -touto -> selfsame <0846 -autos -> thing , that ye sorrowed <3076 -lupeo -> after <2596 -kata -> a godly <{2316} -theos -> sort , what <4214 -posos -> carefulness <4710 -spoude -> it wrought <2716 -katergazomai -> in you , yea <0235 -alla -> , [what] clearing <0627 -apologia -> of yourselves , yea <0235 -alla -> , [what] indignation <0024 -aganaktesis -> , yea <0235 -alla -> , [what] fear <5401 -phobos -> , yea <0235 -alla -> , [what] vehement <1972 -epipothesis -> desire <1972 -epipothesis -> , yea <0235 -alla -> , [what] zeal <2205 -zelos -> , yea <0235 -alla -> , [what] revenge <1557 -ekdikesis -> ! In all <3956 -pas -> [things] ye have approved <4921 -sunistao -> yourselves <1438 -heautou -> to be clear <0053 -hagnos -> in this <3588 -ho -> matter <4229 -pragma -> .

2316 2CO 007 012 . Wherefore <0686 -ara -> , though <1499 -ei kai -> I wrote <1125 -grapho -> unto you , [I did it] not for his cause <1752 -heneka -> that had done <0091 -adikeo -> the wrong <0091 -adikeo -> , nor <3761 -oude -> for his cause <1752 -heneka -> that suffered wrong <0091 -adikeo -> , but that our care <4710 -spoude -> for you in the sight <1799 -

enopion -> of God <{2316} -theos -> might appear <5319 -phaneroo -> unto you .

2316 2CO 008 001 . Moreover <1161 -de -> , brethren <0080 -adephos -> , we do <1107 -gnorizo -> you to wit <1107 -gnorizo -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> bestowed <1325 -didomi -> on <1722 -en -> the churches <1577 -ekklesia -> of Macedonia <3109 -Makedonia -> ;

2316 2CO 008 005 And [this they did] , not as we hoped <1679 -elpizo -> , but first <4412 -proton -> gave <1325 -didomi -> their own selves <1438 -heautou -> to the Lord <2962 -kurios -> , and unto us by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 008 016 . But thanks <5485 -charis -> [be] to God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> put <1325 -didomi -> the same <0846 -autos -> earnest <4710 -spoude -> care <4710 -spoude -> into <1722 -en -> the heart <2588 -kardia -> of Titus <5103 -Titos -> for you .

2316 2CO 009 007 Every <1538 -hekastos -> man according <2531 -kathos -> as he purposeth <4255 -proaireomai -> in his heart <2588 -kardia -> , [so let him give] ; not grudgingly <3077 -lupe -> , or <2228 -e -> of necessity <0318 -anagke -> : for God <{2316} -theos -> loveth <0025 -agapao -> a cheerful <2431 -hilaros -> giver <1395 -dotes -> .

2316 2CO 009 008 And God <{2316} -theos -> [is] able <1415 -dunatos -> to make <4052 -perisseuo -> all <3956 -pas -> grace <5485 -charis -> abound <4052 -perisseuo -> toward <1519 -eis -> you ; that ye , always <3842 -pantote -> having <2192 -echo -> all <3956 -pas -> sufficiency <0841 -autarkeia -> in all <3956 -pas -> [things] , may abound <4052 -perisseuo -> to every <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> :

2316 2CO 009 011 Being enriched <4148 -ploutizo -> in every <3956 -pas -> thing to all <3956 -pas -> bountifulness <0572 -haplotes -> , which <3748 -hostis -> causeth <2716 -katergazomai -> through <1223 -dia -> us thanksgiving <2169 -eucharistia -> to God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 009 012 For the administration <1248 -diakonia -> of this <5026 -taute -> service <3009 -leitourgia -> not only <3440 -monon -> supplieth <4322 -prosanapleroo -> the want <5303 -husterema -> of the saints <0040 -hagios -> , but is abundant <4052 -perisseuo -> also <2532 -kai -> by many <4183 -polus -> thanksgivings <2169 -eucharistia -> unto God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 009 013 Whiles by the experiment <1382 -dokime -> of this <5026 -taute -> ministration <1248 -diakonia -> they glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for your <5216 -humon -> professed <3671 -homologia -> subjection <5292 -hupotage -> unto the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , and for [your <3588 -ho ->] liberal <0572 -haplotes -> distribution <2842 -koinonia -> unto them , and unto all <3956 -pas -> [men] ;

2316 2CO 009 014 And by their prayer <1162 -deesis -> for you , which long <1971 -epipotheo -> after <1971 -epipotheo -> you for the exceeding <5235 -huperballo -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in you .

2316 2CO 009 015 Thanks <5485 -charis -> [be] unto God <{2316} -theos -> for his unspeakable <0411 -anekdiegetos -> gift <1431 -dorea -> .

2316 2CO 010 004 (For the weapons <3696 -hoplon -> of our warfare <4752 -strateia -> [are] not carnal <4559 -sarkikos -> , but mighty <1415 -dunatos -> through God <{2316} -theos -> to the pulling <2506 -kathairesis -> down <2506 -kathairesis -> of strong <3794 -ochuroma -> holds <3794 -ochuroma -> ;)

2316 2CO 010 005 Casting <2507 -kathaireo -> down <2504 -kago -> imaginations <3053 -logismos -> , and every <3956 -pas -> high <5313 -hupsoma -> thing <5313 -hupsoma -> that exalteth <1869 -epairo -> itself against <2596 -kata -> the knowledge <1108 -gnosis -> of God <{2316} -theos -> , and bringing <0163 -aichmalotizo -> into captivity <0163 -aichmalotizo -> every <3956 -pas -> thought <3540 -noema -> to the obedience <5218 -hupakoe -> of Christ <5547 -Christos -> ;

2316 2CO 010 013 But we will not boast <2744 -kauchaomai -> of things without <0280 -ametros -> [our] measure <0280 -ametros -> , but according <2596 -kata -> to the measure <3358 -metron -> of the rule <2583 -kanon -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath distributed <3307 -merizo -> to us , a measure <3358 -metron -> to reach <2185 -ephikneomai -> even <2532 -kai -> unto you .

2316 2CO 011 002 For I am jealous <2206 -zeloo -> over you with godly <{2316} -theos -> jealousy <2205 -zelos -> : for I have espoused <0718 -harmozo -> you to one <1520 -heis -> husband <0435 -aner -> , that I may present <3936 -paristemi -> [you as] a chaste <0053 -hagnos -> virgin <3933 -parthenos -> to Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 011 007 Have I committed <4160 -poieo -> an offence <0266 -hamartia -> in abasing <5013 -tapeinoo -> myself <1683 -emautou -> that ye might be exalted <5312 -hupsoo -> , because <3754 -hoti -> I have preached <2097 -euaggelizo -> to you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> freely <1432 -dorean -> ?

2316 2CO 011 011 Wherefore <1302 -diati -> ? because <3754 -hoti -> I love <0025 -agapao -> you not ? God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> .

2316 2CO 011 031 The God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3588 -ho -> is blessed <2128 -eulogetos -> for evermore <0165 -aion -> , knoweth <1492 -eido -> that I lie <5574 -pseudomai -> not .

2316 2CO 012 002 I knew <1492 -eido -> a man <0444 -anthropos -> in Christ <5547 -Christos -> above <4253 -pro -> fourteen <1180 -dekatessares -> years <2094 -etos -> ago <4253 -pro -> , (whether in the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> ; or <1535 -eite -> whether <1535 -eite -> out of the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> : God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> ;) such <5108 -toioutos -> an one caught <0726 -harpazo -> up to the third <5154 -tritos -> heaven <3772 -ouranos -> .

2316 2CO 012 003 And I knew <1492 -eido -> such <5108 -toioutos -> a man <0444 -anthropos -> , (whether in the body <4983 -soma -> , or <1535 -eite -> out of the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> : God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> ;)

2316 2CO 012 019 Again <3825 -palin -> , think <1380 -dokeo -> ye that we excuse <0626 -apologeomai -> ourselves unto you ? we

speak <2980 -laleo -> before <2714 -katenopion -> God <{2316} -
theos -> in Christ <5547 -Christos -> : but [we do] all
<3956 -pas -> things , dearly beloved <0027 -agapetos -> , for
your <5216 -humon -> edifying <3619 -oikodome -> .

2316 2CO 012 021 [And] lest <3361 -me -> , when I come
<2064 -erchomai -> again <3825 -palin -> , my God <{2316} -
theos -> will humble <5013 -tapeinoo -> me among <4314 -pros ->
you , and [that] I shall bewail <3996 -pentheo -> many
<4183 -polus -> which <3588 -ho -> have sinned <4258 -
proamartano -> already <4258 -proamartano -> , and have not
repented <3340 -metanoeo -> of the uncleanness <0167 -akatharsia
-> and fornication <4202 -porneia -> and lasciviousness <0766 -
aselgeia -> which <3739 -hos -> they have committed <4238 -
prasso -> .

2316 2CO 013 004 For though <1487 -ei -> he was crucified <4717
-stauroo -> through <1537 -ek -> weakness <0769 -astheneia -> ,
yet <0235 -alla -> he liveth <2198 -zao -> by the power <1411 -
dunamis -> of God <2316 -theos -> . For we also <2532 -kai ->
are weak <0770 -astheneo -> in him , but we shall live <2198 -
zao -> with him by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -
theos -> toward <1519 -eis -> you .

2316 2CO 013 004 For though <1487 -ei -> he was crucified <4717
-stauroo -> through <1537 -ek -> weakness <0769 -astheneia -> ,
yet <0235 -alla -> he liveth <2198 -zao -> by the power <1411 -
dunamis -> of God <{2316} -theos -> . For we also <2532 -kai ->
are weak <0770 -astheneo -> in him , but we shall live <2198 -
zao -> with him by the power <1411 -dunamis -> of God <2316 -
theos -> toward <1519 -eis -> you .

2316 2CO 013 007 . Now <1161 -de -> I pray <2172 -euchomai ->
to God <{2316} -theos -> that ye do <4160 -poieo -> no <3367 -
medeis -> evil <2556 -kakos -> ; not that we should appear
<5316 -phaino -> approved <1384 -dokimos -> , but that ye
should do <4160 -poieo -> that which is honest <2570 -kalos -> ,
 though we be as reprobates <0096 -adokimos -> .

2316 2CO 013 011 . Finally <3063 -loipon -> , brethren <0080 -
adephos -> , farewell <5463 -chairo -> . Be perfect <2675 -
katartizo -> , be of good comfort <3870 -parakaleo -> , be of
one <0846 -autos -> mind <5426 -phroneo -> , live <1514 -
eireneuo -> in peace <1518 -eirenopoios -> ; and the God
<{2316} -theos -> of love <0026 -agape -> and peace <1515 -
eirene -> shall be with you .

2316 2CO 013 014 The grace <5485 -charis -> of the Lord <2962 -
kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,
and the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , and the
communion <2842 -koinonia -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost
<4151 -pneuma -> ,   [be] with you all <3956 -pas -> . Amen
<0281 -amen -> .

2316 GAL 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -
apostolos -> ,   (not of men <0444 -anthropos -> , neither
<3761 -oude -> by man <0444 -anthropos -> , but by Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and God <{2316} -theos ->
the Father <3962 -pater -> , who <3588 -ho -> raised <1453 -
egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> ;)

2316 GAL 001 003 Grace <5485 -charis -> [be] to you and
peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> the Father
<3962 -pater -> , and [from] our Lord <2962 -kurios ->
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,

2316 GAL 001 004 Who <3588 -ho -> gave <1325 -didomi -> himself <1438 -heautou -> for our sins <0266 -hamartia -> , that he might deliver <1807 -exaireo -> us from this <3588 -ho -> present <1764 -enistemi -> evil <4190 -poneros -> world <0165 -aion -> , according <2596 -kata -> to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> :

2316 GAL 001 010 . For do I now <0737 -arti -> persuade <3982 -peitho -> men <0444 -anthropos -> , or <2228 -e -> God <{2316} -theos -> ? or <2228 -e -> do I seek <2212 -zeteo -> to please <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> ? for if <1487 -ei -> I yet <2089 -eti -> pleased <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , I should not be the servant <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> .

2316 GAL 001 013 For ye have heard <0191 -akouo -> of my conversation <0391 -anastrophe -> in time <4218 -pote -> past in the Jews <2454 -Ioudaismos -> religion <2854 -kollourion -> , how that beyond <5236 -huperbole -> measure <5236 -huperbole -> I persecuted <1377 -dioko -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , and wasted <4199 -portheo -> it :

2316 GAL 001 015 But when <3753 -hote -> it pleased <2106 -eudokeo -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> separated <0873 -aphorizo -> me from my mother s <3384 -meter -> womb <2836 -koilia -> , and called <2564 -kaleo -> [me] by his grace <5485 -charis -> ,

2316 GAL 001 020 Now <2236 -hedista -> the things which <3739 -hos -> I write <1125 -grapho -> unto you , behold <2400 -idou -> , before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , I lie <5574 -pseudomai -> not .

2316 GAL 001 024 And they glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in me .

2316 GAL 002 006 But of these who seemed <1380 -dokeo -> to be somewhat <5100 -tis -> , (whatsoever they were , it maketh <1308 -diaphero -> no <3762 -oudeis -> matter <1308 -diaphero -> to me : God <{2316} -theos -> accepteth <2983 -lambano -> no <3756 -ou -> man s <0444 -anthropos -> person <4383 -prosopon -> :) for they who seemed <1380 -dokeo -> [to be somewhat] in conference <4323 -prosanatithemi -> added <4323 -prosanatithemi -> nothing <3762 -oudeis -> to me :

2316 GAL 002 019 For I through <1223 -dia -> the law <3551 -nomos -> am dead <0599 -apothnesko -> to the law <3551 -nomos -> , that I might live <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 GAL 002 020 I am crucified <4957 -sustauroo -> with Christ <5547 -Christos -> : nevertheless <1161 -de -> I live <2198 -zao -> ; yet <3765 -ouketi -> not I , but Christ <5547 -Christos -> liveth <2198 -zao -> in me : and the life which <3739 -hos -> I now <3568 -nun -> live <2198 -zao -> in the flesh <4561 -sarx -> I live <2198 -zao -> by the faith <4102 -pistis -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> loved <0025 -agapao -> me , and gave <3860 -paradidomi -> himself <1438 -heautou -> for me .

2316 GAL 002 021 I do not frustrate <0114 -atheteo -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> : for if <1487 -ei -> righteousness <1343 -dikaiosune -> [come] by the law <3551 -nomos -> , then <0686 -ara -> Christ <5547 -Christos -> is dead <0599 -apothnesko -> in vain <1432 -dorean -> .

2316 GAL 003 006 . Even <2531 -kathos -> as Abraham <0011 -

Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was accounted <3049 -logizomai -> to him for righteousness <1343 -dikaiosune -> .

2316 GAL 003 008 And the scripture <1124 -graphe -> , foreseeing <4275 -proeido -> that God <{2316} -theos -> would justify <1344 -dikaioo -> the heathen <1484 -ethnos -> through <1537 -ek -> faith <4102 -pistis -> , preached <4283 -proeuaggelizomai -> before <4283 -proeuaggelizomai -> the gospel <4283 -proeuaggelizomai -> unto Abraham <11> , [saying] , In thee shall all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> be blessed <1757 -eneulogeo -> .

2316 GAL 003 011 But that no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> is justified <1344 -dikaioo -> by the law <3551 -nomos -> in the sight <3844 -para -> of God <{2316} -theos -> , [it is] evident <1212 -delos -> : for , The just <1342 -dikaios -> shall live <2198 -zao -> by faith <4102 -pistis -> .

2316 GAL 003 017 And this <5124 -touto -> I say <3004 -lego -> , [that] the covenant <1242 -diatheke -> , that was confirmed <4300 -prokuroo -> before <4300 -prokuroo -> of God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> , the law <3551 -nomos -> , which was four <5071 -tetrakosioi -> hundred <5071 -tetrakosioi -> and thirty <5144 -triakonta -> years <2094 -etos -> after <3326 -meta -> , cannot <3756 -ou -> disannul <0208 -akuroo -> , that it should make <2673 -katargeo -> the promise <1860 -epaggelia -> of none <0208 -akuroo -> effect <2673 -katargeo -> .

2316 GAL 003 018 For if <1487 -ei -> the inheritance <2817 -kleronomia -> [be] of the law <3551 -nomos -> , [it is] no <3765 -ouketi -> more <2089 -eti -> of promise <1860 -epaggelia -> : but God <{2316} -theos -> gave <5483 -charizomai -> [it] to Abraham <0011 -Abraam ->by promise <1860 -epaggelia -> .

2316 GAL 003 020 Now <1161 -de -> a mediator <3316 -mesites -> is not [a mediator] of one <1520 -heis -> , but God <{2316} -theos -> is one <1520 -heis -> .

2316 GAL 003 021 [Is] the law <3551 -nomos -> then <3767 -oun -> against <2596 -kata -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : for if <1487 -ei -> there had been a law <3551 -nomos -> given <1325 -didomi -> which <3588 -ho -> could <1410 -dunamai -> have given <2227 -zoopoieo -> life <2227 -zoopoieo -> , verily <3689 -ontos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> should have been <2258 -en -> by the law <3551 -nomos -> .

2316 GAL 003 026 For ye are all <3956 -pas -> the children <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> by faith <4102 -pistis -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 GAL 004 004 But when <3753 -hote -> the fulness <4138 -pleroma -> of the time <5550 -chronos -> was come <2064 -erchomai -> , God <{2316} -theos -> sent <1821 -exapostello -> forth <1821 -exapostello -> his Son <5207 -huios -> , made <1096 -ginomai -> of a woman <1135 -gune -> , made <1096 -ginomai -> under <5259 -hupo -> the law <3551 -nomos -> ,

2316 GAL 004 006 And because <3754 -hoti -> ye are sons <5207 -huios -> , God <{2316} -theos -> hath sent <1821 -exapostello -> forth <1821 -exapostello -> the Spirit <4151 -pneuma -> of his Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> , crying <2896 -krazo -> , Abba <0005 -

Abba -> , Father <3962 -pater -> .

2316 GAL 004 007 Wherefore <5620 -hoste -> thou art <1488 -ei -
> no <3765 -ouketi -> more <2089 -eti -> a servant <1401 -doulos
-> , but a son <5207 -huios -> ; and if <1487 -ei -> a son
<5207 -huios -> , then <2532 -kai -> an heir <2818 -kleronomos -
> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Christ <5547 -
Christos -> .

2316 GAL 004 008 . Howbeit <0235 -alla -> then <5119 -tote -> ,
  when ye knew <1492 -eido -> not God <2316 -theos -> , ye did
service <1398 -douleuo -> unto them which by nature <5449 -
phusis -> are no <3361 -me -> gods <{2316} -theos -> .

2316 GAL 004 008 . Howbeit <0235 -alla -> then <5119 -tote -> ,
  when ye knew <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> , ye
did service <1398 -douleuo -> unto them which by nature <5449 -
phusis -> are no <3361 -me -> gods <2316 -theos -> .

2316 GAL 004 009 But now <3568 -nun -> , after that ye have
known <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> , or <1161 -de ->
rather <3123 -mallon -> are known <1097 -ginosko -> of God
<{2316} -theos -> , how <4459 -pos -> turn <1994 -epistrepho ->
ye again <3825 -palin -> to the weak <0772 -asthenes -> and
beggarly <4444 -purgos -> elements <4747 -stoicheion -> ,
whereunto <3739 -hos -> ye desire <2309 -thelo -> again <3825 -
palin -> to be in bondage <1398 -douleuo -> ?

2316 GAL 004 009 But now <3568 -nun -> , after that ye have
known <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> , or <1161 -de ->
rather <3123 -mallon -> are known <1097 -ginosko -> of God <2316
-theos -> , how <4459 -pos -> turn <1994 -epistrepho -> ye
again <3825 -palin -> to the weak <0772 -asthenes -> and
beggarly <4444 -purgos -> elements <4747 -stoicheion -> ,
whereunto <3739 -hos -> ye desire <2309 -thelo -> again <3825 -
palin -> to be in bondage <1398 -douleuo -> ?

2316 GAL 004 014 And my temptation <3986 -peirasmos -> which
was in my flesh <4561 -sarx -> ye despised <1848 -exoutheneo ->
not , nor <3761 -oude -> rejected <1609 -ekptuo -> ; but
received <1209 -dechomai -> me as an angel <0032 -aggelos -> of
God <{2316} -theos -> ,   [even] as Christ <5547 -Christos ->
Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 GAL 005 021 Envyings <5355 -phthonos -> , murders <5408 -
phonos -> , drunkenness <3178 -methe -> , revellings <2970 -
komos -> , and such <5125 -toutois -> like <3664 -homoios -> :
of the which <3739 -hos -> I tell <4302 -prolego -> you before
<4302 -prolego -> , as I have also <2532 -kai -> told <4277 -
proepo -> [you] in time past <4302 -prolego -> , that they
which do <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things shall
not inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia ->
of God <{2316} -theos -> .

2316 GAL 006 007 Be not deceived <4105 -planao -> ; God
<{2316} -theos -> is not mocked <3456 -mukterizo -> : for
whatsoever <1437 -ean -> a man <0444 -anthropos -> soweth <4687 -
speiro -> , that shall he also <2532 -kai -> reap <2325 -
therizo -> .

2316 GAL 006 016 And as many <3745 -hosos -> as walk <4748 -
stoicheo -> according to this <5129 -toutoi -> rule <2583 -kanon
-> , peace <1515 -eirene -> [be] on <1909 -epi -> them ,
and mercy <1656 -eleos -> , and upon the Israel <2474 -Israel -
> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , to the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are at <1722 -en -> Ephesus <2181 -Ephesos -> , and to the faithful <4103 -pistos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 EPH 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] to you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 EPH 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] the God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> hath blessed <2127 -eulogeo -> us with all <3956 -pas -> spiritual <4152 -pneumatikos -> blessings <2129 -eulogia -> in heavenly <2032 -epouranios -> [places] in Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 001 017 That the God <{2316} -theos -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of glory <1391 -doxa -> , may give <1325 -didomi -> unto you the spirit <4151 -pneuma -> of wisdom <4678 -sophia -> and revelation <0602 -apokalupsis -> in the knowledge <1922 -epignosis -> of him :

2316 EPH 002 004 . But God <{2316} -theos -> , who is rich <4145 -plousios -> in mercy <1656 -eleos -> , for his great <4183 -polus -> love <0026 -agape -> wherewith <3739 -hos -> he loved <0025 -agapao -> us ,

2316 EPH 002 008 For by grace <5485 -charis -> are ye saved <4982 -sozo -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> ; and that not of yourselves <5216 -humon -> : [it is] the gift <1435 -doron -> of God <{2316} -theos -> :

2316 EPH 002 010 For we are his workmanship <4161 -poiema -> , created <2936 -ktizo -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> unto good <0018 -agathos -> works <2041 -ergon -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath before <4282 -proetoimazo -> ordained <4282 -proetoimazo -> that we should walk <4043 -peripateo -> in them .

2316 EPH 002 016 And that he might reconcile <0604 -apokatallasso -> both <0297 -amphoteros -> unto God <{2316} -theos -> in one <1520 -heis -> body <4983 -soma -> by the cross <4716 -stauros -> , having slain <0615 -apokteino -> the enmity <2189 -echthra -> thereby <0846 -autos -> :

2316 EPH 002 019 Now <3767 -oun -> therefore <0686 -ara -> ye are no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> strangers <3581 -xenos -> and foreigners <3941 -paroikos -> , but fellowcitizens <4847 -sumpolites -> with the saints <0040 -hagios -> , and of the household <3609 -oikeios -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 EPH 002 022 In whom <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> are builded <4925 -sunoikodomeo -> together <4925 -sunoikodomeo -> for an habitation <2732 -katoiketerion -> of God <{2316} -theos -> through <1722 -en -> the Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 EPH 003 002 If <1489 -eige -> ye have heard <0191 -akouo -> of the dispensation <3622 -oikonomia -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> me to you -ward <5209 -humas -> :

2316 EPH 003 007 Whereof <3739 -hos -> I was made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the gift <1431 -dorea -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> given <1325 -didomi -> unto me by the effectual <1753 -energeia -> working <1753 -energeia -> of his power <1411 -dunamis -> .

2316 EPH 003 009 And to make <5461 -photizo -> all <3956 -pas -> [men] see <5461 -photizo -> what <5101 -tis -> [is] the fellowship <2842 -koinonia -> of the mystery <3466 -musterion -> , which <3588 -ho -> from the beginning of the world <0165 -aion -> hath been hid <0613 -apokrupto -> in God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> created <2936 -ktizo -> all <3956 -pas -> things by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 003 010 To the intent <2443 -hina -> that now <3568 -nun -> unto the principalities <0746 -arche -> and powers <1849 -exousia -> in heavenly <2032 -epouranios -> [places] might be known <1107 -gnorizo -> by the church <1577 -ekklesia -> the manifold <4182 -polupoikilos -> wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 EPH 003 019 And to know <1097 -ginosko -> the love <0026 -agape -> of Christ <5547 -Christos -> , which passeth <5235 -huperballo -> knowledge <1108 -gnosis -> , that ye might be filled <4137 -pleroo -> with all <3956 -pas -> the fulness <4138 -pleroma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 004 006 One <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of all <3956 -pas -> , who <3588 -ho -> [is] above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> , and through <1223 -dia -> all <3956 -pas -> , and in you all <3956 -pas -> .

2316 EPH 004 013 Till <3360 -mechri -> we all <3956 -pas -> come <2658 -katantao -> in the unity <1775 -henotes -> of the faith <4102 -pistis -> , and of the knowledge <1922 -epignosis -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , unto a perfect <5046 -teleios -> man <0435 -aner -> , unto the measure <3358 -metron -> of the stature <2244 -helikia -> of the fulness <4138 -pleroma -> of Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 004 018 Having the understanding <1271 -dianoia -> darkened <4654 -skotizo -> , being <5607 -on -> alienated <0526 -apallotrioo -> from the life <2222 -zoe -> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> the ignorance <0052 -agnoia -> that is in them , because <1223 -dia -> of the blindness <4457 -porosis -> of their heart <2588 -kardia -> :

2316 EPH 004 024 And that ye put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> the new <2537 -kainos -> man <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> after <2596 -kata -> God <{2316} -theos -> is created <2936 -ktizo -> in righteousness <1343 -dikaiosune -> and true <0225 -aletheia -> holiness <3742 -hosiotes -> .

2316 EPH 004 030 And grieve <3076 -lupeo -> not the holy <0040 -hagios -> Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , whereby <3739 -hos -> ye are sealed <4972 -sphragizo -> unto the day <2250 -hemera -> of redemption <0629 -apolutrosis -> .

2316 EPH 004 032 And be ye kind <5543 -chrestos -> one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> , tenderhearted <2155 -eusplagchnos -> , forgiving <5483 -charizomai -> one <1438 -heautou -> another <1438 -heautou -> , even <2532 -kai -> as God <{2316} -theos -> for Christ s <5547 -Christos -> sake <1722 -en -> hath forgiven <5483 -charizomai -> you .

2316 EPH 005 001 . Be ye therefore <3767 -oun -> followers <3402 -mimetes -> of God <{2316} -theos -> , as dear <0027 -agapetos -> children <5043 -teknon -> ;

2316 EPH 005 002 And walk <4043 -peripateo -> in love <0026 -agape -> , as Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> hath loved <0026 -agape -> us , and hath given <3860 -paradidomi -> himself <1438 -heautou -> for us an offering <4376 -prosphora -> and a sacrifice <2378 -thusia -> to God <{2316} -theos -> for a sweetsmelling <2175 -euodia -> savour <3744 -osme -> .

2316 EPH 005 005 For this <5124 -touto -> ye know <1097 -ginosko -> , that no <3756 -ou -> whoremonger <4205 -pornos -> , nor <2228 -e -> unclean <0169 -akathartos -> person , nor <2228 -e -> covetous <4123 -pleonektes -> man , who <3739 -hos -> is an idolater <1496 -eidololatres -> , hath <2192 -echo -> any inheritance <2817 -kleronomia -> in the kingdom <0932 -basileia -> of Christ <5547 -Christos -> and of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 005 006 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> deceive <0538 -apatao -> you with vain <2756 -kenos -> words <3056 -logos -> : for because <1223 -dia -> of these <5023 -tauta -> things cometh <2064 -erchomai -> the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> upon the children <5207 -huios -> of disobedience <0543 -apeitheia -> .

2316 EPH 005 020 Giving thanks <2168 -eucharisteo -> always <3842 -pantote -> for all <3956 -pas -> things unto God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> in the name <3686 -onoma -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 EPH 005 021 . Submitting <5293 -hupotasso -> yourselves one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> in the fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 006 006 Not with eyeservice <3787 -ophthalmodouleia -> , as menpleasers <0441 -anthropareskos -> ; but as the servants <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> , doing <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> from the heart <5590 -psuche -> ;

2316 EPH 006 011 Put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> the whole armour <3833 -panoplia -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to stand <2476 -histemi -> against <4314 -pros -> the wiles <3180 -methodeia -> of the devil <1228 -diabolos -> .

2316 EPH 006 013 Wherefore <5124 -touto -> take <0353 -analambano -> unto you the whole armour <3833 -panoplia -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to withstand <0436 -anthistemi -> in the evil <4190 -poneros -> day <2250 -hemera -> , and having done <2716 -katergazomai -> all <0537 -hapas -> , to stand <2476 -histemi -> .

2316 EPH 006 017 And take <1209 -dechomai -> the helmet <4030 -perikephalaia -> of salvation <4992 -soterion -> , and the sword <3162 -machaira -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , which <3739 -hos -> is the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> :

2316 EPH 006 023 Peace <1515 -eirene -> [be] to the brethren <0080 -adephos -> , and love <0026 -agape -> with faith <4102 -pistis -> , from God <{2316} -theos -> the Father

<3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] unto you ,
and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our
Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -
> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 003 . I thank <2168 -eucharisteo -> my God
<{2316} -theos -> upon every <3956 -pas -> remembrance <3417 -
mneia -> of you ,

2316 PHP 001 008 For God <{2316} -theos -> is my record <3144 -
martus -> , how <5613 -hos -> greatly <1971 -epipotheo -> I
long <1971 -epipotheo -> after <1971 -epipotheo -> you all <3956
-pas -> in the bowels <4698 -splagchnon -> of Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 011 Being filled <4137 -pleroo -> with the fruits
<2590 -karpos -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> , which
<3588 -ho -> are by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -
Christos -> , unto the glory <1391 -doxa -> and praise <1868 -
epainos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 001 028 And in nothing <3367 -medeis -> terrified
<4426 -pturo -> by your <3588 -ho -> adversaries <0480 -
antikeimai -> : which <3748 -hostis -> is to them an evident
<1732 -endeixis -> token <1732 -endeixis -> of perdition <0684 -
apoleia -> , but to you of salvation <4991 -soteria -> , and
that of God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 002 006 Who , being <5225 -huparcho -> in the form
<3444 -morphe -> of God <2316 -theos -> , thought <2233 -
hegeomai -> it not robbery <0725 -harpagmos -> to be equal <2470
-isos -> with God <{2316} -theos -> :

2316 PHP 002 006 Who , being <5225 -huparcho -> in the form
<3444 -morphe -> of God <{2316} -theos -> , thought <2233 -
hegeomai -> it not robbery <0725 -harpagmos -> to be equal <2470
-isos -> with God <2316 -theos -> :

2316 PHP 002 009 Wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos ->
also <2532 -kai -> hath highly <5251 -huperupsoo -> exalted
<5251 -huperupsoo -> him , and given <5483 -charizomai -> him a
name <3686 -onoma -> which <3588 -ho -> is above <5228 -huper ->
every <3596 -hodoiporeo -> name <3686 -onoma -> :

2316 PHP 002 011 And [that] every <3596 -hodoiporeo ->
tongue <1100 -glossa -> should confess <1843 -exomologeo -> that
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> [is] Lord
<2962 -kurios -> , to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -
theos -> the Father <3962 -pater -> .

2316 PHP 002 013 For it is God <{2316} -theos -> which <3588 -
ho -> worketh <1754 -energeo -> in you both <2532 -kai -> to
will <2309 -thelo -> and to do <1754 -energeo -> of [his]
good pleasure <2107 -eudokia -> .

2316 PHP 002 015 That ye may be blameless <0273 -amemptos ->
and harmless <0185 -akeraios -> , the sons <5043 -teknon -> of
God <{2316} -theos -> , without <0298 -amometos -> rebuke <0298
-amometos -> , in the midst <3319 -mesos -> of a crooked <4646 -
skolios -> and perverse <1294 -diastrepho -> nation <1074 -genea
-> , among <1722 -en -> whom <3739 -hos -> ye shine <5316 -
phaino -> as lights <5458 -phoster -> in the world <2889 -kosmos
-> ;

2316 PHP 002 027 For indeed <2532 -kai -> he was sick <0770 -
astheneo -> nigh <3897 -paraplesion -> unto death <2288 -
thanatos -> : but God <{2316} -theos -> had mercy <1653 -eleeo -
> on him ; and not on him only <3440 -monon -> , but on me
also <2532 -kai -> , lest <3361 -me -> I should have <2192 -
echo -> sorrow <3077 -lupe -> upon sorrow <3077 -lupe -> .

2316 PHP 003 003 For we are the circumcision <4061 -peritome ->
, which <3588 -ho -> worship <3000 -latreuo -> God <{2316} -
theos -> in the spirit <4151 -pneuma -> , and rejoice <2744 -
kauchaomai -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -
> , and have no <3756 -ou -> confidence <3982 -peitho -> in the
flesh <4561 -sarx -> .

2316 PHP 003 009 . And be found <2147 -heurisko -> in him ,
not having <2192 -echo -> mine <1699 -emos -> own <1699 -emos ->
righteousness <1343 -dikaiosune -> , which <3588 -ho -> is of
the law <3551 -nomos -> , but that which <3588 -ho -> is
through <1223 -dia -> the faith <4102 -pistis -> of Christ <5547
-Christos -> , the righteousness <1343 -dikaiosune -> which
<3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> by faith <4102 -pistis -
> :

2316 PHP 003 014 I press <1377 -dioko -> toward <2596 -kata ->
the mark <4649 -skopos -> for the prize <1017 -brabeion -> of
the high <0507 -ano -> calling <2821 -klesis -> of God <{2316} -
theos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 003 015 . Let us therefore <3767 -oun -> , as many
<3745 -hosos -> as be perfect <5046 -teleios -> , be thus <5124
-touto -> minded <5426 -phroneo -> : and if <1487 -ei -> in any
<1536 -ei tis -> thing ye be otherwise <2088 -heteros -> minded
<5426 -phroneo -> , God <{2316} -theos -> shall reveal <0601 -
apokalupto -> even <2532 -kai -> this <5124 -touto -> unto you .

2316 PHP 003 019 Whose <3739 -hos -> end <5056 -telos -> [is
] destruction <0684 -apoleia -> , whose <3739 -hos -> God
<{2316} -theos -> [is their] belly <2836 -koilia -> , and
[whose <3588 -ho ->] glory <1391 -doxa -> [is] in their
shame <0152 -aischune -> , who <3588 -ho -> mind <5426 -phroneo
-> earthly <1919 -epigeios -> things .)

2316 PHP 004 006 Be careful <3309 -merimnao -> for nothing
<3367 -medeis -> ; but in every <3596 -hodoiporeo -> thing by
prayer <4335 -proseuche -> and supplication <1162 -deesis ->
with thanksgiving <2169 -eucharistia -> let your <5216 -humon ->
requests <0155 -aitema -> be made <1107 -gnorizo -> known <1107 -
gnorizo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 004 007 And the peace <1515 -eirene -> of God <{2316} -
theos -> , which <3588 -ho -> passeth <5242 -huperecho -> all
<3956 -pas -> understanding <3563 -nous -> , shall keep <5432 -
phroureo -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> and
minds <3540 -noema -> through <1722 -en -> Christ <5547 -
Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 004 009 Those <5023 -tauta -> things , which <3739 -
hos -> ye have both <2532 -kai -> learned <3129 -manthano -> ,
and received <3880 -paralambano -> , and heard <0191 -akouo -> ,
and seen <1492 -eido -> in me , do <4238 -prasso -> : and
the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> shall be
with you .

2316 PHP 004 018 But I have <0568 -apecho -> all <3956 -pas -> ,
and abound <4052 -perisseuo -> : I am full <4137 -pleroo -> ,

having received <1209 -dechomai -> of Epaphroditus <1891 -Epaphroditos -> the things [which were sent] from you , an odour <3744 -osme -> of a sweet <2175 -euodia -> smell <2175 -euodia -> , a sacrifice <2378 -thusia -> acceptable <1184 -dektos -> , wellpleasing <2101 -euarestos -> to God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 004 019 But my God <{2316} -theos -> shall supply <4137 -pleroo -> all <3956 -pas -> your <5216 -humon -> need <5532 -chreia -> according <2596 -kata -> to his riches <4149 -ploutos -> in glory <1391 -doxa -> by Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 004 020 . Now <1161 -de -> unto God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> [be] glory <1391 -doxa -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 COL 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,

2316 COL 001 002 To the saints <0040 -hagios -> and faithful <4103 -pistos -> brethren <0080 -adephos -> in Christ <5547 -Christos -> which are at <1722 -en -> Colosse <2857 -Kolossai -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 COL 001 003 . We give thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , praying <4336 -proseuchomai -> always <3842 -pantote -> for you ,

2316 COL 001 006 Which <3588 -ho -> is come <3918 -pareimi -> unto you , as [it is] in all <3956 -pas -> the world <2889 -kosmos -> ; and bringeth <2592 -karpophoreo -> forth fruit <2592 -karpophoreo -> , as [it doth] also <2532 -kai -> in you , since <0575 -apo -> the day <2250 -hemera -> ye heard <0191 -akouo -> [of it] , and knew <1921 -epiginosko -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in truth <0226 -aletheuo -> :

2316 COL 001 010 That ye might walk <4043 -peripateo -> worthy <0516 -axios -> of the Lord <2962 -kurios -> unto all <3956 -pas -> pleasing <0699 -areskeia -> , being fruitful <2592 -karpophoreo -> in every <3596 -hodoiporeo -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> , and increasing <0837 -auzano -> in the knowledge <1922 -epignosis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 COL 001 015 Who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of the invisible <0517 -aoratos -> God <{2316} -theos -> , the firstborn <4416 -prototokos -> of every <3596 -hodoiporeo -> creature <2937 -ktisis -> :

2316 COL 001 025 Whereof <3739 -hos -> I am made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the dispensation <3622 -oikonomia -> of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> to me for you , to fulfil <4137 -pleroo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 COL 001 025 Whereof <3739 -hos -> I am made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the dispensation <3622 -oikonomia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> to me for you , to fulfil <4137 -pleroo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ;

2316 COL 001 027 To whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> would <2309 -thelo -> make <1107 -gnorizo -> known <1107 -gnorizo -> what <5101 -tis -> [is] the riches <4149 -ploutos -> of the glory <1391 -doxa -> of this <5127 -toutou -> mystery <3466 -musterion -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> ; which <3739 -hos -> is Christ <5547 -Christos -> in you , the hope <1680 -elpis -> of glory <1391 -doxa -> :

2316 COL 002 002 That their hearts <2588 -kardia -> might be comforted <3870 -parakaleo -> , being knit <4822 -sumbibazo -> together <4822 -sumbibazo -> in love <0026 -agape -> , and unto all <3956 -pas -> riches <4149 -ploutos -> of the full <4136 -plerophoria -> assurance <4136 -plerophoria -> of understanding <4907 -sunesis -> , to the acknowledgement <1922 -epignosis -> of the mystery <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> , and of the Father <3962 -pater -> , and of Christ <5547 -Christos -> ;

2316 COL 002 012 Buried <4916 -sunthapto -> with him in baptism <0908 -baptisma -> , wherein <3757 -hou -> also <2532 -kai -> ye are risen <4891 -sunegeiro -> with [him] through <1223 -dia -> the faith <4102 -pistis -> of the operation <1753 -energeia -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> .

2316 COL 002 019 And not holding <2902 -krateo -> the Head <2776 -kephale -> , from which <3739 -hos -> all <3956 -pas -> the body <4983 -soma -> by joints <0860 -haphe -> and bands <4886 -sundesmos -> having nourishment <2023 -epichoregeo -> ministered <2023 -epichoregeo -> , and knit <4822 -sumbibazo -> together <4822 -sumbibazo -> , increaseth <0837 -auzano -> with the increase <0838 -auxesis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 001 . If <1487 -ei -> ye then <3767 -oun -> be risen <4891 -sunegeiro -> with Christ <5547 -Christos -> , seek <2212 -zeteo -> those <3588 -ho -> things which are above <0507 -ano -> , where <3757 -hou -> Christ <5547 -Christos -> sitteth <2521 -kathemai -> on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 003 For ye are dead <0599 -apothnesko -> , and your <5216 -humon -> life <2222 -zoe -> is hid <2928 -krupto -> with Christ <5547 -Christos -> in God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 006 For which <3739 -hos -> things sake the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> cometh <2064 -erchomai -> on <1909 -epi -> the children <5207 -huios -> of disobedience <0543 -apeitheia -> :

2316 COL 003 012 . Put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> therefore <3767 -oun -> , as the elect <1588 -eklektos -> of God <{2316} -theos -> , holy <0040 -hagios -> and beloved <0025 -agapao -> , bowels <4698 -splagchnon -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , kindness <5544 -chrestotes -> , humbleness <5012 -tapeinophrosune -> of mind , meekness <4236 -praiotes -> , longsuffering <3115 -makrothumia -> ;

2316 COL 003 015 And let the peace <1515 -eirene -> of God <{2316} -theos -> rule <1018 -brabeuo -> in your <5216 -humon ->

hearts <2588 -kardia -> , to the which <3739 -hos -> also <2532 -kai -> ye are called <2564 -kaleo -> in one <1520 -heis -> body <4983 -soma -> ; and be ye thankful <2170 -eucharistos -> .

2316 COL 003 017 And whatsoever <5100 -tis -> ye do <4160 -poieo -> in word <3056 -logos -> or <2228 -e -> deed <2041 -ergon -> , [do <4160 -poieo ->] all <3956 -pas -> in the name <3686 -onoma -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , giving thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> by him .

2316 COL 003 022 Servants <1401 -doulos -> , obey <5219 -hupakouo -> in all <3956 -pas -> things [your <3588 -ho ->] masters <2962 -kurios -> according <2596 -kata -> to the flesh <4561 -sarx -> ; not with eyeservice <3787 -ophthalmodouleia -> , as menpleasers <0441 -anthropareskos -> ; but in singleness <0572 -haplotes -> of heart <2588 -kardia -> , fearing <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> :

2316 COL 004 003 Withal <0260 -hama -> praying <4336 -proseuchomai -> also <2532 -kai -> for us , that God <{2316} -theos -> would open <0455 -anoigo -> unto us a door <2374 -thura -> of utterance <3056 -logos -> , to speak <2980 -laleo -> the mystery <3466 -musterion -> of Christ <5547 -Christos -> , for which <3739 -hos -> I am also <2532 -kai -> in bonds <1210 -deo -> :

2316 COL 004 011 And Jesus <2424 -Iesous -> , which <3588 -ho -> is called <3004 -lego -> Justus <2459 -Ioustos -> , who <3588 -ho -> are of the circumcision <4061 -peritome -> . These <3778 -houtos -> only <3441 -monos -> [are my] fellowworkers <4904 -sunergos -> unto the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> have been <1096 -ginomai -> a comfort <3931 -paregoria -> unto me .

2316 COL 004 012 Epaphras <1889 -Epaphras -> , who <3588 -ho -> is [one] of you , a servant <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> , saluteth <0782 -aspazomai -> you , always <3842 -pantote -> labouring <0075 -agonizomai -> fervently for you in prayers <4335 -proseuche -> , that ye may stand <2476 -histemi -> perfect <5046 -teleios -> and complete <4137 -pleroo -> in all <3956 -pas -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> [which is] in God <2316 -theos -> the Father <3962 -pater -> and [in] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> [which is] in God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and [in] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <2316 -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TH 001 002 . We give thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> for you all <3956 -pas -> , making <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of you in our prayers <4335 -proseuche -> ;

2316 1TH 001 003 Remembering <3421 -mnemoneuo -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> your <5209 -humas -> work <2041 -ergon -> of faith <4102 -pistis -> , and labour <2873 -kopos -> of love <0026 -agape -> , and patience <5281 -hupomone -> of hope <1680 -elpis -> in our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , in the sight <1715 -emprosthen -> of God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> ;

2316 1TH 001 004 Knowing <1492 -eido -> , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> , your <5216 -humon -> election <1589 -ekloge -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 001 008 For from you sounded <1837 -execheomai -> out the word <3056 -logos -> of the Lord <2962 -kurios -> not only <3440 -monon -> in Macedonia <3109 -Makedonia -> and Achaia <0882 -Achaia -> , but also <2532 -kai -> in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> to God -ward <{2316} -theos -> is spread <1831 -exerchomai -> abroad <1831 -exerchomai -> ; so <5620 -hoste -> that we need <5532 -chreia -> not to speak <2980 -laleo -> any <5100 -tis -> thing .

2316 1TH 001 009 For they themselves <0846 -autos -> shew <0518 -apaggello -> of us what <3697 -hopoios -> manner <3697 -hopoios -> of entering <1529 -eisodos -> in we had <2192 -echo -> unto you , and how <4459 -pos -> ye turned <1994 -epistrepho -> to God <2316 -theos -> from idols <1497 -eidolon -> to serve <1398 -douleuo -> the living <2198 -zao -> and true <0228 -alethinos -> God <{2316} -theos -> ;

2316 1TH 001 009 For they themselves <0846 -autos -> shew <0518 -apaggello -> of us what <3697 -hopoios -> manner <3697 -hopoios -> of entering <1529 -eisodos -> in we had <2192 -echo -> unto you , and how <4459 -pos -> ye turned <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> from idols <1497 -eidolon -> to serve <1398 -douleuo -> the living <2198 -zao -> and true <0228 -alethinos -> God <2316 -theos -> ;

2316 1TH 002 002 But even <2532 -kai -> after that we had suffered <4310 -propascho -> before <4310 -propascho -> , and were shamefully <5195 -hubrizo -> entreated <5195 -hubrizo -> , as ye know <1492 -eido -> , at <1722 -en -> Philippi <5375 -Philippoi -> , we were bold <3955 -parrhesiazomai -> in our God <2316 -theos -> to speak <2980 -laleo -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> with much <4183 -polus -> contention <0073 -agon -> .

2316 1TH 002 002 But even <2532 -kai -> after that we had suffered <4310 -propascho -> before <4310 -propascho -> , and were shamefully <5195 -hubrizo -> entreated <5195 -hubrizo -> , as ye know <1492 -eido -> , at <1722 -en -> Philippi <5375 -Philippoi -> , we were bold <3955 -parrhesiazomai -> in our God <{2316} -theos -> to speak <2980 -laleo -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <2316 -theos -> with much <4183 -polus -> contention <0073 -agon -> .

2316 1TH 002 004 But as we were allowed <1381 -dokimazo -> of God <2316 -theos -> to be put <4160 -poieo -> in trust <4100 -pisteuo -> with the gospel <2098 -euaggelion -> , even so <3779 -houto -> we speak <2980 -laleo -> ; not as pleasing <0700 -

aresko -> men <0444 -anthropos -> , but God <{2316} -theos -> , which trieth <1381 -dokimazo -> our hearts <2588 -kardia -> .

2316 1TH 002 004 But as we were allowed <1381 -dokimazo -> of God <{2316} -theos -> to be put <4160 -poieo -> in trust <4100 -pisteuo -> with the gospel <2098 -euaggelion -> , even so <3779 -houto -> we speak <2980 -laleo -> ; not as pleasing <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , but God <2316 -theos -> , which trieth <1381 -dokimazo -> our hearts <2588 -kardia -> .

2316 1TH 002 005 For neither <3777 -oute -> at <4218 -pote -> any <4218 -pote -> time <4218 -pote -> used <1722 -en -> we flattering <2850 -kolakeia -> words <3056 -logos -> , as ye know <1492 -eido -> , nor <3777 -oute -> a cloke <4392 -prophasis -> of covetousness <4124 -pleonexia -> ; God <{2316} -theos -> [is] witness <3144 -martus -> :

2316 1TH 002 008 So <3779 -houto -> being affectionately <2442 -himeiromai -> desirous <2442 -himeiromai -> of you , we were willing <2106 -eudokeo -> to have imparted <3330 -metadidomi -> unto you , not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> only <3440 -monon -> , but also <2532 -kai -> our own <1438 -heautou -> souls <5590 -psuche -> , because <1360 -dioti -> ye were dear <0027 -agapetos -> unto us .

2316 1TH 002 009 For ye remember <3421 -mnemoneuo -> , brethren <0080 -adephos -> , our labour <2873 -kopos -> and travail <3449 -mochthos -> : for labouring <2873 -kopos -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> , because <4314 -pros -> we would not be chargeable <1912 -epibareo -> unto any <5100 -tis -> of you , we preached <2784 -kerusso -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 002 010 Ye [are] witnesses <3144 -martus -> , and God <{2316} -theos -> [also <2532 -kai ->] , how <5613 -hos -> holily <3743 -hosios -> and justly <1346 -dikaios -> and unblameably <0274 -amemptos -> we behaved <1096 -ginomai -> ourselves among you that believe <4100 -pisteuo -> :

2316 1TH 002 012 That ye would walk <4043 -peripateo -> worthy <0516 -axios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath called <2564 -kaleo -> you unto his kingdom <0932 -basileia -> and glory <1391 -doxa -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <2316 -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <2316 -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ,

which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <{2316} -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> , which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 014 For ye , brethren <0080 -adephos -> , became <1096 -ginomai -> followers <3402 -mimetes -> of the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> in Judaea <2449 -Ioudaia -> are in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> : for ye also <2532 -kai -> have suffered <3958 -pascho -> like <5024 -tauta -> things of your <2398 -idios -> own <2398 -idios -> countrymen <4853 -sumphuletes -> , even <2532 -kai -> as they [have] of the Jews <2453 -Ioudaios -> :

2316 1TH 002 015 Who <3588 -ho -> both <2532 -kai -> killed <0615 -apokteino -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and their own <2398 -idios -> prophets <4396 -prophetes -> , and have persecuted <1559 -ekdioko -> us ; and they please <0700 -aresko -> not God <{2316} -theos -> , and are contrary <1727 -enantios -> to all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> :

2316 1TH 003 002 And sent <3992 -pempo -> Timotheus <5095 -Timotheos -> , our brother <0080 -adephos -> , and minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , and our fellowlabourer <4904 -sunergos -> in the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , to establish <4741 -sterizo -> you , and to comfort <3870 -parakaleo -> you concerning <4012 -peri -> your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> :

2316 1TH 003 009 For what <5101 -tis -> thanks <2169 -eucharistia -> can <1410 -dunamai -> we render <0467 -antapodidomi -> to God <2316 -theos -> again <0467 -antapodidomi -> for you , for all <3956 -pas -> the joy <5479 -chara -> wherewith <3739 -hos -> we joy <5463 -chairo -> for your <5209 -humas -> sakes before <1715 -emprosthen -> our God <{2316} -theos -> ;

2316 1TH 003 009 For what <5101 -tis -> thanks <2169 -eucharistia -> can <1410 -dunamai -> we render <0467 -antapodidomi -> to God <{2316} -theos -> again <0467 -antapodidomi -> for you , for all <3956 -pas -> the joy <5479 -chara -> wherewith <3739 -hos -> we joy <5463 -chairo -> for your <5209 -humas -> sakes before <1715 -emprosthen -> our God <2316 -theos -> ;

2316 1TH 003 011 . Now <1161 -de -> God <{2316} -theos -> himself <0846 -autos -> and our Father <3962 -pater -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , direct <2720 -kateuthuno -> our way <3598 -hodos -> unto you .

2316 1TH 003 013 To the end <1519 -eis -> he may stablish <4741 -sterizo -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> unblameable <0299 -amomos -> in holiness <0042 -hagiosune -> before <1715 -emprosthen -> God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> our Father <3962 -pater -> , at <1722 -en -> the coming <3952 -parousia -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> with all <3956 -pas -> his saints <0040 -hagios -> .

2316 1TH 004 001 . Furthermore <3063 -loipon -> then <3767 -oun -> we beseech <2065 -erotao -> you , brethren <0080 -adephos -> , and exhort <3870 -parakaleo -> [you] by the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , that as ye have received <3880 -paralambano -> of us how <4459 -pos -> ye ought <1163 -dei -> to walk <4043 -peripateo -> and to please <0700 -aresko -> God <{2316} -theos -> , [so] ye would abound <4052 -perisseuo -> more <3123 -mallon -> and more <3123 -mallon -> .

2316 1TH 004 003 For this <5124 -touto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , [even] your <5216 -humon -> sanctification <0038 -hagiasmos -> , that ye should abstain <0567 -apechomai -> from fornication <4202 -porneia -> :

2316 1TH 004 005 Not in the lust <3806 -pathos -> of concupiscence <1939 -epithumia -> , even <2532 -kai -> as the Gentiles <1484 -ethnos -> which <3588 -ho -> know <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> :

2316 1TH 004 007 For God <{2316} -theos -> hath not called <2564 -kaleo -> us unto uncleanness <0167 -akatharsia -> , but unto holiness <0038 -hagiasmos -> .

2316 1TH 004 008 He therefore <5105 -toigaroun -> that despiseth <0114 -atheteo -> , despiseth <0114 -atheteo -> not man <0444 -anthropos -> , but God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath also <2532 -kai -> given <1325 -didomi -> unto us his holy <0040 -hagios -> Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 1TH 004 014 For if <1487 -ei -> we believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> died <0599 -apothnesko -> and rose <0450 -anistemi -> again <0450 -anistemi -> , even so <3779 -houto -> them also <2532 -kai -> which sleep <2837 -koimao -> in Jesus <2424 -Iesous -> will God <{2316} -theos -> bring <0071 -ago -> with him .

2316 1TH 004 016 For the Lord <2962 -kurios -> himself <0846 -autos -> shall descend <2597 -katabaino -> from heaven <3772 -ouranos -> with a shout <2752 -keleuma -> , with the voice <5456 -phone -> of the archangel <0743 -archaggelos -> , and with the trump <4536 -salpigx -> of God <{2316} -theos -> : and the dead <3498 -nekros -> in Christ <5547 -Christos -> shall rise <0450 -anistemi -> first <4412 -proton -> :

2316 1TH 005 009 For God <{2316} -theos -> hath not appointed <5087 -tithemi -> us to wrath <3709 -orge -> , but to obtain <4047 -peripoiesis -> salvation <4991 -soteria -> by our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,

2316 1TH 005 018 In every <3956 -pas -> thing give thanks <2168 -eucharisteo -> : for this <5124 -touto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> concerning <1519 -eis -> you .

2316 1TH 005 023 . And the very <0846 -autos -> God <{2316} -

theos -> of peace <1515 -eirene -> sanctify <0037 -hagiazo -> you wholly <3651 -holoteles -> ; and [I pray God] your <3588 -ho -> whole <3648 -holokleros -> spirit <4151 -pneuma -> and soul <5590 -psuche -> and body <4983 -soma -> be preserved <5083 -tereo -> blameless <0274 -amemptos -> unto the coming <3952 -parousia -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> in God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2TH 001 002 Grace <5485 -charis -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 001 003 We are bound <3784 -opheilo -> to thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> for you , brethren <0080 -adephos -> , as it is meet <0514 -axios -> , because <3754 -hoti -> that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> groweth <5232 -huperauxano -> exceedingly , and the charity <0026 -agape -> of every <1538 -hekastos -> one <1520 -heis -> of you all <3956 -pas -> toward <1519 -eis -> each <0240 -allelon -> other <0240 -allelon -> aboundeth <4121 -pleonazo -> ;

2316 2TH 001 004 So <5620 -hoste -> that we ourselves <0846 -autos -> glory <2744 -kauchaomai -> in you in the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> for your <5216 -humon -> patience <5281 -hupomone -> and faith <4102 -pistis -> in all <3956 -pas -> your <5216 -humon -> persecutions <1375 -diogmos -> and tribulations <2347 -thlipsis -> that ye endure <0430 -anechomai -> :

2316 2TH 001 005 . [Which is] a manifest token <1730 -endeigma -> of the righteous <1342 -dikaios -> judgment <2920 -krisis -> of God <2316 -theos -> , that ye may be counted <2661 -kataxioo -> worthy <2661 -kataxioo -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , for which <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> suffer :

2316 2TH 001 005 . [Which is] a manifest token <1730 -endeigma -> of the righteous <1342 -dikaios -> judgment <2920 -krisis -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be counted <2661 -kataxioo -> worthy <2661 -kataxioo -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <2316 -theos -> , for which <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> suffer :

2316 2TH 001 006 Seeing <1512 -ei per -> [it is] a righteous <1342 -dikaios -> thing with God <{2316} -theos -> to recompense <0467 -antapodidomi -> tribulation <2347 -thlipsis -> to them that trouble <2346 -thlibo -> you ;

2316 2TH 001 008 In flaming <5395 -phlox -> fire <4442 -pur -> taking <1325 -didomi -> vengeance <1557 -ekdikesis -> on them that know <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> , and that obey <5219 -hupakouo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2TH 001 011 . Wherefore <3739 -hos -> also <2532 -kai -> we pray <4336 -proseuchomai -> always <3842 -pantote -> for you ,

that our God <{2316} -theos -> would count <0515 -axioo -> you worthy <0515 -axioo -> of [this <3588 -ho ->] calling <2821 -klesis -> , and fulfil <4137 -pleroo -> all <3956 -pas -> the good pleasure <2107 -eudokia -> of [his] goodness <0019 -agathosune -> , and the work <2041 -ergon -> of faith <4102 -pistis -> with power <1411 -dunamis -> :

2316 2TH 001 012 That the name <3686 -onoma -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> may be glorified <1740 -edoxazo -> in you , and ye in him , according <2596 -kata -> to the grace <5485 -charis -> of our God <{2316} -theos -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <{2316} -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <{2316} -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <{2316} -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 011 And for this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> God <{2316} -theos -> shall send <3992 -pempo -> them strong <1753 -energeia -> delusion <4106 -plane -> , that they should believe <4100 -pisteuo -> a lie <5579 -pseudos -> :

2316 2TH 002 013 . But we are bound <3784 -opheilo -> to give thanks <2168 -eucharisteo -> alway <0104 -aei -> to God <2316 -theos -> for you , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> of the Lord <2962 -kurios -> , because <3754 -hoti -> God <{2316} -theos -> hath from the beginning <0746 -arche -> chosen <0138 -haireomai -> you to salvation <4991 -soteria -> through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> and belief <4102 -pistis -> of the truth <0225 -aletheia -> :

2316 2TH 002 013 . But we are bound <3784 -opheilo -> to give

thanks <2168 -eucharisteo -> alway <0104 -aei -> to God <{2316} -theos -> for you , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> of the Lord <2962 -kurios -> , because <3754 -hoti -> God <2316 -theos -> hath from the beginning <0746 -arche -> chosen <0138 -haireomai -> you to salvation <4991 -soteria -> through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> and belief <4102 -pistis -> of the truth <0225 -aletheia -> :

2316 2TH 002 016 . Now <1161 -de -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> himself <0846 -autos -> , and God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> our Father <3962 -pater -> , which <3588 -ho -> hath loved <0025 -agapao -> us , and hath given <1325 -didomi -> [us] everlasting <0166 -aionios -> consolation <3874 -paraklesis -> and good <0018 -agathos -> hope <1680 -elpis -> through <1722 -en -> grace <5485 -charis -> ,

2316 2TH 003 005 And the Lord <2962 -kurios -> direct <2720 -kateuthuno -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> into <1519 -eis -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , and into <1519 -eis -> the patient <5281 -hupomone -> waiting for Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TI 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the commandment <2003 -epitage -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> , and Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , [which <3588 -ho -> is] our hope <1680 -elpis -> ;

2316 1TI 001 002 Unto Timothy <5095 -Timotheos -> , [my] own <1103 -gnesios -> son <5043 -teknon -> in the faith <4102 -pistis -> : Grace <5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> , [and] peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 1TI 001 004 Neither <3366 -mede -> give heed <4337 -prosecho -> to fables <3454 -muthos -> and endless <0562 -aperantos -> genealogies <1076 -genealogia -> , which <3748 -hostis -> minister <3930 -parecho -> questions <2214 -zetesis -> , rather <3123 -mallon -> than <2228 -e -> godly <{2316} -theos -> edifying <3618 -oikodomeo -> which <3588 -ho -> is in faith <4102 -pistis -> : [so do] .

2316 1TI 001 011 According <2596 -kata -> to the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of the blessed <3107 -makarios -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> was committed <4100 -pisteuo -> to my trust <4100 -pisteuo -> .

2316 1TI 001 017 Now <1161 -de -> unto the King <0935 -basileus -> eternal <0165 -aion -> , immortal <0862 -aphthartos -> , invisible <0517 -aoratos -> , the only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> God <{2316} -theos -> , [be] honour <5092 -time -> and glory <1391 -doxa -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1TI 002 003 For this <5124 -touto -> [is] good <2570 -kalos -> and acceptable <0587 -apodektos -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> ;

2316 1TI 002 005 For [there is] one <1520 -heis -> God <2316 -theos -> , and one <1520 -heis -> mediator <3316 -mesites -> between God <{2316} -theos -> and men <0444 -anthropos -> , the man <0444 -anthropos -> Christ <5547 -

Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ;

2316 1TI 002 005 For [there is] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , and one <1520 -heis -> mediator <3316 -mesites -> between God <2316 -theos -> and men <0444 -anthropos -> , the man <0444 -anthropos -> Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ;

2316 1TI 003 005 (For if <1487 -ei -> a man <5100 -tis -> know <1492 -eido -> not how to rule <4291 -proistemi -> his own <2398 -idios -> house <3624 -oikos -> , how <4459 -pos -> shall he take care <1959 -epimeleomai -> of the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> ?)

2316 1TI 003 015 But if <1437 -ean -> I tarry <1019 -braduno -> long , that thou mayest know <1492 -eido -> how <4459 -pos -> thou oughtest <1163 -dei -> to behave <0390 -anastrepho -> thyself in the house <3624 -oikos -> of God <2316 -theos -> , which <3748 -hostis -> is the church <1577 -ekklesia -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , the pillar <4769 -stulos -> and ground <1477 -hedraioma -> of the truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 003 015 But if <1437 -ean -> I tarry <1019 -braduno -> long , that thou mayest know <1492 -eido -> how <4459 -pos -> thou oughtest <1163 -dei -> to behave <0390 -anastrepho -> thyself in the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> is the church <1577 -ekklesia -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> , the pillar <4769 -stulos -> and ground <1477 -hedraioma -> of the truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 003 016 And without <3672 -homologoumenos -> controversy <3672 -homologoumenos -> great <3173 -megas -> is the mystery <3466 -musterion -> of godliness <2150 -eusebeia -> : God <{2316} -theos -> was manifest <5319 -phaneroo -> in the flesh <4561 -sarx -> , justified <1344 -dikaioo -> in the Spirit <4151 -pneuma -> , seen <3700 -optanomai -> of angels <0032 -aggelos -> , preached <2784 -kerusso -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> , believed <4100 -pisteuo -> on in the world <2889 -kosmos -> , received <0353 -analambano -> up into <1722 -en -> glory <1391 -doxa -> .

2316 1TI 004 003 Forbidding <2967 -koluo -> to marry <1060 -gameo -> , [and commanding] to abstain <0567 -apechomai -> from meats <1033 -broma -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath created <2936 -ktizo -> to be received <3336 -metalepsis -> with thanksgiving <2169 -eucharistia -> of them which believe <4103 -pistos -> and know <1921 -epiginosko -> the truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 004 004 For every <3956 -pas -> creature <2938 -ktisma -> of God <{2316} -theos -> [is] good <2570 -kalos -> , and nothing <3762 -oudeis -> to be refused <0579 -apobletos -> , if it be received <2983 -lambano -> with thanksgiving <2169 -eucharistia -> :

2316 1TI 004 005 For it is sanctified <0037 -hagiazo -> by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> and prayer <1783 -enteuxis -> .

2316 1TI 004 010 For therefore <5124 -touto -> we both <2532 -kai -> labour <2872 -kopiao -> and suffer reproach <3679 -oneidizo -> , because <3754 -hoti -> we trust <1679 -elpizo -> in the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , who <3739 -hos -> is the Saviour <4990 -soter -> of all <3956 -pas -> men

<0444 -anthropos -> , specially <3122 -malista -> of those that believe <4103 -pistos -> .

2316 1TI 005 004 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> widow <5503 -chera -> have <2192 -echo -> children <5043 -teknon -> or <2228 -e -> nephews <1549 -ekgonon -> , let them learn <3129 -manthano -> first <4412 -proton -> to shew <2151 -eusebeo -> piety <2151 -eusebeo -> at home <2398 -idios -> , and to requite <0287 -amoibe -> their parents <4269 -progonos -> : for that is good <2570 -kalos -> and acceptable <0587 -apodektos -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 1TI 005 005 Now <1161 -de -> she that is a widow <5503 -chera -> indeed <3689 -ontos -> , and desolate <3443 -monoo -> , trusteth <1679 -elpizo -> in God <{2316} -theos -> , and continueth <4357 -prosmeno -> in supplications <1162 -deesis -> and prayers <4335 -proseuche -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> .

2316 1TI 005 021 I charge <1263 -diamarturomai -> [thee] before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and the elect <1588 -eklektos -> angels <0032 -aggelos -> , that thou observe <5442 -phulasso -> these <5023 -tauta -> things without <5565 -choris -> preferring <4299 -prokrima -> one before <4299 -prokrima -> another <4299 -prokrima -> , doing <4160 -poieo -> nothing <3367 -medeis -> by partiality <4346 -prosklisis -> .

2316 1TI 006 001 . Let as many <3745 -hosos -> servants <1401 -doulos -> as are under <5259 -hupo -> the yoke <2218 -zugos -> count <2233 -hegeomai -> their own <2398 -idios -> masters <1203 -despotes -> worthy <0514 -axios -> of all <3956 -pas -> honour <5092 -time -> , that the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> and [his] doctrine <1319 -didaskalia -> be not blasphemed <0987 -blasphemeo -> .

2316 1TI 006 011 But thou , O man <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> , flee <5343 -pheugo -> these <5023 -tauta -> things ; and follow <1377 -dioko -> after righteousness <1343 -dikaiosune -> , godliness <2150 -eusebeia -> , faith <4102 -pistis -> , love <0026 -agape -> , patience <5281 -hupomone -> , meekness <4236 -praiotes -> .

2316 1TI 006 013 . I give thee charge <3853 -paraggello -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> quickeneth <2227 -zoopoieo -> all <3956 -pas -> things , and [before] Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3588 -ho -> before <1909 -epi -> Pontius <4194 -Pontios -> Pilate <4091 -Pilatos -> witnessed <3140 -martureo -> a good <2570 -kalos -> confession <3671 -homologia -> ;

2316 1TI 006 017 Charge <3853 -paraggello -> them that are rich <4145 -plousios -> in this <3568 -nun -> world <0165 -aion -> , that they be not highminded <5309 -hupselophroneo -> , nor <3366 -mede -> trust <1679 -elpizo -> in uncertain <0083 -adelotes -> riches <4149 -ploutos -> , but in the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> giveth <3930 -parecho -> us richly <4146 -plousios -> all <3956 -pas -> things to enjoy <0619 -apolausis -> ;

2316 2TI 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , according <2596 -kata -> to the promise <1860 -epaggelia -> of

life <2222 -zoe -> which <3588 -ho -> is in Christ <5547 -
Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ,

2316 2TI 001 002 To Timothy <5095 -Timotheos -> ,   [my]
dearly beloved <0027 -agapetos -> son <5043 -teknon -> : Grace
<5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> ,   [and] peace
<1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -
pater -> and Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous ->
our Lord <2962 -kurios -> .

2316 2TI 001 003 I thank <5485 -charis -> God <{2316} -theos ->
, whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> from [my]
forefathers <4269 -progonos -> with pure <2513 -katharos ->
conscience <4893 -suneidesis -> , that without <0088 -
adialeiptos -> ceasing <0088 -adialeiptos -> I have <2192 -echo -
> remembrance <3417 -mneia -> of thee in my prayers <1162 -
deesis -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> ;

2316 2TI 001 006 . Wherefore <3739 -hos -> I put <0363 -
anamimnesko -> thee in remembrance <0363 -anamimnesko -> that
thou stir <0329 -anazopureo -> up the gift <5486 -charisma -> of
God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> is in thee by the
putting <1936 -epithesis -> on <1936 -epithesis -> of my hands
<5495 -cheir -> .

2316 2TI 001 007 For God <{2316} -theos -> hath not given <1325
-didomi -> us the spirit <4151 -pneuma -> of fear <1167 -deilia -
> ; but of power <1411 -dunamis -> , and of love <0026 -agape -
> , and of a sound <4995 -sophronismos -> mind <4995 -
sophronismos -> .

2316 2TI 001 008 Be not thou therefore <3767 -oun -> ashamed
<1870 -epaischunomai -> of the testimony <3142 -marturion -> of
our Lord <2962 -kurios -> , nor <3366 -mede -> of me his
prisoner <1198 -desmios -> : but be thou partaker <4777 -
sugkakopatheo -> of the afflictions <4777 -sugkakopatheo -> of
the gospel <2098 -euaggelion -> according <2596 -kata -> to the
power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 2TI 002 009 Wherein <3757 -hou -> I suffer <2553 -
kakopatheo -> trouble <2553 -kakopatheo -> , as an evil <2557 -
kakourgos -> doer <2557 -kakourgos -> ,   [even] unto bonds
<1199 -desmon -> ; but the word <3056 -logos -> of God <{2316} -
theos -> is not bound <1210 -deo -> .

2316 2TI 002 015 Study <4704 -spoudazo -> to shew <3936 -
paristemi -> thyself <4572 -seautou -> approved <1384 -dokimos -
> unto God <{2316} -theos -> , a workman <2040 -ergates -> that
needeth <0422 -anepaischuntos -> not to be ashamed <0422 -
anepaischuntos -> , rightly dividing <3718 -orthotomeo -> the
word <3056 -logos -> of truth <0225 -aletheia -> .

2316 2TI 002 019 . Nevertheless <3305 -mentoi -> the
foundation <2310 -themelios -> of God <{2316} -theos -> standeth
<2476 -histemi -> sure <4731 -stereos -> , having <2192 -echo -
> this <5026 -taute -> seal <4973 -sphragis -> , The Lord <2962
-kurios -> knoweth <1097 -ginosko -> them that are his . And ,
Let every <3956 -pas -> one that nameth <3687 -onomazo -> the
name <3686 -onoma -> of Christ <5547 -Christos -> depart <0868 -
aphistemi -> from iniquity <0093 -adikia -> .

2316 2TI 002 025 In meekness <4236 -praiotes -> instructing
<3811 -paideuo -> those <3588 -ho -> that oppose <0475 -
antidiatithemai -> themselves ; if <3379 -mepote -> God <{2316}
-theos -> peradventure <3379 -mepote -> will give <1325 -didomi -
> them repentance <3341 -metanoia -> to the acknowledging <1922 -

epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> ;

2316 2TI 003 017 That the man <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> may be perfect <0739 -artios -> , throughly <1822 -exartizo -> furnished <1822 -exartizo -> unto all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> works <2041 -ergon -> .

2316 2TI 004 001 . I charge <1263 -diamarturomai -> [thee] therefore <3767 -oun -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> shall judge <2919 -krino -> the quick <2198 -zao -> and the dead <3498 -nekros -> at <2596 -kata -> his appearing <2015 -epiphaneia -> and his kingdom <0932 -basileia -> ;

2316 TIT 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <2316 -theos -> , and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , according <2596 -kata -> to the faith <4102 -pistis -> of God s <{2316} -theos -> elect <1588 -eklektos -> , and the acknowledging <1922 -epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> which <3588 -ho -> is after <2596 -kata -> godliness <2150 -eusebeia -> ;

2316 TIT 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> , and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , according <2596 -kata -> to the faith <4102 -pistis -> of God s <2316 -theos -> elect <1588 -eklektos -> , and the acknowledging <1922 -epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> which <3588 -ho -> is after <2596 -kata -> godliness <2150 -eusebeia -> ;

2316 TIT 001 002 In hope <1680 -elpis -> of eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> , that cannot <0893 -apseudes -> lie <0893 -apseudes -> , promised <1861 -epaggello -> before <4253 -pro -> the world <0166 -aionios -> began ;

2316 TIT 001 003 But hath in due <2398 -idios -> times <2540 -kairos -> manifested <5319 -phaneroo -> his word <3056 -logos -> through <1722 -en -> preaching <2782 -kerugma -> , which <3739 -hos -> is committed <4100 -pisteuo -> unto me according <2596 -kata -> to the commandment <2003 -epitage -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> ;

2316 TIT 001 004 To Titus <5103 -Titos -> , [mine] own <1103 -gnesios -> son <5043 -teknon -> after <2596 -kata -> the common <2839 -koinos -> faith <4102 -pistis -> : Grace <5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> , [and] peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Saviour <4990 -soter -> .

2316 TIT 001 007 For a bishop <1985 -episkopos -> must <1163 -dei -> be blameless <0410 -anegkletos -> , as the steward <3622 -oikonomia -> of God <{2316} -theos -> ; not selfwilled <0829 -authades -> , not soon <3711 -orgilos -> angry <3711 -orgilos -> , not given <3943 -paroinos -> to wine <3943 -paroinos -> , no <3361 -me -> striker <4131 -plektes -> , not given to filthy <0150 -aischros -> lucre <0146 -aischrokerdes -> ;

2316 TIT 001 016 They profess <3670 -homologeo -> that they know <1492 -eido -> God <{2316} -theos -> ; but in works <2041 -ergon -> they deny <0720 -arneomai -> [him] , being <5607 -on -> abominable <0947 -bdeluktos -> , and disobedient <0545 -

apeithes -> , and unto every <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> reprobate <0096 -adokimos -> .

2316 TIT 002 005 [To be] discreet <4998 -sophron -> , chaste <0053 -hagnos -> , keepers <3626 -oikouros -> at <3626 -oikouros -> home <3626 -oikouros -> , good <0018 -agathos -> , obedient <5293 -hupotasso -> to their own <2398 -idios -> husbands <0435 -aner -> , that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> be not blasphemed <0987 -blasphemeo -> .

2316 TIT 002 010 Not purloining <3557 -nosphizomai -> , but shewing <1731 -endeiknumi -> all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> fidelity <4102 -pistis -> ; that they may adorn <2885 -kosmeo -> the doctrine <1319 -didaskalia -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> in all <3956 -pas -> things .

2316 TIT 002 011 . For the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> that bringeth <4992 -soterion -> salvation <4992 -soterion -> hath appeared <2014 -epiphaino -> to all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> ,

2316 TIT 002 013 Looking <4327 -prosdechomai -> for that blessed <3107 -makarios -> hope <1680 -elpis -> , and the glorious <1391 -doxa -> appearing <2015 -epiphaneia -> of the great <3173 -megas -> God <{2316} -theos -> and our Saviour <4990 -soter -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 TIT 003 004 But after <3753 -hote -> that the kindness <5544 -chrestotes -> and love <5363 -philanthropia -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> toward <4314 -pros -> man appeared <2014 -epiphaino -> ,

2316 TIT 003 008 [This <3588 -ho -> is] a faithful <4103 -pistos -> saying <3056 -logos -> , and these <5130 -touton -> things I will <1014 -boo -lom -ahee -> that thou affirm <1226 -diabebaioomai -> constantly <1226 -diabebaioomai -> , that they which have believed <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> might be careful <5431 -phrontizo -> to maintain <4291 -proistemi -> good <2570 -kalos -> works <2041 -ergon -> . These <5023 -tauta -> things are good <2570 -kalos -> and profitable <5624 -ophelimos -> unto men <0444 -anthropos -> .

2316 PHM 001 003 Grace <5485 -charis -> to you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHM 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> , making <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of thee always <3842 -pantote -> in my prayers <4335 -proseuche -> ,

2316 HEB 001 001 . God <{2316} -theos -> , who at sundry <4181 -polumeros -> times and in divers <4187 -polutropos -> manners <4187 -polutropos -> spake <2980 -laleo -> in time <3819 -palai -> past <3819 -palai -> unto the fathers <3962 -pater -> by the prophets <4396 -prophetes -> ,

2316 HEB 001 006 And again <3825 -palin -> , when <3752 -hotan -> he bringeth <1521 -eisago -> in the firstbegotten <4416 -prototokos -> into <1519 -eis -> the world <3625 -oikoumene -> , he saith <3004 -lego -> , And let all <3956 -pas -> the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> worship <4352 -proskuneo -> him .

2316 HEB 001 008 But unto the Son <5207 -huios -> [he saith] , Thy throne <2362 -thronos -> , O God <{2316} -theos -> , [is] for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> : a sceptre <4464 -rhabdos -> of righteousness <2118 -euthutes -> [is] the sceptre <4464 -rhabdos -> of thy kingdom <0932 -basileia -> .

2316 HEB 001 009 Thou hast loved <0025 -agapao -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and hated <3404 -miseo -> iniquity <0458 -anomia -> ; therefore <5124 -touto -> God <2316 -theos -> , [even] thy God <{2316} -theos -> , hath anointed <5548 -chrio -> thee with the oil <1637 -elaion -> of gladness <0020 -agalliasis -> above <3844 -para -> thy fellows <3353 -metochos -> .

2316 HEB 001 009 Thou hast loved <0025 -agapao -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and hated <3404 -miseo -> iniquity <0458 -anomia -> ; therefore <5124 -touto -> God <{2316} -theos -> , [even] thy God <2316 -theos -> , hath anointed <5548 -chrio -> thee with the oil <1637 -elaion -> of gladness <0020 -agalliasis -> above <3844 -para -> thy fellows <3353 -metochos -> .

2316 HEB 002 004 God <{2316} -theos -> also <4901 -sunepimartureo -> bearing <4901 -sunepimartureo -> [them] witness <4901 -sunepimartureo -> , both <5037 -te -> with signs <4591 -semaino -> and wonders <5059 -teras -> , and with divers <4164 -poikilos -> miracles <1411 -dunamis -> , and gifts <3311 -merismos -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , according <2596 -kata -> to his own will <2308 -thelesis -> ?

2316 HEB 002 009 But we see <0991 -blepo -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3588 -ho -> was made <1642 -elattoo -> a little <1024 -brachus -> lower <1642 -elattoo -> than <3844 -para -> the angels <0032 -aggelos -> for the suffering <3804 -pathema -> of death <2288 -thanatos -> , crowned <4737 -stephanoo -> with glory <1391 -doxa -> and honour <5092 -time -> ; that he by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> should taste <1089 -geuomai -> death <2288 -thanatos -> for every <3956 -pas -> man .

2316 HEB 002 013 And again <3825 -palin -> , I will put <3982 -peitho -> my trust <3982 -peitho -> in him . And again <3825 -palin -> , Behold <2400 -idou -> I and the children <3813 -paidion -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> me .

2316 HEB 002 017 Wherefore <3606 -hothen -> in all <3956 -pas -> things it behoved <3784 -opheilo -> him to be made <3666 -homoioo -> like <3666 -homoioo -> unto [his] brethren <0080 -adephos -> , that he might be a merciful <1655 -eleemon -> and faithful <4103 -pistos -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> in things [pertaining] to God <{2316} -theos -> , to make <2433 -hilaskomai -> reconciliation <2433 -hilaskomai -> for the sins <0266 -hamartia -> of the people <2992 -laos -> .

2316 HEB 003 004 For every <3956 -pas -> house <3624 -oikos -> is builded <2680 -kataskeuazo -> by some <5100 -tis -> [man] ; but he that built <2680 -kataskeuazo -> all <3956 -pas -> things [is] God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 003 012 Take heed <0991 -blepo -> , brethren <0080 -adephos -> , lest <3379 -mepote -> there be in any <5100 -tis -> of you an evil <4190 -poneros -> heart <2588 -kardia -> of unbelief <0570 -apaistia -> , in departing <0868 -aphistemi ->

from the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 004 004 For he spake <2046 -ereo -> in a certain <4225 -pou -> place of the seventh <1442 -hebdomos -> [day] on this <3779 -houto -> wise <3779 -houto -> , And God <{2316} -theos -> did rest <2664 -katapauo -> the seventh <1442 -hebdomos -> day <2250 -hemera -> from all <3956 -pas -> his works <2041 -ergon -> .

2316 HEB 004 009 There remaineth <0620 -apoleipo -> therefore <0686 -ara -> a rest <4520 -sabbatismos -> to the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 004 010 For he that is entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> his rest <2663 -katapausis -> , he also <2532 -kai -> hath ceased <2664 -katapauo -> from his own <0848 -hautou -> works <2041 -ergon -> , as God <{2316} -theos -> [did] from his .

2316 HEB 004 012 For the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> [is] quick <2198 -zao -> , and powerful <1756 -energes -> , and sharper <5114 -tomoteros -> than <5228 -huper -> any <3956 -pas -> twoedged <1366 -distomos -> sword <3162 -machaira -> , piercing <1338 -diikneomai -> even to the dividing <3311 -merismos -> asunder of soul <5590 -psuche -> and spirit <4151 -pneuma -> , and of the joints <0719 -harmos -> and marrow <3452 -muelos -> , and [is] a discerner <2924 -kritikos -> of the thoughts <1761 -enthumesis -> and intents <1771 -ennoia -> of the heart <2588 -kardia -> .

2316 HEB 004 014 Seeing then <3767 -oun -> that we have <2192 -echo -> a great <3173 -megas -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> , that is passed <1330 -dierchomai -> into the heavens <3772 -ouranos -> , Jesus <2424 -Iesous -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , let us hold <2902 -krateo -> fast [our] profession <3671 -homologia -> .

2316 HEB 005 001 . For every <3956 -pas -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> taken <2983 -lambano -> from among <3319 -mesos -> men <0444 -anthropos -> is ordained <2525 -kathistemi -> for men <0444 -anthropos -> in things [pertaining] to God <{2316} -theos -> , that he may offer <4374 -prosphero -> both <5037 -te -> gifts <1435 -doron -> and sacrifices <2378 -thusia -> for sins <0266 -hamartia -> :

2316 HEB 005 004 And no <3756 -ou -> man <5100 -tis -> taketh <2983 -lambano -> this <3588 -ho -> honour <5092 -time -> unto himself <1438 -heautou -> , but he that is called <2564 -kaleo -> of God <{2316} -theos -> , as [was] Aaron <0002 -Aaron -> .

2316 HEB 005 010 . Called <4316 -prosagoreuo -> of God <{2316} -theos -> an high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> after <2596 -kata -> the order <5010 -taxis -> of Melchisedec <3198 -Melchisedek -> .

2316 HEB 005 012 For when for the time <5550 -chronos -> ye ought <3784 -opheilo -> to be teachers <1320 -didaskalos -> , ye have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> that one teach <1321 -didasko -> you again <3825 -palin -> which <5101 -tis -> [be] the first <0746 -arche -> principles <4747 -stoicheion -> of the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> ; and are become <1096 -ginomai -> such as have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> of milk <1051 -gala -> , and not of strong <4731 -stereos -> meat <5160 -trophe -> .

2316 HEB 006 001 . Therefore leaving <0863 -aphiemi -> the principles <0746 -arche -> of the doctrine <3056 -logos -> of Christ <5547 -Christos -> , let us go <5342 -phero -> on unto perfection <5051 -teleiotes -> ; not laying <2598 -kataballo -> again <3825 -palin -> the foundation <2310 -themelios -> of repentance <3341 -metanoia -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> , and of faith <4102 -pistis -> toward <1909 -epi -> God <{2316} -theos -> ,

2316 HEB 006 003 And this <5124 -touto -> will we do <4160 -poieo -> , if <1437 -ean -> God <{2316} -theos -> permit <2010 -epitrepo -> .

2316 HEB 006 005 And have tasted <1089 -geuomai -> the good <2570 -kalos -> word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> , and the powers <1411 -dunamis -> of the world <0165 -aion -> to come <3195 -mello -> ,

2316 HEB 006 006 If they shall fall <3895 -parapipto -> away <3895 -parapipto -> , to renew <0340 -anakainizo -> them again <3825 -palin -> unto repentance <3341 -metanoia -> ; seeing they crucify <0388 -anastauroo -> to themselves <1438 -heautou -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> afresh <0388 -anastauroo -> , and put <3856 -paradeigmatizo -> [him] to an open <3856 -paradeigmatizo -> shame <3856 -paradeigmatizo -> .

2316 HEB 006 007 For the earth <1093 -ge -> which <3588 -ho -> drinketh <4095 -pino -> in the rain <5205 -huetos -> that cometh <2064 -erchomai -> oft <4178 -pollakis -> upon it , and bringeth <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> herbs <1008 -botane -> meet <2111 -euthetos -> for them by whom <3739 -hos -> it is dressed <1090 -georgeo -> , receiveth <3335 -metalambano -> blessing <2129 -eulogia -> from God <{2316} -theos -> :

2316 HEB 006 010 For God <{2316} -theos -> [is] not unrighteous <0094 -adikos -> to forget <1950 -epilanthanomai -> your <5216 -humon -> work <2041 -ergon -> and labour <2873 -kopos -> of love <0026 -agape -> , which <3739 -hos -> ye have shewed <1731 -endeiknumi -> toward <1519 -eis -> his name <3686 -onoma -> , in that ye have ministered <1247 -diakoneo -> to the saints <0040 -hagios -> , and do minister <1247 -diakoneo -> .

2316 HEB 006 013 For when God <{2316} -theos -> made <1861 -epaggello -> promise <1861 -epaggello -> to Abraham <11> , because <1893 -epei -> he could <2192 -echo -> swear <3660 -omnuo -> by no <3762 -oudeis -> greater <3187 -meizon -> , he sware <3660 -omnuo -> by himself <1438 -heautou -> ,

2316 HEB 006 017 Wherein <3757 -hou -> God <{2316} -theos -> , willing <1014 -boo -lom -ahee -> more <4054 -perissoteron -> abundantly <4054 -perissoteron -> to shew <1925 -epideiknumi -> unto the heirs <2818 -kleronomos -> of promise <1860 -epaggelia -> the immutability <0276 -ametathetos -> of his counsel <1012 -boule -> , confirmed <3315 -mesiteuo -> [it] by an oath <3727 -horkos -> :

2316 HEB 006 018 That by two <1417 -duo -> immutable <0276 -ametathetos -> things , in which <3739 -hos -> [it was] impossible <0102 -adunatos -> for God <{2316} -theos -> to lie <5574 -pseudomai -> , we might have <2192 -echo -> a strong <2478 -ischuros -> consolation <3874 -paraklesis -> , who <3588 -ho -> have fled <2703 -katapheugo -> for refuge <2703 -katapheugo -> to lay hold <2902 -krateo -> upon the hope <1680 -elpis -> set <4295 -prokeimai -> before <4295 -prokeimai -> us :

2316 HEB 007 001 . For this <3778 -houtos -> Melchisedec <3198

-Melchisedek -> , king <0935 -basileus -> of Salem <4532 -Salem -> , priest <2409 -hiereus -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> met <4876 -sunantao -> Abraham <0011 -Abraam ->returning <5290 -hupostrepho -> from the slaughter <2871 -kope -> of the kings <0935 -basileus -> , and blessed <2127 -eulogeo -> him ;

2316 HEB 007 003 Without <0540 -apator -> father <0540 -apator -> , without <0282 -ametor -> mother <0282 -ametor -> , without <0035 -agenealogetos -> descent <0035 -agenealogetos -> , having <2192 -echo -> neither <3383 -mete -> beginning <0746 -arche -> of days <2250 -hemera -> , nor <3383 -mete -> end <5056 -telos -> of life <2222 -zoe -> ; but made <0871 -aphomoioo -> like <0871 -aphomoioo -> unto the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; abideth <3306 -meno -> a priest <2409 -hiereus -> continually <1336 -dienekes -> .

2316 HEB 007 019 For the law <3551 -nomos -> made <5048 -teleioo -> nothing <3762 -oudeis -> perfect <5048 -teleioo -> , but the bringing <1898 -epeisagoge -> in of a better <2909 -kreitton -> hope <1680 -elpis -> [did] ; by the which <3739 -hos -> we draw nigh <1448 -eggizo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 007 025 Wherefore <3606 -hothen -> he is able <1410 -dunamai -> also <2532 -kai -> to save <4982 -sozo -> them to the uttermost <3838 -panteles -> that come <4334 -proserchomai -> unto God <{2316} -theos -> by him , seeing he ever <3842 -pantote -> liveth <2198 -zao -> to make <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> for them .

2316 HEB 008 010 For this <3778 -houtos -> [is] the covenant <1242 -diatheke -> that I will make <1303 -diatithemai -> with the house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> after <3326 -meta -> those <1565 -ekeinos -> days <2250 -hemera -> , saith <3004 -lego -> the Lord <2962 -kurios -> ; I will put <1325 -didomi -> my laws <3551 -nomos -> into <1519 -eis -> their mind <1271 -dianoia -> , and write <1924 -epigrapho -> them in their hearts <2588 -kardia -> : and I will be to them a God <{2316} -theos -> , and they shall be to me a people <2992 -laos -> :

2316 HEB 009 014 How <4214 -posos -> much <4214 -posos -> more <3123 -mallon -> shall the blood <0129 -haima -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> through <1223 -dia -> the eternal <0166 -aionios -> Spirit <4151 -pneuma -> offered <4374 -prosphero -> himself <1438 -heautou -> without <0299 -amomos -> spot <0299 -amomos -> to God <2316 -theos -> , purge <2511 -katharizo -> your <5216 -humon -> conscience <4893 -suneidesis -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> to serve <3000 -latreuo -> the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ?

2316 HEB 009 014 How <4214 -posos -> much <4214 -posos -> more <3123 -mallon -> shall the blood <0129 -haima -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> through <1223 -dia -> the eternal <0166 -aionios -> Spirit <4151 -pneuma -> offered <4374 -prosphero -> himself <1438 -heautou -> without <0299 -amomos -> spot <0299 -amomos -> to God <{2316} -theos -> , purge <2511 -katharizo -> your <5216 -humon -> conscience <4893 -suneidesis -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> to serve <3000 -latreuo -> the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ?

2316 HEB 009 020 Saying <3004 -lego -> , This <5124 -touto -> [is] the blood <0129 -haima -> of the testament <1242 -diatheke -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath

enjoined <1781 -entellomai -> unto you .

2316 HEB 009 024 For Christ <5547 -Christos -> is not entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the holy <0039 -hagion -> places made <5499 -cheiropoietos -> with hands <5499 -cheiropoietos -> , [which are] the figures <0499 -antitupon -> of the true <0228 -alethinos -> ; but into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> itself <0846 -autos -> , now <3568 -nun -> to appear <1718 -emphanizo -> in the presence <4383 -prosopon -> of God <{2316} -theos -> for us :

2316 HEB 010 007 . Then <5119 -tote -> said <2036 -epo -> I , Lo <2400 -idou -> , I come <2240 -heko -> (in the volume <2777 -kephalis -> of the book <0975 -biblion -> it is written <1125 -grapho -> of me ,) to do <4160 -poieo -> thy will <2307 -thelema -> , O God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 010 009 Then <5119 -tote -> said <2046 -ereo -> he , Lo <2400 -idou -> , I come <2240 -heko -> to do <4160 -poieo -> thy will <2307 -thelema -> , O God <{2316} -theos -> . He taketh <0337 -anaireo -> away <0337 -anaireo -> the first <4413 -protos -> , that he may establish <2476 -histemi -> the second <1208 -deuteros -> .

2316 HEB 010 012 But this <3778 -houtos -> man , after he had offered <4374 -prosphero -> one <3391 -mia -> sacrifice <2378 -thusia -> for sins <0266 -hamartia -> for ever <1336 -dienekes -> , sat <2523 -kathizo -> down <2523 -kathizo -> on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ;

2316 HEB 010 021 And [having] an high <3173 -megas -> priest <2409 -hiereus -> over <1909 -epi -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 HEB 010 029 Of how <4214 -posos -> much <4214 -posos -> sorer <5501 -cheiron -> punishment <5098 -timoria -> , suppose <1380 -dokeo -> ye , shall he be thought worthy <0515 -axioo -> , who <3588 -ho -> hath trodden <2662 -katapateo -> under <2662 -katapateo -> foot <2662 -katapateo -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , and hath counted <2233 -hegeomai -> the blood <0129 -haima -> of the covenant <1242 -diatheke -> , wherewith <3739 -hos -> he was sanctified <0037 -hagiazo -> , an unholy <2839 -koinos -> thing , and hath done <1796 -enubrizo -> despite <1796 -enubrizo -> unto the Spirit <4151 -pneuma -> of grace <5485 -charis -> ?

2316 HEB 010 031 [It is] a fearful <5398 -phoberos -> thing to fall <1706 -empipto -> into <1519 -eis -> the hands <5495 -cheir -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 010 036 For ye have need <5532 -chreia -> of patience <5281 -hupomone -> , that , after ye have done <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , ye might receive <2865 -komizo -> the promise <1860 -epaggelia -> .

2316 HEB 011 003 Through faith <4102 -pistis -> we understand <3539 -noieo -> that the worlds <0165 -aion -> were framed <2675 -katartizo -> by the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> , so <1519 -eis -> that things which <3588 -ho -> are seen <0991 -blepo -> were not made <1096 -ginomai -> of things which do appear <5316 -phaino -> .

2316 HEB 011 004 . By faith <4102 -pistis -> Abel <0006 -Abel -> offered <4374 -prosphero -> unto God <2316 -theos -> a more excellent <4119 -pleion -> sacrifice <2378 -thusia -> than <3844 -para -> Cain <2535 -Kain -> , by which <3739 -hos -> he

obtained <3140 -martureo -> witness <3140 -martureo -> that he
was righteous <1342 -dikaios -> , God <{2316} -theos ->
testifying <3140 -martureo -> of his gifts <1435 -doron -> :
and by it he being dead <0599 -apothnesko -> yet <2089 -eti ->
speaketh <2980 -laleo -> .

2316 HEB 011 004 . By faith <4102 -pistis -> Abel <0006 -Abel -
> offered <4374 -prosphero -> unto God <{2316} -theos -> a more
excellent <4119 -pleion -> sacrifice <2378 -thusia -> than <3844
-para -> Cain <2535 -Kain -> , by which <3739 -hos -> he
obtained <3140 -martureo -> witness <3140 -martureo -> that he
was righteous <1342 -dikaios -> , God <2316 -theos ->
testifying <3140 -martureo -> of his gifts <1435 -doron -> :
and by it he being dead <0599 -apothnesko -> yet <2089 -eti ->
speaketh <2980 -laleo -> .

2316 HEB 011 005 By faith <4102 -pistis -> Enoch <1802 -Enok ->
was translated <3346 -metatithemi -> that he should not see
<1492 -eido -> death <2288 -thanatos -> ; and was not found
<2147 -heurisko -> , because <1360 -dioti -> God <2316 -theos -
> had translated <3346 -metatithemi -> him : for before <4253 -
pro -> his translation <3331 -metathesis -> he had this
testimony <3140 -martureo -> , that he pleased <2100 -euaresteo
-> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 011 005 By faith <4102 -pistis -> Enoch <1802 -Enok ->
was translated <3346 -metatithemi -> that he should not see
<1492 -eido -> death <2288 -thanatos -> ; and was not found
<2147 -heurisko -> , because <1360 -dioti -> God <{2316} -theos
-> had translated <3346 -metatithemi -> him : for before <4253 -
pro -> his translation <3331 -metathesis -> he had this
testimony <3140 -martureo -> , that he pleased <2100 -euaresteo
-> God <2316 -theos -> .

2316 HEB 011 006 But without <5565 -choris -> faith <4102 -
pistis -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> to please
<2100 -euaresteo -> [him] : for he that cometh <4334 -
proserchomai -> to God <{2316} -theos -> must <1163 -dei ->
believe <4100 -pisteuo -> that he is , and [that] he is a
rewarder <3406 -misthapodotes -> of them that diligently <1567 -
ekzeteo -> seek <1567 -ekzeteo -> him .

2316 HEB 011 010 For he looked <1551 -ekdechomai -> for a city
<4172 -polis -> which hath <2192 -echo -> foundations <2310 -
themelios -> , whose <3739 -hos -> builder <5079 -technites ->
and maker <1217 -demiourgos -> [is] God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 011 016 But now <3570 -nuni -> they desire <3713 -
oregomai -> a better <2909 -kreitton -> [country] , that is
, an heavenly <2032 -epouranios -> : wherefore <1352 -dio ->
God <2316 -theos -> is not ashamed <1870 -epaischunomai -> to be
called <1941 -epikaleomai -> their God <{2316} -theos -> : for
he hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them a city <4172 -
polis -> .

2316 HEB 011 016 But now <3570 -nuni -> they desire <3713 -
oregomai -> a better <2909 -kreitton -> [country] , that is
, an heavenly <2032 -epouranios -> : wherefore <1352 -dio ->
God <{2316} -theos -> is not ashamed <1870 -epaischunomai -> to
be called <1941 -epikaleomai -> their God <2316 -theos -> : for
he hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them a city <4172 -
polis -> .

2316 HEB 011 019 Accounting <3049 -logizomai -> that God
<{2316} -theos -> [was] able <1415 -dunatos -> to raise
<1453 -egeiro -> [him] up , even <2532 -kai -> from the

dead <3498 -nekros -> ; from whence <3606 -hothen -> also <2532 -kai -> he received <2865 -komizo -> him in a figure <3850 -parabole -> .

2316 HEB 011 025 Choosing <0138 -haireomai -> rather <3123 -mallon -> to suffer <4778 -sugkakoucheo -> affliction <4797 -sugcheo -> with the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> , than <2228 -e -> to enjoy <0619 -apolausis -> the pleasures of sin <0266 -hamartia -> for a season <2340 -thereuo -> ;

2316 HEB 011 040 God <{2316} -theos -> having provided <4265 -problepo -> some <5100 -tis -> better <2909 -kreitton -> thing for us , that they without <5565 -choris -> us should not be made <5048 -teleioo -> perfect <5048 -teleioo -> .

2316 HEB 012 002 Looking <0872 -aphorao -> unto Jesus <2424 -Iesous -> the author <0747 -archegos -> and finisher <5047 -teleiotes -> of [our] faith <4102 -pistis -> ; who <3739 -hos -> for the joy <5479 -chara -> that was set <4295 -prokeimai -> before <4295 -prokeimai -> him endured <5278 -hupomeno -> the cross <4716 -stauros -> , despising <2706 -kataphroneo -> the shame <0152 -aischune -> , and is set <2523 -kathizo -> down <2523 -kathizo -> at <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 012 007 If <1487 -ei -> ye endure <5278 -hupomeno -> chastening <3809 -paideia -> , God <{2316} -theos -> dealeth <4374 -prosphero -> with you as with sons <5207 -huios -> ; for what <5101 -tis -> son <5207 -huios -> is he whom <3739 -hos -> the father <3962 -pater -> chasteneth <3811 -paideuo -> not ?

2316 HEB 012 015 Looking <1983 -episkopeo -> diligently lest <3361 -me -> any <5100 -tis -> man fail <5302 -hustereo -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> ; lest <3361 -me -> any <5100 -tis -> root <4491 -rhiza -> of bitterness <4088 -pikria -> springing <5453 -phuo -> up trouble <1776 -enochleo -> [you] , and thereby <5026 -taute -> many <4183 -polus -> be defiled <3392 -miaino -> ;

2316 HEB 012 022 But ye are come <4334 -proserchomai -> unto mount <3735 -oros -> Sion <4622 -Sion -> , and unto the city <4172 -polis -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , the heavenly <2032 -epouranios -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , and to an innumerable <3461 -murias -> company <3461 -murias -> of angels <0032 -aggelos -> ,

2316 HEB 012 023 To the general assembly <3831 -paneguris -> and church <1577 -ekklesia -> of the firstborn <4416 -prototokos -> , which are written <0583 -apographo -> in heaven <3772 -ouranos -> , and to God <{2316} -theos -> the Judge <2923 -krites -> of all <3956 -pas -> , and to the spirits <4151 -pneuma -> of just <1342 -dikaios -> men made <5048 -teleioo -> perfect <5048 -teleioo -> ,

2316 HEB 012 028 Wherefore <1352 -dio -> we receiving <3880 -paralambano -> a kingdom <0932 -basileia -> which cannot <0761 -asaleutos -> be moved <0761 -asaleutos -> , let us have <2192 -echo -> grace <5485 -charis -> , whereby <3739 -hos -> we may serve <3000 -latreuo -> God <{2316} -theos -> acceptably <2102 -euarestos -> with reverence <0127 -aidos -> and godly fear <2124 -eulabeia -> :

2316 HEB 012 029 For our God <{2316} -theos -> [is] a consuming <2654 -katanalisko -> fire <4442 -pur -> .

2316 HEB 013 004 Marriage <1062 -gamos -> [is] honourable

<5093 -timios -> in all <3956 -pas -> , and the bed <2845 -koite -> undefiled <0283 -amiantos -> : but whoremongers <4205 -pornos -> and adulterers <3432 -moichos -> God <{2316} -theos -> will judge <2919 -krino -> .

2316 HEB 013 007 Remember <3421 -mnemoneuo -> them which have the rule <2233 -hegeomai -> over you , who <3748 -hostis -> have spoken <2980 -laleo -> unto you the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> : whose <3739 -hos -> faith <4102 -pistis -> follow <3401 -mimeomai -> , considering <0333 -antheoreo -> the end <1545 -ekbasis -> of [their] conversation <0391 -anastrophe -> .

2316 HEB 013 015 By him therefore <3767 -oun -> let us offer <0399 -anaphero -> the sacrifice <2378 -thusia -> of praise <0133 -ainesis -> to God <{2316} -theos -> continually <1275 -diapantos -> , that is , the fruit <2590 -karpos -> of [our] lips <5491 -cheilos -> giving thanks <3670 -homologeo -> to his name <3686 -onoma -> .

2316 HEB 013 016 But to do <2140 -eupoiia -> good <2140 -eupoiia -> and to communicate <2842 -koinonia -> forget <1950 -epilanthanomai -> not : for with such <5108 -toioutos -> sacrifices <2378 -thusia -> God <{2316} -theos -> is well <2100 -euaresteo -> pleased <2100 -euaresteo -> .

2316 HEB 013 020 Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> , that brought <0321 -anago -> again <0321 -anago -> from the dead <3498 -nekros -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , that great <3173 -megas -> shepherd <4166 -poimen -> of the sheep <4263 -probaton -> , through <1722 -en -> the blood <0129 -haima -> of the everlasting <0166 -aionios -> covenant <1242 -diatheke -> ,

2316 JAS 001 001 James <2385 -Iakobos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to the twelve <1427 -dodeka -> tribes <5443 -phule -> which <3739 -hos -> are scattered <1290 -diaspora -> abroad <1290 -diaspora -> , greeting <5463 -chairo -> .

2316 JAS 001 005 If <1487 -ei -> any <5100 -tis -> of you lack <3007 -leipo -> wisdom <4678 -sophia -> , let him ask <0154 -aiteo -> of God <{2316} -theos -> , that giveth <1325 -didomi -> to all <3956 -pas -> [men] liberally <0574 -haplos -> , and upbraideth <3679 -oneidizo -> not ; and it shall be given <1325 -didomi -> him .

2316 JAS 001 013 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> say <3004 -lego -> when he is tempted <3985 -peirazo -> , I am tempted <3985 -peirazo -> of God <2316 -theos -> : for God <{2316} -theos -> cannot <0551 -apeirastos -> be tempted <0551 -apeirastos -> with evil <2556 -kakos -> , neither <3762 -oudeis -> tempteth <3985 -peirazo -> he any <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> :

2316 JAS 001 013 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> say <3004 -lego -> when he is tempted <3985 -peirazo -> , I am tempted <3985 -peirazo -> of God <{2316} -theos -> : for God <2316 -theos -> cannot <0551 -apeirastos -> be tempted <0551 -apeirastos -> with evil <2556 -kakos -> , neither <3762 -oudeis -> tempteth <3985 -peirazo -> he any <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> :

2316 JAS 001 020 For the wrath <3709 -orge -> of man <0435 -aner -> worketh <2716 -katergazomai -> not the righteousness

<1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 001 027 Pure <2513 -katharos -> religion <2356 -threskeia -> and undefiled <0283 -amiantos -> before <3844 -para -> God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> is this <3778 -houtos -> , To visit <1980 -episkeptomai -> the fatherless <3737 -orphanos -> and widows <5503 -chera -> in their affliction <2347 -thlipsis -> , [and] to keep <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> unspotted <0784 -aspilos -> from the world <2889 -kosmos -> .

2316 JAS 002 005 Hearken <0191 -akouo -> , my beloved <0027 -agapetos -> brethren <0080 -adephos -> , Hath not God <{2316} -theos -> chosen <1586 -eklegomai -> the poor <4434 -ptochos -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> rich <4145 -plousios -> in faith <4102 -pistis -> , and heirs <2818 -kleronomos -> of the kingdom <0932 -basileia -> which <3735 -oros -> he hath promised <1861 -epaggello -> to them that love <0025 -agapao -> him ?

2316 JAS 002 019 Thou believest <4100 -pisteuo -> that there is one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> ; thou doest <4160 -poieo -> well <2573 -kalos -> : the devils <1140 -daimonion -> also <2532 -kai -> believe <4100 -pisteuo -> , and tremble <5425 -phrisso -> .

2316 JAS 002 023 And the scripture <1124 -graphe -> was fulfilled <4137 -pleroo -> which <3588 -ho -> saith <3004 -lego -> , Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <2316 -theos -> , and it was imputed <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> : and he was called <2564 -kaleo -> the Friend <5384 -philos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 002 023 And the scripture <1124 -graphe -> was fulfilled <4137 -pleroo -> which <3588 -ho -> saith <3004 -lego -> , Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was imputed <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> : and he was called <2564 -kaleo -> the Friend <5384 -philos -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 003 009 Therewith <0846 -autos -> bless <2127 -eulogeo -> we God <2316 -theos -> , even the Father <3962 -pater -> ; and therewith <0846 -autos -> curse <2672 -kataraomai -> we men <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> after <2596 -kata -> the similitude <3669 -homoiosis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 003 009 Therewith <0846 -autos -> bless <2127 -eulogeo -> we God <{2316} -theos -> , even the Father <3962 -pater -> ; and therewith <0846 -autos -> curse <2672 -kataraomai -> we men <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> after <2596 -kata -> the similitude <3669 -homoiosis -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 004 004 Ye adulterers <3432 -moichos -> and adulteresses <3428 -moichalis -> , know <1492 -eido -> ye not that the friendship <5373 -philia -> of the world <2889 -kosmos -> is enmity <2189 -echthra -> with God <2316 -theos -> ? whosoever <0302 -an -> therefore <3767 -oun -> will <1014 -boo -lom -ahee -> be a friend <5384 -philos -> of the world <2889 -kosmos -> is the enemy <2190 -echthros -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 004 004 Ye adulterers <3432 -moichos -> and

adulteresses <3428 -moichalis -> , know <1492 -eido -> ye not that the friendship <5373 -philia -> of the world <2889 -kosmos -> is enmity <2189 -echthra -> with God <{2316} -theos -> ? whosoever <0302 -an -> therefore <3767 -oun -> will <1014 -boo -lom -ahee -> be a friend <5384 -philos -> of the world <2889 -kosmos -> is the enemy <2190 -echthros -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 004 006 But he giveth <1325 -didomi -> more <3187 -meizon -> grace <5485 -charis -> . Wherefore <1352 -dio -> he saith <3004 -lego -> , God <{2316} -theos -> resisteth <0498 -antitassomai -> the proud <5244 -huperephanos -> , but giveth <1325 -didomi -> grace <5485 -charis -> unto the humble <5011 -tapeinos -> .

2316 JAS 004 007 Submit <5293 -hupotasso -> yourselves therefore <3767 -oun -> to God <{2316} -theos -> . Resist <0436 -anthistemi -> the devil <1228 -diabolos -> , and he will flee <5343 -pheugo -> from you .

2316 JAS 004 008 Draw nigh <1448 -eggizo -> to God <{2316} -theos -> , and he will draw nigh <1448 -eggizo -> to you . Cleanse <2511 -katharizo -> [your] hands <5495 -cheir -> , [ye] sinners <0268 -hamartolos -> ; and purify <0048 -hagnizo -> [your] hearts <2588 -kardia -> ,   [ye] double <1374 -dipsuchos -> minded <1374 -dipsuchos -> .

2316   1PE 001 002 Elect <1588 -eklektos -> according <2596 -kata -> to the foreknowledge <4268 -prognosis -> of God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , unto obedience <5218 -hupakoe -> and sprinkling <4473 -rhantismos -> of the blood <0129 -haima -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , be multiplied <4129 -plethuno -> .

2316   1PE 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] the God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3588 -ho -> according <2596 -kata -> to his abundant <4183 -polus -> mercy <1656 -eleos -> hath begotten <0313 -anagennao -> us again <0313 -anagennao -> unto a lively <2198 -zao -> hope <1680 -elpis -> by the resurrection <0386 -anastasis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> from the dead <3498 -nekros -> ,

2316   1PE 001 005 Who <3588 -ho -> are kept <5432 -phroureo -> by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> unto salvation <4991 -soteria -> ready <2092 -hetoimos -> to be revealed <0601 -apokalupto -> in the last <2078 -eschatos -> time <2540 -kairos -> .

2316   1PE 001 021 Who <3588 -ho -> by him do believe <4100 -pisteuo -> in God <2316 -theos -> , that raised <1453 -egeiro -> him up from the dead <3498 -nekros -> , and gave <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> ; that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> and hope <1680 -elpis -> might be in God <{2316} -theos -> .

2316   1PE 001 021 Who <3588 -ho -> by him do believe <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> , that raised <1453 -egeiro -> him up from the dead <3498 -nekros -> , and gave <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> ; that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> and hope <1680 -elpis -> might be in God

<2316 -theos -> .

2316 1PE 001 023 Being born <0313 -anagennao -> again <0313 -anagennao -> , not of corruptible <5349 -phthartos -> seed <4701 -spora -> , but of incorruptible <0862 -aphthartos -> , by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , which liveth <2198 -zao -> and abideth <3306 -meno -> for ever <0165 -aion -> .

2316 1PE 002 004 . To whom <3739 -hos -> coming <4334 -proserchomai -> , [as unto] a living <2198 -zao -> stone <3037 -lithos -> , disallowed <0593 -apodokimazo -> indeed <3303 -men -> of men <0444 -anthropos -> , but chosen <1588 -eklektos -> of God <{2316} -theos -> , [and] precious <1784 -entimos -> ,

2316 1PE 002 005 Ye also <2532 -kai -> , as lively <2198 -zao -> stones <3037 -lithos -> , are built <3618 -oikodomeo -> up a spiritual <4152 -pneumatikos -> house <3624 -oikos -> , an holy <0040 -hagios -> priesthood <2406 -hierateuma -> , to offer <0399 -anaphero -> up spiritual <4152 -pneumatikos -> sacrifices <2378 -thusia -> , acceptable <2144 -euprosdektos -> to God <{2316} -theos -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1PE 002 010 Which <3588 -ho -> in time <4218 -pote -> past [were] not a people <2992 -laos -> , but [are] now <3568 -nun -> the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> : which <3588 -ho -> had not obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> , but now <3568 -nun -> have obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> .

2316 1PE 002 012 Having <2192 -echo -> your <5216 -humon -> conversation <0391 -anastrophe -> honest <2570 -kalos -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> : that , whereas <3759 -ouai -> they speak <2635 -katalaleo -> against <1909 -epi -> you as evildoers <2555 -kakopoios -> , they may by [your <3588 -ho ->] good <2570 -kalos -> works <2041 -ergon -> , which they shall behold <2029 -epopteuo -> , glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in the day <2250 -hemera -> of visitation <1984 -episkope -> .

2316 1PE 002 015 For so <3779 -houto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , that with well <0015 -agathopoieo -> doing <0015 -agathopoieo -> ye may put <5392 -phimoo -> to silence <5392 -phimoo -> the ignorance <0056 -agnosia -> of foolish <0878 -aphron -> men <0444 -anthropos -> :

2316 1PE 002 016 As free <1658 -eleutheros -> , and not using <2192 -echo -> [your <3588 -ho ->] liberty <1657 -eleutheria -> for a cloke <1942 -epikaluma -> of maliciousness <2549 -kakia -> , but as the servants <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 002 017 Honour <5091 -timao -> all <3956 -pas -> [men] . Love <0025 -agapao -> the brotherhood <0081 -adelphotes -> . Fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> . Honour <5091 -timao -> the king <0935 -basileus -> .

2316 1PE 002 019 For this <5124 -touto -> [is] thankworthy <5485 -charis -> , if <1487 -ei -> a man <5100 -tis -> for conscience <4893 -suneidesis -> toward God <{2316} -theos -> endure <5297 -hupophero -> grief <3077 -lupe -> , suffering <3958 -pascho -> wrongfully <0095 -adikos -> .

2316 1PE 002 020 For what <4169 -poios -> glory <2811 -kleos -

> [is it] , if <1487 -ei -> , when ye be buffeted <2852 -kolaphizo -> for your faults <0264 -hamartano -> , ye shall take it patiently <5278 -hupomeno -> ? but if <1487 -ei -> , when ye do <0015 -agathopoieo -> well <0015 -agathopoieo -> , and suffer <3958 -pascho -> [for it] , ye take it patiently <5278 -hupomeno -> , this <5124 -touto -> [is] acceptable <5285 -hupopneo -> with God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 003 004 But [let it be] the hidden <2927 -kruptos -> man <0444 -anthropos -> of the heart <2588 -kardia -> , in that which is not corruptible <0862 -aphthartos -> , [even the ornament] of a meek <4239 -praus -> and quiet <2272 -hesuchios -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3739 -hos -> is in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> of great <4185 -poluteles -> price <4185 -poluteles -> .

2316 1PE 003 005 For after <3779 -houto -> this <3779 -houto -> manner <3779 -houto -> in the old <4218 -pote -> time <4218 -pote -> the holy <0040 -hagios -> women <1135 -gune -> also <2532 -kai -> , who <3588 -ho -> trusted <1679 -elpizo -> in God <{2316} -theos -> , adorned <2885 -kosmeo -> themselves <1438 -heautou -> , being in subjection <5293 -hupotasso -> unto their own <2398 -idios -> husbands <0435 -aner -> :

2316 1PE 003 015 But sanctify <0037 -hagiazo -> the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> in your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> : and [be] ready <2092 -hetoimos -> always <0104 -aei -> to [give] an answer <0627 -apologia -> to every <3956 -pas -> man that asketh <0154 -aiteo -> you a reason <3056 -logos -> of the hope <1680 -elpis -> that is in you with meekness <4240 -prautes -> and fear <5401 -phobos -> :

2316 1PE 003 017 For [it is] better <2909 -kreitton -> , if <1487 -ei -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> be so , that ye suffer <3958 -pascho -> for well <0015 -agathopoieo -> doing <0015 -agathopoieo -> , than <2228 -e -> for evil <2554 -kakopoieo -> doing <2554 -kakopoieo -> .

2316 1PE 003 018 . For Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> hath once <0530 -hapax -> suffered <3958 -pascho -> for sins <0266 -hamartia -> , the just <1342 -dikaios -> for the unjust <0094 -adikos -> , that he might bring <4317 -prosago -> us to God <{2316} -theos -> , being put <2289 -thanatoo -> to death <2289 -thanatoo -> in the flesh <4561 -sarx -> , but quickened <2227 -zoopoieo -> by the Spirit <4151 -pneuma -> :

2316 1PE 003 020 Which sometime <4218 -pote -> were disobedient <0544 -apeitheo -> , when <3753 -hote -> once <0530 -hapax -> the longsuffering <3115 -makrothumia -> of God <{2316} -theos -> waited <1551 -ekdechomai -> in the days <2250 -hemera -> of Noah <3575 -Noe -> , while the ark <2787 -kibotos -> was a preparing <2680 -kataskeuazo -> , wherein <3757 -hou -> few <3641 -oligos -> , that is , eight <3638 -oktos -> souls <5590 -psuche -> were saved <1295 -diasozo -> by water <5204 -hudor -> .

2316 1PE 003 021 . The like <0499 -antitupon -> figure <0499 -antitupon -> whereunto <3739 -hos -> [even] baptism <0908 -baptisma -> doth also <2532 -kai -> now <3568 -nun -> save <4982 -sozo -> us (not the putting <0595 -apothesis -> away <0595 -apothesis -> of the filth <4509 -rhupos -> of the flesh <4561 -sarx -> , but the answer <1906 -eperotema -> of a good <0018 -agathos -> conscience <4893 -suneidesis -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> ,) by the resurrection <0386 -anastasis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 1PE 003 022 Who <3739 -hos -> is gone <4198 -poreuomai -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and is on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ; angels <0032 -aggelos -> and authorities <1849 -exousia -> and powers <1411 -dunamis -> being made <5293 -hupotasso -> subject <5293 -hupotasso -> unto him .

2316 1PE 004 002 That he no <3371 -meketi -> longer <3371 -meketi -> should live <0980 -bioo -> the rest <1954 -epiloipos -> of [his] time <5550 -chronos -> in the flesh <4561 -sarx -> to the lusts <1939 -epithumia -> of men <0444 -anthropos -> , but to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 004 006 For for this <5124 -touto -> cause was the gospel <2097 -euaggelizo -> preached <2097 -euaggelizo -> also <2532 -kai -> to them that are dead <3498 -nekros -> , that they might be judged <2919 -krino -> according <2596 -kata -> to men <0444 -anthropos -> in the flesh <4561 -sarx -> , but live <2198 -zao -> according <2596 -kata -> to God <{2316} -theos -> in the spirit <4151 -pneuma -> .

2316 1PE 004 010 As every <1538 -hekastos -> man hath received <2983 -lambano -> the gift <5486 -charisma -> , [even so] minister <1247 -diakoneo -> the same <0846 -autos -> one <1438 -heautou -> to another <1438 -heautou -> , as good <2570 -kalos -> stewards <3623 -oikonomos -> of the manifold <4164 -poikilos -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <2316 -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <{2316} -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <2316 -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <2316 -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <2316 -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 014 If <1487 -ei -> ye be reproached <3679 -oneidizo -> for the name <3686 -onoma -> of Christ <5547 -

Christos -> , happy <3107 -makarios -> [are ye] ; for the spirit <4151 -pneuma -> of glory <1391 -doxa -> and of God <{2316} -theos -> resteth <0373 -anapano -> upon you : on <2596 -kata -> their part he is evil <0987 -blasphemeo -> spoken <0987 -blasphemeo -> of , but on <2596 -kata -> your <5209 -humas -> part he is glorified <1392 -doxazo -> .

2316 1PE 004 016 Yet <1161 -de -> if <1487 -ei -> [any man suffer] as a Christian <5546 -Christianos -> , let him not be ashamed <0153 -aischunomai -> ; but let him glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> on <1722 -en -> this <5129 -toutoi -> behalf <3313 -meros -> .

2316 1PE 004 017 For the time <2540 -kairos -> [is come] that judgment <2917 -krima -> must begin <0756 -archomai -> at <0575 -apo -> the house <3624 -oikos -> of God <2316 -theos -> : and if <1487 -ei -> [it] first <4412 -proton -> [begin] at <0575 -apo -> us , what <5101 -tis -> shall the end <5056 -telos -> [be] of them that obey <0544 -apeitheo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 1PE 004 017 For the time <2540 -kairos -> [is come] that judgment <2917 -krima -> must begin <0756 -archomai -> at <0575 -apo -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> : and if <1487 -ei -> [it] first <4412 -proton -> [begin] at <0575 -apo -> us , what <5101 -tis -> shall the end <5056 -telos -> [be] of them that obey <0544 -apeitheo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <2316 -theos -> ?

2316 1PE 004 019 Wherefore <5620 -hoste -> let them that suffer <3958 -pascho -> according <2596 -kata -> to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> commit <3908 -paratithemi -> the keeping of their souls <5590 -psuche -> [to him] in well <0016 -agathopolia -> doing <0016 -agathopolia -> , as unto a faithful <4103 -pistos -> Creator <2939 -ktistes -> .

2316 1PE 005 002 Feed <4165 -poimaino -> the flock <4168 -poimnion -> of God <{2316} -theos -> which is among <1722 -en -> you , taking the oversight <1983 -episkopeo -> [thereof] , not by constraint <0317 -anagkastos -> , but willingly <1596 -hekousios -> ; not for filthy <0147 -aischrokerdos -> lucre <0147 -aischrokerdos -> , but of a ready <4289 -prothumos -> mind <4290 -prothumos -> ;

2316 1PE 005 003 Neither <3366 -mede -> as being lords <2634 -katakurieuo -> over <2634 -katakurieuo -> [God s <{2316} -theos ->] heritage <2819 -kleros -> , but being <1096 -ginomai -> ensamples <5179 -tupos -> to the flock <4168 -poimnion -> .

2316 1PE 005 005 . Likewise <3668 -homoios -> , ye younger <3501 -neos -> , submit <5293 -hupotasso -> yourselves unto the elder <4245 -presbuteros -> . Yea <1161 -de -> , all <3956 -pas -> [of you] be subject <5293 -hupotasso -> one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> , and be clothed <1463 -egkomboomai -> with humility <5012 -tapeinophrosune -> : for God <{2316} -theos -> resisteth <0498 -antitassomai -> the proud <5244 -huperephanos -> , and giveth <1325 -didomi -> grace <5485 -charis -> to the humble <5011 -tapeinos -> .

2316 1PE 005 006 Humble <5013 -tapeinoo -> yourselves therefore <3767 -oun -> under <5259 -hupo -> the mighty <2900 -krataios -> hand <5495 -cheir -> of God <{2316} -theos -> , that he may exalt <5312 -hupsoo -> you in due time <2540 -kairos -> :

2316 1PE 005 010 . But the God <{2316} -theos -> of all <3956 -pas -> grace <5485 -charis -> , who <3588 -ho -> hath called <2564 -kaleo -> us unto his eternal <0166 -aionios -> glory <1391 -doxa -> by Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , after that ye have suffered <3958 -pascho -> a while <3641 -oligos -> , make <2675 -katartizo -> you perfect <2675 -katartizo -> , stablish <4741 -sterizo -> , strengthen <4599 -sthenoo -> , settle <2311 -themelioo -> [you] .

2316 1PE 005 012 By Silvanus <4610 -Silouanos -> , a faithful <4103 -pistos -> brother <0080 -adephos -> unto you , as I suppose <3049 -logizomai -> , I have written <1125 -grapho -> briefly <3641 -oligos -> , exhorting <3870 -parakaleo -> , and testifying <1957 -epimartureo -> that this <5026 -taute -> is the true <0227 -alethes -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> wherein <3757 -hou -> ye stand <2476 -histemi -> .

2316 2PE 001 001 . Simon <4613 -Simon -> Peter <4074 -Petros -> , a servant <1401 -doulos -> and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to them that have obtained <2975 -lagchano -> like <2472 -isotimos -> precious <2472 -isotimos -> faith <4102 -pistis -> with us through <1722 -en -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> and our Saviour <4990 -soter -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2PE 001 002 Grace <5485 -charis -> and peace <1515 -eirene -> be multiplied <4129 -plethuno -> unto you through <1722 -en -> the knowledge <1922 -epignosis -> of God <{2316} -theos -> , and of Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> ,

2316 2PE 001 017 For he received <2983 -lambano -> from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> honour <5092 -time -> and glory <1391 -doxa -> , when there came <5342 -phero -> such <5107 -toiosde -> a voice <5456 -phone -> to him from the excellent <3169 -megaloprepes -> glory <1391 -doxa -> , This <3778 -houtos -> is my beloved <0027 -agapetos -> Son <5207 -huios -> , in whom <3739 -hos -> I am well <2106 -eudokeo -> pleased <2106 -eudokeo -> .

2316 2PE 001 021 For the prophecy <4394 -propheteia -> came <5342 -phero -> not in old <4218 -pote -> time <4218 -pote -> by the will <2307 -thelema -> of man <0444 -anthropos -> : but holy <0040 -hagios -> men <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> [as they were] moved <5342 -phero -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 2PE 002 004 For if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> spared <5339 -pheidomai -> not the angels <0032 -aggelos -> that sinned <0264 -hamartano -> , but cast <5020 -tartaroo -> [them] down to hell <5020 -tartaroo -> , and delivered <3860 -paradidomi -> [them] into chains <4577 -seira -> of darkness <2217 -zophos -> , to be reserved <5083 -tereo -> unto judgment <2920 -krisis -> ;

2316 2PE 003 005 For this <5124 -touto -> they willingly <2309 -thelo -> are ignorant <2990 -lanthano -> of , that by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> the heavens <3772 -ouranos -> were of old <1597 -ekpalai -> , and the earth <1093 -ge -> standing <4921 -sunistao -> out of the water <5204 -hudor -> and in the water <5204 -hudor -> :

2316 2PE 003 012 Looking <4328 -prosdokao -> for and hasting <4692 -speudo -> unto the coming <3952 -parousia -> of the day <2250 -hemera -> of God <{2316} -theos -> , wherein <3757 -hou -

> the heavens <3772 -ouranos -> being on fire <4448 -puroo -> shall be dissolved <3089 -luo -> , and the elements <4747 -stoicheion -> shall melt <5080 -teko -> with fervent heat <2741 -kausoo -> ?

2316 1JO 001 005 . This <3778 -houtos -> then <2532 -kai -> is the message <1860 -epaggelia -> which <3739 -hos -> we have heard <0191 -akouo -> of him , and declare <0312 -anaggello -> unto you , that God <{2316} -theos -> is light <5457 -phos -> , and in him is no <3756 -ou -> darkness <4653 -skotia -> at <3762 -oudeis -> all <3762 -oudeis -> .

2316 1JO 002 005 But whoso <0302 -an -> keepeth <5083 -tereo -> his word <3056 -logos -> , in him verily <0230 -alethos -> is the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> perfected <5048 -teleioo -> : hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> we that we are in him .

2316 1JO 002 014 I have written <1125 -grapho -> unto you , fathers <3962 -pater -> , because <3754 -hoti -> ye have known <1097 -ginosko -> him [that is] from the beginning <0746 -arche -> . I have written <1125 -grapho -> unto you , young <3495 -neaniskos -> men <3495 -neaniskos -> , because <3754 -hoti -> ye are strong <2478 -ischuros -> , and the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> in you , and ye have overcome <3528 -nikao -> the wicked <4190 -poneros -> one .

2316 1JO 002 017 And the world <2889 -kosmos -> passeth <3855 -parago -> away , and the lust <1939 -epithumia -> thereof <0846 -autos -> : but he that doeth <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> for ever <0165 -aion -> .

2316 1JO 003 001 . Behold <1492 -eido -> , what <4217 -potapos -> manner <4217 -potapos -> of love <0026 -agape -> the Father <3962 -pater -> hath bestowed <1325 -didomi -> upon us , that we should be called <2564 -kaleo -> the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> : therefore <5124 -touto -> the world <2889 -kosmos -> knoweth <1097 -ginosko -> us not , because <3754 -hoti -> it knew <1097 -ginosko -> him not .

2316 1JO 003 002 Beloved <0027 -agapetos -> , now <3568 -nun -> are we the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> , and it doth not yet <3768 -oupo -> appear <5319 -phaneroo -> what <5101 -tis -> we shall be : but we know <1492 -eido -> that , when <1437 -ean -> he shall appear <5319 -phaneroo -> , we shall be like <3664 -homoios -> him ; for we shall see <3700 -optanomai -> him as he is .

2316 1JO 003 008 He that committeth <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> is of the devil <1228 -diabolos -> ; for the devil <1228 -diabolos -> sinneth <0264 -hamartano -> from the beginning <0746 -arche -> . For this <5124 -touto -> purpose the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> was manifested <5319 -phaneroo -> , that he might destroy <3089 -luo -> the works <2041 -ergon -> of the devil <1228 -diabolos -> .

2316 1JO 003 009 Whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> doth not commit <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> ; for his seed <4690 -sperma -> remaineth <3306 -meno -> in him : and he cannot <1410 -dunamai -> sin <0264 -hamartano -> , because <3754 -hoti -> he is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 003 009 Whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -

> of God <{2316} -theos -> doth not commit <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> ; for his seed <4690 -sperma -> remaineth <3306 -meno -> in him : and he cannot <1410 -dunamai -> sin <0264 -hamartano -> , because <3754 -hoti -> he is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> .

2316 1JO 003 010 In this <5129 -toutoi -> the children <5043 -teknon -> of God <2316 -theos -> are manifest <5318 -phaneros -> , and the children <5043 -teknon -> of the devil <1228 -diabolos -> : whosoever <3588 -ho -> doeth <4160 -poieo -> not righteousness <1343 -dikaiosune -> is not of God <{2316} -theos -> , neither he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> .

2316 1JO 003 010 In this <5129 -toutoi -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> are manifest <5318 -phaneros -> , and the children <5043 -teknon -> of the devil <1228 -diabolos -> : whosoever <3588 -ho -> doeth <4160 -poieo -> not righteousness <1343 -dikaiosune -> is not of God <2316 -theos -> , neither he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> .

2316 1JO 003 017 But whoso <0302 -an -> hath <2192 -echo -> this <3588 -ho -> world s <2889 -kosmos -> good <0979 -bios -> , and seeth <2334 -theoreo -> his brother <0080 -adephos -> have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> , and shutteth <2808 -kleio -> up his bowels <4698 -splagchnon -> [of compassion] from him , how <4459 -pos -> dwelleth <3306 -meno -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> in him ?

2316 1JO 003 020 . For if <1437 -ean -> our heart <2588 -kardia -> condemn <2607 -kataginosko -> us , God <{2316} -theos -> is greater <3187 -meizon -> than our heart <2588 -kardia -> , and knoweth <1097 -ginosko -> all <3956 -pas -> things .

2316 1JO 003 021 Beloved <0027 -agapetos -> , if <1437 -ean -> our heart <2588 -kardia -> condemn <2607 -kataginosko -> us not , [then] have <2192 -echo -> we confidence <3954 -parrhesia -> toward <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 001 . Beloved <0027 -agapetos -> , believe <4100 -pisteuo -> not every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> , but try <1381 -dokimazo -> the spirits <4151 -pneuma -> whether <1487 -ei -> they are of God <{2316} -theos -> : because <3754 -hoti -> many <4183 -polus -> false <5578 -pseudoprophetes -> prophets <5578 -pseudoprophetes -> are gone <1831 -exerchomai -> out into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 002 Hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> ye the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> : Every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is of God <{2316} -theos -> :

2316 1JO 004 002 Hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> ye the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> : Every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is of God <2316 -theos -> :

2316 1JO 004 003 And every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -homologeo -> not that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is not of God <{2316} -theos -> :

and this <5124 -touto -> is that [spirit] of antichrist <0500 -antichristos -> , whereof <3739 -hos -> ye have heard <0191 -akouo -> that it should come <2064 -erchomai -> ; and even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> already <2235 -ede -> is it in the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 004 . Ye are of God <{2316} -theos -> , little <5040 -teknion -> children <5040 -teknion -> , and have overcome <3528 -nikao -> them : because <3754 -hoti -> greater <3187 -meizon -> is he that is in you , than <2228 -e -> he that is in the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <2316 -theos -> : he that knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> us ; he that is not of God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -plane -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <2316 -theos -> : he that knoweth <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> us ; he that is not of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -plane -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <{2316} -theos -> : he that knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> us ; he that is not of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -plane -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> : for love <0026 -agape -> is of God <2316 -theos -> ; and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> , and knoweth <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> : for love <0026 -agape -> is of God <2316 -theos -> ; and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> , and knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> : for love <0026 -agape -> is of God <{2316} -theos -> ; and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> , and knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 008 He that loveth <0025 -agapao -> not knoweth <1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> ; for God <{2316} -theos -> is love <0026 -agape -> .

2316 1JO 004 008 He that loveth <0025 -agapao -> not knoweth <1097 -ginosko -> not God <{2316} -theos -> ; for God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> .

2316 1JO 004 009 In this <5129 -toutoi -> was manifested <5319 -

phaneroo -> the love <0026 -agape -> of God <2316 -theos -> toward <1722 -en -> us , because <3754 -hoti -> that God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , that we might live <2198 -zao -> through <1223 -dia -> him .

2316 1JO 004 009 In this <5129 -toutoi -> was manifested <5319 -phaneroo -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> toward <1722 -en -> us , because <3754 -hoti -> that God <2316 -theos -> sent <0649 -apostello -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , that we might live <2198 -zao -> through <1223 -dia -> him .

2316 1JO 004 010 Herein <5129 -toutoi -> is love <0026 -agape -> , not that we loved <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , but that he loved <0025 -agapao -> us , and sent <0649 -apostello -> his Son <5207 -huios -> [to be] the propitiation <2434 -hilasmos -> for our sins <0266 -hamartia -> .

2316 1JO 004 011 Beloved <0027 -agapetos -> , if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> loved <0025 -agapao -> us , we ought <3784 -opheilo -> also <2532 -kai -> to love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> .

2316 1JO 004 012 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <2300 -theaomai -> God <2316 -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> . If <1437 -ean -> we love <0026 -agape -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , God <{2316} -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in us , and his love <0025 -agapao -> is perfected <5048 -teleioo -> in us .

2316 1JO 004 012 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <2300 -theaomai -> God <{2316} -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> . If <1437 -ean -> we love <0026 -agape -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in us , and his love <0025 -agapao -> is perfected <5048 -teleioo -> in us .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in him , and he in God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> , God <{2316} -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in him , and he in God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in him , and he in God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -theos -> , and God <{2316} -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and

believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <{2316} -theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <{2316} -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <{2316} -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 020 If <1437 -ean -> a man say <2036 -epo -> , I love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> , and hateth <3404 -miseo -> his brother <0080 -adephos -> , he is a liar <5583 -pseustes -> : for he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> whom <3739 -hos -> he hath seen <3708 -horao -> , how <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> he love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> whom <3739 -hos -> he hath not seen <3708 -horao -> ?

2316 1JO 004 020 If <1437 -ean -> a man say <2036 -epo -> , I love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , and hateth <3404 -miseo -> his brother <0080 -adephos -> , he is a liar <5583 -pseustes -> : for he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> whom <3739 -hos -> he hath seen <3708 -horao -> , how <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> he love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> whom <3739 -hos -> he hath not seen <3708 -horao -> ?

2316 1JO 004 021 And this <5026 -taute -> commandment <1785 -entole -> have <2192 -echo -> we from him , That he who loveth <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> love <0025 -agapao -> his brother <0080 -adephos -> also <2532 -kai -> .

2316 1JO 005 001 . Whosoever <3588 -ho -> believeth <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Christ <5547 -Christos -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> : and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> him that begat <1080 -gennao -> loveth <0025 -agapao -> him also <2532 -kai -> that is begotten <1080 -gennao -> of him .

2316 1JO 005 002 By this <5129 -toutoi -> we know <1097 -ginosko -> that we love <0025 -agapao -> the children <5043 -teknon -> of God <2316 -theos -> , when <3752 -hotan -> we love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , and keep <5083 -tereo -> his commandments <1785 -entole -> .

2316 1JO 005 002 By this <5129 -toutoi -> we know <1097 -ginosko -> that we love <0025 -agapao -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> , when <3752 -hotan -> we love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> , and keep <5083 -tereo -> his commandments <1785 -entole -> .

2316 1JO 005 003 For this <3778 -houtos -> is the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , that we keep <5083 -tereo -> his commandments <1785 -entole -> : and his commandments <1785 -entole -> are not grievous <0926 -barus -> .

2316 1JO 005 004 For whatsoever <3956 -pas -> is born <1080 -
gennao -> of God <{2316} -theos -> overcometh <3528 -nikao ->
the world <2889 -kosmos -> : and this <3778 -houtos -> is the
victory <3529 -nike -> that overcometh <3528 -nikao -> the world
<2889 -kosmos -> ,   [even] our faith <4102 -pistis -> .

2316 1JO 005 005 Who <5101 -tis -> is he that overcometh <3528 -
nikao -> the world <2889 -kosmos -> , but he that believeth
<4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -
huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 1JO 005 009 If <1487 -ei -> we receive <2983 -lambano ->
the witness <3141 -marturia -> of men <0444 -anthropos -> , the
witness <3141 -marturia -> of God <2316 -theos -> is greater
<3187 -meizon -> : for this <3778 -houtos -> is the witness
<3141 -marturia -> of God <{2316} -theos -> which <3739 -hos ->
he hath testified <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 009 If <1487 -ei -> we receive <2983 -lambano ->
the witness <3141 -marturia -> of men <0444 -anthropos -> , the
witness <3141 -marturia -> of God <{2316} -theos -> is greater
<3187 -meizon -> : for this <3778 -houtos -> is the witness
<3141 -marturia -> of God <2316 -theos -> which <3739 -hos -> he
hath testified <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<2316 -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <{2316} -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<{2316} -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <2316 -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<2316 -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <2316 -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 011 And this <3778 -houtos -> is the record <3141 -
marturia -> , that God <{2316} -theos -> hath given <1325 -
didomi -> to us eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> ,
and this <3778 -houtos -> life <2222 -zoe -> is in his Son <5207
-huios -> .

2316 1JO 005 012 He that hath <2192 -echo -> the Son <5207 -
huios -> hath <2192 -echo -> life <2222 -zoe -> ;   [and] he
that hath <2192 -echo -> not the Son <5207 -huios -> of God
<{2316} -theos -> hath <2192 -echo -> not life <2222 -zoe -> .

2316 1JO 005 013 These <5023 -tauta -> things have I written
<1125 -grapho -> unto you that believe <4100 -pisteuo -> on

<1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> ; that ye may know <1492 -eido -> that ye have <2192 -echo -> eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , and that ye may believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 005 013 These <5023 -tauta -> things have I written <1125 -grapho -> unto you that believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; that ye may know <1492 -eido -> that ye have <2192 -echo -> eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , and that ye may believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 1JO 005 018 . We know <1492 -eido -> that whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> sinneth <0264 -hamartano -> not ; but he that is begotten <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> keepeth <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> , and that wicked <4190 -poneros -> one toucheth <0680 -haptomai -> him not .

2316 1JO 005 018 . We know <1492 -eido -> that whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> sinneth <0264 -hamartano -> not ; but he that is begotten <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> keepeth <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> , and that wicked <4190 -poneros -> one toucheth <0680 -haptomai -> him not .

2316 1JO 005 019 [And] we know <1492 -eido -> that we are of God <{2316} -theos -> , and the whole <3650 -holos -> world <2889 -kosmos -> lieth <2749 -keimai -> in wickedness <4190 -poneros -> .

2316 1JO 005 020 And we know <1492 -eido -> that the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> is come <2240 -heko -> , and hath given <1325 -didomi -> us an understanding <1271 -dianoia -> , that we may know <1097 -ginosko -> him that is true <0228 -alethinos -> , and we are in him that is true <0228 -alethinos -> ,   [even] in his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> . This <3778 -houtos -> is the true <0228 -alethinos -> God <{2316} -theos -> , and eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 1JO 005 020 And we know <1492 -eido -> that the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> is come <2240 -heko -> , and hath given <1325 -didomi -> us an understanding <1271 -dianoia -> , that we may know <1097 -ginosko -> him that is true <0228 -alethinos -> , and we are in him that is true <0228 -alethinos -> ,   [even] in his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> . This <3778 -houtos -> is the true <0228 -alethinos -> God <2316 -theos -> , and eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 001 003 Grace <5485 - charis - > be with you , mercy <1656 - eleos - > ,   [and] peace <1515 - eirene - > , from God <{2316} - theos - > the Father <3962 - pater - > , and from the Lord <2962 - kurios - > Jesus <2424 - Iesous - > Christ <5547 - Christos - > , the Son <5207 - huios - > of the Father <3962 - pater - > , in truth <0225 - aletheia - > and love <0026 - agape - > .

2316 001 009 Whosoever <3588 - ho - > transgresseth <3845 - parabaino - > , and abideth <3306 - meno - > not in the doctrine <1322 - didache - > of Christ <5547 - Christos - > ,

hath <2192 - echo - > not God <{2316} - theos - > . He that abideth <3306 - meno - > in the doctrine <1322 - didache - > of Christ <5547 - Christos - > , he hath <2192 - echo - > both <2532 - kai - > the Father <3962 - pater - > and the Son <5207 - huios - > .

2316 3JO 001 006 Which <3739 -hos -> have borne witness <3140 - martureo -> of thy charity <0026 -agape -> before <1799 -enopion -> the church <1577 -ekklesia -> : whom <3739 -hos -> if thou bring <4311 -propempo -> forward <4311 -propempo -> on their journey after <0516 -axios -> a godly <{2316} -theos -> sort <0516 -axios -> , thou shalt do <4160 -poieo -> well <2573 - kalos -> :

2316 3JO 001 011 Beloved <0027 -agapetos -> , follow <3401 - mimeomai -> not that which is evil <2556 -kakos -> , but that which is good <0018 -agathos -> . He that doeth <0015 - agathopoieo -> good <0015 -agathopoieo -> is of God <2316 -theos -> : but he that doeth <2554 -kakopoieo -> evil <2554 - kakopoieo -> hath not seen <3780 -ouchi -> God <{2316} -theos -> .

2316 3JO 001 011 Beloved <0027 -agapetos -> , follow <3401 - mimeomai -> not that which is evil <2556 -kakos -> , but that which is good <0018 -agathos -> . He that doeth <0015 - agathopoieo -> good <0015 -agathopoieo -> is of God <{2316} - theos -> : but he that doeth <2554 -kakopoieo -> evil <2554 - kakopoieo -> hath not seen <3780 -ouchi -> God <2316 -theos -> .

2316 JUDE 001 001 . Jude <2455 -Ioudas -> , the servant <1401 -doulos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and brother <0080 -adephos -> of James <2385 -Iakobos -> , to them that are sanctified <0037 -hagiazo -> by God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , and preserved <5083 -tereo -> in Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,   [and] called <2822 -kletos -> : : 02 Mercy <1656 -eleos -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , and love <0026 -agape -> , be multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 JUDE 001 004 For there are certain <5100 -tis -> men <0444 -anthropos -> crept <3921 -pareisduno -> in unawares <3921 - pareisduno -> , who <3588 -ho -> were before <4270 -prographo - > of old <3819 -palai -> ordained <4270 -prographo -> to this <5124 -touto -> condemnation <2917 -krima -> , ungodly <0765 - asebes -> men , turning <3346 -metatithemi -> the grace <5485 - charis -> of our God <2316 -theos -> into <1519 -eis -> lasciviousness <0766 -aselgeia -> , and denying <0720 -arneomai -> the only <3441 -monos -> Lord <2962 -kurios -> God <{2316} - theos -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 JUDE 001 004 For there are certain <5100 -tis -> men <0444 -anthropos -> crept <3921 -pareisduno -> in unawares <3921 - pareisduno -> , who <3588 -ho -> were before <4270 -prographo - > of old <3819 -palai -> ordained <4270 -prographo -> to this <5124 -touto -> condemnation <2917 -krima -> , ungodly <0765 - asebes -> men , turning <3346 -metatithemi -> the grace <5485 - charis -> of our God <{2316} -theos -> into <1519 -eis -> lasciviousness <0766 -aselgeia -> , and denying <0720 -arneomai -> the only <3441 -monos -> Lord <2962 -kurios -> God <2316 - theos -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 JUDE 001 021 Keep <5083 -tereo -> yourselves <1438 - heautou -> in the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , looking <4327 -prosdechomai -> for the mercy <1656 -eleos ->

of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> unto eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 JUDE 001 025 To the only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> , [be] glory <1391 -doxa -> and majesty <3172 -megalosune -> , dominion <2904 -kratos -> and power <1849 -exousia -> , both <2532 -kai -> now <3568 -nun -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 REV 001 001 . The Revelation <0602 -apokalupsis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> unto him , to shew <1166 -deiknuo -> unto his servants <1401 -doulos -> things which <3739 -hos -> must <1163 -dei -> shortly <5034 -tachos -> come <1096 -ginomai -> to pass ; and he sent <0649 -apostello -> and signified <4591 -semaino -> [it] by his angel <0032 -aggelos -> unto his servant <1401 -doulos -> John <2491 -Ioannes -> :

2316 REV 001 002 Who <3739 -hos -> bare <3140 -martureo -> record <3140 -martureo -> of the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and of the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and of all <3745 -hosos -> things that he saw <1492 -eido -> .

2316 REV 001 006 And hath made <4160 -poieo -> us kings <0935 -basileus -> and priests <2409 -hiereus -> unto God <{2316} -theos -> and his Father <3962 -pater -> ; to him [be] glory <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 REV 001 009 . I John <2491 -Ioannes -> , who <3588 -ho -> also <2532 -kai -> am your <5216 -humon -> brother <0080 -adephos -> , and companion <4791 -sugkoinonos -> in tribulation <2347 -thlipsis -> , and in the kingdom <0932 -basileia -> and patience <5281 -hupomone -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , was in the isle <3520 -nesos -> that is called <2564 -kaleo -> Patmos <3963 -Patmos -> , for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and for the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 REV 002 007 He that hath <2192 -echo -> an ear <3775 -ous -> , let him hear <0191 -akouo -> what <5101 -tis -> the Spirit <4151 -pneuma -> saith <3004 -lego -> unto the churches <1577 -ekklesia -> ; To him that overcometh <3528 -nikao -> will I give <1325 -didomi -> to eat <5315 -phago -> of the tree <3586 -xulon -> of life <2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> is in the midst <3319 -mesos -> of the paradise <3857 -paradeisos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 002 018 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the church <1577 -ekklesia -> in Thyatira <2363 -Thuateira -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath <2192 -echo -> his eyes <3788 -ophthalmos -> like <5613 -hos -> unto a flame <5395 -phlox -> of fire <4442 -pur -> , and his feet <4228 -pous -> [are] like <3664 -homoios -> fine brass <5474 -chalkolibanon -> ;

2316 REV 003 001 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the church <1577 -ekklesia -> in Sardis <4554 -Sardeis -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> he that hath <2192 -echo -> the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , and the

seven <2033 -hepta -> stars <0792 -aster -> ; I know <1492 -
eido -> thy works <2041 -ergon -> , that thou hast <2192 -echo -
> a name <3686 -onoma -> that thou livest <2198 -zao -> , and
art <1488 -ei -> dead <3498 -nekros -> .

2316 REV 003 002 Be watchful <1127 -gregoreuo -> , and
strengthen <4741 -sterizo -> the things which remain <3062 -
loipoy -> , that are ready <3195 -mello -> to die <0599 -
apothnesko -> : for I have not found <2147 -heurisko -> thy
works <2041 -ergon -> perfect <4137 -pleroo -> before <1799 -
enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -
> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> ,   [
which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -
Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my
God <{2316} -theos -> : and [I will write upon him] my new
<2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -
> of the city <4172 -polis -> of my God <{2316} -theos -> ,   [
which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -
Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my
God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new
<2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <{2316} -theos -> , and the name <3686 -
onoma -> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> ,
  [which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem
<2419 -Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -
katabaino -> down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -
ouranos -> from my God <2316 -theos -> : and [I will write
upon him] my new <2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <{2316} -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -
> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> ,   [
which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -
Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my
God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new
<2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 014 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the
church <1577 -ekklesia -> of the Laodiceans <2994 -Laodikeus ->

write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> the Amen <0281 -amen -> , the faithful <4103 -pistos -> and true <0228 -alethinos -> witness <3144 -martus -> , the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 REV 004 005 And out of the throne <2362 -thronos -> proceeded <1607 -ekporeuomai -> lightnings <0796 -astrape -> and thunderings <1027 -bronte -> and voices <5456 -phone -> : and [there were] seven <2033 -hepta -> lamps <2985 -lampas -> of fire <4442 -pur -> burning <2545 -kaio -> before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> , which <3739 -hos -> are the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 004 008 . And the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> had <2192 -echo -> each <0303 -ana -> of them six <1803 -hex -> wings <4420 -pterux -> about <2943 -kuklothen -> [him] ; and [they were] full <1073 -gemo -> of eyes <3788 -ophthalmos -> within <2081 -esothen -> : and they rest <0372 -anapausis -> not day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> , saying <3004 -lego -> , Holy <0040 -hagios -> , holy <0040 -hagios -> , holy <0040 -hagios -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , which <3588 -ho -> was , and is , and is to come <2064 -erchomai -> .

2316 REV 005 006 . And I beheld <1492 -eido -> , and , lo <2400 -idou -> , in the midst <3319 -mesos -> of the throne <2362 -thronos -> and of the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> , and in the midst <3319 -mesos -> of the elders <4245 -presbuteros -> , stood <2476 -histemi -> a Lamb <0721 -arnion -> as it had been slain <4969 -sphazo -> , having <2192 -echo -> seven <2033 -hepta -> horns <2768 -keras -> and seven <2033 -hepta -> eyes <3788 -ophthalmos -> , which <3739 -hos -> are the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> forth <0649 -apostello -> into <1519 -eis -> all <3956 -pas -> the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 005 009 And they sung <0103 -aido -> a new <2537 -kainos -> song <5603 -oide -> , saying <3004 -lego -> , Thou art <1488 -ei -> worthy <0514 -axios -> to take <2983 -lambano -> the book <0975 -biblion -> , and to open <0455 -anoigo -> the seals <4973 -sphragis -> thereof <0846 -autos -> : for thou wast slain <4969 -sphazo -> , and hast redeemed <0059 -agorazo -> us to God <{2316} -theos -> by thy blood <0129 -haima -> out of every <3956 -pas -> kindred <5443 -phule -> , and tongue <1100 -glossa -> , and people <2992 -laos -> , and nation <1484 -ethnos -> ;

2316 REV 005 010 And hast made <4160 -poieo -> us unto our God <{2316} -theos -> kings <0935 -basileus -> and priests <2409 -hiereus -> : and we shall reign <0936 -basileuo -> on <1909 -epi -> the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 006 009 . And when <3753 -hote -> he had opened <0455 -anoigo -> the fifth <3991 -pemptos -> seal <4973 -sphragis -> , I saw <1492 -eido -> under <5270 -hupokato -> the altar <2379 -thusiasterion -> the souls <5590 -psuche -> of them that were slain <4969 -sphazo -> for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and for the testimony <3141 -marturia -> which <3739 -hos -> they held <2192 -echo -> :

2316 REV 007 002 And I saw <1492 -eido -> another <0243 -allos -> angel <0032 -aggelos -> ascending <0305 -anabaino -> from the east <0395 -anatole -> , having <2192 -echo -> the seal <4973 -

sphragis -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> :
and he cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice
<5456 -phone -> to the four <5064 -tessares -> angels <0032 -
aggelos -> , to whom <3739 -hos -> it was given <1325 -didomi -
> to hurt <0091 -adikeo -> the earth <1093 -ge -> and the sea
<2281 -thalassa -> ,

2316 REV 007 003 Saying <3004 -lego -> , Hurt <0091 -adikeo ->
not the earth <1093 -ge -> , neither <3383 -mete -> the sea
<2281 -thalassa -> , nor <3383 -mete -> the trees <1186 -
dendron -> , till <0891 -achri -> we have sealed <4972 -
sphragizo -> the servants <1401 -doulos -> of our God <{2316} -
theos -> in their foreheads <3359 -metopon -> .

2316 REV 007 010 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> ,
Salvation <4991 -soteria -> to our God <{2316} -theos -> which
<3588 -ho -> sitteth <2521 -kathemai -> upon the throne <2362 -
thronos -> , and unto the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 007 011 And all <3956 -pas -> the angels <0032 -
aggelos -> stood <2476 -histemi -> round <2943 -kuklothen ->
about <2943 -kuklothen -> the throne <2362 -thronos -> , and [
about] the elders <4245 -presbuteros -> and the four <5064 -
tessares -> beasts <2226 -zoon -> , and fell <4098 -pipto ->
before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> on <1909 -
epi -> their faces <4383 -prosopon -> , and worshipped <4352 -
proskuneo -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 007 012 Saying <3004 -lego -> , Amen <0281 -amen -> :
Blessing <2129 -eulogia -> , and glory <1391 -doxa -> , and
wisdom <4678 -sophia -> , and thanksgiving <2169 -eucharistia -
> , and honour <5092 -time -> , and power <1411 -dunamis -> ,
and might <2479 -ischus -> , [be] unto our God <{2316} -
theos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen
<0281 -amen -> .

2316 REV 007 015 Therefore <5124 -touto -> are they before
<1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -
theos -> , and serve <3000 -latreuo -> him day <2250 -hemera ->
and night <3571 -nux -> in his temple <3485 -naos -> : and he
that sitteth <2521 -kathemai -> on <1909 -epi -> the throne
<2362 -thronos -> shall dwell <4637 -skenoo -> among <1909 -epi -
> them .

2316 REV 007 017 For the Lamb <0721 -arnion -> which <3588 -ho -
> is in the midst <3319 -mesos -> of the throne <2362 -thronos -
> shall feed <4165 -poimaino -> them , and shall lead <3594 -
hodegeo -> them unto living <2198 -zao -> fountains <4077 -pege -
> of waters <5204 -hudor -> : and God <{2316} -theos -> shall
wipe <1813 -exaleipho -> away <1813 -exaleipho -> all <3956 -pas
-> tears <1144 -dakru -> from their eyes <3788 -ophthalmos -> .

2316 REV 008 002 And I saw <1492 -eido -> the seven <2033 -
hepta -> angels <0032 -aggelos -> which <3739 -hos -> stood
<2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos ->
; and to them were given <1325 -didomi -> seven <2033 -hepta ->
trumpets <4536 -salpigx -> .

2316 REV 008 004 And the smoke <2586 -kapnos -> of the incense
<2368 -thumiama -> , [which came] with the prayers <4335 -
proseuche -> of the saints <0040 -hagios -> , ascended <0305 -
anabaino -> up before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos ->
out of the angel s <0032 -aggelos -> hand <5495 -cheir -> .

2316 REV 009 004 And it was commanded <4483 -rheo -> them that

they should not hurt <0091 -adikeo -> the grass <5528 -chortos -
> of the earth <1093 -ge -> , neither any <3956 -pas -> green
<5515 -chloros -> thing , neither any <3956 -pas -> tree <1186 -
dendron -> ; but only <3441 -monos -> those <3588 -ho -> men
<0444 -anthropos -> which <3748 -hostis -> have <2192 -echo ->
not the seal <4973 -sphragis -> of God <{2316} -theos -> in
their foreheads <3359 -metopon -> .

2316 REV 009 013 . And the sixth <1623 -hektos -> angel <0032 -
aggelos -> sounded <4537 -salpizo -> , and I heard <0191 -akouo
-> a voice <5456 -phone -> from the four <5064 -tessares ->
horns <2768 -keras -> of the golden <5552 -chruseos -> altar
<2379 -thusiasterion -> which <3588 -ho -> is before <1799 -
enopion -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 010 007 But in the days <2250 -hemera -> of the voice
<5456 -phone -> of the seventh <1442 -hebdomos -> angel <0032 -
aggelos -> , when <3752 -hotan -> he shall begin <3195 -mello -
> to sound <4537 -salpizo -> , the mystery <3466 -musterion ->
of God <{2316} -theos -> should be finished <5055 -teleo -> ,
as he hath declared <2097 -euaggelizo -> to his servants <1401 -
doulos -> the prophets <4396 -prophetes -> .

2316 REV 011 001 . And there was given <1325 -didomi -> me a
reed <2563 -kalamos -> like <3664 -homoios -> unto a rod <4464 -
rhabdos -> : and the angel <0032 -aggelos -> stood <2476 -
histemi -> , saying <3004 -lego -> , Rise <1453 -egeiro -> ,
and measure <3354 -metreo -> the temple <3485 -naos -> of God
<{2316} -theos -> , and the altar <2379 -thusiasterion -> ,
and them that worship <4352 -proskuneo -> therein <0846 -autos -
> .

2316 REV 011 004 These <3778 -houtos -> are the two <1417 -duo -
> olive <1636 -elaia -> trees , and the two <1417 -duo ->
candlesticks <3087 -luchnia -> standing <2476 -histemi -> before
<1799 -enopion -> the God <{2316} -theos -> of the earth <1093 -
ge -> .

2316 REV 011 011 And after <3326 -meta -> three <5140 -treis ->
days <2250 -hemera -> and an half <2255 -hemisu -> the Spirit
<4151 -pneuma -> of life <2222 -zoe -> from God <{2316} -theos -
> entered <1525 -eiserchomai -> into <1909 -epi -> them , and
they stood <2476 -histemi -> upon their feet <4228 -pous -> ;
and great <3173 -megas -> fear <5401 -phobos -> fell <4098 -
pipto -> upon them which saw <2334 -theoreo -> them .

2316 REV 011 013 And the same <1565 -ekeinos -> hour <5610 -
hora -> was there a great <3173 -megas -> earthquake <4578 -
seismos -> , and the tenth <1182 -dekatos -> part of the city
<4172 -polis -> fell <4098 -pipto -> , and in the earthquake
<4578 -seismos -> were slain <0615 -apokteino -> of men <0444 -
anthropos -> seven <2033 -hepta -> thousand <5505 -chilias -> :
and the remnant <3062 -loipoy -> were affrighted <1719 -emphobos
-> , and gave <1325 -didomi -> glory <1391 -doxa -> to the God
<{2316} -theos -> of heaven <3772 -ouranos -> .

2316 REV 011 016 And the four <5064 -tessares -> and twenty
<1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> , which <3588 -ho
-> sat <2521 -kathemai -> before <1799 -enopion -> God <2316 -
theos -> on <1909 -epi -> their seats <2362 -thronos -> , fell
<4098 -pipto -> upon their faces <4383 -prosopon -> , and
worshipped <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 011 016 And the four <5064 -tessares -> and twenty
<1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> , which <3588 -ho
-> sat <2521 -kathemai -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -

theos -> on <1909 -epi -> their seats <2362 -thronos -> , fell <4098 -pipto -> upon their faces <4383 -prosopon -> , and worshipped <4352 -proskuneo -> God <2316 -theos -> ,

2316 REV 011 017 Saying <3004 -lego -> , We give thee thanks <2168 -eucharisteo -> , O Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , which <3588 -ho -> art <5607 -on -> , and wast <2258 -en -> , and art to come <2064 -erchomai -> ; because <3754 -hoti -> thou hast taken <2983 -lambano -> to thee thy great <3173 -megas -> power <1411 -dunamis -> , and hast reigned <0936 -basileuo -> .

2316 REV 011 019 And the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> was opened <0455 -anoigo -> in heaven <3772 -ouranos -> , and there was seen <3700 -optanomai -> in his temple <3485 -naos -> the ark <2787 -kibotos -> of his testament <1242 -diatheke -> : and there were lightnings <0796 -astrape -> , and voices <5456 -phone -> , and thunderings <1027 -bronte -> , and an earthquake <4578 -seismos -> , and great <3173 -megas -> hail <5464 -chalaza -> .

2316 REV 012 005 And she brought <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> a man <0730 -arrhen -> child <5207 -huios -> , who <3739 -hos -> was to rule <4165 -poimaino -> all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> with a rod <4464 -rhabdos -> of iron <4603 -sidereos -> : and her child <5043 -teknon -> was caught <0726 -harpazo -> up unto God <{2316} -theos -> , and [to] his throne <2362 -thronos -> .

2316 REV 012 006 And the woman <1135 -gune -> fled <5343 -pheugo -> into <1519 -eis -> the wilderness <2048 -eremos -> , where <3699 -hopou -> she hath <2192 -echo -> a place <5117 -topos -> prepared <2090 -hetoimazo -> of God <{2316} -theos -> , that they should feed <5142 -trepho -> her there <1563 -ekei -> a thousand <5507 -chilioi -> two <1417 -duo -> hundred <1250 -diakosioi -> [and] threescore <1835 -hexekonta -> days <2250 -hemera -> .

2316 REV 012 010 And I heard <0191 -akouo -> a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> saying <3004 -lego -> in heaven <3772 -ouranos -> , Now <0737 -arti -> is come <1096 -ginomai -> salvation <4991 -soteria -> , and strength <1411 -dunamis -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of our God <2316 -theos -> , and the power <1849 -exousia -> of his Christ <5547 -Christos -> : for the accuser <2723 -kategoreo -> of our brethren <0080 -adephos -> is cast <2598 -kataballo -> down <2598 -kataballo -> , which <3588 -ho -> accused <2725 -kategoros -> them before <1799 -enopion -> our God <{2316} -theos -> day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> .

2316 REV 012 010 And I heard <0191 -akouo -> a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> saying <3004 -lego -> in heaven <3772 -ouranos -> , Now <0737 -arti -> is come <1096 -ginomai -> salvation <4991 -soteria -> , and strength <1411 -dunamis -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of our God <{2316} -theos -> , and the power <1849 -exousia -> of his Christ <5547 -Christos -> : for the accuser <2723 -kategoreo -> of our brethren <0080 -adephos -> is cast <2598 -kataballo -> down <2598 -kataballo -> , which <3588 -ho -> accused <2725 -kategoros -> them before <1799 -enopion -> our God <2316 -theos -> day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> .

2316 REV 012 017 And the dragon <1404 -drakon -> was wroth <3710 -orgizo -> with the woman <1135 -gune -> , and went <0565 -aperchomai -> to make <4160 -poieo -> war <4171 -polemos -> with the remnant <3062 -loipoy -> of her seed <4690 -sperma -> ,

which <3588 -ho -> keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , and have <2192 -echo -> the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 REV 013 006 And he opened <0455 -anoigo -> his mouth <4750 -stoma -> in blasphemy <0988 -blasphemia -> against <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> , to blaspheme <0987 -blasphemeo -> his name <3686 -onoma -> , and his tabernacle <4633 -skene -> , and them that dwell <4637 -skenoo -> in heaven <3772 -ouranos -> .

2316 REV 014 004 These <3778 -houtos -> are they which <3739 -hos -> were not defiled <3435 -moluno -> with women <1135 -gune -> ; for they are virgins <3933 -parthenos -> . These <3778 -houtos -> are they which <3588 -ho -> follow <0190 -akoloutheo -> the Lamb <0721 -arnion -> whithersoever <0302 -an -> he goeth <5217 -hupago -> . These <3778 -houtos -> were redeemed <0059 -agorazo -> from among men <0444 -anthropos -> , [being] the firstfruits <0536 -aparche -> unto God <{2316} -theos -> and to the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 014 005 And in their mouth <4750 -stoma -> was found <2147 -heurisko -> no <3756 -ou -> guile <1388 -dolos -> : for they are without <0299 -amomos -> fault <0299 -amomos -> before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 014 007 Saying <3004 -lego -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , Fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , and give <1325 -didomi -> glory <1391 -doxa -> to him ; for the hour <5610 -hora -> of his judgment <2920 -krisis -> is come <2064 -erchomai -> : and worship <4352 -proskuneo -> him that made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and the fountains <4077 -pege -> of waters <5204 -hudor -> .

2316 REV 014 010 The same <0846 -autos -> shall drink <4095 -pino -> of the wine <3631 -oinos -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> is poured <2767 -kerannumi -> out without <0194 -akratos -> mixture <0194 -akratos -> into <1722 -en -> the cup <4221 -poterion -> of his indignation <3709 -orge -> ; and he shall be tormented <0928 -basanizo -> with fire <4442 -pur -> and brimstone <2303 -theion -> in the presence <1799 -enopion -> of the holy <0040 -hagios -> angels <0032 -aggelos -> , and in the presence <1799 -enopion -> of the Lamb <0721 -arnion -> :

2316 REV 014 012 Here <5602 -hode -> is the patience <5281 -hupomone -> of the saints <0040 -hagios -> : here <5602 -hode -> [are] they that keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , and the faith <4102 -pistis -> of Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 REV 014 019 And the angel <0032 -aggelos -> thrust <0906 -ballo -> in his sickle <1407 -drepanon -> into <1519 -eis -> the earth <1093 -ge -> , and gathered <5166 -trugao -> the vine <0288 -ampelos -> of the earth <1093 -ge -> , and cast <0906 -ballo -> [it] into <1519 -eis -> the great <3173 -megas -> winepress <3025 -lenos -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 001 . And I saw <1492 -eido -> another <0243 -allos -> sign <4592 -semeion -> in heaven <3772 -ouranos -> , great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> , seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> having <2192 -

echo -> the seven <2033 -hepta -> last <2078 -eschatos -> plagues <4127 -plege -> ; for in them is filled <5055 -teleo -> up the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 002 And I saw <1492 -eido -> as it were a sea <2281 -thalassa -> of glass <5193 -hualinos -> mingled <3396 -mignumi -> with fire <4442 -pur -> : and them that had gotten the victory <3528 -nikao -> over <1537 -ek -> the beast <2342 -therion -> , and over <1537 -ek -> his image <1504 -eikon -> , and over <1537 -ek -> his mark <5480 -charagma -> ,   [and] over <1537 -ek -> the number <0706 -arithmos -> of his name <3686 -onoma -> , stand <2476 -histemi -> on <1909 -epi -> the sea <2281 -thalassa -> of glass <5193 -hualinos -> , having <2192 -echo -> the harps <2788 -kithara -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 003 And they sing <0103 -aido -> the song <5603 -oide -> of Moses <3475 -Moseus -> the servant <1401 -doulos -> of God <2316 -theos -> , and the song <5603 -oide -> of the Lamb <0721 -arnion -> , saying <3004 -lego -> , Great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> [are] thy works <2041 -ergon -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> ; just <1342 -dikaios -> and true <0228 -alethinos -> [are] thy ways <3598 -hodos -> , thou King <0935 -basileus -> of saints <0040 -hagios -> .

2316 REV 015 003 And they sing <0103 -aido -> the song <5603 -oide -> of Moses <3475 -Moseus -> the servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> , and the song <5603 -oide -> of the Lamb <0721 -arnion -> , saying <3004 -lego -> , Great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> [are] thy works <2041 -ergon -> , Lord <2962 -kurios -> God <2316 -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> ; just <1342 -dikaios -> and true <0228 -alethinos -> [are] thy ways <3598 -hodos -> , thou King <0935 -basileus -> of saints <0040 -hagios -> .

2316 REV 015 007 And one <1520 -heis -> of the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> gave <1325 -didomi -> unto the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> seven <2033 -hepta -> golden <5552 -chruseos -> vials <5357 -phiale -> full <1073 -gemo -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> liveth <2198 -zao -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> .

2316 REV 015 008 And the temple <3485 -naos -> was filled <1072 -gemizo -> with smoke <2586 -kapnos -> from the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , and from his power <1411 -dunamis -> ; and no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> was able <1410 -dunamai -> to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the temple <3485 -naos -> , till <0891 -achri -> the seven <2033 -hepta -> plagues <4127 -plege -> of the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> were fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 016 001 . And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of the temple <3485 -naos -> saying <3004 -lego -> to the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> , Go <5217 -hupago -> your ways , and pour <1632 -ekcheo -> out the vials <5357 -phiale -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> upon the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 016 007 And I heard <0191 -akouo -> another <0243 -allos -> out of the altar <2379 -thusiasterion -> say <3004 -lego -> , Even <3483 -nai -> so <3483 -nai -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , true <0228 -alethinos -> and righteous <1342 -dikaios -> [are

] thy judgments <2920 -krisis -> .

2316 REV 016 009 And men <0444 -anthropos -> were scorched <2739 -kaumatizo -> with great <3173 -megas -> heat <2738 -kauma -> , and blasphemed <0987 -blasphemeo -> the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> hath <2192 -echo -> power <1849 -exousia -> over <1909 -epi -> these <5025 -tautais -> plagues <4127 -plege -> : and they repented <3340 -metanoeo -> not to give <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> .

2316 REV 016 011 And blasphemed <0987 -blasphemeo -> the God <{2316} -theos -> of heaven <3772 -ouranos -> because <1537 -ek -> of their pains <4192 -ponos -> and their sores <1668 -helkos -> , and repented <3340 -metanoeo -> not of their deeds <2041 -ergon -> .

2316 REV 016 014 For they are the spirits <4151 -pneuma -> of devils <1142 -daimon -> , working <4160 -poieo -> miracles <4592 -semeion -> , [which] go <1607 -ekporeuomai -> forth <1607 -ekporeuomai -> unto the kings <0935 -basileus -> of the earth <1093 -ge -> and of the whole <3650 -holos -> world <3629 -oiktirmon -> , to gather <4863 -sunago -> them to the battle <4171 -polemos -> of that great <3173 -megas -> day <2250 -hemera -> of God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> .

2316 REV 016 019 And the great <3173 -megas -> city <4172 -polis -> was divided <1096 -ginomai -> into <1519 -eis -> three <5140 -treis -> parts <3313 -meros -> , and the cities <4172 -polis -> of the nations <1484 -ethnos -> fell <4098 -pipto -> : and great <3173 -megas -> Babylon <0897 -Babulon -> came <3415 -mnaomai -> in remembrance <3415 -mnaomai -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , to give <1325 -didomi -> unto her the cup <4221 -poterion -> of the wine <3631 -oinos -> of the fierceness <2372 -thumos -> of his wrath <3709 -orge -> .

2316 REV 016 021 And there fell <2597 -katabaino -> upon men <0444 -anthropos -> a great <3173 -megas -> hail <5464 -chalaza -> out of heaven <3772 -ouranos -> , [every stone] about <5613 -hos -> the weight <5006 -talantiaios -> of a talent <5006 -talantiaios -> : and men <0444 -anthropos -> blasphemed <0987 -blasphemeo -> God <{2316} -theos -> because <1537 -ek -> of the plague <4127 -plege -> of the hail <5464 -chalaza -> ; for the plague <4127 -plege -> thereof <0846 -autos -> was exceeding <4970 -sphodra -> great <3173 -megas -> .

2316 REV 017 017 For God <2316 -theos -> hath put <1325 -didomi -> in their hearts <2588 -kardia -> to fulfil <4160 -poieo -> his will <1106 -gnome -> , and to agree <4160 -poieo -> , and give <1325 -didomi -> their kingdom <0932 -basileia -> unto the beast <2342 -therion -> , until <0891 -achri -> the words <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> shall be fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 017 017 For God <{2316} -theos -> hath put <1325 -didomi -> in their hearts <2588 -kardia -> to fulfil <4160 -poieo -> his will <1106 -gnome -> , and to agree <4160 -poieo -> , and give <1325 -didomi -> their kingdom <0932 -basileia -> unto the beast <2342 -therion -> , until <0891 -achri -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> shall be fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 018 005 For her sins <0266 -hamartia -> have reached <0190 -akoloutheo -> unto heaven <3772 -ouranos -> , and God <{2316} -theos -> hath remembered <3421 -mnemoneuo -> her

iniquities <0092 -adikema -> .

2316 REV 018 008 Therefore <5124 -touto -> shall her plagues <4127 -plege -> come <2240 -heko -> in one <3391 -mia -> day <2250 -hemera -> , death <2288 -thanatos -> , and mourning <3997 -penthos -> , and famine <3042 -limos -> ; and she shall be utterly <2618 -katakaio -> burned <2618 -katakaio -> with fire <4442 -pur -> : for strong <2478 -ischuros -> [is] the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> who <3588 -ho -> judgeth <2919 -krino -> her .

2316 REV 018 020 Rejoice <2165 -euphraino -> over <1909 -epi -> her , [thou] heaven <3772 -ouranos -> , and [ye] holy <0040 -hagios -> apostles and prophets <4396 -prophetes -> ; for God <{2316} -theos -> hath avenged <2917 -krima -> you on <1537 -ek -> her .

2316 REV 019 001 . And after <3326 -meta -> these <5023 -tauta -> things I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> of much <4183 -polus -> people <3793 -ochlos -> in heaven <3772 -ouranos -> , saying <3004 -lego -> , Alleluia <0239 -allelouia -> ; Salvation <4991 -soteria -> , and glory <1391 -doxa -> , and honour <5092 -time -> , and power <1411 -dunamis -> , unto the Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> :

2316 REV 019 004 And the four <5064 -tessares -> and twenty <1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> and the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> fell <4098 -pipto -> down and worshipped <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> that sat <2521 -kathemai -> on <1909 -epi -> the throne <2362 -thronos -> , saying <3004 -lego -> , Amen <0281 -amen -> ; Alleluia <0239 -allelouia -> .

2316 REV 019 005 . And a voice <5456 -phone -> came <1831 -exerchomai -> out of the throne <2362 -thronos -> , saying <3004 -lego -> , Praise <0134 -aineo -> our God <{2316} -theos -> , all <3956 -pas -> ye his servants <1401 -doulos -> , and ye that fear <5399 -phobeo -> him , both small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> .

2316 REV 019 006 And I heard <0191 -akouo -> as it were the voice <5456 -phone -> of a great <4183 -polus -> multitude <3793 -ochlos -> , and as the voice <5456 -phone -> of many <4183 -polus -> waters <5204 -hudor -> , and as the voice <5456 -phone -> of mighty <2478 -ischuros -> thunderings <1027 -bronte -> , saying <3004 -lego -> , Alleluia <0239 -allelouia -> : for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> omnipotent <3841 -pantokrator -> reigneth <0936 -basileuo -> .

2316 REV 019 009 And he saith <3004 -lego -> unto me , Write <1125 -grapho -> , Blessed <3107 -makarios -> [are] they which are called <2564 -kaleo -> unto the marriage <1062 -gamos -> supper <1173 -deipnon -> of the Lamb <0721 -arnion -> . And he saith <3004 -lego -> unto me , These <3778 -houtos -> are the true <0228 -alethinos -> sayings <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 019 010 And I fell <4098 -pipto -> at <1715 -emprosthen -> his feet <4228 -pous -> to worship <4352 -proskuneo -> him . And he said <3004 -lego -> unto me , See <3700 -optanomai -> [thou do it] not : I am <1510 -eimi -> thy fellowservant <4889 -sundoulos -> , and of thy brethren <0080 -adephos -> that have <2192 -echo -> the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> : worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> : for the testimony <3141 -

marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> is the spirit <4151 -
pneuma -> of prophecy <4394 -propheteia -> .

2316 REV 019 013 And he [was] clothed <4016 -periballo ->
with a vesture <2440 -himation -> dipped <0911 -bapto -> in
blood <0129 -haima -> : and his name <3686 -onoma -> is called
<2564 -kaleo -> The Word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -
> .

2316 REV 019 015 And out of his mouth <4750 -stoma -> goeth
<1607 -ekporeuomai -> a sharp <3691 -oxus -> sword <4501 -
rhomphaia -> , that with it he should smite <3960 -patasso ->
the nations <1484 -ethnos -> : and he shall rule <4165 -
poimaino -> them with a rod <4464 -rhabdos -> of iron <4603 -
sidereos -> : and he treadeth <3961 -pateo -> the winepress
<3631 -oinos -> of the fierceness <2372 -thumos -> and wrath
<3709 -orge -> of Almighty <3841 -pantokrator -> God <{2316} -
theos -> .

2316 REV 019 017 And I saw <1492 -eido -> an angel <0032 -
aggelos -> standing <2476 -histemi -> in the sun <2246 -helios -
> ; and he cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas ->
voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> to all <3956 -pas
-> the fowls <3732 -orneon -> that fly <4072 -petomai -> in the
midst <3321 -mesouranema -> of heaven <3321 -mesouranema -> ,
Come <1205 -deute -> and gather <4863 -sunago -> yourselves
together <4863 -sunago -> unto the supper <1173 -deipnon -> of
the great <3173 -megas -> God <{2316} -theos -> ;

2316 REV 020 004 And I saw <1492 -eido -> thrones <2362 -
thronos -> , and they sat <2523 -kathizo -> upon them , and
judgment <2917 -krima -> was given <1325 -didomi -> unto them :
and [I saw] the souls <5590 -psuche -> of them that were
beheaded <3990 -pelekizo -> for the witness <3141 -marturia ->
of Jesus <2424 -Iesous -> , and for the word <3056 -logos -> of
God <{2316} -theos -> , and which <3748 -hostis -> had not
worshipped <4352 -proskuneo -> the beast <2342 -therion -> ,
neither <3777 -oute -> his image <1504 -eikon -> , neither
<3756 -ou -> had received <2983 -lambano -> [his] mark <5480
-charagma -> upon their foreheads <3359 -metopon -> , or <2532 -
kai -> in their hands <5495 -cheir -> ; and they lived <2198 -
zao -> and reigned <0936 -basileuo -> with Christ <5547 -
Christos -> a thousand <5507 -chilioi -> years <2094 -etos -> .

2316 REV 020 006 Blessed <3107 -makarios -> and holy <0040 -
hagios -> [is] he that hath <2192 -echo -> part <3313 -meros
-> in the first <4413 -protos -> resurrection <0386 -anastasis -
> : on <1909 -epi -> such <5130 -touton -> the second <1208 -
deuteros -> death <2288 -thanatos -> hath <2192 -echo -> no
<3756 -ou -> power <1849 -exousia -> , but they shall be
priests <2409 -hiereus -> of God <{2316} -theos -> and of Christ
<5547 -Christos -> , and shall reign <0936 -basileuo -> with
him a thousand <5507 -chilioi -> years <2094 -etos -> .

2316 REV 020 009 And they went <0305 -anabaino -> up on <1909 -
epi -> the breadth <4114 -platos -> of the earth <1093 -ge -> ,
and compassed <2944 -kukloo -> the camp <3925 -parembole -> of
the saints <0040 -hagios -> about <2944 -kukloo -> , and the
beloved <0025 -agapao -> city <4172 -polis -> : and fire <4442 -
pur -> came <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from
God <{2316} -theos -> out of heaven <3772 -ouranos -> , and
devoured <2719 -katesthio -> them .

2316 REV 020 012 And I saw <1492 -eido -> the dead <3498 -
nekros -> , small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> ,
stand <2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -

theos -> ; and the books <0975 -biblion -> were opened <0455 -anoigo -> : and another <0243 -allos -> book <0976 -biblos -> was opened <0455 -anoigo -> , which <3739 -hos -> is [the book <0976 -biblos ->] of life <2222 -zoe -> : and the dead <3498 -nekros -> were judged <2919 -krino -> out of those <3588 -ho -> things which were written <1125 -grapho -> in the books <0975 -biblion -> , according <2596 -kata -> to their works <2041 -ergon -> .

2316 REV 021 002 And I John <2491 -Ioannes -> saw <1492 -eido -> the holy <0040 -hagios -> city <4172 -polis -> , new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , coming <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from God <{2316} -theos -> out of heaven <3772 -ouranos -> , prepared <2090 -hetoimazo -> as a bride <3565 -numphe -> adorned <2885 -kosmeo -> for her husband <0435 -aner -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos -> saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle <4633 -skene -> of God <2316 -theos -> [is] with men <0444 -anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them , and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <2316 -theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be] their God <{2316} -theos -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos -> saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle <4633 -skene -> of God <2316 -theos -> [is] with men <0444 -anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them , and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <{2316} -theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be] their God <2316 -theos -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos -> saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle <4633 -skene -> of God <{2316} -theos -> [is] with men <0444 -anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them , and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <2316 -theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be] their God <2316 -theos -> .

2316 REV 021 004 And God <{2316} -theos -> shall wipe <1813 -exaleipho -> away <1813 -exaleipho -> all <3956 -pas -> tears <1144 -dakru -> from their eyes <3788 -ophthalmos -> ; and there shall be no <3756 -ou -> more <2089 -eti -> death <2288 -thanatos -> , neither <3777 -oute -> sorrow <3997 -penthos -> , nor <3777 -oute -> crying <2906 -krauge -> , neither shall there be any <2089 -eti -> more <2089 -eti -> pain <4192 -ponos -> : for the former <4413 -protos -> things are passed <0565 -aperchomai -> away <0565 -aperchomai -> .

2316 REV 021 007 He that overcometh <3528 -nikao -> shall inherit <2816 -kleronomeo -> all <3956 -pas -> things ; and I will be his God <{2316} -theos -> , and he shall be my son <5207 -huios -> .

2316 REV 021 010 And he carried <0667 -appohero -> me away <0667 -appohero -> in the spirit <4151 -pneuma -> to a great <3173 -megas -> and high <5308 -hupselos -> mountain <3735 -oros -> , and shewed <1166 -deiknuo -> me that great <3173 -megas -> city <4172 -polis -> , the holy <0040 -hagios -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , descending <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 021 011 Having <2192 -echo -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> : and her light <5458 -phoster -> [was] like <3664 -homoios -> unto a stone <3037 -lithos -> most precious <5093 -timios -> , even <5613 -hos -> like <5613 -hos -> a jasper <2393 -iaspis -> stone <3037 -lithos -> , clear <2929 -krustallizo -> as crystal <2929 -krustallizo -> ;

2316 REV 021 022 And I saw <1492 -eido -> no <3756 -ou -> temple <3485 -naos -> therein <0846 -autos -> : for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> and the Lamb <0721 -arnion -> are the temple <3485 -naos -> of it .

2316 REV 021 023 And the city <4172 -polis -> had <2192 -echo -> no <3756 -ou -> need <5532 -chreia -> of the sun <2246 -helios -> , neither <3761 -oude -> of the moon <4582 -selene -> , to shine <5316 -phaino -> in it : for the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> did lighten <5461 -photizo -> it , and the Lamb <0721 -arnion -> [is] the light <3088 -luchnos -> thereof <0846 -autos -> .

2316 REV 022 001 . And he shewed <1166 -deiknuo -> me a pure <2513 -katharos -> river <4215 -potamos -> of water <5204 -hudor -> of life <2222 -zoe -> , clear <2986 -lampros -> as crystal <2930 -krustallos -> , proceeding <1607 -ekporeuomai -> out of the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 022 003 And there shall be no <3756 -ou -> more <2089 -eti -> curse <2652 -katanathema -> : but the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lamb <0721 -arnion -> shall be in it ; and his servants <1401 -doulos -> shall serve <3000 -latreuo -> him :

2316 REV 022 005 And there shall be no <3756 -ou -> night <3571 -nux -> there <1563 -ekei -> ; and they need <5532 -chreia -> no <3756 -ou -> candle <3088 -luchnos -> , neither light <5457 -phos -> of the sun <2246 -helios -> ; for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> giveth them light <5461 -photizo -> : and they shall reign <0936 -basileuo -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> .

2316 REV 022 006 . And he said <2036 -epo -> unto me , These <3778 -houtos -> sayings <3056 -logos -> [are] faithful <4103 -pistos -> and true <0228 -alethinos -> : and the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> of the holy <0040 -hagios -> prophets <4396 -prophetes -> sent <0649 -apostello -> his angel <0032 -aggelos -> to shew <1166 -deiknuo -> unto his servants <1401 -doulos -> the things which <3739 -hos -> must <1163 -dei -> shortly <5034 -tachos -> be done <1096 -ginomai -> .

2316 REV 022 009 Then <2532 -kai -> saith <3004 -lego -> he unto me , See <3708 -horao -> [thou do it] not : for I am <1510 -eimi -> thy fellowservant <4889 -sundoulos -> , and of thy brethren <0080 -adephos -> the prophets <4396 -prophetes -> , and of them which keep <5083 -tereo -> the sayings <3056 -logos -> of this <5127 -toutou -> book <0975 -biblion -> : worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 022 018 For I testify <4828 -summartureo -> unto every <3956 -pas -> man <3956 -pas -> that heareth <0191 -akouo -> the words <3056 -logos -> of the prophecy <4394 -propheteia -> of this <5127 -toutou -> book <0975 -biblion -> , If <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man shall add <2007 -epitithemi -> unto these

<5023 -tauta -> things , God <{2316} -theos -> shall add <2007 -epitithemi -> unto him the plagues <4127 -plege -> that are written <1125 -grapho -> in this <5129 -toutoi -> book <0975 -biblion -> :

2316 REV 022 019 And if <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man shall take <0851 -aphaireo -> away <0851 -aphaireo -> from the words <3056 -logos -> of the book <0976 -biblos -> of this <5129 -toutoi -> prophecy <4394 -propheteia -> , God <{2316} -theos -> shall take <0851 -aphaireo -> away <0851 -aphaireo -> his part <3313 -meros -> out of the book <0976 -biblos -> of life <2222 -zoe -> , and out of the holy <0040 -hagios -> city <4172 -polis -> , and [from] the things which are written <1125 -grapho -> in this <5026 -taute -> book <0975 -biblion -> .

~~~~~~

  theos 2316 -- X exceeding, God, god[-ly, -ward].

* exceeding , 2316 , 3029 , 4036 , 4970 , 5228 , 5235 , 5236 , 5248 , 5250 ,

* god , 0112 , 1096 , 2312 , 2313 , 2314 , 2315 , 2316 , 2318 , 2319 , 2962 , 5377 , 5537 ,

* godly , 2123 , 2152 , 2153 , 2316 ,

* gods , 1140 , 2316 ,

~~~~~~

   against 2314 # Expanded Dictionary Study

  against 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to fight {against} God.[ql

  by 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given {by} inspiration of God.[ql

  divine 2304 # theios {thi'-os}; from 2316; godlike (neuter as noun, divinity): -- {divine}, godhead.[ql

  exceeding 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X {exceeding}, God, god[-ly, -ward].[ql

  fight 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to {fight} against God.[ql

  given 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- {given} by inspiration of God.[ql

  God 0112 # atheos {ath'-eh-os}; from 1 (as a negative

particle) and 2316; godless: -- without {God}.[ql

God 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- taught of {God}.[ql

God 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to fight against {God}.[ql

God 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by inspiration of {God}.[ql

god 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X exceeding, God, {god}[-ly, -ward].[ql

God 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X exceeding, {God}, god[-ly, -ward].[ql

God 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- worshipper of {God}.[ql

God 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- hater of {God}.[ql

God 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- lover of {God}.[ql

goddess 2299 # thea {theh-ah'}; feminine of 2316; a female deity: -- {goddess}.[ql

godhead 2304 # theios {thi'-os}; from 2316; godlike (neuter as noun, divinity): -- divine, {godhead}.[ql

godhead 2320 # theotes {theh-ot'-ace}; from 2316; divinity (abstractly): -- {godhead}.[ql

hater 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- {hater} of God.[ql

inspiration 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by {inspiration} of God.[ql

lover 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- {lover} of God.[ql

of 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- taught {of} God.[ql

of 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by inspiration {of} God.[ql

of 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- worshipper {of} God.[ql

of 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- hater {of} God.[ql

of 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- lover {of} God.[ql

taught 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- {taught} of God.[ql

Theophilus 2321 # Theophilos {theh-of'-il-os}; from 2316 and 5384; friend of God; Theophilus, a Christian: -- {Theophilus}.[ql

Timotheus 5095 # Timotheos {tee-moth'-eh-os}; from 5092 and 2316; dear to God; Timotheus, a Christian: -- {Timotheus}, Timothy.[ql

Timothy 5095 # Timotheos {tee-moth'-eh-os}; from 5092 and 2316; dear to God; Timotheus, a Christian: -- Timotheus, {Timothy}.[ql

to 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- {to} fight against God.[ql

without 0112 # atheos {ath'-eh-os}; from 1 (as a negative particle) and 2316; godless: -- {without} God.[ql

worshipper 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- {worshipper} of God.[ql

~~~~~~

2316. Cross Reference Study

2316.

2316 theos * exceeding , {2316 theos } , 3029 lian , 4036 perilupos , 4970 sphodra , 5228 huper , 5235 huperballo , 5236 huperbole , 5248 huperperisseuo , 5250 huperpleonazo ,

2316 theos * god , 0112 atheos , 1096 ginomai , 2312 theodidaktos and 2312 theologos , 2313 theomacheo , 2314 theomachos , 2315 theopneustos , {2316 theos } , 2318 theosebes , 2319 theostuges , 2962 kurios , 5377 philotheos , 5537 chrematizo ,

2316 theos * godly , 2123 eukopoteros , 2152 eusebes , 2153 eusebos , {2316 theos } ,

2316 theos * gods , 1140 daimonion , {2316 theos } ,

~~~~~~

2316 - theos - Act 07:20 exceeding

2316 - theos - Mat 01:23 god

2316 - theos - Mat 03:16 god

2316 - theos - Mat 03:09 god

2316 - theos - Mat 04:06 god

2316 - theos - Mat 04:07 god

2316 - theos - Mat 04:04 god

2316 - theos - Mat 04:03 god

2316 - theos - Mat 04:10 god

2316 - theos - Mat 05:09 god

2316 - theos - Mat 05:08 god

2316 - theos - Mat 06:33 god

2316 - theos - Mat 06:30 god

2316 - theos - Mat 06:24 god

2316 - theos - Mat 08:29 god

2316 - theos - Mat 09:08 god

2316 - theos - Mat 12:28 god

2316 - theos - Mat 12:04 god

2316 - theos - Mat 12:28 god

2316 - theos - Mat 14:33 god

2316 - theos - Mat 15:04 god

2316 - theos - Mat 15:03 god

2316 - theos - Mat 15:31 god

2316 - theos - Mat 15:06 god

2316 - theos - Mat 16:16 god

2316 - theos - Mat 16:23 god

2316 - theos - Mat 19:17 god

2316 - theos - Mat 19:24 god

2316 - theos - Mat 19:06 god

2316 - theos - Mat 19:26 god

2316 - theos - Mat 21:12 god

2316 - theos - Mat 21:31 god

2316 - theos - Mat 21:43 god

2316 - theos - Mat 22:16 god

2316 - theos - Mat 22:21 god

2316 - theos - Mat 22:29 god

2316 - theos - Mat 22:30 god

2316 - theos - Mat 22:31 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:37 god

2316 - theos - Mat 23:22 god

2316 - theos - Mat 26:61 god

2316 - theos - Mat 26:63 god

2316 - theos - Mat 26:63 god

2316 - theos - Mat 27:46 god

2316 - theos - Mat 27:46 god

2316 - theos - Mat 27:54 god

2316 - theos - Mat 27:43 god

2316 - theos - Mat 27:43 god

2316 - theos - Mat 27:40 god

2316 - theos - Mar 01:14 god

2316 - theos - Mar 01:15 god

2316 - theos - Mar 01:01 god

2316 - theos - Mar 01:24 god

2316 - theos - Mar 02:07 god

2316 - theos - Mar 02:26 god

2316 - theos - Mar 02:12 god

2316 - theos - Mar 03:11 god

2316 - theos - Mar 03:35 god

2316 - theos - Mar 04:26 god

2316 - theos - Mar 04:11 god

2316 - theos - Mar 04:30 god

2316 - theos - Mar 05:07 god

2316 - theos - Mar 05:07 god

2316 - theos - Mar 07:08 god

2316 - theos - Mar 07:09 god

2316 - theos - Mar 07:13 god

2316 - theos - Mar 08:33 god

2316 - theos - Mar 09:01 god

2316 - theos - Mar 09:47 god

2316 - theos - Mar 10:14 god

2316 - theos - Mar 10:18 god

2316 - theos - Mar 10:25 god

2316 - theos - Mar 10:27 god

2316 - theos - Mar 10:09 god

2316 - theos - Mar 10:06 god

2316 - theos - Mar 10:15 god

2316 - theos - Mar 10:27 god

2316 - theos - Mar 10:23 god

2316 - theos - Mar 10:24 god

2316 - theos - Mar 11:22 god

2316 - theos - Mar 12:17 god

2316 - theos - Mar 12:14 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:27 god

2316 - theos - Mar 12:27 god

2316 - theos - Mar 12:29 god

2316 - theos - Mar 12:30 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:32 god

2316 - theos - Mar 12:24 god

2316 - theos - Mar 12:34 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 13:19 god

2316 - theos - Mar 14:25 god

2316 - theos - Mar 15:43 god

2316 - theos - Mar 15:34 god

2316 - theos - Mar 15:34 god

2316 - theos - Mar 15:39 god

2316 - theos - Mar 16:19 god

2316 - theos - Luk 01:68 god

2316 - theos - Luk 01:16 god

2316 - theos - Luk 01:06 god

2316 - theos - Luk 01:64 god

2316 - theos - Luk 01:78 god

2316 - theos - Luk 01:47 god

2316 - theos - Luk 01:26 god

2316 - theos - Luk 01:08 god

2316 - theos - Luk 01:19 god

2316 - theos - Luk 01:30 god

2316 - theos - Luk 01:32 god

2316 - theos - Luk 01:35 god

2316 - theos - Luk 01:37 god

2316 - theos - Luk 02:28 god

2316 - theos - Luk 02:52 god

2316 - theos - Luk 02:40 god

2316 - theos - Luk 02:20 god

2316 - theos - Luk 02:14 god

2316 - theos - Luk 02:13 god

2316 - theos - Luk 03:02 god

2316 - theos - Luk 03:38 god

2316 - theos - Luk 03:06 god

2316 - theos - Luk 03:08 god

2316 - theos - Luk 04:08 god

2316 - theos - Luk 04:43 god

2316 - theos - Luk 04:41 god

2316 - theos - Luk 04:04 god

2316 - theos - Luk 04:09 god

2316 - theos - Luk 04:34 god

2316 - theos - Luk 04:12 god

2316 - theos - Luk 04:03 god

2316 - theos - Luk 05:25 god

2316 - theos - Luk 05:21 god

2316 - theos - Luk 05:26 god

2316 - theos - Luk 05:01 god

2316 - theos - Luk 06:04 god

2316 - theos - Luk 06:20 god

2316 - theos - Luk 06:12 god

2316 - theos - Luk 07:16 god

2316 - theos - Luk 07:29 god

2316 - theos - Luk 07:28 god

2316 - theos - Luk 07:30 god

2316 - theos - Luk 07:16 god

2316 - theos - Luk 08:21 god

2316 - theos - Luk 08:11 god

2316 - theos - Luk 08:01 god

2316 - theos - Luk 08:28 god

2316 - theos - Luk 08:39 god

2316 - theos - Luk 08:10 god

2316 - theos - Luk 09:02 god

2316 - theos - Luk 09:43 god

2316 - theos - Luk 09:62 god

2316 - theos - Luk 09:60 god

2316 - theos - Luk 09:27 god

2316 - theos - Luk 09:20 god

2316 - theos - Luk 09:11 god

2316 - theos - Luk 10:09 god

2316 - theos - Luk 10:27 god

2316 - theos - Luk 10:11 god

2316 - theos - Luk 11:49 god

2316 - theos - Luk 11:42 god

2316 - theos - Luk 11:28 god

2316 - theos - Luk 11:20 god

2316 - theos - Luk 11:20 god

2316 - theos - Luk 12:09 god

2316 - theos - Luk 12:06 god

2316 - theos - Luk 12:31 god

2316 - theos - Luk 12:28 god

2316 - theos - Luk 12:24 god

2316 - theos - Luk 12:21 god

2316 - theos - Luk 12:20 god

2316 - theos - Luk 12:08 god

2316 - theos - Luk 13:13 god

2316 - theos - Luk 13:18 god

2316 - theos - Luk 13:20 god

2316 - theos - Luk 13:28 god

2316 - theos - Luk 13:29 god

2316 - theos - Luk 14:15 god

2316 - theos - Luk 15:10 god

2316 - theos - Luk 16:13 god

2316 - theos - Luk 16:16 god

2316 - theos - Luk 16:15 god

2316 - theos - Luk 16:15 god

2316 - theos - Luk 17:15 god

2316 - theos - Luk 17:18 god

2316 - theos - Luk 17:20 god

2316 - theos - Luk 17:21 god

2316 - theos - Luk 17:20 god

2316 - theos - Luk 18:02 god

2316 - theos - Luk 18:13 god

2316 - theos - Luk 18:19 god

2316 - theos - Luk 18:17 god

2316 - theos - Luk 18:04 god

2316 - theos - Luk 18:07 god

2316 - theos - Luk 18:43 god

2316 - theos - Luk 18:43 god

2316 - theos - Luk 18:16 god

2316 - theos - Luk 18:27 god

2316 - theos - Luk 18:25 god

2316 - theos - Luk 18:24 god

2316 - theos - Luk 18:11 god

2316 - theos - Luk 19:11 god

2316 - theos - Luk 19:37 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 20:38 god

2316 - theos - Luk 20:25 god

2316 - theos - Luk 20:36 god

2316 - theos - Luk 20:21 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 21:31 god

2316 - theos - Luk 21:04 god

2316 - theos - Luk 22:18 god

2316 - theos - Luk 22:70 god

2316 - theos - Luk 22:16 god

2316 - theos - Luk 22:69 god

2316 - theos - Luk 23:51 god

2316 - theos - Luk 23:35 god

2316 - theos - Luk 23:40 god

2316 - theos - Luk 23:47 god

2316 - theos - Luk 24:53 god

2316 - theos - Luk 24:19 god

2316 - theos - Joh 01:51 god

2316 - theos - Joh 01:13 god

2316 - theos - Joh 01:12 god

2316 - theos - Joh 01:29 god

2316 - theos - Joh 01:34 god

2316 - theos - Joh 01:06 god

2316 - theos - Joh 01:01 god

2316 - theos - Joh 01:49 god

2316 - theos - Joh 01:36 god

2316 - theos - Joh 01:01 god

2316 - theos - Joh 01:02 god

2316 - theos - Joh 01:18 god

2316 - theos - Joh 03:02 god

2316 - theos - Joh 03:16 god

2316 - theos - Joh 03:02 god

2316 - theos - Joh 03:18 god

2316 - theos - Joh 03:17 god

2316 - theos - Joh 03:21 god

2316 - theos - Joh 03:03 god

2316 - theos - Joh 03:33 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:36 god

2316 - theos - Joh 03:05 god

2316 - theos - Joh 04:10 god

2316 - theos - Joh 04:24 god

2316 - theos - Joh 05:18 god

2316 - theos - Joh 05:18 god

2316 - theos - Joh 05:25 god

2316 - theos - Joh 05:42 god

2316 - theos - Joh 05:44 god

2316 - theos - Joh 06:27 god

2316 - theos - Joh 06:28 god

2316 - theos - Joh 06:29 god

2316 - theos - Joh 06:33 god

2316 - theos - Joh 06:45 god

2316 - theos - Joh 06:46 god

2316 - theos - Joh 06:69 god

2316 - theos - Joh 07:17 god

2316 - theos - Joh 08:40 god

2316 - theos - Joh 08:41 god

2316 - theos - Joh 08:42 god

2316 - theos - Joh 08:42 god

2316 - theos - Joh 08:47 god

2316 - theos - Joh 08:47 god

2316 - theos - Joh 08:54 god

2316 - theos - Joh 09:16 god

2316 - theos - Joh 09:24 god

2316 - theos - Joh 09:29 god

2316 - theos - Joh 09:03 god

2316 - theos - Joh 09:31 god

2316 - theos - Joh 09:33 god

2316 - theos - Joh 09:35 god

2316 - theos - Joh 10:35 god

2316 - theos - Joh 10:33 god

2316 - theos - Joh 10:36 god

2316 - theos - Joh 11:04 god

2316 - theos - Joh 11:22 god

2316 - theos - Joh 11:27 god

2316 - theos - Joh 11:52 god

2316 - theos - Joh 11:40 god

2316 - theos - Joh 11:22 god

2316 - theos - Joh 11:04 god

2316 - theos - Joh 12:43 god

2316 - theos - Joh 13:03 god

2316 - theos - Joh 13:03 god

2316 - theos - Joh 13:31 god

2316 - theos - Joh 13:32 god

2316 - theos - Joh 13:32 god

2316 - theos - Joh 14:01 god

2316 - theos - Joh 16:30 god

2316 - theos - Joh 16:27 god

2316 - theos - Joh 16:02 god

2316 - theos - Joh 17:03 god

2316 - theos - Joh 19:07 god

2316 - theos - Joh 20:28 god

2316 - theos - Joh 20:31 god

2316 - theos - Joh 20:17 god

2316 - theos - Joh 20:17 god

2316 - theos - Joh 21:19 god

2316 - theos - Act 01:03 god

2316 - theos - Act 02:22 god

2316 - theos - Act 02:11 god

2316 - theos - Act 02:33 god

2316 - theos - Act 02:17 god

2316 - theos - Act 02:22 god

2316 - theos - Act 02:36 god

2316 - theos - Act 02:47 god

2316 - theos - Act 02:39 god

2316 - theos - Act 02:23 god

2316 - theos - Act 02:32 god

2316 - theos - Act 02:30 god

2316 - theos - Act 02:24 god

2316 - theos - Act 03:13 god

2316 - theos - Act 03:13 god

2316 - theos - Act 03:22 god

2316 - theos - Act 03:15 god

2316 - theos - Act 03:18 god

2316 - theos - Act 03:21 god

2316 - theos - Act 03:25 god

2316 - theos - Act 03:08 god

2316 - theos - Act 03:26 god

2316 - theos - Act 03:09 god

2316 - theos - Act 04:24 god

2316 - theos - Act 04:21 god

2316 - theos - Act 04:31 god

2316 - theos - Act 04:19 god

2316 - theos - Act 04:24 god

2316 - theos - Act 04:10 god

2316 - theos - Act 04:19 god

2316 - theos - Act 05:30 god

2316 - theos - Act 05:31 god

2316 - theos - Act 05:04 god

2316 - theos - Act 05:29 god

2316 - theos - Act 05:32 god

2316 - theos - Act 05:39 god

2316 - theos - Act 06:07 god

2316 - theos - Act 06:02 god

2316 - theos - Act 06:11 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:35 god

2316 - theos - Act 07:37 god

2316 - theos - Act 07:43 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:46 god

2316 - theos - Act 07:55 god

2316 - theos - Act 07:55 god

2316 - theos - Act 07:56 god

2316 - theos - Act 07:06 god

2316 - theos - Act 07:07 god

2316 - theos - Act 07:09 god

2316 - theos - Act 07:46 god

2316 - theos - Act 07:45 god

2316 - theos - Act 07:42 god

2316 - theos - Act 07:17 god

2316 - theos - Act 07:02 god

2316 - theos - Act 07:25 god

2316 - theos - Act 08:10 god

2316 - theos - Act 08:21 god

2316 - theos - Act 08:37 god

2316 - theos - Act 08:22 god

2316 - theos - Act 08:12 god

2316 - theos - Act 08:20 god

2316 - theos - Act 08:14 god

2316 - theos - Act 09:20 god

2316 - theos - Act 10:15 god

2316 - theos - Act 10:03 god

2316 - theos - Act 10:40 god

2316 - theos - Act 10:41 god

2316 - theos - Act 10:42 god

2316 - theos - Act 10:46 god

2316 - theos - Act 10:31 god

2316 - theos - Act 10:34 god

2316 - theos - Act 10:38 god

2316 - theos - Act 10:04 god

2316 - theos - Act 10:38 god

2316 - theos - Act 10:02 god

2316 - theos - Act 10:33 god

2316 - theos - Act 10:33 god

2316 - theos - Act 10:28 god

2316 - theos - Act 10:02 god

2316 - theos - Act 10:22 god

2316 - theos - Act 11:17 god

2316 - theos - Act 11:09 god

2316 - theos - Act 11:01 god

2316 - theos - Act 11:23 god

2316 - theos - Act 11:18 god

2316 - theos - Act 11:18 god

2316 - theos - Act 11:17 god

2316 - theos - Act 12:23 god

2316 - theos - Act 12:22 god

2316 - theos - Act 12:24 god

2316 - theos - Act 12:05 god

2316 - theos - Act 13:23 god

2316 - theos - Act 13:21 god

2316 - theos - Act 13:17 god

2316 - theos - Act 13:33 god

2316 - theos - Act 13:36 god

2316 - theos - Act 13:30 god

2316 - theos - Act 13:37 god

2316 - theos - Act 13:07 god

2316 - theos - Act 13:05 god

2316 - theos - Act 13:46 god

2316 - theos - Act 13:44 god

2316 - theos - Act 13:26 god

2316 - theos - Act 13:16 god

2316 - theos - Act 13:43 god

2316 - theos - Act 14:15 god

2316 - theos - Act 14:22 god

2316 - theos - Act 14:26 god

2316 - theos - Act 14:27 god

2316 - theos - Act 15:19 god

2316 - theos - Act 15:18 god

2316 - theos - Act 15:14 god

2316 - theos - Act 15:04 god

2316 - theos - Act 15:12 god

2316 - theos - Act 15:10 god

2316 - theos - Act 15:40 god

2316 - theos - Act 15:07 god

2316 - theos - Act 15:08 god

2316 - theos - Act 16:25 god

2316 - theos - Act 16:14 god

2316 - theos - Act 16:17 god

2316 - theos - Act 16:34 god

2316 - theos - Act 17:30 god

2316 - theos - Act 17:24 god

2316 - theos - Act 17:23 GOD

2316 - theos - Act 17:13 god

2316 - theos - Act 17:29 god

2316 - theos - Act 18:21 god

2316 - theos - Act 18:07 god

2316 - theos - Act 18:26 god

2316 - theos - Act 18:13 god

2316 - theos - Act 18:11 god

2316 - theos - Act 19:08 god

2316 - theos - Act 19:11 god

2316 - theos - Act 20:21 god

2316 - theos - Act 20:32 god

2316 - theos - Act 20:28 god

2316 - theos - Act 20:27 god

2316 - theos - Act 20:25 god

2316 - theos - Act 20:24 god

2316 - theos - Act 21:19 god

2316 - theos - Act 22:03 god

2316 - theos - Act 22:14 god

2316 - theos - Act 23:01 god

2316 - theos - Act 23:03 god

2316 - theos - Act 24:15 god

2316 - theos - Act 24:16 god

2316 - theos - Act 24:14 god

2316 - theos - Act 26:18 god

2316 - theos - Act 26:20 god

2316 - theos - Act 26:22 god

2316 - theos - Act 26:29 god

2316 - theos - Act 26:06 god

2316 - theos - Act 26:08 god

2316 - theos - Act 27:23 god

2316 - theos - Act 27:24 god

2316 - theos - Act 27:25 god

2316 - theos - Act 27:35 god

2316 - theos - Act 28:15 god

2316 - theos - Act 28:23 god

2316 - theos - Act 28:28 god

2316 - theos - Act 28:31 god

2316 - theos - Act 28:06 god

2316 - theos - Rom 01:01 god

2316 - theos - Rom 01:10 god

2316 - theos - Rom 01:16 god

2316 - theos - Rom 01:17 god

2316 - theos - Rom 01:18 god

2316 - theos - Rom 01:19 god

2316 - theos - Rom 01:19 god

2316 - theos - Rom 01:21 god

2316 - theos - Rom 01:21 god

2316 - theos - Rom 01:23 god

2316 - theos - Rom 01:24 god

2316 - theos - Rom 01:25 god

2316 - theos - Rom 01:26 god

2316 - theos - Rom 01:28 god

2316 - theos - Rom 01:28 god

2316 - theos - Rom 01:32 god

2316 - theos - Rom 01:04 god

2316 - theos - Rom 01:07 god

2316 - theos - Rom 01:07 god

2316 - theos - Rom 01:08 god

2316 - theos - Rom 01:09 god

2316 - theos - Rom 02:11 god

2316 - theos - Rom 02:13 god

2316 - theos - Rom 02:16 god

2316 - theos - Rom 02:17 god

2316 - theos - Rom 02:02 god

2316 - theos - Rom 02:23 god

2316 - theos - Rom 02:24 god

2316 - theos - Rom 02:29 god

2316 - theos - Rom 02:03 god

2316 - theos - Rom 02:04 god

2316 - theos - Rom 02:05 god

2316 - theos - Rom 03:11 god

2316 - theos - Rom 03:19 god

2316 - theos - Rom 03:02 god

2316 - theos - Rom 03:21 god

2316 - theos - Rom 03:22 god

2316 - theos - Rom 03:23 god

2316 - theos - Rom 03:25 god

2316 - theos - Rom 03:25 god

2316 - theos - Rom 03:29 god

2316 - theos - Rom 03:03 god

2316 - theos - Rom 03:30 god

2316 - theos - Rom 03:04 god

2316 - theos - Rom 03:05 god

2316 - theos - Rom 03:05 god

2316 - theos - Rom 03:06 god

2316 - theos - Rom 03:07 god

2316 - theos - Rom 03:18 god

2316 - theos - Rom 04:02 god

2316 - theos - Rom 04:20 god

2316 - theos - Rom 04:20 god

2316 - theos - Rom 04:03 god

2316 - theos - Rom 04:06 god

2316 - theos - Rom 04:17 god

2316 - theos - Rom 05:10 god

2316 - theos - Rom 05:11 god

2316 - theos - Rom 05:15 god

2316 - theos - Rom 05:02 god

2316 - theos - Rom 05:05 god

2316 - theos - Rom 05:08 god

2316 - theos - Rom 05:01 god

2316 - theos - Rom 06:22 god

2316 - theos - Rom 06:10 god

2316 - theos - Rom 06:17 god

2316 - theos - Rom 06:11 god

2316 - theos - Rom 06:13 god

2316 - theos - Rom 06:13 god

2316 - theos - Rom 06:23 god

2316 - theos - Rom 07:25 god

2316 - theos - Rom 07:04 god

2316 - theos - Rom 07:22 god

2316 - theos - Rom 07:25 god

2316 - theos - Rom 08:21 god

2316 - theos - Rom 08:33 god

2316 - theos - Rom 08:34 god

2316 - theos - Rom 08:39 god

2316 - theos - Rom 08:07 god

2316 - theos - Rom 08:14 god

2316 - theos - Rom 08:14 god

2316 - theos - Rom 08:16 god

2316 - theos - Rom 08:17 god

2316 - theos - Rom 08:19 god

2316 - theos - Rom 08:07 god

2316 - theos - Rom 08:27 god

2316 - theos - Rom 08:28 god

2316 - theos - Rom 08:03 god

2316 - theos - Rom 08:08 god

2316 - theos - Rom 08:31 god

2316 - theos - Rom 08:09 god

2316 - theos - Rom 09:05 god

2316 - theos - Rom 09:26 god

2316 - theos - Rom 09:08 god

2316 - theos - Rom 09:16 god

2316 - theos - Rom 09:14 god

2316 - theos - Rom 09:11 god

2316 - theos - Rom 09:20 god

2316 - theos - Rom 09:22 god

2316 - theos - Rom 09:06 god

2316 - theos - Rom 10:09 god

2316 - theos - Rom 10:03 god

2316 - theos - Rom 10:02 god

2316 - theos - Rom 10:17 god

2316 - theos - Rom 10:01 god

2316 - theos - Rom 11:23 god

2316 - theos - Rom 11:08 god

2316 - theos - Rom 11:01 god

2316 - theos - Rom 11:02 god

2316 - theos - Rom 11:02 god

2316 - theos - Rom 11:21 god

2316 - theos - Rom 11:22 god

2316 - theos - Rom 11:29 god

2316 - theos - Rom 11:30 god

2316 - theos - Rom 11:33 god

2316 - theos - Rom 11:32 god

2316 - theos - Rom 12:01 god

2316 - theos - Rom 12:01 god

2316 - theos - Rom 12:02 god

2316 - theos - Rom 12:03 god

2316 - theos - Rom 13:01 god

2316 - theos - Rom 13:01 god

2316 - theos - Rom 13:02 god

2316 - theos - Rom 13:04 god

2316 - theos - Rom 13:04 god

2316 - theos - Rom 14:22 god

2316 - theos - Rom 14:06 god

2316 - theos - Rom 14:06 god

2316 - theos - Rom 14:04 god

2316 - theos - Rom 14:03 god

2316 - theos - Rom 14:20 god

2316 - theos - Rom 14:18 god

2316 - theos - Rom 14:17 god

2316 - theos - Rom 14:12 god

2316 - theos - Rom 14:11 god

2316 - theos - Rom 15:30 god

2316 - theos - Rom 15:07 god

2316 - theos - Rom 15:05 god

2316 - theos - Rom 15:33 god

2316 - theos - Rom 15:32 god

2316 - theos - Rom 15:09 god

2316 - theos - Rom 15:19 god

2316 - theos - Rom 15:17 god

2316 - theos - Rom 15:16 god

2316 - theos - Rom 15:15 god

2316 - theos - Rom 15:13 god

2316 - theos - Rom 15:06 god

2316 - theos - Rom 15:08 god

2316 - theos - Rom 16:27 god

2316 - theos - Rom 16:20 god

2316 - theos - Rom 16:26 god

2316 - theos - 1Co 01:27 god

2316 - theos - 1Co 01:24 god

2316 - theos - 1Co 01:14 god

2316 - theos - 1Co 01:18 god

2316 - theos - 1Co 01:01 god

2316 - theos - 1Co 01:03 god

2316 - theos - 1Co 01:04 god

2316 - theos - 1Co 01:02 god

2316 - theos - 1Co 01:20 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:24 god

2316 - theos - 1Co 01:25 god

2316 - theos - 1Co 01:09 god

2316 - theos - 1Co 01:25 god

2316 - theos - 1Co 01:27 god

2316 - theos - 1Co 01:28 god

2316 - theos - 1Co 01:30 god

2316 - theos - 1Co 01:04 god

2316 - theos - 1Co 02:01 god

2316 - theos - 1Co 02:10 god

2316 - theos - 1Co 02:10 god

2316 - theos - 1Co 02:11 god

2316 - theos - 1Co 02:11 god

2316 - theos - 1Co 02:12 god

2316 - theos - 1Co 02:12 god

2316 - theos - 1Co 02:14 god

2316 - theos - 1Co 02:05 god

2316 - theos - 1Co 02:07 god

2316 - theos - 1Co 02:07 god

2316 - theos - 1Co 02:09 god

2316 - theos - 1Co 03:10 god

2316 - theos - 1Co 03:16 god

2316 - theos - 1Co 03:16 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:19 god

2316 - theos - 1Co 03:06 god

2316 - theos - 1Co 03:07 god

2316 - theos - 1Co 03:09 god

2316 - theos - 1Co 04:01 god

2316 - theos - 1Co 04:20 god

2316 - theos - 1Co 04:05 god

2316 - theos - 1Co 04:09 god

2316 - theos - 1Co 05:13 god

2316 - theos - 1Co 06:10 god

2316 - theos - 1Co 06:11 god

2316 - theos - 1Co 06:13 god

2316 - theos - 1Co 06:14 god

2316 - theos - 1Co 06:19 god

2316 - theos - 1Co 06:20 god

2316 - theos - 1Co 06:09 god

2316 - theos - 1Co 07:24 god

2316 - theos - 1Co 07:40 god

2316 - theos - 1Co 07:15 god

2316 - theos - 1Co 07:17 god

2316 - theos - 1Co 07:07 god

2316 - theos - 1Co 07:19 god

2316 - theos - 1Co 08:06 god

2316 - theos - 1Co 08:04 god

2316 - theos - 1Co 08:08 god

2316 - theos - 1Co 08:03 god

2316 - theos - 1Co 09:21 god

2316 - theos - 1Co 09:09 god

2316 - theos - 1Co 10:31 god

2316 - theos - 1Co 10:05 god

2316 - theos - 1Co 10:32 god

2316 - theos - 1Co 10:13 god

2316 - theos - 1Co 10:20 god

2316 - theos - 1Co 11:03 god

2316 - theos - 1Co 11:07 god

2316 - theos - 1Co 11:16 god

2316 - theos - 1Co 11:12 god

2316 - theos - 1Co 11:22 god

2316 - theos - 1Co 11:13 god

2316 - theos - 1Co 12:28 god

2316 - theos - 1Co 12:18 god

2316 - theos - 1Co 12:24 god

2316 - theos - 1Co 12:06 god

2316 - theos - 1Co 12:03 god

2316 - theos - 1Co 14:33 god

2316 - theos - 1Co 14:36 god

2316 - theos - 1Co 14:25 god

2316 - theos - 1Co 14:28 god

2316 - theos - 1Co 14:25 god

2316 - theos - 1Co 14:18 god

2316 - theos - 1Co 14:02 god

2316 - theos - 1Co 15:57 god

2316 - theos - 1Co 15:28 god

2316 - theos - 1Co 15:50 god

2316 - theos - 1Co 15:09 god

2316 - theos - 1Co 15:24 god

2316 - theos - 1Co 15:15 god

2316 - theos - 1Co 15:34 god

2316 - theos - 1Co 15:10 god

2316 - theos - 1Co 15:10 god

2316 - theos - 1Co 15:38 god

2316 - theos - 1Co 15:15 god

2316 - theos - 2Co 01:02 god

2316 - theos - 2Co 01:19 god

2316 - theos - 2Co 01:20 god

2316 - theos - 2Co 01:12 god

2316 - theos - 2Co 01:01 god

2316 - theos - 2Co 01:01 god

2316 - theos - 2Co 01:20 god

2316 - theos - 2Co 01:21 god

2316 - theos - 2Co 01:23 god

2316 - theos - 2Co 01:03 god

2316 - theos - 2Co 01:03 god

2316 - theos - 2Co 01:04 god

2316 - theos - 2Co 01:09 god

2316 - theos - 2Co 01:18 god

2316 - theos - 2Co 02:14 god

2316 - theos - 2Co 02:15 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 03:03 god

2316 - theos - 2Co 03:05 god

2316 - theos - 2Co 04:15 god

2316 - theos - 2Co 04:02 god

2316 - theos - 2Co 04:02 god

2316 - theos - 2Co 04:04 god

2316 - theos - 2Co 04:04 god

2316 - theos - 2Co 04:06 god

2316 - theos - 2Co 04:06 god

2316 - theos - 2Co 04:07 god

2316 - theos - 2Co 05:01 god

2316 - theos - 2Co 05:11 god

2316 - theos - 2Co 05:13 god

2316 - theos - 2Co 05:18 god

2316 - theos - 2Co 05:19 god

2316 - theos - 2Co 05:20 god

2316 - theos - 2Co 05:20 god

2316 - theos - 2Co 05:21 god

2316 - theos - 2Co 05:05 god

2316 - theos - 2Co 06:01 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:04 god

2316 - theos - 2Co 06:07 god

2316 - theos - 2Co 07:01 god

2316 - theos - 2Co 07:12 god

2316 - theos - 2Co 07:06 god

2316 - theos - 2Co 08:01 god

2316 - theos - 2Co 08:16 god

2316 - theos - 2Co 08:05 god

2316 - theos - 2Co 09:14 god

2316 - theos - 2Co 09:13 god

2316 - theos - 2Co 09:15 god

2316 - theos - 2Co 09:07 god

2316 - theos - 2Co 09:08 god

2316 - theos - 2Co 09:12 god

2316 - theos - 2Co 09:11 god

2316 - theos - 2Co 10:05 god

2316 - theos - 2Co 10:13 god

2316 - theos - 2Co 10:04 god

2316 - theos - 2Co 11:07 god

2316 - theos - 2Co 11:31 god

2316 - theos - 2Co 11:11 god

2316 - theos - 2Co 12:19 god

2316 - theos - 2Co 12:02 god

2316 - theos - 2Co 12:03 god

2316 - theos - 2Co 12:21 god

2316 - theos - 2Co 13:07 god

2316 - theos - 2Co 13:04 god

2316 - theos - 2Co 13:14 god

2316 - theos - 2Co 13:11 god

2316 - theos - 2Co 13:04 god

2316 - theos - Gal 01:10 god

2316 - theos - Gal 01:13 god

2316 - theos - Gal 01:15 god

2316 - theos - Gal 01:20 god

2316 - theos - Gal 01:24 god

2316 - theos - Gal 01:03 god

2316 - theos - Gal 01:04 god

2316 - theos - Gal 01:01 god

2316 - theos - Gal 02:21 god

2316 - theos - Gal 02:06 god

2316 - theos - Gal 02:19 god

2316 - theos - Gal 02:20 god

2316 - theos - Gal 03:11 god

2316 - theos - Gal 03:17 god

2316 - theos - Gal 03:18 god

2316 - theos - Gal 03:20 god

2316 - theos - Gal 03:21 god

2316 - theos - Gal 03:26 god

2316 - theos - Gal 03:06 god

2316 - theos - Gal 03:08 god

2316 - theos - Gal 04:14 god

2316 - theos - Gal 04:04 god

2316 - theos - Gal 04:06 god

2316 - theos - Gal 04:07 god

2316 - theos - Gal 04:08 god

2316 - theos - Gal 04:09 god

2316 - theos - Gal 04:09 god

2316 - theos - Gal 05:21 god

2316 - theos - Gal 06:16 god

2316 - theos - Gal 06:07 god

2316 - theos - Eph 01:01 god

2316 - theos - Eph 01:17 god

2316 - theos - Eph 01:02 god

2316 - theos - Eph 01:03 god

2316 - theos - Eph 02:10 god

2316 - theos - Eph 02:16 god

2316 - theos - Eph 02:19 god

2316 - theos - Eph 02:22 god

2316 - theos - Eph 02:04 god

2316 - theos - Eph 02:08 god

2316 - theos - Eph 03:09 god

2316 - theos - Eph 03:19 god

2316 - theos - Eph 03:02 god

2316 - theos - Eph 03:07 god

2316 - theos - Eph 03:10 god

2316 - theos - Eph 04:13 god

2316 - theos - Eph 04:24 god

2316 - theos - Eph 04:18 god

2316 - theos - Eph 04:32 god

2316 - theos - Eph 04:06 god

2316 - theos - Eph 04:30 god

2316 - theos - Eph 05:01 god

2316 - theos - Eph 05:20 god

2316 - theos - Eph 05:02 god

2316 - theos - Eph 05:06 god

2316 - theos - Eph 05:21 god

2316 - theos - Eph 05:05 god

2316 - theos - Eph 06:17 god

2316 - theos - Eph 06:13 god

2316 - theos - Eph 06:06 god

2316 - theos - Eph 06:23 god

2316 - theos - Eph 06:11 god

2316 - theos - Php 01:11 god

2316 - theos - Php 01:02 god

2316 - theos - Php 01:28 god

2316 - theos - Php 01:03 god

2316 - theos - Php 01:08 god

2316 - theos - Php 02:11 god

2316 - theos - Php 02:13 god

2316 - theos - Php 02:15 god

2316 - theos - Php 02:27 god

2316 - theos - Php 02:06 god

2316 - theos - Php 02:06 god

2316 - theos - Php 02:09 god

2316 - theos - Php 03:15 god

2316 - theos - Php 03:14 god

2316 - theos - Php 03:19 god

2316 - theos - Php 03:03 god

2316 - theos - Php 03:09 god

2316 - theos - Php 04:06 god

2316 - theos - Php 04:20 god

2316 - theos - Php 04:18 god

2316 - theos - Php 04:07 god

2316 - theos - Php 04:09 god

2316 - theos - Php 04:19 god

2316 - theos - Col 01:03 god

2316 - theos - Col 01:25 god

2316 - theos - Col 01:01 god

2316 - theos - Col 01:10 god

2316 - theos - Col 01:06 god

2316 - theos - Col 01:27 god

2316 - theos - Col 01:15 god

2316 - theos - Col 01:25 god

2316 - theos - Col 01:02 god

2316 - theos - Col 02:12 god

2316 - theos - Col 02:19 god

2316 - theos - Col 02:02 god

2316 - theos - Col 03:01 god

2316 - theos - Col 03:06 god

2316 - theos - Col 03:03 god

2316 - theos - Col 03:22 god

2316 - theos - Col 03:17 god

2316 - theos - Col 03:15 god

2316 - theos - Col 03:12 god

2316 - theos - Col 04:11 god

2316 - theos - Col 04:03 god

2316 - theos - Col 04:12 god

2316 - theos - 1Th 01:01 god

2316 - theos - 1Th 01:01 god

2316 - theos - 1Th 01:02 god

2316 - theos - 1Th 01:04 god

2316 - theos - 1Th 01:03 god

2316 - theos - 1Th 01:09 god

2316 - theos - 1Th 01:09 god

2316 - theos - 1Th 02:02 god

2316 - theos - 1Th 02:04 god

2316 - theos - 1Th 02:02 god

2316 - theos - 1Th 02:05 god

2316 - theos - 1Th 02:08 god

2316 - theos - 1Th 02:09 god

2316 - theos - 1Th 02:15 god

2316 - theos - 1Th 02:14 god

2316 - theos - 1Th 02:04 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 02:12 god

2316 - theos - 1Th 02:10 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 03:13 god

2316 - theos - 1Th 03:11 god

2316 - theos - 1Th 03:02 god

2316 - theos - 1Th 03:09 god

2316 - theos - 1Th 03:09 god

2316 - theos - 1Th 04:16 god

2316 - theos - 1Th 04:03 god

2316 - theos - 1Th 04:08 god

2316 - theos - 1Th 04:01 god

2316 - theos - 1Th 04:07 god

2316 - theos - 1Th 04:05 god

2316 - theos - 1Th 04:14 god

2316 - theos - 1Th 05:18 god

2316 - theos - 1Th 05:23 god

2316 - theos - 1Th 05:09 god

2316 - theos - 2Th 01:01 god

2316 - theos - 2Th 01:11 god

2316 - theos - 2Th 01:12 god

2316 - theos - 2Th 01:02 god

2316 - theos - 2Th 01:03 god

2316 - theos - 2Th 01:04 god

2316 - theos - 2Th 01:05 god

2316 - theos - 2Th 01:05 god

2316 - theos - 2Th 01:08 god

2316 - theos - 2Th 01:06 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:16 god

2316 - theos - 2Th 02:13 god

2316 - theos - 2Th 02:13 god

2316 - theos - 2Th 02:11 god

2316 - theos - 2Th 03:05 god

2316 - theos - 1Ti 01:02 god

2316 - theos - 1Ti 01:11 god

2316 - theos - 1Ti 01:01 god

2316 - theos - 1Ti 01:17 god

2316 - theos - 1Ti 02:03 god

2316 - theos - 1Ti 02:05 god

2316 - theos - 1Ti 02:05 god

2316 - theos - 1Ti 03:05 god

2316 - theos - 1Ti 03:15 god

2316 - theos - 1Ti 03:16 god

2316 - theos - 1Ti 03:15 god

2316 - theos - 1Ti 04:05 god

2316 - theos - 1Ti 04:03 god

2316 - theos - 1Ti 04:10 god

2316 - theos - 1Ti 04:04 god

2316 - theos - 1Ti 05:21 god

2316 - theos - 1Ti 05:05 god

2316 - theos - 1Ti 05:04 god

2316 - theos - 1Ti 06:11 god

2316 - theos - 1Ti 06:13 god

2316 - theos - 1Ti 06:01 god

2316 - theos - 1Ti 06:17 god

2316 - theos - 2Ti 01:01 god

2316 - theos - 2Ti 01:02 god

2316 - theos - 2Ti 01:03 god

2316 - theos - 2Ti 01:06 god

2316 - theos - 2Ti 01:08 god

2316 - theos - 2Ti 01:07 god

2316 - theos - 2Ti 02:19 god

2316 - theos - 2Ti 02:15 god

2316 - theos - 2Ti 02:09 god

2316 - theos - 2Ti 02:25 god

2316 - theos - 2Ti 03:17 god

2316 - theos - 2Ti 04:01 god

2316 - theos - Tit 01:02 god

2316 - theos - Tit 01:16 god

2316 - theos - Tit 01:07 god

2316 - theos - Tit 01:04 god

2316 - theos - Tit 01:03 god

2316 - theos - Tit 01:01 god

2316 - theos - Tit 02:10 god

2316 - theos - Tit 02:11 god

2316 - theos - Tit 02:13 god

2316 - theos - Tit 02:05 god

2316 - theos - Tit 03:04 god

2316 - theos - Tit 03:08 god

2316 - theos - Phm 01:03 god

2316 - theos - Phm 01:04 god

2316 - theos - Heb 01:06 god

2316 - theos - Heb 01:08 god

2316 - theos - Heb 01:01 god

2316 - theos - Heb 01:09 god

2316 - theos - Heb 01:09 god

2316 - theos - Heb 02:04 god

2316 - theos - Heb 02:17 god

2316 - theos - Heb 02:13 god

2316 - theos - Heb 02:09 god

2316 - theos - Heb 03:12 god

2316 - theos - Heb 03:04 god

2316 - theos - Heb 04:12 god

2316 - theos - Heb 04:14 god

2316 - theos - Heb 04:04 god

2316 - theos - Heb 04:10 god

2316 - theos - Heb 04:09 god

2316 - theos - Heb 05:12 god

2316 - theos - Heb 05:04 god

2316 - theos - Heb 05:01 god

2316 - theos - Heb 05:10 god

2316 - theos - Heb 06:05 god

2316 - theos - Heb 06:13 god

2316 - theos - Heb 06:18 god

2316 - theos - Heb 06:17 god

2316 - theos - Heb 06:01 god

2316 - theos - Heb 06:06 god

2316 - theos - Heb 06:07 god

2316 - theos - Heb 06:03 god

2316 - theos - Heb 06:10 god

2316 - theos - Heb 07:01 god

2316 - theos - Heb 07:25 god

2316 - theos - Heb 07:03 god

2316 - theos - Heb 07:19 god

2316 - theos - Heb 08:10 god

2316 - theos - Heb 09:24 god

2316 - theos - Heb 09:20 god

2316 - theos - Heb 09:14 god

2316 - theos - Heb 09:14 god

2316 - theos - Heb 10:09 god

2316 - theos - Heb 10:29 god

2316 - theos - Heb 10:21 god

2316 - theos - Heb 10:31 god

2316 - theos - Heb 10:36 god

2316 - theos - Heb 10:12 god

2316 - theos - Heb 10:07 god

2316 - theos - Heb 11:04 god

2316 - theos - Heb 11:40 god

2316 - theos - Heb 11:05 god

2316 - theos - Heb 11:04 god

2316 - theos - Heb 11:06 god

2316 - theos - Heb 11:03 god

2316 - theos - Heb 11:25 god

2316 - theos - Heb 11:19 god

2316 - theos - Heb 11:16 god

2316 - theos - Heb 11:16 god

2316 - theos - Heb 11:10 god

2316 - theos - Heb 11:05 god

2316 - theos - Heb 12:07 god

2316 - theos - Heb 12:29 god

2316 - theos - Heb 12:15 god

2316 - theos - Heb 12:02 god

2316 - theos - Heb 12:22 god

2316 - theos - Heb 12:28 god

2316 - theos - Heb 12:23 god

2316 - theos - Heb 13:07 god

2316 - theos - Heb 13:15 god

2316 - theos - Heb 13:04 god

2316 - theos - Heb 13:20 god

2316 - theos - Heb 13:16 god

2316 - theos - Jam 01:01 god

2316 - theos - Jam 01:13 god

2316 - theos - Jam 01:13 god

2316 - theos - Jam 01:20 god

2316 - theos - Jam 01:27 god

2316 - theos - Jam 01:05 god

2316 - theos - Jam 02:19 god

2316 - theos - Jam 02:23 god

2316 - theos - Jam 02:23 god

2316 - theos - Jam 02:05 god

2316 - theos - Jam 03:09 god

2316 - theos - Jam 03:09 god

2316 - theos - Jam 04:04 god

2316 - theos - Jam 04:07 god

2316 - theos - Jam 04:06 god

2316 - theos - Jam 04:04 god

2316 - theos - Jam 04:08 god

2316 - theos - 1Pe 01:05 god

2316 - theos - 1Pe 01:23 god

2316 - theos - 1Pe 01:03 god

2316 - theos - 1Pe 01:21 god

2316 - theos - 1Pe 01:02 god

2316 - theos - 1Pe 01:21 god

2316 - theos - 1Pe 02:05 god

2316 - theos - 1Pe 02:04 god

2316 - theos - 1Pe 02:20 god

2316 - theos - 1Pe 02:19 god

2316 - theos - 1Pe 02:17 god

2316 - theos - 1Pe 02:10 god

2316 - theos - 1Pe 02:16 god

2316 - theos - 1Pe 02:15 god

2316 - theos - 1Pe 02:12 god

2316 - theos - 1Pe 03:04 god

2316 - theos - 1Pe 03:15 god

2316 - theos - 1Pe 03:05 god

2316 - theos - 1Pe 03:21 god

2316 - theos - 1Pe 03:22 god

2316 - theos - 1Pe 03:18 god

2316 - theos - 1Pe 03:20 god

2316 - theos - 1Pe 03:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 04:10 god

2316 - theos - 1Pe 04:06 god

2316 - theos - 1Pe 04:02 god

2316 - theos - 1Pe 04:19 god

2316 - theos - 1Pe 04:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:16 god

2316 - theos - 1Pe 04:14 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 05:12 god

2316 - theos - 1Pe 05:02 god

2316 - theos - 1Pe 05:06 god

2316 - theos - 1Pe 05:05 god

2316 - theos - 1Pe 05:10 god

2316 - theos - 2Pe 01:17 god

2316 - theos - 2Pe 01:21 god

2316 - theos - 2Pe 01:01 god

2316 - theos - 2Pe 01:02 god

2316 - theos - 2Pe 02:04 god

2316 - theos - 2Pe 03:05 god

2316 - theos - 2Pe 03:12 god

2316 - theos - 1Jo 01:05 god

2316 - theos - 1Jo 02:14 god

2316 - theos - 1Jo 02:17 god

2316 - theos - 1Jo 02:05 god

2316 - theos - 1Jo 03:02 god

2316 - theos - 1Jo 03:09 god

2316 - theos - 1Jo 03:01 god

2316 - theos - 1Jo 03:10 god

2316 - theos - 1Jo 03:08 god

2316 - theos - 1Jo 03:21 god

2316 - theos - 1Jo 03:20 god

2316 - theos - 1Jo 03:10 god

2316 - theos - 1Jo 03:17 god

2316 - theos - 1Jo 03:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:08 god

2316 - theos - 1Jo 04:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:08 god

2316 - theos - 1Jo 04:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:01 god

2316 - theos - 1Jo 04:10 god

2316 - theos - 1Jo 04:11 god

2316 - theos - 1Jo 04:12 god

2316 - theos - 1Jo 04:12 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:02 god

2316 - theos - 1Jo 04:02 god

2316 - theos - 1Jo 04:20 god

2316 - theos - 1Jo 04:20 god

2316 - theos - 1Jo 04:21 god

2316 - theos - 1Jo 04:03 god

2316 - theos - 1Jo 04:04 god

2316 - theos - 1Jo 05:09 god

2316 - theos - 1Jo 05:05 god

2316 - theos - 1Jo 05:11 god

2316 - theos - 1Jo 05:20 god

2316 - theos - 1Jo 05:01 god

2316 - theos - 1Jo 05:20 god

2316 - theos - 1Jo 05:02 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:12 god

2316 - theos - 1Jo 05:13 god

2316 - theos - 1Jo 05:09 god

2316 - theos - 1Jo 05:18 god

2316 - theos - 1Jo 05:04 god

2316 - theos - 1Jo 05:03 god

2316 - theos - 1Jo 05:13 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:02 god

2316 - theos - 1Jo 05:19 god

2316 - theos - 1Jo 05:18 god

2316 - theos - 2Jo 01:03 god

2316 - theos - 2Jo 01:09 god

2316 - theos - 3Jo 01:11 god

2316 - theos - 3Jo 01:11 god

2316 - theos - Jude 01:25 god

2316 - theos - Jude 01:04 god

2316 - theos - Jude 01:04 god

2316 - theos - Jude 01:01 god

2316 - theos - Jude 01:21 god

2316 - theos - Rev 01:09 god

2316 - theos - Rev 01:01 god

2316 - theos - Rev 01:02 god

2316 - theos - Rev 01:06 god

2316 - theos - Rev 02:18 god

2316 - theos - Rev 02:07 god

2316 - theos - Rev 03:14 god

2316 - theos - Rev 03:02 god

2316 - theos - Rev 03:01 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 04:05 god

2316 - theos - Rev 04:08 god

2316 - theos - Rev 05:09 god

2316 - theos - Rev 05:10 god

2316 - theos - Rev 05:06 god

2316 - theos - Rev 06:09 god

2316 - theos - Rev 07:11 god

2316 - theos - Rev 07:17 god

2316 - theos - Rev 07:10 god

2316 - theos - Rev 07:02 god

2316 - theos - Rev 07:12 god

2316 - theos - Rev 07:15 god

2316 - theos - Rev 07:03 god

2316 - theos - Rev 08:04 god

2316 - theos - Rev 08:02 god

2316 - theos - Rev 09:04 god

2316 - theos - Rev 09:13 god

2316 - theos - Rev 10:07 god

2316 - theos - Rev 11:17 god

2316 - theos - Rev 11:16 god

2316 - theos - Rev 11:13 god

2316 - theos - Rev 11:16 god

2316 - theos - Rev 11:01 god

2316 - theos - Rev 11:19 god

2316 - theos - Rev 11:04 god

2316 - theos - Rev 11:11 god

2316 - theos - Rev 12:10 god

2316 - theos - Rev 12:06 god

2316 - theos - Rev 12:05 god

2316 - theos - Rev 12:17 god

2316 - theos - Rev 12:10 god

2316 - theos - Rev 13:06 god

2316 - theos - Rev 14:10 god

2316 - theos - Rev 14:12 god

2316 - theos - Rev 14:05 god

2316 - theos - Rev 14:19 god

2316 - theos - Rev 14:04 god

2316 - theos - Rev 14:07 god

2316 - theos - Rev 15:02 god

2316 - theos - Rev 15:01 god

2316 - theos - Rev 15:03 god

2316 - theos - Rev 15:03 god

2316 - theos - Rev 15:07 god

2316 - theos - Rev 15:08 god

2316 - theos - Rev 16:11 god

2316 - theos - Rev 16:14 god

2316 - theos - Rev 16:19 god

2316 - theos - Rev 16:21 god

2316 - theos - Rev 16:07 god

2316 - theos - Rev 16:09 god

2316 - theos - Rev 16:01 god

2316 - theos - Rev 17:17 god

2316 - theos - Rev 17:17 god

2316 - theos - Rev 18:20 god

2316 - theos - Rev 18:05 god

2316 - theos - Rev 18:08 god

2316 - theos - Rev 19:01 god

2316 - theos - Rev 19:10 god

2316 - theos - Rev 19:13 god

2316 - theos - Rev 19:15 god

2316 - theos - Rev 19:17 god

2316 - theos - Rev 19:04 god

2316 - theos - Rev 19:05 god

2316 - theos - Rev 19:06 god

2316 - theos - Rev 19:09 god

2316 - theos - Rev 20:12 god

2316 - theos - Rev 20:04 god

2316 - theos - Rev 20:06 god

2316 - theos - Rev 20:09 god

2316 - theos - Rev 21:07 god

2316 - theos - Rev 21:04 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:23 god

2316 - theos - Rev 21:22 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:02 god

2316 - theos - Rev 21:10 god

2316 - theos - Rev 21:11 god

2316 - theos - Rev 22:06 god

2316 - theos - Rev 22:01 god

2316 - theos - Rev 22:09 god

2316 - theos - Rev 22:18 god

2316 - theos - Rev 22:19 god

2316 - theos - Rev 22:03 god

2316 - theos - Rev 22:05 god

2316 - theos - Mat 05:34 God's

2316 - theos - Mat 22:21 God's

2316 - theos - Mar 12:17 God's

2316 - theos - Luk 18:29 God's

2316 - theos - Luk 20:25 God's

2316 - theos - Joh 08:47 God's

2316 - theos - Act 23:04 God's

2316 - theos - Rom 08:33 God's

2316 - theos - Rom 10:03 God's

2316 - theos - Rom 13:06 God's

2316 - theos - 1Co 03:09 God's

2316 - theos - 1Co 03:23 God's

2316 - theos - 1Co 03:09 God's

2316 - theos - 1Co 06:20 God's

2316 - theos - Tit 01:01 God's

2316 - theos - 1Pe 05:03 God's

2316 - theos - 2Co 03:04 God - ward

2316 - theos - 1Th 01:08 God - ward

2316 - theos - 2Co 01:12 godly

2316 - theos - 2Co 07:11 godly

2316 - theos - 2Co 07:10 godly

2316 - theos - 2Co 07:09 godly

2316 - theos - 2Co 11:02 godly

2316 - theos - 1Ti 01:04 godly

2316 - theos - 3Jo 01:06 godly

2316 - theos - Joh 10:34 gods

2316 - theos - Joh 10:35 gods

2316 - theos - Act 07:40 gods

2316 - theos - Act 14:11 gods

2316 - theos - Act 19:26 gods

2316 - theos - 1Co 08:05 gods

2316 - theos - 1Co 08:05 gods

2316 - theos - Gal 04:08 gods

2316 Mt 12:28 god

2316 Mt 12:28 god

2316 Mt 12:4 god

2316 Mt 14:33 god

2316 Mt 15:3 god

2316 Mt 15:31 god

2316 Mt 15:4 god

2316 Mt 15:6 god

2316 Mt 16:16 god

2316 Mt 16:23 god

2316 Mt 19:17 god

2316 Mt 19:24 god

2316 Mt 19:26 god

2316 Mt 19:6 god

2316 Mt 1:23 god

2316 Mt 21:12 god

2316 Mt 21:31 god

2316 Mt 21:43 god

2316 Mt 22:16 god

2316 Mt 22:21 God's

2316 Mt 22:21 god

2316 Mt 22:29 god

2316 Mt 22:30 god

2316 Mt 22:31 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:37 god

2316 Mt 23:22 god

2316 Mt 26:61 god

2316 Mt 26:63 god

2316 Mt 26:63 god

2316 Mt 27:40 god

2316 Mt 27:43 god

2316 Mt 27:43 god

2316 Mt 27:46 god

2316 Mt 27:46 god

2316 Mt 27:54 god

2316 Mt 3:16 god

2316 Mt 3:9 god

2316 Mt 4:10 god

2316 Mt 4:3 god

2316 Mt 4:4 god

2316 Mt 4:6 god

2316 Mt 4:7 god

2316 Mt 5:34 God's

2316 Mt 5:8 god

2316 Mt 5:9 god

2316 Mt 6:24 god

2316 Mt 6:30 god

2316 Mt 6:33 god

2316 Mt 8:29 god

2316 Mt 9:8 god

2316 Mr 10:14 god

2316 Mr 10:15 god

2316 Mr 10:18 god

2316 Mr 10:23 god

2316 Mr 10:24 god

2316 Mr 10:25 god

2316 Mr 10:27 god

2316 Mr 10:27 god

2316 Mr 10:6 god

2316 Mr 10:9 god

2316 Mr 11:22 god

2316 Mr 12:14 god

2316 Mr 12:17 God's

2316 Mr 12:17 god

2316 Mr 12:24 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:27 god

2316 Mr 12:27 god

2316 Mr 12:29 god

2316 Mr 12:30 god

2316 Mr 12:32 god

2316 Mr 12:34 god

2316 Mr 13:19 god

2316 Mr 14:25 god

2316 Mr 15:34 god

2316 Mr 15:34 god

2316 Mr 15:39 god

2316 Mr 15:43 god

2316 Mr 16:19 god

2316 Mr 1:1 god

2316 Mr 1:14 god

2316 Mr 1:15 god

2316 Mr 1:24 god

2316 Mr 2:12 god

2316 Mr 2:26 god

2316 Mr 2:7 god

2316 Mr 3:11 god

2316 Mr 3:35 god

2316 Mr 4:11 god

2316 Mr 4:26 god

2316 Mr 4:30 god

2316 Mr 5:7 god

2316 Mr 5:7 god

2316 Mr 7:13 god

2316 Mr 7:8 god

2316 Mr 7:9 god

2316 Mr 8:33 god

2316 Mr 9:1 god

2316 Mr 9:47 god

2316 Lu 10:11 god

2316 Lu 10:27 god

2316 Lu 10:9 god

2316 Lu 11:20 god

2316 Lu 11:20 god

2316 Lu 11:28 god

2316 Lu 11:42 god

2316 Lu 11:49 god

2316 Lu 12:20 god

2316 Lu 12:21 god

2316 Lu 12:24 god

2316 Lu 12:28 god

2316 Lu 12:31 god

2316 Lu 12:6 god

2316 Lu 12:8 god

2316 Lu 12:9 god

2316 Lu 13:13 god

2316 Lu 13:18 god

2316 Lu 13:20 god

2316 Lu 13:28 god

2316 Lu 13:29 god

2316 Lu 14:15 god

2316 Lu 15:10 god

2316 Lu 16:13 god

2316 Lu 16:15 god

2316 Lu 16:15 god

2316 Lu 16:16 god

2316 Lu 17:15 god

2316 Lu 17:18 god

2316 Lu 17:20 god

2316 Lu 17:20 god

2316 Lu 17:21 god

2316 Lu 18:11 god

2316 Lu 18:13 god

2316 Lu 18:16 god

2316 Lu 18:17 god

2316 Lu 18:19 god

2316 Lu 18:2 god

2316 Lu 18:24 god

2316 Lu 18:25 god

2316 Lu 18:27 god

2316 Lu 18:29 God's

2316 Lu 18:4 god

2316 Lu 18:43 god

2316 Lu 18:43 god

2316 Lu 18:7 god

2316 Lu 19:11 god

2316 Lu 19:37 god

2316 Lu 1:16 god

2316 Lu 1:19 god

2316 Lu 1:26 god

2316 Lu 1:30 god

2316 Lu 1:32 god

2316 Lu 1:35 god

2316 Lu 1:37 god

2316 Lu 1:47 god

2316 Lu 1:6 god

2316 Lu 1:64 god

2316 Lu 1:68 god

2316 Lu 1:78 god

2316 Lu 1:8 god

2316 Lu 20:21 god

2316 Lu 20:25 God's

2316 Lu 20:25 god

2316 Lu 20:36 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:38 god

2316 Lu 21:31 god

2316 Lu 21:4 god

2316 Lu 22:16 god

2316 Lu 22:18 god

2316 Lu 22:69 god

2316 Lu 22:70 god

2316 Lu 23:35 god

2316 Lu 23:40 god

2316 Lu 23:47 god

2316 Lu 23:51 god

2316 Lu 24:19 god

2316 Lu 24:53 god

2316 Lu 2:13 god

2316 Lu 2:14 god

2316 Lu 2:20 god

2316 Lu 2:28 god

2316 Lu 2:40 god

2316 Lu 2:52 god

2316 Lu 3:2 god

2316 Lu 3:38 god

2316 Lu 3:6 god

2316 Lu 3:8 god

2316 Lu 4:12 god

2316 Lu 4:3 god

2316 Lu 4:34 god

2316 Lu 4:4 god

2316 Lu 4:41 god

2316 Lu 4:43 god

2316 Lu 4:8 god

2316 Lu 4:9 god

2316 Lu 5:1 god

2316 Lu 5:21 god

2316 Lu 5:25 god

2316 Lu 5:26 god

2316 Lu 6:12 god

2316 Lu 6:20 god

2316 Lu 6:4 god

2316 Lu 7:16 god

2316 Lu 7:16 god

2316 Lu 7:28 god

2316 Lu 7:29 god

2316 Lu 7:30 god

2316 Lu 8:1 god

2316 Lu 8:10 god

2316 Lu 8:11 god

2316 Lu 8:21 god

2316 Lu 8:28 god

2316 Lu 8:39 god

2316 Lu 9:11 god

2316 Lu 9:2 god

2316 Lu 9:20 god

2316 Lu 9:27 god

2316 Lu 9:43 god

2316 Lu 9:60 god

2316 Lu 9:62 god

2316 Joh 10:33 god

2316 Joh 10:34 gods

2316 Joh 10:35 gods

2316 Joh 10:35 god

2316 Joh 10:36 god

2316 Joh 11:22 god

2316 Joh 11:22 god

2316 Joh 11:27 god

2316 Joh 11:4 god

2316 Joh 11:4 god

2316 Joh 11:40 god

2316 Joh 11:52 god

2316 Joh 12:43 god

2316 Joh 13:3 god

2316 Joh 13:3 god

2316 Joh 13:31 god

2316 Joh 13:32 god

2316 Joh 13:32 god

2316 Joh 14:1 god

2316 Joh 16:2 god

2316 Joh 16:27 god

2316 Joh 16:30 god

2316 Joh 17:3 god

2316 Joh 19:7 god

2316 Joh 1:1 god

2316 Joh 1:1 god

2316 Joh 1:12 god

2316 Joh 1:13 god

2316 Joh 1:18 god

2316 Joh 1:2 god

2316 Joh 1:29 god

2316 Joh 1:34 god

2316 Joh 1:36 god

2316 Joh 1:49 god

2316 Joh 1:51 god

2316 Joh 1:6 god

2316 Joh 20:17 god

2316 Joh 20:17 god

2316 Joh 20:28 god

2316 Joh 20:31 god

2316 Joh 21:19 god

2316 Joh 3:16 god

2316 Joh 3:17 god

2316 Joh 3:18 god

2316 Joh 3:2 god

2316 Joh 3:2 god

2316 Joh 3:21 god

2316 Joh 3:3 god

2316 Joh 3:33 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:36 god

2316 Joh 3:5 god

2316 Joh 4:10 god

2316 Joh 4:24 god

2316 Joh 5:18 god

2316 Joh 5:18 god

2316 Joh 5:25 god

2316 Joh 5:42 god

2316 Joh 5:44 god

2316 Joh 6:27 god

2316 Joh 6:28 god

2316 Joh 6:29 god

2316 Joh 6:33 god

2316 Joh 6:45 god

2316 Joh 6:46 god

2316 Joh 6:69 god

2316 Joh 7:17 god

2316 Joh 8:40 god

2316 Joh 8:41 god

2316 Joh 8:42 god

2316 Joh 8:42 god

2316 Joh 8:47 God's

2316 Joh 8:47 god

2316 Joh 8:47 god

2316 Joh 8:54 god

2316 Joh 9:16 god

2316 Joh 9:24 god

2316 Joh 9:29 god

2316 Joh 9:3 god

2316 Joh 9:31 god

2316 Joh 9:33 god

2316 Joh 9:35 god

2316 Ac 10:15 god

2316 Ac 10:2 god

2316 Ac 10:2 god

2316 Ac 10:22 god

2316 Ac 10:28 god

2316 Ac 10:3 god

2316 Ac 10:31 god

2316 Ac 10:33 god

2316 Ac 10:33 god

2316 Ac 10:34 god

2316 Ac 10:38 god

2316 Ac 10:38 god

2316 Ac 10:4 god

2316 Ac 10:40 god

2316 Ac 10:41 god

2316 Ac 10:42 god

2316 Ac 10:46 god

2316 Ac 11:1 god

2316 Ac 11:17 god

2316 Ac 11:17 god

2316 Ac 11:18 god

2316 Ac 11:18 god

2316 Ac 11:23 god

2316 Ac 11:9 god

2316 Ac 12:22 god

2316 Ac 12:23 god

2316 Ac 12:24 god

2316 Ac 12:5 god

2316 Ac 13:16 god

2316 Ac 13:17 god

2316 Ac 13:21 god

2316 Ac 13:23 god

2316 Ac 13:26 god

2316 Ac 13:30 god

2316 Ac 13:33 god

2316 Ac 13:36 god

2316 Ac 13:37 god

2316 Ac 13:43 god

2316 Ac 13:44 god

2316 Ac 13:46 god

2316 Ac 13:5 god

2316 Ac 13:7 god

2316 Ac 14:11 gods

2316 Ac 14:15 god

2316 Ac 14:22 god

2316 Ac 14:26 god

2316 Ac 14:27 god

2316 Ac 15:10 god

2316 Ac 15:12 god

2316 Ac 15:14 god

2316 Ac 15:18 god

2316 Ac 15:19 god

2316 Ac 15:4 god

2316 Ac 15:40 god

2316 Ac 15:7 god

2316 Ac 15:8 god

2316 Ac 16:14 god

2316 Ac 16:17 god

2316 Ac 16:25 god

2316 Ac 16:34 god

2316 Ac 17:13 god

2316 Ac 17:23 GOD

2316 Ac 17:24 god

2316 Ac 17:29 god

2316 Ac 17:30 god

2316 Ac 18:11 god

2316 Ac 18:13 god

2316 Ac 18:21 god

2316 Ac 18:26 god

2316 Ac 18:7 god

2316 Ac 19:11 god

2316 Ac 19:26 gods

2316 Ac 19:8 god

2316 Ac 1:3 god

2316 Ac 20:21 god

2316 Ac 20:24 god

2316 Ac 20:25 god

2316 Ac 20:27 god

2316 Ac 20:28 god

2316 Ac 20:32 god

2316 Ac 21:19 god

2316 Ac 22:14 god

2316 Ac 22:3 god

2316 Ac 23:1 god

2316 Ac 23:3 god

2316 Ac 23:4 God's

2316 Ac 24:14 god

2316 Ac 24:15 god

2316 Ac 24:16 god

2316 Ac 26:18 god

2316 Ac 26:20 god

2316 Ac 26:22 god

2316 Ac 26:29 god

2316 Ac 26:6 god

2316 Ac 26:8 god

2316 Ac 27:23 god

2316 Ac 27:24 god

2316 Ac 27:25 god

2316 Ac 27:35 god

2316 Ac 28:15 god

2316 Ac 28:23 god

2316 Ac 28:28 god

2316 Ac 28:31 god

2316 Ac 28:6 god

2316 Ac 2:11 god

2316 Ac 2:17 god

2316 Ac 2:22 god

2316 Ac 2:22 god

2316 Ac 2:23 god

2316 Ac 2:24 god

2316 Ac 2:30 god

2316 Ac 2:32 god

2316 Ac 2:33 god

2316 Ac 2:36 god

2316 Ac 2:39 god

2316 Ac 2:47 god

2316 Ac 3:13 god

2316 Ac 3:13 god

2316 Ac 3:15 god

2316 Ac 3:18 god

2316 Ac 3:21 god

2316 Ac 3:22 god

2316 Ac 3:25 god

2316 Ac 3:26 god

2316 Ac 3:8 god

2316 Ac 3:9 god

2316 Ac 4:10 god

2316 Ac 4:19 god

2316 Ac 4:19 god

2316 Ac 4:21 god

2316 Ac 4:24 god

2316 Ac 4:24 god

2316 Ac 4:31 god

2316 Ac 5:29 god

2316 Ac 5:30 god

2316 Ac 5:31 god

2316 Ac 5:32 god

2316 Ac 5:39 god

2316 Ac 5:4 god

2316 Ac 6:11 god

2316 Ac 6:2 god

2316 Ac 6:7 god

2316 Ac 7:17 god

2316 Ac 7:2 god

2316 Ac 7:20 exceeding

2316 Ac 7:25 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:35 god

2316 Ac 7:37 god

2316 Ac 7:40 gods

2316 Ac 7:42 god

2316 Ac 7:43 god

2316 Ac 7:45 god

2316 Ac 7:46 god

2316 Ac 7:46 god

2316 Ac 7:55 god

2316 Ac 7:55 god

2316 Ac 7:56 god

2316 Ac 7:6 god

2316 Ac 7:7 god

2316 Ac 7:9 god

2316 Ac 8:10 god

2316 Ac 8:12 god

2316 Ac 8:14 god

2316 Ac 8:20 god

2316 Ac 8:21 god

2316 Ac 8:22 god

2316 Ac 8:37 god

2316 Ac 9:20 god

2316 Ro 10:1 god

2316 Ro 10:17 god

2316 Ro 10:2 god

2316 Ro 10:3 God's

2316 Ro 10:3 god

2316 Ro 10:9 god

2316 Ro 11:1 god

2316 Ro 11:2 god

2316 Ro 11:2 god

2316 Ro 11:21 god

2316 Ro 11:22 god

2316 Ro 11:23 god

2316 Ro 11:29 god

2316 Ro 11:30 god

2316 Ro 11:32 god

2316 Ro 11:33 god

2316 Ro 11:8 god

2316 Ro 12:1 god

2316 Ro 12:1 god

2316 Ro 12:2 god

2316 Ro 12:3 god

2316 Ro 13:1 god

2316 Ro 13:1 god

2316 Ro 13:2 god

2316 Ro 13:4 god

2316 Ro 13:4 god

2316 Ro 13:6 God's

2316 Ro 14:11 god

2316 Ro 14:12 god

2316 Ro 14:17 god

2316 Ro 14:18 god

2316 Ro 14:20 god

2316 Ro 14:22 god

2316 Ro 14:3 god

2316 Ro 14:4 god

2316 Ro 14:6 god

2316 Ro 14:6 god

2316 Ro 15:13 god

2316 Ro 15:15 god

2316 Ro 15:16 god

2316 Ro 15:17 god

2316 Ro 15:19 god

2316 Ro 15:30 god

2316 Ro 15:32 god

2316 Ro 15:33 god

2316 Ro 15:5 god

2316 Ro 15:6 god

2316 Ro 15:7 god

2316 Ro 15:8 god

2316 Ro 15:9 god

2316 Ro 16:20 god

2316 Ro 16:26 god

2316 Ro 16:27 god

2316 Ro 1:1 god

2316 Ro 1:10 god

2316 Ro 1:16 god

2316 Ro 1:17 god

2316 Ro 1:18 god

2316 Ro 1:19 god

2316 Ro 1:19 god

2316 Ro 1:21 god

2316 Ro 1:21 god

2316 Ro 1:23 god

2316 Ro 1:24 god

2316 Ro 1:25 god

2316 Ro 1:26 god

2316 Ro 1:28 god

2316 Ro 1:28 god

2316 Ro 1:32 god

2316 Ro 1:4 god

2316 Ro 1:7 god

2316 Ro 1:7 god

2316 Ro 1:8 god

2316 Ro 1:9 god

2316 Ro 2:11 god

2316 Ro 2:13 god

2316 Ro 2:16 god

2316 Ro 2:17 god

2316 Ro 2:2 god

2316 Ro 2:23 god

2316 Ro 2:24 god

2316 Ro 2:29 god

2316 Ro 2:3 god

2316 Ro 2:4 god

2316 Ro 2:5 god

2316 Ro 3:11 god

2316 Ro 3:18 god

2316 Ro 3:19 god

2316 Ro 3:2 god

2316 Ro 3:21 god

2316 Ro 3:22 god

2316 Ro 3:23 god

2316 Ro 3:25 god

2316 Ro 3:25 god

2316 Ro 3:29 god

2316 Ro 3:3 god

2316 Ro 3:30 god

2316 Ro 3:4 god

2316 Ro 3:5 god

2316 Ro 3:5 god

2316 Ro 3:6 god

2316 Ro 3:7 god

2316 Ro 4:17 god

2316 Ro 4:2 god

2316 Ro 4:20 god

2316 Ro 4:20 god

2316 Ro 4:3 god

2316 Ro 4:6 god

2316 Ro 5:1 god

2316 Ro 5:10 god

2316 Ro 5:11 god

2316 Ro 5:15 god

2316 Ro 5:2 god

2316 Ro 5:5 god

2316 Ro 5:8 god

2316 Ro 6:10 god

2316 Ro 6:11 god

2316 Ro 6:13 god

2316 Ro 6:13 god

2316 Ro 6:17 god

2316 Ro 6:22 god

2316 Ro 6:23 god

2316 Ro 7:22 god

2316 Ro 7:25 god

2316 Ro 7:25 god

2316 Ro 7:4 god

2316 Ro 8:14 god

2316 Ro 8:14 god

2316 Ro 8:16 god

2316 Ro 8:17 god

2316 Ro 8:19 god

2316 Ro 8:21 god

2316 Ro 8:27 god

2316 Ro 8:28 god

2316 Ro 8:3 god

2316 Ro 8:31 god

2316 Ro 8:33 God's

2316 Ro 8:33 god

2316 Ro 8:34 god

2316 Ro 8:39 god

2316 Ro 8:7 god

2316 Ro 8:7 god

2316 Ro 8:8 god

2316 Ro 8:9 god

2316 Ro 9:11 god

2316 Ro 9:14 god

2316 Ro 9:16 god

2316 Ro 9:20 god

2316 Ro 9:22 god

2316 Ro 9:26 god

2316 Ro 9:5 god

2316 Ro 9:6 god

2316 Ro 9:8 god

2316 1Co 10:13 god

2316 1Co 10:20 god

2316 1Co 10:31 god

2316 1Co 10:32 god

2316 1Co 10:5 god

2316 1Co 11:12 god

2316 1Co 11:13 god

2316 1Co 11:16 god

2316 1Co 11:22 god

2316 1Co 11:3 god

2316 1Co 11:7 god

2316 1Co 12:18 god

2316 1Co 12:24 god

2316 1Co 12:28 god

2316 1Co 12:3 god

2316 1Co 12:6 god

2316 1Co 14:18 god

2316 1Co 14:2 god

2316 1Co 14:25 god

2316 1Co 14:25 god

2316 1Co 14:28 god

2316 1Co 14:33 god

2316 1Co 14:36 god

2316 1Co 15:10 god

2316 1Co 15:10 god

2316 1Co 15:15 god

2316 1Co 15:15 god

2316 1Co 15:24 god

2316 1Co 15:28 god

2316 1Co 15:34 god

2316 1Co 15:38 god

2316 1Co 15:50 god

2316 1Co 15:57 god

2316 1Co 15:9 god

2316 1Co 1:1 god

2316 1Co 1:14 god

2316 1Co 1:18 god

2316 1Co 1:2 god

2316 1Co 1:20 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:24 god

2316 1Co 1:24 god

2316 1Co 1:25 god

2316 1Co 1:25 god

2316 1Co 1:27 god

2316 1Co 1:27 god

2316 1Co 1:28 god

2316 1Co 1:3 god

2316 1Co 1:30 god

2316 1Co 1:4 god

2316 1Co 1:4 god

2316 1Co 1:9 god

2316 1Co 2:1 god

2316 1Co 2:10 god

2316 1Co 2:10 god

2316 1Co 2:11 god

2316 1Co 2:11 god

2316 1Co 2:12 god

2316 1Co 2:12 god

2316 1Co 2:14 god

2316 1Co 2:5 god

2316 1Co 2:7 god

2316 1Co 2:7 god

2316 1Co 2:9 god

2316 1Co 3:10 god

2316 1Co 3:16 god

2316 1Co 3:16 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:19 god

2316 1Co 3:23 God's

2316 1Co 3:6 god

2316 1Co 3:7 god

2316 1Co 3:9 God's

2316 1Co 3:9 God's

2316 1Co 3:9 god

2316 1Co 4:1 god

2316 1Co 4:20 god

2316 1Co 4:5 god

2316 1Co 4:9 god

2316 1Co 5:13 god

2316 1Co 6:10 god

2316 1Co 6:11 god

2316 1Co 6:13 god

2316 1Co 6:14 god

2316 1Co 6:19 god

2316 1Co 6:20 God's

2316 1Co 6:20 god

2316 1Co 6:9 god

2316 1Co 7:15 god

2316 1Co 7:17 god

2316 1Co 7:19 god

2316 1Co 7:24 god

2316 1Co 7:40 god

2316 1Co 7:7 god

2316 1Co 8:3 god

2316 1Co 8:4 god

2316 1Co 8:5 gods

2316 1Co 8:5 gods

2316 1Co 8:6 god

2316 1Co 8:8 god

2316 1Co 9:21 god

2316 1Co 9:9 god

2316 2Co 10:13 god

2316 2Co 10:4 god

2316 2Co 10:5 god

2316 2Co 11:11 god

2316 2Co 11:2 godly

2316 2Co 11:31 god

2316 2Co 11:7 god

2316 2Co 12:19 god

2316 2Co 12:2 god

2316 2Co 12:21 god

2316 2Co 12:3 god

2316 2Co 13:11 god

2316 2Co 13:14 god

2316 2Co 13:4 god

2316 2Co 13:4 god

2316 2Co 13:7 god

2316 2Co 1:1 god

2316 2Co 1:1 god

2316 2Co 1:12 godly

2316 2Co 1:12 god

2316 2Co 1:18 god

2316 2Co 1:19 god

2316 2Co 1:2 god

2316 2Co 1:20 god

2316 2Co 1:20 god

2316 2Co 1:21 god

2316 2Co 1:23 god

2316 2Co 1:3 god

2316 2Co 1:3 god

2316 2Co 1:4 god

2316 2Co 1:9 god

2316 2Co 2:14 god

2316 2Co 2:15 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 3:3 god

2316 2Co 3:4 God-ward

2316 2Co 3:5 god

2316 2Co 4:15 god

2316 2Co 4:2 god

2316 2Co 4:2 god

2316 2Co 4:4 god

2316 2Co 4:4 god

2316 2Co 4:6 god

2316 2Co 4:6 god

2316 2Co 4:7 god

2316 2Co 5:1 god

2316 2Co 5:11 god

2316 2Co 5:13 god

2316 2Co 5:18 god

2316 2Co 5:19 god

2316 2Co 5:20 god

2316 2Co 5:20 god

2316 2Co 5:21 god

2316 2Co 5:5 god

2316 2Co 6:1 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:4 god

2316 2Co 6:7 god

2316 2Co 7:1 god

2316 2Co 7:10 godly

2316 2Co 7:11 godly

2316 2Co 7:12 god

2316 2Co 7:6 god

2316 2Co 7:9 godly

2316 2Co 8:1 god

2316 2Co 8:16 god

2316 2Co 8:5 god

2316 2Co 9:11 god

2316 2Co 9:12 god

2316 2Co 9:13 god

2316 2Co 9:14 god

2316 2Co 9:15 god

2316 2Co 9:7 god

2316 2Co 9:8 god

2316 Ga 1:1 god

2316 Ga 1:10 god

2316 Ga 1:13 god

2316 Ga 1:15 god

2316 Ga 1:20 god

2316 Ga 1:24 god

2316 Ga 1:3 god

2316 Ga 1:4 god

2316 Ga 2:19 god

2316 Ga 2:20 god

2316 Ga 2:21 god

2316 Ga 2:6 god

2316 Ga 3:11 god

2316 Ga 3:17 god

2316 Ga 3:18 god

2316 Ga 3:20 god

2316 Ga 3:21 god

2316 Ga 3:26 god

2316 Ga 3:6 god

2316 Ga 3:8 god

2316 Ga 4:14 god

2316 Ga 4:4 god

2316 Ga 4:6 god

2316 Ga 4:7 god

2316 Ga 4:8 gods

2316 Ga 4:8 god

2316 Ga 4:9 god

2316 Ga 4:9 god

2316 Ga 5:21 god

2316 Ga 6:16 god

2316 Ga 6:7 god

2316 Eph 1:1 god

2316 Eph 1:17 god

2316 Eph 1:2 god

2316 Eph 1:3 god

2316 Eph 2:10 god

2316 Eph 2:16 god

2316 Eph 2:19 god

2316 Eph 2:22 god

2316 Eph 2:4 god

2316 Eph 2:8 god

2316 Eph 3:10 god

2316 Eph 3:19 god

2316 Eph 3:2 god

2316 Eph 3:7 god

2316 Eph 3:9 god

2316 Eph 4:13 god

2316 Eph 4:18 god

2316 Eph 4:24 god

2316 Eph 4:30 god

2316 Eph 4:32 god

2316 Eph 4:6 god

2316 Eph 5:1 god

2316 Eph 5:2 god

2316 Eph 5:20 god

2316 Eph 5:21 god

2316 Eph 5:5 god

2316 Eph 5:6 god

2316 Eph 6:11 god

2316 Eph 6:13 god

2316 Eph 6:17 god

2316 Eph 6:23 god

2316 Eph 6:6 god

2316 Php 1:11 god

2316 Php 1:2 god

2316 Php 1:28 god

2316 Php 1:3 god

2316 Php 1:8 god

2316 Php 2:11 god

2316 Php 2:13 god

2316 Php 2:15 god

2316 Php 2:27 god

2316 Php 2:6 god

2316 Php 2:6 god

2316 Php 2:9 god

2316 Php 3:14 god

2316 Php 3:15 god

2316 Php 3:19 god

2316 Php 3:3 god

2316 Php 3:9 god

2316 Php 4:18 god

2316 Php 4:19 god

2316 Php 4:20 god

2316 Php 4:6 god

2316 Php 4:7 god

2316 Php 4:9 god

2316 Col 1:1 god

2316 Col 1:10 god

2316 Col 1:15 god

2316 Col 1:2 god

2316 Col 1:25 god

2316 Col 1:25 god

2316 Col 1:27 god

2316 Col 1:3 god

2316 Col 1:6 god

2316 Col 2:12 god

2316 Col 2:19 god

2316 Col 2:2 god

2316 Col 3:1 god

2316 Col 3:12 god

2316 Col 3:15 god

2316 Col 3:17 god

2316 Col 3:22 god

2316 Col 3:3 god

2316 Col 3:6 god

2316 Col 4:11 god

2316 Col 4:12 god

2316 Col 4:3 god

2316 1Th 1:1 god

2316 1Th 1:1 god

2316 1Th 1:2 god

2316 1Th 1:3 god

2316 1Th 1:4 god

2316 1Th 1:8 God-ward

2316 1Th 1:9 god

2316 1Th 1:9 god

2316 1Th 2:10 god

2316 1Th 2:12 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:14 god

2316 1Th 2:15 god

2316 1Th 2:2 god

2316 1Th 2:2 god

2316 1Th 2:4 god

2316 1Th 2:4 god

2316 1Th 2:5 god

2316 1Th 2:8 god

2316 1Th 2:9 god

2316 1Th 3:11 god

2316 1Th 3:13 god

2316 1Th 3:2 god

2316 1Th 3:9 god

2316 1Th 3:9 god

2316 1Th 4:1 god

2316 1Th 4:14 god

2316 1Th 4:16 god

2316 1Th 4:3 god

2316 1Th 4:5 god

2316 1Th 4:7 god

2316 1Th 4:8 god

2316 1Th 5:18 god

2316 1Th 5:23 god

2316 1Th 5:9 god

2316 2Th 1:1 god

2316 2Th 1:11 god

2316 2Th 1:12 god

2316 2Th 1:2 god

2316 2Th 1:3 god

2316 2Th 1:4 god

2316 2Th 1:5 god

2316 2Th 1:5 god

2316 2Th 1:6 god

2316 2Th 1:8 god

2316 2Th 2:11 god

2316 2Th 2:13 god

2316 2Th 2:13 god

2316 2Th 2:16 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 3:5 god

2316 1Ti 1:1 god

2316 1Ti 1:11 god

2316 1Ti 1:17 god

2316 1Ti 1:2 god

2316 1Ti 1:4 godly

2316 1Ti 2:3 god

2316 1Ti 2:5 god

2316 1Ti 2:5 god

2316 1Ti 3:15 god

2316 1Ti 3:15 god

2316 1Ti 3:16 god

2316 1Ti 3:5 god

2316 1Ti 4:10 god

2316 1Ti 4:3 god

2316 1Ti 4:4 god

2316 1Ti 4:5 god

2316 1Ti 5:21 god

2316 1Ti 5:4 god

2316 1Ti 5:5 god

2316 1Ti 6:1 god

2316 1Ti 6:11 god

2316 1Ti 6:13 god

2316 1Ti 6:17 god

2316 2Ti 1:1 god

2316 2Ti 1:2 god

2316 2Ti 1:3 god

2316 2Ti 1:6 god

2316 2Ti 1:7 god

2316 2Ti 1:8 god

2316 2Ti 2:15 god

2316 2Ti 2:19 god

2316 2Ti 2:25 god

2316 2Ti 2:9 god

2316 2Ti 3:17 god

2316 2Ti 4:1 god

2316 Tit 1:1 God's

2316 Tit 1:1 god

2316 Tit 1:16 god

2316 Tit 1:2 god

2316 Tit 1:3 god

2316 Tit 1:4 god

2316 Tit 1:7 god

2316 Tit 2:10 god

2316 Tit 2:11 god

2316 Tit 2:13 god

2316 Tit 2:5 god

2316 Tit 3:4 god

2316 Tit 3:8 god

2316 Phm 1:3 god

2316 Phm 1:4 god

2316 Heb 10:12 god

2316 Heb 10:21 god

2316 Heb 10:29 god

2316 Heb 10:31 god

2316 Heb 10:36 god

2316 Heb 10:7 god

2316 Heb 10:9 god

2316 Heb 11:10 god

2316 Heb 11:16 god

2316 Heb 11:16 god

2316 Heb 11:19 god

2316 Heb 11:25 god

2316 Heb 11:3 god

2316 Heb 11:4 god

2316 Heb 11:4 god

2316 Heb 11:40 god

2316 Heb 11:5 god

2316 Heb 11:5 god

2316 Heb 11:6 god

2316 Heb 12:15 god

2316 Heb 12:2 god

2316 Heb 12:22 god

2316 Heb 12:23 god

2316 Heb 12:28 god

2316 Heb 12:29 god

2316 Heb 12:7 god

2316 Heb 13:15 god

2316 Heb 13:16 god

2316 Heb 13:20 god

2316 Heb 13:4 god

2316 Heb 13:7 god

2316 Heb 1:1 god

2316 Heb 1:6 god

2316 Heb 1:8 god

2316 Heb 1:9 god

2316 Heb 1:9 god

2316 Heb 2:13 god

2316 Heb 2:17 god

2316 Heb 2:4 god

2316 Heb 2:9 god

2316 Heb 3:12 god

2316 Heb 3:4 god

2316 Heb 4:10 god

2316 Heb 4:12 god

2316 Heb 4:14 god

2316 Heb 4:4 god

2316 Heb 4:9 god

2316 Heb 5:1 god

2316 Heb 5:10 god

2316 Heb 5:12 god

2316 Heb 5:4 god

2316 Heb 6:1 god

2316 Heb 6:10 god

2316 Heb 6:13 god

2316 Heb 6:17 god

2316 Heb 6:18 god

2316 Heb 6:3 god

2316 Heb 6:5 god

2316 Heb 6:6 god

2316 Heb 6:7 god

2316 Heb 7:1 god

2316 Heb 7:19 god

2316 Heb 7:25 god

2316 Heb 7:3 god

2316 Heb 8:10 god

2316 Heb 9:14 god

2316 Heb 9:14 god

2316 Heb 9:20 god

2316 Heb 9:24 god

2316 Jas 1:1 god

2316 Jas 1:13 god

2316 Jas 1:13 god

2316 Jas 1:20 god

2316 Jas 1:27 god

2316 Jas 1:5 god

2316 Jas 2:19 god

2316 Jas 2:23 god

2316 Jas 2:23 god

2316 Jas 2:5 god

2316 Jas 3:9 god

2316 Jas 3:9 god

2316 Jas 4:4 god

2316 Jas 4:4 god

2316 Jas 4:6 god

2316 Jas 4:7 god

2316 Jas 4:8 god

2316 1Pe 1:2 god

2316 1Pe 1:21 god

2316 1Pe 1:21 god

2316 1Pe 1:23 god

2316 1Pe 1:3 god

2316 1Pe 1:5 god

2316 1Pe 2:10 god

2316 1Pe 2:12 god

2316 1Pe 2:15 god

2316 1Pe 2:16 god

2316 1Pe 2:17 god

2316 1Pe 2:19 god

2316 1Pe 2:20 god

2316 1Pe 2:4 god

2316 1Pe 2:5 god

2316 1Pe 3:15 god

2316 1Pe 3:17 god

2316 1Pe 3:18 god

2316 1Pe 3:20 god

2316 1Pe 3:21 god

2316 1Pe 3:22 god

2316 1Pe 3:4 god

2316 1Pe 3:5 god

2316 1Pe 4:10 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:14 god

2316 1Pe 4:16 god

2316 1Pe 4:17 god

2316 1Pe 4:17 god

2316 1Pe 4:19 god

2316 1Pe 4:2 god

2316 1Pe 4:6 god

2316 1Pe 5:10 god

2316 1Pe 5:12 god

2316 1Pe 5:2 god

2316 1Pe 5:3 God's

2316 1Pe 5:5 god

2316 1Pe 5:6 god

2316 2Pe 1:1 god

2316 2Pe 1:17 god

2316 2Pe 1:2 god

2316 2Pe 1:21 god

2316 2Pe 2:4 god

2316 2Pe 3:12 god

2316 2Pe 3:5 god

2316 1Jo 1:5 god

2316 1Jo 2:14 god

2316 1Jo 2:17 god

2316 1Jo 2:5 god

2316 1Jo 3:1 god

2316 1Jo 3:10 god

2316 1Jo 3:10 god

2316 1Jo 3:17 god

2316 1Jo 3:2 god

2316 1Jo 3:20 god

2316 1Jo 3:21 god

2316 1Jo 3:8 god

2316 1Jo 3:9 god

2316 1Jo 3:9 god

2316 1Jo 4:1 god

2316 1Jo 4:10 god

2316 1Jo 4:11 god

2316 1Jo 4:12 god

2316 1Jo 4:12 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:2 god

2316 1Jo 4:2 god

2316 1Jo 4:20 god

2316 1Jo 4:20 god

2316 1Jo 4:21 god

2316 1Jo 4:3 god

2316 1Jo 4:4 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:8 god

2316 1Jo 4:8 god

2316 1Jo 4:9 god

2316 1Jo 4:9 god

2316 1Jo 5:1 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:11 god

2316 1Jo 5:12 god

2316 1Jo 5:13 god

2316 1Jo 5:13 god

2316 1Jo 5:18 god

2316 1Jo 5:18 god

2316 1Jo 5:19 god

2316 1Jo 5:2 god

2316 1Jo 5:2 god

2316 1Jo 5:20 god

2316 1Jo 5:20 god

2316 1Jo 5:3 god

2316 1Jo 5:4 god

2316 1Jo 5:5 god

2316 1Jo 5:9 god

2316 1Jo 5:9 god

2316 2Jo 1:3 god

2316 2Jo 1:9 god

2316 3Jo 1:11 god

2316 3Jo 1:11 god

2316 3Jo 1:6 godly

2316 Jude 1:1 god

2316 Jude 1:21 god

2316 Jude 1:25 god

2316 Jude 1:4 god

2316 Jude 1:4 god

2316 Re 10:7 god

2316 Re 11:1 god

2316 Re 11:11 god

2316 Re 11:13 god

2316 Re 11:16 god

2316 Re 11:16 god

2316 Re 11:17 god

2316 Re 11:19 god

2316 Re 11:4 god

2316 Re 12:10 god

2316 Re 12:10 god

2316 Re 12:17 god

2316 Re 12:5 god

2316 Re 12:6 god

2316 Re 13:6 god

2316 Re 14:10 god

2316 Re 14:12 god

2316 Re 14:19 god

2316 Re 14:4 god

2316 Re 14:5 god

2316 Re 14:7 god

2316 Re 15:1 god

2316 Re 15:2 god

2316 Re 15:3 god

2316 Re 15:3 god

2316 Re 15:7 god

2316 Re 15:8 god

2316 Re 16:1 god

2316 Re 16:11 god

2316 Re 16:14 god

2316 Re 16:19 god

2316 Re 16:21 god

2316 Re 16:7 god

2316 Re 16:9 god

2316 Re 17:17 god

2316 Re 17:17 god

2316 Re 18:20 god

2316 Re 18:5 god

2316 Re 18:8 god

2316 Re 19:1 god

2316 Re 19:10 god

2316 Re 19:13 god

2316 Re 19:15 god

2316 Re 19:17 god

2316 Re 19:4 god

2316 Re 19:5 god

2316 Re 19:6 god

2316 Re 19:9 god

2316 Re 1:1 god

2316 Re 1:2 god

2316 Re 1:6 god

2316 Re 1:9 god

2316 Re 20:12 god

2316 Re 20:4 god

2316 Re 20:6 god

2316 Re 20:9 god

2316 Re 21:10 god

2316 Re 21:11 god

2316 Re 21:2 god

2316 Re 21:22 god

2316 Re 21:23 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:4 god

2316 Re 21:7 god

2316 Re 22:1 god

2316 Re 22:18 god

2316 Re 22:19 god

2316 Re 22:3 god

2316 Re 22:5 god

2316 Re 22:6 god

2316 Re 22:9 god

2316 Re 2:18 god

2316 Re 2:7 god

2316 Re 3:1 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:14 god

2316 Re 3:2 god

2316 Re 4:5 god

2316 Re 4:8 god

2316 Re 5:10 god

2316 Re 5:6 god

2316 Re 5:9 god

2316 Re 6:9 god

2316 Re 7:10 god

2316 Re 7:11 god

2316 Re 7:12 god

2316 Re 7:15 god

2316 Re 7:17 god

2316 Re 7:2 god

2316 Re 7:3 god

2316 Re 8:2 god

2316 Re 8:4 god

2316 Re 9:13 god

2316 Re 9:4 god

~~~~~~
~~~~~~

2316. Strong's Dictionary Study

2316. theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: --X exceeding, God, god[-ly, -ward].[ql

~~~~~~
~~~~~~

2316 Mt 12:28 god

2316 Mt 12:28 god

2316 Mt 12:4 god

2316 Mt 14:33 god

2316 Mt 15:3 god

2316 Mt 15:31 god

2316 Mt 15:4 god

2316 Mt 15:6 god

2316 Mt 16:16 god

2316 Mt 16:23 god

2316 Mt 19:17 god

2316 Mt 19:24 god

2316 Mt 19:26 god

2316 Mt 19:6 god

2316 Mt 1:23 god

2316 Mt 21:12 god

2316 Mt 21:31 god

2316 Mt 21:43 god

2316 Mt 22:16 god

2316 Mt 22:21 God's

2316 Mt 22:21 god

2316 Mt 22:29 god

2316 Mt 22:30 god

2316 Mt 22:31 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:32 god

2316 Mt 22:37 god

2316 Mt 23:22 god

2316 Mt 26:61 god

2316 Mt 26:63 god

2316 Mt 26:63 god

2316 Mt 27:40 god

2316 Mt 27:43 god

2316 Mt 27:43 god

2316 Mt 27:46 god

2316 Mt 27:46 god

2316 Mt 27:54 god

2316 Mt 3:16 god

2316 Mt 3:9 god

2316 Mt 4:10 god

2316 Mt 4:3 god

2316 Mt 4:4 god

2316 Mt 4:6 god

2316 Mt 4:7 god

2316 Mt 5:34 God's

2316 Mt 5:8 god

2316 Mt 5:9 god

2316 Mt 6:24 god

2316 Mt 6:30 god

2316 Mt 6:33 god

2316 Mt 8:29 god

2316 Mt 9:8 god

2316 Mr 10:14 god

2316 Mr 10:15 god

2316 Mr 10:18 god

2316 Mr 10:23 god

2316 Mr 10:24 god

2316 Mr 10:25 god

2316 Mr 10:27 god

2316 Mr 10:27 god

2316 Mr 10:6 god

2316 Mr 10:9 god

2316 Mr 11:22 god

2316 Mr 12:14 god

2316 Mr 12:17 God's

2316 Mr 12:17 god

2316 Mr 12:24 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:26 god

2316 Mr 12:27 god

2316 Mr 12:27 god

2316 Mr 12:29 god

2316 Mr 12:30 god

2316 Mr 12:32 god

2316 Mr 12:34 god

2316 Mr 13:19 god

2316 Mr 14:25 god

2316 Mr 15:34 god

2316 Mr 15:34 god

2316 Mr 15:39 god

2316 Mr 15:43 god

2316 Mr 16:19 god

2316 Mr 1:1 god

2316 Mr 1:14 god

2316 Mr 1:15 god

2316 Mr 1:24 god

2316 Mr 2:12 god

2316 Mr 2:26 god

2316 Mr 2:7 god

2316 Mr 3:11 god

2316 Mr 3:35 god

2316 Mr 4:11 god

2316 Mr 4:26 god

2316 Mr 4:30 god

2316 Mr 5:7 god

2316 Mr 5:7 god

2316 Mr 7:13 god

2316 Mr 7:8 god

2316 Mr 7:9 god

2316 Mr 8:33 god

2316 Mr 9:1 god

2316 Mr 9:47 god

2316 Lu 10:11 god

2316 Lu 10:27 god

2316 Lu 10:9 god

2316 Lu 11:20 god

2316 Lu 11:20 god

2316 Lu 11:28 god

2316 Lu 11:42 god

2316 Lu 11:49 god

2316 Lu 12:20 god

2316 Lu 12:21 god

2316 Lu 12:24 god

2316 Lu 12:28 god

2316 Lu 12:31 god

2316 Lu 12:6 god

2316 Lu 12:8 god

2316 Lu 12:9 god

2316 Lu 13:13 god

2316 Lu 13:18 god

2316 Lu 13:20 god

2316 Lu 13:28 god

2316 Lu 13:29 god

2316 Lu 14:15 god

2316 Lu 15:10 god

2316 Lu 16:13 god

2316 Lu 16:15 god

2316 Lu 16:15 god

2316 Lu 16:16 god

2316 Lu 17:15 god

2316 Lu 17:18 god

2316 Lu 17:20 god

2316 Lu 17:20 god

2316 Lu 17:21 god

2316 Lu 18:11 god

2316 Lu 18:13 god

2316 Lu 18:16 god

2316 Lu 18:17 god

2316 Lu 18:19 god

2316 Lu 18:2 god

2316 Lu 18:24 god

2316 Lu 18:25 god

2316 Lu 18:27 god

2316 Lu 18:29 God's

2316 Lu 18:4 god

2316 Lu 18:43 god

2316 Lu 18:43 god

2316 Lu 18:7 god

2316 Lu 19:11 god

2316 Lu 19:37 god

2316 Lu 1:16 god

2316 Lu 1:19 god

2316 Lu 1:26 god

2316 Lu 1:30 god

2316 Lu 1:32 god

2316 Lu 1:35 god

2316 Lu 1:37 god

2316 Lu 1:47 god

2316 Lu 1:6 god

2316 Lu 1:64 god

2316 Lu 1:68 god

2316 Lu 1:78 god

2316 Lu 1:8 god

2316 Lu 20:21 god

2316 Lu 20:25 God's

2316 Lu 20:25 god

2316 Lu 20:36 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:37 god

2316 Lu 20:38 god

2316 Lu 21:31 god

2316 Lu 21:4 god

2316 Lu 22:16 god

2316 Lu 22:18 god

2316 Lu 22:69 god

2316 Lu 22:70 god

2316 Lu 23:35 god

2316 Lu 23:40 god

2316 Lu 23:47 god

2316 Lu 23:51 god

2316 Lu 24:19 god

2316 Lu 24:53 god

2316 Lu 2:13 god

2316 Lu 2:14 god

2316 Lu 2:20 god

2316 Lu 2:28 god

2316 Lu 2:40 god

2316 Lu 2:52 god

2316 Lu 3:2 god

2316 Lu 3:38 god

2316 Lu 3:6 god

2316 Lu 3:8 god

2316 Lu 4:12 god

2316 Lu 4:3 god

2316 Lu 4:34 god

2316 Lu 4:4 god

2316 Lu 4:41 god

2316 Lu 4:43 god

2316 Lu 4:8 god

2316 Lu 4:9 god

2316 Lu 5:1 god

2316 Lu 5:21 god

2316 Lu 5:25 god

2316 Lu 5:26 god

2316 Lu 6:12 god

2316 Lu 6:20 god

2316 Lu 6:4 god

2316 Lu 7:16 god

2316 Lu 7:16 god

2316 Lu 7:28 god

2316 Lu 7:29 god

2316 Lu 7:30 god

2316 Lu 8:1 god

2316 Lu 8:10 god

2316 Lu 8:11 god

2316 Lu 8:21 god

2316 Lu 8:28 god

2316 Lu 8:39 god

2316 Lu 9:11 god

2316 Lu 9:2 god

2316 Lu 9:20 god

2316 Lu 9:27 god

2316 Lu 9:43 god

2316 Lu 9:60 god

2316 Lu 9:62 god

2316 Joh 10:33 god

2316 Joh 10:34 gods

2316 Joh 10:35 gods

2316 Joh 10:35 god

2316 Joh 10:36 god

2316 Joh 11:22 god

2316 Joh 11:22 god

2316 Joh 11:27 god

2316 Joh 11:4 god

2316 Joh 11:4 god

2316 Joh 11:40 god

2316 Joh 11:52 god

2316 Joh 12:43 god

2316 Joh 13:3 god

2316 Joh 13:3 god

2316 Joh 13:31 god

2316 Joh 13:32 god

2316 Joh 13:32 god

2316 Joh 14:1 god

2316 Joh 16:2 god

2316 Joh 16:27 god

2316 Joh 16:30 god

2316 Joh 17:3 god

2316 Joh 19:7 god

2316 Joh 1:1 god

2316 Joh 1:1 god

2316 Joh 1:12 god

2316 Joh 1:13 god

2316 Joh 1:18 god

2316 Joh 1:2 god

2316 Joh 1:29 god

2316 Joh 1:34 god

2316 Joh 1:36 god

2316 Joh 1:49 god

2316 Joh 1:51 god

2316 Joh 1:6 god

2316 Joh 20:17 god

2316 Joh 20:17 god

2316 Joh 20:28 god

2316 Joh 20:31 god

2316 Joh 21:19 god

2316 Joh 3:16 god

2316 Joh 3:17 god

2316 Joh 3:18 god

2316 Joh 3:2 god

2316 Joh 3:2 god

2316 Joh 3:21 god

2316 Joh 3:3 god

2316 Joh 3:33 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:34 god

2316 Joh 3:36 god

2316 Joh 3:5 god

2316 Joh 4:10 god

2316 Joh 4:24 god

2316 Joh 5:18 god

2316 Joh 5:18 god

2316 Joh 5:25 god

2316 Joh 5:42 god

2316 Joh 5:44 god

2316 Joh 6:27 god

2316 Joh 6:28 god

2316 Joh 6:29 god

2316 Joh 6:33 god

2316 Joh 6:45 god

2316 Joh 6:46 god

2316 Joh 6:69 god

2316 Joh 7:17 god

2316 Joh 8:40 god

2316 Joh 8:41 god

2316 Joh 8:42 god

2316 Joh 8:42 god

2316 Joh 8:47 God's

2316 Joh 8:47 god

2316 Joh 8:47 god

2316 Joh 8:54 god

2316 Joh 9:16 god

2316 Joh 9:24 god

2316 Joh 9:29 god

2316 Joh 9:3 god

2316 Joh 9:31 god

2316 Joh 9:33 god

2316 Joh 9:35 god

2316 Ac 10:15 god

2316 Ac 10:2 god

2316 Ac 10:2 god

2316 Ac 10:22 god

2316 Ac 10:28 god

2316 Ac 10:3 god

2316 Ac 10:31 god

2316 Ac 10:33 god

2316 Ac 10:33 god

2316 Ac 10:34 god

2316 Ac 10:38 god

2316 Ac 10:38 god

2316 Ac 10:4 god

2316 Ac 10:40 god

2316 Ac 10:41 god

2316 Ac 10:42 god

2316 Ac 10:46 god

2316 Ac 11:1 god

2316 Ac 11:17 god

2316 Ac 11:17 god

2316 Ac 11:18 god

2316 Ac 11:18 god

2316 Ac 11:23 god

2316 Ac 11:9 god

2316 Ac 12:22 god

2316 Ac 12:23 god

2316 Ac 12:24 god

2316 Ac 12:5 god

2316 Ac 13:16 god

2316 Ac 13:17 god

2316 Ac 13:21 god

2316 Ac 13:23 god

2316 Ac 13:26 god

2316 Ac 13:30 god

2316 Ac 13:33 god

2316 Ac 13:36 god

2316 Ac 13:37 god

2316 Ac 13:43 god

2316 Ac 13:44 god

2316 Ac 13:46 god

2316 Ac 13:5 god

2316 Ac 13:7 god

2316 Ac 14:11 gods

2316 Ac 14:15 god

2316 Ac 14:22 god

2316 Ac 14:26 god

2316 Ac 14:27 god

2316 Ac 15:10 god

2316 Ac 15:12 god

2316 Ac 15:14 god

2316 Ac 15:18 god

2316 Ac 15:19 god

2316 Ac 15:4 god

2316 Ac 15:40 god

2316 Ac 15:7 god

2316 Ac 15:8 god

2316 Ac 16:14 god

2316 Ac 16:17 god

2316 Ac 16:25 god

2316 Ac 16:34 god

2316 Ac 17:13 god

2316 Ac 17:23 GOD

2316 Ac 17:24 god

2316 Ac 17:29 god

2316 Ac 17:30 god

2316 Ac 18:11 god

2316 Ac 18:13 god

2316 Ac 18:21 god

2316 Ac 18:26 god

2316 Ac 18:7 god

2316 Ac 19:11 god

2316 Ac 19:26 gods

2316 Ac 19:8 god

2316 Ac 1:3 god

2316 Ac 20:21 god

2316 Ac 20:24 god

2316 Ac 20:25 god

2316 Ac 20:27 god

2316 Ac 20:28 god

2316 Ac 20:32 god

2316 Ac 21:19 god

2316 Ac 22:14 god

2316 Ac 22:3 god

2316 Ac 23:1 god

2316 Ac 23:3 god

2316 Ac 23:4 God's

2316 Ac 24:14 god

2316 Ac 24:15 god

2316 Ac 24:16 god

2316 Ac 26:18 god

2316 Ac 26:20 god

2316 Ac 26:22 god

2316 Ac 26:29 god

2316 Ac 26:6 god

2316 Ac 26:8 god

2316 Ac 27:23 god

2316 Ac 27:24 god

2316 Ac 27:25 god

2316 Ac 27:35 god

2316 Ac 28:15 god

2316 Ac 28:23 god

2316 Ac 28:28 god

2316 Ac 28:31 god

2316 Ac 28:6 god

2316 Ac 2:11 god

2316 Ac 2:17 god

2316 Ac 2:22 god

2316 Ac 2:22 god

2316 Ac 2:23 god

2316 Ac 2:24 god

2316 Ac 2:30 god

2316 Ac 2:32 god

2316 Ac 2:33 god

2316 Ac 2:36 god

2316 Ac 2:39 god

2316 Ac 2:47 god

2316 Ac 3:13 god

2316 Ac 3:13 god

2316 Ac 3:15 god

2316 Ac 3:18 god

2316 Ac 3:21 god

2316 Ac 3:22 god

2316 Ac 3:25 god

2316 Ac 3:26 god

2316 Ac 3:8 god

2316 Ac 3:9 god

2316 Ac 4:10 god

2316 Ac 4:19 god

2316 Ac 4:19 god

2316 Ac 4:21 god

2316 Ac 4:24 god

2316 Ac 4:24 god

2316 Ac 4:31 god

2316 Ac 5:29 god

2316 Ac 5:30 god

2316 Ac 5:31 god

2316 Ac 5:32 god

2316 Ac 5:39 god

2316 Ac 5:4 god

2316 Ac 6:11 god

2316 Ac 6:2 god

2316 Ac 6:7 god

2316 Ac 7:17 god

2316 Ac 7:2 god

2316 Ac 7:20 exceeding

2316 Ac 7:25 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:32 god

2316 Ac 7:35 god

2316 Ac 7:37 god

2316 Ac 7:40 gods

2316 Ac 7:42 god

2316 Ac 7:43 god

2316 Ac 7:45 god

2316 Ac 7:46 god

2316 Ac 7:46 god

2316 Ac 7:55 god

2316 Ac 7:55 god

2316 Ac 7:56 god

2316 Ac 7:6 god

2316 Ac 7:7 god

2316 Ac 7:9 god

2316 Ac 8:10 god

2316 Ac 8:12 god

2316 Ac 8:14 god

2316 Ac 8:20 god

2316 Ac 8:21 god

2316 Ac 8:22 god

2316 Ac 8:37 god

2316 Ac 9:20 god

2316 Ro 10:1 god

2316 Ro 10:17 god

2316 Ro 10:2 god

2316 Ro 10:3 God's

2316 Ro 10:3 god

2316 Ro 10:9 god

2316 Ro 11:1 god

2316 Ro 11:2 god

2316 Ro 11:2 god

2316 Ro 11:21 god

2316 Ro 11:22 god

2316 Ro 11:23 god

2316 Ro 11:29 god

2316 Ro 11:30 god

2316 Ro 11:32 god

2316 Ro 11:33 god

2316 Ro 11:8 god

2316 Ro 12:1 god

2316 Ro 12:1 god

2316 Ro 12:2 god

2316 Ro 12:3 god

2316 Ro 13:1 god

2316 Ro 13:1 god

2316 Ro 13:2 god

2316 Ro 13:4 god

2316 Ro 13:4 god

2316 Ro 13:6 God's

2316 Ro 14:11 god

2316 Ro 14:12 god

2316 Ro 14:17 god

2316 Ro 14:18 god

2316 Ro 14:20 god

2316 Ro 14:22 god

2316 Ro 14:3 god

2316 Ro 14:4 god

2316 Ro 14:6 god

2316 Ro 14:6 god

2316 Ro 15:13 god

2316 Ro 15:15 god

2316 Ro 15:16 god

2316 Ro 15:17 god

2316 Ro 15:19 god

2316 Ro 15:30 god

2316 Ro 15:32 god

2316 Ro 15:33 god

2316 Ro 15:5 god

2316 Ro 15:6 god

2316 Ro 15:7 god

2316 Ro 15:8 god

2316 Ro 15:9 god

2316 Ro 16:20 god

2316 Ro 16:26 god

2316 Ro 16:27 god

2316 Ro 1:1 god

2316 Ro 1:10 god

2316 Ro 1:16 god

2316 Ro 1:17 god

2316 Ro 1:18 god

2316 Ro 1:19 god

2316 Ro 1:19 god

2316 Ro 1:21 god

2316 Ro 1:21 god

2316 Ro 1:23 god

2316 Ro 1:24 god

2316 Ro 1:25 god

2316 Ro 1:26 god

2316 Ro 1:28 god

2316 Ro 1:28 god

2316 Ro 1:32 god

2316 Ro 1:4 god

2316 Ro 1:7 god

2316 Ro 1:7 god

2316 Ro 1:8 god

2316 Ro 1:9 god

2316 Ro 2:11 god

2316 Ro 2:13 god

2316 Ro 2:16 god

2316 Ro 2:17 god

2316 Ro 2:2 god

2316 Ro 2:23 god

2316 Ro 2:24 god

2316 Ro 2:29 god

2316 Ro 2:3 god

2316 Ro 2:4 god

2316 Ro 2:5 god

2316 Ro 3:11 god

2316 Ro 3:18 god

2316 Ro 3:19 god

2316 Ro 3:2 god

2316 Ro 3:21 god

2316 Ro 3:22 god

2316 Ro 3:23 god

2316 Ro 3:25 god

2316 Ro 3:25 god

2316 Ro 3:29 god

2316 Ro 3:3 god

2316 Ro 3:30 god

2316 Ro 3:4 god

2316 Ro 3:5 god

2316 Ro 3:5 god

2316 Ro 3:6 god

2316 Ro 3:7 god

2316 Ro 4:17 god

2316 Ro 4:2 god

2316 Ro 4:20 god

2316 Ro 4:20 god

2316 Ro 4:3 god

2316 Ro 4:6 god

2316 Ro 5:1 god

2316 Ro 5:10 god

2316 Ro 5:11 god

2316 Ro 5:15 god

2316 Ro 5:2 god

2316 Ro 5:5 god

2316 Ro 5:8 god

2316 Ro 6:10 god

2316 Ro 6:11 god

2316 Ro 6:13 god

2316 Ro 6:13 god

2316 Ro 6:17 god

2316 Ro 6:22 god

2316 Ro 6:23 god

2316 Ro 7:22 god

2316 Ro 7:25 god

2316 Ro 7:25 god

2316 Ro 7:4 god

2316 Ro 8:14 god

2316 Ro 8:14 god

2316 Ro 8:16 god

2316 Ro 8:17 god

2316 Ro 8:19 god

2316 Ro 8:21 god

2316 Ro 8:27 god

2316 Ro 8:28 god

2316 Ro 8:3 god

2316 Ro 8:31 god

2316 Ro 8:33 God's

2316 Ro 8:33 god

2316 Ro 8:34 god

2316 Ro 8:39 god

2316 Ro 8:7 god

2316 Ro 8:7 god

2316 Ro 8:8 god

2316 Ro 8:9 god

2316 Ro 9:11 god

2316 Ro 9:14 god

2316 Ro 9:16 god

2316 Ro 9:20 god

2316 Ro 9:22 god

2316 Ro 9:26 god

2316 Ro 9:5 god

2316 Ro 9:6 god

2316 Ro 9:8 god

2316 1Co 10:13 god

2316 1Co 10:20 god

2316 1Co 10:31 god

2316 1Co 10:32 god

2316 1Co 10:5 god

2316 1Co 11:12 god

2316 1Co 11:13 god

2316 1Co 11:16 god

2316 1Co 11:22 god

2316 1Co 11:3 god

2316 1Co 11:7 god

2316 1Co 12:18 god

2316 1Co 12:24 god

2316 1Co 12:28 god

2316 1Co 12:3 god

2316 1Co 12:6 god

2316 1Co 14:18 god

2316 1Co 14:2 god

2316 1Co 14:25 god

2316 1Co 14:25 god

2316 1Co 14:28 god

2316 1Co 14:33 god

2316 1Co 14:36 god

2316 1Co 15:10 god

2316 1Co 15:10 god

2316 1Co 15:15 god

2316 1Co 15:15 god

2316 1Co 15:24 god

2316 1Co 15:28 god

2316 1Co 15:34 god

2316 1Co 15:38 god

2316 1Co 15:50 god

2316 1Co 15:57 god

2316 1Co 15:9 god

2316 1Co 1:1 god

2316 1Co 1:14 god

2316 1Co 1:18 god

2316 1Co 1:2 god

2316 1Co 1:20 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:21 god

2316 1Co 1:24 god

2316 1Co 1:24 god

2316 1Co 1:25 god

2316 1Co 1:25 god

2316 1Co 1:27 god

2316 1Co 1:27 god

2316 1Co 1:28 god

2316 1Co 1:3 god

2316 1Co 1:30 god

2316 1Co 1:4 god

2316 1Co 1:4 god

2316 1Co 1:9 god

2316 1Co 2:1 god

2316 1Co 2:10 god

2316 1Co 2:10 god

2316 1Co 2:11 god

2316 1Co 2:11 god

2316 1Co 2:12 god

2316 1Co 2:12 god

2316 1Co 2:14 god

2316 1Co 2:5 god

2316 1Co 2:7 god

2316 1Co 2:7 god

2316 1Co 2:9 god

2316 1Co 3:10 god

2316 1Co 3:16 god

2316 1Co 3:16 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:17 god

2316 1Co 3:19 god

2316 1Co 3:23 God's

2316 1Co 3:6 god

2316 1Co 3:7 god

2316 1Co 3:9 God's

2316 1Co 3:9 God's

2316 1Co 3:9 god

2316 1Co 4:1 god

2316 1Co 4:20 god

2316 1Co 4:5 god

2316 1Co 4:9 god

2316 1Co 5:13 god

2316 1Co 6:10 god

2316 1Co 6:11 god

2316 1Co 6:13 god

2316 1Co 6:14 god

2316 1Co 6:19 god

2316 1Co 6:20 God's

2316 1Co 6:20 god

2316 1Co 6:9 god

2316 1Co 7:15 god

2316 1Co 7:17 god

2316 1Co 7:19 god

2316 1Co 7:24 god

2316 1Co 7:40 god

2316 1Co 7:7 god

2316 1Co 8:3 god

2316 1Co 8:4 god

2316 1Co 8:5 gods

2316 1Co 8:5 gods

2316 1Co 8:6 god

2316 1Co 8:8 god

2316 1Co 9:21 god

2316 1Co 9:9 god

2316 2Co 10:13 god

2316 2Co 10:4 god

2316 2Co 10:5 god

2316 2Co 11:11 god

2316 2Co 11:2 godly

2316 2Co 11:31 god

2316 2Co 11:7 god

2316 2Co 12:19 god

2316 2Co 12:2 god

2316 2Co 12:21 god

2316 2Co 12:3 god

2316 2Co 13:11 god

2316 2Co 13:14 god

2316 2Co 13:4 god

2316 2Co 13:4 god

2316 2Co 13:7 god

2316 2Co 1:1 god

2316 2Co 1:1 god

2316 2Co 1:12 godly

2316 2Co 1:12 god

2316 2Co 1:18 god

2316 2Co 1:19 god

2316 2Co 1:2 god

2316 2Co 1:20 god

2316 2Co 1:20 god

2316 2Co 1:21 god

2316 2Co 1:23 god

2316 2Co 1:3 god

2316 2Co 1:3 god

2316 2Co 1:4 god

2316 2Co 1:9 god

2316 2Co 2:14 god

2316 2Co 2:15 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 2:17 god

2316 2Co 3:3 god

2316 2Co 3:4 God-ward

2316 2Co 3:5 god

2316 2Co 4:15 god

2316 2Co 4:2 god

2316 2Co 4:2 god

2316 2Co 4:4 god

2316 2Co 4:4 god

2316 2Co 4:6 god

2316 2Co 4:6 god

2316 2Co 4:7 god

2316 2Co 5:1 god

2316 2Co 5:11 god

2316 2Co 5:13 god

2316 2Co 5:18 god

2316 2Co 5:19 god

2316 2Co 5:20 god

2316 2Co 5:20 god

2316 2Co 5:21 god

2316 2Co 5:5 god

2316 2Co 6:1 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:16 god

2316 2Co 6:4 god

2316 2Co 6:7 god

2316 2Co 7:1 god

2316 2Co 7:10 godly

2316 2Co 7:11 godly

2316 2Co 7:12 god

2316 2Co 7:6 god

2316 2Co 7:9 godly

2316 2Co 8:1 god

2316 2Co 8:16 god

2316 2Co 8:5 god

2316 2Co 9:11 god

2316 2Co 9:12 god

2316 2Co 9:13 god

2316 2Co 9:14 god

2316 2Co 9:15 god

2316 2Co 9:7 god

2316 2Co 9:8 god

2316 Ga 1:1 god

2316 Ga 1:10 god

2316 Ga 1:13 god

2316 Ga 1:15 god

2316 Ga 1:20 god

2316 Ga 1:24 god

2316 Ga 1:3 god

2316 Ga 1:4 god

2316 Ga 2:19 god

2316 Ga 2:20 god

2316 Ga 2:21 god

2316 Ga 2:6 god

2316 Ga 3:11 god

2316 Ga 3:17 god

2316 Ga 3:18 god

2316 Ga 3:20 god

2316 Ga 3:21 god

2316 Ga 3:26 god

2316 Ga 3:6 god

2316 Ga 3:8 god

2316 Ga 4:14 god

2316 Ga 4:4 god

2316 Ga 4:6 god

2316 Ga 4:7 god

2316 Ga 4:8 gods

2316 Ga 4:8 god

2316 Ga 4:9 god

2316 Ga 4:9 god

2316 Ga 5:21 god

2316 Ga 6:16 god

2316 Ga 6:7 god

2316 Eph 1:1 god

2316 Eph 1:17 god

2316 Eph 1:2 god

2316 Eph 1:3 god

2316 Eph 2:10 god

2316 Eph 2:16 god

2316 Eph 2:19 god

2316 Eph 2:22 god

2316 Eph 2:4 god

2316 Eph 2:8 god

2316 Eph 3:10 god

2316 Eph 3:19 god

2316 Eph 3:2 god

2316 Eph 3:7 god

2316 Eph 3:9 god

2316 Eph 4:13 god

2316 Eph 4:18 god

2316 Eph 4:24 god

2316 Eph 4:30 god

2316 Eph 4:32 god

2316 Eph 4:6 god

2316 Eph 5:1 god

2316 Eph 5:2 god

2316 Eph 5:20 god

2316 Eph 5:21 god

2316 Eph 5:5 god

2316 Eph 5:6 god

2316 Eph 6:11 god

2316 Eph 6:13 god

2316 Eph 6:17 god

2316 Eph 6:23 god

2316 Eph 6:6 god

2316 Php 1:11 god

2316 Php 1:2 god

2316 Php 1:28 god

2316 Php 1:3 god

2316 Php 1:8 god

2316 Php 2:11 god

2316 Php 2:13 god

2316 Php 2:15 god

2316 Php 2:27 god

2316 Php 2:6 god

2316 Php 2:6 god

2316 Php 2:9 god

2316 Php 3:14 god

2316 Php 3:15 god

2316 Php 3:19 god

2316 Php 3:3 god

2316 Php 3:9 god

2316 Php 4:18 god

2316 Php 4:19 god

2316 Php 4:20 god

2316 Php 4:6 god

2316 Php 4:7 god

2316 Php 4:9 god

2316 Col 1:1 god

2316 Col 1:10 god

2316 Col 1:15 god

2316 Col 1:2 god

2316 Col 1:25 god

2316 Col 1:25 god

2316 Col 1:27 god

2316 Col 1:3 god

2316 Col 1:6 god

2316 Col 2:12 god

2316 Col 2:19 god

2316 Col 2:2 god

2316 Col 3:1 god

2316 Col 3:12 god

2316 Col 3:15 god

2316 Col 3:17 god

2316 Col 3:22 god

2316 Col 3:3 god

2316 Col 3:6 god

2316 Col 4:11 god

2316 Col 4:12 god

2316 Col 4:3 god

2316 1Th 1:1 god

2316 1Th 1:1 god

2316 1Th 1:2 god

2316 1Th 1:3 god

2316 1Th 1:4 god

2316 1Th 1:8 God-ward

2316 1Th 1:9 god

2316 1Th 1:9 god

2316 1Th 2:10 god

2316 1Th 2:12 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:13 god

2316 1Th 2:14 god

2316 1Th 2:15 god

2316 1Th 2:2 god

2316 1Th 2:2 god

2316 1Th 2:4 god

2316 1Th 2:4 god

2316 1Th 2:5 god

2316 1Th 2:8 god

2316 1Th 2:9 god

2316 1Th 3:11 god

2316 1Th 3:13 god

2316 1Th 3:2 god

2316 1Th 3:9 god

2316 1Th 3:9 god

2316 1Th 4:1 god

2316 1Th 4:14 god

2316 1Th 4:16 god

2316 1Th 4:3 god

2316 1Th 4:5 god

2316 1Th 4:7 god

2316 1Th 4:8 god

2316 1Th 5:18 god

2316 1Th 5:23 god

2316 1Th 5:9 god

2316 2Th 1:1 god

2316 2Th 1:11 god

2316 2Th 1:12 god

2316 2Th 1:2 god

2316 2Th 1:3 god

2316 2Th 1:4 god

2316 2Th 1:5 god

2316 2Th 1:5 god

2316 2Th 1:6 god

2316 2Th 1:8 god

2316 2Th 2:11 god

2316 2Th 2:13 god

2316 2Th 2:13 god

2316 2Th 2:16 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 2:4 god

2316 2Th 3:5 god

2316 1Ti 1:1 god

2316 1Ti 1:11 god

2316 1Ti 1:17 god

2316 1Ti 1:2 god

2316 1Ti 1:4 godly

2316 1Ti 2:3 god

2316 1Ti 2:5 god

2316 1Ti 2:5 god

2316 1Ti 3:15 god

2316 1Ti 3:15 god

2316 1Ti 3:16 god

2316 1Ti 3:5 god

2316 1Ti 4:10 god

2316 1Ti 4:3 god

2316 1Ti 4:4 god

2316 1Ti 4:5 god

2316 1Ti 5:21 god

2316 1Ti 5:4 god

2316 1Ti 5:5 god

2316 1Ti 6:1 god

2316 1Ti 6:11 god

2316 1Ti 6:13 god

2316 1Ti 6:17 god

2316 2Ti 1:1 god

2316 2Ti 1:2 god

2316 2Ti 1:3 god

2316 2Ti 1:6 god

2316 2Ti 1:7 god

2316 2Ti 1:8 god

2316 2Ti 2:15 god

2316 2Ti 2:19 god

2316 2Ti 2:25 god

2316 2Ti 2:9 god

2316 2Ti 3:17 god

2316 2Ti 4:1 god

2316 Tit 1:1 God's

2316 Tit 1:1 god

2316 Tit 1:16 god

2316 Tit 1:2 god

2316 Tit 1:3 god

2316 Tit 1:4 god

2316 Tit 1:7 god

2316 Tit 2:10 god

2316 Tit 2:11 god

2316 Tit 2:13 god

2316 Tit 2:5 god

2316 Tit 3:4 god

2316 Tit 3:8 god

2316 Phm 1:3 god

2316 Phm 1:4 god

2316 Heb 10:12 god

2316 Heb 10:21 god

2316 Heb 10:29 god

2316 Heb 10:31 god

2316 Heb 10:36 god

2316 Heb 10:7 god

2316 Heb 10:9 god

2316 Heb 11:10 god

2316 Heb 11:16 god

2316 Heb 11:16 god

2316 Heb 11:19 god

2316 Heb 11:25 god

2316 Heb 11:3 god

2316 Heb 11:4 god

2316 Heb 11:4 god

2316 Heb 11:40 god

2316 Heb 11:5 god

2316 Heb 11:5 god

2316 Heb 11:6 god

2316 Heb 12:15 god

2316 Heb 12:2 god

2316 Heb 12:22 god

2316 Heb 12:23 god

2316 Heb 12:28 god

2316 Heb 12:29 god

2316 Heb 12:7 god

2316 Heb 13:15 god

2316 Heb 13:16 god

2316 Heb 13:20 god

2316 Heb 13:4 god

2316 Heb 13:7 god

2316 Heb 1:1 god

2316 Heb 1:6 god

2316 Heb 1:8 god

2316 Heb 1:9 god

2316 Heb 1:9 god

2316 Heb 2:13 god

2316 Heb 2:17 god

2316 Heb 2:4 god

2316 Heb 2:9 god

2316 Heb 3:12 god

2316 Heb 3:4 god

2316 Heb 4:10 god

2316 Heb 4:12 god

2316 Heb 4:14 god

2316 Heb 4:4 god

2316 Heb 4:9 god

2316 Heb 5:1 god

2316 Heb 5:10 god

2316 Heb 5:12 god

2316 Heb 5:4 god

2316 Heb 6:1 god

2316 Heb 6:10 god

2316 Heb 6:13 god

2316 Heb 6:17 god

2316 Heb 6:18 god

2316 Heb 6:3 god

2316 Heb 6:5 god

2316 Heb 6:6 god

2316 Heb 6:7 god

2316 Heb 7:1 god

2316 Heb 7:19 god

2316 Heb 7:25 god

2316 Heb 7:3 god

2316 Heb 8:10 god

2316 Heb 9:14 god

2316 Heb 9:14 god

2316 Heb 9:20 god

2316 Heb 9:24 god

2316 Jas 1:1 god

2316 Jas 1:13 god

2316 Jas 1:13 god

2316 Jas 1:20 god

2316 Jas 1:27 god

2316 Jas 1:5 god

2316 Jas 2:19 god

2316 Jas 2:23 god

2316 Jas 2:23 god

2316 Jas 2:5 god

2316 Jas 3:9 god

2316 Jas 3:9 god

2316 Jas 4:4 god

2316 Jas 4:4 god

2316 Jas 4:6 god

2316 Jas 4:7 god

2316 Jas 4:8 god

2316 1Pe 1:2 god

2316 1Pe 1:21 god

2316 1Pe 1:21 god

2316 1Pe 1:23 god

2316 1Pe 1:3 god

2316 1Pe 1:5 god

2316 1Pe 2:10 god

2316 1Pe 2:12 god

2316 1Pe 2:15 god

2316 1Pe 2:16 god

2316 1Pe 2:17 god

2316 1Pe 2:19 god

2316 1Pe 2:20 god

2316 1Pe 2:4 god

2316 1Pe 2:5 god

2316 1Pe 3:15 god

2316 1Pe 3:17 god

2316 1Pe 3:18 god

2316 1Pe 3:20 god

2316 1Pe 3:21 god

2316 1Pe 3:22 god

2316 1Pe 3:4 god

2316 1Pe 3:5 god

2316 1Pe 4:10 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:11 god

2316 1Pe 4:14 god

2316 1Pe 4:16 god

2316 1Pe 4:17 god

2316 1Pe 4:17 god

2316 1Pe 4:19 god

2316 1Pe 4:2 god

2316 1Pe 4:6 god

2316 1Pe 5:10 god

2316 1Pe 5:12 god

2316 1Pe 5:2 god

2316 1Pe 5:3 God's

2316 1Pe 5:5 god

2316 1Pe 5:6 god

2316 2Pe 1:1 god

2316 2Pe 1:17 god

2316 2Pe 1:2 god

2316 2Pe 1:21 god

2316 2Pe 2:4 god

2316 2Pe 3:12 god

2316 2Pe 3:5 god

2316 1Jo 1:5 god

2316 1Jo 2:14 god

2316 1Jo 2:17 god

2316 1Jo 2:5 god

2316 1Jo 3:1 god

2316 1Jo 3:10 god

2316 1Jo 3:10 god

2316 1Jo 3:17 god

2316 1Jo 3:2 god

2316 1Jo 3:20 god

2316 1Jo 3:21 god

2316 1Jo 3:8 god

2316 1Jo 3:9 god

2316 1Jo 3:9 god

2316 1Jo 4:1 god

2316 1Jo 4:10 god

2316 1Jo 4:11 god

2316 1Jo 4:12 god

2316 1Jo 4:12 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:15 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:16 god

2316 1Jo 4:2 god

2316 1Jo 4:2 god

2316 1Jo 4:20 god

2316 1Jo 4:20 god

2316 1Jo 4:21 god

2316 1Jo 4:3 god

2316 1Jo 4:4 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:6 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:7 god

2316 1Jo 4:8 god

2316 1Jo 4:8 god

2316 1Jo 4:9 god

2316 1Jo 4:9 god

2316 1Jo 5:1 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:10 god

2316 1Jo 5:11 god

2316 1Jo 5:12 god

2316 1Jo 5:13 god

2316 1Jo 5:13 god

2316 1Jo 5:18 god

2316 1Jo 5:18 god

2316 1Jo 5:19 god

2316 1Jo 5:2 god

2316 1Jo 5:2 god

2316 1Jo 5:20 god

2316 1Jo 5:20 god

2316 1Jo 5:3 god

2316 1Jo 5:4 god

2316 1Jo 5:5 god

2316 1Jo 5:9 god

2316 1Jo 5:9 god

2316 2Jo 1:3 god

2316 2Jo 1:9 god

2316 3Jo 1:11 god

2316 3Jo 1:11 god

2316 3Jo 1:6 godly

2316 Jude 1:1 god

2316 Jude 1:21 god

2316 Jude 1:25 god

2316 Jude 1:4 god

2316 Jude 1:4 god

2316 Re 10:7 god

2316 Re 11:1 god

2316 Re 11:11 god

2316 Re 11:13 god

2316 Re 11:16 god

2316 Re 11:16 god

2316 Re 11:17 god

2316 Re 11:19 god

2316 Re 11:4 god

2316 Re 12:10 god

2316 Re 12:10 god

2316 Re 12:17 god

2316 Re 12:5 god

2316 Re 12:6 god

2316 Re 13:6 god

2316 Re 14:10 god

2316 Re 14:12 god

2316 Re 14:19 god

2316 Re 14:4 god

2316 Re 14:5 god

2316 Re 14:7 god

2316 Re 15:1 god

2316 Re 15:2 god

2316 Re 15:3 god

2316 Re 15:3 god

2316 Re 15:7 god

2316 Re 15:8 god

2316 Re 16:1 god

2316 Re 16:11 god

2316 Re 16:14 god

2316 Re 16:19 god

2316 Re 16:21 god

2316 Re 16:7 god

2316 Re 16:9 god

2316 Re 17:17 god

2316 Re 17:17 god

2316 Re 18:20 god

2316 Re 18:5 god

2316 Re 18:8 god

2316 Re 19:1 god

2316 Re 19:10 god

2316 Re 19:13 god

2316 Re 19:15 god

2316 Re 19:17 god

2316 Re 19:4 god

2316 Re 19:5 god

2316 Re 19:6 god

2316 Re 19:9 god

2316 Re 1:1 god

2316 Re 1:2 god

2316 Re 1:6 god

2316 Re 1:9 god

2316 Re 20:12 god

2316 Re 20:4 god

2316 Re 20:6 god

2316 Re 20:9 god

2316 Re 21:10 god

2316 Re 21:11 god

2316 Re 21:2 god

2316 Re 21:22 god

2316 Re 21:23 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:3 god

2316 Re 21:4 god

2316 Re 21:7 god

2316 Re 22:1 god

2316 Re 22:18 god

2316 Re 22:19 god

2316 Re 22:3 god

2316 Re 22:5 god

2316 Re 22:6 god

2316 Re 22:9 god

2316 Re 2:18 god

2316 Re 2:7 god

2316 Re 3:1 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:12 god

2316 Re 3:14 god

2316 Re 3:2 god

2316 Re 4:5 god

2316 Re 4:8 god

2316 Re 5:10 god

2316 Re 5:6 god

2316 Re 5:9 god

2316 Re 6:9 god

2316 Re 7:10 god

2316 Re 7:11 god

2316 Re 7:12 god

2316 Re 7:15 god

2316 Re 7:17 god

2316 Re 7:2 god

2316 Re 7:3 god

2316 Re 8:2 god

2316 Re 8:4 god

2316 Re 9:13 god

2316 Re 9:4 god

2316. Strong's Dictionary Study

2316. theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: --X exceeding, God, god[-ly, -ward].[ql

~~~~~~

 2316 -- X exceeding, God, god[-ly, -ward].

2316   Interlinear Index Study
~~~~~~

2316 MAT 001 023 Behold <2400 -idou -> , a virgin <3933 -parthenos -> shall be with child <1064 -gaster -> , and shall bring <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> a son <5207 -huios -> , and they shall call <2564 -kaleo -> his name <3686 -onoma -> Emmanuel <1694 -Emmanouel -> , which <3739 -hos -> being interpreted <3177 -methermeneuo -> is , God <{2316} -theos -> with us .

2316 MAT 003 009 And think <1380 -dokeo -> not to say <3004 -lego -> within <1722 -en -> yourselves <1438 -heautou -> , We have <2192 -echo -> Abraham <0011 -Abraam ->to [our] father <3962 -pater -> : for I say <3004 -lego -> unto you , that God <{2316} -theos -> is able <1410 -dunamai -> of these <5130 -touton -> stones <3037 -lithos -> to raise <1453 -egeiro -> up children <5043 -teknon -> unto Abraham <11> .

2316 MAT 003 016 And Jesus <2424 -Iesous -> , when he was baptized <0907 -baptizo -> , went <0305 -anabaino -> up straightway <2117 -euthus -> out of the water <5204 -hudor -> : and , lo <2400 -idou -> , the heavens <3772 -ouranos -> were opened <0455 -anoigo -> unto him , and he saw <1492 -eido -> the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> descending <2597 -katabaino -> like <5616 -hosei -> a dove <4058 -peristera -> , and lighting <2064 -erchomai -> upon him :

2316 MAT 004 003 And when the tempter <3985 -peirazo -> came <4334 -proserchomai -> to him , he said <2036 -epo -> , If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , command <2036 -epo -> that these <3778 -houtos -> stones <3037 -lithos -> be made <1096 -ginomai -> bread <0740 -artos -> .

2316 MAT 004 004 But he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , It is written <1125 -grapho -> , Man <0444 -anthropos -> shall not live <2198 -zao -> by bread <0740 -artos -> alone <3441 -monos -> , but by every <3956 -pas -> word <4487 -rhema -> that proceedeth <1607 -ekporeuomai -> out of the mouth <4750 -stoma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 004 006 And saith <3004 -lego -> unto him , If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , cast <0906 -ballo -> thyself <4572 -seautou -> down <2736 -kato -> : for it is written <1125 -grapho -> , He shall give his angels <0032 -aggelos -> charge <1781 -entellomai -> concerning <4012 -peri -> thee : and in [their] hands <5495 -cheir -> they shall bear <0142 -airo -> thee up , lest <3379 -mepote -> at <3379 -mepote -> any <3379 -mepote -> time <3379 -mepote -> thou dash <4350 -proskopto -> thy foot <4228 -pous -> against <4314 -pros -> a stone <3037 -lithos -> .

2316 MAT 004 007 Jesus <2424 -Iesous -> said <5346 -phemi -> unto him , It is written <1125 -grapho -> again <3825 -palin -> , Thou shalt not tempt <1598 -ekpeirazo -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 004 010 Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> Jesus <2424 -Iesous -> unto him , Get <5217 -hupago -> thee hence <5217 -hupago -> , Satan <4567 -Satanas -> : for it is written <1125 -grapho -> , Thou shalt worship <4352 -proskuneo -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> , and him only <3441 -monos -> shalt thou serve <3000 -latreuo -> .

2316 MAT 005 008 Blessed <3107 -makarios -> [are] the pure

<2513 -katharos -> in heart <2588 -kardia -> : for they shall see <3700 -optanomai -> God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 005 009 Blessed <3107 -makarios -> [are] the peacemakers <1518 -eirenopoios -> : for they shall be called <2564 -kaleo -> the children <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 005 034 But I say <3004 -lego -> unto you , Swear <3660 -omnuo -> not at <2527 -katholou -> all <3654 -holos -> ; neither <3383 -mete -> by heaven <3772 -ouranos -> ; for it is God s <{2316} -theos -> throne <2362 -thronos -> :

2316 MAT 006 024 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> serve <1398 -douleuo -> two <1417 -duo -> masters <2962 -kurios -> : for either <2228 -e -> he will hate <3404 -miseo -> the one <1520 -heis -> , and love <0025 -agapao -> the other <2087 -heteros -> ; or <2228 -e -> else he will hold <0472 -antechomai -> to the one <1520 -heis -> , and despise <2706 -kataphroneo -> the other <2087 -heteros -> . Ye cannot <1410 -dunamai -> serve <1398 -douleuo -> God <{2316} -theos -> and mammon <3126 -mammonas -> .

2316 MAT 006 030 Wherefore <1161 -de -> , if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> clothe <0294 -amphiennumi -> the grass <5528 -chortos -> of the field <0068 -agros -> , which to day <4594 -semeron -> is , and to morrow <0839 -aurion -> is cast <0906 -ballo -> into <1519 -eis -> the oven <2823 -klibanos -> ,   [shall he] not much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> [clothe] you , O ye of little <3640 -oligopistos -> faith <3640 -oligopistos -> ?

2316 MAT 006 033 But seek <2212 -zeteo -> ye first <4412 -proton -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and his righteousness <1343 -dikaiosune -> ; and all <3956 -pas -> these <5023 -tauta -> things shall be added <4369 -prostithemi -> unto you .

2316 MAT 008 029 And , behold <2400 -idou -> , they cried <2896 -krazo -> out , saying <3004 -lego -> , What <5101 -tis -> have we to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , thou Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ? art thou come <2064 -erchomai -> hither <5602 -hode -> to torment <0928 -basanizo -> us before <4253 -pro -> the time <2540 -kairos -> ?

2316 MAT 009 008 But when the multitudes <3793 -ochlos -> saw <1492 -eido -> [it] , they marvelled <2296 -thaumazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> had given <1325 -didomi -> such <5108 -toioutos -> power <1849 -exousia -> unto men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 012 004 How <4459 -pos -> he entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> , and did eat <5315 -phago -> the shewbread <4286 -prothesis -> , which <3739 -hos -> was not lawful <1832 -exesti -> for him to eat <5315 -phago -> , neither <3761 -oude -> for them which were with him , but only <3441 -monos -> for the priests <2409 -hiereus -> ?

2316 MAT 012 028 But if <1487 -ei -> I cast <1544 -ekballo -> out devils <1140 -daimonion -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> , then <0686 -ara -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> is come <5348 -phthano -> unto you .

2316 MAT 012 028 But if <1487 -ei -> I cast <1544 -ekballo ->

out devils <1140 -daimonion -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , then <0686 -ara -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <2316 -theos -> is come <5348 -phthano -> unto you .

2316 MAT 014 033 Then <1161 -de -> they that were in the ship <4143 -ploion -> came <2064 -erchomai -> and worshipped <4352 -proskuneo -> him , saying <3004 -lego -> , Of a truth <0230 -alethos -> thou art the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 015 003 But he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Why <1302 -diati -> do ye also <2532 -kai -> transgress <3845 -parabaino -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> by your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> ?

2316 MAT 015 004 For God <{2316} -theos -> commanded <1781 -entellomai -> , saying <3004 -lego -> , Honour <5091 -timao -> thy father <3962 -pater -> and mother <3384 -meter -> : and , He that curseth <2551 -kakologeo -> father <3962 -pater -> or <2228 -e -> mother <3384 -meter -> , let him die <5053 -teleutao -> the death <2288 -thanatos -> .

2316 MAT 015 006 And honour <5091 -timao -> not his father <3962 -pater -> or <2228 -e -> his mother <3384 -meter -> , [he shall be free] . Thus <2532 -kai -> have ye made <0208 -akuroo -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> of none <0208 -akuroo -> effect <0208 -akuroo -> by your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> .

2316 MAT 015 031 Insomuch <5620 -hoste -> that the multitude <3793 -ochlos -> wondered <2296 -thaumazo -> , when they saw <0991 -blepo -> the dumb <2974 -kophos -> to speak <2980 -laleo -> , the maimed <2948 -kullos -> to be whole <5199 -hugies -> , the lame <5560 -cholos -> to walk <4043 -peripateo -> , and the blind <5185 -tuphlos -> to see <0991 -blepo -> : and they glorified <1392 -doxazo -> the God <{2316} -theos -> of Israel <2474 -Israel -> .

2316 MAT 016 016 And Simon <4613 -Simon -> Peter <4074 -Petros -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , Thou art <1488 -ei -> the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 016 023 But he turned <4672 -Solomon -> , and said <2036 -epo -> unto Peter <4074 -Petros -> , Get <5217 -hupago -> thee behind <3694 -opiso -> me , Satan <4567 -Satanas -> : thou art <1488 -ei -> an offence <4625 -skandalon -> unto me : for thou savourest <5426 -phroneo -> not the things that be of God <{2316} -theos -> , but those <3588 -ho -> that be of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 019 006 Wherefore <5620 -hoste -> they are no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> twain <1417 -duo -> , but one <3391 -mia -> flesh <4561 -sarx -> . What <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> God <{2316} -theos -> hath joined <4801 -suzeugnumi -> together <4801 -suzeugnumi -> , let not man <0444 -anthropos -> put <5563 -chorizo -> asunder <5563 -chorizo -> .

2316 MAT 019 017 And he said <2036 -epo -> unto him , Why <5101 -tis -> callest <3004 -lego -> thou me good <0018 -agathos -> ? [there is] none <3762 -oudeis -> good <0018 -agathos -> but one <1520 -heis -> , [that is] , God <{2316} -theos -> : but if <1487 -ei -> thou wilt <2309 -thelo -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> life <2222 -zoe -> , keep

<5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> .

2316 MAT 019 024 And again <3825 -palin -> I say <3004 -lego -> unto you , It is easier <2123 -eukopoteros -> for a camel <2574 -kamelos -> to go <1330 -dierchomai -> through <1223 -dia -> the eye <5169 -trupema -> of a needle <4476 -rhaphis -> , than <2228 -e -> for a rich <4145 -plousios -> man to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 019 026 But Jesus <2424 -Iesous -> beheld <1689 -emblepo -> [them] , and said <2036 -epo -> unto them , With men <0444 -anthropos -> this <5124 -touto -> is impossible <0102 -adunatos -> ; but with God <{2316} -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAT 021 012 . And Jesus <2424 -Iesous -> went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the temple <2411 -hieron -> of God <{2316} -theos -> , and cast <1544 -ekballo -> out all <3956 -pas -> them that sold <4453 -poleo -> and bought <0059 -agorazo -> in the temple <2411 -hieron -> , and overthrew <2690 -katastrepho -> the tables <5132 -trapeza -> of the moneychangers <2855 -kollubistes -> , and the seats <2515 -kathedra -> of them that sold <4453 -poleo -> doves <4058 -peristera -> ,

2316 MAT 021 031 Whether <5101 -tis -> of them twain <1417 -duo -> did <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of [his] father <3962 -pater -> ? They say <3004 -lego -> unto him , The first <4413 -protos -> . Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto them , Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , That the publicans <5052 -telesphoreo -> and the harlots <4204 -porne -> go <4254 -proago -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> before <4254 -proago -> you .

2316 MAT 021 043 Therefore <5124 -touto -> say <3004 -lego -> I unto you , The kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> shall be taken <0142 -airo -> from you , and given <1325 -didomi -> to a nation <1484 -ethnos -> bringing <4160 -poieo -> forth <4160 -poieo -> the fruits <2590 -karpos -> thereof <0846 -autos -> .

2316 MAT 022 016 And they sent <0649 -apostello -> out unto him their disciples <3101 -mathetes -> with the Herodians <2265 -Herodianoi -> , saying <3004 -lego -> , Master <1320 -didaskalos -> , we know <1492 -eido -> that thou art <1488 -ei -> true <0227 -alethes -> , and teachest <1321 -didasko -> the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> in truth <0225 -aletheia -> , neither <3756 -ou -> carest <3199 -melo -> thou for any <3762 -oudeis -> [man <3762 -oudeis ->] : for thou regardest <0991 -blepo -> not the person <4383 -prosopon -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 022 021 They say <3004 -lego -> unto him , Caesar s <2541 -Kaisar -> . Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> he unto them , Render <0591 -apodidomi -> therefore <3767 -oun -> unto Caesar <2541 -Kaisar -> the things which are Caesar s <2541 -Kaisar -> ; and unto God <2316 -theos -> the things that are God s <{2316} -theos -> .

2316 MAT 022 021 They say <3004 -lego -> unto him , Caesar s <2541 -Kaisar -> . Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> he unto them , Render <0591 -apodidomi -> therefore <3767 -oun -> unto Caesar <2541 -Kaisar -> the things which are Caesar s <2541 -Kaisar -> ; and unto God <{2316} -theos -> the things that are

God s <2316 -theos -> .

2316 MAT 022 029 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Ye do err <4105 -planao -> , not knowing <1492 -eido -> the scriptures <1124 -graphe -> , nor <3366 -mede -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 022 030 For in the resurrection <0386 -anastasis -> they neither <3777 -oute -> marry <1060 -gameo -> , nor <3777 -oute -> are given <1547 -ekgamizo -> in marriage <1547 -ekgamizo -> , but are as the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> in heaven <3772 -ouranos -> .

2316 MAT 022 031 But as touching <4012 -peri -> the resurrection <0386 -anastasis -> of the dead <3498 -nekros -> , have ye not read <0314 -anaginosko -> that which <3588 -ho -> was spoken <4483 -rheo -> unto you by God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <{2316} -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <{2316} -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 037 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto him , Thou shalt love <0025 -agapao -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> with all <3650 -holos -> thy heart <2588 -kardia -> , and with all <3650 -holos -> thy soul <5590 -psuche -> , and with all <3650 -holos -> thy mind <1271 -dianoia -> .

2316 MAT 023 022 And he that shall swear <3660 -omnuo -> by heaven <3772 -ouranos -> , sweareth <3660 -omnuo -> by the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> , and by him that sitteth <2521 -kathemai -> thereon <0846 -autos -> .

2316 MAT 026 061 And said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> [fellow] said <5346 -phemi -> , I am able <1410 -dunamai -> to destroy <2647 -kataluo -> the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , and to build <3618 -oikodomeo -> it in

three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> .

2316 MAT 026 063 But Jesus <2424 -Iesous -> held <4623 -siopao -> his peace <4623 -siopao -> . And the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , I adjure <1844 -exorkizo -> thee by the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> , that thou tell <2036 -epo -> us whether <1487 -ei -> thou be the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 026 063 But Jesus <2424 -Iesous -> held <4623 -siopao -> his peace <4623 -siopao -> . And the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , I adjure <1844 -exorkizo -> thee by the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , that thou tell <2036 -epo -> us whether <1487 -ei -> thou be the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 MAT 027 040 And saying <3004 -lego -> , Thou that destroyest <2647 -kataluo -> the temple <3485 -naos -> , and buildest <3618 -oikodomeo -> [it] in three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> , save <4982 -sozo -> thyself <4572 -seautou -> . If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , come <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from the cross <4716 -stauros -> .

2316 MAT 027 043 He trusted <3982 -peitho -> in God <2316 -theos -> ; let him deliver <4506 -rhoumai -> him now <3568 -nun -> , if <1487 -ei -> he will <2309 -thelo -> have him : for he said <2036 -epo -> , I am <1510 -eimi -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 027 043 He trusted <3982 -peitho -> in God <{2316} -theos -> ; let him deliver <4506 -rhoumai -> him now <3568 -nun -> , if <1487 -ei -> he will <2309 -thelo -> have him : for he said <2036 -epo -> , I am <1510 -eimi -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 MAT 027 046 And about <4012 -peri -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0310 -anaboao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eli <2241 -eli -> , Eli <2241 -eli -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? that is to say , My God <2316 -theos -> , my God <{2316} -theos -> , why <2444 -hinati -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAT 027 046 And about <4012 -peri -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0310 -anaboao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eli <2241 -eli -> , Eli <2241 -eli -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? that is to say , My God <{2316} -theos -> , my God <2316 -theos -> , why <2444 -hinati -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAT 027 054 Now <1161 -de -> when the centurion <1543 -hekatontarches -> , and they that were with him , watching <5083 -tereo -> Jesus <2424 -Iesous -> , saw <1492 -eido -> the earthquake <4578 -seismos -> , and those <3588 -ho -> things that were done <1096 -ginomai -> , they feared <5399 -phobeo -> greatly <4970 -sphodra -> , saying <3004 -lego -> , Truly <0230 -alethos -> this <3778 -houtos -> was the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 001 001 . The beginning <0746 -arche -> of the gospel <2098 -euaggelion -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 MAR 001 014 . Now <1161 -de -> after <3326 -meta -> that John <2491 -Ioannes -> was put <3860 -paradidomi -> in prison <3860 -paradidomi -> , Jesus <2424 -Iesous -> came <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> Galilee <1056 -Galilaia -> , preaching <2784 -kerusso -> the gospel <2098 -euaggelion -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 MAR 001 015 And saying <3004 -lego -> , The time <2540 -kairos -> is fulfilled <4137 -pleroo -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> is at <1448 -eggizo -> hand <1448 -eggizo -> : repent <3340 -metanoeo -> ye , and believe <1722 -en -> the gospel <2098 -euaggelion -> .

2316 MAR 001 024 Saying <3004 -lego -> , Let <1439 -eao -> [us] alone <1439 -eao -> ; what <5101 -tis -> have we to do with thee , thou Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> ? art thou come <2064 -erchomai -> to destroy <0622 -apollumi -> us ? I know <1492 -eido -> thee who <5101 -tis -> thou art <1488 -ei -> , the Holy <0040 -hagios -> One of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 002 007 Why <5101 -tis -> doth this <3778 -houtos -> [man] thus <3779 -houto -> speak <2980 -laleo -> blasphemies <0988 -blasphemia -> ? who <5101 -tis -> can <1410 -dunamai -> forgive <0863 -aphiemi -> sins <0266 -hamartia -> but God <{2316} -theos -> only <1520 -heis -> ?

2316 MAR 002 012 And immediately <2112 -eutheos -> he arose <1453 -egeiro -> , took <0142 -airo -> up the bed <2895 -krabbatos -> , and went <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> before <1726 -enantion -> them all <3956 -pas -> ; insomuch <5620 -hoste -> that they were all <3956 -pas -> amazed <1839 -existemi -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> , We never <3763 -oudepote -> saw <1492 -eido -> it on this <3779 -houto -> fashion <3778 -houtos -> .

2316 MAR 002 026 How <4459 -pos -> he went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> in the days <1909 -epi -> of Abiathar <0008 -Abiathar -> the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> , and did eat <5315 -phago -> the shewbread <4286 -prothesis -> , which <3739 -hos -> is not lawful <1832 -exesti -> to eat <5315 -phago -> but for the priests <2409 -hiereus -> , and gave <1325 -didomi -> also <2532 -kai -> to them which were with him ?

2316 MAR 003 011 And unclean <0169 -akathartos -> spirits <4151 -pneuma -> , when <3752 -hotan -> they saw <2334 -theoreo -> him , fell <4363 -prospipto -> down before <4363 -prospipto -> him , and cried <2896 -krazo -> , saying <3004 -lego -> , Thou art <1488 -ei -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 003 035 For whosoever <0302 -an -> shall do the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , the same <3778 -houtos -> is my brother <0080 -adephos -> , and my sister <0079 -adelphe -> , and mother <3384 -meter -> .

2316 MAR 004 011 And he said <3004 -lego -> unto them , Unto you it is given <1325 -didomi -> to know <1097 -ginosko -> the mystery <3466 -musterion -> of the kingdom <0932 -basileia -> of

God <{2316} -theos -> : but unto them that are without <1854 -exo -> , all <3956 -pas -> [these <3588 -ho ->] things are done <1096 -ginomai -> in parables <3850 -parabole -> :

2316 MAR 004 026 And he said <3004 -lego -> , So <3779 -houto -> is the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , as if <1487 -ei -> a man <0444 -anthropos -> should cast <0906 -ballo -> seed <4703 -sporos -> into <1909 -epi -> the ground <1093 -ge -> ;

2316 MAR 004 030 And he said <3004 -lego -> , Whereunto <5101 -tis -> shall we liken <3666 -homoioo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ? or <2228 -e -> with what <4169 -poios -> comparison <3850 -parabole -> shall we compare <3846 -paraballo -> it ?

2316 MAR 005 007 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> have I to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , [thou] Son <5207 -huios -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <2316 -theos -> ? I adjure <3726 -horkizo -> thee by God <{2316} -theos -> , that thou torment <0928 -basanizo -> me not .

2316 MAR 005 007 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> have I to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , [thou] Son <5207 -huios -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> ? I adjure <3726 -horkizo -> thee by God <2316 -theos -> , that thou torment <0928 -basanizo -> me not .

2316 MAR 007 008 For laying <0863 -aphiemi -> aside <0863 -aphiemi -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , ye hold <2902 -krateo -> the tradition <3862 -paradosis -> of men <0444 -anthropos -> , [as] the washing <0909 -baptismos -> of pots <3582 -xestes -> and cups <4221 -poterion -> : and many <4183 -polus -> other <0243 -allos -> such <5108 -toioutos -> like <3946 -paromoios -> things ye do <4160 -poieo -> .

2316 MAR 007 009 And he said <3004 -lego -> unto them , Full well <2573 -kalos -> ye reject <0114 -atheteo -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , that ye may keep <5083 -tereo -> your <5216 -humon -> own tradition <3862 -paradosis -> .

2316 MAR 007 013 Making <0208 -akuroo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> of none <0208 -akuroo -> effect <0208 -akuroo -> through your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> , which <3739 -hos -> ye have delivered <3860 -paradidomi -> : and many <4183 -polus -> such <5108 -toioutos -> like <3946 -paromoios -> things do <4160 -poieo -> ye .

2316 MAR 008 033 But when he had turned <1994 -epistrepho -> about <1994 -epistrepho -> and looked <1492 -eido -> on his disciples <3101 -mathetes -> , he rebuked <2008 -epitimao -> Peter <4074 -Petros -> , saying <3004 -lego -> , Get <5217 -hupago -> thee behind <3694 -opiso -> me , Satan <4567 -Satanas -> : for thou savourest <5426 -phroneo -> not the things that be of God <{2316} -theos -> , but the things that be of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAR 009 001 . And he said <3004 -lego -> unto them , Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , That there be some <5100 -tis -> of them that stand <2476 -histemi ->

here <5602 -hode -> , which <3748 -hostis -> shall not taste <1089 -geuomai -> of death <2288 -thanatos -> , till <2193 -heos -> they have seen <1492 -eido -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> come <2064 -erchomai -> with power <1411 -dunamis -> .

2316 MAR 009 047 And if <1437 -ean -> thine <4675 -sou -> eye <3788 -ophthalmos -> offend <4624 -skandalizo -> thee , pluck <1544 -ekballo -> it out : it is better <2570 -kalos -> for thee to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> with one <3442 -monophthalmos -> eye <3442 -monophthalmos -> , than <2228 -e -> having <2192 -echo -> two <1417 -duo -> eyes <3788 -ophthalmos -> to be cast <0906 -ballo -> into <1519 -eis -> hell <1067 -geena -> fire <4442 -pur -> :

2316 MAR 010 006 But from the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> God <{2316} -theos -> made <4160 -poieo -> them male <0730 -arrhen -> and female <2338 -thelus -> .

2316 MAR 010 009 What <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> God <{2316} -theos -> hath joined <4801 -suzeugnumi -> together <4801 -suzeugnumi -> , let not man <0444 -anthropos -> put <5563 -chorizo -> asunder <5563 -chorizo -> .

2316 MAR 010 014 But when Jesus <2424 -Iesous -> saw <1492 -eido -> [it] , he was much <0023 -aganakteo -> displeased <0023 -aganakteo -> , and said <2036 -epo -> unto them , Suffer <0863 -aphiemi -> the little <3813 -paidion -> children <3813 -paidion -> to come <2064 -erchomai -> unto me , and forbid <2967 -koluo -> them not : for of such <5108 -toioutos -> is the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 015 Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , Whosoever <1437 -ean -> shall not receive <1209 -dechomai -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> as a little <3813 -paidion -> child <3813 -paidion -> , he shall not enter <1525 -eiserchomai -> therein <0846 -autos -> .

2316 MAR 010 018 And Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto him , Why <5101 -tis -> callest <3004 -lego -> thou me good <0018 -agathos -> ? [there is] none <3762 -oudeis -> good <0018 -agathos -> but one <1520 -heis -> , [that is] , God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 023 And Jesus <2424 -Iesous -> looked <4017 -periblepo -> round <4017 -periblepo -> about <4017 -periblepo -> , and saith <3004 -lego -> unto his disciples <3101 -mathetes -> , How <4459 -pos -> hardly <1423 -duskolos -> shall they that have <2192 -echo -> riches <5536 -chrema -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> !

2316 MAR 010 024 And the disciples <3101 -mathetes -> were astonished <2284 -thambeo -> at <1909 -epi -> his words <3056 -logos -> . But Jesus <2424 -Iesous -> answereth <0611 -apokrinomai -> again <3825 -palin -> , and saith <3004 -lego -> unto them , Children <5043 -teknon -> , how <4459 -pos -> hard <1422 -duskolos -> is it for them that trust <3982 -peitho -> in riches <5536 -chrema -> to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> !

2316 MAR 010 025 It is easier <2123 -eukopoteros -> for a camel <2574 -kamelos -> to go <1525 -eiserchomai -> through <1223 -dia -> the eye <5168 -trumalia -> of a needle <4476 -rhaphis -> ,

than <2228 -e -> for a rich <4145 -plousios -> man to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 027 And Jesus <2424 -Iesous -> looking <1689 -emblepo -> upon them saith <3004 -lego -> , With men <0444 -anthropos -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> , but not with God <2316 -theos -> : for with God <{2316} -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAR 010 027 And Jesus <2424 -Iesous -> looking <1689 -emblepo -> upon them saith <3004 -lego -> , With men <0444 -anthropos -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> , but not with God <{2316} -theos -> : for with God <2316 -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAR 011 022 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> saith <3004 -lego -> unto them , Have <2192 -echo -> faith <4102 -pistis -> in God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 012 014 And when they were come <2064 -erchomai -> , they say <3004 -lego -> unto him , Master <1320 -didaskalos -> , we know <1492 -eido -> that thou art <1488 -ei -> true <0227 -alethes -> , and carest <3199 -melo -> for no <3762 -oudeis -> man <0444 -anthropos -> : for thou regardest <0991 -blepo -> not the person <4383 -prosopon -> of men <0444 -anthropos -> , but teachest <1321 -didasko -> the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> in truth <0225 -aletheia -> : Is it lawful <1832 -exesti -> to give <1325 -didomi -> tribute <2778 -kensos -> to Caesar <2541 -Kaisar -> , or <2228 -e -> not ?

2316 MAR 012 017 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Render <0591 -apodidomi -> to Caesar <2541 -Kaisar -> the things that are Caesar s <2541 -Kaisar -> , and to God <2316 -theos -> the things that are God s <{2316} -theos -> . And they marvelled <2296 -thaumazo -> at <1909 -epi -> him .

2316 MAR 012 017 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Render <0591 -apodidomi -> to Caesar <2541 -Kaisar -> the things that are Caesar s <2541 -Kaisar -> , and to God <{2316} -theos -> the things that are God s <2316 -theos -> . And they marvelled <2296 -thaumazo -> at <1909 -epi -> him .

2316 MAR 012 024 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Do ye not therefore <5124 -touto -> err <4105 -planao -> , because ye know <1492 -eido -> not the scriptures <1124 -graphe -> , neither <3366 -mede -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -

lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <{2316} -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 027 He is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but the God <{2316} -theos -> of the living <2198 -zao -> : ye therefore <3767 -oun -> do greatly <4183 -polus -> err <4105 -planao -> .

2316 MAR 012 027 He is not the God <{2316} -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but the God <2316 -theos -> of the living <2198 -zao -> : ye therefore <3767 -oun -> do greatly <4183 -polus -> err <4105 -planao -> .

2316 MAR 012 029 And Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> him , The first <4413 -protos -> of all <3956 -pas -> the commandments <1785 -entole -> [is] , Hear <0191 -akouo -> , O Israel <2474 -Israel -> ; The Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> is one <1520 -heis -> Lord <2962 -kurios -> :

2316 MAR 012 030 And thou shalt love <0025 -agapao -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> with all <3650 -holos -> thy heart <2588 -kardia -> , and with all <3650 -holos -> thy soul <5590 -psuche -> , and with all <3650 -holos -> thy mind <1271 -dianoia -> , and with all <3650 -holos -> thy strength <2479 -ischus -> : this <3778 -houtos -> [is] the first <4413 -protos -> commandment <1785 -entole -> .

2316 MAR 012 032 And the scribe <1122 -grammateus -> said <2036 -epo -> unto him , Well <2573 -kalos -> , Master <1320 -didaskalos -> , thou hast said <2036 -epo -> the truth <0225 -aletheia -> : for there is one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> ; and there is none <3756 -ou -> other <0243 -allos -> but he :

2316 MAR 012 034 And when Jesus <2424 -Iesous -> saw <1492 -eido -> that he answered <0611 -apokrinomai -> discreetly <3562 -nounechos -> , he said <2036 -epo -> unto him , Thou art <1488 -ei -> not far <3112 -makran -> from the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> . And no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> after <3765 -ouketi -> that durst <5111 -tolmao -> ask <1905 -eperotao -> him [any question] .

2316 MAR 013 019 For [in] those <1565 -ekeinos -> days <2250 -hemera -> shall be affliction <2347 -thlipsis -> , such <3634 -hoios -> as was not from the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> which <3739 -hos -> God <{2316} -

theos -> created <2936 -ktizo -> unto this <3568 -nun -> time <3568 -nun -> , neither <3361 -me -> shall be .

2316 MAR 014 025 Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , I will drink <4095 -pino -> no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> of the fruit <1081 -gennema -> of the vine <0288 -ampelos -> , until <2193 -heos -> that day <2250 -hemera -> that I drink <4095 -pino -> it new <2537 -kainos -> in the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 015 034 And at the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0994 -boao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eloi <1682 -eloi -> , Eloi <1682 -eloi -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? which <3739 -hos -> is , being interpreted <3177 -methermeneuo -> , My God <2316 -theos -> , my God <{2316} -theos -> , why <5101 -tis -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAR 015 034 And at the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0994 -boao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eloi <1682 -eloi -> , Eloi <1682 -eloi -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? which <3739 -hos -> is , being interpreted <3177 -methermeneuo -> , My God <{2316} -theos -> , my God <2316 -theos -> , why <5101 -tis -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAR 015 039 And when the centurion <2760 -kenturion -> , which <3588 -ho -> stood <3936 -paristemi -> over <1727 -enantios -> against <1727 -enantios -> him , saw <1492 -eido -> that he so <3779 -houto -> cried <2896 -krazo -> out , and gave up the ghost <1606 -ekpneo -> , he said <2036 -epo -> , Truly <0230 -alethos -> this <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> was the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 015 043 Joseph <2501 -Ioseph -> of Arimathaea <0707 -Arimathaia -> , an honourable <2158 -euschemon -> counsellor <1010 -bouleutes -> , which <0846 -autos -> also <2532 -kai -> waited <4327 -prosdechomai -> for the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , came <2064 -erchomai -> , and went <1525 -eiserchomai -> in boldly <5111 -tolmao -> unto Pilate <4091 -Pilatos -> , and craved <0154 -aiteo -> the body <4983 -soma -> of Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 MAR 016 018 They shall take <0142 -airo -> up serpents <3789 -ophis -> ; and if <2579 -kan -> they drink <4095 -pino -> any <5100 -tis -> deadly <2286 -thanasimos -> thing , it shall not hurt <0984 -blapto -> them ; they shall lay <2007 -epitithemi -> hands <5495 -cheir -> on <1909 -epi -> the sick <0732 -arrhostos -> , and they shall recover <2573 -kalos -> . : 19 . So <3303 -men -> then <3767 -oun -> after <3326 -meta -> the Lord <2962 -kurios -> had spoken <2980 -laleo -> unto them , he was received <0353 -analambano -> up into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and sat <2523 -kathizo -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 LUK 001 006 And they were both LUK 0297 -amphoteros - righteous 1342 -dikaios - before 1799 -enopion - God {2316} - theos - , walking 4198 -poreuomai - in all 3956 -pas - the commandments 1785 -entole - and ordinances 1345 -dikaioma - of the Lord 2962 -kurios - blameless 0273 -amemptos - .

2316 LUK 001 008 And it came 1096 -ginomai - to pass , that while 3588 -ho - he executed 2407 -hierateuo - the priest s 2407 -hierateuo - office 2407 -hierateuo - before 1725 -

enanti - God {2316} -theos - in the order 5010 -taxis - of his course 2183 -ephemeria - ,

2316 LUK 001 016 And many 4183 -polus - of the children 5207 -huios - of Israel 2474 -Israel - shall he turn 1994 -epistrepho - to the Lord 2962 -kurios - their God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 019 And the angel LUK 0032 -aggelos - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - unto him , I am 1510 -eimi - Gabriel 1043 -Gabriel - , that stand 3936 -paristemi - in the presence 1799 -enopion - of God {2316} -theos - ; and am sent LUK 0649 -apostello - to speak 2980 -laleo - unto thee , and to shew 2097 -euaggelizo - thee these 5023 -tauta - glad 2097 -euaggelizo - tidings 2097 -euaggelizo - .

2316 LUK 001 026 . And in the sixth 1623 -hektos - month 3376 -men - the angel 0032 -aggelos - Gabriel 1043 -Gabriel - was sent LUK 0649 -apostello - from God {2316} -theos - unto a city 4172 -polis - of Galilee 1056 -Galilaia - , named 3686 -onoma - Nazareth 3478 -Nazareth - ,

2316 LUK 001 030 And the angel LUK 0032 -aggelos - said 2036 -epo - unto her , Fear 5399 -phobeo - not , Mary 3137 -Maria - : for thou hast found 2147 -heurisko - favour 5485 -charis - with God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 032 He shall be great 3173 -megas - , and shall be called 2564 -kaleo - the Son 5207 -huios - of the Highest 5310 -hupsistos - : and the Lord 2962 -kurios - God {2316} -theos - shall give 1325 -didomi - unto him the throne 2362 -thronos - of his father 3962 -pater - David 1138 -Dabid - :

2316 LUK 001 035 And the angel LUK 0032 -aggelos - answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto her , The Holy LUK 0040 -hagios - Ghost 4151 -pneuma - shall come 1904 -eperchomai - upon thee , and the power 1411 -dunamis - of the Highest 5310 -hupsistos - shall overshadow 1982 -episkiazo - thee : therefore 1352 -dio - also 2532 -kai - that holy LUK 0040 -hagios - thing which shall be born 1080 -gennao - of thee shall be called 2564 -kaleo - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 037 For with God {2316} -theos - nothing 4487 -rhema - shall be impossible LUK 0101 -adunateo - .

2316 LUK 001 047 And my spirit 4151 -pneuma - hath rejoiced LUK 0021 -agalliao - in God {2316} -theos - my Saviour 4990 -soter - .

2316 LUK 001 064 And his mouth 4750 -stoma - was opened LUK 0455 -anoigo - immediately 3916 -parachrema - , and his tongue 1100 -glossa - [loosed] , and he spake 2980 -laleo - , and praised 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 068 Blessed 2128 -eulogetos - [be] the Lord 2962 -kurios - God {2316} -theos - of Israel 2474 -Israel - ; for he hath visited 1980 -episkeptomai - and redeemed 3085 -lutrosis - his people 2992 -laos - ,

2316 LUK 001 078 Through 1223 -dia - the tender 4698 -splagchnon - mercy 1656 -eleos - of our God {2316} -theos - ; whereby 3739 -hos - the dayspring LUK 0395 -anatole - from on high 5311 -hupsos - hath visited 1980 -episkeptomai - us ,

2316 LUK 002 013 And suddenly 1810 -exaiphnes - there was with the angel 0032 -aggelos - a multitude 4128 -plethos - of the heavenly 3770 -ouranios - host 4756 -stratia - praising LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - , and saying 3004 -lego - ,

2316 LUK 002 014 Glory 1391 -doxa - to God {2316} -theos - in the highest 5310 -hupsistos - , and on 1909 -epi - earth 1093 -ge - peace 1515 -eirene - , good 2107 -eudokia - will 2107 -eudokia - toward 1722 -en - men LUK 0444 -anthropos - .

2316 LUK 002 020 And the shepherds 4166 -poimen - returned 1994 -epistrepho - , glorifying 1392 -doxazo - and praising LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - for all 3956 -pas - the things that they had heard LUK 0191 -akouo - and seen 1492 -eido - , as it was told 2980 -laleo - unto them .

2316 LUK 002 028 Then 2532 -kai - took 1209 -dechomai - he him up in his arms 0043 -agkale - , and blessed 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - , and said 2036 -epo - ,

2316 LUK 002 040 And the child 3813 -paidion - grew LUK 0837 -auzano - , and waxed 2901 -krataioo - strong 2901 -krataioo - in spirit 4151 -pneuma - , filled 4137 -pleroo - with wisdom 4678 -sophia - : and the grace 5485 -charis - of God {2316} -theos - was upon him .

2316 LUK 002 052 And Jesus 2424 -Iesous - increased 4298 -prokopto - in wisdom 4678 -sophia - and stature 2244 -helikia - , and in favour 5485 -charis - with God {2316} -theos - and man LUK 0444 -anthropos - .

2316 LUK 003 002 Annas LUK 0452 -Annas - and Caiaphas 2533 -Kaiaphas - being 1909 -epi - the high LUK 0749 -archiereus - priests LUK 0749 -archiereus - , the word 4487 -rhema - of God {2316} -theos - came 1096 -ginomai - unto John 2491 -Ioannes - the son 5027 -taphe - of Zacharias 2197 -Zacharias - in the wilderness 2048 -eremos - .

2316 LUK 003 006 And all 3956 -pas - flesh 4561 -sarx - shall see 3700 -optanomai - the salvation 4992 -soterion - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 003 008 Bring 4160 -poieo - forth 4160 -poieo - therefore 3767 -oun - fruits 2590 -karpos - worthy LUK 0514 -axios - of repentance 3341 -metanoia - , and begin LUK 0756 -archomai - not to say 3004 -lego - within 1722 -en - yourselves 1438 -heautou - , We have 2192 -echo - Abraham LUK 0011 -Abraam - to [our] father 3962 -pater - : for I say 3004 -lego - unto you , That God {2316} -theos - is able 1410 -dunamai - of these 5130 -touton - stones 3037 -lithos - to raise 1453 -egeiro - up children 5043 -teknon - unto Abraham 11 .

2316 LUK 003 038 Which was [the son] of Enos 1800 -Enos - , which was [the son] of Seth 4589 -Seth - , which was [the son] of Adam LUK 0076 -Adam - , which was [the son] of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 003 And the devil 1228 -diabolos - said 2036 -epo - unto him , If 1487 -ei - thou be the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - , command 2036 -epo - this 5129 -toutoi - stone 3037 -lithos - that it be made 1096 -ginomai - bread LUK 0740 -artos - .

2316 LUK 004 004 And Jesus 2424 -Iesous - answered LUK 0611 -apokrinomai - him , saying 3004 -lego - , It is written 1125 -grapho - , That man LUK 0444 -anthropos - shall not live 2198 -zao - by bread LUK 0740 -artos - alone 3441 -monos - , but by every 3956 -pas - word 4487 -rhema - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 008 And Jesus 2424 -Iesous - answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto him , Get 5217 -hupago - thee behind 3694 -opiso - me , Satan 4567 -Satanas - : for it is written 1125 -grapho - , Thou shalt worship 4352 -proskuneo - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - , and him only 3441 -monos - shalt thou serve 3000 -latreuo - .

2316 LUK 004 009 And he brought LUK 0071 -ago - him to Jerusalem 2419 -Hierousalem - , and set 2476 -histemi - him on 1909 -epi - a pinnacle 4419 -pterugion - of the temple 2411 -hieron - , and said 2036 -epo - unto him , If 1487 -ei - thou be the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - , cast LUK 0906 -ballo - thyself 4572 -seautou - down 2736 -kato - from hence 1782 -enteuthen - :

2316 LUK 004 012 And Jesus 2424 -Iesous - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - unto him , It is said 2046 -ereo - , Thou shalt not tempt 1598 -ekpeirazo - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 034 Saying 3004 -lego - , Let 1439 -eao - [us] alone 1439 -eao - ; what 5101 -tis - have we to do with thee , [thou] Jesus 2424 -Iesous - of Nazareth 3478 -Nazareth - ? art thou come 2064 -erchomai - to destroy 0622 -apollumi - us ? I know 1492 -eido - thee who 5101 -tis - thou art 1488 -ei - ; the Holy LUK 0040 -hagios - One of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 041 And devils 1140 -daimonion - also 2532 -kai - came 1831 -exerchomai - out of many 4183 -polus - , crying 2896 -krazo - out , and saying 3004 -lego - , Thou art 1488 -ei - Christ 5547 -Christos - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - . And he rebuking 2008 -epitimao - [them] suffered 1439 -eao - them not to speak 2980 -laleo - : for they knew that he was Christ 5547 -Christos - .

2316 LUK 004 043 And he said 2036 -epo - unto them , I must 1163 -dei - preach 2097 -euaggelizo - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - to other 2087 -heteros - cities 4172 -polis - also 2532 -kai - : for therefore 5124 -touto - am I sent LUK 0649 -apostello - .

2316 LUK 005 001 . And it came 1096 -ginomai - to pass , that , as the people 3793 -ochlos - pressed 1945 -epikeimai - upon him to hear 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , he stood 2476 -histemi - by the lake 3041 -limne - of Gennesaret 1082 -Gennesaret - ,

2316 LUK 005 021 And the scribes 1122 -grammateus - and the Pharisees 5330 -Pharisaios - began LUK 0756 -archomai - to reason 1260 -dialogizomai - , saying 3004 -lego - , Who 5101 -tis - is this 3778 -houtos - which 3739 -hos - speaketh 2980 -laleo - blasphemies 0988 -blasphemia - ? Who 5101 -tis - can 1410 -dunamai - forgive 0863 -aphiemi - sins LUK 0266 -hamartia - , but God {2316} -theos - alone 3441 -monos - ?

2316 LUK 005 025 And immediately 3916 -parachrema - he rose

LUK 0450 -anistemi - up before 1799 -enopion - them , and took LUK 0142 -airo - up that whereon 3739 -hos - he lay 2621 -katakeimai - , and departed LUK 0565 -aperchomai - to his own house 3624 -oikos - , glorifying 1392 -doxazo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 005 026 And they were all LUK 0537 -hapas - amazed 2983 -lambano - , and they glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - , and were filled 4130 -pletho - with fear 5401 -phobos - , saying 3004 -lego - , We have seen 1492 -eido - strange 3861 -paradoxos - things to day 4594 -semeron - .

2316 LUK 006 004 How 5613 -hos - he went 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the house 3624 -oikos - of God {2316} -theos - , and did take 2983 -lambano - and eat 5315 -phago - the shewbread 4286 -prothesis - , and gave 1325 -didomi - also 2532 -kai - to them that were with him ; which it is not lawful 1832 -exesti - to eat 5315 -phago - but for the priests 2409 -hiereus - alone 3441 -monos - ?

2316 LUK 006 012 . And it came 1096 -ginomai - to pass in those 5025 -tautais - days 2250 -hemera - , that he went 1831 -exerchomai - out into 1519 -eis - a mountain 3735 -oros - to pray 4336 -proseuchomai - , and continued 1273 -dianuktereuo - all 1273 -dianuktereuo - night 1273 -dianuktereuo - in prayer 4335 -proseuche - to God {2316} -theos - .

2316 LUK 006 020 . And he lifted 1869 -epairo - up his eyes 3788 -ophthalmos - on 1519 -eis - his disciples 3101 -mathetes - , and said 3004 -lego - , Blessed 3107 -makarios - [be ye] poor 4434 -ptochos - : for yours 5212 -humeteros - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 007 016 And there came 2983 -lambano - a fear 5401 -phobos - on all 0537 -hapas - : and they glorified 1392 -doxazo - God 2316 -theos - , saying 3004 -lego - , That a great 3173 -megas - prophet 4396 -prophetes - is risen 1453 -egeiro - up among 1722 -en - us ; and , That God {2316} -theos - hath visited 1980 -episkeptomai - his people 2992 -laos - .

2316 LUK 007 016 And there came 2983 -lambano - a fear 5401 -phobos - on all 0537 -hapas - : and they glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - , saying 3004 -lego - , That a great 3173 -megas - prophet 4396 -prophetes - is risen 1453 -egeiro - up among 1722 -en - us ; and , That God 2316 -theos - hath visited 1980 -episkeptomai - his people 2992 -laos - .

2316 LUK 007 028 For I say 3004 -lego - unto you , Among 1722 -en - those that are born 1084 -gennetos - of women 1135 -gune - there is not a greater 3187 -meizon - prophet 4396 -prophetes - than 3844 -para - John 2491 -Ioannes - the Baptist LUK 0910 -Baptistes - : but he that is least 3398 -mikros - in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is greater 3187 -meizon - than 3844 -para - he .

2316 LUK 007 029 And all 3956 -pas - the people 2992 -laos - that heard 0191 -akouo - [him] , and the publicans 5052 -telesphoreo - , justified 1344 -dikaioo - God {2316} -theos - , being baptized LUK 0907 -baptizo - with the baptism LUK 0908 -baptisma - of John 2491 -Ioannes - .

2316 LUK 007 030 But the Pharisees 5330 -Pharisaios - and lawyers 3544 -nomikos - rejected LUK 0114 -atheteo - the counsel 1012 -boule - of God {2316} -theos - against 1519 -eis - themselves 1438 -heautou - , being not baptized LUK 0907 -baptizo - of him .

2316 LUK 008 001 . And it came 1096 -ginomai - to pass afterward 2517 -kathexes - , that he went 1353 -diodeuo - throughout 2596 -kata - every 2596 -kata - city 4172 -polis - and village 2968 -kome - , preaching 2784 -kerusso - and shewing the glad 2097 -euaggelizo - tidings 2097 -euaggelizo - of the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - : and the twelve 1427 -dodeka - [were] with him ,

2316 LUK 008 010 And he said 2036 -epo - , Unto you it is given 1325 -didomi - to know 1097 -ginosko - the mysteries 3466 -musterion - of the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - : but to others 3062 -loipoy - in parables 3850 -parabole - ; that seeing LUK 0991 -blepo - they might not see LUK 0991 -blepo - , and hearing LUK 0191 -akouo - they might not understand 4920 -suniemi - .

2316 LUK 008 011 Now 1161 -de - the parable 3850 -parabole - is this 3778 -houtos - : The seed 4703 -sporos - is the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 008 021 And he answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto them , My mother 3384 -meter - and my brethren LUK 0080 -adephos - are these 3778 -houtos - which 3588 -ho - hear LUK 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , and do 4160 -poieo - it .

2316 LUK 008 028 When he saw 1492 -eido - Jesus 2424 -Iesous - , he cried 0349 -anakrazo - out , and fell 4363 -prospipto - down before 4363 -prospipto - him , and with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - said 2036 -epo - , What 5101 -tis - have I to do with thee , Jesus 2424 -Iesous - , [thou] Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - most 5310 -hupsistos - high 5310 -hupsistos - ? I beseech 1189 -deomai - thee , torment LUK 0928 -basanizo - me not .

2316 LUK 008 039 Return 5290 -hupostrepho - to thine 4675 -sou - own house 3624 -oikos - , and shew 1334 -diegeomai - how 3745 -hosos - great 3745 -hosos - things God {2316} -theos - hath done 4160 -poieo - unto thee . And he went LUK 0565 -aperchomai - his way , and published 2784 -kerusso - throughout 2596 -kata - the whole 3650 -holos - city 4172 -polis - how 3745 -hosos - great 3745 -hosos - things Jesus 2424 -Iesous - had done 4160 -poieo - unto him .

2316 LUK 009 002 And he sent LUK 0649 -apostello - them to preach 2784 -kerusso - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and to heal 2390 -iaomai - the sick LUK 0770 -astheneo - .

2316 LUK 009 011 And the people 3793 -ochlos - , when they knew 1097 -ginosko - [it] , followed LUK 0190 -akoloutheo - him : and he received 1209 -dechomai - them , and spake 2980 -laleo - unto them of the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and healed 2390 -iaomai - them that had 2192 -echo - need 5532 -chreia - of healing 2322 -therapeia - .

2316 LUK 009 020 He said 2036 -epo - unto them , But whom 5101 -tis - say 3004 -lego - ye that I am 1511 -einai - ? Peter 4074 -Petros - answering LUK 0611 -apokrinomai - said

2036 -epo - , The Christ 5547 -Christos - of God {2316} - theos - .

2316 LUK 009 027 But I tell 3004 -lego - you of a truth LUK 0230 -alethos - , there be some 5100 -tis - standing 2476 - histemi - here 5602 -hode - , which 3739 -hos - shall not taste 1089 -geuomai - of death 2288 -thanatos - , till 2193 -heos - they see 1492 -eido - the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 009 043 . And they were all 3956 -pas - amazed 1605 -ekplesso - at 1909 -epi - the mighty 3168 -megaleiotes - power 3168 -megaleiotes - of God {2316} -theos - . But while they wondered 2296 -thaumazo - every 3956 -pas - one 3956 -pas - at 1909 -epi - all 3956 -pas - things which 3739 -hos - Jesus 2424 -Iesous - did 4160 -poieo - , he said 2036 -epo - unto his disciples 3101 -mathetes - ,

2316 LUK 009 060 Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , Let 0863 -aphiemi - the dead 3498 -nekros - bury 2290 -thapto - their dead 3498 -nekros - : but go LUK 0565 - aperchomai - thou and preach 1229 -diaggello - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 009 062 And Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , No 3762 -oudeis - man 3762 -oudeis - , having put 1911 -epiballo - his hand 5495 -cheir - to the plough LUK 0723 -arotron - , and looking 0991 -blepo - back 3694 - opiso - , is fit 2111 -euthetos - for the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 010 009 And heal 2323 -therapeuo - the sick LUK 0772 -asthenes - that are therein LUK 0846 -autos - , and say 3004 -lego - unto them , The kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - unto you .

2316 LUK 010 011 Even 2532 -kai - the very dust 2868 - koniortos - of your 5216 -humon - city 4172 -polis - , which 3588 -ho - cleaveth 2853 -kollao - on us , we do wipe LUK 0631 -apomassomai - off 0631 -apomassomai - against you : notwithstanding 4133 -plen - be ye sure 1097 -ginosko - of this 5124 -touto - , that the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - unto you .

2316 LUK 010 027 And he answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - , Thou shalt love LUK 0025 -agapao - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - with all 3650 - holos - thy heart 2588 -kardia - , and with all 3650 -holos - thy soul 5590 -psuche - , and with all 3650 -holos - thy strength 2479 -ischus - , and with all 3650 -holos - thy mind 1271 -dianoia - ; and thy neighbour 4139 -plesion - as thyself 4572 -seautou - .

2316 LUK 011 020 But if 1487 -ei - I with the finger 1147 - daktulos - of God 2316 -theos - cast 1544 -ekballo - out devils 1140 -daimonion - , no 0686 -ara - doubt LUK 0686 - ara - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 5348 -phthano - upon you .

2316 LUK 011 020 But if 1487 -ei - I with the finger 1147 - daktulos - of God {2316} -theos - cast 1544 -ekballo - out devils 1140 -daimonion - , no 0686 -ara - doubt LUK 0686 - ara - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God 2316 -theos - is come 5348 -phthano - upon you .

2316 LUK 011 028 But he said 2036 -epo - , Yea 3304 -menounge - rather 3304 -menounge - , blessed 3107 -makarios - [are] they that hear 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , and keep 5442 -phulasso - it .

2316 LUK 011 042 But woe 3759 -ouai - unto you , Pharisees 5330 -Pharisaios - ! for ye tithe LUK 0586 -apodekatoo - mint 2238 -heduosmon - and rue 4076 -peganon - and all 3956 -pas - manner of herbs 3001 -lachanon - , and pass 3928 -parerchomai - over 3928 -parerchomai - judgment 2920 -krisis - and the love LUK 0026 -agape - of God {2316} -theos - : these 5023 -tauta - ought 1163 -dei - ye to have done 4160 -poieo - , and not to leave LUK 0863 -aphiemi - the other 2548 -kakeinos - undone .

2316 LUK 011 049 Therefore also 2532 -kai - said 2036 -epo - the wisdom 4678 -sophia - of God {2316} -theos - , I will send LUK 0649 -apostello - them prophets 4396 -prophetes - and apostles LUK 0652 -apostolos - , and [some] of them they shall slay LUK 0615 -apokteino - and persecute 1559 -ekdioko - :

2316 LUK 012 006 Are not five 4002 -pente - sparrows 4765 -strouthion - sold 4453 -poleo - for two 1417 -duo - farthings LUK 0787 -assarion - , and not one 1520 -heis - of them is forgotten 1950 -epilanthanomai - before 1799 -enopion - God {2316} -theos - ?

2316 LUK 012 008 Also 1161 -de - I say 3004 -lego - unto you , Whosoever LUK 0302 -an - shall confess 3670 -homologeo - me before 1715 -emprosthen - men 0444 -anthropos - , him shall the Son 5207 -huios - of man 0444 -anthropos - also 2532 -kai - confess 3670 -homologeo - before 1715 -emprosthen - the angels LUK 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - :

2316 LUK 012 009 But he that denieth LUK 0720 -arneomai - me before 1799 -enopion - men 0444 -anthropos - shall be denied LUK 0533 -aparneomai - before 1799 -enopion - the angels LUK 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 012 020 But God {2316} -theos - said 2036 -epo - unto him , [Thou] fool 0878 -aphron - , this 5026 -taute - night 3571 -nux - thy soul 5590 -psuche - shall be required LUK 0523 -apaiteo - of thee : then 1161 -de - whose 5101 -tis - shall those things be , which 3739 -hos - thou hast provided 2090 -hetoimazo - ?

2316 LUK 012 021 So 3779 -houto - [is] he that layeth up treasure 2343 -thesaurizo - for himself 1438 -heautou - , and is not rich 4147 -plouteo - toward 1519 -eis - God {2316} -theos - .

2316 LUK 012 024 Consider 2657 -katanoeo - the ravens 2876 -korax - : for they neither 3756 -ou - sow 4687 -speiro - nor 3761 -oude - reap 2325 -therizo - ; which 3739 -hos - neither 3756 -ou - have 2076 -esti - storehouse 5009 -tameion - nor 3761 -oude - barn 0596 -apotheke - ; and God {2316} -theos - feedeth 5142 -trepho - them : how 4214 -posos - much 4214 -posos - more 3123 -mallon - are ye better 1308 -diaphero - than the fowls 4071 -peteinon - ?

2316 LUK 012 028 If 1487 -ei - then 1161 -de - God {2316} -theos - so 3779 -houto - clothe LUK 0294 -amphiennumi - the grass 5528 -chortos - , which is to day 4594 -semeron - in the field LUK 0068 -agros - , and to morrow 0839 -aurion -

is cast LUK 0906 -ballo - into 1519 -eis - the oven 2823 - klibanos - ; how 4214 -posos - much 4214 -posos - more 3123 -mallon - [will he clothe] you , O ye of little 3640 - oligopistos - faith 3640 -oligopistos - ?

2316 LUK 012 031 But rather 4133 -plen - seek 2212 -zeteo - ye the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - ; and all 3956 -pas - these 5023 -tauta - things shall be added 4369 -prostithemi - unto you .

2316 LUK 013 013 And he laid 2007 -epitithemi - [his] hands 5495 -cheir - on 2007 -epitithemi - her : and immediately 3916 -parachrema - she was made LUK 0461 - anorthoo - straight LUK 0461 -anorthoo - , and glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 013 018 . Then 1161 -de - said 3004 -lego - he , Unto what 5101 -tis - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - like 3664 -homoios - ? and whereunto 5101 -tis - shall I resemble 3666 -homoioo - it ?

2316 LUK 013 020 And again 3825 -palin - he said 2036 -epo - , Whereunto 5101 -tis - shall I liken 3666 -homoioo - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - ?

2316 LUK 013 028 There 1563 -ekei - shall be weeping 2805 - klauthmos - and gnashing 1030 -brugmos - of teeth 3599 -odous - , when 3752 -hotan - ye shall see 3700 -optanomai - Abraham 11 , and Isaac 2464 -Isaak - , and Jacob 2384 - Iakob - , and all 3956 -pas - the prophets 4396 -prophetes - , in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and you [yourselves] thrust 1544 -ekballo - out .

2316 LUK 013 029 And they shall come 2240 -heko - from the east LUK 0395 -anatole - , and [from] the west 1424 - dusme - , and from the north 1005 -borrhas - , and [from] the south 3558 -notos - , and shall sit LUK 0347 - anaklino - down LUK 0347 -anaklino - in the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 014 015 . And when one 5100 -tis - of them that sat 4873 -sunanakeimai - at 4873 -sunanakeimai - meat with him heard LUK 0191 -akouo - these 5023 -tauta - things , he said 2036 -epo - unto him , Blessed 3107 -makarios - [is] he that shall eat 5315 -phago - bread 0740 -artos - in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 015 010 Likewise 3779 -houto - , I say 3004 -lego - unto you , there is joy 5479 -chara - in the presence 1799 - enopion - of the angels 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - over 1909 -epi - one 1520 -heis - sinner LUK 0268 - hamartolos - that repenteth 3340 -metanoeo - .

2316 LUK 016 013 No 3762 -oudeis - servant 3610 -oiketes - can 1410 -dunamai - serve 1398 -douleuo - two 1417 -duo - masters 2962 -kurios - : for either 2228 -e - he will hate 3404 -miseo - the one 1520 -heis - , and love LUK 0025 - agapao - the other 2087 -heteros - ; or 2228 -e - else he will hold LUK 0472 -antechomai - to the one 1520 -heis - , and despise 2706 -kataphroneo - the other 2087 -heteros - . Ye cannot 1410 -dunamai - serve 1398 -douleuo - God {2316} - theos - and mammon 3126 -mammonas - .

2316 LUK 016 015 And he said 2036 -epo - unto them , Ye are they which 3588 -ho - justify 1344 -dikaioo - yourselves 1438 -heautou - before 1799 -enopion - men LUK 0444 -

anthropos - ; but God 2316 -theos - knoweth 1097 -ginosko - your 5216 -humon - hearts 2588 -kardia - : for that which is highly 5308 -hupselos - esteemed among 1722 -en - men 0444 -anthropos - is abomination LUK 0946 -bdelugma - in the sight 1799 -enopion - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 016 015 And he said 2036 -epo - unto them , Ye are they which 3588 -ho - justify 1344 -dikaioo - yourselves 1438 -heautou - before 1799 -enopion - men LUK 0444 - anthropos - ; but God {2316} -theos - knoweth 1097 -ginosko - your 5216 -humon - hearts 2588 -kardia - : for that which is highly 5308 -hupselos - esteemed among 1722 -en - men 0444 -anthropos - is abomination LUK 0946 -bdelugma - in the sight 1799 -enopion - of God 2316 -theos - .

2316 LUK 016 016 The law 3551 -nomos - and the prophets 4396 -prophetes - [were] until 2193 -heos - John 2491 - Ioannes - : since LUK 0575 -apo - that time 5119 -tote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is preached 2097 -euaggelizo - , and every 3956 -pas - man presseth 0971 -biazo - into 1519 -eis - it .

2316 LUK 017 015 And one 1520 -heis - of them , when he saw 1492 -eido - that he was healed 2390 -iaomai - , turned 5290 -hupostrepho - back 5290 -hupostrepho - , and with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - glorified 1392 - doxazo - God {2316} -theos - ,

2316 LUK 017 018 There are not found 2147 -heurisko - that returned 5290 -hupostrepho - to give 1325 -didomi - glory 1391 -doxa - to God {2316} -theos - , save 1508 -ei me - this 3778 -houtos - stranger 0241 -allogenes - .

2316 LUK 017 020 . And when he was demanded 1905 -eperotao - of the Pharisees 5330 -Pharisaios - , when 4218 -pote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God 2316 -theos - should come 2064 -erchomai - , he answered 0611 -apokrinomai - them and said 2036 -epo - , The kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - cometh 2064 -erchomai - not with observation 3907 -parateresis - :

2316 LUK 017 020 . And when he was demanded 1905 -eperotao - of the Pharisees 5330 -Pharisaios - , when 4218 -pote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - should come 2064 -erchomai - , he answered 0611 -apokrinomai - them and said 2036 -epo - , The kingdom 0932 -basileia - of God 2316 -theos - cometh 2064 -erchomai - not with observation 3907 -parateresis - :

2316 LUK 017 021 Neither 3761 -oude - shall they say 2046 - ereo - , Lo 2400 -idou - here 5602 -hode - ! or 2228 -e - , lo 2400 -idou - there 1563 -ekei - ! for , behold 2400 -idou - , the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is within 1787 -entos - you .

2316 LUK 018 002 Saying 3004 -lego - , There was in a city 4172 -polis - a judge 2923 -krites - , which feared 5399 - phobeo - not God {2316} -theos - , neither 3366 -mede - regarded 1788 -entrepo - man LUK 0444 -anthropos - :

2316 LUK 018 004 And he would 2309 -thelo - not for a while 5550 -chronos - : but afterward 5023 -tauta - he said 2036 - epo - within 1722 -en - himself 1438 -heautou - , Though 1499 -ei kai - I fear 5399 -phobeo - not God {2316} -theos - , nor 3756 -ou - regard 1788 -entrepo - man 0444 -anthropos - ;

2316 LUK 018 007 And shall not God {2316} -theos - avenge 1557 -ekdikesis - his own elect 1588 -eklektos - , which 3588 -ho - cry LUK 0994 -boao - day 2250 -hemera - and night 3571 -nux - unto him , though 2532 -kai - he bear 3114 -makrothumeo - long 3114 -makrothumeo - with them ?

2316 LUK 018 011 The Pharisee 5330 -Pharisaios - stood 2476 -histemi - and prayed 4336 -proseuchomai - thus 5023 -tauta - with himself 1438 -heautou - , God {2316} -theos - , I thank 2168 -eucharisteo - thee , that I am 1510 -eimi - not as other 3062 -loipoy - men LUK 0444 -anthropos - [are] , extortioners LUK 0727 -harpax - , unjust LUK 0094 -adikos - , adulterers 3432 -moichos - , or 2228 -e - even 2532 -kai - as this 3778 -houtos - publican 5057 -telones - .

2316 LUK 018 013 And the publican 5057 -telones - , standing 2476 -histemi - afar 3113 -makrothen - off , would 2309 -thelo - not lift 1869 -epairo - up so 3761 -oude - much 3761 -oude - as [his] eyes 3788 -ophthalmos - unto heaven 3772 -ouranos - , but smote 5180 -tupto - upon his breast 4738 -stethos - , saying 3004 -lego - , God {2316} -theos - be merciful 2433 -hilaskomai - to me a sinner LUK 0268 -hamartolos - .

2316 LUK 018 016 But Jesus 2424 -Iesous - called 4341 -proskaleomai - them [unto him] , and said 2036 -epo - , Suffer LUK 0863 -aphiemi - little 3813 -paidion - children 3813 -paidion - to come 2064 -erchomai - unto me , and forbid 2967 -koluo - them not : for of such 5108 -toioutos - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 017 Verily LUK 0281 -amen - I say 3004 -lego - unto you , Whosoever 1437 -ean - shall not receive 1209 -dechomai - the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - as a little 3813 -paidion - child 3813 -paidion - shall in no 3364 -ou me - wise enter 1525 -eiserchomai - therein LUK 0846 -autos - .

2316 LUK 018 019 And Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , Why 5101 -tis - callest 3004 -lego - thou me good LUK 0018 -agathos - ? none 3762 -oudeis - [is] good LUK 0018 -agathos - , save 1508 -ei me - one 1520 -heis - , [that is] , God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 024 And when Jesus 2424 -Iesous - saw 1492 -eido - that he was very 4036 -perilupos - sorrowful 4036 -perilupos - , he said 2036 -epo - , How 4459 -pos - hardly 1423 -duskolos - shall they that have 2192 -echo - riches 5536 -chrema - enter 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - !

2316 LUK 018 025 For it is easier 2123 -eukopoteros - for a camel 2574 -kamelos - to go 1525 -eiserchomai - through 1223 -dia - a needle s 4476 -rhaphis - eye 5168 -trumalia - , than 2228 -e - for a rich 4145 -plousios - man to enter 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 027 And he said 2036 -epo - , The things which are impossible 0102 -adunatos - with men LUK 0444 -anthropos - are possible 1415 -dunatos - with God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 029 And he said 2036 -epo - unto them , Verily LUK 0281 -amen - I say 3004 -lego - unto you , There is no

3762 -oudeis - man 3762 -oudeis - that hath left LUK 0863 - aphiemi - house 3614 -oikia - , or 2228 -e - parents 1118 - goneus - , or 2228 -e - brethren LUK 0080 -adephos - , or 2228 -e - wife 1135 -gune - , or 2228 -e - children 5043 - teknon - , for the kingdom LUK 0932 -basileia - of God s {2316} -theos - sake 1752 -heneka - ,

2316 LUK 018 043 And immediately 3916 -parachrema - he received LUK 0308 -anablepo - his sight LUK 0308 -anablepo - , and followed LUK 0190 -akoloutheo - him , glorifying 1392 - doxazo - God 2316 -theos - : and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - , when they saw 1492 -eido - [it] , gave 1325 -didomi - praise LUK 0136 -ainos - unto God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 043 And immediately 3916 -parachrema - he received LUK 0308 -anablepo - his sight LUK 0308 -anablepo - , and followed LUK 0190 -akoloutheo - him , glorifying 1392 - doxazo - God {2316} -theos - : and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - , when they saw 1492 -eido - [it] , gave 1325 -didomi - praise LUK 0136 -ainos - unto God 2316 - theos - .

2316 LUK 019 011 . And as they heard LUK 0191 -akouo - these 5023 -tauta - things , he added 4369 -prostithemi - and spake 2036 -epo - a parable 3850 -parabole - , because 1223 -dia - he was nigh 1451 -eggus - to Jerusalem 2419 - Hierousalem - , and because they thought 1380 -dokeo - that the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - should 3195 -mello - immediately 3916 -parachrema - appear LUK 0398 -anaphaino - .

2316 LUK 019 037 And when he was come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - , even 2536 -Kainan - now 2236 -hedista - at 4314 -pros - the descent 2600 -katabasis - of the mount 3735 -oros - of Olives 1636 -elaia - , the whole LUK 0537 -hapas - multitude 4128 -plethos - of the disciples 3101 -mathetes - began LUK 0756 -archomai - to rejoice 5463 -chairo - and praise LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - for all 3956 -pas - the mighty 1411 -dunamis - works that they had seen 1492 -eido - ;

2316 LUK 020 021 And they asked 1905 -eperotao - him , saying 3004 -lego - , Master 1320 -didaskalos - , we know 1492 -eido - that thou sayest 3004 -lego - and teachest 1321 - didasko - rightly 3723 -orthos - , neither 3756 -ou - acceptest 2983 -lambano - thou the person 4383 -prosopon - [of any] , but teachest 1321 -didasko - the way 3598 -hodos - of God {2316} -theos - truly LUK 0225 -aletheia - :

2316 LUK 020 025 And he said 2036 -epo - unto them , Render LUK 0591 -apodidomi - therefore 5106 -toinun - unto Caesar 2541 -Kaisar - the things which be Caesar s 2541 -Kaisar - , and unto God 2316 -theos - the things which be God s {2316} - theos - .

2316 LUK 020 025 And he said 2036 -epo - unto them , Render LUK 0591 -apodidomi - therefore 5106 -toinun - unto Caesar 2541 -Kaisar - the things which be Caesar s 2541 -Kaisar - , and unto God {2316} -theos - the things which be God s 2316 - theos - .

2316 LUK 020 036 Neither 3777 -oute - can 1410 -dunamai - they die 0599 -apothnesko - any 2089 -eti - more 2089 -eti - : for they are equal 2465 -isaggelos - unto the angels 2465

-isaggelos - ; and are the children 5207 -huios - of God {2316} -theos - , being 5607 -on - the children 5207 -huios - of the resurrection LUK 0386 -anastasis - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God 2316 -theos - of Abraham 11 , and the God 2316 -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God {2316} -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God 2316 -theos - of Abraham 11 , and the God {2316} -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God 2316 -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God {2316} -theos - of Abraham 11 , and the God 2316 -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God 2316 -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 038 For he is not a God {2316} -theos - of the dead 3498 -nekros - , but of the living 2198 -zao - : for all 3956 -pas - live 2198 -zao - unto him .

2316 LUK 021 004 For all LUK 0537 -hapas - these 3778 - houtos - have of their abundance 4052 -perisseuo - cast LUK 0906 -ballo - in unto the offerings 1435 -doron - of God {2316} -theos - : but she of her penury 5303 -husterema - hath cast LUK 0906 -ballo - in all LUK 0537 -hapas - the living LUK 0979 -bios - that she had 2192 -echo - .

2316 LUK 021 031 So 3779 -houto - likewise 2532 -kai - ye , when 3752 -hotan - ye see 1492 -eido - these 5023 -tauta - things come 1096 -ginomai - to pass , know 1097 -ginosko - ye that the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is nigh 1451 -eggus - at 1451 -eggus - hand .

2316 LUK 022 016 For I say 3004 -lego - unto you , I will not any 3765 -ouketi - more 3765 -ouketi - eat 5315 -phago - thereof LUK 0846 -autos - , until 2193 -heos - it be fulfilled 4137 -pleroo - in the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 022 018 For I say 3004 -lego - unto you , I will not drink 4095 -pino - of the fruit 1081 -gennema - of the vine LUK 0288 -ampelos - , until 2193 -heos - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - shall come 2064 - erchomai - .

2316 LUK 022 069 Hereafter 3568 -nun - shall the Son 5207 - huios - of man 0444 -anthropos - sit 2521 -kathemai - on 1537 -ek - the right 1188 -dexios - hand of the power 1411 - dunamis - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 022 070 Then 1161 -de - said 5346 -phemi - they all 3956 -pas - , Art 1488 -ei - thou then 3767 -oun - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - ? And he said 2036 -epo - unto them , Ye say 3004 -lego - that I am 1510 -eimi -

.

2316 LUK 023 035 And the people 2992 -laos - stood 2476 -
histemi - beholding 2334 -theoreo - . And the rulers LUK
0758 -archon - also 2532 -kai - with them derided 1592 -
ekmukterizo - [him] , saying 3004 -lego - , He saved
4982 -sozo - others LUK 0243 -allos - ; let him save 4982 -
sozo - himself 1438 -heautou - , if 1487 -ei - he be Christ
5547 -Christos - , the chosen 1588 -eklektos - of God
{2316} -theos - .

2316 LUK 023 040 But the other 2087 -heteros - answering LUK
0611 -apokrinomai - rebuked 2008 -epitimao - him , saying
3004 -lego - , Dost not thou fear 5399 -phobeo - God {2316} -
theos - , seeing 3754 -hoti - thou art 1488 -ei - in the
same LUK 0846 -autos - condemnation 2917 -krima - ?

2316 LUK 023 047 Now 1161 -de - when the centurion 1543 -
hekatontarches - saw 1492 -eido - what 3588 -ho - was done
1096 -ginomai - , he glorified 1392 -doxazo - God {2316} -
theos - , saying 3004 -lego - , Certainly 3689 -ontos -
this 3778 -houtos - was a righteous 1342 -dikaios - man 0444
-anthropos - .

2316 LUK 023 051 (The same 3778 -houtos - had not consented
4784 -sugkatatithemai - to the counsel 1012 -boule - and deed
4234 -praxis - of them ;) [he was] of Arimathaea LUK
0707 -Arimathaia - , a city 4172 -polis - of the Jews 2453 -
Ioudaios - : who 3739 -hos - also 2532 -kai - himself 0846
-autos - waited 4327 -prosdechomai - for the kingdom 0932 -
basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 024 019 And he said 2036 -epo - unto them , What
4169 -poios - things ? And they said 2036 -epo - unto him ,
Concerning 4012 -peri - Jesus 2424 -Iesous - of Nazareth
3478 -Nazareth - , which 3739 -hos - was a prophet 4396 -
prophetes - mighty 1415 -dunatos - in deed 2041 -ergon - and
word 3056 -logos - before 1726 -enantion - God {2316} -
theos - and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - :

2316 LUK 024 053 And were continually 1725 -enanti - in the
temple 2411 -hieron - , praising LUK 0134 -aineo - and
blessing 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - . Amen LUK
0281 -amen - .

2316 JOH 001 001 . In the beginning <0746 -arche -> was the
Word <3056 -logos -> , and the Word <3056 -logos -> was with
God <2316 -theos -> , and the Word <3056 -logos -> was God
<{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 001 . In the beginning <0746 -arche -> was the
Word <3056 -logos -> , and the Word <3056 -logos -> was with
God <{2316} -theos -> , and the Word <3056 -logos -> was God
<2316 -theos -> .

2316 JOH 001 002 The same <3778 -houtos -> was in the beginning
<0746 -arche -> with God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 006 There was a man <0444 -anthropos -> sent <0649
-apostello -> from God <{2316} -theos -> , whose <0846 -autos -
> name <3686 -onoma -> [was] John <2491 -Ioannes -> .

2316 JOH 001 012 But as many <3745 -hosos -> as received <2983 -
lambano -> him , to them gave <1325 -didomi -> he power <1849 -
exousia -> to become <1096 -ginomai -> the sons <5043 -teknon ->
of God <{2316} -theos -> , [even] to them that believe

<4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> his name <3686 -onoma -> :

2316 JOH 001 013 Which <3739 -hos -> were born <1080 -gennao -> , not of blood <0129 -haima -> , nor <3761 -oude -> of the will <2307 -thelema -> of the flesh <4561 -sarx -> , nor <3761 -oude -> of the will <2307 -thelema -> of man <0435 -aner -> , but of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 018 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <3708 -horao -> God <{2316} -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> ; the only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> , which <3588 -ho -> is in the bosom <2859 -kolpos -> of the Father <3962 -pater -> , he hath declared <1834 -exegeomai -> [him] .

2316 JOH 001 029 . The next <1887 -epaurion -> day <1887 -epaurion -> John <2491 -Ioannes -> seeth <0991 -blepo -> Jesus <2424 -Iesous -> coming <2064 -erchomai -> unto him , and saith <3004 -lego -> , Behold <2396 -ide -> the Lamb <0286 -amnos -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> taketh <0142 -airo -> away the sin <0266 -hamartia -> of the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 001 034 And I saw <3708 -horao -> , and bare <3140 -martureo -> record <3140 -martureo -> that this <3778 -houtos -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 036 And looking <1689 -emblepo -> upon Jesus <2424 -Iesous -> as he walked <4043 -peripateo -> , he saith <3004 -lego -> , Behold <2396 -ide -> the Lamb <0286 -amnos -> of God <{2316} -theos -> !

2316 JOH 001 049 Nathanael <3482 -Nathanael -> answered <0611 -apokrinomai -> and saith <3004 -lego -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , thou art <1488 -ei -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; thou art <1488 -ei -> the King <0935 -basileus -> of Israel <2474 -Israel -> .

2316 JOH 001 051 And he saith <3004 -lego -> unto him , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto you , Hereafter <0737 -arti -> ye shall see <3700 -optanomai -> heaven <3772 -ouranos -> open <0455 -anoigo -> , and the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> ascending <0305 -anabaino -> and descending <2597 -katabaino -> upon the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> .

2316 JOH 003 002 The same <3778 -houtos -> came <2064 -erchomai -> to Jesus <2424 -Iesous -> by night <3571 -nux -> , and said <2036 -epo -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , we know <1492 -eido -> that thou art a teacher <1320 -didaskalos -> come <2064 -erchomai -> from God <2316 -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> these <5023 -tauta -> miracles <4592 -semeion -> that thou doest <4160 -poieo -> , except <3362 -ean me -> God <{2316} -theos -> be with him .

2316 JOH 003 002 The same <3778 -houtos -> came <2064 -erchomai -> to Jesus <2424 -Iesous -> by night <3571 -nux -> , and said <2036 -epo -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , we know <1492 -eido -> that thou art a teacher <1320 -didaskalos -> come <2064 -erchomai -> from God <{2316} -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> these <5023 -tauta -> miracles <4592 -semeion -> that thou doest <4160 -poieo -> , except <3362 -ean me -> God <2316 -theos -> be with him .

2316 JOH 003 003 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto thee , Except <3362 -ean me -> a man <5100 -tis -> be born <1080 -gennao -> again <0509 -anothen -> , he cannot <1410 -dunamai -> see <1492 -eido -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 005 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto thee , Except <3362 -ean me -> a man <5100 -tis -> be born <1080 -gennao -> of water <5204 -hudor -> and [of] the Spirit <4151 -pneuma -> , he cannot <1410 -dunamai -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 016 For God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> loved <0025 -agapao -> the world <2889 -kosmos -> , that he gave <1325 -didomi -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> , that whosoever <3588 -ho -> believeth <4100 -pisteuo -> in him should not perish <0622 -apollumi -> , but have <2192 -echo -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 JOH 003 017 For God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> not his Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> to condemn <2919 -krino -> the world <2889 -kosmos -> ; but that the world <2889 -kosmos -> through <1223 -dia -> him might be saved <4982 -sozo -> .

2316 JOH 003 018 He that believeth <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> him is not condemned <2919 -krino -> : but he that believeth <4100 -pisteuo -> not is condemned <2919 -krino -> already <2235 -ede -> , because <3754 -hoti -> he hath not believed <4100 -pisteuo -> in the name <3686 -onoma -> of the only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 021 But he that doeth <4160 -poieo -> truth <0225 -aletheia -> cometh <2064 -erchomai -> to the light <5457 -phos -> , that his deeds <2041 -ergon -> may be made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> , that they are wrought <2038 -ergazomai -> in God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 033 He that hath received <2983 -lambano -> his testimony <3141 -marturia -> hath set <4972 -sphragizo -> to his seal <4972 -sphragizo -> that God <{2316} -theos -> is true <0227 -alethes -> .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> : for God <{2316} -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> : for God <2316 -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> : for God <2316 -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma ->

by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 036 He that believeth <4100 -pisteuo -> on <1519 -
eis -> the Son <5207 -huios -> hath <2192 -echo -> everlasting
<0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> : and he that believeth
<0544 -apeitheo -> not the Son <5207 -huios -> shall not see
<3700 -optanomai -> life <2222 -zoe -> ; but the wrath <3709 -
orge -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> on <1909
-epi -> him .

2316 JOH 004 010 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -
apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto her , If <1487 -ei -
> thou knewest <1492 -eido -> the gift <1431 -dorea -> of God
<{2316} -theos -> , and who <5101 -tis -> it is that saith
<3004 -lego -> to thee , Give <1325 -didomi -> me to drink
<4095 -pino -> ; thou wouldest have asked <0154 -aiteo -> of
him , and he would have given <1325 -didomi -> thee living
<2198 -zao -> water <5204 -hudor -> .

2316 JOH 004 024 God <{2316} -theos -> [is] a Spirit <4151 -
pneuma -> : and they that worship <4352 -proskuneo -> him must
<1163 -dei -> worship <4352 -proskuneo -> [him] in spirit
<4151 -pneuma -> and in truth <0225 -aletheia -> .

2316 JOH 005 018 Therefore <5124 -touto -> the Jews <2453 -
Ioudaios -> sought <2212 -zeteo -> the more <3123 -mallon -> to
kill <0615 -apokteino -> him , because <3754 -hoti -> he not
only <3440 -monon -> had broken <3089 -luo -> the sabbath <4521 -
sabbaton -> , but said <3004 -lego -> also <2532 -kai -> that
God <2316 -theos -> was his Father <3962 -pater -> , making
<4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> equal <2470 -isos ->
with God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 005 018 Therefore <5124 -touto -> the Jews <2453 -
Ioudaios -> sought <2212 -zeteo -> the more <3123 -mallon -> to
kill <0615 -apokteino -> him , because <3754 -hoti -> he not
only <3440 -monon -> had broken <3089 -luo -> the sabbath <4521 -
sabbaton -> , but said <3004 -lego -> also <2532 -kai -> that
God <{2316} -theos -> was his Father <3962 -pater -> , making
<4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> equal <2470 -isos ->
with God <2316 -theos -> .

2316 JOH 005 025 Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen ->
, I say <3004 -lego -> unto you , The hour <5610 -hora -> is
coming <2064 -erchomai -> , and now <3568 -nun -> is , when
<3753 -hote -> the dead <3498 -nekros -> shall hear <0191 -akouo
-> the voice <5456 -phone -> of the Son <5207 -huios -> of God
<{2316} -theos -> : and they that hear <0191 -akouo -> shall
live <2198 -zao -> .

2316 JOH 005 042 But I know <1097 -ginosko -> you , that ye
have <2192 -echo -> not the love <0026 -agape -> of God <{2316} -
theos -> in you .

2316 JOH 005 044 How <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> ye
believe <4100 -pisteuo -> , which receive <2983 -lambano ->
honour <1391 -doxa -> one <0240 -allelon -> of another <0240 -
allelon -> , and seek <2212 -zeteo -> not the honour <1391 -
doxa -> that [cometh] from God <{2316} -theos -> only <3441 -
monos -> ?

2316 JOH 006 027 Labour <2038 -ergazomai -> not for the meat
<1035 -brosis -> which <3588 -ho -> perisheth <0622 -apollumi ->
, but for that meat <1035 -brosis -> which <3588 -ho ->
endureth <3306 -meno -> unto everlasting <0166 -aionios -> life
<2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> the Son <5207 -huios -> of

man <0444 -anthropos -> shall give <1325 -didomi -> unto you :
for him hath God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater ->
sealed <4972 -sphragizo -> .

2316 JOH 006 028 . Then <3767 -oun -> said <2036 -epo -> they
unto him , What <5101 -tis -> shall we do <4160 -poieo -> ,
that we might work <2038 -ergazomai -> the works <2041 -ergon ->
of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 006 029 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -
apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , This <5124 -
touto -> is the work <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> ,
that ye believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> him whom
<3739 -hos -> he hath sent <0649 -apostello -> .

2316 JOH 006 033 For the bread <0740 -artos -> of God <{2316} -
theos -> is he which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> from heaven <3772 -ouranos -> , and
giveth <1325 -didomi -> life <2222 -zoe -> unto the world <2889 -
kosmos -> .

2316 JOH 006 045 It is written <1125 -grapho -> in the prophets
<4396 -prophetes -> , And they shall be all <3956 -pas ->
taught <1318 -didaktos -> of God <{2316} -theos -> . Every
<3956 -pas -> man therefore <3767 -oun -> that hath heard <0191 -
akouo -> , and hath learned <3129 -manthano -> of the Father
<3962 -pater -> , cometh <2064 -erchomai -> unto me .

2316 JOH 006 046 Not that any <5100 -tis -> man hath seen <3708
-horao -> the Father <3962 -pater -> , save <1508 -ei me -> he
which <3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> , he hath seen
<3708 -horao -> the Father <3962 -pater -> .

2316 JOH 006 069 And we believe <4100 -pisteuo -> and are sure
<1097 -ginosko -> that thou art <1488 -ei -> that Christ <5547 -
Christos -> , the Son <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -
> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 007 017 If <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man will
<2309 -thelo -> do <4160 -poieo -> his will <2307 -thelema -> ,
he shall know <1097 -ginosko -> of the doctrine <1322 -didache -
> , whether <4220 -poteron -> it be of God <{2316} -theos -> ,
or <2228 -e -> [whether] I speak <2980 -laleo -> of myself
<1683 -emautou -> .

2316 JOH 008 040 But now <3568 -nun -> ye seek <2212 -zeteo ->
to kill <0615 -apokteino -> me , a man <0444 -anthropos -> that
hath told <2980 -laleo -> you the truth <0225 -aletheia -> ,
which <3739 -hos -> I have heard <0191 -akouo -> of God <{2316} -
theos -> : this <5124 -touto -> did <4160 -poieo -> not Abraham
<11> .

2316 JOH 008 041 Ye do <4160 -poieo -> the deeds <2041 -ergon -
> of your <5216 -humon -> father <3962 -pater -> . Then <3767 -
oun -> said <2036 -epo -> they to him , We be not born <1080 -
gennao -> of fornication <4202 -porneia -> ; we have <2192 -
echo -> one <1520 -heis -> Father <3962 -pater -> ,   [even]
God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 008 042 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto
them , If <1487 -ei -> God <2316 -theos -> were your <5216 -
humon -> Father <3962 -pater -> , ye would love <0025 -agapao -
> me : for I proceeded <1831 -exerchomai -> forth <1831 -
exerchomai -> and came <2240 -heko -> from God <{2316} -theos ->
; neither <3761 -oude -> came <2064 -erchomai -> I of myself
<1683 -emautou -> , but he sent <0649 -apostello -> me .

2316 JOH 008 042 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto them , If <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> were your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> , ye would love <0025 -agapao -> me : for I proceeded <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> and came <2240 -heko -> from God <2316 -theos -> ; neither <3761 -oude -> came <2064 -erchomai -> I of myself <1683 -emautou -> , but he sent <0649 -apostello -> me .

2316 JOH 008 047 He that is of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <2316 -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 008 047 He that is of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <{2316} -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <2316 -theos -> .

2316 JOH 008 047 He that is of God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <2316 -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <2316 -theos -> .

2316 JOH 008 054 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , If <1437 -ean -> I honour <1392 -doxazo -> myself <1683 -emautou -> , my honour <1391 -doxa -> is nothing <3762 -oudeis -> : it is my Father <3962 -pater -> that honoureth <1392 -doxazo -> me ; of whom <3739 -hos -> ye say <3004 -lego -> , that he is your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> :

2316 JOH 009 003 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , Neither <3777 -oute -> hath this <3778 -houtos -> man sinned <0264 -hamartano -> , nor <3777 -oute -> his parents <1118 -goneus -> : but that the works <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> should be made manifest <5319 -phaneroo -> in him .

2316 JOH 009 016 Therefore <3767 -oun -> said <3004 -lego -> some <5100 -tis -> of the Pharisees <5330 -Pharisaios -> , This <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> is not of God <{2316} -theos -> , because <3754 -hoti -> he keepeth <5083 -tereo -> not the sabbath <4521 -sabbaton -> day . Others <0243 -allos -> said <3004 -lego -> , How <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> a man <0444 -anthropos -> that is a sinner <0268 -hamartolos -> do <4160 -poieo -> such <5108 -toioutos -> miracles <4592 -semeion -> ? And there was a division <4978 -schisma -> among <1722 -en -> them .

2316 JOH 009 024 Then <3767 -oun -> again <1208 -deuteros -> called <5455 -phoneo -> they the man <0444 -anthropos -> that was blind <5185 -tuphlos -> , and said <2036 -epo -> unto him , Give <1325 -didomi -> God <{2316} -theos -> the praise <1391 -doxa -> : we know <1492 -eido -> that this <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> is a sinner <0268 -hamartolos -> .

2316 JOH 009 029 We know <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> unto Moses <3475 -Moseus -> : [as for] this <5126 -touton -> [fellow] , we know <1492 -eido -> not from whence <4159 -pothen -> he is .

2316 JOH 009 031 Now <1161 -de -> we know <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> not sinners <0268 -hamartolos -> : but if <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man be a worshipper <2318 -theosebes -> of God <2318 -theosebes -> , and

doeth <4160 -poieo -> his will <2307 -thelema -> , him he heareth <0191 -akouo -> .

2316 JOH 009 033 If <1487 -ei -> this <3778 -houtos -> man were not of God <{2316} -theos -> , he could <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> nothing <3762 -oudeis -> .

2316 JOH 009 035 . Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> that they had cast <1544 -ekballo -> him out ; and when he had found <2147 -heurisko -> him , he said <2036 -epo -> unto him , Dost thou believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 010 033 The Jews <2453 -Ioudaios -> answered <0611 -apokrinomai -> him , saying <3004 -lego -> , For a good <2570 -kalos -> work <2041 -ergon -> we stone <3034 -lithazo -> thee not ; but for blasphemy <0988 -blasphemia -> ; and because <3754 -hoti -> that thou , being <5607 -on -> a man <0444 -anthropos -> , makest <4160 -poieo -> thyself <4572 -seautou -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 010 034 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> them , Is it not written <1125 -grapho -> in your <5216 -humon -> law <3551 -nomos -> , I said <2036 -epo -> , Ye are gods <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 010 035 If <1487 -ei -> he called <2036 -epo -> them gods <2316 -theos -> , unto whom <3739 -hos -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> came <1096 -ginomai -> , and the scripture <1124 -graphe -> cannot <1410 -dunamai -> be broken <3089 -luo -> ;

2316 JOH 010 035 If <1487 -ei -> he called <2036 -epo -> them gods <{2316} -theos -> , unto whom <3739 -hos -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> came <1096 -ginomai -> , and the scripture <1124 -graphe -> cannot <1410 -dunamai -> be broken <3089 -luo -> ;

2316 JOH 010 036 Say <3004 -lego -> ye of him , whom <3739 -hos -> the Father <3962 -pater -> hath sanctified <0037 -hagiazo -> , and sent <0649 -apostello -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , Thou blasphemest <0987 -blasphemeo -> ; because <3754 -hoti -> I said <2036 -epo -> , I am the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 011 004 When Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> [that] , he said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> sickness <0769 -astheneia -> is not unto death <2288 -thanatos -> , but for the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> , that the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> might be glorified <1392 -doxazo -> thereby <0846 -autos -> .

2316 JOH 011 004 When Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> [that] , he said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> sickness <0769 -astheneia -> is not unto death <2288 -thanatos -> , but for the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , that the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> might be glorified <1392 -doxazo -> thereby <0846 -autos -> .

2316 JOH 011 022 But I know <1492 -eido -> , that even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> , whatsoever <0302 -an -> thou wilt ask <0154 -aiteo -> of God <2316 -theos -> , God <{2316} -theos -> will give <1325 -didomi -> [it] thee .

2316 JOH 011 022 But I know <1492 -eido -> , that even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> , whatsoever <0302 -an -> thou wilt

ask <0154 -aiteo -> of God <{2316} -theos -> , God <2316 -theos -> will give <1325 -didomi -> [it] thee .

2316 JOH 011 027 She saith <3004 -lego -> unto him , Yea <3483 -nai -> , Lord <2962 -kurios -> : I believe <4100 -pisteuo -> that thou art <1488 -ei -> the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> should come <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 011 040 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Said <2036 -epo -> I not unto thee , that , if <1437 -ean -> thou wouldest believe <4100 -pisteuo -> , thou shouldest see <3700 -optanomai -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 011 052 And not for that nation <1484 -ethnos -> only <3440 -monon -> , but that also <2532 -kai -> he should gather <4863 -sunago -> together <4863 -sunago -> in one <1520 -heis -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> that were scattered <1287 -diaskorpizo -> abroad <1287 -diaskorpizo -> .

2316 JOH 012 043 For they loved <0025 -agapao -> the praise <1391 -doxa -> of men <0444 -anthropos -> more <3123 -mallon -> than <2260 -eper -> the praise <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 013 003 Jesus <2424 -Iesous -> knowing <1492 -eido -> that the Father <3962 -pater -> had given <1325 -didomi -> all <3956 -pas -> things into <1519 -eis -> his hands <5495 -cheir -> , and that he was come <1831 -exerchomai -> from God <2316 -theos -> , and went <5217 -hupago -> to God <{2316} -theos -> ;

2316 JOH 013 003 Jesus <2424 -Iesous -> knowing <1492 -eido -> that the Father <3962 -pater -> had given <1325 -didomi -> all <3956 -pas -> things into <1519 -eis -> his hands <5495 -cheir -> , and that he was come <1831 -exerchomai -> from God <{2316} -theos -> , and went <5217 -hupago -> to God <2316 -theos -> ;

2316 JOH 013 031 . Therefore <3767 -oun -> , when <3753 -hote -> he was gone <1831 -exerchomai -> out , Jesus <2424 -Iesous -> said <3004 -lego -> , Now <3568 -nun -> is the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> glorified <1392 -doxazo -> , and God <{2316} -theos -> is glorified <1392 -doxazo -> in him .

2316 JOH 013 032 If <1487 -ei -> God <2316 -theos -> be glorified <1392 -doxazo -> in him , God <{2316} -theos -> shall also <2532 -kai -> glorify <1392 -doxazo -> him in himself <1438 -heautou -> , and shall straightway <2117 -euthus -> glorify <1392 -doxazo -> him .

2316 JOH 013 032 If <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> be glorified <1392 -doxazo -> in him , God <2316 -theos -> shall also <2532 -kai -> glorify <1392 -doxazo -> him in himself <1438 -heautou -> , and shall straightway <2117 -euthus -> glorify <1392 -doxazo -> him .

2316 JOH 014 001 . Let not your <5216 -humon -> heart <2588 -kardia -> be troubled <5015 -tarasso -> : ye believe <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> , believe <4100 -pisteuo -> also <2532 -kai -> in me .

2316 JOH 016 002 They shall put <4160 -poieo -> you out of the synagogues <0656 -aposunagogos -> : yea <0235 -alla -> , the time <5610 -hora -> cometh <2064 -erchomai -> , that whosoever <3588 -ho -> killeth <0615 -apokteino -> you will think <1380 -

dokeo -> that he doeth <4374 -prosphero -> God <{2316} -theos -> service <2999 -latreia -> .

2316 JOH 016 027 For the Father <3962 -pater -> himself <0846 -autos -> loveth <5368 -phileo -> you , because <3754 -hoti -> ye have loved <5368 -phileo -> me , and have believed <4100 -pisteuo -> that I came <1831 -exerchomai -> out from God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 016 030 Now <3568 -nun -> are we sure <1492 -eido -> that thou knowest <1492 -eido -> all <3956 -pas -> things , and needest <5532 -chreia -> not that any <5100 -tis -> man should ask <2065 -erotao -> thee : by this <5129 -toutoi -> we believe <4100 -pisteuo -> that thou camest <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> from God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 017 003 And this <3778 -houtos -> is life <2222 -zoe -> eternal <0166 -aionios -> , that they might know <1097 -ginosko -> thee the only <3441 -monos -> true <0258 -alopex -> God <{2316} -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , whom <3739 -hos -> thou hast sent <0649 -apostello -> .

2316 JOH 019 007 The Jews <2453 -Ioudaios -> answered <0611 -apokrinomai -> him , We have <2192 -echo -> a law <3551 -nomos -> , and by our law <3551 -nomos -> he ought <3784 -opheilo -> to die <0599 -apothnesko -> , because <3754 -hoti -> he made <4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 017 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Touch <0680 -haptomai -> me not ; for I am not yet <3768 -oupo -> ascended <0305 -anabaino -> to my Father <3962 -pater -> : but go <4198 -poreuomai -> to my brethren <0080 -adephos -> , and say <2036 -epo -> unto them , I ascend <0305 -anabaino -> unto my Father <3962 -pater -> , and your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> ; and [to] my God <2316 -theos -> , and your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 017 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Touch <0680 -haptomai -> me not ; for I am not yet <3768 -oupo -> ascended <0305 -anabaino -> to my Father <3962 -pater -> : but go <4198 -poreuomai -> to my brethren <0080 -adephos -> , and say <2036 -epo -> unto them , I ascend <0305 -anabaino -> unto my Father <3962 -pater -> , and your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> ; and [to] my God <{2316} -theos -> , and your <5216 -humon -> God <2316 -theos -> .

2316 JOH 020 028 And Thomas <2381 -Thomas -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , My Lord <2962 -kurios -> and my God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 031 But these <5023 -tauta -> are written <1125 -grapho -> , that ye might believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; and that believing <4100 -pisteuo -> ye might have <2192 -echo -> life <2222 -zoe -> through <1722 -en -> his name <3686 -onoma -> .

2316 JOH 021 019 This <5124 -touto -> spake <2036 -epo -> he , signifying <4591 -semaino -> by what <4169 -poios -> death <2288 -thanatos -> he should glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> . And when he had spoken <2036 -epo -> this <5124 -touto -> , he saith <3004 -lego -> unto him , Follow <0190 -akoloutheo -> me .

2316 ACT 001 003 To whom <3739 -hos -> also <2532 -kai -> he shewed <3936 -paristemi -> himself <1438 -heautou -> alive <2198 -zao -> after <3326 -meta -> his passion <3958 -pascho -> by many <4183 -polus -> infallible proofs <5039 -tekmerion -> , being seen <3700 -optanomai -> of them forty <5062 -tessarakonta -> days <2250 -hemera -> , and speaking <3004 -lego -> of the things pertaining <4012 -peri -> to the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 002 011 Cretes <2912 -Kres -> and Arabians <0690 ->Araps -> , we do hear <0191 -akouo -> them speak <2980 -laleo -> in our tongues <1100 -glossa -> the wonderful <3167 -megaleios -> works of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 002 017 And it shall come <1511 -einai -> to pass in the last <2078 -eschatos -> days <2250 -hemera -> , saith <3004 -lego -> God <{2316} -theos -> , I will pour <1632 -ekcheo -> out of my Spirit <4151 -pneuma -> upon all <3956 -pas -> flesh <4561 -sarx -> : and your <5216 -humon -> sons <5207 -huios -> and your <5216 -humon -> daughters <2364 -thugater -> shall prophesy <4395 -propheteuo -> , and your <5216 -humon -> young <3495 -neaniskos -> men <3495 -neaniskos -> shall see <3070 -Ludia -> visions <3706 -horasis -> , and your <5216 -humon -> old <4245 -presbuteros -> men shall dream <1798 -enupnion -> dreams <1797 -enupniazomai -> :

2316 ACT 002 022 Ye men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , hear <0191 -akouo -> these <5128 -toutous -> words <3056 -logos -> ; Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , a man <0435 -aner -> approved <0584 -apodeiknumi -> of God <2316 -theos -> among <1519 -eis -> you by miracles <1411 -dunamis -> and wonders <5059 -teras -> and signs <4591 -semaino -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> did <4160 -poieo -> by him in the midst <3319 -mesos -> of you , as ye yourselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> know <1492 -eido -> :

2316 ACT 002 022 Ye men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , hear <0191 -akouo -> these <5128 -toutous -> words <3056 -logos -> ; Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , a man <0435 -aner -> approved <0584 -apodeiknumi -> of God <{2316} -theos -> among <1519 -eis -> you by miracles <1411 -dunamis -> and wonders <5059 -teras -> and signs <4591 -semaino -> , which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> did <4160 -poieo -> by him in the midst <3319 -mesos -> of you , as ye yourselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> know <1492 -eido -> :

2316 ACT 002 023 Him , being delivered <1560 -ekdotos -> by the determinate <3724 -horizo -> counsel <1012 -boule -> and foreknowledge <4268 -prognosis -> of God <{2316} -theos -> , ye have taken <2983 -lambano -> , and by wicked <0459 -anomos -> hands <5495 -cheir -> have crucified <4362 -prospegnumi -> and slain <0337 -anaireo -> :

2316 ACT 002 024 Whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath raised <0450 -anistemi -> up , having loosed <3089 -luo -> the pains <5604 -odin - -Ozias -> of death <2288 -thanatos -> : because <2530 -kathoti -> it was not possible <1415 -dunatos -> that he should be holden <2902 -krateo -> of it .

2316 ACT 002 030 Therefore <3767 -oun -> being <5225 -huparcho -> a prophet <4396 -prophetes -> , and knowing <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> had sworn <3660 -omnuo -> with an oath <3727 -horkos -> to him , that of the fruit <2590 -karpos -> of his loins <3751 -osphus -> , according <2596 -kata -> to

the flesh <4561 -sarx -> , he would raise <0450 -anistemi -> up Christ <5547 -Christos -> to sit <2523 -kathizo -> on <1909 -epi -> his throne <2362 -thronos -> ;

2316 ACT 002 032 This <5126 -touton -> Jesus <2424 -Iesous -> hath God <{2316} -theos -> raised <0450 -anistemi -> up , whereof <3739 -hos -> we all <3956 -pas -> are witnesses <3144 -martus -> .

2316 ACT 002 033 Therefore <3767 -oun -> being by the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> exalted <5312 -hupsoo -> , and having received <2983 -lambano -> of the Father <3962 -pater -> the promise <1860 -epaggelia -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , he hath shed <1632 -ekcheo -> forth <1632 -ekcheo -> this <5124 -touto -> , which <3739 -hos -> ye now <3568 -nun -> see <0991 -blepo -> and hear <0191 -akouo -> .

2316 ACT 002 036 Therefore <3767 -oun -> let all <3956 -pas -> the house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> know <1097 -ginosko -> assuredly <0806 -asphalos -> , that God <{2316} -theos -> hath made <4160 -poieo -> that same <5126 -touton -> Jesus <2424 -Iesous -> , whom <3739 -hos -> ye have crucified <4717 -stauroo -> , both <2532 -kai -> Lord <2962 -kurios -> and Christ <5547 -Christos -> .

2316 ACT 002 039 For the promise <1860 -epaggelia -> is unto you , and to your <5216 -humon -> children <5043 -teknon -> , and to all <3956 -pas -> that are afar <3112 -makran -> off , [even] as many <3745 -hosos -> as the Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> shall call <4341 -proskaleomai -> .

2316 ACT 002 047 Praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> , and having <2192 -echo -> favour <5485 -charis -> with all <3650 -holos -> the people <2992 -laos -> . And the Lord <2962 -kurios -> added <4369 -prostithemi -> to the church <1577 -ekklesia -> daily <2250 -hemera -> such as should be saved <4982 -sozo -> .

2316 ACT 003 008 And he leaping <1814 -exallomai -> up stood <2476 -histemi -> , and walked <4043 -peripateo -> , and entered <1525 -eiserchomai -> with them into <1519 -eis -> the temple <2411 -hieron -> , walking <4043 -peripateo -> , and leaping <0242 -hallomai -> , and praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 003 009 And all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> saw <1492 -eido -> him walking <4043 -peripateo -> and praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 003 013 The God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and of Isaac <2464 -Isaak -> , and of Jacob <2384 -Iakob -> , the God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> , hath glorified <1392 -doxazo -> his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> ; whom <3739 -hos -> ye delivered <3860 -paradidomi -> up , and denied <0720 -arneomai -> him in the presence <4383 -prosopon -> of Pilate <4091 -Pilatos -> , when he was determined <2919 -krino -> to let <0630 -apoluo -> [him] go <0630 -apoluo -> .

2316 ACT 003 013 The God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and of Isaac <2464 -Isaak -> , and of Jacob <2384 -Iakob -> , the God <2316 -theos -> of our fathers <3962 -pater -> , hath glorified <1392 -doxazo -> his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> ; whom <3739 -hos -> ye delivered <3860 -paradidomi -> up , and denied <0720 -arneomai -> him in the presence <4383 -

prosopon -> of Pilate <4091 -Pilatos -> , when he was determined <2919 -krino -> to let <0630 -apoluo -> [him] go <0630 -apoluo -> .

2316 ACT 003 015 And killed <0615 -apokteino -> the Prince <0747 -archegos -> of life <2222 -zoe -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> ; whereof <3739 -hos -> we are witnesses <3144 -martus -> .

2316 ACT 003 018 But those things , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> before <4293 -prokataggello -> had shewed <4293 -prokataggello -> by the mouth <4750 -stoma -> of all <3956 -pas -> his prophets <4396 -prophetes -> , that Christ <5547 -Christos -> should suffer <3958 -pascho -> , he hath so <3779 -houto -> fulfilled <4137 -pleroo -> .

2316 ACT 003 021 Whom <3739 -hos -> the heaven <3772 -ouranos -> must <1163 -dei -> receive <1209 -dechomai -> until <0891 -achri -> the times <5550 -chronos -> of restitution <0605 -apokatastasis -> of all <3956 -pas -> things , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath spoken <2980 -laleo -> by the mouth <4750 -stoma -> of all <3956 -pas -> his holy <0040 -hagios -> prophets <4396 -prophetes -> since <0575 -apo -> the world <0165 -aion -> began .

2316 ACT 003 022 For Moses <3475 -Moseus -> truly <3303 -men -> said <2036 -epo -> unto the fathers <3962 -pater -> , A prophet <4396 -prophetes -> shall the Lord <2962 -kurios -> your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> raise <0450 -anistemi -> up unto you of your <5216 -humon -> brethren <0080 -adephos -> , like <3945 -paromoiazo -> unto me ; him shall ye hear <0191 -akouo -> in all <3956 -pas -> things whatsoever <0302 -an -> he shall say <2980 -laleo -> unto you .

2316 ACT 003 025 Ye are the children <5207 -huios -> of the prophets <4396 -prophetes -> , and of the covenant <1242 -diatheke -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> made <1303 -diatithemai -> with our fathers <3962 -pater -> , saying <3004 -lego -> unto Abraham <11> , And in thy seed <4690 -sperma -> shall all <3956 -pas -> the kindreds <3965 -patria -> of the earth <1093 -ge -> be blessed <1757 -eneulogeo -> .

2316 ACT 003 026 Unto you first <4412 -proton -> God <{2316} -theos -> , having raised <0450 -anistemi -> up his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> , sent <0649 -apostello -> him to bless <2127 -eulogeo -> you , in turning <0654 -apostrepho -> away <0654 -apostrepho -> every <1538 -hekastos -> one of you from his iniquities <4189 -poneria -> .

2316 ACT 004 010 Be it known <1110 -gnostos -> unto you all <3956 -pas -> , and to all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> of Israel <2474 -Israel -> , that by the name <3686 -onoma -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , whom <3739 -hos -> ye crucified <4717 -stauroo -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> , [even] by him doth this man stand <3936 -paristemi -> here <3936 -paristemi -> before <1799 -enopion -> you whole <5199 -hugies -> .

2316 ACT 004 019 But Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Whether <1487 -ei -> it be right <1342 -dikaios -> in the sight <1799 -enopion -> of God <2316 -theos -> to hearken <0191 -akouo -> unto you more <3123 -mallon -> than <2228 -e ->

unto God <{2316} -theos -> , judge <2919 -krino -> ye .

2316 ACT 004 019 But Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Whether <1487 -ei -> it be right <1342 -dikaios -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> to hearken <0191 -akouo -> unto you more <3123 -mallon -> than <2228 -e -> unto God <2316 -theos -> , judge <2919 -krino -> ye .

2316 ACT 004 021 So <1161 -de -> when they had further threatened <4324 -prosapeileo -> them , they let them go <0630 -apoluo -> , finding <2147 -heurisko -> nothing <3367 -medeis -> how <4459 -pos -> they might punish <2849 -kolazo -> them , because <1223 -dia -> of the people <2992 -laos -> : for all <3956 -pas -> [men] glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for that which was done <1096 -ginomai -> .

2316 ACT 004 024 And when they heard <0191 -akouo -> that , they lifted <0142 -airo -> up their voice <5456 -phone -> to God <2316 -theos -> with one <3661 -homothumadon -> accord <3661 -homothumadon -> , and said <2036 -epo -> , Lord <1203 -despotes -> , thou [art] God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> hast made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> that in them is :

2316 ACT 004 024 And when they heard <0191 -akouo -> that , they lifted <0142 -airo -> up their voice <5456 -phone -> to God <{2316} -theos -> with one <3661 -homothumadon -> accord <3661 -homothumadon -> , and said <2036 -epo -> , Lord <1203 -despotes -> , thou [art] God <2316 -theos -> , which <3588 -ho -> hast made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> that in them is :

2316 ACT 004 031 And when they had prayed <1189 -deomai -> , the place <5117 -topos -> was shaken <4531 -saleuo -> where <3739 -hos -> they were assembled <4863 -sunago -> together <4863 -sunago -> ; and they were all <0537 -hapas -> filled <4130 -pletho -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , and they spake <2980 -laleo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> with boldness <3954 -parrhesia -> .

2316 ACT 005 004 Whiles it remained <3306 -meno -> , was it not thine <4671 -soi -> own ? and after it was sold <4097 -piprasko -> , was it not in thine <4674 -sos -> own power <1849 -exousia -> ? why <5101 -tis -> hast thou conceived <5087 -tithemi -> this <5124 -touto -> thing <4229 -pragma -> in thine <4675 -sou -> heart <2588 -kardia -> ? thou hast not lied <5574 -pseudomai -> unto men <0444 -anthropos -> , but unto God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 005 029 Then <1161 -de -> Peter <4074 -Petros -> and the [other] apostles <0652 -apostolos -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , We ought <1163 -dei -> to obey <3980 -peitharcheo -> God <{2316} -theos -> rather <3123 -mallon -> than <2228 -e -> men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 005 030 The God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> raised <1453 -egeiro -> up Jesus <2424 -Iesous -> , whom <3739 -hos -> ye slew <1315 -diacheirizomai -> and hanged <2910 -kremannumi -> on <1909 -epi -> a tree <3586 -xulon -> .

2316 ACT 005 031 Him hath God <{2316} -theos -> exalted <5312 -

hupsoo -> with his right <1188 -dexios -> hand [to be] a Prince <0747 -archegos -> and a Saviour <4990 -soter -> , for to give <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> to Israel <2474 -Israel -> , and forgiveness <0859 -aphesis -> of sins <0266 -hamartia -> .

2316 ACT 005 032 And we are his witnesses <3144 -martus -> of these <5130 -touton -> things <4487 -rhema -> ; and [so is] also <2532 -kai -> the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> to them that obey <3980 -peitharcheo -> him .

2316 ACT 005 039 But if <1487 -ei -> it be of God <{2316} -theos -> , ye cannot <1410 -dunamai -> overthrow <2647 -kataluo -> it ; lest <3379 -mepote -> haply <3379 -mepote -> ye be found <2147 -heurisko -> even <2532 -kai -> to fight <2314 -theomachos -> against God <2314 -theomachos -> .

2316 ACT 006 002 Then <1161 -de -> the twelve <1427 -dodeka -> called <4341 -proskaleomai -> the multitude <4128 -plethos -> of the disciples <3101 -mathetes -> [unto them] , and said <2036 -epo -> , It is not reason <0701 -arestos -> that we should leave <2641 -kataleipo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and serve <1247 -diakoneo -> tables <5132 -trapeza -> .

2316 ACT 006 007 And the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> increased <0837 -auzano -> ; and the number <0706 -arithmos -> of the disciples <3101 -mathetes -> multiplied <4129 -plethuno -> in Jerusalem <2419 -Hierousalem -> greatly <4970 -sphodra -> ; and a great <4183 -polus -> company <3793 -ochlos -> of the priests <2409 -hiereus -> were obedient <5219 -hupakouo -> to the faith <4102 -pistis -> .

2316 ACT 006 011 Then <5119 -tote -> they suborned <5260 -hupoballo -> men <0435 -aner -> , which said <3004 -lego -> , We have heard <0191 -akouo -> him speak <2980 -laleo -> blasphemous <0989 -blasphemos -> words <4487 -rhema -> against <1519 -eis -> Moses <3475 -Moseus -> , and [against] God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 007 002 And he said <5346 -phemi -> , Men <0435 -aner -> , brethren <0080 -adephos -> , and fathers <3962 -pater -> , hearken <0191 -akouo -> ; The God <{2316} -theos -> of glory <1391 -doxa -> appeared <3700 -optanomai -> unto our father <3962 -pater -> Abraham <11> , when he was in Mesopotamia <3318 -Mesopotamia -> , before <2228 -e -> he dwelt <2730 -katoikeo -> in Charran <5488 -Charrhan -> ,

2316 ACT 007 006 And God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> on this <3779 -houto -> wise <3779 -houto -> , That his seed <4690 -sperma -> should sojourn <3941 -paroikos -> in a strange <0245 -allotrios -> land <1093 -ge -> ; and that they should bring <1402 -douloo -> them into bondage <1402 -douloo -> , and entreat <2559 -kakoo -> [them] evil <2559 -kakoo -> four hundred <5071 -tetrakosioi -> years <2094 -etos -> .

2316 ACT 007 007 And the nation <1484 -ethnos -> to whom <3739 -hos -> they shall be in bondage <1398 -douleuo -> will I judge <2919 -krino -> , said <2036 -epo -> God <{2316} -theos -> : and after <3326 -meta -> that shall they come <1834 -exegeomai -> forth <1831 -exerchomai -> , and serve <3000 -latreuo -> me in this <5129 -toutoi -> place <5117 -topos -> .

2316 ACT 007 009 And the patriarchs <3966 -patriarches -> , moved <2206 -zeloo -> with envy <2206 -zeloo -> , sold <0591 -

apodidomi -> Joseph <2501 -Ioseph -> into <1519 -eis -> Egypt <0125 -Aiguptos -> : but God <{2316} -theos -> was with him ,

2316 ACT 007 017 . But when <2531 -kathos -> the time <5550 -chronos -> of the promise <1860 -epaggelia -> drew nigh <1448 -eggizo -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> had sworn <3660 -omnuo -> to Abraham <11> , the people <2992 -laos -> grew <0837 -auzano -> and multiplied <4129 -plethuno -> in Egypt <0125 -Aiguptos -> ,

2316 ACT 007 020 In which <3739 -hos -> time <2540 -kairos -> Moses <3475 -Moseus -> was born <1080 -gennao -> , and was exceeding <{2316} -theos -> fair <0791 -asteios -> , and nourished <0396 -anatrepo -> up in his father s <3962 -pater -> house <3624 -oikos -> three <5140 -treis -> months <3376 -men -> :

2316 ACT 007 025 For he supposed <3543 -nomizo -> his brethren <0080 -adephos -> would have understood <4920 -suniemi -> how that God <{2316} -theos -> by his hand <5495 -cheir -> would deliver <1325 -didomi -> them : but they understood <4920 -suniemi -> not .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <{2316} -theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -katanoeo -> .

2316 ACT 007 035 This <5126 -touton -> Moses <3475 -Moseus -> whom <3739 -hos -> they refused <0720 -arneomai -> , saying <2036 -epo -> , Who <5101 -tis -> made <2525 -kathistemi -> thee a ruler <0758 -archon -> and a judge <1348 -dikastes -> ? the same <5126 -touton -> did God <{2316} -theos -> send <0649 -apostello -> [to be] a ruler <0758 -archon -> and a deliverer <3086 -lutrotes -> by the hand <5495 -cheir -> of the angel <0032 -aggelos -> which <3588 -ho -> appeared <3700 -optanomai -> to him in the bush <0942 -batos -> .

2316 ACT 007 037 This <3778 -houtos -> is that Moses <3475 -

Moseus -> , which <3588 -ho -> said <2036 -epo -> unto the children <5207 -huios -> of Israel <2474 -Israel -> , A prophet <4396 -prophetes -> shall the Lord <2962 -kurios -> your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> raise <0450 -anistemi -> up unto you of your <5216 -humon -> brethren <0080 -adephos -> , like <5613 -hos -> unto me ; him shall ye hear <0191 -akouo -> .

2316 ACT 007 040 Saying <2036 -epo -> unto Aaron <0002 -Aaron -> , Make <4160 -poieo -> us gods <{2316} -theos -> to go <4313 -proporeuomai -> before <4313 -proporeuomai -> us : for [as for] this <3778 -houtos -> Moses <3475 -Moseus -> , which <3739 -hos -> brought <1806 -exago -> us out of the land <1093 -ge -> of Egypt <0125 -Aiguptos -> , we wot <1492 -eido -> not what <5101 -tis -> is become <1096 -ginomai -> of him .

2316 ACT 007 042 . Then <1161 -de -> God <{2316} -theos -> turned <4762 -strepho -> , and gave <3860 -paradidomi -> them up to worship <3000 -latreuo -> the host <4756 -stratia -> of heaven <3772 -ouranos -> ; as it is written <1125 -grapho -> in the book <0976 -biblos -> of the prophets <4396 -prophetes -> , O ye house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> , have ye offered <4374 -prosphero -> to me slain <4968 -sphagion -> beasts <4968 -sphagion -> and sacrifices <2378 -thusia -> [by the space of] forty <5062 -tessarakonta -> years <2094 -etos -> in the wilderness <2048 -eremos -> ?

2316 ACT 007 043 Yea <2532 -kai -> , ye took <0353 -analambano -> up the tabernacle <4633 -skene -> of Moloch <3434 -Moloch -> , and the star <0798 -astron -> of your <5216 -humon -> god <{2316} -theos -> Remphan <4481 -Rhemphan -> , figures <5179 -tupos -> which <3739 -hos -> ye made <4160 -poieo -> to worship <4352 -proskuneo -> them : and I will carry <3351 -metoikizo -> you away <3351 -metoikizo -> beyond <1900 -epekeina -> Babylon <0897 -Babulon -> .

2316 ACT 007 045 Which <3739 -hos -> also <2532 -kai -> our fathers <3962 -pater -> that came <1237 -diadechomai -> after <3326 -meta -> brought <1521 -eisago -> in with Jesus <2424 -Iesous -> into <1722 -en -> the possession <2697 -kataschesis -> of the Gentiles <1484 -ethnos -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> drave <1856 -exotheo -> out before <0575 -apo -> the face <4383 -prosopon -> of our fathers <3962 -pater -> , unto the days <2250 -hemera -> of David <1138 -Dabid -> ;

2316 ACT 007 046 Who <3739 -hos -> found <2147 -heurisko -> favour <5485 -charis -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> , and desired <0154 -aiteo -> to find <2147 -heurisko -> a tabernacle <4638 -skenoma -> for the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> .

2316 ACT 007 046 Who <3739 -hos -> found <2147 -heurisko -> favour <5485 -charis -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and desired <0154 -aiteo -> to find <2147 -heurisko -> a tabernacle <4638 -skenoma -> for the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> .

2316 ACT 007 055 But he , being <5225 -huparcho -> full <4134 -pleres -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , looked <0816 -atenizo -> up stedfastly <0816 -atenizo -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and saw <1492 -eido -> the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ,

2316 ACT 007 055 But he , being <5225 -huparcho -> full <4134 -pleres -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> ,

looked <0816 -atenizo -> up stedfastly <0816 -atenizo -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and saw <1492 -eido -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <2316 -theos -> ,

2316 ACT 007 056 And said <2036 -epo -> , Behold <2400 -idou -> , I see <2334 -theoreo -> the heavens <3772 -ouranos -> opened <0455 -anoigo -> , and the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 010 To whom <3739 -hos -> they all <3956 -pas -> gave <4337 -prosecho -> heed <4337 -prosecho -> , from the least <3398 -mikros -> to the greatest <3173 -megas -> , saying <3007 -leipo -> , This <3778 -houtos -> man is the great <3173 -megas -> power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 012 But when <3753 -hote -> they believed <4100 -pisteuo -> Philip <5376 -Philippos -> preaching <2097 -euaggelizo -> the things concerning <4012 -peri -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and the name <3686 -onoma -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , they were baptized <0907 -baptizo -> , both <5037 -te -> men <0435 -aner -> and women <1135 -gune -> .

2316 ACT 008 014 . Now <1161 -de -> when the apostles <0652 -apostolos -> which <3588 -ho -> were at <1722 -en -> Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> heard <0191 -akouo -> that Samaria <4540 -Samareia -> had received <1209 -dechomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , they sent <0649 -apostello -> unto them Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> :

2316 ACT 008 020 But Peter <4074 -Petros -> said <2036 -epo -> unto him , Thy money <0694 -argurion -> perish <0684 -apoleia -> with thee , because <3754 -hoti -> thou hast thought <3543 -nomizo -> that the gift <1431 -dorea -> of God <{2316} -theos -> may be purchased <2932 -ktaomai -> with money <5536 -chrema -> .

2316 ACT 008 021 Thou hast <2076 -esti -> neither <3756 -ou -> part <3310 -meris -> nor <3761 -oude -> lot <2819 -kleros -> in this <5129 -toutoi -> matter <3056 -logos -> : for thy heart <2588 -kardia -> is not right <2117 -euthus -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 022 Repent <3340 -metanoeo -> therefore <3767 -oun -> of this <5026 -taute -> thy wickedness <2549 -kakia -> , and pray <1189 -deomai -> God <{2316} -theos -> , if <1487 -ei -> perhaps <0686 -ara -> the thought <1963 -epinoia -> of thine <4671 -soi -> heart <2588 -kardia -> may be forgiven <0863 -aphiemi -> thee .

2316 ACT 008 037 And Philip <5376 -Philippos -> said <2036 -epo -> , If <1487 -ei -> thou believest <4100 -pisteuo -> with all <3650 -holos -> thine <3588 -ho -> heart <2588 -kardia -> , thou mayest <1832 -exesti -> . And he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , I believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 009 020 And straightway <2112 -eutheos -> he preached <2784 -kerusso -> Christ <5547 -Christos -> in the synagogues <4864 -sunagoge -> , that he is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 002 [A] devout <2152 -eusebes -> [man] ,

and one that feared <5399 -phobeo -> God <2316 -theos -> with all <3956 -pas -> his house <3624 -oikos -> , which gave <4160 -poieo -> much <4183 -polus -> alms <1654 -eleemosune -> to the people <2992 -laos -> , and prayed <1189 -deomai -> to God <{2316} -theos -> alway <1275 -diapantos -> .

2316 ACT 010 002 [A] devout <2152 -eusebes -> [man] , and one that feared <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> with all <3956 -pas -> his house <3624 -oikos -> , which gave <4160 -poieo -> much <4183 -polus -> alms <1654 -eleemosune -> to the people <2992 -laos -> , and prayed <1189 -deomai -> to God <2316 -theos -> alway <1275 -diapantos -> .

2316 ACT 010 003 He saw <1492 -eido -> in a vision <3705 -horama -> evidently <5320 -phaneros -> about <5616 -hosei -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> of the day <2250 -hemera -> an angel <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> coming <1525 -eiserchomai -> in to him , and saying <2036 -epo -> unto him , Cornelius <2883 -Kornelios -> .

2316 ACT 010 004 And when he looked <0816 -atenizo -> on him , he was afraid <1719 -emphobos -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> is it , Lord <2962 -kurios -> ? And he said <2036 -epo -> unto him , Thy prayers <4335 -proseuche -> and thine <3588 -ho -> alms <1654 -eleemosune -> are come <0305 -anabaino -> up for a memorial <3422 -mnemosunon -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 015 And the voice <5456 -phone -> [spake] unto him again <3825 -palin -> the second <1208 -deuteros -> time , What <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath cleansed <2511 -katharizo -> , [that] call <2840 -koinoo -> not thou common <2840 -koinoo -> .

2316 ACT 010 022 And they said <2036 -epo -> , Cornelius <2883 -Kornelios -> the centurion <1543 -hekatontarches -> , a just <1342 -dikaios -> man <0435 -aner -> , and one that feareth <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , and of good <0018 -agathos -> report <3140 -martureo -> among <5259 -hupo -> all <3650 -holos -> the nation <1484 -ethnos -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> , was warned <5537 -chrematizo -> from God by an holy <0040 -hagios -> angel <0032 -aggelos -> to send <3343 -metapempo -> for thee into <1519 -eis -> his house <3624 -oikos -> , and to hear <0191 -akouo -> words <4487 -rhema -> of thee .

2316 ACT 010 028 And he said <5346 -phemi -> unto them , Ye know <1987 -epistamai -> how <5613 -hos -> that it is an unlawful <0111 -athemitos -> thing for a man <0435 -aner -> that is a Jew <2453 -Ioudaios -> to keep <2853 -kollao -> company <2853 -kollao -> , or <2228 -e -> come <4334 -proserchomai -> unto one of another <0246 -allophulos -> nation <0246 -allophulos -> ; but God <{2316} -theos -> hath shewed <1166 -deiknuo -> me that I should not call <3004 -lego -> any <3367 -medeis -> man <0444 -anthropos -> common <2839 -koinos -> or <2228 -e -> unclean <0169 -akathartos -> .

2316 ACT 010 031 And said <5346 -phemi -> , Cornelius <2883 -Kornelios -> , thy prayer <4335 -proseuche -> is heard <1522 -eisakouo -> , and thine <4675 -sou -> alms <1654 -eleemosune -> are had in remembrance <3415 -mnaomai -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 033 Immediately <1824 -exautes -> therefore <3767 -oun -> I sent <3992 -pempo -> to thee ; and thou hast well <2573 -kalos -> done <4160 -poieo -> that thou art come <3854 -paraginomai -> . Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> are

we all <3956 -pas -> here <3918 -pareimi -> present <3918 -pareimi -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> , to hear <0191 -akouo -> all <3956 -pas -> things that are commanded <4367 -prostasso -> thee of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 033 Immediately <1824 -exautes -> therefore <3767 -oun -> I sent <3992 -pempo -> to thee ; and thou hast well <2573 -kalos -> done <4160 -poieo -> that thou art come <3854 -paraginomai -> . Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> are we all <3956 -pas -> here <3918 -pareimi -> present <3918 -pareimi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , to hear <0191 -akouo -> all <3956 -pas -> things that are commanded <4367 -prostasso -> thee of God <2316 -theos -> .

2316 ACT 010 034 . Then <1161 -de -> Peter <4074 -Petros -> opened <0455 -anoigo -> [his] mouth <4750 -stoma -> , and said <2036 -epo -> , Of a truth <0225 -aletheia -> I perceive <2638 -katalambano -> that God <{2316} -theos -> is no <3756 -ou -> respecter <4381 -prosopoleptes -> of persons <4381 -prosopoleptes -> :

2316 ACT 010 038 How <5613 -hos -> God <2316 -theos -> anointed <5548 -chrio -> Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> and with power <1411 -dunamis -> : who <3739 -hos -> went <1330 -dierchomai -> about <1330 -dierchomai -> doing <2109 -euergeteo -> good <2109 -euergeteo -> , and healing <2390 -iaomai -> all <3956 -pas -> that were oppressed <2616 -katadunasteuo -> of the devil <1228 -diabolos -> ; for God <{2316} -theos -> was with him .

2316 ACT 010 038 How <5613 -hos -> God <{2316} -theos -> anointed <5548 -chrio -> Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> and with power <1411 -dunamis -> : who <3739 -hos -> went <1330 -dierchomai -> about <1330 -dierchomai -> doing <2109 -euergeteo -> good <2109 -euergeteo -> , and healing <2390 -iaomai -> all <3956 -pas -> that were oppressed <2616 -katadunasteuo -> of the devil <1228 -diabolos -> ; for God <2316 -theos -> was with him .

2316 ACT 010 040 Him God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> up the third <5154 -tritos -> day <2250 -hemera -> , and shewed <1096 -ginomai -> him openly <1717 -emphanes -> ;

2316 ACT 010 041 Not to all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> , but unto witnesses <3144 -martus -> chosen <4401 -procheirotoneo -> before <4401 -procheirotoneo -> of God <{2316} -theos -> , [even] to us , who <3748 -hostis -> did eat <4906 -sunesthio -> and drink <4844 -sumpino -> with him after <3326 -meta -> he rose <0450 -anistemi -> from the dead <3498 -nekros -> .

2316 ACT 010 042 And he commanded <3853 -paraggello -> us to preach <2784 -kerusso -> unto the people <2992 -laos -> , and to testify <1263 -diamarturomai -> that it is he which <3588 -ho -> was ordained <3724 -horizo -> of God <{2316} -theos -> [to be] the Judge <2923 -krites -> of quick <2198 -zao -> and dead <3498 -nekros -> .

2316 ACT 010 046 For they heard <0191 -akouo -> them speak <2980 -laleo -> with tongues <1100 -glossa -> , and magnify <3170 -megaluno -> God <{2316} -theos -> . Then <5119 -tote -> answered <0611 -apokrinomai -> Peter <4074 -Petros -> ,

2316 ACT 011 001 . And the apostles <0652 -apostolos -> and

brethren <0080 -adephos -> that were in Judaea <2449 -Ioudaia -> heard <0191 -akouo -> that the Gentiles <1484 -ethnos -> had also <2532 -kai -> received <1209 -dechomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 011 009 But the voice <5456 -phone -> answered <0611 -apokrinomai -> me again <1208 -deuteros -> from heaven <3772 -ouranos -> , What <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath cleansed <2511 -katharizo -> , [that] call <2840 -koinoo -> not thou common <2839 -koinos -> .

2316 ACT 011 017 Forasmuch <1487 -ei -> then <3767 -oun -> as God <2316 -theos -> gave <1325 -didomi -> them the like <2470 -isos -> gift <1431 -dorea -> as [he did] unto us , who believed <4100 -pisteuo -> on <1909 -epi -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ; what <5101 -tis -> was I , that I could <1415 -dunatos -> withstand <2967 -koluo -> God <{2316} -theos -> ?

2316 ACT 011 017 Forasmuch <1487 -ei -> then <3767 -oun -> as God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> them the like <2470 -isos -> gift <1431 -dorea -> as [he did] unto us , who believed <4100 -pisteuo -> on <1909 -epi -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ; what <5101 -tis -> was I , that I could <1415 -dunatos -> withstand <2967 -koluo -> God <2316 -theos -> ?

2316 ACT 011 018 When they heard <0191 -akouo -> these <5023 -tauta -> things , they held <2270 -hesuchazo -> their peace <2270 -hesuchazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <2316 -theos -> , saying <3004 -lego -> , Then <0686 -ara -> hath God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> granted <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> unto life <2222 -zoe -> .

2316 ACT 011 018 When they heard <0191 -akouo -> these <5023 -tauta -> things , they held <2270 -hesuchazo -> their peace <2270 -hesuchazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> , Then <0686 -ara -> hath God <2316 -theos -> also <2532 -kai -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> granted <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> unto life <2222 -zoe -> .

2316 ACT 011 023 Who <3739 -hos -> , when he came <3854 -paraginomai -> , and had seen <1492 -eido -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , was glad <5463 -chairo -> , and exhorted <3870 -parakaleo -> them all <3956 -pas -> , that with purpose <4286 -prothesis -> of heart <2588 -kardia -> they would cleave <4347 -proskollao -> unto the Lord <2962 -kurios -> .

2316 ACT 012 005 . Peter <4074 -Petros -> therefore <3767 -oun -> was kept <5083 -tereo -> in prison <5438 -phulake -> : but prayer <4335 -proseuche -> was made <1096 -ginomai -> without <1618 -ektenes -> ceasing <1618 -ektenes -> of the church <1577 -ekklesia -> unto God <{2316} -theos -> for him .

2316 ACT 012 022 And the people <1218 -demos -> gave a shout <2019 -epiphoneo -> , [saying , It is] the voice <5456 -phone -> of a god <{2316} -theos -> , and not of a man <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 012 023 And immediately <3916 -parachrema -> the angel <0032 -aggelos -> of the Lord <2962 -kurios -> smote <3960 -patasso -> him , because <3739 -hos -> he gave <1325 -didomi -> not God <{2316} -theos -> the glory <1391 -doxa -> : and he was

eaten <4662 -skolekobrotos -> of worms <4662 -skolekobrotos -> , and gave up the ghost <1634 -ekpsucho -> .

2316 ACT 012 024 But the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> grew <0837 -auzano -> and multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 ACT 013 005 And when they were at <1722 -en -> Salamis <4529 -Salamis -> , they preached <2605 -kataggello -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> in the synagogues <4864 -sunagoge -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> : and they had <2192 -echo -> also <2532 -kai -> John <2491 -Ioannes -> to [their] minister <5257 -huperetes -> .

2316 ACT 013 007 Which <3739 -hos -> was with the deputy <0446 -anthupatos -> of the country , Sergius <4588 -Sergios -> Paulus <3972 -Paulos -> , a prudent <4908 -sunetos -> man <0435 -aner -> ; who <3778 -houtos -> called <4341 -proskaleomai -> for Barnabas <0921 -Barnabas -> and Saul <4569 -Saulos -> , and desired <1934 -epizeteo -> to hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 016 Then <1161 -de -> Paul <3972 -Paulos -> stood <0450 -anistemi -> up , and beckoning <2678 -kataseio -> with [his] hand <5495 -cheir -> said <2036 -epo -> , Men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , and ye that fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , give audience <0191 -akouo -> .

2316 ACT 013 017 The God <{2316} -theos -> of this <5127 -toutou -> people <2992 -laos -> of Israel <2474 -Israel -> chose <1586 -eklegomai -> our fathers <3962 -pater -> , and exalted <5312 -hupsoo -> the people <2992 -laos -> when <3588 -ho -> they dwelt <3940 -paroikia -> as strangers <3940 -paroikia -> in the land <1093 -ge -> of Egypt <0125 -Aiguptos -> , and with an high <5308 -hupselos -> arm <1023 -brachion -> brought <1806 -exago -> he them out of it .

2316 ACT 013 021 And afterward <2547 -kakeithen -> they desired <0154 -aiteo -> a king <0935 -basileus -> : and God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> unto them Saul <4569 -Saulos -> the son <5207 -huios -> of Cis <2797 -Kis -> , a man <0435 -aner -> of the tribe <5443 -phule -> of Benjamin <0958 -Beniamin -> , by the space of forty <5062 -tessarakonta -> years <2094 -etos -> .

2316 ACT 013 023 Of this <5127 -toutou -> man s seed <4690 -sperma -> hath God <{2316} -theos -> according <2596 -kata -> to [his] promise <1860 -epaggelia -> raised <1453 -egeiro -> unto Israel <2474 -Israel -> a Saviour <4990 -soter -> , Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 ACT 013 026 Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , children <5207 -huios -> of the stock <1085 -genos -> of Abraham <11> , and whosoever <3588 -ho -> among <1722 -en -> you feareth <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , to you is the word <3056 -logos -> of this <5026 -taute -> salvation <4991 -soteria -> sent <0649 -apostello -> .

2316 ACT 013 030 But God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> :

2316 ACT 013 033 God <{2316} -theos -> hath fulfilled <1603 -ekpleroo -> the same <5026 -taute -> unto us their children <5043 -teknon -> , in that he hath raised <0450 -anistemi -> up Jesus <2424 -Iesous -> again <0450 -anistemi -> ; as it is also

<2532 -kai -> written <1125 -grapho -> in the second <1208 -deuteros -> psalm <5568 -psalmos -> , Thou art <1488 -ei -> my Son <5207 -huios -> , this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> have I begotten <1080 -gennao -> thee .

2316 ACT 013 036 For David <1138 -Dabid -> , after he had served <5256 -hupereteo -> his own <2398 -idios -> generation <1074 -genea -> by the will <1012 -boule -> of God <{2316} -theos -> , fell on sleep <2837 -koimao -> , and was laid <4369 -prostithemi -> unto his fathers <3962 -pater -> , and saw <1492 -eido -> corruption <1312 -diaphthora -> :

2316 ACT 013 037 But he , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> again <1453 -egeiro -> , saw <1492 -eido -> no <3756 -ou -> corruption <1312 -diaphthora -> .

2316 ACT 013 043 Now <1161 -de -> when the congregation <4864 -sunagoge -> was broken <3089 -luo -> up , many <4183 -polus -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> and religious <4576 -sebomai -> proselytes <4339 -proselutos -> followed <0190 -akoloutheo -> Paul <3972 -Paulos -> and Barnabas <0921 -Barnabas -> : who <3748 -hostis -> , speaking <4354 -proslaleo -> to them , persuaded <3982 -peitho -> them to continue <1961 -epimeno -> in the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 044 And the next <2064 -erchomai -> sabbath <4521 -sabbaton -> day came <4863 -sunago -> almost <4975 -schedon -> the whole <3956 -pas -> city <4172 -polis -> together <4863 -sunago -> to hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 046 Then <1161 -de -> Paul <3972 -Paulos -> and Barnabas <0921 -Barnabas -> waxed <3955 -parrhesiazomai -> bold <3955 -parrhesiazomai -> , and said <2036 -epo -> , It was necessary <0316 -anagkaios -> that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> should first <4412 -proton -> have been spoken <2980 -laleo -> to you : but seeing <1894 -epeide -> ye put <0683 -apotheomai -> it from you , and judge <2919 -krino -> yourselves <1438 -heautou -> unworthy <0514 -axios -> of everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , lo <2400 -idou -> , we turn <4762 -strepho -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> .

2316 ACT 014 011 And when the people <3793 -ochlos -> saw <1492 -eido -> what <3739 -hos -> Paul <3972 -Paulos -> had done <4160 -poieo -> , they lifted <1869 -epairo -> up their voices <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> in the speech <3072 -Lukaonisti -> of Lycaonia <3071 -Lukaonia -> , The gods <{2316} -theos -> are come <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> to us in the likeness <3666 -homoioo -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 014 015 And saying <3004 -lego -> , Sirs <0435 -aner -> , why <5101 -tis -> do <4160 -poieo -> ye these <5130 -touton -> things ? We also <2532 -kai -> are men <0444 -anthropos -> of like <3663 -homoiopathes -> passions <3663 -homoiopathes -> with you , and preach <2097 -euaggelizo -> unto you that ye should turn <1994 -epistrepho -> from these <5023 -tauta -> vanities <3152 -mataios -> unto the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> things that are therein <0846 -autos -> :

2316 ACT 014 022 Confirming <1991 -episterizo -> the souls <5590 -psuche -> of the disciples <3101 -mathetes -> , [and]

exhorting <3870 -parakaleo -> them to continue <1696 -emmeno -> in the faith <4102 -pistis -> , and that we must <1163 -dei -> through <1223 -dia -> much <4183 -polus -> tribulation <2347 -thlipsis -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 014 026 And thence <1564 -ekeithen -> sailed <0636 -apopleo -> to Antioch <0490 -Antiocheia -> , from whence <3606 -hothen -> they had been recommended <3860 -paradidomi -> to the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> for the work <2041 -ergon -> which <3739 -hos -> they fulfilled <4137 -pleroo -> .

2316 ACT 014 027 And when they were come <3854 -paraginomai -> , and had gathered <4863 -sunago -> the church <1577 -ekklesia -> together <4863 -sunago -> , they rehearsed <0312 -anaggello -> all <3745 -hosos -> that God <{2316} -theos -> had done <4160 -poieo -> with them , and how he had opened <0455 -anoigo -> the door <2374 -thura -> of faith <4102 -pistis -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> .

2316 ACT 015 004 And when they were come <3854 -paraginomai -> to Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , they were received <0588 -apodechomai -> of the church <1577 -ekklesia -> , and [of] the apostles <0652 -apostolos -> and elders <4245 -presbuteros -> , and they declared <0312 -anaggello -> all <3745 -hosos -> things that God <{2316} -theos -> had done <4160 -poieo -> with them .

2316 ACT 015 007 And when there had been <1096 -ginomai -> much <4183 -polus -> disputing <4803 -suzetesis -> , Peter <4074 -Petros -> rose <0450 -anistemi -> up , and said <2036 -epo -> unto them , Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , ye know <1987 -epistamai -> how that a good while <2250 -hemera -> ago <0575 -apo -> God <{2316} -theos -> made <1586 -eklegomai -> choice <1586 -eklegomai -> among <1722 -en -> us , that the Gentiles <1484 -ethnos -> by my mouth <4750 -stoma -> should hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of the gospel <2098 -euaggelion -> , and believe <4100 -pisteuo -> .

2316 ACT 015 008 And God <{2316} -theos -> , which knoweth <2589 -kardiognostes -> the hearts <2589 -kardiognostes -> , bare <3140 -martureo -> them witness <3140 -martureo -> , giving <1325 -didomi -> them the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , even <2532 -kai -> as [he did] unto us ;

2316 ACT 015 010 Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> why <5101 -tis -> tempt <3985 -peirazo -> ye God <{2316} -theos -> , to put <2007 -epitithemi -> a yoke <2218 -zugos -> upon the neck <5137 -trachelos -> of the disciples <3101 -mathetes -> , which <3739 -hos -> neither <3777 -oute -> our fathers <3962 -pater -> nor <3777 -oute -> we were able <2480 -ischuo -> to bear <0941 -bastazo -> ?

2316 ACT 015 012 Then <1161 -de -> all <3956 -pas -> the multitude <4128 -plethos -> kept <4601 -sigao -> silence <4601 -sigao -> , and gave audience <0191 -akouo -> to Barnabas <0921 -Barnabas -> and Paul <3972 -Paulos -> , declaring <1834 -exegeomai -> what <3745 -hosos -> miracles <4592 -semeion -> and wonders <5059 -teras -> God <{2316} -theos -> had wrought <4160 -poieo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> by them .

2316 ACT 015 014 Simeon <4826 -Sumeon -> hath declared <1834 -exegeomai -> how <2531 -kathos -> God <{2316} -theos -> at the

first <4412 -proton -> did visit <1980 -episkeptomai -> the Gentiles <1484 -ethnos -> , to take <2983 -lambano -> out of them a people <2992 -laos -> for his name <3686 -onoma -> .

2316 ACT 015 018 Known <1110 -gnostos -> unto God <{2316} -theos -> are all <3956 -pas -> his works <2041 -ergon -> from the beginning of the world <0165 -aion -> .

2316 ACT 015 019 Wherefore <1352 -dio -> my sentence <2919 -krino -> is , that we trouble <3926 -parenochleo -> not them , which <3588 -ho -> from among <0575 -apo -> the Gentiles <1484 -ethnos -> are turned <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 015 040 And Paul <3972 -Paulos -> chose <1951 -epilegomai -> Silas <4609 -Silas -> , and departed <1831 -exerchomai -> , being recommended <3860 -paradidomi -> by the brethren <0080 -adephos -> unto the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 016 014 And a certain <5100 -tis -> woman <1135 -gune -> named <3686 -onoma -> Lydia <3070 -Ludia -> , a seller <4211 -porphuropolis -> of purple <4211 -porphuropolis -> , of the city <4172 -polis -> of Thyatira <2363 -Thuateira -> , which worshipped <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> , heard <0191 -akouo -> [us] : whose <3739 -hos -> heart <2588 -kardia -> the Lord <2962 -kurios -> opened <1272 -dianoigo -> , that she attended <4337 -prosecho -> unto the things which were spoken <2980 -laleo -> of Paul <3972 -Paulos -> .

2316 ACT 016 017 The same <3778 -houtos -> followed <2628 -katakoloutheo -> Paul <3972 -Paulos -> and us , and cried <2896 -krazo -> , saying <3004 -lego -> , These <3778 -houtos -> men <0444 -anthropos -> are the servants <1401 -doulos -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> shew <2605 -kataggello -> unto us the way <3598 -hodos -> of salvation <4991 -soteria -> .

2316 ACT 016 025 . And at <2596 -kata -> midnight <3317 -mesonuktion -> Paul <3972 -Paulos -> and Silas <4609 -Silas -> prayed <4336 -proseuchomai -> , and sang <5214 -humneo -> praises unto God <{2316} -theos -> : and the prisoners <1198 -desmios -> heard <1874 -epakroaomai -> them .

2316 ACT 016 034 And when he had brought <0321 -anago -> them into <1519 -eis -> his house <3624 -oikos -> , he set <3908 -paratithemi -> meat <5132 -trapeza -> before <3908 -paratithemi -> them , and rejoiced <0021 -agalliao -> , believing <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> with all <3832 -panoiki -> his house <3832 -panoiki -> .

2316 ACT 017 013 But when <5613 -hos -> the Jews <2453 -Ioudaios -> of Thessalonica <2332 -Thessalonike -> had knowledge <1097 -ginosko -> that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> was preached <2605 -kataggello -> of Paul <3972 -Paulos -> at <1722 -en -> Berea <0960 -Beroia -> , they came <2064 -erchomai -> thither <1563 -ekei -> also <2546 -kakei -> , and stirred <4531 -saleuo -> up the people <3793 -ochlos -> .

2316 ACT 017 023 For as I passed <1330 -dierchomai -> by , and beheld <0333 -antheoreo -> your <5216 -humon -> devotions <4574 -sebasma -> , I found <2147 -heurisko -> an altar <1041 -bomos -> with this <3739 -hos -> inscription <1924 -epigrapho -> , TO THE UNKNOWN <0057 -agnostos -> GOD <{2316} -theos -> . Whom <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> ye ignorantly <0050 -agnoeo -> worship <2151 -eusebeo -> , him declare <2605 -

kataggello -> I unto you .

2316 ACT 017 024 God <{2316} -theos -> that made <4160 -poieo -> the world <2889 -kosmos -> and all <3956 -pas -> things therein <0846 -autos -> , seeing that he is Lord <2962 -kurios -> of heaven <3772 -ouranos -> and earth <1093 -ge -> , dwelleth <2730 -katoikeo -> not in temples <3485 -naos -> made <5499 -cheiropoietos -> with hands <5499 -cheiropoietos -> ;

2316 ACT 017 029 Forasmuch then <3767 -oun -> as we are the offspring <1085 -genos -> of God <{2316} -theos -> , we ought <3784 -opheilo -> not to think <3543 -nomizo -> that the Godhead <2304 -theios -> is like <3664 -homoios -> unto gold <5557 -chrusos -> , or <2228 -e -> silver <0696 -arguros -> , or <2228 -e -> stone <3037 -lithos -> , graven <5480 -charagma -> by art <5078 -techne -> and man s <0444 -anthropos -> device <1761 -enthumesis -> .

2316 ACT 017 030 And the times <5550 -chronos -> of this <3588 -ho -> ignorance <0052 -agnoia -> God <{2316} -theos -> winked <5237 -hupereido -> at ; but now <3568 -nun -> commandeth <3853 -paraggello -> all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> every <3837 -pantachou -> where <3837 -pantachou -> to repent <3340 -metanoeo -> :

2316 ACT 018 007 . And he departed <1831 -exerchomai -> thence <1564 -ekeithen -> , and entered <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> a certain <5100 -tis -> [man s] house <3614 -oikia -> , named <3686 -onoma -> Justus <2459 -Ioustos -> , [one] that worshipped <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> , whose <3739 -hos -> house <3614 -oikia -> joined <4927 -sunomoreo -> hard <4927 -sunomoreo -> to the synagogue <4864 -sunagoge -> .

2316 ACT 018 011 And he continued <2523 -kathizo -> [there] a year <1763 -eniautos -> and six <1803 -hex -> months <3376 -men -> , teaching <1321 -didasko -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> among <1722 -en -> them .

2316 ACT 018 013 Saying <3004 -lego -> , This <3778 -houtos -> [fellow] persuadeth <0374 -anapeitho -> men <0444 -anthropos -> to worship <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> contrary <3844 -para -> to the law <3551 -nomos -> .

2316 ACT 018 021 But bade <0657 -apotassomai -> them farewell <0657 -apotassomai -> , saying <2036 -epo -> , I must <1163 -dei -> by all <3843 -pantos -> means <3843 -pantos -> keep <4160 -poieo -> this <3588 -ho -> feast <1859 -heorte -> that cometh <2064 -erchomai -> in Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> : but I will return <0344 -anakampto -> again <3825 -palin -> unto you , if God <{2316} -theos -> will <2309 -thelo -> . And he sailed <0321 -anago -> from Ephesus <2181 -Ephesos -> .

2316 ACT 018 026 And he began <0756 -archomai -> to speak boldly <3955 -parrhesiazomai -> in the synagogue <4864 -sunagoge -> : whom <0846 -autos -> when Aquila <0207 -Akulas -> and Priscilla <4252 -Priscilla -> had heard <0191 -akouo -> , they took <4355 -proslambano -> him unto [them] , and expounded <1620 -ektithemi -> unto him the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> more <0197 -akribesteron -> perfectly <0197 -akribesteron -> .

2316 ACT 019 008 . And he went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the synagogue <4864 -sunagoge -> , and spake boldly <3955 -parrhesiazomai -> for the space <1909 -epi -> of three <5140 -treis -> months <3376 -men -> , disputing <1256 -dialegomai -> and persuading <3982 -peitho -> the things

concerning <4012 -peri -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 019 011 And God <{2316} -theos -> wrought <4160 -poieo -> special <5177 -tugchano -> miracles <1411 -dunamis -> by the hands <5495 -cheir -> of Paul <3972 -Paulos -> :

2316 ACT 019 026 Moreover <2532 -kai -> ye see <2334 -theoreo -> and hear <0191 -akouo -> , that not alone <3440 -monon -> at Ephesus <2181 -Ephesos -> , but almost <4975 -schedon -> throughout all <3956 -pas -> Asia <0773 -Asia -> , this <3778 -houtos -> Paul <3972 -Paulos -> hath persuaded <3982 -peitho -> and turned <3179 -methistemi -> away <3179 -methistemi -> much <2425 -hikanos -> people <3793 -ochlos -> , saying <3004 -lego -> that they be no <3756 -ou -> gods <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> with hands <5495 -cheir -> :

2316 ACT 020 021 Testifying <1263 -diamarturomai -> both <5037 -te -> to the Jews <2453 -Ioudaios -> , and also <2532 -kai -> to the Greeks <1672 -Hellen -> , repentance <3341 -metanoia -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> , and faith <4102 -pistis -> toward <1519 -eis -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ACT 020 024 But none <3762 -oudeis -> of these things <3056 -logos -> move <4160 -poieo -> me , neither <3761 -oude -> count <2192 -echo -> I my life <5590 -psuche -> dear <5093 -timios -> unto myself <1683 -emautou -> , so <5613 -hos -> that I might finish <5048 -teleioo -> my course <1408 -dromos -> with joy <5479 -chara -> , and the ministry <1248 -diakonia -> , which <3739 -hos -> I have received <2983 -lambano -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , to testify <1263 -diamarturomai -> the gospel <2098 -euaggelion -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 020 025 And now <3568 -nun -> , behold <2400 -idou -> , I know <1492 -eido -> that ye all <3956 -pas -> , among <1722 -en -> whom <3739 -hos -> I have gone <1330 -dierchomai -> preaching <2784 -kerusso -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , shall see <3700 -optanomai -> my face <4383 -prosopon -> no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> .

2316 ACT 020 027 For I have not shunned <5288 -hupostello -> to declare <0312 -anaggello -> unto you all <3956 -pas -> the counsel <1012 -boule -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 020 028 Take heed <4337 -prosecho -> therefore unto yourselves <1438 -heautou -> , and to all <3956 -pas -> the flock <4168 -poimnion -> , over <1722 -en -> the which <3739 -hos -> the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> hath made <5087 -tithemi -> you overseers <1985 -episkopos -> , to feed <4165 -poimaino -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> he hath purchased <4046 -peripoieomai -> with his own <2398 -idios -> blood <0129 -haima -> .

2316 ACT 020 032 And now <3568 -nun -> , brethren <0080 -adephos -> , I commend <3908 -paratithemi -> you to God <{2316} -theos -> , and to the word <3056 -logos -> of his grace <5485 -charis -> , which <3588 -ho -> is able <1410 -dunamai -> to build <2026 -epoikodomeo -> you up , and to give <1325 -didomi -> you an inheritance <2817 -kleronomia -> among <1722 -en -> all <3956 -pas -> them which are sanctified <0037 -hagiazo -> .

2316 ACT 021 019 And when he had saluted <0782 -aspazomai ->

them , he declared <1834 -exegeomai -> particularly <2596 -kata -> what <3739 -hos -> things God <{2316} -theos -> had wrought <4160 -poieo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> by his ministry <1248 -diakonia -> .

2316 ACT 022 003 . I am <1510 -eimi -> verily <3303 -men -> a man <0435 -aner -> [which am] a Jew <2453 -Ioudaios -> , born <1080 -gennao -> in Tarsus <5019 -Tarsos -> , [a city] in Cilicia <2791 -Kilikia -> , yet brought <0397 -anatrepho -> up in this <5026 -taute -> city <4172 -polis -> at <3844 -para -> the feet <4228 -pous -> of Gamaliel <1059 -Gamaliel -> , [and] taught <3811 -paideuo -> according <2596 -kata -> to the perfect <0195 -akribeia -> manner <0195 -akribeia -> of the law <3551 -nomos -> of the fathers <3971 -patroios -> , and was zealous <2207 -zelotes -> toward God <{2316} -theos -> , as ye all <3956 -pas -> are this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> .

2316 ACT 022 014 And he said <2036 -epo -> , The God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> hath chosen <4400 -procheirizomai -> thee , that thou shouldest know <1097 -ginosko -> his will <2307 -thelema -> , and see <1492 -eido -> that Just <1342 -dikaios -> One , and shouldest hear <0191 -akouo -> the voice <5456 -phone -> of his mouth <4750 -stoma -> .

2316 ACT 023 001 . And Paul <3972 -Paulos -> , earnestly <0816 -atenizo -> beholding <0816 -atenizo -> the council <4892 -sunedrion -> , said <2036 -epo -> , Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , I have lived <4176 -politeuomai -> in all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> conscience <4893 -suneidesis -> before God <{2316} -theos -> until <0891 -achri -> this <5026 -taute -> day <2250 -hemera -> .

2316 ACT 023 003 Then <5119 -tote -> said <2036 -epo -> Paul <3972 -Paulos -> unto him , God <{2316} -theos -> shall smite <5180 -tupto -> thee , [thou] whited <2867 -koniao -> wall <5109 -toichos -> : for sittest <2521 -kathemai -> thou to judge <2919 -krino -> me after <2596 -kata -> the law <3551 -nomos -> , and commandest <2753 -keleuo -> me to be smitten <5180 -tupto -> contrary <3891 -paranomeo -> to the law <3891 -paranomeo -> ?

2316 ACT 023 004 And they that stood <3936 -paristemi -> by said <2036 -epo -> , Revilest <3058 -loidoreo -> thou God s <{2316} -theos -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> ?

2316 ACT 024 014 But this <5124 -touto -> I confess <3670 -homologeo -> unto thee , that after <2596 -kata -> the way <3598 -hodos -> which <3739 -hos -> they call <3004 -lego -> heresy <0139 -hairesis -> , so <3779 -houto -> worship <3000 -latreuo -> I the God <{2316} -theos -> of my fathers <3971 -patroios -> , believing <4100 -pisteuo -> all <3956 -pas -> things which <3588 -ho -> are written <1125 -grapho -> in the law <3551 -nomos -> and in the prophets <4396 -prophetes -> :

2316 ACT 024 015 And have <2192 -echo -> hope <1680 -elpis -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> they themselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> allow <4327 -prosdechomai -> , that there shall be a resurrection <0386 -anastasis -> of the dead <3498 -nekros -> , both <5037 -te -> of the just <1342 -dikaios -> and unjust <0094 -adikos -> .

2316 ACT 024 016 And herein <5129 -toutoi -> do I exercise <0778 -askeo -> myself , to have <2192 -echo -> always <1275 -diapantos -> a conscience <4893 -suneidesis -> void <0677 -

aproskopos -> of offence <0677 -aproskopos -> toward <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> , and [toward] men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 026 006 And now <3568 -nun -> I stand <2476 -histemi -> and am judged <2919 -krino -> for the hope <1680 -elpis -> of the promise <1860 -epaggelia -> made <1096 -ginomai -> of God <{2316} -theos -> unto our fathers <3962 -pater -> :

2316 ACT 026 008 Why <5101 -tis -> should it be thought <2919 -krino -> a thing incredible <0571 -apistos -> with you , that God <{2316} -theos -> should raise <1453 -egeiro -> the dead <3498 -nekros -> ?

2316 ACT 026 018 To open <0455 -anoigo -> their eyes <3788 -ophthalmos -> , [and] to turn <1994 -epistrepho -> [them] from darkness <4655 -skotos -> to light <5457 -phos -> , and [from] the power <1849 -exousia -> of Satan <4567 -Satanas -> unto God <{2316} -theos -> , that they may receive <2983 -lambano -> forgiveness <0859 -aphesis -> of sins <0266 -hamartia -> , and inheritance <2819 -kleros -> among <1722 -en -> them which are sanctified <0037 -hagiazo -> by faith <4102 -pistis -> that is in me .

2316 ACT 026 020 But shewed <0518 -apaggello -> first <4412 -proton -> unto them of Damascus <1154 -Damaskos -> , and at Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> , and throughout <1519 -eis -> all <3956 -pas -> the coasts <5561 -chora -> of Judaea <2449 -Ioudaia -> , and [then] to the Gentiles <1484 -ethnos -> , that they should repent <3340 -metanoeo -> and turn <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> , and do <4238 -prasso -> works <2041 -ergon -> meet <0514 -axios -> for repentance <3341 -metanoia -> .

2316 ACT 026 022 Having therefore <3767 -oun -> obtained <5177 -tugchano -> help <1947 -epikouria -> of God <{2316} -theos -> , I continue <2476 -histemi -> unto this <5026 -taute -> day <2250 -hemera -> , witnessing <3140 -martureo -> both <5037 -te -> to small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> , saying <3004 -lego -> none <3762 -oudeis -> other <1622 -ektos -> things than those which <3739 -hos -> the prophets <4396 -prophetes -> and Moses <3475 -Moseus -> did say <2980 -laleo -> should <3195 -mello -> come <1096 -ginomai -> :

2316 ACT 026 029 And Paul <3972 -Paulos -> said <2036 -epo -> , I would <2172 -euchomai -> to God <{2316} -theos -> , that not only <3440 -monon -> thou , but also <2532 -kai -> all <3956 -pas -> that hear <0191 -akouo -> me this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> , were both <2532 -kai -> almost <3641 -oligos -> , and altogether <4183 -polus -> such <5108 -toioutos -> as I am <1510 -eimi -> , except <3923 -pareisphero -> these <5130 -touton -> bonds <1199 -desmon -> .

2316 ACT 027 023 For there stood <3936 -paristemi -> by me this <5026 -taute -> night <3571 -nux -> the angel <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> , whose <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> , and whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> ,

2316 ACT 027 024 Saying <3004 -lego -> , Fear <5399 -phobeo -> not , Paul <3972 -Paulos -> ; thou must <1163 -dei -> be brought <3936 -paristemi -> before <3936 -paristemi -> Caesar <2541 -Kaisar -> : and , lo <2400 -idou -> , God <{2316} -theos -> hath given <5483 -charizomai -> thee all <3956 -pas -> them that sail <4126 -pleo -> with thee .

2316 ACT 027 025 Wherefore <1352 -dio -> , sirs <0435 -aner ->

, be of good cheer <2114 -euthumeo -> : for I believe <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , that it shall be even <3779 -houto -> as it was told <2980 -laleo -> me .

2316 ACT 027 035 And when he had thus <5023 -tauta -> spoken <2036 -epo -> , he took <2983 -lambano -> bread <0740 -artos -> , and gave thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> in presence <1799 -enopion -> of them all <3956 -pas -> : and when he had broken <2806 -klao -> [it] , he began <0756 -archomai -> to eat <2068 -esthio -> .

2316 ACT 028 006 Howbeit they looked <4328 -prosdokao -> when he should <3195 -mello -> have swollen <4092 -pimpremi -> , or <2228 -e -> fallen <2667 -katapipto -> down <2667 -katapipto -> dead <3498 -nekros -> suddenly <0869 -aphno -> : but after they had looked <4328 -prosdokao -> a great <4183 -polus -> while , and saw <2334 -theoreo -> no <3367 -medeis -> harm <0824 -atopos -> come <1096 -ginomai -> to him , they changed <3328 -metaballo -> their minds , and said <3004 -lego -> that he was a god <{2316} -theos -> .

2316 ACT 028 015 And from thence <1564 -ekeithen -> , when the brethren <0080 -adephos -> heard <0191 -akouo -> of us , they came <1831 -exerchomai -> to meet <0529 -apantesis -> us as far <0891 -achri -> as Appii <0675 ->Appios -> forum <5410 -Phoron -> , and The three <5140 -treis -> taverns <4999 -Tabernai -> : whom <3739 -hos -> when Paul <3972 -Paulos -> saw <1492 -eido -> , he thanked <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> , and took <2983 -lambano -> courage <2294 -tharsos -> .

2316 ACT 028 023 . And when they had appointed <5021 -tasso -> him a day <2250 -hemera -> , there came <2240 -heko -> many <4119 -pleion -> to him into <1519 -eis -> [his] lodging <3578 -xenia -> ; to whom <3739 -hos -> he expounded <1620 -ektithemi -> and testified <1263 -diamarturomai -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , persuading <3982 -peitho -> them concerning <4012 -peri -> Jesus <2424 -Iesous -> , both <5037 -te -> out of the law <3551 -nomos -> of Moses <3475 -Moseus -> , and [out of] the prophets <4396 -prophetes -> , from morning <4404 -proi -> till <2193 -heos -> evening <2073 -hespera -> .

2316 ACT 028 028 Be it known <1110 -gnostos -> therefore <3767 -oun -> unto you , that the salvation <4992 -soterion -> of God <{2316} -theos -> is sent <0649 -apostello -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> , and [that] they will hear <0191 -akouo -> it .

2316 ACT 028 031 Preaching <2784 -kerusso -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and teaching <1321 -didasko -> those <3588 -ho -> things which concern <4012 -peri -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , with all <3956 -pas -> confidence <3954 -parrhesia -> , no <0209 -akolutos -> man forbidding <0209 -akolutos -> him

2316 ROM 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , called <2822 -kletos -> [to be] an apostle <0652 -apostolos -> , separated <0873 -aphorizo -> unto the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 001 004 And declared <3724 -horizo -> [to be] the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> with power <1411 -dunamis -> , according <2596 -kata -> to the spirit <4151 -pneuma -> of holiness <0042 -hagiosune -> , by the resurrection

<0386 -anastasis -> from the dead <3498 -nekros -> :

2316 ROM 001 007 To all <3956 -pas -> that be in Rome <4516 -
Rhome -> , beloved <0027 -agapetos -> of God <2316 -theos -> ,
called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> :
Grace <5485 -charis -> to you and peace <1515 -eirene -> from
God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord
<2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> .

2316 ROM 001 007 To all <3956 -pas -> that be in Rome <4516 -
Rhome -> , beloved <0027 -agapetos -> of God <{2316} -theos -> ,
  called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> :
Grace <5485 -charis -> to you and peace <1515 -eirene -> from
God <2316 -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord
<2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> .

2316 ROM 001 008 . First <4412 -proton -> , I thank <2168 -
eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> through <1223 -dia ->
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> for you all
<3956 -pas -> , that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -
> is spoken <2605 -kataggello -> of throughout <1722 -en -> the
whole <3650 -holos -> world <2889 -kosmos -> .

2316 ROM 001 009 For God <{2316} -theos -> is my witness <3144 -
martus -> , whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> with
my spirit <4151 -pneuma -> in the gospel <2098 -euaggelion -> of
his Son <5207 -huios -> , that without <0089 -adialeiptos ->
ceasing <0089 -adialeiptos -> I make <4160 -poieo -> mention
<3417 -mneia -> of you always <3842 -pantote -> in my prayers
<4335 -proseuche -> ;

2316 ROM 001 010 Making <1189 -deomai -> request <1189 -deomai -
> , if <1513 -ei pos -> by any <4458 - -pos -> means <4458 - -
pos -> now <2236 -hedista -> at <4218 -pote -> length <4218 -
pote -> I might have a prosperous <2137 -euodoo -> journey <2137
-euodoo -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -
> to come <2064 -erchomai -> unto you .

2316 ROM 001 016 . For I am not ashamed <1870 -epaischunomai -
> of the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -
> : for it is the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos
-> unto salvation <4991 -soteria -> to every <3956 -pas -> one
that believeth <4100 -pisteuo -> ; to the Jew <2453 -Ioudaios -
> first <4412 -proton -> , and also <2532 -kai -> to the Greek
<1672 -Hellen -> .

2316 ROM 001 017 For therein <0846 -autos -> is the
righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos ->
revealed <0601 -apokalupto -> from faith <4102 -pistis -> to
faith <4102 -pistis -> : as it is written <1125 -grapho -> ,
The just <1342 -dikaios -> shall live <2198 -zao -> by faith
<4102 -pistis -> .

2316 ROM 001 018 For the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -
theos -> is revealed <0601 -apokalupto -> from heaven <3772 -
ouranos -> against <1909 -epi -> all <3956 -pas -> ungodliness
<0763 -asebeia -> and unrighteousness <0093 -adikia -> of men
<0444 -anthropos -> , who <3588 -ho -> hold <2722 -katecho ->
the truth <0225 -aletheia -> in unrighteousness <0093 -adikia ->
;

2316 ROM 001 019 . Because <1360 -dioti -> that which may be
known <1110 -gnostos -> of God <2316 -theos -> is manifest <5319
-phaneroo -> in them ; for God <{2316} -theos -> hath shewed

<5319 -phaneroo -> [it] unto them .

2316 ROM 001 019 . Because <1360 -dioti -> that which may be known <1110 -gnostos -> of God <{2316} -theos -> is manifest <5319 -phaneroo -> in them ; for God <2316 -theos -> hath shewed <5319 -phaneroo -> [it] unto them .

2316 ROM 001 021 Because <1360 -dioti -> that , when they knew <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> , they glorified <1392 -doxazo -> [him] not as God <{2316} -theos -> , neither <2228 -e -> were thankful <2168 -eucharisteo -> ; but became <3154 -mataioo -> vain <3154 -mataioo -> in their imaginations <1261 -dialogismos -> , and their foolish <0801 -asunetos -> heart <2588 -kardia -> was darkened <4654 -skotizo -> .

2316 ROM 001 021 Because <1360 -dioti -> that , when they knew <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> , they glorified <1392 -doxazo -> [him] not as God <2316 -theos -> , neither <2228 -e -> were thankful <2168 -eucharisteo -> ; but became <3154 -mataioo -> vain <3154 -mataioo -> in their imaginations <1261 -dialogismos -> , and their foolish <0801 -asunetos -> heart <2588 -kardia -> was darkened <4654 -skotizo -> .

2316 ROM 001 023 And changed <0236 -allasso -> the glory <1391 -doxa -> of the uncorruptible <0862 -aphthartos -> God <{2316} -theos -> into <1722 -en -> an image <1504 -eikon -> made like <3667 -homoioma -> to corruptible <5349 -phthartos -> man <0444 -anthropos -> , and to birds <4071 -peteinon -> , and fourfooted <5074 -tetrapous -> beasts <5074 -tetrapous -> , and creeping <2062 -herpeton -> things .

2316 ROM 001 024 Wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> gave <3860 -paradidomi -> them up to uncleanness <0167 -akatharsia -> through <1722 -en -> the lusts <1939 -epithumia -> of their own hearts <2588 -kardia -> , to dishonour <0818 -atimazo -> their own bodies <4983 -soma -> between <1722 -en -> themselves <1438 -heautou -> :

2316 ROM 001 025 Who <3748 -hostis -> changed <3337 -metallasso -> the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> into <1722 -en -> a lie <5579 -pseudos -> , and worshipped <4573 -sebazomai -> and served <3000 -latreuo -> the creature <2937 -ktisis -> more <3844 -para -> than <3844 -para -> the Creator <2936 -ktizo -> , who <3739 -hos -> is blessed <2128 -eulogetos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 001 026 For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> God <{2316} -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them up unto vile <0819 -atimia -> affections <3806 -pathos -> : for even <5037 -te -> their women <2338 -thelus -> did change <3337 -metallasso -> the natural <5446 -phusikos -> use <5540 -chresis -> into <1519 -eis -> that which is against <3844 -para -> nature <5449 -phusis -> :

2316 ROM 001 028 And even <2531 -kathos -> as they did not like <1381 -dokimazo -> to retain <2192 -echo -> God <2316 -theos -> in [their] knowledge <1922 -epignosis -> , God <{2316} -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them over <3860 -paradidomi -> to a reprobate <0096 -adokimos -> mind <3563 -nous -> , to do <4160 -poieo -> those <3588 -ho -> things which are not convenient <2520 -katheko -> ;

2316 ROM 001 028 And even <2531 -kathos -> as they did not like <1381 -dokimazo -> to retain <2192 -echo -> God <{2316} -theos -> in [their] knowledge <1922 -epignosis -> , God <2316 -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them over <3860 -paradidomi -

> to a reprobate <0096 -adokimos -> mind <3563 -nous -> , to do <4160 -poieo -> those <3588 -ho -> things which are not convenient <2520 -katheko -> ;

2316 ROM 001 032 Who <3748 -hostis -> knowing <1921 -epiginosko -> the judgment <1345 -dikaioma -> of God <{2316} -theos -> , that they which commit <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things are worthy <0514 -axios -> of death <2288 -thanatos -> , not only <3440 -monon -> do the same <0846 -autos -> , but have pleasure <4909 -suneudokeo -> in them that do <4238 -prasso -> them .

2316 ROM 002 002 But we are sure <1492 -eido -> that the judgment <2917 -krima -> of God <{2316} -theos -> is according <2596 -kata -> to truth <0225 -aletheia -> against <1909 -epi -> them which commit <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things .

2316 ROM 002 003 And thinkest <3049 -logizomai -> thou this <5124 -touto -> , O man <0444 -anthropos -> , that judgest <2919 -krino -> them which do <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things , and doest <4160 -poieo -> the same <0846 -autos -> , that thou shalt escape <1628 -ekpheugo -> the judgment <2917 -krima -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 ROM 002 004 Or <2228 -e -> despisest <2706 -kataphroneo -> thou the riches <4149 -ploutos -> of his goodness <5544 -chrestotes -> and forbearance <0463 -anoche -> and longsuffering <3115 -makrothumia -> ; not knowing <0050 -agnoeo -> that the goodness <5543 -chrestos -> of God <{2316} -theos -> leadeth <0071 -ago -> thee to repentance <3341 -metanoia -> ?

2316 ROM 002 005 But after <2596 -kata -> thy hardness <4643 -sklerotes -> and impenitent <0279 -ametanoetos -> heart <2588 -kardia -> treasurest <2343 -thesaurizo -> up unto thyself <4572 -seautou -> wrath <3709 -orge -> against <1722 -en -> the day <2250 -hemera -> of wrath <3709 -orge -> and revelation <0602 -apokalupsis -> of the righteous <1341 -dikaiokrisia -> judgment <1341 -dikaiokrisia -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 002 011 For there is no <3756 -ou -> respect <4382 -prosopolepsia -> of persons <4382 -prosopolepsia -> with God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 002 013 (For not the hearers <0202 -akroates -> of the law <3551 -nomos -> [are] just <1342 -dikaios -> before <3844 -para -> God <{2316} -theos -> , but the doers <4163 -poietes -> of the law <3551 -nomos -> shall be justified <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 002 016 In the day <2250 -hemera -> when <3753 -hote -> God <{2316} -theos -> shall judge <2919 -krino -> the secrets <2927 -kruptos -> of men <0444 -anthropos -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> according <2596 -kata -> to my gospel <2098 -euaggelion -> .

2316 ROM 002 017 . Behold <2396 -ide -> , thou art called <2028 -eponomazo -> a Jew <2453 -Ioudaios -> , and restest <1879 -epanapauomai -> in the law <3551 -nomos -> , and makest <2744 -kauchaomai -> thy boast <2744 -kauchaomai -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 002 023 Thou that makest <2744 -kauchaomai -> thy boast <2744 -kauchaomai -> of the law <3551 -nomos -> , through <1223 -dia -> breaking <3847 -parabasis -> the law <3551 -nomos -> dishonourest <0818 -atimazo -> thou God <{2316} -theos -> ?

2316 ROM 002 024 For the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> is blasphemed <0987 -blasphemeo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> through <1223 -dia -> you , as it is written <1125 -grapho -> .

2316 ROM 002 029 But he [is] a Jew <2453 -Ioudaios -> , which is one inwardly <2927 -kruptos -> ; and circumcision <4061 -peritome -> [is that] of the heart <2588 -kardia -> , in the spirit <4151 -pneuma -> , [and] not in the letter <1121 -gramma -> ; whose <3739 -hos -> praise <1868 -epainos -> [is] not of men <0444 -anthropos -> , but of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 002 Much <4183 -polus -> every <3956 -pas -> way <5158 -tropos -> : chiefly <4412 -proton -> , because <3754 -hoti -> that unto them were committed <4100 -pisteuo -> the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 003 For what <5101 -tis -> if <1487 -ei -> some <5100 -tis -> did not believe <0569 -apisteo -> ? shall their unbelief <0570 -apaistia -> make <2673 -katargeo -> the faith <4102 -pistis -> of God <{2316} -theos -> without <2673 -katargeo -> effect <2673 -katargeo -> ?

2316 ROM 003 004 God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : yea <1161 -de -> , let God <{2316} -theos -> be true <0227 -alethes -> , but every <3956 -pas -> man <0444 -anthropos -> a liar <5583 -pseustes -> ; as it is written <1125 -grapho -> , That thou mightest be justified <1344 -dikaioo -> in thy sayings <3056 -logos -> , and mightest overcome <3528 -nikao -> when <3588 -ho -> thou art judged <2919 -krino -> .

2316 ROM 003 005 But if <1487 -ei -> our unrighteousness <0093 -adikia -> commend <4921 -sunistao -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <2316 -theos -> , what <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> ? [Is] God <{2316} -theos -> unrighteous <0094 -adikos -> who <3588 -ho -> taketh <2018 -epiphero -> vengeance <3709 -orge -> ? (I speak <3004 -lego -> as a man <0444 -anthropos ->)

2316 ROM 003 005 But if <1487 -ei -> our unrighteousness <0093 -adikia -> commend <4921 -sunistao -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> , what <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> ? [Is] God <2316 -theos -> unrighteous <0094 -adikos -> who <3588 -ho -> taketh <2018 -epiphero -> vengeance <3709 -orge -> ? (I speak <3004 -lego -> as a man <0444 -anthropos ->)

2316 ROM 003 006 God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : for then how <4459 -pos -> shall God <{2316} -theos -> judge <2919 -krino -> the world <2889 -kosmos -> ?

2316 ROM 003 007 For if <1487 -ei -> the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> hath more abounded <4052 -perisseuo -> through <1722 -en -> my lie <5582 -pseusma -> unto his glory <1391 -doxa -> ; why <5101 -tis -> yet <2089 -eti -> am I also <2504 -kago -> judged <2919 -krino -> as a sinner <0268 -hamartolos -> ?

2316 ROM 003 011 There is none <3756 -ou -> that understandeth <4920 -suniemi -> , there is none <3756 -ou -> that seeketh <1567 -ekzeteo -> after <1567 -ekzeteo -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 018 There is no <3756 -ou -> fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> before <0561 -apenanti -> their eyes

<3788 -ophthalmos -> .

2316 ROM 003 019 . Now <1161 -de -> we know <1492 -eido -> that what <3745 -hosos -> things soever <1437 -ean -> the law <3551 -nomos -> saith <3004 -lego -> , it saith <2980 -laleo -> to them who are under <1722 -en -> the law <3551 -nomos -> : that every <3956 -pas -> mouth <4750 -stoma -> may be stopped <5420 -phrasso -> , and all <3956 -pas -> the world <2889 -kosmos -> may become <1096 -ginomai -> guilty <5267 -hupodikos -> before God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 021 But now <3568 -nun -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> without <5565 -choris -> the law <3551 -nomos -> is manifested <5319 -phaneroo -> , being witnessed <3140 -martureo -> by the law <3551 -nomos -> and the prophets <4396 -prophetes -> ;

2316 ROM 003 022 Even <1161 -de -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> [which is] by faith <4102 -pistis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> unto all <3956 -pas -> and upon all <3956 -pas -> them that believe <4100 -pisteuo -> : for there is no <3756 -ou -> difference <1293 -diastole -> :

2316 ROM 003 023 For all <3956 -pas -> have sinned <0264 -hamartano -> , and come <5302 -hustereo -> short <5302 -hustereo -> of the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 003 025 Whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath set <4388 -protithemai -> forth <4388 -protithemai -> [to be] a propitiation <2435 -hilasterion -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> in his blood <0129 -haima -> , to declare <1732 -endeixis -> his righteousness <1343 -dikaiosune -> for the remission <3929 -paresis -> of sins <0265 -hamartema -> that are past <4266 -proginomai -> , through <1722 -en -> the forbearance <0463 -anoche -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 003 025 Whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath set <4388 -protithemai -> forth <4388 -protithemai -> [to be] a propitiation <2435 -hilasterion -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> in his blood <0129 -haima -> , to declare <1732 -endeixis -> his righteousness <1343 -dikaiosune -> for the remission <3929 -paresis -> of sins <0265 -hamartema -> that are past <4266 -proginomai -> , through <1722 -en -> the forbearance <0463 -anoche -> of God <2316 -theos -> ;

2316 ROM 003 029 [Is he] the God <{2316} -theos -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> only <3440 -monon -> ? [is he] not also <2532 -kai -> of the Gentiles <1484 -ethnos -> ? Yes <3483 -nai -> , of the Gentiles <1484 -ethnos -> also <2532 -kai -> :

2316 ROM 003 030 Seeing <1897 -epeiper -> [it is] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> shall justify <1344 -dikaioo -> the circumcision <4061 -peritome -> by faith <4102 -pistis -> , and uncircumcision <0203 -akrobustia -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 004 002 For if <1487 -ei -> Abraham <0011 -Abraam -> were justified <1344 -dikaioo -> by works <2041 -ergon -> , he hath <2192 -echo -> [whereof] to glory <2745 -kauchema -> ; but not before <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 004 003 For what <5101 -tis -> saith <3004 -lego -> the scripture <1124 -graphe -> ? Abraham <0011 -Abraam -> believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was

counted <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -
dikaiosune -> .

2316 ROM 004 006 Even <2509 -kathaper -> as David <1138 -Dabid -
> also <2532 -kai -> describeth <3004 -lego -> the blessedness
<3108 -makarismos -> of the man <0444 -anthropos -> , unto whom
<3739 -hos -> God <{2316} -theos -> imputeth <3049 -logizomai ->
righteousness <1343 -dikaiosune -> without <5565 -choris ->
works <2041 -ergon -> ,

2316 ROM 004 017 . (As it is written <1125 -grapho -> , I
have made <5087 -tithemi -> thee a father <3962 -pater -> of
many <4183 -polus -> nations <1484 -ethnos -> ,) before <2713
-katenanti -> him whom <3739 -hos -> he believed <4100 -pisteuo -
> , [even] God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho ->
quickeneth <2227 -zoopoieo -> the dead <3498 -nekros -> , and
calleth <2564 -kaleo -> those <3588 -ho -> things which be not
as though they were .

2316 ROM 004 020 He staggered <1252 -diakrino -> not at <1519 -
eis -> the promise <1860 -epaggelia -> of God <2316 -theos ->
through unbelief <0570 -apaistia -> ; but was strong <1743 -
endunamoo -> in faith <4102 -pistis -> , giving glory <1391 -
doxa -> to God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 004 020 He staggered <1252 -diakrino -> not at <1519 -
eis -> the promise <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos ->
through unbelief <0570 -apaistia -> ; but was strong <1743 -
endunamoo -> in faith <4102 -pistis -> , giving glory <1391 -
doxa -> to God <2316 -theos -> ;

2316 ROM 005 001 . Therefore <3767 -oun -> being justified
<1344 -dikaioo -> by faith <4102 -pistis -> , we have <2192 -
echo -> peace <1515 -eirene -> with God <{2316} -theos ->
through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 ROM 005 002 By whom <3739 -hos -> also <2532 -kai -> we
have <2192 -echo -> access <4318 -prosagoge -> by faith <4102 -
pistis -> into <1519 -eis -> this <5026 -taute -> grace <5485 -
charis -> wherein <3757 -hou -> we stand <2476 -histemi -> ,
and rejoice <2744 -kauchaomai -> in hope <1680 -elpis -> of the
glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 005 005 And hope <1680 -elpis -> maketh <2617 -
kataischuno -> not ashamed <2617 -kataischuno -> ; because
<3754 -hoti -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos ->
is shed <1632 -ekcheo -> abroad <1632 -ekcheo -> in our hearts
<2588 -kardia -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -
pneuma -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> unto us .

2316 ROM 005 008 But God <{2316} -theos -> commendeth <4921 -
sunistao -> his love <0026 -agape -> toward <1519 -eis -> us ,
in that , while we were yet <2089 -eti -> sinners <0268 -
hamartolos -> , Christ <5547 -Christos -> died <0599 -
apothnesko -> for us .

2316 ROM 005 010 For if <1477 -hedraioma -> , when we were
enemies <2190 -echthros -> , we were reconciled <2644 -
katallasso -> to God <{2316} -theos -> by the death <2288 -
thanatos -> of his Son <5207 -huios -> , much <4183 -polus ->
more <3123 -mallon -> , being reconciled <2644 -katallasso -> ,
we shall be saved <4982 -sozo -> by his life <2222 -zoe -> .

2316 ROM 005 011 And not only <3440 -monon -> [so] , but
we also <2532 -kai -> joy <2744 -kauchaomai -> in God <{2316} -

theos -> through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , by whom <3739 -hos -> we have now <3568 -nun -> received <2983 -lambano -> the atonement <2643 -katallage -> .

2316 ROM 005 015 But not as the offence <3900 -paraptoma -> , so <3779 -houto -> also <2532 -kai -> [is] the free <5486 -charisma -> gift <5486 -charisma -> . For if <1477 -hedraioma -> through the offence <3900 -paraptoma -> of one <1520 -heis -> many <4183 -polus -> be dead <0599 -apothnesko -> , much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , and the gift <1431 -dorea -> by grace <5485 -charis -> , [which <3588 -ho -> is] by one <1520 -heis -> man , Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , hath abounded <4052 -perisseuo -> unto many <4183 -polus -> .

2316 ROM 006 010 For in that he died <0599 -apothnesko -> , he died <0599 -apothnesko -> unto sin <0266 -hamartia -> once <2178 -ephapax -> : but in that he liveth <2198 -zao -> , he liveth <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 006 011 Likewise <3779 -houto -> reckon <3049 -logizomai -> ye also <2532 -kai -> yourselves <1438 -heautou -> to be dead <3498 -nekros -> indeed <3303 -men -> unto sin <0266 -hamartia -> , but alive <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 006 013 Neither <3366 -mede -> yield <3936 -paristemi -> ye your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of unrighteousness <0093 -adikia -> unto sin <0266 -hamartia -> : but yield <3936 -paristemi -> yourselves <1438 -heautou -> unto God <2316 -theos -> , as those that are alive <2198 -zao -> from the dead <3498 -nekros -> , and your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 006 013 Neither <3366 -mede -> yield <3936 -paristemi -> ye your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of unrighteousness <0093 -adikia -> unto sin <0266 -hamartia -> : but yield <3936 -paristemi -> yourselves <1438 -heautou -> unto God <{2316} -theos -> , as those that are alive <2198 -zao -> from the dead <3498 -nekros -> , and your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> unto God <2316 -theos -> .

2316 ROM 006 017 But God <{2316} -theos -> be thanked <5485 -charis -> , that ye were the servants <1401 -doulos -> of sin <0266 -hamartia -> , but ye have obeyed <5219 -hupakouo -> from the heart <2588 -kardia -> that form <5179 -tupos -> of doctrine <1322 -didache -> which <3739 -hos -> was delivered <3860 -paradidomi -> you .

2316 ROM 006 022 But now <3570 -nuni -> being made <1659 -eleutheroo -> free <1659 -eleutheroo -> from sin <0266 -hamartia -> , and become <1402 -douloo -> servants <1402 -douloo -> to God <{2316} -theos -> , ye have <2192 -echo -> your <5216 -humon -> fruit <2590 -karpos -> unto holiness <0038 -hagiasmos -> , and the end <5056 -telos -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 ROM 006 023 For the wages <3800 -opsonion -> of sin <0266 -hamartia -> [is] death <2288 -thanatos -> ; but the gift <5486 -charisma -> of God <{2316} -theos -> [is] eternal

<0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 007 004 Wherefore <5620 -hoste -> , my brethren <0080 -adephos -> , ye also <2532 -kai -> are become <2289 -thanatoo -> dead <2289 -thanatoo -> to the law <3551 -nomos -> by the body <4983 -soma -> of Christ <5547 -Christos -> ; that ye should be married <1096 -ginomai -> to another <2087 -heteros -> , [even] to him who is raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> , that we should bring <2592 -karpophoreo -> forth fruit <2592 -karpophoreo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 007 022 For I delight <4913 -sunedomai -> in the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> after <2596 -kata -> the inward <2080 -eso -> man <0444 -anthropos -> :

2316 ROM 007 025 I thank <2168 -eucharisteo -> God <2316 -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> . So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> with the mind <3563 -nous -> I myself serve <1398 -douleuo -> the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> ; but with the flesh <4561 -sarx -> the law <3551 -nomos -> of sin <0266 -hamartia -> .

2316 ROM 007 025 I thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> . So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> with the mind <3563 -nous -> I myself serve <1398 -douleuo -> the law <3551 -nomos -> of God <2316 -theos -> ; but with the flesh <4561 -sarx -> the law <3551 -nomos -> of sin <0266 -hamartia -> .

2316 ROM 008 003 For what <3588 -ho -> the law <3551 -nomos -> could <0102 -adunatos -> not do , in that it was weak <0770 -astheneo -> through <1223 -dia -> the flesh <4561 -sarx -> , God <{2316} -theos -> sending <3992 -pempo -> his own <1438 -heautou -> Son <5207 -huios -> in the likeness <3667 -homoioma -> of sinful <0266 -hamartia -> flesh <4561 -sarx -> , and for sin <0266 -hamartia -> , condemned <2632 -katakrino -> sin <0266 -hamartia -> in the flesh <4561 -sarx -> :

2316 ROM 008 007 Because <1360 -dioti -> the carnal <4561 -sarx -> mind <5427 -phronema -> [is] enmity <2189 -echthra -> against <1519 -eis -> God <2316 -theos -> : for it is not subject <5293 -hupotasso -> to the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> , neither <3761 -oude -> indeed <1063 -gar -> can <1410 -dunamai -> be .

2316 ROM 008 007 Because <1360 -dioti -> the carnal <4561 -sarx -> mind <5427 -phronema -> [is] enmity <2189 -echthra -> against <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> : for it is not subject <5293 -hupotasso -> to the law <3551 -nomos -> of God <2316 -theos -> , neither <3761 -oude -> indeed <1063 -gar -> can <1410 -dunamai -> be .

2316 ROM 008 008 So then <1161 -de -> they that are in the flesh <4561 -sarx -> cannot <1410 -dunamai -> please <0700 -aresko -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 009 But ye are not in the flesh <4561 -sarx -> , but in the Spirit <4151 -pneuma -> , if <1512 -ei per -> so be that the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> dwell <3611 -oikeo -> in you . Now <1161 -de -> if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man have <2192 -echo -> not the Spirit <4151 -pneuma -> of Christ <5547 -Christos -> , he is none <3756 -ou -

> of his .

2316 ROM 008 014 For as many <3745 -hosos -> as are led <0071 -
ago -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> ,
they are the sons <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 014 For as many <3745 -hosos -> as are led <0071 -
ago -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> ,
 they are the sons <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 008 016 The Spirit <4151 -pneuma -> itself <0846 -
autos -> beareth <4828 -summartureo -> witness <4828 -
summartureo -> with our spirit <4151 -pneuma -> , that we are
the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> :

2316 ROM 008 017 . And if <1487 -ei -> children <5043 -teknon -
> , then <2535 -Kain -> heirs <2818 -kleronomos -> ; heirs
<2818 -kleronomos -> of God <{2316} -theos -> , and joint -
heirs <4789 -sugkleronomos -> with Christ <5547 -Christos -> ;
if <1512 -ei per -> so be that we suffer <4841 -sumpascho ->
with [him] , that we may be also <2532 -kai -> glorified
<4888 -sundoxazo -> together <4888 -sundoxazo -> .

2316 ROM 008 019 For the earnest <0603 -apokaradokia ->
expectation <0603 -apokaradokia -> of the creature <2937 -ktisis
-> waiteth <0553 -apekdechomai -> for the manifestation <0602 -
apokalupsis -> of the sons <5207 -huios -> of God <{2316} -theos
-> .

2316 ROM 008 021 Because <3754 -hoti -> the creature <2937 -
ktisis -> itself <0846 -autos -> also <2532 -kai -> shall be
delivered <1659 -eleutheroo -> from the bondage <1397 -douleia -
> of corruption <5356 -phthora -> into <1519 -eis -> the
glorious <1391 -doxa -> liberty <1657 -eleutheria -> of the
children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 027 And he that searcheth <2045 -ereunao -> the
hearts <2588 -kardia -> knoweth <1492 -eido -> what <5101 -tis -
> [is] the mind <5427 -phronema -> of the Spirit <4151 -
pneuma -> , because <3754 -hoti -> he maketh <1793 -entugchano -
> intercession <1793 -entugchano -> for the saints <0040 -hagios
-> according <2596 -kata -> to [the will of] God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 008 028 And we know <1492 -eido -> that all <3956 -pas
-> things work <4903 -sunergeo -> together <4903 -sunergeo ->
for good <0018 -agathos -> to them that love <0025 -agapao ->
God <{2316} -theos -> , to them who are the called <2822 -
kletos -> according <2596 -kata -> to [his] purpose <4286 -
prothesis -> .

2316 ROM 008 031 . What <5101 -tis -> shall we then <3767 -oun
-> say <2046 -ereo -> to these <5023 -tauta -> things ? If
<1487 -ei -> God <{2316} -theos -> [be] for us , who <5101 -
tis -> [can be] against <2596 -kata -> us ?

2316 ROM 008 033 Who <5101 -tis -> shall lay <1458 -egkaleo ->
any thing to the charge <2596 -kata -> of God s <2316 -theos ->
elect <1588 -eklektos -> ?   [It is] God <{2316} -theos ->
that justifieth <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 008 033 Who <5101 -tis -> shall lay <1458 -egkaleo ->
any thing to the charge <2596 -kata -> of God s <{2316} -theos -
> elect <1588 -eklektos -> ?   [It is] God <2316 -theos ->
that justifieth <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 008 034 Who <5101 -tis -> [is] he that condemneth <2632 -katakrino -> ? [It is] Christ <5547 -Christos -> that died <0599 -apothnesko -> , yea <1161 -de -> rather <3123 -mallon -> , that is risen <1453 -egeiro -> again <1453 -egeiro -> , who <3739 -hos -> is even <2532 -kai -> at <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> , who <3739 -hos -> also <2532 -kai -> maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> for us .

2316 ROM 008 039 Nor <3777 -oute -> height <5313 -hupsoma -> , nor <3777 -oute -> depth <0899 -bathos -> , nor <3777 -oute -> any <5100 -tis -> other <2087 -heteros -> creature <2937 -ktisis -> , shall be able <1410 -dunamai -> to separate <5562 -choreo -> us from the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> is in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 009 005 Whose <3739 -hos -> [are] the fathers <3962 -pater -> , and of whom <3739 -hos -> as concerning <2596 -kata -> the flesh <4561 -sarx -> Christ <5547 -Christos -> [came] , who <3588 -ho -> is over <1909 -epi -> all <3956 -pas -> , God <{2316} -theos -> blessed <2128 -eulogetos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 009 006 . Not as though <3754 -hoti -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> hath taken none <1601 -ekpipto -> effect <1601 -ekpipto -> . For they [are] not all <3956 -pas -> Israel <2474 -Israel -> , which <3588 -ho -> are of Israel <2474 -Israel -> :

2316 ROM 009 008 That is , They which are the children <5043 -teknon -> of the flesh <4561 -sarx -> , these <5023 -tauta -> [are] not the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> : but the children <5043 -teknon -> of the promise <1860 -epaggelia -> are counted <3049 -logizomai -> for the seed <4690 -sperma -> .

2316 ROM 009 011 (For [the children] being not yet <3380 -mepo -> born <1080 -gennao -> , neither <3366 -mede -> having done <4238 -prasso -> any <5100 -tis -> good <0018 -agathos -> or <2228 -e -> evil <2556 -kakos -> , that the purpose <4286 -prothesis -> of God <{2316} -theos -> according <2596 -kata -> to election <1589 -ekloge -> might stand <3306 -meno -> , not of works <2041 -ergon -> , but of him that calleth <2564 -kaleo -> ;)

2316 ROM 009 014 . What <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> then <3767 -oun -> ? [Is there] unrighteousness <0093 -adikia -> with God <{2316} -theos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> .

2316 ROM 009 016 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> [it is] not of him that willeth <2309 -thelo -> , nor <3761 -oude -> of him that runneth <5143 -trecho -> , but of God <{2316} -theos -> that sheweth <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> .

2316 ROM 009 020 Nay <3304 -menounge -> but , O man <0444 -anthropos -> , who <5101 -tis -> art <1488 -ei -> thou that repliest <0470 -antapokrinomai -> against <0470 -antapokrinomai -> God <{2316} -theos -> ? Shall the thing <4110 -plasma -> formed <4110 -plasma -> say <2046 -ereo -> to him that formed <4111 -plasso -> [it] , Why <5101 -tis -> hast thou made <4160 -poieo -> me thus <3779 -houto -> ?

2316 ROM 009 022 [What] if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> , willing <2309 -thelo -> to shew <1731 -endeiknumi -> [his

] wrath <3709 -orge -> , and to make <1107 -gnorizo -> his power <1415 -dunatos -> known <1107 -gnorizo -> , endured <5342 -phero -> with much <4183 -polus -> longsuffering <3115 -makrothumia -> the vessels <4632 -skeuos -> of wrath <3709 -orge -> fitted <2675 -katartizo -> to destruction <0684 -apoleia -> :

2316 ROM 009 026 And it shall come <1511 -einai -> to pass , [that] in the place <5117 -topos -> where <3757 -hou -> it was said <4483 -rheo -> unto them , Ye [are] not my people <2992 -laos -> ; there <1563 -ekei -> shall they be called <2564 -kaleo -> the children <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 010 001 . Brethren <0080 -adephos -> , my heart s <2588 -kardia -> desire <2107 -eudokia -> and prayer <1162 -deesis -> to God <{2316} -theos -> for Israel <2474 -Israel -> is , that they might be saved <4991 -soteria -> .

2316 ROM 010 002 For I bear <3140 -martureo -> them record <3140 -martureo -> that they have <2192 -echo -> a zeal <2205 -zelos -> of God <{2316} -theos -> , but not according <2596 -kata -> to knowledge <1922 -epignosis -> .

2316 ROM 010 003 For they being ignorant <0050 -agnoeo -> of God s <2316 -theos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and going <2212 -zeteo -> about <2212 -zeteo -> to establish <2476 -histemi -> their own <2398 -idios -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , have not submitted <5293 -hupotasso -> themselves unto the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 010 003 For they being ignorant <0050 -agnoeo -> of God s <{2316} -theos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and going <2212 -zeteo -> about <2212 -zeteo -> to establish <2476 -histemi -> their own <2398 -idios -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , have not submitted <5293 -hupotasso -> themselves unto the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 010 009 That if <1437 -ean -> thou shalt confess <3670 -homologeo -> with thy mouth <4750 -stoma -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and shalt believe <4100 -pisteuo -> in thine <4675 -sou -> heart <2588 -kardia -> that God <{2316} -theos -> hath raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> , thou shalt be saved <4982 -sozo -> .

2316 ROM 010 017 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> faith <4102 -pistis -> [cometh] by hearing <0189 -akoe -> , and hearing <0189 -akoe -> by the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 011 001 . I say <2046 -ereo -> then <3767 -oun -> , Hath God <{2316} -theos -> cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> . For I also <2532 -kai -> am <1510 -eimi -> an Israelite <2475 -Israelites -> , of the seed <4690 -sperma -> of Abraham <11> , [of] the tribe <5443 -phule -> of Benjamin <0958 -Beniamin -> .

2316 ROM 011 002 God <2316 -theos -> hath not cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> which <3739 -hos -> he foreknew <4267 -proginosko -> . Wot <1492 -eido -> ye not what <5101 -tis -> the scripture <1124 -graphe -> saith <3004 -lego -> of Elias <2243 -Helias -> ? how <5613 -hos -> he maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> to God <{2316} -theos -> against <2596 -kata ->

Israel <2474 -Israel -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 ROM 011 002 God <{2316} -theos -> hath not cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> which <3739 -hos -> he foreknew <4267 -proginosko -> . Wot <1492 -eido -> ye not what <5101 -tis -> the scripture <1124 -graphe -> saith <3004 -lego -> of Elias <2243 -Helias -> ? how <5613 -hos -> he maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> to God <2316 -theos -> against <2596 -kata -> Israel <2474 -Israel -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 ROM 011 008 (According as it is written <1125 -grapho -> , God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> them the spirit <4151 -pneuma -> of slumber <2659 -katanuxis -> , eyes <3788 -ophthalmos -> that they should not see <0991 -blepo -> , and ears <3775 -ous -> that they should not hear <0191 -akouo -> ;) unto this <4594 -semeron -> day <2250 -hemera -> .

2316 ROM 011 021 For if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> spared <5339 -pheidomai -> not the natural <5449 -phusis -> branches <2798 -klados -> ,   [take heed] lest <3381 -mepos -> he also <3761 -oude -> spare <5339 -pheidomai -> not thee .

2316 ROM 011 022 Behold <1492 -eido -> therefore <3767 -oun -> the goodness <5544 -chrestotes -> and severity <0663 -apotomia -> of God <{2316} -theos -> : on <1909 -epi -> them which fell <4098 -pipto -> , severity <0663 -apotomia -> ; but toward <1909 -epi -> thee , goodness <5544 -chrestotes -> , if <1437 -ean -> thou continue <1961 -epimeno -> in [his] goodness <5544 -chrestotes -> : otherwise <1893 -epei -> thou also <2532 -kai -> shalt be cut <1581 -ekkopto -> off <1581 -ekkopto -> .

2316 ROM 011 023 And they also <1161 -de -> , if <1437 -ean -> they abide <1961 -epimeno -> not still in unbelief <0570 -apaistia -> , shall be graffed <1461 -egkentrizo -> in : for God <{2316} -theos -> is able <1415 -dunatos -> to graff <1461 -egkentrizo -> them in again <3825 -palin -> .

2316 ROM 011 029 For the gifts <5486 -charisma -> and calling <2821 -klesis -> of God <{2316} -theos -> [are] without <0278 -ametameletos -> repentance <0278 -ametameletos -> .

2316 ROM 011 030 For as ye in times <4218 -pote -> past have not believed <0544 -apeitheo -> God <{2316} -theos -> , yet have now <3568 -nun -> obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> through their unbelief <0543 -apeitheia -> :

2316 ROM 011 032 For God <{2316} -theos -> hath concluded <4788 -sugkleio -> them all <3956 -pas -> in unbelief <0543 -apeitheia -> , that he might have mercy <1653 -eleeo -> upon all <3956 -pas -> .

2316 ROM 011 033 . O the depth <0899 -bathos -> of the riches <4149 -ploutos -> both <2532 -kai -> of the wisdom <4678 -sophia -> and knowledge <1108 -gnosis -> of God <{2316} -theos -> ! how <5613 -hos -> unsearchable <0419 -anexereunetos -> [are] his judgments <2917 -krima -> , and his ways <3598 -hodos -> past <0421 -anexichniastos -> finding <0421 -anexichniastos -> out !

2316 ROM 012 001 . I beseech <3870 -parakaleo -> you therefore <3767 -oun -> , brethren <0080 -adephos -> , by the mercies <3628 -oiktirmos -> of God <2316 -theos -> , that ye present <3936 -paristemi -> your <5216 -humon -> bodies <4983 -soma -> a living <2198 -zao -> sacrifice <2378 -thusia -> , holy <0040 -hagios -> , acceptable <2101 -euarestos -> unto God <{2316} -

theos -> , [which is] your <5216 -humon -> reasonable <3050 -logikos -> service <2999 -latreia -> .

2316 ROM 012 001 . I beseech <3870 -parakaleo -> you therefore <3767 -oun -> , brethren <0080 -adephos -> , by the mercies <3628 -oiktirmos -> of God <{2316} -theos -> , that ye present <3936 -paristemi -> your <5216 -humon -> bodies <4983 -soma -> a living <2198 -zao -> sacrifice <2378 -thusia -> , holy <0040 -hagios -> , acceptable <2101 -euarestos -> unto God <2316 -theos -> , [which is] your <5216 -humon -> reasonable <3050 -logikos -> service <2999 -latreia -> .

2316 ROM 012 002 And be not conformed <4964 -suschematizo -> to this <5129 -toutoi -> world <0165 -aion -> : but be ye transformed <3339 -metamorphoo -> by the renewing <0342 -anakainosis -> of your <5216 -humon -> mind <3563 -nous -> , that ye may prove <1381 -dokimazo -> what <5101 -tis -> [is] that good <0018 -agathos -> , and acceptable <2101 -euarestos -> , and perfect <5046 -teleios -> , will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 012 003 For I say <3004 -lego -> , through <1223 -dia -> the grace <5485 -charis -> given <1325 -didomi -> unto me , to every <3956 -pas -> man that is among <1722 -en -> you , not to think <5252 -huperphroneo -> [of himself] more <3844 -para -> highly <5252 -huperphroneo -> than he ought <1163 -dei -> to think <5426 -phroneo -> ; but to think <5426 -phroneo -> soberly <4993 -sophroneo -> , according as God <{2316} -theos -> hath dealt <3307 -merizo -> to every <1538 -hekastos -> man the measure <3358 -metron -> of faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 013 001 . Let every <3956 -pas -> soul <5590 -psuche -> be subject <5293 -hupotasso -> unto the higher <5242 -huperecho -> powers <1849 -exousia -> . For there is no <3756 -ou -> power <1849 -exousia -> but of God <2316 -theos -> : the powers <1849 -exousia -> that be are ordained <5021 -tasso -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 013 001 . Let every <3956 -pas -> soul <5590 -psuche -> be subject <5293 -hupotasso -> unto the higher <5242 -huperecho -> powers <1849 -exousia -> . For there is no <3756 -ou -> power <1849 -exousia -> but of God <{2316} -theos -> : the powers <1849 -exousia -> that be are ordained <5021 -tasso -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 013 002 Whosoever <3588 -ho -> therefore <5620 -hoste -> resisteth <0498 -antitassomai -> the power <1849 -exousia -> , resisteth <0436 -anthistemi -> the ordinance <1296 -diatage -> of God <{2316} -theos -> : and they that resist <0436 -anthistemi -> shall receive <2983 -lambano -> to themselves <1438 -heautou -> damnation <2917 -krima -> .

2316 ROM 013 004 For he is the minister <1249 -diakonos -> of God <2316 -theos -> to thee for good <0018 -agathos -> . But if <1437 -ean -> thou do <4160 -poieo -> that which is evil <2556 -kakos -> , be afraid <5399 -phobeo -> ; for he beareth <5409 -phoreo -> not the sword <3162 -machaira -> in vain <1500 -eike -> : for he is the minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , a revenger <1558 -ekdikos -> to [execute] wrath <3709 -orge -> upon him that doeth <4238 -prasso -> evil <2556 -kakos -> .

2316 ROM 013 004 For he is the minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> to thee for good <0018 -agathos -> . But if <1437 -ean -> thou do <4160 -poieo -> that which is evil <2556 -kakos -> , be afraid <5399 -phobeo -> ; for he beareth

<5409 -phoreo -> not the sword <3162 -machaira -> in vain <1500 -
eike -> : for he is the minister <1249 -diakonos -> of God
<2316 -theos -> , a revenger <1558 -ekdikos -> to [execute]
wrath <3709 -orge -> upon him that doeth <4238 -prasso -> evil
<2556 -kakos -> .

2316 ROM 013 006 For for this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -
> pay <5055 -teleo -> ye tribute <5411 -phoros -> also <2532 -
kai -> : for they are God s <{2316} -theos -> ministers <3011 -
leitourgos -> , attending <4342 -proskartereo -> continually
<4342 -proskartereo -> upon this <5124 -touto -> very <0846 -
autos -> thing .

2316 ROM 014 003 Let not him that eateth <2068 -esthio ->
despise <1848 -exoutheneo -> him that eateth <2068 -esthio ->
not ; and let not him which eateth <2068 -esthio -> not judge
<2919 -krino -> him that eateth <2068 -esthio -> : for God
<{2316} -theos -> hath received <4355 -proslambano -> him .

2316 ROM 014 004 Who <5101 -tis -> art <1488 -ei -> thou that
judgest <2919 -krino -> another <0245 -allotrios -> man s <0245 -
allotrios -> servant <3610 -oiketes -> ? to his own <2398 -
idios -> master <2962 -kurios -> he standeth <4739 -steko -> or
<2228 -e -> falleth <4098 -pipto -> . Yea <0235 -alla -> , he
shall be holden up : for God <{2316} -theos -> is able <1415 -
dunatos -> to make <2476 -histemi -> him stand <2476 -histemi ->
.

2316 ROM 014 006 He that regardeth <5426 -phroneo -> the day
<2250 -hemera -> , regardeth <5426 -phroneo -> [it] unto
the Lord <2962 -kurios -> ; and he that regardeth <5426 -
phroneo -> not the day <2250 -hemera -> , to the Lord <2962 -
kurios -> he doth not regard <5426 -phroneo -> [it] . He
that eateth <2068 -esthio -> , eateth <2068 -esthio -> to the
Lord <2962 -kurios -> , for he giveth God <2316 -theos ->
thanks <2168 -eucharisteo -> ; and he that eateth <2068 -esthio
-> not , to the Lord <2962 -kurios -> he eateth <2068 -esthio -
> not , and giveth God <{2316} -theos -> thanks <2168 -
eucharisteo -> .

2316 ROM 014 006 He that regardeth <5426 -phroneo -> the day
<2250 -hemera -> , regardeth <5426 -phroneo -> [it] unto
the Lord <2962 -kurios -> ; and he that regardeth <5426 -
phroneo -> not the day <2250 -hemera -> , to the Lord <2962 -
kurios -> he doth not regard <5426 -phroneo -> [it] . He
that eateth <2068 -esthio -> , eateth <2068 -esthio -> to the
Lord <2962 -kurios -> , for he giveth God <{2316} -theos ->
thanks <2168 -eucharisteo -> ; and he that eateth <2068 -esthio
-> not , to the Lord <2962 -kurios -> he eateth <2068 -esthio -
> not , and giveth God <{2316} -theos -> thanks <2168 -
eucharisteo -> .

2316 ROM 014 011 For it is written <1125 -grapho -> ,   [As]
I live <2198 -zao -> , saith <3004 -lego -> the Lord <2962 -
kurios -> , every <3956 -pas -> knee <1119 -gonu -> shall bow
<2578 -kampto -> to me , and every <3956 -pas -> tongue <1100 -
glossa -> shall confess <1843 -exomologeo -> to God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 014 012 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> every
<1538 -hekastos -> one of us shall give <1325 -didomi -> account
<3056 -logos -> of himself <1438 -heautou -> to God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 014 017 For the kingdom <0932 -basileia -> of God
<{2316} -theos -> is not meat <1035 -brosis -> and drink <4213 -

posis -> ; but righteousness <1343 -dikaiosune -> , and peace <1515 -eirene -> , and joy <5479 -chara -> in the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 014 018 For he that in these <5125 -toutois -> things serveth <1398 -douleuo -> Christ <5547 -Christos -> [is] acceptable <2101 -euarestos -> to God <{2316} -theos -> , and approved <1384 -dokimos -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 ROM 014 020 For meat <1033 -broma -> destroy <2647 -kataluo -> not the work <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> . All <3956 -pas -> things indeed <3303 -men -> [are] pure <2513 -katharos -> ; but [it is] evil <2556 -kakos -> for that man <0444 -anthropos -> who <3588 -ho -> eateth <2068 -esthio -> with offence <4348 -proskomma -> .

2316 ROM 014 022 Hast <2192 -echo -> thou faith <4102 -pistis -> ? have <2192 -echo -> [it] to thyself <4572 -seautou -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> . Happy <3107 -makarios -> [is] he that condemneth <4314 -pros -> not himself <1438 -heautou -> in that thing which <3739 -hos -> he alloweth <1381 -dokimazo -> .

2316 ROM 015 005 . Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of patience <5281 -hupomone -> and consolation <3874 -paraklesis -> grant <1325 -didomi -> you to be likeminded <5426 -phroneo -> one <0240 -allelon -> toward <1722 -en -> another <0240 -allelon -> according <2596 -kata -> to Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 ROM 015 006 That ye may with one <3661 -homothumadon -> mind <3661 -homothumadon -> [and] one <1520 -heis -> mouth <4750 -stoma -> glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 015 007 . Wherefore <1352 -dio -> receive <4355 -proslambano -> ye one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , as Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> received <4355 -proslambano -> us to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 015 008 Now <1160 -dapane -> I say <3004 -lego -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> was a minister <1249 -diakonos -> of the circumcision <4061 -peritome -> for the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> , to confirm <0950 -bebaioo -> the promises <1860 -epaggelia -> [made] unto the fathers <3962 -pater -> :

2316 ROM 015 009 And that the Gentiles <1484 -ethnos -> might glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for [his] mercy <1656 -eleos -> ; as it is written <1125 -grapho -> , For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> I will confess <1843 -exomologeo -> to thee among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> , and sing <5567 -psallo -> unto thy name <3686 -onoma -> .

2316 ROM 015 013 . Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of hope <1680 -elpis -> fill <4137 -pleroo -> you with all <3956 -pas -> joy <5479 -chara -> and peace <1515 -eirene -> in believing <4100 -pisteuo -> , that ye may abound <4052 -perisseuo -> in hope <1680 -elpis -> , through <1722 -en -> the power <1411 -dunamis -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 015 015 Nevertheless <1161 -de -> , brethren <0080 -

adephos -> , I have written <1125 -grapho -> the more <5112 -tolmeroteron -> boldly <5112 -tolmeroteron -> unto you in some <3313 -meros -> sort <3313 -meros -> , as putting <1878 -epanamimnesko -> you in mind <1878 -epanamimnesko -> , because <1223 -dia -> of the grace <5485 -charis -> that is given <1325 -didomi -> to me of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 015 016 That I should be the minister <3011 -leitourgos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> , ministering <2418 -hierourgeo -> the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> , that the offering <4376 -prosphora -> up of the Gentiles <1484 -ethnos -> might be acceptable <2144 -euprosdektos -> , being sanctified <0037 -hagiazo -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 015 017 . I have <2192 -echo -> therefore <3767 -oun -> whereof I may glory <2746 -kauchesis -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> in those <3588 -ho -> things which pertain to God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 015 019 Through <1722 -en -> mighty <1411 -dunamis -> signs <4591 -semaino -> and wonders <5059 -teras -> , by the power <1411 -dunamis -> of the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> ; so <5620 -hoste -> that from Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , and round <2943 -kuklothen -> about <2945 -kukloi -> unto Illyricum <2437 -Illurikon -> , I have fully <4137 -pleroo -> preached <4137 -pleroo -> the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 015 030 . Now <1161 -de -> I beseech <3870 -parakaleo -> you , brethren <0080 -adephos -> , for the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ s <5547 -Christos -> sake , and for the love <0026 -agape -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , that ye strive <4865 -sunagonizomai -> together <4865 -sunagonizomai -> with me in [your <3588 -ho ->] prayers <4335 -proseuche -> to God <{2316} -theos -> for me ;

2316 ROM 015 032 That I may come <2064 -erchomai -> unto you with joy <5479 -chara -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and may with you be refreshed <4875 -sunanapauomai -> .

2316 ROM 015 033 Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> [be] with you all <3956 -pas -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 016 020 And the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> shall bruise <4937 -suntribo -> Satan <4567 -Satanas -> under <5259 -hupo -> your <5216 -humon -> feet <4228 -pous -> shortly <5034 -tachos -> . The grace <5485 -charis -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> [be] with you . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 016 026 But now <3568 -nun -> is made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> , and by the scriptures <1124 -graphe -> of the prophets <4397 -prophetikos -> , according <2596 -kata -> to the commandment <2003 -epitage -> of the everlasting <0166 -aionios -> God <{2316} -theos -> , made <1107 -gnorizo -> known <1107 -gnorizo -> to all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> for the obedience <5218 -hupakoe -> of faith <4102 -pistis -> :

2316 ROM 016 027 To God <{2316} -theos -> only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ,   [be] glory <1391 -doxa -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ

<5547 -Christos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -
> .

2316 1CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , called <2822 -
kletos -> [to be] an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus
<2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> through <1223 -dia ->
the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and
Sosthenes <4988 -Sosthenes -> [our] brother <0080 -adephos -
> ,

2316 1CO 001 002 Unto the church <1577 -ekklesia -> of God
<{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth
<2882 -Korinthos -> , to them that are sanctified <0037 -
hagiazo -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ,
 called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> ,
with all <3956 -pas -> that in every <3956 -pas -> place <5117 -
topos -> call <1941 -epikaleomai -> upon the name <3686 -onoma -
> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord
<2962 -kurios -> , both <5037 -te -> theirs and ours <2257 -
hemon -> :

2316 1CO 001 003 Grace <5485 -charis -> [be] unto you ,
and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our
Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -
> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1CO 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <2316 -
theos -> always <3842 -pantote -> on <4012 -peri -> your <5216 -
humon -> behalf <4012 -peri -> , for the grace <5485 -charis ->
of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -
didomi -> you by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> ;

2316 1CO 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -
theos -> always <3842 -pantote -> on <4012 -peri -> your <5216 -
humon -> behalf <4012 -peri -> , for the grace <5485 -charis ->
of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi
-> you by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 1CO 001 009 God <{2316} -theos -> [is] faithful <4103 -
pistos -> , by whom <3739 -hos -> ye were called <2564 -kaleo -
> unto the fellowship <2842 -koinonia -> of his Son <5207 -huios
-> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord
<2962 -kurios -> .

2316 1CO 001 014 . I thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -
theos -> that I baptized <0907 -baptizo -> none <3762 -oudeis ->
of you , but Crispus <2921 -Krispos -> and Gaius <1050 -Gaios -
> ;

2316 1CO 001 018 For the preaching <3056 -logos -> of the cross
<4716 -stauros -> is to them that perish <0622 -apollumi ->
foolishness <3472 -moria -> ; but unto us which are saved <4982
-sozo -> it is the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos
-> .

2316 1CO 001 020 Where <4226 -pou -> [is] the wise <4680 -
sophos - -oneidismos -> ? where <4226 -pou -> [is] the
scribe <1122 -grammateus -> ? where <4226 -pou -> [is] the
disputer <4804 -suzetetes -> of this <5127 -toutou -> world
<0165 -aion -> ? hath not God <{2316} -theos -> made <3471 -
moraino -> foolish <3471 -moraino -> the wisdom <4678 -sophia ->
of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> ?

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom
<4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> the world <2889 -kosmos -

> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <{2316} -theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> the world <2889 -kosmos -> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God <{2316} -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <2316 -theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> the world <2889 -kosmos -> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <2316 -theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1CO 001 024 But unto them which <3588 -ho -> are called <2822 -kletos -> , both <5037 -te -> Jews <2453 -Ioudaios -> and Greeks <1672 -Hellen -> , Christ <5547 -Christos -> the power <1411 -dunamis -> of God <2316 -theos -> , and the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 001 024 But unto them which <3588 -ho -> are called <2822 -kletos -> , both <5037 -te -> Jews <2453 -Ioudaios -> and Greeks <1672 -Hellen -> , Christ <5547 -Christos -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> , and the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 001 025 Because <3754 -hoti -> the foolishness <3474 -moros -> of God <2316 -theos -> is wiser <4680 -sophos - -oneidismos -> than men <0444 -anthropos -> ; and the weakness <0772 -asthenes -> of God <{2316} -theos -> is stronger <2478 -ischuros -> than men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 001 025 Because <3754 -hoti -> the foolishness <3474 -moros -> of God <{2316} -theos -> is wiser <4680 -sophos - -oneidismos -> than men <0444 -anthropos -> ; and the weakness <0772 -asthenes -> of God <2316 -theos -> is stronger <2478 -ischuros -> than men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 001 027 But God <2316 -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the foolish <3474 -moros -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ; and God <{2316} -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the weak <0772 -asthenes -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the things which are mighty <2478 -ischuros -> ;

2316 1CO 001 027 But God <{2316} -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the foolish <3474 -moros -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ; and God <2316 -theos -> hath chosen <1586 -eklegomai -> the weak <0772 -asthenes -> things of the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the things which are mighty <2478 -ischuros -> ;

2316 1CO 001 028 And base <0036 -agenes -> things of the world <2889 -kosmos -> , and things which are despised <1848 -exoutheneo -> , hath God <{2316} -theos -> chosen <1586 -eklegomai -> , [yea] , and things which <3588 -ho -> are

not , to bring <2673 -katargeo -> to nought <2673 -katargeo -> things that are :

2316 1CO 001 030 But of him are ye in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3739 -hos -> of God <{2316} -theos -> is made <1096 -ginomai -> unto us wisdom <4678 -sophia -> , and righteousness <1343 -dikaiosune -> , and sanctification <0038 -hagiasmos -> , and redemption <0629 -apolutrosis -> :

2316 1CO 002 001 . And I , brethren <0080 -adephos -> , when I came <2064 -erchomai -> to you , came <2064 -erchomai -> not with excellency <5247 -huperoche -> of speech <3056 -logos -> or <2228 -e -> of wisdom <4678 -sophia -> , declaring <2605 -kataggello -> unto you the testimony <3142 -marturion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 005 That your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> should not stand <1510 -eimi -> in the wisdom <4678 -sophia -> of men <0444 -anthropos -> , but in the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 007 But we speak <2980 -laleo -> the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> in a mystery <3466 -musterion -> , [even] the hidden <0613 -apokrupto -> [wisdom] , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> ordained <4304 -promeletao -> before <4253 -pro -> the world <0165 -aion -> unto our glory <1391 -doxa -> :

2316 1CO 002 007 But we speak <2980 -laleo -> the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> in a mystery <3466 -musterion -> , [even] the hidden <0613 -apokrupto -> [wisdom] , which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> ordained <4304 -promeletao -> before <4253 -pro -> the world <0165 -aion -> unto our glory <1391 -doxa -> :

2316 1CO 002 009 But as it is written <1125 -grapho -> , Eye <3788 -ophthalmos -> hath not seen <1492 -eido -> , nor <3756 -ou -> ear <3775 -ous -> heard <0191 -akouo -> , neither <3756 -ou -> have entered <0305 -anabaino -> into <1909 -epi -> the heart <2588 -kardia -> of man <0444 -anthropos -> , the things which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them that love <0025 -agapao -> him .

2316 1CO 002 010 But God <2316 -theos -> hath revealed <0601 -apokalupto -> [them] unto us by his Spirit <4151 -pneuma -> : for the Spirit <4151 -pneuma -> searcheth <2045 -ereunao -> all <3956 -pas -> things , yea <2532 -kai -> , the deep <0899 -bathos -> things of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 010 But God <{2316} -theos -> hath revealed <0601 -apokalupto -> [them] unto us by his Spirit <4151 -pneuma -> : for the Spirit <4151 -pneuma -> searcheth <2045 -ereunao -> all <3956 -pas -> things , yea <2532 -kai -> , the deep <0899 -bathos -> things of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 011 For what <5101 -tis -> man <0444 -anthropos -> knoweth <1492 -eido -> the things of a man <0444 -anthropos -> , save <1508 -ei me -> the spirit <4151 -pneuma -> of man <0444 -anthropos -> which <3588 -ho -> is in him ? even <2532 -kai -> so <3779 -houto -> the things of God <2316 -theos -> knoweth <1492 -eido -> no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> , but the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 011 For what <5101 -tis -> man <0444 -anthropos -> knoweth <1492 -eido -> the things of a man <0444 -anthropos -> ,

save <1508 -ei me -> the spirit <4151 -pneuma -> of man <0444 -
anthropos -> which <3588 -ho -> is in him ? even <2532 -kai ->
so <3779 -houto -> the things of God <{2316} -theos -> knoweth
<1492 -eido -> no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> , but
the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 012 Now <1161 -de -> we have received <2983 -
lambano -> , not the spirit <4151 -pneuma -> of the world <2889
-kosmos -> , but the spirit <4151 -pneuma -> which <3588 -ho ->
is of God <2316 -theos -> ; that we might know <1492 -eido ->
the things that are freely given <5483 -charizomai -> to us of
God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 012 Now <1161 -de -> we have received <2983 -
lambano -> , not the spirit <4151 -pneuma -> of the world <2889
-kosmos -> , but the spirit <4151 -pneuma -> which <3588 -ho ->
is of God <{2316} -theos -> ; that we might know <1492 -eido ->
the things that are freely given <5483 -charizomai -> to us of
God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 014 But the natural <5591 -psuchikos -> man <0444 -
anthropos -> receiveth <1209 -dechomai -> not the things of the
Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> : for they are
foolishness <3472 -moria -> unto him : neither <3756 -ou -> can
<1410 -dunamai -> he know <1097 -ginosko -> [them] ,
because <3754 -hoti -> they are spiritually <4153 -pneumatikos -
> discerned <0350 -anakrino -> .

2316 1CO 003 006 I have planted <5452 -phuteuo -> , Apollos
<0625 -Apollos -> watered <4222 -potizo -> ; but God <{2316} -
theos -> gave the increase <0837 -auzano -> .

2316 1CO 003 007 So <5620 -hoste -> then neither <3777 -oute ->
is he that planteth <5452 -phuteuo -> any <5100 -tis -> thing ,
neither <3777 -oute -> he that watereth <4222 -potizo -> ; but
God <{2316} -theos -> that giveth the increase <0837 -auzano -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos ->
together <4904 -sunergos -> with God <2316 -theos -> : ye are
God s <2316 -theos -> husbandry <1091 -georgion -> ,   [ye are
] God s <{2316} -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos ->
together <4904 -sunergos -> with God <2316 -theos -> : ye are
God s <{2316} -theos -> husbandry <1091 -georgion -> ,   [ye
are] God s <2316 -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos ->
together <4904 -sunergos -> with God <{2316} -theos -> : ye are
God s <2316 -theos -> husbandry <1091 -georgion -> ,   [ye are
] God s <2316 -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 010 According <2596 -kata -> to the grace <5485 -
charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given
<1325 -didomi -> unto me , as a wise <4680 -sophos - -
oneidismos -> masterbuilder <0753 -architekton -> , I have laid
<5087 -tithemi -> the foundation <2310 -themelios -> , and
another <0243 -allos -> buildeth <2026 -epoikodomeo -> thereon
<2026 -epoikodomeo -> . But let every <1538 -hekastos -> man
take heed <0991 -blepo -> how <4459 -pos -> he buildeth <2026 -
epoikodomeo -> thereupon <2026 -epoikodomeo -> .

2316 1CO 003 016 . Know <1492 -eido -> ye not that ye are the
temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , and [that]
the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> dwelleth
<3611 -oikeo -> in you ?

2316 1CO 003 016 . Know <1492 -eido -> ye not that ye are the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , and [that] the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> dwelleth <3611 -oikeo -> in you ?

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , him shall God <2316 -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , him shall God <{2316} -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , him shall God <2316 -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 019 For the wisdom <4678 -sophia -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> is foolishness <3472 -moria -> with God <{2316} -theos -> . For it is written <1125 -grapho -> , He taketh <1405 -drassomai -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> in their own craftiness <3834 -panourgia -> .

2316 1CO 003 023 And ye are Christ s <5547 -Christos -> ; and Christ <5547 -Christos -> [is] God s <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 001 . Let a man <0444 -anthropos -> so <3779 -houto -> account <3049 -logizomai -> of us , as of the ministers <5257 -huperetes -> of Christ <5547 -Christos -> , and stewards <3623 -oikonomos -> of the mysteries <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 005 Therefore <5620 -hoste -> judge <2919 -krino -> nothing <3385 -meti -> before <4253 -pro -> the time <2540 -kairos -> , until <2193 -heos -> the Lord <2962 -kurios -> come <2064 -erchomai -> , who <3739 -hos -> both <2532 -kai -> will bring <5461 -photizo -> to light <5461 -photizo -> the hidden <2927 -kruptos -> things of darkness <4655 -skotos -> , and will make <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> the counsels <1012 -boule -> of the hearts <2588 -kardia -> : and then <5119 -tote -> shall every <1538 -hekastos -> man have <1096 -ginomai -> praise <1868 -epainos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 009 For I think <1380 -dokeo -> that God <{2316} -theos -> hath set <0584 -apodeiknumi -> forth <0584 -apodeiknumi -> us the apostles <0652 -apostolos -> last <2078 -eschatos -> , as it were appointed <1935 -epithanatios -> to death <1935 -epithanatios -> : for we are made <1096 -ginomai -> a spectacle <2302 -theatron -> unto the world <2889 -kosmos -> , and to angels <0032 -aggelos -> , and to men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 004 020 For the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> [is] not in word <3056 -logos -> , but in power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 005 013 But them that are without <1854 -exo -> God <{2316} -theos -> judgeth <2919 -krino -> . Therefore put <1808 -exairo -> away <1808 -exairo -> from among yourselves <0846 -autos -> that wicked <4190 -poneros -> person .

2316 1CO 006 009 . Know <1492 -eido -> ye not that the unrighteous <0094 -adikos -> shall not inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ? Be not deceived <4105 -planao -> : neither <3777 -oute -> fornicators <4205 -pornos -> , nor <3777 -oute -> idolaters <1496 -eidololatres -> , nor <3777 -oute -> adulterers <3432 -moichos -> , nor <3777 -oute -> effeminate <3120 -malakos -> , nor <3777 -oute -> abusers <0783 -aspasmos -> of themselves with mankind <0733 -arsenokoites -> ,

2316 1CO 006 010 Nor <3777 -oute -> thieves <2812 -kleptes -> , nor <3777 -oute -> covetous <4123 -pleonektes -> , nor <3756 -ou -> drunkards <3183 -methusos -> , nor <3756 -ou -> revilers <3060 -loidoros -> , nor <3756 -ou -> extortioners <0727 -harpax -> , shall inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 011 And such <5023 -tauta -> were some <5100 -tis -> of you : but ye are washed <0628 -apolouo -> , but ye are sanctified <0037 -hagiazo -> , but ye are justified <1344 -dikaioo -> in the name <3686 -onoma -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and by the Spirit <4151 -pneuma -> of our God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 013 Meats <1033 -broma -> for the belly <2836 -koilia -> , and the belly <2836 -koilia -> for meats <1033 -broma -> : but God <{2316} -theos -> shall destroy <2673 -katargeo -> both <2532 -kai -> it and them . Now <1161 -de -> the body <4983 -soma -> [is] not for fornication <4202 -porneia -> , but for the Lord <2962 -kurios -> ; and the Lord <2962 -kurios -> for the body <4983 -soma -> .

2316 1CO 006 014 And God <{2316} -theos -> hath both <2532 -kai -> raised <1453 -egeiro -> up the Lord <2962 -kurios -> , and will also <2532 -kai -> raise <1825 -exegeiro -> up us by his own <0848 -hautou -> power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 006 019 What <2228 -e -> ? know <1492 -eido -> ye not that your <1438 -heautou -> body <4983 -soma -> is the temple <3485 -naos -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> [which is] in you , which <3739 -hos -> ye have <2192 -echo -> of God <{2316} -theos -> , and ye are not your <5216 -humon -> own <1438 -heautou -> ?

2316 1CO 006 020 For ye are bought <0059 -agorazo -> with a price <5092 -time -> : therefore <1211 -de -> glorify <1392 -doxazo -> God <2316 -theos -> in your <5216 -humon -> body <4983 -soma -> , and in your <5216 -humon -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3748 -hostis -> are God s <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 020 For ye are bought <0059 -agorazo -> with a price <5092 -time -> : therefore <1211 -de -> glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in your <5216 -humon -> body <4983 -soma -> , and in your <5216 -humon -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3748 -hostis -> are God s <2316 -theos -> .

2316 1CO 007 007 For I would <2309 -thelo -> that all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> were even <2532 -kai -> as I myself <1683 -emautou -> . But every <1538 -hekastos -> man hath <2192 -echo -> his proper <2398 -idios -> gift <5486 -charisma -> of God <{2316} -theos -> , one <3303 -men -> after

<3779 -houto -> this <3779 -houto -> manner <3779 -houto -> , and another <3588 -ho -> after <3779 -houto -> that .

2316 1CO 007 015 But if <1487 -ei -> the unbelieving <0571 -apistos -> depart <5562 -choreo -> , let him depart <5562 -choreo -> . A brother <0080 -adephos -> or <2228 -e -> a sister <0079 -adelphe -> is not under bondage <1402 -douloo -> in such <5108 -toioutos -> [cases] : but God <{2316} -theos -> hath called <2564 -kaleo -> us to peace <1515 -eirene -> .

2316 1CO 007 017 . But as God <{2316} -theos -> hath distributed <3307 -merizo -> to every <1538 -hekastos -> man , as the Lord <2962 -kurios -> hath called <2564 -kaleo -> every <1538 -hekastos -> one , so <3779 -houto -> let him walk <4043 -peripateo -> . And so <3779 -houto -> ordain <1299 -diatasso -> I in all <3956 -pas -> churches <1577 -ekklesia -> .

2316 1CO 007 019 Circumcision <4061 -peritome -> is nothing <3762 -oudeis -> , and uncircumcision <0203 -akrobustia -> is nothing <3762 -oudeis -> , but the keeping <5084 -teresis -> of the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 007 024 Brethren <0080 -adephos -> , let every <1538 -hekastos -> man , wherein <3757 -hou -> he is called <2564 -kaleo -> , therein <5129 -toutoi -> abide <3306 -meno -> with God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 007 040 But she is happier <3107 -makarios -> if <1437 -ean -> she so <3779 -houto -> abide <3306 -meno -> , after <2596 -kata -> my judgment <1106 -gnome -> : and I think <1380 -dokeo -> also <2504 -kago -> that I have <2192 -echo -> the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 008 003 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , the same <3778 -houtos -> is known <1097 -ginosko -> of him .

2316 1CO 008 004 . As concerning <4012 -peri -> therefore <3767 -oun -> the eating <1035 -brosis -> of those <3588 -ho -> things that are offered <1494 -eidolothuton -> in sacrifice <1494 -eidolothuton -> unto idols <1494 -eidolothuton -> , we know <1492 -eido -> that an idol <1497 -eidolon -> [is] nothing <3762 -oudeis -> in the world <2889 -kosmos -> , and that [there is] none <3762 -oudeis -> other <2087 -heteros -> God <{2316} -theos -> but one <1520 -heis -> .

2316 1CO 008 005 For though <1512 -ei per -> there be that are called <3004 -lego -> gods <2316 -theos -> , whether <1535 -eite -> in heaven <3772 -ouranos -> or <1535 -eite -> in earth <1093 -ge -> , (as there be gods <{2316} -theos -> many <4183 -polus -> , and lords <2962 -kurios -> many <4183 -polus -> ,)

2316 1CO 008 005 For though <1512 -ei per -> there be that are called <3004 -lego -> gods <{2316} -theos -> , whether <1535 -eite -> in heaven <3772 -ouranos -> or <1535 -eite -> in earth <1093 -ge -> , (as there be gods <2316 -theos -> many <4183 -polus -> , and lords <2962 -kurios -> many <4183 -polus -> ,)

2316 1CO 008 006 But to us [there is but] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , the Father <3962 -pater -> , of whom <3739 -hos -> [are] all <3956 -pas -> things , and we in him ; and one <1520 -heis -> Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , by whom <3739 -hos -> [are] all <3956 -pas -> things , and we by him .

2316 1CO 008 008 But meat <1033 -broma -> commendeth <3936 -

paristemi -> us not to God <{2316} -theos -> : for neither <3777 -oute -> , if <1437 -ean -> we eat <5315 -phago -> , are we the better <4052 -perisseuo -> ; neither <3777 -oute -> , if <1437 -ean -> we eat <5315 -phago -> not , are we the worse <5302 -hustereo -> .

2316 1CO 009 009 For it is written <1125 -grapho -> in the law <3551 -nomos -> of Moses <3475 -Moseus -> , Thou shalt not muzzle <5392 -phimoo -> the mouth of the ox <1016 -bous -> that treadeth <0248 -aloao -> out the corn . Doth God <{2316} -theos -> take care <3199 -melo -> for oxen <1016 -bous -> ?

2316 1CO 009 021 To them that are without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> , as without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> ,   (being not without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> to God <{2316} -theos -> , but under <1772 -ennomos -> the law <1772 -ennomos -> to Christ <5547 -Christos -> ,) that I might gain <2770 -kerdaino -> them that are without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> .

2316 1CO 010 005 But with many <4119 -pleion -> of them God <{2316} -theos -> was not well <2106 -eudokeo -> pleased <2106 -eudokeo -> : for they were overthrown <2693 -katastronnumi -> in the wilderness <2048 -eremos -> .

2316 1CO 010 013 There hath no <3756 -ou -> temptation <3986 -peirasmos -> taken <2983 -lambano -> you but such as is common <0442 -anthropinos -> to man <0442 -anthropinos -> : but God <{2316} -theos -> [is] faithful <4103 -pistos -> , who <3739 -hos -> will not suffer <1439 -eao -> you to be tempted <3985 -peirazo -> above <5228 -huper -> that ye are able <1410 -dunamai -> ; but will with the temptation <3986 -peirasmos -> also <2532 -kai -> make <4160 -poieo -> a way <1545 -ekbasis -> to escape <1545 -ekbasis -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to bear <5297 -hupophero -> [it] .

2316 1CO 010 020 But I [say] , that the things which <3739 -hos -> the Gentiles <1484 -ethnos -> sacrifice <2380 -thuo -> , they sacrifice <2380 -thuo -> to devils <1140 -daimonion -> , and not to God <{2316} -theos -> : and I would <2309 -thelo -> not that ye should have fellowship <2844 -koinonos -> with devils <1140 -daimonion -> .

2316 1CO 010 031 Whether <1535 -eite -> therefore <3767 -oun -> ye eat <2068 -esthio -> , or <1535 -eite -> drink <4095 -pino -> , or <1535 -eite -> whatsoever <5100 -tis -> ye do <4160 -poieo -> , do <4160 -poieo -> all <3956 -pas -> to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 010 032 Give <1096 -ginomai -> none <0677 -aproskopos -> offence <0677 -aproskopos -> , neither to the Jews <2453 -Ioudaios -> , nor <2532 -kai -> to the Gentiles <1672 -Hellen -> , nor <2532 -kai -> to the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> :

2316 1CO 011 003 But I would <2309 -thelo -> have you know <1492 -eido -> , that the head <2776 -kephale -> of every <3956 -pas -> man <0435 -aner -> is Christ <5547 -Christos -> ; and the head <2776 -kephale -> of the woman <1135 -gune -> [is] the man <0435 -aner -> ; and the head <2776 -kephale -> of Christ <5547 -Christos -> [is] God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 007 For a man <0435 -aner -> indeed <3303 -men -> ought <3784 -opheilo -> not to cover <2619 -katakalupto -> [his] head <2776 -kephale -> , forasmuch as he is the image <1504 -eikon -> and glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -

> : but the woman <1135 -gune -> is the glory <1391 -doxa -> of the man <0435 -aner -> .

2316 1CO 011 012 For as the woman <1135 -gune -> [is] of the man <0435 -aner -> , even so <3779 -houto -> [is] the man <0435 -aner -> also <2532 -kai -> by the woman <1135 -gune -> ; but all <3956 -pas -> things of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 013 Judge <2919 -krino -> in yourselves <0846 -autos -> : is it comely <4241 -prepo -> that a woman <1135 -gune -> pray <4336 -proseuchomai -> unto God <{2316} -theos -> uncovered <0177 -akatakaluptos -> ?

2316 1CO 011 016 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man seem <1380 -dokeo -> to be contentious <5380 -philoneikos -> , we have <2192 -echo -> no <3756 -ou -> such <5108 -toioutos -> custom <4914 -sunetheia -> , neither <3761 -oude -> the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 022 What <1063 -gar -> ? have <2192 -echo -> ye not houses <3614 -oikia -> to eat <2068 -esthio -> and to drink <4095 -pino -> in ? or <2228 -e -> despise <2706 -kataphroneo -> ye the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , and shame <2617 -kataischuno -> them that have <2192 -echo -> not ? What <5101 -tis -> shall I say <2036 -epo -> to you ? shall I praise <1867 -epaineo -> you in this <5129 -toutoi -> ? I praise <1867 -epaineo -> [you] not .

2316 1CO 012 003 Wherefore <1352 -dio -> I give you to understand <1107 -gnorizo -> , that no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> speaking <2980 -laleo -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> calleth <3004 -lego -> Jesus <2424 -Iesous -> accursed <0331 -anathema -> : and [that] no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> say <2036 -epo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Lord <2962 -kurios -> , but by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 1CO 012 006 And there are diversities <1243 -diairesis -> of operations <1755 -energema -> , but it is the same <0846 -autos -> God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> worketh <1754 -energeo -> all <3956 -pas -> in all <3956 -pas -> .

2316 1CO 012 018 But now <3570 -nuni -> hath God <{2316} -theos -> set <5087 -tithemi -> the members <3196 -melos -> every <1538 -hekastos -> one <1520 -heis -> of them in the body <4983 -soma -> , as it hath pleased <2309 -thelo -> him .

2316 1CO 012 024 For our comely <2158 -euschemon -> [parts] have <2192 -echo -> no <3756 -ou -> need <5532 -chreia -> : but God <{2316} -theos -> hath tempered <4786 -sugkerannumi -> the body <4983 -soma -> together <4786 -sugkerannumi -> , having given <1325 -didomi -> more <4055 -perissoteros -> abundant <4055 -perissoteros -> honour <5092 -time -> to that [part] which lacked <5302 -hustereo -> :

2316 1CO 012 028 And God <{2316} -theos -> hath set <5087 -tithemi -> some <3588 -ho -> in the church <1577 -ekklesia -> , first <4412 -proton -> apostles <0652 -apostolos -> , secondarily <1208 -deuteros -> prophets <4396 -prophetes -> , thirdly <5154 -tritos -> teachers <1320 -didaskalos -> , after <1899 -epeita -> that miracles <1411 -dunamis -> , then <1534 -eita -> gifts <5486 -charisma -> of healings <2386 -iama -> , helps <0484 -antilepsis -> , governments <2941 -kubernesis -> , diversities <1085 -genos -> of tongues <1100 -glossa -> .

2316 1CO 014 002 For he that speaketh <2980 -laleo -> in an [unknown] tongue <1100 -glossa -> speaketh <2980 -laleo -> not unto men <0444 -anthropos -> , but unto God <{2316} -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> understandeth <0191 -akouo -> [him] ; howbeit in the spirit <4151 -pneuma -> he speaketh <2980 -laleo -> mysteries <3466 -musterion -> .

2316 1CO 014 018 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> , I speak <2980 -laleo -> with tongues <1100 -glossa -> more <3123 -mallon -> than ye all <3956 -pas -> :

2316 1CO 014 025 And thus <3779 -houto -> are the secrets <2927 -kruptos -> of his heart <2588 -kardia -> made <1096 -ginomai -> manifest <5318 -phaneros -> ; and so <3779 -houto -> falling <4098 -pipto -> down on <1909 -epi -> [his] face <4383 -prosopon -> he will worship <4352 -proskuneo -> God <2316 -theos -> , and report <0518 -apaggello -> that God <{2316} -theos -> is in you of a truth <3689 -ontos -> .

2316 1CO 014 025 And thus <3779 -houto -> are the secrets <2927 -kruptos -> of his heart <2588 -kardia -> made <1096 -ginomai -> manifest <5318 -phaneros -> ; and so <3779 -houto -> falling <4098 -pipto -> down on <1909 -epi -> [his] face <4383 -prosopon -> he will worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> , and report <0518 -apaggello -> that God <2316 -theos -> is in you of a truth <3689 -ontos -> .

2316 1CO 014 028 But if <1437 -ean -> there be no <3361 -me -> interpreter <1328 -diermeneutes -> , let him keep <4601 -sigao -> silence <4601 -sigao -> in the church <1577 -ekklesia -> ; and let him speak <2980 -laleo -> to himself <1438 -heautou -> , and to God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 014 033 For God <{2316} -theos -> is not [the author] of confusion <0181 -akatastasia -> , but of peace <1515 -eirene -> , as in all <3956 -pas -> churches <1577 -ekklesia -> of the saints <0040 -hagios -> .

2316 1CO 014 036 . What <2228 -e -> ? came <1831 -exerchomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> out from you ? or <2228 -e -> came <2658 -katantao -> it unto you only <3441 -monos -> ?

2316 1CO 015 009 For I am <1510 -eimi -> the least <1646 -elachistos -> of the apostles <0652 -apostolos -> , that am <1510 -eimi -> not meet <2425 -hikanos -> to be called <2563 -kalamos -> an apostle <0652 -apostolos -> , because <1360 -dioti -> I persecuted <1377 -dioko -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 015 010 But by the grace <5485 -charis -> of God <2316 -theos -> I am <1510 -eimi -> what <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> : and his grace <5485 -charis -> which [was bestowed] upon me was not in vain <2756 -kenos -> ; but I laboured <2872 -kopiao -> more <4055 -perissoteros -> abundantly <4054 -perissoteron -> than they all <3956 -pas -> : yet <1161 -de -> not I , but the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> was with me .

2316 1CO 015 010 But by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> I am <1510 -eimi -> what <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> : and his grace <5485 -charis -> which [was bestowed] upon me was not in vain <2756 -kenos -> ; but I laboured <2872 -kopiao -> more <4055 -perissoteros -> abundantly <4054 -perissoteron -> than they all <3956 -pas -> : yet <1161 -de -> not I , but the grace <5485 -charis -> of God <2316 -

theos -> which <3588 -ho -> was with me .

2316 1CO 015 015 Yea <1161 -de -> , and we are found <2147 -heurisko -> false <5575 -pseudomartur -> witnesses <5575 -pseudomartur -> of God <2316 -theos -> ; because <3754 -hoti -> we have testified <3140 -martureo -> of God <{2316} -theos -> that he raised <1453 -egeiro -> up Christ <5547 -Christos -> : whom <3739 -hos -> he raised <1453 -egeiro -> not up , if <1512 -ei per -> so <0686 -ara -> be that the dead <3498 -nekros -> rise <1453 -egeiro -> not .

2316 1CO 015 015 Yea <1161 -de -> , and we are found <2147 -heurisko -> false <5575 -pseudomartur -> witnesses <5575 -pseudomartur -> of God <{2316} -theos -> ; because <3754 -hoti -> we have testified <3140 -martureo -> of God <2316 -theos -> that he raised <1453 -egeiro -> up Christ <5547 -Christos -> : whom <3739 -hos -> he raised <1453 -egeiro -> not up , if <1512 -ei per -> so <0686 -ara -> be that the dead <3498 -nekros -> rise <1453 -egeiro -> not .

2316 1CO 015 024 Then <1534 -eita -> [cometh] the end <5056 -telos -> , when <3752 -hotan -> he shall have delivered <3860 -paradidomi -> up the kingdom <0932 -basileia -> to God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> ; when <3752 -hotan -> he shall have put <2673 -katargeo -> down <2673 -katargeo -> all <3956 -pas -> rule <0746 -arche -> and all <3956 -pas -> authority <1849 -exousia -> and power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 015 028 And when <3752 -hotan -> all <3956 -pas -> things shall be subdued <5293 -hupotasso -> unto him , then <5119 -tote -> shall the Son <5207 -huios -> also <2532 -kai -> himself <0846 -autos -> be subject <5293 -hupotasso -> unto him that put <5293 -hupotasso -> all <3956 -pas -> things under <5293 -hupotasso -> him , that God <{2316} -theos -> may be all <3956 -pas -> in all <3956 -pas -> .

2316 1CO 015 034 Awake <1594 -eknepho -> to righteousness <1346 -dikaios -> , and sin <0264 -hamartano -> not ; for some <5100 -tis -> have <2192 -echo -> not the knowledge <0056 -agnosia -> of God <{2316} -theos -> : I speak <3004 -lego -> [this] to your <5213 -humin -> shame <1791 -entrope -> .

2316 1CO 015 038 But God <{2316} -theos -> giveth <1325 -didomi -> it a body <4983 -soma -> as it hath pleased <2309 -thelo -> him , and to every <1538 -hekastos -> seed <4690 -sperma -> his own <2398 -idios -> body <4983 -soma -> .

2316 1CO 015 050 Now <1161 -de -> this <5124 -touto -> I say <5346 -phemi -> , brethren <0080 -adephos -> , that flesh <4561 -sarx -> and blood <0129 -haima -> cannot <1410 -dunamai -> inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ; neither <3761 -oude -> doth corruption <5356 -phthora -> inherit <2816 -kleronomeo -> incorruption <0861 -aphthrsia -> .

2316 1CO 015 057 But thanks <5485 -charis -> [be] to God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> giveth <1325 -didomi -> us the victory <3534 -nikos -> through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <2316 -theos -> , and Timothy <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,

unto the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -> , with all <3956 -pas -> the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are in all <3650 -holos -> Achaia <0882 -Achaia -> :

2316 2CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and Timothy <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,
unto the church <1577 -ekklesia -> of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -> , with all <3956 -pas -> the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are in all <3650 -holos -> Achaia <0882 -Achaia -> :

2316 2CO 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] to you and peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] God <2316 -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , and the God <{2316} -theos -> of all <3650 -holos -> comfort <3874 -paraklesis -> ;

2316 2CO 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , and the God <2316 -theos -> of all <3650 -holos -> comfort <3874 -paraklesis -> ;

2316 2CO 001 004 Who <3588 -ho -> comforteth <3870 -parakaleo -> us in all <3650 -holos -> our tribulation <2347 -thlipsis -> , that we may be able <1410 -dunamai -> to comfort <3870 -parakaleo -> them which are in any <3956 -pas -> trouble <2347 -thlipsis -> , by the comfort <3874 -paraklesis -> wherewith <3739 -hos -> we ourselves are comforted <3870 -parakaleo -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 001 009 But we had <2192 -echo -> the sentence <0610 -apokrima -> of death <2288 -thanatos -> in ourselves <1438 -heautou -> , that we should not trust <3982 -peitho -> in ourselves <1438 -heautou -> , but in God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> raiseth <1453 -egeiro -> the dead <3498 -nekros -> :

2316 2CO 001 012 . For our rejoicing <2746 -kauchesis -> is this <3778 -houtos -> , the testimony <3142 -marturion -> of our conscience <4893 -suneidesis -> , that in simplicity <0572 -haplotes -> and godly <2316 -theos -> sincerity <1505 -eilikrineia -> , not with fleshly <4559 -sarkikos -> wisdom <4678 -sophia -> , but by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , we have had our conversation <0390 -anastrepho -> in the world <2889 -kosmos -> , and more <4056 -perissoteros -> abundantly <4056 -perissoteros -> to you -ward <5209 -humas -> .

2316 2CO 001 012 . For our rejoicing <2746 -kauchesis -> is this <3778 -houtos -> , the testimony <3142 -marturion -> of our conscience <4893 -suneidesis -> , that in simplicity <0572 -haplotes -> and godly <{2316} -theos -> sincerity <1505 -eilikrineia -> , not with fleshly <4559 -sarkikos -> wisdom <4678 -sophia -> , but by the grace <5485 -charis -> of God <2316 -theos -> , we have had our conversation <0390 -

anastrepho -> in the world <2889 -kosmos -> , and more <4056 -perissoteros -> abundantly <4056 -perissoteros -> to you -ward <5209 -humas -> .

2316 2CO 001 018 But [as] God <{2316} -theos -> [is] true <4103 -pistos -> , our word <3056 -logos -> toward <4314 -pros -> you was not yea <3483 -nai -> and nay <3756 -ou -> .

2316 2CO 001 019 For the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> was preached <2784 -kerusso -> among <1722 -en -> you by us , [even] by me and Silvanus <4610 -Silouanos -> and Timotheus <5095 -Timotheos -> , was not yea <3483 -nai -> and nay <3756 -ou -> , but in him was yea <3483 -nai -> .

2316 2CO 001 020 For all <3745 -hosos -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <2316 -theos -> in him [are] yea <3483 -nai -> , and in him Amen <0281 -amen -> , unto the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> by us .

2316 2CO 001 020 For all <3745 -hosos -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> in him [are] yea <3483 -nai -> , and in him Amen <0281 -amen -> , unto the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> by us .

2316 2CO 001 021 Now <1161 -de -> he which stablisheth <0950 -bebaioo -> us with you in Christ <5547 -Christos -> , and hath anointed <5548 -chrio -> us , [is] God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 001 023 Moreover <1161 -de -> I call <1941 -epikaleomai -> God <{2316} -theos -> for a record <3144 -martus -> upon my soul <5590 -psuche -> , that to spare <5339 -pheidomai -> you I came <2064 -erchomai -> not as yet <3765 -ouketi -> unto Corinth <2882 -Korinthos -> .

2316 2CO 002 014 Now <1161 -de -> thanks <5485 -charis -> [be] unto God <{2316} -theos -> , which always <3842 -pantote -> causeth <2358 -thriambeuo -> us to triumph <2358 -thriambeuo -> in Christ <5547 -Christos -> , and maketh <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> the savour <3744 -osme -> of his knowledge <1108 -gnosis -> by us in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> .

2316 2CO 002 015 For we are unto God <{2316} -theos -> a sweet <2175 -euodia -> savour <2175 -euodia -> of Christ <5547 -Christos -> , in them that are saved <4982 -sozo -> , and in them that perish <0622 -apollumi -> :

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <2316 -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <{2316} -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <{2316} -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <2316 -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <2316 -theos -> , in the sight <2714 -katenopion

-> of God <2316 -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 003 003 [Forasmuch as ye are] manifestly <5319 -phaneroo -> declared <5319 -phaneroo -> to be the epistle <1992 -epistole -> of Christ <5547 -Christos -> ministered <1247 -diakoneo -> by us , written <1449 -eggrapho -> not with ink <3188 -melan -> , but with the Spirit <4151 -pneuma -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ; not in tables <4109 -plax -> of stone <3035 -lithinos -> , but in fleshy <4560 -sarkinos -> tables <4109 -plax -> of the heart <2588 -kardia -> .

2316 2CO 003 004 And such <5108 -toioutos -> trust <4006 -pepoithesis -> have <2192 -echo -> we through <1223 -dia -> Christ <5547 -Christos -> to God -ward <{2316} -theos -> :

2316 2CO 003 005 Not that we are sufficient <2425 -hikanos -> of ourselves <1438 -heautou -> to think <3049 -logizomai -> any <5100 -tis -> thing as of ourselves <1438 -heautou -> ; but our sufficiency <2426 -hikanotes -> [is] of God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 004 002 But have renounced <0550 -apeipomen -> the hidden <2927 -kruptos -> things of dishonesty <0152 -aischune -> , not walking <4043 -peripateo -> in craftiness <3834 -panourgia -> , nor <3366 -mede -> handling <1389 -doloo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> deceitfully <1389 -doloo -> ; but by manifestation <5321 -phanerosis -> of the truth <0225 -aletheia -> commending <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> to every <3956 -pas -> man s <0444 -anthropos -> conscience <4893 -suneidesis -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 004 002 But have renounced <0550 -apeipomen -> the hidden <2927 -kruptos -> things of dishonesty <0152 -aischune -> , not walking <4043 -peripateo -> in craftiness <3834 -panourgia -> , nor <3366 -mede -> handling <1389 -doloo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> deceitfully <1389 -doloo -> ; but by manifestation <5321 -phanerosis -> of the truth <0225 -aletheia -> commending <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> to every <3956 -pas -> man s <0444 -anthropos -> conscience <4893 -suneidesis -> in the sight <1799 -enopion -> of God <2316 -theos -> .

2316 2CO 004 004 In whom <3739 -hos -> the god <2316 -theos -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> hath blinded <5186 -tuphloo -> the minds <3540 -noema -> of them which believe <0571 -apistos -> not , lest <3361 -me -> the light <5462 -photismos -> of the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of God <{2316} -theos -> , should shine <0826 -augazo -> unto them .

2316 2CO 004 004 In whom <3739 -hos -> the god <{2316} -theos -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> hath blinded <5186 -tuphloo -> the minds <3540 -noema -> of them which believe <0571 -apistos -> not , lest <3361 -me -> the light <5462 -photismos -> of the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of God <2316 -theos -> , should shine <0826 -augazo -> unto them .

2316 2CO 004 006 For God <2316 -theos -> , who <3588 -ho -> commanded <2036 -epo -> the light <5457 -phos -> to shine <2989 -lampo -> out of darkness <4655 -skotos -> , hath shined <2989 -

lampo -> in our hearts <2588 -kardia -> , to [give] the light <5462 -photismos -> of the knowledge <1108 -gnosis -> of the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> in the face <4383 -prosopon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 004 006 For God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> commanded <2036 -epo -> the light <5457 -phos -> to shine <2989 -lampo -> out of darkness <4655 -skotos -> , hath shined <2989 -lampo -> in our hearts <2588 -kardia -> , to [give] the light <5462 -photismos -> of the knowledge <1108 -gnosis -> of the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> in the face <4383 -prosopon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 004 007 But we have <2192 -echo -> this <5126 -touton -> treasure <2344 -thesauros -> in earthen <3749 -ostrakinos -> vessels <4632 -skeuos -> , that the excellency <5236 -huperbole -> of the power <1411 -dunamis -> may be of God <{2316} -theos -> , and not of us .

2316 2CO 004 015 For all <3956 -pas -> things [are] for your <5209 -humas -> sakes , that the abundant <4121 -pleonazo -> grace <5485 -charis -> might through <1223 -dia -> the thanksgiving <2169 -eucharistia -> of many <4119 -pleion -> redound <4052 -perisseuo -> to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 005 001 . For we know <1492 -eido -> that if <1437 -ean -> our earthly <1919 -epigeios -> house <3614 -oikia -> of [this <3588 -ho ->] tabernacle <4636 -skenos -> were dissolved <2647 -kataluo -> , we have <2192 -echo -> a building <3619 -oikodome -> of God <{2316} -theos -> , an house <3614 -oikia -> not made <0886 -acheiropoietos -> with hands <0886 -acheiropoietos -> , eternal <0166 -aionios -> in the heavens <3772 -ouranos -> .

2316 2CO 005 005 Now <1161 -de -> he that hath wrought <2716 -katergazomai -> us for the selfsame <5124 -touto -> thing [is] God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> also <2532 -kai -> hath given <1325 -didomi -> unto us the earnest <0728 -arrhabon -> of the Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 2CO 005 011 Knowing <1492 -eido -> therefore <3767 -oun -> the terror <5401 -phobos -> of the Lord <2962 -kurios -> , we persuade <3982 -peitho -> men <0444 -anthropos -> ; but we are made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> unto God <{2316} -theos -> ; and I trust <1679 -elpizo -> also <2532 -kai -> are made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> in your <5216 -humon -> consciences <4893 -suneidesis -> .

2316 2CO 005 013 For whether <1535 -eite -> we be beside <1839 -existemi -> ourselves , [it is] to God <{2316} -theos -> : or <1535 -eite -> whether <1535 -eite -> we be sober <4993 -sophroneo -> , [it is] for your <5213 -humin -> cause .

2316 2CO 005 018 And all <3956 -pas -> things [are] of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath reconciled <2644 -katallasso -> us to himself <1438 -heautou -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and hath given <1325 -didomi -> to us the ministry <1248 -diakonia -> of reconciliation <2643 -katallage -> ;

2316 2CO 005 019 To wit <5613 -hos -> , that God <{2316} -theos -> was in Christ <5547 -Christos -> , reconciling <2644 -katallasso -> the world <2889 -kosmos -> unto himself <1438 -

heautou -> , not imputing <3049 -logizomai -> their trespasses <3900 -paraptoma -> unto them ; and hath committed <5087 -tithemi -> unto us the word <3056 -logos -> of reconciliation <2643 -katallage -> .

2316 2CO 005 020 Now then we are ambassadors <4243 -presbeuo -> for Christ <5547 -Christos -> , as though God <2316 -theos -> did beseech <3870 -parakaleo -> [you] by us : we pray <1189 -deomai -> [you] in Christ s <5547 -Christos -> stead <5228 -huper -> , be ye reconciled <2644 -katallasso -> to God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 005 020 Now then we are ambassadors <4243 -presbeuo -> for Christ <5547 -Christos -> , as though God <{2316} -theos -> did beseech <3870 -parakaleo -> [you] by us : we pray <1189 -deomai -> [you] in Christ s <5547 -Christos -> stead <5228 -huper -> , be ye reconciled <2644 -katallasso -> to God <2316 -theos -> .

2316 2CO 005 021 For he hath made <4160 -poieo -> him [to be] sin <0266 -hamartia -> for us , who knew <1097 -ginosko -> no <3361 -me -> sin <0266 -hamartia -> ; that we might be made <1096 -ginomai -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> in him .

2316 2CO 006 001 . We then <3767 -oun -> ,   [as] workers <4903 -sunergeo -> together <4903 -sunergeo -> [with him] , beseech <3870 -parakaleo -> [you] also <2532 -kai -> that ye receive <1209 -dechomai -> not the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in vain <2756 -kenos -> .

2316 2CO 006 004 But in all <3956 -pas -> [things] approving <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> as the ministers <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , in much <4183 -polus -> patience <5281 -hupomone -> , in afflictions <2347 -thlipsis -> , in necessities <0318 -anagke -> , in distresses <4730 -stenochoria -> ,

2316 2CO 006 007 By the word <3056 -logos -> of truth <0225 -aletheia -> , by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> , by the armour <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> on the right <1188 -dexios -> hand and on the left <0710 -aristeros -> ,

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <{2316} -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <{2316} -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos ->

; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 007 001 . Having <2192 -echo -> therefore <3767 -oun -> these <5025 -tautais -> promises <1860 -epaggelia -> , dearly beloved <0027 -agapetos -> , let us cleanse <2511 -katharizo -> ourselves <1438 -heautou -> from all <3956 -pas -> filthiness <3436 -molusmos -> of the flesh <4561 -sarx -> and spirit <4151 -pneuma -> , perfecting <2005 -epiteleo -> holiness <0042 -hagiosune -> in the fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 007 006 Nevertheless <0235 -alla -> God <{2316} -theos -> , that comforteth <3870 -parakaleo -> those <3588 -ho -> that are cast <5011 -tapeinos -> down <5011 -tapeinos -> , comforted <3870 -parakaleo -> us by the coming <3952 -parousia -> of Titus <5103 -Titos -> ;

2316 2CO 007 009 Now <3568 -nun -> I rejoice <5463 -chairo -> , not that ye were made <3076 -lupeo -> sorry <3076 -lupeo -> , but that ye sorrowed <3076 -lupeo -> to repentance <3341 -metanoia -> : for ye were made <3076 -lupeo -> sorry <3076 -lupeo -> after <2596 -kata -> a godly <{2316} -theos -> manner , that ye might receive <2210 -zemioo -> damage <2210 -zemioo -> by us in nothing <3367 -medeis -> .

2316 2CO 007 010 For godly <{2316} -theos -> sorrow <3077 -lupe -> worketh <2716 -katergazomai -> repentance <3341 -metanoia -> to salvation <4991 -soteria -> not to be repented <0278 -ametameletos -> of : but the sorrow <3077 -lupe -> of the world <2889 -kosmos -> worketh <2716 -katergazomai -> death <2288 -thanatos -> .

2316 2CO 007 011 For behold <2400 -idou -> this <5124 -touto -> selfsame <0846 -autos -> thing , that ye sorrowed <3076 -lupeo -> after <2596 -kata -> a godly <{2316} -theos -> sort , what <4214 -posos -> carefulness <4710 -spoude -> it wrought <2716 -katergazomai -> in you , yea <0235 -alla -> , [what] clearing <0627 -apologia -> of yourselves , yea <0235 -alla -> , [what] indignation <0024 -aganaktesis -> , yea <0235 -alla -> , [what] fear <5401 -phobos -> , yea <0235 -alla -> , [what] vehement <1972 -epipothesis -> desire <1972 -epipothesis -> , yea <0235 -alla -> , [what] zeal <2205 -zelos -> , yea <0235 -alla -> , [what] revenge <1557 -ekdikesis -> ! In all <3956 -pas -> [things] ye have approved <4921 -sunistao -> yourselves <1438 -heautou -> to be clear <0053 -hagnos -> in this <3588 -ho -> matter <4229 -pragma -> .

2316 2CO 007 012 . Wherefore <0686 -ara -> , though <1499 -ei kai -> I wrote <1125 -grapho -> unto you , [I did it] not for his cause <1752 -heneka -> that had done <0091 -adikeo -> the wrong <0091 -adikeo -> , nor <3761 -oude -> for his cause <1752 -heneka -> that suffered wrong <0091 -adikeo -> , but that our care <4710 -spoude -> for you in the sight <1799 -

enopion -> of God <{2316} -theos -> might appear <5319 -phaneroo -> unto you .

2316 2CO 008 001 . Moreover <1161 -de -> , brethren <0080 -adephos -> , we do <1107 -gnorizo -> you to wit <1107 -gnorizo -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> bestowed <1325 -didomi -> on <1722 -en -> the churches <1577 -ekklesia -> of Macedonia <3109 -Makedonia -> ;

2316 2CO 008 005 And [this they did] , not as we hoped <1679 -elpizo -> , but first <4412 -proton -> gave <1325 -didomi -> their own selves <1438 -heautou -> to the Lord <2962 -kurios -> , and unto us by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 008 016 . But thanks <5485 -charis -> [be] to God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> put <1325 -didomi -> the same <0846 -autos -> earnest <4710 -spoude -> care <4710 -spoude -> into <1722 -en -> the heart <2588 -kardia -> of Titus <5103 -Titos -> for you .

2316 2CO 009 007 Every <1538 -hekastos -> man according <2531 -kathos -> as he purposeth <4255 -proaireomai -> in his heart <2588 -kardia -> , [so let him give] ; not grudgingly <3077 -lupe -> , or <2228 -e -> of necessity <0318 -anagke -> : for God <{2316} -theos -> loveth <0025 -agapao -> a cheerful <2431 -hilaros -> giver <1395 -dotes -> .

2316 2CO 009 008 And God <{2316} -theos -> [is] able <1415 -dunatos -> to make <4052 -perisseuo -> all <3956 -pas -> grace <5485 -charis -> abound <4052 -perisseuo -> toward <1519 -eis -> you ; that ye , always <3842 -pantote -> having <2192 -echo -> all <3956 -pas -> sufficiency <0841 -autarkeia -> in all <3956 -pas -> [things] , may abound <4052 -perisseuo -> to every <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> :

2316 2CO 009 011 Being enriched <4148 -ploutizo -> in every <3956 -pas -> thing to all <3956 -pas -> bountifulness <0572 -haplotes -> , which <3748 -hostis -> causeth <2716 -katergazomai -> through <1223 -dia -> us thanksgiving <2169 -eucharistia -> to God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 009 012 For the administration <1248 -diakonia -> of this <5026 -taute -> service <3009 -leitourgia -> not only <3440 -monon -> supplieth <4322 -prosanapleroo -> the want <5303 -husterema -> of the saints <0040 -hagios -> , but is abundant <4052 -perisseuo -> also <2532 -kai -> by many <4183 -polus -> thanksgivings <2169 -eucharistia -> unto God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 009 013 Whiles by the experiment <1382 -dokime -> of this <5026 -taute -> ministration <1248 -diakonia -> they glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for your <5216 -humon -> professed <3671 -homologia -> subjection <5292 -hupotage -> unto the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , and for [your <3588 -ho ->] liberal <0572 -haplotes -> distribution <2842 -koinonia -> unto them , and unto all <3956 -pas -> [men] ;

2316 2CO 009 014 And by their prayer <1162 -deesis -> for you , which long <1971 -epipotheo -> after <1971 -epipotheo -> you for the exceeding <5235 -huperballo -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in you .

2316 2CO 009 015 Thanks <5485 -charis -> [be] unto God <{2316} -theos -> for his unspeakable <0411 -anekdiegetos -> gift <1431 -dorea -> .

2316 2CO 010 004 (For the weapons <3696 -hoplon -> of our warfare <4752 -strateia -> [are] not carnal <4559 -sarkikos -> , but mighty <1415 -dunatos -> through God <{2316} -theos -> to the pulling <2506 -kathairesis -> down <2506 -kathairesis -> of strong <3794 -ochuroma -> holds <3794 -ochuroma -> ;)

2316 2CO 010 005 Casting <2507 -kathaireo -> down <2504 -kago -> imaginations <3053 -logismos -> , and every <3956 -pas -> high <5313 -hupsoma -> thing <5313 -hupsoma -> that exalteth <1869 -epairo -> itself against <2596 -kata -> the knowledge <1108 -gnosis -> of God <{2316} -theos -> , and bringing <0163 -aichmalotizo -> into captivity <0163 -aichmalotizo -> every <3956 -pas -> thought <3540 -noema -> to the obedience <5218 -hupakoe -> of Christ <5547 -Christos -> ;

2316 2CO 010 013 But we will not boast <2744 -kauchaomai -> of things without <0280 -ametros -> [our] measure <0280 -ametros -> , but according <2596 -kata -> to the measure <3358 -metron -> of the rule <2583 -kanon -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath distributed <3307 -merizo -> to us , a measure <3358 -metron -> to reach <2185 -ephikneomai -> even <2532 -kai -> unto you .

2316 2CO 011 002 For I am jealous <2206 -zeloo -> over you with godly <{2316} -theos -> jealousy <2205 -zelos -> : for I have espoused <0718 -harmozo -> you to one <1520 -heis -> husband <0435 -aner -> , that I may present <3936 -paristemi -> [you as] a chaste <0053 -hagnos -> virgin <3933 -parthenos -> to Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 011 007 Have I committed <4160 -poieo -> an offence <0266 -hamartia -> in abasing <5013 -tapeinoo -> myself <1683 -emautou -> that ye might be exalted <5312 -hupsoo -> , because <3754 -hoti -> I have preached <2097 -euaggelizo -> to you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> freely <1432 -dorean -> ?

2316 2CO 011 011 Wherefore <1302 -diati -> ? because <3754 -hoti -> I love <0025 -agapao -> you not ? God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> .

2316 2CO 011 031 The God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3588 -ho -> is blessed <2128 -eulogetos -> for evermore <0165 -aion -> , knoweth <1492 -eido -> that I lie <5574 -pseudomai -> not .

2316 2CO 012 002 I knew <1492 -eido -> a man <0444 -anthropos -> in Christ <5547 -Christos -> above <4253 -pro -> fourteen <1180 -dekatessares -> years <2094 -etos -> ago <4253 -pro -> , (whether in the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> ; or <1535 -eite -> whether <1535 -eite -> out of the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> : God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> ;) such <5108 -toioutos -> an one caught <0726 -harpazo -> up to the third <5154 -tritos -> heaven <3772 -ouranos -> .

2316 2CO 012 003 And I knew <1492 -eido -> such <5108 -toioutos -> a man <0444 -anthropos -> , (whether in the body <4983 -soma -> , or <1535 -eite -> out of the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> : God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> ;)

2316 2CO 012 019 Again <3825 -palin -> , think <1380 -dokeo -> ye that we excuse <0626 -apologeomai -> ourselves unto you ? we

speak <2980 -laleo -> before <2714 -katenopion -> God <{2316} -
theos -> in Christ <5547 -Christos -> : but [we do] all
<3956 -pas -> things , dearly beloved <0027 -agapetos -> , for
your <5216 -humon -> edifying <3619 -oikodome -> .

2316 2CO 012 021 [And] lest <3361 -me -> , when I come
<2064 -erchomai -> again <3825 -palin -> , my God <{2316} -
theos -> will humble <5013 -tapeinoo -> me among <4314 -pros ->
you , and [that] I shall bewail <3996 -pentheo -> many
<4183 -polus -> which <3588 -ho -> have sinned <4258 -
proamartano -> already <4258 -proamartano -> , and have not
repented <3340 -metanoeo -> of the uncleanness <0167 -akatharsia
-> and fornication <4202 -porneia -> and lasciviousness <0766 -
aselgeia -> which <3739 -hos -> they have committed <4238 -
prasso -> .

2316 2CO 013 004 For though <1487 -ei -> he was crucified <4717
-stauroo -> through <1537 -ek -> weakness <0769 -astheneia -> ,
yet <0235 -alla -> he liveth <2198 -zao -> by the power <1411 -
dunamis -> of God <2316 -theos -> . For we also <2532 -kai ->
are weak <0770 -astheneo -> in him , but we shall live <2198 -
zao -> with him by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -
theos -> toward <1519 -eis -> you .

2316 2CO 013 004 For though <1487 -ei -> he was crucified <4717
-stauroo -> through <1537 -ek -> weakness <0769 -astheneia -> ,
yet <0235 -alla -> he liveth <2198 -zao -> by the power <1411 -
dunamis -> of God <{2316} -theos -> . For we also <2532 -kai ->
are weak <0770 -astheneo -> in him , but we shall live <2198 -
zao -> with him by the power <1411 -dunamis -> of God <2316 -
theos -> toward <1519 -eis -> you .

2316 2CO 013 007 . Now <1161 -de -> I pray <2172 -euchomai ->
to God <{2316} -theos -> that ye do <4160 -poieo -> no <3367 -
medeis -> evil <2556 -kakos -> ; not that we should appear
<5316 -phaino -> approved <1384 -dokimos -> , but that ye
should do <4160 -poieo -> that which is honest <2570 -kalos -> ,
 though we be as reprobates <0096 -adokimos -> .

2316 2CO 013 011 . Finally <3063 -loipon -> , brethren <0080 -
adephos -> , farewell <5463 -chairo -> . Be perfect <2675 -
katartizo -> , be of good comfort <3870 -parakaleo -> , be of
one <0846 -autos -> mind <5426 -phroneo -> , live <1514 -
eireneuo -> in peace <1518 -eirenopoios -> ; and the God
<{2316} -theos -> of love <0026 -agape -> and peace <1515 -
eirene -> shall be with you .

2316 2CO 013 014 The grace <5485 -charis -> of the Lord <2962 -
kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,
and the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , and the
communion <2842 -koinonia -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost
<4151 -pneuma -> ,   [be] with you all <3956 -pas -> . Amen
<0281 -amen -> .

2316 GAL 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -
apostolos -> ,   (not of men <0444 -anthropos -> , neither
<3761 -oude -> by man <0444 -anthropos -> , but by Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and God <{2316} -theos ->
the Father <3962 -pater -> , who <3588 -ho -> raised <1453 -
egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> ;)

2316 GAL 001 003 Grace <5485 -charis -> [be] to you and
peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> the Father
<3962 -pater -> , and [from] our Lord <2962 -kurios ->
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,

2316 GAL 001 004 Who <3588 -ho -> gave <1325 -didomi -> himself <1438 -heautou -> for our sins <0266 -hamartia -> , that he might deliver <1807 -exaireo -> us from this <3588 -ho -> present <1764 -enistemi -> evil <4190 -poneros -> world <0165 -aion -> , according <2596 -kata -> to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> :

2316 GAL 001 010 . For do I now <0737 -arti -> persuade <3982 -peitho -> men <0444 -anthropos -> , or <2228 -e -> God <{2316} -theos -> ? or <2228 -e -> do I seek <2212 -zeteo -> to please <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> ? for if <1487 -ei -> I yet <2089 -eti -> pleased <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , I should not be the servant <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> .

2316 GAL 001 013 For ye have heard <0191 -akouo -> of my conversation <0391 -anastrophe -> in time <4218 -pote -> past in the Jews <2454 -Ioudaismos -> religion <2854 -kollourion -> , how that beyond <5236 -huperbole -> measure <5236 -huperbole -> I persecuted <1377 -dioko -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , and wasted <4199 -portheo -> it :

2316 GAL 001 015 But when <3753 -hote -> it pleased <2106 -eudokeo -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> separated <0873 -aphorizo -> me from my mother s <3384 -meter -> womb <2836 -koilia -> , and called <2564 -kaleo -> [me] by his grace <5485 -charis -> ,

2316 GAL 001 020 Now <2236 -hedista -> the things which <3739 -hos -> I write <1125 -grapho -> unto you , behold <2400 -idou -> , before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , I lie <5574 -pseudomai -> not .

2316 GAL 001 024 And they glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in me .

2316 GAL 002 006 But of these who seemed <1380 -dokeo -> to be somewhat <5100 -tis -> , (whatsoever they were , it maketh <1308 -diaphero -> no <3762 -oudeis -> matter <1308 -diaphero -> to me : God <{2316} -theos -> accepteth <2983 -lambano -> no <3756 -ou -> man s <0444 -anthropos -> person <4383 -prosopon -> :) for they who seemed <1380 -dokeo -> [to be somewhat] in conference <4323 -prosanatithemi -> added <4323 -prosanatithemi -> nothing <3762 -oudeis -> to me :

2316 GAL 002 019 For I through <1223 -dia -> the law <3551 -nomos -> am dead <0599 -apothnesko -> to the law <3551 -nomos -> , that I might live <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 GAL 002 020 I am crucified <4957 -sustauroo -> with Christ <5547 -Christos -> : nevertheless <1161 -de -> I live <2198 -zao -> ; yet <3765 -ouketi -> not I , but Christ <5547 -Christos -> liveth <2198 -zao -> in me : and the life which <3739 -hos -> I now <3568 -nun -> live <2198 -zao -> in the flesh <4561 -sarx -> I live <2198 -zao -> by the faith <4102 -pistis -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> loved <0025 -agapao -> me , and gave <3860 -paradidomi -> himself <1438 -heautou -> for me .

2316 GAL 002 021 I do not frustrate <0114 -atheteo -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> : for if <1487 -ei -> righteousness <1343 -dikaiosune -> [come] by the law <3551 -nomos -> , then <0686 -ara -> Christ <5547 -Christos -> is dead <0599 -apothnesko -> in vain <1432 -dorean -> .

2316 GAL 003 006 . Even <2531 -kathos -> as Abraham <0011 -

Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was accounted <3049 -logizomai -> to him for righteousness <1343 -dikaiosune -> .

2316 GAL 003 008 And the scripture <1124 -graphe -> , foreseeing <4275 -proeido -> that God <{2316} -theos -> would justify <1344 -dikaioo -> the heathen <1484 -ethnos -> through <1537 -ek -> faith <4102 -pistis -> , preached <4283 -proeuaggelizomai -> before <4283 -proeuaggelizomai -> the gospel <4283 -proeuaggelizomai -> unto Abraham <11> , [saying] , In thee shall all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> be blessed <1757 -eneulogeo -> .

2316 GAL 003 011 But that no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> is justified <1344 -dikaioo -> by the law <3551 -nomos -> in the sight <3844 -para -> of God <{2316} -theos -> , [it is] evident <1212 -delos -> : for , The just <1342 -dikaios -> shall live <2198 -zao -> by faith <4102 -pistis -> .

2316 GAL 003 017 And this <5124 -touto -> I say <3004 -lego -> , [that] the covenant <1242 -diatheke -> , that was confirmed <4300 -prokuroo -> before <4300 -prokuroo -> of God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> , the law <3551 -nomos -> , which was four <5071 -tetrakosioi -> hundred <5071 -tetrakosioi -> and thirty <5144 -triakonta -> years <2094 -etos -> after <3326 -meta -> , cannot <3756 -ou -> disannul <0208 -akuroo -> , that it should make <2673 -katargeo -> the promise <1860 -epaggelia -> of none <0208 -akuroo -> effect <2673 -katargeo -> .

2316 GAL 003 018 For if <1487 -ei -> the inheritance <2817 -kleronomia -> [be] of the law <3551 -nomos -> , [it is] no <3765 -ouketi -> more <2089 -eti -> of promise <1860 -epaggelia -> : but God <{2316} -theos -> gave <5483 -charizomai -> [it] to Abraham <0011 -Abraam ->by promise <1860 -epaggelia -> .

2316 GAL 003 020 Now <1161 -de -> a mediator <3316 -mesites -> is not [a mediator] of one <1520 -heis -> , but God <{2316} -theos -> is one <1520 -heis -> .

2316 GAL 003 021 [Is] the law <3551 -nomos -> then <3767 -oun -> against <2596 -kata -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : for if <1487 -ei -> there had been a law <3551 -nomos -> given <1325 -didomi -> which <3588 -ho -> could <1410 -dunamai -> have given <2227 -zoopoieo -> life <2227 -zoopoieo -> , verily <3689 -ontos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> should have been <2258 -en -> by the law <3551 -nomos -> .

2316 GAL 003 026 For ye are all <3956 -pas -> the children <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> by faith <4102 -pistis -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 GAL 004 004 But when <3753 -hote -> the fulness <4138 -pleroma -> of the time <5550 -chronos -> was come <2064 -erchomai -> , God <{2316} -theos -> sent <1821 -exapostello -> forth <1821 -exapostello -> his Son <5207 -huios -> , made <1096 -ginomai -> of a woman <1135 -gune -> , made <1096 -ginomai -> under <5259 -hupo -> the law <3551 -nomos -> ,

2316 GAL 004 006 And because <3754 -hoti -> ye are sons <5207 -huios -> , God <{2316} -theos -> hath sent <1821 -exapostello -> forth <1821 -exapostello -> the Spirit <4151 -pneuma -> of his Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> , crying <2896 -krazo -> , Abba <0005 -

Abba -> , Father <3962 -pater -> .

2316 GAL 004 007 Wherefore <5620 -hoste -> thou art <1488 -ei -
> no <3765 -ouketi -> more <2089 -eti -> a servant <1401 -doulos
-> , but a son <5207 -huios -> ; and if <1487 -ei -> a son
<5207 -huios -> , then <2532 -kai -> an heir <2818 -kleronomos -
> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Christ <5547 -
Christos -> .

2316 GAL 004 008 . Howbeit <0235 -alla -> then <5119 -tote -> ,
  when ye knew <1492 -eido -> not God <2316 -theos -> , ye did
service <1398 -douleuo -> unto them which by nature <5449 -
phusis -> are no <3361 -me -> gods <{2316} -theos -> .

2316 GAL 004 008 . Howbeit <0235 -alla -> then <5119 -tote -> ,
  when ye knew <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> , ye
did service <1398 -douleuo -> unto them which by nature <5449 -
phusis -> are no <3361 -me -> gods <2316 -theos -> .

2316 GAL 004 009 But now <3568 -nun -> , after that ye have
known <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> , or <1161 -de ->
rather <3123 -mallon -> are known <1097 -ginosko -> of God
<{2316} -theos -> , how <4459 -pos -> turn <1994 -epistrepho ->
ye again <3825 -palin -> to the weak <0772 -asthenes -> and
beggarly <4444 -purgos -> elements <4747 -stoicheion -> ,
whereunto <3739 -hos -> ye desire <2309 -thelo -> again <3825 -
palin -> to be in bondage <1398 -douleuo -> ?

2316 GAL 004 009 But now <3568 -nun -> , after that ye have
known <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> , or <1161 -de ->
rather <3123 -mallon -> are known <1097 -ginosko -> of God <2316
-theos -> , how <4459 -pos -> turn <1994 -epistrepho -> ye
again <3825 -palin -> to the weak <0772 -asthenes -> and
beggarly <4444 -purgos -> elements <4747 -stoicheion -> ,
whereunto <3739 -hos -> ye desire <2309 -thelo -> again <3825 -
palin -> to be in bondage <1398 -douleuo -> ?

2316 GAL 004 014 And my temptation <3986 -peirasmos -> which
was in my flesh <4561 -sarx -> ye despised <1848 -exoutheneo ->
not , nor <3761 -oude -> rejected <1609 -ekptuo -> ; but
received <1209 -dechomai -> me as an angel <0032 -aggelos -> of
God <{2316} -theos -> ,   [even] as Christ <5547 -Christos ->
Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 GAL 005 021 Envyings <5355 -phthonos -> , murders <5408 -
phonos -> , drunkenness <3178 -methe -> , revellings <2970 -
komos -> , and such <5125 -toutois -> like <3664 -homoios -> :
of the which <3739 -hos -> I tell <4302 -prolego -> you before
<4302 -prolego -> , as I have also <2532 -kai -> told <4277 -
proepo -> [you] in time past <4302 -prolego -> , that they
which do <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things shall
not inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia ->
of God <{2316} -theos -> .

2316 GAL 006 007 Be not deceived <4105 -planao -> ; God
<{2316} -theos -> is not mocked <3456 -mukterizo -> : for
whatsoever <1437 -ean -> a man <0444 -anthropos -> soweth <4687 -
speiro -> , that shall he also <2532 -kai -> reap <2325 -
therizo -> .

2316 GAL 006 016 And as many <3745 -hosos -> as walk <4748 -
stoicheo -> according to this <5129 -toutoi -> rule <2583 -kanon
-> , peace <1515 -eirene -> [be] on <1909 -epi -> them ,
and mercy <1656 -eleos -> , and upon the Israel <2474 -Israel -
> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , to the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are at <1722 -en -> Ephesus <2181 -Ephesos -> , and to the faithful <4103 -pistos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 EPH 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] to you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 EPH 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] the God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> hath blessed <2127 -eulogeo -> us with all <3956 -pas -> spiritual <4152 -pneumatikos -> blessings <2129 -eulogia -> in heavenly <2032 -epouranios -> [places] in Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 001 017 That the God <{2316} -theos -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of glory <1391 -doxa -> , may give <1325 -didomi -> unto you the spirit <4151 -pneuma -> of wisdom <4678 -sophia -> and revelation <0602 -apokalupsis -> in the knowledge <1922 -epignosis -> of him :

2316 EPH 002 004 . But God <{2316} -theos -> , who is rich <4145 -plousios -> in mercy <1656 -eleos -> , for his great <4183 -polus -> love <0026 -agape -> wherewith <3739 -hos -> he loved <0025 -agapao -> us ,

2316 EPH 002 008 For by grace <5485 -charis -> are ye saved <4982 -sozo -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> ; and that not of yourselves <5216 -humon -> : [it is] the gift <1435 -doron -> of God <{2316} -theos -> :

2316 EPH 002 010 For we are his workmanship <4161 -poiema -> , created <2936 -ktizo -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> unto good <0018 -agathos -> works <2041 -ergon -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath before <4282 -proetoimazo -> ordained <4282 -proetoimazo -> that we should walk <4043 -peripateo -> in them .

2316 EPH 002 016 And that he might reconcile <0604 -apokatallasso -> both <0297 -amphoteros -> unto God <{2316} -theos -> in one <1520 -heis -> body <4983 -soma -> by the cross <4716 -stauros -> , having slain <0615 -apokteino -> the enmity <2189 -echthra -> thereby <0846 -autos -> :

2316 EPH 002 019 Now <3767 -oun -> therefore <0686 -ara -> ye are no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> strangers <3581 -xenos -> and foreigners <3941 -paroikos -> , but fellowcitizens <4847 -sumpolites -> with the saints <0040 -hagios -> , and of the household <3609 -oikeios -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 EPH 002 022 In whom <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> are builded <4925 -sunoikodomeo -> together <4925 -sunoikodomeo -> for an habitation <2732 -katoiketerion -> of God <{2316} -theos -> through <1722 -en -> the Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 EPH 003 002 If <1489 -eige -> ye have heard <0191 -akouo -> of the dispensation <3622 -oikonomia -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> me to you -ward <5209 -humas -> :

2316 EPH 003 007 Whereof <3739 -hos -> I was made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the gift <1431 -dorea -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> given <1325 -didomi -> unto me by the effectual <1753 -energeia -> working <1753 -energeia -> of his power <1411 -dunamis -> .

2316 EPH 003 009 And to make <5461 -photizo -> all <3956 -pas -> [men] see <5461 -photizo -> what <5101 -tis -> [is] the fellowship <2842 -koinonia -> of the mystery <3466 -musterion -> , which <3588 -ho -> from the beginning of the world <0165 -aion -> hath been hid <0613 -apokrupto -> in God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> created <2936 -ktizo -> all <3956 -pas -> things by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 003 010 To the intent <2443 -hina -> that now <3568 -nun -> unto the principalities <0746 -arche -> and powers <1849 -exousia -> in heavenly <2032 -epouranios -> [places] might be known <1107 -gnorizo -> by the church <1577 -ekklesia -> the manifold <4182 -polupoikilos -> wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 EPH 003 019 And to know <1097 -ginosko -> the love <0026 -agape -> of Christ <5547 -Christos -> , which passeth <5235 -huperballo -> knowledge <1108 -gnosis -> , that ye might be filled <4137 -pleroo -> with all <3956 -pas -> the fulness <4138 -pleroma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 004 006 One <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of all <3956 -pas -> , who <3588 -ho -> [is] above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> , and through <1223 -dia -> all <3956 -pas -> , and in you all <3956 -pas -> .

2316 EPH 004 013 Till <3360 -mechri -> we all <3956 -pas -> come <2658 -katantao -> in the unity <1775 -henotes -> of the faith <4102 -pistis -> , and of the knowledge <1922 -epignosis -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , unto a perfect <5046 -teleios -> man <0435 -aner -> , unto the measure <3358 -metron -> of the stature <2244 -helikia -> of the fulness <4138 -pleroma -> of Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 004 018 Having the understanding <1271 -dianoia -> darkened <4654 -skotizo -> , being <5607 -on -> alienated <0526 -apallotrioo -> from the life <2222 -zoe -> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> the ignorance <0052 -agnoia -> that is in them , because <1223 -dia -> of the blindness <4457 -porosis -> of their heart <2588 -kardia -> :

2316 EPH 004 024 And that ye put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> the new <2537 -kainos -> man <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> after <2596 -kata -> God <{2316} -theos -> is created <2936 -ktizo -> in righteousness <1343 -dikaiosune -> and true <0225 -aletheia -> holiness <3742 -hosiotes -> .

2316 EPH 004 030 And grieve <3076 -lupeo -> not the holy <0040 -hagios -> Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , whereby <3739 -hos -> ye are sealed <4972 -sphragizo -> unto the day <2250 -hemera -> of redemption <0629 -apolutrosis -> .

2316 EPH 004 032 And be ye kind <5543 -chrestos -> one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> , tenderhearted <2155 -eusplagchnos -> , forgiving <5483 -charizomai -> one <1438 -heautou -> another <1438 -heautou -> , even <2532 -kai -> as God <{2316} -theos -> for Christ s <5547 -Christos -> sake <1722 -en -> hath forgiven <5483 -charizomai -> you .

2316 EPH 005 001 . Be ye therefore <3767 -oun -> followers <3402 -mimetes -> of God <{2316} -theos -> , as dear <0027 -agapetos -> children <5043 -teknon -> ;

2316 EPH 005 002 And walk <4043 -peripateo -> in love <0026 -agape -> , as Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> hath loved <0026 -agape -> us , and hath given <3860 -paradidomi -> himself <1438 -heautou -> for us an offering <4376 -prosphora -> and a sacrifice <2378 -thusia -> to God <{2316} -theos -> for a sweetsmelling <2175 -euodia -> savour <3744 -osme -> .

2316 EPH 005 005 For this <5124 -touto -> ye know <1097 -ginosko -> , that no <3756 -ou -> whoremonger <4205 -pornos -> , nor <2228 -e -> unclean <0169 -akathartos -> person , nor <2228 -e -> covetous <4123 -pleonektes -> man , who <3739 -hos -> is an idolater <1496 -eidololatres -> , hath <2192 -echo -> any inheritance <2817 -kleronomia -> in the kingdom <0932 -basileia -> of Christ <5547 -Christos -> and of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 005 006 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> deceive <0538 -apatao -> you with vain <2756 -kenos -> words <3056 -logos -> : for because <1223 -dia -> of these <5023 -tauta -> things cometh <2064 -erchomai -> the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> upon the children <5207 -huios -> of disobedience <0543 -apeitheia -> .

2316 EPH 005 020 Giving thanks <2168 -eucharisteo -> always <3842 -pantote -> for all <3956 -pas -> things unto God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> in the name <3686 -onoma -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 EPH 005 021 . Submitting <5293 -hupotasso -> yourselves one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> in the fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 006 006 Not with eyeservice <3787 -ophthalmodouleia -> , as menpleasers <0441 -anthropareskos -> ; but as the servants <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> , doing <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> from the heart <5590 -psuche -> ;

2316 EPH 006 011 Put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> the whole armour <3833 -panoplia -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to stand <2476 -histemi -> against <4314 -pros -> the wiles <3180 -methodeia -> of the devil <1228 -diabolos -> .

2316 EPH 006 013 Wherefore <5124 -touto -> take <0353 -analambano -> unto you the whole armour <3833 -panoplia -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to withstand <0436 -anthistemi -> in the evil <4190 -poneros -> day <2250 -hemera -> , and having done <2716 -katergazomai -> all <0537 -hapas -> , to stand <2476 -histemi -> .

2316 EPH 006 017 And take <1209 -dechomai -> the helmet <4030 -perikephalaia -> of salvation <4992 -soterion -> , and the sword <3162 -machaira -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , which <3739 -hos -> is the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> :

2316 EPH 006 023 Peace <1515 -eirene -> [be] to the brethren <0080 -adephos -> , and love <0026 -agape -> with faith <4102 -pistis -> , from God <{2316} -theos -> the Father

<3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] unto you ,
and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our
Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -
> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 003 . I thank <2168 -eucharisteo -> my God
<{2316} -theos -> upon every <3956 -pas -> remembrance <3417 -
mneia -> of you ,

2316 PHP 001 008 For God <{2316} -theos -> is my record <3144 -
martus -> , how <5613 -hos -> greatly <1971 -epipotheo -> I
long <1971 -epipotheo -> after <1971 -epipotheo -> you all <3956
-pas -> in the bowels <4698 -splagchnon -> of Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 011 Being filled <4137 -pleroo -> with the fruits
<2590 -karpos -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> , which
<3588 -ho -> are by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -
Christos -> , unto the glory <1391 -doxa -> and praise <1868 -
epainos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 001 028 And in nothing <3367 -medeis -> terrified
<4426 -pturo -> by your <3588 -ho -> adversaries <0480 -
antikeimai -> : which <3748 -hostis -> is to them an evident
<1732 -endeixis -> token <1732 -endeixis -> of perdition <0684 -
apoleia -> , but to you of salvation <4991 -soteria -> , and
that of God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 002 006 Who , being <5225 -huparcho -> in the form
<3444 -morphe -> of God <2316 -theos -> , thought <2233 -
hegeomai -> it not robbery <0725 -harpagmos -> to be equal <2470
-isos -> with God <{2316} -theos -> :

2316 PHP 002 006 Who , being <5225 -huparcho -> in the form
<3444 -morphe -> of God <{2316} -theos -> , thought <2233 -
hegeomai -> it not robbery <0725 -harpagmos -> to be equal <2470
-isos -> with God <2316 -theos -> :

2316 PHP 002 009 Wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos ->
also <2532 -kai -> hath highly <5251 -huperupsoo -> exalted
<5251 -huperupsoo -> him , and given <5483 -charizomai -> him a
name <3686 -onoma -> which <3588 -ho -> is above <5228 -huper ->
every <3596 -hodoiporeo -> name <3686 -onoma -> :

2316 PHP 002 011 And [that] every <3596 -hodoiporeo ->
tongue <1100 -glossa -> should confess <1843 -exomologeo -> that
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> [is] Lord
<2962 -kurios -> , to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -
theos -> the Father <3962 -pater -> .

2316 PHP 002 013 For it is God <{2316} -theos -> which <3588 -
ho -> worketh <1754 -energeo -> in you both <2532 -kai -> to
will <2309 -thelo -> and to do <1754 -energeo -> of [his]
good pleasure <2107 -eudokia -> .

2316 PHP 002 015 That ye may be blameless <0273 -amemptos ->
and harmless <0185 -akeraios -> , the sons <5043 -teknon -> of
God <{2316} -theos -> , without <0298 -amometos -> rebuke <0298
-amometos -> , in the midst <3319 -mesos -> of a crooked <4646 -
skolios -> and perverse <1294 -diastrepho -> nation <1074 -genea
-> , among <1722 -en -> whom <3739 -hos -> ye shine <5316 -
phaino -> as lights <5458 -phoster -> in the world <2889 -kosmos
-> ;

2316 PHP 002 027 For indeed <2532 -kai -> he was sick <0770 -
astheneo -> nigh <3897 -paraplesion -> unto death <2288 -
thanatos -> : but God <{2316} -theos -> had mercy <1653 -eleeo -
> on him ; and not on him only <3440 -monon -> , but on me
also <2532 -kai -> , lest <3361 -me -> I should have <2192 -
echo -> sorrow <3077 -lupe -> upon sorrow <3077 -lupe -> .

2316 PHP 003 003 For we are the circumcision <4061 -peritome ->
, which <3588 -ho -> worship <3000 -latreuo -> God <{2316} -
theos -> in the spirit <4151 -pneuma -> , and rejoice <2744 -
kauchaomai -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -
> , and have no <3756 -ou -> confidence <3982 -peitho -> in the
flesh <4561 -sarx -> .

2316 PHP 003 009 . And be found <2147 -heurisko -> in him ,
not having <2192 -echo -> mine <1699 -emos -> own <1699 -emos ->
righteousness <1343 -dikaiosune -> , which <3588 -ho -> is of
the law <3551 -nomos -> , but that which <3588 -ho -> is
through <1223 -dia -> the faith <4102 -pistis -> of Christ <5547
-Christos -> , the righteousness <1343 -dikaiosune -> which
<3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> by faith <4102 -pistis -
> :

2316 PHP 003 014 I press <1377 -dioko -> toward <2596 -kata ->
the mark <4649 -skopos -> for the prize <1017 -brabeion -> of
the high <0507 -ano -> calling <2821 -klesis -> of God <{2316} -
theos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 003 015 . Let us therefore <3767 -oun -> , as many
<3745 -hosos -> as be perfect <5046 -teleios -> , be thus <5124
-touto -> minded <5426 -phroneo -> : and if <1487 -ei -> in any
<1536 -ei tis -> thing ye be otherwise <2088 -heteros -> minded
<5426 -phroneo -> , God <{2316} -theos -> shall reveal <0601 -
apokalupto -> even <2532 -kai -> this <5124 -touto -> unto you .

2316 PHP 003 019 Whose <3739 -hos -> end <5056 -telos -> [is
] destruction <0684 -apoleia -> , whose <3739 -hos -> God
<{2316} -theos -> [is their] belly <2836 -koilia -> , and
[whose <3588 -ho ->] glory <1391 -doxa -> [is] in their
shame <0152 -aischune -> , who <3588 -ho -> mind <5426 -phroneo
-> earthly <1919 -epigeios -> things .)

2316 PHP 004 006 Be careful <3309 -merimnao -> for nothing
<3367 -medeis -> ; but in every <3596 -hodoiporeo -> thing by
prayer <4335 -proseuche -> and supplication <1162 -deesis ->
with thanksgiving <2169 -eucharistia -> let your <5216 -humon ->
requests <0155 -aitema -> be made <1107 -gnorizo -> known <1107 -
gnorizo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 004 007 And the peace <1515 -eirene -> of God <{2316} -
theos -> , which <3588 -ho -> passeth <5242 -huperecho -> all
<3956 -pas -> understanding <3563 -nous -> , shall keep <5432 -
phroureo -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> and
minds <3540 -noema -> through <1722 -en -> Christ <5547 -
Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 004 009 Those <5023 -tauta -> things , which <3739 -
hos -> ye have both <2532 -kai -> learned <3129 -manthano -> ,
and received <3880 -paralambano -> , and heard <0191 -akouo -> ,
and seen <1492 -eido -> in me , do <4238 -prasso -> : and
the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> shall be
with you .

2316 PHP 004 018 But I have <0568 -apecho -> all <3956 -pas -> ,
and abound <4052 -perisseuo -> : I am full <4137 -pleroo -> ,

having received <1209 -dechomai -> of Epaphroditus <1891 -Epaphroditos -> the things [which were sent] from you , an odour <3744 -osme -> of a sweet <2175 -euodia -> smell <2175 -euodia -> , a sacrifice <2378 -thusia -> acceptable <1184 -dektos -> , wellpleasing <2101 -euarestos -> to God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 004 019 But my God <{2316} -theos -> shall supply <4137 -pleroo -> all <3956 -pas -> your <5216 -humon -> need <5532 -chreia -> according <2596 -kata -> to his riches <4149 -ploutos -> in glory <1391 -doxa -> by Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 004 020 . Now <1161 -de -> unto God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> [be] glory <1391 -doxa -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 COL 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,

2316 COL 001 002 To the saints <0040 -hagios -> and faithful <4103 -pistos -> brethren <0080 -adephos -> in Christ <5547 -Christos -> which are at <1722 -en -> Colosse <2857 -Kolossai -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 COL 001 003 . We give thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , praying <4336 -proseuchomai -> always <3842 -pantote -> for you ,

2316 COL 001 006 Which <3588 -ho -> is come <3918 -pareimi -> unto you , as [it is] in all <3956 -pas -> the world <2889 -kosmos -> ; and bringeth <2592 -karpophoreo -> forth fruit <2592 -karpophoreo -> , as [it doth] also <2532 -kai -> in you , since <0575 -apo -> the day <2250 -hemera -> ye heard <0191 -akouo -> [of it] , and knew <1921 -epiginosko -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in truth <0226 -aletheuo -> :

2316 COL 001 010 That ye might walk <4043 -peripateo -> worthy <0516 -axios -> of the Lord <2962 -kurios -> unto all <3956 -pas -> pleasing <0699 -areskeia -> , being fruitful <2592 -karpophoreo -> in every <3596 -hodoiporeo -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> , and increasing <0837 -auzano -> in the knowledge <1922 -epignosis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 COL 001 015 Who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of the invisible <0517 -aoratos -> God <{2316} -theos -> , the firstborn <4416 -prototokos -> of every <3596 -hodoiporeo -> creature <2937 -ktisis -> :

2316 COL 001 025 Whereof <3739 -hos -> I am made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the dispensation <3622 -oikonomia -> of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> to me for you , to fulfil <4137 -pleroo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 COL 001 025 Whereof <3739 -hos -> I am made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the dispensation <3622 -oikonomia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> to me for you , to fulfil <4137 -pleroo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ;

2316 COL 001 027 To whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> would <2309 -thelo -> make <1107 -gnorizo -> known <1107 -gnorizo -> what <5101 -tis -> [is] the riches <4149 -ploutos -> of the glory <1391 -doxa -> of this <5127 -toutou -> mystery <3466 -musterion -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> ; which <3739 -hos -> is Christ <5547 -Christos -> in you , the hope <1680 -elpis -> of glory <1391 -doxa -> :

2316 COL 002 002 That their hearts <2588 -kardia -> might be comforted <3870 -parakaleo -> , being knit <4822 -sumbibazo -> together <4822 -sumbibazo -> in love <0026 -agape -> , and unto all <3956 -pas -> riches <4149 -ploutos -> of the full <4136 -plerophoria -> assurance <4136 -plerophoria -> of understanding <4907 -sunesis -> , to the acknowledgement <1922 -epignosis -> of the mystery <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> , and of the Father <3962 -pater -> , and of Christ <5547 -Christos -> ;

2316 COL 002 012 Buried <4916 -sunthapto -> with him in baptism <0908 -baptisma -> , wherein <3757 -hou -> also <2532 -kai -> ye are risen <4891 -sunegeiro -> with [him] through <1223 -dia -> the faith <4102 -pistis -> of the operation <1753 -energeia -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> .

2316 COL 002 019 And not holding <2902 -krateo -> the Head <2776 -kephale -> , from which <3739 -hos -> all <3956 -pas -> the body <4983 -soma -> by joints <0860 -haphe -> and bands <4886 -sundesmos -> having nourishment <2023 -epichoregeo -> ministered <2023 -epichoregeo -> , and knit <4822 -sumbibazo -> together <4822 -sumbibazo -> , increaseth <0837 -auzano -> with the increase <0838 -auxesis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 001 . If <1487 -ei -> ye then <3767 -oun -> be risen <4891 -sunegeiro -> with Christ <5547 -Christos -> , seek <2212 -zeteo -> those <3588 -ho -> things which are above <0507 -ano -> , where <3757 -hou -> Christ <5547 -Christos -> sitteth <2521 -kathemai -> on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 003 For ye are dead <0599 -apothnesko -> , and your <5216 -humon -> life <2222 -zoe -> is hid <2928 -krupto -> with Christ <5547 -Christos -> in God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 006 For which <3739 -hos -> things sake the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> cometh <2064 -erchomai -> on <1909 -epi -> the children <5207 -huios -> of disobedience <0543 -apeitheia -> :

2316 COL 003 012 . Put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> therefore <3767 -oun -> , as the elect <1588 -eklektos -> of God <{2316} -theos -> , holy <0040 -hagios -> and beloved <0025 -agapao -> , bowels <4698 -splagchnon -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , kindness <5544 -chrestotes -> , humbleness <5012 -tapeinophrosune -> of mind , meekness <4236 -praiotes -> , longsuffering <3115 -makrothumia -> ;

2316 COL 003 015 And let the peace <1515 -eirene -> of God <{2316} -theos -> rule <1018 -brabeuo -> in your <5216 -humon ->

hearts <2588 -kardia -> , to the which <3739 -hos -> also <2532 -kai -> ye are called <2564 -kaleo -> in one <1520 -heis -> body <4983 -soma -> ; and be ye thankful <2170 -eucharistos -> .

2316 COL 003 017 And whatsoever <5100 -tis -> ye do <4160 -poieo -> in word <3056 -logos -> or <2228 -e -> deed <2041 -ergon -> , [do <4160 -poieo ->] all <3956 -pas -> in the name <3686 -onoma -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , giving thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> by him .

2316 COL 003 022 Servants <1401 -doulos -> , obey <5219 -hupakouo -> in all <3956 -pas -> things [your <3588 -ho ->] masters <2962 -kurios -> according <2596 -kata -> to the flesh <4561 -sarx -> ; not with eyeservice <3787 -ophthalmodouleia -> , as menpleasers <0441 -anthropareskos -> ; but in singleness <0572 -haplotes -> of heart <2588 -kardia -> , fearing <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> :

2316 COL 004 003 Withal <0260 -hama -> praying <4336 -proseuchomai -> also <2532 -kai -> for us , that God <{2316} -theos -> would open <0455 -anoigo -> unto us a door <2374 -thura -> of utterance <3056 -logos -> , to speak <2980 -laleo -> the mystery <3466 -musterion -> of Christ <5547 -Christos -> , for which <3739 -hos -> I am also <2532 -kai -> in bonds <1210 -deo -> :

2316 COL 004 011 And Jesus <2424 -Iesous -> , which <3588 -ho -> is called <3004 -lego -> Justus <2459 -Ioustos -> , who <3588 -ho -> are of the circumcision <4061 -peritome -> . These <3778 -houtos -> only <3441 -monos -> [are my] fellowworkers <4904 -sunergos -> unto the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> have been <1096 -ginomai -> a comfort <3931 -paregoria -> unto me .

2316 COL 004 012 Epaphras <1889 -Epaphras -> , who <3588 -ho -> is [one] of you , a servant <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> , saluteth <0782 -aspazomai -> you , always <3842 -pantote -> labouring <0075 -agonizomai -> fervently for you in prayers <4335 -proseuche -> , that ye may stand <2476 -histemi -> perfect <5046 -teleios -> and complete <4137 -pleroo -> in all <3956 -pas -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> [which is] in God <2316 -theos -> the Father <3962 -pater -> and [in] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> [which is] in God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and [in] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <2316 -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TH 001 002 . We give thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> for you all <3956 -pas -> , making <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of you in our prayers <4335 -proseuche -> ;

2316 1TH 001 003 Remembering <3421 -mnemoneuo -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> your <5209 -humas -> work <2041 -ergon -> of faith <4102 -pistis -> , and labour <2873 -kopos -> of love <0026 -agape -> , and patience <5281 -hupomone -> of hope <1680 -elpis -> in our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , in the sight <1715 -emprosthen -> of God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> ;

2316 1TH 001 004 Knowing <1492 -eido -> , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> , your <5216 -humon -> election <1589 -ekloge -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 001 008 For from you sounded <1837 -execheomai -> out the word <3056 -logos -> of the Lord <2962 -kurios -> not only <3440 -monon -> in Macedonia <3109 -Makedonia -> and Achaia <0882 -Achaia -> , but also <2532 -kai -> in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> to God -ward <{2316} -theos -> is spread <1831 -exerchomai -> abroad <1831 -exerchomai -> ; so <5620 -hoste -> that we need <5532 -chreia -> not to speak <2980 -laleo -> any <5100 -tis -> thing .

2316 1TH 001 009 For they themselves <0846 -autos -> shew <0518 -apaggello -> of us what <3697 -hopoios -> manner <3697 -hopoios -> of entering <1529 -eisodos -> in we had <2192 -echo -> unto you , and how <4459 -pos -> ye turned <1994 -epistrepho -> to God <2316 -theos -> from idols <1497 -eidolon -> to serve <1398 -douleuo -> the living <2198 -zao -> and true <0228 -alethinos -> God <{2316} -theos -> ;

2316 1TH 001 009 For they themselves <0846 -autos -> shew <0518 -apaggello -> of us what <3697 -hopoios -> manner <3697 -hopoios -> of entering <1529 -eisodos -> in we had <2192 -echo -> unto you , and how <4459 -pos -> ye turned <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> from idols <1497 -eidolon -> to serve <1398 -douleuo -> the living <2198 -zao -> and true <0228 -alethinos -> God <2316 -theos -> ;

2316 1TH 002 002 But even <2532 -kai -> after that we had suffered <4310 -propascho -> before <4310 -propascho -> , and were shamefully <5195 -hubrizo -> entreated <5195 -hubrizo -> , as ye know <1492 -eido -> , at <1722 -en -> Philippi <5375 -Philippoi -> , we were bold <3955 -parrhesiazomai -> in our God <2316 -theos -> to speak <2980 -laleo -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> with much <4183 -polus -> contention <0073 -agon -> .

2316 1TH 002 002 But even <2532 -kai -> after that we had suffered <4310 -propascho -> before <4310 -propascho -> , and were shamefully <5195 -hubrizo -> entreated <5195 -hubrizo -> , as ye know <1492 -eido -> , at <1722 -en -> Philippi <5375 -Philippoi -> , we were bold <3955 -parrhesiazomai -> in our God <{2316} -theos -> to speak <2980 -laleo -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <2316 -theos -> with much <4183 -polus -> contention <0073 -agon -> .

2316 1TH 002 004 But as we were allowed <1381 -dokimazo -> of God <2316 -theos -> to be put <4160 -poieo -> in trust <4100 -pisteuo -> with the gospel <2098 -euaggelion -> , even so <3779 -houto -> we speak <2980 -laleo -> ; not as pleasing <0700 -

aresko -> men <0444 -anthropos -> , but God <{2316} -theos -> , which trieth <1381 -dokimazo -> our hearts <2588 -kardia -> .

2316 1TH 002 004 But as we were allowed <1381 -dokimazo -> of God <{2316} -theos -> to be put <4160 -poieo -> in trust <4100 -pisteuo -> with the gospel <2098 -euaggelion -> , even so <3779 -houto -> we speak <2980 -laleo -> ; not as pleasing <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , but God <2316 -theos -> , which trieth <1381 -dokimazo -> our hearts <2588 -kardia -> .

2316 1TH 002 005 For neither <3777 -oute -> at <4218 -pote -> any <4218 -pote -> time <4218 -pote -> used <1722 -en -> we flattering <2850 -kolakeia -> words <3056 -logos -> , as ye know <1492 -eido -> , nor <3777 -oute -> a cloke <4392 -prophasis -> of covetousness <4124 -pleonexia -> ; God <{2316} -theos -> [is] witness <3144 -martus -> :

2316 1TH 002 008 So <3779 -houto -> being affectionately <2442 -himeiromai -> desirous <2442 -himeiromai -> of you , we were willing <2106 -eudokeo -> to have imparted <3330 -metadidomi -> unto you , not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> only <3440 -monon -> , but also <2532 -kai -> our own <1438 -heautou -> souls <5590 -psuche -> , because <1360 -dioti -> ye were dear <0027 -agapetos -> unto us .

2316 1TH 002 009 For ye remember <3421 -mnemoneuo -> , brethren <0080 -adephos -> , our labour <2873 -kopos -> and travail <3449 -mochthos -> : for labouring <2873 -kopos -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> , because <4314 -pros -> we would not be chargeable <1912 -epibareo -> unto any <5100 -tis -> of you , we preached <2784 -kerusso -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 002 010 Ye [are] witnesses <3144 -martus -> , and God <{2316} -theos -> [also <2532 -kai ->] , how <5613 -hos -> holily <3743 -hosios -> and justly <1346 -dikaios -> and unblameably <0274 -amemptos -> we behaved <1096 -ginomai -> ourselves among you that believe <4100 -pisteuo -> :

2316 1TH 002 012 That ye would walk <4043 -peripateo -> worthy <0516 -axios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath called <2564 -kaleo -> you unto his kingdom <0932 -basileia -> and glory <1391 -doxa -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <2316 -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <2316 -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ,

which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <{2316} -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> , which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 014 For ye , brethren <0080 -adephos -> , became <1096 -ginomai -> followers <3402 -mimetes -> of the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> in Judaea <2449 -Ioudaia -> are in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> : for ye also <2532 -kai -> have suffered <3958 -pascho -> like <5024 -tauta -> things of your <2398 -idios -> own <2398 -idios -> countrymen <4853 -sumphuletes -> , even <2532 -kai -> as they [have] of the Jews <2453 -Ioudaios -> :

2316 1TH 002 015 Who <3588 -ho -> both <2532 -kai -> killed <0615 -apokteino -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and their own <2398 -idios -> prophets <4396 -prophetes -> , and have persecuted <1559 -ekdioko -> us ; and they please <0700 -aresko -> not God <{2316} -theos -> , and are contrary <1727 -enantios -> to all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> :

2316 1TH 003 002 And sent <3992 -pempo -> Timotheus <5095 -Timotheos -> , our brother <0080 -adephos -> , and minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , and our fellowlabourer <4904 -sunergos -> in the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , to establish <4741 -sterizo -> you , and to comfort <3870 -parakaleo -> you concerning <4012 -peri -> your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> :

2316 1TH 003 009 For what <5101 -tis -> thanks <2169 -eucharistia -> can <1410 -dunamai -> we render <0467 -antapodidomi -> to God <2316 -theos -> again <0467 -antapodidomi -> for you , for all <3956 -pas -> the joy <5479 -chara -> wherewith <3739 -hos -> we joy <5463 -chairo -> for your <5209 -humas -> sakes before <1715 -emprosthen -> our God <{2316} -theos -> ;

2316 1TH 003 009 For what <5101 -tis -> thanks <2169 -eucharistia -> can <1410 -dunamai -> we render <0467 -antapodidomi -> to God <{2316} -theos -> again <0467 -antapodidomi -> for you , for all <3956 -pas -> the joy <5479 -chara -> wherewith <3739 -hos -> we joy <5463 -chairo -> for your <5209 -humas -> sakes before <1715 -emprosthen -> our God <2316 -theos -> ;

2316 1TH 003 011 . Now <1161 -de -> God <{2316} -theos -> himself <0846 -autos -> and our Father <3962 -pater -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , direct <2720 -kateuthuno -> our way <3598 -hodos -> unto you .

2316 1TH 003 013 To the end <1519 -eis -> he may stablish <4741 -sterizo -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> unblameable <0299 -amomos -> in holiness <0042 -hagiosune -> before <1715 -emprosthen -> God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> our Father <3962 -pater -> , at <1722 -en -> the coming <3952 -parousia -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> with all <3956 -pas -> his saints <0040 -hagios -> .

2316 1TH 004 001 . Furthermore <3063 -loipon -> then <3767 -oun -> we beseech <2065 -erotao -> you , brethren <0080 -adephos -> , and exhort <3870 -parakaleo -> [you] by the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , that as ye have received <3880 -paralambano -> of us how <4459 -pos -> ye ought <1163 -dei -> to walk <4043 -peripateo -> and to please <0700 -aresko -> God <{2316} -theos -> , [so] ye would abound <4052 -perisseuo -> more <3123 -mallon -> and more <3123 -mallon -> .

2316 1TH 004 003 For this <5124 -touto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , [even] your <5216 -humon -> sanctification <0038 -hagiasmos -> , that ye should abstain <0567 -apechomai -> from fornication <4202 -porneia -> :

2316 1TH 004 005 Not in the lust <3806 -pathos -> of concupiscence <1939 -epithumia -> , even <2532 -kai -> as the Gentiles <1484 -ethnos -> which <3588 -ho -> know <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> :

2316 1TH 004 007 For God <{2316} -theos -> hath not called <2564 -kaleo -> us unto uncleanness <0167 -akatharsia -> , but unto holiness <0038 -hagiasmos -> .

2316 1TH 004 008 He therefore <5105 -toigaroun -> that despiseth <0114 -atheteo -> , despiseth <0114 -atheteo -> not man <0444 -anthropos -> , but God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath also <2532 -kai -> given <1325 -didomi -> unto us his holy <0040 -hagios -> Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 1TH 004 014 For if <1487 -ei -> we believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> died <0599 -apothnesko -> and rose <0450 -anistemi -> again <0450 -anistemi -> , even so <3779 -houto -> them also <2532 -kai -> which sleep <2837 -koimao -> in Jesus <2424 -Iesous -> will God <{2316} -theos -> bring <0071 -ago -> with him .

2316 1TH 004 016 For the Lord <2962 -kurios -> himself <0846 -autos -> shall descend <2597 -katabaino -> from heaven <3772 -ouranos -> with a shout <2752 -keleuma -> , with the voice <5456 -phone -> of the archangel <0743 -archaggelos -> , and with the trump <4536 -salpigx -> of God <{2316} -theos -> : and the dead <3498 -nekros -> in Christ <5547 -Christos -> shall rise <0450 -anistemi -> first <4412 -proton -> :

2316 1TH 005 009 For God <{2316} -theos -> hath not appointed <5087 -tithemi -> us to wrath <3709 -orge -> , but to obtain <4047 -peripoiesis -> salvation <4991 -soteria -> by our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,

2316 1TH 005 018 In every <3956 -pas -> thing give thanks <2168 -eucharisteo -> : for this <5124 -touto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> concerning <1519 -eis -> you .

2316 1TH 005 023 . And the very <0846 -autos -> God <{2316} -

theos -> of peace <1515 -eirene -> sanctify <0037 -hagiazo -> you wholly <3651 -holoteles -> ; and [I pray God] your <3588 -ho -> whole <3648 -holokleros -> spirit <4151 -pneuma -> and soul <5590 -psuche -> and body <4983 -soma -> be preserved <5083 -tereo -> blameless <0274 -amemptos -> unto the coming <3952 -parousia -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> in God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2TH 001 002 Grace <5485 -charis -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 001 003 We are bound <3784 -opheilo -> to thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> for you , brethren <0080 -adephos -> , as it is meet <0514 -axios -> , because <3754 -hoti -> that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> groweth <5232 -huperauxano -> exceedingly , and the charity <0026 -agape -> of every <1538 -hekastos -> one <1520 -heis -> of you all <3956 -pas -> toward <1519 -eis -> each <0240 -allelon -> other <0240 -allelon -> aboundeth <4121 -pleonazo -> ;

2316 2TH 001 004 So <5620 -hoste -> that we ourselves <0846 -autos -> glory <2744 -kauchaomai -> in you in the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> for your <5216 -humon -> patience <5281 -hupomone -> and faith <4102 -pistis -> in all <3956 -pas -> your <5216 -humon -> persecutions <1375 -diogmos -> and tribulations <2347 -thlipsis -> that ye endure <0430 -anechomai -> :

2316 2TH 001 005 . [Which is] a manifest token <1730 -endeigma -> of the righteous <1342 -dikaios -> judgment <2920 -krisis -> of God <2316 -theos -> , that ye may be counted <2661 -kataxioo -> worthy <2661 -kataxioo -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , for which <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> suffer :

2316 2TH 001 005 . [Which is] a manifest token <1730 -endeigma -> of the righteous <1342 -dikaios -> judgment <2920 -krisis -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be counted <2661 -kataxioo -> worthy <2661 -kataxioo -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <2316 -theos -> , for which <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> suffer :

2316 2TH 001 006 Seeing <1512 -ei per -> [it is] a righteous <1342 -dikaios -> thing with God <{2316} -theos -> to recompense <0467 -antapodidomi -> tribulation <2347 -thlipsis -> to them that trouble <2346 -thlibo -> you ;

2316 2TH 001 008 In flaming <5395 -phlox -> fire <4442 -pur -> taking <1325 -didomi -> vengeance <1557 -ekdikesis -> on them that know <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> , and that obey <5219 -hupakouo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2TH 001 011 . Wherefore <3739 -hos -> also <2532 -kai -> we pray <4336 -proseuchomai -> always <3842 -pantote -> for you ,

that our God <{2316} -theos -> would count <0515 -axioo -> you worthy <0515 -axioo -> of [this <3588 -ho ->] calling <2821 -klesis -> , and fulfil <4137 -pleroo -> all <3956 -pas -> the good pleasure <2107 -eudokia -> of [his] goodness <0019 -agathosune -> , and the work <2041 -ergon -> of faith <4102 -pistis -> with power <1411 -dunamis -> :

2316 2TH 001 012 That the name <3686 -onoma -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> may be glorified <1740 -edoxazo -> in you , and ye in him , according <2596 -kata -> to the grace <5485 -charis -> of our God <{2316} -theos -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <{2316} -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <{2316} -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai -> and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou -> above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego -> God <{2316} -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped <4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 011 And for this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> God <{2316} -theos -> shall send <3992 -pempo -> them strong <1753 -energeia -> delusion <4106 -plane -> , that they should believe <4100 -pisteuo -> a lie <5579 -pseudos -> :

2316 2TH 002 013 . But we are bound <3784 -opheilo -> to give thanks <2168 -eucharisteo -> alway <0104 -aei -> to God <2316 -theos -> for you , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> of the Lord <2962 -kurios -> , because <3754 -hoti -> God <{2316} -theos -> hath from the beginning <0746 -arche -> chosen <0138 -haireomai -> you to salvation <4991 -soteria -> through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> and belief <4102 -pistis -> of the truth <0225 -aletheia -> :

2316 2TH 002 013 . But we are bound <3784 -opheilo -> to give

thanks <2168 -eucharisteo -> alway <0104 -aei -> to God <{2316} -theos -> for you , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> of the Lord <2962 -kurios -> , because <3754 -hoti -> God <2316 -theos -> hath from the beginning <0746 -arche -> chosen <0138 -haireomai -> you to salvation <4991 -soteria -> through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> and belief <4102 -pistis -> of the truth <0225 -aletheia -> :

2316 2TH 002 016 . Now <1161 -de -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> himself <0846 -autos -> , and God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> our Father <3962 -pater -> , which <3588 -ho -> hath loved <0025 -agapao -> us , and hath given <1325 -didomi -> [us] everlasting <0166 -aionios -> consolation <3874 -paraklesis -> and good <0018 -agathos -> hope <1680 -elpis -> through <1722 -en -> grace <5485 -charis -> ,

2316 2TH 003 005 And the Lord <2962 -kurios -> direct <2720 -kateuthuno -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> into <1519 -eis -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , and into <1519 -eis -> the patient <5281 -hupomone -> waiting for Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TI 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the commandment <2003 -epitage -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> , and Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , [which <3588 -ho -> is] our hope <1680 -elpis -> ;

2316 1TI 001 002 Unto Timothy <5095 -Timotheos -> , [my] own <1103 -gnesios -> son <5043 -teknon -> in the faith <4102 -pistis -> : Grace <5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> , [and] peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 1TI 001 004 Neither <3366 -mede -> give heed <4337 -prosecho -> to fables <3454 -muthos -> and endless <0562 -aperantos -> genealogies <1076 -genealogia -> , which <3748 -hostis -> minister <3930 -parecho -> questions <2214 -zetesis -> , rather <3123 -mallon -> than <2228 -e -> godly <{2316} -theos -> edifying <3618 -oikodomeo -> which <3588 -ho -> is in faith <4102 -pistis -> : [so do] .

2316 1TI 001 011 According <2596 -kata -> to the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of the blessed <3107 -makarios -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> was committed <4100 -pisteuo -> to my trust <4100 -pisteuo -> .

2316 1TI 001 017 Now <1161 -de -> unto the King <0935 -basileus -> eternal <0165 -aion -> , immortal <0862 -aphthartos -> , invisible <0517 -aoratos -> , the only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> God <{2316} -theos -> , [be] honour <5092 -time -> and glory <1391 -doxa -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1TI 002 003 For this <5124 -touto -> [is] good <2570 -kalos -> and acceptable <0587 -apodektos -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> ;

2316 1TI 002 005 For [there is] one <1520 -heis -> God <2316 -theos -> , and one <1520 -heis -> mediator <3316 -mesites -> between God <{2316} -theos -> and men <0444 -anthropos -> , the man <0444 -anthropos -> Christ <5547 -

Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ;

2316 1TI 002 005 For [there is] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , and one <1520 -heis -> mediator <3316 -mesites -> between God <2316 -theos -> and men <0444 -anthropos -> , the man <0444 -anthropos -> Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ;

2316 1TI 003 005 (For if <1487 -ei -> a man <5100 -tis -> know <1492 -eido -> not how to rule <4291 -proistemi -> his own <2398 -idios -> house <3624 -oikos -> , how <4459 -pos -> shall he take care <1959 -epimeleomai -> of the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> ?)

2316 1TI 003 015 But if <1437 -ean -> I tarry <1019 -braduno -> long , that thou mayest know <1492 -eido -> how <4459 -pos -> thou oughtest <1163 -dei -> to behave <0390 -anastrepho -> thyself in the house <3624 -oikos -> of God <2316 -theos -> , which <3748 -hostis -> is the church <1577 -ekklesia -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , the pillar <4769 -stulos -> and ground <1477 -hedraioma -> of the truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 003 015 But if <1437 -ean -> I tarry <1019 -braduno -> long , that thou mayest know <1492 -eido -> how <4459 -pos -> thou oughtest <1163 -dei -> to behave <0390 -anastrepho -> thyself in the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> is the church <1577 -ekklesia -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> , the pillar <4769 -stulos -> and ground <1477 -hedraioma -> of the truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 003 016 And without <3672 -homologoumenos -> controversy <3672 -homologoumenos -> great <3173 -megas -> is the mystery <3466 -musterion -> of godliness <2150 -eusebeia -> : God <{2316} -theos -> was manifest <5319 -phaneroo -> in the flesh <4561 -sarx -> , justified <1344 -dikaioo -> in the Spirit <4151 -pneuma -> , seen <3700 -optanomai -> of angels <0032 -aggelos -> , preached <2784 -kerusso -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> , believed <4100 -pisteuo -> on in the world <2889 -kosmos -> , received <0353 -analambano -> up into <1722 -en -> glory <1391 -doxa -> .

2316 1TI 004 003 Forbidding <2967 -koluo -> to marry <1060 -gameo -> , [and commanding] to abstain <0567 -apechomai -> from meats <1033 -broma -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath created <2936 -ktizo -> to be received <3336 -metalepsis -> with thanksgiving <2169 -eucharistia -> of them which believe <4103 -pistos -> and know <1921 -epiginosko -> the truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 004 004 For every <3956 -pas -> creature <2938 -ktisma -> of God <{2316} -theos -> [is] good <2570 -kalos -> , and nothing <3762 -oudeis -> to be refused <0579 -apobletos -> , if it be received <2983 -lambano -> with thanksgiving <2169 -eucharistia -> :

2316 1TI 004 005 For it is sanctified <0037 -hagiazo -> by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> and prayer <1783 -enteuxis -> .

2316 1TI 004 010 For therefore <5124 -touto -> we both <2532 -kai -> labour <2872 -kopiao -> and suffer reproach <3679 -oneidizo -> , because <3754 -hoti -> we trust <1679 -elpizo -> in the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , who <3739 -hos -> is the Saviour <4990 -soter -> of all <3956 -pas -> men

<0444 -anthropos -> , specially <3122 -malista -> of those that believe <4103 -pistos -> .

2316 1TI 005 004 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> widow <5503 -chera -> have <2192 -echo -> children <5043 -teknon -> or <2228 -e -> nephews <1549 -ekgonon -> , let them learn <3129 -manthano -> first <4412 -proton -> to shew <2151 -eusebeo -> piety <2151 -eusebeo -> at home <2398 -idios -> , and to requite <0287 -amoibe -> their parents <4269 -progonos -> : for that is good <2570 -kalos -> and acceptable <0587 -apodektos -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 1TI 005 005 Now <1161 -de -> she that is a widow <5503 -chera -> indeed <3689 -ontos -> , and desolate <3443 -monoo -> , trusteth <1679 -elpizo -> in God <{2316} -theos -> , and continueth <4357 -prosmeno -> in supplications <1162 -deesis -> and prayers <4335 -proseuche -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> .

2316 1TI 005 021 I charge <1263 -diamarturomai -> [thee] before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and the elect <1588 -eklektos -> angels <0032 -aggelos -> , that thou observe <5442 -phulasso -> these <5023 -tauta -> things without <5565 -choris -> preferring <4299 -prokrima -> one before <4299 -prokrima -> another <4299 -prokrima -> , doing <4160 -poieo -> nothing <3367 -medeis -> by partiality <4346 -prosklisis -> .

2316 1TI 006 001 . Let as many <3745 -hosos -> servants <1401 -doulos -> as are under <5259 -hupo -> the yoke <2218 -zugos -> count <2233 -hegeomai -> their own <2398 -idios -> masters <1203 -despotes -> worthy <0514 -axios -> of all <3956 -pas -> honour <5092 -time -> , that the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> and [his] doctrine <1319 -didaskalia -> be not blasphemed <0987 -blasphemeo -> .

2316 1TI 006 011 But thou , O man <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> , flee <5343 -pheugo -> these <5023 -tauta -> things ; and follow <1377 -dioko -> after righteousness <1343 -dikaiosune -> , godliness <2150 -eusebeia -> , faith <4102 -pistis -> , love <0026 -agape -> , patience <5281 -hupomone -> , meekness <4236 -praiotes -> .

2316 1TI 006 013 . I give thee charge <3853 -paraggello -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> quickeneth <2227 -zoopoieo -> all <3956 -pas -> things , and [before] Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3588 -ho -> before <1909 -epi -> Pontius <4194 -Pontios -> Pilate <4091 -Pilatos -> witnessed <3140 -martureo -> a good <2570 -kalos -> confession <3671 -homologia -> ;

2316 1TI 006 017 Charge <3853 -paraggello -> them that are rich <4145 -plousios -> in this <3568 -nun -> world <0165 -aion -> , that they be not highminded <5309 -hupselophroneo -> , nor <3366 -mede -> trust <1679 -elpizo -> in uncertain <0083 -adelotes -> riches <4149 -ploutos -> , but in the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> giveth <3930 -parecho -> us richly <4146 -plousios -> all <3956 -pas -> things to enjoy <0619 -apolausis -> ;

2316 2TI 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , according <2596 -kata -> to the promise <1860 -epaggelia -> of

life <2222 -zoe -> which <3588 -ho -> is in Christ <5547 -
Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ,

2316 2TI 001 002 To Timothy <5095 -Timotheos -> ,   [my]
dearly beloved <0027 -agapetos -> son <5043 -teknon -> : Grace
<5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> ,   [and] peace
<1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -
pater -> and Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous ->
our Lord <2962 -kurios -> .

2316 2TI 001 003 I thank <5485 -charis -> God <{2316} -theos ->
, whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> from [my]
forefathers <4269 -progonos -> with pure <2513 -katharos ->
conscience <4893 -suneidesis -> , that without <0088 -
adialeiptos -> ceasing <0088 -adialeiptos -> I have <2192 -echo -
> remembrance <3417 -mneia -> of thee in my prayers <1162 -
deesis -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> ;

2316 2TI 001 006 . Wherefore <3739 -hos -> I put <0363 -
anamimnesko -> thee in remembrance <0363 -anamimnesko -> that
thou stir <0329 -anazopureo -> up the gift <5486 -charisma -> of
God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> is in thee by the
putting <1936 -epithesis -> on <1936 -epithesis -> of my hands
<5495 -cheir -> .

2316 2TI 001 007 For God <{2316} -theos -> hath not given <1325
-didomi -> us the spirit <4151 -pneuma -> of fear <1167 -deilia -
> ; but of power <1411 -dunamis -> , and of love <0026 -agape -
> , and of a sound <4995 -sophronismos -> mind <4995 -
sophronismos -> .

2316 2TI 001 008 Be not thou therefore <3767 -oun -> ashamed
<1870 -epaischunomai -> of the testimony <3142 -marturion -> of
our Lord <2962 -kurios -> , nor <3366 -mede -> of me his
prisoner <1198 -desmios -> : but be thou partaker <4777 -
sugkakopatheo -> of the afflictions <4777 -sugkakopatheo -> of
the gospel <2098 -euaggelion -> according <2596 -kata -> to the
power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 2TI 002 009 Wherein <3757 -hou -> I suffer <2553 -
kakopatheo -> trouble <2553 -kakopatheo -> , as an evil <2557 -
kakourgos -> doer <2557 -kakourgos -> ,   [even] unto bonds
<1199 -desmon -> ; but the word <3056 -logos -> of God <{2316} -
theos -> is not bound <1210 -deo -> .

2316 2TI 002 015 Study <4704 -spoudazo -> to shew <3936 -
paristemi -> thyself <4572 -seautou -> approved <1384 -dokimos -
> unto God <{2316} -theos -> , a workman <2040 -ergates -> that
needeth <0422 -anepaischuntos -> not to be ashamed <0422 -
anepaischuntos -> , rightly dividing <3718 -orthotomeo -> the
word <3056 -logos -> of truth <0225 -aletheia -> .

2316 2TI 002 019 . Nevertheless <3305 -mentoi -> the
foundation <2310 -themelios -> of God <{2316} -theos -> standeth
<2476 -histemi -> sure <4731 -stereos -> , having <2192 -echo -
> this <5026 -taute -> seal <4973 -sphragis -> , The Lord <2962
-kurios -> knoweth <1097 -ginosko -> them that are his . And ,
Let every <3956 -pas -> one that nameth <3687 -onomazo -> the
name <3686 -onoma -> of Christ <5547 -Christos -> depart <0868 -
aphistemi -> from iniquity <0093 -adikia -> .

2316 2TI 002 025 In meekness <4236 -praiotes -> instructing
<3811 -paideuo -> those <3588 -ho -> that oppose <0475 -
antidiatithemai -> themselves ; if <3379 -mepote -> God <{2316}
-theos -> peradventure <3379 -mepote -> will give <1325 -didomi -
> them repentance <3341 -metanoia -> to the acknowledging <1922 -

epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> ;

2316 2TI 003 017 That the man <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> may be perfect <0739 -artios -> , throughly <1822 -exartizo -> furnished <1822 -exartizo -> unto all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> works <2041 -ergon -> .

2316 2TI 004 001 . I charge <1263 -diamarturomai -> [thee] therefore <3767 -oun -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> shall judge <2919 -krino -> the quick <2198 -zao -> and the dead <3498 -nekros -> at <2596 -kata -> his appearing <2015 -epiphaneia -> and his kingdom <0932 -basileia -> ;

2316 TIT 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <2316 -theos -> , and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , according <2596 -kata -> to the faith <4102 -pistis -> of God s <{2316} -theos -> elect <1588 -eklektos -> , and the acknowledging <1922 -epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> which <3588 -ho -> is after <2596 -kata -> godliness <2150 -eusebeia -> ;

2316 TIT 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> , and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , according <2596 -kata -> to the faith <4102 -pistis -> of God s <2316 -theos -> elect <1588 -eklektos -> , and the acknowledging <1922 -epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> which <3588 -ho -> is after <2596 -kata -> godliness <2150 -eusebeia -> ;

2316 TIT 001 002 In hope <1680 -elpis -> of eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> , that cannot <0893 -apseudes -> lie <0893 -apseudes -> , promised <1861 -epaggello -> before <4253 -pro -> the world <0166 -aionios -> began ;

2316 TIT 001 003 But hath in due <2398 -idios -> times <2540 -kairos -> manifested <5319 -phaneroo -> his word <3056 -logos -> through <1722 -en -> preaching <2782 -kerugma -> , which <3739 -hos -> is committed <4100 -pisteuo -> unto me according <2596 -kata -> to the commandment <2003 -epitage -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> ;

2316 TIT 001 004 To Titus <5103 -Titos -> , [mine] own <1103 -gnesios -> son <5043 -teknon -> after <2596 -kata -> the common <2839 -koinos -> faith <4102 -pistis -> : Grace <5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> , [and] peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Saviour <4990 -soter -> .

2316 TIT 001 007 For a bishop <1985 -episkopos -> must <1163 -dei -> be blameless <0410 -anegkletos -> , as the steward <3622 -oikonomia -> of God <{2316} -theos -> ; not selfwilled <0829 -authades -> , not soon <3711 -orgilos -> angry <3711 -orgilos -> , not given <3943 -paroinos -> to wine <3943 -paroinos -> , no <3361 -me -> striker <4131 -plektes -> , not given to filthy <0150 -aischros -> lucre <0146 -aischrokerdes -> ;

2316 TIT 001 016 They profess <3670 -homologeo -> that they know <1492 -eido -> God <{2316} -theos -> ; but in works <2041 -ergon -> they deny <0720 -arneomai -> [him] , being <5607 -on -> abominable <0947 -bdeluktos -> , and disobedient <0545 -

apeithes -> , and unto every <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> reprobate <0096 -adokimos -> .

2316 TIT 002 005 [To be] discreet <4998 -sophron -> , chaste <0053 -hagnos -> , keepers <3626 -oikouros -> at <3626 -oikouros -> home <3626 -oikouros -> , good <0018 -agathos -> , obedient <5293 -hupotasso -> to their own <2398 -idios -> husbands <0435 -aner -> , that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> be not blasphemed <0987 -blasphemeo -> .

2316 TIT 002 010 Not purloining <3557 -nosphizomai -> , but shewing <1731 -endeiknumi -> all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> fidelity <4102 -pistis -> ; that they may adorn <2885 -kosmeo -> the doctrine <1319 -didaskalia -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> in all <3956 -pas -> things .

2316 TIT 002 011 . For the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> that bringeth <4992 -soterion -> salvation <4992 -soterion -> hath appeared <2014 -epiphaino -> to all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> ,

2316 TIT 002 013 Looking <4327 -prosdechomai -> for that blessed <3107 -makarios -> hope <1680 -elpis -> , and the glorious <1391 -doxa -> appearing <2015 -epiphaneia -> of the great <3173 -megas -> God <{2316} -theos -> and our Saviour <4990 -soter -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 TIT 003 004 But after <3753 -hote -> that the kindness <5544 -chrestotes -> and love <5363 -philanthropia -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> toward <4314 -pros -> man appeared <2014 -epiphaino -> ,

2316 TIT 003 008 [This <3588 -ho -> is] a faithful <4103 -pistos -> saying <3056 -logos -> , and these <5130 -touton -> things I will <1014 -boo -lom -ahee -> that thou affirm <1226 -diabebaioomai -> constantly <1226 -diabebaioomai -> , that they which have believed <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> might be careful <5431 -phrontizo -> to maintain <4291 -proistemi -> good <2570 -kalos -> works <2041 -ergon -> . These <5023 -tauta -> things are good <2570 -kalos -> and profitable <5624 -ophelimos -> unto men <0444 -anthropos -> .

2316 PHM 001 003 Grace <5485 -charis -> to you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHM 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> , making <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of thee always <3842 -pantote -> in my prayers <4335 -proseuche -> ,

2316 HEB 001 001 . God <{2316} -theos -> , who at sundry <4181 -polumeros -> times and in divers <4187 -polutropos -> manners <4187 -polutropos -> spake <2980 -laleo -> in time <3819 -palai -> past <3819 -palai -> unto the fathers <3962 -pater -> by the prophets <4396 -prophetes -> ,

2316 HEB 001 006 And again <3825 -palin -> , when <3752 -hotan -> he bringeth <1521 -eisago -> in the firstbegotten <4416 -prototokos -> into <1519 -eis -> the world <3625 -oikoumene -> , he saith <3004 -lego -> , And let all <3956 -pas -> the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> worship <4352 -proskuneo -> him .

2316 HEB 001 008 But unto the Son <5207 -huios -> [he saith] , Thy throne <2362 -thronos -> , O God <{2316} -theos -> , [is] for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> : a sceptre <4464 -rhabdos -> of righteousness <2118 -euthutes -> [is] the sceptre <4464 -rhabdos -> of thy kingdom <0932 -basileia -> .

2316 HEB 001 009 Thou hast loved <0025 -agapao -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and hated <3404 -miseo -> iniquity <0458 -anomia -> ; therefore <5124 -touto -> God <2316 -theos -> , [even] thy God <{2316} -theos -> , hath anointed <5548 -chrio -> thee with the oil <1637 -elaion -> of gladness <0020 -agalliasis -> above <3844 -para -> thy fellows <3353 -metochos -> .

2316 HEB 001 009 Thou hast loved <0025 -agapao -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and hated <3404 -miseo -> iniquity <0458 -anomia -> ; therefore <5124 -touto -> God <{2316} -theos -> , [even] thy God <2316 -theos -> , hath anointed <5548 -chrio -> thee with the oil <1637 -elaion -> of gladness <0020 -agalliasis -> above <3844 -para -> thy fellows <3353 -metochos -> .

2316 HEB 002 004 God <{2316} -theos -> also <4901 -sunepimartureo -> bearing <4901 -sunepimartureo -> [them] witness <4901 -sunepimartureo -> , both <5037 -te -> with signs <4591 -semaino -> and wonders <5059 -teras -> , and with divers <4164 -poikilos -> miracles <1411 -dunamis -> , and gifts <3311 -merismos -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , according <2596 -kata -> to his own will <2308 -thelesis -> ?

2316 HEB 002 009 But we see <0991 -blepo -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3588 -ho -> was made <1642 -elattoo -> a little <1024 -brachus -> lower <1642 -elattoo -> than <3844 -para -> the angels <0032 -aggelos -> for the suffering <3804 -pathema -> of death <2288 -thanatos -> , crowned <4737 -stephanoo -> with glory <1391 -doxa -> and honour <5092 -time -> ; that he by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> should taste <1089 -geuomai -> death <2288 -thanatos -> for every <3956 -pas -> man .

2316 HEB 002 013 And again <3825 -palin -> , I will put <3982 -peitho -> my trust <3982 -peitho -> in him . And again <3825 -palin -> , Behold <2400 -idou -> I and the children <3813 -paidion -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> me .

2316 HEB 002 017 Wherefore <3606 -hothen -> in all <3956 -pas -> things it behoved <3784 -opheilo -> him to be made <3666 -homoioo -> like <3666 -homoioo -> unto [his] brethren <0080 -adephos -> , that he might be a merciful <1655 -eleemon -> and faithful <4103 -pistos -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> in things [pertaining] to God <{2316} -theos -> , to make <2433 -hilaskomai -> reconciliation <2433 -hilaskomai -> for the sins <0266 -hamartia -> of the people <2992 -laos -> .

2316 HEB 003 004 For every <3956 -pas -> house <3624 -oikos -> is builded <2680 -kataskeuazo -> by some <5100 -tis -> [man] ; but he that built <2680 -kataskeuazo -> all <3956 -pas -> things [is] God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 003 012 Take heed <0991 -blepo -> , brethren <0080 -adephos -> , lest <3379 -mepote -> there be in any <5100 -tis -> of you an evil <4190 -poneros -> heart <2588 -kardia -> of unbelief <0570 -apaistia -> , in departing <0868 -aphistemi ->

from the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 004 004 For he spake <2046 -ereo -> in a certain <4225 -pou -> place of the seventh <1442 -hebdomos -> [day] on this <3779 -houto -> wise <3779 -houto -> , And God <{2316} -theos -> did rest <2664 -katapauo -> the seventh <1442 -hebdomos -> day <2250 -hemera -> from all <3956 -pas -> his works <2041 -ergon -> .

2316 HEB 004 009 There remaineth <0620 -apoleipo -> therefore <0686 -ara -> a rest <4520 -sabbatismos -> to the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 004 010 For he that is entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> his rest <2663 -katapausis -> , he also <2532 -kai -> hath ceased <2664 -katapauo -> from his own <0848 -hautou -> works <2041 -ergon -> , as God <{2316} -theos -> [did] from his .

2316 HEB 004 012 For the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> [is] quick <2198 -zao -> , and powerful <1756 -energes -> , and sharper <5114 -tomoteros -> than <5228 -huper -> any <3956 -pas -> twoedged <1366 -distomos -> sword <3162 -machaira -> , piercing <1338 -diikneomai -> even to the dividing <3311 -merismos -> asunder of soul <5590 -psuche -> and spirit <4151 -pneuma -> , and of the joints <0719 -harmos -> and marrow <3452 -muelos -> , and [is] a discerner <2924 -kritikos -> of the thoughts <1761 -enthumesis -> and intents <1771 -ennoia -> of the heart <2588 -kardia -> .

2316 HEB 004 014 Seeing then <3767 -oun -> that we have <2192 -echo -> a great <3173 -megas -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> , that is passed <1330 -dierchomai -> into the heavens <3772 -ouranos -> , Jesus <2424 -Iesous -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , let us hold <2902 -krateo -> fast [our] profession <3671 -homologia -> .

2316 HEB 005 001 . For every <3956 -pas -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> taken <2983 -lambano -> from among <3319 -mesos -> men <0444 -anthropos -> is ordained <2525 -kathistemi -> for men <0444 -anthropos -> in things [pertaining] to God <{2316} -theos -> , that he may offer <4374 -prosphero -> both <5037 -te -> gifts <1435 -doron -> and sacrifices <2378 -thusia -> for sins <0266 -hamartia -> :

2316 HEB 005 004 And no <3756 -ou -> man <5100 -tis -> taketh <2983 -lambano -> this <3588 -ho -> honour <5092 -time -> unto himself <1438 -heautou -> , but he that is called <2564 -kaleo -> of God <{2316} -theos -> , as [was] Aaron <0002 -Aaron -> .

2316 HEB 005 010 . Called <4316 -prosagoreuo -> of God <{2316} -theos -> an high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> after <2596 -kata -> the order <5010 -taxis -> of Melchisedec <3198 -Melchisedek -> .

2316 HEB 005 012 For when for the time <5550 -chronos -> ye ought <3784 -opheilo -> to be teachers <1320 -didaskalos -> , ye have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> that one teach <1321 -didasko -> you again <3825 -palin -> which <5101 -tis -> [be] the first <0746 -arche -> principles <4747 -stoicheion -> of the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> ; and are become <1096 -ginomai -> such as have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> of milk <1051 -gala -> , and not of strong <4731 -stereos -> meat <5160 -trophe -> .

2316 HEB 006 001 . Therefore leaving <0863 -aphiemi -> the principles <0746 -arche -> of the doctrine <3056 -logos -> of Christ <5547 -Christos -> , let us go <5342 -phero -> on unto perfection <5051 -teleiotes -> ; not laying <2598 -kataballo -> again <3825 -palin -> the foundation <2310 -themelios -> of repentance <3341 -metanoia -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> , and of faith <4102 -pistis -> toward <1909 -epi -> God <{2316} -theos -> ,

2316 HEB 006 003 And this <5124 -touto -> will we do <4160 -poieo -> , if <1437 -ean -> God <{2316} -theos -> permit <2010 -epitrepo -> .

2316 HEB 006 005 And have tasted <1089 -geuomai -> the good <2570 -kalos -> word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> , and the powers <1411 -dunamis -> of the world <0165 -aion -> to come <3195 -mello -> ,

2316 HEB 006 006 If they shall fall <3895 -parapipto -> away <3895 -parapipto -> , to renew <0340 -anakainizo -> them again <3825 -palin -> unto repentance <3341 -metanoia -> ; seeing they crucify <0388 -anastauroo -> to themselves <1438 -heautou -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> afresh <0388 -anastauroo -> , and put <3856 -paradeigmatizo -> [him] to an open <3856 -paradeigmatizo -> shame <3856 -paradeigmatizo -> .

2316 HEB 006 007 For the earth <1093 -ge -> which <3588 -ho -> drinketh <4095 -pino -> in the rain <5205 -huetos -> that cometh <2064 -erchomai -> oft <4178 -pollakis -> upon it , and bringeth <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> herbs <1008 -botane -> meet <2111 -euthetos -> for them by whom <3739 -hos -> it is dressed <1090 -georgeo -> , receiveth <3335 -metalambano -> blessing <2129 -eulogia -> from God <{2316} -theos -> :

2316 HEB 006 010 For God <{2316} -theos -> [is] not unrighteous <0094 -adikos -> to forget <1950 -epilanthanomai -> your <5216 -humon -> work <2041 -ergon -> and labour <2873 -kopos -> of love <0026 -agape -> , which <3739 -hos -> ye have shewed <1731 -endeiknumi -> toward <1519 -eis -> his name <3686 -onoma -> , in that ye have ministered <1247 -diakoneo -> to the saints <0040 -hagios -> , and do minister <1247 -diakoneo -> .

2316 HEB 006 013 For when God <{2316} -theos -> made <1861 -epaggello -> promise <1861 -epaggello -> to Abraham <11> , because <1893 -epei -> he could <2192 -echo -> swear <3660 -omnuo -> by no <3762 -oudeis -> greater <3187 -meizon -> , he sware <3660 -omnuo -> by himself <1438 -heautou -> ,

2316 HEB 006 017 Wherein <3757 -hou -> God <{2316} -theos -> , willing <1014 -boo -lom -ahee -> more <4054 -perissoteron -> abundantly <4054 -perissoteron -> to shew <1925 -epideiknumi -> unto the heirs <2818 -kleronomos -> of promise <1860 -epaggelia -> the immutability <0276 -ametathetos -> of his counsel <1012 -boule -> , confirmed <3315 -mesiteuo -> [it] by an oath <3727 -horkos -> :

2316 HEB 006 018 That by two <1417 -duo -> immutable <0276 -ametathetos -> things , in which <3739 -hos -> [it was] impossible <0102 -adunatos -> for God <{2316} -theos -> to lie <5574 -pseudomai -> , we might have <2192 -echo -> a strong <2478 -ischuros -> consolation <3874 -paraklesis -> , who <3588 -ho -> have fled <2703 -katapheugo -> for refuge <2703 -katapheugo -> to lay hold <2902 -krateo -> upon the hope <1680 -elpis -> set <4295 -prokeimai -> before <4295 -prokeimai -> us :

2316 HEB 007 001 . For this <3778 -houtos -> Melchisedec <3198

-Melchisedek -> , king <0935 -basileus -> of Salem <4532 -Salem -> , priest <2409 -hiereus -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> met <4876 -sunantao -> Abraham <0011 -Abraam ->returning <5290 -hupostrepho -> from the slaughter <2871 -kope -> of the kings <0935 -basileus -> , and blessed <2127 -eulogeo -> him ;

2316 HEB 007 003 Without <0540 -apator -> father <0540 -apator -> , without <0282 -ametor -> mother <0282 -ametor -> , without <0035 -agenealogetos -> descent <0035 -agenealogetos -> , having <2192 -echo -> neither <3383 -mete -> beginning <0746 -arche -> of days <2250 -hemera -> , nor <3383 -mete -> end <5056 -telos -> of life <2222 -zoe -> ; but made <0871 -aphomoioo -> like <0871 -aphomoioo -> unto the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; abideth <3306 -meno -> a priest <2409 -hiereus -> continually <1336 -dienekes -> .

2316 HEB 007 019 For the law <3551 -nomos -> made <5048 -teleioo -> nothing <3762 -oudeis -> perfect <5048 -teleioo -> , but the bringing <1898 -epeisagoge -> in of a better <2909 -kreitton -> hope <1680 -elpis -> [did] ; by the which <3739 -hos -> we draw nigh <1448 -eggizo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 007 025 Wherefore <3606 -hothen -> he is able <1410 -dunamai -> also <2532 -kai -> to save <4982 -sozo -> them to the uttermost <3838 -panteles -> that come <4334 -proserchomai -> unto God <{2316} -theos -> by him , seeing he ever <3842 -pantote -> liveth <2198 -zao -> to make <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> for them .

2316 HEB 008 010 For this <3778 -houtos -> [is] the covenant <1242 -diatheke -> that I will make <1303 -diatithemai -> with the house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> after <3326 -meta -> those <1565 -ekeinos -> days <2250 -hemera -> , saith <3004 -lego -> the Lord <2962 -kurios -> ; I will put <1325 -didomi -> my laws <3551 -nomos -> into <1519 -eis -> their mind <1271 -dianoia -> , and write <1924 -epigrapho -> them in their hearts <2588 -kardia -> : and I will be to them a God <{2316} -theos -> , and they shall be to me a people <2992 -laos -> :

2316 HEB 009 014 How <4214 -posos -> much <4214 -posos -> more <3123 -mallon -> shall the blood <0129 -haima -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> through <1223 -dia -> the eternal <0166 -aionios -> Spirit <4151 -pneuma -> offered <4374 -prosphero -> himself <1438 -heautou -> without <0299 -amomos -> spot <0299 -amomos -> to God <2316 -theos -> , purge <2511 -katharizo -> your <5216 -humon -> conscience <4893 -suneidesis -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> to serve <3000 -latreuo -> the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ?

2316 HEB 009 014 How <4214 -posos -> much <4214 -posos -> more <3123 -mallon -> shall the blood <0129 -haima -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> through <1223 -dia -> the eternal <0166 -aionios -> Spirit <4151 -pneuma -> offered <4374 -prosphero -> himself <1438 -heautou -> without <0299 -amomos -> spot <0299 -amomos -> to God <{2316} -theos -> , purge <2511 -katharizo -> your <5216 -humon -> conscience <4893 -suneidesis -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> to serve <3000 -latreuo -> the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ?

2316 HEB 009 020 Saying <3004 -lego -> , This <5124 -touto -> [is] the blood <0129 -haima -> of the testament <1242 -diatheke -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath

enjoined <1781 -entellomai -> unto you .

2316 HEB 009 024 For Christ <5547 -Christos -> is not entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the holy <0039 -hagion -> places made <5499 -cheiropoietos -> with hands <5499 -cheiropoietos -> , [which are] the figures <0499 -antitupon -> of the true <0228 -alethinos -> ; but into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> itself <0846 -autos -> , now <3568 -nun -> to appear <1718 -emphanizo -> in the presence <4383 -prosopon -> of God <{2316} -theos -> for us :

2316 HEB 010 007 . Then <5119 -tote -> said <2036 -epo -> I , Lo <2400 -idou -> , I come <2240 -heko -> (in the volume <2777 -kephalis -> of the book <0975 -biblion -> it is written <1125 -grapho -> of me ,) to do <4160 -poieo -> thy will <2307 -thelema -> , O God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 010 009 Then <5119 -tote -> said <2046 -ereo -> he , Lo <2400 -idou -> , I come <2240 -heko -> to do <4160 -poieo -> thy will <2307 -thelema -> , O God <{2316} -theos -> . He taketh <0337 -anaireo -> away <0337 -anaireo -> the first <4413 -protos -> , that he may establish <2476 -histemi -> the second <1208 -deuteros -> .

2316 HEB 010 012 But this <3778 -houtos -> man , after he had offered <4374 -prosphero -> one <3391 -mia -> sacrifice <2378 -thusia -> for sins <0266 -hamartia -> for ever <1336 -dienekes -> , sat <2523 -kathizo -> down <2523 -kathizo -> on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ;

2316 HEB 010 021 And [having] an high <3173 -megas -> priest <2409 -hiereus -> over <1909 -epi -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 HEB 010 029 Of how <4214 -posos -> much <4214 -posos -> sorer <5501 -cheiron -> punishment <5098 -timoria -> , suppose <1380 -dokeo -> ye , shall he be thought worthy <0515 -axioo -> , who <3588 -ho -> hath trodden <2662 -katapateo -> under <2662 -katapateo -> foot <2662 -katapateo -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , and hath counted <2233 -hegeomai -> the blood <0129 -haima -> of the covenant <1242 -diatheke -> , wherewith <3739 -hos -> he was sanctified <0037 -hagiazo -> , an unholy <2839 -koinos -> thing , and hath done <1796 -enubrizo -> despite <1796 -enubrizo -> unto the Spirit <4151 -pneuma -> of grace <5485 -charis -> ?

2316 HEB 010 031 [It is] a fearful <5398 -phoberos -> thing to fall <1706 -empipto -> into <1519 -eis -> the hands <5495 -cheir -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 010 036 For ye have need <5532 -chreia -> of patience <5281 -hupomone -> , that , after ye have done <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , ye might receive <2865 -komizo -> the promise <1860 -epaggelia -> .

2316 HEB 011 003 Through faith <4102 -pistis -> we understand <3539 -noieo -> that the worlds <0165 -aion -> were framed <2675 -katartizo -> by the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> , so <1519 -eis -> that things which <3588 -ho -> are seen <0991 -blepo -> were not made <1096 -ginomai -> of things which do appear <5316 -phaino -> .

2316 HEB 011 004 . By faith <4102 -pistis -> Abel <0006 -Abel -> offered <4374 -prosphero -> unto God <2316 -theos -> a more excellent <4119 -pleion -> sacrifice <2378 -thusia -> than <3844 -para -> Cain <2535 -Kain -> , by which <3739 -hos -> he

obtained <3140 -martureo -> witness <3140 -martureo -> that he
was righteous <1342 -dikaios -> , God <{2316} -theos ->
testifying <3140 -martureo -> of his gifts <1435 -doron -> :
and by it he being dead <0599 -apothnesko -> yet <2089 -eti ->
speaketh <2980 -laleo -> .

2316 HEB 011 004 . By faith <4102 -pistis -> Abel <0006 -Abel -
> offered <4374 -prosphero -> unto God <{2316} -theos -> a more
excellent <4119 -pleion -> sacrifice <2378 -thusia -> than <3844
-para -> Cain <2535 -Kain -> , by which <3739 -hos -> he
obtained <3140 -martureo -> witness <3140 -martureo -> that he
was righteous <1342 -dikaios -> , God <2316 -theos ->
testifying <3140 -martureo -> of his gifts <1435 -doron -> :
and by it he being dead <0599 -apothnesko -> yet <2089 -eti ->
speaketh <2980 -laleo -> .

2316 HEB 011 005 By faith <4102 -pistis -> Enoch <1802 -Enok ->
was translated <3346 -metatithemi -> that he should not see
<1492 -eido -> death <2288 -thanatos -> ; and was not found
<2147 -heurisko -> , because <1360 -dioti -> God <2316 -theos -
> had translated <3346 -metatithemi -> him : for before <4253 -
pro -> his translation <3331 -metathesis -> he had this
testimony <3140 -martureo -> , that he pleased <2100 -euaresteo
-> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 011 005 By faith <4102 -pistis -> Enoch <1802 -Enok ->
was translated <3346 -metatithemi -> that he should not see
<1492 -eido -> death <2288 -thanatos -> ; and was not found
<2147 -heurisko -> , because <1360 -dioti -> God <{2316} -theos
-> had translated <3346 -metatithemi -> him : for before <4253 -
pro -> his translation <3331 -metathesis -> he had this
testimony <3140 -martureo -> , that he pleased <2100 -euaresteo
-> God <2316 -theos -> .

2316 HEB 011 006 But without <5565 -choris -> faith <4102 -
pistis -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> to please
<2100 -euaresteo -> [him] : for he that cometh <4334 -
proserchomai -> to God <{2316} -theos -> must <1163 -dei ->
believe <4100 -pisteuo -> that he is , and [that] he is a
rewarder <3406 -misthapodotes -> of them that diligently <1567 -
ekzeteo -> seek <1567 -ekzeteo -> him .

2316 HEB 011 010 For he looked <1551 -ekdechomai -> for a city
<4172 -polis -> which hath <2192 -echo -> foundations <2310 -
themelios -> , whose <3739 -hos -> builder <5079 -technites ->
and maker <1217 -demiourgos -> [is] God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 011 016 But now <3570 -nuni -> they desire <3713 -
oregomai -> a better <2909 -kreitton -> [country] , that is
, an heavenly <2032 -epouranios -> : wherefore <1352 -dio ->
God <2316 -theos -> is not ashamed <1870 -epaischunomai -> to be
called <1941 -epikaleomai -> their God <{2316} -theos -> : for
he hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them a city <4172 -
polis -> .

2316 HEB 011 016 But now <3570 -nuni -> they desire <3713 -
oregomai -> a better <2909 -kreitton -> [country] , that is
, an heavenly <2032 -epouranios -> : wherefore <1352 -dio ->
God <{2316} -theos -> is not ashamed <1870 -epaischunomai -> to
be called <1941 -epikaleomai -> their God <2316 -theos -> : for
he hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them a city <4172 -
polis -> .

2316 HEB 011 019 Accounting <3049 -logizomai -> that God
<{2316} -theos -> [was] able <1415 -dunatos -> to raise
<1453 -egeiro -> [him] up , even <2532 -kai -> from the

dead <3498 -nekros -> ; from whence <3606 -hothen -> also <2532 -kai -> he received <2865 -komizo -> him in a figure <3850 -parabole -> .

2316 HEB 011 025 Choosing <0138 -haireomai -> rather <3123 -mallon -> to suffer <4778 -sugkakoucheo -> affliction <4797 -sugcheo -> with the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> , than <2228 -e -> to enjoy <0619 -apolausis -> the pleasures of sin <0266 -hamartia -> for a season <2340 -thereuo -> ;

2316 HEB 011 040 God <{2316} -theos -> having provided <4265 -problepo -> some <5100 -tis -> better <2909 -kreitton -> thing for us , that they without <5565 -choris -> us should not be made <5048 -teleioo -> perfect <5048 -teleioo -> .

2316 HEB 012 002 Looking <0872 -aphorao -> unto Jesus <2424 -Iesous -> the author <0747 -archegos -> and finisher <5047 -teleiotes -> of [our] faith <4102 -pistis -> ; who <3739 -hos -> for the joy <5479 -chara -> that was set <4295 -prokeimai -> before <4295 -prokeimai -> him endured <5278 -hupomeno -> the cross <4716 -stauros -> , despising <2706 -kataphroneo -> the shame <0152 -aischune -> , and is set <2523 -kathizo -> down <2523 -kathizo -> at <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 012 007 If <1487 -ei -> ye endure <5278 -hupomeno -> chastening <3809 -paideia -> , God <{2316} -theos -> dealeth <4374 -prosphero -> with you as with sons <5207 -huios -> ; for what <5101 -tis -> son <5207 -huios -> is he whom <3739 -hos -> the father <3962 -pater -> chasteneth <3811 -paideuo -> not ?

2316 HEB 012 015 Looking <1983 -episkopeo -> diligently lest <3361 -me -> any <5100 -tis -> man fail <5302 -hustereo -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> ; lest <3361 -me -> any <5100 -tis -> root <4491 -rhiza -> of bitterness <4088 -pikria -> springing <5453 -phuo -> up trouble <1776 -enochleo -> [you] , and thereby <5026 -taute -> many <4183 -polus -> be defiled <3392 -miaino -> ;

2316 HEB 012 022 But ye are come <4334 -proserchomai -> unto mount <3735 -oros -> Sion <4622 -Sion -> , and unto the city <4172 -polis -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , the heavenly <2032 -epouranios -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , and to an innumerable <3461 -murias -> company <3461 -murias -> of angels <0032 -aggelos -> ,

2316 HEB 012 023 To the general assembly <3831 -paneguris -> and church <1577 -ekklesia -> of the firstborn <4416 -prototokos -> , which are written <0583 -apographo -> in heaven <3772 -ouranos -> , and to God <{2316} -theos -> the Judge <2923 -krites -> of all <3956 -pas -> , and to the spirits <4151 -pneuma -> of just <1342 -dikaios -> men made <5048 -teleioo -> perfect <5048 -teleioo -> ,

2316 HEB 012 028 Wherefore <1352 -dio -> we receiving <3880 -paralambano -> a kingdom <0932 -basileia -> which cannot <0761 -asaleutos -> be moved <0761 -asaleutos -> , let us have <2192 -echo -> grace <5485 -charis -> , whereby <3739 -hos -> we may serve <3000 -latreuo -> God <{2316} -theos -> acceptably <2102 -euarestos -> with reverence <0127 -aidos -> and godly fear <2124 -eulabeia -> :

2316 HEB 012 029 For our God <{2316} -theos -> [is] a consuming <2654 -katanalisko -> fire <4442 -pur -> .

2316 HEB 013 004 Marriage <1062 -gamos -> [is] honourable

<5093 -timios -> in all <3956 -pas -> , and the bed <2845 -koite -> undefiled <0283 -amiantos -> : but whoremongers <4205 -pornos -> and adulterers <3432 -moichos -> God <{2316} -theos -> will judge <2919 -krino -> .

2316 HEB 013 007 Remember <3421 -mnemoneuo -> them which have the rule <2233 -hegeomai -> over you , who <3748 -hostis -> have spoken <2980 -laleo -> unto you the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> : whose <3739 -hos -> faith <4102 -pistis -> follow <3401 -mimeomai -> , considering <0333 -antheoreo -> the end <1545 -ekbasis -> of [their] conversation <0391 -anastrophe -> .

2316 HEB 013 015 By him therefore <3767 -oun -> let us offer <0399 -anaphero -> the sacrifice <2378 -thusia -> of praise <0133 -ainesis -> to God <{2316} -theos -> continually <1275 -diapantos -> , that is , the fruit <2590 -karpos -> of [our] lips <5491 -cheilos -> giving thanks <3670 -homologeo -> to his name <3686 -onoma -> .

2316 HEB 013 016 But to do <2140 -eupoiia -> good <2140 -eupoiia -> and to communicate <2842 -koinonia -> forget <1950 -epilanthanomai -> not : for with such <5108 -toioutos -> sacrifices <2378 -thusia -> God <{2316} -theos -> is well <2100 -euaresteo -> pleased <2100 -euaresteo -> .

2316 HEB 013 020 Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> , that brought <0321 -anago -> again <0321 -anago -> from the dead <3498 -nekros -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , that great <3173 -megas -> shepherd <4166 -poimen -> of the sheep <4263 -probaton -> , through <1722 -en -> the blood <0129 -haima -> of the everlasting <0166 -aionios -> covenant <1242 -diatheke -> ,

2316 JAS 001 001 James <2385 -Iakobos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to the twelve <1427 -dodeka -> tribes <5443 -phule -> which <3739 -hos -> are scattered <1290 -diaspora -> abroad <1290 -diaspora -> , greeting <5463 -chairo -> .

2316 JAS 001 005 If <1487 -ei -> any <5100 -tis -> of you lack <3007 -leipo -> wisdom <4678 -sophia -> , let him ask <0154 -aiteo -> of God <{2316} -theos -> , that giveth <1325 -didomi -> to all <3956 -pas -> [men] liberally <0574 -haplos -> , and upbraideth <3679 -oneidizo -> not ; and it shall be given <1325 -didomi -> him .

2316 JAS 001 013 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> say <3004 -lego -> when he is tempted <3985 -peirazo -> , I am tempted <3985 -peirazo -> of God <2316 -theos -> : for God <{2316} -theos -> cannot <0551 -apeirastos -> be tempted <0551 -apeirastos -> with evil <2556 -kakos -> , neither <3762 -oudeis -> tempteth <3985 -peirazo -> he any <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> :

2316 JAS 001 013 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> say <3004 -lego -> when he is tempted <3985 -peirazo -> , I am tempted <3985 -peirazo -> of God <{2316} -theos -> : for God <2316 -theos -> cannot <0551 -apeirastos -> be tempted <0551 -apeirastos -> with evil <2556 -kakos -> , neither <3762 -oudeis -> tempteth <3985 -peirazo -> he any <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> :

2316 JAS 001 020 For the wrath <3709 -orge -> of man <0435 -aner -> worketh <2716 -katergazomai -> not the righteousness

<1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 001 027 Pure <2513 -katharos -> religion <2356 -threskeia -> and undefiled <0283 -amiantos -> before <3844 -para -> God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> is this <3778 -houtos -> , To visit <1980 -episkeptomai -> the fatherless <3737 -orphanos -> and widows <5503 -chera -> in their affliction <2347 -thlipsis -> , [and] to keep <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> unspotted <0784 -aspilos -> from the world <2889 -kosmos -> .

2316 JAS 002 005 Hearken <0191 -akouo -> , my beloved <0027 -agapetos -> brethren <0080 -adephos -> , Hath not God <{2316} -theos -> chosen <1586 -eklegomai -> the poor <4434 -ptochos -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> rich <4145 -plousios -> in faith <4102 -pistis -> , and heirs <2818 -kleronomos -> of the kingdom <0932 -basileia -> which <3735 -oros -> he hath promised <1861 -epaggello -> to them that love <0025 -agapao -> him ?

2316 JAS 002 019 Thou believest <4100 -pisteuo -> that there is one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> ; thou doest <4160 -poieo -> well <2573 -kalos -> : the devils <1140 -daimonion -> also <2532 -kai -> believe <4100 -pisteuo -> , and tremble <5425 -phrisso -> .

2316 JAS 002 023 And the scripture <1124 -graphe -> was fulfilled <4137 -pleroo -> which <3588 -ho -> saith <3004 -lego -> , Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <2316 -theos -> , and it was imputed <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> : and he was called <2564 -kaleo -> the Friend <5384 -philos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 002 023 And the scripture <1124 -graphe -> was fulfilled <4137 -pleroo -> which <3588 -ho -> saith <3004 -lego -> , Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was imputed <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> : and he was called <2564 -kaleo -> the Friend <5384 -philos -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 003 009 Therewith <0846 -autos -> bless <2127 -eulogeo -> we God <2316 -theos -> , even the Father <3962 -pater -> ; and therewith <0846 -autos -> curse <2672 -kataraomai -> we men <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> after <2596 -kata -> the similitude <3669 -homoiosis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 003 009 Therewith <0846 -autos -> bless <2127 -eulogeo -> we God <{2316} -theos -> , even the Father <3962 -pater -> ; and therewith <0846 -autos -> curse <2672 -kataraomai -> we men <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> after <2596 -kata -> the similitude <3669 -homoiosis -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 004 004 Ye adulterers <3432 -moichos -> and adulteresses <3428 -moichalis -> , know <1492 -eido -> ye not that the friendship <5373 -philia -> of the world <2889 -kosmos -> is enmity <2189 -echthra -> with God <2316 -theos -> ? whosoever <0302 -an -> therefore <3767 -oun -> will <1014 -boo -lom -ahee -> be a friend <5384 -philos -> of the world <2889 -kosmos -> is the enemy <2190 -echthros -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 004 004 Ye adulterers <3432 -moichos -> and

adulteresses <3428 -moichalis -> , know <1492 -eido -> ye not that the friendship <5373 -philia -> of the world <2889 -kosmos -> is enmity <2189 -echthra -> with God <{2316} -theos -> ? whosoever <0302 -an -> therefore <3767 -oun -> will <1014 -boo -lom -ahee -> be a friend <5384 -philos -> of the world <2889 -kosmos -> is the enemy <2190 -echthros -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 004 006 But he giveth <1325 -didomi -> more <3187 -meizon -> grace <5485 -charis -> . Wherefore <1352 -dio -> he saith <3004 -lego -> , God <{2316} -theos -> resisteth <0498 -antitassomai -> the proud <5244 -huperephanos -> , but giveth <1325 -didomi -> grace <5485 -charis -> unto the humble <5011 -tapeinos -> .

2316 JAS 004 007 Submit <5293 -hupotasso -> yourselves therefore <3767 -oun -> to God <{2316} -theos -> . Resist <0436 -anthistemi -> the devil <1228 -diabolos -> , and he will flee <5343 -pheugo -> from you .

2316 JAS 004 008 Draw nigh <1448 -eggizo -> to God <{2316} -theos -> , and he will draw nigh <1448 -eggizo -> to you . Cleanse <2511 -katharizo -> [your] hands <5495 -cheir -> , [ye] sinners <0268 -hamartolos -> ; and purify <0048 -hagnizo -> [your] hearts <2588 -kardia -> ,   [ye] double <1374 -dipsuchos -> minded <1374 -dipsuchos -> .

2316   1PE 001 002 Elect <1588 -eklektos -> according <2596 -kata -> to the foreknowledge <4268 -prognosis -> of God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , unto obedience <5218 -hupakoe -> and sprinkling <4473 -rhantismos -> of the blood <0129 -haima -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , be multiplied <4129 -plethuno -> .

2316   1PE 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] the God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3588 -ho -> according <2596 -kata -> to his abundant <4183 -polus -> mercy <1656 -eleos -> hath begotten <0313 -anagennao -> us again <0313 -anagennao -> unto a lively <2198 -zao -> hope <1680 -elpis -> by the resurrection <0386 -anastasis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> from the dead <3498 -nekros -> ,

2316   1PE 001 005 Who <3588 -ho -> are kept <5432 -phroureo -> by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> unto salvation <4991 -soteria -> ready <2092 -hetoimos -> to be revealed <0601 -apokalupto -> in the last <2078 -eschatos -> time <2540 -kairos -> .

2316   1PE 001 021 Who <3588 -ho -> by him do believe <4100 -pisteuo -> in God <2316 -theos -> , that raised <1453 -egeiro -> him up from the dead <3498 -nekros -> , and gave <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> ; that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> and hope <1680 -elpis -> might be in God <{2316} -theos -> .

2316   1PE 001 021 Who <3588 -ho -> by him do believe <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> , that raised <1453 -egeiro -> him up from the dead <3498 -nekros -> , and gave <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> ; that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> and hope <1680 -elpis -> might be in God

<2316 -theos -> .

2316 1PE 001 023 Being born <0313 -anagennao -> again <0313 -anagennao -> , not of corruptible <5349 -phthartos -> seed <4701 -spora -> , but of incorruptible <0862 -aphthartos -> , by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , which liveth <2198 -zao -> and abideth <3306 -meno -> for ever <0165 -aion -> .

2316 1PE 002 004 . To whom <3739 -hos -> coming <4334 -proserchomai -> , [as unto] a living <2198 -zao -> stone <3037 -lithos -> , disallowed <0593 -apodokimazo -> indeed <3303 -men -> of men <0444 -anthropos -> , but chosen <1588 -eklektos -> of God <{2316} -theos -> , [and] precious <1784 -entimos -> ,

2316 1PE 002 005 Ye also <2532 -kai -> , as lively <2198 -zao -> stones <3037 -lithos -> , are built <3618 -oikodomeo -> up a spiritual <4152 -pneumatikos -> house <3624 -oikos -> , an holy <0040 -hagios -> priesthood <2406 -hierateuma -> , to offer <0399 -anaphero -> up spiritual <4152 -pneumatikos -> sacrifices <2378 -thusia -> , acceptable <2144 -euprosdektos -> to God <{2316} -theos -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1PE 002 010 Which <3588 -ho -> in time <4218 -pote -> past [were] not a people <2992 -laos -> , but [are] now <3568 -nun -> the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> : which <3588 -ho -> had not obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> , but now <3568 -nun -> have obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> .

2316 1PE 002 012 Having <2192 -echo -> your <5216 -humon -> conversation <0391 -anastrophe -> honest <2570 -kalos -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> : that , whereas <3759 -ouai -> they speak <2635 -katalaleo -> against <1909 -epi -> you as evildoers <2555 -kakopoios -> , they may by [your <3588 -ho ->] good <2570 -kalos -> works <2041 -ergon -> , which they shall behold <2029 -epopteuo -> , glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in the day <2250 -hemera -> of visitation <1984 -episkope -> .

2316 1PE 002 015 For so <3779 -houto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , that with well <0015 -agathopoieo -> doing <0015 -agathopoieo -> ye may put <5392 -phimoo -> to silence <5392 -phimoo -> the ignorance <0056 -agnosia -> of foolish <0878 -aphron -> men <0444 -anthropos -> :

2316 1PE 002 016 As free <1658 -eleutheros -> , and not using <2192 -echo -> [your <3588 -ho ->] liberty <1657 -eleutheria -> for a cloke <1942 -epikaluma -> of maliciousness <2549 -kakia -> , but as the servants <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 002 017 Honour <5091 -timao -> all <3956 -pas -> [men] . Love <0025 -agapao -> the brotherhood <0081 -adelphotes -> . Fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> . Honour <5091 -timao -> the king <0935 -basileus -> .

2316 1PE 002 019 For this <5124 -touto -> [is] thankworthy <5485 -charis -> , if <1487 -ei -> a man <5100 -tis -> for conscience <4893 -suneidesis -> toward God <{2316} -theos -> endure <5297 -hupophero -> grief <3077 -lupe -> , suffering <3958 -pascho -> wrongfully <0095 -adikos -> .

2316 1PE 002 020 For what <4169 -poios -> glory <2811 -kleos -

> [is it] , if <1487 -ei -> , when ye be buffeted <2852 -kolaphizo -> for your faults <0264 -hamartano -> , ye shall take it patiently <5278 -hupomeno -> ? but if <1487 -ei -> , when ye do <0015 -agathopoieo -> well <0015 -agathopoieo -> , and suffer <3958 -pascho -> [for it] , ye take it patiently <5278 -hupomeno -> , this <5124 -touto -> [is] acceptable <5285 -hupopneo -> with God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 003 004 But [let it be] the hidden <2927 -kruptos -> man <0444 -anthropos -> of the heart <2588 -kardia -> , in that which is not corruptible <0862 -aphthartos -> , [even the ornament] of a meek <4239 -praus -> and quiet <2272 -hesuchios -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3739 -hos -> is in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> of great <4185 -poluteles -> price <4185 -poluteles -> .

2316 1PE 003 005 For after <3779 -houto -> this <3779 -houto -> manner <3779 -houto -> in the old <4218 -pote -> time <4218 -pote -> the holy <0040 -hagios -> women <1135 -gune -> also <2532 -kai -> , who <3588 -ho -> trusted <1679 -elpizo -> in God <{2316} -theos -> , adorned <2885 -kosmeo -> themselves <1438 -heautou -> , being in subjection <5293 -hupotasso -> unto their own <2398 -idios -> husbands <0435 -aner -> :

2316 1PE 003 015 But sanctify <0037 -hagiazo -> the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> in your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> : and [be] ready <2092 -hetoimos -> always <0104 -aei -> to [give] an answer <0627 -apologia -> to every <3956 -pas -> man that asketh <0154 -aiteo -> you a reason <3056 -logos -> of the hope <1680 -elpis -> that is in you with meekness <4240 -prautes -> and fear <5401 -phobos -> :

2316 1PE 003 017 For [it is] better <2909 -kreitton -> , if <1487 -ei -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> be so , that ye suffer <3958 -pascho -> for well <0015 -agathopoieo -> doing <0015 -agathopoieo -> , than <2228 -e -> for evil <2554 -kakopoieo -> doing <2554 -kakopoieo -> .

2316 1PE 003 018 . For Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> hath once <0530 -hapax -> suffered <3958 -pascho -> for sins <0266 -hamartia -> , the just <1342 -dikaios -> for the unjust <0094 -adikos -> , that he might bring <4317 -prosago -> us to God <{2316} -theos -> , being put <2289 -thanatoo -> to death <2289 -thanatoo -> in the flesh <4561 -sarx -> , but quickened <2227 -zoopoieo -> by the Spirit <4151 -pneuma -> :

2316 1PE 003 020 Which sometime <4218 -pote -> were disobedient <0544 -apeitheo -> , when <3753 -hote -> once <0530 -hapax -> the longsuffering <3115 -makrothumia -> of God <{2316} -theos -> waited <1551 -ekdechomai -> in the days <2250 -hemera -> of Noah <3575 -Noe -> , while the ark <2787 -kibotos -> was a preparing <2680 -kataskeuazo -> , wherein <3757 -hou -> few <3641 -oligos -> , that is , eight <3638 -oktos -> souls <5590 -psuche -> were saved <1295 -diasozo -> by water <5204 -hudor -> .

2316 1PE 003 021 . The like <0499 -antitupon -> figure <0499 -antitupon -> whereunto <3739 -hos -> [even] baptism <0908 -baptisma -> doth also <2532 -kai -> now <3568 -nun -> save <4982 -sozo -> us (not the putting <0595 -apothesis -> away <0595 -apothesis -> of the filth <4509 -rhupos -> of the flesh <4561 -sarx -> , but the answer <1906 -eperotema -> of a good <0018 -agathos -> conscience <4893 -suneidesis -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> ,) by the resurrection <0386 -anastasis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 1PE 003 022 Who <3739 -hos -> is gone <4198 -poreuomai -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and is on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ; angels <0032 -aggelos -> and authorities <1849 -exousia -> and powers <1411 -dunamis -> being made <5293 -hupotasso -> subject <5293 -hupotasso -> unto him .

2316 1PE 004 002 That he no <3371 -meketi -> longer <3371 -meketi -> should live <0980 -bioo -> the rest <1954 -epiloipos -> of [his] time <5550 -chronos -> in the flesh <4561 -sarx -> to the lusts <1939 -epithumia -> of men <0444 -anthropos -> , but to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 004 006 For for this <5124 -touto -> cause was the gospel <2097 -euaggelizo -> preached <2097 -euaggelizo -> also <2532 -kai -> to them that are dead <3498 -nekros -> , that they might be judged <2919 -krino -> according <2596 -kata -> to men <0444 -anthropos -> in the flesh <4561 -sarx -> , but live <2198 -zao -> according <2596 -kata -> to God <{2316} -theos -> in the spirit <4151 -pneuma -> .

2316 1PE 004 010 As every <1538 -hekastos -> man hath received <2983 -lambano -> the gift <5486 -charisma -> , [even so] minister <1247 -diakoneo -> the same <0846 -autos -> one <1438 -heautou -> to another <1438 -heautou -> , as good <2570 -kalos -> stewards <3623 -oikonomos -> of the manifold <4164 -poikilos -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <2316 -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <{2316} -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <2316 -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <2316 -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <2316 -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 014 If <1487 -ei -> ye be reproached <3679 -oneidizo -> for the name <3686 -onoma -> of Christ <5547 -

Christos -> , happy <3107 -makarios -> [are ye] ; for the spirit <4151 -pneuma -> of glory <1391 -doxa -> and of God <{2316} -theos -> resteth <0373 -anapano -> upon you : on <2596 -kata -> their part he is evil <0987 -blasphemeo -> spoken <0987 -blasphemeo -> of , but on <2596 -kata -> your <5209 -humas -> part he is glorified <1392 -doxazo -> .

2316 1PE 004 016 Yet <1161 -de -> if <1487 -ei -> [any man suffer] as a Christian <5546 -Christianos -> , let him not be ashamed <0153 -aischunomai -> ; but let him glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> on <1722 -en -> this <5129 -toutoi -> behalf <3313 -meros -> .

2316 1PE 004 017 For the time <2540 -kairos -> [is come] that judgment <2917 -krima -> must begin <0756 -archomai -> at <0575 -apo -> the house <3624 -oikos -> of God <2316 -theos -> : and if <1487 -ei -> [it] first <4412 -proton -> [begin] at <0575 -apo -> us , what <5101 -tis -> shall the end <5056 -telos -> [be] of them that obey <0544 -apeitheo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 1PE 004 017 For the time <2540 -kairos -> [is come] that judgment <2917 -krima -> must begin <0756 -archomai -> at <0575 -apo -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> : and if <1487 -ei -> [it] first <4412 -proton -> [begin] at <0575 -apo -> us , what <5101 -tis -> shall the end <5056 -telos -> [be] of them that obey <0544 -apeitheo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <2316 -theos -> ?

2316 1PE 004 019 Wherefore <5620 -hoste -> let them that suffer <3958 -pascho -> according <2596 -kata -> to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> commit <3908 -paratithemi -> the keeping of their souls <5590 -psuche -> [to him] in well <0016 -agathopolia -> doing <0016 -agathopolia -> , as unto a faithful <4103 -pistos -> Creator <2939 -ktistes -> .

2316 1PE 005 002 Feed <4165 -poimaino -> the flock <4168 -poimnion -> of God <{2316} -theos -> which is among <1722 -en -> you , taking the oversight <1983 -episkopeo -> [thereof] , not by constraint <0317 -anagkastos -> , but willingly <1596 -hekousios -> ; not for filthy <0147 -aischrokerdos -> lucre <0147 -aischrokerdos -> , but of a ready <4289 -prothumos -> mind <4290 -prothumos -> ;

2316 1PE 005 003 Neither <3366 -mede -> as being lords <2634 -katakurieuo -> over <2634 -katakurieuo -> [God s <{2316} -theos ->] heritage <2819 -kleros -> , but being <1096 -ginomai -> ensamples <5179 -tupos -> to the flock <4168 -poimnion -> .

2316 1PE 005 005 . Likewise <3668 -homoios -> , ye younger <3501 -neos -> , submit <5293 -hupotasso -> yourselves unto the elder <4245 -presbuteros -> . Yea <1161 -de -> , all <3956 -pas -> [of you] be subject <5293 -hupotasso -> one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> , and be clothed <1463 -egkomboomai -> with humility <5012 -tapeinophrosune -> : for God <{2316} -theos -> resisteth <0498 -antitassomai -> the proud <5244 -huperephanos -> , and giveth <1325 -didomi -> grace <5485 -charis -> to the humble <5011 -tapeinos -> .

2316 1PE 005 006 Humble <5013 -tapeinoo -> yourselves therefore <3767 -oun -> under <5259 -hupo -> the mighty <2900 -krataios -> hand <5495 -cheir -> of God <{2316} -theos -> , that he may exalt <5312 -hupsoo -> you in due time <2540 -kairos -> :

2316 1PE 005 010 . But the God <{2316} -theos -> of all <3956 -pas -> grace <5485 -charis -> , who <3588 -ho -> hath called <2564 -kaleo -> us unto his eternal <0166 -aionios -> glory <1391 -doxa -> by Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , after that ye have suffered <3958 -pascho -> a while <3641 -oligos -> , make <2675 -katartizo -> you perfect <2675 -katartizo -> , stablish <4741 -sterizo -> , strengthen <4599 -sthenoo -> , settle <2311 -themelioo -> [you] .

2316 1PE 005 012 By Silvanus <4610 -Silouanos -> , a faithful <4103 -pistos -> brother <0080 -adephos -> unto you , as I suppose <3049 -logizomai -> , I have written <1125 -grapho -> briefly <3641 -oligos -> , exhorting <3870 -parakaleo -> , and testifying <1957 -epimartureo -> that this <5026 -taute -> is the true <0227 -alethes -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> wherein <3757 -hou -> ye stand <2476 -histemi -> .

2316 2PE 001 001 . Simon <4613 -Simon -> Peter <4074 -Petros -> , a servant <1401 -doulos -> and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to them that have obtained <2975 -lagchano -> like <2472 -isotimos -> precious <2472 -isotimos -> faith <4102 -pistis -> with us through <1722 -en -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> and our Saviour <4990 -soter -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2PE 001 002 Grace <5485 -charis -> and peace <1515 -eirene -> be multiplied <4129 -plethuno -> unto you through <1722 -en -> the knowledge <1922 -epignosis -> of God <{2316} -theos -> , and of Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> ,

2316 2PE 001 017 For he received <2983 -lambano -> from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> honour <5092 -time -> and glory <1391 -doxa -> , when there came <5342 -phero -> such <5107 -toiosde -> a voice <5456 -phone -> to him from the excellent <3169 -megaloprepes -> glory <1391 -doxa -> , This <3778 -houtos -> is my beloved <0027 -agapetos -> Son <5207 -huios -> , in whom <3739 -hos -> I am well <2106 -eudokeo -> pleased <2106 -eudokeo -> .

2316 2PE 001 021 For the prophecy <4394 -propheteia -> came <5342 -phero -> not in old <4218 -pote -> time <4218 -pote -> by the will <2307 -thelema -> of man <0444 -anthropos -> : but holy <0040 -hagios -> men <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> [as they were] moved <5342 -phero -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 2PE 002 004 For if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> spared <5339 -pheidomai -> not the angels <0032 -aggelos -> that sinned <0264 -hamartano -> , but cast <5020 -tartaroo -> [them] down to hell <5020 -tartaroo -> , and delivered <3860 -paradidomi -> [them] into chains <4577 -seira -> of darkness <2217 -zophos -> , to be reserved <5083 -tereo -> unto judgment <2920 -krisis -> ;

2316 2PE 003 005 For this <5124 -touto -> they willingly <2309 -thelo -> are ignorant <2990 -lanthano -> of , that by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> the heavens <3772 -ouranos -> were of old <1597 -ekpalai -> , and the earth <1093 -ge -> standing <4921 -sunistao -> out of the water <5204 -hudor -> and in the water <5204 -hudor -> :

2316 2PE 003 012 Looking <4328 -prosdokao -> for and hasting <4692 -speudo -> unto the coming <3952 -parousia -> of the day <2250 -hemera -> of God <{2316} -theos -> , wherein <3757 -hou -

> the heavens <3772 -ouranos -> being on fire <4448 -puroo -> shall be dissolved <3089 -luo -> , and the elements <4747 -stoicheion -> shall melt <5080 -teko -> with fervent heat <2741 -kausoo -> ?

2316 1JO 001 005 . This <3778 -houtos -> then <2532 -kai -> is the message <1860 -epaggelia -> which <3739 -hos -> we have heard <0191 -akouo -> of him , and declare <0312 -anaggello -> unto you , that God <{2316} -theos -> is light <5457 -phos -> , and in him is no <3756 -ou -> darkness <4653 -skotia -> at <3762 -oudeis -> all <3762 -oudeis -> .

2316 1JO 002 005 But whoso <0302 -an -> keepeth <5083 -tereo -> his word <3056 -logos -> , in him verily <0230 -alethos -> is the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> perfected <5048 -teleioo -> : hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> we that we are in him .

2316 1JO 002 014 I have written <1125 -grapho -> unto you , fathers <3962 -pater -> , because <3754 -hoti -> ye have known <1097 -ginosko -> him [that is] from the beginning <0746 -arche -> . I have written <1125 -grapho -> unto you , young <3495 -neaniskos -> men <3495 -neaniskos -> , because <3754 -hoti -> ye are strong <2478 -ischuros -> , and the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> in you , and ye have overcome <3528 -nikao -> the wicked <4190 -poneros -> one .

2316 1JO 002 017 And the world <2889 -kosmos -> passeth <3855 -parago -> away , and the lust <1939 -epithumia -> thereof <0846 -autos -> : but he that doeth <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> for ever <0165 -aion -> .

2316 1JO 003 001 . Behold <1492 -eido -> , what <4217 -potapos -> manner <4217 -potapos -> of love <0026 -agape -> the Father <3962 -pater -> hath bestowed <1325 -didomi -> upon us , that we should be called <2564 -kaleo -> the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> : therefore <5124 -touto -> the world <2889 -kosmos -> knoweth <1097 -ginosko -> us not , because <3754 -hoti -> it knew <1097 -ginosko -> him not .

2316 1JO 003 002 Beloved <0027 -agapetos -> , now <3568 -nun -> are we the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> , and it doth not yet <3768 -oupo -> appear <5319 -phaneroo -> what <5101 -tis -> we shall be : but we know <1492 -eido -> that , when <1437 -ean -> he shall appear <5319 -phaneroo -> , we shall be like <3664 -homoios -> him ; for we shall see <3700 -optanomai -> him as he is .

2316 1JO 003 008 He that committeth <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> is of the devil <1228 -diabolos -> ; for the devil <1228 -diabolos -> sinneth <0264 -hamartano -> from the beginning <0746 -arche -> . For this <5124 -touto -> purpose the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> was manifested <5319 -phaneroo -> , that he might destroy <3089 -luo -> the works <2041 -ergon -> of the devil <1228 -diabolos -> .

2316 1JO 003 009 Whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> doth not commit <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> ; for his seed <4690 -sperma -> remaineth <3306 -meno -> in him : and he cannot <1410 -dunamai -> sin <0264 -hamartano -> , because <3754 -hoti -> he is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 003 009 Whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -

> of God <{2316} -theos -> doth not commit <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> ; for his seed <4690 -sperma -> remaineth <3306 -meno -> in him : and he cannot <1410 -dunamai -> sin <0264 -hamartano -> , because <3754 -hoti -> he is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> .

2316 1JO 003 010 In this <5129 -toutoi -> the children <5043 -teknon -> of God <2316 -theos -> are manifest <5318 -phaneros -> , and the children <5043 -teknon -> of the devil <1228 -diabolos -> : whosoever <3588 -ho -> doeth <4160 -poieo -> not righteousness <1343 -dikaiosune -> is not of God <{2316} -theos -> , neither he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> .

2316 1JO 003 010 In this <5129 -toutoi -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> are manifest <5318 -phaneros -> , and the children <5043 -teknon -> of the devil <1228 -diabolos -> : whosoever <3588 -ho -> doeth <4160 -poieo -> not righteousness <1343 -dikaiosune -> is not of God <2316 -theos -> , neither he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> .

2316 1JO 003 017 But whoso <0302 -an -> hath <2192 -echo -> this <3588 -ho -> world s <2889 -kosmos -> good <0979 -bios -> , and seeth <2334 -theoreo -> his brother <0080 -adephos -> have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> , and shutteth <2808 -kleio -> up his bowels <4698 -splagchnon -> [of compassion] from him , how <4459 -pos -> dwelleth <3306 -meno -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> in him ?

2316 1JO 003 020 . For if <1437 -ean -> our heart <2588 -kardia -> condemn <2607 -kataginosko -> us , God <{2316} -theos -> is greater <3187 -meizon -> than our heart <2588 -kardia -> , and knoweth <1097 -ginosko -> all <3956 -pas -> things .

2316 1JO 003 021 Beloved <0027 -agapetos -> , if <1437 -ean -> our heart <2588 -kardia -> condemn <2607 -kataginosko -> us not , [then] have <2192 -echo -> we confidence <3954 -parrhesia -> toward <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 001 . Beloved <0027 -agapetos -> , believe <4100 -pisteuo -> not every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> , but try <1381 -dokimazo -> the spirits <4151 -pneuma -> whether <1487 -ei -> they are of God <{2316} -theos -> : because <3754 -hoti -> many <4183 -polus -> false <5578 -pseudoprophetes -> prophets <5578 -pseudoprophetes -> are gone <1831 -exerchomai -> out into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 002 Hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> ye the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> : Every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is of God <{2316} -theos -> :

2316 1JO 004 002 Hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> ye the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> : Every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is of God <2316 -theos -> :

2316 1JO 004 003 And every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -homologeo -> not that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is not of God <{2316} -theos -> :

and this <5124 -touto -> is that [spirit] of antichrist <0500 -antichristos -> , whereof <3739 -hos -> ye have heard <0191 -akouo -> that it should come <2064 -erchomai -> ; and even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> already <2235 -ede -> is it in the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 004 . Ye are of God <{2316} -theos -> , little <5040 -teknion -> children <5040 -teknion -> , and have overcome <3528 -nikao -> them : because <3754 -hoti -> greater <3187 -meizon -> is he that is in you , than <2228 -e -> he that is in the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <2316 -theos -> : he that knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> us ; he that is not of God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -plane -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <2316 -theos -> : he that knoweth <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> us ; he that is not of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -plane -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <{2316} -theos -> : he that knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> us ; he that is not of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -plane -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> : for love <0026 -agape -> is of God <2316 -theos -> ; and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> , and knoweth <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> : for love <0026 -agape -> is of God <2316 -theos -> ; and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> , and knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> : for love <0026 -agape -> is of God <{2316} -theos -> ; and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> , and knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 008 He that loveth <0025 -agapao -> not knoweth <1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> ; for God <{2316} -theos -> is love <0026 -agape -> .

2316 1JO 004 008 He that loveth <0025 -agapao -> not knoweth <1097 -ginosko -> not God <{2316} -theos -> ; for God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> .

2316 1JO 004 009 In this <5129 -toutoi -> was manifested <5319 -

phaneroo -> the love <0026 -agape -> of God <2316 -theos -> toward <1722 -en -> us , because <3754 -hoti -> that God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , that we might live <2198 -zao -> through <1223 -dia -> him .

2316 1JO 004 009 In this <5129 -toutoi -> was manifested <5319 -phaneroo -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> toward <1722 -en -> us , because <3754 -hoti -> that God <2316 -theos -> sent <0649 -apostello -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , that we might live <2198 -zao -> through <1223 -dia -> him .

2316 1JO 004 010 Herein <5129 -toutoi -> is love <0026 -agape -> , not that we loved <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , but that he loved <0025 -agapao -> us , and sent <0649 -apostello -> his Son <5207 -huios -> [to be] the propitiation <2434 -hilasmos -> for our sins <0266 -hamartia -> .

2316 1JO 004 011 Beloved <0027 -agapetos -> , if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> loved <0025 -agapao -> us , we ought <3784 -opheilo -> also <2532 -kai -> to love <0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> .

2316 1JO 004 012 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <2300 -theaomai -> God <2316 -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> . If <1437 -ean -> we love <0026 -agape -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , God <{2316} -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in us , and his love <0025 -agapao -> is perfected <5048 -teleioo -> in us .

2316 1JO 004 012 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <2300 -theaomai -> God <{2316} -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> . If <1437 -ean -> we love <0026 -agape -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in us , and his love <0025 -agapao -> is perfected <5048 -teleioo -> in us .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in him , and he in God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> , God <{2316} -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in him , and he in God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in him , and he in God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -theos -> , and God <{2316} -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and

believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <{2316} -theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <{2316} -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God <{2316} -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno -> in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 020 If <1437 -ean -> a man say <2036 -epo -> , I love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> , and hateth <3404 -miseo -> his brother <0080 -adephos -> , he is a liar <5583 -pseustes -> : for he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> whom <3739 -hos -> he hath seen <3708 -horao -> , how <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> he love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> whom <3739 -hos -> he hath not seen <3708 -horao -> ?

2316 1JO 004 020 If <1437 -ean -> a man say <2036 -epo -> , I love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , and hateth <3404 -miseo -> his brother <0080 -adephos -> , he is a liar <5583 -pseustes -> : for he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080 -adephos -> whom <3739 -hos -> he hath seen <3708 -horao -> , how <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> he love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> whom <3739 -hos -> he hath not seen <3708 -horao -> ?

2316 1JO 004 021 And this <5026 -taute -> commandment <1785 -entole -> have <2192 -echo -> we from him , That he who loveth <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> love <0025 -agapao -> his brother <0080 -adephos -> also <2532 -kai -> .

2316 1JO 005 001 . Whosoever <3588 -ho -> believeth <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Christ <5547 -Christos -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> : and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> him that begat <1080 -gennao -> loveth <0025 -agapao -> him also <2532 -kai -> that is begotten <1080 -gennao -> of him .

2316 1JO 005 002 By this <5129 -toutoi -> we know <1097 -ginosko -> that we love <0025 -agapao -> the children <5043 -teknon -> of God <2316 -theos -> , when <3752 -hotan -> we love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , and keep <5083 -tereo -> his commandments <1785 -entole -> .

2316 1JO 005 002 By this <5129 -toutoi -> we know <1097 -ginosko -> that we love <0025 -agapao -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> , when <3752 -hotan -> we love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> , and keep <5083 -tereo -> his commandments <1785 -entole -> .

2316 1JO 005 003 For this <3778 -houtos -> is the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , that we keep <5083 -tereo -> his commandments <1785 -entole -> : and his commandments <1785 -entole -> are not grievous <0926 -barus -> .

2316 1JO 005 004 For whatsoever <3956 -pas -> is born <1080 -
gennao -> of God <{2316} -theos -> overcometh <3528 -nikao ->
the world <2889 -kosmos -> : and this <3778 -houtos -> is the
victory <3529 -nike -> that overcometh <3528 -nikao -> the world
<2889 -kosmos -> ,   [even] our faith <4102 -pistis -> .

2316 1JO 005 005 Who <5101 -tis -> is he that overcometh <3528 -
nikao -> the world <2889 -kosmos -> , but he that believeth
<4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -
huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 1JO 005 009 If <1487 -ei -> we receive <2983 -lambano ->
the witness <3141 -marturia -> of men <0444 -anthropos -> , the
witness <3141 -marturia -> of God <2316 -theos -> is greater
<3187 -meizon -> : for this <3778 -houtos -> is the witness
<3141 -marturia -> of God <{2316} -theos -> which <3739 -hos ->
he hath testified <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 009 If <1487 -ei -> we receive <2983 -lambano ->
the witness <3141 -marturia -> of men <0444 -anthropos -> , the
witness <3141 -marturia -> of God <{2316} -theos -> is greater
<3187 -meizon -> : for this <3778 -houtos -> is the witness
<3141 -marturia -> of God <2316 -theos -> which <3739 -hos -> he
hath testified <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<2316 -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <{2316} -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<{2316} -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <2316 -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<2316 -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <2316 -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 011 And this <3778 -houtos -> is the record <3141 -
marturia -> , that God <{2316} -theos -> hath given <1325 -
didomi -> to us eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> ,
and this <3778 -houtos -> life <2222 -zoe -> is in his Son <5207
-huios -> .

2316 1JO 005 012 He that hath <2192 -echo -> the Son <5207 -
huios -> hath <2192 -echo -> life <2222 -zoe -> ;   [and] he
that hath <2192 -echo -> not the Son <5207 -huios -> of God
<{2316} -theos -> hath <2192 -echo -> not life <2222 -zoe -> .

2316 1JO 005 013 These <5023 -tauta -> things have I written
<1125 -grapho -> unto you that believe <4100 -pisteuo -> on

<1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> ; that ye may know <1492 -eido -> that ye have <2192 -echo -> eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , and that ye may believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 005 013 These <5023 -tauta -> things have I written <1125 -grapho -> unto you that believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; that ye may know <1492 -eido -> that ye have <2192 -echo -> eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , and that ye may believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 1JO 005 018 . We know <1492 -eido -> that whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> sinneth <0264 -hamartano -> not ; but he that is begotten <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> keepeth <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> , and that wicked <4190 -poneros -> one toucheth <0680 -haptomai -> him not .

2316 1JO 005 018 . We know <1492 -eido -> that whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> sinneth <0264 -hamartano -> not ; but he that is begotten <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> keepeth <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> , and that wicked <4190 -poneros -> one toucheth <0680 -haptomai -> him not .

2316 1JO 005 019 [And] we know <1492 -eido -> that we are of God <{2316} -theos -> , and the whole <3650 -holos -> world <2889 -kosmos -> lieth <2749 -keimai -> in wickedness <4190 -poneros -> .

2316 1JO 005 020 And we know <1492 -eido -> that the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> is come <2240 -heko -> , and hath given <1325 -didomi -> us an understanding <1271 -dianoia -> , that we may know <1097 -ginosko -> him that is true <0228 -alethinos -> , and we are in him that is true <0228 -alethinos -> ,   [even] in his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> . This <3778 -houtos -> is the true <0228 -alethinos -> God <{2316} -theos -> , and eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 1JO 005 020 And we know <1492 -eido -> that the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> is come <2240 -heko -> , and hath given <1325 -didomi -> us an understanding <1271 -dianoia -> , that we may know <1097 -ginosko -> him that is true <0228 -alethinos -> , and we are in him that is true <0228 -alethinos -> ,   [even] in his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> . This <3778 -houtos -> is the true <0228 -alethinos -> God <2316 -theos -> , and eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 001 003 Grace <5485 - charis - > be with you , mercy <1656 - eleos - > ,   [and] peace <1515 - eirene - > , from God <{2316} - theos - > the Father <3962 - pater - > , and from the Lord <2962 - kurios - > Jesus <2424 - Iesous - > Christ <5547 - Christos - > , the Son <5207 - huios - > of the Father <3962 - pater - > , in truth <0225 - aletheia - > and love <0026 - agape - > .

2316 001 009 Whosoever <3588 - ho - > transgresseth <3845 - parabaino - > , and abideth <3306 - meno - > not in the doctrine <1322 - didache - > of Christ <5547 - Christos - > ,

hath <2192 - echo - > not God <{2316} - theos - > . He that abideth <3306 - meno - > in the doctrine <1322 - didache - > of Christ <5547 - Christos - > , he hath <2192 - echo - > both <2532 - kai - > the Father <3962 - pater - > and the Son <5207 - huios - > .

2316 3JO 001 006 Which <3739 -hos -> have borne witness <3140 - martureo -> of thy charity <0026 -agape -> before <1799 -enopion -> the church <1577 -ekklesia -> : whom <3739 -hos -> if thou bring <4311 -propempo -> forward <4311 -propempo -> on their journey after <0516 -axios -> a godly <{2316} -theos -> sort <0516 -axios -> , thou shalt do <4160 -poieo -> well <2573 - kalos -> :

2316 3JO 001 011 Beloved <0027 -agapetos -> , follow <3401 - mimeomai -> not that which is evil <2556 -kakos -> , but that which is good <0018 -agathos -> . He that doeth <0015 - agathopoieo -> good <0015 -agathopoieo -> is of God <2316 -theos -> : but he that doeth <2554 -kakopoieo -> evil <2554 - kakopoieo -> hath not seen <3780 -ouchi -> God <{2316} -theos -> .

2316 3JO 001 011 Beloved <0027 -agapetos -> , follow <3401 - mimeomai -> not that which is evil <2556 -kakos -> , but that which is good <0018 -agathos -> . He that doeth <0015 - agathopoieo -> good <0015 -agathopoieo -> is of God <{2316} - theos -> : but he that doeth <2554 -kakopoieo -> evil <2554 - kakopoieo -> hath not seen <3780 -ouchi -> God <2316 -theos -> .

2316 JUDE 001 001 . Jude <2455 -Ioudas -> , the servant <1401 -doulos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and brother <0080 -adephos -> of James <2385 -Iakobos -> , to them that are sanctified <0037 -hagiazo -> by God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , and preserved <5083 -tereo -> in Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,   [and] called <2822 -kletos -> : : 02 Mercy <1656 -eleos -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , and love <0026 -agape -> , be multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 JUDE 001 004 For there are certain <5100 -tis -> men <0444 -anthropos -> crept <3921 -pareisduno -> in unawares <3921 - pareisduno -> , who <3588 -ho -> were before <4270 -prographo - > of old <3819 -palai -> ordained <4270 -prographo -> to this <5124 -touto -> condemnation <2917 -krima -> , ungodly <0765 - asebes -> men , turning <3346 -metatithemi -> the grace <5485 - charis -> of our God <2316 -theos -> into <1519 -eis -> lasciviousness <0766 -aselgeia -> , and denying <0720 -arneomai -> the only <3441 -monos -> Lord <2962 -kurios -> God <{2316} - theos -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 JUDE 001 004 For there are certain <5100 -tis -> men <0444 -anthropos -> crept <3921 -pareisduno -> in unawares <3921 - pareisduno -> , who <3588 -ho -> were before <4270 -prographo - > of old <3819 -palai -> ordained <4270 -prographo -> to this <5124 -touto -> condemnation <2917 -krima -> , ungodly <0765 - asebes -> men , turning <3346 -metatithemi -> the grace <5485 - charis -> of our God <{2316} -theos -> into <1519 -eis -> lasciviousness <0766 -aselgeia -> , and denying <0720 -arneomai -> the only <3441 -monos -> Lord <2962 -kurios -> God <2316 - theos -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 JUDE 001 021 Keep <5083 -tereo -> yourselves <1438 - heautou -> in the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , looking <4327 -prosdechomai -> for the mercy <1656 -eleos ->

of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> unto eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 JUDE 001 025 To the only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> , [be] glory <1391 -doxa -> and majesty <3172 -megalosune -> , dominion <2904 -kratos -> and power <1849 -exousia -> , both <2532 -kai -> now <3568 -nun -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 REV 001 001 . The Revelation <0602 -apokalupsis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> unto him , to shew <1166 -deiknuo -> unto his servants <1401 -doulos -> things which <3739 -hos -> must <1163 -dei -> shortly <5034 -tachos -> come <1096 -ginomai -> to pass ; and he sent <0649 -apostello -> and signified <4591 -semaino -> [it] by his angel <0032 -aggelos -> unto his servant <1401 -doulos -> John <2491 -Ioannes -> :

2316 REV 001 002 Who <3739 -hos -> bare <3140 -martureo -> record <3140 -martureo -> of the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and of the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and of all <3745 -hosos -> things that he saw <1492 -eido -> .

2316 REV 001 006 And hath made <4160 -poieo -> us kings <0935 -basileus -> and priests <2409 -hiereus -> unto God <{2316} -theos -> and his Father <3962 -pater -> ; to him [be] glory <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 REV 001 009 . I John <2491 -Ioannes -> , who <3588 -ho -> also <2532 -kai -> am your <5216 -humon -> brother <0080 -adephos -> , and companion <4791 -sugkoinonos -> in tribulation <2347 -thlipsis -> , and in the kingdom <0932 -basileia -> and patience <5281 -hupomone -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , was in the isle <3520 -nesos -> that is called <2564 -kaleo -> Patmos <3963 -Patmos -> , for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and for the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 REV 002 007 He that hath <2192 -echo -> an ear <3775 -ous -> , let him hear <0191 -akouo -> what <5101 -tis -> the Spirit <4151 -pneuma -> saith <3004 -lego -> unto the churches <1577 -ekklesia -> ; To him that overcometh <3528 -nikao -> will I give <1325 -didomi -> to eat <5315 -phago -> of the tree <3586 -xulon -> of life <2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> is in the midst <3319 -mesos -> of the paradise <3857 -paradeisos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 002 018 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the church <1577 -ekklesia -> in Thyatira <2363 -Thuateira -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath <2192 -echo -> his eyes <3788 -ophthalmos -> like <5613 -hos -> unto a flame <5395 -phlox -> of fire <4442 -pur -> , and his feet <4228 -pous -> [are] like <3664 -homoios -> fine brass <5474 -chalkolibanon -> ;

2316 REV 003 001 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the church <1577 -ekklesia -> in Sardis <4554 -Sardeis -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> he that hath <2192 -echo -> the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , and the

seven <2033 -hepta -> stars <0792 -aster -> ; I know <1492 -
eido -> thy works <2041 -ergon -> , that thou hast <2192 -echo -
> a name <3686 -onoma -> that thou livest <2198 -zao -> , and
art <1488 -ei -> dead <3498 -nekros -> .

2316 REV 003 002 Be watchful <1127 -gregoreuo -> , and
strengthen <4741 -sterizo -> the things which remain <3062 -
loipoy -> , that are ready <3195 -mello -> to die <0599 -
apothnesko -> : for I have not found <2147 -heurisko -> thy
works <2041 -ergon -> perfect <4137 -pleroo -> before <1799 -
enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -
> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> ,   [
which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -
Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my
God <{2316} -theos -> : and [I will write upon him] my new
<2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -
> of the city <4172 -polis -> of my God <{2316} -theos -> ,   [
which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -
Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my
God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new
<2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <{2316} -theos -> , and the name <3686 -
onoma -> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> ,
  [which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem
<2419 -Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -
katabaino -> down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -
ouranos -> from my God <2316 -theos -> : and [I will write
upon him] my new <2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I
make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple
<3485 -naos -> of my God <{2316} -theos -> , and he shall go
<1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out :
 and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -
onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -
> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> ,   [
which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -
Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino ->
down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my
God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new
<2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 014 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the
church <1577 -ekklesia -> of the Laodiceans <2994 -Laodikeus ->

write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> the Amen <0281 -amen -> , the faithful <4103 -pistos -> and true <0228 -alethinos -> witness <3144 -martus -> , the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 REV 004 005 And out of the throne <2362 -thronos -> proceeded <1607 -ekporeuomai -> lightnings <0796 -astrape -> and thunderings <1027 -bronte -> and voices <5456 -phone -> : and [there were] seven <2033 -hepta -> lamps <2985 -lampas -> of fire <4442 -pur -> burning <2545 -kaio -> before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> , which <3739 -hos -> are the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 004 008 . And the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> had <2192 -echo -> each <0303 -ana -> of them six <1803 -hex -> wings <4420 -pterux -> about <2943 -kuklothen -> [him] ; and [they were] full <1073 -gemo -> of eyes <3788 -ophthalmos -> within <2081 -esothen -> : and they rest <0372 -anapausis -> not day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> , saying <3004 -lego -> , Holy <0040 -hagios -> , holy <0040 -hagios -> , holy <0040 -hagios -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , which <3588 -ho -> was , and is , and is to come <2064 -erchomai -> .

2316 REV 005 006 . And I beheld <1492 -eido -> , and , lo <2400 -idou -> , in the midst <3319 -mesos -> of the throne <2362 -thronos -> and of the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> , and in the midst <3319 -mesos -> of the elders <4245 -presbuteros -> , stood <2476 -histemi -> a Lamb <0721 -arnion -> as it had been slain <4969 -sphazo -> , having <2192 -echo -> seven <2033 -hepta -> horns <2768 -keras -> and seven <2033 -hepta -> eyes <3788 -ophthalmos -> , which <3739 -hos -> are the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> forth <0649 -apostello -> into <1519 -eis -> all <3956 -pas -> the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 005 009 And they sung <0103 -aido -> a new <2537 -kainos -> song <5603 -oide -> , saying <3004 -lego -> , Thou art <1488 -ei -> worthy <0514 -axios -> to take <2983 -lambano -> the book <0975 -biblion -> , and to open <0455 -anoigo -> the seals <4973 -sphragis -> thereof <0846 -autos -> : for thou wast slain <4969 -sphazo -> , and hast redeemed <0059 -agorazo -> us to God <{2316} -theos -> by thy blood <0129 -haima -> out of every <3956 -pas -> kindred <5443 -phule -> , and tongue <1100 -glossa -> , and people <2992 -laos -> , and nation <1484 -ethnos -> ;

2316 REV 005 010 And hast made <4160 -poieo -> us unto our God <{2316} -theos -> kings <0935 -basileus -> and priests <2409 -hiereus -> : and we shall reign <0936 -basileuo -> on <1909 -epi -> the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 006 009 . And when <3753 -hote -> he had opened <0455 -anoigo -> the fifth <3991 -pemptos -> seal <4973 -sphragis -> , I saw <1492 -eido -> under <5270 -hupokato -> the altar <2379 -thusiasterion -> the souls <5590 -psuche -> of them that were slain <4969 -sphazo -> for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and for the testimony <3141 -marturia -> which <3739 -hos -> they held <2192 -echo -> :

2316 REV 007 002 And I saw <1492 -eido -> another <0243 -allos -> angel <0032 -aggelos -> ascending <0305 -anabaino -> from the east <0395 -anatole -> , having <2192 -echo -> the seal <4973 -

sphragis -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> :
and he cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice
<5456 -phone -> to the four <5064 -tessares -> angels <0032 -
aggelos -> , to whom <3739 -hos -> it was given <1325 -didomi -
> to hurt <0091 -adikeo -> the earth <1093 -ge -> and the sea
<2281 -thalassa -> ,

2316 REV 007 003 Saying <3004 -lego -> , Hurt <0091 -adikeo ->
not the earth <1093 -ge -> , neither <3383 -mete -> the sea
<2281 -thalassa -> , nor <3383 -mete -> the trees <1186 -
dendron -> , till <0891 -achri -> we have sealed <4972 -
sphragizo -> the servants <1401 -doulos -> of our God <{2316} -
theos -> in their foreheads <3359 -metopon -> .

2316 REV 007 010 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> ,
Salvation <4991 -soteria -> to our God <{2316} -theos -> which
<3588 -ho -> sitteth <2521 -kathemai -> upon the throne <2362 -
thronos -> , and unto the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 007 011 And all <3956 -pas -> the angels <0032 -
aggelos -> stood <2476 -histemi -> round <2943 -kuklothen ->
about <2943 -kuklothen -> the throne <2362 -thronos -> , and [
about] the elders <4245 -presbuteros -> and the four <5064 -
tessares -> beasts <2226 -zoon -> , and fell <4098 -pipto ->
before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> on <1909 -
epi -> their faces <4383 -prosopon -> , and worshipped <4352 -
proskuneo -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 007 012 Saying <3004 -lego -> , Amen <0281 -amen -> :
Blessing <2129 -eulogia -> , and glory <1391 -doxa -> , and
wisdom <4678 -sophia -> , and thanksgiving <2169 -eucharistia -
> , and honour <5092 -time -> , and power <1411 -dunamis -> ,
and might <2479 -ischus -> , [be] unto our God <{2316} -
theos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen
<0281 -amen -> .

2316 REV 007 015 Therefore <5124 -touto -> are they before
<1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -
theos -> , and serve <3000 -latreuo -> him day <2250 -hemera ->
and night <3571 -nux -> in his temple <3485 -naos -> : and he
that sitteth <2521 -kathemai -> on <1909 -epi -> the throne
<2362 -thronos -> shall dwell <4637 -skenoo -> among <1909 -epi -
> them .

2316 REV 007 017 For the Lamb <0721 -arnion -> which <3588 -ho -
> is in the midst <3319 -mesos -> of the throne <2362 -thronos -
> shall feed <4165 -poimaino -> them , and shall lead <3594 -
hodegeo -> them unto living <2198 -zao -> fountains <4077 -pege -
> of waters <5204 -hudor -> : and God <{2316} -theos -> shall
wipe <1813 -exaleipho -> away <1813 -exaleipho -> all <3956 -pas
-> tears <1144 -dakru -> from their eyes <3788 -ophthalmos -> .

2316 REV 008 002 And I saw <1492 -eido -> the seven <2033 -
hepta -> angels <0032 -aggelos -> which <3739 -hos -> stood
<2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos ->
; and to them were given <1325 -didomi -> seven <2033 -hepta ->
trumpets <4536 -salpigx -> .

2316 REV 008 004 And the smoke <2586 -kapnos -> of the incense
<2368 -thumiama -> , [which came] with the prayers <4335 -
proseuche -> of the saints <0040 -hagios -> , ascended <0305 -
anabaino -> up before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos ->
out of the angel s <0032 -aggelos -> hand <5495 -cheir -> .

2316 REV 009 004 And it was commanded <4483 -rheo -> them that

they should not hurt <0091 -adikeo -> the grass <5528 -chortos -
> of the earth <1093 -ge -> , neither any <3956 -pas -> green
<5515 -chloros -> thing , neither any <3956 -pas -> tree <1186 -
dendron -> ; but only <3441 -monos -> those <3588 -ho -> men
<0444 -anthropos -> which <3748 -hostis -> have <2192 -echo ->
not the seal <4973 -sphragis -> of God <{2316} -theos -> in
their foreheads <3359 -metopon -> .

2316 REV 009 013 . And the sixth <1623 -hektos -> angel <0032 -
aggelos -> sounded <4537 -salpizo -> , and I heard <0191 -akouo
-> a voice <5456 -phone -> from the four <5064 -tessares ->
horns <2768 -keras -> of the golden <5552 -chruseos -> altar
<2379 -thusiasterion -> which <3588 -ho -> is before <1799 -
enopion -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 010 007 But in the days <2250 -hemera -> of the voice
<5456 -phone -> of the seventh <1442 -hebdomos -> angel <0032 -
aggelos -> , when <3752 -hotan -> he shall begin <3195 -mello -
> to sound <4537 -salpizo -> , the mystery <3466 -musterion ->
of God <{2316} -theos -> should be finished <5055 -teleo -> ,
as he hath declared <2097 -euaggelizo -> to his servants <1401 -
doulos -> the prophets <4396 -prophetes -> .

2316 REV 011 001 . And there was given <1325 -didomi -> me a
reed <2563 -kalamos -> like <3664 -homoios -> unto a rod <4464 -
rhabdos -> : and the angel <0032 -aggelos -> stood <2476 -
histemi -> , saying <3004 -lego -> , Rise <1453 -egeiro -> ,
and measure <3354 -metreo -> the temple <3485 -naos -> of God
<{2316} -theos -> , and the altar <2379 -thusiasterion -> ,
and them that worship <4352 -proskuneo -> therein <0846 -autos -
> .

2316 REV 011 004 These <3778 -houtos -> are the two <1417 -duo -
> olive <1636 -elaia -> trees , and the two <1417 -duo ->
candlesticks <3087 -luchnia -> standing <2476 -histemi -> before
<1799 -enopion -> the God <{2316} -theos -> of the earth <1093 -
ge -> .

2316 REV 011 011 And after <3326 -meta -> three <5140 -treis ->
days <2250 -hemera -> and an half <2255 -hemisu -> the Spirit
<4151 -pneuma -> of life <2222 -zoe -> from God <{2316} -theos -
> entered <1525 -eiserchomai -> into <1909 -epi -> them , and
they stood <2476 -histemi -> upon their feet <4228 -pous -> ;
and great <3173 -megas -> fear <5401 -phobos -> fell <4098 -
pipto -> upon them which saw <2334 -theoreo -> them .

2316 REV 011 013 And the same <1565 -ekeinos -> hour <5610 -
hora -> was there a great <3173 -megas -> earthquake <4578 -
seismos -> , and the tenth <1182 -dekatos -> part of the city
<4172 -polis -> fell <4098 -pipto -> , and in the earthquake
<4578 -seismos -> were slain <0615 -apokteino -> of men <0444 -
anthropos -> seven <2033 -hepta -> thousand <5505 -chilias -> :
and the remnant <3062 -loipoy -> were affrighted <1719 -emphobos
-> , and gave <1325 -didomi -> glory <1391 -doxa -> to the God
<{2316} -theos -> of heaven <3772 -ouranos -> .

2316 REV 011 016 And the four <5064 -tessares -> and twenty
<1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> , which <3588 -ho
-> sat <2521 -kathemai -> before <1799 -enopion -> God <2316 -
theos -> on <1909 -epi -> their seats <2362 -thronos -> , fell
<4098 -pipto -> upon their faces <4383 -prosopon -> , and
worshipped <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 011 016 And the four <5064 -tessares -> and twenty
<1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> , which <3588 -ho
-> sat <2521 -kathemai -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -

theos -> on <1909 -epi -> their seats <2362 -thronos -> , fell <4098 -pipto -> upon their faces <4383 -prosopon -> , and worshipped <4352 -proskuneo -> God <2316 -theos -> ,

2316 REV 011 017 Saying <3004 -lego -> , We give thee thanks <2168 -eucharisteo -> , O Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , which <3588 -ho -> art <5607 -on -> , and wast <2258 -en -> , and art to come <2064 -erchomai -> ; because <3754 -hoti -> thou hast taken <2983 -lambano -> to thee thy great <3173 -megas -> power <1411 -dunamis -> , and hast reigned <0936 -basileuo -> .

2316 REV 011 019 And the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> was opened <0455 -anoigo -> in heaven <3772 -ouranos -> , and there was seen <3700 -optanomai -> in his temple <3485 -naos -> the ark <2787 -kibotos -> of his testament <1242 -diatheke -> : and there were lightnings <0796 -astrape -> , and voices <5456 -phone -> , and thunderings <1027 -bronte -> , and an earthquake <4578 -seismos -> , and great <3173 -megas -> hail <5464 -chalaza -> .

2316 REV 012 005 And she brought <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> a man <0730 -arrhen -> child <5207 -huios -> , who <3739 -hos -> was to rule <4165 -poimaino -> all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> with a rod <4464 -rhabdos -> of iron <4603 -sidereos -> : and her child <5043 -teknon -> was caught <0726 -harpazo -> up unto God <{2316} -theos -> , and [to] his throne <2362 -thronos -> .

2316 REV 012 006 And the woman <1135 -gune -> fled <5343 -pheugo -> into <1519 -eis -> the wilderness <2048 -eremos -> , where <3699 -hopou -> she hath <2192 -echo -> a place <5117 -topos -> prepared <2090 -hetoimazo -> of God <{2316} -theos -> , that they should feed <5142 -trepho -> her there <1563 -ekei -> a thousand <5507 -chilioi -> two <1417 -duo -> hundred <1250 -diakosioi -> [and] threescore <1835 -hexekonta -> days <2250 -hemera -> .

2316 REV 012 010 And I heard <0191 -akouo -> a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> saying <3004 -lego -> in heaven <3772 -ouranos -> , Now <0737 -arti -> is come <1096 -ginomai -> salvation <4991 -soteria -> , and strength <1411 -dunamis -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of our God <2316 -theos -> , and the power <1849 -exousia -> of his Christ <5547 -Christos -> : for the accuser <2723 -kategoreo -> of our brethren <0080 -adephos -> is cast <2598 -kataballo -> down <2598 -kataballo -> , which <3588 -ho -> accused <2725 -kategoros -> them before <1799 -enopion -> our God <{2316} -theos -> day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> .

2316 REV 012 010 And I heard <0191 -akouo -> a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> saying <3004 -lego -> in heaven <3772 -ouranos -> , Now <0737 -arti -> is come <1096 -ginomai -> salvation <4991 -soteria -> , and strength <1411 -dunamis -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of our God <{2316} -theos -> , and the power <1849 -exousia -> of his Christ <5547 -Christos -> : for the accuser <2723 -kategoreo -> of our brethren <0080 -adephos -> is cast <2598 -kataballo -> down <2598 -kataballo -> , which <3588 -ho -> accused <2725 -kategoros -> them before <1799 -enopion -> our God <2316 -theos -> day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> .

2316 REV 012 017 And the dragon <1404 -drakon -> was wroth <3710 -orgizo -> with the woman <1135 -gune -> , and went <0565 -aperchomai -> to make <4160 -poieo -> war <4171 -polemos -> with the remnant <3062 -loipoy -> of her seed <4690 -sperma -> ,

which <3588 -ho -> keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , and have <2192 -echo -> the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 REV 013 006 And he opened <0455 -anoigo -> his mouth <4750 -stoma -> in blasphemy <0988 -blasphemia -> against <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> , to blaspheme <0987 -blasphemeo -> his name <3686 -onoma -> , and his tabernacle <4633 -skene -> , and them that dwell <4637 -skenoo -> in heaven <3772 -ouranos -> .

2316 REV 014 004 These <3778 -houtos -> are they which <3739 -hos -> were not defiled <3435 -moluno -> with women <1135 -gune -> ; for they are virgins <3933 -parthenos -> . These <3778 -houtos -> are they which <3588 -ho -> follow <0190 -akoloutheo -> the Lamb <0721 -arnion -> whithersoever <0302 -an -> he goeth <5217 -hupago -> . These <3778 -houtos -> were redeemed <0059 -agorazo -> from among men <0444 -anthropos -> , [being] the firstfruits <0536 -aparche -> unto God <{2316} -theos -> and to the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 014 005 And in their mouth <4750 -stoma -> was found <2147 -heurisko -> no <3756 -ou -> guile <1388 -dolos -> : for they are without <0299 -amomos -> fault <0299 -amomos -> before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 014 007 Saying <3004 -lego -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , Fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , and give <1325 -didomi -> glory <1391 -doxa -> to him ; for the hour <5610 -hora -> of his judgment <2920 -krisis -> is come <2064 -erchomai -> : and worship <4352 -proskuneo -> him that made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and the fountains <4077 -pege -> of waters <5204 -hudor -> .

2316 REV 014 010 The same <0846 -autos -> shall drink <4095 -pino -> of the wine <3631 -oinos -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> is poured <2767 -kerannumi -> out without <0194 -akratos -> mixture <0194 -akratos -> into <1722 -en -> the cup <4221 -poterion -> of his indignation <3709 -orge -> ; and he shall be tormented <0928 -basanizo -> with fire <4442 -pur -> and brimstone <2303 -theion -> in the presence <1799 -enopion -> of the holy <0040 -hagios -> angels <0032 -aggelos -> , and in the presence <1799 -enopion -> of the Lamb <0721 -arnion -> :

2316 REV 014 012 Here <5602 -hode -> is the patience <5281 -hupomone -> of the saints <0040 -hagios -> : here <5602 -hode -> [are] they that keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , and the faith <4102 -pistis -> of Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 REV 014 019 And the angel <0032 -aggelos -> thrust <0906 -ballo -> in his sickle <1407 -drepanon -> into <1519 -eis -> the earth <1093 -ge -> , and gathered <5166 -trugao -> the vine <0288 -ampelos -> of the earth <1093 -ge -> , and cast <0906 -ballo -> [it] into <1519 -eis -> the great <3173 -megas -> winepress <3025 -lenos -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 001 . And I saw <1492 -eido -> another <0243 -allos -> sign <4592 -semeion -> in heaven <3772 -ouranos -> , great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> , seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> having <2192 -

echo -> the seven <2033 -hepta -> last <2078 -eschatos -> plagues <4127 -plege -> ; for in them is filled <5055 -teleo -> up the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 002 And I saw <1492 -eido -> as it were a sea <2281 -thalassa -> of glass <5193 -hualinos -> mingled <3396 -mignumi -> with fire <4442 -pur -> : and them that had gotten the victory <3528 -nikao -> over <1537 -ek -> the beast <2342 -therion -> , and over <1537 -ek -> his image <1504 -eikon -> , and over <1537 -ek -> his mark <5480 -charagma -> ,   [and] over <1537 -ek -> the number <0706 -arithmos -> of his name <3686 -onoma -> , stand <2476 -histemi -> on <1909 -epi -> the sea <2281 -thalassa -> of glass <5193 -hualinos -> , having <2192 -echo -> the harps <2788 -kithara -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 003 And they sing <0103 -aido -> the song <5603 -oide -> of Moses <3475 -Moseus -> the servant <1401 -doulos -> of God <2316 -theos -> , and the song <5603 -oide -> of the Lamb <0721 -arnion -> , saying <3004 -lego -> , Great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> [are] thy works <2041 -ergon -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> ; just <1342 -dikaios -> and true <0228 -alethinos -> [are] thy ways <3598 -hodos -> , thou King <0935 -basileus -> of saints <0040 -hagios -> .

2316 REV 015 003 And they sing <0103 -aido -> the song <5603 -oide -> of Moses <3475 -Moseus -> the servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> , and the song <5603 -oide -> of the Lamb <0721 -arnion -> , saying <3004 -lego -> , Great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> [are] thy works <2041 -ergon -> , Lord <2962 -kurios -> God <2316 -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> ; just <1342 -dikaios -> and true <0228 -alethinos -> [are] thy ways <3598 -hodos -> , thou King <0935 -basileus -> of saints <0040 -hagios -> .

2316 REV 015 007 And one <1520 -heis -> of the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> gave <1325 -didomi -> unto the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> seven <2033 -hepta -> golden <5552 -chruseos -> vials <5357 -phiale -> full <1073 -gemo -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> liveth <2198 -zao -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> .

2316 REV 015 008 And the temple <3485 -naos -> was filled <1072 -gemizo -> with smoke <2586 -kapnos -> from the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , and from his power <1411 -dunamis -> ; and no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> was able <1410 -dunamai -> to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the temple <3485 -naos -> , till <0891 -achri -> the seven <2033 -hepta -> plagues <4127 -plege -> of the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> were fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 016 001 . And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of the temple <3485 -naos -> saying <3004 -lego -> to the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> , Go <5217 -hupago -> your ways , and pour <1632 -ekcheo -> out the vials <5357 -phiale -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> upon the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 016 007 And I heard <0191 -akouo -> another <0243 -allos -> out of the altar <2379 -thusiasterion -> say <3004 -lego -> , Even <3483 -nai -> so <3483 -nai -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , true <0228 -alethinos -> and righteous <1342 -dikaios -> [are

] thy judgments <2920 -krisis -> .

2316 REV 016 009 And men <0444 -anthropos -> were scorched <2739 -kaumatizo -> with great <3173 -megas -> heat <2738 -kauma -> , and blasphemed <0987 -blasphemeo -> the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> hath <2192 -echo -> power <1849 -exousia -> over <1909 -epi -> these <5025 -tautais -> plagues <4127 -plege -> : and they repented <3340 -metanoeo -> not to give <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> .

2316 REV 016 011 And blasphemed <0987 -blasphemeo -> the God <{2316} -theos -> of heaven <3772 -ouranos -> because <1537 -ek -> of their pains <4192 -ponos -> and their sores <1668 -helkos -> , and repented <3340 -metanoeo -> not of their deeds <2041 -ergon -> .

2316 REV 016 014 For they are the spirits <4151 -pneuma -> of devils <1142 -daimon -> , working <4160 -poieo -> miracles <4592 -semeion -> , [which] go <1607 -ekporeuomai -> forth <1607 -ekporeuomai -> unto the kings <0935 -basileus -> of the earth <1093 -ge -> and of the whole <3650 -holos -> world <3629 -oiktirmon -> , to gather <4863 -sunago -> them to the battle <4171 -polemos -> of that great <3173 -megas -> day <2250 -hemera -> of God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> .

2316 REV 016 019 And the great <3173 -megas -> city <4172 -polis -> was divided <1096 -ginomai -> into <1519 -eis -> three <5140 -treis -> parts <3313 -meros -> , and the cities <4172 -polis -> of the nations <1484 -ethnos -> fell <4098 -pipto -> : and great <3173 -megas -> Babylon <0897 -Babulon -> came <3415 -mnaomai -> in remembrance <3415 -mnaomai -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , to give <1325 -didomi -> unto her the cup <4221 -poterion -> of the wine <3631 -oinos -> of the fierceness <2372 -thumos -> of his wrath <3709 -orge -> .

2316 REV 016 021 And there fell <2597 -katabaino -> upon men <0444 -anthropos -> a great <3173 -megas -> hail <5464 -chalaza -> out of heaven <3772 -ouranos -> , [every stone] about <5613 -hos -> the weight <5006 -talantiaios -> of a talent <5006 -talantiaios -> : and men <0444 -anthropos -> blasphemed <0987 -blasphemeo -> God <{2316} -theos -> because <1537 -ek -> of the plague <4127 -plege -> of the hail <5464 -chalaza -> ; for the plague <4127 -plege -> thereof <0846 -autos -> was exceeding <4970 -sphodra -> great <3173 -megas -> .

2316 REV 017 017 For God <2316 -theos -> hath put <1325 -didomi -> in their hearts <2588 -kardia -> to fulfil <4160 -poieo -> his will <1106 -gnome -> , and to agree <4160 -poieo -> , and give <1325 -didomi -> their kingdom <0932 -basileia -> unto the beast <2342 -therion -> , until <0891 -achri -> the words <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> shall be fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 017 017 For God <{2316} -theos -> hath put <1325 -didomi -> in their hearts <2588 -kardia -> to fulfil <4160 -poieo -> his will <1106 -gnome -> , and to agree <4160 -poieo -> , and give <1325 -didomi -> their kingdom <0932 -basileia -> unto the beast <2342 -therion -> , until <0891 -achri -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> shall be fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 018 005 For her sins <0266 -hamartia -> have reached <0190 -akoloutheo -> unto heaven <3772 -ouranos -> , and God <{2316} -theos -> hath remembered <3421 -mnemoneuo -> her

iniquities <0092 -adikema -> .

2316 REV 018 008 Therefore <5124 -touto -> shall her plagues <4127 -plege -> come <2240 -heko -> in one <3391 -mia -> day <2250 -hemera -> , death <2288 -thanatos -> , and mourning <3997 -penthos -> , and famine <3042 -limos -> ; and she shall be utterly <2618 -katakaio -> burned <2618 -katakaio -> with fire <4442 -pur -> : for strong <2478 -ischuros -> [is] the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> who <3588 -ho -> judgeth <2919 -krino -> her .

2316 REV 018 020 Rejoice <2165 -euphraino -> over <1909 -epi -> her , [thou] heaven <3772 -ouranos -> , and [ye] holy <0040 -hagios -> apostles and prophets <4396 -prophetes -> ; for God <{2316} -theos -> hath avenged <2917 -krima -> you on <1537 -ek -> her .

2316 REV 019 001 . And after <3326 -meta -> these <5023 -tauta -> things I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> of much <4183 -polus -> people <3793 -ochlos -> in heaven <3772 -ouranos -> , saying <3004 -lego -> , Alleluia <0239 -allelouia -> ; Salvation <4991 -soteria -> , and glory <1391 -doxa -> , and honour <5092 -time -> , and power <1411 -dunamis -> , unto the Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> :

2316 REV 019 004 And the four <5064 -tessares -> and twenty <1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> and the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> fell <4098 -pipto -> down and worshipped <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> that sat <2521 -kathemai -> on <1909 -epi -> the throne <2362 -thronos -> , saying <3004 -lego -> , Amen <0281 -amen -> ; Alleluia <0239 -allelouia -> .

2316 REV 019 005 . And a voice <5456 -phone -> came <1831 -exerchomai -> out of the throne <2362 -thronos -> , saying <3004 -lego -> , Praise <0134 -aineo -> our God <{2316} -theos -> , all <3956 -pas -> ye his servants <1401 -doulos -> , and ye that fear <5399 -phobeo -> him , both small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> .

2316 REV 019 006 And I heard <0191 -akouo -> as it were the voice <5456 -phone -> of a great <4183 -polus -> multitude <3793 -ochlos -> , and as the voice <5456 -phone -> of many <4183 -polus -> waters <5204 -hudor -> , and as the voice <5456 -phone -> of mighty <2478 -ischuros -> thunderings <1027 -bronte -> , saying <3004 -lego -> , Alleluia <0239 -allelouia -> : for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> omnipotent <3841 -pantokrator -> reigneth <0936 -basileuo -> .

2316 REV 019 009 And he saith <3004 -lego -> unto me , Write <1125 -grapho -> , Blessed <3107 -makarios -> [are] they which are called <2564 -kaleo -> unto the marriage <1062 -gamos -> supper <1173 -deipnon -> of the Lamb <0721 -arnion -> . And he saith <3004 -lego -> unto me , These <3778 -houtos -> are the true <0228 -alethinos -> sayings <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 019 010 And I fell <4098 -pipto -> at <1715 -emprosthen -> his feet <4228 -pous -> to worship <4352 -proskuneo -> him . And he said <3004 -lego -> unto me , See <3700 -optanomai -> [thou do it] not : I am <1510 -eimi -> thy fellowservant <4889 -sundoulos -> , and of thy brethren <0080 -adephos -> that have <2192 -echo -> the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> : worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> : for the testimony <3141 -

marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> is the spirit <4151 -
pneuma -> of prophecy <4394 -propheteia -> .

2316 REV 019 013 And he [was] clothed <4016 -periballo ->
with a vesture <2440 -himation -> dipped <0911 -bapto -> in
blood <0129 -haima -> : and his name <3686 -onoma -> is called
<2564 -kaleo -> The Word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -
> .

2316 REV 019 015 And out of his mouth <4750 -stoma -> goeth
<1607 -ekporeuomai -> a sharp <3691 -oxus -> sword <4501 -
rhomphaia -> , that with it he should smite <3960 -patasso ->
the nations <1484 -ethnos -> : and he shall rule <4165 -
poimaino -> them with a rod <4464 -rhabdos -> of iron <4603 -
sidereos -> : and he treadeth <3961 -pateo -> the winepress
<3631 -oinos -> of the fierceness <2372 -thumos -> and wrath
<3709 -orge -> of Almighty <3841 -pantokrator -> God <{2316} -
theos -> .

2316 REV 019 017 And I saw <1492 -eido -> an angel <0032 -
aggelos -> standing <2476 -histemi -> in the sun <2246 -helios -
> ; and he cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas ->
voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> to all <3956 -pas
-> the fowls <3732 -orneon -> that fly <4072 -petomai -> in the
midst <3321 -mesouranema -> of heaven <3321 -mesouranema -> ,
Come <1205 -deute -> and gather <4863 -sunago -> yourselves
together <4863 -sunago -> unto the supper <1173 -deipnon -> of
the great <3173 -megas -> God <{2316} -theos -> ;

2316 REV 020 004 And I saw <1492 -eido -> thrones <2362 -
thronos -> , and they sat <2523 -kathizo -> upon them , and
judgment <2917 -krima -> was given <1325 -didomi -> unto them :
and [I saw] the souls <5590 -psuche -> of them that were
beheaded <3990 -pelekizo -> for the witness <3141 -marturia ->
of Jesus <2424 -Iesous -> , and for the word <3056 -logos -> of
God <{2316} -theos -> , and which <3748 -hostis -> had not
worshipped <4352 -proskuneo -> the beast <2342 -therion -> ,
neither <3777 -oute -> his image <1504 -eikon -> , neither
<3756 -ou -> had received <2983 -lambano -> [his] mark <5480
-charagma -> upon their foreheads <3359 -metopon -> , or <2532 -
kai -> in their hands <5495 -cheir -> ; and they lived <2198 -
zao -> and reigned <0936 -basileuo -> with Christ <5547 -
Christos -> a thousand <5507 -chilioi -> years <2094 -etos -> .

2316 REV 020 006 Blessed <3107 -makarios -> and holy <0040 -
hagios -> [is] he that hath <2192 -echo -> part <3313 -meros
-> in the first <4413 -protos -> resurrection <0386 -anastasis -
> : on <1909 -epi -> such <5130 -touton -> the second <1208 -
deuteros -> death <2288 -thanatos -> hath <2192 -echo -> no
<3756 -ou -> power <1849 -exousia -> , but they shall be
priests <2409 -hiereus -> of God <{2316} -theos -> and of Christ
<5547 -Christos -> , and shall reign <0936 -basileuo -> with
him a thousand <5507 -chilioi -> years <2094 -etos -> .

2316 REV 020 009 And they went <0305 -anabaino -> up on <1909 -
epi -> the breadth <4114 -platos -> of the earth <1093 -ge -> ,
and compassed <2944 -kukloo -> the camp <3925 -parembole -> of
the saints <0040 -hagios -> about <2944 -kukloo -> , and the
beloved <0025 -agapao -> city <4172 -polis -> : and fire <4442 -
pur -> came <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from
God <{2316} -theos -> out of heaven <3772 -ouranos -> , and
devoured <2719 -katesthio -> them .

2316 REV 020 012 And I saw <1492 -eido -> the dead <3498 -
nekros -> , small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> ,
stand <2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -

theos -> ; and the books <0975 -biblion -> were opened <0455 -anoigo -> : and another <0243 -allos -> book <0976 -biblos -> was opened <0455 -anoigo -> , which <3739 -hos -> is [the book <0976 -biblos ->] of life <2222 -zoe -> : and the dead <3498 -nekros -> were judged <2919 -krino -> out of those <3588 -ho -> things which were written <1125 -grapho -> in the books <0975 -biblion -> , according <2596 -kata -> to their works <2041 -ergon -> .

2316 REV 021 002 And I John <2491 -Ioannes -> saw <1492 -eido -> the holy <0040 -hagios -> city <4172 -polis -> , new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , coming <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from God <{2316} -theos -> out of heaven <3772 -ouranos -> , prepared <2090 -hetoimazo -> as a bride <3565 -numphe -> adorned <2885 -kosmeo -> for her husband <0435 -aner -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos -> saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle <4633 -skene -> of God <2316 -theos -> [is] with men <0444 -anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them , and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <2316 -theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be] their God <{2316} -theos -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos -> saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle <4633 -skene -> of God <2316 -theos -> [is] with men <0444 -anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them , and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <{2316} -theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be] their God <2316 -theos -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos -> saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle <4633 -skene -> of God <{2316} -theos -> [is] with men <0444 -anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them , and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <2316 -theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be] their God <2316 -theos -> .

2316 REV 021 004 And God <{2316} -theos -> shall wipe <1813 -exaleipho -> away <1813 -exaleipho -> all <3956 -pas -> tears <1144 -dakru -> from their eyes <3788 -ophthalmos -> ; and there shall be no <3756 -ou -> more <2089 -eti -> death <2288 -thanatos -> , neither <3777 -oute -> sorrow <3997 -penthos -> , nor <3777 -oute -> crying <2906 -krauge -> , neither shall there be any <2089 -eti -> more <2089 -eti -> pain <4192 -ponos -> : for the former <4413 -protos -> things are passed <0565 -aperchomai -> away <0565 -aperchomai -> .

2316 REV 021 007 He that overcometh <3528 -nikao -> shall inherit <2816 -kleronomeo -> all <3956 -pas -> things ; and I will be his God <{2316} -theos -> , and he shall be my son <5207 -huios -> .

2316 REV 021 010 And he carried <0667 -appohero -> me away <0667 -appohero -> in the spirit <4151 -pneuma -> to a great <3173 -megas -> and high <5308 -hupselos -> mountain <3735 -oros -> , and shewed <1166 -deiknuo -> me that great <3173 -megas -> city <4172 -polis -> , the holy <0040 -hagios -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , descending <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 021 011 Having <2192 -echo -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> : and her light <5458 -phoster -> [was] like <3664 -homoios -> unto a stone <3037 -lithos -> most precious <5093 -timios -> , even <5613 -hos -> like <5613 -hos -> a jasper <2393 -iaspis -> stone <3037 -lithos -> , clear <2929 -krustallizo -> as crystal <2929 -krustallizo -> ;

2316 REV 021 022 And I saw <1492 -eido -> no <3756 -ou -> temple <3485 -naos -> therein <0846 -autos -> : for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> and the Lamb <0721 -arnion -> are the temple <3485 -naos -> of it .

2316 REV 021 023 And the city <4172 -polis -> had <2192 -echo -> no <3756 -ou -> need <5532 -chreia -> of the sun <2246 -helios -> , neither <3761 -oude -> of the moon <4582 -selene -> , to shine <5316 -phaino -> in it : for the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> did lighten <5461 -photizo -> it , and the Lamb <0721 -arnion -> [is] the light <3088 -luchnos -> thereof <0846 -autos -> .

2316 REV 022 001 . And he shewed <1166 -deiknuo -> me a pure <2513 -katharos -> river <4215 -potamos -> of water <5204 -hudor -> of life <2222 -zoe -> , clear <2986 -lampros -> as crystal <2930 -krustallos -> , proceeding <1607 -ekporeuomai -> out of the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 022 003 And there shall be no <3756 -ou -> more <2089 -eti -> curse <2652 -katanathema -> : but the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lamb <0721 -arnion -> shall be in it ; and his servants <1401 -doulos -> shall serve <3000 -latreuo -> him :

2316 REV 022 005 And there shall be no <3756 -ou -> night <3571 -nux -> there <1563 -ekei -> ; and they need <5532 -chreia -> no <3756 -ou -> candle <3088 -luchnos -> , neither light <5457 -phos -> of the sun <2246 -helios -> ; for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> giveth them light <5461 -photizo -> : and they shall reign <0936 -basileuo -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> .

2316 REV 022 006 . And he said <2036 -epo -> unto me , These <3778 -houtos -> sayings <3056 -logos -> [are] faithful <4103 -pistos -> and true <0228 -alethinos -> : and the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> of the holy <0040 -hagios -> prophets <4396 -prophetes -> sent <0649 -apostello -> his angel <0032 -aggelos -> to shew <1166 -deiknuo -> unto his servants <1401 -doulos -> the things which <3739 -hos -> must <1163 -dei -> shortly <5034 -tachos -> be done <1096 -ginomai -> .

2316 REV 022 009 Then <2532 -kai -> saith <3004 -lego -> he unto me , See <3708 -horao -> [thou do it] not : for I am <1510 -eimi -> thy fellowservant <4889 -sundoulos -> , and of thy brethren <0080 -adephos -> the prophets <4396 -prophetes -> , and of them which keep <5083 -tereo -> the sayings <3056 -logos -> of this <5127 -toutou -> book <0975 -biblion -> : worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 022 018 For I testify <4828 -summartureo -> unto every <3956 -pas -> man <3956 -pas -> that heareth <0191 -akouo -> the words <3056 -logos -> of the prophecy <4394 -propheteia -> of this <5127 -toutou -> book <0975 -biblion -> , If <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man shall add <2007 -epitithemi -> unto these

<5023 -tauta -> things , God <{2316} -theos -> shall add <2007 -epitithemi -> unto him the plagues <4127 -plege -> that are written <1125 -grapho -> in this <5129 -toutoi -> book <0975 -biblion -> :

2316 REV 022 019 And if <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man shall take <0851 -aphaireo -> away <0851 -aphaireo -> from the words <3056 -logos -> of the book <0976 -biblos -> of this <5129 -toutoi -> prophecy <4394 -propheteia -> , God <{2316} -theos -> shall take <0851 -aphaireo -> away <0851 -aphaireo -> his part <3313 -meros -> out of the book <0976 -biblos -> of life <2222 -zoe -> , and out of the holy <0040 -hagios -> city <4172 -polis -> , and [from] the things which are written <1125 -grapho -> in this <5026 -taute -> book <0975 -biblion -> .

~~~~~~

  theos 2316 -- X exceeding, God, god[-ly, -ward].

* exceeding , 2316 , 3029 , 4036 , 4970 , 5228 , 5235 , 5236 , 5248 , 5250 ,

* god , 0112 , 1096 , 2312 , 2313 , 2314 , 2315 , 2316 , 2318 , 2319 , 2962 , 5377 , 5537 ,

* godly , 2123 , 2152 , 2153 , 2316 ,

* gods , 1140 , 2316 ,

~~~~~~

   against 2314 # Expanded Dictionary Study

  against 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to fight {against} God.[ql

  by 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given {by} inspiration of God.[ql

  divine 2304 # theios {thi'-os}; from 2316; godlike (neuter as noun, divinity): -- {divine}, godhead.[ql

  exceeding 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X {exceeding}, God, god[-ly, -ward].[ql

  fight 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to {fight} against God.[ql

  given 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- {given} by inspiration of God.[ql

  God 0112 # atheos {ath'-eh-os}; from 1 (as a negative

particle) and 2316; godless: -- without {God}.[ql

God 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- taught of {God}.[ql

God 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to fight against {God}.[ql

God 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by inspiration of {God}.[ql

god 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X exceeding, God, {god}[-ly, -ward].[ql

God 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X exceeding, {God}, god[-ly, -ward].[ql

God 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- worshipper of {God}.[ql

God 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- hater of {God}.[ql

God 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- lover of {God}.[ql

goddess 2299 # thea {theh-ah'}; feminine of 2316; a female deity: -- {goddess}.[ql

godhead 2304 # theios {thi'-os}; from 2316; godlike (neuter as noun, divinity): -- divine, {godhead}.[ql

godhead 2320 # theotes {theh-ot'-ace}; from 2316; divinity (abstractly): -- {godhead}.[ql

hater 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- {hater} of God.[ql

inspiration 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by {inspiration} of God.[ql

lover 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- {lover} of God.[ql

of 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- taught {of} God.[ql

of 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by inspiration {of} God.[ql

of 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- worshipper {of} God.[ql

of 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- hater {of} God.[ql

of 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- lover {of} God.[ql

taught 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- {taught} of God.[ql

Theophilus 2321 # Theophilos {theh-of'-il-os}; from 2316 and 5384; friend of God; Theophilus, a Christian: -- {Theophilus}.[ql

Timotheus 5095 # Timotheos {tee-moth'-eh-os}; from 5092 and 2316; dear to God; Timotheus, a Christian: -- {Timotheus}, Timothy.[ql

Timothy 5095 # Timotheos {tee-moth'-eh-os}; from 5092 and 2316; dear to God; Timotheus, a Christian: -- Timotheus, {Timothy}.[ql

to 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- {to} fight against God.[ql

without 0112 # atheos {ath'-eh-os}; from 1 (as a negative particle) and 2316; godless: -- {without} God.[ql

worshipper 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- {worshipper} of God.[ql

~~~~~~

2316. Cross Reference Study

2316.

2316 theos * exceeding , {2316 theos } , 3029 lian , 4036 perilupos , 4970 sphodra , 5228 huper , 5235 huperballo , 5236 huperbole , 5248 huperperisseuo , 5250 huperpleonazo ,

2316 theos * god , 0112 atheos , 1096 ginomai , 2312 theodidaktos and 2312 theologos , 2313 theomacheo , 2314 theomachos , 2315 theopneustos , {2316 theos } , 2318 theosebes , 2319 theostuges , 2962 kurios , 5377 philotheos , 5537 chrematizo ,

2316 theos * godly , 2123 eukopoteros , 2152 eusebes , 2153 eusebos , {2316 theos } ,

2316 theos * gods , 1140 daimonion , {2316 theos } ,

~~~~~~

2316 - theos - Act 07:20 exceeding

2316 - theos - Mat 01:23 god

2316 - theos - Mat 03:16 god

2316 - theos - Mat 03:09 god

2316 - theos - Mat 04:06 god

2316 - theos - Mat 04:07 god

2316 - theos - Mat 04:04 god

2316 - theos - Mat 04:03 god

2316 - theos - Mat 04:10 god

2316 - theos - Mat 05:09 god

2316 - theos - Mat 05:08 god

2316 - theos - Mat 06:33 god

2316 - theos - Mat 06:30 god

2316 - theos - Mat 06:24 god

2316 - theos - Mat 08:29 god

2316 - theos - Mat 09:08 god

2316 - theos - Mat 12:28 god

2316 - theos - Mat 12:04 god

2316 - theos - Mat 12:28 god

2316 - theos - Mat 14:33 god

2316 - theos - Mat 15:04 god

2316 - theos - Mat 15:03 god

2316 - theos - Mat 15:31 god

2316 - theos - Mat 15:06 god

2316 - theos - Mat 16:16 god

2316 - theos - Mat 16:23 god

2316 - theos - Mat 19:17 god

2316 - theos - Mat 19:24 god

2316 - theos - Mat 19:06 god

2316 - theos - Mat 19:26 god

2316 - theos - Mat 21:12 god

2316 - theos - Mat 21:31 god

2316 - theos - Mat 21:43 god

2316 - theos - Mat 22:16 god

2316 - theos - Mat 22:21 god

2316 - theos - Mat 22:29 god

2316 - theos - Mat 22:30 god

2316 - theos - Mat 22:31 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:37 god

2316 - theos - Mat 23:22 god

2316 - theos - Mat 26:61 god

2316 - theos - Mat 26:63 god

2316 - theos - Mat 26:63 god

2316 - theos - Mat 27:46 god

2316 - theos - Mat 27:46 god

2316 - theos - Mat 27:54 god

2316 - theos - Mat 27:43 god

2316 - theos - Mat 27:43 god

2316 - theos - Mat 27:40 god

2316 - theos - Mar 01:14 god

2316 - theos - Mar 01:15 god

2316 - theos - Mar 01:01 god

2316 - theos - Mar 01:24 god

2316 - theos - Mar 02:07 god

2316 - theos - Mar 02:26 god

2316 - theos - Mar 02:12 god

2316 - theos - Mar 03:11 god

2316 - theos - Mar 03:35 god

2316 - theos - Mar 04:26 god

2316 - theos - Mar 04:11 god

2316 - theos - Mar 04:30 god

2316 - theos - Mar 05:07 god

2316 - theos - Mar 05:07 god

2316 - theos - Mar 07:08 god

2316 - theos - Mar 07:09 god

2316 - theos - Mar 07:13 god

2316 - theos - Mar 08:33 god

2316 - theos - Mar 09:01 god

2316 - theos - Mar 09:47 god

2316 - theos - Mar 10:14 god

2316 - theos - Mar 10:18 god

2316 - theos - Mar 10:25 god

2316 - theos - Mar 10:27 god

2316 - theos - Mar 10:09 god

2316 - theos - Mar 10:06 god

2316 - theos - Mar 10:15 god

2316 - theos - Mar 10:27 god

2316 - theos - Mar 10:23 god

2316 - theos - Mar 10:24 god

2316 - theos - Mar 11:22 god

2316 - theos - Mar 12:17 god

2316 - theos - Mar 12:14 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:27 god

2316 - theos - Mar 12:27 god

2316 - theos - Mar 12:29 god

2316 - theos - Mar 12:30 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:32 god

2316 - theos - Mar 12:24 god

2316 - theos - Mar 12:34 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 13:19 god

2316 - theos - Mar 14:25 god

2316 - theos - Mar 15:43 god

2316 - theos - Mar 15:34 god

2316 - theos - Mar 15:34 god

2316 - theos - Mar 15:39 god

2316 - theos - Mar 16:19 god

2316 - theos - Luk 01:68 god

2316 - theos - Luk 01:16 god

2316 - theos - Luk 01:06 god

2316 - theos - Luk 01:64 god

2316 - theos - Luk 01:78 god

2316 - theos - Luk 01:47 god

2316 - theos - Luk 01:26 god

2316 - theos - Luk 01:08 god

2316 - theos - Luk 01:19 god

2316 - theos - Luk 01:30 god

2316 - theos - Luk 01:32 god

2316 - theos - Luk 01:35 god

2316 - theos - Luk 01:37 god

2316 - theos - Luk 02:28 god

2316 - theos - Luk 02:52 god

2316 - theos - Luk 02:40 god

2316 - theos - Luk 02:20 god

2316 - theos - Luk 02:14 god

2316 - theos - Luk 02:13 god

2316 - theos - Luk 03:02 god

2316 - theos - Luk 03:38 god

2316 - theos - Luk 03:06 god

2316 - theos - Luk 03:08 god

2316 - theos - Luk 04:08 god

2316 - theos - Luk 04:43 god

2316 - theos - Luk 04:41 god

2316 - theos - Luk 04:04 god

2316 - theos - Luk 04:09 god

2316 - theos - Luk 04:34 god

2316 - theos - Luk 04:12 god

2316 - theos - Luk 04:03 god

2316 - theos - Luk 05:25 god

2316 - theos - Luk 05:21 god

2316 - theos - Luk 05:26 god

2316 - theos - Luk 05:01 god

2316 - theos - Luk 06:04 god

2316 - theos - Luk 06:20 god

2316 - theos - Luk 06:12 god

2316 - theos - Luk 07:16 god

2316 - theos - Luk 07:29 god

2316 - theos - Luk 07:28 god

2316 - theos - Luk 07:30 god

2316 - theos - Luk 07:16 god

2316 - theos - Luk 08:21 god

2316 - theos - Luk 08:11 god

2316 - theos - Luk 08:01 god

2316 - theos - Luk 08:28 god

2316 - theos - Luk 08:39 god

2316 - theos - Luk 08:10 god

2316 - theos - Luk 09:02 god

2316 - theos - Luk 09:43 god

2316 - theos - Luk 09:62 god

2316 - theos - Luk 09:60 god

2316 - theos - Luk 09:27 god

2316 - theos - Luk 09:20 god

2316 - theos - Luk 09:11 god

2316 - theos - Luk 10:09 god

2316 - theos - Luk 10:27 god

2316 - theos - Luk 10:11 god

2316 - theos - Luk 11:49 god

2316 - theos - Luk 11:42 god

2316 - theos - Luk 11:28 god

2316 - theos - Luk 11:20 god

2316 - theos - Luk 11:20 god

2316 - theos - Luk 12:09 god

2316 - theos - Luk 12:06 god

2316 - theos - Luk 12:31 god

2316 - theos - Luk 12:28 god

2316 - theos - Luk 12:24 god

2316 - theos - Luk 12:21 god

2316 - theos - Luk 12:20 god

2316 - theos - Luk 12:08 god

2316 - theos - Luk 13:13 god

2316 - theos - Luk 13:18 god

2316 - theos - Luk 13:20 god

2316 - theos - Luk 13:28 god

2316 - theos - Luk 13:29 god

2316 - theos - Luk 14:15 god

2316 - theos - Luk 15:10 god

2316 - theos - Luk 16:13 god

2316 - theos - Luk 16:16 god

2316 - theos - Luk 16:15 god

2316 - theos - Luk 16:15 god

2316 - theos - Luk 17:15 god

2316 - theos - Luk 17:18 god

2316 - theos - Luk 17:20 god

2316 - theos - Luk 17:21 god

2316 - theos - Luk 17:20 god

2316 - theos - Luk 18:02 god

2316 - theos - Luk 18:13 god

2316 - theos - Luk 18:19 god

2316 - theos - Luk 18:17 god

2316 - theos - Luk 18:04 god

2316 - theos - Luk 18:07 god

2316 - theos - Luk 18:43 god

2316 - theos - Luk 18:43 god

2316 - theos - Luk 18:16 god

2316 - theos - Luk 18:27 god

2316 - theos - Luk 18:25 god

2316 - theos - Luk 18:24 god

2316 - theos - Luk 18:11 god

2316 - theos - Luk 19:11 god

2316 - theos - Luk 19:37 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 20:38 god

2316 - theos - Luk 20:25 god

2316 - theos - Luk 20:36 god

2316 - theos - Luk 20:21 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 21:31 god

2316 - theos - Luk 21:04 god

2316 - theos - Luk 22:18 god

2316 - theos - Luk 22:70 god

2316 - theos - Luk 22:16 god

2316 - theos - Luk 22:69 god

2316 - theos - Luk 23:51 god

2316 - theos - Luk 23:35 god

2316 - theos - Luk 23:40 god

2316 - theos - Luk 23:47 god

2316 - theos - Luk 24:53 god

2316 - theos - Luk 24:19 god

2316 - theos - Joh 01:51 god

2316 - theos - Joh 01:13 god

2316 - theos - Joh 01:12 god

2316 - theos - Joh 01:29 god

2316 - theos - Joh 01:34 god

2316 - theos - Joh 01:06 god

2316 - theos - Joh 01:01 god

2316 - theos - Joh 01:49 god

2316 - theos - Joh 01:36 god

2316 - theos - Joh 01:01 god

2316 - theos - Joh 01:02 god

2316 - theos - Joh 01:18 god

2316 - theos - Joh 03:02 god

2316 - theos - Joh 03:16 god

2316 - theos - Joh 03:02 god

2316 - theos - Joh 03:18 god

2316 - theos - Joh 03:17 god

2316 - theos - Joh 03:21 god

2316 - theos - Joh 03:03 god

2316 - theos - Joh 03:33 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:36 god

2316 - theos - Joh 03:05 god

2316 - theos - Joh 04:10 god

2316 - theos - Joh 04:24 god

2316 - theos - Joh 05:18 god

2316 - theos - Joh 05:18 god

2316 - theos - Joh 05:25 god

2316 - theos - Joh 05:42 god

2316 - theos - Joh 05:44 god

2316 - theos - Joh 06:27 god

2316 - theos - Joh 06:28 god

2316 - theos - Joh 06:29 god

2316 - theos - Joh 06:33 god

2316 - theos - Joh 06:45 god

2316 - theos - Joh 06:46 god

2316 - theos - Joh 06:69 god

2316 - theos - Joh 07:17 god

2316 - theos - Joh 08:40 god

2316 - theos - Joh 08:41 god

2316 - theos - Joh 08:42 god

2316 - theos - Joh 08:42 god

2316 - theos - Joh 08:47 god

2316 - theos - Joh 08:47 god

2316 - theos - Joh 08:54 god

2316 - theos - Joh 09:16 god

2316 - theos - Joh 09:24 god

2316 - theos - Joh 09:29 god

2316 - theos - Joh 09:03 god

2316 - theos - Joh 09:31 god

2316 - theos - Joh 09:33 god

2316 - theos - Joh 09:35 god

2316 - theos - Joh 10:35 god

2316 - theos - Joh 10:33 god

2316 - theos - Joh 10:36 god

2316 - theos - Joh 11:04 god

2316 - theos - Joh 11:22 god

2316 - theos - Joh 11:27 god

2316 - theos - Joh 11:52 god

2316 - theos - Joh 11:40 god

2316 - theos - Joh 11:22 god

2316 - theos - Joh 11:04 god

2316 - theos - Joh 12:43 god

2316 - theos - Joh 13:03 god

2316 - theos - Joh 13:03 god

2316 - theos - Joh 13:31 god

2316 - theos - Joh 13:32 god

2316 - theos - Joh 13:32 god

2316 - theos - Joh 14:01 god

2316 - theos - Joh 16:30 god

2316 - theos - Joh 16:27 god

2316 - theos - Joh 16:02 god

2316 - theos - Joh 17:03 god

2316 - theos - Joh 19:07 god

2316 - theos - Joh 20:28 god

2316 - theos - Joh 20:31 god

2316 - theos - Joh 20:17 god

2316 - theos - Joh 20:17 god

2316 - theos - Joh 21:19 god

2316 - theos - Act 01:03 god

2316 - theos - Act 02:22 god

2316 - theos - Act 02:11 god

2316 - theos - Act 02:33 god

2316 - theos - Act 02:17 god

2316 - theos - Act 02:22 god

2316 - theos - Act 02:36 god

2316 - theos - Act 02:47 god

2316 - theos - Act 02:39 god

2316 - theos - Act 02:23 god

2316 - theos - Act 02:32 god

2316 - theos - Act 02:30 god

2316 - theos - Act 02:24 god

2316 - theos - Act 03:13 god

2316 - theos - Act 03:13 god

2316 - theos - Act 03:22 god

2316 - theos - Act 03:15 god

2316 - theos - Act 03:18 god

2316 - theos - Act 03:21 god

2316 - theos - Act 03:25 god

2316 - theos - Act 03:08 god

2316 - theos - Act 03:26 god

2316 - theos - Act 03:09 god

2316 - theos - Act 04:24 god

2316 - theos - Act 04:21 god

2316 - theos - Act 04:31 god

2316 - theos - Act 04:19 god

2316 - theos - Act 04:24 god

2316 - theos - Act 04:10 god

2316 - theos - Act 04:19 god

2316 - theos - Act 05:30 god

2316 - theos - Act 05:31 god

2316 - theos - Act 05:04 god

2316 - theos - Act 05:29 god

2316 - theos - Act 05:32 god

2316 - theos - Act 05:39 god

2316 - theos - Act 06:07 god

2316 - theos - Act 06:02 god

2316 - theos - Act 06:11 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:35 god

2316 - theos - Act 07:37 god

2316 - theos - Act 07:43 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:46 god

2316 - theos - Act 07:55 god

2316 - theos - Act 07:55 god

2316 - theos - Act 07:56 god

2316 - theos - Act 07:06 god

2316 - theos - Act 07:07 god

2316 - theos - Act 07:09 god

2316 - theos - Act 07:46 god

2316 - theos - Act 07:45 god

2316 - theos - Act 07:42 god

2316 - theos - Act 07:17 god

2316 - theos - Act 07:02 god

2316 - theos - Act 07:25 god

2316 - theos - Act 08:10 god

2316 - theos - Act 08:21 god

2316 - theos - Act 08:37 god

2316 - theos - Act 08:22 god

2316 - theos - Act 08:12 god

2316 - theos - Act 08:20 god

2316 - theos - Act 08:14 god

2316 - theos - Act 09:20 god

2316 - theos - Act 10:15 god

2316 - theos - Act 10:03 god

2316 - theos - Act 10:40 god

2316 - theos - Act 10:41 god

2316 - theos - Act 10:42 god

2316 - theos - Act 10:46 god

2316 - theos - Act 10:31 god

2316 - theos - Act 10:34 god

2316 - theos - Act 10:38 god

2316 - theos - Act 10:04 god

2316 - theos - Act 10:38 god

2316 - theos - Act 10:02 god

2316 - theos - Act 10:33 god

2316 - theos - Act 10:33 god

2316 - theos - Act 10:28 god

2316 - theos - Act 10:02 god

2316 - theos - Act 10:22 god

2316 - theos - Act 11:17 god

2316 - theos - Act 11:09 god

2316 - theos - Act 11:01 god

2316 - theos - Act 11:23 god

2316 - theos - Act 11:18 god

2316 - theos - Act 11:18 god

2316 - theos - Act 11:17 god

2316 - theos - Act 12:23 god

2316 - theos - Act 12:22 god

2316 - theos - Act 12:24 god

2316 - theos - Act 12:05 god

2316 - theos - Act 13:23 god

2316 - theos - Act 13:21 god

2316 - theos - Act 13:17 god

2316 - theos - Act 13:33 god

2316 - theos - Act 13:36 god

2316 - theos - Act 13:30 god

2316 - theos - Act 13:37 god

2316 - theos - Act 13:07 god

2316 - theos - Act 13:05 god

2316 - theos - Act 13:46 god

2316 - theos - Act 13:44 god

2316 - theos - Act 13:26 god

2316 - theos - Act 13:16 god

2316 - theos - Act 13:43 god

2316 - theos - Act 14:15 god

2316 - theos - Act 14:22 god

2316 - theos - Act 14:26 god

2316 - theos - Act 14:27 god

2316 - theos - Act 15:19 god

2316 - theos - Act 15:18 god

2316 - theos - Act 15:14 god

2316 - theos - Act 15:04 god

2316 - theos - Act 15:12 god

2316 - theos - Act 15:10 god

2316 - theos - Act 15:40 god

2316 - theos - Act 15:07 god

2316 - theos - Act 15:08 god

2316 - theos - Act 16:25 god

2316 - theos - Act 16:14 god

2316 - theos - Act 16:17 god

2316 - theos - Act 16:34 god

2316 - theos - Act 17:30 god

2316 - theos - Act 17:24 god

2316 - theos - Act 17:23 GOD

2316 - theos - Act 17:13 god

2316 - theos - Act 17:29 god

2316 - theos - Act 18:21 god

2316 - theos - Act 18:07 god

2316 - theos - Act 18:26 god

2316 - theos - Act 18:13 god

2316 - theos - Act 18:11 god

2316 - theos - Act 19:08 god

2316 - theos - Act 19:11 god

2316 - theos - Act 20:21 god

2316 - theos - Act 20:32 god

2316 - theos - Act 20:28 god

2316 - theos - Act 20:27 god

2316 - theos - Act 20:25 god

2316 - theos - Act 20:24 god

2316 - theos - Act 21:19 god

2316 - theos - Act 22:03 god

2316 - theos - Act 22:14 god

2316 - theos - Act 23:01 god

2316 - theos - Act 23:03 god

2316 - theos - Act 24:15 god

2316 - theos - Act 24:16 god

2316 - theos - Act 24:14 god

2316 - theos - Act 26:18 god

2316 - theos - Act 26:20 god

2316 - theos - Act 26:22 god

2316 - theos - Act 26:29 god

2316 - theos - Act 26:06 god

2316 - theos - Act 26:08 god

2316 - theos - Act 27:23 god

2316 - theos - Act 27:24 god

2316 - theos - Act 27:25 god

2316 - theos - Act 27:35 god

2316 - theos - Act 28:15 god

2316 - theos - Act 28:23 god

2316 - theos - Act 28:28 god

2316 - theos - Act 28:31 god

2316 - theos - Act 28:06 god

2316 - theos - Rom 01:01 god

2316 - theos - Rom 01:10 god

2316 - theos - Rom 01:16 god

2316 - theos - Rom 01:17 god

2316 - theos - Rom 01:18 god

2316 - theos - Rom 01:19 god

2316 - theos - Rom 01:19 god

2316 - theos - Rom 01:21 god

2316 - theos - Rom 01:21 god

2316 - theos - Rom 01:23 god

2316 - theos - Rom 01:24 god

2316 - theos - Rom 01:25 god

2316 - theos - Rom 01:26 god

2316 - theos - Rom 01:28 god

2316 - theos - Rom 01:28 god

2316 - theos - Rom 01:32 god

2316 - theos - Rom 01:04 god

2316 - theos - Rom 01:07 god

2316 - theos - Rom 01:07 god

2316 - theos - Rom 01:08 god

2316 - theos - Rom 01:09 god

2316 - theos - Rom 02:11 god

2316 - theos - Rom 02:13 god

2316 - theos - Rom 02:16 god

2316 - theos - Rom 02:17 god

2316 - theos - Rom 02:02 god

2316 - theos - Rom 02:23 god

2316 - theos - Rom 02:24 god

2316 - theos - Rom 02:29 god

2316 - theos - Rom 02:03 god

2316 - theos - Rom 02:04 god

2316 - theos - Rom 02:05 god

2316 - theos - Rom 03:11 god

2316 - theos - Rom 03:19 god

2316 - theos - Rom 03:02 god

2316 - theos - Rom 03:21 god

2316 - theos - Rom 03:22 god

2316 - theos - Rom 03:23 god

2316 - theos - Rom 03:25 god

2316 - theos - Rom 03:25 god

2316 - theos - Rom 03:29 god

2316 - theos - Rom 03:03 god

2316 - theos - Rom 03:30 god

2316 - theos - Rom 03:04 god

2316 - theos - Rom 03:05 god

2316 - theos - Rom 03:05 god

2316 - theos - Rom 03:06 god

2316 - theos - Rom 03:07 god

2316 - theos - Rom 03:18 god

2316 - theos - Rom 04:02 god

2316 - theos - Rom 04:20 god

2316 - theos - Rom 04:20 god

2316 - theos - Rom 04:03 god

2316 - theos - Rom 04:06 god

2316 - theos - Rom 04:17 god

2316 - theos - Rom 05:10 god

2316 - theos - Rom 05:11 god

2316 - theos - Rom 05:15 god

2316 - theos - Rom 05:02 god

2316 - theos - Rom 05:05 god

2316 - theos - Rom 05:08 god

2316 - theos - Rom 05:01 god

2316 - theos - Rom 06:22 god

2316 - theos - Rom 06:10 god

2316 - theos - Rom 06:17 god

2316 - theos - Rom 06:11 god

2316 - theos - Rom 06:13 god

2316 - theos - Rom 06:13 god

2316 - theos - Rom 06:23 god

2316 - theos - Rom 07:25 god

2316 - theos - Rom 07:04 god

2316 - theos - Rom 07:22 god

2316 - theos - Rom 07:25 god

2316 - theos - Rom 08:21 god

2316 - theos - Rom 08:33 god

2316 - theos - Rom 08:34 god

2316 - theos - Rom 08:39 god

2316 - theos - Rom 08:07 god

2316 - theos - Rom 08:14 god

2316 - theos - Rom 08:14 god

2316 - theos - Rom 08:16 god

2316 - theos - Rom 08:17 god

2316 - theos - Rom 08:19 god

2316 - theos - Rom 08:07 god

2316 - theos - Rom 08:27 god

2316 - theos - Rom 08:28 god

2316 - theos - Rom 08:03 god

2316 - theos - Rom 08:08 god

2316 - theos - Rom 08:31 god

2316 - theos - Rom 08:09 god

2316 - theos - Rom 09:05 god

2316 - theos - Rom 09:26 god

2316 - theos - Rom 09:08 god

2316 - theos - Rom 09:16 god

2316 - theos - Rom 09:14 god

2316 - theos - Rom 09:11 god

2316 - theos - Rom 09:20 god

2316 - theos - Rom 09:22 god

2316 - theos - Rom 09:06 god

2316 - theos - Rom 10:09 god

2316 - theos - Rom 10:03 god

2316 - theos - Rom 10:02 god

2316 - theos - Rom 10:17 god

2316 - theos - Rom 10:01 god

2316 - theos - Rom 11:23 god

2316 - theos - Rom 11:08 god

2316 - theos - Rom 11:01 god

2316 - theos - Rom 11:02 god

2316 - theos - Rom 11:02 god

2316 - theos - Rom 11:21 god

2316 - theos - Rom 11:22 god

2316 - theos - Rom 11:29 god

2316 - theos - Rom 11:30 god

2316 - theos - Rom 11:33 god

2316 - theos - Rom 11:32 god

2316 - theos - Rom 12:01 god

2316 - theos - Rom 12:01 god

2316 - theos - Rom 12:02 god

2316 - theos - Rom 12:03 god

2316 - theos - Rom 13:01 god

2316 - theos - Rom 13:01 god

2316 - theos - Rom 13:02 god

2316 - theos - Rom 13:04 god

2316 - theos - Rom 13:04 god

2316 - theos - Rom 14:22 god

2316 - theos - Rom 14:06 god

2316 - theos - Rom 14:06 god

2316 - theos - Rom 14:04 god

2316 - theos - Rom 14:03 god

2316 - theos - Rom 14:20 god

2316 - theos - Rom 14:18 god

2316 - theos - Rom 14:17 god

2316 - theos - Rom 14:12 god

2316 - theos - Rom 14:11 god

2316 - theos - Rom 15:30 god

2316 - theos - Rom 15:07 god

2316 - theos - Rom 15:05 god

2316 - theos - Rom 15:33 god

2316 - theos - Rom 15:32 god

2316 - theos - Rom 15:09 god

2316 - theos - Rom 15:19 god

2316 - theos - Rom 15:17 god

2316 - theos - Rom 15:16 god

2316 - theos - Rom 15:15 god

2316 - theos - Rom 15:13 god

2316 - theos - Rom 15:06 god

2316 - theos - Rom 15:08 god

2316 - theos - Rom 16:27 god

2316 - theos - Rom 16:20 god

2316 - theos - Rom 16:26 god

2316 - theos - 1Co 01:27 god

2316 - theos - 1Co 01:24 god

2316 - theos - 1Co 01:14 god

2316 - theos - 1Co 01:18 god

2316 - theos - 1Co 01:01 god

2316 - theos - 1Co 01:03 god

2316 - theos - 1Co 01:04 god

2316 - theos - 1Co 01:02 god

2316 - theos - 1Co 01:20 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:24 god

2316 - theos - 1Co 01:25 god

2316 - theos - 1Co 01:09 god

2316 - theos - 1Co 01:25 god

2316 - theos - 1Co 01:27 god

2316 - theos - 1Co 01:28 god

2316 - theos - 1Co 01:30 god

2316 - theos - 1Co 01:04 god

2316 - theos - 1Co 02:01 god

2316 - theos - 1Co 02:10 god

2316 - theos - 1Co 02:10 god

2316 - theos - 1Co 02:11 god

2316 - theos - 1Co 02:11 god

2316 - theos - 1Co 02:12 god

2316 - theos - 1Co 02:12 god

2316 - theos - 1Co 02:14 god

2316 - theos - 1Co 02:05 god

2316 - theos - 1Co 02:07 god

2316 - theos - 1Co 02:07 god

2316 - theos - 1Co 02:09 god

2316 - theos - 1Co 03:10 god

2316 - theos - 1Co 03:16 god

2316 - theos - 1Co 03:16 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:19 god

2316 - theos - 1Co 03:06 god

2316 - theos - 1Co 03:07 god

2316 - theos - 1Co 03:09 god

2316 - theos - 1Co 04:01 god

2316 - theos - 1Co 04:20 god

2316 - theos - 1Co 04:05 god

2316 - theos - 1Co 04:09 god

2316 - theos - 1Co 05:13 god

2316 - theos - 1Co 06:10 god

2316 - theos - 1Co 06:11 god

2316 - theos - 1Co 06:13 god

2316 - theos - 1Co 06:14 god

2316 - theos - 1Co 06:19 god

2316 - theos - 1Co 06:20 god

2316 - theos - 1Co 06:09 god

2316 - theos - 1Co 07:24 god

2316 - theos - 1Co 07:40 god

2316 - theos - 1Co 07:15 god

2316 - theos - 1Co 07:17 god

2316 - theos - 1Co 07:07 god

2316 - theos - 1Co 07:19 god

2316 - theos - 1Co 08:06 god

2316 - theos - 1Co 08:04 god

2316 - theos - 1Co 08:08 god

2316 - theos - 1Co 08:03 god

2316 - theos - 1Co 09:21 god

2316 - theos - 1Co 09:09 god

2316 - theos - 1Co 10:31 god

2316 - theos - 1Co 10:05 god

2316 - theos - 1Co 10:32 god

2316 - theos - 1Co 10:13 god

2316 - theos - 1Co 10:20 god

2316 - theos - 1Co 11:03 god

2316 - theos - 1Co 11:07 god

2316 - theos - 1Co 11:16 god

2316 - theos - 1Co 11:12 god

2316 - theos - 1Co 11:22 god

2316 - theos - 1Co 11:13 god

2316 - theos - 1Co 12:28 god

2316 - theos - 1Co 12:18 god

2316 - theos - 1Co 12:24 god

2316 - theos - 1Co 12:06 god

2316 - theos - 1Co 12:03 god

2316 - theos - 1Co 14:33 god

2316 - theos - 1Co 14:36 god

2316 - theos - 1Co 14:25 god

2316 - theos - 1Co 14:28 god

2316 - theos - 1Co 14:25 god

2316 - theos - 1Co 14:18 god

2316 - theos - 1Co 14:02 god

2316 - theos - 1Co 15:57 god

2316 - theos - 1Co 15:28 god

2316 - theos - 1Co 15:50 god

2316 - theos - 1Co 15:09 god

2316 - theos - 1Co 15:24 god

2316 - theos - 1Co 15:15 god

2316 - theos - 1Co 15:34 god

2316 - theos - 1Co 15:10 god

2316 - theos - 1Co 15:10 god

2316 - theos - 1Co 15:38 god

2316 - theos - 1Co 15:15 god

2316 - theos - 2Co 01:02 god

2316 - theos - 2Co 01:19 god

2316 - theos - 2Co 01:20 god

2316 - theos - 2Co 01:12 god

2316 - theos - 2Co 01:01 god

2316 - theos - 2Co 01:01 god

2316 - theos - 2Co 01:20 god

2316 - theos - 2Co 01:21 god

2316 - theos - 2Co 01:23 god

2316 - theos - 2Co 01:03 god

2316 - theos - 2Co 01:03 god

2316 - theos - 2Co 01:04 god

2316 - theos - 2Co 01:09 god

2316 - theos - 2Co 01:18 god

2316 - theos - 2Co 02:14 god

2316 - theos - 2Co 02:15 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 03:03 god

2316 - theos - 2Co 03:05 god

2316 - theos - 2Co 04:15 god

2316 - theos - 2Co 04:02 god

2316 - theos - 2Co 04:02 god

2316 - theos - 2Co 04:04 god

2316 - theos - 2Co 04:04 god

2316 - theos - 2Co 04:06 god

2316 - theos - 2Co 04:06 god

2316 - theos - 2Co 04:07 god

2316 - theos - 2Co 05:01 god

2316 - theos - 2Co 05:11 god

2316 - theos - 2Co 05:13 god

2316 - theos - 2Co 05:18 god

2316 - theos - 2Co 05:19 god

2316 - theos - 2Co 05:20 god

2316 - theos - 2Co 05:20 god

2316 - theos - 2Co 05:21 god

2316 - theos - 2Co 05:05 god

2316 - theos - 2Co 06:01 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:04 god

2316 - theos - 2Co 06:07 god

2316 - theos - 2Co 07:01 god

2316 - theos - 2Co 07:12 god

2316 - theos - 2Co 07:06 god

2316 - theos - 2Co 08:01 god

2316 - theos - 2Co 08:16 god

2316 - theos - 2Co 08:05 god

2316 - theos - 2Co 09:14 god

2316 - theos - 2Co 09:13 god

2316 - theos - 2Co 09:15 god

2316 - theos - 2Co 09:07 god

2316 - theos - 2Co 09:08 god

2316 - theos - 2Co 09:12 god

2316 - theos - 2Co 09:11 god

2316 - theos - 2Co 10:05 god

2316 - theos - 2Co 10:13 god

2316 - theos - 2Co 10:04 god

2316 - theos - 2Co 11:07 god

2316 - theos - 2Co 11:31 god

2316 - theos - 2Co 11:11 god

2316 - theos - 2Co 12:19 god

2316 - theos - 2Co 12:02 god

2316 - theos - 2Co 12:03 god

2316 - theos - 2Co 12:21 god

2316 - theos - 2Co 13:07 god

2316 - theos - 2Co 13:04 god

2316 - theos - 2Co 13:14 god

2316 - theos - 2Co 13:11 god

2316 - theos - 2Co 13:04 god

2316 - theos - Gal 01:10 god

2316 - theos - Gal 01:13 god

2316 - theos - Gal 01:15 god

2316 - theos - Gal 01:20 god

2316 - theos - Gal 01:24 god

2316 - theos - Gal 01:03 god

2316 - theos - Gal 01:04 god

2316 - theos - Gal 01:01 god

2316 - theos - Gal 02:21 god

2316 - theos - Gal 02:06 god

2316 - theos - Gal 02:19 god

2316 - theos - Gal 02:20 god

2316 - theos - Gal 03:11 god

2316 - theos - Gal 03:17 god

2316 - theos - Gal 03:18 god

2316 - theos - Gal 03:20 god

2316 - theos - Gal 03:21 god

2316 - theos - Gal 03:26 god

2316 - theos - Gal 03:06 god

2316 - theos - Gal 03:08 god

2316 - theos - Gal 04:14 god

2316 - theos - Gal 04:04 god

2316 - theos - Gal 04:06 god

2316 - theos - Gal 04:07 god

2316 - theos - Gal 04:08 god

2316 - theos - Gal 04:09 god

2316 - theos - Gal 04:09 god

2316 - theos - Gal 05:21 god

2316 - theos - Gal 06:16 god

2316 - theos - Gal 06:07 god

2316 - theos - Eph 01:01 god

2316 - theos - Eph 01:17 god

2316 - theos - Eph 01:02 god

2316 - theos - Eph 01:03 god

2316 - theos - Eph 02:10 god

2316 - theos - Eph 02:16 god

2316 - theos - Eph 02:19 god

2316 - theos - Eph 02:22 god

2316 - theos - Eph 02:04 god

2316 - theos - Eph 02:08 god

2316 - theos - Eph 03:09 god

2316 - theos - Eph 03:19 god

2316 - theos - Eph 03:02 god

2316 - theos - Eph 03:07 god

2316 - theos - Eph 03:10 god

2316 - theos - Eph 04:13 god

2316 - theos - Eph 04:24 god

2316 - theos - Eph 04:18 god

2316 - theos - Eph 04:32 god

2316 - theos - Eph 04:06 god

2316 - theos - Eph 04:30 god

2316 - theos - Eph 05:01 god

2316 - theos - Eph 05:20 god

2316 - theos - Eph 05:02 god

2316 - theos - Eph 05:06 god

2316 - theos - Eph 05:21 god

2316 - theos - Eph 05:05 god

2316 - theos - Eph 06:17 god

2316 - theos - Eph 06:13 god

2316 - theos - Eph 06:06 god

2316 - theos - Eph 06:23 god

2316 - theos - Eph 06:11 god

2316 - theos - Php 01:11 god

2316 - theos - Php 01:02 god

2316 - theos - Php 01:28 god

2316 - theos - Php 01:03 god

2316 - theos - Php 01:08 god

2316 - theos - Php 02:11 god

2316 - theos - Php 02:13 god

2316 - theos - Php 02:15 god

2316 - theos - Php 02:27 god

2316 - theos - Php 02:06 god

2316 - theos - Php 02:06 god

2316 - theos - Php 02:09 god

2316 - theos - Php 03:15 god

2316 - theos - Php 03:14 god

2316 - theos - Php 03:19 god

2316 - theos - Php 03:03 god

2316 - theos - Php 03:09 god

2316 - theos - Php 04:06 god

2316 - theos - Php 04:20 god

2316 - theos - Php 04:18 god

2316 - theos - Php 04:07 god

2316 - theos - Php 04:09 god

2316 - theos - Php 04:19 god

2316 - theos - Col 01:03 god

2316 - theos - Col 01:25 god

2316 - theos - Col 01:01 god

2316 - theos - Col 01:10 god

2316 - theos - Col 01:06 god

2316 - theos - Col 01:27 god

2316 - theos - Col 01:15 god

2316 - theos - Col 01:25 god

2316 - theos - Col 01:02 god

2316 - theos - Col 02:12 god

2316 - theos - Col 02:19 god

2316 - theos - Col 02:02 god

2316 - theos - Col 03:01 god

2316 - theos - Col 03:06 god

2316 - theos - Col 03:03 god

2316 - theos - Col 03:22 god

2316 - theos - Col 03:17 god

2316 - theos - Col 03:15 god

2316 - theos - Col 03:12 god

2316 - theos - Col 04:11 god

2316 - theos - Col 04:03 god

2316 - theos - Col 04:12 god

2316 - theos - 1Th 01:01 god

2316 - theos - 1Th 01:01 god

2316 - theos - 1Th 01:02 god

2316 - theos - 1Th 01:04 god

2316 - theos - 1Th 01:03 god

2316 - theos - 1Th 01:09 god

2316 - theos - 1Th 01:09 god

2316 - theos - 1Th 02:02 god

2316 - theos - 1Th 02:04 god

2316 - theos - 1Th 02:02 god

2316 - theos - 1Th 02:05 god

2316 - theos - 1Th 02:08 god

2316 - theos - 1Th 02:09 god

2316 - theos - 1Th 02:15 god

2316 - theos - 1Th 02:14 god

2316 - theos - 1Th 02:04 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 02:12 god

2316 - theos - 1Th 02:10 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 03:13 god

2316 - theos - 1Th 03:11 god

2316 - theos - 1Th 03:02 god

2316 - theos - 1Th 03:09 god

2316 - theos - 1Th 03:09 god

2316 - theos - 1Th 04:16 god

2316 - theos - 1Th 04:03 god

2316 - theos - 1Th 04:08 god

2316 - theos - 1Th 04:01 god

2316 - theos - 1Th 04:07 god

2316 - theos - 1Th 04:05 god

2316 - theos - 1Th 04:14 god

2316 - theos - 1Th 05:18 god

2316 - theos - 1Th 05:23 god

2316 - theos - 1Th 05:09 god

2316 - theos - 2Th 01:01 god

2316 - theos - 2Th 01:11 god

2316 - theos - 2Th 01:12 god

2316 - theos - 2Th 01:02 god

2316 - theos - 2Th 01:03 god

2316 - theos - 2Th 01:04 god

2316 - theos - 2Th 01:05 god

2316 - theos - 2Th 01:05 god

2316 - theos - 2Th 01:08 god

2316 - theos - 2Th 01:06 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:16 god

2316 - theos - 2Th 02:13 god

2316 - theos - 2Th 02:13 god

2316 - theos - 2Th 02:11 god

2316 - theos - 2Th 03:05 god

2316 - theos - 1Ti 01:02 god

2316 - theos - 1Ti 01:11 god

2316 - theos - 1Ti 01:01 god

2316 - theos - 1Ti 01:17 god

2316 - theos - 1Ti 02:03 god

2316 - theos - 1Ti 02:05 god

2316 - theos - 1Ti 02:05 god

2316 - theos - 1Ti 03:05 god

2316 - theos - 1Ti 03:15 god

2316 - theos - 1Ti 03:16 god

2316 - theos - 1Ti 03:15 god

2316 - theos - 1Ti 04:05 god

2316 - theos - 1Ti 04:03 god

2316 - theos - 1Ti 04:10 god

2316 - theos - 1Ti 04:04 god

2316 - theos - 1Ti 05:21 god

2316 - theos - 1Ti 05:05 god

2316 - theos - 1Ti 05:04 god

2316 - theos - 1Ti 06:11 god

2316 - theos - 1Ti 06:13 god

2316 - theos - 1Ti 06:01 god

2316 - theos - 1Ti 06:17 god

2316 - theos - 2Ti 01:01 god

2316 - theos - 2Ti 01:02 god

2316 - theos - 2Ti 01:03 god

2316 - theos - 2Ti 01:06 god

2316 - theos - 2Ti 01:08 god

2316 - theos - 2Ti 01:07 god

2316 - theos - 2Ti 02:19 god

2316 - theos - 2Ti 02:15 god

2316 - theos - 2Ti 02:09 god

2316 - theos - 2Ti 02:25 god

2316 - theos - 2Ti 03:17 god

2316 - theos - 2Ti 04:01 god

2316 - theos - Tit 01:02 god

2316 - theos - Tit 01:16 god

2316 - theos - Tit 01:07 god

2316 - theos - Tit 01:04 god

2316 - theos - Tit 01:03 god

2316 - theos - Tit 01:01 god

2316 - theos - Tit 02:10 god

2316 - theos - Tit 02:11 god

2316 - theos - Tit 02:13 god

2316 - theos - Tit 02:05 god

2316 - theos - Tit 03:04 god

2316 - theos - Tit 03:08 god

2316 - theos - Phm 01:03 god

2316 - theos - Phm 01:04 god

2316 - theos - Heb 01:06 god

2316 - theos - Heb 01:08 god

2316 - theos - Heb 01:01 god

2316 - theos - Heb 01:09 god

2316 - theos - Heb 01:09 god

2316 - theos - Heb 02:04 god

2316 - theos - Heb 02:17 god

2316 - theos - Heb 02:13 god

2316 - theos - Heb 02:09 god

2316 - theos - Heb 03:12 god

2316 - theos - Heb 03:04 god

2316 - theos - Heb 04:12 god

2316 - theos - Heb 04:14 god

2316 - theos - Heb 04:04 god

2316 - theos - Heb 04:10 god

2316 - theos - Heb 04:09 god

2316 - theos - Heb 05:12 god

2316 - theos - Heb 05:04 god

2316 - theos - Heb 05:01 god

2316 - theos - Heb 05:10 god

2316 - theos - Heb 06:05 god

2316 - theos - Heb 06:13 god

2316 - theos - Heb 06:18 god

2316 - theos - Heb 06:17 god

2316 - theos - Heb 06:01 god

2316 - theos - Heb 06:06 god

2316 - theos - Heb 06:07 god

2316 - theos - Heb 06:03 god

2316 - theos - Heb 06:10 god

2316 - theos - Heb 07:01 god

2316 - theos - Heb 07:25 god

2316 - theos - Heb 07:03 god

2316 - theos - Heb 07:19 god

2316 - theos - Heb 08:10 god

2316 - theos - Heb 09:24 god

2316 - theos - Heb 09:20 god

2316 - theos - Heb 09:14 god

2316 - theos - Heb 09:14 god

2316 - theos - Heb 10:09 god

2316 - theos - Heb 10:29 god

2316 - theos - Heb 10:21 god

2316 - theos - Heb 10:31 god

2316 - theos - Heb 10:36 god

2316 - theos - Heb 10:12 god

2316 - theos - Heb 10:07 god

2316 - theos - Heb 11:04 god

2316 - theos - Heb 11:40 god

2316 - theos - Heb 11:05 god

2316 - theos - Heb 11:04 god

2316 - theos - Heb 11:06 god

2316 - theos - Heb 11:03 god

2316 - theos - Heb 11:25 god

2316 - theos - Heb 11:19 god

2316 - theos - Heb 11:16 god

2316 - theos - Heb 11:16 god

2316 - theos - Heb 11:10 god

2316 - theos - Heb 11:05 god

2316 - theos - Heb 12:07 god

2316 - theos - Heb 12:29 god

2316 - theos - Heb 12:15 god

2316 - theos - Heb 12:02 god

2316 - theos - Heb 12:22 god

2316 - theos - Heb 12:28 god

2316 - theos - Heb 12:23 god

2316 - theos - Heb 13:07 god

2316 - theos - Heb 13:15 god

2316 - theos - Heb 13:04 god

2316 - theos - Heb 13:20 god

2316 - theos - Heb 13:16 god

2316 - theos - Jam 01:01 god

2316 - theos - Jam 01:13 god

2316 - theos - Jam 01:13 god

2316 - theos - Jam 01:20 god

2316 - theos - Jam 01:27 god

2316 - theos - Jam 01:05 god

2316 - theos - Jam 02:19 god

2316 - theos - Jam 02:23 god

2316 - theos - Jam 02:23 god

2316 - theos - Jam 02:05 god

2316 - theos - Jam 03:09 god

2316 - theos - Jam 03:09 god

2316 - theos - Jam 04:04 god

2316 - theos - Jam 04:07 god

2316 - theos - Jam 04:06 god

2316 - theos - Jam 04:04 god

2316 - theos - Jam 04:08 god

2316 - theos - 1Pe 01:05 god

2316 - theos - 1Pe 01:23 god

2316 - theos - 1Pe 01:03 god

2316 - theos - 1Pe 01:21 god

2316 - theos - 1Pe 01:02 god

2316 - theos - 1Pe 01:21 god

2316 - theos - 1Pe 02:05 god

2316 - theos - 1Pe 02:04 god

2316 - theos - 1Pe 02:20 god

2316 - theos - 1Pe 02:19 god

2316 - theos - 1Pe 02:17 god

2316 - theos - 1Pe 02:10 god

2316 - theos - 1Pe 02:16 god

2316 - theos - 1Pe 02:15 god

2316 - theos - 1Pe 02:12 god

2316 - theos - 1Pe 03:04 god

2316 - theos - 1Pe 03:15 god

2316 - theos - 1Pe 03:05 god

2316 - theos - 1Pe 03:21 god

2316 - theos - 1Pe 03:22 god

2316 - theos - 1Pe 03:18 god

2316 - theos - 1Pe 03:20 god

2316 - theos - 1Pe 03:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 04:10 god

2316 - theos - 1Pe 04:06 god

2316 - theos - 1Pe 04:02 god

2316 - theos - 1Pe 04:19 god

2316 - theos - 1Pe 04:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:16 god

2316 - theos - 1Pe 04:14 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 05:12 god

2316 - theos - 1Pe 05:02 god

2316 - theos - 1Pe 05:06 god

2316 - theos - 1Pe 05:05 god

2316 - theos - 1Pe 05:10 god

2316 - theos - 2Pe 01:17 god

2316 - theos - 2Pe 01:21 god

2316 - theos - 2Pe 01:01 god

2316 - theos - 2Pe 01:02 god

2316 - theos - 2Pe 02:04 god

2316 - theos - 2Pe 03:05 god

2316 - theos - 2Pe 03:12 god

2316 - theos - 1Jo 01:05 god

2316 - theos - 1Jo 02:14 god

2316 - theos - 1Jo 02:17 god

2316 - theos - 1Jo 02:05 god

2316 - theos - 1Jo 03:02 god

2316 - theos - 1Jo 03:09 god

2316 - theos - 1Jo 03:01 god

2316 - theos - 1Jo 03:10 god

2316 - theos - 1Jo 03:08 god

2316 - theos - 1Jo 03:21 god

2316 - theos - 1Jo 03:20 god

2316 - theos - 1Jo 03:10 god

2316 - theos - 1Jo 03:17 god

2316 - theos - 1Jo 03:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:08 god

2316 - theos - 1Jo 04:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:08 god

2316 - theos - 1Jo 04:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:01 god

2316 - theos - 1Jo 04:10 god

2316 - theos - 1Jo 04:11 god

2316 - theos - 1Jo 04:12 god

2316 - theos - 1Jo 04:12 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:02 god

2316 - theos - 1Jo 04:02 god

2316 - theos - 1Jo 04:20 god

2316 - theos - 1Jo 04:20 god

2316 - theos - 1Jo 04:21 god

2316 - theos - 1Jo 04:03 god

2316 - theos - 1Jo 04:04 god

2316 - theos - 1Jo 05:09 god

2316 - theos - 1Jo 05:05 god

2316 - theos - 1Jo 05:11 god

2316 - theos - 1Jo 05:20 god

2316 - theos - 1Jo 05:01 god

2316 - theos - 1Jo 05:20 god

2316 - theos - 1Jo 05:02 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:12 god

2316 - theos - 1Jo 05:13 god

2316 - theos - 1Jo 05:09 god

2316 - theos - 1Jo 05:18 god

2316 - theos - 1Jo 05:04 god

2316 - theos - 1Jo 05:03 god

2316 - theos - 1Jo 05:13 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:02 god

2316 - theos - 1Jo 05:19 god

2316 - theos - 1Jo 05:18 god

2316 - theos - 2Jo 01:03 god

2316 - theos - 2Jo 01:09 god

2316 - theos - 3Jo 01:11 god

2316 - theos - 3Jo 01:11 god

2316 - theos - Jude 01:25 god

2316 - theos - Jude 01:04 god

2316 - theos - Jude 01:04 god

2316 - theos - Jude 01:01 god

2316 - theos - Jude 01:21 god

2316 - theos - Rev 01:09 god

2316 - theos - Rev 01:01 god

2316 - theos - Rev 01:02 god

2316 - theos - Rev 01:06 god

2316 - theos - Rev 02:18 god

2316 - theos - Rev 02:07 god

2316 - theos - Rev 03:14 god

2316 - theos - Rev 03:02 god

2316 - theos - Rev 03:01 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 04:05 god

2316 - theos - Rev 04:08 god

2316 - theos - Rev 05:09 god

2316 - theos - Rev 05:10 god

2316 - theos - Rev 05:06 god

2316 - theos - Rev 06:09 god

2316 - theos - Rev 07:11 god

2316 - theos - Rev 07:17 god

2316 - theos - Rev 07:10 god

2316 - theos - Rev 07:02 god

2316 - theos - Rev 07:12 god

2316 - theos - Rev 07:15 god

2316 - theos - Rev 07:03 god

2316 - theos - Rev 08:04 god

2316 - theos - Rev 08:02 god

2316 - theos - Rev 09:04 god

2316 - theos - Rev 09:13 god

2316 - theos - Rev 10:07 god

2316 - theos - Rev 11:17 god

2316 - theos - Rev 11:16 god

2316 - theos - Rev 11:13 god

2316 - theos - Rev 11:16 god

2316 - theos - Rev 11:01 god

2316 - theos - Rev 11:19 god

2316 - theos - Rev 11:04 god

2316 - theos - Rev 11:11 god

2316 - theos - Rev 12:10 god

2316 - theos - Rev 12:06 god

2316 - theos - Rev 12:05 god

2316 - theos - Rev 12:17 god

2316 - theos - Rev 12:10 god

2316 - theos - Rev 13:06 god

2316 - theos - Rev 14:10 god

2316 - theos - Rev 14:12 god

2316 - theos - Rev 14:05 god

2316 - theos - Rev 14:19 god

2316 - theos - Rev 14:04 god

2316 - theos - Rev 14:07 god

2316 - theos - Rev 15:02 god

2316 - theos - Rev 15:01 god

2316 - theos - Rev 15:03 god

2316 - theos - Rev 15:03 god

2316 - theos - Rev 15:07 god

2316 - theos - Rev 15:08 god

2316 - theos - Rev 16:11 god

2316 - theos - Rev 16:14 god

2316 - theos - Rev 16:19 god

2316 - theos - Rev 16:21 god

2316 - theos - Rev 16:07 god

2316 - theos - Rev 16:09 god

2316 - theos - Rev 16:01 god

2316 - theos - Rev 17:17 god

2316 - theos - Rev 17:17 god

2316 - theos - Rev 18:20 god

2316 - theos - Rev 18:05 god

2316 - theos - Rev 18:08 god

2316 - theos - Rev 19:01 god

2316 - theos - Rev 19:10 god

2316 - theos - Rev 19:13 god

2316 - theos - Rev 19:15 god

2316 - theos - Rev 19:17 god

2316 - theos - Rev 19:04 god

2316 - theos - Rev 19:05 god

2316 - theos - Rev 19:06 god

2316 - theos - Rev 19:09 god

2316 - theos - Rev 20:12 god

2316 - theos - Rev 20:04 god

2316 - theos - Rev 20:06 god

2316 - theos - Rev 20:09 god

2316 - theos - Rev 21:07 god

2316 - theos - Rev 21:04 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:23 god

2316 - theos - Rev 21:22 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:02 god

2316 - theos - Rev 21:10 god

2316 - theos - Rev 21:11 god

2316 - theos - Rev 22:06 god

2316 - theos - Rev 22:01 god

2316 - theos - Rev 22:09 god

2316 - theos - Rev 22:18 god

2316 - theos - Rev 22:19 god

2316 - theos - Rev 22:03 god

2316 - theos - Rev 22:05 god

2316 - theos - Mat 05:34 God's

2316 - theos - Mat 22:21 God's

2316 - theos - Mar 12:17 God's

2316 - theos - Luk 18:29 God's

2316 - theos - Luk 20:25 God's

2316 - theos - Joh 08:47 God's

2316 - theos - Act 23:04 God's

2316 - theos - Rom 08:33 God's

2316 - theos - Rom 10:03 God's

2316 - theos - Rom 13:06 God's

2316 - theos - 1Co 03:09 God's

2316 - theos - 1Co 03:23 God's

2316 - theos - 1Co 03:09 God's

2316 - theos - 1Co 06:20 God's

2316 - theos - Tit 01:01 God's

2316 - theos - 1Pe 05:03 God's

2316 - theos - 2Co 03:04 God - ward

2316 - theos - 1Th 01:08 God - ward

2316 - theos - 2Co 01:12 godly

2316 - theos - 2Co 07:11 godly

2316 - theos - 2Co 07:10 godly

2316 - theos - 2Co 07:09 godly

2316 - theos - 2Co 11:02 godly

2316 - theos - 1Ti 01:04 godly

2316 - theos - 3Jo 01:06 godly

2316 - theos - Joh 10:34 gods

2316 - theos - Joh 10:35 gods

2316 - theos - Act 07:40 gods

2316 - theos - Act 14:11 gods

2316 - theos - Act 19:26 gods

2316 - theos - 1Co 08:05 gods

2316 - theos - 1Co 08:05 gods

2316 - theos - Gal 04:08 gods

2316 - theos - Act 07:20 exceeding

2316 - theos - Mat 01:23 god

2316 - theos - Mat 03:16 god

2316 - theos - Mat 03:09 god

2316 - theos - Mat 04:06 god

2316 - theos - Mat 04:07 god

2316 - theos - Mat 04:04 god

2316 - theos - Mat 04:03 god

2316 - theos - Mat 04:10 god

2316 - theos - Mat 05:09 god

2316 - theos - Mat 05:08 god

2316 - theos - Mat 06:33 god

2316 - theos - Mat 06:30 god

2316 - theos - Mat 06:24 god

2316 - theos - Mat 08:29 god

2316 - theos - Mat 09:08 god

2316 - theos - Mat 12:28 god

2316 - theos - Mat 12:04 god

2316 - theos - Mat 12:28 god

2316 - theos - Mat 14:33 god

2316 - theos - Mat 15:04 god

2316 - theos - Mat 15:03 god

2316 - theos - Mat 15:31 god

2316 - theos - Mat 15:06 god

2316 - theos - Mat 16:16 god

2316 - theos - Mat 16:23 god

2316 - theos - Mat 19:17 god

2316 - theos - Mat 19:24 god

2316 - theos - Mat 19:06 god

2316 - theos - Mat 19:26 god

2316 - theos - Mat 21:12 god

2316 - theos - Mat 21:31 god

2316 - theos - Mat 21:43 god

2316 - theos - Mat 22:16 god

2316 - theos - Mat 22:21 god

2316 - theos - Mat 22:29 god

2316 - theos - Mat 22:30 god

2316 - theos - Mat 22:31 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:32 god

2316 - theos - Mat 22:37 god

2316 - theos - Mat 23:22 god

2316 - theos - Mat 26:61 god

2316 - theos - Mat 26:63 god

2316 - theos - Mat 26:63 god

2316 - theos - Mat 27:46 god

2316 - theos - Mat 27:46 god

2316 - theos - Mat 27:54 god

2316 - theos - Mat 27:43 god

2316 - theos - Mat 27:43 god

2316 - theos - Mat 27:40 god

2316 - theos - Mar 01:14 god

2316 - theos - Mar 01:15 god

2316 - theos - Mar 01:01 god

2316 - theos - Mar 01:24 god

2316 - theos - Mar 02:07 god

2316 - theos - Mar 02:26 god

2316 - theos - Mar 02:12 god

2316 - theos - Mar 03:11 god

2316 - theos - Mar 03:35 god

2316 - theos - Mar 04:26 god

2316 - theos - Mar 04:11 god

2316 - theos - Mar 04:30 god

2316 - theos - Mar 05:07 god

2316 - theos - Mar 05:07 god

2316 - theos - Mar 07:08 god

2316 - theos - Mar 07:09 god

2316 - theos - Mar 07:13 god

2316 - theos - Mar 08:33 god

2316 - theos - Mar 09:01 god

2316 - theos - Mar 09:47 god

2316 - theos - Mar 10:14 god

2316 - theos - Mar 10:18 god

2316 - theos - Mar 10:25 god

2316 - theos - Mar 10:27 god

2316 - theos - Mar 10:09 god

2316 - theos - Mar 10:06 god

2316 - theos - Mar 10:15 god

2316 - theos - Mar 10:27 god

2316 - theos - Mar 10:23 god

2316 - theos - Mar 10:24 god

2316 - theos - Mar 11:22 god

2316 - theos - Mar 12:17 god

2316 - theos - Mar 12:14 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:27 god

2316 - theos - Mar 12:27 god

2316 - theos - Mar 12:29 god

2316 - theos - Mar 12:30 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 12:32 god

2316 - theos - Mar 12:24 god

2316 - theos - Mar 12:34 god

2316 - theos - Mar 12:26 god

2316 - theos - Mar 13:19 god

2316 - theos - Mar 14:25 god

2316 - theos - Mar 15:43 god

2316 - theos - Mar 15:34 god

2316 - theos - Mar 15:34 god

2316 - theos - Mar 15:39 god

2316 - theos - Mar 16:19 god

2316 - theos - Luk 01:68 god

2316 - theos - Luk 01:16 god

2316 - theos - Luk 01:06 god

2316 - theos - Luk 01:64 god

2316 - theos - Luk 01:78 god

2316 - theos - Luk 01:47 god

2316 - theos - Luk 01:26 god

2316 - theos - Luk 01:08 god

2316 - theos - Luk 01:19 god

2316 - theos - Luk 01:30 god

2316 - theos - Luk 01:32 god

2316 - theos - Luk 01:35 god

2316 - theos - Luk 01:37 god

2316 - theos - Luk 02:28 god

2316 - theos - Luk 02:52 god

2316 - theos - Luk 02:40 god

2316 - theos - Luk 02:20 god

2316 - theos - Luk 02:14 god

2316 - theos - Luk 02:13 god

2316 - theos - Luk 03:02 god

2316 - theos - Luk 03:38 god

2316 - theos - Luk 03:06 god

2316 - theos - Luk 03:08 god

2316 - theos - Luk 04:08 god

2316 - theos - Luk 04:43 god

2316 - theos - Luk 04:41 god

2316 - theos - Luk 04:04 god

2316 - theos - Luk 04:09 god

2316 - theos - Luk 04:34 god

2316 - theos - Luk 04:12 god

2316 - theos - Luk 04:03 god

2316 - theos - Luk 05:25 god

2316 - theos - Luk 05:21 god

2316 - theos - Luk 05:26 god

2316 - theos - Luk 05:01 god

2316 - theos - Luk 06:04 god

2316 - theos - Luk 06:20 god

2316 - theos - Luk 06:12 god

2316 - theos - Luk 07:16 god

2316 - theos - Luk 07:29 god

2316 - theos - Luk 07:28 god

2316 - theos - Luk 07:30 god

2316 - theos - Luk 07:16 god

2316 - theos - Luk 08:21 god

2316 - theos - Luk 08:11 god

2316 - theos - Luk 08:01 god

2316 - theos - Luk 08:28 god

2316 - theos - Luk 08:39 god

2316 - theos - Luk 08:10 god

2316 - theos - Luk 09:02 god

2316 - theos - Luk 09:43 god

2316 - theos - Luk 09:62 god

2316 - theos - Luk 09:60 god

2316 - theos - Luk 09:27 god

2316 - theos - Luk 09:20 god

2316 - theos - Luk 09:11 god

2316 - theos - Luk 10:09 god

2316 - theos - Luk 10:27 god

2316 - theos - Luk 10:11 god

2316 - theos - Luk 11:49 god

2316 - theos - Luk 11:42 god

2316 - theos - Luk 11:28 god

2316 - theos - Luk 11:20 god

2316 - theos - Luk 11:20 god

2316 - theos - Luk 12:09 god

2316 - theos - Luk 12:06 god

2316 - theos - Luk 12:31 god

2316 - theos - Luk 12:28 god

2316 - theos - Luk 12:24 god

2316 - theos - Luk 12:21 god

2316 - theos - Luk 12:20 god

2316 - theos - Luk 12:08 god

2316 - theos - Luk 13:13 god

2316 - theos - Luk 13:18 god

2316 - theos - Luk 13:20 god

2316 - theos - Luk 13:28 god

2316 - theos - Luk 13:29 god

2316 - theos - Luk 14:15 god

2316 - theos - Luk 15:10 god

2316 - theos - Luk 16:13 god

2316 - theos - Luk 16:16 god

2316 - theos - Luk 16:15 god

2316 - theos - Luk 16:15 god

2316 - theos - Luk 17:15 god

2316 - theos - Luk 17:18 god

2316 - theos - Luk 17:20 god

2316 - theos - Luk 17:21 god

2316 - theos - Luk 17:20 god

2316 - theos - Luk 18:02 god

2316 - theos - Luk 18:13 god

2316 - theos - Luk 18:19 god

2316 - theos - Luk 18:17 god

2316 - theos - Luk 18:04 god

2316 - theos - Luk 18:07 god

2316 - theos - Luk 18:43 god

2316 - theos - Luk 18:43 god

2316 - theos - Luk 18:16 god

2316 - theos - Luk 18:27 god

2316 - theos - Luk 18:25 god

2316 - theos - Luk 18:24 god

2316 - theos - Luk 18:11 god

2316 - theos - Luk 19:11 god

2316 - theos - Luk 19:37 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 20:38 god

2316 - theos - Luk 20:25 god

2316 - theos - Luk 20:36 god

2316 - theos - Luk 20:21 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 20:37 god

2316 - theos - Luk 21:31 god

2316 - theos - Luk 21:04 god

2316 - theos - Luk 22:18 god

2316 - theos - Luk 22:70 god

2316 - theos - Luk 22:16 god

2316 - theos - Luk 22:69 god

2316 - theos - Luk 23:51 god

2316 - theos - Luk 23:35 god

2316 - theos - Luk 23:40 god

2316 - theos - Luk 23:47 god

2316 - theos - Luk 24:53 god

2316 - theos - Luk 24:19 god

2316 - theos - Joh 01:51 god

2316 - theos - Joh 01:13 god

2316 - theos - Joh 01:12 god

2316 - theos - Joh 01:29 god

2316 - theos - Joh 01:34 god

2316 - theos - Joh 01:06 god

2316 - theos - Joh 01:01 god

2316 - theos - Joh 01:49 god

2316 - theos - Joh 01:36 god

2316 - theos - Joh 01:01 god

2316 - theos - Joh 01:02 god

2316 - theos - Joh 01:18 god

2316 - theos - Joh 03:02 god

2316 - theos - Joh 03:16 god

2316 - theos - Joh 03:02 god

2316 - theos - Joh 03:18 god

2316 - theos - Joh 03:17 god

2316 - theos - Joh 03:21 god

2316 - theos - Joh 03:03 god

2316 - theos - Joh 03:33 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:34 god

2316 - theos - Joh 03:36 god

2316 - theos - Joh 03:05 god

2316 - theos - Joh 04:10 god

2316 - theos - Joh 04:24 god

2316 - theos - Joh 05:18 god

2316 - theos - Joh 05:18 god

2316 - theos - Joh 05:25 god

2316 - theos - Joh 05:42 god

2316 - theos - Joh 05:44 god

2316 - theos - Joh 06:27 god

2316 - theos - Joh 06:28 god

2316 - theos - Joh 06:29 god

2316 - theos - Joh 06:33 god

2316 - theos - Joh 06:45 god

2316 - theos - Joh 06:46 god

2316 - theos - Joh 06:69 god

2316 - theos - Joh 07:17 god

2316 - theos - Joh 08:40 god

2316 - theos - Joh 08:41 god

2316 - theos - Joh 08:42 god

2316 - theos - Joh 08:42 god

2316 - theos - Joh 08:47 god

2316 - theos - Joh 08:47 god

2316 - theos - Joh 08:54 god

2316 - theos - Joh 09:16 god

2316 - theos - Joh 09:24 god

2316 - theos - Joh 09:29 god

2316 - theos - Joh 09:03 god

2316 - theos - Joh 09:31 god

2316 - theos - Joh 09:33 god

2316 - theos - Joh 09:35 god

2316 - theos - Joh 10:35 god

2316 - theos - Joh 10:33 god

2316 - theos - Joh 10:36 god

2316 - theos - Joh 11:04 god

2316 - theos - Joh 11:22 god

2316 - theos - Joh 11:27 god

2316 - theos - Joh 11:52 god

2316 - theos - Joh 11:40 god

2316 - theos - Joh 11:22 god

2316 - theos - Joh 11:04 god

2316 - theos - Joh 12:43 god

2316 - theos - Joh 13:03 god

2316 - theos - Joh 13:03 god

2316 - theos - Joh 13:31 god

2316 - theos - Joh 13:32 god

2316 - theos - Joh 13:32 god

2316 - theos - Joh 14:01 god

2316 - theos - Joh 16:30 god

2316 - theos - Joh 16:27 god

2316 - theos - Joh 16:02 god

2316 - theos - Joh 17:03 god

2316 - theos - Joh 19:07 god

2316 - theos - Joh 20:28 god

2316 - theos - Joh 20:31 god

2316 - theos - Joh 20:17 god

2316 - theos - Joh 20:17 god

2316 - theos - Joh 21:19 god

2316 - theos - Act 01:03 god

2316 - theos - Act 02:22 god

2316 - theos - Act 02:11 god

2316 - theos - Act 02:33 god

2316 - theos - Act 02:17 god

2316 - theos - Act 02:22 god

2316 - theos - Act 02:36 god

2316 - theos - Act 02:47 god

2316 - theos - Act 02:39 god

2316 - theos - Act 02:23 god

2316 - theos - Act 02:32 god

2316 - theos - Act 02:30 god

2316 - theos - Act 02:24 god

2316 - theos - Act 03:13 god

2316 - theos - Act 03:13 god

2316 - theos - Act 03:22 god

2316 - theos - Act 03:15 god

2316 - theos - Act 03:18 god

2316 - theos - Act 03:21 god

2316 - theos - Act 03:25 god

2316 - theos - Act 03:08 god

2316 - theos - Act 03:26 god

2316 - theos - Act 03:09 god

2316 - theos - Act 04:24 god

2316 - theos - Act 04:21 god

2316 - theos - Act 04:31 god

2316 - theos - Act 04:19 god

2316 - theos - Act 04:24 god

2316 - theos - Act 04:10 god

2316 - theos - Act 04:19 god

2316 - theos - Act 05:30 god

2316 - theos - Act 05:31 god

2316 - theos - Act 05:04 god

2316 - theos - Act 05:29 god

2316 - theos - Act 05:32 god

2316 - theos - Act 05:39 god

2316 - theos - Act 06:07 god

2316 - theos - Act 06:02 god

2316 - theos - Act 06:11 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:35 god

2316 - theos - Act 07:37 god

2316 - theos - Act 07:43 god

2316 - theos - Act 07:32 god

2316 - theos - Act 07:46 god

2316 - theos - Act 07:55 god

2316 - theos - Act 07:55 god

2316 - theos - Act 07:56 god

2316 - theos - Act 07:06 god

2316 - theos - Act 07:07 god

2316 - theos - Act 07:09 god

2316 - theos - Act 07:46 god

2316 - theos - Act 07:45 god

2316 - theos - Act 07:42 god

2316 - theos - Act 07:17 god

2316 - theos - Act 07:02 god

2316 - theos - Act 07:25 god

2316 - theos - Act 08:10 god

2316 - theos - Act 08:21 god

2316 - theos - Act 08:37 god

2316 - theos - Act 08:22 god

2316 - theos - Act 08:12 god

2316 - theos - Act 08:20 god

2316 - theos - Act 08:14 god

2316 - theos - Act 09:20 god

2316 - theos - Act 10:15 god

2316 - theos - Act 10:03 god

2316 - theos - Act 10:40 god

2316 - theos - Act 10:41 god

2316 - theos - Act 10:42 god

2316 - theos - Act 10:46 god

2316 - theos - Act 10:31 god

2316 - theos - Act 10:34 god

2316 - theos - Act 10:38 god

2316 - theos - Act 10:04 god

2316 - theos - Act 10:38 god

2316 - theos - Act 10:02 god

2316 - theos - Act 10:33 god

2316 - theos - Act 10:33 god

2316 - theos - Act 10:28 god

2316 - theos - Act 10:02 god

2316 - theos - Act 10:22 god

2316 - theos - Act 11:17 god

2316 - theos - Act 11:09 god

2316 - theos - Act 11:01 god

2316 - theos - Act 11:23 god

2316 - theos - Act 11:18 god

2316 - theos - Act 11:18 god

2316 - theos - Act 11:17 god

2316 - theos - Act 12:23 god

2316 - theos - Act 12:22 god

2316 - theos - Act 12:24 god

2316 - theos - Act 12:05 god

2316 - theos - Act 13:23 god

2316 - theos - Act 13:21 god

2316 - theos - Act 13:17 god

2316 - theos - Act 13:33 god

2316 - theos - Act 13:36 god

2316 - theos - Act 13:30 god

2316 - theos - Act 13:37 god

2316 - theos - Act 13:07 god

2316 - theos - Act 13:05 god

2316 - theos - Act 13:46 god

2316 - theos - Act 13:44 god

2316 - theos - Act 13:26 god

2316 - theos - Act 13:16 god

2316 - theos - Act 13:43 god

2316 - theos - Act 14:15 god

2316 - theos - Act 14:22 god

2316 - theos - Act 14:26 god

2316 - theos - Act 14:27 god

2316 - theos - Act 15:19 god

2316 - theos - Act 15:18 god

2316 - theos - Act 15:14 god

2316 - theos - Act 15:04 god

2316 - theos - Act 15:12 god

2316 - theos - Act 15:10 god

2316 - theos - Act 15:40 god

2316 - theos - Act 15:07 god

2316 - theos - Act 15:08 god

2316 - theos - Act 16:25 god

2316 - theos - Act 16:14 god

2316 - theos - Act 16:17 god

2316 - theos - Act 16:34 god

2316 - theos - Act 17:30 god

2316 - theos - Act 17:24 god

2316 - theos - Act 17:23 GOD

2316 - theos - Act 17:13 god

2316 - theos - Act 17:29 god

2316 - theos - Act 18:21 god

2316 - theos - Act 18:07 god

2316 - theos - Act 18:26 god

2316 - theos - Act 18:13 god

2316 - theos - Act 18:11 god

2316 - theos - Act 19:08 god

2316 - theos - Act 19:11 god

2316 - theos - Act 20:21 god

2316 - theos - Act 20:32 god

2316 - theos - Act 20:28 god

2316 - theos - Act 20:27 god

2316 - theos - Act 20:25 god

2316 - theos - Act 20:24 god

2316 - theos - Act 21:19 god

2316 - theos - Act 22:03 god

2316 - theos - Act 22:14 god

2316 - theos - Act 23:01 god

2316 - theos - Act 23:03 god

2316 - theos - Act 24:15 god

2316 - theos - Act 24:16 god

2316 - theos - Act 24:14 god

2316 - theos - Act 26:18 god

2316 - theos - Act 26:20 god

2316 - theos - Act 26:22 god

2316 - theos - Act 26:29 god

2316 - theos - Act 26:06 god

2316 - theos - Act 26:08 god

2316 - theos - Act 27:23 god

2316 - theos - Act 27:24 god

2316 - theos - Act 27:25 god

2316 - theos - Act 27:35 god

2316 - theos - Act 28:15 god

2316 - theos - Act 28:23 god

2316 - theos - Act 28:28 god

2316 - theos - Act 28:31 god

2316 - theos - Act 28:06 god

2316 - theos - Rom 01:01 god

2316 - theos - Rom 01:10 god

2316 - theos - Rom 01:16 god

2316 - theos - Rom 01:17 god

2316 - theos - Rom 01:18 god

2316 - theos - Rom 01:19 god

2316 - theos - Rom 01:19 god

2316 - theos - Rom 01:21 god

2316 - theos - Rom 01:21 god

2316 - theos - Rom 01:23 god

2316 - theos - Rom 01:24 god

2316 - theos - Rom 01:25 god

2316 - theos - Rom 01:26 god

2316 - theos - Rom 01:28 god

2316 - theos - Rom 01:28 god

2316 - theos - Rom 01:32 god

2316 - theos - Rom 01:04 god

2316 - theos - Rom 01:07 god

2316 - theos - Rom 01:07 god

2316 - theos - Rom 01:08 god

2316 - theos - Rom 01:09 god

2316 - theos - Rom 02:11 god

2316 - theos - Rom 02:13 god

2316 - theos - Rom 02:16 god

2316 - theos - Rom 02:17 god

2316 - theos - Rom 02:02 god

2316 - theos - Rom 02:23 god

2316 - theos - Rom 02:24 god

2316 - theos - Rom 02:29 god

2316 - theos - Rom 02:03 god

2316 - theos - Rom 02:04 god

2316 - theos - Rom 02:05 god

2316 - theos - Rom 03:11 god

2316 - theos - Rom 03:19 god

2316 - theos - Rom 03:02 god

2316 - theos - Rom 03:21 god

2316 - theos - Rom 03:22 god

2316 - theos - Rom 03:23 god

2316 - theos - Rom 03:25 god

2316 - theos - Rom 03:25 god

2316 - theos - Rom 03:29 god

2316 - theos - Rom 03:03 god

2316 - theos - Rom 03:30 god

2316 - theos - Rom 03:04 god

2316 - theos - Rom 03:05 god

2316 - theos - Rom 03:05 god

2316 - theos - Rom 03:06 god

2316 - theos - Rom 03:07 god

2316 - theos - Rom 03:18 god

2316 - theos - Rom 04:02 god

2316 - theos - Rom 04:20 god

2316 - theos - Rom 04:20 god

2316 - theos - Rom 04:03 god

2316 - theos - Rom 04:06 god

2316 - theos - Rom 04:17 god

2316 - theos - Rom 05:10 god

2316 - theos - Rom 05:11 god

2316 - theos - Rom 05:15 god

2316 - theos - Rom 05:02 god

2316 - theos - Rom 05:05 god

2316 - theos - Rom 05:08 god

2316 - theos - Rom 05:01 god

2316 - theos - Rom 06:22 god

2316 - theos - Rom 06:10 god

2316 - theos - Rom 06:17 god

2316 - theos - Rom 06:11 god

2316 - theos - Rom 06:13 god

2316 - theos - Rom 06:13 god

2316 - theos - Rom 06:23 god

2316 - theos - Rom 07:25 god

2316 - theos - Rom 07:04 god

2316 - theos - Rom 07:22 god

2316 - theos - Rom 07:25 god

2316 - theos - Rom 08:21 god

2316 - theos - Rom 08:33 god

2316 - theos - Rom 08:34 god

2316 - theos - Rom 08:39 god

2316 - theos - Rom 08:07 god

2316 - theos - Rom 08:14 god

2316 - theos - Rom 08:14 god

2316 - theos - Rom 08:16 god

2316 - theos - Rom 08:17 god

2316 - theos - Rom 08:19 god

2316 - theos - Rom 08:07 god

2316 - theos - Rom 08:27 god

2316 - theos - Rom 08:28 god

2316 - theos - Rom 08:03 god

2316 - theos - Rom 08:08 god

2316 - theos - Rom 08:31 god

2316 - theos - Rom 08:09 god

2316 - theos - Rom 09:05 god

2316 - theos - Rom 09:26 god

2316 - theos - Rom 09:08 god

2316 - theos - Rom 09:16 god

2316 - theos - Rom 09:14 god

2316 - theos - Rom 09:11 god

2316 - theos - Rom 09:20 god

2316 - theos - Rom 09:22 god

2316 - theos - Rom 09:06 god

2316 - theos - Rom 10:09 god

2316 - theos - Rom 10:03 god

2316 - theos - Rom 10:02 god

2316 - theos - Rom 10:17 god

2316 - theos - Rom 10:01 god

2316 - theos - Rom 11:23 god

2316 - theos - Rom 11:08 god

2316 - theos - Rom 11:01 god

2316 - theos - Rom 11:02 god

2316 - theos - Rom 11:02 god

2316 - theos - Rom 11:21 god

2316 - theos - Rom 11:22 god

2316 - theos - Rom 11:29 god

2316 - theos - Rom 11:30 god

2316 - theos - Rom 11:33 god

2316 - theos - Rom 11:32 god

2316 - theos - Rom 12:01 god

2316 - theos - Rom 12:01 god

2316 - theos - Rom 12:02 god

2316 - theos - Rom 12:03 god

2316 - theos - Rom 13:01 god

2316 - theos - Rom 13:01 god

2316 - theos - Rom 13:02 god

2316 - theos - Rom 13:04 god

2316 - theos - Rom 13:04 god

2316 - theos - Rom 14:22 god

2316 - theos - Rom 14:06 god

2316 - theos - Rom 14:06 god

2316 - theos - Rom 14:04 god

2316 - theos - Rom 14:03 god

2316 - theos - Rom 14:20 god

2316 - theos - Rom 14:18 god

2316 - theos - Rom 14:17 god

2316 - theos - Rom 14:12 god

2316 - theos - Rom 14:11 god

2316 - theos - Rom 15:30 god

2316 - theos - Rom 15:07 god

2316 - theos - Rom 15:05 god

2316 - theos - Rom 15:33 god

2316 - theos - Rom 15:32 god

2316 - theos - Rom 15:09 god

2316 - theos - Rom 15:19 god

2316 - theos - Rom 15:17 god

2316 - theos - Rom 15:16 god

2316 - theos - Rom 15:15 god

2316 - theos - Rom 15:13 god

2316 - theos - Rom 15:06 god

2316 - theos - Rom 15:08 god

2316 - theos - Rom 16:27 god

2316 - theos - Rom 16:20 god

2316 - theos - Rom 16:26 god

2316 - theos - 1Co 01:27 god

2316 - theos - 1Co 01:24 god

2316 - theos - 1Co 01:14 god

2316 - theos - 1Co 01:18 god

2316 - theos - 1Co 01:01 god

2316 - theos - 1Co 01:03 god

2316 - theos - 1Co 01:04 god

2316 - theos - 1Co 01:02 god

2316 - theos - 1Co 01:20 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:21 god

2316 - theos - 1Co 01:24 god

2316 - theos - 1Co 01:25 god

2316 - theos - 1Co 01:09 god

2316 - theos - 1Co 01:25 god

2316 - theos - 1Co 01:27 god

2316 - theos - 1Co 01:28 god

2316 - theos - 1Co 01:30 god

2316 - theos - 1Co 01:04 god

2316 - theos - 1Co 02:01 god

2316 - theos - 1Co 02:10 god

2316 - theos - 1Co 02:10 god

2316 - theos - 1Co 02:11 god

2316 - theos - 1Co 02:11 god

2316 - theos - 1Co 02:12 god

2316 - theos - 1Co 02:12 god

2316 - theos - 1Co 02:14 god

2316 - theos - 1Co 02:05 god

2316 - theos - 1Co 02:07 god

2316 - theos - 1Co 02:07 god

2316 - theos - 1Co 02:09 god

2316 - theos - 1Co 03:10 god

2316 - theos - 1Co 03:16 god

2316 - theos - 1Co 03:16 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:17 god

2316 - theos - 1Co 03:19 god

2316 - theos - 1Co 03:06 god

2316 - theos - 1Co 03:07 god

2316 - theos - 1Co 03:09 god

2316 - theos - 1Co 04:01 god

2316 - theos - 1Co 04:20 god

2316 - theos - 1Co 04:05 god

2316 - theos - 1Co 04:09 god

2316 - theos - 1Co 05:13 god

2316 - theos - 1Co 06:10 god

2316 - theos - 1Co 06:11 god

2316 - theos - 1Co 06:13 god

2316 - theos - 1Co 06:14 god

2316 - theos - 1Co 06:19 god

2316 - theos - 1Co 06:20 god

2316 - theos - 1Co 06:09 god

2316 - theos - 1Co 07:24 god

2316 - theos - 1Co 07:40 god

2316 - theos - 1Co 07:15 god

2316 - theos - 1Co 07:17 god

2316 - theos - 1Co 07:07 god

2316 - theos - 1Co 07:19 god

2316 - theos - 1Co 08:06 god

2316 - theos - 1Co 08:04 god

2316 - theos - 1Co 08:08 god

2316 - theos - 1Co 08:03 god

2316 - theos - 1Co 09:21 god

2316 - theos - 1Co 09:09 god

2316 - theos - 1Co 10:31 god

2316 - theos - 1Co 10:05 god

2316 - theos - 1Co 10:32 god

2316 - theos - 1Co 10:13 god

2316 - theos - 1Co 10:20 god

2316 - theos - 1Co 11:03 god

2316 - theos - 1Co 11:07 god

2316 - theos - 1Co 11:16 god

2316 - theos - 1Co 11:12 god

2316 - theos - 1Co 11:22 god

2316 - theos - 1Co 11:13 god

2316 - theos - 1Co 12:28 god

2316 - theos - 1Co 12:18 god

2316 - theos - 1Co 12:24 god

2316 - theos - 1Co 12:06 god

2316 - theos - 1Co 12:03 god

2316 - theos - 1Co 14:33 god

2316 - theos - 1Co 14:36 god

2316 - theos - 1Co 14:25 god

2316 - theos - 1Co 14:28 god

2316 - theos - 1Co 14:25 god

2316 - theos - 1Co 14:18 god

2316 - theos - 1Co 14:02 god

2316 - theos - 1Co 15:57 god

2316 - theos - 1Co 15:28 god

2316 - theos - 1Co 15:50 god

2316 - theos - 1Co 15:09 god

2316 - theos - 1Co 15:24 god

2316 - theos - 1Co 15:15 god

2316 - theos - 1Co 15:34 god

2316 - theos - 1Co 15:10 god

2316 - theos - 1Co 15:10 god

2316 - theos - 1Co 15:38 god

2316 - theos - 1Co 15:15 god

2316 - theos - 2Co 01:02 god

2316 - theos - 2Co 01:19 god

2316 - theos - 2Co 01:20 god

2316 - theos - 2Co 01:12 god

2316 - theos - 2Co 01:01 god

2316 - theos - 2Co 01:01 god

2316 - theos - 2Co 01:20 god

2316 - theos - 2Co 01:21 god

2316 - theos - 2Co 01:23 god

2316 - theos - 2Co 01:03 god

2316 - theos - 2Co 01:03 god

2316 - theos - 2Co 01:04 god

2316 - theos - 2Co 01:09 god

2316 - theos - 2Co 01:18 god

2316 - theos - 2Co 02:14 god

2316 - theos - 2Co 02:15 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 02:17 god

2316 - theos - 2Co 03:03 god

2316 - theos - 2Co 03:05 god

2316 - theos - 2Co 04:15 god

2316 - theos - 2Co 04:02 god

2316 - theos - 2Co 04:02 god

2316 - theos - 2Co 04:04 god

2316 - theos - 2Co 04:04 god

2316 - theos - 2Co 04:06 god

2316 - theos - 2Co 04:06 god

2316 - theos - 2Co 04:07 god

2316 - theos - 2Co 05:01 god

2316 - theos - 2Co 05:11 god

2316 - theos - 2Co 05:13 god

2316 - theos - 2Co 05:18 god

2316 - theos - 2Co 05:19 god

2316 - theos - 2Co 05:20 god

2316 - theos - 2Co 05:20 god

2316 - theos - 2Co 05:21 god

2316 - theos - 2Co 05:05 god

2316 - theos - 2Co 06:01 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:16 god

2316 - theos - 2Co 06:04 god

2316 - theos - 2Co 06:07 god

2316 - theos - 2Co 07:01 god

2316 - theos - 2Co 07:12 god

2316 - theos - 2Co 07:06 god

2316 - theos - 2Co 08:01 god

2316 - theos - 2Co 08:16 god

2316 - theos - 2Co 08:05 god

2316 - theos - 2Co 09:14 god

2316 - theos - 2Co 09:13 god

2316 - theos - 2Co 09:15 god

2316 - theos - 2Co 09:07 god

2316 - theos - 2Co 09:08 god

2316 - theos - 2Co 09:12 god

2316 - theos - 2Co 09:11 god

2316 - theos - 2Co 10:05 god

2316 - theos - 2Co 10:13 god

2316 - theos - 2Co 10:04 god

2316 - theos - 2Co 11:07 god

2316 - theos - 2Co 11:31 god

2316 - theos - 2Co 11:11 god

2316 - theos - 2Co 12:19 god

2316 - theos - 2Co 12:02 god

2316 - theos - 2Co 12:03 god

2316 - theos - 2Co 12:21 god

2316 - theos - 2Co 13:07 god

2316 - theos - 2Co 13:04 god

2316 - theos - 2Co 13:14 god

2316 - theos - 2Co 13:11 god

2316 - theos - 2Co 13:04 god

2316 - theos - Gal 01:10 god

2316 - theos - Gal 01:13 god

2316 - theos - Gal 01:15 god

2316 - theos - Gal 01:20 god

2316 - theos - Gal 01:24 god

2316 - theos - Gal 01:03 god

2316 - theos - Gal 01:04 god

2316 - theos - Gal 01:01 god

2316 - theos - Gal 02:21 god

2316 - theos - Gal 02:06 god

2316 - theos - Gal 02:19 god

2316 - theos - Gal 02:20 god

2316 - theos - Gal 03:11 god

2316 - theos - Gal 03:17 god

2316 - theos - Gal 03:18 god

2316 - theos - Gal 03:20 god

2316 - theos - Gal 03:21 god

2316 - theos - Gal 03:26 god

2316 - theos - Gal 03:06 god

2316 - theos - Gal 03:08 god

2316 - theos - Gal 04:14 god

2316 - theos - Gal 04:04 god

2316 - theos - Gal 04:06 god

2316 - theos - Gal 04:07 god

2316 - theos - Gal 04:08 god

2316 - theos - Gal 04:09 god

2316 - theos - Gal 04:09 god

2316 - theos - Gal 05:21 god

2316 - theos - Gal 06:16 god

2316 - theos - Gal 06:07 god

2316 - theos - Eph 01:01 god

2316 - theos - Eph 01:17 god

2316 - theos - Eph 01:02 god

2316 - theos - Eph 01:03 god

2316 - theos - Eph 02:10 god

2316 - theos - Eph 02:16 god

2316 - theos - Eph 02:19 god

2316 - theos - Eph 02:22 god

2316 - theos - Eph 02:04 god

2316 - theos - Eph 02:08 god

2316 - theos - Eph 03:09 god

2316 - theos - Eph 03:19 god

2316 - theos - Eph 03:02 god

2316 - theos - Eph 03:07 god

2316 - theos - Eph 03:10 god

2316 - theos - Eph 04:13 god

2316 - theos - Eph 04:24 god

2316 - theos - Eph 04:18 god

2316 - theos - Eph 04:32 god

2316 - theos - Eph 04:06 god

2316 - theos - Eph 04:30 god

2316 - theos - Eph 05:01 god

2316 - theos - Eph 05:20 god

2316 - theos - Eph 05:02 god

2316 - theos - Eph 05:06 god

2316 - theos - Eph 05:21 god

2316 - theos - Eph 05:05 god

2316 - theos - Eph 06:17 god

2316 - theos - Eph 06:13 god

2316 - theos - Eph 06:06 god

2316 - theos - Eph 06:23 god

2316 - theos - Eph 06:11 god

2316 - theos - Php 01:11 god

2316 - theos - Php 01:02 god

2316 - theos - Php 01:28 god

2316 - theos - Php 01:03 god

2316 - theos - Php 01:08 god

2316 - theos - Php 02:11 god

2316 - theos - Php 02:13 god

2316 - theos - Php 02:15 god

2316 - theos - Php 02:27 god

2316 - theos - Php 02:06 god

2316 - theos - Php 02:06 god

2316 - theos - Php 02:09 god

2316 - theos - Php 03:15 god

2316 - theos - Php 03:14 god

2316 - theos - Php 03:19 god

2316 - theos - Php 03:03 god

2316 - theos - Php 03:09 god

2316 - theos - Php 04:06 god

2316 - theos - Php 04:20 god

2316 - theos - Php 04:18 god

2316 - theos - Php 04:07 god

2316 - theos - Php 04:09 god

2316 - theos - Php 04:19 god

2316 - theos - Col 01:03 god

2316 - theos - Col 01:25 god

2316 - theos - Col 01:01 god

2316 - theos - Col 01:10 god

2316 - theos - Col 01:06 god

2316 - theos - Col 01:27 god

2316 - theos - Col 01:15 god

2316 - theos - Col 01:25 god

2316 - theos - Col 01:02 god

2316 - theos - Col 02:12 god

2316 - theos - Col 02:19 god

2316 - theos - Col 02:02 god

2316 - theos - Col 03:01 god

2316 - theos - Col 03:06 god

2316 - theos - Col 03:03 god

2316 - theos - Col 03:22 god

2316 - theos - Col 03:17 god

2316 - theos - Col 03:15 god

2316 - theos - Col 03:12 god

2316 - theos - Col 04:11 god

2316 - theos - Col 04:03 god

2316 - theos - Col 04:12 god

2316 - theos - 1Th 01:01 god

2316 - theos - 1Th 01:01 god

2316 - theos - 1Th 01:02 god

2316 - theos - 1Th 01:04 god

2316 - theos - 1Th 01:03 god

2316 - theos - 1Th 01:09 god

2316 - theos - 1Th 01:09 god

2316 - theos - 1Th 02:02 god

2316 - theos - 1Th 02:04 god

2316 - theos - 1Th 02:02 god

2316 - theos - 1Th 02:05 god

2316 - theos - 1Th 02:08 god

2316 - theos - 1Th 02:09 god

2316 - theos - 1Th 02:15 god

2316 - theos - 1Th 02:14 god

2316 - theos - 1Th 02:04 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 02:12 god

2316 - theos - 1Th 02:10 god

2316 - theos - 1Th 02:13 god

2316 - theos - 1Th 03:13 god

2316 - theos - 1Th 03:11 god

2316 - theos - 1Th 03:02 god

2316 - theos - 1Th 03:09 god

2316 - theos - 1Th 03:09 god

2316 - theos - 1Th 04:16 god

2316 - theos - 1Th 04:03 god

2316 - theos - 1Th 04:08 god

2316 - theos - 1Th 04:01 god

2316 - theos - 1Th 04:07 god

2316 - theos - 1Th 04:05 god

2316 - theos - 1Th 04:14 god

2316 - theos - 1Th 05:18 god

2316 - theos - 1Th 05:23 god

2316 - theos - 1Th 05:09 god

2316 - theos - 2Th 01:01 god

2316 - theos - 2Th 01:11 god

2316 - theos - 2Th 01:12 god

2316 - theos - 2Th 01:02 god

2316 - theos - 2Th 01:03 god

2316 - theos - 2Th 01:04 god

2316 - theos - 2Th 01:05 god

2316 - theos - 2Th 01:05 god

2316 - theos - 2Th 01:08 god

2316 - theos - 2Th 01:06 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:04 god

2316 - theos - 2Th 02:16 god

2316 - theos - 2Th 02:13 god

2316 - theos - 2Th 02:13 god

2316 - theos - 2Th 02:11 god

2316 - theos - 2Th 03:05 god

2316 - theos - 1Ti 01:02 god

2316 - theos - 1Ti 01:11 god

2316 - theos - 1Ti 01:01 god

2316 - theos - 1Ti 01:17 god

2316 - theos - 1Ti 02:03 god

2316 - theos - 1Ti 02:05 god

2316 - theos - 1Ti 02:05 god

2316 - theos - 1Ti 03:05 god

2316 - theos - 1Ti 03:15 god

2316 - theos - 1Ti 03:16 god

2316 - theos - 1Ti 03:15 god

2316 - theos - 1Ti 04:05 god

2316 - theos - 1Ti 04:03 god

2316 - theos - 1Ti 04:10 god

2316 - theos - 1Ti 04:04 god

2316 - theos - 1Ti 05:21 god

2316 - theos - 1Ti 05:05 god

2316 - theos - 1Ti 05:04 god

2316 - theos - 1Ti 06:11 god

2316 - theos - 1Ti 06:13 god

2316 - theos - 1Ti 06:01 god

2316 - theos - 1Ti 06:17 god

2316 - theos - 2Ti 01:01 god

2316 - theos - 2Ti 01:02 god

2316 - theos - 2Ti 01:03 god

2316 - theos - 2Ti 01:06 god

2316 - theos - 2Ti 01:08 god

2316 - theos - 2Ti 01:07 god

2316 - theos - 2Ti 02:19 god

2316 - theos - 2Ti 02:15 god

2316 - theos - 2Ti 02:09 god

2316 - theos - 2Ti 02:25 god

2316 - theos - 2Ti 03:17 god

2316 - theos - 2Ti 04:01 god

2316 - theos - Tit 01:02 god

2316 - theos - Tit 01:16 god

2316 - theos - Tit 01:07 god

2316 - theos - Tit 01:04 god

2316 - theos - Tit 01:03 god

2316 - theos - Tit 01:01 god

2316 - theos - Tit 02:10 god

2316 - theos - Tit 02:11 god

2316 - theos - Tit 02:13 god

2316 - theos - Tit 02:05 god

2316 - theos - Tit 03:04 god

2316 - theos - Tit 03:08 god

2316 - theos - Phm 01:03 god

2316 - theos - Phm 01:04 god

2316 - theos - Heb 01:06 god

2316 - theos - Heb 01:08 god

2316 - theos - Heb 01:01 god

2316 - theos - Heb 01:09 god

2316 - theos - Heb 01:09 god

2316 - theos - Heb 02:04 god

2316 - theos - Heb 02:17 god

2316 - theos - Heb 02:13 god

2316 - theos - Heb 02:09 god

2316 - theos - Heb 03:12 god

2316 - theos - Heb 03:04 god

2316 - theos - Heb 04:12 god

2316 - theos - Heb 04:14 god

2316 - theos - Heb 04:04 god

2316 - theos - Heb 04:10 god

2316 - theos - Heb 04:09 god

2316 - theos - Heb 05:12 god

2316 - theos - Heb 05:04 god

2316 - theos - Heb 05:01 god

2316 - theos - Heb 05:10 god

2316 - theos - Heb 06:05 god

2316 - theos - Heb 06:13 god

2316 - theos - Heb 06:18 god

2316 - theos - Heb 06:17 god

2316 - theos - Heb 06:01 god

2316 - theos - Heb 06:06 god

2316 - theos - Heb 06:07 god

2316 - theos - Heb 06:03 god

2316 - theos - Heb 06:10 god

2316 - theos - Heb 07:01 god

2316 - theos - Heb 07:25 god

2316 - theos - Heb 07:03 god

2316 - theos - Heb 07:19 god

2316 - theos - Heb 08:10 god

2316 - theos - Heb 09:24 god

2316 - theos - Heb 09:20 god

2316 - theos - Heb 09:14 god

2316 - theos - Heb 09:14 god

2316 - theos - Heb 10:09 god

2316 - theos - Heb 10:29 god

2316 - theos - Heb 10:21 god

2316 - theos - Heb 10:31 god

2316 - theos - Heb 10:36 god

2316 - theos - Heb 10:12 god

2316 - theos - Heb 10:07 god

2316 - theos - Heb 11:04 god

2316 - theos - Heb 11:40 god

2316 - theos - Heb 11:05 god

2316 - theos - Heb 11:04 god

2316 - theos - Heb 11:06 god

2316 - theos - Heb 11:03 god

2316 - theos - Heb 11:25 god

2316 - theos - Heb 11:19 god

2316 - theos - Heb 11:16 god

2316 - theos - Heb 11:16 god

2316 - theos - Heb 11:10 god

2316 - theos - Heb 11:05 god

2316 - theos - Heb 12:07 god

2316 - theos - Heb 12:29 god

2316 - theos - Heb 12:15 god

2316 - theos - Heb 12:02 god

2316 - theos - Heb 12:22 god

2316 - theos - Heb 12:28 god

2316 - theos - Heb 12:23 god

2316 - theos - Heb 13:07 god

2316 - theos - Heb 13:15 god

2316 - theos - Heb 13:04 god

2316 - theos - Heb 13:20 god

2316 - theos - Heb 13:16 god

2316 - theos - Jam 01:01 god

2316 - theos - Jam 01:13 god

2316 - theos - Jam 01:13 god

2316 - theos - Jam 01:20 god

2316 - theos - Jam 01:27 god

2316 - theos - Jam 01:05 god

2316 - theos - Jam 02:19 god

2316 - theos - Jam 02:23 god

2316 - theos - Jam 02:23 god

2316 - theos - Jam 02:05 god

2316 - theos - Jam 03:09 god

2316 - theos - Jam 03:09 god

2316 - theos - Jam 04:04 god

2316 - theos - Jam 04:07 god

2316 - theos - Jam 04:06 god

2316 - theos - Jam 04:04 god

2316 - theos - Jam 04:08 god

2316 - theos - 1Pe 01:05 god

2316 - theos - 1Pe 01:23 god

2316 - theos - 1Pe 01:03 god

2316 - theos - 1Pe 01:21 god

2316 - theos - 1Pe 01:02 god

2316 - theos - 1Pe 01:21 god

2316 - theos - 1Pe 02:05 god

2316 - theos - 1Pe 02:04 god

2316 - theos - 1Pe 02:20 god

2316 - theos - 1Pe 02:19 god

2316 - theos - 1Pe 02:17 god

2316 - theos - 1Pe 02:10 god

2316 - theos - 1Pe 02:16 god

2316 - theos - 1Pe 02:15 god

2316 - theos - 1Pe 02:12 god

2316 - theos - 1Pe 03:04 god

2316 - theos - 1Pe 03:15 god

2316 - theos - 1Pe 03:05 god

2316 - theos - 1Pe 03:21 god

2316 - theos - 1Pe 03:22 god

2316 - theos - 1Pe 03:18 god

2316 - theos - 1Pe 03:20 god

2316 - theos - 1Pe 03:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 04:10 god

2316 - theos - 1Pe 04:06 god

2316 - theos - 1Pe 04:02 god

2316 - theos - 1Pe 04:19 god

2316 - theos - 1Pe 04:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:17 god

2316 - theos - 1Pe 04:16 god

2316 - theos - 1Pe 04:14 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 04:11 god

2316 - theos - 1Pe 05:12 god

2316 - theos - 1Pe 05:02 god

2316 - theos - 1Pe 05:06 god

2316 - theos - 1Pe 05:05 god

2316 - theos - 1Pe 05:10 god

2316 - theos - 2Pe 01:17 god

2316 - theos - 2Pe 01:21 god

2316 - theos - 2Pe 01:01 god

2316 - theos - 2Pe 01:02 god

2316 - theos - 2Pe 02:04 god

2316 - theos - 2Pe 03:05 god

2316 - theos - 2Pe 03:12 god

2316 - theos - 1Jo 01:05 god

2316 - theos - 1Jo 02:14 god

2316 - theos - 1Jo 02:17 god

2316 - theos - 1Jo 02:05 god

2316 - theos - 1Jo 03:02 god

2316 - theos - 1Jo 03:09 god

2316 - theos - 1Jo 03:01 god

2316 - theos - 1Jo 03:10 god

2316 - theos - 1Jo 03:08 god

2316 - theos - 1Jo 03:21 god

2316 - theos - 1Jo 03:20 god

2316 - theos - 1Jo 03:10 god

2316 - theos - 1Jo 03:17 god

2316 - theos - 1Jo 03:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:06 god

2316 - theos - 1Jo 04:07 god

2316 - theos - 1Jo 04:08 god

2316 - theos - 1Jo 04:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:08 god

2316 - theos - 1Jo 04:09 god

2316 - theos - 1Jo 04:01 god

2316 - theos - 1Jo 04:10 god

2316 - theos - 1Jo 04:11 god

2316 - theos - 1Jo 04:12 god

2316 - theos - 1Jo 04:12 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:15 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:16 god

2316 - theos - 1Jo 04:02 god

2316 - theos - 1Jo 04:02 god

2316 - theos - 1Jo 04:20 god

2316 - theos - 1Jo 04:20 god

2316 - theos - 1Jo 04:21 god

2316 - theos - 1Jo 04:03 god

2316 - theos - 1Jo 04:04 god

2316 - theos - 1Jo 05:09 god

2316 - theos - 1Jo 05:05 god

2316 - theos - 1Jo 05:11 god

2316 - theos - 1Jo 05:20 god

2316 - theos - 1Jo 05:01 god

2316 - theos - 1Jo 05:20 god

2316 - theos - 1Jo 05:02 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:12 god

2316 - theos - 1Jo 05:13 god

2316 - theos - 1Jo 05:09 god

2316 - theos - 1Jo 05:18 god

2316 - theos - 1Jo 05:04 god

2316 - theos - 1Jo 05:03 god

2316 - theos - 1Jo 05:13 god

2316 - theos - 1Jo 05:10 god

2316 - theos - 1Jo 05:02 god

2316 - theos - 1Jo 05:19 god

2316 - theos - 1Jo 05:18 god

2316 - theos - 2Jo 01:03 god

2316 - theos - 2Jo 01:09 god

2316 - theos - 3Jo 01:11 god

2316 - theos - 3Jo 01:11 god

2316 - theos - Jude 01:25 god

2316 - theos - Jude 01:04 god

2316 - theos - Jude 01:04 god

2316 - theos - Jude 01:01 god

2316 - theos - Jude 01:21 god

2316 - theos - Rev 01:09 god

2316 - theos - Rev 01:01 god

2316 - theos - Rev 01:02 god

2316 - theos - Rev 01:06 god

2316 - theos - Rev 02:18 god

2316 - theos - Rev 02:07 god

2316 - theos - Rev 03:14 god

2316 - theos - Rev 03:02 god

2316 - theos - Rev 03:01 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 03:12 god

2316 - theos - Rev 04:05 god

2316 - theos - Rev 04:08 god

2316 - theos - Rev 05:09 god

2316 - theos - Rev 05:10 god

2316 - theos - Rev 05:06 god

2316 - theos - Rev 06:09 god

2316 - theos - Rev 07:11 god

2316 - theos - Rev 07:17 god

2316 - theos - Rev 07:10 god

2316 - theos - Rev 07:02 god

2316 - theos - Rev 07:12 god

2316 - theos - Rev 07:15 god

2316 - theos - Rev 07:03 god

2316 - theos - Rev 08:04 god

2316 - theos - Rev 08:02 god

2316 - theos - Rev 09:04 god

2316 - theos - Rev 09:13 god

2316 - theos - Rev 10:07 god

2316 - theos - Rev 11:17 god

2316 - theos - Rev 11:16 god

2316 - theos - Rev 11:13 god

2316 - theos - Rev 11:16 god

2316 - theos - Rev 11:01 god

2316 - theos - Rev 11:19 god

2316 - theos - Rev 11:04 god

2316 - theos - Rev 11:11 god

2316 - theos - Rev 12:10 god

2316 - theos - Rev 12:06 god

2316 - theos - Rev 12:05 god

2316 - theos - Rev 12:17 god

2316 - theos - Rev 12:10 god

2316 - theos - Rev 13:06 god

2316 - theos - Rev 14:10 god

2316 - theos - Rev 14:12 god

2316 - theos - Rev 14:05 god

2316 - theos - Rev 14:19 god

2316 - theos - Rev 14:04 god

2316 - theos - Rev 14:07 god

2316 - theos - Rev 15:02 god

2316 - theos - Rev 15:01 god

2316 - theos - Rev 15:03 god

2316 - theos - Rev 15:03 god

2316 - theos - Rev 15:07 god

2316 - theos - Rev 15:08 god

2316 - theos - Rev 16:11 god

2316 - theos - Rev 16:14 god

2316 - theos - Rev 16:19 god

2316 - theos - Rev 16:21 god

2316 - theos - Rev 16:07 god

2316 - theos - Rev 16:09 god

2316 - theos - Rev 16:01 god

2316 - theos - Rev 17:17 god

2316 - theos - Rev 17:17 god

2316 - theos - Rev 18:20 god

2316 - theos - Rev 18:05 god

2316 - theos - Rev 18:08 god

2316 - theos - Rev 19:01 god

2316 - theos - Rev 19:10 god

2316 - theos - Rev 19:13 god

2316 - theos - Rev 19:15 god

2316 - theos - Rev 19:17 god

2316 - theos - Rev 19:04 god

2316 - theos - Rev 19:05 god

2316 - theos - Rev 19:06 god

2316 - theos - Rev 19:09 god

2316 - theos - Rev 20:12 god

2316 - theos - Rev 20:04 god

2316 - theos - Rev 20:06 god

2316 - theos - Rev 20:09 god

2316 - theos - Rev 21:07 god

2316 - theos - Rev 21:04 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:23 god

2316 - theos - Rev 21:22 god

2316 - theos - Rev 21:03 god

2316 - theos - Rev 21:02 god

2316 - theos - Rev 21:10 god

2316 - theos - Rev 21:11 god

2316 - theos - Rev 22:06 god

2316 - theos - Rev 22:01 god

2316 - theos - Rev 22:09 god

2316 - theos - Rev 22:18 god

2316 - theos - Rev 22:19 god

2316 - theos - Rev 22:03 god

2316 - theos - Rev 22:05 god

2316 - theos - Mat 05:34 God's

2316 - theos - Mat 22:21 God's

2316 - theos - Mar 12:17 God's

2316 - theos - Luk 18:29 God's

2316 - theos - Luk 20:25 God's

2316 - theos - Joh 08:47 God's

2316 - theos - Act 23:04 God's

2316 - theos - Rom 08:33 God's

2316 - theos - Rom 10:03 God's

2316 - theos - Rom 13:06 God's

2316 - theos - 1Co 03:09 God's

2316 - theos - 1Co 03:23 God's

2316 - theos - 1Co 03:09 God's

2316 - theos - 1Co 06:20 God's

2316 - theos - Tit 01:01 God's

2316 - theos - 1Pe 05:03 God's

2316 - theos - 2Co 03:04 God - ward

2316 - theos - 1Th 01:08 God - ward

2316 - theos - 2Co 01:12 godly

2316 - theos - 2Co 07:11 godly

2316 - theos - 2Co 07:10 godly

2316 - theos - 2Co 07:09 godly

2316 - theos - 2Co 11:02 godly

2316 - theos - 1Ti 01:04 godly

2316 - theos - 3Jo 01:06 godly

2316 - theos - Joh 10:34 gods

2316 - theos - Joh 10:35 gods

2316 - theos - Act 07:40 gods

2316 - theos - Act 14:11 gods

2316 - theos - Act 19:26 gods

2316 - theos - 1Co 08:05 gods

2316 - theos - 1Co 08:05 gods

2316 - theos - Gal 04:08 gods

~~~~~~
~~~~~~

2316 -- X exceeding, God, god[-ly, -ward].

~~~~~~
~~~~~~

2316 Interlinear Index Study

2316 MAT 001 023 Behold <2400 -idou -> , a virgin <3933 -parthenos -> shall be with child <1064 -gaster -> , and shall bring <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> a son <5207 -huios -> , and they shall call <2564 -kaleo -> his name <3686 -onoma -> Emmanuel <1694 -Emmanouel -> , which <3739 -hos -> being interpreted <3177 -methermeneuo -> is , God <{2316} -theos -> with us .

2316 MAT 003 009 And think <1380 -dokeo -> not to say <3004 -lego -> within <1722 -en -> yourselves <1438 -heautou -> , We have <2192 -echo -> Abraham <0011 -Abraam ->to [our] father <3962 -pater -> : for I say <3004 -lego -> unto you , that God <{2316} -theos -> is able <1410 -dunamai -> of these <5130 -touton -> stones <3037 -lithos -> to raise <1453 -egeiro -> up children <5043 -teknon -> unto Abraham <11> .

2316 MAT 003 016 And Jesus <2424 -Iesous -> , when he was baptized <0907 -baptizo -> , went <0305 -anabaino -> up straightway <2117 -euthus -> out of the water <5204 -hudor -> : and , lo <2400 -idou -> , the heavens <3772 -ouranos -> were opened <0455 -anoigo -> unto him , and he saw <1492 -eido -> the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> descending <2597 -katabaino -> like <5616 -hosei -> a dove <4058 -peristera -> , and lighting <2064 -erchomai -> upon him :

2316 MAT 004 003 And when the tempter <3985 -peirazo -> came <4334 -proserchomai -> to him , he said <2036 -epo -> , If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , command <2036 -epo -> that these <3778 -houtos -> stones <3037 -lithos -> be made <1096 -ginomai -> bread <0740 -artos -> .

2316 MAT 004 004 But he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , It is written <1125 -grapho -> , Man <0444 -anthropos -> shall not live <2198 -zao -> by bread <0740 -artos -> alone <3441 -monos -> , but by every <3956 -pas -> word <4487 -rhema -> that proceedeth <1607 -ekporeuomai -> out of the mouth <4750 -stoma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 004 006 And saith <3004 -lego -> unto him , If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , cast <0906 -ballo -> thyself <4572 -seautou -> down <2736 -kato -> : for it is written <1125 -grapho -> , He shall give his angels <0032 -aggelos -> charge <1781 -entellomai -> concerning <4012 -peri -> thee : and in [their] hands <5495 -cheir -> they shall bear <0142 -airo -> thee up , lest <3379 -mepote -> at <3379 -mepote -> any <3379 -mepote -> time <3379 -mepote -> thou dash <4350 -proskopto -> thy foot <4228 -pous -> against <4314 -pros -> a stone <3037 -lithos -> .

2316 MAT 004 007 Jesus <2424 -Iesous -> said <5346 -phemi -> unto him , It is written <1125 -grapho -> again <3825 -palin -> , Thou shalt not tempt <1598 -ekpeirazo -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 004 010 Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> Jesus <2424 -Iesous -> unto him , Get <5217 -hupago -> thee hence <5217 -hupago -> , Satan <4567 -Satanas -> : for it is written <1125 -grapho -> , Thou shalt worship <4352 -proskuneo -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> , and him only <3441 -monos -> shalt thou serve <3000 -latreuo -> .

2316 MAT 005 008 Blessed <3107 -makarios -> [are] the pure <2513 -katharos -> in heart <2588 -kardia -> : for they shall see <3700 -optanomai -> God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 005 009 Blessed <3107 -makarios -> [are] the peacemakers <1518 -eirenopoios -> : for they shall be called <2564 -kaleo -> the children <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 005 034 But I say <3004 -lego -> unto you , Swear <3660 -omnuo -> not at <2527 -katholou -> all <3654 -holos -> ; neither <3383 -mete -> by heaven <3772 -ouranos -> ; for it is God s <{2316} -theos -> throne <2362 -thronos -> :

2316 MAT 006 024 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> serve <1398 -douleuo -> two <1417 -duo -> masters <2962 -kurios -> : for either <2228 -e -> he will hate <3404 -miseo -> the one <1520 -heis -> , and love <0025 -agapao -> the other <2087 -heteros -> ; or <2228 -e -> else he will hold <0472 -antechomai -> to the one <1520 -heis -> , and despise <2706 -kataphroneo -> the other <2087 -heteros -> . Ye cannot <1410 -dunamai -> serve <1398 -douleuo -> God <{2316} -theos -> and mammon <3126 -mammonas -> .

2316 MAT 006 030 Wherefore <1161 -de -> , if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> clothe <0294 -amphiennumi -> the grass <5528 -chortos -> of the field <0068 -agros -> , which to day <4594 -semeron -> is , and to morrow <0839 -aurion -> is cast <0906 -ballo -> into <1519 -eis -> the oven <2823 -klibanos -> , [shall he] not much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> [clothe] you , O ye of little <3640 -oligopistos -> faith <3640 -oligopistos -> ?

2316 MAT 006 033 But seek <2212 -zeteo -> ye first <4412 -proton -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and his righteousness <1343 -dikaiosune -> ; and all <3956 -pas -> these <5023 -tauta -> things shall be added <4369 -prostithemi -> unto you .

2316 MAT 008 029 And , behold <2400 -idou -> , they cried <2896 -krazo -> out , saying <3004 -lego -> , What <5101 -tis -> have we to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , thou Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ? art thou come <2064 -erchomai -> hither <5602 -hode -> to torment <0928 -basanizo -> us before <4253 -pro -> the time <2540 -kairos -> ?

2316 MAT 009 008 But when the multitudes <3793 -ochlos -> saw <1492 -eido -> [it] , they marvelled <2296 -thaumazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> had given <1325 -didomi -> such <5108 -toioutos -> power <1849 -exousia -> unto men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 012 004 How <4459 -pos -> he entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> , and did eat <5315 -phago -> the shewbread <4286 -prothesis -> , which <3739 -hos -> was not lawful <1832 -exesti -> for him to eat <5315 -phago -> , neither <3761 -oude -> for them which were with him , but only <3441 -monos -> for the priests <2409 -hiereus -> ?

2316 MAT 012 028 But if <1487 -ei -> I cast <1544 -ekballo -> out devils <1140 -daimonion -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> , then <0686 -ara -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> is come <5348 -phthano -> unto you .

2316 MAT 012 028 But if <1487 -ei -> I cast <1544 -ekballo -> out devils <1140 -daimonion -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , then <0686 -ara -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <2316 -theos -> is come <5348 -phthano -> unto you .

2316 MAT 014 033 Then <1161 -de -> they that were in the ship <4143 -ploion -> came <2064 -erchomai -> and worshipped <4352 -proskuneo -> him , saying <3004 -lego -> , Of a truth <0230 -alethos -> thou art the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 015 003 But he answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Why <1302 -diati -> do ye also <2532 -kai -> transgress <3845 -parabaino -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> by your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> ?

2316 MAT 015 004 For God <{2316} -theos -> commanded <1781 -entellomai -> , saying <3004 -lego -> , Honour <5091 -timao -> thy father <3962 -pater -> and mother <3384 -meter -> : and , He that curseth <2551 -kakologeo -> father <3962 -pater -> or <2228 -e -> mother <3384 -meter -> , let him die <5053 -teleutao -> the death <2288 -thanatos -> .

2316 MAT 015 006 And honour <5091 -timao -> not his father <3962 -pater -> or <2228 -e -> his mother <3384 -meter -> , [he shall be free] . Thus <2532 -kai -> have ye made <0208 -akuroo -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> of none <0208 -akuroo -> effect <0208 -akuroo -> by your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> .

2316 MAT 015 031 Insomuch <5620 -hoste -> that the multitude <3793 -ochlos -> wondered <2296 -thaumazo -> , when they saw <0991 -blepo -> the dumb <2974 -kophos -> to speak <2980 -laleo -> , the maimed <2948 -kullos -> to be whole <5199 -hugies -> , the lame <5560 -cholos -> to walk <4043 -peripateo -> , and the blind <5185 -tuphlos -> to see <0991 -blepo -> : and they glorified <1392 -doxazo -> the God <{2316} -theos -> of Israel <2474 -Israel -> .

2316 MAT 016 016 And Simon <4613 -Simon -> Peter <4074 -Petros -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , Thou art <1488 -ei -> the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 016 023 But he turned <4672 -Solomon -> , and said <2036 -epo -> unto Peter <4074 -Petros -> , Get <5217 -hupago -> thee behind <3694 -opiso -> me , Satan <4567 -Satanas -> : thou art <1488 -ei -> an offence <4625 -skandalon -> unto me : for thou savourest <5426 -phroneo -> not the things that be of God <{2316} -theos -> , but those <3588 -ho -> that be of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 019 006 Wherefore <5620 -hoste -> they are no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> twain <1417 -duo -> , but one <3391 -mia -> flesh <4561 -sarx -> . What <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> God <{2316} -theos -> hath joined <4801 -suzeugnumi -> together <4801 -suzeugnumi -> , let not man <0444 -anthropos -> put <5563 -chorizo -> asunder <5563 -chorizo -> .

2316 MAT 019 017 And he said <2036 -epo -> unto him , Why <5101 -tis -> callest <3004 -lego -> thou me good <0018 -agathos -> ? [there is] none <3762 -oudeis -> good <0018 -agathos -> but one <1520 -heis -> , [that is] , God <{2316} -theos -> : but if <1487 -ei -> thou wilt <2309 -thelo -> enter <1525 -

eiserchomai -> into <1519 -eis -> life <2222 -zoe -> , keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> .

2316 MAT 019 024 And again <3825 -palin -> I say <3004 -lego -> unto you , It is easier <2123 -eukopoteros -> for a camel <2574 -kamelos -> to go <1330 -dierchomai -> through <1223 -dia -> the eye <5169 -trupema -> of a needle <4476 -rhaphis -> , than <2228 -e -> for a rich <4145 -plousios -> man to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 019 026 But Jesus <2424 -Iesous -> beheld <1689 -emblepo -> [them] , and said <2036 -epo -> unto them , With men <0444 -anthropos -> this <5124 -touto -> is impossible <0102 -adunatos -> ; but with God <{2316} -theos -> all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAT 021 012 . And Jesus <2424 -Iesous -> went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the temple <2411 -hieron -> of God <{2316} -theos -> , and cast <1544 -ekballo -> out all <3956 -pas -> them that sold <4453 -poleo -> and bought <0059 -agorazo -> in the temple <2411 -hieron -> , and overthrew <2690 -katastrepho -> the tables <5132 -trapeza -> of the moneychangers <2855 -kollubistes -> , and the seats <2515 -kathedra -> of them that sold <4453 -poleo -> doves <4058 -peristera -> ,

2316 MAT 021 031 Whether <5101 -tis -> of them twain <1417 -duo -> did <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of [his] father <3962 -pater -> ? They say <3004 -lego -> unto him , The first <4413 -protos -> . Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto them , Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , That the publicans <5052 -telesphoreo -> and the harlots <4204 -porne -> go <4254 -proago -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> before <4254 -proago -> you .

2316 MAT 021 043 Therefore <5124 -touto -> say <3004 -lego -> I unto you , The kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> shall be taken <0142 -airo -> from you , and given <1325 -didomi -> to a nation <1484 -ethnos -> bringing <4160 -poieo -> forth <4160 -poieo -> the fruits <2590 -karpos -> thereof <0846 -autos -> .

2316 MAT 022 016 And they sent <0649 -apostello -> out unto him their disciples <3101 -mathetes -> with the Herodians <2265 -Herodianoi -> , saying <3004 -lego -> , Master <1320 -didaskalos -> , we know <1492 -eido -> that thou art <1488 -ei -> true <0227 -alethes -> , and teachest <1321 -didasko -> the way <3598 -hodos -> of God <{2316} -theos -> in truth <0225 -aletheia -> , neither <3756 -ou -> carest <3199 -melo -> thou for any <3762 -oudeis -> [man <3762 -oudeis ->] : for thou regardest <0991 -blepo -> not the person <4383 -prosopon -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAT 022 021 They say <3004 -lego -> unto him , Caesar s <2541 -Kaisar -> . Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> he unto them , Render <0591 -apodidomi -> therefore <3767 -oun -> unto Caesar <2541 -Kaisar -> the things which are Caesar s <2541 -Kaisar -> ; and unto God <2316 -theos -> the things that are God s <{2316} -theos -> .

2316 MAT 022 021 They say <3004 -lego -> unto him , Caesar s <2541 -Kaisar -> . Then <5119 -tote -> saith <3004 -lego -> he unto them , Render <0591 -apodidomi -> therefore <3767 -oun -> unto Caesar <2541 -Kaisar -> the things which are Caesar s <2541

-Kaisar -> ; and unto God <{2316} -theos -> the things that are God s <2316 -theos -> .

2316 MAT 022 029 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Ye do err <4105 -planao -> , not knowing <1492 -eido -> the scriptures <1124 -graphe -> , nor <3366 -mede -> the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 022 030 For in the resurrection <0386 -anastasis -> they neither <3777 -oute -> marry <1060 -gameo -> , nor <3777 -oute -> are given <1547 -ekgamizo -> in marriage <1547 -ekgamizo -> , but are as the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> in heaven <3772 -ouranos -> .

2316 MAT 022 031 But as touching <4012 -peri -> the resurrection <0386 -anastasis -> of the dead <3498 -nekros -> , have ye not read <0314 -anaginosko -> that which <3588 -ho -> was spoken <4483 -rheo -> unto you by God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <{2316} -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <{2316} -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 032 I am <1510 -eimi -> the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ? God <2316 -theos -> is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but of the living <2198 -zao -> .

2316 MAT 022 037 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto him , Thou shalt love <0025 -agapao -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> with all <3650 -holos -> thy heart <2588 -kardia -> , and with all <3650 -holos -> thy soul <5590 -psuche -> , and with all <3650 -holos -> thy mind <1271 -dianoia -> .

2316 MAT 023 022 And he that shall swear <3660 -omnuo -> by heaven <3772 -ouranos -> , sweareth <3660 -omnuo -> by the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> , and by him that sitteth <2521 -kathemai -> thereon <0846 -autos -> .

2316 MAT 026 061 And said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> [fellow] said <5346 -phemi -> , I am able <1410 -dunamai -> to destroy <2647 -kataluo -> the temple <3485 -naos -> of God

<{2316} -theos -> , and to build <3618 -oikodomeo -> it in three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> .

2316 MAT 026 063 But Jesus <2424 -Iesous -> held <4623 -siopao -> his peace <4623 -siopao -> . And the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , I adjure <1844 -exorkizo -> thee by the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> , that thou tell <2036 -epo -> us whether <1487 -ei -> thou be the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 026 063 But Jesus <2424 -Iesous -> held <4623 -siopao -> his peace <4623 -siopao -> . And the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , I adjure <1844 -exorkizo -> thee by the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , that thou tell <2036 -epo -> us whether <1487 -ei -> thou be the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 MAT 027 040 And saying <3004 -lego -> , Thou that destroyest <2647 -kataluo -> the temple <3485 -naos -> , and buildest <3618 -oikodomeo -> [it] in three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> , save <4982 -sozo -> thyself <4572 -seautou -> . If <1487 -ei -> thou be the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , come <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from the cross <4716 -stauros -> .

2316 MAT 027 043 He trusted <3982 -peitho -> in God <2316 -theos -> ; let him deliver <4506 -rhoumai -> him now <3568 -nun -> , if <1487 -ei -> he will <2309 -thelo -> have him : for he said <2036 -epo -> , I am <1510 -eimi -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAT 027 043 He trusted <3982 -peitho -> in God <{2316} -theos -> ; let him deliver <4506 -rhoumai -> him now <3568 -nun -> , if <1487 -ei -> he will <2309 -thelo -> have him : for he said <2036 -epo -> , I am <1510 -eimi -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 MAT 027 046 And about <4012 -peri -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0310 -anaboao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eli <2241 -eli -> , Eli <2241 -eli -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? that is to say , My God <2316 -theos -> , my God <{2316} -theos -> , why <2444 -hinati -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAT 027 046 And about <4012 -peri -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0310 -anaboao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eli <2241 -eli -> , Eli <2241 -eli -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? that is to say , My God <{2316} -theos -> , my God <2316 -theos -> , why <2444 -hinati -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAT 027 054 Now <1161 -de -> when the centurion <1543 -hekatontarches -> , and they that were with him , watching <5083 -tereo -> Jesus <2424 -Iesous -> , saw <1492 -eido -> the earthquake <4578 -seismos -> , and those <3588 -ho -> things that were done <1096 -ginomai -> , they feared <5399 -phobeo -> greatly <4970 -sphodra -> , saying <3004 -lego -> , Truly <0230 -alethos -> this <3778 -houtos -> was the Son <5207 -huios

-> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 001 001 . The beginning <0746 -arche -> of the gospel <2098 -euaggelion -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 MAR 001 014 . Now <1161 -de -> after <3326 -meta -> that John <2491 -Ioannes -> was put <3860 -paradidomi -> in prison <3860 -paradidomi -> , Jesus <2424 -Iesous -> came <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> Galilee <1056 -Galilaia -> , preaching <2784 -kerusso -> the gospel <2098 -euaggelion -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 MAR 001 015 And saying <3004 -lego -> , The time <2540 -kairos -> is fulfilled <4137 -pleroo -> , and the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> is at <1448 -eggizo -> hand <1448 -eggizo -> : repent <3340 -metanoeo -> ye , and believe <1722 -en -> the gospel <2098 -euaggelion -> .

2316 MAR 001 024 Saying <3004 -lego -> , Let <1439 -eao -> [us] alone <1439 -eao -> ; what <5101 -tis -> have we to do with thee , thou Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> ? art thou come <2064 -erchomai -> to destroy <0622 -apollumi -> us ? I know <1492 -eido -> thee who <5101 -tis -> thou art <1488 -ei -> , the Holy <0040 -hagios -> One of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 002 007 Why <5101 -tis -> doth this <3778 -houtos -> [man] thus <3779 -houto -> speak <2980 -laleo -> blasphemies <0988 -blasphemia -> ? who <5101 -tis -> can <1410 -dunamai -> forgive <0863 -aphiemi -> sins <0266 -hamartia -> but God <{2316} -theos -> only <1520 -heis -> ?

2316 MAR 002 012 And immediately <2112 -eutheos -> he arose <1453 -egeiro -> , took <0142 -airo -> up the bed <2895 -krabbatos -> , and went <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> before <1726 -enantion -> them all <3956 -pas -> ; insomuch <5620 -hoste -> that they were all <3956 -pas -> amazed <1839 -existemi -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> , We never <3763 -oudepote -> saw <1492 -eido -> it on this <3779 -houto -> fashion <3778 -houtos -> .

2316 MAR 002 026 How <4459 -pos -> he went <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> in the days <1909 -epi -> of Abiathar <0008 -Abiathar -> the high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> , and did eat <5315 -phago -> the shewbread <4286 -prothesis -> , which <3739 -hos -> is not lawful <1832 -exesti -> to eat <5315 -phago -> but for the priests <2409 -hiereus -> , and gave <1325 -didomi -> also <2532 -kai -> to them which were with him ?

2316 MAR 003 011 And unclean <0169 -akathartos -> spirits <4151 -pneuma -> , when <3752 -hotan -> they saw <2334 -theoreo -> him , fell <4363 -prospipto -> down before <4363 -prospipto -> him , and cried <2896 -krazo -> , saying <3004 -lego -> , Thou art <1488 -ei -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 003 035 For whosoever <0302 -an -> shall do the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , the same <3778 -houtos -> is my brother <0080 -adephos -> , and my sister <0079 -adelphe -> , and mother <3384 -meter -> .

2316 MAR 004 011 And he said <3004 -lego -> unto them , Unto you it is given <1325 -didomi -> to know <1097 -ginosko -> the

mystery <3466 -musterion -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> : but unto them that are without <1854 -exo -> , all <3956 -pas -> [these <3588 -ho ->] things are done <1096 -ginomai -> in parables <3850 -parabole -> :

2316 MAR 004 026 And he said <3004 -lego -> , So <3779 -houto -> is the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , as if <1487 -ei -> a man <0444 -anthropos -> should cast <0906 -ballo -> seed <4703 -sporos -> into <1909 -epi -> the ground <1093 -ge -> ;

2316 MAR 004 030 And he said <3004 -lego -> , Whereunto <5101 -tis -> shall we liken <3666 -homoioo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ? or <2228 -e -> with what <4169 -poios -> comparison <3850 -parabole -> shall we compare <3846 -paraballo -> it ?

2316 MAR 005 007 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> have I to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , [thou] Son <5207 -huios -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <2316 -theos -> ? I adjure <3726 -horkizo -> thee by God <{2316} -theos -> , that thou torment <0928 -basanizo -> me not .

2316 MAR 005 007 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> have I to do with thee , Jesus <2424 -Iesous -> , [thou] Son <5207 -huios -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> ? I adjure <3726 -horkizo -> thee by God <2316 -theos -> , that thou torment <0928 -basanizo -> me not .

2316 MAR 007 008 For laying <0863 -aphiemi -> aside <0863 -aphiemi -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , ye hold <2902 -krateo -> the tradition <3862 -paradosis -> of men <0444 -anthropos -> , [as] the washing <0909 -baptismos -> of pots <3582 -xestes -> and cups <4221 -poterion -> : and many <4183 -polus -> other <0243 -allos -> such <5108 -toioutos -> like <3946 -paromoios -> things ye do <4160 -poieo -> .

2316 MAR 007 009 And he said <3004 -lego -> unto them , Full well <2573 -kalos -> ye reject <0114 -atheteo -> the commandment <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , that ye may keep <5083 -tereo -> your <5216 -humon -> own tradition <3862 -paradosis -> .

2316 MAR 007 013 Making <0208 -akuroo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> of none <0208 -akuroo -> effect <0208 -akuroo -> through your <5216 -humon -> tradition <3862 -paradosis -> , which <3739 -hos -> ye have delivered <3860 -paradidomi -> : and many <4183 -polus -> such <5108 -toioutos -> like <3946 -paromoios -> things do <4160 -poieo -> ye .

2316 MAR 008 033 But when he had turned <1994 -epistrepho -> about <1994 -epistrepho -> and looked <1492 -eido -> on his disciples <3101 -mathetes -> , he rebuked <2008 -epitimao -> Peter <4074 -Petros -> , saying <3004 -lego -> , Get <5217 -hupago -> thee behind <3694 -opiso -> me , Satan <4567 -Satanas -> : for thou savourest <5426 -phroneo -> not the things that be of God <{2316} -theos -> , but the things that be of men <0444 -anthropos -> .

2316 MAR 009 001 . And he said <3004 -lego -> unto them , Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , That

there be some <5100 -tis -> of them that stand <2476 -histemi -> here <5602 -hode -> , which <3748 -hostis -> shall not taste <1089 -geuomai -> of death <2288 -thanatos -> , till <2193 -heos -> they have seen <1492 -eido -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> come <2064 -erchomai -> with power <1411 -dunamis -> .

2316 MAR 009 047 And if <1437 -ean -> thine <4675 -sou -> eye <3788 -ophthalmos -> offend <4624 -skandalizo -> thee , pluck <1544 -ekballo -> it out : it is better <2570 -kalos -> for thee to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> with one <3442 -monophthalmos -> eye <3442 -monophthalmos -> , than <2228 -e -> having <2192 -echo -> two <1417 -duo -> eyes <3788 -ophthalmos -> to be cast <0906 -ballo -> into <1519 -eis -> hell <1067 -geena -> fire <4442 -pur -> :

2316 MAR 010 006 But from the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> God <{2316} -theos -> made <4160 -poieo -> them male <0730 -arrhen -> and female <2338 -thelus -> .

2316 MAR 010 009 What <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> God <{2316} -theos -> hath joined <4801 -suzeugnumi -> together <4801 -suzeugnumi -> , let not man <0444 -anthropos -> put <5563 -chorizo -> asunder <5563 -chorizo -> .

2316 MAR 010 014 But when Jesus <2424 -Iesous -> saw <1492 -eido -> [it] , he was much <0023 -aganakteo -> displeased <0023 -aganakteo -> , and said <2036 -epo -> unto them , Suffer <0863 -aphiemi -> the little <3813 -paidion -> children <3813 -paidion -> to come <2064 -erchomai -> unto me , and forbid <2967 -koluo -> them not : for of such <5108 -toioutos -> is the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 015 Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , Whosoever <1437 -ean -> shall not receive <1209 -dechomai -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> as a little <3813 -paidion -> child <3813 -paidion -> , he shall not enter <1525 -eiserchomai -> therein <0846 -autos -> .

2316 MAR 010 018 And Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto him , Why <5101 -tis -> callest <3004 -lego -> thou me good <0018 -agathos -> ? [there is] none <3762 -oudeis -> good <0018 -agathos -> but one <1520 -heis -> , [that is] , God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 023 And Jesus <2424 -Iesous -> looked <4017 -periblepo -> round <4017 -periblepo -> about <4017 -periblepo -> , and saith <3004 -lego -> unto his disciples <3101 -mathetes -> , How <4459 -pos -> hardly <1423 -duskolos -> shall they that have <2192 -echo -> riches <5536 -chrema -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> !

2316 MAR 010 024 And the disciples <3101 -mathetes -> were astonished <2284 -thambeo -> at <1909 -epi -> his words <3056 -logos -> . But Jesus <2424 -Iesous -> answereth <0611 -apokrinomai -> again <3825 -palin -> , and saith <3004 -lego -> unto them , Children <5043 -teknon -> , how <4459 -pos -> hard <1422 -duskolos -> is it for them that trust <3982 -peitho -> in riches <5536 -chrema -> to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> !

2316 MAR 010 025 It is easier <2123 -eukopoteros -> for a camel <2574 -kamelos -> to go <1525 -eiserchomai -> through <1223 -dia

-> the eye <5168 -trumalia -> of a needle <4476 -rhaphis -> ,
than <2228 -e -> for a rich <4145 -plousios -> man to enter
<1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -
basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 010 027 And Jesus <2424 -Iesous -> looking <1689 -
emblepo -> upon them saith <3004 -lego -> , With men <0444 -
anthropos -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> , but
not with God <2316 -theos -> : for with God <{2316} -theos ->
all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAR 010 027 And Jesus <2424 -Iesous -> looking <1689 -
emblepo -> upon them saith <3004 -lego -> , With men <0444 -
anthropos -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> , but
not with God <{2316} -theos -> : for with God <2316 -theos ->
all <3956 -pas -> things are possible <1415 -dunatos -> .

2316 MAR 011 022 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -
apokrinomai -> saith <3004 -lego -> unto them , Have <2192 -
echo -> faith <4102 -pistis -> in God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 012 014 And when they were come <2064 -erchomai -> ,
they say <3004 -lego -> unto him , Master <1320 -didaskalos -> ,
  we know <1492 -eido -> that thou art <1488 -ei -> true <0227 -
alethes -> , and carest <3199 -melo -> for no <3762 -oudeis ->
man <0444 -anthropos -> : for thou regardest <0991 -blepo ->
not the person <4383 -prosopon -> of men <0444 -anthropos -> ,
but teachest <1321 -didasko -> the way <3598 -hodos -> of God
<{2316} -theos -> in truth <0225 -aletheia -> : Is it lawful
<1832 -exesti -> to give <1325 -didomi -> tribute <2778 -kensos -
> to Caesar <2541 -Kaisar -> , or <2228 -e -> not ?

2316 MAR 012 017 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -
apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Render <0591 -
apodidomi -> to Caesar <2541 -Kaisar -> the things that are
Caesar s <2541 -Kaisar -> , and to God <2316 -theos -> the
things that are God s <{2316} -theos -> . And they marvelled
<2296 -thaumazo -> at <1909 -epi -> him .

2316 MAR 012 017 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -
apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Render <0591 -
apodidomi -> to Caesar <2541 -Kaisar -> the things that are
Caesar s <2541 -Kaisar -> , and to God <{2316} -theos -> the
things that are God s <2316 -theos -> . And they marvelled
<2296 -thaumazo -> at <1909 -epi -> him .

2316 MAR 012 024 And Jesus <2424 -Iesous -> answering <0611 -
apokrinomai -> said <2036 -epo -> unto them , Do ye not
therefore <5124 -touto -> err <4105 -planao -> , because ye
know <1492 -eido -> not the scriptures <1124 -graphe -> ,
neither <3366 -mede -> the power <1411 -dunamis -> of God
<{2316} -theos -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -
nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read
<0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475
-Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God
<2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -
lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> ,
and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the
God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -
nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read
<0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475
-Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God

<2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <2316 -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 026 And as touching <4012 -peri -> the dead <3498 -nekros -> , that they rise <1453 -egeiro -> : have ye not read <0314 -anaginosko -> in the book <0976 -biblos -> of Moses <3475 -Moseus -> , how <5613 -hos -> in the bush <0942 -batos -> God <{2316} -theos -> spake <2036 -epo -> unto him , saying <3004 -lego -> , I [am] the God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> ?

2316 MAR 012 027 He is not the God <2316 -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but the God <{2316} -theos -> of the living <2198 -zao -> : ye therefore <3767 -oun -> do greatly <4183 -polus -> err <4105 -planao -> .

2316 MAR 012 027 He is not the God <{2316} -theos -> of the dead <3498 -nekros -> , but the God <2316 -theos -> of the living <2198 -zao -> : ye therefore <3767 -oun -> do greatly <4183 -polus -> err <4105 -planao -> .

2316 MAR 012 029 And Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> him , The first <4413 -protos -> of all <3956 -pas -> the commandments <1785 -entole -> [is] , Hear <0191 -akouo -> , O Israel <2474 -Israel -> ; The Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> is one <1520 -heis -> Lord <2962 -kurios -> :

2316 MAR 012 030 And thou shalt love <0025 -agapao -> the Lord <2962 -kurios -> thy God <{2316} -theos -> with all <3650 -holos -> thy heart <2588 -kardia -> , and with all <3650 -holos -> thy soul <5590 -psuche -> , and with all <3650 -holos -> thy mind <1271 -dianoia -> , and with all <3650 -holos -> thy strength <2479 -ischus -> : this <3778 -houtos -> [is] the first <4413 -protos -> commandment <1785 -entole -> .

2316 MAR 012 032 And the scribe <1122 -grammateus -> said <2036 -epo -> unto him , Well <2573 -kalos -> , Master <1320 -didaskalos -> , thou hast said <2036 -epo -> the truth <0225 -aletheia -> : for there is one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> ; and there is none <3756 -ou -> other <0243 -allos -> but he :

2316 MAR 012 034 And when Jesus <2424 -Iesous -> saw <1492 -eido -> that he answered <0611 -apokrinomai -> discreetly <3562 -nounechos -> , he said <2036 -epo -> unto him , Thou art <1488 -ei -> not far <3112 -makran -> from the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> . And no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> after <3765 -ouketi -> that durst <5111 -tolmao -> ask <1905 -eperotao -> him [any question] .

2316 MAR 013 019 For [in] those <1565 -ekeinos -> days <2250 -hemera -> shall be affliction <2347 -thlipsis -> , such <3634 -hoios -> as was not from the beginning <0746 -arche -> of

the creation <2937 -ktisis -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> created <2936 -ktizo -> unto this <3568 -nun -> time <3568 -nun -> , neither <3361 -me -> shall be .

2316 MAR 014 025 Verily <0281 -amen -> I say <3004 -lego -> unto you , I will drink <4095 -pino -> no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> of the fruit <1081 -gennema -> of the vine <0288 -ampelos -> , until <2193 -heos -> that day <2250 -hemera -> that I drink <4095 -pino -> it new <2537 -kainos -> in the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 015 034 And at the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0994 -boao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eloi <1682 -eloi -> , Eloi <1682 -eloi -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? which <3739 -hos -> is , being interpreted <3177 -methermeneuo -> , My God <2316 -theos -> , my God <{2316} -theos -> , why <5101 -tis -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAR 015 034 And at the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> Jesus <2424 -Iesous -> cried <0994 -boao -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> , Eloi <1682 -eloi -> , Eloi <1682 -eloi -> , lama <2982 -lama -> sabachthani <4518 -sabachthani -> ? which <3739 -hos -> is , being interpreted <3177 -methermeneuo -> , My God <{2316} -theos -> , my God <2316 -theos -> , why <5101 -tis -> hast thou forsaken <1459 -egkataleipo -> me ?

2316 MAR 015 039 And when the centurion <2760 -kenturion -> , which <3588 -ho -> stood <3936 -paristemi -> over <1727 -enantios -> against <1727 -enantios -> him , saw <1492 -eido -> that he so <3779 -houto -> cried <2896 -krazo -> out , and gave up the ghost <1606 -ekpneo -> , he said <2036 -epo -> , Truly <0230 -alethos -> this <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> was the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 MAR 015 043 Joseph <2501 -Ioseph -> of Arimathaea <0707 -Arimathaia -> , an honourable <2158 -euschemon -> counsellor <1010 -bouleutes -> , which <0846 -autos -> also <2532 -kai -> waited <4327 -prosdechomai -> for the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , came <2064 -erchomai -> , and went <1525 -eiserchomai -> in boldly <5111 -tolmao -> unto Pilate <4091 -Pilatos -> , and craved <0154 -aiteo -> the body <4983 -soma -> of Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 MAR 016 018 They shall take <0142 -airo -> up serpents <3789 -ophis -> ; and if <2579 -kan -> they drink <4095 -pino -> any <5100 -tis -> deadly <2286 -thanasimos -> thing , it shall not hurt <0984 -blapto -> them ; they shall lay <2007 -epitithemi -> hands <5495 -cheir -> on <1909 -epi -> the sick <0732 -arrhostos -> , and they shall recover <2573 -kalos -> . : 19 . So <3303 -men -> then <3767 -oun -> after <3326 -meta -> the Lord <2962 -kurios -> had spoken <2980 -laleo -> unto them , he was received <0353 -analambano -> up into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and sat <2523 -kathizo -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 LUK 001 006 And they were both LUK 0297 -amphoteros - righteous 1342 -dikaios - before 1799 -enopion - God {2316} -theos - , walking 4198 -poreuomai - in all 3956 -pas - the commandments 1785 -entole - and ordinances 1345 -dikaioma - of the Lord 2962 -kurios - blameless 0273 -amemptos - .

2316 LUK 001 008 And it came 1096 -ginomai - to pass , that while 3588 -ho - he executed 2407 -hierateuo - the priest s

2407 -hierateuo - office 2407 -hierateuo - before 1725 - enanti - God {2316} -theos - in the order 5010 -taxis - of his course 2183 -ephemeria - ,

2316 LUK 001 016 And many 4183 -polus - of the children 5207 -huios - of Israel 2474 -Israel - shall he turn 1994 - epistrepho - to the Lord 2962 -kurios - their God {2316} - theos - .

2316 LUK 001 019 And the angel LUK 0032 -aggelos - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - unto him , I am 1510 -eimi - Gabriel 1043 -Gabriel - , that stand 3936 - paristemi - in the presence 1799 -enopion - of God {2316} - theos - ; and am sent LUK 0649 -apostello - to speak 2980 - laleo - unto thee , and to shew 2097 -euaggelizo - thee these 5023 -tauta - glad 2097 -euaggelizo - tidings 2097 - euaggelizo - .

2316 LUK 001 026 . And in the sixth 1623 -hektos - month 3376 -men - the angel 0032 -aggelos - Gabriel 1043 -Gabriel - was sent LUK 0649 -apostello - from God {2316} -theos - unto a city 4172 -polis - of Galilee 1056 -Galilaia - , named 3686 -onoma - Nazareth 3478 -Nazareth - ,

2316 LUK 001 030 And the angel LUK 0032 -aggelos - said 2036 -epo - unto her , Fear 5399 -phobeo - not , Mary 3137 - Maria - : for thou hast found 2147 -heurisko - favour 5485 - charis - with God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 032 He shall be great 3173 -megas - , and shall be called 2564 -kaleo - the Son 5207 -huios - of the Highest 5310 -hupsistos - : and the Lord 2962 -kurios - God {2316} - theos - shall give 1325 -didomi - unto him the throne 2362 - thronos - of his father 3962 -pater - David 1138 -Dabid - :

2316 LUK 001 035 And the angel LUK 0032 -aggelos - answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto her , The Holy LUK 0040 -hagios - Ghost 4151 -pneuma - shall come 1904 -eperchomai - upon thee , and the power 1411 -dunamis - of the Highest 5310 -hupsistos - shall overshadow 1982 -episkiazo - thee : therefore 1352 -dio - also 2532 -kai - that holy LUK 0040 -hagios - thing which shall be born 1080 -gennao - of thee shall be called 2564 -kaleo - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 037 For with God {2316} -theos - nothing 4487 - rhema - shall be impossible LUK 0101 -adunateo - .

2316 LUK 001 047 And my spirit 4151 -pneuma - hath rejoiced LUK 0021 -agalliao - in God {2316} -theos - my Saviour 4990 - soter - .

2316 LUK 001 064 And his mouth 4750 -stoma - was opened LUK 0455 -anoigo - immediately 3916 -parachrema - , and his tongue 1100 -glossa - [loosed] , and he spake 2980 - laleo - , and praised 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 001 068 Blessed 2128 -eulogetos - [be] the Lord 2962 -kurios - God {2316} -theos - of Israel 2474 -Israel - ; for he hath visited 1980 -episkeptomai - and redeemed 3085 - lutrosis - his people 2992 -laos - ,

2316 LUK 001 078 Through 1223 -dia - the tender 4698 - splagchnon - mercy 1656 -eleos - of our God {2316} -theos - ; whereby 3739 -hos - the dayspring LUK 0395 -anatole - from on high 5311 -hupsos - hath visited 1980 -episkeptomai - us ,

2316 LUK 002 013 And suddenly 1810 -exaiphnes - there was with the angel 0032 -aggelos - a multitude 4128 -plethos - of the heavenly 3770 -ouranios - host 4756 -stratia - praising LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - , and saying 3004 -lego - ,

2316 LUK 002 014 Glory 1391 -doxa - to God {2316} -theos - in the highest 5310 -hupsistos - , and on 1909 -epi - earth 1093 -ge - peace 1515 -eirene - , good 2107 -eudokia - will 2107 -eudokia - toward 1722 -en - men LUK 0444 -anthropos - .

2316 LUK 002 020 And the shepherds 4166 -poimen - returned 1994 -epistrepho - , glorifying 1392 -doxazo - and praising LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - for all 3956 -pas - the things that they had heard LUK 0191 -akouo - and seen 1492 -eido - , as it was told 2980 -laleo - unto them .

2316 LUK 002 028 Then 2532 -kai - took 1209 -dechomai - he him up in his arms 0043 -agkale - , and blessed 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - , and said 2036 -epo - ,

2316 LUK 002 040 And the child 3813 -paidion - grew LUK 0837 -auzano - , and waxed 2901 -krataioo - strong 2901 -krataioo - in spirit 4151 -pneuma - , filled 4137 -pleroo - with wisdom 4678 -sophia - : and the grace 5485 -charis - of God {2316} -theos - was upon him .

2316 LUK 002 052 And Jesus 2424 -Iesous - increased 4298 -prokopto - in wisdom 4678 -sophia - and stature 2244 -helikia - , and in favour 5485 -charis - with God {2316} -theos - and man LUK 0444 -anthropos - .

2316 LUK 003 002 Annas LUK 0452 -Annas - and Caiaphas 2533 -Kaiaphas - being 1909 -epi - the high LUK 0749 -archiereus - priests LUK 0749 -archiereus - , the word 4487 -rhema - of God {2316} -theos - came 1096 -ginomai - unto John 2491 -Ioannes - the son 5027 -taphe - of Zacharias 2197 -Zacharias - in the wilderness 2048 -eremos - .

2316 LUK 003 006 And all 3956 -pas - flesh 4561 -sarx - shall see 3700 -optanomai - the salvation 4992 -soterion - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 003 008 Bring 4160 -poieo - forth 4160 -poieo - therefore 3767 -oun - fruits 2590 -karpos - worthy LUK 0514 -axios - of repentance 3341 -metanoia - , and begin LUK 0756 -archomai - not to say 3004 -lego - within 1722 -en - yourselves 1438 -heautou - , We have 2192 -echo - Abraham LUK 0011 -Abraam - to [our] father 3962 -pater - : for I say 3004 -lego - unto you , That God {2316} -theos - is able 1410 -dunamai - of these 5130 -touton - stones 3037 -lithos - to raise 1453 -egeiro - up children 5043 -teknon - unto Abraham 11 .

2316 LUK 003 038 Which was [the son] of Enos 1800 -Enos - , which was [the son] of Seth 4589 -Seth - , which was [the son] of Adam LUK 0076 -Adam - , which was [the son] of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 003 And the devil 1228 -diabolos - said 2036 -epo - unto him , If 1487 -ei - thou be the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - , command 2036 -epo - this 5129 -toutoi - stone 3037 -lithos - that it be made 1096 -ginomai - bread LUK 0740 -artos - .

2316 LUK 004 004 And Jesus 2424 -Iesous - answered LUK 0611 -apokrinomai - him , saying 3004 -lego - , It is written 1125 -grapho - , That man LUK 0444 -anthropos - shall not live 2198 -zao - by bread LUK 0740 -artos - alone 3441 -monos - , but by every 3956 -pas - word 4487 -rhema - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 008 And Jesus 2424 -Iesous - answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto him , Get 5217 -hupago - thee behind 3694 -opiso - me , Satan 4567 -Satanas - : for it is written 1125 -grapho - , Thou shalt worship 4352 -proskuneo - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - , and him only 3441 -monos - shalt thou serve 3000 -latreuo - .

2316 LUK 004 009 And he brought LUK 0071 -ago - him to Jerusalem 2419 -Hierousalem - , and set 2476 -histemi - him on 1909 -epi - a pinnacle 4419 -pterugion - of the temple 2411 -hieron - , and said 2036 -epo - unto him , If 1487 -ei - thou be the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - , cast LUK 0906 -ballo - thyself 4572 -seautou - down 2736 -kato - from hence 1782 -enteuthen - :

2316 LUK 004 012 And Jesus 2424 -Iesous - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - unto him , It is said 2046 -ereo - , Thou shalt not tempt 1598 -ekpeirazo - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 034 Saying 3004 -lego - , Let 1439 -eao - [us] alone 1439 -eao - ; what 5101 -tis - have we to do with thee , [thou] Jesus 2424 -Iesous - of Nazareth 3478 -Nazareth - ? art thou come 2064 -erchomai - to destroy 0622 -apollumi - us ? I know 1492 -eido - thee who 5101 -tis - thou art 1488 -ei - ; the Holy LUK 0040 -hagios - One of God {2316} -theos - .

2316 LUK 004 041 And devils 1140 -daimonion - also 2532 -kai - came 1831 -exerchomai - out of many 4183 -polus - , crying 2896 -krazo - out , and saying 3004 -lego - , Thou art 1488 -ei - Christ 5547 -Christos - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - . And he rebuking 2008 -epitimao - [them] suffered 1439 -eao - them not to speak 2980 -laleo - : for they knew that he was Christ 5547 -Christos - .

2316 LUK 004 043 And he said 2036 -epo - unto them , I must 1163 -dei - preach 2097 -euaggelizo - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - to other 2087 -heteros - cities 4172 -polis - also 2532 -kai - : for therefore 5124 -touto - am I sent LUK 0649 -apostello - .

2316 LUK 005 001 . And it came 1096 -ginomai - to pass , that , as the people 3793 -ochlos - pressed 1945 -epikeimai - upon him to hear 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , he stood 2476 -histemi - by the lake 3041 -limne - of Gennesaret 1082 -Gennesaret - ,

2316 LUK 005 021 And the scribes 1122 -grammateus - and the Pharisees 5330 -Pharisaios - began LUK 0756 -archomai - to reason 1260 -dialogizomai - , saying 3004 -lego - , Who 5101 -tis - is this 3778 -houtos - which 3739 -hos - speaketh 2980 -laleo - blasphemies 0988 -blasphemia - ? Who 5101 -tis - can 1410 -dunamai - forgive 0863 -aphiemi - sins LUK 0266 -hamartia - , but God {2316} -theos - alone 3441 -monos - ?

2316 LUK 005 025 And immediately 3916 -parachrema - he rose LUK 0450 -anistemi - up before 1799 -enopion - them , and took LUK 0142 -airo - up that whereon 3739 -hos - he lay 2621 -katakeimai - , and departed LUK 0565 -aperchomai - to his own house 3624 -oikos - , glorifying 1392 -doxazo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 005 026 And they were all LUK 0537 -hapas - amazed 2983 -lambano - , and they glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - , and were filled 4130 -pletho - with fear 5401 -phobos - , saying 3004 -lego - , We have seen 1492 -eido - strange 3861 -paradoxos - things to day 4594 -semeron - .

2316 LUK 006 004 How 5613 -hos - he went 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the house 3624 -oikos - of God {2316} -theos - , and did take 2983 -lambano - and eat 5315 -phago - the shewbread 4286 -prothesis - , and gave 1325 -didomi - also 2532 -kai - to them that were with him ; which it is not lawful 1832 -exesti - to eat 5315 -phago - but for the priests 2409 -hiereus - alone 3441 -monos - ?

2316 LUK 006 012 . And it came 1096 -ginomai - to pass in those 5025 -tautais - days 2250 -hemera - , that he went 1831 -exerchomai - out into 1519 -eis - a mountain 3735 -oros - to pray 4336 -proseuchomai - , and continued 1273 -dianuktereuo - all 1273 -dianuktereuo - night 1273 -dianuktereuo - in prayer 4335 -proseuche - to God {2316} -theos - .

2316 LUK 006 020 . And he lifted 1869 -epairo - up his eyes 3788 -ophthalmos - on 1519 -eis - his disciples 3101 -mathetes - , and said 3004 -lego - , Blessed 3107 -makarios - [be ye] poor 4434 -ptochos - : for yours 5212 -humeteros - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 007 016 And there came 2983 -lambano - a fear 5401 -phobos - on all 0537 -hapas - : and they glorified 1392 -doxazo - God 2316 -theos - , saying 3004 -lego - , That a great 3173 -megas - prophet 4396 -prophetes - is risen 1453 -egeiro - up among 1722 -en - us ; and , That God {2316} -theos - hath visited 1980 -episkeptomai - his people 2992 -laos - .

2316 LUK 007 016 And there came 2983 -lambano - a fear 5401 -phobos - on all 0537 -hapas - : and they glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - , saying 3004 -lego - , That a great 3173 -megas - prophet 4396 -prophetes - is risen 1453 -egeiro - up among 1722 -en - us ; and , That God 2316 -theos - hath visited 1980 -episkeptomai - his people 2992 -laos - .

2316 LUK 007 028 For I say 3004 -lego - unto you , Among 1722 -en - those that are born 1084 -gennetos - of women 1135 -gune - there is not a greater 3187 -meizon - prophet 4396 -prophetes - than 3844 -para - John 2491 -Ioannes - the Baptist LUK 0910 -Baptistes - : but he that is least 3398 -mikros - in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is greater 3187 -meizon - than 3844 -para - he .

2316 LUK 007 029 And all 3956 -pas - the people 2992 -laos - that heard 0191 -akouo - [him] , and the publicans 5052 -telesphoreo - , justified 1344 -dikaioo - God {2316} -theos - , being baptized LUK 0907 -baptizo - with the baptism LUK 0908 -baptisma - of John 2491 -Ioannes - .

2316 LUK 007 030 But the Pharisees 5330 -Pharisaios - and lawyers 3544 -nomikos - rejected LUK 0114 -atheteo - the counsel 1012 -boule - of God {2316} -theos - against 1519 - eis - themselves 1438 -heautou - , being not baptized LUK 0907 -baptizo - of him .

2316 LUK 008 001 . And it came 1096 -ginomai - to pass afterward 2517 -kathexes - , that he went 1353 -diodeuo - throughout 2596 -kata - every 2596 -kata - city 4172 -polis - and village 2968 -kome - , preaching 2784 -kerusso - and shewing the glad 2097 -euaggelizo - tidings 2097 -euaggelizo - of the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - : and the twelve 1427 -dodeka - [were] with him ,

2316 LUK 008 010 And he said 2036 -epo - , Unto you it is given 1325 -didomi - to know 1097 -ginosko - the mysteries 3466 -musterion - of the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - : but to others 3062 -loipoy - in parables 3850 -parabole - ; that seeing LUK 0991 -blepo - they might not see LUK 0991 -blepo - , and hearing LUK 0191 -akouo - they might not understand 4920 -suniemi - .

2316 LUK 008 011 Now 1161 -de - the parable 3850 -parabole - is this 3778 -houtos - : The seed 4703 -sporos - is the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 008 021 And he answered LUK 0611 -apokrinomai - and said 2036 -epo - unto them , My mother 3384 -meter - and my brethren LUK 0080 -adephos - are these 3778 -houtos - which 3588 -ho - hear LUK 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , and do 4160 -poieo - it .

2316 LUK 008 028 When he saw 1492 -eido - Jesus 2424 -Iesous - , he cried 0349 -anakrazo - out , and fell 4363 - prospipto - down before 4363 -prospipto - him , and with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - said 2036 -epo - , What 5101 -tis - have I to do with thee , Jesus 2424 -Iesous - , [thou] Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - most 5310 -hupsistos - high 5310 -hupsistos - ? I beseech 1189 -deomai - thee , torment LUK 0928 -basanizo - me not .

2316 LUK 008 039 Return 5290 -hupostrepho - to thine 4675 - sou - own house 3624 -oikos - , and shew 1334 -diegeomai - how 3745 -hosos - great 3745 -hosos - things God {2316} - theos - hath done 4160 -poieo - unto thee . And he went LUK 0565 -aperchomai - his way , and published 2784 -kerusso - throughout 2596 -kata - the whole 3650 -holos - city 4172 - polis - how 3745 -hosos - great 3745 -hosos - things Jesus 2424 -Iesous - had done 4160 -poieo - unto him .

2316 LUK 009 002 And he sent LUK 0649 -apostello - them to preach 2784 -kerusso - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and to heal 2390 -iaomai - the sick LUK 0770 -astheneo - .

2316 LUK 009 011 And the people 3793 -ochlos - , when they knew 1097 -ginosko - [it] , followed LUK 0190 -akoloutheo - him : and he received 1209 -dechomai - them , and spake 2980 -laleo - unto them of the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and healed 2390 -iaomai - them that had 2192 -echo - need 5532 -chreia - of healing 2322 - therapeia - .

2316 LUK 009 020 He said 2036 -epo - unto them , But whom 5101 -tis - say 3004 -lego - ye that I am 1511 -einai - ?

Peter 4074 -Petros - answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - , The Christ 5547 -Christos - of God {2316} - theos - .

2316 LUK 009 027 But I tell 3004 -lego - you of a truth LUK 0230 -alethos - , there be some 5100 -tis - standing 2476 - histemi - here 5602 -hode - , which 3739 -hos - shall not taste 1089 -geuomai - of death 2288 -thanatos - , till 2193 -heos - they see 1492 -eido - the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 009 043 . And they were all 3956 -pas - amazed 1605 -ekplesso - at 1909 -epi - the mighty 3168 -megaleiotes - power 3168 -megaleiotes - of God {2316} -theos - . But while they wondered 2296 -thaumazo - every 3956 -pas - one 3956 -pas - at 1909 -epi - all 3956 -pas - things which 3739 -hos - Jesus 2424 -Iesous - did 4160 -poieo - , he said 2036 -epo - unto his disciples 3101 -mathetes - ,

2316 LUK 009 060 Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , Let 0863 -aphiemi - the dead 3498 -nekros - bury 2290 -thapto - their dead 3498 -nekros - : but go LUK 0565 - aperchomai - thou and preach 1229 -diaggello - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 009 062 And Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , No 3762 -oudeis - man 3762 -oudeis - , having put 1911 -epiballo - his hand 5495 -cheir - to the plough LUK 0723 -arotron - , and looking 0991 -blepo - back 3694 - opiso - , is fit 2111 -euthetos - for the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 010 009 And heal 2323 -therapeuo - the sick LUK 0772 -asthenes - that are therein LUK 0846 -autos - , and say 3004 -lego - unto them , The kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - unto you .

2316 LUK 010 011 Even 2532 -kai - the very dust 2868 - koniortos - of your 5216 -humon - city 4172 -polis - , which 3588 -ho - cleaveth 2853 -kollao - on us , we do wipe LUK 0631 -apomassomai - off 0631 -apomassomai - against you : notwithstanding 4133 -plen - be ye sure 1097 -ginosko - of this 5124 -touto - , that the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - unto you .

2316 LUK 010 027 And he answering LUK 0611 -apokrinomai - said 2036 -epo - , Thou shalt love LUK 0025 -agapao - the Lord 2962 -kurios - thy God {2316} -theos - with all 3650 - holos - thy heart 2588 -kardia - , and with all 3650 -holos - thy soul 5590 -psuche - , and with all 3650 -holos - thy strength 2479 -ischus - , and with all 3650 -holos - thy mind 1271 -dianoia - ; and thy neighbour 4139 -plesion - as thyself 4572 -seautou - .

2316 LUK 011 020 But if 1487 -ei - I with the finger 1147 - daktulos - of God 2316 -theos - cast 1544 -ekballo - out devils 1140 -daimonion - , no 0686 -ara - doubt LUK 0686 - ara - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is come 5348 -phthano - upon you .

2316 LUK 011 020 But if 1487 -ei - I with the finger 1147 - daktulos - of God {2316} -theos - cast 1544 -ekballo - out devils 1140 -daimonion - , no 0686 -ara - doubt LUK 0686 - ara - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God 2316 -theos -

is come 5348 -phthano - upon you .

2316 LUK 011 028 But he said 2036 -epo - , Yea 3304 -menounge - rather 3304 -menounge - , blessed 3107 -makarios - [are] they that hear 0191 -akouo - the word 3056 -logos - of God {2316} -theos - , and keep 5442 -phulasso - it .

2316 LUK 011 042 But woe 3759 -ouai - unto you , Pharisees 5330 -Pharisaios - ! for ye tithe LUK 0586 -apodekatoo - mint 2238 -heduosmon - and rue 4076 -peganon - and all 3956 -pas - manner of herbs 3001 -lachanon - , and pass 3928 -parerchomai - over 3928 -parerchomai - judgment 2920 -krisis - and the love LUK 0026 -agape - of God {2316} -theos - : these 5023 -tauta - ought 1163 -dei - ye to have done 4160 -poieo - , and not to leave LUK 0863 -aphiemi - the other 2548 -kakeinos - undone .

2316 LUK 011 049 Therefore also 2532 -kai - said 2036 -epo - the wisdom 4678 -sophia - of God {2316} -theos - , I will send LUK 0649 -apostello - them prophets 4396 -prophetes - and apostles LUK 0652 -apostolos - , and [some] of them they shall slay LUK 0615 -apokteino - and persecute 1559 -ekdioko - :

2316 LUK 012 006 Are not five 4002 -pente - sparrows 4765 -strouthion - sold 4453 -poleo - for two 1417 -duo - farthings LUK 0787 -assarion - , and not one 1520 -heis - of them is forgotten 1950 -epilanthanomai - before 1799 -enopion - God {2316} -theos - ?

2316 LUK 012 008 Also 1161 -de - I say 3004 -lego - unto you , Whosoever LUK 0302 -an - shall confess 3670 -homologeo - me before 1715 -emprosthen - men 0444 -anthropos - , him shall the Son 5207 -huios - of man 0444 -anthropos - also 2532 -kai - confess 3670 -homologeo - before 1715 -emprosthen - the angels LUK 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - :

2316 LUK 012 009 But he that denieth LUK 0720 -arneomai - me before 1799 -enopion - men 0444 -anthropos - shall be denied LUK 0533 -aparneomai - before 1799 -enopion - the angels LUK 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 012 020 But God {2316} -theos - said 2036 -epo - unto him , [Thou] fool 0878 -aphron - , this 5026 -taute - night 3571 -nux - thy soul 5590 -psuche - shall be required LUK 0523 -apaiteo - of thee : then 1161 -de - whose 5101 -tis - shall those things be , which 3739 -hos - thou hast provided 2090 -hetoimazo - ?

2316 LUK 012 021 So 3779 -houto - [is] he that layeth up treasure 2343 -thesaurizo - for himself 1438 -heautou - , and is not rich 4147 -plouteo - toward 1519 -eis - God {2316} -theos - .

2316 LUK 012 024 Consider 2657 -katanoeo - the ravens 2876 -korax - : for they neither 3756 -ou - sow 4687 -speiro - nor 3761 -oude - reap 2325 -therizo - ; which 3739 -hos - neither 3756 -ou - have 2076 -esti - storehouse 5009 -tameion - nor 3761 -oude - barn 0596 -apotheke - ; and God {2316} -theos - feedeth 5142 -trepho - them : how 4214 -posos - much 4214 -posos - more 3123 -mallon - are ye better 1308 -diaphero - than the fowls 4071 -peteinon - ?

2316 LUK 012 028 If 1487 -ei - then 1161 -de - God {2316} -theos - so 3779 -houto - clothe LUK 0294 -amphiennumi - the grass 5528 -chortos - , which is to day 4594 -semeron - in

the field LUK 0068 -agros - , and to morrow 0839 -aurion - is cast LUK 0906 -ballo - into 1519 -eis - the oven 2823 - klibanos - ; how 4214 -posos - much 4214 -posos - more 3123 -mallon - [will he clothe] you , O ye of little 3640 - oligopistos - faith 3640 -oligopistos - ?

2316 LUK 012 031 But rather 4133 -plen - seek 2212 -zeteo - ye the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - ; and all 3956 -pas - these 5023 -tauta - things shall be added 4369 -prostithemi - unto you .

2316 LUK 013 013 And he laid 2007 -epitithemi - [his] hands 5495 -cheir - on 2007 -epitithemi - her : and immediately 3916 -parachrema - she was made LUK 0461 - anorthoo - straight LUK 0461 -anorthoo - , and glorified 1392 -doxazo - God {2316} -theos - .

2316 LUK 013 018 . Then 1161 -de - said 3004 -lego - he , Unto what 5101 -tis - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - like 3664 -homoios - ? and whereunto 5101 -tis - shall I resemble 3666 -homoioo - it ?

2316 LUK 013 020 And again 3825 -palin - he said 2036 -epo - , Whereunto 5101 -tis - shall I liken 3666 -homoioo - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - ?

2316 LUK 013 028 There 1563 -ekei - shall be weeping 2805 - klauthmos - and gnashing 1030 -brugmos - of teeth 3599 -odous - , when 3752 -hotan - ye shall see 3700 -optanomai - Abraham 11 , and Isaac 2464 -Isaak - , and Jacob 2384 - Iakob - , and all 3956 -pas - the prophets 4396 -prophetes - , in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - , and you [yourselves] thrust 1544 -ekballo - out .

2316 LUK 013 029 And they shall come 2240 -heko - from the east LUK 0395 -anatole - , and [from] the west 1424 - dusme - , and from the north 1005 -borrhas - , and [from] the south 3558 -notos - , and shall sit LUK 0347 - anaklino - down LUK 0347 -anaklino - in the kingdom LUK 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 014 015 . And when one 5100 -tis - of them that sat 4873 -sunanakeimai - at 4873 -sunanakeimai - meat with him heard LUK 0191 -akouo - these 5023 -tauta - things , he said 2036 -epo - unto him , Blessed 3107 -makarios - [is] he that shall eat 5315 -phago - bread 0740 -artos - in the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 015 010 Likewise 3779 -houto - , I say 3004 -lego - unto you , there is joy 5479 -chara - in the presence 1799 - enopion - of the angels 0032 -aggelos - of God {2316} -theos - over 1909 -epi - one 1520 -heis - sinner LUK 0268 - hamartolos - that repenteth 3340 -metanoeo - .

2316 LUK 016 013 No 3762 -oudeis - servant 3610 -oiketes - can 1410 -dunamai - serve 1398 -douleuo - two 1417 -duo - masters 2962 -kurios - : for either 2228 -e - he will hate 3404 -miseo - the one 1520 -heis - , and love LUK 0025 - agapao - the other 2087 -heteros - ; or 2228 -e - else he will hold LUK 0472 -antechomai - to the one 1520 -heis - , and despise 2706 -kataphroneo - the other 2087 -heteros - . Ye cannot 1410 -dunamai - serve 1398 -douleuo - God {2316} - theos - and mammon 3126 -mammonas - .

2316 LUK 016 015 And he said 2036 -epo - unto them , Ye are they which 3588 -ho - justify 1344 -dikaioo - yourselves

1438 -heautou - before 1799 -enopion - men LUK 0444 - anthropos - ; but God 2316 -theos - knoweth 1097 -ginosko - your 5216 -humon - hearts 2588 -kardia - : for that which is highly 5308 -hupselos - esteemed among 1722 -en - men 0444 -anthropos - is abomination LUK 0946 -bdelugma - in the sight 1799 -enopion - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 016 015 And he said 2036 -epo - unto them , Ye are they which 3588 -ho - justify 1344 -dikaioo - yourselves 1438 -heautou - before 1799 -enopion - men LUK 0444 - anthropos - ; but God {2316} -theos - knoweth 1097 -ginosko - your 5216 -humon - hearts 2588 -kardia - : for that which is highly 5308 -hupselos - esteemed among 1722 -en - men 0444 -anthropos - is abomination LUK 0946 -bdelugma - in the sight 1799 -enopion - of God 2316 -theos - .

2316 LUK 016 016 The law 3551 -nomos - and the prophets 4396 -prophetes - [were] until 2193 -heos - John 2491 - Ioannes - : since LUK 0575 -apo - that time 5119 -tote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is preached 2097 -euaggelizo - , and every 3956 -pas - man presseth 0971 -biazo - into 1519 -eis - it .

2316 LUK 017 015 And one 1520 -heis - of them , when he saw 1492 -eido - that he was healed 2390 -iaomai - , turned 5290 -hupostrepho - back 5290 -hupostrepho - , and with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - glorified 1392 - doxazo - God {2316} -theos - ,

2316 LUK 017 018 There are not found 2147 -heurisko - that returned 5290 -hupostrepho - to give 1325 -didomi - glory 1391 -doxa - to God {2316} -theos - , save 1508 -ei me - this 3778 -houtos - stranger 0241 -allogenes - .

2316 LUK 017 020 . And when he was demanded 1905 -eperotao - of the Pharisees 5330 -Pharisaios - , when 4218 -pote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God 2316 -theos - should come 2064 -erchomai - , he answered 0611 -apokrinomai - them and said 2036 -epo - , The kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - cometh 2064 -erchomai - not with observation 3907 -parateresis - :

2316 LUK 017 020 . And when he was demanded 1905 -eperotao - of the Pharisees 5330 -Pharisaios - , when 4218 -pote - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - should come 2064 -erchomai - , he answered 0611 -apokrinomai - them and said 2036 -epo - , The kingdom 0932 -basileia - of God 2316 -theos - cometh 2064 -erchomai - not with observation 3907 -parateresis - :

2316 LUK 017 021 Neither 3761 -oude - shall they say 2046 - ereo - , Lo 2400 -idou - here 5602 -hode - ! or 2228 -e - , lo 2400 -idou - there 1563 -ekei - ! for , behold 2400 -idou - , the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is within 1787 -entos - you .

2316 LUK 018 002 Saying 3004 -lego - , There was in a city 4172 -polis - a judge 2923 -krites - , which feared 5399 - phobeo - not God {2316} -theos - , neither 3366 -mede - regarded 1788 -entrepo - man LUK 0444 -anthropos - :

2316 LUK 018 004 And he would 2309 -thelo - not for a while 5550 -chronos - : but afterward 5023 -tauta - he said 2036 - epo - within 1722 -en - himself 1438 -heautou - , Though 1499 -ei kai - I fear 5399 -phobeo - not God {2316} -theos - , nor 3756 -ou - regard 1788 -entrepo - man 0444 -anthropos

- ;

2316 LUK 018 007 And shall not God {2316} -theos - avenge 1557 -ekdikesis - his own elect 1588 -eklektos - , which 3588 -ho - cry LUK 0994 -boao - day 2250 -hemera - and night 3571 -nux - unto him , though 2532 -kai - he bear 3114 -makrothumeo - long 3114 -makrothumeo - with them ?

2316 LUK 018 011 The Pharisee 5330 -Pharisaios - stood 2476 -histemi - and prayed 4336 -proseuchomai - thus 5023 -tauta - with himself 1438 -heautou - , God {2316} -theos - , I thank 2168 -eucharisteo - thee , that I am 1510 -eimi - not as other 3062 -loipoy - men LUK 0444 -anthropos - [are] , extortioners LUK 0727 -harpax - , unjust LUK 0094 -adikos - , adulterers 3432 -moichos - , or 2228 -e - even 2532 -kai - as this 3778 -houtos - publican 5057 -telones - .

2316 LUK 018 013 And the publican 5057 -telones - , standing 2476 -histemi - afar 3113 -makrothen - off , would 2309 -thelo - not lift 1869 -epairo - up so 3761 -oude - much 3761 -oude - as [his] eyes 3788 -ophthalmos - unto heaven 3772 -ouranos - , but smote 5180 -tupto - upon his breast 4738 -stethos - , saying 3004 -lego - , God {2316} -theos - be merciful 2433 -hilaskomai - to me a sinner LUK 0268 -hamartolos - .

2316 LUK 018 016 But Jesus 2424 -Iesous - called 4341 -proskaleomai - them [unto him] , and said 2036 -epo - , Suffer LUK 0863 -aphiemi - little 3813 -paidion - children 3813 -paidion - to come 2064 -erchomai - unto me , and forbid 2967 -koluo - them not : for of such 5108 -toioutos - is the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 017 Verily LUK 0281 -amen - I say 3004 -lego - unto you , Whosoever 1437 -ean - shall not receive 1209 -dechomai - the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - as a little 3813 -paidion - child 3813 -paidion - shall in no 3364 -ou me - wise enter 1525 -eiserchomai - therein LUK 0846 -autos - .

2316 LUK 018 019 And Jesus 2424 -Iesous - said 2036 -epo - unto him , Why 5101 -tis - callest 3004 -lego - thou me good LUK 0018 -agathos - ? none 3762 -oudeis - [is] good LUK 0018 -agathos - , save 1508 -ei me - one 1520 -heis - , [that is] , God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 024 And when Jesus 2424 -Iesous - saw 1492 -eido - that he was very 4036 -perilupos - sorrowful 4036 -perilupos - , he said 2036 -epo - , How 4459 -pos - hardly 1423 -duskolos - shall they that have 2192 -echo - riches 5536 -chrema - enter 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - !

2316 LUK 018 025 For it is easier 2123 -eukopoteros - for a camel 2574 -kamelos - to go 1525 -eiserchomai - through 1223 -dia - a needle s 4476 -rhaphis - eye 5168 -trumalia - , than 2228 -e - for a rich 4145 -plousios - man to enter 1525 -eiserchomai - into 1519 -eis - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 027 And he said 2036 -epo - , The things which are impossible 0102 -adunatos - with men LUK 0444 -anthropos - are possible 1415 -dunatos - with God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 029 And he said 2036 -epo - unto them , Verily

LUK 0281 -amen - I say 3004 -lego - unto you , There is no 3762 -oudeis - man 3762 -oudeis - that hath left LUK 0863 - aphiemi - house 3614 -oikia - , or 2228 -e - parents 1118 - goneus - , or 2228 -e - brethren LUK 0080 -adephos - , or 2228 -e - wife 1135 -gune - , or 2228 -e - children 5043 - teknon - , for the kingdom LUK 0932 -basileia - of God s {2316} -theos - sake 1752 -heneka - ,

2316 LUK 018 043 And immediately 3916 -parachrema - he received LUK 0308 -anablepo - his sight LUK 0308 -anablepo - , and followed LUK 0190 -akoloutheo - him , glorifying 1392 - doxazo - God 2316 -theos - : and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - , when they saw 1492 -eido - [it] , gave 1325 -didomi - praise LUK 0136 -ainos - unto God {2316} -theos - .

2316 LUK 018 043 And immediately 3916 -parachrema - he received LUK 0308 -anablepo - his sight LUK 0308 -anablepo - , and followed LUK 0190 -akoloutheo - him , glorifying 1392 - doxazo - God {2316} -theos - : and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - , when they saw 1492 -eido - [it] , gave 1325 -didomi - praise LUK 0136 -ainos - unto God 2316 - theos - .

2316 LUK 019 011 . And as they heard LUK 0191 -akouo - these 5023 -tauta - things , he added 4369 -prostithemi - and spake 2036 -epo - a parable 3850 -parabole - , because 1223 -dia - he was nigh 1451 -eggus - to Jerusalem 2419 - Hierousalem - , and because they thought 1380 -dokeo - that the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - should 3195 -mello - immediately 3916 -parachrema - appear LUK 0398 -anaphaino - .

2316 LUK 019 037 And when he was come 1448 -eggizo - nigh 1448 -eggizo - , even 2536 -Kainan - now 2236 -hedista - at 4314 -pros - the descent 2600 -katabasis - of the mount 3735 -oros - of Olives 1636 -elaia - , the whole LUK 0537 -hapas - multitude 4128 -plethos - of the disciples 3101 -mathetes - began LUK 0756 -archomai - to rejoice 5463 -chairo - and praise LUK 0134 -aineo - God {2316} -theos - with a loud 3173 -megas - voice 5456 -phone - for all 3956 -pas - the mighty 1411 -dunamis - works that they had seen 1492 -eido - ;

2316 LUK 020 021 And they asked 1905 -eperotao - him , saying 3004 -lego - , Master 1320 -didaskalos - , we know 1492 -eido - that thou sayest 3004 -lego - and teachest 1321 - didasko - rightly 3723 -orthos - , neither 3756 -ou - acceptest 2983 -lambano - thou the person 4383 -prosopon - [of any] , but teachest 1321 -didasko - the way 3598 -hodos - of God {2316} -theos - truly LUK 0225 -aletheia - :

2316 LUK 020 025 And he said 2036 -epo - unto them , Render LUK 0591 -apodidomi - therefore 5106 -toinun - unto Caesar 2541 -Kaisar - the things which be Caesar s 2541 -Kaisar - , and unto God 2316 -theos - the things which be God s {2316} - theos - .

2316 LUK 020 025 And he said 2036 -epo - unto them , Render LUK 0591 -apodidomi - therefore 5106 -toinun - unto Caesar 2541 -Kaisar - the things which be Caesar s 2541 -Kaisar - , and unto God {2316} -theos - the things which be God s 2316 - theos - .

2316 LUK 020 036 Neither 3777 -oute - can 1410 -dunamai - they die 0599 -apothnesko - any 2089 -eti - more 2089 -eti -

: for they are equal 2465 -isaggelos - unto the angels 2465 -isaggelos - ; and are the children 5207 -huios - of God {2316} -theos - , being 5607 -on - the children 5207 -huios - of the resurrection LUK 0386 -anastasis - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God 2316 -theos - of Abraham 11 , and the God 2316 -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God {2316} -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God 2316 -theos - of Abraham 11 , and the God {2316} -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God 2316 -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 037 Now 1161 -de - that the dead 3498 -nekros - are raised 1453 -egeiro - , even 2532 -kai - Moses 3475 - Moseus - shewed 3377 -menuo - at 1909 -epi - the bush LUK 0942 -batos - , when 5613 -hos - he calleth 3004 -lego - the Lord 2962 -kurios - the God {2316} -theos - of Abraham 11 , and the God 2316 -theos - of Isaac 2464 -Isaak - , and the God 2316 -theos - of Jacob 2384 -Iakob - .

2316 LUK 020 038 For he is not a God {2316} -theos - of the dead 3498 -nekros - , but of the living 2198 -zao - : for all 3956 -pas - live 2198 -zao - unto him .

2316 LUK 021 004 For all LUK 0537 -hapas - these 3778 - houtos - have of their abundance 4052 -perisseuo - cast LUK 0906 -ballo - in unto the offerings 1435 -doron - of God {2316} -theos - : but she of her penury 5303 -husterema - hath cast LUK 0906 -ballo - in all LUK 0537 -hapas - the living LUK 0979 -bios - that she had 2192 -echo - .

2316 LUK 021 031 So 3779 -houto - likewise 2532 -kai - ye , when 3752 -hotan - ye see 1492 -eido - these 5023 -tauta - things come 1096 -ginomai - to pass , know 1097 -ginosko - ye that the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - is nigh 1451 -eggus - at 1451 -eggus - hand .

2316 LUK 022 016 For I say 3004 -lego - unto you , I will not any 3765 -ouketi - more 3765 -ouketi - eat 5315 -phago - thereof LUK 0846 -autos - , until 2193 -heos - it be fulfilled 4137 -pleroo - in the kingdom 0932 -basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 022 018 For I say 3004 -lego - unto you , I will not drink 4095 -pino - of the fruit 1081 -gennema - of the vine LUK 0288 -ampelos - , until 2193 -heos - the kingdom LUK 0932 -basileia - of God {2316} -theos - shall come 2064 - erchomai - .

2316 LUK 022 069 Hereafter 3568 -nun - shall the Son 5207 - huios - of man 0444 -anthropos - sit 2521 -kathemai - on 1537 -ek - the right 1188 -dexios - hand of the power 1411 - dunamis - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 022 070 Then 1161 -de - said 5346 -phemi - they all 3956 -pas - , Art 1488 -ei - thou then 3767 -oun - the Son 5207 -huios - of God {2316} -theos - ? And he said 2036

-epo - unto them , Ye say 3004 -lego - that I am 1510 -eimi - .

2316 LUK 023 035 And the people 2992 -laos - stood 2476 - histemi - beholding 2334 -theoreo - . And the rulers LUK 0758 -archon - also 2532 -kai - with them derided 1592 - ekmukterizo - [him] , saying 3004 -lego - , He saved 4982 -sozo - others LUK 0243 -allos - ; let him save 4982 - sozo - himself 1438 -heautou - , if 1487 -ei - he be Christ 5547 -Christos - , the chosen 1588 -eklektos - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 023 040 But the other 2087 -heteros - answering LUK 0611 -apokrinomai - rebuked 2008 -epitimao - him , saying 3004 -lego - , Dost not thou fear 5399 -phobeo - God {2316} - theos - , seeing 3754 -hoti - thou art 1488 -ei - in the same LUK 0846 -autos - condemnation 2917 -krima - ?

2316 LUK 023 047 Now 1161 -de - when the centurion 1543 - hekatontarches - saw 1492 -eido - what 3588 -ho - was done 1096 -ginomai - , he glorified 1392 -doxazo - God {2316} - theos - , saying 3004 -lego - , Certainly 3689 -ontos - this 3778 -houtos - was a righteous 1342 -dikaios - man 0444 -anthropos - .

2316 LUK 023 051 (The same 3778 -houtos - had not consented 4784 -sugkatatithemai - to the counsel 1012 -boule - and deed 4234 -praxis - of them ;) [he was] of Arimathaea LUK 0707 -Arimathaia - , a city 4172 -polis - of the Jews 2453 - Ioudaios - : who 3739 -hos - also 2532 -kai - himself 0846 -autos - waited 4327 -prosdechomai - for the kingdom 0932 - basileia - of God {2316} -theos - .

2316 LUK 024 019 And he said 2036 -epo - unto them , What 4169 -poios - things ? And they said 2036 -epo - unto him , Concerning 4012 -peri - Jesus 2424 -Iesous - of Nazareth 3478 -Nazareth - , which 3739 -hos - was a prophet 4396 - prophetes - mighty 1415 -dunatos - in deed 2041 -ergon - and word 3056 -logos - before 1726 -enantion - God {2316} - theos - and all 3956 -pas - the people 2992 -laos - :

2316 LUK 024 053 And were continually 1725 -enanti - in the temple 2411 -hieron - , praising LUK 0134 -aineo - and blessing 2127 -eulogeo - God {2316} -theos - . Amen LUK 0281 -amen - .

2316 JOH 001 001 . In the beginning <0746 -arche -> was the Word <3056 -logos -> , and the Word <3056 -logos -> was with God <2316 -theos -> , and the Word <3056 -logos -> was God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 001 . In the beginning <0746 -arche -> was the Word <3056 -logos -> , and the Word <3056 -logos -> was with God <{2316} -theos -> , and the Word <3056 -logos -> was God <2316 -theos -> .

2316 JOH 001 002 The same <3778 -houtos -> was in the beginning <0746 -arche -> with God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 006 There was a man <0444 -anthropos -> sent <0649 -apostello -> from God <{2316} -theos -> , whose <0846 -autos - > name <3686 -onoma -> [was] John <2491 -Ioannes -> .

2316 JOH 001 012 But as many <3745 -hosos -> as received <2983 - lambano -> him , to them gave <1325 -didomi -> he power <1849 - exousia -> to become <1096 -ginomai -> the sons <5043 -teknon ->

of God <{2316} -theos -> , [even] to them that believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> his name <3686 -onoma -> :

2316 JOH 001 013 Which <3739 -hos -> were born <1080 -gennao -> , not of blood <0129 -haima -> , nor <3761 -oude -> of the will <2307 -thelema -> of the flesh <4561 -sarx -> , nor <3761 -oude -> of the will <2307 -thelema -> of man <0435 -aner -> , but of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 018 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath seen <3708 -horao -> God <{2316} -theos -> at <4455 -popote -> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> ; the only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> , which <3588 -ho -> is in the bosom <2859 -kolpos -> of the Father <3962 -pater -> , he hath declared <1834 -exegeomai -> [him] .

2316 JOH 001 029 . The next <1887 -epaurion -> day <1887 -epaurion -> John <2491 -Ioannes -> seeth <0991 -blepo -> Jesus <2424 -Iesous -> coming <2064 -erchomai -> unto him , and saith <3004 -lego -> , Behold <2396 -ide -> the Lamb <0286 -amnos -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> taketh <0142 -airo -> away the sin <0266 -hamartia -> of the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 001 034 And I saw <3708 -horao -> , and bare <3140 -martureo -> record <3140 -martureo -> that this <3778 -houtos -> is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 001 036 And looking <1689 -emblepo -> upon Jesus <2424 -Iesous -> as he walked <4043 -peripateo -> , he saith <3004 -lego -> , Behold <2396 -ide -> the Lamb <0286 -amnos -> of God <{2316} -theos -> !

2316 JOH 001 049 Nathanael <3482 -Nathanael -> answered <0611 -apokrinomai -> and saith <3004 -lego -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , thou art <1488 -ei -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; thou art <1488 -ei -> the King <0935 -basileus -> of Israel <2474 -Israel -> .

2316 JOH 001 051 And he saith <3004 -lego -> unto him , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto you , Hereafter <0737 -arti -> ye shall see <3700 -optanomai -> heaven <3772 -ouranos -> open <0455 -anoigo -> , and the angels <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> ascending <0305 -anabaino -> and descending <2597 -katabaino -> upon the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> .

2316 JOH 003 002 The same <3778 -houtos -> came <2064 -erchomai -> to Jesus <2424 -Iesous -> by night <3571 -nux -> , and said <2036 -epo -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , we know <1492 -eido -> that thou art a teacher <1320 -didaskalos -> come <2064 -erchomai -> from God <2316 -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> these <5023 -tauta -> miracles <4592 -semeion -> that thou doest <4160 -poieo -> , except <3362 -ean me -> God <{2316} -theos -> be with him .

2316 JOH 003 002 The same <3778 -houtos -> came <2064 -erchomai -> to Jesus <2424 -Iesous -> by night <3571 -nux -> , and said <2036 -epo -> unto him , Rabbi <4461 -rhabbi -> , we know <1492 -eido -> that thou art a teacher <1320 -didaskalos -> come <2064 -erchomai -> from God <{2316} -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> these <5023 -tauta -> miracles <4592 -semeion -> that thou doest <4160 -poieo -> , except <3362 -ean me -> God <2316 -

theos -> be with him .

2316 JOH 003 003 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto thee , Except <3362 -ean me -> a man <5100 -tis -> be born <1080 -gennao -> again <0509 -anothen -> , he cannot <1410 -dunamai -> see <1492 -eido -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 005 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto thee , Except <3362 -ean me -> a man <5100 -tis -> be born <1080 -gennao -> of water <5204 -hudor -> and [of] the Spirit <4151 -pneuma -> , he cannot <1410 -dunamai -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 016 For God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> loved <0025 -agapao -> the world <2889 -kosmos -> , that he gave <1325 -didomi -> his only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> , that whosoever <3588 -ho -> believeth <4100 -pisteuo -> in him should not perish <0622 -apollumi -> , but have <2192 -echo -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 JOH 003 017 For God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> not his Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> to condemn <2919 -krino -> the world <2889 -kosmos -> ; but that the world <2889 -kosmos -> through <1223 -dia -> him might be saved <4982 -sozo -> .

2316 JOH 003 018 He that believeth <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> him is not condemned <2919 -krino -> : but he that believeth <4100 -pisteuo -> not is condemned <2919 -krino -> already <2235 -ede -> , because <3754 -hoti -> he hath not believed <4100 -pisteuo -> in the name <3686 -onoma -> of the only <3439 -monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 021 But he that doeth <4160 -poieo -> truth <0225 -aletheia -> cometh <2064 -erchomai -> to the light <5457 -phos -> , that his deeds <2041 -ergon -> may be made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> , that they are wrought <2038 -ergazomai -> in God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 003 033 He that hath received <2983 -lambano -> his testimony <3141 -marturia -> hath set <4972 -sphragizo -> to his seal <4972 -sphragizo -> that God <{2316} -theos -> is true <0227 -alethes -> .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> : for God <{2316} -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> : for God <2316 -theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 034 For he whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath sent <0649 -apostello -> speaketh <2980 -laleo -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> : for God <2316 -

theos -> giveth <1325 -didomi -> not the Spirit <4151 -pneuma -> by measure <3358 -metron -> [unto him] .

2316 JOH 003 036 He that believeth <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> hath <2192 -echo -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> : and he that believeth <0544 -apeitheo -> not the Son <5207 -huios -> shall not see <3700 -optanomai -> life <2222 -zoe -> ; but the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> on <1909 -epi -> him .

2316 JOH 004 010 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto her , If <1487 -ei -> thou knewest <1492 -eido -> the gift <1431 -dorea -> of God <{2316} -theos -> , and who <5101 -tis -> it is that saith <3004 -lego -> to thee , Give <1325 -didomi -> me to drink <4095 -pino -> ; thou wouldest have asked <0154 -aiteo -> of him , and he would have given <1325 -didomi -> thee living <2198 -zao -> water <5204 -hudor -> .

2316 JOH 004 024 God <{2316} -theos -> [is] a Spirit <4151 -pneuma -> : and they that worship <4352 -proskuneo -> him must <1163 -dei -> worship <4352 -proskuneo -> [him] in spirit <4151 -pneuma -> and in truth <0225 -aletheia -> .

2316 JOH 005 018 Therefore <5124 -touto -> the Jews <2453 -Ioudaios -> sought <2212 -zeteo -> the more <3123 -mallon -> to kill <0615 -apokteino -> him , because <3754 -hoti -> he not only <3440 -monon -> had broken <3089 -luo -> the sabbath <4521 -sabbaton -> , but said <3004 -lego -> also <2532 -kai -> that God <2316 -theos -> was his Father <3962 -pater -> , making <4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> equal <2470 -isos -> with God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 005 018 Therefore <5124 -touto -> the Jews <2453 -Ioudaios -> sought <2212 -zeteo -> the more <3123 -mallon -> to kill <0615 -apokteino -> him , because <3754 -hoti -> he not only <3440 -monon -> had broken <3089 -luo -> the sabbath <4521 -sabbaton -> , but said <3004 -lego -> also <2532 -kai -> that God <{2316} -theos -> was his Father <3962 -pater -> , making <4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> equal <2470 -isos -> with God <2316 -theos -> .

2316 JOH 005 025 Verily <0281 -amen -> , verily <0281 -amen -> , I say <3004 -lego -> unto you , The hour <5610 -hora -> is coming <2064 -erchomai -> , and now <3568 -nun -> is , when <3753 -hote -> the dead <3498 -nekros -> shall hear <0191 -akouo -> the voice <5456 -phone -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> : and they that hear <0191 -akouo -> shall live <2198 -zao -> .

2316 JOH 005 042 But I know <1097 -ginosko -> you , that ye have <2192 -echo -> not the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> in you .

2316 JOH 005 044 How <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> ye believe <4100 -pisteuo -> , which receive <2983 -lambano -> honour <1391 -doxa -> one <0240 -allelon -> of another <0240 -allelon -> , and seek <2212 -zeteo -> not the honour <1391 -doxa -> that [cometh] from God <{2316} -theos -> only <3441 -monos -> ?

2316 JOH 006 027 Labour <2038 -ergazomai -> not for the meat <1035 -brosis -> which <3588 -ho -> perisheth <0622 -apollumi -> , but for that meat <1035 -brosis -> which <3588 -ho -> endureth <3306 -meno -> unto everlasting <0166 -aionios -> life

<2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> shall give <1325 -didomi -> unto you : for him hath God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> sealed <4972 -sphragizo -> .

2316 JOH 006 028 . Then <3767 -oun -> said <2036 -epo -> they unto him , What <5101 -tis -> shall we do <4160 -poieo -> , that we might work <2038 -ergazomai -> the works <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 006 029 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , This <5124 -touto -> is the work <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> , that ye believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> him whom <3739 -hos -> he hath sent <0649 -apostello -> .

2316 JOH 006 033 For the bread <0740 -artos -> of God <{2316} -theos -> is he which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from heaven <3772 -ouranos -> , and giveth <1325 -didomi -> life <2222 -zoe -> unto the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 006 045 It is written <1125 -grapho -> in the prophets <4396 -prophetes -> , And they shall be all <3956 -pas -> taught <1318 -didaktos -> of God <{2316} -theos -> . Every <3956 -pas -> man therefore <3767 -oun -> that hath heard <0191 -akouo -> , and hath learned <3129 -manthano -> of the Father <3962 -pater -> , cometh <2064 -erchomai -> unto me .

2316 JOH 006 046 Not that any <5100 -tis -> man hath seen <3708 -horao -> the Father <3962 -pater -> , save <1508 -ei me -> he which <3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> , he hath seen <3708 -horao -> the Father <3962 -pater -> .

2316 JOH 006 069 And we believe <4100 -pisteuo -> and are sure <1097 -ginosko -> that thou art <1488 -ei -> that Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 007 017 If <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man will <2309 -thelo -> do <4160 -poieo -> his will <2307 -thelema -> , he shall know <1097 -ginosko -> of the doctrine <1322 -didache -> , whether <4220 -poteron -> it be of God <{2316} -theos -> , or <2228 -e -> [whether] I speak <2980 -laleo -> of myself <1683 -emautou -> .

2316 JOH 008 040 But now <3568 -nun -> ye seek <2212 -zeteo -> to kill <0615 -apokteino -> me , a man <0444 -anthropos -> that hath told <2980 -laleo -> you the truth <0225 -aletheia -> , which <3739 -hos -> I have heard <0191 -akouo -> of God <{2316} -theos -> : this <5124 -touto -> did <4160 -poieo -> not Abraham <11> .

2316 JOH 008 041 Ye do <4160 -poieo -> the deeds <2041 -ergon -> of your <5216 -humon -> father <3962 -pater -> . Then <3767 -oun -> said <2036 -epo -> they to him , We be not born <1080 -gennao -> of fornication <4202 -porneia -> ; we have <2192 -echo -> one <1520 -heis -> Father <3962 -pater -> , [even] God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 008 042 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto them , If <1487 -ei -> God <2316 -theos -> were your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> , ye would love <0025 -agapao -> me : for I proceeded <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> and came <2240 -heko -> from God <{2316} -theos -> ; neither <3761 -oude -> came <2064 -erchomai -> I of myself

<1683 -emautou -> , but he sent <0649 -apostello -> me .

2316 JOH 008 042 Jesus <2424 -Iesous -> said <2036 -epo -> unto them , If <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> were your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> , ye would love <0025 -agapao -> me : for I proceeded <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> and came <2240 -heko -> from God <2316 -theos -> ; neither <3761 -oude -> came <2064 -erchomai -> I of myself <1683 -emautou -> , but he sent <0649 -apostello -> me .

2316 JOH 008 047 He that is of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <2316 -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 008 047 He that is of God <2316 -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <{2316} -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <2316 -theos -> .

2316 JOH 008 047 He that is of God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> God s <2316 -theos -> words <4487 -rhema -> : ye therefore <5124 -touto -> hear <0191 -akouo -> [them] not , because <3754 -hoti -> ye are not of God <2316 -theos -> .

2316 JOH 008 054 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , If <1437 -ean -> I honour <1392 -doxazo -> myself <1683 -emautou -> , my honour <1391 -doxa -> is nothing <3762 -oudeis -> : it is my Father <3962 -pater -> that honoureth <1392 -doxazo -> me ; of whom <3739 -hos -> ye say <3004 -lego -> , that he is your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> :

2316 JOH 009 003 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> , Neither <3777 -oute -> hath this <3778 -houtos -> man sinned <0264 -hamartano -> , nor <3777 -oute -> his parents <1118 -goneus -> : but that the works <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> should be made manifest <5319 -phaneroo -> in him .

2316 JOH 009 016 Therefore <3767 -oun -> said <3004 -lego -> some <5100 -tis -> of the Pharisees <5330 -Pharisaios -> , This <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> is not of God <{2316} -theos -> , because <3754 -hoti -> he keepeth <5083 -tereo -> not the sabbath <4521 -sabbaton -> day . Others <0243 -allos -> said <3004 -lego -> , How <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> a man <0444 -anthropos -> that is a sinner <0268 -hamartolos -> do <4160 -poieo -> such <5108 -toioutos -> miracles <4592 -semeion -> ? And there was a division <4978 -schisma -> among <1722 -en -> them .

2316 JOH 009 024 Then <3767 -oun -> again <1208 -deuteros -> called <5455 -phoneo -> they the man <0444 -anthropos -> that was blind <5185 -tuphlos -> , and said <2036 -epo -> unto him , Give <1325 -didomi -> God <{2316} -theos -> the praise <1391 -doxa -> : we know <1492 -eido -> that this <3778 -houtos -> man <0444 -anthropos -> is a sinner <0268 -hamartolos -> .

2316 JOH 009 029 We know <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> unto Moses <3475 -Moseus -> :   [as for] this <5126 -touton -> [fellow] , we know <1492 -eido -> not from whence <4159 -pothen -> he is .

2316 JOH 009 031 Now <1161 -de -> we know <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> heareth <0191 -akouo -> not sinners <0268 -hamartolos -> : but if <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man be a

worshipper <2318 -theosebes -> of God <2318 -theosebes -> , and doeth <4160 -poieo -> his will <2307 -thelema -> , him he heareth <0191 -akouo -> .

2316 JOH 009 033 If <1487 -ei -> this <3778 -houtos -> man were not of God <{2316} -theos -> , he could <1410 -dunamai -> do <4160 -poieo -> nothing <3762 -oudeis -> .

2316 JOH 009 035 . Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> that they had cast <1544 -ekballo -> him out ; and when he had found <2147 -heurisko -> him , he said <2036 -epo -> unto him , Dost thou believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 010 033 The Jews <2453 -Ioudaios -> answered <0611 -apokrinomai -> him , saying <3004 -lego -> , For a good <2570 -kalos -> work <2041 -ergon -> we stone <3034 -lithazo -> thee not ; but for blasphemy <0988 -blasphemia -> ; and because <3754 -hoti -> that thou , being <5607 -on -> a man <0444 -anthropos -> , makest <4160 -poieo -> thyself <4572 -seautou -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 010 034 Jesus <2424 -Iesous -> answered <0611 -apokrinomai -> them , Is it not written <1125 -grapho -> in your <5216 -humon -> law <3551 -nomos -> , I said <2036 -epo -> , Ye are gods <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 010 035 If <1487 -ei -> he called <2036 -epo -> them gods <2316 -theos -> , unto whom <3739 -hos -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> came <1096 -ginomai -> , and the scripture <1124 -graphe -> cannot <1410 -dunamai -> be broken <3089 -luo -> ;

2316 JOH 010 035 If <1487 -ei -> he called <2036 -epo -> them gods <{2316} -theos -> , unto whom <3739 -hos -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> came <1096 -ginomai -> , and the scripture <1124 -graphe -> cannot <1410 -dunamai -> be broken <3089 -luo -> ;

2316 JOH 010 036 Say <3004 -lego -> ye of him , whom <3739 -hos -> the Father <3962 -pater -> hath sanctified <0037 -hagiazo -> , and sent <0649 -apostello -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , Thou blasphemest <0987 -blasphemeo -> ; because <3754 -hoti -> I said <2036 -epo -> , I am the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 011 004 When Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> [that] , he said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> sickness <0769 -astheneia -> is not unto death <2288 -thanatos -> , but for the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> , that the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> might be glorified <1392 -doxazo -> thereby <0846 -autos -> .

2316 JOH 011 004 When Jesus <2424 -Iesous -> heard <0191 -akouo -> [that] , he said <2036 -epo -> , This <3778 -houtos -> sickness <0769 -astheneia -> is not unto death <2288 -thanatos -> , but for the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , that the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> might be glorified <1392 -doxazo -> thereby <0846 -autos -> .

2316 JOH 011 022 But I know <1492 -eido -> , that even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> , whatsoever <0302 -an -> thou wilt ask <0154 -aiteo -> of God <2316 -theos -> , God <{2316} -theos -> will give <1325 -didomi -> [it] thee .

2316 JOH 011 022 But I know <1492 -eido -> , that even <2532 -

kai -> now <3568 -nun -> , whatsoever <0302 -an -> thou wilt ask <0154 -aiteo -> of God <{2316} -theos -> , God <2316 -theos -> will give <1325 -didomi -> [it] thee .

2316 JOH 011 027 She saith <3004 -lego -> unto him , Yea <3483 -nai -> , Lord <2962 -kurios -> : I believe <4100 -pisteuo -> that thou art <1488 -ei -> the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> should come <2064 -erchomai -> into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> .

2316 JOH 011 040 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Said <2036 -epo -> I not unto thee , that , if <1437 -ean -> thou wouldest believe <4100 -pisteuo -> , thou shouldest see <3700 -optanomai -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 JOH 011 052 And not for that nation <1484 -ethnos -> only <3440 -monon -> , but that also <2532 -kai -> he should gather <4863 -sunago -> together <4863 -sunago -> in one <1520 -heis -> the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> that were scattered <1287 -diaskorpizo -> abroad <1287 -diaskorpizo -> .

2316 JOH 012 043 For they loved <0025 -agapao -> the praise <1391 -doxa -> of men <0444 -anthropos -> more <3123 -mallon -> than <2260 -eper -> the praise <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 013 003 Jesus <2424 -Iesous -> knowing <1492 -eido -> that the Father <3962 -pater -> had given <1325 -didomi -> all <3956 -pas -> things into <1519 -eis -> his hands <5495 -cheir -> , and that he was come <1831 -exerchomai -> from God <2316 -theos -> , and went <5217 -hupago -> to God <{2316} -theos -> ;

2316 JOH 013 003 Jesus <2424 -Iesous -> knowing <1492 -eido -> that the Father <3962 -pater -> had given <1325 -didomi -> all <3956 -pas -> things into <1519 -eis -> his hands <5495 -cheir -> , and that he was come <1831 -exerchomai -> from God <{2316} -theos -> , and went <5217 -hupago -> to God <2316 -theos -> ;

2316 JOH 013 031 . Therefore <3767 -oun -> , when <3753 -hote -> he was gone <1831 -exerchomai -> out , Jesus <2424 -Iesous -> said <3004 -lego -> , Now <3568 -nun -> is the Son <5207 -huios -> of man <0444 -anthropos -> glorified <1392 -doxazo -> , and God <{2316} -theos -> is glorified <1392 -doxazo -> in him .

2316 JOH 013 032 If <1487 -ei -> God <2316 -theos -> be glorified <1392 -doxazo -> in him , God <{2316} -theos -> shall also <2532 -kai -> glorify <1392 -doxazo -> him in himself <1438 -heautou -> , and shall straightway <2117 -euthus -> glorify <1392 -doxazo -> him .

2316 JOH 013 032 If <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> be glorified <1392 -doxazo -> in him , God <2316 -theos -> shall also <2532 -kai -> glorify <1392 -doxazo -> him in himself <1438 -heautou -> , and shall straightway <2117 -euthus -> glorify <1392 -doxazo -> him .

2316 JOH 014 001 . Let not your <5216 -humon -> heart <2588 -kardia -> be troubled <5015 -tarasso -> : ye believe <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> , believe <4100 -pisteuo -> also <2532 -kai -> in me .

2316 JOH 016 002 They shall put <4160 -poieo -> you out of the synagogues <0656 -aposunagogos -> : yea <0235 -alla -> , the time <5610 -hora -> cometh <2064 -erchomai -> , that whosoever

<3588 -ho -> killeth <0615 -apokteino -> you will think <1380 -dokeo -> that he doeth <4374 -prosphero -> God <{2316} -theos -> service <2999 -latreia -> .

2316 JOH 016 027 For the Father <3962 -pater -> himself <0846 -autos -> loveth <5368 -phileo -> you , because <3754 -hoti -> ye have loved <5368 -phileo -> me , and have believed <4100 -pisteuo -> that I came <1831 -exerchomai -> out from God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 016 030 Now <3568 -nun -> are we sure <1492 -eido -> that thou knowest <1492 -eido -> all <3956 -pas -> things , and needest <5532 -chreia -> not that any <5100 -tis -> man should ask <2065 -erotao -> thee : by this <5129 -toutoi -> we believe <4100 -pisteuo -> that thou camest <1831 -exerchomai -> forth <1831 -exerchomai -> from God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 017 003 And this <3778 -houtos -> is life <2222 -zoe -> eternal <0166 -aionios -> , that they might know <1097 -ginosko -> thee the only <3441 -monos -> true <0258 -alopex -> God <{2316} -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , whom <3739 -hos -> thou hast sent <0649 -apostello -> .

2316 JOH 019 007 The Jews <2453 -Ioudaios -> answered <0611 -apokrinomai -> him , We have <2192 -echo -> a law <3551 -nomos -> , and by our law <3551 -nomos -> he ought <3784 -opheilo -> to die <0599 -apothnesko -> , because <3754 -hoti -> he made <4160 -poieo -> himself <1438 -heautou -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 017 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Touch <0680 -haptomai -> me not ; for I am not yet <3768 -oupo -> ascended <0305 -anabaino -> to my Father <3962 -pater -> : but go <4198 -poreuomai -> to my brethren <0080 -adephos -> , and say <2036 -epo -> unto them , I ascend <0305 -anabaino -> unto my Father <3962 -pater -> , and your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> ; and [to] my God <2316 -theos -> , and your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 017 Jesus <2424 -Iesous -> saith <3004 -lego -> unto her , Touch <0680 -haptomai -> me not ; for I am not yet <3768 -oupo -> ascended <0305 -anabaino -> to my Father <3962 -pater -> : but go <4198 -poreuomai -> to my brethren <0080 -adephos -> , and say <2036 -epo -> unto them , I ascend <0305 -anabaino -> unto my Father <3962 -pater -> , and your <5216 -humon -> Father <3962 -pater -> ; and [to] my God <{2316} -theos -> , and your <5216 -humon -> God <2316 -theos -> .

2316 JOH 020 028 And Thomas <2381 -Thomas -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto him , My Lord <2962 -kurios -> and my God <{2316} -theos -> .

2316 JOH 020 031 But these <5023 -tauta -> are written <1125 -grapho -> , that ye might believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Christ <5547 -Christos -> , the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; and that believing <4100 -pisteuo -> ye might have <2192 -echo -> life <2222 -zoe -> through <1722 -en -> his name <3686 -onoma -> .

2316 JOH 021 019 This <5124 -touto -> spake <2036 -epo -> he , signifying <4591 -semaino -> by what <4169 -poios -> death <2288 -thanatos -> he should glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> . And when he had spoken <2036 -epo -> this <5124 -touto -> , he saith <3004 -lego -> unto him , Follow <0190 -akoloutheo -> me .

2316 ACT 001 003 To whom <3739 -hos -> also <2532 -kai -> he shewed <3936 -paristemi -> himself <1438 -heautou -> alive <2198 -zao -> after <3326 -meta -> his passion <3958 -pascho -> by many <4183 -polus -> infallible proofs <5039 -tekmerion -> , being seen <3700 -optanomai -> of them forty <5062 -tessarakonta -> days <2250 -hemera -> , and speaking <3004 -lego -> of the things pertaining <4012 -peri -> to the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 002 011 Cretes <2912 -Kres -> and Arabians <0690 ->Araps -> , we do hear <0191 -akouo -> them speak <2980 -laleo -> in our tongues <1100 -glossa -> the wonderful <3167 -megaleios -> works of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 002 017 And it shall come <1511 -einai -> to pass in the last <2078 -eschatos -> days <2250 -hemera -> , saith <3004 -lego -> God <{2316} -theos -> , I will pour <1632 -ekcheo -> out of my Spirit <4151 -pneuma -> upon all <3956 -pas -> flesh <4561 -sarx -> : and your <5216 -humon -> sons <5207 -huios -> and your <5216 -humon -> daughters <2364 -thugater -> shall prophesy <4395 -propheteuo -> , and your <5216 -humon -> young <3495 -neaniskos -> men <3495 -neaniskos -> shall see <3070 -Ludia -> visions <3706 -horasis -> , and your <5216 -humon -> old <4245 -presbuteros -> men shall dream <1798 -enupnion -> dreams <1797 -enupniazomai -> :

2316 ACT 002 022 Ye men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , hear <0191 -akouo -> these <5128 -toutous -> words <3056 -logos -> ; Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , a man <0435 -aner -> approved <0584 -apodeiknumi -> of God <2316 -theos -> among <1519 -eis -> you by miracles <1411 -dunamis -> and wonders <5059 -teras -> and signs <4591 -semaino -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> did <4160 -poieo -> by him in the midst <3319 -mesos -> of you , as ye yourselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> know <1492 -eido -> :

2316 ACT 002 022 Ye men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , hear <0191 -akouo -> these <5128 -toutous -> words <3056 -logos -> ; Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> , a man <0435 -aner -> approved <0584 -apodeiknumi -> of God <{2316} -theos -> among <1519 -eis -> you by miracles <1411 -dunamis -> and wonders <5059 -teras -> and signs <4591 -semaino -> , which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> did <4160 -poieo -> by him in the midst <3319 -mesos -> of you , as ye yourselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> know <1492 -eido -> :

2316 ACT 002 023 Him , being delivered <1560 -ekdotos -> by the determinate <3724 -horizo -> counsel <1012 -boule -> and foreknowledge <4268 -prognosis -> of God <{2316} -theos -> , ye have taken <2983 -lambano -> , and by wicked <0459 -anomos -> hands <5495 -cheir -> have crucified <4362 -prospegnumi -> and slain <0337 -anaireo -> :

2316 ACT 002 024 Whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath raised <0450 -anistemi -> up , having loosed <3089 -luo -> the pains <5604 -odin - -Ozias -> of death <2288 -thanatos -> : because <2530 -kathoti -> it was not possible <1415 -dunatos -> that he should be holden <2902 -krateo -> of it .

2316 ACT 002 030 Therefore <3767 -oun -> being <5225 -huparcho -> a prophet <4396 -prophetes -> , and knowing <1492 -eido -> that God <{2316} -theos -> had sworn <3660 -omnuo -> with an oath <3727 -horkos -> to him , that of the fruit <2590 -karpos -

> of his loins <3751 -osphus -> , according <2596 -kata -> to the flesh <4561 -sarx -> , he would raise <0450 -anistemi -> up Christ <5547 -Christos -> to sit <2523 -kathizo -> on <1909 -epi -> his throne <2362 -thronos -> ;

2316 ACT 002 032 This <5126 -touton -> Jesus <2424 -Iesous -> hath God <{2316} -theos -> raised <0450 -anistemi -> up , whereof <3739 -hos -> we all <3956 -pas -> are witnesses <3144 -martus -> .

2316 ACT 002 033 Therefore <3767 -oun -> being by the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> exalted <5312 -hupsoo -> , and having received <2983 -lambano -> of the Father <3962 -pater -> the promise <1860 -epaggelia -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , he hath shed <1632 -ekcheo -> forth <1632 -ekcheo -> this <5124 -touto -> , which <3739 -hos -> ye now <3568 -nun -> see <0991 -blepo -> and hear <0191 -akouo -> .

2316 ACT 002 036 Therefore <3767 -oun -> let all <3956 -pas -> the house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> know <1097 -ginosko -> assuredly <0806 -asphalos -> , that God <{2316} -theos -> hath made <4160 -poieo -> that same <5126 -touton -> Jesus <2424 -Iesous -> , whom <3739 -hos -> ye have crucified <4717 -stauroo -> , both <2532 -kai -> Lord <2962 -kurios -> and Christ <5547 -Christos -> .

2316 ACT 002 039 For the promise <1860 -epaggelia -> is unto you , and to your <5216 -humon -> children <5043 -teknon -> , and to all <3956 -pas -> that are afar <3112 -makran -> off , [even] as many <3745 -hosos -> as the Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> shall call <4341 -proskaleomai -> .

2316 ACT 002 047 Praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> , and having <2192 -echo -> favour <5485 -charis -> with all <3650 -holos -> the people <2992 -laos -> . And the Lord <2962 -kurios -> added <4369 -prostithemi -> to the church <1577 -ekklesia -> daily <2250 -hemera -> such as should be saved <4982 -sozo -> .

2316 ACT 003 008 And he leaping <1814 -exallomai -> up stood <2476 -histemi -> , and walked <4043 -peripateo -> , and entered <1525 -eiserchomai -> with them into <1519 -eis -> the temple <2411 -hieron -> , walking <4043 -peripateo -> , and leaping <0242 -hallomai -> , and praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 003 009 And all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> saw <1492 -eido -> him walking <4043 -peripateo -> and praising <0134 -aineo -> God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 003 013 The God <2316 -theos -> of Abraham <11> , and of Isaac <2464 -Isaak -> , and of Jacob <2384 -Iakob -> , the God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> , hath glorified <1392 -doxazo -> his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> ; whom <3739 -hos -> ye delivered <3860 -paradidomi -> up , and denied <0720 -arneomai -> him in the presence <4383 -prosopon -> of Pilate <4091 -Pilatos -> , when he was determined <2919 -krino -> to let <0630 -apoluo -> [him] go <0630 -apoluo -> .

2316 ACT 003 013 The God <{2316} -theos -> of Abraham <11> , and of Isaac <2464 -Isaak -> , and of Jacob <2384 -Iakob -> , the God <2316 -theos -> of our fathers <3962 -pater -> , hath glorified <1392 -doxazo -> his Son <3816 -pais -> Jesus <2424 -Iesous -> ; whom <3739 -hos -> ye delivered <3860 -paradidomi -

> up , and denied <0720 -arneomai -> him in the presence <4383 -
prosopon -> of Pilate <4091 -Pilatos -> , when he was
determined <2919 -krino -> to let <0630 -apoluo -> [him] go
<0630 -apoluo -> .

2316 ACT 003 015 And killed <0615 -apokteino -> the Prince
<0747 -archegos -> of life <2222 -zoe -> , whom <3739 -hos ->
God <{2316} -theos -> hath raised <1453 -egeiro -> from the dead
<3498 -nekros -> ; whereof <3739 -hos -> we are witnesses <3144
-martus -> .

2316 ACT 003 018 But those things , which <3739 -hos -> God
<{2316} -theos -> before <4293 -prokataggello -> had shewed
<4293 -prokataggello -> by the mouth <4750 -stoma -> of all
<3956 -pas -> his prophets <4396 -prophetes -> , that Christ
<5547 -Christos -> should suffer <3958 -pascho -> , he hath so
<3779 -houto -> fulfilled <4137 -pleroo -> .

2316 ACT 003 021 Whom <3739 -hos -> the heaven <3772 -ouranos -
> must <1163 -dei -> receive <1209 -dechomai -> until <0891 -
achri -> the times <5550 -chronos -> of restitution <0605 -
apokatastasis -> of all <3956 -pas -> things , which <3739 -hos
-> God <{2316} -theos -> hath spoken <2980 -laleo -> by the
mouth <4750 -stoma -> of all <3956 -pas -> his holy <0040 -
hagios -> prophets <4396 -prophetes -> since <0575 -apo -> the
world <0165 -aion -> began .

2316 ACT 003 022 For Moses <3475 -Moseus -> truly <3303 -men ->
said <2036 -epo -> unto the fathers <3962 -pater -> , A prophet
<4396 -prophetes -> shall the Lord <2962 -kurios -> your <5216 -
humon -> God <{2316} -theos -> raise <0450 -anistemi -> up unto
you of your <5216 -humon -> brethren <0080 -adephos -> , like
<3945 -paromoiazo -> unto me ; him shall ye hear <0191 -akouo -
> in all <3956 -pas -> things whatsoever <0302 -an -> he shall
say <2980 -laleo -> unto you .

2316 ACT 003 025 Ye are the children <5207 -huios -> of the
prophets <4396 -prophetes -> , and of the covenant <1242 -
diatheke -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> made <1303
-diatithemai -> with our fathers <3962 -pater -> , saying <3004
-lego -> unto Abraham <11> , And in thy seed <4690 -sperma ->
shall all <3956 -pas -> the kindreds <3965 -patria -> of the
earth <1093 -ge -> be blessed <1757 -eneulogeo -> .

2316 ACT 003 026 Unto you first <4412 -proton -> God <{2316} -
theos -> , having raised <0450 -anistemi -> up his Son <3816 -
pais -> Jesus <2424 -Iesous -> , sent <0649 -apostello -> him
to bless <2127 -eulogeo -> you , in turning <0654 -apostrepho -
> away <0654 -apostrepho -> every <1538 -hekastos -> one of you
from his iniquities <4189 -poneria -> .

2316 ACT 004 010 Be it known <1110 -gnostos -> unto you all
<3956 -pas -> , and to all <3956 -pas -> the people <2992 -laos
-> of Israel <2474 -Israel -> , that by the name <3686 -onoma -
> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> of
Nazareth <3478 -Nazareth -> , whom <3739 -hos -> ye crucified
<4717 -stauroo -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos ->
raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> ,   [
even] by him doth this man stand <3936 -paristemi -> here
<3936 -paristemi -> before <1799 -enopion -> you whole <5199 -
hugies -> .

2316 ACT 004 019 But Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -
Ioannes -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo ->
unto them , Whether <1487 -ei -> it be right <1342 -dikaios ->
in the sight <1799 -enopion -> of God <2316 -theos -> to hearken

<0191 -akouo -> unto you more <3123 -mallon -> than <2228 -e -> unto God <{2316} -theos -> , judge <2919 -krino -> ye .

2316 ACT 004 019 But Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> unto them , Whether <1487 -ei -> it be right <1342 -dikaios -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> to hearken <0191 -akouo -> unto you more <3123 -mallon -> than <2228 -e -> unto God <2316 -theos -> , judge <2919 -krino -> ye .

2316 ACT 004 021 So <1161 -de -> when they had further threatened <4324 -prosapeileo -> them , they let them go <0630 -apoluo -> , finding <2147 -heurisko -> nothing <3367 -medeis -> how <4459 -pos -> they might punish <2849 -kolazo -> them , because <1223 -dia -> of the people <2992 -laos -> : for all <3956 -pas -> [men] glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for that which was done <1096 -ginomai -> .

2316 ACT 004 024 And when they heard <0191 -akouo -> that , they lifted <0142 -airo -> up their voice <5456 -phone -> to God <2316 -theos -> with one <3661 -homothumadon -> accord <3661 -homothumadon -> , and said <2036 -epo -> , Lord <1203 -despotes -> , thou [art] God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> hast made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> that in them is :

2316 ACT 004 024 And when they heard <0191 -akouo -> that , they lifted <0142 -airo -> up their voice <5456 -phone -> to God <{2316} -theos -> with one <3661 -homothumadon -> accord <3661 -homothumadon -> , and said <2036 -epo -> , Lord <1203 -despotes -> , thou [art] God <2316 -theos -> , which <3588 -ho -> hast made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> that in them is :

2316 ACT 004 031 And when they had prayed <1189 -deomai -> , the place <5117 -topos -> was shaken <4531 -saleuo -> where <3739 -hos -> they were assembled <4863 -sunago -> together <4863 -sunago -> ; and they were all <0537 -hapas -> filled <4130 -pletho -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , and they spake <2980 -laleo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> with boldness <3954 -parrhesia -> .

2316 ACT 005 004 Whiles it remained <3306 -meno -> , was it not thine <4671 -soi -> own ? and after it was sold <4097 -piprasko -> , was it not in thine <4674 -sos -> own power <1849 -exousia -> ? why <5101 -tis -> hast thou conceived <5087 -tithemi -> this <5124 -touto -> thing <4229 -pragma -> in thine <4675 -sou -> heart <2588 -kardia -> ? thou hast not lied <5574 -pseudomai -> unto men <0444 -anthropos -> , but unto God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 005 029 Then <1161 -de -> Peter <4074 -Petros -> and the [other] apostles <0652 -apostolos -> answered <0611 -apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , We ought <1163 -dei -> to obey <3980 -peitharcheo -> God <{2316} -theos -> rather <3123 -mallon -> than <2228 -e -> men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 005 030 The God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> raised <1453 -egeiro -> up Jesus <2424 -Iesous -> , whom <3739 -hos -> ye slew <1315 -diacheirizomai -> and hanged <2910 -kremannumi -> on <1909 -epi -> a tree <3586 -xulon -> .

2316 ACT 005 031 Him hath God <{2316} -theos -> exalted <5312 -hupsoo -> with his right <1188 -dexios -> hand [to be] a Prince <0747 -archegos -> and a Saviour <4990 -soter -> , for to give <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> to Israel <2474 -Israel -> , and forgiveness <0859 -aphesis -> of sins <0266 -hamartia -> .

2316 ACT 005 032 And we are his witnesses <3144 -martus -> of these <5130 -touton -> things <4487 -rhema -> ; and [so is] also <2532 -kai -> the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> to them that obey <3980 -peitharcheo -> him .

2316 ACT 005 039 But if <1487 -ei -> it be of God <{2316} -theos -> , ye cannot <1410 -dunamai -> overthrow <2647 -kataluo -> it ; lest <3379 -mepote -> haply <3379 -mepote -> ye be found <2147 -heurisko -> even <2532 -kai -> to fight <2314 -theomachos -> against God <2314 -theomachos -> .

2316 ACT 006 002 Then <1161 -de -> the twelve <1427 -dodeka -> called <4341 -proskaleomai -> the multitude <4128 -plethos -> of the disciples <3101 -mathetes -> [unto them] , and said <2036 -epo -> , It is not reason <0701 -arestos -> that we should leave <2641 -kataleipo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and serve <1247 -diakoneo -> tables <5132 -trapeza -> .

2316 ACT 006 007 And the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> increased <0837 -auzano -> ; and the number <0706 -arithmos -> of the disciples <3101 -mathetes -> multiplied <4129 -plethuno -> in Jerusalem <2419 -Hierousalem -> greatly <4970 -sphodra -> ; and a great <4183 -polus -> company <3793 -ochlos -> of the priests <2409 -hiereus -> were obedient <5219 -hupakouo -> to the faith <4102 -pistis -> .

2316 ACT 006 011 Then <5119 -tote -> they suborned <5260 -hupoballo -> men <0435 -aner -> , which said <3004 -lego -> , We have heard <0191 -akouo -> him speak <2980 -laleo -> blasphemous <0989 -blasphemos -> words <4487 -rhema -> against <1519 -eis -> Moses <3475 -Moseus -> , and [against] God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 007 002 And he said <5346 -phemi -> , Men <0435 -aner -> , brethren <0080 -adephos -> , and fathers <3962 -pater -> , hearken <0191 -akouo -> ; The God <{2316} -theos -> of glory <1391 -doxa -> appeared <3700 -optanomai -> unto our father <3962 -pater -> Abraham <11> , when he was in Mesopotamia <3318 -Mesopotamia -> , before <2228 -e -> he dwelt <2730 -katoikeo -> in Charran <5488 -Charrhan -> ,

2316 ACT 007 006 And God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> on this <3779 -houto -> wise <3779 -houto -> , That his seed <4690 -sperma -> should sojourn <3941 -paroikos -> in a strange <0245 -allotrios -> land <1093 -ge -> ; and that they should bring <1402 -douloo -> them into bondage <1402 -douloo -> , and entreat <2559 -kakoo -> [them] evil <2559 -kakoo -> four hundred <5071 -tetrakosioi -> years <2094 -etos -> .

2316 ACT 007 007 And the nation <1484 -ethnos -> to whom <3739 -hos -> they shall be in bondage <1398 -douleuo -> will I judge <2919 -krino -> , said <2036 -epo -> God <{2316} -theos -> : and after <3326 -meta -> that shall they come <1834 -exegeomai -> forth <1831 -exerchomai -> , and serve <3000 -latreuo -> me in this <5129 -toutoi -> place <5117 -topos -> .

2316 ACT 007 009 And the patriarchs <3966 -patriarches -> ,

moved <2206 -zeloo -> with envy <2206 -zeloo -> , sold <0591 -
apodidomi -> Joseph <2501 -Ioseph -> into <1519 -eis -> Egypt
<0125 -Aiguptos -> : but God <{2316} -theos -> was with him ,

2316 ACT 007 017 . But when <2531 -kathos -> the time <5550 -
chronos -> of the promise <1860 -epaggelia -> drew nigh <1448 -
eggizo -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> had sworn
<3660 -omnuo -> to Abraham <11> , the people <2992 -laos ->
grew <0837 -auzano -> and multiplied <4129 -plethuno -> in Egypt
<0125 -Aiguptos -> ,

2316 ACT 007 020 In which <3739 -hos -> time <2540 -kairos ->
Moses <3475 -Moseus -> was born <1080 -gennao -> , and was
exceeding <{2316} -theos -> fair <0791 -asteios -> , and
nourished <0396 -anatrepo -> up in his father s <3962 -pater ->
house <3624 -oikos -> three <5140 -treis -> months <3376 -men ->
:

2316 ACT 007 025 For he supposed <3543 -nomizo -> his brethren
<0080 -adephos -> would have understood <4920 -suniemi -> how
that God <{2316} -theos -> by his hand <5495 -cheir -> would
deliver <1325 -didomi -> them : but they understood <4920 -
suniemi -> not .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos
-> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of
Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -
Isaak -> , and the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -
> . Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -
ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -
katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos
-> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -> of
Abraham <11> , and the God <{2316} -theos -> of Isaac <2464 -
Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob ->
. Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -
ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -
katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <2316 -theos
-> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <{2316} -theos ->
of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -
Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob ->
. Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -
ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -
katanoeo -> .

2316 ACT 007 032 [Saying] , I [am] the God <{2316} -
theos -> of thy fathers <3962 -pater -> , the God <2316 -theos -
> of Abraham <11> , and the God <2316 -theos -> of Isaac <2464 -
Isaak -> , and the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob ->
. Then <1161 -de -> Moses <3475 -Moseus -> trembled <1096 -
ginomai -> , and durst <5111 -tolmao -> not behold <2657 -
katanoeo -> .

2316 ACT 007 035 This <5126 -touton -> Moses <3475 -Moseus ->
whom <3739 -hos -> they refused <0720 -arneomai -> , saying
<2036 -epo -> , Who <5101 -tis -> made <2525 -kathistemi ->
thee a ruler <0758 -archon -> and a judge <1348 -dikastes -> ?
the same <5126 -touton -> did God <{2316} -theos -> send <0649 -
apostello -> [to be] a ruler <0758 -archon -> and a
deliverer <3086 -lutrotes -> by the hand <5495 -cheir -> of the
angel <0032 -aggelos -> which <3588 -ho -> appeared <3700 -
optanomai -> to him in the bush <0942 -batos -> .

2316 ACT 007 037 This <3778 -houtos -> is that Moses <3475 -Moseus -> , which <3588 -ho -> said <2036 -epo -> unto the children <5207 -huios -> of Israel <2474 -Israel -> , A prophet <4396 -prophetes -> shall the Lord <2962 -kurios -> your <5216 -humon -> God <{2316} -theos -> raise <0450 -anistemi -> up unto you of your <5216 -humon -> brethren <0080 -adephos -> , like <5613 -hos -> unto me ; him shall ye hear <0191 -akouo -> .

2316 ACT 007 040 Saying <2036 -epo -> unto Aaron <0002 -Aaron -> , Make <4160 -poieo -> us gods <{2316} -theos -> to go <4313 -proporeuomai -> before <4313 -proporeuomai -> us : for [as for] this <3778 -houtos -> Moses <3475 -Moseus -> , which <3739 -hos -> brought <1806 -exago -> us out of the land <1093 -ge -> of Egypt <0125 -Aiguptos -> , we wot <1492 -eido -> not what <5101 -tis -> is become <1096 -ginomai -> of him .

2316 ACT 007 042 . Then <1161 -de -> God <{2316} -theos -> turned <4762 -strepho -> , and gave <3860 -paradidomi -> them up to worship <3000 -latreuo -> the host <4756 -stratia -> of heaven <3772 -ouranos -> ; as it is written <1125 -grapho -> in the book <0976 -biblos -> of the prophets <4396 -prophetes -> , O ye house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> , have ye offered <4374 -prosphero -> to me slain <4968 -sphagion -> beasts <4968 -sphagion -> and sacrifices <2378 -thusia -> [by the space of] forty <5062 -tessarakonta -> years <2094 -etos -> in the wilderness <2048 -eremos -> ?

2316 ACT 007 043 Yea <2532 -kai -> , ye took <0353 -analambano -> up the tabernacle <4633 -skene -> of Moloch <3434 -Moloch -> , and the star <0798 -astron -> of your <5216 -humon -> god <{2316} -theos -> Remphan <4481 -Rhemphan -> , figures <5179 -tupos -> which <3739 -hos -> ye made <4160 -poieo -> to worship <4352 -proskuneo -> them : and I will carry <3351 -metoikizo -> you away <3351 -metoikizo -> beyond <1900 -epekeina -> Babylon <0897 -Babulon -> .

2316 ACT 007 045 Which <3739 -hos -> also <2532 -kai -> our fathers <3962 -pater -> that came <1237 -diadechomai -> after <3326 -meta -> brought <1521 -eisago -> in with Jesus <2424 -Iesous -> into <1722 -en -> the possession <2697 -kataschesis -> of the Gentiles <1484 -ethnos -> , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> drave <1856 -exotheo -> out before <0575 -apo -> the face <4383 -prosopon -> of our fathers <3962 -pater -> , unto the days <2250 -hemera -> of David <1138 -Dabid -> ;

2316 ACT 007 046 Who <3739 -hos -> found <2147 -heurisko -> favour <5485 -charis -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> , and desired <0154 -aiteo -> to find <2147 -heurisko -> a tabernacle <4638 -skenoma -> for the God <{2316} -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> .

2316 ACT 007 046 Who <3739 -hos -> found <2147 -heurisko -> favour <5485 -charis -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and desired <0154 -aiteo -> to find <2147 -heurisko -> a tabernacle <4638 -skenoma -> for the God <2316 -theos -> of Jacob <2384 -Iakob -> .

2316 ACT 007 055 But he , being <5225 -huparcho -> full <4134 -pleres -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , looked <0816 -atenizo -> up stedfastly <0816 -atenizo -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and saw <1492 -eido -> the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> , and Jesus <2424 -Iesous -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ,

2316 ACT 007 055 But he , being <5225 -huparcho -> full <4134 -

pleres -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> ,
looked <0816 -atenizo -> up stedfastly <0816 -atenizo -> into
<1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and saw <1492 -eido ->
the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> , and Jesus
<2424 -Iesous -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek -> the
right <1188 -dexios -> hand of God <2316 -theos -> ,

2316 ACT 007 056 And said <2036 -epo -> , Behold <2400 -idou -
> , I see <2334 -theoreo -> the heavens <3772 -ouranos ->
opened <0455 -anoigo -> , and the Son <5207 -huios -> of man
<0444 -anthropos -> standing <2476 -histemi -> on <1537 -ek ->
the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 010 To whom <3739 -hos -> they all <3956 -pas ->
gave <4337 -prosecho -> heed <4337 -prosecho -> , from the
least <3398 -mikros -> to the greatest <3173 -megas -> , saying
<3007 -leipo -> , This <3778 -houtos -> man is the great <3173 -
megas -> power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 012 But when <3753 -hote -> they believed <4100 -
pisteuo -> Philip <5376 -Philippos -> preaching <2097 -
euaggelizo -> the things concerning <4012 -peri -> the kingdom
<0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and the name
<3686 -onoma -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos
-> , they were baptized <0907 -baptizo -> , both <5037 -te ->
men <0435 -aner -> and women <1135 -gune -> .

2316 ACT 008 014 . Now <1161 -de -> when the apostles <0652 -
apostolos -> which <3588 -ho -> were at <1722 -en -> Jerusalem
<2414 -Hierosoluma -> heard <0191 -akouo -> that Samaria <4540 -
Samareia -> had received <1209 -dechomai -> the word <3056 -
logos -> of God <{2316} -theos -> , they sent <0649 -apostello -
> unto them Peter <4074 -Petros -> and John <2491 -Ioannes -> :

2316 ACT 008 020 But Peter <4074 -Petros -> said <2036 -epo ->
unto him , Thy money <0694 -argurion -> perish <0684 -apoleia -
> with thee , because <3754 -hoti -> thou hast thought <3543 -
nomizo -> that the gift <1431 -dorea -> of God <{2316} -theos ->
may be purchased <2932 -ktaomai -> with money <5536 -chrema -> .

2316 ACT 008 021 Thou hast <2076 -esti -> neither <3756 -ou ->
part <3310 -meris -> nor <3761 -oude -> lot <2819 -kleros -> in
this <5129 -toutoi -> matter <3056 -logos -> : for thy heart
<2588 -kardia -> is not right <2117 -euthus -> in the sight
<1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 008 022 Repent <3340 -metanoeo -> therefore <3767 -oun
-> of this <5026 -taute -> thy wickedness <2549 -kakia -> , and
pray <1189 -deomai -> God <{2316} -theos -> , if <1487 -ei ->
perhaps <0686 -ara -> the thought <1963 -epinoia -> of thine
<4671 -soi -> heart <2588 -kardia -> may be forgiven <0863 -
aphiemi -> thee .

2316 ACT 008 037 And Philip <5376 -Philippos -> said <2036 -epo
-> , If <1487 -ei -> thou believest <4100 -pisteuo -> with all
<3650 -holos -> thine <3588 -ho -> heart <2588 -kardia -> ,
thou mayest <1832 -exesti -> . And he answered <0611 -
apokrinomai -> and said <2036 -epo -> , I believe <4100 -
pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->
is the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 009 020 And straightway <2112 -eutheos -> he preached
<2784 -kerusso -> Christ <5547 -Christos -> in the synagogues
<4864 -sunagoge -> , that he is the Son <5207 -huios -> of God
<{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 002 [A] devout <2152 -eusebes -> [man] , and one that feared <5399 -phobeo -> God <2316 -theos -> with all <3956 -pas -> his house <3624 -oikos -> , which gave <4160 -poieo -> much <4183 -polus -> alms <1654 -eleemosune -> to the people <2992 -laos -> , and prayed <1189 -deomai -> to God <{2316} -theos -> alway <1275 -diapantos -> .

2316 ACT 010 002 [A] devout <2152 -eusebes -> [man] , and one that feared <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> with all <3956 -pas -> his house <3624 -oikos -> , which gave <4160 -poieo -> much <4183 -polus -> alms <1654 -eleemosune -> to the people <2992 -laos -> , and prayed <1189 -deomai -> to God <2316 -theos -> alway <1275 -diapantos -> .

2316 ACT 010 003 He saw <1492 -eido -> in a vision <3705 -horama -> evidently <5320 -phaneros -> about <5616 -hosei -> the ninth <1766 -ennatos -> hour <5610 -hora -> of the day <2250 -hemera -> an angel <0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> coming <1525 -eiserchomai -> in to him , and saying <2036 -epo -> unto him , Cornelius <2883 -Kornelios -> .

2316 ACT 010 004 And when he looked <0816 -atenizo -> on him , he was afraid <1719 -emphobos -> , and said <2036 -epo -> , What <5101 -tis -> is it , Lord <2962 -kurios -> ? And he said <2036 -epo -> unto him , Thy prayers <4335 -proseuche -> and thine <3588 -ho -> alms <1654 -eleemosune -> are come <0305 -anabaino -> up for a memorial <3422 -mnemosunon -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 015 And the voice <5456 -phone -> [spake] unto him again <3825 -palin -> the second <1208 -deuteros -> time , What <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath cleansed <2511 -katharizo -> , [that] call <2840 -koinoo -> not thou common <2840 -koinoo -> .

2316 ACT 010 022 And they said <2036 -epo -> , Cornelius <2883 -Kornelios -> the centurion <1543 -hekatontarches -> , a just <1342 -dikaios -> man <0435 -aner -> , and one that feareth <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , and of good <0018 -agathos -> report <3140 -martureo -> among <5259 -hupo -> all <3650 -holos -> the nation <1484 -ethnos -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> , was warned <5537 -chrematizo -> from God by an holy <0040 -hagios -> angel <0032 -aggelos -> to send <3343 -metapempo -> for thee into <1519 -eis -> his house <3624 -oikos -> , and to hear <0191 -akouo -> words <4487 -rhema -> of thee .

2316 ACT 010 028 And he said <5346 -phemi -> unto them , Ye know <1987 -epistamai -> how <5613 -hos -> that it is an unlawful <0111 -athemitos -> thing for a man <0435 -aner -> that is a Jew <2453 -Ioudaios -> to keep <2853 -kollao -> company <2853 -kollao -> , or <2228 -e -> come <4334 -proserchomai -> unto one of another <0246 -allophulos -> nation <0246 -allophulos -> ; but God <{2316} -theos -> hath shewed <1166 -deiknuo -> me that I should not call <3004 -lego -> any <3367 -medeis -> man <0444 -anthropos -> common <2839 -koinos -> or <2228 -e -> unclean <0169 -akathartos -> .

2316 ACT 010 031 And said <5346 -phemi -> , Cornelius <2883 -Kornelios -> , thy prayer <4335 -proseuche -> is heard <1522 -eisakouo -> , and thine <4675 -sou -> alms <1654 -eleemosune -> are had in remembrance <3415 -mnaomai -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 033 Immediately <1824 -exautes -> therefore <3767 -oun -> I sent <3992 -pempo -> to thee ; and thou hast well <2573 -kalos -> done <4160 -poieo -> that thou art come <3854 -

paraginomai -> . Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> are we all <3956 -pas -> here <3918 -pareimi -> present <3918 -pareimi -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> , to hear <0191 -akouo -> all <3956 -pas -> things that are commanded <4367 -prostasso -> thee of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 010 033 Immediately <1824 -exautes -> therefore <3767 -oun -> I sent <3992 -pempo -> to thee ; and thou hast well <2573 -kalos -> done <4160 -poieo -> that thou art come <3854 -paraginomai -> . Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> are we all <3956 -pas -> here <3918 -pareimi -> present <3918 -pareimi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , to hear <0191 -akouo -> all <3956 -pas -> things that are commanded <4367 -prostasso -> thee of God <2316 -theos -> .

2316 ACT 010 034 . Then <1161 -de -> Peter <4074 -Petros -> opened <0455 -anoigo -> [his] mouth <4750 -stoma -> , and said <2036 -epo -> , Of a truth <0225 -aletheia -> I perceive <2638 -katalambano -> that God <{2316} -theos -> is no <3756 -ou -> respecter <4381 -prosopoleptes -> of persons <4381 -prosopoleptes -> :

2316 ACT 010 038 How <5613 -hos -> God <2316 -theos -> anointed <5548 -chrio -> Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> and with power <1411 -dunamis -> : who <3739 -hos -> went <1330 -dierchomai -> about <1330 -dierchomai -> doing <2109 -euergeteo -> good <2109 -euergeteo -> , and healing <2390 -iaomai -> all <3956 -pas -> that were oppressed <2616 -katadunasteuo -> of the devil <1228 -diabolos -> ; for God <{2316} -theos -> was with him .

2316 ACT 010 038 How <5613 -hos -> God <{2316} -theos -> anointed <5548 -chrio -> Jesus <2424 -Iesous -> of Nazareth <3478 -Nazareth -> with the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> and with power <1411 -dunamis -> : who <3739 -hos -> went <1330 -dierchomai -> about <1330 -dierchomai -> doing <2109 -euergeteo -> good <2109 -euergeteo -> , and healing <2390 -iaomai -> all <3956 -pas -> that were oppressed <2616 -katadunasteuo -> of the devil <1228 -diabolos -> ; for God <2316 -theos -> was with him .

2316 ACT 010 040 Him God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> up the third <5154 -tritos -> day <2250 -hemera -> , and shewed <1096 -ginomai -> him openly <1717 -emphanes -> ;

2316 ACT 010 041 Not to all <3956 -pas -> the people <2992 -laos -> , but unto witnesses <3144 -martus -> chosen <4401 -procheirotoneo -> before <4401 -procheirotoneo -> of God <{2316} -theos -> ,   [even] to us , who <3748 -hostis -> did eat <4906 -sunesthio -> and drink <4844 -sumpino -> with him after <3326 -meta -> he rose <0450 -anistemi -> from the dead <3498 -nekros -> .

2316 ACT 010 042 And he commanded <3853 -paraggello -> us to preach <2784 -kerusso -> unto the people <2992 -laos -> , and to testify <1263 -diamarturomai -> that it is he which <3588 -ho -> was ordained <3724 -horizo -> of God <{2316} -theos -> [to be] the Judge <2923 -krites -> of quick <2198 -zao -> and dead <3498 -nekros -> .

2316 ACT 010 046 For they heard <0191 -akouo -> them speak <2980 -laleo -> with tongues <1100 -glossa -> , and magnify <3170 -megaluno -> God <{2316} -theos -> . Then <5119 -tote -> answered <0611 -apokrinomai -> Peter <4074 -Petros -> ,

2316 ACT 011 001 . And the apostles <0652 -apostolos -> and brethren <0080 -adephos -> that were in Judaea <2449 -Ioudaia -> heard <0191 -akouo -> that the Gentiles <1484 -ethnos -> had also <2532 -kai -> received <1209 -dechomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 011 009 But the voice <5456 -phone -> answered <0611 -apokrinomai -> me again <1208 -deuteros -> from heaven <3772 -ouranos -> , What <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath cleansed <2511 -katharizo -> , [that] call <2840 -koinoo -> not thou common <2839 -koinos -> .

2316 ACT 011 017 Forasmuch <1487 -ei -> then <3767 -oun -> as God <2316 -theos -> gave <1325 -didomi -> them the like <2470 -isos -> gift <1431 -dorea -> as [he did] unto us , who believed <4100 -pisteuo -> on <1909 -epi -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ; what <5101 -tis -> was I , that I could <1415 -dunatos -> withstand <2967 -koluo -> God <{2316} -theos -> ?

2316 ACT 011 017 Forasmuch <1487 -ei -> then <3767 -oun -> as God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> them the like <2470 -isos -> gift <1431 -dorea -> as [he did] unto us , who believed <4100 -pisteuo -> on <1909 -epi -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ; what <5101 -tis -> was I , that I could <1415 -dunatos -> withstand <2967 -koluo -> God <2316 -theos -> ?

2316 ACT 011 018 When they heard <0191 -akouo -> these <5023 -tauta -> things , they held <2270 -hesuchazo -> their peace <2270 -hesuchazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <2316 -theos -> , saying <3004 -lego -> , Then <0686 -ara -> hath God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> granted <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> unto life <2222 -zoe -> .

2316 ACT 011 018 When they heard <0191 -akouo -> these <5023 -tauta -> things , they held <2270 -hesuchazo -> their peace <2270 -hesuchazo -> , and glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , saying <3004 -lego -> , Then <0686 -ara -> hath God <2316 -theos -> also <2532 -kai -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> granted <1325 -didomi -> repentance <3341 -metanoia -> unto life <2222 -zoe -> .

2316 ACT 011 023 Who <3739 -hos -> , when he came <3854 -paraginomai -> , and had seen <1492 -eido -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , was glad <5463 -chairo -> , and exhorted <3870 -parakaleo -> them all <3956 -pas -> , that with purpose <4286 -prothesis -> of heart <2588 -kardia -> they would cleave <4347 -proskollao -> unto the Lord <2962 -kurios -> .

2316 ACT 012 005 . Peter <4074 -Petros -> therefore <3767 -oun -> was kept <5083 -tereo -> in prison <5438 -phulake -> : but prayer <4335 -proseuche -> was made <1096 -ginomai -> without <1618 -ektenes -> ceasing <1618 -ektenes -> of the church <1577 -ekklesia -> unto God <{2316} -theos -> for him .

2316 ACT 012 022 And the people <1218 -demos -> gave a shout <2019 -epiphoneo -> , [saying , It is] the voice <5456 -phone -> of a god <{2316} -theos -> , and not of a man <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 012 023 And immediately <3916 -parachrema -> the angel <0032 -aggelos -> of the Lord <2962 -kurios -> smote <3960 -patasso -> him , because <3739 -hos -> he gave <1325 -didomi ->

not God <{2316} -theos -> the glory <1391 -doxa -> : and he was eaten <4662 -skolekobrotos -> of worms <4662 -skolekobrotos -> , and gave up the ghost <1634 -ekpsucho -> .

2316 ACT 012 024 But the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> grew <0837 -auzano -> and multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 ACT 013 005 And when they were at <1722 -en -> Salamis <4529 -Salamis -> , they preached <2605 -kataggello -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> in the synagogues <4864 -sunagoge -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> : and they had <2192 -echo -> also <2532 -kai -> John <2491 -Ioannes -> to [their] minister <5257 -huperetes -> .

2316 ACT 013 007 Which <3739 -hos -> was with the deputy <0446 -anthupatos -> of the country , Sergius <4588 -Sergios -> Paulus <3972 -Paulos -> , a prudent <4908 -sunetos -> man <0435 -aner -> ; who <3778 -houtos -> called <4341 -proskaleomai -> for Barnabas <0921 -Barnabas -> and Saul <4569 -Saulos -> , and desired <1934 -epizeteo -> to hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 016 Then <1161 -de -> Paul <3972 -Paulos -> stood <0450 -anistemi -> up , and beckoning <2678 -kataseio -> with [his] hand <5495 -cheir -> said <2036 -epo -> , Men <0435 -aner -> of Israel <2475 -Israelites -> , and ye that fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , give audience <0191 -akouo -> .

2316 ACT 013 017 The God <{2316} -theos -> of this <5127 -toutou -> people <2992 -laos -> of Israel <2474 -Israel -> chose <1586 -eklegomai -> our fathers <3962 -pater -> , and exalted <5312 -hupsoo -> the people <2992 -laos -> when <3588 -ho -> they dwelt <3940 -paroikia -> as strangers <3940 -paroikia -> in the land <1093 -ge -> of Egypt <0125 -Aiguptos -> , and with an high <5308 -hupselos -> arm <1023 -brachion -> brought <1806 -exago -> he them out of it .

2316 ACT 013 021 And afterward <2547 -kakeithen -> they desired <0154 -aiteo -> a king <0935 -basileus -> : and God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> unto them Saul <4569 -Saulos -> the son <5207 -huios -> of Cis <2797 -Kis -> , a man <0435 -aner -> of the tribe <5443 -phule -> of Benjamin <0958 -Beniamin -> , by the space of forty <5062 -tessarakonta -> years <2094 -etos -> .

2316 ACT 013 023 Of this <5127 -toutou -> man s seed <4690 -sperma -> hath God <{2316} -theos -> according <2596 -kata -> to [his] promise <1860 -epaggelia -> raised <1453 -egeiro -> unto Israel <2474 -Israel -> a Saviour <4990 -soter -> , Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 ACT 013 026 Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , children <5207 -huios -> of the stock <1085 -genos -> of Abraham <11> , and whosoever <3588 -ho -> among <1722 -en -> you feareth <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , to you is the word <3056 -logos -> of this <5026 -taute -> salvation <4991 -soteria -> sent <0649 -apostello -> .

2316 ACT 013 030 But God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> :

2316 ACT 013 033 God <{2316} -theos -> hath fulfilled <1603 -ekpleroo -> the same <5026 -taute -> unto us their children <5043 -teknon -> , in that he hath raised <0450 -anistemi -> up

Jesus <2424 -Iesous -> again <0450 -anistemi -> ; as it is also <2532 -kai -> written <1125 -grapho -> in the second <1208 -deuteros -> psalm <5568 -psalmos -> , Thou art <1488 -ei -> my Son <5207 -huios -> , this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> have I begotten <1080 -gennao -> thee .

2316 ACT 013 036 For David <1138 -Dabid -> , after he had served <5256 -hupereteo -> his own <2398 -idios -> generation <1074 -genea -> by the will <1012 -boule -> of God <{2316} -theos -> , fell on sleep <2837 -koimao -> , and was laid <4369 -prostithemi -> unto his fathers <3962 -pater -> , and saw <1492 -eido -> corruption <1312 -diaphthora -> :

2316 ACT 013 037 But he , whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> raised <1453 -egeiro -> again <1453 -egeiro -> , saw <1492 -eido -> no <3756 -ou -> corruption <1312 -diaphthora -> .

2316 ACT 013 043 Now <1161 -de -> when the congregation <4864 -sunagoge -> was broken <3089 -luo -> up , many <4183 -polus -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> and religious <4576 -sebomai -> proselytes <4339 -proselutos -> followed <0190 -akoloutheo -> Paul <3972 -Paulos -> and Barnabas <0921 -Barnabas -> : who <3748 -hostis -> , speaking <4354 -proslaleo -> to them , persuaded <3982 -peitho -> them to continue <1961 -epimeno -> in the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 044 And the next <2064 -erchomai -> sabbath <4521 -sabbaton -> day came <4863 -sunago -> almost <4975 -schedon -> the whole <3956 -pas -> city <4172 -polis -> together <4863 -sunago -> to hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 013 046 Then <1161 -de -> Paul <3972 -Paulos -> and Barnabas <0921 -Barnabas -> waxed <3955 -parrhesiazomai -> bold <3955 -parrhesiazomai -> , and said <2036 -epo -> , It was necessary <0316 -anagkaios -> that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> should first <4412 -proton -> have been spoken <2980 -laleo -> to you : but seeing <1894 -epeide -> ye put <0683 -apotheomai -> it from you , and judge <2919 -krino -> yourselves <1438 -heautou -> unworthy <0514 -axios -> of everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , lo <2400 -idou -> , we turn <4762 -strepho -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> .

2316 ACT 014 011 And when the people <3793 -ochlos -> saw <1492 -eido -> what <3739 -hos -> Paul <3972 -Paulos -> had done <4160 -poieo -> , they lifted <1869 -epairo -> up their voices <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> in the speech <3072 -Lukaonisti -> of Lycaonia <3071 -Lukaonia -> , The gods <{2316} -theos -> are come <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> to us in the likeness <3666 -homoioo -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 ACT 014 015 And saying <3004 -lego -> , Sirs <0435 -aner -> , why <5101 -tis -> do <4160 -poieo -> ye these <5130 -touton -> things ? We also <2532 -kai -> are men <0444 -anthropos -> of like <3663 -homoiopathes -> passions <3663 -homoiopathes -> with you , and preach <2097 -euaggelizo -> unto you that ye should turn <1994 -epistrepho -> from these <5023 -tauta -> vanities <3152 -mataios -> unto the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and all <3956 -pas -> things that are therein <0846 -autos -> :

2316 ACT 014 022 Confirming <1991 -episterizo -> the souls

<5590 -psuche -> of the disciples <3101 -mathetes -> , [and] exhorting <3870 -parakaleo -> them to continue <1696 -emmeno -> in the faith <4102 -pistis -> , and that we must <1163 -dei -> through <1223 -dia -> much <4183 -polus -> tribulation <2347 -thlipsis -> enter <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 014 026 And thence <1564 -ekeithen -> sailed <0636 -apopleo -> to Antioch <0490 -Antiocheia -> , from whence <3606 -hothen -> they had been recommended <3860 -paradidomi -> to the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> for the work <2041 -ergon -> which <3739 -hos -> they fulfilled <4137 -pleroo -> .

2316 ACT 014 027 And when they were come <3854 -paraginomai -> , and had gathered <4863 -sunago -> the church <1577 -ekklesia -> together <4863 -sunago -> , they rehearsed <0312 -anaggello -> all <3745 -hosos -> that God <{2316} -theos -> had done <4160 -poieo -> with them , and how he had opened <0455 -anoigo -> the door <2374 -thura -> of faith <4102 -pistis -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> .

2316 ACT 015 004 And when they were come <3854 -paraginomai -> to Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , they were received <0588 -apodechomai -> of the church <1577 -ekklesia -> , and [of] the apostles <0652 -apostolos -> and elders <4245 -presbuteros -> , and they declared <0312 -anaggello -> all <3745 -hosos -> things that God <{2316} -theos -> had done <4160 -poieo -> with them .

2316 ACT 015 007 And when there had been <1096 -ginomai -> much <4183 -polus -> disputing <4803 -suzetesis -> , Peter <4074 -Petros -> rose <0450 -anistemi -> up , and said <2036 -epo -> unto them , Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , ye know <1987 -epistamai -> how that a good while <2250 -hemera -> ago <0575 -apo -> God <{2316} -theos -> made <1586 -eklegomai -> choice <1586 -eklegomai -> among <1722 -en -> us , that the Gentiles <1484 -ethnos -> by my mouth <4750 -stoma -> should hear <0191 -akouo -> the word <3056 -logos -> of the gospel <2098 -euaggelion -> , and believe <4100 -pisteuo -> .

2316 ACT 015 008 And God <{2316} -theos -> , which knoweth <2589 -kardiognostes -> the hearts <2589 -kardiognostes -> , bare <3140 -martureo -> them witness <3140 -martureo -> , giving <1325 -didomi -> them the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , even <2532 -kai -> as [he did] unto us ;

2316 ACT 015 010 Now <3568 -nun -> therefore <3767 -oun -> why <5101 -tis -> tempt <3985 -peirazo -> ye God <{2316} -theos -> , to put <2007 -epitithemi -> a yoke <2218 -zugos -> upon the neck <5137 -trachelos -> of the disciples <3101 -mathetes -> , which <3739 -hos -> neither <3777 -oute -> our fathers <3962 -pater -> nor <3777 -oute -> we were able <2480 -ischuo -> to bear <0941 -bastazo -> ?

2316 ACT 015 012 Then <1161 -de -> all <3956 -pas -> the multitude <4128 -plethos -> kept <4601 -sigao -> silence <4601 -sigao -> , and gave audience <0191 -akouo -> to Barnabas <0921 -Barnabas -> and Paul <3972 -Paulos -> , declaring <1834 -exegeomai -> what <3745 -hosos -> miracles <4592 -semeion -> and wonders <5059 -teras -> God <{2316} -theos -> had wrought <4160 -poieo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> by them .

2316 ACT 015 014 Simeon <4826 -Sumeon -> hath declared <1834 -

exegeomai -> how <2531 -kathos -> God <{2316} -theos -> at the first <4412 -proton -> did visit <1980 -episkeptomai -> the Gentiles <1484 -ethnos -> , to take <2983 -lambano -> out of them a people <2992 -laos -> for his name <3686 -onoma -> .

2316 ACT 015 018 Known <1110 -gnostos -> unto God <{2316} -theos -> are all <3956 -pas -> his works <2041 -ergon -> from the beginning of the world <0165 -aion -> .

2316 ACT 015 019 Wherefore <1352 -dio -> my sentence <2919 -krino -> is , that we trouble <3926 -parenochleo -> not them , which <3588 -ho -> from among <0575 -apo -> the Gentiles <1484 -ethnos -> are turned <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> :

2316 ACT 015 040 And Paul <3972 -Paulos -> chose <1951 -epilegomai -> Silas <4609 -Silas -> , and departed <1831 -exerchomai -> , being recommended <3860 -paradidomi -> by the brethren <0080 -adephos -> unto the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 016 014 And a certain <5100 -tis -> woman <1135 -gune -> named <3686 -onoma -> Lydia <3070 -Ludia -> , a seller <4211 -porphuropolis -> of purple <4211 -porphuropolis -> , of the city <4172 -polis -> of Thyatira <2363 -Thuateira -> , which worshipped <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> , heard <0191 -akouo -> [us] : whose <3739 -hos -> heart <2588 -kardia -> the Lord <2962 -kurios -> opened <1272 -dianoigo -> , that she attended <4337 -prosecho -> unto the things which were spoken <2980 -laleo -> of Paul <3972 -Paulos -> .

2316 ACT 016 017 The same <3778 -houtos -> followed <2628 -katakoloutheo -> Paul <3972 -Paulos -> and us , and cried <2896 -krazo -> , saying <3004 -lego -> , These <3778 -houtos -> men <0444 -anthropos -> are the servants <1401 -doulos -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> shew <2605 -kataggello -> unto us the way <3598 -hodos -> of salvation <4991 -soteria -> .

2316 ACT 016 025 . And at <2596 -kata -> midnight <3317 -mesonuktion -> Paul <3972 -Paulos -> and Silas <4609 -Silas -> prayed <4336 -proseuchomai -> , and sang <5214 -humneo -> praises unto God <{2316} -theos -> : and the prisoners <1198 -desmios -> heard <1874 -epakroaomai -> them .

2316 ACT 016 034 And when he had brought <0321 -anago -> them into <1519 -eis -> his house <3624 -oikos -> , he set <3908 -paratithemi -> meat <5132 -trapeza -> before <3908 -paratithemi -> them , and rejoiced <0021 -agalliao -> , believing <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> with all <3832 -panoiki -> his house <3832 -panoiki -> .

2316 ACT 017 013 But when <5613 -hos -> the Jews <2453 -Ioudaios -> of Thessalonica <2332 -Thessalonike -> had knowledge <1097 -ginosko -> that the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> was preached <2605 -kataggello -> of Paul <3972 -Paulos -> at <1722 -en -> Berea <0960 -Beroia -> , they came <2064 -erchomai -> thither <1563 -ekei -> also <2546 -kakei -> , and stirred <4531 -saleuo -> up the people <3793 -ochlos -> .

2316 ACT 017 023 For as I passed <1330 -dierchomai -> by , and beheld <0333 -antheoreo -> your <5216 -humon -> devotions <4574 -sebasma -> , I found <2147 -heurisko -> an altar <1041 -bomos -> with this <3739 -hos -> inscription <1924 -epigrapho -> , TO THE UNKNOWN <0057 -agnostos -> GOD <{2316} -theos -> . Whom <3739 -hos -> therefore <3767 -oun -> ye ignorantly <0050 -

agnoeo -> worship <2151 -eusebeo -> , him declare <2605 -
kataggello -> I unto you .

2316 ACT 017 024 God <{2316} -theos -> that made <4160 -poieo -
> the world <2889 -kosmos -> and all <3956 -pas -> things
therein <0846 -autos -> , seeing that he is Lord <2962 -kurios -
> of heaven <3772 -ouranos -> and earth <1093 -ge -> , dwelleth
<2730 -katoikeo -> not in temples <3485 -naos -> made <5499 -
cheiropoietos -> with hands <5499 -cheiropoietos -> ;

2316 ACT 017 029 Forasmuch then <3767 -oun -> as we are the
offspring <1085 -genos -> of God <{2316} -theos -> , we ought
<3784 -opheilo -> not to think <3543 -nomizo -> that the Godhead
<2304 -theios -> is like <3664 -homoios -> unto gold <5557 -
chrusos -> , or <2228 -e -> silver <0696 -arguros -> , or
<2228 -e -> stone <3037 -lithos -> , graven <5480 -charagma ->
by art <5078 -techne -> and man s <0444 -anthropos -> device
<1761 -enthumesis -> .

2316 ACT 017 030 And the times <5550 -chronos -> of this <3588 -
ho -> ignorance <0052 -agnoia -> God <{2316} -theos -> winked
<5237 -hupereido -> at ; but now <3568 -nun -> commandeth <3853
-paraggello -> all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> every
<3837 -pantachou -> where <3837 -pantachou -> to repent <3340 -
metanoeo -> :

2316 ACT 018 007 . And he departed <1831 -exerchomai -> thence
<1564 -ekeithen -> , and entered <2064 -erchomai -> into <1519 -
eis -> a certain <5100 -tis -> [man s] house <3614 -oikia ->
, named <3686 -onoma -> Justus <2459 -Ioustos -> , [one]
that worshipped <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> , whose
<3739 -hos -> house <3614 -oikia -> joined <4927 -sunomoreo ->
hard <4927 -sunomoreo -> to the synagogue <4864 -sunagoge -> .

2316 ACT 018 011 And he continued <2523 -kathizo -> [there]
a year <1763 -eniautos -> and six <1803 -hex -> months <3376 -
men -> , teaching <1321 -didasko -> the word <3056 -logos -> of
God <{2316} -theos -> among <1722 -en -> them .

2316 ACT 018 013 Saying <3004 -lego -> , This <3778 -houtos ->
[fellow] persuadeth <0374 -anapeitho -> men <0444 -anthropos
-> to worship <4576 -sebomai -> God <{2316} -theos -> contrary
<3844 -para -> to the law <3551 -nomos -> .

2316 ACT 018 021 But bade <0657 -apotassomai -> them farewell
<0657 -apotassomai -> , saying <2036 -epo -> , I must <1163 -
dei -> by all <3843 -pantos -> means <3843 -pantos -> keep <4160
-poieo -> this <3588 -ho -> feast <1859 -heorte -> that cometh
<2064 -erchomai -> in Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> : but I
will return <0344 -anakampto -> again <3825 -palin -> unto you ,
if God <{2316} -theos -> will <2309 -thelo -> . And he sailed
<0321 -anago -> from Ephesus <2181 -Ephesos -> .

2316 ACT 018 026 And he began <0756 -archomai -> to speak
boldly <3955 -parrhesiazomai -> in the synagogue <4864 -sunagoge
-> : whom <0846 -autos -> when Aquila <0207 -Akulas -> and
Priscilla <4252 -Priscilla -> had heard <0191 -akouo -> , they
took <4355 -proslambano -> him unto [them] , and expounded
<1620 -ektithemi -> unto him the way <3598 -hodos -> of God
<{2316} -theos -> more <0197 -akribesteron -> perfectly <0197 -
akribesteron -> .

2316 ACT 019 008 . And he went <1525 -eiserchomai -> into
<1519 -eis -> the synagogue <4864 -sunagoge -> , and spake
boldly <3955 -parrhesiazomai -> for the space <1909 -epi -> of
three <5140 -treis -> months <3376 -men -> , disputing <1256 -

dialegomai -> and persuading <3982 -peitho -> the things concerning <4012 -peri -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 019 011 And God <{2316} -theos -> wrought <4160 -poieo -> special <5177 -tugchano -> miracles <1411 -dunamis -> by the hands <5495 -cheir -> of Paul <3972 -Paulos -> :

2316 ACT 019 026 Moreover <2532 -kai -> ye see <2334 -theoreo -> and hear <0191 -akouo -> , that not alone <3440 -monon -> at Ephesus <2181 -Ephesos -> , but almost <4975 -schedon -> throughout all <3956 -pas -> Asia <0773 -Asia -> , this <3778 -houtos -> Paul <3972 -Paulos -> hath persuaded <3982 -peitho -> and turned <3179 -methistemi -> away <3179 -methistemi -> much <2425 -hikanos -> people <3793 -ochlos -> , saying <3004 -lego -> that they be no <3756 -ou -> gods <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> with hands <5495 -cheir -> :

2316 ACT 020 021 Testifying <1263 -diamarturomai -> both <5037 -te -> to the Jews <2453 -Ioudaios -> , and also <2532 -kai -> to the Greeks <1672 -Hellen -> , repentance <3341 -metanoia -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> , and faith <4102 -pistis -> toward <1519 -eis -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ACT 020 024 But none <3762 -oudeis -> of these things <3056 -logos -> move <4160 -poieo -> me , neither <3761 -oude -> count <2192 -echo -> I my life <5590 -psuche -> dear <5093 -timios -> unto myself <1683 -emautou -> , so <5613 -hos -> that I might finish <5048 -teleioo -> my course <1408 -dromos -> with joy <5479 -chara -> , and the ministry <1248 -diakonia -> , which <3739 -hos -> I have received <2983 -lambano -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , to testify <1263 -diamarturomai -> the gospel <2098 -euaggelion -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 020 025 And now <3568 -nun -> , behold <2400 -idou -> , I know <1492 -eido -> that ye all <3956 -pas -> , among <1722 -en -> whom <3739 -hos -> I have gone <1330 -dierchomai -> preaching <2784 -kerusso -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , shall see <3700 -optanomai -> my face <4383 -prosopon -> no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> .

2316 ACT 020 027 For I have not shunned <5288 -hupostello -> to declare <0312 -anaggello -> unto you all <3956 -pas -> the counsel <1012 -boule -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ACT 020 028 Take heed <4337 -prosecho -> therefore unto yourselves <1438 -heautou -> , and to all <3956 -pas -> the flock <4168 -poimnion -> , over <1722 -en -> the which <3739 -hos -> the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> hath made <5087 -tithemi -> you overseers <1985 -episkopos -> , to feed <4165 -poimaino -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> he hath purchased <4046 -peripoieomai -> with his own <2398 -idios -> blood <0129 -haima -> .

2316 ACT 020 032 And now <3568 -nun -> , brethren <0080 -adephos -> , I commend <3908 -paratithemi -> you to God <{2316} -theos -> , and to the word <3056 -logos -> of his grace <5485 -charis -> , which <3588 -ho -> is able <1410 -dunamai -> to build <2026 -epoikodomeo -> you up , and to give <1325 -didomi -> you an inheritance <2817 -kleronomia -> among <1722 -en -> all <3956 -pas -> them which are sanctified <0037 -hagiazo -> .

2316 ACT 021 019 And when he had saluted <0782 -aspazomai -> them , he declared <1834 -exegeomai -> particularly <2596 -kata -> what <3739 -hos -> things God <{2316} -theos -> had wrought <4160 -poieo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> by his ministry <1248 -diakonia -> .

2316 ACT 022 003 . I am <1510 -eimi -> verily <3303 -men -> a man <0435 -aner -> [which am] a Jew <2453 -Ioudaios -> , born <1080 -gennao -> in Tarsus <5019 -Tarsos -> , [a city] in Cilicia <2791 -Kilikia -> , yet brought <0397 -anatrepho -> up in this <5026 -taute -> city <4172 -polis -> at <3844 -para -> the feet <4228 -pous -> of Gamaliel <1059 -Gamaliel -> , [and] taught <3811 -paideuo -> according <2596 -kata -> to the perfect <0195 -akribeia -> manner <0195 -akribeia -> of the law <3551 -nomos -> of the fathers <3971 -patroios -> , and was zealous <2207 -zelotes -> toward God <{2316} -theos -> , as ye all <3956 -pas -> are this <4594 -semeron -> day <4594 -semeron -> .

2316 ACT 022 014 And he said <2036 -epo -> , The God <{2316} -theos -> of our fathers <3962 -pater -> hath chosen <4400 -procheirizomai -> thee , that thou shouldest know <1097 -ginosko -> his will <2307 -thelema -> , and see <1492 -eido -> that Just <1342 -dikaios -> One , and shouldest hear <0191 -akouo -> the voice <5456 -phone -> of his mouth <4750 -stoma -> .

2316 ACT 023 001 . And Paul <3972 -Paulos -> , earnestly <0816 -atenizo -> beholding <0816 -atenizo -> the council <4892 -sunedrion -> , said <2036 -epo -> , Men <0435 -aner -> [and] brethren <0080 -adephos -> , I have lived <4176 -politeuomai -> in all <3956 -pas -> good <0018 -agathos -> conscience <4893 -suneidesis -> before God <{2316} -theos -> until <0891 -achri -> this <5026 -taute -> day <2250 -hemera -> .

2316 ACT 023 003 Then <5119 -tote -> said <2036 -epo -> Paul <3972 -Paulos -> unto him , God <{2316} -theos -> shall smite <5180 -tupto -> thee , [thou] whited <2867 -koniao -> wall <5109 -toichos -> : for sittest <2521 -kathemai -> thou to judge <2919 -krino -> me after <2596 -kata -> the law <3551 -nomos -> , and commandest <2753 -keleuo -> me to be smitten <5180 -tupto -> contrary <3891 -paranomeo -> to the law <3891 -paranomeo -> ?

2316 ACT 023 004 And they that stood <3936 -paristemi -> by said <2036 -epo -> , Revilest <3058 -loidoreo -> thou God s <{2316} -theos -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> ?

2316 ACT 024 014 But this <5124 -touto -> I confess <3670 -homologeo -> unto thee , that after <2596 -kata -> the way <3598 -hodos -> which <3739 -hos -> they call <3004 -lego -> heresy <0139 -hairesis -> , so <3779 -houto -> worship <3000 -latreuo -> I the God <{2316} -theos -> of my fathers <3971 -patroios -> , believing <4100 -pisteuo -> all <3956 -pas -> things which <3588 -ho -> are written <1125 -grapho -> in the law <3551 -nomos -> and in the prophets <4396 -prophetes -> :

2316 ACT 024 015 And have <2192 -echo -> hope <1680 -elpis -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> they themselves <0846 -autos -> also <2532 -kai -> allow <4327 -prosdechomai -> , that there shall be a resurrection <0386 -anastasis -> of the dead <3498 -nekros -> , both <5037 -te -> of the just <1342 -dikaios -> and unjust <0094 -adikos -> .

2316 ACT 024 016 And herein <5129 -toutoi -> do I exercise <0778 -askeo -> myself , to have <2192 -echo -> always <1275 -

diapantos -> a conscience <4893 -suneidesis -> void <0677 -
aproskopos -> of offence <0677 -aproskopos -> toward <4314 -pros
-> God <{2316} -theos -> , and [toward] men <0444 -
anthropos -> .

2316 ACT 026 006 And now <3568 -nun -> I stand <2476 -histemi -
> and am judged <2919 -krino -> for the hope <1680 -elpis -> of
the promise <1860 -epaggelia -> made <1096 -ginomai -> of God
<{2316} -theos -> unto our fathers <3962 -pater -> :

2316 ACT 026 008 Why <5101 -tis -> should it be thought <2919 -
krino -> a thing incredible <0571 -apistos -> with you , that
God <{2316} -theos -> should raise <1453 -egeiro -> the dead
<3498 -nekros -> ?

2316 ACT 026 018 To open <0455 -anoigo -> their eyes <3788 -
ophthalmos -> , [and] to turn <1994 -epistrepho -> [them
] from darkness <4655 -skotos -> to light <5457 -phos -> , and
[from] the power <1849 -exousia -> of Satan <4567 -Satanas -
> unto God <{2316} -theos -> , that they may receive <2983 -
lambano -> forgiveness <0859 -aphesis -> of sins <0266 -hamartia
-> , and inheritance <2819 -kleros -> among <1722 -en -> them
which are sanctified <0037 -hagiazo -> by faith <4102 -pistis ->
that is in me .

2316 ACT 026 020 But shewed <0518 -apaggello -> first <4412 -
proton -> unto them of Damascus <1154 -Damaskos -> , and at
Jerusalem <2414 -Hierosoluma -> , and throughout <1519 -eis ->
all <3956 -pas -> the coasts <5561 -chora -> of Judaea <2449 -
Ioudaia -> , and [then] to the Gentiles <1484 -ethnos -> ,
that they should repent <3340 -metanoeo -> and turn <1994 -
epistrepho -> to God <{2316} -theos -> , and do <4238 -prasso -
> works <2041 -ergon -> meet <0514 -axios -> for repentance
<3341 -metanoia -> .

2316 ACT 026 022 Having therefore <3767 -oun -> obtained <5177 -
tugchano -> help <1947 -epikouria -> of God <{2316} -theos -> ,
I continue <2476 -histemi -> unto this <5026 -taute -> day <2250
-hemera -> , witnessing <3140 -martureo -> both <5037 -te -> to
small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> , saying <3004
-lego -> none <3762 -oudeis -> other <1622 -ektos -> things than
those which <3739 -hos -> the prophets <4396 -prophetes -> and
Moses <3475 -Moseus -> did say <2980 -laleo -> should <3195 -
mello -> come <1096 -ginomai -> :

2316 ACT 026 029 And Paul <3972 -Paulos -> said <2036 -epo -> ,
I would <2172 -euchomai -> to God <{2316} -theos -> , that not
only <3440 -monon -> thou , but also <2532 -kai -> all <3956 -
pas -> that hear <0191 -akouo -> me this <4594 -semeron -> day
<4594 -semeron -> , were both <2532 -kai -> almost <3641 -
oligos -> , and altogether <4183 -polus -> such <5108 -toioutos
-> as I am <1510 -eimi -> , except <3923 -pareisphero -> these
<5130 -touton -> bonds <1199 -desmon -> .

2316 ACT 027 023 For there stood <3936 -paristemi -> by me this
<5026 -taute -> night <3571 -nux -> the angel <0032 -aggelos ->
of God <{2316} -theos -> , whose <3739 -hos -> I am <1510 -eimi
-> , and whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> ,

2316 ACT 027 024 Saying <3004 -lego -> , Fear <5399 -phobeo ->
not , Paul <3972 -Paulos -> ; thou must <1163 -dei -> be
brought <3936 -paristemi -> before <3936 -paristemi -> Caesar
<2541 -Kaisar -> : and , lo <2400 -idou -> , God <{2316} -
theos -> hath given <5483 -charizomai -> thee all <3956 -pas ->
them that sail <4126 -pleo -> with thee .

2316 ACT 027 025 Wherefore <1352 -dio -> , sirs <0435 -aner -> , be of good cheer <2114 -euthumeo -> : for I believe <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , that it shall be even <3779 -houto -> as it was told <2980 -laleo -> me .

2316 ACT 027 035 And when he had thus <5023 -tauta -> spoken <2036 -epo -> , he took <2983 -lambano -> bread <0740 -artos -> , and gave thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> in presence <1799 -enopion -> of them all <3956 -pas -> : and when he had broken <2806 -klao -> [it] , he began <0756 -archomai -> to eat <2068 -esthio -> .

2316 ACT 028 006 Howbeit they looked <4328 -prosdokao -> when he should <3195 -mello -> have swollen <4092 -pimpremi -> , or <2228 -e -> fallen <2667 -katapipto -> down <2667 -katapipto -> dead <3498 -nekros -> suddenly <0869 -aphno -> : but after they had looked <4328 -prosdokao -> a great <4183 -polus -> while , and saw <2334 -theoreo -> no <3367 -medeis -> harm <0824 -atopos -> come <1096 -ginomai -> to him , they changed <3328 -metaballo -> their minds , and said <3004 -lego -> that he was a god <{2316} -theos -> .

2316 ACT 028 015 And from thence <1564 -ekeithen -> , when the brethren <0080 -adephos -> heard <0191 -akouo -> of us , they came <1831 -exerchomai -> to meet <0529 -apantesis -> us as far <0891 -achri -> as Appii <0675 ->Appios -> forum <5410 -Phoron -> , and The three <5140 -treis -> taverns <4999 -Tabernai -> : whom <3739 -hos -> when Paul <3972 -Paulos -> saw <1492 -eido -> , he thanked <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> , and took <2983 -lambano -> courage <2294 -tharsos -> .

2316 ACT 028 023 . And when they had appointed <5021 -tasso -> him a day <2250 -hemera -> , there came <2240 -heko -> many <4119 -pleion -> to him into <1519 -eis -> [his] lodging <3578 -xenia -> ; to whom <3739 -hos -> he expounded <1620 -ektithemi -> and testified <1263 -diamarturomai -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , persuading <3982 -peitho -> them concerning <4012 -peri -> Jesus <2424 -Iesous -> , both <5037 -te -> out of the law <3551 -nomos -> of Moses <3475 -Moseus -> , and [out of] the prophets <4396 -prophetes -> , from morning <4404 -proi -> till <2193 -heos -> evening <2073 -hespera -> .

2316 ACT 028 028 Be it known <1110 -gnostos -> therefore <3767 -oun -> unto you , that the salvation <4992 -soterion -> of God <{2316} -theos -> is sent <0649 -apostello -> unto the Gentiles <1484 -ethnos -> , and [that] they will hear <0191 -akouo -> it .

2316 ACT 028 031 Preaching <2784 -kerusso -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , and teaching <1321 -didasko -> those <3588 -ho -> things which concern <4012 -peri -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , with all <3956 -pas -> confidence <3954 -parrhesia -> , no <0209 -akolutos -> man forbidding <0209 -akolutos -> him

2316 ROM 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -doulos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , called <2822 -kletos -> [to be] an apostle <0652 -apostolos -> , separated <0873 -aphorizo -> unto the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 001 004 And declared <3724 -horizo -> [to be] the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> with power <1411 -dunamis -> , according <2596 -kata -> to the spirit <4151 -

pneuma -> of holiness <0042 -hagiosune -> , by the resurrection <0386 -anastasis -> from the dead <3498 -nekros -> :

2316 ROM 001 007 To all <3956 -pas -> that be in Rome <4516 -Rhome -> , beloved <0027 -agapetos -> of God <2316 -theos -> , called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> : Grace <5485 -charis -> to you and peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 001 007 To all <3956 -pas -> that be in Rome <4516 -Rhome -> , beloved <0027 -agapetos -> of God <{2316} -theos -> , called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> : Grace <5485 -charis -> to you and peace <1515 -eirene -> from God <2316 -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 001 008 . First <4412 -proton -> , I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> for you all <3956 -pas -> , that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> is spoken <2605 -kataggello -> of throughout <1722 -en -> the whole <3650 -holos -> world <2889 -kosmos -> .

2316 ROM 001 009 For God <{2316} -theos -> is my witness <3144 -martus -> , whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> with my spirit <4151 -pneuma -> in the gospel <2098 -euaggelion -> of his Son <5207 -huios -> , that without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> I make <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of you always <3842 -pantote -> in my prayers <4335 -proseuche -> ;

2316 ROM 001 010 Making <1189 -deomai -> request <1189 -deomai -> , if <1513 -ei pos -> by any <4458 - -pos -> means <4458 - -pos -> now <2236 -hedista -> at <4218 -pote -> length <4218 -pote -> I might have a prosperous <2137 -euodoo -> journey <2137 -euodoo -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> to come <2064 -erchomai -> unto you .

2316 ROM 001 016 . For I am not ashamed <1870 -epaischunomai -> of the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> : for it is the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> unto salvation <4991 -soteria -> to every <3956 -pas -> one that believeth <4100 -pisteuo -> ; to the Jew <2453 -Ioudaios -> first <4412 -proton -> , and also <2532 -kai -> to the Greek <1672 -Hellen -> .

2316 ROM 001 017 For therein <0846 -autos -> is the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> revealed <0601 -apokalupto -> from faith <4102 -pistis -> to faith <4102 -pistis -> : as it is written <1125 -grapho -> , The just <1342 -dikaios -> shall live <2198 -zao -> by faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 001 018 For the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> is revealed <0601 -apokalupto -> from heaven <3772 -ouranos -> against <1909 -epi -> all <3956 -pas -> ungodliness <0763 -asebeia -> and unrighteousness <0093 -adikia -> of men <0444 -anthropos -> , who <3588 -ho -> hold <2722 -katecho -> the truth <0225 -aletheia -> in unrighteousness <0093 -adikia -> ;

2316 ROM 001 019 . Because <1360 -dioti -> that which may be known <1110 -gnostos -> of God <2316 -theos -> is manifest <5319

-phaneroo -> in them ; for God <{2316} -theos -> hath shewed <5319 -phaneroo -> [it] unto them .

2316 ROM 001 019 . Because <1360 -dioti -> that which may be known <1110 -gnostos -> of God <{2316} -theos -> is manifest <5319 -phaneroo -> in them ; for God <2316 -theos -> hath shewed <5319 -phaneroo -> [it] unto them .

2316 ROM 001 021 Because <1360 -dioti -> that , when they knew <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> , they glorified <1392 -doxazo -> [him] not as God <{2316} -theos -> , neither <2228 -e -> were thankful <2168 -eucharisteo -> ; but became <3154 -mataioo -> vain <3154 -mataioo -> in their imaginations <1261 -dialogismos -> , and their foolish <0801 -asunetos -> heart <2588 -kardia -> was darkened <4654 -skotizo -> .

2316 ROM 001 021 Because <1360 -dioti -> that , when they knew <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> , they glorified <1392 -doxazo -> [him] not as God <2316 -theos -> , neither <2228 -e -> were thankful <2168 -eucharisteo -> ; but became <3154 -mataioo -> vain <3154 -mataioo -> in their imaginations <1261 -dialogismos -> , and their foolish <0801 -asunetos -> heart <2588 -kardia -> was darkened <4654 -skotizo -> .

2316 ROM 001 023 And changed <0236 -allasso -> the glory <1391 -doxa -> of the uncorruptible <0862 -aphthartos -> God <{2316} -theos -> into <1722 -en -> an image <1504 -eikon -> made like <3667 -homoioma -> to corruptible <5349 -phthartos -> man <0444 -anthropos -> , and to birds <4071 -peteinon -> , and fourfooted <5074 -tetrapous -> beasts <5074 -tetrapous -> , and creeping <2062 -herpeton -> things .

2316 ROM 001 024 Wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> gave <3860 -paradidomi -> them up to uncleanness <0167 -akatharsia -> through <1722 -en -> the lusts <1939 -epithumia -> of their own hearts <2588 -kardia -> , to dishonour <0818 -atimazo -> their own bodies <4983 -soma -> between <1722 -en -> themselves <1438 -heautou -> :

2316 ROM 001 025 Who <3748 -hostis -> changed <3337 -metallasso -> the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> into <1722 -en -> a lie <5579 -pseudos -> , and worshipped <4573 -sebazomai -> and served <3000 -latreuo -> the creature <2937 -ktisis -> more <3844 -para -> than <3844 -para -> the Creator <2936 -ktizo -> , who <3739 -hos -> is blessed <2128 -eulogetos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 001 026 For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> God <{2316} -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them up unto vile <0819 -atimia -> affections <3806 -pathos -> : for even <5037 -te -> their women <2338 -thelus -> did change <3337 -metallasso -> the natural <5446 -phusikos -> use <5540 -chresis -> into <1519 -eis -> that which is against <3844 -para -> nature <5449 -phusis -> :

2316 ROM 001 028 And even <2531 -kathos -> as they did not like <1381 -dokimazo -> to retain <2192 -echo -> God <2316 -theos -> in [their] knowledge <1922 -epignosis -> , God <{2316} -theos -> gave <3860 -paradidomi -> them over <3860 -paradidomi -> to a reprobate <0096 -adokimos -> mind <3563 -nous -> , to do <4160 -poieo -> those <3588 -ho -> things which are not convenient <2520 -katheko -> ;

2316 ROM 001 028 And even <2531 -kathos -> as they did not like <1381 -dokimazo -> to retain <2192 -echo -> God <{2316} -theos -> in [their] knowledge <1922 -epignosis -> , God <2316 -

theos -> gave <3860 -paradidomi -> them over <3860 -paradidomi -> to a reprobate <0096 -adokimos -> mind <3563 -nous -> , to do <4160 -poieo -> those <3588 -ho -> things which are not convenient <2520 -katheko -> ;

2316 ROM 001 032 Who <3748 -hostis -> knowing <1921 -epiginosko -> the judgment <1345 -dikaioma -> of God <{2316} -theos -> , that they which commit <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things are worthy <0514 -axios -> of death <2288 -thanatos -> , not only <3440 -monon -> do the same <0846 -autos -> , but have pleasure <4909 -suneudokeo -> in them that do <4238 -prasso -> them .

2316 ROM 002 002 But we are sure <1492 -eido -> that the judgment <2917 -krima -> of God <{2316} -theos -> is according <2596 -kata -> to truth <0225 -aletheia -> against <1909 -epi -> them which commit <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things .

2316 ROM 002 003 And thinkest <3049 -logizomai -> thou this <5124 -touto -> , O man <0444 -anthropos -> , that judgest <2919 -krino -> them which do <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things , and doest <4160 -poieo -> the same <0846 -autos -> , that thou shalt escape <1628 -ekpheugo -> the judgment <2917 -krima -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 ROM 002 004 Or <2228 -e -> despisest <2706 -kataphroneo -> thou the riches <4149 -ploutos -> of his goodness <5544 -chrestotes -> and forbearance <0463 -anoche -> and longsuffering <3115 -makrothumia -> ; not knowing <0050 -agnoeo -> that the goodness <5543 -chrestos -> of God <{2316} -theos -> leadeth <0071 -ago -> thee to repentance <3341 -metanoia -> ?

2316 ROM 002 005 But after <2596 -kata -> thy hardness <4643 -sklerotes -> and impenitent <0279 -ametanoetos -> heart <2588 -kardia -> treasurest <2343 -thesaurizo -> up unto thyself <4572 -seautou -> wrath <3709 -orge -> against <1722 -en -> the day <2250 -hemera -> of wrath <3709 -orge -> and revelation <0602 -apokalupsis -> of the righteous <1341 -dikaiokrisia -> judgment <1341 -dikaiokrisia -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 002 011 For there is no <3756 -ou -> respect <4382 -prosopolepsia -> of persons <4382 -prosopolepsia -> with God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 002 013 (For not the hearers <0202 -akroates -> of the law <3551 -nomos -> [are] just <1342 -dikaios -> before <3844 -para -> God <{2316} -theos -> , but the doers <4163 -poietes -> of the law <3551 -nomos -> shall be justified <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 002 016 In the day <2250 -hemera -> when <3753 -hote -> God <{2316} -theos -> shall judge <2919 -krino -> the secrets <2927 -kruptos -> of men <0444 -anthropos -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> according <2596 -kata -> to my gospel <2098 -euaggelion -> .

2316 ROM 002 017 . Behold <2396 -ide -> , thou art called <2028 -eponomazo -> a Jew <2453 -Ioudaios -> , and restest <1879 -epanapauomai -> in the law <3551 -nomos -> , and makest <2744 -kauchaomai -> thy boast <2744 -kauchaomai -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 002 023 Thou that makest <2744 -kauchaomai -> thy boast <2744 -kauchaomai -> of the law <3551 -nomos -> , through <1223 -dia -> breaking <3847 -parabasis -> the law <3551 -nomos -

> dishonourest <0818 -atimazo -> thou God <{2316} -theos -> ?

2316 ROM 002 024 For the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> is blasphemed <0987 -blasphemeo -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> through <1223 -dia -> you , as it is written <1125 -grapho -> .

2316 ROM 002 029 But he [is] a Jew <2453 -Ioudaios -> , which is one inwardly <2927 -kruptos -> ; and circumcision <4061 -peritome -> [is that] of the heart <2588 -kardia -> , in the spirit <4151 -pneuma -> , [and] not in the letter <1121 -gramma -> ; whose <3739 -hos -> praise <1868 -epainos -> [is] not of men <0444 -anthropos -> , but of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 002 Much <4183 -polus -> every <3956 -pas -> way <5158 -tropos -> : chiefly <4412 -proton -> , because <3754 -hoti -> that unto them were committed <4100 -pisteuo -> the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 003 For what <5101 -tis -> if <1487 -ei -> some <5100 -tis -> did not believe <0569 -apisteo -> ? shall their unbelief <0570 -apaistia -> make <2673 -katargeo -> the faith <4102 -pistis -> of God <{2316} -theos -> without <2673 -katargeo -> effect <2673 -katargeo -> ?

2316 ROM 003 004 God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : yea <1161 -de -> , let God <{2316} -theos -> be true <0227 -alethes -> , but every <3956 -pas -> man <0444 -anthropos -> a liar <5583 -pseustes -> ; as it is written <1125 -grapho -> , That thou mightest be justified <1344 -dikaioo -> in thy sayings <3056 -logos -> , and mightest overcome <3528 -nikao -> when <3588 -ho -> thou art judged <2919 -krino -> .

2316 ROM 003 005 But if <1487 -ei -> our unrighteousness <0093 -adikia -> commend <4921 -sunistao -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <2316 -theos -> , what <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> ? [Is] God <{2316} -theos -> unrighteous <0094 -adikos -> who <3588 -ho -> taketh <2018 -epiphero -> vengeance <3709 -orge -> ? (I speak <3004 -lego -> as a man <0444 -anthropos ->)

2316 ROM 003 005 But if <1487 -ei -> our unrighteousness <0093 -adikia -> commend <4921 -sunistao -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> , what <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> ? [Is] God <2316 -theos -> unrighteous <0094 -adikos -> who <3588 -ho -> taketh <2018 -epiphero -> vengeance <3709 -orge -> ? (I speak <3004 -lego -> as a man <0444 -anthropos ->)

2316 ROM 003 006 God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : for then how <4459 -pos -> shall God <{2316} -theos -> judge <2919 -krino -> the world <2889 -kosmos -> ?

2316 ROM 003 007 For if <1487 -ei -> the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> hath more abounded <4052 -perisseuo -> through <1722 -en -> my lie <5582 -pseusma -> unto his glory <1391 -doxa -> ; why <5101 -tis -> yet <2089 -eti -> am I also <2504 -kago -> judged <2919 -krino -> as a sinner <0268 -hamartolos -> ?

2316 ROM 003 011 There is none <3756 -ou -> that understandeth <4920 -suniemi -> , there is none <3756 -ou -> that seeketh <1567 -ekzeteo -> after <1567 -ekzeteo -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 018 There is no <3756 -ou -> fear <5401 -phobos ->

of God <{2316} -theos -> before <0561 -apenanti -> their eyes <3788 -ophthalmos -> .

2316 ROM 003 019 . Now <1161 -de -> we know <1492 -eido -> that what <3745 -hosos -> things soever <1437 -ean -> the law <3551 -nomos -> saith <3004 -lego -> , it saith <2980 -laleo -> to them who are under <1722 -en -> the law <3551 -nomos -> : that every <3956 -pas -> mouth <4750 -stoma -> may be stopped <5420 -phrasso -> , and all <3956 -pas -> the world <2889 -kosmos -> may become <1096 -ginomai -> guilty <5267 -hupodikos -> before God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 003 021 But now <3568 -nun -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> without <5565 -choris -> the law <3551 -nomos -> is manifested <5319 -phaneroo -> , being witnessed <3140 -martureo -> by the law <3551 -nomos -> and the prophets <4396 -prophetes -> ;

2316 ROM 003 022 Even <1161 -de -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> [which is] by faith <4102 -pistis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> unto all <3956 -pas -> and upon all <3956 -pas -> them that believe <4100 -pisteuo -> : for there is no <3756 -ou -> difference <1293 -diastole -> :

2316 ROM 003 023 For all <3956 -pas -> have sinned <0264 -hamartano -> , and come <5302 -hustereo -> short <5302 -hustereo -> of the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 003 025 Whom <3739 -hos -> God <2316 -theos -> hath set <4388 -protithemai -> forth <4388 -protithemai -> [to be] a propitiation <2435 -hilasterion -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> in his blood <0129 -haima -> , to declare <1732 -endeixis -> his righteousness <1343 -dikaiosune -> for the remission <3929 -paresis -> of sins <0265 -hamartema -> that are past <4266 -proginomai -> , through <1722 -en -> the forbearance <0463 -anoche -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 003 025 Whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath set <4388 -protithemai -> forth <4388 -protithemai -> [to be] a propitiation <2435 -hilasterion -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> in his blood <0129 -haima -> , to declare <1732 -endeixis -> his righteousness <1343 -dikaiosune -> for the remission <3929 -paresis -> of sins <0265 -hamartema -> that are past <4266 -proginomai -> , through <1722 -en -> the forbearance <0463 -anoche -> of God <2316 -theos -> ;

2316 ROM 003 029 [Is he] the God <{2316} -theos -> of the Jews <2453 -Ioudaios -> only <3440 -monon -> ? [is he] not also <2532 -kai -> of the Gentiles <1484 -ethnos -> ? Yes <3483 -nai -> , of the Gentiles <1484 -ethnos -> also <2532 -kai -> :

2316 ROM 003 030 Seeing <1897 -epeiper -> [it is] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> shall justify <1344 -dikaioo -> the circumcision <4061 -peritome -> by faith <4102 -pistis -> , and uncircumcision <0203 -akrobustia -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 004 002 For if <1487 -ei -> Abraham <0011 -Abraam ->were justified <1344 -dikaioo -> by works <2041 -ergon -> , he hath <2192 -echo -> [whereof] to glory <2745 -kauchema -> ; but not before <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 004 003 For what <5101 -tis -> saith <3004 -lego -> the scripture <1124 -graphe -> ? Abraham <0011 -Abraam -

>believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was counted <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> .

2316 ROM 004 006 Even <2509 -kathaper -> as David <1138 -Dabid -> also <2532 -kai -> describeth <3004 -lego -> the blessedness <3108 -makarismos -> of the man <0444 -anthropos -> , unto whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> imputeth <3049 -logizomai -> righteousness <1343 -dikaiosune -> without <5565 -choris -> works <2041 -ergon -> ,

2316 ROM 004 017 . (As it is written <1125 -grapho -> , I have made <5087 -tithemi -> thee a father <3962 -pater -> of many <4183 -polus -> nations <1484 -ethnos -> ,) before <2713 -katenanti -> him whom <3739 -hos -> he believed <4100 -pisteuo -> , [even] God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> quickeneth <2227 -zoopoieo -> the dead <3498 -nekros -> , and calleth <2564 -kaleo -> those <3588 -ho -> things which be not as though they were .

2316 ROM 004 020 He staggered <1252 -diakrino -> not at <1519 -eis -> the promise <1860 -epaggelia -> of God <2316 -theos -> through unbelief <0570 -apaistia -> ; but was strong <1743 -endunamoo -> in faith <4102 -pistis -> , giving glory <1391 -doxa -> to God <{2316} -theos -> ;

2316 ROM 004 020 He staggered <1252 -diakrino -> not at <1519 -eis -> the promise <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> through unbelief <0570 -apaistia -> ; but was strong <1743 -endunamoo -> in faith <4102 -pistis -> , giving glory <1391 -doxa -> to God <2316 -theos -> ;

2316 ROM 005 001 . Therefore <3767 -oun -> being justified <1344 -dikaioo -> by faith <4102 -pistis -> , we have <2192 -echo -> peace <1515 -eirene -> with God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 ROM 005 002 By whom <3739 -hos -> also <2532 -kai -> we have <2192 -echo -> access <4318 -prosagoge -> by faith <4102 -pistis -> into <1519 -eis -> this <5026 -taute -> grace <5485 -charis -> wherein <3757 -hou -> we stand <2476 -histemi -> , and rejoice <2744 -kauchaomai -> in hope <1680 -elpis -> of the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 005 005 And hope <1680 -elpis -> maketh <2617 -kataischuno -> not ashamed <2617 -kataischuno -> ; because <3754 -hoti -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> is shed <1632 -ekcheo -> abroad <1632 -ekcheo -> in our hearts <2588 -kardia -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> unto us .

2316 ROM 005 008 But God <{2316} -theos -> commendeth <4921 -sunistao -> his love <0026 -agape -> toward <1519 -eis -> us , in that , while we were yet <2089 -eti -> sinners <0268 -hamartolos -> , Christ <5547 -Christos -> died <0599 -apothnesko -> for us .

2316 ROM 005 010 For if <1477 -hedraioma -> , when we were enemies <2190 -echthros -> , we were reconciled <2644 -katallasso -> to God <{2316} -theos -> by the death <2288 -thanatos -> of his Son <5207 -huios -> , much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> , being reconciled <2644 -katallasso -> , we shall be saved <4982 -sozo -> by his life <2222 -zoe -> .

2316 ROM 005 011 And not only <3440 -monon -> [so] , but

we also <2532 -kai -> joy <2744 -kauchaomai -> in God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , by whom <3739 -hos -> we have now <3568 -nun -> received <2983 -lambano -> the atonement <2643 -katallage -> .

2316 ROM 005 015 But not as the offence <3900 -paraptoma -> , so <3779 -houto -> also <2532 -kai -> [is] the free <5486 -charisma -> gift <5486 -charisma -> . For if <1477 -hedraioma -> through the offence <3900 -paraptoma -> of one <1520 -heis -> many <4183 -polus -> be dead <0599 -apothnesko -> , much <4183 -polus -> more <3123 -mallon -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> , and the gift <1431 -dorea -> by grace <5485 -charis -> , [which <3588 -ho -> is] by one <1520 -heis -> man , Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , hath abounded <4052 -perisseuo -> unto many <4183 -polus -> .

2316 ROM 006 010 For in that he died <0599 -apothnesko -> , he died <0599 -apothnesko -> unto sin <0266 -hamartia -> once <2178 -ephapax -> : but in that he liveth <2198 -zao -> , he liveth <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 006 011 Likewise <3779 -houto -> reckon <3049 -logizomai -> ye also <2532 -kai -> yourselves <1438 -heautou -> to be dead <3498 -nekros -> indeed <3303 -men -> unto sin <0266 -hamartia -> , but alive <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 006 013 Neither <3366 -mede -> yield <3936 -paristemi -> ye your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of unrighteousness <0093 -adikia -> unto sin <0266 -hamartia -> : but yield <3936 -paristemi -> yourselves <1438 -heautou -> unto God <2316 -theos -> , as those that are alive <2198 -zao -> from the dead <3498 -nekros -> , and your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 006 013 Neither <3366 -mede -> yield <3936 -paristemi -> ye your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of unrighteousness <0093 -adikia -> unto sin <0266 -hamartia -> : but yield <3936 -paristemi -> yourselves <1438 -heautou -> unto God <{2316} -theos -> , as those that are alive <2198 -zao -> from the dead <3498 -nekros -> , and your <5216 -humon -> members <3196 -melos -> [as] instruments <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> unto God <2316 -theos -> .

2316 ROM 006 017 But God <{2316} -theos -> be thanked <5485 -charis -> , that ye were the servants <1401 -doulos -> of sin <0266 -hamartia -> , but ye have obeyed <5219 -hupakouo -> from the heart <2588 -kardia -> that form <5179 -tupos -> of doctrine <1322 -didache -> which <3739 -hos -> was delivered <3860 -paradidomi -> you .

2316 ROM 006 022 But now <3570 -nuni -> being made <1659 -eleutheroo -> free <1659 -eleutheroo -> from sin <0266 -hamartia -> , and become <1402 -douloo -> servants <1402 -douloo -> to God <{2316} -theos -> , ye have <2192 -echo -> your <5216 -humon -> fruit <2590 -karpos -> unto holiness <0038 -hagiasmos -> , and the end <5056 -telos -> everlasting <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 ROM 006 023 For the wages <3800 -opsonion -> of sin <0266 -hamartia -> [is] death <2288 -thanatos -> ; but the gift

<5486 -charisma -> of God <{2316} -theos -> [is] eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 007 004 Wherefore <5620 -hoste -> , my brethren <0080 -adephos -> , ye also <2532 -kai -> are become <2289 -thanatoo -> dead <2289 -thanatoo -> to the law <3551 -nomos -> by the body <4983 -soma -> of Christ <5547 -Christos -> ; that ye should be married <1096 -ginomai -> to another <2087 -heteros -> , [even] to him who is raised <1453 -egeiro -> from the dead <3498 -nekros -> , that we should bring <2592 -karpophoreo -> forth fruit <2592 -karpophoreo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 007 022 For I delight <4913 -sunedomai -> in the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> after <2596 -kata -> the inward <2080 -eso -> man <0444 -anthropos -> :

2316 ROM 007 025 I thank <2168 -eucharisteo -> God <2316 -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> . So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> with the mind <3563 -nous -> I myself serve <1398 -douleuo -> the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> ; but with the flesh <4561 -sarx -> the law <3551 -nomos -> of sin <0266 -hamartia -> .

2316 ROM 007 025 I thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> . So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> with the mind <3563 -nous -> I myself serve <1398 -douleuo -> the law <3551 -nomos -> of God <2316 -theos -> ; but with the flesh <4561 -sarx -> the law <3551 -nomos -> of sin <0266 -hamartia -> .

2316 ROM 008 003 For what <3588 -ho -> the law <3551 -nomos -> could <0102 -adunatos -> not do , in that it was weak <0770 -astheneo -> through <1223 -dia -> the flesh <4561 -sarx -> , God <{2316} -theos -> sending <3992 -pempo -> his own <1438 -heautou -> Son <5207 -huios -> in the likeness <3667 -homoioma -> of sinful <0266 -hamartia -> flesh <4561 -sarx -> , and for sin <0266 -hamartia -> , condemned <2632 -katakrino -> sin <0266 -hamartia -> in the flesh <4561 -sarx -> :

2316 ROM 008 007 Because <1360 -dioti -> the carnal <4561 -sarx -> mind <5427 -phronema -> [is] enmity <2189 -echthra -> against <1519 -eis -> God <2316 -theos -> : for it is not subject <5293 -hupotasso -> to the law <3551 -nomos -> of God <{2316} -theos -> , neither <3761 -oude -> indeed <1063 -gar -> can <1410 -dunamai -> be .

2316 ROM 008 007 Because <1360 -dioti -> the carnal <4561 -sarx -> mind <5427 -phronema -> [is] enmity <2189 -echthra -> against <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> : for it is not subject <5293 -hupotasso -> to the law <3551 -nomos -> of God <2316 -theos -> , neither <3761 -oude -> indeed <1063 -gar -> can <1410 -dunamai -> be .

2316 ROM 008 008 So then <1161 -de -> they that are in the flesh <4561 -sarx -> cannot <1410 -dunamai -> please <0700 -aresko -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 009 But ye are not in the flesh <4561 -sarx -> , but in the Spirit <4151 -pneuma -> , if <1512 -ei per -> so be that the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> dwell <3611 -oikeo -> in you . Now <1161 -de -> if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man have <2192 -echo -> not the Spirit <4151 -

pneuma -> of Christ <5547 -Christos -> , he is none <3756 -ou -
> of his .

2316 ROM 008 014 For as many <3745 -hosos -> as are led <0071 -
ago -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> ,
they are the sons <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 014 For as many <3745 -hosos -> as are led <0071 -
ago -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> ,
they are the sons <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 008 016 The Spirit <4151 -pneuma -> itself <0846 -
autos -> beareth <4828 -summartureo -> witness <4828 -
summartureo -> with our spirit <4151 -pneuma -> , that we are
the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> :

2316 ROM 008 017 . And if <1487 -ei -> children <5043 -teknon -
> , then <2535 -Kain -> heirs <2818 -kleronomos -> ; heirs
<2818 -kleronomos -> of God <{2316} -theos -> , and joint -
heirs <4789 -sugkleronomos -> with Christ <5547 -Christos -> ;
if <1512 -ei per -> so be that we suffer <4841 -sumpascho ->
with [him] , that we may be also <2532 -kai -> glorified
<4888 -sundoxazo -> together <4888 -sundoxazo -> .

2316 ROM 008 019 For the earnest <0603 -apokaradokia ->
expectation <0603 -apokaradokia -> of the creature <2937 -ktisis
-> waiteth <0553 -apekdechomai -> for the manifestation <0602 -
apokalupsis -> of the sons <5207 -huios -> of God <{2316} -theos
-> .

2316 ROM 008 021 Because <3754 -hoti -> the creature <2937 -
ktisis -> itself <0846 -autos -> also <2532 -kai -> shall be
delivered <1659 -eleutheroo -> from the bondage <1397 -douleia -
> of corruption <5356 -phthora -> into <1519 -eis -> the
glorious <1391 -doxa -> liberty <1657 -eleutheria -> of the
children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 008 027 And he that searcheth <2045 -ereunao -> the
hearts <2588 -kardia -> knoweth <1492 -eido -> what <5101 -tis -
> [is] the mind <5427 -phronema -> of the Spirit <4151 -
pneuma -> , because <3754 -hoti -> he maketh <1793 -entugchano -
> intercession <1793 -entugchano -> for the saints <0040 -hagios
-> according <2596 -kata -> to [the will of] God <{2316} -
theos -> .

2316 ROM 008 028 And we know <1492 -eido -> that all <3956 -pas
-> things work <4903 -sunergeo -> together <4903 -sunergeo ->
for good <0018 -agathos -> to them that love <0025 -agapao ->
God <{2316} -theos -> , to them who are the called <2822 -
kletos -> according <2596 -kata -> to [his] purpose <4286 -
prothesis -> .

2316 ROM 008 031 . What <5101 -tis -> shall we then <3767 -oun
-> say <2046 -ereo -> to these <5023 -tauta -> things ? If
<1487 -ei -> God <{2316} -theos -> [be] for us , who <5101 -
tis -> [can be] against <2596 -kata -> us ?

2316 ROM 008 033 Who <5101 -tis -> shall lay <1458 -egkaleo ->
any thing to the charge <2596 -kata -> of God s <2316 -theos ->
elect <1588 -eklektos -> ? [It is] God <{2316} -theos ->
that justifieth <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 008 033 Who <5101 -tis -> shall lay <1458 -egkaleo ->
any thing to the charge <2596 -kata -> of God s <{2316} -theos -
> elect <1588 -eklektos -> ? [It is] God <2316 -theos ->
that justifieth <1344 -dikaioo -> .

2316 ROM 008 034 Who <5101 -tis -> [is] he that condemneth <2632 -katakrino -> ? [It is] Christ <5547 -Christos -> that died <0599 -apothnesko -> , yea <1161 -de -> rather <3123 -mallon -> , that is risen <1453 -egeiro -> again <1453 -egeiro -> , who <3739 -hos -> is even <2532 -kai -> at <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> , who <3739 -hos -> also <2532 -kai -> maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> for us .

2316 ROM 008 039 Nor <3777 -oute -> height <5313 -hupsoma -> , nor <3777 -oute -> depth <0899 -bathos -> , nor <3777 -oute -> any <5100 -tis -> other <2087 -heteros -> creature <2937 -ktisis -> , shall be able <1410 -dunamai -> to separate <5562 -choreo -> us from the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> is in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 ROM 009 005 Whose <3739 -hos -> [are] the fathers <3962 -pater -> , and of whom <3739 -hos -> as concerning <2596 -kata -> the flesh <4561 -sarx -> Christ <5547 -Christos -> [came] , who <3588 -ho -> is over <1909 -epi -> all <3956 -pas -> , God <{2316} -theos -> blessed <2128 -eulogetos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 009 006 . Not as though <3754 -hoti -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> hath taken none <1601 -ekpipto -> effect <1601 -ekpipto -> . For they [are] not all <3956 -pas -> Israel <2474 -Israel -> , which <3588 -ho -> are of Israel <2474 -Israel -> :

2316 ROM 009 008 That is , They which are the children <5043 -teknon -> of the flesh <4561 -sarx -> , these <5023 -tauta -> [are] not the children <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> : but the children <5043 -teknon -> of the promise <1860 -epaggelia -> are counted <3049 -logizomai -> for the seed <4690 -sperma -> .

2316 ROM 009 011 (For [the children] being not yet <3380 -mepo -> born <1080 -gennao -> , neither <3366 -mede -> having done <4238 -prasso -> any <5100 -tis -> good <0018 -agathos -> or <2228 -e -> evil <2556 -kakos -> , that the purpose <4286 -prothesis -> of God <{2316} -theos -> according <2596 -kata -> to election <1589 -ekloge -> might stand <3306 -meno -> , not of works <2041 -ergon -> , but of him that calleth <2564 -kaleo -> ;)

2316 ROM 009 014 . What <5101 -tis -> shall we say <2046 -ereo -> then <3767 -oun -> ? [Is there] unrighteousness <0093 -adikia -> with God <{2316} -theos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> .

2316 ROM 009 016 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> [it is] not of him that willeth <2309 -thelo -> , nor <3761 -oude -> of him that runneth <5143 -trecho -> , but of God <{2316} -theos -> that sheweth <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> .

2316 ROM 009 020 Nay <3304 -menounge -> but , O man <0444 -anthropos -> , who <5101 -tis -> art <1488 -ei -> thou that repliest <0470 -antapokrinomai -> against <0470 -antapokrinomai -> God <{2316} -theos -> ? Shall the thing <4110 -plasma -> formed <4110 -plasma -> say <2046 -ereo -> to him that formed <4111 -plasso -> [it] , Why <5101 -tis -> hast thou made <4160 -poieo -> me thus <3779 -houto -> ?

2316 ROM 009 022 [What] if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -

> , willing <2309 -thelo -> to shew <1731 -endeiknumi -> [his] wrath <3709 -orge -> , and to make <1107 -gnorizo -> his power <1415 -dunatos -> known <1107 -gnorizo -> , endured <5342 -phero -> with much <4183 -polus -> longsuffering <3115 -makrothumia -> the vessels <4632 -skeuos -> of wrath <3709 -orge -> fitted <2675 -katartizo -> to destruction <0684 -apoleia -> :

2316 ROM 009 026 And it shall come <1511 -einai -> to pass , [that] in the place <5117 -topos -> where <3757 -hou -> it was said <4483 -rheo -> unto them , Ye [are] not my people <2992 -laos -> ; there <1563 -ekei -> shall they be called <2564 -kaleo -> the children <5207 -huios -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 010 001 . Brethren <0080 -adephos -> , my heart s <2588 -kardia -> desire <2107 -eudokia -> and prayer <1162 -deesis -> to God <{2316} -theos -> for Israel <2474 -Israel -> is , that they might be saved <4991 -soteria -> .

2316 ROM 010 002 For I bear <3140 -martureo -> them record <3140 -martureo -> that they have <2192 -echo -> a zeal <2205 -zelos -> of God <{2316} -theos -> , but not according <2596 -kata -> to knowledge <1922 -epignosis -> .

2316 ROM 010 003 For they being ignorant <0050 -agnoeo -> of God s <2316 -theos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and going <2212 -zeteo -> about <2212 -zeteo -> to establish <2476 -histemi -> their own <2398 -idios -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , have not submitted <5293 -hupotasso -> themselves unto the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 010 003 For they being ignorant <0050 -agnoeo -> of God s <{2316} -theos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and going <2212 -zeteo -> about <2212 -zeteo -> to establish <2476 -histemi -> their own <2398 -idios -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , have not submitted <5293 -hupotasso -> themselves unto the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 010 009 That if <1437 -ean -> thou shalt confess <3670 -homologeo -> with thy mouth <4750 -stoma -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and shalt believe <4100 -pisteuo -> in thine <4675 -sou -> heart <2588 -kardia -> that God <{2316} -theos -> hath raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> , thou shalt be saved <4982 -sozo -> .

2316 ROM 010 017 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> faith <4102 -pistis -> [cometh] by hearing <0189 -akoe -> , and hearing <0189 -akoe -> by the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 011 001 . I say <2046 -ereo -> then <3767 -oun -> , Hath God <{2316} -theos -> cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> . For I also <2532 -kai -> am <1510 -eimi -> an Israelite <2475 -Israelites -> , of the seed <4690 -sperma -> of Abraham <11> , [of] the tribe <5443 -phule -> of Benjamin <0958 -Beniamin -> .

2316 ROM 011 002 God <2316 -theos -> hath not cast <0683 -apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -> which <3739 -hos -> he foreknew <4267 -proginosko -> . Wot <1492 -eido -> ye not what <5101 -tis -> the scripture <1124 -graphe -> saith <3004 -lego -> of Elias <2243 -Helias -> ? how <5613 -hos -> he maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -

entugchano -> to God <{2316} -theos -> against <2596 -kata ->
Israel <2474 -Israel -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 ROM 011 002 God <{2316} -theos -> hath not cast <0683 -
apotheomai -> away <0683 -apotheomai -> his people <2992 -laos -
> which <3739 -hos -> he foreknew <4267 -proginosko -> . Wot
<1492 -eido -> ye not what <5101 -tis -> the scripture <1124 -
graphe -> saith <3004 -lego -> of Elias <2243 -Helias -> ? how
<5613 -hos -> he maketh <1793 -entugchano -> intercession <1793 -
entugchano -> to God <2316 -theos -> against <2596 -kata ->
Israel <2474 -Israel -> , saying <3004 -lego -> ,

2316 ROM 011 008 (According as it is written <1125 -grapho -> ,
  God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> them the
spirit <4151 -pneuma -> of slumber <2659 -katanuxis -> , eyes
<3788 -ophthalmos -> that they should not see <0991 -blepo -> ,
and ears <3775 -ous -> that they should not hear <0191 -akouo ->
;) unto this <4594 -semeron -> day <2250 -hemera -> .

2316 ROM 011 021 For if <1487 -ei -> God <{2316} -theos ->
spared <5339 -pheidomai -> not the natural <5449 -phusis ->
branches <2798 -klados -> ,   [take heed] lest <3381 -mepos -
> he also <3761 -oude -> spare <5339 -pheidomai -> not thee .

2316 ROM 011 022 Behold <1492 -eido -> therefore <3767 -oun ->
the goodness <5544 -chrestotes -> and severity <0663 -apotomia -
> of God <{2316} -theos -> : on <1909 -epi -> them which fell
<4098 -pipto -> , severity <0663 -apotomia -> ; but toward
<1909 -epi -> thee , goodness <5544 -chrestotes -> , if <1437 -
ean -> thou continue <1961 -epimeno -> in [his] goodness
<5544 -chrestotes -> : otherwise <1893 -epei -> thou also <2532
-kai -> shalt be cut <1581 -ekkopto -> off <1581 -ekkopto -> .

2316 ROM 011 023 And they also <1161 -de -> , if <1437 -ean ->
they abide <1961 -epimeno -> not still in unbelief <0570 -
apaistia -> , shall be graffed <1461 -egkentrizo -> in : for
God <{2316} -theos -> is able <1415 -dunatos -> to graff <1461 -
egkentrizo -> them in again <3825 -palin -> .

2316 ROM 011 029 For the gifts <5486 -charisma -> and calling
<2821 -klesis -> of God <{2316} -theos -> [are] without
<0278 -ametameletos -> repentance <0278 -ametameletos -> .

2316 ROM 011 030 For as ye in times <4218 -pote -> past have
not believed <0544 -apeitheo -> God <{2316} -theos -> , yet
have now <3568 -nun -> obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -
eleeo -> through their unbelief <0543 -apeitheia -> :

2316 ROM 011 032 For God <{2316} -theos -> hath concluded <4788
-sugkleio -> them all <3956 -pas -> in unbelief <0543 -apeitheia
-> , that he might have mercy <1653 -eleeo -> upon all <3956 -
pas -> .

2316 ROM 011 033 . O the depth <0899 -bathos -> of the riches
<4149 -ploutos -> both <2532 -kai -> of the wisdom <4678 -sophia
-> and knowledge <1108 -gnosis -> of God <{2316} -theos -> !
how <5613 -hos -> unsearchable <0419 -anexereunetos -> [are]
his judgments <2917 -krima -> , and his ways <3598 -hodos ->
past <0421 -anexichniastos -> finding <0421 -anexichniastos ->
out !

2316 ROM 012 001 . I beseech <3870 -parakaleo -> you therefore
<3767 -oun -> , brethren <0080 -adephos -> , by the mercies
<3628 -oiktirmos -> of God <2316 -theos -> , that ye present
<3936 -paristemi -> your <5216 -humon -> bodies <4983 -soma -> a
living <2198 -zao -> sacrifice <2378 -thusia -> , holy <0040 -

hagios -> , acceptable <2101 -euarestos -> unto God <{2316} -
theos -> ,   [which is] your <5216 -humon -> reasonable <3050
-logikos -> service <2999 -latreia -> .

2316 ROM 012 001 . I beseech <3870 -parakaleo -> you therefore
<3767 -oun -> , brethren <0080 -adephos -> , by the mercies
<3628 -oiktirmos -> of God <{2316} -theos -> , that ye present
<3936 -paristemi -> your <5216 -humon -> bodies <4983 -soma -> a
living <2198 -zao -> sacrifice <2378 -thusia -> , holy <0040 -
hagios -> , acceptable <2101 -euarestos -> unto God <2316 -
theos -> ,   [which is] your <5216 -humon -> reasonable <3050
-logikos -> service <2999 -latreia -> .

2316 ROM 012 002 And be not conformed <4964 -suschematizo -> to
this <5129 -toutoi -> world <0165 -aion -> : but be ye
transformed <3339 -metamorphoo -> by the renewing <0342 -
anakainosis -> of your <5216 -humon -> mind <3563 -nous -> ,
that ye may prove <1381 -dokimazo -> what <5101 -tis -> [is]
that good <0018 -agathos -> , and acceptable <2101 -euarestos -
> , and perfect <5046 -teleios -> , will <2307 -thelema -> of
God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 012 003 For I say <3004 -lego -> , through <1223 -dia
-> the grace <5485 -charis -> given <1325 -didomi -> unto me ,
to every <3956 -pas -> man that is among <1722 -en -> you , not
to think <5252 -huperphroneo -> [of himself] more <3844 -
para -> highly <5252 -huperphroneo -> than he ought <1163 -dei -
> to think <5426 -phroneo -> ; but to think <5426 -phroneo ->
soberly <4993 -sophroneo -> , according as God <{2316} -theos -
> hath dealt <3307 -merizo -> to every <1538 -hekastos -> man
the measure <3358 -metron -> of faith <4102 -pistis -> .

2316 ROM 013 001 . Let every <3956 -pas -> soul <5590 -psuche -
> be subject <5293 -hupotasso -> unto the higher <5242 -
huperecho -> powers <1849 -exousia -> . For there is no <3756 -
ou -> power <1849 -exousia -> but of God <2316 -theos -> : the
powers <1849 -exousia -> that be are ordained <5021 -tasso -> of
God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 013 001 . Let every <3956 -pas -> soul <5590 -psuche -
> be subject <5293 -hupotasso -> unto the higher <5242 -
huperecho -> powers <1849 -exousia -> . For there is no <3756 -
ou -> power <1849 -exousia -> but of God <{2316} -theos -> :
the powers <1849 -exousia -> that be are ordained <5021 -tasso -
> of God <2316 -theos -> .

2316 ROM 013 002 Whosoever <3588 -ho -> therefore <5620 -hoste -
> resisteth <0498 -antitassomai -> the power <1849 -exousia -> ,
 resisteth <0436 -anthistemi -> the ordinance <1296 -diatage ->
of God <{2316} -theos -> : and they that resist <0436 -
anthistemi -> shall receive <2983 -lambano -> to themselves
<1438 -heautou -> damnation <2917 -krima -> .

2316 ROM 013 004 For he is the minister <1249 -diakonos -> of
God <2316 -theos -> to thee for good <0018 -agathos -> . But if
<1437 -ean -> thou do <4160 -poieo -> that which is evil <2556 -
kakos -> , be afraid <5399 -phobeo -> ; for he beareth <5409 -
phoreo -> not the sword <3162 -machaira -> in vain <1500 -eike -
> : for he is the minister <1249 -diakonos -> of God <{2316} -
theos -> , a revenger <1558 -ekdikos -> to [execute] wrath
<3709 -orge -> upon him that doeth <4238 -prasso -> evil <2556 -
kakos -> .

2316 ROM 013 004 For he is the minister <1249 -diakonos -> of
God <{2316} -theos -> to thee for good <0018 -agathos -> . But
if <1437 -ean -> thou do <4160 -poieo -> that which is evil

<2556 -kakos -> , be afraid <5399 -phobeo -> ; for he beareth <5409 -phoreo -> not the sword <3162 -machaira -> in vain <1500 -eike -> : for he is the minister <1249 -diakonos -> of God <2316 -theos -> , a revenger <1558 -ekdikos -> to [execute] wrath <3709 -orge -> upon him that doeth <4238 -prasso -> evil <2556 -kakos -> .

2316 ROM 013 006 For for this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> pay <5055 -teleo -> ye tribute <5411 -phoros -> also <2532 -kai -> : for they are God s <{2316} -theos -> ministers <3011 -leitourgos -> , attending <4342 -proskartereo -> continually <4342 -proskartereo -> upon this <5124 -touto -> very <0846 -autos -> thing .

2316 ROM 014 003 Let not him that eateth <2068 -esthio -> despise <1848 -exoutheneo -> him that eateth <2068 -esthio -> not ; and let not him which eateth <2068 -esthio -> not judge <2919 -krino -> him that eateth <2068 -esthio -> : for God <{2316} -theos -> hath received <4355 -proslambano -> him .

2316 ROM 014 004 Who <5101 -tis -> art <1488 -ei -> thou that judgest <2919 -krino -> another <0245 -allotrios -> man s <0245 -allotrios -> servant <3610 -oiketes -> ? to his own <2398 -idios -> master <2962 -kurios -> he standeth <4739 -steko -> or <2228 -e -> falleth <4098 -pipto -> . Yea <0235 -alla -> , he shall be holden up : for God <{2316} -theos -> is able <1415 -dunatos -> to make <2476 -histemi -> him stand <2476 -histemi -> .

2316 ROM 014 006 He that regardeth <5426 -phroneo -> the day <2250 -hemera -> , regardeth <5426 -phroneo -> [it] unto the Lord <2962 -kurios -> ; and he that regardeth <5426 -phroneo -> not the day <2250 -hemera -> , to the Lord <2962 -kurios -> he doth not regard <5426 -phroneo -> [it] . He that eateth <2068 -esthio -> , eateth <2068 -esthio -> to the Lord <2962 -kurios -> , for he giveth God <2316 -theos -> thanks <2168 -eucharisteo -> ; and he that eateth <2068 -esthio -> not , to the Lord <2962 -kurios -> he eateth <2068 -esthio -> not , and giveth God <{2316} -theos -> thanks <2168 -eucharisteo -> .

2316 ROM 014 006 He that regardeth <5426 -phroneo -> the day <2250 -hemera -> , regardeth <5426 -phroneo -> [it] unto the Lord <2962 -kurios -> ; and he that regardeth <5426 -phroneo -> not the day <2250 -hemera -> , to the Lord <2962 -kurios -> he doth not regard <5426 -phroneo -> [it] . He that eateth <2068 -esthio -> , eateth <2068 -esthio -> to the Lord <2962 -kurios -> , for he giveth God <{2316} -theos -> thanks <2168 -eucharisteo -> ; and he that eateth <2068 -esthio -> not , to the Lord <2962 -kurios -> he eateth <2068 -esthio -> not , and giveth God <2316 -theos -> thanks <2168 -eucharisteo -> .

2316 ROM 014 011 For it is written <1125 -grapho -> , [As] I live <2198 -zao -> , saith <3004 -lego -> the Lord <2962 -kurios -> , every <3956 -pas -> knee <1119 -gonu -> shall bow <2578 -kampto -> to me , and every <3956 -pas -> tongue <1100 -glossa -> shall confess <1843 -exomologeo -> to God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 014 012 So <0686 -ara -> then <0686 -ara -> every <1538 -hekastos -> one of us shall give <1325 -didomi -> account <3056 -logos -> of himself <1438 -heautou -> to God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 014 017 For the kingdom <0932 -basileia -> of God

<{2316} -theos -> is not meat <1035 -brosis -> and drink <4213 -posis -> ; but righteousness <1343 -dikaiosune -> , and peace <1515 -eirene -> , and joy <5479 -chara -> in the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 014 018 For he that in these <5125 -toutois -> things serveth <1398 -douleuo -> Christ <5547 -Christos -> [is] acceptable <2101 -euarestos -> to God <{2316} -theos -> , and approved <1384 -dokimos -> of men <0444 -anthropos -> .

2316 ROM 014 020 For meat <1033 -broma -> destroy <2647 -kataluo -> not the work <2041 -ergon -> of God <{2316} -theos -> . All <3956 -pas -> things indeed <3303 -men -> [are] pure <2513 -katharos -> ; but [it is] evil <2556 -kakos -> for that man <0444 -anthropos -> who <3588 -ho -> eateth <2068 -esthio -> with offence <4348 -proskomma -> .

2316 ROM 014 022 Hast <2192 -echo -> thou faith <4102 -pistis -> ? have <2192 -echo -> [it] to thyself <4572 -seautou -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> . Happy <3107 -makarios -> [is] he that condemneth <4314 -pros -> not himself <1438 -heautou -> in that thing which <3739 -hos -> he alloweth <1381 -dokimazo -> .

2316 ROM 015 005 . Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of patience <5281 -hupomone -> and consolation <3874 -paraklesis -> grant <1325 -didomi -> you to be likeminded <5426 -phroneo -> one <0240 -allelon -> toward <1722 -en -> another <0240 -allelon -> according <2596 -kata -> to Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 ROM 015 006 That ye may with one <3661 -homothumadon -> mind <3661 -homothumadon -> [and] one <1520 -heis -> mouth <4750 -stoma -> glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 015 007 . Wherefore <1352 -dio -> receive <4355 -proslambano -> ye one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon -> , as Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> received <4355 -proslambano -> us to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 015 008 Now <1160 -dapane -> I say <3004 -lego -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> was a minister <1249 -diakonos -> of the circumcision <4061 -peritome -> for the truth <0225 -aletheia -> of God <{2316} -theos -> , to confirm <0950 -bebaioo -> the promises <1860 -epaggelia -> [made] unto the fathers <3962 -pater -> :

2316 ROM 015 009 And that the Gentiles <1484 -ethnos -> might glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for [his] mercy <1656 -eleos -> ; as it is written <1125 -grapho -> , For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> I will confess <1843 -exomologeo -> to thee among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> , and sing <5567 -psallo -> unto thy name <3686 -onoma -> .

2316 ROM 015 013 . Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of hope <1680 -elpis -> fill <4137 -pleroo -> you with all <3956 -pas -> joy <5479 -chara -> and peace <1515 -eirene -> in believing <4100 -pisteuo -> , that ye may abound <4052 -perisseuo -> in hope <1680 -elpis -> , through <1722 -en -> the power <1411 -dunamis -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 015 015 Nevertheless <1161 -de -> , brethren <0080 -adephos -> , I have written <1125 -grapho -> the more <5112 -tolmeroteron -> boldly <5112 -tolmeroteron -> unto you in some <3313 -meros -> sort <3313 -meros -> , as putting <1878 -epanamimnesko -> you in mind <1878 -epanamimnesko -> , because <1223 -dia -> of the grace <5485 -charis -> that is given <1325 -didomi -> to me of God <{2316} -theos -> ,

2316 ROM 015 016 That I should be the minister <3011 -leitourgos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> to the Gentiles <1484 -ethnos -> , ministering <2418 -hierourgeo -> the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> , that the offering <4376 -prosphora -> up of the Gentiles <1484 -ethnos -> might be acceptable <2144 -euprosdektos -> , being sanctified <0037 -hagiazo -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 ROM 015 017 . I have <2192 -echo -> therefore <3767 -oun -> whereof I may glory <2746 -kauchesis -> through <1722 -en -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> in those <3588 -ho -> things which pertain to God <{2316} -theos -> .

2316 ROM 015 019 Through <1722 -en -> mighty <1411 -dunamis -> signs <4591 -semaino -> and wonders <5059 -teras -> , by the power <1411 -dunamis -> of the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> ; so <5620 -hoste -> that from Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , and round <2943 -kuklothen -> about <2945 -kukloi -> unto Illyricum <2437 -Illurikon -> , I have fully <4137 -pleroo -> preached <4137 -pleroo -> the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> .

2316 ROM 015 030 . Now <1161 -de -> I beseech <3870 -parakaleo -> you , brethren <0080 -adephos -> , for the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ s <5547 -Christos -> sake , and for the love <0026 -agape -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , that ye strive <4865 -sunagonizomai -> together <4865 -sunagonizomai -> with me in [your <3588 -ho ->] prayers <4335 -proseuche -> to God <{2316} -theos -> for me ;

2316 ROM 015 032 That I may come <2064 -erchomai -> unto you with joy <5479 -chara -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and may with you be refreshed <4875 -sunanapauomai -> .

2316 ROM 015 033 Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> [be] with you all <3956 -pas -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 016 020 And the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> shall bruise <4937 -suntribo -> Satan <4567 -Satanas -> under <5259 -hupo -> your <5216 -humon -> feet <4228 -pous -> shortly <5034 -tachos -> . The grace <5485 -charis -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> [be] with you . Amen <0281 -amen -> .

2316 ROM 016 026 But now <3568 -nun -> is made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> , and by the scriptures <1124 -graphe -> of the prophets <4397 -prophetikos -> , according <2596 -kata -> to the commandment <2003 -epitage -> of the everlasting <0166 -aionios -> God <{2316} -theos -> , made <1107 -gnorizo -> known <1107 -gnorizo -> to all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> for the obedience <5218 -hupakoe -> of faith <4102 -pistis -> :

2316 ROM 016 027 To God <{2316} -theos -> only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> , [be] glory <1391 -

doxa -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> for ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , called <2822 -kletos -> [to be] an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> through <1223 -dia -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and Sosthenes <4988 -Sosthenes -> [our] brother <0080 -adephos -> ,

2316 1CO 001 002 Unto the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -> , to them that are sanctified <0037 -hagiazo -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , called <2822 -kletos -> [to be] saints <0040 -hagios -> , with all <3956 -pas -> that in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> call <1941 -epikaleomai -> upon the name <3686 -onoma -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> , both <5037 -te -> theirs and ours <2257 -hemon -> :

2316 1CO 001 003 Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1CO 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <2316 -theos -> always <3842 -pantote -> on <4012 -peri -> your <5216 -humon -> behalf <4012 -peri -> , for the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> you by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 1CO 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> on <4012 -peri -> your <5216 -humon -> behalf <4012 -peri -> , for the grace <5485 -charis -> of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> you by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 1CO 001 009 God <{2316} -theos -> [is] faithful <4103 -pistos -> , by whom <3739 -hos -> ye were called <2564 -kaleo -> unto the fellowship <2842 -koinonia -> of his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 1CO 001 014 . I thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> that I baptized <0907 -baptizo -> none <3762 -oudeis -> of you , but Crispus <2921 -Krispos -> and Gaius <1050 -Gaios -> ;

2316 1CO 001 018 For the preaching <3056 -logos -> of the cross <4716 -stauros -> is to them that perish <0622 -apollumi -> foolishness <3472 -moria -> ; but unto us which are saved <4982 -sozo -> it is the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 001 020 Where <4226 -pou -> [is] the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> ? where <4226 -pou -> [is] the scribe <1122 -grammateus -> ? where <4226 -pou -> [is] the disputer <4804 -suzetetes -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> ? hath not God <{2316} -theos -> made <3471 -moraino -> foolish <3471 -moraino -> the wisdom <4678 -sophia -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> ?

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom

<4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> the world <2889 -kosmos -
> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God
<2316 -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <{2316} -
theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -
kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -
pisteuo -> .

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom
<4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> the world <2889 -kosmos -
> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not God
<{2316} -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <2316 -
theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -
kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -
pisteuo -> .

2316 1CO 001 021 For after <1894 -epeide -> that in the wisdom
<4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> the world <2889 -
kosmos -> by wisdom <4678 -sophia -> knew <1097 -ginosko -> not
God <2316 -theos -> , it pleased <2106 -eudokeo -> God <2316 -
theos -> by the foolishness <3472 -moria -> of preaching <2782 -
kerugma -> to save <4982 -sozo -> them that believe <4100 -
pisteuo -> .

2316 1CO 001 024 But unto them which <3588 -ho -> are called
<2822 -kletos -> , both <5037 -te -> Jews <2453 -Ioudaios ->
and Greeks <1672 -Hellen -> , Christ <5547 -Christos -> the
power <1411 -dunamis -> of God <2316 -theos -> , and the wisdom
<4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 001 024 But unto them which <3588 -ho -> are called
<2822 -kletos -> , both <5037 -te -> Jews <2453 -Ioudaios ->
and Greeks <1672 -Hellen -> , Christ <5547 -Christos -> the
power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> , and the
wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 001 025 Because <3754 -hoti -> the foolishness <3474 -
moros -> of God <2316 -theos -> is wiser <4680 -sophos - -
oneidismos -> than men <0444 -anthropos -> ; and the weakness
<0772 -asthenes -> of God <{2316} -theos -> is stronger <2478 -
ischuros -> than men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 001 025 Because <3754 -hoti -> the foolishness <3474 -
moros -> of God <{2316} -theos -> is wiser <4680 -sophos - -
oneidismos -> than men <0444 -anthropos -> ; and the weakness
<0772 -asthenes -> of God <2316 -theos -> is stronger <2478 -
ischuros -> than men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 001 027 But God <2316 -theos -> hath chosen <1586 -
eklegomai -> the foolish <3474 -moros -> things of the world
<2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the wise
<4680 -sophos - -oneidismos -> ; and God <{2316} -theos -> hath
chosen <1586 -eklegomai -> the weak <0772 -asthenes -> things of
the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the
things which are mighty <2478 -ischuros -> ;

2316 1CO 001 027 But God <{2316} -theos -> hath chosen <1586 -
eklegomai -> the foolish <3474 -moros -> things of the world
<2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the wise
<4680 -sophos - -oneidismos -> ; and God <2316 -theos -> hath
chosen <1586 -eklegomai -> the weak <0772 -asthenes -> things of
the world <2889 -kosmos -> to confound <2617 -kataischuno -> the
things which are mighty <2478 -ischuros -> ;

2316 1CO 001 028 And base <0036 -agenes -> things of the world
<2889 -kosmos -> , and things which are despised <1848 -
exoutheneo -> , hath God <{2316} -theos -> chosen <1586 -

eklegomai -> , [yea] , and things which <3588 -ho -> are not , to bring <2673 -katargeo -> to nought <2673 -katargeo -> things that are :

2316 1CO 001 030 But of him are ye in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3739 -hos -> of God <{2316} -theos -> is made <1096 -ginomai -> unto us wisdom <4678 -sophia -> , and righteousness <1343 -dikaiosune -> , and sanctification <0038 -hagiasmos -> , and redemption <0629 -apolutrosis -> :

2316 1CO 002 001 . And I , brethren <0080 -adephos -> , when I came <2064 -erchomai -> to you , came <2064 -erchomai -> not with excellency <5247 -huperoche -> of speech <3056 -logos -> or <2228 -e -> of wisdom <4678 -sophia -> , declaring <2605 -kataggello -> unto you the testimony <3142 -marturion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 005 That your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> should not stand <1510 -eimi -> in the wisdom <4678 -sophia -> of men <0444 -anthropos -> , but in the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 007 But we speak <2980 -laleo -> the wisdom <4678 -sophia -> of God <2316 -theos -> in a mystery <3466 -musterion -> , [even] the hidden <0613 -apokrupto -> [wisdom] , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> ordained <4304 -promeletao -> before <4253 -pro -> the world <0165 -aion -> unto our glory <1391 -doxa -> :

2316 1CO 002 007 But we speak <2980 -laleo -> the wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> in a mystery <3466 -musterion -> , [even] the hidden <0613 -apokrupto -> [wisdom] , which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> ordained <4304 -promeletao -> before <4253 -pro -> the world <0165 -aion -> unto our glory <1391 -doxa -> :

2316 1CO 002 009 But as it is written <1125 -grapho -> , Eye <3788 -ophthalmos -> hath not seen <1492 -eido -> , nor <3756 -ou -> ear <3775 -ous -> heard <0191 -akouo -> , neither <3756 -ou -> have entered <0305 -anabaino -> into <1909 -epi -> the heart <2588 -kardia -> of man <0444 -anthropos -> , the things which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them that love <0025 -agapao -> him .

2316 1CO 002 010 But God <2316 -theos -> hath revealed <0601 -apokalupto -> [them] unto us by his Spirit <4151 -pneuma -> : for the Spirit <4151 -pneuma -> searcheth <2045 -ereunao -> all <3956 -pas -> things , yea <2532 -kai -> , the deep <0899 -bathos -> things of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 010 But God <{2316} -theos -> hath revealed <0601 -apokalupto -> [them] unto us by his Spirit <4151 -pneuma -> : for the Spirit <4151 -pneuma -> searcheth <2045 -ereunao -> all <3956 -pas -> things , yea <2532 -kai -> , the deep <0899 -bathos -> things of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 011 For what <5101 -tis -> man <0444 -anthropos -> knoweth <1492 -eido -> the things of a man <0444 -anthropos -> , save <1508 -ei me -> the spirit <4151 -pneuma -> of man <0444 -anthropos -> which <3588 -ho -> is in him ? even <2532 -kai -> so <3779 -houto -> the things of God <2316 -theos -> knoweth <1492 -eido -> no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> , but the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 011 For what <5101 -tis -> man <0444 -anthropos ->

knoweth <1492 -eido -> the things of a man <0444 -anthropos -> , save <1508 -ei me -> the spirit <4151 -pneuma -> of man <0444 -anthropos -> which <3588 -ho -> is in him ? even <2532 -kai -> so <3779 -houto -> the things of God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> , but the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 012 Now <1161 -de -> we have received <2983 -lambano -> , not the spirit <4151 -pneuma -> of the world <2889 -kosmos -> , but the spirit <4151 -pneuma -> which <3588 -ho -> is of God <2316 -theos -> ; that we might know <1492 -eido -> the things that are freely given <5483 -charizomai -> to us of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 002 012 Now <1161 -de -> we have received <2983 -lambano -> , not the spirit <4151 -pneuma -> of the world <2889 -kosmos -> , but the spirit <4151 -pneuma -> which <3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> ; that we might know <1492 -eido -> the things that are freely given <5483 -charizomai -> to us of God <2316 -theos -> .

2316 1CO 002 014 But the natural <5591 -psuchikos -> man <0444 -anthropos -> receiveth <1209 -dechomai -> not the things of the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> : for they are foolishness <3472 -moria -> unto him : neither <3756 -ou -> can <1410 -dunamai -> he know <1097 -ginosko -> [them] , because <3754 -hoti -> they are spiritually <4153 -pneumatikos -> discerned <0350 -anakrino -> .

2316 1CO 003 006 I have planted <5452 -phuteuo -> , Apollos <0625 -Apollos -> watered <4222 -potizo -> ; but God <{2316} -theos -> gave the increase <0837 -auzano -> .

2316 1CO 003 007 So <5620 -hoste -> then neither <3777 -oute -> is he that planteth <5452 -phuteuo -> any <5100 -tis -> thing , neither <3777 -oute -> he that watereth <4222 -potizo -> ; but God <{2316} -theos -> that giveth the increase <0837 -auzano -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos -> together <4904 -sunergos -> with God <2316 -theos -> : ye are God s <2316 -theos -> husbandry <1091 -georgion -> , [ye are] God s <{2316} -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos -> together <4904 -sunergos -> with God <2316 -theos -> : ye are God s <{2316} -theos -> husbandry <1091 -georgion -> , [ye are] God s <2316 -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 009 For we are labourers <4904 -sunergos -> together <4904 -sunergos -> with God <{2316} -theos -> : ye are God s <2316 -theos -> husbandry <1091 -georgion -> , [ye are] God s <2316 -theos -> building <3619 -oikodome -> .

2316 1CO 003 010 According <2596 -kata -> to the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> unto me , as a wise <4680 -sophos - -oneidismos -> masterbuilder <0753 -architekton -> , I have laid <5087 -tithemi -> the foundation <2310 -themelios -> , and another <0243 -allos -> buildeth <2026 -epoikodomeo -> thereon <2026 -epoikodomeo -> . But let every <1538 -hekastos -> man take heed <0991 -blepo -> how <4459 -pos -> he buildeth <2026 -epoikodomeo -> thereupon <2026 -epoikodomeo -> .

2316 1CO 003 016 . Know <1492 -eido -> ye not that ye are the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , and [that] the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> dwelleth

<3611 -oikeo -> in you ?

2316 1CO 003 016 . Know <1492 -eido -> ye not that ye are the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , and [that] the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> dwelleth <3611 -oikeo -> in you ?

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , him shall God <2316 -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> , him shall God <{2316} -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 017 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man defile <5351 -phtheiro -> the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , him shall God <2316 -theos -> destroy <5351 -phtheiro -> ; for the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> is holy <0040 -hagios -> , which <3748 -hostis -> [temple] ye are .

2316 1CO 003 019 For the wisdom <4678 -sophia -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> is foolishness <3472 -moria -> with God <{2316} -theos -> . For it is written <1125 -grapho -> , He taketh <1405 -drassomai -> the wise <4680 -sophos - -oneidismos -> in their own craftiness <3834 -panourgia -> .

2316 1CO 003 023 And ye are Christ s <5547 -Christos -> ; and Christ <5547 -Christos -> [is] God s <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 001 . Let a man <0444 -anthropos -> so <3779 -houto -> account <3049 -logizomai -> of us , as of the ministers <5257 -huperetes -> of Christ <5547 -Christos -> , and stewards <3623 -oikonomos -> of the mysteries <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 005 Therefore <5620 -hoste -> judge <2919 -krino -> nothing <3385 -meti -> before <4253 -pro -> the time <2540 -kairos -> , until <2193 -heos -> the Lord <2962 -kurios -> come <2064 -erchomai -> , who <3739 -hos -> both <2532 -kai -> will bring <5461 -photizo -> to light <5461 -photizo -> the hidden <2927 -kruptos -> things of darkness <4655 -skotos -> , and will make <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> the counsels <1012 -boule -> of the hearts <2588 -kardia -> : and then <5119 -tote -> shall every <1538 -hekastos -> man have <1096 -ginomai -> praise <1868 -epainos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 004 009 For I think <1380 -dokeo -> that God <{2316} -theos -> hath set <0584 -apodeiknumi -> forth <0584 -apodeiknumi -> us the apostles <0652 -apostolos -> last <2078 -eschatos -> , as it were appointed <1935 -epithanatios -> to death <1935 -epithanatios -> : for we are made <1096 -ginomai -> a spectacle <2302 -theatron -> unto the world <2889 -kosmos -> , and to angels <0032 -aggelos -> , and to men <0444 -anthropos -> .

2316 1CO 004 020 For the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> [is] not in word <3056 -logos -> , but in power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 005 013 But them that are without <1854 -exo -> God <{2316} -theos -> judgeth <2919 -krino -> . Therefore put <1808 -exairo -> away <1808 -exairo -> from among yourselves <0846 -autos -> that wicked <4190 -poneros -> person .

2316 1CO 006 009 . Know <1492 -eido -> ye not that the unrighteous <0094 -adikos -> shall not inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> ? Be not deceived <4105 -planao -> : neither <3777 -oute -> fornicators <4205 -pornos -> , nor <3777 -oute -> idolaters <1496 -eidololatres -> , nor <3777 -oute -> adulterers <3432 -moichos -> , nor <3777 -oute -> effeminate <3120 -malakos -> , nor <3777 -oute -> abusers <0783 -aspasmos -> of themselves with mankind <0733 -arsenokoites -> ,

2316 1CO 006 010 Nor <3777 -oute -> thieves <2812 -kleptes -> , nor <3777 -oute -> covetous <4123 -pleonektes -> , nor <3756 -ou -> drunkards <3183 -methusos -> , nor <3756 -ou -> revilers <3060 -loidoros -> , nor <3756 -ou -> extortioners <0727 -harpax -> , shall inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 011 And such <5023 -tauta -> were some <5100 -tis -> of you : but ye are washed <0628 -apolouo -> , but ye are sanctified <0037 -hagiazo -> , but ye are justified <1344 -dikaioo -> in the name <3686 -onoma -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , and by the Spirit <4151 -pneuma -> of our God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 013 Meats <1033 -broma -> for the belly <2836 -koilia -> , and the belly <2836 -koilia -> for meats <1033 -broma -> : but God <{2316} -theos -> shall destroy <2673 -katargeo -> both <2532 -kai -> it and them . Now <1161 -de -> the body <4983 -soma -> [is] not for fornication <4202 -porneia -> , but for the Lord <2962 -kurios -> ; and the Lord <2962 -kurios -> for the body <4983 -soma -> .

2316 1CO 006 014 And God <{2316} -theos -> hath both <2532 -kai -> raised <1453 -egeiro -> up the Lord <2962 -kurios -> , and will also <2532 -kai -> raise <1825 -exegeiro -> up us by his own <0848 -hautou -> power <1411 -dunamis -> .

2316 1CO 006 019 What <2228 -e -> ? know <1492 -eido -> ye not that your <1438 -heautou -> body <4983 -soma -> is the temple <3485 -naos -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> [which is] in you , which <3739 -hos -> ye have <2192 -echo -> of God <{2316} -theos -> , and ye are not your <5216 -humon -> own <1438 -heautou -> ?

2316 1CO 006 020 For ye are bought <0059 -agorazo -> with a price <5092 -time -> : therefore <1211 -de -> glorify <1392 -doxazo -> God <2316 -theos -> in your <5216 -humon -> body <4983 -soma -> , and in your <5216 -humon -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3748 -hostis -> are God s <{2316} -theos -> .

2316 1CO 006 020 For ye are bought <0059 -agorazo -> with a price <5092 -time -> : therefore <1211 -de -> glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in your <5216 -humon -> body <4983 -soma -> , and in your <5216 -humon -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3748 -hostis -> are God s <2316 -theos -> .

2316 1CO 007 007 For I would <2309 -thelo -> that all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> were even <2532 -kai -> as I myself <1683 -emautou -> . But every <1538 -hekastos -> man hath <2192 -echo -> his proper <2398 -idios -> gift <5486 -

charisma -> of God <{2316} -theos -> , one <3303 -men -> after <3779 -houto -> this <3779 -houto -> manner <3779 -houto -> , and another <3588 -ho -> after <3779 -houto -> that .

2316 1CO 007 015 But if <1487 -ei -> the unbelieving <0571 -apistos -> depart <5562 -choreo -> , let him depart <5562 -choreo -> . A brother <0080 -adephos -> or <2228 -e -> a sister <0079 -adelphe -> is not under bondage <1402 -douloo -> in such <5108 -toioutos -> [cases] : but God <{2316} -theos -> hath called <2564 -kaleo -> us to peace <1515 -eirene -> .

2316 1CO 007 017 . But as God <{2316} -theos -> hath distributed <3307 -merizo -> to every <1538 -hekastos -> man , as the Lord <2962 -kurios -> hath called <2564 -kaleo -> every <1538 -hekastos -> one , so <3779 -houto -> let him walk <4043 -peripateo -> . And so <3779 -houto -> ordain <1299 -diatasso -> I in all <3956 -pas -> churches <1577 -ekklesia -> .

2316 1CO 007 019 Circumcision <4061 -peritome -> is nothing <3762 -oudeis -> , and uncircumcision <0203 -akrobustia -> is nothing <3762 -oudeis -> , but the keeping <5084 -teresis -> of the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 007 024 Brethren <0080 -adephos -> , let every <1538 -hekastos -> man , wherein <3757 -hou -> he is called <2564 -kaleo -> , therein <5129 -toutoi -> abide <3306 -meno -> with God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 007 040 But she is happier <3107 -makarios -> if <1437 -ean -> she so <3779 -houto -> abide <3306 -meno -> , after <2596 -kata -> my judgment <1106 -gnome -> : and I think <1380 -dokeo -> also <2504 -kago -> that I have <2192 -echo -> the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 008 003 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , the same <3778 -houtos -> is known <1097 -ginosko -> of him .

2316 1CO 008 004 . As concerning <4012 -peri -> therefore <3767 -oun -> the eating <1035 -brosis -> of those <3588 -ho -> things that are offered <1494 -eidolothuton -> in sacrifice <1494 -eidolothuton -> unto idols <1494 -eidolothuton -> , we know <1492 -eido -> that an idol <1497 -eidolon -> [is] nothing <3762 -oudeis -> in the world <2889 -kosmos -> , and that [there is] none <3762 -oudeis -> other <2087 -heteros -> God <{2316} -theos -> but one <1520 -heis -> .

2316 1CO 008 005 For though <1512 -ei per -> there be that are called <3004 -lego -> gods <2316 -theos -> , whether <1535 -eite -> in heaven <3772 -ouranos -> or <1535 -eite -> in earth <1093 -ge -> , (as there be gods <{2316} -theos -> many <4183 -polus -> , and lords <2962 -kurios -> many <4183 -polus -> ,)

2316 1CO 008 005 For though <1512 -ei per -> there be that are called <3004 -lego -> gods <{2316} -theos -> , whether <1535 -eite -> in heaven <3772 -ouranos -> or <1535 -eite -> in earth <1093 -ge -> , (as there be gods <2316 -theos -> many <4183 -polus -> , and lords <2962 -kurios -> many <4183 -polus -> ,)

2316 1CO 008 006 But to us [there is but] one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> , the Father <3962 -pater -> , of whom <3739 -hos -> [are] all <3956 -pas -> things , and we in him ; and one <1520 -heis -> Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , by whom <3739 -hos -> [are] all <3956 -pas -> things , and we by him .

2316 1CO 008 008 But meat <1033 -broma -> commendeth <3936 -paristemi -> us not to God <{2316} -theos -> : for neither <3777 -oute -> , if <1437 -ean -> we eat <5315 -phago -> , are we the better <4052 -perisseuo -> ; neither <3777 -oute -> , if <1437 -ean -> we eat <5315 -phago -> not , are we the worse <5302 -hustereo -> .

2316 1CO 009 009 For it is written <1125 -grapho -> in the law <3551 -nomos -> of Moses <3475 -Moseus -> , Thou shalt not muzzle <5392 -phimoo -> the mouth of the ox <1016 -bous -> that treadeth <0248 -aloao -> out the corn . Doth God <{2316} -theos -> take care <3199 -melo -> for oxen <1016 -bous -> ?

2316 1CO 009 021 To them that are without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> , as without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> , (being not without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> to God <{2316} -theos -> , but under <1772 -ennomos -> the law <1772 -ennomos -> to Christ <5547 -Christos -> ,) that I might gain <2770 -kerdaino -> them that are without <0459 -anomos -> law <0459 -anomos -> .

2316 1CO 010 005 But with many <4119 -pleion -> of them God <{2316} -theos -> was not well <2106 -eudokeo -> pleased <2106 -eudokeo -> : for they were overthrown <2693 -katastronnumi -> in the wilderness <2048 -eremos -> .

2316 1CO 010 013 There hath no <3756 -ou -> temptation <3986 -peirasmos -> taken <2983 -lambano -> you but such as is common <0442 -anthropinos -> to man <0442 -anthropinos -> : but God <{2316} -theos -> [is] faithful <4103 -pistos -> , who <3739 -hos -> will not suffer <1439 -eao -> you to be tempted <3985 -peirazo -> above <5228 -huper -> that ye are able <1410 -dunamai -> ; but will with the temptation <3986 -peirasmos -> also <2532 -kai -> make <4160 -poieo -> a way <1545 -ekbasis -> to escape <1545 -ekbasis -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to bear <5297 -hupophero -> [it] .

2316 1CO 010 020 But I [say] , that the things which <3739 -hos -> the Gentiles <1484 -ethnos -> sacrifice <2380 -thuo -> , they sacrifice <2380 -thuo -> to devils <1140 -daimonion -> , and not to God <{2316} -theos -> : and I would <2309 -thelo -> not that ye should have fellowship <2844 -koinonos -> with devils <1140 -daimonion -> .

2316 1CO 010 031 Whether <1535 -eite -> therefore <3767 -oun -> ye eat <2068 -esthio -> , or <1535 -eite -> drink <4095 -pino -> , or <1535 -eite -> whatsoever <5100 -tis -> ye do <4160 -poieo -> , do <4160 -poieo -> all <3956 -pas -> to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 010 032 Give <1096 -ginomai -> none <0677 -aproskopos -> offence <0677 -aproskopos -> , neither to the Jews <2453 -Ioudaios -> , nor <2532 -kai -> to the Gentiles <1672 -Hellen -> , nor <2532 -kai -> to the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> :

2316 1CO 011 003 But I would <2309 -thelo -> have you know <1492 -eido -> , that the head <2776 -kephale -> of every <3956 -pas -> man <0435 -aner -> is Christ <5547 -Christos -> ; and the head <2776 -kephale -> of the woman <1135 -gune -> [is] the man <0435 -aner -> ; and the head <2776 -kephale -> of Christ <5547 -Christos -> [is] God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 007 For a man <0435 -aner -> indeed <3303 -men -> ought <3784 -opheilo -> not to cover <2619 -katakalupto -> [his] head <2776 -kephale -> , forasmuch as he is the image

<1504 -eikon -> and glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> : but the woman <1135 -gune -> is the glory <1391 -doxa -> of the man <0435 -aner -> .

2316 1CO 011 012 For as the woman <1135 -gune -> [is] of the man <0435 -aner -> , even so <3779 -houto -> [is] the man <0435 -aner -> also <2532 -kai -> by the woman <1135 -gune -> ; but all <3956 -pas -> things of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 013 Judge <2919 -krino -> in yourselves <0846 -autos -> : is it comely <4241 -prepo -> that a woman <1135 -gune -> pray <4336 -proseuchomai -> unto God <{2316} -theos -> uncovered <0177 -akatakaluptos -> ?

2316 1CO 011 016 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> man seem <1380 -dokeo -> to be contentious <5380 -philoneikos -> , we have <2192 -echo -> no <3756 -ou -> such <5108 -toioutos -> custom <4914 -sunetheia -> , neither <3761 -oude -> the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 011 022 What <1063 -gar -> ? have <2192 -echo -> ye not houses <3614 -oikia -> to eat <2068 -esthio -> and to drink <4095 -pino -> in ? or <2228 -e -> despise <2706 -kataphroneo -> ye the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , and shame <2617 -kataischuno -> them that have <2192 -echo -> not ? What <5101 -tis -> shall I say <2036 -epo -> to you ? shall I praise <1867 -epaineo -> you in this <5129 -toutoi -> ? I praise <1867 -epaineo -> [you] not .

2316 1CO 012 003 Wherefore <1352 -dio -> I give you to understand <1107 -gnorizo -> , that no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> speaking <2980 -laleo -> by the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> calleth <3004 -lego -> Jesus <2424 -Iesous -> accursed <0331 -anathema -> : and [that] no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> can <1410 -dunamai -> say <2036 -epo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Lord <2962 -kurios -> , but by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 1CO 012 006 And there are diversities <1243 -diairesis -> of operations <1755 -energema -> , but it is the same <0846 -autos -> God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> worketh <1754 -energeo -> all <3956 -pas -> in all <3956 -pas -> .

2316 1CO 012 018 But now <3570 -nuni -> hath God <{2316} -theos -> set <5087 -tithemi -> the members <3196 -melos -> every <1538 -hekastos -> one <1520 -heis -> of them in the body <4983 -soma -> , as it hath pleased <2309 -thelo -> him .

2316 1CO 012 024 For our comely <2158 -euschemon -> [parts] have <2192 -echo -> no <3756 -ou -> need <5532 -chreia -> : but God <{2316} -theos -> hath tempered <4786 -sugkerannumi -> the body <4983 -soma -> together <4786 -sugkerannumi -> , having given <1325 -didomi -> more <4055 -perissoteros -> abundant <4055 -perissoteros -> honour <5092 -time -> to that [part] which lacked <5302 -hustereo -> :

2316 1CO 012 028 And God <{2316} -theos -> hath set <5087 -tithemi -> some <3588 -ho -> in the church <1577 -ekklesia -> , first <4412 -proton -> apostles <0652 -apostolos -> , secondarily <1208 -deuteros -> prophets <4396 -prophetes -> , thirdly <5154 -tritos -> teachers <1320 -didaskalos -> , after <1899 -epeita -> that miracles <1411 -dunamis -> , then <1534 -eita -> gifts <5486 -charisma -> of healings <2386 -iama -> , helps <0484 -antilepsis -> , governments <2941 -kubernesis -> , diversities <1085 -genos -> of tongues <1100 -glossa -> .

2316 1CO 014 002 For he that speaketh <2980 -laleo -> in an [unknown] tongue <1100 -glossa -> speaketh <2980 -laleo -> not unto men <0444 -anthropos -> , but unto God <{2316} -theos -> : for no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> understandeth <0191 -akouo -> [him] ; howbeit in the spirit <4151 -pneuma -> he speaketh <2980 -laleo -> mysteries <3466 -musterion -> .

2316 1CO 014 018 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> , I speak <2980 -laleo -> with tongues <1100 -glossa -> more <3123 -mallon -> than ye all <3956 -pas -> :

2316 1CO 014 025 And thus <3779 -houto -> are the secrets <2927 -kruptos -> of his heart <2588 -kardia -> made <1096 -ginomai -> manifest <5318 -phaneros -> ; and so <3779 -houto -> falling <4098 -pipto -> down on <1909 -epi -> [his] face <4383 -prosopon -> he will worship <4352 -proskuneo -> God <2316 -theos -> , and report <0518 -apaggello -> that God <{2316} -theos -> is in you of a truth <3689 -ontos -> .

2316 1CO 014 025 And thus <3779 -houto -> are the secrets <2927 -kruptos -> of his heart <2588 -kardia -> made <1096 -ginomai -> manifest <5318 -phaneros -> ; and so <3779 -houto -> falling <4098 -pipto -> down on <1909 -epi -> [his] face <4383 -prosopon -> he will worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> , and report <0518 -apaggello -> that God <2316 -theos -> is in you of a truth <3689 -ontos -> .

2316 1CO 014 028 But if <1437 -ean -> there be no <3361 -me -> interpreter <1328 -diermeneutes -> , let him keep <4601 -sigao -> silence <4601 -sigao -> in the church <1577 -ekklesia -> ; and let him speak <2980 -laleo -> to himself <1438 -heautou -> , and to God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 014 033 For God <{2316} -theos -> is not [the author] of confusion <0181 -akatastasia -> , but of peace <1515 -eirene -> , as in all <3956 -pas -> churches <1577 -ekklesia -> of the saints <0040 -hagios -> .

2316 1CO 014 036 . What <2228 -e -> ? came <1831 -exerchomai -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> out from you ? or <2228 -e -> came <2658 -katantao -> it unto you only <3441 -monos -> ?

2316 1CO 015 009 For I am <1510 -eimi -> the least <1646 -elachistos -> of the apostles <0652 -apostolos -> , that am <1510 -eimi -> not meet <2425 -hikanos -> to be called <2563 -kalamos -> an apostle <0652 -apostolos -> , because <1360 -dioti -> I persecuted <1377 -dioko -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1CO 015 010 But by the grace <5485 -charis -> of God <2316 -theos -> I am <1510 -eimi -> what <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> : and his grace <5485 -charis -> which [was bestowed] upon me was not in vain <2756 -kenos -> ; but I laboured <2872 -kopiao -> more <4055 -perissoteros -> abundantly <4054 -perissoteron -> than they all <3956 -pas -> : yet <1161 -de -> not I , but the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> was with me .

2316 1CO 015 010 But by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> I am <1510 -eimi -> what <3739 -hos -> I am <1510 -eimi -> : and his grace <5485 -charis -> which [was bestowed] upon me was not in vain <2756 -kenos -> ; but I laboured <2872 -kopiao -> more <4055 -perissoteros -> abundantly <4054 -perissoteron -> than they all <3956 -pas -> : yet <1161 -

de -> not I , but the grace <5485 -charis -> of God <2316 -
theos -> which <3588 -ho -> was with me .

2316 1CO 015 015 Yea <1161 -de -> , and we are found <2147 -
heurisko -> false <5575 -pseudomartur -> witnesses <5575 -
pseudomartur -> of God <2316 -theos -> ; because <3754 -hoti ->
we have testified <3140 -martureo -> of God <{2316} -theos ->
that he raised <1453 -egeiro -> up Christ <5547 -Christos -> :
whom <3739 -hos -> he raised <1453 -egeiro -> not up , if <1512
-ei per -> so <0686 -ara -> be that the dead <3498 -nekros ->
rise <1453 -egeiro -> not .

2316 1CO 015 015 Yea <1161 -de -> , and we are found <2147 -
heurisko -> false <5575 -pseudomartur -> witnesses <5575 -
pseudomartur -> of God <{2316} -theos -> ; because <3754 -hoti -
> we have testified <3140 -martureo -> of God <2316 -theos ->
that he raised <1453 -egeiro -> up Christ <5547 -Christos -> :
whom <3739 -hos -> he raised <1453 -egeiro -> not up , if <1512
-ei per -> so <0686 -ara -> be that the dead <3498 -nekros ->
rise <1453 -egeiro -> not .

2316 1CO 015 024 Then <1534 -eita -> [cometh] the end <5056
-telos -> , when <3752 -hotan -> he shall have delivered <3860 -
paradidomi -> up the kingdom <0932 -basileia -> to God <{2316} -
theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -> ;
when <3752 -hotan -> he shall have put <2673 -katargeo -> down
<2673 -katargeo -> all <3956 -pas -> rule <0746 -arche -> and
all <3956 -pas -> authority <1849 -exousia -> and power <1411 -
dunamis -> .

2316 1CO 015 028 And when <3752 -hotan -> all <3956 -pas ->
things shall be subdued <5293 -hupotasso -> unto him , then
<5119 -tote -> shall the Son <5207 -huios -> also <2532 -kai ->
himself <0846 -autos -> be subject <5293 -hupotasso -> unto him
that put <5293 -hupotasso -> all <3956 -pas -> things under
<5293 -hupotasso -> him , that God <{2316} -theos -> may be all
<3956 -pas -> in all <3956 -pas -> .

2316 1CO 015 034 Awake <1594 -eknepho -> to righteousness <1346
-dikaios -> , and sin <0264 -hamartano -> not ; for some <5100
-tis -> have <2192 -echo -> not the knowledge <0056 -agnosia ->
of God <{2316} -theos -> : I speak <3004 -lego -> [this] to
your <5213 -humin -> shame <1791 -entrope -> .

2316 1CO 015 038 But God <{2316} -theos -> giveth <1325 -didomi
-> it a body <4983 -soma -> as it hath pleased <2309 -thelo ->
him , and to every <1538 -hekastos -> seed <4690 -sperma -> his
own <2398 -idios -> body <4983 -soma -> .

2316 1CO 015 050 Now <1161 -de -> this <5124 -touto -> I say
<5346 -phemi -> , brethren <0080 -adephos -> , that flesh
<4561 -sarx -> and blood <0129 -haima -> cannot <1410 -dunamai -
> inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia -> of
God <{2316} -theos -> ; neither <3761 -oude -> doth corruption
<5356 -phthora -> inherit <2816 -kleronomeo -> incorruption
<0861 -aphthrsia -> .

2316 1CO 015 057 But thanks <5485 -charis -> [be] to God
<{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> giveth <1325 -didomi ->
us the victory <3534 -nikos -> through <1223 -dia -> our Lord
<2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> .

2316 2CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -
apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->
by the will <2307 -thelema -> of God <2316 -theos -> , and

Timothy <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,
unto the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos ->
which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -
> , with all <3956 -pas -> the saints <0040 -hagios -> which
<3588 -ho -> are in all <3650 -holos -> Achaia <0882 -Achaia -> :

2316 2CO 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -
apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->
by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and
Timothy <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,
unto the church <1577 -ekklesia -> of God <2316 -theos ->
which <3588 -ho -> is at <1722 -en -> Corinth <2882 -Korinthos -
> , with all <3956 -pas -> the saints <0040 -hagios -> which
<3588 -ho -> are in all <3650 -holos -> Achaia <0882 -Achaia -> :

2316 2CO 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] to you and
peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> our Father
<3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios ->
Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] God
<2316 -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater ->
of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547
-Christos -> , the Father <3962 -pater -> of mercies <3628 -
oiktirmos -> , and the God <{2316} -theos -> of all <3650 -
holos -> comfort <3874 -paraklesis -> ;

2316 2CO 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] God
<{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> the Father <3962 -pater -
> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ
<5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of mercies
<3628 -oiktirmos -> , and the God <2316 -theos -> of all <3650 -
holos -> comfort <3874 -paraklesis -> ;

2316 2CO 001 004 Who <3588 -ho -> comforteth <3870 -parakaleo -
> us in all <3650 -holos -> our tribulation <2347 -thlipsis -> ,
that we may be able <1410 -dunamai -> to comfort <3870 -
parakaleo -> them which are in any <3956 -pas -> trouble <2347 -
thlipsis -> , by the comfort <3874 -paraklesis -> wherewith
<3739 -hos -> we ourselves are comforted <3870 -parakaleo -> of
God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 001 009 But we had <2192 -echo -> the sentence <0610 -
apokrima -> of death <2288 -thanatos -> in ourselves <1438 -
heautou -> , that we should not trust <3982 -peitho -> in
ourselves <1438 -heautou -> , but in God <{2316} -theos ->
which <3588 -ho -> raiseth <1453 -egeiro -> the dead <3498 -
nekros -> :

2316 2CO 001 012 . For our rejoicing <2746 -kauchesis -> is
this <3778 -houtos -> , the testimony <3142 -marturion -> of
our conscience <4893 -suneidesis -> , that in simplicity <0572 -
haplotes -> and godly <2316 -theos -> sincerity <1505 -
eilikrineia -> , not with fleshly <4559 -sarkikos -> wisdom
<4678 -sophia -> , but by the grace <5485 -charis -> of God
<{2316} -theos -> , we have had our conversation <0390 -
anastrepho -> in the world <2889 -kosmos -> , and more <4056 -
perissoteros -> abundantly <4056 -perissoteros -> to you -ward
<5209 -humas -> .

2316 2CO 001 012 . For our rejoicing <2746 -kauchesis -> is
this <3778 -houtos -> , the testimony <3142 -marturion -> of
our conscience <4893 -suneidesis -> , that in simplicity <0572 -
haplotes -> and godly <{2316} -theos -> sincerity <1505 -
eilikrineia -> , not with fleshly <4559 -sarkikos -> wisdom
<4678 -sophia -> , but by the grace <5485 -charis -> of God

<2316 -theos -> , we have had our conversation <0390 -anastrepho -> in the world <2889 -kosmos -> , and more <4056 -perissoteros -> abundantly <4056 -perissoteros -> to you -ward <5209 -humas -> .

2316 2CO 001 018 But [as] God <{2316} -theos -> [is] true <4103 -pistos -> , our word <3056 -logos -> toward <4314 -pros -> you was not yea <3483 -nai -> and nay <3756 -ou -> .

2316 2CO 001 019 For the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> was preached <2784 -kerusso -> among <1722 -en -> you by us , [even] by me and Silvanus <4610 -Silouanos -> and Timotheus <5095 -Timotheos -> , was not yea <3483 -nai -> and nay <3756 -ou -> , but in him was yea <3483 -nai -> .

2316 2CO 001 020 For all <3745 -hosos -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <2316 -theos -> in him [are] yea <3483 -nai -> , and in him Amen <0281 -amen -> , unto the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> by us .

2316 2CO 001 020 For all <3745 -hosos -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> in him [are] yea <3483 -nai -> , and in him Amen <0281 -amen -> , unto the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> by us .

2316 2CO 001 021 Now <1161 -de -> he which stablisheth <0950 -bebaioo -> us with you in Christ <5547 -Christos -> , and hath anointed <5548 -chrio -> us , [is] God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 001 023 Moreover <1161 -de -> I call <1941 -epikaleomai -> God <{2316} -theos -> for a record <3144 -martus -> upon my soul <5590 -psuche -> , that to spare <5339 -pheidomai -> you I came <2064 -erchomai -> not as yet <3765 -ouketi -> unto Corinth <2882 -Korinthos -> .

2316 2CO 002 014 Now <1161 -de -> thanks <5485 -charis -> [be] unto God <{2316} -theos -> , which always <3842 -pantote -> causeth <2358 -thriambeuo -> us to triumph <2358 -thriambeuo -> in Christ <5547 -Christos -> , and maketh <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> the savour <3744 -osme -> of his knowledge <1108 -gnosis -> by us in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> .

2316 2CO 002 015 For we are unto God <{2316} -theos -> a sweet <2175 -euodia -> savour <2175 -euodia -> of Christ <5547 -Christos -> , in them that are saved <4982 -sozo -> , and in them that perish <0622 -apollumi -> :

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <2316 -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <{2316} -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> , but as of God <{2316} -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <2316 -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 002 017 For we are not as many <4183 -polus -> , which corrupt <2585 -kapeleuo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> : but as of sincerity <1505 -eilikrineia -> ,

but as of God <2316 -theos -> , in the sight <2714 -katenopion -> of God <2316 -theos -> speak <2980 -laleo -> we in Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 003 003 [Forasmuch as ye are] manifestly <5319 -phaneroo -> declared <5319 -phaneroo -> to be the epistle <1992 -epistole -> of Christ <5547 -Christos -> ministered <1247 -diakoneo -> by us , written <1449 -eggrapho -> not with ink <3188 -melan -> , but with the Spirit <4151 -pneuma -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ; not in tables <4109 -plax -> of stone <3035 -lithinos -> , but in fleshy <4560 -sarkinos -> tables <4109 -plax -> of the heart <2588 -kardia -> .

2316 2CO 003 004 And such <5108 -toioutos -> trust <4006 -pepoithesis -> have <2192 -echo -> we through <1223 -dia -> Christ <5547 -Christos -> to God -ward <{2316} -theos -> :

2316 2CO 003 005 Not that we are sufficient <2425 -hikanos -> of ourselves <1438 -heautou -> to think <3049 -logizomai -> any <5100 -tis -> thing as of ourselves <1438 -heautou -> ; but our sufficiency <2426 -hikanotes -> [is] of God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 004 002 But have renounced <0550 -apeipomen -> the hidden <2927 -kruptos -> things of dishonesty <0152 -aischune -> , not walking <4043 -peripateo -> in craftiness <3834 -panourgia -> , nor <3366 -mede -> handling <1389 -doloo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> deceitfully <1389 -doloo -> ; but by manifestation <5321 -phanerosis -> of the truth <0225 -aletheia -> commending <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> to every <3956 -pas -> man s <0444 -anthropos -> conscience <4893 -suneidesis -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 004 002 But have renounced <0550 -apeipomen -> the hidden <2927 -kruptos -> things of dishonesty <0152 -aischune -> , not walking <4043 -peripateo -> in craftiness <3834 -panourgia -> , nor <3366 -mede -> handling <1389 -doloo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> deceitfully <1389 -doloo -> ; but by manifestation <5321 -phanerosis -> of the truth <0225 -aletheia -> commending <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> to every <3956 -pas -> man s <0444 -anthropos -> conscience <4893 -suneidesis -> in the sight <1799 -enopion -> of God <2316 -theos -> .

2316 2CO 004 004 In whom <3739 -hos -> the god <2316 -theos -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> hath blinded <5186 -tuphloo -> the minds <3540 -noema -> of them which believe <0571 -apistos -> not , lest <3361 -me -> the light <5462 -photismos -> of the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of God <{2316} -theos -> , should shine <0826 -augazo -> unto them .

2316 2CO 004 004 In whom <3739 -hos -> the god <{2316} -theos -> of this <5127 -toutou -> world <0165 -aion -> hath blinded <5186 -tuphloo -> the minds <3540 -noema -> of them which believe <0571 -apistos -> not , lest <3361 -me -> the light <5462 -photismos -> of the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of God <2316 -theos -> , should shine <0826 -augazo -> unto them .

2316 2CO 004 006 For God <2316 -theos -> , who <3588 -ho -> commanded <2036 -epo -> the light <5457 -phos -> to shine <2989 -

lampo -> out of darkness <4655 -skotos -> , hath shined <2989 -
lampo -> in our hearts <2588 -kardia -> , to [give] the
light <5462 -photismos -> of the knowledge <1108 -gnosis -> of
the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> in the face
<4383 -prosopon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -
Christos -> .

2316 2CO 004 006 For God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho ->
commanded <2036 -epo -> the light <5457 -phos -> to shine <2989 -
lampo -> out of darkness <4655 -skotos -> , hath shined <2989 -
lampo -> in our hearts <2588 -kardia -> , to [give] the
light <5462 -photismos -> of the knowledge <1108 -gnosis -> of
the glory <1391 -doxa -> of God <2316 -theos -> in the face
<4383 -prosopon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -
Christos -> .

2316 2CO 004 007 But we have <2192 -echo -> this <5126 -touton -
> treasure <2344 -thesauros -> in earthen <3749 -ostrakinos ->
vessels <4632 -skeuos -> , that the excellency <5236 -huperbole
-> of the power <1411 -dunamis -> may be of God <{2316} -theos -
> , and not of us .

2316 2CO 004 015 For all <3956 -pas -> things [are] for
your <5209 -humas -> sakes , that the abundant <4121 -pleonazo -
> grace <5485 -charis -> might through <1223 -dia -> the
thanksgiving <2169 -eucharistia -> of many <4119 -pleion ->
redound <4052 -perisseuo -> to the glory <1391 -doxa -> of God
<{2316} -theos -> .

2316 2CO 005 001 . For we know <1492 -eido -> that if <1437 -
ean -> our earthly <1919 -epigeios -> house <3614 -oikia -> of
[this <3588 -ho ->] tabernacle <4636 -skenos -> were
dissolved <2647 -kataluo -> , we have <2192 -echo -> a building
<3619 -oikodome -> of God <{2316} -theos -> , an house <3614 -
oikia -> not made <0886 -acheiropoietos -> with hands <0886 -
acheiropoietos -> , eternal <0166 -aionios -> in the heavens
<3772 -ouranos -> .

2316 2CO 005 005 Now <1161 -de -> he that hath wrought <2716 -
katergazomai -> us for the selfsame <5124 -touto -> thing [is
] God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> also <2532 -kai ->
hath given <1325 -didomi -> unto us the earnest <0728 -arrhabon -
> of the Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 2CO 005 011 Knowing <1492 -eido -> therefore <3767 -oun ->
the terror <5401 -phobos -> of the Lord <2962 -kurios -> , we
persuade <3982 -peitho -> men <0444 -anthropos -> ; but we are
made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo -> unto God
<{2316} -theos -> ; and I trust <1679 -elpizo -> also <2532 -
kai -> are made <5319 -phaneroo -> manifest <5319 -phaneroo ->
in your <5216 -humon -> consciences <4893 -suneidesis -> .

2316 2CO 005 013 For whether <1535 -eite -> we be beside <1839 -
existemi -> ourselves , [it is] to God <{2316} -theos -> :
or <1535 -eite -> whether <1535 -eite -> we be sober <4993 -
sophroneo -> , [it is] for your <5213 -humin -> cause .

2316 2CO 005 018 And all <3956 -pas -> things [are] of God
<{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath reconciled <2644 -
katallasso -> us to himself <1438 -heautou -> by Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and hath given <1325 -
didomi -> to us the ministry <1248 -diakonia -> of
reconciliation <2643 -katallage -> ;

2316 2CO 005 019 To wit <5613 -hos -> , that God <{2316} -
theos -> was in Christ <5547 -Christos -> , reconciling <2644 -

katallasso -> the world <2889 -kosmos -> unto himself <1438 -heautou -> , not imputing <3049 -logizomai -> their trespasses <3900 -paraptoma -> unto them ; and hath committed <5087 -tithemi -> unto us the word <3056 -logos -> of reconciliation <2643 -katallage -> .

2316 2CO 005 020 Now then we are ambassadors <4243 -presbeuo -> for Christ <5547 -Christos -> , as though God <2316 -theos -> did beseech <3870 -parakaleo -> [you] by us : we pray <1189 -deomai -> [you] in Christ s <5547 -Christos -> stead <5228 -huper -> , be ye reconciled <2644 -katallasso -> to God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 005 020 Now then we are ambassadors <4243 -presbeuo -> for Christ <5547 -Christos -> , as though God <{2316} -theos -> did beseech <3870 -parakaleo -> [you] by us : we pray <1189 -deomai -> [you] in Christ s <5547 -Christos -> stead <5228 -huper -> , be ye reconciled <2644 -katallasso -> to God <2316 -theos -> .

2316 2CO 005 021 For he hath made <4160 -poieo -> him [to be] sin <0266 -hamartia -> for us , who knew <1097 -ginosko -> no <3361 -me -> sin <0266 -hamartia -> ; that we might be made <1096 -ginomai -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> in him .

2316 2CO 006 001 . We then <3767 -oun -> , [as] workers <4903 -sunergeo -> together <4903 -sunergeo -> [with him] , beseech <3870 -parakaleo -> [you] also <2532 -kai -> that ye receive <1209 -dechomai -> not the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in vain <2756 -kenos -> .

2316 2CO 006 004 But in all <3956 -pas -> [things] approving <4921 -sunistao -> ourselves <1438 -heautou -> as the ministers <1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , in much <4183 -polus -> patience <5281 -hupomone -> , in afflictions <2347 -thlipsis -> , in necessities <0318 -anagke -> , in distresses <4730 -stenochoria -> ,

2316 2CO 006 007 By the word <3056 -logos -> of truth <0225 -aletheia -> , by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> , by the armour <3696 -hoplon -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> on the right <1188 -dexios -> hand and on the left <0710 -aristeros -> ,

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <{2316} -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <{2316} -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <2316 -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple

<3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 006 016 And what <5101 -tis -> agreement <4783 -sugkatathesis -> hath the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> with idols <1497 -eidolon -> ? for ye are the temple <3485 -naos -> of the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ; as God <2316 -theos -> hath said <2036 -epo -> , I will dwell <1774 -enoikeo -> in them , and walk <1704 -emperipateo -> in [them] ; and I will be their God <2316 -theos -> , and they shall be my people <2992 -laos -> .

2316 2CO 007 001 . Having <2192 -echo -> therefore <3767 -oun -> these <5025 -tautais -> promises <1860 -epaggelia -> , dearly beloved <0027 -agapetos -> , let us cleanse <2511 -katharizo -> ourselves <1438 -heautou -> from all <3956 -pas -> filthiness <3436 -molusmos -> of the flesh <4561 -sarx -> and spirit <4151 -pneuma -> , perfecting <2005 -epiteleo -> holiness <0042 -hagiosune -> in the fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 007 006 Nevertheless <0235 -alla -> God <{2316} -theos -> , that comforteth <3870 -parakaleo -> those <3588 -ho -> that are cast <5011 -tapeinos -> down <5011 -tapeinos -> , comforted <3870 -parakaleo -> us by the coming <3952 -parousia -> of Titus <5103 -Titos -> ;

2316 2CO 007 009 Now <3568 -nun -> I rejoice <5463 -chairo -> , not that ye were made <3076 -lupeo -> sorry <3076 -lupeo -> , but that ye sorrowed <3076 -lupeo -> to repentance <3341 -metanoia -> : for ye were made <3076 -lupeo -> sorry <3076 -lupeo -> after <2596 -kata -> a godly <{2316} -theos -> manner , that ye might receive <2210 -zemioo -> damage <2210 -zemioo -> by us in nothing <3367 -medeis -> .

2316 2CO 007 010 For godly <{2316} -theos -> sorrow <3077 -lupe -> worketh <2716 -katergazomai -> repentance <3341 -metanoia -> to salvation <4991 -soteria -> not to be repented <0278 -ametameletos -> of : but the sorrow <3077 -lupe -> of the world <2889 -kosmos -> worketh <2716 -katergazomai -> death <2288 -thanatos -> .

2316 2CO 007 011 For behold <2400 -idou -> this <5124 -touto -> selfsame <0846 -autos -> thing , that ye sorrowed <3076 -lupeo -> after <2596 -kata -> a godly <{2316} -theos -> sort , what <4214 -posos -> carefulness <4710 -spoude -> it wrought <2716 -katergazomai -> in you , yea <0235 -alla -> , [what] clearing <0627 -apologia -> of yourselves , yea <0235 -alla -> , [what] indignation <0024 -aganaktesis -> , yea <0235 -alla -> , [what] fear <5401 -phobos -> , yea <0235 -alla -> , [what] vehement <1972 -epipothesis -> desire <1972 -epipothesis -> , yea <0235 -alla -> , [what] zeal <2205 -zelos -> , yea <0235 -alla -> , [what] revenge <1557 -ekdikesis -> ! In all <3956 -pas -> [things] ye have approved <4921 -sunistao -> yourselves <1438 -heautou -> to be clear <0053 -hagnos -> in this <3588 -ho -> matter <4229 -pragma -> .

2316 2CO 007 012 . Wherefore <0686 -ara -> , though <1499 -ei kai -> I wrote <1125 -grapho -> unto you , [I did it] not for his cause <1752 -heneka -> that had done <0091 -adikeo -> the wrong <0091 -adikeo -> , nor <3761 -oude -> for his cause <1752 -heneka -> that suffered wrong <0091 -adikeo -> , but

that our care <4710 -spoude -> for you in the sight <1799 -
enopion -> of God <{2316} -theos -> might appear <5319 -phaneroo
-> unto you .

2316 2CO 008 001 . Moreover <1161 -de -> , brethren <0080 -
adephos -> , we do <1107 -gnorizo -> you to wit <1107 -gnorizo -
> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos ->
bestowed <1325 -didomi -> on <1722 -en -> the churches <1577 -
ekklesia -> of Macedonia <3109 -Makedonia -> ;

2316 2CO 008 005 And [this they did] , not as we hoped
<1679 -elpizo -> , but first <4412 -proton -> gave <1325 -
didomi -> their own selves <1438 -heautou -> to the Lord <2962 -
kurios -> , and unto us by the will <2307 -thelema -> of God
<{2316} -theos -> .

2316 2CO 008 016 . But thanks <5485 -charis -> [be] to God
<{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> put <1325 -didomi -> the
same <0846 -autos -> earnest <4710 -spoude -> care <4710 -spoude
-> into <1722 -en -> the heart <2588 -kardia -> of Titus <5103 -
Titos -> for you .

2316 2CO 009 007 Every <1538 -hekastos -> man according <2531 -
kathos -> as he purposeth <4255 -proaireomai -> in his heart
<2588 -kardia -> , [so let him give] ; not grudgingly
<3077 -lupe -> , or <2228 -e -> of necessity <0318 -anagke -> :
for God <{2316} -theos -> loveth <0025 -agapao -> a cheerful
<2431 -hilaros -> giver <1395 -dotes -> .

2316 2CO 009 008 And God <{2316} -theos -> [is] able <1415 -
dunatos -> to make <4052 -perisseuo -> all <3956 -pas -> grace
<5485 -charis -> abound <4052 -perisseuo -> toward <1519 -eis ->
you ; that ye , always <3842 -pantote -> having <2192 -echo ->
all <3956 -pas -> sufficiency <0841 -autarkeia -> in all <3956 -
pas -> [things] , may abound <4052 -perisseuo -> to every
<3956 -pas -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> :

2316 2CO 009 011 Being enriched <4148 -ploutizo -> in every
<3956 -pas -> thing to all <3956 -pas -> bountifulness <0572 -
haplotes -> , which <3748 -hostis -> causeth <2716 -
katergazomai -> through <1223 -dia -> us thanksgiving <2169 -
eucharistia -> to God <{2316} -theos -> .

2316 2CO 009 012 For the administration <1248 -diakonia -> of
this <5026 -taute -> service <3009 -leitourgia -> not only <3440
-monon -> supplieth <4322 -prosanapleroo -> the want <5303 -
husterema -> of the saints <0040 -hagios -> , but is abundant
<4052 -perisseuo -> also <2532 -kai -> by many <4183 -polus ->
thanksgivings <2169 -eucharistia -> unto God <{2316} -theos -> ;

2316 2CO 009 013 Whiles by the experiment <1382 -dokime -> of
this <5026 -taute -> ministration <1248 -diakonia -> they
glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> for your <5216 -
humon -> professed <3671 -homologia -> subjection <5292 -
hupotage -> unto the gospel <2098 -euaggelion -> of Christ <5547
-Christos -> , and for [your <3588 -ho ->] liberal <0572 -
haplotes -> distribution <2842 -koinonia -> unto them , and
unto all <3956 -pas -> [men] ;

2316 2CO 009 014 And by their prayer <1162 -deesis -> for you ,
which long <1971 -epipotheo -> after <1971 -epipotheo -> you
for the exceeding <5235 -huperballo -> grace <5485 -charis -> of
God <{2316} -theos -> in you .

2316 2CO 009 015 Thanks <5485 -charis -> [be] unto God
<{2316} -theos -> for his unspeakable <0411 -anekdiegetos ->

gift <1431 -dorea -> .

2316 2CO 010 004 (For the weapons <3696 -hoplon -> of our warfare <4752 -strateia -> [are] not carnal <4559 -sarkikos -> , but mighty <1415 -dunatos -> through God <{2316} -theos -> to the pulling <2506 -kathairesis -> down <2506 -kathairesis -> of strong <3794 -ochuroma -> holds <3794 -ochuroma -> ;)

2316 2CO 010 005 Casting <2507 -kathaireo -> down <2504 -kago -> imaginations <3053 -logismos -> , and every <3956 -pas -> high <5313 -hupsoma -> thing <5313 -hupsoma -> that exalteth <1869 -epairo -> itself against <2596 -kata -> the knowledge <1108 -gnosis -> of God <{2316} -theos -> , and bringing <0163 -aichmalotizo -> into captivity <0163 -aichmalotizo -> every <3956 -pas -> thought <3540 -noema -> to the obedience <5218 -hupakoe -> of Christ <5547 -Christos -> ;

2316 2CO 010 013 But we will not boast <2744 -kauchaomai -> of things without <0280 -ametros -> [our] measure <0280 -ametros -> , but according <2596 -kata -> to the measure <3358 -metron -> of the rule <2583 -kanon -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath distributed <3307 -merizo -> to us , a measure <3358 -metron -> to reach <2185 -ephikneomai -> even <2532 -kai -> unto you .

2316 2CO 011 002 For I am jealous <2206 -zeloo -> over you with godly <{2316} -theos -> jealousy <2205 -zelos -> : for I have espoused <0718 -harmozo -> you to one <1520 -heis -> husband <0435 -aner -> , that I may present <3936 -paristemi -> [you as] a chaste <0053 -hagnos -> virgin <3933 -parthenos -> to Christ <5547 -Christos -> .

2316 2CO 011 007 Have I committed <4160 -poieo -> an offence <0266 -hamartia -> in abasing <5013 -tapeinoo -> myself <1683 -emautou -> that ye might be exalted <5312 -hupsoo -> , because <3754 -hoti -> I have preached <2097 -euaggelizo -> to you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> freely <1432 -dorean -> ?

2316 2CO 011 011 Wherefore <1302 -diati -> ? because <3754 -hoti -> I love <0025 -agapao -> you not ? God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> .

2316 2CO 011 031 The God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3588 -ho -> is blessed <2128 -eulogetos -> for evermore <0165 -aion -> , knoweth <1492 -eido -> that I lie <5574 -pseudomai -> not .

2316 2CO 012 002 I knew <1492 -eido -> a man <0444 -anthropos -> in Christ <5547 -Christos -> above <4253 -pro -> fourteen <1180 -dekatessares -> years <2094 -etos -> ago <4253 -pro -> , (whether in the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> ; or <1535 -eite -> whether <1535 -eite -> out of the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> : God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> ;) such <5108 -toioutos -> an one caught <0726 -harpazo -> up to the third <5154 -tritos -> heaven <3772 -ouranos -> .

2316 2CO 012 003 And I knew <1492 -eido -> such <5108 -toioutos -> a man <0444 -anthropos -> , (whether in the body <4983 -soma -> , or <1535 -eite -> out of the body <4983 -soma -> , I cannot <1492 -eido -> tell <1492 -eido -> : God <{2316} -theos -> knoweth <1492 -eido -> ;)

2316 2CO 012 019 Again <3825 -palin -> , think <1380 -dokeo ->

ye that we excuse <0626 -apologeomai -> ourselves unto you ? we speak <2980 -laleo -> before <2714 -katenopion -> God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> : but [we do] all <3956 -pas -> things , dearly beloved <0027 -agapetos -> , for your <5216 -humon -> edifying <3619 -oikodome -> .

2316 2CO 012 021 [And] lest <3361 -me -> , when I come <2064 -erchomai -> again <3825 -palin -> , my God <{2316} -theos -> will humble <5013 -tapeinoo -> me among <4314 -pros -> you , and [that] I shall bewail <3996 -pentheo -> many <4183 -polus -> which <3588 -ho -> have sinned <4258 -proamartano -> already <4258 -proamartano -> , and have not repented <3340 -metanoeo -> of the uncleanness <0167 -akatharsia -> and fornication <4202 -porneia -> and lasciviousness <0766 -aselgeia -> which <3739 -hos -> they have committed <4238 -prasso -> .

2316 2CO 013 004 For though <1487 -ei -> he was crucified <4717 -stauroo -> through <1537 -ek -> weakness <0769 -astheneia -> , yet <0235 -alla -> he liveth <2198 -zao -> by the power <1411 -dunamis -> of God <2316 -theos -> . For we also <2532 -kai -> are weak <0770 -astheneo -> in him , but we shall live <2198 -zao -> with him by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> toward <1519 -eis -> you .

2316 2CO 013 004 For though <1487 -ei -> he was crucified <4717 -stauroo -> through <1537 -ek -> weakness <0769 -astheneia -> , yet <0235 -alla -> he liveth <2198 -zao -> by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> . For we also <2532 -kai -> are weak <0770 -astheneo -> in him , but we shall live <2198 -zao -> with him by the power <1411 -dunamis -> of God <2316 -theos -> toward <1519 -eis -> you .

2316 2CO 013 007 . Now <1161 -de -> I pray <2172 -euchomai -> to God <{2316} -theos -> that ye do <4160 -poieo -> no <3367 -medeis -> evil <2556 -kakos -> ; not that we should appear <5316 -phaino -> approved <1384 -dokimos -> , but that ye should do <4160 -poieo -> that which is honest <2570 -kalos -> , though we be as reprobates <0096 -adokimos -> .

2316 2CO 013 011 . Finally <3063 -loipon -> , brethren <0080 -adephos -> , farewell <5463 -chairo -> . Be perfect <2675 -katartizo -> , be of good comfort <3870 -parakaleo -> , be of one <0846 -autos -> mind <5426 -phroneo -> , live <1514 -eireneuo -> in peace <1518 -eirenopoios -> ; and the God <{2316} -theos -> of love <0026 -agape -> and peace <1515 -eirene -> shall be with you .

2316 2CO 013 014 The grace <5485 -charis -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , and the communion <2842 -koinonia -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , [be] with you all <3956 -pas -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 GAL 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> , (not of men <0444 -anthropos -> , neither <3761 -oude -> by man <0444 -anthropos -> , but by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , who <3588 -ho -> raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> ;)

2316 GAL 001 003 Grace <5485 -charis -> [be] to you and peace <1515 -eirene -> from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , and [from] our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->

2316 GAL 001 004 Who <3588 -ho -> gave <1325 -didomi -> himself <1438 -heautou -> for our sins <0266 -hamartia -> , that he might deliver <1807 -exaireo -> us from this <3588 -ho -> present <1764 -enistemi -> evil <4190 -poneros -> world <0165 -aion -> , according <2596 -kata -> to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> :

2316 GAL 001 010 . For do I now <0737 -arti -> persuade <3982 -peitho -> men <0444 -anthropos -> , or <2228 -e -> God <{2316} -theos -> ? or <2228 -e -> do I seek <2212 -zeteo -> to please <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> ? for if <1487 -ei -> I yet <2089 -eti -> pleased <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , I should not be the servant <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> .

2316 GAL 001 013 For ye have heard <0191 -akouo -> of my conversation <0391 -anastrophe -> in time <4218 -pote -> past in the Jews <2454 -Ioudaismos -> religion <2854 -kollourion -> , how that beyond <5236 -huperbole -> measure <5236 -huperbole -> I persecuted <1377 -dioko -> the church <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> , and wasted <4199 -portheo -> it :

2316 GAL 001 015 But when <3753 -hote -> it pleased <2106 -eudokeo -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> separated <0873 -aphorizo -> me from my mother s <3384 -meter -> womb <2836 -koilia -> , and called <2564 -kaleo -> [me] by his grace <5485 -charis -> ,

2316 GAL 001 020 Now <2236 -hedista -> the things which <3739 -hos -> I write <1125 -grapho -> unto you , behold <2400 -idou -> , before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , I lie <5574 -pseudomai -> not .

2316 GAL 001 024 And they glorified <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in me .

2316 GAL 002 006 But of these who seemed <1380 -dokeo -> to be somewhat <5100 -tis -> , (whatsoever they were , it maketh <1308 -diaphero -> no <3762 -oudeis -> matter <1308 -diaphero -> to me : God <{2316} -theos -> accepteth <2983 -lambano -> no <3756 -ou -> man s <0444 -anthropos -> person <4383 -prosopon -> :) for they who seemed <1380 -dokeo -> [to be somewhat] in conference <4323 -prosanatithemi -> added <4323 -prosanatithemi -> nothing <3762 -oudeis -> to me :

2316 GAL 002 019 For I through <1223 -dia -> the law <3551 -nomos -> am dead <0599 -apothnesko -> to the law <3551 -nomos -> , that I might live <2198 -zao -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 GAL 002 020 I am crucified <4957 -sustauroo -> with Christ <5547 -Christos -> : nevertheless <1161 -de -> I live <2198 -zao -> ; yet <3765 -ouketi -> not I , but Christ <5547 -Christos -> liveth <2198 -zao -> in me : and the life which <3739 -hos -> I now <3568 -nun -> live <2198 -zao -> in the flesh <4561 -sarx -> I live <2198 -zao -> by the faith <4102 -pistis -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> loved <0025 -agapao -> me , and gave <3860 -paradidomi -> himself <1438 -heautou -> for me .

2316 GAL 002 021 I do not frustrate <0114 -atheteo -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> : for if <1487 -ei -> righteousness <1343 -dikaiosune -> [come] by the law <3551 -nomos -> , then <0686 -ara -> Christ <5547 -Christos -> is dead <0599 -apothnesko -> in vain <1432 -dorean -> .

2316 GAL 003 006 . Even <2531 -kathos -> as Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was accounted <3049 -logizomai -> to him for righteousness <1343 -dikaiosune -> .

2316 GAL 003 008 And the scripture <1124 -graphe -> , foreseeing <4275 -proeido -> that God <{2316} -theos -> would justify <1344 -dikaioo -> the heathen <1484 -ethnos -> through <1537 -ek -> faith <4102 -pistis -> , preached <4283 -proeuaggelizomai -> before <4283 -proeuaggelizomai -> the gospel <4283 -proeuaggelizomai -> unto Abraham <11> , [saying] , In thee shall all <3956 -pas -> nations <1484 -ethnos -> be blessed <1757 -eneulogeo -> .

2316 GAL 003 011 But that no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> is justified <1344 -dikaioo -> by the law <3551 -nomos -> in the sight <3844 -para -> of God <{2316} -theos -> , [it is] evident <1212 -delos -> : for , The just <1342 -dikaios -> shall live <2198 -zao -> by faith <4102 -pistis -> .

2316 GAL 003 017 And this <5124 -touto -> I say <3004 -lego -> , [that] the covenant <1242 -diatheke -> , that was confirmed <4300 -prokuroo -> before <4300 -prokuroo -> of God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> , the law <3551 -nomos -> , which was four <5071 -tetrakosioi -> hundred <5071 -tetrakosioi -> and thirty <5144 -triakonta -> years <2094 -etos -> after <3326 -meta -> , cannot <3756 -ou -> disannul <0208 -akuroo -> , that it should make <2673 -katargeo -> the promise <1860 -epaggelia -> of none <0208 -akuroo -> effect <2673 -katargeo -> .

2316 GAL 003 018 For if <1487 -ei -> the inheritance <2817 -kleronomia -> [be] of the law <3551 -nomos -> , [it is] no <3765 -ouketi -> more <2089 -eti -> of promise <1860 -epaggelia -> : but God <{2316} -theos -> gave <5483 -charizomai -> [it] to Abraham <0011 -Abraam ->by promise <1860 -epaggelia -> .

2316 GAL 003 020 Now <1161 -de -> a mediator <3316 -mesites -> is not [a mediator] of one <1520 -heis -> , but God <{2316} -theos -> is one <1520 -heis -> .

2316 GAL 003 021 [Is] the law <3551 -nomos -> then <3767 -oun -> against <2596 -kata -> the promises <1860 -epaggelia -> of God <{2316} -theos -> ? God <1096 -ginomai -> forbid <1096 -ginomai -> : for if <1487 -ei -> there had been a law <3551 -nomos -> given <1325 -didomi -> which <3588 -ho -> could <1410 -dunamai -> have given <2227 -zoopoieo -> life <2227 -zoopoieo -> , verily <3689 -ontos -> righteousness <1343 -dikaiosune -> should have been <2258 -en -> by the law <3551 -nomos -> .

2316 GAL 003 026 For ye are all <3956 -pas -> the children <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> by faith <4102 -pistis -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 GAL 004 004 But when <3753 -hote -> the fulness <4138 -pleroma -> of the time <5550 -chronos -> was come <2064 -erchomai -> , God <{2316} -theos -> sent <1821 -exapostello -> forth <1821 -exapostello -> his Son <5207 -huios -> , made <1096 -ginomai -> of a woman <1135 -gune -> , made <1096 -ginomai -> under <5259 -hupo -> the law <3551 -nomos -> ,

2316 GAL 004 006 And because <3754 -hoti -> ye are sons <5207 -huios -> , God <{2316} -theos -> hath sent <1821 -exapostello -> forth <1821 -exapostello -> the Spirit <4151 -pneuma -> of his Son <5207 -huios -> into <1519 -eis -> your <5216 -humon ->

hearts <2588 -kardia -> , crying <2896 -krazo -> , Abba <0005 -
Abba -> , Father <3962 -pater -> .

2316 GAL 004 007 Wherefore <5620 -hoste -> thou art <1488 -ei -
> no <3765 -ouketi -> more <2089 -eti -> a servant <1401 -doulos
-> , but a son <5207 -huios -> ; and if <1487 -ei -> a son
<5207 -huios -> , then <2532 -kai -> an heir <2818 -kleronomos -
> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> Christ <5547 -
Christos -> .

2316 GAL 004 008 . Howbeit <0235 -alla -> then <5119 -tote -> ,
when ye knew <1492 -eido -> not God <2316 -theos -> , ye did
service <1398 -douleuo -> unto them which by nature <5449 -
phusis -> are no <3361 -me -> gods <{2316} -theos -> .

2316 GAL 004 008 . Howbeit <0235 -alla -> then <5119 -tote -> ,
when ye knew <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> , ye
did service <1398 -douleuo -> unto them which by nature <5449 -
phusis -> are no <3361 -me -> gods <2316 -theos -> .

2316 GAL 004 009 But now <3568 -nun -> , after that ye have
known <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> , or <1161 -de ->
rather <3123 -mallon -> are known <1097 -ginosko -> of God
<{2316} -theos -> , how <4459 -pos -> turn <1994 -epistrepho ->
ye again <3825 -palin -> to the weak <0772 -asthenes -> and
beggarly <4444 -purgos -> elements <4747 -stoicheion -> ,
whereunto <3739 -hos -> ye desire <2309 -thelo -> again <3825 -
palin -> to be in bondage <1398 -douleuo -> ?

2316 GAL 004 009 But now <3568 -nun -> , after that ye have
known <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> , or <1161 -de ->
rather <3123 -mallon -> are known <1097 -ginosko -> of God <2316
-theos -> , how <4459 -pos -> turn <1994 -epistrepho -> ye
again <3825 -palin -> to the weak <0772 -asthenes -> and
beggarly <4444 -purgos -> elements <4747 -stoicheion -> ,
whereunto <3739 -hos -> ye desire <2309 -thelo -> again <3825 -
palin -> to be in bondage <1398 -douleuo -> ?

2316 GAL 004 014 And my temptation <3986 -peirasmos -> which
was in my flesh <4561 -sarx -> ye despised <1848 -exoutheneo ->
not , nor <3761 -oude -> rejected <1609 -ekptuo -> ; but
received <1209 -dechomai -> me as an angel <0032 -aggelos -> of
God <{2316} -theos -> , [even] as Christ <5547 -Christos ->
Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 GAL 005 021 Envyings <5355 -phthonos -> , murders <5408 -
phonos -> , drunkenness <3178 -methe -> , revellings <2970 -
komos -> , and such <5125 -toutois -> like <3664 -homoios -> :
of the which <3739 -hos -> I tell <4302 -prolego -> you before
<4302 -prolego -> , as I have also <2532 -kai -> told <4277 -
proepo -> [you] in time past <4302 -prolego -> , that they
which do <4238 -prasso -> such <5108 -toioutos -> things shall
not inherit <2816 -kleronomeo -> the kingdom <0932 -basileia ->
of God <{2316} -theos -> .

2316 GAL 006 007 Be not deceived <4105 -planao -> ; God
<{2316} -theos -> is not mocked <3456 -mukterizo -> : for
whatsoever <1437 -ean -> a man <0444 -anthropos -> soweth <4687 -
speiro -> , that shall he also <2532 -kai -> reap <2325 -
therizo -> .

2316 GAL 006 016 And as many <3745 -hosos -> as walk <4748 -
stoicheo -> according to this <5129 -toutoi -> rule <2583 -kanon
-> , peace <1515 -eirene -> [be] on <1909 -epi -> them ,
and mercy <1656 -eleos -> , and upon the Israel <2474 -Israel -
> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , to the saints <0040 -hagios -> which <3588 -ho -> are at <1722 -en -> Ephesus <2181 -Ephesos -> , and to the faithful <4103 -pistos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> :

2316 EPH 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] to you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 EPH 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] the God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> hath blessed <2127 -eulogeo -> us with all <3956 -pas -> spiritual <4152 -pneumatikos -> blessings <2129 -eulogia -> in heavenly <2032 -epouranios -> [places] in Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 001 017 That the God <{2316} -theos -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , the Father <3962 -pater -> of glory <1391 -doxa -> , may give <1325 -didomi -> unto you the spirit <4151 -pneuma -> of wisdom <4678 -sophia -> and revelation <0602 -apokalupsis -> in the knowledge <1922 -epignosis -> of him :

2316 EPH 002 004 . But God <{2316} -theos -> , who is rich <4145 -plousios -> in mercy <1656 -eleos -> , for his great <4183 -polus -> love <0026 -agape -> wherewith <3739 -hos -> he loved <0025 -agapao -> us ,

2316 EPH 002 008 For by grace <5485 -charis -> are ye saved <4982 -sozo -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> ; and that not of yourselves <5216 -humon -> : [it is] the gift <1435 -doron -> of God <{2316} -theos -> :

2316 EPH 002 010 For we are his workmanship <4161 -poiema -> , created <2936 -ktizo -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> unto good <0018 -agathos -> works <2041 -ergon -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath before <4282 -proetoimazo -> ordained <4282 -proetoimazo -> that we should walk <4043 -peripateo -> in them .

2316 EPH 002 016 And that he might reconcile <0604 -apokatallasso -> both <0297 -amphoteros -> unto God <{2316} -theos -> in one <1520 -heis -> body <4983 -soma -> by the cross <4716 -stauros -> , having slain <0615 -apokteino -> the enmity <2189 -echthra -> thereby <0846 -autos -> :

2316 EPH 002 019 Now <3767 -oun -> therefore <0686 -ara -> ye are no <3765 -ouketi -> more <3765 -ouketi -> strangers <3581 -xenos -> and foreigners <3941 -paroikos -> , but fellowcitizens <4847 -sumpolites -> with the saints <0040 -hagios -> , and of the household <3609 -oikeios -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 EPH 002 022 In whom <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> are builded <4925 -sunoikodomeo -> together <4925 -sunoikodomeo -> for an habitation <2732 -katoiketerion -> of God <{2316} -theos -> through <1722 -en -> the Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 EPH 003 002 If <1489 -eige -> ye have heard <0191 -akouo -> of the dispensation <3622 -oikonomia -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> me to you -ward <5209 -humas -> ;

2316 EPH 003 007 Whereof <3739 -hos -> I was made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the gift <1431 -dorea -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> given <1325 -didomi -> unto me by the effectual <1753 -energeia -> working <1753 -energeia -> of his power <1411 -dunamis -> .

2316 EPH 003 009 And to make <5461 -photizo -> all <3956 -pas -> [men] see <5461 -photizo -> what <5101 -tis -> [is] the fellowship <2842 -koinonia -> of the mystery <3466 -musterion -> , which <3588 -ho -> from the beginning of the world <0165 -aion -> hath been hid <0613 -apokrupto -> in God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> created <2936 -ktizo -> all <3956 -pas -> things by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 003 010 To the intent <2443 -hina -> that now <3568 -nun -> unto the principalities <0746 -arche -> and powers <1849 -exousia -> in heavenly <2032 -epouranios -> [places] might be known <1107 -gnorizo -> by the church <1577 -ekklesia -> the manifold <4182 -polupoikilos -> wisdom <4678 -sophia -> of God <{2316} -theos -> ,

2316 EPH 003 019 And to know <1097 -ginosko -> the love <0026 -agape -> of Christ <5547 -Christos -> , which passeth <5235 -huperballo -> knowledge <1108 -gnosis -> , that ye might be filled <4137 -pleroo -> with all <3956 -pas -> the fulness <4138 -pleroma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 004 006 One <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of all <3956 -pas -> , who <3588 -ho -> [is] above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> , and through <1223 -dia -> all <3956 -pas -> , and in you all <3956 -pas -> .

2316 EPH 004 013 Till <3360 -mechri -> we all <3956 -pas -> come <2658 -katantao -> in the unity <1775 -henotes -> of the faith <4102 -pistis -> , and of the knowledge <1922 -epignosis -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , unto a perfect <5046 -teleios -> man <0435 -aner -> , unto the measure <3358 -metron -> of the stature <2244 -helikia -> of the fulness <4138 -pleroma -> of Christ <5547 -Christos -> :

2316 EPH 004 018 Having the understanding <1271 -dianoia -> darkened <4654 -skotizo -> , being <5607 -on -> alienated <0526 -apallotrioo -> from the life <2222 -zoe -> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> the ignorance <0052 -agnoia -> that is in them , because <1223 -dia -> of the blindness <4457 -porosis -> of their heart <2588 -kardia -> :

2316 EPH 004 024 And that ye put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> the new <2537 -kainos -> man <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> after <2596 -kata -> God <{2316} -theos -> is created <2936 -ktizo -> in righteousness <1343 -dikaiosune -> and true <0225 -aletheia -> holiness <3742 -hosiotes -> .

2316 EPH 004 030 And grieve <3076 -lupeo -> not the holy <0040 -hagios -> Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , whereby <3739 -hos -> ye are sealed <4972 -sphragizo -> unto the day <2250 -hemera -> of redemption <0629 -apolutrosis -> .

2316 EPH 004 032 And be ye kind <5543 -chrestos -> one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> , tenderhearted <2155 -eusplagchnos -> , forgiving <5483 -charizomai -> one <1438 -heautou -> another <1438 -heautou -> , even <2532 -kai -> as God <{2316} -theos -> for Christ s <5547 -Christos -> sake <1722

-en -> hath forgiven <5483 -charizomai -> you .

2316 EPH 005 001 . Be ye therefore <3767 -oun -> followers <3402 -mimetes -> of God <{2316} -theos -> , as dear <0027 -agapetos -> children <5043 -teknon -> ;

2316 EPH 005 002 And walk <4043 -peripateo -> in love <0026 -agape -> , as Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> hath loved <0026 -agape -> us , and hath given <3860 -paradidomi -> himself <1438 -heautou -> for us an offering <4376 -prosphora -> and a sacrifice <2378 -thusia -> to God <{2316} -theos -> for a sweetsmelling <2175 -euodia -> savour <3744 -osme -> .

2316 EPH 005 005 For this <5124 -touto -> ye know <1097 -ginosko -> , that no <3756 -ou -> whoremonger <4205 -pornos -> , nor <2228 -e -> unclean <0169 -akathartos -> person , nor <2228 -e -> covetous <4123 -pleonektes -> man , who <3739 -hos -> is an idolater <1496 -eidololatres -> , hath <2192 -echo -> any inheritance <2817 -kleronomia -> in the kingdom <0932 -basileia -> of Christ <5547 -Christos -> and of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 005 006 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> deceive <0538 -apatao -> you with vain <2756 -kenos -> words <3056 -logos -> : for because <1223 -dia -> of these <5023 -tauta -> things cometh <2064 -erchomai -> the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> upon the children <5207 -huios -> of disobedience <0543 -apeitheia -> .

2316 EPH 005 020 Giving thanks <2168 -eucharisteo -> always <3842 -pantote -> for all <3956 -pas -> things unto God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> in the name <3686 -onoma -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ;

2316 EPH 005 021 . Submitting <5293 -hupotasso -> yourselves one <0240 -allelon -> to another <0240 -allelon -> in the fear <5401 -phobos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 EPH 006 006 Not with eyeservice <3787 -ophthalmodouleia -> , as menpleasers <0441 -anthropareskos -> ; but as the servants <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> , doing <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> from the heart <5590 -psuche -> ;

2316 EPH 006 011 Put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> the whole armour <3833 -panoplia -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to stand <2476 -histemi -> against <4314 -pros -> the wiles <3180 -methodeia -> of the devil <1228 -diabolos -> .

2316 EPH 006 013 Wherefore <5124 -touto -> take <0353 -analambano -> unto you the whole armour <3833 -panoplia -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be able <1410 -dunamai -> to withstand <0436 -anthistemi -> in the evil <4190 -poneros -> day <2250 -hemera -> , and having done <2716 -katergazomai -> all <0537 -hapas -> , to stand <2476 -histemi -> .

2316 EPH 006 017 And take <1209 -dechomai -> the helmet <4030 -perikephalaia -> of salvation <4992 -soterion -> , and the sword <3162 -machaira -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , which <3739 -hos -> is the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> :

2316 EPH 006 023 Peace <1515 -eirene -> [be] to the brethren <0080 -adephos -> , and love <0026 -agape -> with

faith <4102 -pistis -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 002 Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and [from] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 003 . I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -theos -> upon every <3956 -pas -> remembrance <3417 -mneia -> of you ,

2316 PHP 001 008 For God <{2316} -theos -> is my record <3144 -martus -> , how <5613 -hos -> greatly <1971 -epipotheo -> I long <1971 -epipotheo -> after <1971 -epipotheo -> you all <3956 -pas -> in the bowels <4698 -splagchnon -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHP 001 011 Being filled <4137 -pleroo -> with the fruits <2590 -karpos -> of righteousness <1343 -dikaiosune -> , which <3588 -ho -> are by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , unto the glory <1391 -doxa -> and praise <1868 -epainos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 001 028 And in nothing <3367 -medeis -> terrified <4426 -pturo -> by your <3588 -ho -> adversaries <0480 -antikeimai -> : which <3748 -hostis -> is to them an evident <1732 -endeixis -> token <1732 -endeixis -> of perdition <0684 -apoleia -> , but to you of salvation <4991 -soteria -> , and that of God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 002 006 Who , being <5225 -huparcho -> in the form <3444 -morphe -> of God <2316 -theos -> , thought <2233 -hegeomai -> it not robbery <0725 -harpagmos -> to be equal <2470 -isos -> with God <{2316} -theos -> :

2316 PHP 002 006 Who , being <5225 -huparcho -> in the form <3444 -morphe -> of God <{2316} -theos -> , thought <2233 -hegeomai -> it not robbery <0725 -harpagmos -> to be equal <2470 -isos -> with God <2316 -theos -> :

2316 PHP 002 009 Wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos -> also <2532 -kai -> hath highly <5251 -huperupsoo -> exalted <5251 -huperupsoo -> him , and given <5483 -charizomai -> him a name <3686 -onoma -> which <3588 -ho -> is above <5228 -huper -> every <3596 -hodoiporeo -> name <3686 -onoma -> :

2316 PHP 002 011 And [that] every <3596 -hodoiporeo -> tongue <1100 -glossa -> should confess <1843 -exomologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> [is] Lord <2962 -kurios -> , to the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> .

2316 PHP 002 013 For it is God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> worketh <1754 -energeo -> in you both <2532 -kai -> to will <2309 -thelo -> and to do <1754 -energeo -> of [his] good pleasure <2107 -eudokia -> .

2316 PHP 002 015 That ye may be blameless <0273 -amemptos -> and harmless <0185 -akeraios -> , the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> , without <0298 -amometos -> rebuke <0298 -amometos -> , in the midst <3319 -mesos -> of a crooked <4646 -skolios -> and perverse <1294 -diastrepho -> nation <1074 -genea -> , among <1722 -en -> whom <3739 -hos -> ye shine <5316 -phaino -> as lights <5458 -phoster -> in the world <2889 -kosmos

-> ;

2316 PHP 002 027 For indeed <2532 -kai -> he was sick <0770 -
astheneo -> nigh <3897 -paraplesion -> unto death <2288 -
thanatos -> : but God <{2316} -theos -> had mercy <1653 -eleeo -
> on him ; and not on him only <3440 -monon -> , but on me
also <2532 -kai -> , lest <3361 -me -> I should have <2192 -
echo -> sorrow <3077 -lupe -> upon sorrow <3077 -lupe -> .

2316 PHP 003 003 For we are the circumcision <4061 -peritome ->
, which <3588 -ho -> worship <3000 -latreuo -> God <{2316} -
theos -> in the spirit <4151 -pneuma -> , and rejoice <2744 -
kauchaomai -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -
> , and have no <3756 -ou -> confidence <3982 -peitho -> in the
flesh <4561 -sarx -> .

2316 PHP 003 009 . And be found <2147 -heurisko -> in him ,
not having <2192 -echo -> mine <1699 -emos -> own <1699 -emos ->
righteousness <1343 -dikaiosune -> , which <3588 -ho -> is of
the law <3551 -nomos -> , but that which <3588 -ho -> is
through <1223 -dia -> the faith <4102 -pistis -> of Christ <5547
-Christos -> , the righteousness <1343 -dikaiosune -> which
<3588 -ho -> is of God <{2316} -theos -> by faith <4102 -pistis -
> :

2316 PHP 003 014 I press <1377 -dioko -> toward <2596 -kata ->
the mark <4649 -skopos -> for the prize <1017 -brabeion -> of
the high <0507 -ano -> calling <2821 -klesis -> of God <{2316} -
theos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 003 015 . Let us therefore <3767 -oun -> , as many
<3745 -hosos -> as be perfect <5046 -teleios -> , be thus <5124
-touto -> minded <5426 -phroneo -> : and if <1487 -ei -> in any
<1536 -ei tis -> thing ye be otherwise <2088 -heteros -> minded
<5426 -phroneo -> , God <{2316} -theos -> shall reveal <0601 -
apokalupto -> even <2532 -kai -> this <5124 -touto -> unto you .

2316 PHP 003 019 Whose <3739 -hos -> end <5056 -telos -> [is
] destruction <0684 -apoleia -> , whose <3739 -hos -> God
<{2316} -theos -> [is their] belly <2836 -koilia -> , and
[whose <3588 -ho ->] glory <1391 -doxa -> [is] in their
shame <0152 -aischune -> , who <3588 -ho -> mind <5426 -phroneo
-> earthly <1919 -epigeios -> things .)

2316 PHP 004 006 Be careful <3309 -merimnao -> for nothing
<3367 -medeis -> ; but in every <3596 -hodoiporeo -> thing by
prayer <4335 -proseuche -> and supplication <1162 -deesis ->
with thanksgiving <2169 -eucharistia -> let your <5216 -humon ->
requests <0155 -aitema -> be made <1107 -gnorizo -> known <1107 -
gnorizo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 004 007 And the peace <1515 -eirene -> of God <{2316} -
theos -> , which <3588 -ho -> passeth <5242 -huperecho -> all
<3956 -pas -> understanding <3563 -nous -> , shall keep <5432 -
phroureo -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> and
minds <3540 -noema -> through <1722 -en -> Christ <5547 -
Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 004 009 Those <5023 -tauta -> things , which <3739 -
hos -> ye have both <2532 -kai -> learned <3129 -manthano -> ,
and received <3880 -paralambano -> , and heard <0191 -akouo -> ,
  and seen <1492 -eido -> in me , do <4238 -prasso -> : and
the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> shall be
with you .

2316 PHP 004 018 But I have <0568 -apecho -> all <3956 -pas -> ,

and abound <4052 -perisseuo -> : I am full <4137 -pleroo -> , having received <1209 -dechomai -> of Epaphroditus <1891 -Epaphroditos -> the things [which were sent] from you , an odour <3744 -osme -> of a sweet <2175 -euodia -> smell <2175 -euodia -> , a sacrifice <2378 -thusia -> acceptable <1184 -dektos -> , wellpleasing <2101 -euarestos -> to God <{2316} -theos -> .

2316 PHP 004 019 But my God <{2316} -theos -> shall supply <4137 -pleroo -> all <3956 -pas -> your <5216 -humon -> need <5532 -chreia -> according <2596 -kata -> to his riches <4149 -ploutos -> in glory <1391 -doxa -> by Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 PHP 004 020 . Now <1161 -de -> unto God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> [be] glory <1391 -doxa -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 COL 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> [our] brother <0080 -adephos -> ,

2316 COL 001 002 To the saints <0040 -hagios -> and faithful <4103 -pistos -> brethren <0080 -adephos -> in Christ <5547 -Christos -> which are at <1722 -en -> Colosse <2857 -Kolossai -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 COL 001 003 . We give thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , praying <4336 -proseuchomai -> always <3842 -pantote -> for you ,

2316 COL 001 006 Which <3588 -ho -> is come <3918 -pareimi -> unto you , as [it is] in all <3956 -pas -> the world <2889 -kosmos -> ; and bringeth <2592 -karpophoreo -> forth fruit <2592 -karpophoreo -> , as [it doth] also <2532 -kai -> in you , since <0575 -apo -> the day <2250 -hemera -> ye heard <0191 -akouo -> [of it] , and knew <1921 -epiginosko -> the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> in truth <0226 -aletheuo -> :

2316 COL 001 010 That ye might walk <4043 -peripateo -> worthy <0516 -axios -> of the Lord <2962 -kurios -> unto all <3956 -pas -> pleasing <0699 -areskeia -> , being fruitful <2592 -karpophoreo -> in every <3596 -hodoiporeo -> good <0018 -agathos -> work <2041 -ergon -> , and increasing <0837 -auzano -> in the knowledge <1922 -epignosis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 COL 001 015 Who <3739 -hos -> is the image <1504 -eikon -> of the invisible <0517 -aoratos -> God <{2316} -theos -> , the firstborn <4416 -prototokos -> of every <3596 -hodoiporeo -> creature <2937 -ktisis -> :

2316 COL 001 025 Whereof <3739 -hos -> I am made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the dispensation <3622 -oikonomia -> of God <2316 -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> to me for you , to fulfil <4137 -pleroo -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 COL 001 025 Whereof <3739 -hos -> I am made <1096 -ginomai -> a minister <1249 -diakonos -> , according <2596 -kata -> to the dispensation <3622 -oikonomia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho -> is given <1325 -didomi -> to me for you , to fulfil <4137 -pleroo -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ;

2316 COL 001 027 To whom <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> would <2309 -thelo -> make <1107 -gnorizo -> known <1107 -gnorizo -> what <5101 -tis -> [is] the riches <4149 -ploutos -> of the glory <1391 -doxa -> of this <5127 -toutou -> mystery <3466 -musterion -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> ; which <3739 -hos -> is Christ <5547 -Christos -> in you , the hope <1680 -elpis -> of glory <1391 -doxa -> :

2316 COL 002 002 That their hearts <2588 -kardia -> might be comforted <3870 -parakaleo -> , being knit <4822 -sumbibazo -> together <4822 -sumbibazo -> in love <0026 -agape -> , and unto all <3956 -pas -> riches <4149 -ploutos -> of the full <4136 -plerophoria -> assurance <4136 -plerophoria -> of understanding <4907 -sunesis -> , to the acknowledgement <1922 -epignosis -> of the mystery <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> , and of the Father <3962 -pater -> , and of Christ <5547 -Christos -> ;

2316 COL 002 012 Buried <4916 -sunthapto -> with him in baptism <0908 -baptisma -> , wherein <3757 -hou -> also <2532 -kai -> ye are risen <4891 -sunegeiro -> with [him] through <1223 -dia -> the faith <4102 -pistis -> of the operation <1753 -energeia -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath raised <1453 -egeiro -> him from the dead <3498 -nekros -> .

2316 COL 002 019 And not holding <2902 -krateo -> the Head <2776 -kephale -> , from which <3739 -hos -> all <3956 -pas -> the body <4983 -soma -> by joints <0860 -haphe -> and bands <4886 -sundesmos -> having nourishment <2023 -epichoregeo -> ministered <2023 -epichoregeo -> , and knit <4822 -sumbibazo -> together <4822 -sumbibazo -> , increaseth <0837 -auzano -> with the increase <0838 -auxesis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 001 . If <1487 -ei -> ye then <3767 -oun -> be risen <4891 -sunegeiro -> with Christ <5547 -Christos -> , seek <2212 -zeteo -> those <3588 -ho -> things which are above <0507 -ano -> , where <3757 -hou -> Christ <5547 -Christos -> sitteth <2521 -kathemai -> on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 003 For ye are dead <0599 -apothnesko -> , and your <5216 -humon -> life <2222 -zoe -> is hid <2928 -krupto -> with Christ <5547 -Christos -> in God <{2316} -theos -> .

2316 COL 003 006 For which <3739 -hos -> things sake the wrath <3709 -orge -> of God <{2316} -theos -> cometh <2064 -erchomai -> on <1909 -epi -> the children <5207 -huios -> of disobedience <0543 -apeitheia -> :

2316 COL 003 012 . Put <1746 -enduo -> on <1746 -enduo -> therefore <3767 -oun -> , as the elect <1588 -eklektos -> of God <{2316} -theos -> , holy <0040 -hagios -> and beloved <0025 -agapao -> , bowels <4698 -splagchnon -> of mercies <3628 -oiktirmos -> , kindness <5544 -chrestotes -> , humbleness <5012 -tapeinophrosune -> of mind , meekness <4236 -praiotes -> , longsuffering <3115 -makrothumia -> ;

2316 COL 003 015 And let the peace <1515 -eirene -> of God

<{2316} -theos -> rule <1018 -brabeuo -> in your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> , to the which <3739 -hos -> also <2532 -kai -> ye are called <2564 -kaleo -> in one <1520 -heis -> body <4983 -soma -> ; and be ye thankful <2170 -eucharistos -> .

2316 COL 003 017 And whatsoever <5100 -tis -> ye do <4160 -poieo -> in word <3056 -logos -> or <2228 -e -> deed <2041 -ergon -> , [do <4160 -poieo ->] all <3956 -pas -> in the name <3686 -onoma -> of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , giving thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> by him .

2316 COL 003 022 Servants <1401 -doulos -> , obey <5219 -hupakouo -> in all <3956 -pas -> things [your <3588 -ho ->] masters <2962 -kurios -> according <2596 -kata -> to the flesh <4561 -sarx -> ; not with eyeservice <3787 -ophthalmodouleia -> , as menpleasers <0441 -anthropareskos -> ; but in singleness <0572 -haplotes -> of heart <2588 -kardia -> , fearing <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> :

2316 COL 004 003 Withal <0260 -hama -> praying <4336 -proseuchomai -> also <2532 -kai -> for us , that God <{2316} -theos -> would open <0455 -anoigo -> unto us a door <2374 -thura -> of utterance <3056 -logos -> , to speak <2980 -laleo -> the mystery <3466 -musterion -> of Christ <5547 -Christos -> , for which <3739 -hos -> I am also <2532 -kai -> in bonds <1210 -deo -> :

2316 COL 004 011 And Jesus <2424 -Iesous -> , which <3588 -ho -> is called <3004 -lego -> Justus <2459 -Ioustos -> , who <3588 -ho -> are of the circumcision <4061 -peritome -> . These <3778 -houtos -> only <3441 -monos -> [are my] fellowworkers <4904 -sunergos -> unto the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , which <3748 -hostis -> have been <1096 -ginomai -> a comfort <3931 -paregoria -> unto me .

2316 COL 004 012 Epaphras <1889 -Epaphras -> , who <3588 -ho -> is [one] of you , a servant <1401 -doulos -> of Christ <5547 -Christos -> , saluteth <0782 -aspazomai -> you , always <3842 -pantote -> labouring <0075 -agonizomai -> fervently for you in prayers <4335 -proseuche -> , that ye may stand <2476 -histemi -> perfect <5046 -teleios -> and complete <4137 -pleroo -> in all <3956 -pas -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> [which is] in God <2316 -theos -> the Father <3962 -pater -> and [in] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> [which is] in God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and [in] the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> [be] unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <2316 -theos -> our Father <3962 -pater -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TH 001 002 . We give thanks <2168 -eucharisteo -> to God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> for you all <3956 -pas -> , making <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of you in our prayers <4335 -proseuche -> ;

2316 1TH 001 003 Remembering <3421 -mnemoneuo -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> your <5209 -humas -> work <2041 -ergon -> of faith <4102 -pistis -> , and labour <2873 -kopos -> of love <0026 -agape -> , and patience <5281 -hupomone -> of hope <1680 -elpis -> in our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , in the sight <1715 -emprosthen -> of God <{2316} -theos -> and our Father <3962 -pater -> ;

2316 1TH 001 004 Knowing <1492 -eido -> , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> , your <5216 -humon -> election <1589 -ekloge -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 001 008 For from you sounded <1837 -execheomai -> out the word <3056 -logos -> of the Lord <2962 -kurios -> not only <3440 -monon -> in Macedonia <3109 -Makedonia -> and Achaia <0882 -Achaia -> , but also <2532 -kai -> in every <3956 -pas -> place <5117 -topos -> your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> to God -ward <{2316} -theos -> is spread <1831 -exerchomai -> abroad <1831 -exerchomai -> ; so <5620 -hoste -> that we need <5532 -chreia -> not to speak <2980 -laleo -> any <5100 -tis -> thing .

2316 1TH 001 009 For they themselves <0846 -autos -> shew <0518 -apaggello -> of us what <3697 -hopoios -> manner <3697 -hopoios -> of entering <1529 -eisodos -> in we had <2192 -echo -> unto you , and how <4459 -pos -> ye turned <1994 -epistrepho -> to God <2316 -theos -> from idols <1497 -eidolon -> to serve <1398 -douleuo -> the living <2198 -zao -> and true <0228 -alethinos -> God <{2316} -theos -> ;

2316 1TH 001 009 For they themselves <0846 -autos -> shew <0518 -apaggello -> of us what <3697 -hopoios -> manner <3697 -hopoios -> of entering <1529 -eisodos -> in we had <2192 -echo -> unto you , and how <4459 -pos -> ye turned <1994 -epistrepho -> to God <{2316} -theos -> from idols <1497 -eidolon -> to serve <1398 -douleuo -> the living <2198 -zao -> and true <0228 -alethinos -> God <2316 -theos -> ;

2316 1TH 002 002 But even <2532 -kai -> after that we had suffered <4310 -propascho -> before <4310 -propascho -> , and were shamefully <5195 -hubrizo -> entreated <5195 -hubrizo -> , as ye know <1492 -eido -> , at <1722 -en -> Philippi <5375 -Philippoi -> , we were bold <3955 -parrhesiazomai -> in our God <2316 -theos -> to speak <2980 -laleo -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> with much <4183 -polus -> contention <0073 -agon -> .

2316 1TH 002 002 But even <2532 -kai -> after that we had suffered <4310 -propascho -> before <4310 -propascho -> , and were shamefully <5195 -hubrizo -> entreated <5195 -hubrizo -> , as ye know <1492 -eido -> , at <1722 -en -> Philippi <5375 -Philippoi -> , we were bold <3955 -parrhesiazomai -> in our God <{2316} -theos -> to speak <2980 -laleo -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <2316 -theos -> with much <4183 -polus -> contention <0073 -agon -> .

2316 1TH 002 004 But as we were allowed <1381 -dokimazo -> of God <2316 -theos -> to be put <4160 -poieo -> in trust <4100 -pisteuo -> with the gospel <2098 -euaggelion -> , even so <3779

-houto -> we speak <2980 -laleo -> ; not as pleasing <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , but God <{2316} -theos -> , which trieth <1381 -dokimazo -> our hearts <2588 -kardia -> .

2316 1TH 002 004 But as we were allowed <1381 -dokimazo -> of God <{2316} -theos -> to be put <4160 -poieo -> in trust <4100 -pisteuo -> with the gospel <2098 -euaggelion -> , even so <3779 -houto -> we speak <2980 -laleo -> ; not as pleasing <0700 -aresko -> men <0444 -anthropos -> , but God <2316 -theos -> , which trieth <1381 -dokimazo -> our hearts <2588 -kardia -> .

2316 1TH 002 005 For neither <3777 -oute -> at <4218 -pote -> any <4218 -pote -> time <4218 -pote -> used <1722 -en -> we flattering <2850 -kolakeia -> words <3056 -logos -> , as ye know <1492 -eido -> , nor <3777 -oute -> a cloke <4392 -prophasis -> of covetousness <4124 -pleonexia -> ; God <{2316} -theos -> [is] witness <3144 -martus -> :

2316 1TH 002 008 So <3779 -houto -> being affectionately <2442 -himeiromai -> desirous <2442 -himeiromai -> of you , we were willing <2106 -eudokeo -> to have imparted <3330 -metadidomi -> unto you , not the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> only <3440 -monon -> , but also <2532 -kai -> our own <1438 -heautou -> souls <5590 -psuche -> , because <1360 -dioti -> ye were dear <0027 -agapetos -> unto us .

2316 1TH 002 009 For ye remember <3421 -mnemoneuo -> , brethren <0080 -adephos -> , our labour <2873 -kopos -> and travail <3449 -mochthos -> : for labouring <2873 -kopos -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> , because <4314 -pros -> we would not be chargeable <1912 -epibareo -> unto any <5100 -tis -> of you , we preached <2784 -kerusso -> unto you the gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1TH 002 010 Ye [are] witnesses <3144 -martus -> , and God <{2316} -theos -> [also <2532 -kai ->] , how <5613 -hos -> holily <3743 -hosios -> and justly <1346 -dikaios -> and unblameably <0274 -amemptos -> we behaved <1096 -ginomai -> ourselves among you that believe <4100 -pisteuo -> :

2316 1TH 002 012 That ye would walk <4043 -peripateo -> worthy <0516 -axios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath called <2564 -kaleo -> you unto his kingdom <0932 -basileia -> and glory <1391 -doxa -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <2316 -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo -> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <2316 -theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received <3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received <1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -

alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ,
which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -
energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo
-> .

2316 1TH 002 013 . For this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -
> also <2532 -kai -> thank <2168 -eucharisteo -> we God <{2316} -
theos -> without <0089 -adialeiptos -> ceasing <0089 -
adialeiptos -> , because <3754 -hoti -> , when ye received
<3880 -paralambano -> the word <3056 -logos -> of God <2316 -
theos -> which ye heard <0189 -akoe -> of us , ye received
<1209 -dechomai -> [it] not [as] the word <3056 -logos -
> of men <0444 -anthropos -> , but as it is in truth <0230 -
alethos -> , the word <3056 -logos -> of God <2316 -theos -> ,
which <3739 -hos -> effectually <1754 -energeo -> worketh <1754 -
energeo -> also <2532 -kai -> in you that believe <4100 -pisteuo
-> .

2316 1TH 002 014 For ye , brethren <0080 -adephos -> , became
<1096 -ginomai -> followers <3402 -mimetes -> of the churches
<1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> which <3588 -ho ->
in Judaea <2449 -Ioudaia -> are in Christ <5547 -Christos ->
Jesus <2424 -Iesous -> : for ye also <2532 -kai -> have
suffered <3958 -pascho -> like <5024 -tauta -> things of your
<2398 -idios -> own <2398 -idios -> countrymen <4853 -
sumphuletes -> , even <2532 -kai -> as they [have] of the
Jews <2453 -Ioudaios -> :

2316 1TH 002 015 Who <3588 -ho -> both <2532 -kai -> killed
<0615 -apokteino -> the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -
Iesous -> , and their own <2398 -idios -> prophets <4396 -
prophetes -> , and have persecuted <1559 -ekdioko -> us ; and
they please <0700 -aresko -> not God <{2316} -theos -> , and
are contrary <1727 -enantios -> to all <3956 -pas -> men <0444 -
anthropos -> :

2316 1TH 003 002 And sent <3992 -pempo -> Timotheus <5095 -
Timotheos -> , our brother <0080 -adephos -> , and minister
<1249 -diakonos -> of God <{2316} -theos -> , and our
fellowlabourer <4904 -sunergos -> in the gospel <2098 -
euaggelion -> of Christ <5547 -Christos -> , to establish <4741
-sterizo -> you , and to comfort <3870 -parakaleo -> you
concerning <4012 -peri -> your <5216 -humon -> faith <4102 -
pistis -> :

2316 1TH 003 009 For what <5101 -tis -> thanks <2169 -
eucharistia -> can <1410 -dunamai -> we render <0467 -
antapodidomi -> to God <2316 -theos -> again <0467 -antapodidomi
-> for you , for all <3956 -pas -> the joy <5479 -chara ->
wherewith <3739 -hos -> we joy <5463 -chairo -> for your <5209 -
humas -> sakes before <1715 -emprosthen -> our God <{2316} -
theos -> ;

2316 1TH 003 009 For what <5101 -tis -> thanks <2169 -
eucharistia -> can <1410 -dunamai -> we render <0467 -
antapodidomi -> to God <{2316} -theos -> again <0467 -
antapodidomi -> for you , for all <3956 -pas -> the joy <5479 -
chara -> wherewith <3739 -hos -> we joy <5463 -chairo -> for
your <5209 -humas -> sakes before <1715 -emprosthen -> our God
<2316 -theos -> ;

2316 1TH 003 011 . Now <1161 -de -> God <{2316} -theos ->
himself <0846 -autos -> and our Father <3962 -pater -> , and
our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -
Christos -> , direct <2720 -kateuthuno -> our way <3598 -hodos -
> unto you .

2316 1TH 003 013 To the end <1519 -eis -> he may stablish <4741 -sterizo -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> unblameable <0299 -amomos -> in holiness <0042 -hagiosune -> before <1715 -emprosthen -> God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> our Father <3962 -pater -> , at <1722 -en -> the coming <3952 -parousia -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> with all <3956 -pas -> his saints <0040 -hagios -> .

2316 1TH 004 001 . Furthermore <3063 -loipon -> then <3767 -oun -> we beseech <2065 -erotao -> you , brethren <0080 -adephos -> , and exhort <3870 -parakaleo -> [you] by the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , that as ye have received <3880 -paralambano -> of us how <4459 -pos -> ye ought <1163 -dei -> to walk <4043 -peripateo -> and to please <0700 -aresko -> God <{2316} -theos -> , [so] ye would abound <4052 -perisseuo -> more <3123 -mallon -> and more <3123 -mallon -> .

2316 1TH 004 003 For this <5124 -touto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , [even] your <5216 -humon -> sanctification <0038 -hagiasmos -> , that ye should abstain <0567 -apechomai -> from fornication <4202 -porneia -> :

2316 1TH 004 005 Not in the lust <3806 -pathos -> of concupiscence <1939 -epithumia -> , even <2532 -kai -> as the Gentiles <1484 -ethnos -> which <3588 -ho -> know <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> :

2316 1TH 004 007 For God <{2316} -theos -> hath not called <2564 -kaleo -> us unto uncleanness <0167 -akatharsia -> , but unto holiness <0038 -hagiasmos -> .

2316 1TH 004 008 He therefore <5105 -toigaroun -> that despiseth <0114 -atheteo -> , despiseth <0114 -atheteo -> not man <0444 -anthropos -> , but God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath also <2532 -kai -> given <1325 -didomi -> unto us his holy <0040 -hagios -> Spirit <4151 -pneuma -> .

2316 1TH 004 014 For if <1487 -ei -> we believe <4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> died <0599 -apothnesko -> and rose <0450 -anistemi -> again <0450 -anistemi -> , even so <3779 -houto -> them also <2532 -kai -> which sleep <2837 -koimao -> in Jesus <2424 -Iesous -> will God <{2316} -theos -> bring <0071 -ago -> with him .

2316 1TH 004 016 For the Lord <2962 -kurios -> himself <0846 -autos -> shall descend <2597 -katabaino -> from heaven <3772 -ouranos -> with a shout <2752 -keleuma -> , with the voice <5456 -phone -> of the archangel <0743 -archaggelos -> , and with the trump <4536 -salpigx -> of God <{2316} -theos -> : and the dead <3498 -nekros -> in Christ <5547 -Christos -> shall rise <0450 -anistemi -> first <4412 -proton -> :

2316 1TH 005 009 For God <{2316} -theos -> hath not appointed <5087 -tithemi -> us to wrath <3709 -orge -> , but to obtain <4047 -peripoiesis -> salvation <4991 -soteria -> by our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> ,

2316 1TH 005 018 In every <3956 -pas -> thing give thanks <2168 -eucharisteo -> : for this <5124 -touto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> concerning <1519 -eis -> you .

2316 1TH 005 023 . And the very <0846 -autos -> God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> sanctify <0037 -hagiazo -> you wholly <3651 -holoteles -> ; and [I pray God] your <3588 -ho -> whole <3648 -holokleros -> spirit <4151 -pneuma -> and soul <5590 -psuche -> and body <4983 -soma -> be preserved <5083 -tereo -> blameless <0274 -amemptos -> unto the coming <3952 -parousia -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , and Silvanus <4610 -Silouanos -> , and Timotheus <5095 -Timotheos -> , unto the church <1577 -ekklesia -> of the Thessalonians <2331 -Thessalonikeus -> in God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2TH 001 002 Grace <5485 -charis -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 001 003 We are bound <3784 -opheilo -> to thank <2168 -eucharisteo -> God <{2316} -theos -> always <3842 -pantote -> for you , brethren <0080 -adephos -> , as it is meet <0514 -axios -> , because <3754 -hoti -> that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> groweth <5232 -huperauxano -> exceedingly , and the charity <0026 -agape -> of every <1538 -hekastos -> one <1520 -heis -> of you all <3956 -pas -> toward <1519 -eis -> each <0240 -allelon -> other <0240 -allelon -> aboundeth <4121 -pleonazo -> ;

2316 2TH 001 004 So <5620 -hoste -> that we ourselves <0846 -autos -> glory <2744 -kauchaomai -> in you in the churches <1577 -ekklesia -> of God <{2316} -theos -> for your <5216 -humon -> patience <5281 -hupomone -> and faith <4102 -pistis -> in all <3956 -pas -> your <5216 -humon -> persecutions <1375 -diogmos -> and tribulations <2347 -thlipsis -> that ye endure <0430 -anechomai -> :

2316 2TH 001 005 . [Which is] a manifest token <1730 -endeigma -> of the righteous <1342 -dikaios -> judgment <2920 -krisis -> of God <2316 -theos -> , that ye may be counted <2661 -kataxioo -> worthy <2661 -kataxioo -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <{2316} -theos -> , for which <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> suffer :

2316 2TH 001 005 . [Which is] a manifest token <1730 -endeigma -> of the righteous <1342 -dikaios -> judgment <2920 -krisis -> of God <{2316} -theos -> , that ye may be counted <2661 -kataxioo -> worthy <2661 -kataxioo -> of the kingdom <0932 -basileia -> of God <2316 -theos -> , for which <3739 -hos -> ye also <2532 -kai -> suffer :

2316 2TH 001 006 Seeing <1512 -ei per -> [it is] a righteous <1342 -dikaios -> thing with God <{2316} -theos -> to recompense <0467 -antapodidomi -> tribulation <2347 -thlipsis -> to them that trouble <2346 -thlibo -> you ;

2316 2TH 001 008 In flaming <5395 -phlox -> fire <4442 -pur -> taking <1325 -didomi -> vengeance <1557 -ekdikesis -> on them that know <1492 -eido -> not God <{2316} -theos -> , and that obey <5219 -hupakouo -> not the gospel <2098 -euaggelion -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2TH 001 011 . Wherefore <3739 -hos -> also <2532 -kai ->

we pray <4336 -proseuchomai -> always <3842 -pantote -> for you ,
that our God <{2316} -theos -> would count <0515 -axioo -> you
worthy <0515 -axioo -> of [this <3588 -ho ->] calling <2821 -
klesis -> , and fulfil <4137 -pleroo -> all <3956 -pas -> the
good pleasure <2107 -eudokia -> of [his] goodness <0019 -
agathosune -> , and the work <2041 -ergon -> of faith <4102 -
pistis -> with power <1411 -dunamis -> :

2316 2TH 001 012 That the name <3686 -onoma -> of our Lord
<2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> may be glorified <1740 -edoxazo -> in you , and ye in him ,
according <2596 -kata -> to the grace <5485 -charis -> of our
God <{2316} -theos -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai ->
and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou ->
above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego
-> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped
<4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -
theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos ->
of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself
<1438 -heautou -> that he is God <{2316} -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai ->
and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou ->
above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego
-> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped
<4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -
theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos ->
of God <{2316} -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi ->
himself <1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai ->
and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou ->
above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego
-> God <2316 -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped
<4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <{2316} -
theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos ->
of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself
<1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 004 Who <3588 -ho -> opposeth <0480 -antikeimai ->
and exalteth <5229 -huperairomai -> himself <1438 -heautou ->
above <1909 -epi -> all <3956 -pas -> that is called <3004 -lego
-> God <{2316} -theos -> , or <2228 -e -> that is worshipped
<4574 -sebasma -> ; so <5620 -hoste -> that he as God <2316 -
theos -> sitteth <2523 -kathizo -> in the temple <3485 -naos ->
of God <2316 -theos -> , shewing <0584 -apodeiknumi -> himself
<1438 -heautou -> that he is God <2316 -theos -> .

2316 2TH 002 011 And for this <5124 -touto -> cause <1223 -dia -
> God <{2316} -theos -> shall send <3992 -pempo -> them strong
<1753 -energeia -> delusion <4106 -plane -> , that they should
believe <4100 -pisteuo -> a lie <5579 -pseudos -> :

2316 2TH 002 013 . But we are bound <3784 -opheilo -> to give
thanks <2168 -eucharisteo -> alway <0104 -aei -> to God <2316 -
theos -> for you , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -
agapao -> of the Lord <2962 -kurios -> , because <3754 -hoti ->
God <{2316} -theos -> hath from the beginning <0746 -arche ->
chosen <0138 -haireomai -> you to salvation <4991 -soteria ->
through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the
Spirit <4151 -pneuma -> and belief <4102 -pistis -> of the truth
<0225 -aletheia -> :

2316 2TH 002 013 . But we are bound <3784 -opheilo -> to give thanks <2168 -eucharisteo -> alway <0104 -aei -> to God <{2316} -theos -> for you , brethren <0080 -adephos -> beloved <0025 -agapao -> of the Lord <2962 -kurios -> , because <3754 -hoti -> God <2316 -theos -> hath from the beginning <0746 -arche -> chosen <0138 -haireomai -> you to salvation <4991 -soteria -> through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> and belief <4102 -pistis -> of the truth <0225 -aletheia -> :

2316 2TH 002 016 . Now <1161 -de -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> himself <0846 -autos -> , and God <{2316} -theos -> , even <2532 -kai -> our Father <3962 -pater -> , which <3588 -ho -> hath loved <0025 -agapao -> us , and hath given <1325 -didomi -> [us] everlasting <0166 -aionios -> consolation <3874 -paraklesis -> and good <0018 -agathos -> hope <1680 -elpis -> through <1722 -en -> grace <5485 -charis -> ,

2316 2TH 003 005 And the Lord <2962 -kurios -> direct <2720 -kateuthuno -> your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> into <1519 -eis -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> , and into <1519 -eis -> the patient <5281 -hupomone -> waiting for Christ <5547 -Christos -> .

2316 1TI 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the commandment <2003 -epitage -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> , and Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , [which <3588 -ho -> is] our hope <1680 -elpis -> ;

2316 1TI 001 002 Unto Timothy <5095 -Timotheos -> , [my] own <1103 -gnesios -> son <5043 -teknon -> in the faith <4102 -pistis -> : Grace <5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> , [and] peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -pater -> and Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 1TI 001 004 Neither <3366 -mede -> give heed <4337 -prosecho -> to fables <3454 -muthos -> and endless <0562 -aperantos -> genealogies <1076 -genealogia -> , which <3748 -hostis -> minister <3930 -parecho -> questions <2214 -zetesis -> , rather <3123 -mallon -> than <2228 -e -> godly <{2316} -theos -> edifying <3618 -oikodomeo -> which <3588 -ho -> is in faith <4102 -pistis -> : [so do] .

2316 1TI 001 011 According <2596 -kata -> to the glorious <1391 -doxa -> gospel <2098 -euaggelion -> of the blessed <3107 -makarios -> God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> was committed <4100 -pisteuo -> to my trust <4100 -pisteuo -> .

2316 1TI 001 017 Now <1161 -de -> unto the King <0935 -basileus -> eternal <0165 -aion -> , immortal <0862 -aphthartos -> , invisible <0517 -aoratos -> , the only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> God <{2316} -theos -> , [be] honour <5092 -time -> and glory <1391 -doxa -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1TI 002 003 For this <5124 -touto -> [is] good <2570 -kalos -> and acceptable <0587 -apodektos -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> ;

2316 1TI 002 005 For [there is] one <1520 -heis -> God <2316 -theos -> , and one <1520 -heis -> mediator <3316 -mesites -> between God <{2316} -theos -> and men <0444 -

anthropos -> , the man <0444 -anthropos -> Christ <5547 -
Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ;

2316 1TI 002 005 For [there is] one <1520 -heis -> God
<{2316} -theos -> , and one <1520 -heis -> mediator <3316 -
mesites -> between God <2316 -theos -> and men <0444 -anthropos -
> , the man <0444 -anthropos -> Christ <5547 -Christos -> Jesus
<2424 -Iesous -> ;

2316 1TI 003 005 (For if <1487 -ei -> a man <5100 -tis -> know
<1492 -eido -> not how to rule <4291 -proistemi -> his own <2398
-idios -> house <3624 -oikos -> , how <4459 -pos -> shall he
take care <1959 -epimeleomai -> of the church <1577 -ekklesia ->
of God <{2316} -theos -> ?)

2316 1TI 003 015 But if <1437 -ean -> I tarry <1019 -braduno ->
long , that thou mayest know <1492 -eido -> how <4459 -pos ->
thou oughtest <1163 -dei -> to behave <0390 -anastrepho ->
thyself in the house <3624 -oikos -> of God <2316 -theos -> ,
which <3748 -hostis -> is the church <1577 -ekklesia -> of the
living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , the pillar <4769 -
stulos -> and ground <1477 -hedraioma -> of the truth <0225 -
aletheia -> .

2316 1TI 003 015 But if <1437 -ean -> I tarry <1019 -braduno ->
long , that thou mayest know <1492 -eido -> how <4459 -pos ->
thou oughtest <1163 -dei -> to behave <0390 -anastrepho ->
thyself in the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> ,
which <3748 -hostis -> is the church <1577 -ekklesia -> of the
living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> , the pillar <4769 -
stulos -> and ground <1477 -hedraioma -> of the truth <0225 -
aletheia -> .

2316 1TI 003 016 And without <3672 -homologoumenos ->
controversy <3672 -homologoumenos -> great <3173 -megas -> is
the mystery <3466 -musterion -> of godliness <2150 -eusebeia -> :
  God <{2316} -theos -> was manifest <5319 -phaneroo -> in the
flesh <4561 -sarx -> , justified <1344 -dikaioo -> in the
Spirit <4151 -pneuma -> , seen <3700 -optanomai -> of angels
<0032 -aggelos -> , preached <2784 -kerusso -> unto the
Gentiles <1484 -ethnos -> , believed <4100 -pisteuo -> on in
the world <2889 -kosmos -> , received <0353 -analambano -> up
into <1722 -en -> glory <1391 -doxa -> .

2316 1TI 004 003 Forbidding <2967 -koluo -> to marry <1060 -
gameo -> ,   [and commanding] to abstain <0567 -apechomai ->
from meats <1033 -broma -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -
theos -> hath created <2936 -ktizo -> to be received <3336 -
metalepsis -> with thanksgiving <2169 -eucharistia -> of them
which believe <4103 -pistos -> and know <1921 -epiginosko -> the
truth <0225 -aletheia -> .

2316 1TI 004 004 For every <3956 -pas -> creature <2938 -ktisma
-> of God <{2316} -theos -> [is] good <2570 -kalos -> , and
nothing <3762 -oudeis -> to be refused <0579 -apobletos -> , if
it be received <2983 -lambano -> with thanksgiving <2169 -
eucharistia -> :

2316 1TI 004 005 For it is sanctified <0037 -hagiazo -> by the
word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> and prayer <1783 -
enteuxis -> .

2316 1TI 004 010 For therefore <5124 -touto -> we both <2532 -
kai -> labour <2872 -kopiao -> and suffer reproach <3679 -
oneidizo -> , because <3754 -hoti -> we trust <1679 -elpizo ->
in the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , who <3739 -

hos -> is the Saviour <4990 -soter -> of all <3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> , specially <3122 -malista -> of those that believe <4103 -pistos -> .

2316 1TI 005 004 But if <1487 -ei -> any <5100 -tis -> widow <5503 -chera -> have <2192 -echo -> children <5043 -teknon -> or <2228 -e -> nephews <1549 -ekgonon -> , let them learn <3129 -manthano -> first <4412 -proton -> to shew <2151 -eusebeo -> piety <2151 -eusebeo -> at home <2398 -idios -> , and to requite <0287 -amoibe -> their parents <4269 -progonos -> : for that is good <2570 -kalos -> and acceptable <0587 -apodektos -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 1TI 005 005 Now <1161 -de -> she that is a widow <5503 -chera -> indeed <3689 -ontos -> , and desolate <3443 -monoo -> , trusteth <1679 -elpizo -> in God <{2316} -theos -> , and continueth <4357 -prosmeno -> in supplications <1162 -deesis -> and prayers <4335 -proseuche -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> .

2316 1TI 005 021 I charge <1263 -diamarturomai -> [thee] before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and the elect <1588 -eklektos -> angels <0032 -aggelos -> , that thou observe <5442 -phulasso -> these <5023 -tauta -> things without <5565 -choris -> preferring <4299 -prokrima -> one before <4299 -prokrima -> another <4299 -prokrima -> , doing <4160 -poieo -> nothing <3367 -medeis -> by partiality <4346 -prosklisis -> .

2316 1TI 006 001 . Let as many <3745 -hosos -> servants <1401 -doulos -> as are under <5259 -hupo -> the yoke <2218 -zugos -> count <2233 -hegeomai -> their own <2398 -idios -> masters <1203 -despotes -> worthy <0514 -axios -> of all <3956 -pas -> honour <5092 -time -> , that the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> and [his] doctrine <1319 -didaskalia -> be not blasphemed <0987 -blasphemeo -> .

2316 1TI 006 011 But thou , O man <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> , flee <5343 -pheugo -> these <5023 -tauta -> things ; and follow <1377 -dioko -> after righteousness <1343 -dikaiosune -> , godliness <2150 -eusebeia -> , faith <4102 -pistis -> , love <0026 -agape -> , patience <5281 -hupomone -> , meekness <4236 -praiotes -> .

2316 1TI 006 013 . I give thee charge <3853 -paraggello -> in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> quickeneth <2227 -zoopoieo -> all <3956 -pas -> things , and [before] Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3588 -ho -> before <1909 -epi -> Pontius <4194 -Pontios -> Pilate <4091 -Pilatos -> witnessed <3140 -martureo -> a good <2570 -kalos -> confession <3671 -homologia -> ;

2316 1TI 006 017 Charge <3853 -paraggello -> them that are rich <4145 -plousios -> in this <3568 -nun -> world <0165 -aion -> , that they be not highminded <5309 -hupselophroneo -> , nor <3366 -mede -> trust <1679 -elpizo -> in uncertain <0083 -adelotes -> riches <4149 -ploutos -> , but in the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> giveth <3930 -parecho -> us richly <4146 -plousios -> all <3956 -pas -> things to enjoy <0619 -apolausis -> ;

2316 2TI 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> by the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> ,

according <2596 -kata -> to the promise <1860 -epaggelia -> of life <2222 -zoe -> which <3588 -ho -> is in Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> ,

2316 2TI 001 002 To Timothy <5095 -Timotheos -> , [my] dearly beloved <0027 -agapetos -> son <5043 -teknon -> : Grace <5485 -charis -> , mercy <1656 -eleos -> , [and] peace <1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> and Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> .

2316 2TI 001 003 I thank <5485 -charis -> God <{2316} -theos -> , whom <3739 -hos -> I serve <3000 -latreuo -> from [my] forefathers <4269 -progonos -> with pure <2513 -katharos -> conscience <4893 -suneidesis -> , that without <0088 -adialeiptos -> ceasing <0088 -adialeiptos -> I have <2192 -echo -> remembrance <3417 -mneia -> of thee in my prayers <1162 -deesis -> night <3571 -nux -> and day <2250 -hemera -> ;

2316 2TI 001 006 . Wherefore <3739 -hos -> I put <0363 -anamimnesko -> thee in remembrance <0363 -anamimnesko -> that thou stir <0329 -anazopureo -> up the gift <5486 -charisma -> of God <{2316} -theos -> , which <3739 -hos -> is in thee by the putting <1936 -epithesis -> on <1936 -epithesis -> of my hands <5495 -cheir -> .

2316 2TI 001 007 For God <{2316} -theos -> hath not given <1325 -didomi -> us the spirit <4151 -pneuma -> of fear <1167 -deilia -> ; but of power <1411 -dunamis -> , and of love <0026 -agape -> , and of a sound <4995 -sophronismos -> mind <4995 -sophronismos -> .

2316 2TI 001 008 Be not thou therefore <3767 -oun -> ashamed <1870 -epaischunomai -> of the testimony <3142 -marturion -> of our Lord <2962 -kurios -> , nor <3366 -mede -> of me his prisoner <1198 -desmios -> : but be thou partaker <4777 -sugkakopatheo -> of the afflictions <4777 -sugkakopatheo -> of the gospel <2098 -euaggelion -> according <2596 -kata -> to the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 2TI 002 009 Wherein <3757 -hou -> I suffer <2553 -kakopatheo -> trouble <2553 -kakopatheo -> , as an evil <2557 -kakourgos -> doer <2557 -kakourgos -> , [even] unto bonds <1199 -desmon -> ; but the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> is not bound <1210 -deo -> .

2316 2TI 002 015 Study <4704 -spoudazo -> to shew <3936 -paristemi -> thyself <4572 -seautou -> approved <1384 -dokimos -> unto God <{2316} -theos -> , a workman <2040 -ergates -> that needeth <0422 -anepaischuntos -> not to be ashamed <0422 -anepaischuntos -> , rightly dividing <3718 -orthotomeo -> the word <3056 -logos -> of truth <0225 -aletheia -> .

2316 2TI 002 019 . Nevertheless <3305 -mentoi -> the foundation <2310 -themelios -> of God <{2316} -theos -> standeth <2476 -histemi -> sure <4731 -stereos -> , having <2192 -echo -> this <5026 -taute -> seal <4973 -sphragis -> , The Lord <2962 -kurios -> knoweth <1097 -ginosko -> them that are his . And , Let every <3956 -pas -> one that nameth <3687 -onomazo -> the name <3686 -onoma -> of Christ <5547 -Christos -> depart <0868 -aphistemi -> from iniquity <0093 -adikia -> .

2316 2TI 002 025 In meekness <4236 -praiotes -> instructing <3811 -paideuo -> those <3588 -ho -> that oppose <0475 -antidiatithemai -> themselves ; if <3379 -mepote -> God <{2316} -theos -> peradventure <3379 -mepote -> will give <1325 -didomi -

> them repentance <3341 -metanoia -> to the acknowledging <1922 -
epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -> ;

2316 2TI 003 017 That the man <0444 -anthropos -> of God
<{2316} -theos -> may be perfect <0739 -artios -> , throughly
<1822 -exartizo -> furnished <1822 -exartizo -> unto all <3956 -
pas -> good <0018 -agathos -> works <2041 -ergon -> .

2316 2TI 004 001 . I charge <1263 -diamarturomai -> [thee]
therefore <3767 -oun -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -
theos -> , and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous ->
Christ <5547 -Christos -> , who <3588 -ho -> shall judge <2919 -
krino -> the quick <2198 -zao -> and the dead <3498 -nekros ->
at <2596 -kata -> his appearing <2015 -epiphaneia -> and his
kingdom <0932 -basileia -> ;

2316 TIT 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -
doulos -> of God <2316 -theos -> , and an apostle <0652 -
apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->
, according <2596 -kata -> to the faith <4102 -pistis -> of God
s <{2316} -theos -> elect <1588 -eklektos -> , and the
acknowledging <1922 -epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -
> which <3588 -ho -> is after <2596 -kata -> godliness <2150 -
eusebeia -> ;

2316 TIT 001 001 . Paul <3972 -Paulos -> , a servant <1401 -
doulos -> of God <{2316} -theos -> , and an apostle <0652 -
apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->
, according <2596 -kata -> to the faith <4102 -pistis -> of God
s <2316 -theos -> elect <1588 -eklektos -> , and the
acknowledging <1922 -epignosis -> of the truth <0225 -aletheia -
> which <3588 -ho -> is after <2596 -kata -> godliness <2150 -
eusebeia -> ;

2316 TIT 001 002 In hope <1680 -elpis -> of eternal <0166 -
aionios -> life <2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> God <{2316}
-theos -> , that cannot <0893 -apseudes -> lie <0893 -apseudes -
> , promised <1861 -epaggello -> before <4253 -pro -> the world
<0166 -aionios -> began ;

2316 TIT 001 003 But hath in due <2398 -idios -> times <2540 -
kairos -> manifested <5319 -phaneroo -> his word <3056 -logos ->
through <1722 -en -> preaching <2782 -kerugma -> , which <3739 -
hos -> is committed <4100 -pisteuo -> unto me according <2596 -
kata -> to the commandment <2003 -epitage -> of God <{2316} -
theos -> our Saviour <4990 -soter -> ;

2316 TIT 001 004 To Titus <5103 -Titos -> ,   [mine] own
<1103 -gnesios -> son <5043 -teknon -> after <2596 -kata -> the
common <2839 -koinos -> faith <4102 -pistis -> : Grace <5485 -
charis -> , mercy <1656 -eleos -> ,   [and] peace <1515 -
eirene -> , from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -
> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ
<5547 -Christos -> our Saviour <4990 -soter -> .

2316 TIT 001 007 For a bishop <1985 -episkopos -> must <1163 -
dei -> be blameless <0410 -anegkletos -> , as the steward <3622
-oikonomia -> of God <{2316} -theos -> ; not selfwilled <0829 -
authades -> , not soon <3711 -orgilos -> angry <3711 -orgilos -
> , not given <3943 -paroinos -> to wine <3943 -paroinos -> ,
no <3361 -me -> striker <4131 -plektes -> , not given to filthy
<0150 -aischros -> lucre <0146 -aischrokerdes -> ;

2316 TIT 001 016 They profess <3670 -homologeo -> that they
know <1492 -eido -> God <{2316} -theos -> ; but in works <2041 -
ergon -> they deny <0720 -arneomai -> [him] , being <5607 -

on -> abominable <0947 -bdeluktos -> , and disobedient <0545 -
apeithes -> , and unto every <3956 -pas -> good <0018 -agathos -
> work <2041 -ergon -> reprobate <0096 -adokimos -> .

2316 TIT 002 005 [To be] discreet <4998 -sophron -> ,
chaste <0053 -hagnos -> , keepers <3626 -oikouros -> at <3626 -
oikouros -> home <3626 -oikouros -> , good <0018 -agathos -> ,
obedient <5293 -hupotasso -> to their own <2398 -idios ->
husbands <0435 -aner -> , that the word <3056 -logos -> of God
<{2316} -theos -> be not blasphemed <0987 -blasphemeo -> .

2316 TIT 002 010 Not purloining <3557 -nosphizomai -> , but
shewing <1731 -endeiknumi -> all <3956 -pas -> good <0018 -
agathos -> fidelity <4102 -pistis -> ; that they may adorn
<2885 -kosmeo -> the doctrine <1319 -didaskalia -> of God
<{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> in all <3956 -pas -
> things .

2316 TIT 002 011 . For the grace <5485 -charis -> of God
<{2316} -theos -> that bringeth <4992 -soterion -> salvation
<4992 -soterion -> hath appeared <2014 -epiphaino -> to all
<3956 -pas -> men <0444 -anthropos -> ,

2316 TIT 002 013 Looking <4327 -prosdechomai -> for that
blessed <3107 -makarios -> hope <1680 -elpis -> , and the
glorious <1391 -doxa -> appearing <2015 -epiphaneia -> of the
great <3173 -megas -> God <{2316} -theos -> and our Saviour
<4990 -soter -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos ->
;

2316 TIT 003 004 But after <3753 -hote -> that the kindness
<5544 -chrestotes -> and love <5363 -philanthropia -> of God
<{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> toward <4314 -pros
-> man appeared <2014 -epiphaino -> ,

2316 TIT 003 008 [This <3588 -ho -> is] a faithful <4103 -
pistos -> saying <3056 -logos -> , and these <5130 -touton ->
things I will <1014 -boo -lom -ahee -> that thou affirm <1226 -
diabebaioomai -> constantly <1226 -diabebaioomai -> , that they
which have believed <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos ->
might be careful <5431 -phrontizo -> to maintain <4291 -
proistemi -> good <2570 -kalos -> works <2041 -ergon -> . These
<5023 -tauta -> things are good <2570 -kalos -> and profitable
<5624 -ophelimos -> unto men <0444 -anthropos -> .

2316 PHM 001 003 Grace <5485 -charis -> to you , and peace
<1515 -eirene -> , from God <{2316} -theos -> our Father <3962 -
pater -> and the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous ->
Christ <5547 -Christos -> .

2316 PHM 001 004 I thank <2168 -eucharisteo -> my God <{2316} -
theos -> , making <4160 -poieo -> mention <3417 -mneia -> of
thee always <3842 -pantote -> in my prayers <4335 -proseuche -> ,

2316 HEB 001 001 . God <{2316} -theos -> , who at sundry
<4181 -polumeros -> times and in divers <4187 -polutropos ->
manners <4187 -polutropos -> spake <2980 -laleo -> in time <3819
-palai -> past <3819 -palai -> unto the fathers <3962 -pater ->
by the prophets <4396 -prophetes -> ,

2316 HEB 001 006 And again <3825 -palin -> , when <3752 -hotan
-> he bringeth <1521 -eisago -> in the firstbegotten <4416 -
prototokos -> into <1519 -eis -> the world <3625 -oikoumene -> ,
he saith <3004 -lego -> , And let all <3956 -pas -> the angels
<0032 -aggelos -> of God <{2316} -theos -> worship <4352 -
proskuneo -> him .

2316 HEB 001 008 But unto the Son <5207 -huios -> [he saith] , Thy throne <2362 -thronos -> , O God <{2316} -theos -> , [is] for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> : a sceptre <4464 -rhabdos -> of righteousness <2118 -euthutes -> [is] the sceptre <4464 -rhabdos -> of thy kingdom <0932 -basileia -> .

2316 HEB 001 009 Thou hast loved <0025 -agapao -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and hated <3404 -miseo -> iniquity <0458 -anomia -> ; therefore <5124 -touto -> God <2316 -theos -> , [even] thy God <{2316} -theos -> , hath anointed <5548 -chrio -> thee with the oil <1637 -elaion -> of gladness <0020 -agalliasis -> above <3844 -para -> thy fellows <3353 -metochos -> .

2316 HEB 001 009 Thou hast loved <0025 -agapao -> righteousness <1343 -dikaiosune -> , and hated <3404 -miseo -> iniquity <0458 -anomia -> ; therefore <5124 -touto -> God <{2316} -theos -> , [even] thy God <2316 -theos -> , hath anointed <5548 -chrio -> thee with the oil <1637 -elaion -> of gladness <0020 -agalliasis -> above <3844 -para -> thy fellows <3353 -metochos -> .

2316 HEB 002 004 God <{2316} -theos -> also <4901 -sunepimartureo -> bearing <4901 -sunepimartureo -> [them] witness <4901 -sunepimartureo -> , both <5037 -te -> with signs <4591 -semaino -> and wonders <5059 -teras -> , and with divers <4164 -poikilos -> miracles <1411 -dunamis -> , and gifts <3311 -merismos -> of the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> , according <2596 -kata -> to his own will <2308 -thelesis -> ?

2316 HEB 002 009 But we see <0991 -blepo -> Jesus <2424 -Iesous -> , who <3588 -ho -> was made <1642 -elattoo -> a little <1024 -brachus -> lower <1642 -elattoo -> than <3844 -para -> the angels <0032 -aggelos -> for the suffering <3804 -pathema -> of death <2288 -thanatos -> , crowned <4737 -stephanoo -> with glory <1391 -doxa -> and honour <5092 -time -> ; that he by the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> should taste <1089 -geuomai -> death <2288 -thanatos -> for every <3956 -pas -> man .

2316 HEB 002 013 And again <3825 -palin -> , I will put <3982 -peitho -> my trust <3982 -peitho -> in him . And again <3825 -palin -> , Behold <2400 -idou -> I and the children <3813 -paidion -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath given <1325 -didomi -> me .

2316 HEB 002 017 Wherefore <3606 -hothen -> in all <3956 -pas -> things it behoved <3784 -opheilo -> him to be made <3666 -homoioo -> like <3666 -homoioo -> unto [his] brethren <0080 -adephos -> , that he might be a merciful <1655 -eleemon -> and faithful <4103 -pistos -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> in things [pertaining] to God <{2316} -theos -> , to make <2433 -hilaskomai -> reconciliation <2433 -hilaskomai -> for the sins <0266 -hamartia -> of the people <2992 -laos -> .

2316 HEB 003 004 For every <3956 -pas -> house <3624 -oikos -> is builded <2680 -kataskeuazo -> by some <5100 -tis -> [man] ; but he that built <2680 -kataskeuazo -> all <3956 -pas -> things [is] God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 003 012 Take heed <0991 -blepo -> , brethren <0080 -adephos -> , lest <3379 -mepote -> there be in any <5100 -tis -> of you an evil <4190 -poneros -> heart <2588 -kardia -> of

unbelief <0570 -apaistia -> , in departing <0868 -aphistemi -> from the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 004 004 For he spake <2046 -ereo -> in a certain <4225 -pou -> place of the seventh <1442 -hebdomos -> [day] on this <3779 -houto -> wise <3779 -houto -> , And God <{2316} -theos -> did rest <2664 -katapauo -> the seventh <1442 -hebdomos -> day <2250 -hemera -> from all <3956 -pas -> his works <2041 -ergon -> .

2316 HEB 004 009 There remaineth <0620 -apoleipo -> therefore <0686 -ara -> a rest <4520 -sabbatismos -> to the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 004 010 For he that is entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> his rest <2663 -katapausis -> , he also <2532 -kai -> hath ceased <2664 -katapauo -> from his own <0848 -hautou -> works <2041 -ergon -> , as God <{2316} -theos -> [did] from his .

2316 HEB 004 012 For the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> [is] quick <2198 -zao -> , and powerful <1756 -energes -> , and sharper <5114 -tomoteros -> than <5228 -huper -> any <3956 -pas -> twoedged <1366 -distomos -> sword <3162 -machaira -> , piercing <1338 -diikneomai -> even to the dividing <3311 -merismos -> asunder of soul <5590 -psuche -> and spirit <4151 -pneuma -> , and of the joints <0719 -harmos -> and marrow <3452 -muelos -> , and [is] a discerner <2924 -kritikos -> of the thoughts <1761 -enthumesis -> and intents <1771 -ennoia -> of the heart <2588 -kardia -> .

2316 HEB 004 014 Seeing then <3767 -oun -> that we have <2192 -echo -> a great <3173 -megas -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> , that is passed <1330 -dierchomai -> into the heavens <3772 -ouranos -> , Jesus <2424 -Iesous -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , let us hold <2902 -krateo -> fast [our] profession <3671 -homologia -> .

2316 HEB 005 001 . For every <3956 -pas -> high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> taken <2983 -lambano -> from among <3319 -mesos -> men <0444 -anthropos -> is ordained <2525 -kathistemi -> for men <0444 -anthropos -> in things [pertaining] to God <{2316} -theos -> , that he may offer <4374 -prosphero -> both <5037 -te -> gifts <1435 -doron -> and sacrifices <2378 -thusia -> for sins <0266 -hamartia -> :

2316 HEB 005 004 And no <3756 -ou -> man <5100 -tis -> taketh <2983 -lambano -> this <3588 -ho -> honour <5092 -time -> unto himself <1438 -heautou -> , but he that is called <2564 -kaleo -> of God <{2316} -theos -> , as [was] Aaron <0002 -Aaron -> .

2316 HEB 005 010 . Called <4316 -prosagoreuo -> of God <{2316} -theos -> an high <0749 -archiereus -> priest <0749 -archiereus -> after <2596 -kata -> the order <5010 -taxis -> of Melchisedec <3198 -Melchisedek -> .

2316 HEB 005 012 For when for the time <5550 -chronos -> ye ought <3784 -opheilo -> to be teachers <1320 -didaskalos -> , ye have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> that one teach <1321 -didasko -> you again <3825 -palin -> which <5101 -tis -> [be] the first <0746 -arche -> principles <4747 -stoicheion -> of the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> ; and are become <1096 -ginomai -> such as have <2192 -echo -> need <5532 -chreia -> of milk <1051 -gala -> , and not of strong <4731 -stereos -> meat <5160 -trophe -> .

2316 HEB 006 001 . Therefore leaving <0863 -aphiemi -> the principles <0746 -arche -> of the doctrine <3056 -logos -> of Christ <5547 -Christos -> , let us go <5342 -phero -> on unto perfection <5051 -teleiotes -> ; not laying <2598 -kataballo -> again <3825 -palin -> the foundation <2310 -themelios -> of repentance <3341 -metanoia -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> , and of faith <4102 -pistis -> toward <1909 -epi -> God <{2316} -theos -> ,

2316 HEB 006 003 And this <5124 -touto -> will we do <4160 -poieo -> , if <1437 -ean -> God <{2316} -theos -> permit <2010 -epitrepo -> .

2316 HEB 006 005 And have tasted <1089 -geuomai -> the good <2570 -kalos -> word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> , and the powers <1411 -dunamis -> of the world <0165 -aion -> to come <3195 -mello -> ,

2316 HEB 006 006 If they shall fall <3895 -parapipto -> away <3895 -parapipto -> , to renew <0340 -anakainizo -> them again <3825 -palin -> unto repentance <3341 -metanoia -> ; seeing they crucify <0388 -anastauroo -> to themselves <1438 -heautou -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> afresh <0388 -anastauroo -> , and put <3856 -paradeigmatizo -> [him] to an open <3856 -paradeigmatizo -> shame <3856 -paradeigmatizo -> .

2316 HEB 006 007 For the earth <1093 -ge -> which <3588 -ho -> drinketh <4095 -pino -> in the rain <5205 -huetos -> that cometh <2064 -erchomai -> oft <4178 -pollakis -> upon it , and bringeth <5088 -tikto -> forth <5088 -tikto -> herbs <1008 -botane -> meet <2111 -euthetos -> for them by whom <3739 -hos -> it is dressed <1090 -georgeo -> , receiveth <3335 -metalambano -> blessing <2129 -eulogia -> from God <{2316} -theos -> :

2316 HEB 006 010 For God <{2316} -theos -> [is] not unrighteous <0094 -adikos -> to forget <1950 -epilanthanomai -> your <5216 -humon -> work <2041 -ergon -> and labour <2873 -kopos -> of love <0026 -agape -> , which <3739 -hos -> ye have shewed <1731 -endeiknumi -> toward <1519 -eis -> his name <3686 -onoma -> , in that ye have ministered <1247 -diakoneo -> to the saints <0040 -hagios -> , and do minister <1247 -diakoneo -> .

2316 HEB 006 013 For when God <{2316} -theos -> made <1861 -epaggello -> promise <1861 -epaggello -> to Abraham <11> , because <1893 -epei -> he could <2192 -echo -> swear <3660 -omnuo -> by no <3762 -oudeis -> greater <3187 -meizon -> , he sware <3660 -omnuo -> by himself <1438 -heautou -> ,

2316 HEB 006 017 Wherein <3757 -hou -> God <{2316} -theos -> , willing <1014 -boo -lom -ahee -> more <4054 -perissoteron -> abundantly <4054 -perissoteron -> to shew <1925 -epideiknumi -> unto the heirs <2818 -kleronomos -> of promise <1860 -epaggelia -> the immutability <0276 -ametathetos -> of his counsel <1012 -boule -> , confirmed <3315 -mesiteuo -> [it] by an oath <3727 -horkos -> :

2316 HEB 006 018 That by two <1417 -duo -> immutable <0276 -ametathetos -> things , in which <3739 -hos -> [it was] impossible <0102 -adunatos -> for God <{2316} -theos -> to lie <5574 -pseudomai -> , we might have <2192 -echo -> a strong <2478 -ischuros -> consolation <3874 -paraklesis -> , who <3588 -ho -> have fled <2703 -katapheugo -> for refuge <2703 -katapheugo -> to lay hold <2902 -krateo -> upon the hope <1680 -elpis -> set <4295 -prokeimai -> before <4295 -prokeimai -> us :

2316 HEB 007 001 . For this <3778 -houtos -> Melchisedec <3198 -Melchisedek -> , king <0935 -basileus -> of Salem <4532 -Salem -> , priest <2409 -hiereus -> of the most <5310 -hupsistos -> high <5310 -hupsistos -> God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> met <4876 -sunantao -> Abraham <0011 -Abraam ->returning <5290 -hupostrepho -> from the slaughter <2871 -kope -> of the kings <0935 -basileus -> , and blessed <2127 -eulogeo -> him ;

2316 HEB 007 003 Without <0540 -apator -> father <0540 -apator -> , without <0282 -ametor -> mother <0282 -ametor -> , without <0035 -agenealogetos -> descent <0035 -agenealogetos -> , having <2192 -echo -> neither <3383 -mete -> beginning <0746 -arche -> of days <2250 -hemera -> , nor <3383 -mete -> end <5056 -telos -> of life <2222 -zoe -> ; but made <0871 -aphomoioo -> like <0871 -aphomoioo -> unto the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; abideth <3306 -meno -> a priest <2409 -hiereus -> continually <1336 -dienekes -> .

2316 HEB 007 019 For the law <3551 -nomos -> made <5048 -teleioo -> nothing <3762 -oudeis -> perfect <5048 -teleioo -> , but the bringing <1898 -epeisagoge -> in of a better <2909 -kreitton -> hope <1680 -elpis -> [did] ; by the which <3739 -hos -> we draw nigh <1448 -eggizo -> unto God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 007 025 Wherefore <3606 -hothen -> he is able <1410 -dunamai -> also <2532 -kai -> to save <4982 -sozo -> them to the uttermost <3838 -panteles -> that come <4334 -proserchomai -> unto God <{2316} -theos -> by him , seeing he ever <3842 -pantote -> liveth <2198 -zao -> to make <1793 -entugchano -> intercession <1793 -entugchano -> for them .

2316 HEB 008 010 For this <3778 -houtos -> [is] the covenant <1242 -diatheke -> that I will make <1303 -diatithemai -> with the house <3624 -oikos -> of Israel <2474 -Israel -> after <3326 -meta -> those <1565 -ekeinos -> days <2250 -hemera -> , saith <3004 -lego -> the Lord <2962 -kurios -> ; I will put <1325 -didomi -> my laws <3551 -nomos -> into <1519 -eis -> their mind <1271 -dianoia -> , and write <1924 -epigrapho -> them in their hearts <2588 -kardia -> : and I will be to them a God <{2316} -theos -> , and they shall be to me a people <2992 -laos -> :

2316 HEB 009 014 How <4214 -posos -> much <4214 -posos -> more <3123 -mallon -> shall the blood <0129 -haima -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> through <1223 -dia -> the eternal <0166 -aionios -> Spirit <4151 -pneuma -> offered <4374 -prosphero -> himself <1438 -heautou -> without <0299 -amomos -> spot <0299 -amomos -> to God <2316 -theos -> , purge <2511 -katharizo -> your <5216 -humon -> conscience <4893 -suneidesis -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> to serve <3000 -latreuo -> the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> ?

2316 HEB 009 014 How <4214 -posos -> much <4214 -posos -> more <3123 -mallon -> shall the blood <0129 -haima -> of Christ <5547 -Christos -> , who <3739 -hos -> through <1223 -dia -> the eternal <0166 -aionios -> Spirit <4151 -pneuma -> offered <4374 -prosphero -> himself <1438 -heautou -> without <0299 -amomos -> spot <0299 -amomos -> to God <{2316} -theos -> , purge <2511 -katharizo -> your <5216 -humon -> conscience <4893 -suneidesis -> from dead <3498 -nekros -> works <2041 -ergon -> to serve <3000 -latreuo -> the living <2198 -zao -> God <2316 -theos -> ?

2316 HEB 009 020 Saying <3004 -lego -> , This <5124 -touto -> [is] the blood <0129 -haima -> of the testament <1242 -

diatheke -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> hath enjoined <1781 -entellomai -> unto you .

2316 HEB 009 024 For Christ <5547 -Christos -> is not entered <1525 -eiserchomai -> into <1519 -eis -> the holy <0039 -hagion -> places made <5499 -cheiropoietos -> with hands <5499 -cheiropoietos -> , [which are] the figures <0499 -antitupon -> of the true <0228 -alethinos -> ; but into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> itself <0846 -autos -> , now <3568 -nun -> to appear <1718 -emphanizo -> in the presence <4383 -prosopon -> of God <{2316} -theos -> for us :

2316 HEB 010 007 . Then <5119 -tote -> said <2036 -epo -> I , Lo <2400 -idou -> , I come <2240 -heko -> (in the volume <2777 -kephalis -> of the book <0975 -biblion -> it is written <1125 -grapho -> of me ,) to do <4160 -poieo -> thy will <2307 -thelema -> , O God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 010 009 Then <5119 -tote -> said <2046 -ereo -> he , Lo <2400 -idou -> , I come <2240 -heko -> to do <4160 -poieo -> thy will <2307 -thelema -> , O God <{2316} -theos -> . He taketh <0337 -anaireo -> away <0337 -anaireo -> the first <4413 -protos -> , that he may establish <2476 -histemi -> the second <1208 -deuteros -> .

2316 HEB 010 012 But this <3778 -houtos -> man , after he had offered <4374 -prosphero -> one <3391 -mia -> sacrifice <2378 -thusia -> for sins <0266 -hamartia -> for ever <1336 -dienekes -> , sat <2523 -kathizo -> down <2523 -kathizo -> on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ;

2316 HEB 010 021 And [having] an high <3173 -megas -> priest <2409 -hiereus -> over <1909 -epi -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 HEB 010 029 Of how <4214 -posos -> much <4214 -posos -> sorer <5501 -cheiron -> punishment <5098 -timoria -> , suppose <1380 -dokeo -> ye , shall he be thought worthy <0515 -axioo -> , who <3588 -ho -> hath trodden <2662 -katapateo -> under <2662 -katapateo -> foot <2662 -katapateo -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , and hath counted <2233 -hegeomai -> the blood <0129 -haima -> of the covenant <1242 -diatheke -> , wherewith <3739 -hos -> he was sanctified <0037 -hagiazo -> , an unholy <2839 -koinos -> thing , and hath done <1796 -enubrizo -> despite <1796 -enubrizo -> unto the Spirit <4151 -pneuma -> of grace <5485 -charis -> ?

2316 HEB 010 031 [It is] a fearful <5398 -phoberos -> thing to fall <1706 -empipto -> into <1519 -eis -> the hands <5495 -cheir -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 010 036 For ye have need <5532 -chreia -> of patience <5281 -hupomone -> , that , after ye have done <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , ye might receive <2865 -komizo -> the promise <1860 -epaggelia -> .

2316 HEB 011 003 Through faith <4102 -pistis -> we understand <3539 -noieo -> that the worlds <0165 -aion -> were framed <2675 -katartizo -> by the word <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> , so <1519 -eis -> that things which <3588 -ho -> are seen <0991 -blepo -> were not made <1096 -ginomai -> of things which do appear <5316 -phaino -> .

2316 HEB 011 004 . By faith <4102 -pistis -> Abel <0006 -Abel -> offered <4374 -prosphero -> unto God <2316 -theos -> a more excellent <4119 -pleion -> sacrifice <2378 -thusia -> than <3844

-para -> Cain <2535 -Kain -> , by which <3739 -hos -> he obtained <3140 -martureo -> witness <3140 -martureo -> that he was righteous <1342 -dikaios -> , God <{2316} -theos -> testifying <3140 -martureo -> of his gifts <1435 -doron -> : and by it he being dead <0599 -apothnesko -> yet <2089 -eti -> speaketh <2980 -laleo -> .

2316 HEB 011 004 . By faith <4102 -pistis -> Abel <0006 -Abel -> offered <4374 -prosphero -> unto God <{2316} -theos -> a more excellent <4119 -pleion -> sacrifice <2378 -thusia -> than <3844 -para -> Cain <2535 -Kain -> , by which <3739 -hos -> he obtained <3140 -martureo -> witness <3140 -martureo -> that he was righteous <1342 -dikaios -> , God <2316 -theos -> testifying <3140 -martureo -> of his gifts <1435 -doron -> : and by it he being dead <0599 -apothnesko -> yet <2089 -eti -> speaketh <2980 -laleo -> .

2316 HEB 011 005 By faith <4102 -pistis -> Enoch <1802 -Enok -> was translated <3346 -metatithemi -> that he should not see <1492 -eido -> death <2288 -thanatos -> ; and was not found <2147 -heurisko -> , because <1360 -dioti -> God <2316 -theos -> had translated <3346 -metatithemi -> him : for before <4253 -pro -> his translation <3331 -metathesis -> he had this testimony <3140 -martureo -> , that he pleased <2100 -euaresteo -> God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 011 005 By faith <4102 -pistis -> Enoch <1802 -Enok -> was translated <3346 -metatithemi -> that he should not see <1492 -eido -> death <2288 -thanatos -> ; and was not found <2147 -heurisko -> , because <1360 -dioti -> God <{2316} -theos -> had translated <3346 -metatithemi -> him : for before <4253 -pro -> his translation <3331 -metathesis -> he had this testimony <3140 -martureo -> , that he pleased <2100 -euaresteo -> God <2316 -theos -> .

2316 HEB 011 006 But without <5565 -choris -> faith <4102 -pistis -> [it is] impossible <0102 -adunatos -> to please <2100 -euaresteo -> [him] : for he that cometh <4334 -proserchomai -> to God <{2316} -theos -> must <1163 -dei -> believe <4100 -pisteuo -> that he is , and [that] he is a rewarder <3406 -misthapodotes -> of them that diligently <1567 -ekzeteo -> seek <1567 -ekzeteo -> him .

2316 HEB 011 010 For he looked <1551 -ekdechomai -> for a city <4172 -polis -> which hath <2192 -echo -> foundations <2310 -themelios -> , whose <3739 -hos -> builder <5079 -technites -> and maker <1217 -demiourgos -> [is] God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 011 016 But now <3570 -nuni -> they desire <3713 -oregomai -> a better <2909 -kreitton -> [country] , that is , an heavenly <2032 -epouranios -> : wherefore <1352 -dio -> God <2316 -theos -> is not ashamed <1870 -epaischunomai -> to be called <1941 -epikaleomai -> their God <{2316} -theos -> : for he hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them a city <4172 -polis -> .

2316 HEB 011 016 But now <3570 -nuni -> they desire <3713 -oregomai -> a better <2909 -kreitton -> [country] , that is , an heavenly <2032 -epouranios -> : wherefore <1352 -dio -> God <{2316} -theos -> is not ashamed <1870 -epaischunomai -> to be called <1941 -epikaleomai -> their God <2316 -theos -> : for he hath prepared <2090 -hetoimazo -> for them a city <4172 -polis -> .

2316 HEB 011 019 Accounting <3049 -logizomai -> that God <{2316} -theos -> [was] able <1415 -dunatos -> to raise

<1453 -egeiro -> [him] up , even <2532 -kai -> from the dead <3498 -nekros -> ; from whence <3606 -hothen -> also <2532 -kai -> he received <2865 -komizo -> him in a figure <3850 -parabole -> .

2316 HEB 011 025 Choosing <0138 -haireomai -> rather <3123 -mallon -> to suffer <4778 -sugkakoucheo -> affliction <4797 -sugcheo -> with the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> , than <2228 -e -> to enjoy <0619 -apolausis -> the pleasures of sin <0266 -hamartia -> for a season <2340 -thereuo -> ;

2316 HEB 011 040 God <{2316} -theos -> having provided <4265 -problepo -> some <5100 -tis -> better <2909 -kreitton -> thing for us , that they without <5565 -choris -> us should not be made <5048 -teleioo -> perfect <5048 -teleioo -> .

2316 HEB 012 002 Looking <0872 -aphorao -> unto Jesus <2424 -Iesous -> the author <0747 -archegos -> and finisher <5047 -teleiotes -> of [our] faith <4102 -pistis -> ; who <3739 -hos -> for the joy <5479 -chara -> that was set <4295 -prokeimai -> before <4295 -prokeimai -> him endured <5278 -hupomeno -> the cross <4716 -stauros -> , despising <2706 -kataphroneo -> the shame <0152 -aischune -> , and is set <2523 -kathizo -> down <2523 -kathizo -> at <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 HEB 012 007 If <1487 -ei -> ye endure <5278 -hupomeno -> chastening <3809 -paideia -> , God <{2316} -theos -> dealeth <4374 -prosphero -> with you as with sons <5207 -huios -> ; for what <5101 -tis -> son <5207 -huios -> is he whom <3739 -hos -> the father <3962 -pater -> chasteneth <3811 -paideuo -> not ?

2316 HEB 012 015 Looking <1983 -episkopeo -> diligently lest <3361 -me -> any <5100 -tis -> man fail <5302 -hustereo -> of the grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> ; lest <3361 -me -> any <5100 -tis -> root <4491 -rhiza -> of bitterness <4088 -pikria -> springing <5453 -phuo -> up trouble <1776 -enochleo -> [you] , and thereby <5026 -taute -> many <4183 -polus -> be defiled <3392 -miaino -> ;

2316 HEB 012 022 But ye are come <4334 -proserchomai -> unto mount <3735 -oros -> Sion <4622 -Sion -> , and unto the city <4172 -polis -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> , the heavenly <2032 -epouranios -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , and to an innumerable <3461 -murias -> company <3461 -murias -> of angels <0032 -aggelos -> ,

2316 HEB 012 023 To the general assembly <3831 -paneguris -> and church <1577 -ekklesia -> of the firstborn <4416 -prototokos -> , which are written <0583 -apographo -> in heaven <3772 -ouranos -> , and to God <{2316} -theos -> the Judge <2923 -krites -> of all <3956 -pas -> , and to the spirits <4151 -pneuma -> of just <1342 -dikaios -> men made <5048 -teleioo -> perfect <5048 -teleioo -> ,

2316 HEB 012 028 Wherefore <1352 -dio -> we receiving <3880 -paralambano -> a kingdom <0932 -basileia -> which cannot <0761 -asaleutos -> be moved <0761 -asaleutos -> , let us have <2192 -echo -> grace <5485 -charis -> , whereby <3739 -hos -> we may serve <3000 -latreuo -> God <{2316} -theos -> acceptably <2102 -euarestos -> with reverence <0127 -aidos -> and godly fear <2124 -eulabeia -> :

2316 HEB 012 029 For our God <{2316} -theos -> [is] a consuming <2654 -katanalisko -> fire <4442 -pur -> .

2316 HEB 013 004 Marriage <1062 -gamos -> [is] honourable <5093 -timios -> in all <3956 -pas -> , and the bed <2845 -koite -> undefiled <0283 -amiantos -> : but whoremongers <4205 -pornos -> and adulterers <3432 -moichos -> God <{2316} -theos -> will judge <2919 -krino -> .

2316 HEB 013 007 Remember <3421 -mnemoneuo -> them which have the rule <2233 -hegeomai -> over you , who <3748 -hostis -> have spoken <2980 -laleo -> unto you the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> : whose <3739 -hos -> faith <4102 -pistis -> follow <3401 -mimeomai -> , considering <0333 -antheoreo -> the end <1545 -ekbasis -> of [their] conversation <0391 -anastrophe -> .

2316 HEB 013 015 By him therefore <3767 -oun -> let us offer <0399 -anaphero -> the sacrifice <2378 -thusia -> of praise <0133 -ainesis -> to God <{2316} -theos -> continually <1275 -diapantos -> , that is , the fruit <2590 -karpos -> of [our] lips <5491 -cheilos -> giving thanks <3670 -homologeo -> to his name <3686 -onoma -> .

2316 HEB 013 016 But to do <2140 -eupoiia -> good <2140 -eupoiia -> and to communicate <2842 -koinonia -> forget <1950 -epilanthanomai -> not : for with such <5108 -toioutos -> sacrifices <2378 -thusia -> God <{2316} -theos -> is well <2100 -euaresteo -> pleased <2100 -euaresteo -> .

2316 HEB 013 020 Now <1161 -de -> the God <{2316} -theos -> of peace <1515 -eirene -> , that brought <0321 -anago -> again <0321 -anago -> from the dead <3498 -nekros -> our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> , that great <3173 -megas -> shepherd <4166 -poimen -> of the sheep <4263 -probaton -> , through <1722 -en -> the blood <0129 -haima -> of the everlasting <0166 -aionios -> covenant <1242 -diatheke -> ,

2316 JAS 001 001 James <2385 -Iakobos -> , a servant <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to the twelve <1427 -dodeka -> tribes <5443 -phule -> which <3739 -hos -> are scattered <1290 -diaspora -> abroad <1290 -diaspora -> , greeting <5463 -chairo -> .

2316 JAS 001 005 If <1487 -ei -> any <5100 -tis -> of you lack <3007 -leipo -> wisdom <4678 -sophia -> , let him ask <0154 -aiteo -> of God <{2316} -theos -> , that giveth <1325 -didomi -> to all <3956 -pas -> [men] liberally <0574 -haplos -> , and upbraideth <3679 -oneidizo -> not ; and it shall be given <1325 -didomi -> him .

2316 JAS 001 013 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> say <3004 -lego -> when he is tempted <3985 -peirazo -> , I am tempted <3985 -peirazo -> of God <2316 -theos -> : for God <{2316} -theos -> cannot <0551 -apeirastos -> be tempted <0551 -apeirastos -> with evil <2556 -kakos -> , neither <3762 -oudeis -> tempteth <3985 -peirazo -> he any <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> :

2316 JAS 001 013 Let no <3367 -medeis -> man <3367 -medeis -> say <3004 -lego -> when he is tempted <3985 -peirazo -> , I am tempted <3985 -peirazo -> of God <{2316} -theos -> : for God <2316 -theos -> cannot <0551 -apeirastos -> be tempted <0551 -apeirastos -> with evil <2556 -kakos -> , neither <3762 -oudeis -> tempteth <3985 -peirazo -> he any <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> :

2316 JAS 001 020 For the wrath <3709 -orge -> of man <0435 -

aner -> worketh <2716 -katergazomai -> not the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 001 027 Pure <2513 -katharos -> religion <2356 -threskeia -> and undefiled <0283 -amiantos -> before <3844 -para -> God <{2316} -theos -> and the Father <3962 -pater -> is this <3778 -houtos -> , To visit <1980 -episkeptomai -> the fatherless <3737 -orphanos -> and widows <5503 -chera -> in their affliction <2347 -thlipsis -> , [and] to keep <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> unspotted <0784 -aspilos -> from the world <2889 -kosmos -> .

2316 JAS 002 005 Hearken <0191 -akouo -> , my beloved <0027 -agapetos -> brethren <0080 -adephos -> , Hath not God <{2316} -theos -> chosen <1586 -eklegomai -> the poor <4434 -ptochos -> of this <5127 -toutou -> world <2889 -kosmos -> rich <4145 -plousios -> in faith <4102 -pistis -> , and heirs <2818 -kleronomos -> of the kingdom <0932 -basileia -> which <3735 -oros -> he hath promised <1861 -epaggello -> to them that love <0025 -agapao -> him ?

2316 JAS 002 019 Thou believest <4100 -pisteuo -> that there is one <1520 -heis -> God <{2316} -theos -> ; thou doest <4160 -poieo -> well <2573 -kalos -> : the devils <1140 -daimonion -> also <2532 -kai -> believe <4100 -pisteuo -> , and tremble <5425 -phrisso -> .

2316 JAS 002 023 And the scripture <1124 -graphe -> was fulfilled <4137 -pleroo -> which <3588 -ho -> saith <3004 -lego -> , Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <2316 -theos -> , and it was imputed <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> : and he was called <2564 -kaleo -> the Friend <5384 -philos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 002 023 And the scripture <1124 -graphe -> was fulfilled <4137 -pleroo -> which <3588 -ho -> saith <3004 -lego -> , Abraham <0011 -Abraam ->believed <4100 -pisteuo -> God <{2316} -theos -> , and it was imputed <3049 -logizomai -> unto him for righteousness <1343 -dikaiosune -> : and he was called <2564 -kaleo -> the Friend <5384 -philos -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 003 009 Therewith <0846 -autos -> bless <2127 -eulogeo -> we God <2316 -theos -> , even the Father <3962 -pater -> ; and therewith <0846 -autos -> curse <2672 -kataraomai -> we men <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> after <2596 -kata -> the similitude <3669 -homoiosis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 003 009 Therewith <0846 -autos -> bless <2127 -eulogeo -> we God <{2316} -theos -> , even the Father <3962 -pater -> ; and therewith <0846 -autos -> curse <2672 -kataraomai -> we men <0444 -anthropos -> , which <3588 -ho -> are made <1096 -ginomai -> after <2596 -kata -> the similitude <3669 -homoiosis -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 004 004 Ye adulterers <3432 -moichos -> and adulteresses <3428 -moichalis -> , know <1492 -eido -> ye not that the friendship <5373 -philia -> of the world <2889 -kosmos -> is enmity <2189 -echthra -> with God <2316 -theos -> ? whosoever <0302 -an -> therefore <3767 -oun -> will <1014 -boo -lom -ahee -> be a friend <5384 -philos -> of the world <2889 -kosmos -> is the enemy <2190 -echthros -> of God <{2316} -theos -> .

2316 JAS 004 004 Ye adulterers <3432 -moichos -> and adulteresses <3428 -moichalis -> , know <1492 -eido -> ye not that the friendship <5373 -philia -> of the world <2889 -kosmos -> is enmity <2189 -echthra -> with God <{2316} -theos -> ? whosoever <0302 -an -> therefore <3767 -oun -> will <1014 -boo -lom -ahee -> be a friend <5384 -philos -> of the world <2889 -kosmos -> is the enemy <2190 -echthros -> of God <2316 -theos -> .

2316 JAS 004 006 But he giveth <1325 -didomi -> more <3187 -meizon -> grace <5485 -charis -> . Wherefore <1352 -dio -> he saith <3004 -lego -> , God <{2316} -theos -> resisteth <0498 -antitassomai -> the proud <5244 -huperephanos -> , but giveth <1325 -didomi -> grace <5485 -charis -> unto the humble <5011 -tapeinos -> .

2316 JAS 004 007 Submit <5293 -hupotasso -> yourselves therefore <3767 -oun -> to God <{2316} -theos -> . Resist <0436 -anthistemi -> the devil <1228 -diabolos -> , and he will flee <5343 -pheugo -> from you .

2316 JAS 004 008 Draw nigh <1448 -eggizo -> to God <{2316} -theos -> , and he will draw nigh <1448 -eggizo -> to you . Cleanse <2511 -katharizo -> [your] hands <5495 -cheir -> , [ye] sinners <0268 -hamartolos -> ; and purify <0048 -hagnizo -> [your] hearts <2588 -kardia -> , [ye] double <1374 -dipsuchos -> minded <1374 -dipsuchos -> .

2316 1PE 001 002 Elect <1588 -eklektos -> according <2596 -kata -> to the foreknowledge <4268 -prognosis -> of God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , through <1722 -en -> sanctification <0038 -hagiasmos -> of the Spirit <4151 -pneuma -> , unto obedience <5218 -hupakoe -> and sprinkling <4473 -rhantismos -> of the blood <0129 -haima -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> : Grace <5485 -charis -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , be multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 1PE 001 003 . Blessed <2128 -eulogetos -> [be] the God <{2316} -theos -> and Father <3962 -pater -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3588 -ho -> according <2596 -kata -> to his abundant <4183 -polus -> mercy <1656 -eleos -> hath begotten <0313 -anagennao -> us again <0313 -anagennao -> unto a lively <2198 -zao -> hope <1680 -elpis -> by the resurrection <0386 -anastasis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> from the dead <3498 -nekros -> ,

2316 1PE 001 005 Who <3588 -ho -> are kept <5432 -phroureo -> by the power <1411 -dunamis -> of God <{2316} -theos -> through <1223 -dia -> faith <4102 -pistis -> unto salvation <4991 -soteria -> ready <2092 -hetoimos -> to be revealed <0601 -apokalupto -> in the last <2078 -eschatos -> time <2540 -kairos -> .

2316 1PE 001 021 Who <3588 -ho -> by him do believe <4100 -pisteuo -> in God <2316 -theos -> , that raised <1453 -egeiro -> him up from the dead <3498 -nekros -> , and gave <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> ; that your <5216 -humon -> faith <4102 -pistis -> and hope <1680 -elpis -> might be in God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 001 021 Who <3588 -ho -> by him do believe <4100 -pisteuo -> in God <{2316} -theos -> , that raised <1453 -egeiro -> him up from the dead <3498 -nekros -> , and gave <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> ; that your <5216 -humon ->

faith <4102 -pistis -> and hope <1680 -elpis -> might be in God <2316 -theos -> .

2316 1PE 001 023 Being born <0313 -anagennao -> again <0313 -anagennao -> , not of corruptible <5349 -phthartos -> seed <4701 -spora -> , but of incorruptible <0862 -aphthartos -> , by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , which liveth <2198 -zao -> and abideth <3306 -meno -> for ever <0165 -aion -> .

2316 1PE 002 004 . To whom <3739 -hos -> coming <4334 -proserchomai -> , [as unto] a living <2198 -zao -> stone <3037 -lithos -> , disallowed <0593 -apodokimazo -> indeed <3303 -men -> of men <0444 -anthropos -> , but chosen <1588 -eklektos -> of God <{2316} -theos -> , [and] precious <1784 -entimos -> ,

2316 1PE 002 005 Ye also <2532 -kai -> , as lively <2198 -zao -> stones <3037 -lithos -> , are built <3618 -oikodomeo -> up a spiritual <4152 -pneumatikos -> house <3624 -oikos -> , an holy <0040 -hagios -> priesthood <2406 -hierateuma -> , to offer <0399 -anaphero -> up spiritual <4152 -pneumatikos -> sacrifices <2378 -thusia -> , acceptable <2144 -euprosdektos -> to God <{2316} -theos -> by Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 1PE 002 010 Which <3588 -ho -> in time <4218 -pote -> past [were] not a people <2992 -laos -> , but [are] now <3568 -nun -> the people <2992 -laos -> of God <{2316} -theos -> : which <3588 -ho -> had not obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> , but now <3568 -nun -> have obtained <1653 -eleeo -> mercy <1653 -eleeo -> .

2316 1PE 002 012 Having <2192 -echo -> your <5216 -humon -> conversation <0391 -anastrophe -> honest <2570 -kalos -> among <1722 -en -> the Gentiles <1484 -ethnos -> : that , whereas <3759 -ouai -> they speak <2635 -katalaleo -> against <1909 -epi -> you as evildoers <2555 -kakopoios -> , they may by [your <3588 -ho ->] good <2570 -kalos -> works <2041 -ergon -> , which they shall behold <2029 -epopteuo -> , glorify <1392 -doxazo -> God <{2316} -theos -> in the day <2250 -hemera -> of visitation <1984 -episkope -> .

2316 1PE 002 015 For so <3779 -houto -> is the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> , that with well <0015 -agathopoieo -> doing <0015 -agathopoieo -> ye may put <5392 -phimoo -> to silence <5392 -phimoo -> the ignorance <0056 -agnosia -> of foolish <0878 -aphron -> men <0444 -anthropos -> :

2316 1PE 002 016 As free <1658 -eleutheros -> , and not using <2192 -echo -> [your <3588 -ho ->] liberty <1657 -eleutheria -> for a cloke <1942 -epikaluma -> of maliciousness <2549 -kakia -> , but as the servants <1401 -doulos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 002 017 Honour <5091 -timao -> all <3956 -pas -> [men] . Love <0025 -agapao -> the brotherhood <0081 -adelphotes -> . Fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> . Honour <5091 -timao -> the king <0935 -basileus -> .

2316 1PE 002 019 For this <5124 -touto -> [is] thankworthy <5485 -charis -> , if <1487 -ei -> a man <5100 -tis -> for conscience <4893 -suneidesis -> toward God <{2316} -theos -> endure <5297 -hupophero -> grief <3077 -lupe -> , suffering <3958 -pascho -> wrongfully <0095 -adikos -> .

2316 1PE 002 020 For what <4169 -poios -> glory <2811 -kleos -> [is it] , if <1487 -ei -> , when ye be buffeted <2852 -kolaphizo -> for your faults <0264 -hamartano -> , ye shall take it patiently <5278 -hupomeno -> ? but if <1487 -ei -> , when ye do <0015 -agathopoieo -> well <0015 -agathopoieo -> , and suffer <3958 -pascho -> [for it] , ye take it patiently <5278 -hupomeno -> , this <5124 -touto -> [is] acceptable <5285 -hupopneo -> with God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 003 004 But [let it be] the hidden <2927 -kruptos -> man <0444 -anthropos -> of the heart <2588 -kardia -> , in that which is not corruptible <0862 -aphthartos -> , [even the ornament] of a meek <4239 -praus -> and quiet <2272 -hesuchios -> spirit <4151 -pneuma -> , which <3739 -hos -> is in the sight <1799 -enopion -> of God <{2316} -theos -> of great <4185 -poluteles -> price <4185 -poluteles -> .

2316 1PE 003 005 For after <3779 -houto -> this <3779 -houto -> manner <3779 -houto -> in the old <4218 -pote -> time <4218 -pote -> the holy <0040 -hagios -> women <1135 -gune -> also <2532 -kai -> , who <3588 -ho -> trusted <1679 -elpizo -> in God <{2316} -theos -> , adorned <2885 -kosmeo -> themselves <1438 -heautou -> , being in subjection <5293 -hupotasso -> unto their own <2398 -idios -> husbands <0435 -aner -> :

2316 1PE 003 015 But sanctify <0037 -hagiazo -> the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> in your <5216 -humon -> hearts <2588 -kardia -> : and [be] ready <2092 -hetoimos -> always <0104 -aei -> to [give] an answer <0627 -apologia -> to every <3956 -pas -> man that asketh <0154 -aiteo -> you a reason <3056 -logos -> of the hope <1680 -elpis -> that is in you with meekness <4240 -prautes -> and fear <5401 -phobos -> :

2316 1PE 003 017 For [it is] better <2909 -kreitton -> , if <1487 -ei -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> be so , that ye suffer <3958 -pascho -> for well <0015 -agathopoieo -> doing <0015 -agathopoieo -> , than <2228 -e -> for evil <2554 -kakopoieo -> doing <2554 -kakopoieo -> .

2316 1PE 003 018 . For Christ <5547 -Christos -> also <2532 -kai -> hath once <0530 -hapax -> suffered <3958 -pascho -> for sins <0266 -hamartia -> , the just <1342 -dikaios -> for the unjust <0094 -adikos -> , that he might bring <4317 -prosago -> us to God <{2316} -theos -> , being put <2289 -thanatoo -> to death <2289 -thanatoo -> in the flesh <4561 -sarx -> , but quickened <2227 -zoopoieo -> by the Spirit <4151 -pneuma -> :

2316 1PE 003 020 Which sometime <4218 -pote -> were disobedient <0544 -apeitheo -> , when <3753 -hote -> once <0530 -hapax -> the longsuffering <3115 -makrothumia -> of God <{2316} -theos -> waited <1551 -ekdechomai -> in the days <2250 -hemera -> of Noah <3575 -Noe -> , while the ark <2787 -kibotos -> was a preparing <2680 -kataskeuazo -> , wherein <3757 -hou -> few <3641 -oligos -> , that is , eight <3638 -oktos -> souls <5590 -psuche -> were saved <1295 -diasozo -> by water <5204 -hudor -> .

2316 1PE 003 021 . The like <0499 -antitupon -> figure <0499 -antitupon -> whereunto <3739 -hos -> [even] baptism <0908 -baptisma -> doth also <2532 -kai -> now <3568 -nun -> save <4982 -sozo -> us (not the putting <0595 -apothesis -> away <0595 -apothesis -> of the filth <4509 -rhupos -> of the flesh <4561 -sarx -> , but the answer <1906 -eperotema -> of a good <0018 -agathos -> conscience <4893 -suneidesis -> toward <1519 -eis -> God <{2316} -theos -> ,) by the resurrection <0386 -anastasis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 1PE 003 022 Who <3739 -hos -> is gone <4198 -poreuomai -> into <1519 -eis -> heaven <3772 -ouranos -> , and is on <1722 -en -> the right <1188 -dexios -> hand of God <{2316} -theos -> ; angels <0032 -aggelos -> and authorities <1849 -exousia -> and powers <1411 -dunamis -> being made <5293 -hupotasso -> subject <5293 -hupotasso -> unto him .

2316 1PE 004 002 That he no <3371 -meketi -> longer <3371 -meketi -> should live <0980 -bioo -> the rest <1954 -epiloipos -> of [his] time <5550 -chronos -> in the flesh <4561 -sarx -> to the lusts <1939 -epithumia -> of men <0444 -anthropos -> , but to the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 004 006 For for this <5124 -touto -> cause was the gospel <2097 -euaggelizo -> preached <2097 -euaggelizo -> also <2532 -kai -> to them that are dead <3498 -nekros -> , that they might be judged <2919 -krino -> according <2596 -kata -> to men <0444 -anthropos -> in the flesh <4561 -sarx -> , but live <2198 -zao -> according <2596 -kata -> to God <{2316} -theos -> in the spirit <4151 -pneuma -> .

2316 1PE 004 010 As every <1538 -hekastos -> man hath received <2983 -lambano -> the gift <5486 -charisma -> , [even so] minister <1247 -diakoneo -> the same <0846 -autos -> one <1438 -heautou -> to another <1438 -heautou -> , as good <2570 -kalos -> stewards <3623 -oikonomos -> of the manifold <4164 -poikilos -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <2316 -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <{2316} -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <2316 -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <2316 -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 011 If <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man speak <2980 -laleo -> , [let him speak <2980 -laleo ->] as the oracles <3051 -logion -> of God <{2316} -theos -> ; if <1487 -ei -> any <1536 -ei tis -> man minister <1247 -diakoneo -> , [let him do it] as of the ability <2479 -ischus -> which <3739 -hos -> God <2316 -theos -> giveth <5524 -choregeo -> : that God <2316 -theos -> in all <3956 -pas -> things may be glorified <1392 -doxazo -> through <1223 -dia -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to whom <3739 -hos -> be praise <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 1PE 004 014 If <1487 -ei -> ye be reproached <3679 -

oneidizo -> for the name <3686 -onoma -> of Christ <5547 -
Christos -> , happy <3107 -makarios -> [are ye] ; for the
spirit <4151 -pneuma -> of glory <1391 -doxa -> and of God
<{2316} -theos -> resteth <0373 -anapano -> upon you : on <2596
-kata -> their part he is evil <0987 -blasphemeo -> spoken <0987
-blasphemeo -> of , but on <2596 -kata -> your <5209 -humas ->
part he is glorified <1392 -doxazo -> .

2316 1PE 004 016 Yet <1161 -de -> if <1487 -ei -> [any man
suffer] as a Christian <5546 -Christianos -> , let him not be
ashamed <0153 -aischunomai -> ; but let him glorify <1392 -
doxazo -> God <{2316} -theos -> on <1722 -en -> this <5129 -
toutoi -> behalf <3313 -meros -> .

2316 1PE 004 017 For the time <2540 -kairos -> [is come]
that judgment <2917 -krima -> must begin <0756 -archomai -> at
<0575 -apo -> the house <3624 -oikos -> of God <2316 -theos -> :
and if <1487 -ei -> [it] first <4412 -proton -> [begin]
at <0575 -apo -> us , what <5101 -tis -> shall the end <5056 -
telos -> [be] of them that obey <0544 -apeitheo -> not the
gospel <2098 -euaggelion -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 1PE 004 017 For the time <2540 -kairos -> [is come]
that judgment <2917 -krima -> must begin <0756 -archomai -> at
<0575 -apo -> the house <3624 -oikos -> of God <{2316} -theos ->
: and if <1487 -ei -> [it] first <4412 -proton -> [begin
] at <0575 -apo -> us , what <5101 -tis -> shall the end <5056
-telos -> [be] of them that obey <0544 -apeitheo -> not the
gospel <2098 -euaggelion -> of God <2316 -theos -> ?

2316 1PE 004 019 Wherefore <5620 -hoste -> let them that
suffer <3958 -pascho -> according <2596 -kata -> to the will
<2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> commit <3908 -
paratithemi -> the keeping of their souls <5590 -psuche -> [to
him] in well <0016 -agathopolia -> doing <0016 -agathopolia ->
, as unto a faithful <4103 -pistos -> Creator <2939 -ktistes ->
.

2316 1PE 005 002 Feed <4165 -poimaino -> the flock <4168 -
poimnion -> of God <{2316} -theos -> which is among <1722 -en ->
you , taking the oversight <1983 -episkopeo -> [thereof] ,
not by constraint <0317 -anagkastos -> , but willingly <1596 -
hekousios -> ; not for filthy <0147 -aischrokerdos -> lucre
<0147 -aischrokerdos -> , but of a ready <4289 -prothumos ->
mind <4290 -prothumos -> ;

2316 1PE 005 003 Neither <3366 -mede -> as being lords <2634 -
katakurieuo -> over <2634 -katakurieuo -> [God s <{2316} -
theos ->] heritage <2819 -kleros -> , but being <1096 -
ginomai -> ensamples <5179 -tupos -> to the flock <4168 -
poimnion -> .

2316 1PE 005 005 . Likewise <3668 -homoios -> , ye younger
<3501 -neos -> , submit <5293 -hupotasso -> yourselves unto the
elder <4245 -presbuteros -> . Yea <1161 -de -> , all <3956 -
pas -> [of you] be subject <5293 -hupotasso -> one <0240 -
allelon -> to another <0240 -allelon -> , and be clothed <1463 -
egkomboomai -> with humility <5012 -tapeinophrosune -> : for
God <{2316} -theos -> resisteth <0498 -antitassomai -> the proud
<5244 -huperephanos -> , and giveth <1325 -didomi -> grace
<5485 -charis -> to the humble <5011 -tapeinos -> .

2316 1PE 005 006 Humble <5013 -tapeinoo -> yourselves
therefore <3767 -oun -> under <5259 -hupo -> the mighty <2900 -
krataios -> hand <5495 -cheir -> of God <{2316} -theos -> ,
that he may exalt <5312 -hupsoo -> you in due time <2540 -kairos

-> :

2316 1PE 005 010 . But the God <{2316} -theos -> of all <3956 -pas -> grace <5485 -charis -> , who <3588 -ho -> hath called <2564 -kaleo -> us unto his eternal <0166 -aionios -> glory <1391 -doxa -> by Christ <5547 -Christos -> Jesus <2424 -Iesous -> , after that ye have suffered <3958 -pascho -> a while <3641 -oligos -> , make <2675 -katartizo -> you perfect <2675 -katartizo -> , stablish <4741 -sterizo -> , strengthen <4599 -sthenoo -> , settle <2311 -themelioo -> [you] .

2316 1PE 005 012 By Silvanus <4610 -Silouanos -> , a faithful <4103 -pistos -> brother <0080 -adephos -> unto you , as I suppose <3049 -logizomai -> , I have written <1125 -grapho -> briefly <3641 -oligos -> , exhorting <3870 -parakaleo -> , and testifying <1957 -epimartureo -> that this <5026 -taute -> is the true <0227 -alethes -> grace <5485 -charis -> of God <{2316} -theos -> wherein <3757 -hou -> ye stand <2476 -histemi -> .

2316 2PE 001 001 . Simon <4613 -Simon -> Peter <4074 -Petros -> , a servant <1401 -doulos -> and an apostle <0652 -apostolos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , to them that have obtained <2975 -lagchano -> like <2472 -isotimos -> precious <2472 -isotimos -> faith <4102 -pistis -> with us through <1722 -en -> the righteousness <1343 -dikaiosune -> of God <{2316} -theos -> and our Saviour <4990 -soter -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> :

2316 2PE 001 002 Grace <5485 -charis -> and peace <1515 -eirene -> be multiplied <4129 -plethuno -> unto you through <1722 -en -> the knowledge <1922 -epignosis -> of God <{2316} -theos -> , and of Jesus <2424 -Iesous -> our Lord <2962 -kurios -> ,

2316 2PE 001 017 For he received <2983 -lambano -> from God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> honour <5092 -time -> and glory <1391 -doxa -> , when there came <5342 -phero -> such <5107 -toiosde -> a voice <5456 -phone -> to him from the excellent <3169 -megaloprepes -> glory <1391 -doxa -> , This <3778 -houtos -> is my beloved <0027 -agapetos -> Son <5207 -huios -> , in whom <3739 -hos -> I am well <2106 -eudokeo -> pleased <2106 -eudokeo -> .

2316 2PE 001 021 For the prophecy <4394 -propheteia -> came <5342 -phero -> not in old <4218 -pote -> time <4218 -pote -> by the will <2307 -thelema -> of man <0444 -anthropos -> : but holy <0040 -hagios -> men <0444 -anthropos -> of God <{2316} -theos -> spake <2980 -laleo -> [as they were] moved <5342 -phero -> by the Holy <0040 -hagios -> Ghost <4151 -pneuma -> .

2316 2PE 002 004 For if <1487 -ei -> God <{2316} -theos -> spared <5339 -pheidomai -> not the angels <0032 -aggelos -> that sinned <0264 -hamartano -> , but cast <5020 -tartaroo -> [them] down to hell <5020 -tartaroo -> , and delivered <3860 -paradidomi -> [them] into chains <4577 -seira -> of darkness <2217 -zophos -> , to be reserved <5083 -tereo -> unto judgment <2920 -krisis -> ;

2316 2PE 003 005 For this <5124 -touto -> they willingly <2309 -thelo -> are ignorant <2990 -lanthano -> of , that by the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> the heavens <3772 -ouranos -> were of old <1597 -ekpalai -> , and the earth <1093 -ge -> standing <4921 -sunistao -> out of the water <5204 -hudor -> and in the water <5204 -hudor -> :

2316 2PE 003 012 Looking <4328 -prosdokao -> for and hasting <4692 -speudo -> unto the coming <3952 -parousia -> of the day

<2250 -hemera -> of God <{2316} -theos -> , wherein <3757 -hou -> the heavens <3772 -ouranos -> being on fire <4448 -puroo -> shall be dissolved <3089 -luo -> , and the elements <4747 -stoicheion -> shall melt <5080 -teko -> with fervent heat <2741 -kausoo -> ?

2316 1JO 001 005 . This <3778 -houtos -> then <2532 -kai -> is the message <1860 -epaggelia -> which <3739 -hos -> we have heard <0191 -akouo -> of him , and declare <0312 -anaggello -> unto you , that God <{2316} -theos -> is light <5457 -phos -> , and in him is no <3756 -ou -> darkness <4653 -skotia -> at <3762 -oudeis -> all <3762 -oudeis -> .

2316 1JO 002 005 But whoso <0302 -an -> keepeth <5083 -tereo -> his word <3056 -logos -> , in him verily <0230 -alethos -> is the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> perfected <5048 -teleioo -> : hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko -> we that we are in him .

2316 1JO 002 014 I have written <1125 -grapho -> unto you , fathers <3962 -pater -> , because <3754 -hoti -> ye have known <1097 -ginosko -> him [that is] from the beginning <0746 -arche -> . I have written <1125 -grapho -> unto you , young <3495 -neaniskos -> men <3495 -neaniskos -> , because <3754 -hoti -> ye are strong <2478 -ischuros -> , and the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> in you , and ye have overcome <3528 -nikao -> the wicked <4190 -poneros -> one .

2316 1JO 002 017 And the world <2889 -kosmos -> passeth <3855 -parago -> away , and the lust <1939 -epithumia -> thereof <0846 -autos -> : but he that doeth <4160 -poieo -> the will <2307 -thelema -> of God <{2316} -theos -> abideth <3306 -meno -> for ever <0165 -aion -> .

2316 1JO 003 001 . Behold <1492 -eido -> , what <4217 -potapos -> manner <4217 -potapos -> of love <0026 -agape -> the Father <3962 -pater -> hath bestowed <1325 -didomi -> upon us , that we should be called <2564 -kaleo -> the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> : therefore <5124 -touto -> the world <2889 -kosmos -> knoweth <1097 -ginosko -> us not , because <3754 -hoti -> it knew <1097 -ginosko -> him not .

2316 1JO 003 002 Beloved <0027 -agapetos -> , now <3568 -nun -> are we the sons <5043 -teknon -> of God <{2316} -theos -> , and it doth not yet <3768 -oupo -> appear <5319 -phaneroo -> what <5101 -tis -> we shall be : but we know <1492 -eido -> that , when <1437 -ean -> he shall appear <5319 -phaneroo -> , we shall be like <3664 -homoios -> him ; for we shall see <3700 -optanomai -> him as he is .

2316 1JO 003 008 He that committeth <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> is of the devil <1228 -diabolos -> ; for the devil <1228 -diabolos -> sinneth <0264 -hamartano -> from the beginning <0746 -arche -> . For this <5124 -touto -> purpose the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> was manifested <5319 -phaneroo -> , that he might destroy <3089 -luo -> the works <2041 -ergon -> of the devil <1228 -diabolos -> .

2316 1JO 003 009 Whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> doth not commit <4160 -poieo -> sin <0266 -hamartia -> ; for his seed <4690 -sperma -> remaineth <3306 -meno -> in him : and he cannot <1410 -dunamai -> sin <0264 -hamartano -> , because <3754 -hoti -> he is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 003 009 Whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -
> of God <{2316} -theos -> doth not commit <4160 -poieo -> sin
<0266 -hamartia -> ; for his seed <4690 -sperma -> remaineth
<3306 -meno -> in him : and he cannot <1410 -dunamai -> sin
<0264 -hamartano -> , because <3754 -hoti -> he is born <1080 -
gennao -> of God <2316 -theos -> .

2316 1JO 003 010 In this <5129 -toutoi -> the children <5043 -
teknon -> of God <2316 -theos -> are manifest <5318 -phaneros ->
, and the children <5043 -teknon -> of the devil <1228 -
diabolos -> : whosoever <3588 -ho -> doeth <4160 -poieo -> not
righteousness <1343 -dikaiosune -> is not of God <{2316} -theos -
> , neither he that loveth <0025 -agapao -> not his brother
<0080 -adephos -> .

2316 1JO 003 010 In this <5129 -toutoi -> the children <5043 -
teknon -> of God <{2316} -theos -> are manifest <5318 -phaneros -
> , and the children <5043 -teknon -> of the devil <1228 -
diabolos -> : whosoever <3588 -ho -> doeth <4160 -poieo -> not
righteousness <1343 -dikaiosune -> is not of God <2316 -theos ->
, neither he that loveth <0025 -agapao -> not his brother <0080
-adephos -> .

2316 1JO 003 017 But whoso <0302 -an -> hath <2192 -echo ->
this <3588 -ho -> world s <2889 -kosmos -> good <0979 -bios -> ,
and seeth <2334 -theoreo -> his brother <0080 -adephos -> have
<2192 -echo -> need <5532 -chreia -> , and shutteth <2808 -
kleio -> up his bowels <4698 -splagchnon -> [of compassion]
from him , how <4459 -pos -> dwelleth <3306 -meno -> the love
<0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> in him ?

2316 1JO 003 020 . For if <1437 -ean -> our heart <2588 -
kardia -> condemn <2607 -kataginosko -> us , God <{2316} -theos
-> is greater <3187 -meizon -> than our heart <2588 -kardia -> ,
and knoweth <1097 -ginosko -> all <3956 -pas -> things .

2316 1JO 003 021 Beloved <0027 -agapetos -> , if <1437 -ean ->
our heart <2588 -kardia -> condemn <2607 -kataginosko -> us not ,
[then] have <2192 -echo -> we confidence <3954 -parrhesia -
> toward <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 001 . Beloved <0027 -agapetos -> , believe <4100
-pisteuo -> not every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> ,
but try <1381 -dokimazo -> the spirits <4151 -pneuma -> whether
<1487 -ei -> they are of God <{2316} -theos -> : because <3754 -
hoti -> many <4183 -polus -> false <5578 -pseudoprophetes ->
prophets <5578 -pseudoprophetes -> are gone <1831 -exerchomai ->
out into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 002 Hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko ->
ye the Spirit <4151 -pneuma -> of God <2316 -theos -> : Every
<3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -
homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is of
God <{2316} -theos -> :

2316 1JO 004 002 Hereby <5129 -toutoi -> know <1097 -ginosko ->
ye the Spirit <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> : Every
<3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -> that confesseth <3670 -
homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -
> is come <2064 -erchomai -> in the flesh <4561 -sarx -> is of
God <2316 -theos -> :

2316 1JO 004 003 And every <3956 -pas -> spirit <4151 -pneuma -
> that confesseth <3670 -homologeo -> not that Jesus <2424 -
Iesous -> Christ <5547 -Christos -> is come <2064 -erchomai ->

in the flesh <4561 -sarx -> is not of God <{2316} -theos -> :
and this <5124 -touto -> is that [spirit] of antichrist
<0500 -antichristos -> , whereof <3739 -hos -> ye have heard
<0191 -akouo -> that it should come <2064 -erchomai -> ; and
even <2532 -kai -> now <3568 -nun -> already <2235 -ede -> is it
in the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 004 . Ye are of God <{2316} -theos -> , little
<5040 -teknion -> children <5040 -teknion -> , and have
overcome <3528 -nikao -> them : because <3754 -hoti -> greater
<3187 -meizon -> is he that is in you , than <2228 -e -> he
that is in the world <2889 -kosmos -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <2316 -theos -> : he that
knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> heareth <0191 -
akouo -> us ; he that is not of God <{2316} -theos -> heareth
<0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -
ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -
aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -
plane -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <2316 -theos -> : he that
knoweth <1097 -ginosko -> God <{2316} -theos -> heareth <0191 -
akouo -> us ; he that is not of God <2316 -theos -> heareth
<0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -
ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -
aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -
plane -> .

2316 1JO 004 006 We are of God <{2316} -theos -> : he that
knoweth <1097 -ginosko -> God <2316 -theos -> heareth <0191 -
akouo -> us ; he that is not of God <2316 -theos -> heareth
<0191 -akouo -> not us . Hereby <5124 -touto -> know <1097 -
ginosko -> we the spirit <4151 -pneuma -> of truth <0225 -
aletheia -> , and the spirit <4151 -pneuma -> of error <4106 -
plane -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love
<0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon ->
: for love <0026 -agape -> is of God <2316 -theos -> ; and
every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born
<1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> , and knoweth <1097 -
ginosko -> God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love
<0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon ->
: for love <0026 -agape -> is of God <2316 -theos -> ; and
every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born
<1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> , and knoweth <1097 -
ginosko -> God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 007 . Beloved <0027 -agapetos -> , let us love
<0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon ->
: for love <0026 -agape -> is of God <{2316} -theos -> ; and
every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> is born
<1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> , and knoweth <1097 -
ginosko -> God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 008 He that loveth <0025 -agapao -> not knoweth
<1097 -ginosko -> not God <2316 -theos -> ; for God <{2316} -
theos -> is love <0026 -agape -> .

2316 1JO 004 008 He that loveth <0025 -agapao -> not knoweth
<1097 -ginosko -> not God <{2316} -theos -> ; for God <2316 -
theos -> is love <0026 -agape -> .

2316 1JO 004 009 In this <5129 -toutoi -> was manifested <5319 -
phaneroo -> the love <0026 -agape -> of God <2316 -theos ->
toward <1722 -en -> us , because <3754 -hoti -> that God
<{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> his only <3439 -
monogenes -> begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios ->
into <1519 -eis -> the world <2889 -kosmos -> , that we might
live <2198 -zao -> through <1223 -dia -> him .

2316 1JO 004 009 In this <5129 -toutoi -> was manifested <5319 -
phaneroo -> the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos ->
toward <1722 -en -> us , because <3754 -hoti -> that God <2316 -
theos -> sent <0649 -apostello -> his only <3439 -monogenes ->
begotten <3439 -monogenes -> Son <5207 -huios -> into <1519 -eis
-> the world <2889 -kosmos -> , that we might live <2198 -zao -
> through <1223 -dia -> him .

2316 1JO 004 010 Herein <5129 -toutoi -> is love <0026 -agape -
> , not that we loved <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> ,
but that he loved <0025 -agapao -> us , and sent <0649 -
apostello -> his Son <5207 -huios -> [to be] the
propitiation <2434 -hilasmos -> for our sins <0266 -hamartia -> .

2316 1JO 004 011 Beloved <0027 -agapetos -> , if <1487 -ei ->
God <{2316} -theos -> so <3779 -houto -> loved <0025 -agapao ->
us , we ought <3784 -opheilo -> also <2532 -kai -> to love
<0025 -agapao -> one <0240 -allelon -> another <0240 -allelon ->
.

2316 1JO 004 012 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath
seen <2300 -theaomai -> God <2316 -theos -> at <4455 -popote ->
any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> . If <1437 -ean ->
we love <0026 -agape -> one <0240 -allelon -> another <0240 -
allelon -> , God <{2316} -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in
us , and his love <0025 -agapao -> is perfected <5048 -teleioo -
> in us .

2316 1JO 004 012 No <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> hath
seen <2300 -theaomai -> God <{2316} -theos -> at <4455 -popote -
> any <4455 -popote -> time <4455 -popote -> . If <1437 -ean ->
we love <0026 -agape -> one <0240 -allelon -> another <0240 -
allelon -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -meno -> in us ,
  and his love <0025 -agapao -> is perfected <5048 -teleioo ->
in us .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -
homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios
-> of God <2316 -theos -> , God <2316 -theos -> dwelleth <3306 -
meno -> in him , and he in God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -
homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios
-> of God <2316 -theos -> , God <{2316} -theos -> dwelleth
<3306 -meno -> in him , and he in God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 015 Whosoever <0302 -an -> shall confess <3670 -
homologeo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -huios
-> of God <{2316} -theos -> , God <2316 -theos -> dwelleth
<3306 -meno -> in him , and he in God <2316 -theos -> .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and
believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God
<2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos ->
is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno ->
in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -
theos -> , and God <{2316} -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and
believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God
<2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos ->
is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno ->
in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <{2316} -
theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and
believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God
<2316 -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <{2316} -theos -
> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno ->
in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -
theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 016 And we have known <1097 -ginosko -> and
believed <4100 -pisteuo -> the love <0026 -agape -> that God
<{2316} -theos -> hath <2192 -echo -> to us . God <2316 -theos -
> is love <0026 -agape -> ; and he that dwelleth <3306 -meno ->
in love <0026 -agape -> dwelleth <3306 -meno -> in God <2316 -
theos -> , and God <2316 -theos -> in him .

2316 1JO 004 020 If <1437 -ean -> a man say <2036 -epo -> , I
love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> , and hateth <3404 -
miseo -> his brother <0080 -adephos -> , he is a liar <5583 -
pseustes -> : for he that loveth <0025 -agapao -> not his
brother <0080 -adephos -> whom <3739 -hos -> he hath seen <3708 -
horao -> , how <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> he love
<0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> whom <3739 -hos -> he
hath not seen <3708 -horao -> ?

2316 1JO 004 020 If <1437 -ean -> a man say <2036 -epo -> , I
love <0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , and hateth <3404 -
miseo -> his brother <0080 -adephos -> , he is a liar <5583 -
pseustes -> : for he that loveth <0025 -agapao -> not his
brother <0080 -adephos -> whom <3739 -hos -> he hath seen <3708 -
horao -> , how <4459 -pos -> can <1410 -dunamai -> he love
<0025 -agapao -> God <2316 -theos -> whom <3739 -hos -> he hath
not seen <3708 -horao -> ?

2316 1JO 004 021 And this <5026 -taute -> commandment <1785 -
entole -> have <2192 -echo -> we from him , That he who loveth
<0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> love <0025 -agapao -> his
brother <0080 -adephos -> also <2532 -kai -> .

2316 1JO 005 001 . Whosoever <3588 -ho -> believeth <4100 -
pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Christ <5547 -
Christos -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> :
and every <3956 -pas -> one that loveth <0025 -agapao -> him
that begat <1080 -gennao -> loveth <0025 -agapao -> him also
<2532 -kai -> that is begotten <1080 -gennao -> of him .

2316 1JO 005 002 By this <5129 -toutoi -> we know <1097 -
ginosko -> that we love <0025 -agapao -> the children <5043 -
teknon -> of God <2316 -theos -> , when <3752 -hotan -> we love
<0025 -agapao -> God <{2316} -theos -> , and keep <5083 -tereo -
> his commandments <1785 -entole -> .

2316 1JO 005 002 By this <5129 -toutoi -> we know <1097 -
ginosko -> that we love <0025 -agapao -> the children <5043 -
teknon -> of God <{2316} -theos -> , when <3752 -hotan -> we
love <0025 -agapao -> God <2316 -theos -> , and keep <5083 -
tereo -> his commandments <1785 -entole -> .

2316 1JO 005 003 For this <3778 -houtos -> is the love <0026 -
agape -> of God <{2316} -theos -> , that we keep <5083 -tereo -
> his commandments <1785 -entole -> : and his commandments <1785

-entole -> are not grievous <0926 -barus -> .

2316 1JO 005 004 For whatsoever <3956 -pas -> is born <1080 -
gennao -> of God <{2316} -theos -> overcometh <3528 -nikao ->
the world <2889 -kosmos -> : and this <3778 -houtos -> is the
victory <3529 -nike -> that overcometh <3528 -nikao -> the world
<2889 -kosmos -> ,   [even] our faith <4102 -pistis -> .

2316 1JO 005 005 Who <5101 -tis -> is he that overcometh <3528 -
nikao -> the world <2889 -kosmos -> , but he that believeth
<4100 -pisteuo -> that Jesus <2424 -Iesous -> is the Son <5207 -
huios -> of God <{2316} -theos -> ?

2316 1JO 005 009 If <1487 -ei -> we receive <2983 -lambano ->
the witness <3141 -marturia -> of men <0444 -anthropos -> , the
witness <3141 -marturia -> of God <2316 -theos -> is greater
<3187 -meizon -> : for this <3778 -houtos -> is the witness
<3141 -marturia -> of God <{2316} -theos -> which <3739 -hos ->
he hath testified <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 009 If <1487 -ei -> we receive <2983 -lambano ->
the witness <3141 -marturia -> of men <0444 -anthropos -> , the
witness <3141 -marturia -> of God <{2316} -theos -> is greater
<3187 -meizon -> : for this <3778 -houtos -> is the witness
<3141 -marturia -> of God <2316 -theos -> which <3739 -hos -> he
hath testified <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<2316 -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <{2316} -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<{2316} -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <2316 -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 010 . He that believeth <4100 -pisteuo -> on
<1519 -eis -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos ->
hath <2192 -echo -> the witness <3141 -marturia -> in himself
<1438 -heautou -> : he that believeth <4100 -pisteuo -> not God
<2316 -theos -> hath made <4160 -poieo -> him a liar <5583 -
pseustes -> ; because <3754 -hoti -> he believeth <4100 -
pisteuo -> not the record <3141 -marturia -> that God <2316 -
theos -> gave <3140 -martureo -> of his Son <5207 -huios -> .

2316 1JO 005 011 And this <3778 -houtos -> is the record <3141 -
marturia -> , that God <{2316} -theos -> hath given <1325 -
didomi -> to us eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> ,
and this <3778 -houtos -> life <2222 -zoe -> is in his Son <5207
-huios -> .

2316 1JO 005 012 He that hath <2192 -echo -> the Son <5207 -
huios -> hath <2192 -echo -> life <2222 -zoe -> ;   [and] he
that hath <2192 -echo -> not the Son <5207 -huios -> of God
<{2316} -theos -> hath <2192 -echo -> not life <2222 -zoe -> .

2316 1JO 005 013 These <5023 -tauta -> things have I written

<1125 -grapho -> unto you that believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> ; that ye may know <1492 -eido -> that ye have <2192 -echo -> eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , and that ye may believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> .

2316 1JO 005 013 These <5023 -tauta -> things have I written <1125 -grapho -> unto you that believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> ; that ye may know <1492 -eido -> that ye have <2192 -echo -> eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> , and that ye may believe <4100 -pisteuo -> on <1519 -eis -> the name <3686 -onoma -> of the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> .

2316 1JO 005 018 . We know <1492 -eido -> that whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> sinneth <0264 -hamartano -> not ; but he that is begotten <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> keepeth <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> , and that wicked <4190 -poneros -> one toucheth <0680 -haptomai -> him not .

2316 1JO 005 018 . We know <1492 -eido -> that whosoever <3588 -ho -> is born <1080 -gennao -> of God <{2316} -theos -> sinneth <0264 -hamartano -> not ; but he that is begotten <1080 -gennao -> of God <2316 -theos -> keepeth <5083 -tereo -> himself <1438 -heautou -> , and that wicked <4190 -poneros -> one toucheth <0680 -haptomai -> him not .

2316 1JO 005 019 [And] we know <1492 -eido -> that we are of God <{2316} -theos -> , and the whole <3650 -holos -> world <2889 -kosmos -> lieth <2749 -keimai -> in wickedness <4190 -poneros -> .

2316 1JO 005 020 And we know <1492 -eido -> that the Son <5207 -huios -> of God <2316 -theos -> is come <2240 -heko -> , and hath given <1325 -didomi -> us an understanding <1271 -dianoia -> , that we may know <1097 -ginosko -> him that is true <0228 -alethinos -> , and we are in him that is true <0228 -alethinos -> , [even] in his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> . This <3778 -houtos -> is the true <0228 -alethinos -> God <{2316} -theos -> , and eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 1JO 005 020 And we know <1492 -eido -> that the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> is come <2240 -heko -> , and hath given <1325 -didomi -> us an understanding <1271 -dianoia -> , that we may know <1097 -ginosko -> him that is true <0228 -alethinos -> , and we are in him that is true <0228 -alethinos -> , [even] in his Son <5207 -huios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> . This <3778 -houtos -> is the true <0228 -alethinos -> God <2316 -theos -> , and eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 001 003 Grace <5485 - charis - > be with you , mercy <1656 - eleos - > , [and] peace <1515 - eirene - > , from God <{2316} - theos - > the Father <3962 - pater - > , and from the Lord <2962 - kurios - > Jesus <2424 - Iesous - > Christ <5547 - Christos - > , the Son <5207 - huios - > of the Father <3962 - pater - > , in truth <0225 - aletheia - > and love <0026 - agape - > .

2316 001 009 Whosoever <3588 - ho - > transgresseth <3845 - parabaino - > , and abideth <3306 - meno - > not in the

doctrine <1322 - didache - > of Christ <5547 - Christos - > , hath <2192 - echo - > not God <{2316} - theos - > . He that abideth <3306 - meno - > in the doctrine <1322 - didache - > of Christ <5547 - Christos - > , he hath <2192 - echo - > both <2532 - kai - > the Father <3962 - pater - > and the Son <5207 - huios - > .

2316 3JO 001 006 Which <3739 -hos -> have borne witness <3140 - martureo -> of thy charity <0026 -agape -> before <1799 -enopion -> the church <1577 -ekklesia -> : whom <3739 -hos -> if thou bring <4311 -propempo -> forward <4311 -propempo -> on their journey after <0516 -axios -> a godly <{2316} -theos -> sort <0516 -axios -> , thou shalt do <4160 -poieo -> well <2573 - kalos -> :

2316 3JO 001 011 Beloved <0027 -agapetos -> , follow <3401 - mimeomai -> not that which is evil <2556 -kakos -> , but that which is good <0018 -agathos -> . He that doeth <0015 - agathopoieo -> good <0015 -agathopoieo -> is of God <2316 -theos -> : but he that doeth <2554 -kakopoieo -> evil <2554 - kakopoieo -> hath not seen <3780 -ouchi -> God <{2316} -theos -> .

2316 3JO 001 011 Beloved <0027 -agapetos -> , follow <3401 - mimeomai -> not that which is evil <2556 -kakos -> , but that which is good <0018 -agathos -> . He that doeth <0015 - agathopoieo -> good <0015 -agathopoieo -> is of God <{2316} - theos -> : but he that doeth <2554 -kakopoieo -> evil <2554 - kakopoieo -> hath not seen <3780 -ouchi -> God <2316 -theos -> .

2316 JUDE 001 001 . Jude <2455 -Ioudas -> , the servant <1401 -doulos -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and brother <0080 -adephos -> of James <2385 -Iakobos -> , to them that are sanctified <0037 -hagiazo -> by God <{2316} -theos -> the Father <3962 -pater -> , and preserved <5083 -tereo -> in Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , [and] called <2822 -kletos -> : : 02 Mercy <1656 -eleos -> unto you , and peace <1515 -eirene -> , and love <0026 -agape -> , be multiplied <4129 -plethuno -> .

2316 JUDE 001 004 For there are certain <5100 -tis -> men <0444 -anthropos -> crept <3921 -pareisduno -> in unawares <3921 - pareisduno -> , who <3588 -ho -> were before <4270 -prographo - > of old <3819 -palai -> ordained <4270 -prographo -> to this <5124 -touto -> condemnation <2917 -krima -> , ungodly <0765 - asebes -> men , turning <3346 -metatithemi -> the grace <5485 - charis -> of our God <2316 -theos -> into <1519 -eis -> lasciviousness <0766 -aselgeia -> , and denying <0720 -arneomai -> the only <3441 -monos -> Lord <2962 -kurios -> God <{2316} - theos -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 JUDE 001 004 For there are certain <5100 -tis -> men <0444 -anthropos -> crept <3921 -pareisduno -> in unawares <3921 - pareisduno -> , who <3588 -ho -> were before <4270 -prographo - > of old <3819 -palai -> ordained <4270 -prographo -> to this <5124 -touto -> condemnation <2917 -krima -> , ungodly <0765 - asebes -> men , turning <3346 -metatithemi -> the grace <5485 - charis -> of our God <{2316} -theos -> into <1519 -eis -> lasciviousness <0766 -aselgeia -> , and denying <0720 -arneomai -> the only <3441 -monos -> Lord <2962 -kurios -> God <2316 - theos -> , and our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 JUDE 001 021 Keep <5083 -tereo -> yourselves <1438 - heautou -> in the love <0026 -agape -> of God <{2316} -theos -> ,

looking <4327 -prosdechomai -> for the mercy <1656 -eleos -> of our Lord <2962 -kurios -> Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> unto eternal <0166 -aionios -> life <2222 -zoe -> .

2316 JUDE 001 025 To the only <3441 -monos -> wise <4680 -sophos - -oneidismos -> God <{2316} -theos -> our Saviour <4990 -soter -> , [be] glory <1391 -doxa -> and majesty <3172 -megalosune -> , dominion <2904 -kratos -> and power <1849 -exousia -> , both <2532 -kai -> now <3568 -nun -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 REV 001 001 . The Revelation <0602 -apokalupsis -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , which <3739 -hos -> God <{2316} -theos -> gave <1325 -didomi -> unto him , to shew <1166 -deiknuo -> unto his servants <1401 -doulos -> things which <3739 -hos -> must <1163 -dei -> shortly <5034 -tachos -> come <1096 -ginomai -> to pass ; and he sent <0649 -apostello -> and signified <4591 -semaino -> [it] by his angel <0032 -aggelos -> unto his servant <1401 -doulos -> John <2491 -Ioannes -> :

2316 REV 001 002 Who <3739 -hos -> bare <3140 -martureo -> record <3140 -martureo -> of the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and of the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , and of all <3745 -hosos -> things that he saw <1492 -eido -> .

2316 REV 001 006 And hath made <4160 -poieo -> us kings <0935 -basileus -> and priests <2409 -hiereus -> unto God <{2316} -theos -> and his Father <3962 -pater -> ; to him [be] glory <1391 -doxa -> and dominion <2904 -kratos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen <0281 -amen -> .

2316 REV 001 009 . I John <2491 -Ioannes -> , who <3588 -ho -> also <2532 -kai -> am your <5216 -humon -> brother <0080 -adephos -> , and companion <4791 -sugkoinonos -> in tribulation <2347 -thlipsis -> , and in the kingdom <0932 -basileia -> and patience <5281 -hupomone -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> , was in the isle <3520 -nesos -> that is called <2564 -kaleo -> Patmos <3963 -Patmos -> , for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and for the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 REV 002 007 He that hath <2192 -echo -> an ear <3775 -ous -> , let him hear <0191 -akouo -> what <5101 -tis -> the Spirit <4151 -pneuma -> saith <3004 -lego -> unto the churches <1577 -ekklesia -> ; To him that overcometh <3528 -nikao -> will I give <1325 -didomi -> to eat <5315 -phago -> of the tree <3586 -xulon -> of life <2222 -zoe -> , which <3739 -hos -> is in the midst <3319 -mesos -> of the paradise <3857 -paradeisos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 002 018 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the church <1577 -ekklesia -> in Thyatira <2363 -Thuateira -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> the Son <5207 -huios -> of God <{2316} -theos -> , who <3588 -ho -> hath <2192 -echo -> his eyes <3788 -ophthalmos -> like <5613 -hos -> unto a flame <5395 -phlox -> of fire <4442 -pur -> , and his feet <4228 -pous -> [are] like <3664 -homoios -> fine brass <5474 -chalkolibanon -> ;

2316 REV 003 001 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the church <1577 -ekklesia -> in Sardis <4554 -Sardeis -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> he that hath <2192 -echo -> the seven <2033 -hepta ->

Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> , and the seven <2033 -hepta -> stars <0792 -aster -> ; I know <1492 -eido -> thy works <2041 -ergon -> , that thou hast <2192 -echo -> a name <3686 -onoma -> that thou livest <2198 -zao -> , and art <1488 -ei -> dead <3498 -nekros -> .

2316 REV 003 002 Be watchful <1127 -gregoreuo -> , and strengthen <4741 -sterizo -> the things which remain <3062 -loipoy -> , that are ready <3195 -mello -> to die <0599 -apothnesko -> : for I have not found <2147 -heurisko -> thy works <2041 -ergon -> perfect <4137 -pleroo -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple <3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go <1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out : and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> , [which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my God <{2316} -theos -> : and [I will write upon him] my new <2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple <3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go <1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out : and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -> of the city <4172 -polis -> of my God <{2316} -theos -> , [which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new <2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple <3485 -naos -> of my God <2316 -theos -> , and he shall go <1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out : and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -onoma -> of my God <{2316} -theos -> , and the name <3686 -onoma -> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> , [which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new <2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 012 Him that overcometh <3528 -nikao -> will I make <4160 -poieo -> a pillar <4769 -stulos -> in the temple <3485 -naos -> of my God <{2316} -theos -> , and he shall go <1831 -exerchomai -> no <3364 -ou me -> more <2089 -eti -> out : and I will write <1125 -grapho -> upon him the name <3686 -onoma -> of my God <2316 -theos -> , and the name <3686 -onoma -> of the city <4172 -polis -> of my God <2316 -theos -> , [which <3588 -ho -> is] new <2537 -kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , which <3588 -ho -> cometh <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> out of heaven <3772 -ouranos -> from my God <2316 -theos -> : and [I will write upon him] my new <2537 -kainos -> name <3686 -onoma -> .

2316 REV 003 014 . And unto the angel <0032 -aggelos -> of the

church <1577 -ekklesia -> of the Laodiceans <2994 -Laodikeus -> write <1125 -grapho -> ; These <3592 -hode -> things saith <3004 -lego -> the Amen <0281 -amen -> , the faithful <4103 -pistos -> and true <0228 -alethinos -> witness <3144 -martus -> , the beginning <0746 -arche -> of the creation <2937 -ktisis -> of God <{2316} -theos -> ;

2316 REV 004 005 And out of the throne <2362 -thronos -> proceeded <1607 -ekporeuomai -> lightnings <0796 -astrape -> and thunderings <1027 -bronte -> and voices <5456 -phone -> : and [there were] seven <2033 -hepta -> lamps <2985 -lampas -> of fire <4442 -pur -> burning <2545 -kaio -> before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> , which <3739 -hos -> are the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 004 008 . And the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> had <2192 -echo -> each <0303 -ana -> of them six <1803 -hex -> wings <4420 -pterux -> about <2943 -kuklothen -> [him] ; and [they were] full <1073 -gemo -> of eyes <3788 -ophthalmos -> within <2081 -esothen -> : and they rest <0372 -anapausis -> not day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> , saying <3004 -lego -> , Holy <0040 -hagios -> , holy <0040 -hagios -> , holy <0040 -hagios -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , which <3588 -ho -> was , and is , and is to come <2064 -erchomai -> .

2316 REV 005 006 . And I beheld <1492 -eido -> , and , lo <2400 -idou -> , in the midst <3319 -mesos -> of the throne <2362 -thronos -> and of the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> , and in the midst <3319 -mesos -> of the elders <4245 -presbuteros -> , stood <2476 -histemi -> a Lamb <0721 -arnion -> as it had been slain <4969 -sphazo -> , having <2192 -echo -> seven <2033 -hepta -> horns <2768 -keras -> and seven <2033 -hepta -> eyes <3788 -ophthalmos -> , which <3739 -hos -> are the seven <2033 -hepta -> Spirits <4151 -pneuma -> of God <{2316} -theos -> sent <0649 -apostello -> forth <0649 -apostello -> into <1519 -eis -> all <3956 -pas -> the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 005 009 And they sung <0103 -aido -> a new <2537 -kainos -> song <5603 -oide -> , saying <3004 -lego -> , Thou art <1488 -ei -> worthy <0514 -axios -> to take <2983 -lambano -> the book <0975 -biblion -> , and to open <0455 -anoigo -> the seals <4973 -sphragis -> thereof <0846 -autos -> : for thou wast slain <4969 -sphazo -> , and hast redeemed <0059 -agorazo -> us to God <{2316} -theos -> by thy blood <0129 -haima -> out of every <3956 -pas -> kindred <5443 -phule -> , and tongue <1100 -glossa -> , and people <2992 -laos -> , and nation <1484 -ethnos -> ;

2316 REV 005 010 And hast made <4160 -poieo -> us unto our God <{2316} -theos -> kings <0935 -basileus -> and priests <2409 -hiereus -> : and we shall reign <0936 -basileuo -> on <1909 -epi -> the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 006 009 . And when <3753 -hote -> he had opened <0455 -anoigo -> the fifth <3991 -pemptos -> seal <4973 -sphragis -> , I saw <1492 -eido -> under <5270 -hupokato -> the altar <2379 -thusiasterion -> the souls <5590 -psuche -> of them that were slain <4969 -sphazo -> for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and for the testimony <3141 -marturia -> which <3739 -hos -> they held <2192 -echo -> :

2316 REV 007 002 And I saw <1492 -eido -> another <0243 -allos -> angel <0032 -aggelos -> ascending <0305 -anabaino -> from the

east <0395 -anatole -> , having <2192 -echo -> the seal <4973 -
sphragis -> of the living <2198 -zao -> God <{2316} -theos -> :
and he cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice
<5456 -phone -> to the four <5064 -tessares -> angels <0032 -
aggelos -> , to whom <3739 -hos -> it was given <1325 -didomi -
> to hurt <0091 -adikeo -> the earth <1093 -ge -> and the sea
<2281 -thalassa -> ,

2316 REV 007 003 Saying <3004 -lego -> , Hurt <0091 -adikeo ->
not the earth <1093 -ge -> , neither <3383 -mete -> the sea
<2281 -thalassa -> , nor <3383 -mete -> the trees <1186 -
dendron -> , till <0891 -achri -> we have sealed <4972 -
sphragizo -> the servants <1401 -doulos -> of our God <{2316} -
theos -> in their foreheads <3359 -metopon -> .

2316 REV 007 010 And cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> ,
Salvation <4991 -soteria -> to our God <{2316} -theos -> which
<3588 -ho -> sitteth <2521 -kathemai -> upon the throne <2362 -
thronos -> , and unto the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 007 011 And all <3956 -pas -> the angels <0032 -
aggelos -> stood <2476 -histemi -> round <2943 -kuklothen ->
about <2943 -kuklothen -> the throne <2362 -thronos -> , and [
about] the elders <4245 -presbuteros -> and the four <5064 -
tessares -> beasts <2226 -zoon -> , and fell <4098 -pipto ->
before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> on <1909 -
epi -> their faces <4383 -prosopon -> , and worshipped <4352 -
proskuneo -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 007 012 Saying <3004 -lego -> , Amen <0281 -amen -> :
 Blessing <2129 -eulogia -> , and glory <1391 -doxa -> , and
wisdom <4678 -sophia -> , and thanksgiving <2169 -eucharistia -
> , and honour <5092 -time -> , and power <1411 -dunamis -> ,
and might <2479 -ischus -> ,   [be] unto our God <{2316} -
theos -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> . Amen
<0281 -amen -> .

2316 REV 007 015 Therefore <5124 -touto -> are they before
<1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -
theos -> , and serve <3000 -latreuo -> him day <2250 -hemera ->
and night <3571 -nux -> in his temple <3485 -naos -> : and he
that sitteth <2521 -kathemai -> on <1909 -epi -> the throne
<2362 -thronos -> shall dwell <4637 -skenoo -> among <1909 -epi -
> them .

2316 REV 007 017 For the Lamb <0721 -arnion -> which <3588 -ho -
> is in the midst <3319 -mesos -> of the throne <2362 -thronos -
> shall feed <4165 -poimaino -> them , and shall lead <3594 -
hodegeo -> them unto living <2198 -zao -> fountains <4077 -pege -
> of waters <5204 -hudor -> : and God <{2316} -theos -> shall
wipe <1813 -exaleipho -> away <1813 -exaleipho -> all <3956 -pas
-> tears <1144 -dakru -> from their eyes <3788 -ophthalmos -> .

2316 REV 008 002 And I saw <1492 -eido -> the seven <2033 -
hepta -> angels <0032 -aggelos -> which <3739 -hos -> stood
<2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos ->
; and to them were given <1325 -didomi -> seven <2033 -hepta ->
trumpets <4536 -salpigx -> .

2316 REV 008 004 And the smoke <2586 -kapnos -> of the incense
<2368 -thumiama -> ,   [which came] with the prayers <4335 -
proseuche -> of the saints <0040 -hagios -> , ascended <0305 -
anabaino -> up before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos ->
out of the angel s <0032 -aggelos -> hand <5495 -cheir -> .

2316 REV 009 004 And it was commanded <4483 -rheo -> them that they should not hurt <0091 -adikeo -> the grass <5528 -chortos -> of the earth <1093 -ge -> , neither any <3956 -pas -> green <5515 -chloros -> thing , neither any <3956 -pas -> tree <1186 -dendron -> ; but only <3441 -monos -> those <3588 -ho -> men <0444 -anthropos -> which <3748 -hostis -> have <2192 -echo -> not the seal <4973 -sphragis -> of God <{2316} -theos -> in their foreheads <3359 -metopon -> .

2316 REV 009 013 . And the sixth <1623 -hektos -> angel <0032 -aggelos -> sounded <4537 -salpizo -> , and I heard <0191 -akouo -> a voice <5456 -phone -> from the four <5064 -tessares -> horns <2768 -keras -> of the golden <5552 -chruseos -> altar <2379 -thusiasterion -> which <3588 -ho -> is before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 010 007 But in the days <2250 -hemera -> of the voice <5456 -phone -> of the seventh <1442 -hebdomos -> angel <0032 -aggelos -> , when <3752 -hotan -> he shall begin <3195 -mello -> to sound <4537 -salpizo -> , the mystery <3466 -musterion -> of God <{2316} -theos -> should be finished <5055 -teleo -> , as he hath declared <2097 -euaggelizo -> to his servants <1401 -doulos -> the prophets <4396 -prophetes -> .

2316 REV 011 001 . And there was given <1325 -didomi -> me a reed <2563 -kalamos -> like <3664 -homoios -> unto a rod <4464 -rhabdos -> : and the angel <0032 -aggelos -> stood <2476 -histemi -> , saying <3004 -lego -> , Rise <1453 -egeiro -> , and measure <3354 -metreo -> the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -theos -> , and the altar <2379 -thusiasterion -> , and them that worship <4352 -proskuneo -> therein <0846 -autos -> .

2316 REV 011 004 These <3778 -houtos -> are the two <1417 -duo -> olive <1636 -elaia -> trees , and the two <1417 -duo -> candlesticks <3087 -luchnia -> standing <2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> the God <{2316} -theos -> of the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 011 011 And after <3326 -meta -> three <5140 -treis -> days <2250 -hemera -> and an half <2255 -hemisu -> the Spirit <4151 -pneuma -> of life <2222 -zoe -> from God <{2316} -theos -> entered <1525 -eiserchomai -> into <1909 -epi -> them , and they stood <2476 -histemi -> upon their feet <4228 -pous -> ; and great <3173 -megas -> fear <5401 -phobos -> fell <4098 -pipto -> upon them which saw <2334 -theoreo -> them .

2316 REV 011 013 And the same <1565 -ekeinos -> hour <5610 -hora -> was there a great <3173 -megas -> earthquake <4578 -seismos -> , and the tenth <1182 -dekatos -> part of the city <4172 -polis -> fell <4098 -pipto -> , and in the earthquake <4578 -seismos -> were slain <0615 -apokteino -> of men <0444 -anthropos -> seven <2033 -hepta -> thousand <5505 -chilias -> : and the remnant <3062 -loipoy -> were affrighted <1719 -emphobos -> , and gave <1325 -didomi -> glory <1391 -doxa -> to the God <{2316} -theos -> of heaven <3772 -ouranos -> .

2316 REV 011 016 And the four <5064 -tessares -> and twenty <1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> , which <3588 -ho -> sat <2521 -kathemai -> before <1799 -enopion -> God <2316 -theos -> on <1909 -epi -> their seats <2362 -thronos -> , fell <4098 -pipto -> upon their faces <4383 -prosopon -> , and worshipped <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 011 016 And the four <5064 -tessares -> and twenty <1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> , which <3588 -ho

-> sat <2521 -kathemai -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -
theos -> on <1909 -epi -> their seats <2362 -thronos -> , fell
<4098 -pipto -> upon their faces <4383 -prosopon -> , and
worshipped <4352 -proskuneo -> God <2316 -theos -> ,

2316 REV 011 017 Saying <3004 -lego -> , We give thee thanks
<2168 -eucharisteo -> , O Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -
theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> , which <3588 -ho ->
art <5607 -on -> , and wast <2258 -en -> , and art to come
<2064 -erchomai -> ; because <3754 -hoti -> thou hast taken
<2983 -lambano -> to thee thy great <3173 -megas -> power <1411 -
dunamis -> , and hast reigned <0936 -basileuo -> .

2316 REV 011 019 And the temple <3485 -naos -> of God <{2316} -
theos -> was opened <0455 -anoigo -> in heaven <3772 -ouranos ->
, and there was seen <3700 -optanomai -> in his temple <3485 -
naos -> the ark <2787 -kibotos -> of his testament <1242 -
diatheke -> : and there were lightnings <0796 -astrape -> ,
and voices <5456 -phone -> , and thunderings <1027 -bronte -> ,
 and an earthquake <4578 -seismos -> , and great <3173 -megas -
> hail <5464 -chalaza -> .

2316 REV 012 005 And she brought <5088 -tikto -> forth <5088 -
tikto -> a man <0730 -arrhen -> child <5207 -huios -> , who
<3739 -hos -> was to rule <4165 -poimaino -> all <3956 -pas ->
nations <1484 -ethnos -> with a rod <4464 -rhabdos -> of iron
<4603 -sidereos -> : and her child <5043 -teknon -> was caught
<0726 -harpazo -> up unto God <{2316} -theos -> , and [to]
his throne <2362 -thronos -> .

2316 REV 012 006 And the woman <1135 -gune -> fled <5343 -
pheugo -> into <1519 -eis -> the wilderness <2048 -eremos -> ,
where <3699 -hopou -> she hath <2192 -echo -> a place <5117 -
topos -> prepared <2090 -hetoimazo -> of God <{2316} -theos -> ,
 that they should feed <5142 -trepho -> her there <1563 -ekei ->
a thousand <5507 -chilioi -> two <1417 -duo -> hundred <1250 -
diakosioi -> [and] threescore <1835 -hexekonta -> days <2250
-hemera -> .

2316 REV 012 010 And I heard <0191 -akouo -> a loud <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> saying <3004 -lego -> in heaven
<3772 -ouranos -> , Now <0737 -arti -> is come <1096 -ginomai -
> salvation <4991 -soteria -> , and strength <1411 -dunamis -> ,
  and the kingdom <0932 -basileia -> of our God <2316 -theos -> ,
  and the power <1849 -exousia -> of his Christ <5547 -Christos -
> : for the accuser <2723 -kategoreo -> of our brethren <0080 -
adephos -> is cast <2598 -kataballo -> down <2598 -kataballo -> ,
  which <3588 -ho -> accused <2725 -kategoros -> them before
<1799 -enopion -> our God <{2316} -theos -> day <2250 -hemera ->
and night <3571 -nux -> .

2316 REV 012 010 And I heard <0191 -akouo -> a loud <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> saying <3004 -lego -> in heaven
<3772 -ouranos -> , Now <0737 -arti -> is come <1096 -ginomai -
> salvation <4991 -soteria -> , and strength <1411 -dunamis -> ,
  and the kingdom <0932 -basileia -> of our God <{2316} -theos -
> , and the power <1849 -exousia -> of his Christ <5547 -
Christos -> : for the accuser <2723 -kategoreo -> of our
brethren <0080 -adephos -> is cast <2598 -kataballo -> down
<2598 -kataballo -> , which <3588 -ho -> accused <2725 -
kategoros -> them before <1799 -enopion -> our God <2316 -theos -
> day <2250 -hemera -> and night <3571 -nux -> .

2316 REV 012 017 And the dragon <1404 -drakon -> was wroth
<3710 -orgizo -> with the woman <1135 -gune -> , and went <0565
-aperchomai -> to make <4160 -poieo -> war <4171 -polemos ->

with the remnant <3062 -loipoy -> of her seed <4690 -sperma -> , which <3588 -ho -> keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , and have <2192 -echo -> the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> Christ <5547 -Christos -> .

2316 REV 013 006 And he opened <0455 -anoigo -> his mouth <4750 -stoma -> in blasphemy <0988 -blasphemia -> against <4314 -pros -> God <{2316} -theos -> , to blaspheme <0987 -blasphemeo -> his name <3686 -onoma -> , and his tabernacle <4633 -skene -> , and them that dwell <4637 -skenoo -> in heaven <3772 -ouranos -> .

2316 REV 014 004 These <3778 -houtos -> are they which <3739 -hos -> were not defiled <3435 -moluno -> with women <1135 -gune -> ; for they are virgins <3933 -parthenos -> . These <3778 -houtos -> are they which <3588 -ho -> follow <0190 -akoloutheo -> the Lamb <0721 -arnion -> whithersoever <0302 -an -> he goeth <5217 -hupago -> . These <3778 -houtos -> were redeemed <0059 -agorazo -> from among men <0444 -anthropos -> , [being] the firstfruits <0536 -aparche -> unto God <{2316} -theos -> and to the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 014 005 And in their mouth <4750 -stoma -> was found <2147 -heurisko -> no <3756 -ou -> guile <1388 -dolos -> : for they are without <0299 -amomos -> fault <0299 -amomos -> before <1799 -enopion -> the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 014 007 Saying <3004 -lego -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , Fear <5399 -phobeo -> God <{2316} -theos -> , and give <1325 -didomi -> glory <1391 -doxa -> to him ; for the hour <5610 -hora -> of his judgment <2920 -krisis -> is come <2064 -erchomai -> : and worship <4352 -proskuneo -> him that made <4160 -poieo -> heaven <3772 -ouranos -> , and earth <1093 -ge -> , and the sea <2281 -thalassa -> , and the fountains <4077 -pege -> of waters <5204 -hudor -> .

2316 REV 014 010 The same <0846 -autos -> shall drink <4095 -pino -> of the wine <3631 -oinos -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> is poured <2767 -kerannumi -> out without <0194 -akratos -> mixture <0194 -akratos -> into <1722 -en -> the cup <4221 -poterion -> of his indignation <3709 -orge -> ; and he shall be tormented <0928 -basanizo -> with fire <4442 -pur -> and brimstone <2303 -theion -> in the presence <1799 -enopion -> of the holy <0040 -hagios -> angels <0032 -aggelos -> , and in the presence <1799 -enopion -> of the Lamb <0721 -arnion -> :

2316 REV 014 012 Here <5602 -hode -> is the patience <5281 -hupomone -> of the saints <0040 -hagios -> : here <5602 -hode -> [are] they that keep <5083 -tereo -> the commandments <1785 -entole -> of God <{2316} -theos -> , and the faith <4102 -pistis -> of Jesus <2424 -Iesous -> .

2316 REV 014 019 And the angel <0032 -aggelos -> thrust <0906 -ballo -> in his sickle <1407 -drepanon -> into <1519 -eis -> the earth <1093 -ge -> , and gathered <5166 -trugao -> the vine <0288 -ampelos -> of the earth <1093 -ge -> , and cast <0906 -ballo -> [it] into <1519 -eis -> the great <3173 -megas -> winepress <3025 -lenos -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 001 . And I saw <1492 -eido -> another <0243 -allos -> sign <4592 -semeion -> in heaven <3772 -ouranos -> , great <3173 -megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> ,

seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> having <2192 -
echo -> the seven <2033 -hepta -> last <2078 -eschatos ->
plagues <4127 -plege -> ; for in them is filled <5055 -teleo ->
up the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 015 002 And I saw <1492 -eido -> as it were a sea
<2281 -thalassa -> of glass <5193 -hualinos -> mingled <3396 -
mignumi -> with fire <4442 -pur -> : and them that had gotten
the victory <3528 -nikao -> over <1537 -ek -> the beast <2342 -
therion -> , and over <1537 -ek -> his image <1504 -eikon -> ,
and over <1537 -ek -> his mark <5480 -charagma -> ,   [and]
over <1537 -ek -> the number <0706 -arithmos -> of his name
<3686 -onoma -> , stand <2476 -histemi -> on <1909 -epi -> the
sea <2281 -thalassa -> of glass <5193 -hualinos -> , having
<2192 -echo -> the harps <2788 -kithara -> of God <{2316} -theos
-> .

2316 REV 015 003 And they sing <0103 -aido -> the song <5603 -
oide -> of Moses <3475 -Moseus -> the servant <1401 -doulos ->
of God <2316 -theos -> , and the song <5603 -oide -> of the
Lamb <0721 -arnion -> , saying <3004 -lego -> , Great <3173 -
megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> [are] thy works
<2041 -ergon -> , Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos ->
Almighty <3841 -pantokrator -> ; just <1342 -dikaios -> and
true <0228 -alethinos -> [are] thy ways <3598 -hodos -> ,
thou King <0935 -basileus -> of saints <0040 -hagios -> .

2316 REV 015 003 And they sing <0103 -aido -> the song <5603 -
oide -> of Moses <3475 -Moseus -> the servant <1401 -doulos ->
of God <{2316} -theos -> , and the song <5603 -oide -> of the
Lamb <0721 -arnion -> , saying <3004 -lego -> , Great <3173 -
megas -> and marvellous <2298 -thaumastos -> [are] thy works
<2041 -ergon -> , Lord <2962 -kurios -> God <2316 -theos ->
Almighty <3841 -pantokrator -> ; just <1342 -dikaios -> and
true <0228 -alethinos -> [are] thy ways <3598 -hodos -> ,
thou King <0935 -basileus -> of saints <0040 -hagios -> .

2316 REV 015 007 And one <1520 -heis -> of the four <5064 -
tessares -> beasts <2226 -zoon -> gave <1325 -didomi -> unto the
seven <2033 -hepta -> angels <0032 -aggelos -> seven <2033 -
hepta -> golden <5552 -chruseos -> vials <5357 -phiale -> full
<1073 -gemo -> of the wrath <2372 -thumos -> of God <{2316} -
theos -> , who <3588 -ho -> liveth <2198 -zao -> for ever <0165
-aion -> and ever <0165 -aion -> .

2316 REV 015 008 And the temple <3485 -naos -> was filled <1072
-gemizo -> with smoke <2586 -kapnos -> from the glory <1391 -
doxa -> of God <{2316} -theos -> , and from his power <1411 -
dunamis -> ; and no <3762 -oudeis -> man <3762 -oudeis -> was
able <1410 -dunamai -> to enter <1525 -eiserchomai -> into <1519
-eis -> the temple <3485 -naos -> , till <0891 -achri -> the
seven <2033 -hepta -> plagues <4127 -plege -> of the seven <2033
-hepta -> angels <0032 -aggelos -> were fulfilled <5055 -teleo -
> .

2316 REV 016 001 . And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> out of the temple <3485 -naos ->
saying <3004 -lego -> to the seven <2033 -hepta -> angels <0032 -
aggelos -> , Go <5217 -hupago -> your ways , and pour <1632 -
ekcheo -> out the vials <5357 -phiale -> of the wrath <2372 -
thumos -> of God <{2316} -theos -> upon the earth <1093 -ge -> .

2316 REV 016 007 And I heard <0191 -akouo -> another <0243 -
allos -> out of the altar <2379 -thusiasterion -> say <3004 -
lego -> , Even <3483 -nai -> so <3483 -nai -> , Lord <2962 -
kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> ,

true <0228 -alethinos -> and righteous <1342 -dikaios -> [are] thy judgments <2920 -krisis -> .

2316 REV 016 009 And men <0444 -anthropos -> were scorched <2739 -kaumatizo -> with great <3173 -megas -> heat <2738 -kauma -> , and blasphemed <0987 -blasphemeo -> the name <3686 -onoma -> of God <{2316} -theos -> , which <3588 -ho -> hath <2192 -echo -> power <1849 -exousia -> over <1909 -epi -> these <5025 -tautais -> plagues <4127 -plege -> : and they repented <3340 -metanoeo -> not to give <1325 -didomi -> him glory <1391 -doxa -> .

2316 REV 016 011 And blasphemed <0987 -blasphemeo -> the God <{2316} -theos -> of heaven <3772 -ouranos -> because <1537 -ek -> of their pains <4192 -ponos -> and their sores <1668 -helkos -> , and repented <3340 -metanoeo -> not of their deeds <2041 -ergon -> .

2316 REV 016 014 For they are the spirits <4151 -pneuma -> of devils <1142 -daimon -> , working <4160 -poieo -> miracles <4592 -semeion -> , [which] go <1607 -ekporeuomai -> forth <1607 -ekporeuomai -> unto the kings <0935 -basileus -> of the earth <1093 -ge -> and of the whole <3650 -holos -> world <3629 -oiktirmon -> , to gather <4863 -sunago -> them to the battle <4171 -polemos -> of that great <3173 -megas -> day <2250 -hemera -> of God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> .

2316 REV 016 019 And the great <3173 -megas -> city <4172 -polis -> was divided <1096 -ginomai -> into <1519 -eis -> three <5140 -treis -> parts <3313 -meros -> , and the cities <4172 -polis -> of the nations <1484 -ethnos -> fell <4098 -pipto -> : and great <3173 -megas -> Babylon <0897 -Babulon -> came <3415 -mnaomai -> in remembrance <3415 -mnaomai -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -theos -> , to give <1325 -didomi -> unto her the cup <4221 -poterion -> of the wine <3631 -oinos -> of the fierceness <2372 -thumos -> of his wrath <3709 -orge -> .

2316 REV 016 021 And there fell <2597 -katabaino -> upon men <0444 -anthropos -> a great <3173 -megas -> hail <5464 -chalaza -> out of heaven <3772 -ouranos -> , [every stone] about <5613 -hos -> the weight <5006 -talantiaios -> of a talent <5006 -talantiaios -> : and men <0444 -anthropos -> blasphemed <0987 -blasphemeo -> God <{2316} -theos -> because <1537 -ek -> of the plague <4127 -plege -> of the hail <5464 -chalaza -> ; for the plague <4127 -plege -> thereof <0846 -autos -> was exceeding <4970 -sphodra -> great <3173 -megas -> .

2316 REV 017 017 For God <2316 -theos -> hath put <1325 -didomi -> in their hearts <2588 -kardia -> to fulfil <4160 -poieo -> his will <1106 -gnome -> , and to agree <4160 -poieo -> , and give <1325 -didomi -> their kingdom <0932 -basileia -> unto the beast <2342 -therion -> , until <0891 -achri -> the words <4487 -rhema -> of God <{2316} -theos -> shall be fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 017 017 For God <{2316} -theos -> hath put <1325 -didomi -> in their hearts <2588 -kardia -> to fulfil <4160 -poieo -> his will <1106 -gnome -> , and to agree <4160 -poieo -> , and give <1325 -didomi -> their kingdom <0932 -basileia -> unto the beast <2342 -therion -> , until <0891 -achri -> the words <4487 -rhema -> of God <2316 -theos -> shall be fulfilled <5055 -teleo -> .

2316 REV 018 005 For her sins <0266 -hamartia -> have reached <0190 -akoloutheo -> unto heaven <3772 -ouranos -> , and God

<{2316} -theos -> hath remembered <3421 -mnemoneuo -> her iniquities <0092 -adikema -> .

2316 REV 018 008 Therefore <5124 -touto -> shall her plagues <4127 -plege -> come <2240 -heko -> in one <3391 -mia -> day <2250 -hemera -> , death <2288 -thanatos -> , and mourning <3997 -penthos -> , and famine <3042 -limos -> ; and she shall be utterly <2618 -katakaio -> burned <2618 -katakaio -> with fire <4442 -pur -> : for strong <2478 -ischuros -> [is] the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> who <3588 -ho -> judgeth <2919 -krino -> her .

2316 REV 018 020 Rejoice <2165 -euphraino -> over <1909 -epi -> her , [thou] heaven <3772 -ouranos -> , and [ye] holy <0040 -hagios -> apostles and prophets <4396 -prophetes -> ; for God <{2316} -theos -> hath avenged <2917 -krima -> you on <1537 -ek -> her .

2316 REV 019 001 . And after <3326 -meta -> these <5023 -tauta -> things I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> of much <4183 -polus -> people <3793 -ochlos -> in heaven <3772 -ouranos -> , saying <3004 -lego -> , Alleluia <0239 -allelouia -> ; Salvation <4991 -soteria -> , and glory <1391 -doxa -> , and honour <5092 -time -> , and power <1411 -dunamis -> , unto the Lord <2962 -kurios -> our God <{2316} -theos -> :

2316 REV 019 004 And the four <5064 -tessares -> and twenty <1501 -eikosi -> elders <4245 -presbuteros -> and the four <5064 -tessares -> beasts <2226 -zoon -> fell <4098 -pipto -> down and worshipped <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> that sat <2521 -kathemai -> on <1909 -epi -> the throne <2362 -thronos -> , saying <3004 -lego -> , Amen <0281 -amen -> ; Alleluia <0239 -allelouia -> .

2316 REV 019 005 . And a voice <5456 -phone -> came <1831 -exerchomai -> out of the throne <2362 -thronos -> , saying <3004 -lego -> , Praise <0134 -aineo -> our God <{2316} -theos -> , all <3956 -pas -> ye his servants <1401 -doulos -> , and ye that fear <5399 -phobeo -> him , both small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> .

2316 REV 019 006 And I heard <0191 -akouo -> as it were the voice <5456 -phone -> of a great <4183 -polus -> multitude <3793 -ochlos -> , and as the voice <5456 -phone -> of many <4183 -polus -> waters <5204 -hudor -> , and as the voice <5456 -phone -> of mighty <2478 -ischuros -> thunderings <1027 -bronte -> , saying <3004 -lego -> , Alleluia <0239 -allelouia -> : for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> omnipotent <3841 -pantokrator -> reigneth <0936 -basileuo -> .

2316 REV 019 009 And he saith <3004 -lego -> unto me , Write <1125 -grapho -> , Blessed <3107 -makarios -> [are] they which are called <2564 -kaleo -> unto the marriage <1062 -gamos -> supper <1173 -deipnon -> of the Lamb <0721 -arnion -> . And he saith <3004 -lego -> unto me , These <3778 -houtos -> are the true <0228 -alethinos -> sayings <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 019 010 And I fell <4098 -pipto -> at <1715 -emprosthen -> his feet <4228 -pous -> to worship <4352 -proskuneo -> him . And he said <3004 -lego -> unto me , See <3700 -optanomai -> [thou do it] not : I am <1510 -eimi -> thy fellowservant <4889 -sundoulos -> , and of thy brethren <0080 -adephos -> that have <2192 -echo -> the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> : worship <4352 -

proskuneo -> God <{2316} -theos -> : for the testimony <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> is the spirit <4151 -pneuma -> of prophecy <4394 -propheteia -> .

2316 REV 019 013 And he [was] clothed <4016 -periballo -> with a vesture <2440 -himation -> dipped <0911 -bapto -> in blood <0129 -haima -> : and his name <3686 -onoma -> is called <2564 -kaleo -> The Word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> .

2316 REV 019 015 And out of his mouth <4750 -stoma -> goeth <1607 -ekporeuomai -> a sharp <3691 -oxus -> sword <4501 -rhomphaia -> , that with it he should smite <3960 -patasso -> the nations <1484 -ethnos -> : and he shall rule <4165 -poimaino -> them with a rod <4464 -rhabdos -> of iron <4603 -sidereos -> : and he treadeth <3961 -pateo -> the winepress <3631 -oinos -> of the fierceness <2372 -thumos -> and wrath <3709 -orge -> of Almighty <3841 -pantokrator -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 019 017 And I saw <1492 -eido -> an angel <0032 -aggelos -> standing <2476 -histemi -> in the sun <2246 -helios -> ; and he cried <2896 -krazo -> with a loud <3173 -megas -> voice <5456 -phone -> , saying <3004 -lego -> to all <3956 -pas -> the fowls <3732 -orneon -> that fly <4072 -petomai -> in the midst <3321 -mesouranema -> of heaven <3321 -mesouranema -> , Come <1205 -deute -> and gather <4863 -sunago -> yourselves together <4863 -sunago -> unto the supper <1173 -deipnon -> of the great <3173 -megas -> God <{2316} -theos -> ;

2316 REV 020 004 And I saw <1492 -eido -> thrones <2362 -thronos -> , and they sat <2523 -kathizo -> upon them , and judgment <2917 -krima -> was given <1325 -didomi -> unto them : and [I saw] the souls <5590 -psuche -> of them that were beheaded <3990 -pelekizo -> for the witness <3141 -marturia -> of Jesus <2424 -Iesous -> , and for the word <3056 -logos -> of God <{2316} -theos -> , and which <3748 -hostis -> had not worshipped <4352 -proskuneo -> the beast <2342 -therion -> , neither <3777 -oute -> his image <1504 -eikon -> , neither <3756 -ou -> had received <2983 -lambano -> [his] mark <5480 -charagma -> upon their foreheads <3359 -metopon -> , or <2532 -kai -> in their hands <5495 -cheir -> ; and they lived <2198 -zao -> and reigned <0936 -basileuo -> with Christ <5547 -Christos -> a thousand <5507 -chilioi -> years <2094 -etos -> .

2316 REV 020 006 Blessed <3107 -makarios -> and holy <0040 -hagios -> [is] he that hath <2192 -echo -> part <3313 -meros -> in the first <4413 -protos -> resurrection <0386 -anastasis -> : on <1909 -epi -> such <5130 -touton -> the second <1208 -deuteros -> death <2288 -thanatos -> hath <2192 -echo -> no <3756 -ou -> power <1849 -exousia -> , but they shall be priests <2409 -hiereus -> of God <{2316} -theos -> and of Christ <5547 -Christos -> , and shall reign <0936 -basileuo -> with him a thousand <5507 -chilioi -> years <2094 -etos -> .

2316 REV 020 009 And they went <0305 -anabaino -> up on <1909 -epi -> the breadth <4114 -platos -> of the earth <1093 -ge -> , and compassed <2944 -kukloo -> the camp <3925 -parembole -> of the saints <0040 -hagios -> about <2944 -kukloo -> , and the beloved <0025 -agapao -> city <4172 -polis -> : and fire <4442 -pur -> came <2597 -katabaino -> down <2597 -katabaino -> from God <{2316} -theos -> out of heaven <3772 -ouranos -> , and devoured <2719 -katesthio -> them .

2316 REV 020 012 And I saw <1492 -eido -> the dead <3498 -nekros -> , small <3398 -mikros -> and great <3173 -megas -> ,

stand <2476 -histemi -> before <1799 -enopion -> God <{2316} -
theos -> ; and the books <0975 -biblion -> were opened <0455 -
anoigo -> : and another <0243 -allos -> book <0976 -biblos ->
was opened <0455 -anoigo -> , which <3739 -hos -> is [the
book <0976 -biblos ->] of life <2222 -zoe -> : and the dead
<3498 -nekros -> were judged <2919 -krino -> out of those <3588 -
ho -> things which were written <1125 -grapho -> in the books
<0975 -biblion -> , according <2596 -kata -> to their works
<2041 -ergon -> .

2316 REV 021 002 And I John <2491 -Ioannes -> saw <1492 -eido -
> the holy <0040 -hagios -> city <4172 -polis -> , new <2537 -
kainos -> Jerusalem <2419 -Hierousalem -> , coming <2597 -
katabaino -> down <2597 -katabaino -> from God <{2316} -theos ->
out of heaven <3772 -ouranos -> , prepared <2090 -hetoimazo ->
as a bride <3565 -numphe -> adorned <2885 -kosmeo -> for her
husband <0435 -aner -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos ->
saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle
<4633 -skene -> of God <2316 -theos -> [is] with men <0444 -
anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them ,
and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <2316 -
theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be
] their God <{2316} -theos -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos ->
saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle
<4633 -skene -> of God <2316 -theos -> [is] with men <0444 -
anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them ,
and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <{2316} -
theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be
] their God <2316 -theos -> .

2316 REV 021 003 And I heard <0191 -akouo -> a great <3173 -
megas -> voice <5456 -phone -> out of heaven <3772 -ouranos ->
saying <3004 -lego -> , Behold <2400 -idou -> , the tabernacle
<4633 -skene -> of God <{2316} -theos -> [is] with men <0444
-anthropos -> , and he will dwell <4637 -skenoo -> with them ,
and they shall be his people <2992 -laos -> , and God <2316 -
theos -> himself <0846 -autos -> shall be with them ,   [and be
] their God <2316 -theos -> .

2316 REV 021 004 And God <{2316} -theos -> shall wipe <1813 -
exaleipho -> away <1813 -exaleipho -> all <3956 -pas -> tears
<1144 -dakru -> from their eyes <3788 -ophthalmos -> ; and
there shall be no <3756 -ou -> more <2089 -eti -> death <2288 -
thanatos -> , neither <3777 -oute -> sorrow <3997 -penthos -> ,
 nor <3777 -oute -> crying <2906 -krauge -> , neither shall
there be any <2089 -eti -> more <2089 -eti -> pain <4192 -ponos -
> : for the former <4413 -protos -> things are passed <0565 -
aperchomai -> away <0565 -aperchomai -> .

2316 REV 021 007 He that overcometh <3528 -nikao -> shall
inherit <2816 -kleronomeo -> all <3956 -pas -> things ; and I
will be his God <{2316} -theos -> , and he shall be my son
<5207 -huios -> .

2316 REV 021 010 And he carried <0667 -appohero -> me away
<0667 -appohero -> in the spirit <4151 -pneuma -> to a great
<3173 -megas -> and high <5308 -hupselos -> mountain <3735 -oros
-> , and shewed <1166 -deiknuo -> me that great <3173 -megas ->
city <4172 -polis -> , the holy <0040 -hagios -> Jerusalem
<2419 -Hierousalem -> , descending <2597 -katabaino -> out of

heaven <3772 -ouranos -> from God <{2316} -theos -> ,

2316 REV 021 011 Having <2192 -echo -> the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> : and her light <5458 -phoster -> [was] like <3664 -homoios -> unto a stone <3037 -lithos -> most precious <5093 -timios -> , even <5613 -hos -> like <5613 -hos -> a jasper <2393 -iaspis -> stone <3037 -lithos -> , clear <2929 -krustallizo -> as crystal <2929 -krustallizo -> ;

2316 REV 021 022 And I saw <1492 -eido -> no <3756 -ou -> temple <3485 -naos -> therein <0846 -autos -> : for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> Almighty <3841 -pantokrator -> and the Lamb <0721 -arnion -> are the temple <3485 -naos -> of it .

2316 REV 021 023 And the city <4172 -polis -> had <2192 -echo -> no <3756 -ou -> need <5532 -chreia -> of the sun <2246 -helios -> , neither <3761 -oude -> of the moon <4582 -selene -> , to shine <5316 -phaino -> in it : for the glory <1391 -doxa -> of God <{2316} -theos -> did lighten <5461 -photizo -> it , and the Lamb <0721 -arnion -> [is] the light <3088 -luchnos -> thereof <0846 -autos -> .

2316 REV 022 001 . And he shewed <1166 -deiknuo -> me a pure <2513 -katharos -> river <4215 -potamos -> of water <5204 -hudor -> of life <2222 -zoe -> , clear <2986 -lampros -> as crystal <2930 -krustallos -> , proceeding <1607 -ekporeuomai -> out of the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lamb <0721 -arnion -> .

2316 REV 022 003 And there shall be no <3756 -ou -> more <2089 -eti -> curse <2652 -katanathema -> : but the throne <2362 -thronos -> of God <{2316} -theos -> and of the Lamb <0721 -arnion -> shall be in it ; and his servants <1401 -doulos -> shall serve <3000 -latreuo -> him :

2316 REV 022 005 And there shall be no <3756 -ou -> night <3571 -nux -> there <1563 -ekei -> ; and they need <5532 -chreia -> no <3756 -ou -> candle <3088 -luchnos -> , neither light <5457 -phos -> of the sun <2246 -helios -> ; for the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> giveth them light <5461 -photizo -> : and they shall reign <0936 -basileuo -> for ever <0165 -aion -> and ever <0165 -aion -> .

2316 REV 022 006 . And he said <2036 -epo -> unto me , These <3778 -houtos -> sayings <3056 -logos -> [are] faithful <4103 -pistos -> and true <0228 -alethinos -> : and the Lord <2962 -kurios -> God <{2316} -theos -> of the holy <0040 -hagios -> prophets <4396 -prophetes -> sent <0649 -apostello -> his angel <0032 -aggelos -> to shew <1166 -deiknuo -> unto his servants <1401 -doulos -> the things which <3739 -hos -> must <1163 -dei -> shortly <5034 -tachos -> be done <1096 -ginomai -> .

2316 REV 022 009 Then <2532 -kai -> saith <3004 -lego -> he unto me , See <3708 -horao -> [thou do it] not : for I am <1510 -eimi -> thy fellowservant <4889 -sundoulos -> , and of thy brethren <0080 -adephos -> the prophets <4396 -prophetes -> , and of them which keep <5083 -tereo -> the sayings <3056 -logos -> of this <5127 -toutou -> book <0975 -biblion -> : worship <4352 -proskuneo -> God <{2316} -theos -> .

2316 REV 022 018 For I testify <4828 -summartureo -> unto every <3956 -pas -> man <3956 -pas -> that heareth <0191 -akouo -> the words <3056 -logos -> of the prophecy <4394 -propheteia -> of this <5127 -toutou -> book <0975 -biblion -> , If <1437 -ean ->

any <5100 -tis -> man shall add <2007 -epitithemi -> unto these <5023 -tauta -> things , God <{2316} -theos -> shall add <2007 -epitithemi -> unto him the plagues <4127 -plege -> that are written <1125 -grapho -> in this <5129 -toutoi -> book <0975 -biblion -> :

2316 REV 022 019 And if <1437 -ean -> any <5100 -tis -> man shall take <0851 -aphaireo -> away <0851 -aphaireo -> from the words <3056 -logos -> of the book <0976 -biblos -> of this <5129 -toutoi -> prophecy <4394 -propheteia -> , God <{2316} -theos -> shall take <0851 -aphaireo -> away <0851 -aphaireo -> his part <3313 -meros -> out of the book <0976 -biblos -> of life <2222 -zoe -> , and out of the holy <0040 -hagios -> city <4172 -polis -> , and [from] the things which are written <1125 -grapho -> in this <5026 -taute -> book <0975 -biblion -> .

~~~~~~
~~~~~~

theos 2316 -- X exceeding, God, god[-ly, -ward].

~~~~~~
~~~~~~

* exceeding , 2316 , 3029 , 4036 , 4970 , 5228 , 5235 , 5236 , 5248 , 5250 ,

* god , 0112 , 1096 , 2312 , 2313 , 2314 , 2315 , 2316 , 2318 , 2319 , 2962 , 5377 , 5537 ,

* godly , 2123 , 2152 , 2153 , 2316 ,

* gods , 1140 , 2316 ,

~~~~~~
~~~~~~

against 2314 # Expanded Dictionary Study

against 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to fight {against} God.[ql

by 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given {by} inspiration of God.[ql

divine 2304 # theios {thi'-os}; from 2316; godlike (neuter as noun, divinity): -- {divine}, godhead.[ql

exceeding 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X {exceeding}, God, god[-ly, -ward].[ql

fight 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to {fight} against God.[ql

given 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- {given} by inspiration of God.[ql

God 0112 # atheos {ath'-eh-os}; from 1 (as a negative particle) and 2316; godless: -- without {God}.[ql

God 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- taught of {God}.[ql

God 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- to fight against {God}.[ql

God 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by inspiration of {God}.[ql

god 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X exceeding, God, {god}[-ly, -ward].[ql

God 2316 # theos {theh'-os}; of uncertain affinity; a deity, especially (with 3588) the supreme Divinity; figuratively, a magistrate; by Hebraism, very: -- X exceeding, {God}, god[-ly, -ward].[ql

God 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- worshipper of {God}.[ql

God 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- hater of {God}.[ql

God 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- lover of {God}.[ql

goddess 2299 # thea {theh-ah'}; feminine of 2316; a female deity: -- {goddess}.[ql

godhead 2304 # theios {thi'-os}; from 2316; godlike (neuter as noun, divinity): -- divine, {godhead}.[ql

godhead 2320 # theotes {theh-ot'-ace}; from 2316; divinity (abstractly): -- {godhead}.[ql

hater 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- {hater} of God.[ql

inspiration 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by {inspiration} of God.[ql

lover 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- {lover} of God.[ql

of 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- taught {of} God.[ql

of 2315 # theopneustos {theh-op'-nyoo-stos}; from 2316 and a presumed derivative of 4154; divinely breathed in: -- given by inspiration {of} God.[ql

of 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- worshipper {of} God.[ql

of 2319 # theostuges {theh-os-too-gace'}; from 2316 and the base of 4767; hateful to God, i.e. impious: -- hater {of} God.[ql

of 5377 # philotheos {fil-oth'-eh-os}; from 5384 and 2316; fond of God, i.e. pious: -- lover {of} God.[ql

taught 2312 # theodidaktos {theh-od-id'-ak-tos}; from 2316 and 1321; divinely instructed: -- {taught} of God.[ql

Theophilus 2321 # Theophilos {theh-of'-il-os}; from 2316 and 5384; friend of God; Theophilus, a Christian: -- {Theophilus}.[ql

Timotheus 5095 # Timotheos {tee-moth'-eh-os}; from 5092 and 2316; dear to God; Timotheus, a Christian: -- {Timotheus}, Timothy.[ql

Timothy 5095 # Timotheos {tee-moth'-eh-os}; from 5092 and 2316; dear to God; Timotheus, a Christian: -- Timotheus, {Timothy}.[ql

to 2314 # theomachos {theh-om'-akh-os}; from 2316 and 3164; an opponent of deity: -- {to} fight against God.[ql

without 0112 # atheos {ath'-eh-os}; from 1 (as a negative particle) and 2316; godless: -- {without} God.[ql

worshipper 2318 # theosebes {theh-os-eb-ace'}; from 2316 and 4576; reverent of God, i.e. pious: -- {worshipper} of God.[ql

~~~~~~
~~~~~~

2316. Cross Reference Study

2316.

2316 theos * exceeding , {2316 theos } , 3029 lian , 4036 perilupos , 4970 sphodra , 5228 huper , 5235 huperballo , 5236 huperbole , 5248 huperperisseuo , 5250 huperpleonazo ,

2316 theos * god , 0112 atheos , 1096 ginomai , 2312 theodidaktos and 2312 theologos , 2313 theomacheo , 2314 theomachos , 2315 theopneustos , {2316 theos } , 2318 theosebes , 2319 theostuges , 2962 kurios , 5377 philotheos , 5537 chrematizo ,

2316 theos * godly , 2123 eukopoteros , 2152 eusebes , 2153 eusebos , {2316 theos } ,

2316 theos * gods , 1140 daimonion , {2316 theos } ,

~~~~~~
~~~~~~